



مبد حقوق كتابت، ترمبه، بشرع ، بحق الفظ با محفوظ بن نام كتاب ______ البودادر سيمان بن الشعت البستان بين مصنف _____ ابودادر سيمان بن الشعت البستان بين مشرح ____ مبنى بَر بذل المجدواز علام خليل حريه البودي ينظ مشرح مثارح ____ بين المحدد المت في هم المال ولهوم الموادي بيند مترجم مثارح ____ بين الحدث الموادي الموادية الموادية بين الموادية الم

فضرل لعبود مضرح اردوسنن ابی داؤد شربیت (جسلد دابع) فهسرست مندرجات

| | | مهمسرسب مبد | • | |
|--|-------|---------------------------|--------|-----------------------------|
| عنوان صفخ | صفخر | عنوات | صغى | عنوان |
| مور ک و م کے بال کا منا سے | | حرات اور مز ولی | اد ا | كتابالجه |
| پندیده زنگ کے گھوڈے ۲۸ | ľ | ارشا دِخداً وندى بلاكت مي | 1. | ہجرت |
| البنديده گھوڑے ٢٩ | | رمی تعینی تیراندازی | ۲ | كيابجرت منقطع بوحكي ؟ |
| چ بادیں کی دیکھیے تھال 80 | | جہا دسے دنیاطلبی | ۴ | ت شام میں سکونت |
| منزيوں براُنزيا ٥٢ | | اعلائے کمہ الحق کے لئے نظ | 4 | دوام جب د |
| گھوڑدں کا اکرام وارتباط ۳۳ | | شهب دت | 4 | جها د کا توا ب |
| گھنٹیاں ' مالٹ | | شهبدكي فضليت | 4 | اتمت كى ساحت جها د |
| غلاظت خرما تورمبسواری ۵۵ | | شهدي تبريحهاس تور | . 4 | غزوه سے والسی |
| سواری کا نام رکھنا میں اس | ساله | جها ديس أحرت | ٨ | ابل دوم سے قبال ' |
| التُّسَكِ سَمْ مِسواردُ سوار سِوجادٌ ۵۲ | 40 | اس أجرت كا اعازت | 9 | بجري حببك |
| ما زرون برلینت کی ممانیت ۵۰ این میرین میرین | | ا حرت رجها دکرنے وا | 17 | <i>کافیز کاتن</i> ل |
| حا نورون کو ما ہم اطابات ۸۵ | 1 | والدين كى البنديد كى ك او | 10 | محابدي عورتون كى حرمت |
| عانورون كوداغ نسكان ۵۸ | 149 | محابدخواتين | ر 10 . | غنيت ماسل مترسوا لانشك |
| کرھے کو گھوڑی سے ملانا م | | طالم حکام کے خلات ج | 14 | وُكرِ الْہِي |
| سواری مراکراس برخیده منا ۲۰ | | دوست كى سوارى تعمال | 14 2 | <i>جوجالتِغزایی مرحا</i> یے |
| کوتل سواری ا | | احراد زننیت در نول کاطا | 14 | جها وکی تیاری |
| تنردنداری ۲۲ | l | ح اني مان مداكيل بيح ط | | را و فدایس بهره داری |
| گهور دور رید الهام ۲۵ | | اسلام لاتيمي راوضاس | | جہا وترک کرنے کی کراہیت |
| پیدل دور ۱۷ مختله ۲۷ | | اینه می تنهار سے مرا | יז | نفيرعام اورنفيرخاص |
| مختل توارکوسونے عیاندی سے مندھنا 19 | | ریشمن سے ملرعبطرکے وقد | | مبادک طرف سے کان عمل بر |
| والووع في المناع | لب ۲۸ | فداسے شہادت کا ملا | tr. | ا مزری بنا پرجها دسے تھست |
| | | | | |

| عنوان صفح | صعخر | عتوان | صعحر | عنوان |
|---|-------|--|------------|---------------------------------|
| یدی کوندید کے کرھیوڈ نا | ; 94 | مشكن كراسلام كى دعوست | ٤٠ | مسحديس شيرلا نا |
| المعلم كالترش كالماتي والمعلم المالي | | جنگ میں خفنہ تدبی _ر | 41 | نتنگی تلوارلینا دینا |
| تيدارك مي حدائي اها | 1 | يشنجول | 41 | زره بینها |
| ابغون مي تفريق كاحازت ١٥٢ | 1.1 | مشكين سيكس بات يرقبال مركل | 44 | حيوث شري حنيات |
| منيت بني سلمان الرسي أنيوالامال ١٥٣ | ت ۱۰۴ | سحبث يم بيسير شخ يختل كالما | س ۷ | کمزودول کی وجرسے فتح کی دعا |
| شكن كيوعلم سلالول سے أمليس ١٥١ | - 1-4 | معركة حبك سيمتيطي عيرا | 44 | حبك مي شيعار ريجار إ |
| سرزين اعدايس طعام ماج ١٥٦ | | تيدى حبے كفرنر مجبود كيا علك | 45 | سفرے دتت السان کیا کہے |
| باتعلَّت طعام كامور مي لوظ أرمنع ١٥٠ | ' | ومثمن كالمسلمان مأسوس | ,44 | رضت ہوتے دقت دعا |
| الركوب سيجاسوا طعام بيجنا | | ذقتی حاسوس | ۷٨ | سواد سوت وقت دعا |
| وسمن عرصار سيحمله ١١١ | ł | مبشامن حابسوس | 4^ | منزل بإنرتے وقت كيا كھے |
| الغِنبيت كي حريف كي شكيني ١٩٢ | | وتتن كيمقلبك كاستحب وتيت | ^- | سفر كے لئے كيا تدروه دن |
| معمولی مالنِ عنهیت کی چیری ۱۹۴ | | مقلبلے کے وقت فاتنی کامکم | ۸٠ | سفر کے لئے وال کربیار پرجا ، |
| الغنمية جلائے كعفورت ١١٥ | 1 | حنك من مخركا اطهارها بزي | M | التنهب سفر |
| لیسے ورکی پر دہ لوتی منعے ہے۔ ۱۲ | | كفًا دكى قيدسي آشف والا | ^ ۲ | م فرگرده کسی کوسربرا ه سناتے |
| با در مقتول كاسامات ل كودنيا ١٩٧ | | كىيىگاەيى چھىنے دالے | 11 | قران محبيرة تن كي علاقي سيايا |
| امام سے قال کوسلب منہ دنیا ۱۷۲ | | صف نبری | 1 ~ m | تشکرادیس فرگهده کی تعداد |
| سلب شخس نه نکالن ۱۷۴ | | مبارزت سينى مقالبطلبي | ^4 | روائي سفي شركون ودورت الأم |
| شدیدزهمی کوختم کرنے سرپسلب ۱۷۵ | 1 | مُثله کی ممالغیت | ^^ | وسمن كيمنثرون كوحبل نا |
| تقسيم نميت كے لعد آنے دالا ۱۷۶ | | عورتول <i>ربجوں کی</i> سل کی ممانعت قدر پر از ا | ^9 | حاسوسس بجينا |
| ورتُ اورغنام كمينة مالِ عنتميت ١٤٩ | 144 | وستمن كواك مي حبلنسك كسبت | 9- | راهین محیل کھانا ، دو دھ میں آ |
| ليامشك كوحقة دياجا سكتائي ١٨٢ | | تيدى كوبا ندهنا | 91 | گرِا ہوا تھیل کھا نا |
| گھوڑوں کا حقتہ ۱۸۳ | 100 | تدى كوارسيط ادرا قبال وم | 95 | كسى كاحانور ملإاحا زت نرووج |
| مال عنيمت مي فالتوحقير ۱۸۷ | 144 | تدى كوسلاك لاف يرجيبوركميا | 94 | اطاعت ، |
| تشكر مُن سَيِّدًا عُجَانِيلٍ فِي سَيْحُ كَانْعُلُ 191 | 124 | اسلام بنش كرنے تقبيل قدي كاقىل | 90 | انفهام پشکر |
| كياخس نفل سينيانكالا مانيكا ١٩٦ | 1 ' | قيدى كوبا ندھ ترفتل كرنا | 94 | وتنن سے ٹر بھیٹر کی تمنا رہ کرو |
| میرستال شکر بینمین لڑائے ۱۹۸ | 142 | ندیے کے بغیرتدی پیچان | 94 | مدبعط کے دقت دعا |

,

عنوان يحنوان صفخه عنوات صفح صقحه ياغنمت عال بزيزا إطال تعل مع ٢٠ فر سے امام کالنے نشخصول ا بعظر کمیری ایک حاعت کی طرف سے الاتم كاعيدگاه من قرما في كرنا 4-5 قربابي كاكومنتث جميع ركصنا ي امام كى نيا دليا میک فیزحب وریثمن مل عاتے ۲۰۹ 4.0 YON موشخص کوئی شے وقف کرے وببحد سيرمى 404 ا مام اوردشمن نیرعهس 4.6 مساقرکاقرابی دنیا مست كى طرف سے مندتہ 404 Y.A صدقه کی دھتیت کے ببنیرمرنے عورت کی ۱ ما ن الل كما ب ك ذبيج 100 11-بیٹ کے بھے کی ذکات والحاكم طرن سيصدقه 140 وتتمن يسيصلح 411 مقروض متيت كى طرف تصريطيلى ٢١٣ وه كوسشت حس سر الله تعالى 14-كت بالفرائفن كانام لينے كاعلم نہ ہو 149 272 فزاتف كتعليم مدد كا ترما في كسليخ بسير كالخفيظين ٢٠٠ منی کے بعدد اسی کا ا ذات 410 444 كلاله عقيقه 714 KY لبتارت ديني والول كوهبيا 770 حب كا أدلاد نه سيو مكريب نين مهول ٣١٨ 444 444 صنكبي أولاد كى ميات فشكاد دعنره كمدنت كتادكها 119 دعاكي ليت المحواثطانا 744 444 دادی اور نانی کی میرات رات كونكمر آما سدھائے ہوئے کتوں سے شکار TYF 449 479 آنے والول كوما برجا كرملما زنره ما ذريسيكاڻا بو اگوشت متذكي ميان 119 277 7 -شكاركا بيجهاكرنا عصبه كى ميراث غرسے واسپی بر نمانہ T9-40 اسه ذ *دی الارحا مر*کی میارث سمكرنے دائے كامعاقب ٢٣٢ 494 740 لعان كرنے والى كىلىنے كى ميرات ٢٣٢ غزوه کمیں تحارت 497 كيامسلان كافركا وارث موسكة سي ٢٣٣ رزمن اعداً میں تیام مال کے کتنے حصتے میں دھیت ت صالطتحايا ولاع 49m] 444 حکسی کے لمحقرِ ایمان لائے رز مانی و احد کرنے کے چکا کا ۲۳۷ صحت س صدوة كالفنلرت 494 ولأكى فروخت وصتت مس لقصان مينحانا ٣٢. ٠٩٢ عربيرا واذنكا فاورهيرمائ ١٢٦ والدمن واقرما كم يستوسين يتحب قربانان 441 ميران عقدكى مراث رحم سيمنسوى الهما وارف كرائ ومست منع ب وتربا بنيون كيحا تزعمر 7~~ يتيكاوني كي عال سي اليسكاب مكروه وترما بنيال حلعت 200 474

مسمح عنوات صفحه عنوات ورت بين شوبر كفون بعالى آرث ٢٨٦ مرزمین نمین كتاب الخراج جزيرة عرب سي مودكا احراج مهم مرنع دالے کے پیش تخب بات حیت ٢٣٢ الام كافت المامك بزور تشمشير فتوحرار عنى كادفت امهم 774 ۵.۳ إ ما رت طلب كرنا ۲۲۸ MMY 4.0 نابنيا كوحاكم سبانا لأللم وانالسراحعون كبنا 449 4.0 477 70. 149 0.0 متبت مے یاس قراءت 401 عرافتت 8.4 كأتب مقرركرنا 40- } مصيبت كروتت سطفها mam امام كامشركن سے برب ليا صدقه کی وصولی ۳۵۲ 000 8-2 ادامنی کی حاکمیرس فليغركا تقرر 700 C 49 0.9 غرملوكارمني كالادكارى ~<1 704 01. 460 خراحي زمين من د اصل بونا 701 011 مخفيض حيالكاه ميت كركود الوكيليكان بكانا مهاه ~<4 74. رعا با كينتعلق المم كي فران ١١٣ ركازلعني مدفن خزاية W4.A 010 442 740 822 241 أخرى زمارنس في كاحقه ٢١٦ سرمى 0 YM سمارى اسفرس نسك عمولات مل كاد م عطاكو مدون كرنا 244 DYA رسول ماک کے خاص اموال نے ۲۹۹ M14 ~^^ *****^^ 219 494 4.4 241 عادت کے دقت مرکفن کے۔ 4.9 271 متت کوا کے حکم سے دور مری حکم لیجا ا لنخاسشفا كالمحوء ۳۱۳ 7905 مرنے کی آدر وکرنے کی کامیت بنازجاره كصفس **44** 417 250 عورتون كح حنازه كي تيجيد حانا ٢٥٨ املا نك موت 479 ~9^ حنك لما كفت موت کے دقت غدا سےسن طن مارجازه مي شركت ك فضلت ١٩٣٨ D-1 777

| لیمیا ۲۳۹ فرکورار کرا ۸۹۸ کیشم مین بوتی ہے؟ ۵۹۸ | جازے کیجے آگ |
|---|-------------------------|
| يِعانا ١٧٠ دنسي كَ وَتَ مِن يَكُولُ وَمَا يُنْفُرُ ٥٠٠ حَان رَجِهِ رُهُ هُونُى مُنْمُ كُفّانا ١٩٥ | جنازه ومكيوكر فحط ريم |
| ن ۱۹۰ قرنے اس ذیج کرشک کرایت ۵۷۱ کفارسے میں کتنے صاف ہیں ۲۰۰ | جازے کے آگے جا |
| | جنازه حلدي لحمانا |
| عداری استربریتمبیر ۲۰۲ ندری کراسیت ۲۰۳ | كبياهام خودكشي كرينا |
| ۵۴۵ مرمی تجھنے کی کر اہیت ماما معصیت کی نذر یا ۲۰۴ | ك نماز بيرهات |
| 1 · /• • • 1 · /• / 1 | حدودي مرنع والحاك |
| | المحيوث بيكي تمازها |
| | مسحديمي بمادخيار |
| تَعْمِينَ ٥٥٠ مَمَّيت كَا هِي صفات بِيان كُرِنا ٥٠٠ ندد بورى كُرِنا ما ١٦٨ | طلوع دعزوب کے دفتہ |
| | حبازة رُجِكة وقت مم كها |
| ۵۵۵ عورتوں کی زیارت تبور ۵۰۹ غیرمند کم بیٹے میں ندر ۱۱۲ | جنا زئے تربکبیر |
| ا حائے ۵۵۷ قروں مرکز رئے تو کیا کھے ۵۸۰ اینے مال کے صد قد کی نذر ۱۱۹ | ما زهاره مي كيا ركب |
| | متبن کے گئے دعا |
| 1 | فترسم نماز |
| | سرزمن مشركتن مي |
| | والمصلمان بپرتمسر |
| | ایک قبر کیکی مُردیے |
| الله الله الله الله الله الله الله الله | كوركن بلرى يائے او |
| | مكيه سے برمبز كر |
| ١٢٥ امات كاست كالبيت ٩٠ كتاب البُيْقِع وَالْلِعالَة ١٢٩ | الحسار |
| ! * * 1 | لغش آنار تے دقسة |
| | کتنے نوگ اُتری |
| | مثنت كوتسرس آمار |
| ليفية دعا ٥٦٦ حضور كلى نشركسي سوتى تقتى مهو كالسؤو كلها فا ١٣٥٠ | قبركي أرتع دقت متيت |
| ١٣٥ بېترصورت بلي قستم توطن ١٩٥ نسود كوساتط كرن ١٣٥ | تبرگېري کھودنا |

| صفخر | عنوان | صفخر | عنوان | صفخر | عنوان |
|-------|-----------------------------|-------------|--|---------|-------------------------------|
| 471 | شراب ا درمردا رکی قتمت | 404 | كت ب اللجاره | 424 | بع سي سم كى كراست |
| 44 | متهنه سي بيلي طعام كي بيع | | معلم كاكسب | 42 | مزدوری لے کروزن کرا |
| 444 0 | وفرنه فروخت سيكي ولهوانه | 7 ^7 | طبيبول كى كما ئى | ے مہاد | ناپ مرمیز والو <i>ل کا</i> یے |
| ۷٣. | عمر بابن | 419 | حبام كاكسب | ٧ ٢٨٠ | ترمن ميں شارت |
| 444 | بيع مي مشرط | 491 | لونڈوں کی کمائی | | قرض واكركيسي تاخير |
| 444 | غلام کی دشمه داری | 491 | انرکک محفتی | | بيع صرف |
| 200 | المبتعا ورخديدارس حتلات | 494 | کا بہن کی رسوت | • | حبرا وتعوار دراسم سيج |
| 4444 | شفعه | - | المقينار | | سونے جاندی کا جما کد لہ |
| 449 2 | دنوالبيك باسكسى كاموببوساما | 790 | فروخت كرده غلام ادرائك مال | ولم ۹۵۰ | حابوكاما بورسے ا وصادمها |
| < mr | رسن | 490 | تلقي | | لمعجورك سيطفحور |
| | أولاد كامال كهانا | | تخبن کی مما نغیت | 404 | ا مُزاسِبَ عرایا |
| | جوانیا مال کسی کے پیس بابے | 494 | بروى كاطرف شهرى ندبيج | 400 | عرايا |
| 1 ' | النيقف مسيح وصول كرا | 49~ | مفترات فريدن كم لعبذ البند كرنا | | ملاحبيت كياعار سفة |
| 1 | مديي فبول كزا | 4-1 | اختكادكى ممالغت | | مھیلوں کی بیتے |
| <44 | سبرس رحبع | 4.4 | دراهم توري | 44. | کئی سال کی بیع |
| 20. | حرورت اوری کرنے ہے مربے | س-> | ر ندخ مقرر کرنا | 441 | فریب کی بیچ |
| <0h | عمري | ۲-۲ | کھوٹ مان ^ا ، فرسب دینا س | 1 | مجبوری بیع |
| 46A | المرتبلي المرتبلي | ۷-۵ | خريدارا درمابغ كاخيار | 1 | ىشراكت |
| 209 | عارست كلهمين | • | ا قاله کی فضیات شد | 444 - | مفارب |
| 1 | عرکونی شے بگاڑے دہ اس | 4-9 | حربخض ایک سبع سی دوسودے کسے س | , | کسی کے ال کی ملاا جا رت تی |
| <4r { | کیشل کا ضامن | 41- | عبينه كالمعانفت | 774 - | دآس المال كالغيرشراكت |
| - | ومرسي كسي ككفيتي خوابري | 411 | بيع سلف بعني بيع سلم | 744 | مزادعت ر |
| 240 5 | كتاب القضا | 411 | حابخيعني أنتك تفنيسر | 444 | مالك كه احازت كے بغریجات |
| 240 | طلب تفنا | 414 | يا ن ردكن | 449 | مخابره |
| 440 | ا قاصی کی خسطا | 41 A | يذا تدباني بيجنبا | 4 4 1 | مس <i>ا</i> قات رپ |
| 444 | طلب قضا میں حبادی | 419 | تبی، کتے کی فتیت | 700 | تخبينه |

، عنوان كتاب الاطعيد دمنوت كمحمدا بهيت 449 حكام كوستحف 449 101 نكاح كا وليمه 44. MI مسفرسے واسی رکھاناکھلانا مات دسرا ناادر دهیرج سے کینا ۱۵۸ 22 N فالمن حسفطي كالتدمن تعبيلهمير مبمان نوازی 449 فتوئى دينيس حتياط XYY 114 ولنمه كتنے وائستحب سيسے على وكنے كى كراميت التحصيلانے كى تعليت ١٨٨ وتتيون بين فيصله 44N 44 قف مي اجها وركت متى مراسلسے روات كرنا منهانت 240 746 غيرالتدي خاطرطلب علم مهمان کےسنتے دوہرسیے 171 444 كأمال كمهانا ~ 22 44 4 فخ دمقا لبرسے کھانا کھلانا کہ ولالمي كيا وو دمقديس سركي ٢٤٩ ~10 حب وعوت مي كني مكر قره كالم ١٨٨٨ ھوٹی گواہی 170 4. حب نمازا در کھانا دونوں م 240 حا صر ہوں ۰۳۰ < 17 كهافيك وتت مائة دهونا ٨٤١ ووران سفروهست سردتی کی ایم کام ١٣١ كهان سي يل لم تقده والماء عام كرجب كريس كواه ك مارت كالمع م ١٨٥ وا ذی ادر منزاب کے برتن 174 محصانے کی ندشت کی کراہیت سریر مین اورشا بد کے ساتھ تعمیلہ ۸۸۸ مخلوط جزوں کی نبیتر سهم كفاني براحتماع نبيذكا بياك دوشخاص کا دعوی میں سٹھا دت سام 777 1 كهاني ريسم التدرطيط شهدى ستراب 490 200 نبيذ حب گاڑھى سومات سهارا سگاکرکھا تا 149 494 144 يها بيان كے اُور اُدير سيے كھا آ کھڑے ہوکر بینا ، مشک ذمى كيسے صلعت انتھائے 491 ابنيح تريشم كمكانا ۸۵. کے منہسے بینا 499 یا له کی تونی ملک سے بینا مقروض كوقيدس والما 101 ۸۰۰ والتي لم تقسيمكما نا وكالست MAH سونے میا ندی کے برتن میں بیٹا 1.4 كوشت،كدد، شريد كهانا راستے کی حیوڈ ائی ملهجة أدرمرتن كصبعته سينا Mar 1-Y کھلنے یزاک بھیں چڑھا نا سم كتأب العلى ٨٠٠ منشروب مي ميونك مادنا 404 علم كى فضلت دوده الي كركي كمي غدا طست خررجا ندر کا گوشت) 100 A.4 رتن فرهائك الم كن ب كى حديث كى روات م ادر دو دھ 104

| صقحر | عنوان | عمر | عنوان مر | صفخير | عنوان |
|-----------|----------------------|------------|-----------------------------------|--------|---------------------------|
| l | فادم كا آ قا كے ساتھ | 9 | مجبور شخص كالمردار كهانا | | كھوڑے كاكوشت |
| 914 | رومال | 9.4 | دوتسم كے كھانے حميے كرنا | 1 | خركزش كاكوشت كه ه كاكوش |
| | کھلنے کے لعبدالشان | 9-4 | بنيروك ركه لهن | 19- | سرخاب كاكوسشت |
| | كھاكيہ لم تقر دھونا | 9-4 | کھیجور | 191 | وحشرات الارض كوكها با |
| اسر | حس کے اِس کھا اُ کھ | 9-9 | کھیجور اہلکت بے رزن انعال کرنا | 194 | بتحوكو كصا ما |
| | المرس نے کے وہ | 91- | سمت رىحا نور | 19M. | ورندون كا كوشت |
| | بمحبوه کھحجور | 911 | چوا اگر تھی میں جا طرسے | 197 | كمر الوكده كاكوشت |
| تحرميم كر | حن حبي ندو ن کا | 911 | کھا نے می کتھی جا بڑے | | طنريان كهانا |
| 917 | نزكورينهي | 911 | مرحان والانقمه | 199 il | مرکرنترتی ہوگی کھیلی کھیا |
| <u> </u> | | | | | |

بِسُواللهِ الرَّحُمٰنِ الرَّحِيْرِ.

آوٌ لُكِنَابِ الْجِهَادِ

اس میں انگیاب اور ااس مدیثیں ہیں۔

باب ماجاء في الهجرة

عدم الدُّهُ مِن عَن عَطَاء بَن يَزِيدَ مَن أَنْ الْفَضْلِ أَنَا بُو الْوَلِيْ بِي بَعْنِ ابْنِ مُسْلِعِ عَن الْأَوْلَاعِيّ عن الدُّهُ مِن عَن عَطَاء بَن يَزِيدَ مَ عَن الْمِهِ جَرَة وَفَعَالَ وَيُعَدَى إِنَّ شَانَ الْهِ جَرَة سَنَا النَّبِي صَلَى اللهُ عَن الْمِه جَرَة وَفَعَالَ وَيُعَلَى إِنَّ شَانَ الْهِ جَرَة سَنَا اللهِ عَن الْمُهُ عَن الْمُه جَرَة وَفَعَالَ وَيُعَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَمُونَ اللهُ عَمُونَ اللهُ عَمُونَ اللهُ عَمُونَ اللهُ عَمُونَ عَمَالَ فَاعْمَلُ مِن اللهُ عَمُونَ اللهُ عَمُونَ عَمَالَ فَاللهُ اللهُ الله

آبوسغید نورکی مست دوایت ہے کہ ایک اعرابی نے بی صلی الطرعلیہ وسلم سے ہجرت کے سعلق یوچی تواہد نے فرمایا: ترا بدلا ہو ہجرت کا معاملہ سخت ہے۔ ہوکیا تیرے کہ اونٹ ہیں؟ اس نے کہا ہاں و ما یا کیا توان کی ڈکو اونٹ ہیں؟ اس نے کہا کہ ہاں و ما یا کیا توان کی ڈکو اونٹ ہیں؟ اس نے کہا کہ ہاں و ما یا کیا توان کی ڈکو اونٹ ہیں؟ اس نے کہا کہ ہار کے اواب ہا ہے گاگوتو آبادی سے دوربستا ہو۔ اس سے بہتہ جلا کہ دسماری ہستم، نسانی بعنی تونیت سے ہی مہا جر کا لواب باے گاگوتو آبادی سے دوربستا ہو۔ اس سے بہتہ جلا کہ ہجرت ان کے لیے ہے جن میں اس کی طافت ہو اول اس کے شدائد ہر داشت کرسکیں۔ حضولانے بدریز وحی معلوم ہمرک کیتے ہیں۔ کردیا تقاکریو شخص اس کی استطاعت منہیں دکھتا۔ مجارسی مراویہاں اب تیاں ہیں۔ بھڑو قصیے اور شہر کو بھی کہتے ہیں۔ کردیا تقاکریو شخص اس کی استطاعت منہیں دکھتا۔ مجارسی مراویہاں اب تیاں ہیں۔ بھڑو قصیے اور شہر کو بھی کہتے ہیں۔

١٢٤٨ - حَمَّا ثَنَاعُهُمَا ثُنَ وَابُونِكُوا بِنَا إِنِي شَيْبَةَ قَالاَنَا شَرِيْكَ عَنِ الْمِقْلَ المِرَ أَ ابْنِ شُنَة بِجِعَنْ آبِيْهِ قَالَ سَأَلَتُ عَاجِئَتُهُ عَنِ الْبَكَ اوَةِ فَقَالَتُ كَانَ رَسُولُ اللّهِ مَتْك

الله عكيُ مِوسَلَّوَ بَبُكُ وَإِلَى هَٰ مِهِ الشِّلَاعِ وَإِثَّنَ اَمَا اَ دَالْبَكَ اَوَةَ مَرَّةً فَا مُ سَلَ إِنَّ نَاقَةً لَا يَعْدُ اللهِ عَلَيْهِ الشِّلَاعِ وَإِثَّنَ اَمَا اَ دَالْبَكَ اوَةَ مَرَّةً فَا كَا سَلَ إِنَّ نَاقَةً لَا يَعْدُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُلِمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَ

مشر کے بن مانی نے حصرت عائشان سے صحوائی نہ ندگی سے متعلق بوجہا توا نعوں نے فرمایا کہ دسول اسٹر صلی التلہ علیہ دسلم ان صحوائی شاہد مسلم ان صحوائی شاہد کا اور آپ نے ایک مرتبہ صحوائی طرف مبانے کا اور و کیا تومیرے پاس ایک سوادی نہ کی گئی اونٹنی جمیعی اور فرما یا اسے عائشان اس کے ساتھ نرجی کہ ناکیونکہ ندمی جب میبزیس بھی ہواسے زینت و میتی ہے اور جس جیز سے بھی نہل جائے اسے عدیب وار کر دیتی ہے دہ مسلم ک

شرح : بداوة يا بداوة كامعنى ہے صحاديميں رم بنا تى الآع للدكى جمع ہے، شلے، صحادكى مبندياں جن كے نيچے سے يا نى بىنے كے نشانات ہموتے ہيں ۔ اللہ تعاسلے نے رسول اللہ صلى اللہ عليہ وسلم كو كفا رومنا فقين بم سختى كاحكم اسوقت و يا تقاحب ان كى شرار توں كا يانى مرسے كذرگيا جھنورا جو مكہ طبعًا شفيق ورحيم سفتے لهذا سختى كاحكم ملا ۔

بَابِ الْهِجُم وْهُلِ انْقَطَعَتْ بِومِي سِدِ الْمُعْدِي مِنْقِطِع بُومِي سِدِ اللهِ الْمُعْدِينِ مِنْقَطِع بُومِي سِدِ اللهِ المُعْلِمِينِ المُعْلِمِينِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ المِلْ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِي

٩ ٢٣٧ عَنْ حَرِيْزِعِبُ عَنْ الْمُوسِى الرَّانِ يُ الْكَاعِيسِى عَنْ حَرِيْزِعِبُ عَبْ الرَّانِ يُ الْكَاعِيسِ الدَّحْلِن بْنِ إِنْ عَوْفِ عَنْ اَبِى هِنْ مِ عَنْ مُعَاوِيَنَ قَالَ سَمِعْتُ رَسُولَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَكِيْبِ وَسَلَّوَ يَقُولُ لَا تَنْعَطِعُ الْهِ جُرَةُ كَتَّى تَنْفَظِعُ النَّوْبُدُ وَلاَ تَنْفَطِعُ النَّوْبُ تَحَتَّى تَطْلُعُ الشَّهُ مُن مَغْرِيها.

معاوید من نے کہاکہ میں نے دسول الترصلی التہ علیہ وسلم کو فرما تے شنا: حب نک توبر منقطع ہز ہو ہا ئے تب تک ہجرت منقطع منر ہو گا۔ تب تک ہجرت منقطع منر ہموگی ، ور توبراس وقت تک منقطع مز ہوگی حب تک بیٹور ج مغرب سے طلوع منز کر سے دراری ، نسائی

مشی هم بعضور کا رشاد : لا هِ جُن کهٔ کفت که نفت که به نقاضا ، کرتا ہے کہ فتح کد کے بعد بجرت کومنقطع سمجھا جائے، دوسری بعض احادیث اس کے نواف نظر آتی ہیں لہذا آبو واؤ دینے یہ باب لکھا اوراس ہیں دونوں سم کی احادیث درج کہیں بہلی سم کی احادیث کا مطلب یہ ہے کہ اس وقت جو مگہ سے مدینہ کو ہجرت فرص منتی وہ منقطع ہوگئی۔

خطابی نے کہ سے کہ بتدائے اسلام میں ہجرت مستحب تھی ہم فرص قرار دی گئی سورہ نساء آیت ۱۰۰ میں فرطا یا سے ۱۰۰ ورجوا لٹندکی راہ میں ہجرت کرسے گا وہ زمین میں ہڑی فراخی اور وسعت یا سے گا ۔ یہ آیت اس وقت التری حبکہ مسلما نوں ہو کئے ارسے اللہ وسلم مکہ سے مدینہ منتقل ہو سکئے اب صودی مسلما نوں ہو گئے اب صودی مسلما نوں کی ایک برخ میں مسلما نوں کی ایک برخ می تعدا وہ جب موجائے تاکہ دین کا علم ما مسل کرسنے سکے عملاہ ہب مکہ فتح ہوگیا تو ہو ہے۔ میں خوص ہجرت منقطع تھی اور مندوب باقی مکہ فتح ہوگیا تو ہجرت منقطع تھی اور مندوب باقی مدین میں خومی میں میں میں میں میں کہا ہم ہے ۔ حریز بن معمل سے ۔ حریز بن معمل رحی کو برخ میں اور اس کے فیز عبدالرحل بڑے بنی کو مجمول الحال کہا گیا ہے ۔

٢٨٨٠ حَدًّا ثَنَا عُنُمَا كُ بُنُ إِنْ شَبْبُدُ نَا جَرِيْرُ عَنْ مَنْصُورِ مِعَنْ مُجَاهِدٍ وَعَن

كَا وَسِ عَنِ ابْنِ عَبَّاسٍ قَالَ قَالَ رَسُولُ اللَّهِ مَسكَى اللَّهُ عَبَيْسِ وَسَكَّو يَوْمَ الفَتْحِ فَتْعِ

مَكَّةً لَاهِجُرَةً وَلِكِنْ جِهَا ذُونِيَّةً وَإِذَا اسْتُنْفِنْ تُهُمْ فَا نَفِي وا -

ا بن عباس مغنے کہاکہ فتح کہ کے دن رسول الندم ملی الندعلیہ وسلم نے فرمایا : اب کوئی ہجرت نہیں سکن ہما وا ورنیت باقی ہے اور عب نہیں جہا د کے لیے پکالا جائے تو پہلے آ ڈر موم طا کے علاوہ باقی کتب مدیث : نجا رتی ، مسلم ، تر ہی نسانی ، مسن احمد اور دار تی میں میرمروی ہے ؛

مضی جب نفیر عام ہو جائے۔ بخیر مسلموں کاکسی مسلم ملک یا علا نے پریجوم ہو جائے توان پر ہماد فرمن عین ہو

مجا تا ہے اور دوسرے مسلمان ان کی ہوتم کی مددکہ ہیں ماگروہ کو رسے ندا ترسکیں تو بھر درجہ بدرجہ سب علاقوں پراس طرح سے جہا و فرص عین ہوجائے گائی کہ دشمن کا ہجوم روکا جا سکے۔ سورہ نسا واورسورہ تو بہ و بخیر ہا میں ماسی اسکا موجود ہیں۔ والکفر بہی جب مسلمان تعذیب و فتنہ کا نشانہ بن جائیں اور کوئی داؤلاسلام موجود ہوتواں کر بجرت فرض ہے۔ حب اور بحرت کی نیت بھی باتی ہے کہ جب بھی صور دری ہوتو وطن اور مال و مذال تڑک کرنے پر مسلمان کا مادہ ہوجائیں۔ بجرت کے فقط کا تواب جہا واور نیت سے مل سکتا ہے۔ نیت تو ہر نیک عمل میں لازم ہے مگر جباد و تال کی فرمنیت کے کھی شرائط ہیں۔

قال کی فرمنیت کے کھی شرائط ہیں۔

١٨٨٨ حَكَى الله مُن عَدُرِ وَعِنْ مَا كُنُو وَعِنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ الْعَامِرُ قَالَ اللهُ الْعَامِرُ قَالَ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَ

المرن کهاکدایک آدمی عبرالند بن عرو کے پاس آیا ان کے پاس لوگ تھے پاس طرف گاکد مجھے کو گرجز آئے ہو آپ نے اس وال الشرصلی الشرعلیہ وسلم کوفر ماسے من اور عبرالٹ نے کہاکہ بیر نے دسول الشرصلی الشدعلیہ وسلم کوفر ماسے من اور مہا جو وہ ہے جو الشکی منع کردہ چبزوں سے بازر سے در تجادی اسلم وہ خبری ندمان اور یا تھ سے مسلمان سلم تعلی میں اور دہا جو وہ ہے جو الشکی منع کردہ چبزوں سے بازر سے دہستم وہ سے جو الشکی منع کردہ چبزوں سے بازر سے دہستم وہ سے جو الشکی مند کردہ چبزوں سے بازر میں بیان موئی ہیں قد بان سے جو ایسے عوز پر بیان موئی ہیں دو چیز بی اس اور ایسے عوز ہیں جو ایسی کہ اس کا بازی کہ اس کا اور یا تھ ہی بھی دو ایسی عوز ہیں جو ایسی کہ اس کا بازی کہ اس کا باتھ اور نہ بان مسلم انوں کی افریت سے بچے رہیں ۔ مہاجرہ الشد کے دین کی خاطر ترک وطن کرتا سے مگرافسلی مہاجرہ وہ ہے جو الشد کی خاطر مرمنوع چیز سے مگر اسلم کا استعبال کا دیت میں خدید سے دشتم ، توبیق وغیرہ سب واخل ہیں ۔ کا افریت میں خدید میں ماد بہت و خیر وسب واخل ہیں ۔ کا افریت میں خدید وسب واخل ہیں ۔ کا افریت میں خدید واضل ہیں ۔ کا افریت میں خدید واضل ہیں ۔ کا احتمال کی افریت میں خدید واضل ہیں ۔ کا افریت میں خدید واضل ہیں ۔ کا افریت میں خدید واضل ہیں۔ واضل ہیں ۔ کا افریت میں خدید واضل ہیں۔ واضل ہیں۔ واضل ہیں۔ کا افریت میں خدید واضل ہیں۔ واضل

باب في سُرِكُنَى ٱلشَّامِر

باب شام كالمونت من مراد كالمونت من من من المراد كالمونت من من المراد كالمراد كالمراد

فَتُنَادُةً عَنُ شَهْرِ بُنِ حَوُشَيِب عَنُ عَبُهِ اللهِ بُنِ عَهْرِ وَقَالَ سَمِعُتُ دَسُولَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ يُقُولُ سَتَكُولُ هِ جُرَةً بَعُدَ هِ بَجَرَةٍ فِيْ يَاكُ اَهْلِ الْاَثُ مِنَ الْزَمُّ هُومُكَ اجْدِدَ ابْرَاهِ يُحَوَّ يَبُنَى فِى الْاَرْضِ شِرَادُ اَهْلِهَا تَلْفِظُهُ مُ اَرُضُوهُ مُوتَفَّى دُهُ مُ ذَفِقُ التَّا وَتَعْشَرُهُ مُو الشَّارُمَ مَ الْقِرَدَةِ وَالْحَثَا زِيْدٍ.

عبداللہ بن مُروَّ نے فرما یاکہ میں نے رسول اللہ صلی اللہ علیہ دسلم کو فرما تے نسنا بعنقریب بجرت سے بعد ہجرت مو نوزمین والول میں سے بہترین لوگ وہ مہوں گے مجوا براہیم کی بجرت گاہ کوزبا رہ لازم کمپٹریں گئے اور فرمین میں اسم سے

مدبت منشاً بهات میں سے ہے۔ اس کاخفیقی مطلب صرف اسوقت طاہر ہو گاجبکہ اس میں بیان ہونے والی بیٹ کو تی

٣٨٨٠ حكًّا تَنْ حَبُوهُ بُنُ ثُمُدْيِحِ الْحَضْمَا فِي أَنَا بَقِيَةٌ كُمَّ ثَنِي بَعَيْرُعَن خَالِمٍ بَعْضِ (بْنَ مَعْمَا أَنَ عَلِي إِنْ وَتِبُكَةَ عَنِ أَنِي حَوْلِكَةَ فَالَ قَالَ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْدِ وَسَلَّمُ سَيُحِبُبُوالْاَمُولِالْ أَنْ تَكُونُواجُنُورَ الْجُنَّدَةُ الْجُنَّدَةُ جُنْدًا بِالشَّامِ وَجُنْدً بِالْمُن وَجُنْدً فِي ٱلْعِرَانِي فَالَ ابْنُ حَوَالَتُ خِرْ فِي يَا مَا مُسُولَ اللهِ إِنْ أَدُدَكُتُ ذَٰ لِكَ فَقَالَ عَكِينُ بِا لَشَّامٍ فَإِنَّهَا خِنْهَ اللَّهِ مِنْ ٱلْحِبِهِ يَجْتَبِى إِيُّهَا خِيْرِيْتُنَامِنْ عِبَادِهِ فَأَمَّا إِذَا بَيْكُو

فَعَلَبُكُوبِيمَنِكُو وَاسْ يَعُوا مِن عُكَا رِكُونَ فَإِنَّ اللَّهُ تَوَكَّلُ لِي إِللَّهُ المُرَاهُ لِهِ -

ا بن حواله بنے کہا کرجنا ب دسول الشرصلی الشرعلیہ وسلم نے فرمایا: اسلام کامعا ملرمیت دسیے گاحتی کہ تم منظم مخت نشکر بن مباؤے ایک نشکرشاممی، ایک نشکریمن میں اور ایک نشکر عراق میں، ابن حوالہ نے کہا کہ ، بارسول النار اگ میں وہ دفت یا وٰں قدیرے ہیے کو کُی حَکُریِند قرما نبیہ تورسول ایٹد مسلی اسٹدعلیہ دستم نے فرما یا: تجدیر شام لازم ہو گی کمیونکہ ده السُّرى زمين مي سياسى برگذيده سبّ السُّرتعالى اسى طرف البني بندول مي سي بهترين لوگون كوجيع كريگا لىكن اگرتم ايسا يؤكرونوغ ميرتهاراين لازم سيے اور اپنے حوضوں سے مبانوروں كو بانى بلاؤكيونكما لله تعاسف نے میرے میے شام اورال شام کی ومرداری لی ہے۔ (مسند احمد)

شہرے :مولائلٹنے فرما باکرابن ابی تنتیلہ کے بغظ م<u>ی ابن</u> کا بفظ زاید ہے گوسنن آبی داؤد کے سب تسخول اسی *طرح آبلہے* مافظ فنديب التهذيب من اس كانام الوقعتيل بتايا سے - بخارى كے نزد بك يه صحابى مقا . الوحاتم في اس سے ا نکارکیااور ابن حباتی نے اسے ثقہ تابعین میں ذکر کیا ہے مسندا حمد میں امام احمد نے اس سند کے علا وہ اپنی ورسند سے یہ *مدیث دوایت* کی ہے۔ اب حوالہ الا ڈوی کی گذیت ابو حوا ارمقی یا آبو تھی۔ رمیحا بی ت*قا ۔ نشام سے متعلق اس مدیث* میں مجی برگزریر و زمین کا تفظ آیاہے۔ قرآن نے سورہ منی اسرائیل میں : با دُکماِ حَوْ لِکا ارسا دفر مایا ہے۔ بربر ای درخیز و ننا داب اور ببیوں کی مسرزمین ہے۔ قربِ قبیامت میں ہی اہل انسلام ٹی اجتماع گاہ ہوگی. غیرر جمع کے غدر کر کی جس کا

معنیٰ جوہر یا تالاب ہے۔ رفظ کا مادّہ فدرہے، چونکہ شدید حاجبت کے وقت پر حوص نوشک ہو مباتے تھے اس لیے انہیں فد کیے کہاگیا ہے۔ اس حدیث کے مضمون کا تعلق بھی کسی آئندہ وقت سکے نسا تقسیم جس کے آنے کی اب علامات ظاہر ہور می ہیں۔

كابىك فى دُوْ اوراكْجهاد يرباب دوام جادي ہے۔

٢٢٨٨ - حَكَّانَكُنَّا مُوْسَى بُنُ إِسْمِعِيُلَ مَا حَتَّا ذُعَنَ تَتَادَةً عَنْ مُطُوبٍ عَنْ عَمَا وَعَنَ مُطُوبٍ عَنْ عِمْرَانَ بَنِ حَصَّيْنِ فَالَ فَالَ وَسُولُ اللهِ مَسْكَى اللهُ عَلَيْمِ وَسَنَّكُولاَ يَوَلَّ عَلَى أَلَ كَالْ وَسُولُ اللهِ مَسْكَى اللهُ عَلَيْمِ وَسَنَّكُولاَ يَوَلَّ عَلَى أَلَ عَلَى مَنْ الوَاهُ مُوحَتَّى يَفَا تِلَ الْحِكُوفَةُمُ الْمُسِبَعِ مِنْ أُمَّ فِي مُنْ أَمَّا فِي مُنْ أَلَا عَلَى أَلِي عَلَى مَنْ الوَاهُ مُوحَتَّى يَفَا تِلَ الْحِكُوفَةُمُ الْمُسِبَعِ اللهُ تَعَالَى اللهُ مَنْ الْوَاهُ مُوحَتَّى يَفَا تِلَ الْحِكُوفَةُمُ الْمُسِبَعِ اللهُ ا

علان بعصین فنے کہ کہ جنا ب رسول اللہ صلی اللہ وسلم نے فرمایا بمیری امّت کا کوئی برکوئی گروہ حق پر
قدال کرتا رہے گا ، اپنے مخا نفول پر غالب دیے گا حتی کہ ان میں سے ہ خری حقہ مسے د مبال سے قدال کرے گا ۔
شہرے: خطابی نے کہ اس مدب سے جا دے کہ می منقطع نہ ہونے کا فہوت ملتا ہے۔ اور یہ معقول بات ہے کہ ان شہرے کا مختل کے سامت میں اس سے یہ لازم آیا کہ کفا رسے جماد کرنا جس طرح اٹر عدل کے سامتہ موکر واجب ہے۔ اور یہ کہ ان کا مجد کو جہاد میں اور معقول واجب سے اسی طرح اٹر عدل کے سامتہ موکر واجب ہے۔ اور یہ کہ ان کا مجد کو جہاد میں اور دیکہ اسی قدم کے اجتماعی اسلامی کا موں میں ۔ مثل مجمد عدیدین ، تعلیم و میں وی بروہ جماعت جو محفل ملتہ اطراف عالم اسلام میں کہ میں نہ کہ میں موجود دیا ہے اور انشاء اللہ تعالی رسیم کا جمد ان کی ہروہ جماعت جو محفل ملتہ اطراف عالم اسلام میں کہ ہی موجود دیا ہے اور انشاء اللہ تعالی رسیم کا جمد ان کی ہروہ جماعت جو محفل ملتہ اللہ کے لیے آسے گے وہ اس مل نفر میں شامل ہوگی۔

بَا بُ فِي نُوَابِ الرِّجهَ الِهِ تُوابِ جِهاد كابابِ

مهم ۱ حكا تَنَا اَبُواْ لَولِبُ وِالصَّلِيَا لِمِنَى السَّلِيمَا لُن اَن كَنْ اَلدُّهُمْ تَى عَن عَطَاءِ اِن الرِيْدَ اللهِ عَن اللهِ عَلَى اللهِ عَن اللهِ عَلَى اللهِ عَلْ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَيْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ ال

 $ar{ t B}$ ${ar t B}$ ${ar$

بَابِ النَّهِيُ عَنِ السِّبَاحَيْ

سیاحت سے نہی کاباب۔

٧٨٨٧ حَكَا ثَنَا مُحَكَّدُ بُنَ عُتُمَانَ التَّنُونَى نَاالْهَيْتُمُونَى كَبَيْدٍ الْحَبَوْ الْعَلَامُ الْمَكْمُ اللهُ عَنْ الْمَامَدُ اَنَ وَحَجَلًا فَالْكِرُ الْعَلَامُ اللهُ الْحَادِثِ عَنِ الْقَاسِمِ بَنِ اَ فِي عَبْدِ الرَّحُمِنِ عَنْ اَ فِي الْمَامَدُ اَنَ وَحَجَلًا فَالْكِرُونُولَ اللهُ عَلَيْهِ وَمُنَانَ فِي إِلْقِياحَةِ فَالَ النَّيْجُ مَلَى اللهُ عَلَيْمُ وَسَلَّو اِنَّ سِيَاحَةً المَّرِى الْهِ عَلَى اللهُ عَلَيْمُ وَسَلَّى اللهُ عَلَيْمُ وَسَلَّى اللهُ عَلَيْمُ اللهُ عَلَيْمُ وَسَلَّى اللهُ عَلَيْمُ وَاللَّهُ عَلَيْمُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ عَلَيْمُ اللهُ عَلَيْمُ وَاللَّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْمُ وَاللّهُ وَاللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْمُ وَاللّهُ وَاللّهُ عَلَيْمُ وَاللّهُ وَاللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْمُ واللّهُ وَاللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى الللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْمُ وَاللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْمُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْمُ وَاللّهُ عَلَيْمُ وَاللّهُ عَلَيْمُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْمُ وَاللّهُ عَلَيْمُ وَاللّهُ عَلَيْمُ وَاللّهُ عَلَيْمُ وَاللّهُ عَلَيْمُ وَاللّهُ عَلَيْمُ واللّهُ عَلَيْمُ وَاللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْمُ وَاللّهُ عَلَيْمُ عَلَيْمُ وَاللّهُ عَلَيْمُ وَاللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْمُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْمُ عَلَيْمُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْمُ عَلَى اللّهُ عَلَيْمُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَل

ا بوام مامیرم سے روایت سے کرایک اَ و می نے کہا : یا دسول انٹراک رجھے سیاحت کی اجازت و بیجے نبی صلی انٹرطیر وسلم نے فرمایا : میری امیٹ کی سیاحت ا نٹر تعالی کی لاہ میں جہا و سے ۔

مشی ہے :سیاحت سے اس شخص کی مراد آباد بول سے دور رمبنا اور جنگلوں میراؤں بن اقامت تھا، ظاہرہے کہ اس سے جمعہ اور جماعت کانٹرک لازم آبائے۔ بھراس سے علم کانٹرک اور اہل حقوق سے روگر دانی متی جہا دیمیشہ جاری رہے گا،اس میں ترک دطن ہی ہے، میر دسیاحت بھی ہے اور اعلائے کلمۃ المحق بھی ہے۔

بْإب فِي فَصْلِ لُقَفْلِ مِنَ ٱلغَنْو

عز وه میں واپسی کی فضیلت کا باب۔

كآبالجسياد

عدم مرح رحك أَنْ الْمُحَدِّقُى مَا عَلِيُّ بَنُ عَبَاشٍ عَن اللَّهُ فَي مَا عَلِيُّ بَنُ عَبَاشٍ عَن اللَّهُ ف حَبُولًا عَن أَبُنِ شَقِي عَنْ عَبُواللَّهِ هُوا بَنُ عَمُرٍ وعَنِ النَّبِي صَلَّى اللَّهُ عَكَيْسُمِ وَسَلَّو قَالَ قَفْلَةً كَغَنْرُونٍ -

عبدالشدين عمروشسے روايت ہے کہ جنا ہ رسول الشرملي الشرمليہ وسلم نے فرمايا: دائبي بھي غزوہ کي ماندہ ہے۔ منتوج : ملامہ خطابی سنے وايا کہ اس مديث کے دومعنی ہوسکتے ہیں: ایک بیرکہ حضورہ نے اس میں غزوہ سے فراعت کے بعد دطن کی والسبی مراولی ہے ۔ چونکہ مجا ہدا یک عظیمتی کر کے والس ہم تاہیں ہا اس صرر کا مدا واسپے جواس کی جدائی اور سے جنا وی جا بیا ہو سے جنا وی السبی اس صرر کا مدا واسپے جواس کی جدائی اور جہاد ہوا تاہے ، اور یہ اس سیاح خانری کی والسبی اس صرر کا مدا واسپے جواس کی جدائی اور جہاد ہوروا کی کی مورس میں انہیں بنجا تھا۔ دو سرامعنی پر سے کہ جبا ہرنے پہلی مرتب جس طرح مرک وطن کر سے جہاد کا داستہ اختیار کہا ہے۔ بعض وقعہ فوج کوایک جبکہ سے مہا کہ وہمر کو اختیار کیا ہے۔ بعض وقعہ فوج کوایک جبکہ سے مراد پر بلیانا ہی اس میں مراد دوبارہ و مہی ماستہ اختیار کر بازی اور کہ ہوں کہ ہوں

كالم فضل فتال الروم على غيره فرمن الأمرم و كالم مراية ومن و من الم المروم كانال كالمناب.

٨٨٨٠ حكى تَمَا عَبُ التَّرِي عَابِ بَنِ فَيْسِ بَنِ شَمَّاسٍ عَن اَبِيهِ عَن جَهِ بَنِ فَضَالَة عَن اَبِيهِ عَن جَهِ الْخَالَة عَن اَبِيهِ عَن جَهِ قَالَ اللَّهُ عَن اَبِيهِ عَن جَهِ قَالَ اللَّهُ عَن اَبِيهِ عَن جَهِ قَالَ اللَّهُ اللَّهُ عَن اَبِيهِ عَن جَهِ قَالَ اللَّهُ اللَّهُ عَنَ اللَّهُ عَنَ اللَّهُ عَلَيْهِ قَالَ عَلَى اللَّهُ عَنَ اللَّهُ عَلَيْهِ قَالَ اللَّهُ عَلَيْهِ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ قَالَ اللَّهُ عَنَ اللَّهُ عَنَ اللَّهُ عَنَ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَنَ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلْ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُلُّ الْمُلْ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ الْمُلُلُ الْمُلْ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ الْمُلْ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُلْ الْمُلْ اللَّهُ الْمُلْ الْمُلْ اللَّهُ الْمُلْ الْمُلْ اللَّهُ الْمُلْ الْمُلْ اللَّهُ الْمُلُلُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُلْ اللَّهُ الْمُلْ الْمُلْ اللَّهُ الْمُلْ الْمُلْ الْمُلْ الْمُلْلُ الْمُلِلِ اللْمُلْ الْمُلْ الْمُلْ الْمُلْ الْمُلْ الْمُلْ الْمُلْ الْم

بَادِفِ فِي مُكُونِ الْبُحُرِ فِي الْغُرُونِ بري جنگ لايب مين

٢٣٨٩ - حَكَا تَنْ أَسَعِهُ كُ بُنُ مَنُصُورِنَا إِسْعِهُ لُ بُنُ زَكْرِيَّا عَنْ مُعَلِرَفِ عَنْ بِشَرِ أَبِى جُهُ اللهِ عَنْ بَشِهُ إِنِي مُسَالِعِ عَنْ عَبْدِهِ اللهِ بَنِ عَمْرِهِ فَالَ فَالَ دَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَكِيْمٍ وَسَلَّهُمَ لاَ يُرْكِبُ الْبَحُرُ إِلَّا حَابَّةُ اَ وُمُعْتَمِ وَاوَغَاذِى فِى سَبِيْلِ اللهِ فَإِنَّ تَحْتَ الْبَحُرِنَا مَرْ اوَتَحْتَ التَّارِ بَحْرًا -

عبدالٹدی، ورض نے فرایا کہ رسول الٹرصلی الٹرعلیہ وسلم کا ادران دہے، سمندری سفر صرف ماجی یاعرہ اوا کم نہالا یا نمازی فی سبیل الٹرکرے۔ کیونکہ سمندر کے نیچے آگ ہے اور آگ کے نیچے سمندر سہے۔ مشریح: فرطا ہی نے کہا کہ جس پر ج فرض ہوا ورسمندر کے واکو ٹی الستہ نہائے تو وہ سمندری سفرکر کے رجج کر سے ۔ بعنی سمندر کا حائل ہو نا شرعی مذر نہیں ہے۔ اس مدیث کی سندکو می ڈمین نے صنعیف کہا ہے۔ امام شافع ہے کہا کہ مجہ بہ یہ مسئلہ واضح نہیں کہ سمندری سفرکر کے بھی حج فرض ہے۔ سمندر کے نیچے آگ اور بھراس کے نیچے سمندر کی تاویل یہ کی گئی ہے کہ یہ دراصل سمندر کے معاطے کی سنگینی کا بیان ہے۔ اس مدیث کی سندمیں بشرابی عبداللہ کندی بتول

سمندرى منباك كي فضيلت كاباب.

و ۱۹۹۰ حکاً نَکُنَا سُکُمُانُ بُنُ وَاوَدِ العَتَبَىُّ نَاحَتَا ذَیْ بِعِنْ بَیْنِ مَنْ کَمْمُ بِنَ مَنْ کَمْمُ بِنَ مَنْ کَمْمُ بِنَ مَنْ الْمِن بَنِ مَالِمِ قَالَ کَمَّا تَتَبَيْ الْمُرَّ مُنْ لَا مُمْمَ كَلَاثُ وَكَالَ عَنْ مَا مُحْمَلِ اللهِ مَا اَضْحَكُ قَالَ عِنْ مَا هُمُ حَلَى اللهُ عَلَيْ وَسَلَّمَ قَالَ عِنْ مَا مُحْمَلِ فَالَ مَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ وَسَلَّمَ قَالَ مَا أَنْ مَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ

انس بن ما لکسے نے کہاکہ امسیم منکی بہن داورانس ماکی خالہ اُم حمام بنت ملی ان نے مجہ سے بیان کیا کہ دسول الٹلہ صلی الشرعلیہ وسلم ان کے بال دو بہر کوسوئے۔ ریے حصنوٹ کے نعط کی دشتہ دادوں میں سے تغیبی پس آپ جہنے ہوئے بدار ہوئے۔ ام حرام دسنے کہا کہ میں نے کہا یا دسول الٹر آپ کس بات پر سنستے ہیں ؟ حصنود موسنے فرا یا: میں نے ایک توم کو دیکی اجوسمن در کا سفر کر دہی تھی، گویا کہ تحتوں پر باوشاہ بیسے مہوں۔ ام حرام دخر کہ میں نے کہا یا دسول الٹر آپ کسی بات پر سنسلے کہا کہ میں نے کہا کہ حضول الٹر سے دعاء فرما ہی ۔ ام حرام مسنے کہا کہ میں نے کہا یا دسول الٹر دعاء فرما ہے کہ میں ان میں شامل مول ۔ آپ نے کہا یا دسول الٹر دعاء فرما ہے کہ میں ان میں شامل مول ۔ آپ نے نے کہا یا دسول الٹر دعاء فرما ہے کہ میں ان میں شامل مول ۔ آپ نے فرما یا تو پہلوں میں سے مول کی ۔ انس معنے کہا کہ میں جو سے اور میں سے مول کی ۔ انس معنے کہا کہ میں جو میں حداد میں صامت دعاء فرما ہے کہ میں ان میں مثامل مول ۔ آپ نے نوسے فرما ہے کہا کہ دور سے دعاء فرما ہے کہ میں ان میں مثامل مول ۔ آپ نے دما یا تو پہلوں میں سے مول کی ۔ انس معنے کہا کہ میں جو میں حداد میں صامت دعاء فرما سے نکاح کیا اور سمندری جنگ کی اور اُسے فرما یا تو پہلوں میں سے مول کے ۔ انس معنے کہا کہ میں جو میں صامت دعاء فرما سے نکاح کیا اور سمندری جنگ کی اور اُسے کے کہا یا دو سے نکاح کیا اور سے نکاح کیا اور سے نکارے کیا اور سے نکارے کیا وروز کے کہا کہ کیا ہوں کہ کیا ہوں کیا ہوں کیا ہوں کیا ہوں کیا ہوں کیا ہوں کیا ہونے کیا ہوں کیا ہوئی کیا ک

١٣٩٧ - كَمَّ ثَنَا يَجْبَى بَنُ مَعِيْنِ نَا هِ شَامُ أَبُن يُوسُكَ عَنْ مَعْمَرٍ عَنْ زَيْهِ بَنِ السُلَوْعَنُ عَطَاءِ بْنِ يَسَامٍ عَنْ أُخْتِ أُمِّر سُكَيْمِ الرَّمِيَّكِمَاءِ قَالَتُ نَامَ التَّرِيُّ صَلَّى اللهُ عَبَيْهِ وَسَلَّمَ فَاسْنَيْقَظُ وَكَانَتُ نَغْسِلُ مَ اسْهَا فَاسْنَبْقَظَ وَهُوبَ فِعَكُ فَقَالَتَ يَا رَسُولَ اللهِ اللهِ الصَّحَكُ مِنْ مَا سِمِى قَالَ لَا وَسَاقَ هٰ لَذَا الْحَبَرُ مَنِيْتُ الْوَصُلَ .

معطائبن بسارنے امّ سلیم مین گرمیصار دمنسے روایت کی انہوں نے کہاکہ دسول الشّر صلی الشّر علیہ وسلم سوکر اعظے اور بین تون اپنا سردھور ہی تقیں ، لیس جب آب اسطے تو سہنس دہے تھے ، اس نے کہا یا دسول الشّد کیا آپ میرسے سربر سہنس دسے ہیں ؟ فرمایا نہیں ۔ اور داوی نے کچر کمی بیشی کے ساتھ وہی مدیث بیان کی ۔ آبو واق دسنے کہا کہ رُم میصاء ام سلیم مین کی د دنیاعی ہیں تھیں ۔

مثنی سے : حدیث سے توبظام ہی معلوم ہو تاہے کہ <u>ترمیصا ،</u> وہی ام ج<u>ام ط</u>عنیں۔ گرابو واؤد کا ریجان ہے ہے *کوہ* ام سیم ^{من} کی رصناعی بہن تقیں۔ تبعض نے اس کا نام ام عبدالٹر نکھا سے جیے ا بن سعد نے صما بیات میں شماد کیا ہے۔ اس کا ذکرمعراج کی بعض اما و بیٹ میں بھی ہے۔

٣٩٩٣ ـ كَلَّاثُنَا مُحْتَدَى بَكَايِر الْعَيْشِى نَامَهُ وَانْ حَوَنَاعَبُهُ الْوَهَابِ بُنَ عَبُهِ الْعَهُ وَ الْعَيْشِى نَامَهُ وَانْ حَوَنَاعَبُهُ الْوَهَابِ بُنَ عَبُهِ الرَّهُ الْمَعُنِى قَالَ نَامَرُوَانُ نَا هِلَالُ بُنُ مَنْهُ وَ الرَّهُ لِيُ الْمَعُنَى قَالَ نَامَرُوَانُ نَا هِلَالُ بُنُ مَنْهُ وَ الرَّهُ اللَّهُ عَلَى بَا الرَّهُ اللَّهُ عَلَى بَا اللَّهُ عَلَى اللْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى اللَّهُ عَلَى اللْعَالِمُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى الْعَلَى الْعَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ

اُمْ حرام موسنے نبی صلی التُدعِلیہ وسلم سے روایت کی کہ حضور نے فرمایا کہ سمندر کا حب کا سرمیرائے اور تے آہائے امی کے بیے ایک شہید کا تواب ہے اور جوغرق ہوجائے اس کے بیے دو شہیدوں کا اجرہے رما نگا کو ہمیدسے سے حبس کا بفظی معنیٰ ہے کہکیا نا درزنامہ سمندر میں بعض توگوں کا سرجیکراتا اور تے آتی ہے۔ قرآن میں ہے ، وَاَ لُعَیٰ بی الْدُ رُضِ لَرَ کَالِیکَ اِنْ جَمِیْنَ بِکُشْدُ۔ 1 ورا تشد نے زمین میں پہاٹر ڈال دیے مہا داوہ ہمیں سے مرارزنے مگئی۔

٣٩٨٠ كَتَّا نَنْ الْمُعَلِّمُ اللَّهُ السَّلَامِ بُنُ عِنْ الْمُعْنِي اَا اَبُوْمِهُ هِي اَالِهُ مِعْنِى اَنْ عَبُواللهِ اَعْنِي اَلَهُ اللهِ عَنْ اَفِي اللهِ عَنْ اَفِي اللهِ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ وَجِلَ مَ جُلُ دَسُولِ اللهِ صَلَى اللهُ عَنَى وَسَلَّو عَلَى اللهِ عَنْ وَجِلَ مَ جُلُ اللهِ عَنْ وَجُلُ اللهُ عَلَى اللهِ عَنْ وَجُلُ اللهُ اللهِ عَنْ وَجُلُ اللهُ وَاللهِ اللهِ عَنْ وَاللهِ اللهِ عَنْ وَاللهِ اللهِ عَنْ وَجُلُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ وَعَلَى اللهُ الللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ

اُوْكُوكَة بِمَا نَالَ مِنْ اَجْرِوَغُنِيْمَةِ وَرَجُلُّ مَاسَم إِلَى الْمَسْجِيافَهُ وَضَامِنَ عَلَى اللهِ حَتَى يَتُوَفَّا هُ بَهُ نُ خِلَهُ الْجَنَّةُ اَوْكُرْدَة وَبِمَا نَالَ مِنْ اَجْرِوغِنِيْمَةِ وَرَجُلُّ دَحَلَ بَيْتَةَ بِسَلامٍ فَهُ وَضَامِنَ عَلَى اللهِ عَزَّوتَ بَلَ -

ا بوا مامہ باہلی شرسول الشمسلی الشرعلیہ وسلم سے دوایت کرتے ہیں۔ آپ نے فرمایا: ہمن آ دمیوں کی ذمہ داری ا تشد پر سے۔ پہلاوہ مرد حوالٹ کی لاہ میں جہا و وقتال کے سیانے نکلاتواس کی ضما نت الشد پر سبحتی کراسے و فات و سے کرجنت میں داخل کر دسے یااس کے ماصل کر دہ ٹواب اور غنیمت سمیت اُسے وا پس لوٹائے دو مراوہ جو سجہ کی طرف گیا توالٹ کے ذمراس کی ضما نت سبے کہ اسے موت دسے کر جنت میں داخل کر سے یا ٹواب اور غنیمت سمیت اسے واپس لائے۔ تمیر اوہ شخص جوسلام کے ساعترا بنے گھر میں داخل ہوا بس اس کی ضمانت تھی الشدعزوج ل پر سبے دبخاری مسلم، نسانی

مشیرے: خطا کی نے کہا کہ صنامن بمعنی مضمون دلینی فاعل بمعنی مفعول، ہے جیسے اللہ تعالی نے فرایا: فی عیشہ کے گاجنیة لینی میڈوٹیٹیۃ ۔اور پھیلنی میں گاچ کا فق ۔ بعنی مند نوق ۔ کلام عرب ہیں اس کی بہت سی مثالیں ہیں ۔اور بہرجو فرطایکہ: وہ اپنے گھریس مسلام کے مساتھ واضل ہوا، اس کا مطلب یا توبہ سبے کہ اہل خانہ پر سلام کہ کر اندر کیا جیسا کہ سورہ نؤر میں ہے: فاخ اَ دَ حَلَیْمٌ ' مُبِیُوْنَا فَسَوِ آعلیٰ انفیس کُرِ تِحِییَّتٌ مِنَ اللّٰہِ مُبُراد کُفَّ طَیِّبَتُ ۔ اور یا اس کا مطلب یہ ہے کہ فینے سے دور میں سلامتی سکے نویال سے خمانہ نشین رہا اور فینے سے بچار ہا لوگوں سے ایسا خلط ملط ہونا جس سے دنی نقصان ہواس کی نسبت تنہائی مرمؤب ومطلوب بشرع ہے ۔

بان فى فضل من قنل كافرار كافرار كافرار كافرار كافرار كافرار كافرار كافرار كالمراد كال

٥٩٩ - حَكَ نَنْكَا مُحَمَّدُهُ الصَّبَّاحِ الْكِزَّامُ نَا إِنْهِ لِيكُ يَعْنِى ابْنَ جَعْفَم عَنِ الْعَلَاءِ عَنَ اللهُ عَنَى اللهُ عَنَى اللهُ عَنَى اللهُ عَنَى اللهُ عَنَى اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَا عِلَا اللهُ عَلَى اللهُ عَلَا عَلَا اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَا اللهُ عَلَا اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَا اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَا عَلَا اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلِي اللّهُ عَلَمُ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَمُ اللهُ اللّهُ عَلَيْ ا

الوبرير وتعنف روايت كى كررسول الطرصلى الله عليه وسلم في فرمايا كراك مي كافرا وراس كافاتل كمبى المحضين بهول مي درستي المعضين بهول مي درستي المعربين الم

شمرے: اس قتل سے مرا ومیدان جها و کا تقل ہے۔ ایک روایت میں ہے، لاکھنٹر کا النّا بِاجْمَاعاً مَنْ النّا بِاجْمَاعا مُنْ اللّٰهِ اللّٰهِ عَالَى مُوْمَى فَتَلَ كَا مَلْ شُرَّدَ وَاللّٰهِ عَالَى مُؤْمِنَ فَتَلَ كَا مَلْ شُرَّدَ وَاللّٰهِ عَالَى مُؤْمِنَ فَتَلَ كَا مَلْ اللّٰهُ مَا يَكُونُ اللّٰهِ عَالَى مُؤْمِنَ فَتَلَ كَا مَا لَهُ مُؤْمِنَ فَي اللّٰهُ اللّٰهِ اللّٰ اللّٰهِ مِنْ كَا مُؤْمِنَ فَي اللّٰهِ اللّٰهِ اللّٰهُ اللّٰهِ اللّٰهُ اللّٰهِ اللّٰهِ اللّٰهِ اللّٰهِ اللّٰهِ اللّٰهُ كَاللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰ

یہ عبارت بذل المجود کے ماسٹے بہت اور آخر میں مکھا ہے کہ یہ عبارت ایک مفٹری نسنے میں سے جمعی کے

سنخ میں بھی میر عبارت ہے اور ماشیے میں لکھا ہے کہ مہندی نسخ میں بیرعبادت نہیں تھی. بظاہر یہ عبار س ہماں ہے جوڑ نظر آتی ہے۔

ت الجهاز

كإسبك في السّريّة وتُخفِق

غنيمت ماصل دركرنے والے لشكر كاباب

١٩٩٨ حكا نَكَ عَبُرُ اللهِ بَنَ عَمَرَ بَنِ مَبُسَرَة نَا عَبُكَ اللهِ بَنَ عَمَرَ بَنِ مَبُسَرَة نَا عَبُكَ اللهِ بَنَ عَبُولُ اللهِ بَنَ عَمَرَ اللهِ بَنَ عَبُوا لِرَحْمُنِ الْحَبُولُ اللهِ مَنَ اللهُ عَبُوا لِرَحْمُنِ الْحُبُولَ اللهُ عَلَى اللهُ عَبُوا لِرَحْمُنِ الْحُبُولَ اللهُ عَبُوا لِرَحْمُنِ الْحُبُولَ اللهُ عَبُوا لِللهِ بَنَ عَمُرو يَغُولُ عَالَ دَسُولُ اللهِ صَلّى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَمَ مَامِن عَانِ يَهُ وَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَمَ مَامِن عَانِ يَهِ تَعْنُولُ عَبُدُ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَمَ مَامِن عَانِ يَهِ اللهُ عَنْهُ وَلَا اللهِ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ الل

عبدالتُدبن عمرُوط كلتے تھے كەرسول التُدصلي التُدعليه وسلم نے فرما ياجو خاذى جماعت التُد كى او بين جماد كرے ا وروہ لوگ غنیت ماصل کریس تو انہوں لیے اٹے اٹروی ٹواب کا دو ٹلٹ (ﷺ) دنیا میں سے میا ور ٹیمیسا حقہ ما تى رەكيادىس اگروه غنيمت ىزىيىس توان كا تواب بورا بوكيا (مسلم، نساتى ابن اجر، مستداحمد) ملكمية : المم نووي مشن كماكر مدريث كا ميم معنى مير ب كر فازى جب سلامت ربس ا ورفنيمت بإيس توال كاثواب ا ن نوگوں کی نسبت کم مہو گا جوسلامت نہ رہے یا سلامت تور سے کم غنیرت نہ یا ئی۔ قامنی عیاض نے کئی فا سب ا قوال ذكركر نے كے بعد سي مطلب افتياركيا ہے۔ ان من سے ايف تول يہ سے كريد مدسيث مبحونهيں اوران كا اجرال غنیمت کے باعث گھٹنا جائز نہیں جیساکہ اہل برر نے مال غنیمت ماصل کیاتھا مگروہ افغنل المجا بہین تھے اور ان كى عنيمت سب سے افضل غنيمت على عياص نے كما سے كماس مديث كاراوى الويانى مجمول سے -اور ا منہوں نے گزشتہ مدمیث کونترجیح دی ہے حس میں آیا ہے کہ وہ امپراودغنیرت سے کروائیں آ ئے ۔انہوں نے اُس مدریث کوائس کے داولوں کی شہرت کے باعث ا ورصحیمین میں ہونے کے باعث ترجیح وی سے - اور برمادیث فقط مسلم میں ہے ۔ اور یہ قول کئی وجوہ سے باطل ہے، کیونکہ اُس صدیث میں اور اِس میں کوئی تعارض نہیں کیؤنک گزشتہ مدینٹ میں فقط ہے آیا ہے کہ وہ لوگ اجر وغنیمت ہے کروا بس آئے۔ اور یہ نہیں فرمایا کہ غنیمت کی وم سے ان کا اجر کم ہوگیایا نہیں ہوا۔ بن وہ مدبث مطلق ہے اور بیم تقید ہے بس اور کی مدیث کو اُس بیم مول کرا واجب ہے۔ابوہانی کومجھو ل کہنا ایک نیش غلطی ہے، وہ مشہور فحقہ ہے اور بہت سے ائر نے اِس سے روا بٹ کی ہے اور ئسی صدیب پیچوست کومیرلازم نهیس کیروه صعیحای میں مہویا ان میں سسے ایک میں بہو۔ رہا حباگ برر کی غنیرت کا معاملہ تواس بات کی کمیں صراحت بھیں کہ اگرانمیں عنیمت ند ملتی توان کا اجر نبیا وہ ند ہوتا، اوران کامغفور اور صنبی مونا یہ لازم نہیں کرتا کراس کے بعد فعنیات کے درجے حتم ہو گئے۔ الله تعالی عفور وقدر اورعظیم الفعنل سے

لان میں آپس میں بھی تو تفامنل ہا تفاق اہل مق موجود ہے۔صحابہ میں سے وہ کو ن ہے جوالوں بھرصدیق رہے کے مقام کو پہنچا تھا ئے ﴾

باعب في تَضْعِبُونِ الذِكْرِ فِي سَبِيُلِ اللَّهِ عَنَّ وَجَلَّ

ا للدتعالي كي لاه مي وكرك كئ كن بط صلي حال الدي ا

١٣٩٨ - كَلَّ تَنَا اَحْمَدُ اَنُ عَهْرُونِ السَّرْجِ الْمَانُ وَهُدِ عَن يَعَبَى بِنَ الْيُوبَ وَسَعِيْدِ اللهُ وَهُدِ عَن اللهُ عَنْ اللهُ عَلْمَ وَسَلَّمَ إِنَّ الصَّلُونَةُ وَالقِسَامُ وَالنِّي مُعَا عَنَ عَلَى اللهُ عَنْ وَسَلَّمَ إِنَّ الصَّلُونَةُ وَالقِسَامُ وَالنِّي مُعَا عَنْ عَلَى اللهُ عَنْ وَسَلَّمَ إِنَّ الصَّلُونَةُ وَالقِسَامُ وَالنِّي مُعَا عَنْ عَلَى اللهُ عَنْ وَجَلَّ اللهُ عَنْ وَجَلَّ اللهُ عَنْ وَجَلَّ اللهُ عَنْ وَجَلَّ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ وَجَلَّ اللهُ عَنْ وَحَلَ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ وَجَلَّ اللهُ عَنْ وَالقِسَامُ وَالنَّالُ وَاللهُ اللهُ وَالنِّي اللهُ عَنْ اللهُ عَلْمَ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ وَالنِي اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَالَ اللهُ عَلَى اللهُ عَا عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى

معافر بن انس نے کہاکردسول الٹدنسلی التُدعلیہ وسلم نے فرما یا نماندا ور دوندہ اور وکر الٹند کی داہ میں نفقہ کرنے پر سات سوگنا بڑھا سے مباتے ہیں زبعنی ان کا ثواب فداکی راہ میں خرج کمرنے سے بھی بہت زیادہ ہے۔ اس مدیث کی ایک روایت ہیں سات سو سے بجائے سات لاکھ کا لفظ بھی آیا ہے۔ یہ مدیث ضعیف ہے کیو نکراس کی سندمیں زبان بن فائد اور سہل دونوں ضعیف راوی ہیں

كاميك فيمن ما من غايراً يا باب بوقفس مائت غزايس مرجائه

٢٣٩٩ - حَكَّ ثَنَاعَبُكُ الْوَهَابِ بُنُ نَجُكُ لَا قَا بَقِيَّةُ بُنَ الْوَلِيْ لِ عَنِ ابْنِ

تُوْبَانَ عَنُ اَبِنِهِ بَهُ ثُو لَىٰ مَكُمُ وَلِ إِلَىٰ عَبُهِ الرَّحْلِينِ بَنِ عَنْجِ الْاَشْعِرا يَ اَنَّهُ مَلُ وَلِ اللَّهُ عَلَيْهِ الرَّحْلِينِ الْاَشْعَرا يَ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَتَعَ يَقُولُ مَنْ فَصَلَ فِي اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَتَعَ يَقُولُ مَنْ فَصَلَ فِي اللَّهُ عَلَيْهِ وَاللَّهُ عَنْهُ اللَّهُ عَلَيْهِ وَاللَّهُ عَنْهُ اللَّهُ عَلَيْهِ وَاللَّهُ عَنْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهِ وَاللَّهُ عَنْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهِ وَاللَّهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهِ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَلِي اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَلِي اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَالْمُعَلِّمُ وَالْمُعَلِيْدُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَالْمُعُلِمُ وَاللَّهُ وَالْمُعُلِمُ وَلَالْمُ وَلَاللَّهُ وَاللَّهُ وَالْمُعُلِمُ اللَّهُ وَالْمُعُلِمُ وَلَا الْمُعَلِمُ وَاللَّهُ وَالْمُعَالِمُ وَالْمُعُلِمُ وَالْمُعُلِمُ وَاللَّهُ وَالْمُعُلِمُ وَالْمُعُلِمُ وَالْمُعُلِمُ وَاللَّهُ وَالْمُعُلِمُ وَالْمُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَالْمُعُلِمُ وَاللَّهُ وَالْمُعُولُولُ اللْمُعُلِمُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَالْمُعُلِمُ اللْمُعَلِمُ اللْمُعُولُ اللَّهُ عَلَيْكُولُولُ اللَّهُ عَلَيْكُولُ اللْمُعُلِمُ اللَّهُ عَلَيْكُمُ اللَّهُ ع

ر س الجاد

ہے، یا وہ اپنے بستر رپر مبائے یا اللہ کی مرعنی سے جس سبب سے بھی مرجائے بس وہ شہید ہے اوداس سے سیے جستے ہے۔ ام<u>ن زر</u>ی نے کہا ہے کہ اس کی مندمیں بقیۃ اور نابت بن گوبان دونوں ضعیف میں ہبر صال حالت خواہیں مرحبا نا ایک برط ی فعرت اود نھیلت ہے ۔ اکو واقو اس صدیث ہر خاموش رہا ہے جس کا مطلب یہ ہے کہ صدیث اس سے نزدیک کسی نہ کسی درجے میں لائق اسسنا وصرورہے ۔

بأرق فضل الرّباط

جها د کی تیاری کی فضیلت کا باب۔

من مَنْ اللهِ اللهُ عَلَى اللهُ الل

نفدادبن عبریوسے دوایت ہے کردسول انٹرمسلی انٹرعلیہ دسلم نے فرایا: برمرنے واسے کاعلی حتم ہوجا تاہے سوائے مرا بطکے ۔ فرمایا کہ اس کاعمل قیامت کے بڑھتا رہتا سے اور قبر کی آزمایش سے تحفوظ دکھا جاتا ہے۔ در فری نے اسے دوایت کیا اور حسن معجم کہاہے ،

بَالِكِ فِي فَصَرُلِ الْحَرْسِ فِي سَبِيْلِ اللَّهِ عَنَّا وَجَلَّ

الطدعزومل كى داهمي بيره ديني كى نفنيلت كاباب .

١٠٥١ - كَمَّا ثَنَّا ٱبُوْ لَوُبَتَهُ لَا مُعَاوِيَةُ بَعْنِي أَبْنَ سَلَّامٍ عَنْ زَيْلٍ يَعْنِي أَبْنَ سَلَّامٍ اَنَّهُ سَمِعَ آبَاسَلُامِ فَالَ حَدَثَنِي السَّكُولِيُّ اَنَّهُ حَدَّ تَنْ صَهْلٌ بُنُ الْحَنْظِلِبَيْرِ أَنَّهُ مُوسَارُولً مَعَ رَسُولِ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَلِيْدِ وَسَنَّوَ يَوْمَرُكُنُ بِنِ فَأَطُنِبُو إِ السَّيْرَكُ تَى كَانَ عَيْنَيَّةٌ فَحَفَرَتُ صَلَوْ لَا عِنْدًا رَسُولِ اللَّهِ صَلَّى اللهُ عَبَيْدِ، وَسَلَّمَ فَجَاءَ مَا مَجَلٌّ فَايَ سَنَّ فَفَالَ مَا رَسُولَ اللَّهِ إِنِّي إِنْطَلَقْتُ بَهُنَ آيُهِ يَكُوْحَتَّى طَلَعْتُ جَبَلَكُ فَا وَكَفَا فَا خَا أَنَا بِهُوَا فِن عَلَى مُكُرَّةٍ آبائِهِ وْ بَظُنْهِ بِهِمْ وَنَعِيهِ هُو وَشَائِهِ مُر إِجْهَعُوْ اللَّهُ عَنَابِ فَنَبَسَّتَ وَرُسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْرِ وَسَلَّوَوَقَالَ ثِلْكَ غَنِيمَةُ الْمُسْلِمِينَ عَمَا وَنَ شَاءَ اللَّهُ ثُمَّ فَالَ مَنْ يَعُرُ مُسَا اللَّهُ لَكَ فَالَ اسْنُ بْنُ أَنِي مَمْ شَيِ الْغَنُويِيُ إِنَا بَارَسُولَ اللَّهِ فَقَالَ إِنْكَبْ فَرَكِبَ فَرَسَالَمُ وَجَاءَ إِلَى رَسُولِ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَبْنِي وَسَلَّمَ فَقَالَ مَنْ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَبْ وَسَلَّمَ إِسْتَنْقُبِ لُ هٰ ذَا الشِّعُبَ حَتَّى تَكُونَ فِي اَعُلَاهُ وَلَا نُعَرَّنُ مِنْ نِبَلِكَ اللَّيْلَةَ فَكَمَّا اَصْمَعُنَا حَرَبَحُ دَسُولُ الله حَسِلَى اللهُ عَكِينِهِ وَسَتَوَ إِلَى مُصَلاهُ فَرَكَعَ رَكْعَنَهُنِ ثُنَةً فَالْ هَلُ ٱحْسَنُ تُوفَامِ سَكُورُ فَالُوا يَا رَسُولَ اللَّهِ مَا ٱخْسَنْنَا ﴾ فَنُوِّبَ بِالصَّد وْ فَجَعَلَ وَسُولُ اللَّهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحَ بُصَكِّيُ وَهُوَيلُنَفِتُ إِنَى الشِّعُبِ حَتَى إِذَا فَطَى صَلاَتَهُ وَسَلَّحَ فَقَالَ ٱبْشِرُوا فَقَكَ جَاءًكُوْفَام مُسكُوُ فَجَعَلُنَا مُشُطُرُإِلَىٰ خِلَالِ السَّنَجِدِ فِي السِّيْعُبِ فَإِذَا كَعَوْفَ لَا جَاءَكَتْنَى فَفَفَ عَلَى رَسُولِ اللَّهِ صَلَّى اللهُ عَكِينِ وَسَكُمَ فَسَكُمَ وَ فَالَ إِنَّى إِنْطَلَقُتُ حَتَّى كُنْتُ فِي أَعْلَاهُذَا السِّنْعُيب حَيْثُ امَرُنِيُ مَاسُولُ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْنِ وَسَلَّحَ فَكَمَّا ٱصْبَحْتُ إظَّلَعُتُ السِّنْعُبَايُنِ كِلَيْهُمَا فَنَظُرُتُ فَكُوْ امَا اَحَدُافِقًا لَ لَهُ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْسِ وَسَلَّوَ هَلُ نَزَلُت اللَّيْلَةَ فَالَ لَا إِلَّا مُصَلِّمًا أَوْ فَاضِيًّا حَاجِنًا فَفَالَ لَهُ رَسُولُ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْ وَمَسلَّمَ فَهُ أَوْجَبُتَ فَلَاعَلَيْكَ أَنُ لَا تَعْمَلَ بَعْمَا هَا.

سهل من من طلبتهنے بیان کیا کہ محا ہردسول التد صلی التد ملیہ وسلم کیمناہ جنگ خین میں کئے گیس وہ انہوں نے طویل شفر کمیاحتی کرمورج ڈسٹ کیا ، بیس حتنور صلی اللہ علیہ دسلم کی نماز ظهر کا وقت آگیا توا یک عمو " سو رآیا ور کہنے لگایارسول اللدمية ب كم المحارك مرتاعة على كدمي فلال فلال بها لابر ترك ما تواني بك قبيد وازن كوان كم ما م جمع. ا تین ، حاریا وُں اور مکر ہوں سمیت و کیھا کہوہ وادئ حنین میں جمع سکھے۔ بیں رسوں اللہ مسلی اللہ علیہ وسلم مشکر لیے باكربرسك كي فدا نے جا ہاتو كل مسلمانوں كى غنيمت ہوگا . تھرات نے فرمايا: آئى برت بر دى چوكىدارى كون انس بن ابی مزدد عنوی نے کہا کہ میں کروں گایا دیسول اللہ بحننور انے زیایا، هپرسوار ہو دبا بیس وہ اسپنے ایک موٹر سے پرسوار موکررسول الطرصلی الشرعلیہ وسلم کے ہاس آیا تورسول الشرصلی الله علیہ وسلم نے اس سے فرمانی واس گھا کی کی طرف منکرحتیٰ کہ تواس کے اور پیچہڑھ جا اور سمیں آج رات تیری جا نب سے بوں دسو کا رہبور دشمن غفاست میں نه پڑے محرب معمولی تورسول الله صلی الله علیه وسلم اپنی جائے مازی اب علے اور دور کعت تماز مید صی مهر فرما يا : كبيا تم ف اينا شرسوالد و كلها سي ؟ لوگول نے كها يارسول الله يم نے اُسے نبى و كيدا - كير نمازكى اقامت كى لئى تورسول الله مسلى الله على وسلم نمازير معانى كالكانى كالله كالى كالحون التفات فرمات عقر ، حتى كرعب آب نے نمازختم كر لى اورسلام معيروياتو فرمايا جمين خوش خبرى موكيونكه تهارا شهروا ديمها رى طرف آريا ہے بس مم گف كل ميں درختول کےاندر و نکیجنے گئے تووہ ایما نک انہنیاحتیٰ کہ دسول ا مٹرصلیالٹدمایہ دسلم کے باس آکر کھہ ااورسیام کھاا در لها : میں گیاحتی کرحها ں رسول الٹرصلی الٹریلیہ وسلمہ نے مجھے حکم دیا تھا وہاں کھا نیا کے اویر ماحیرُ عا ،جب صبح مولیُ مين ان دونو ل محاطيو ليرتمط معا اور عورست وكيما مكر أوهم كيونظ ندآيا بس رسول الله صلى الدعليه وسلم ن اً من ہے فر ماما : کما تورات بھر گھوڑے سے اُسرا واس نے کہانما دیے سوانہیں اترا یا قضائے ماجت کی نماطات تقا، پس رسول الله عليه وسلم نے اس سے فروايا ؛ تونے حبنت كو دا حب كر لياہے ،اس كے لعدا كر توكو الى نفلی *مل نہ بھی کریے تو کو*ٹی نقصان نہیں دکیونکہ فرائفس تومعا ن نہیں ہوتے ، نساتی۔

فنسر سے ، علی مجکرۃ ا بیہام ، عربوں کا ایک کلمہ میر میں سے وہ کہ جب ندو نودم ارسیتے ہیں ۔ نُطعن تبع مین طعید ن کی جس کا اصلی معنیٰ وہ سواری مے جیے سفر کے لیے تیار کیا جائے ۔ پھراس پرسوار ہونے والی عورت کا یہ ام رکھا گیا کیونکہ وہ خاوند کے ساتھ ساتھ سفرکرتی تھی۔ اور حدم ہر جاتی اپنی سواری پرسوار ہوتی تھی۔ گو باظعینہ اس کا نام سبب کی بنا دیر ہوا، جیسے بارش کو سمار کہتے ہیں کیونکہ وہ او ریسے آتی ہے اور جا نور کے سم کو ارض کہتے ہیں کیونکروہ زمین

بربطرتاب رخطابي

بَاحِبُ كُرَاهِبَةِ تُرْكِ الْعُزُو

جهاد*لزگرنے کا کا بہت کا باب۔* ۲۰ ۲۵۔ کم کا نکٹا عَبْ کا ذہ بُنُ سُلِکماکَ الْمَهُ وَزِیُّ نَا ابْنُ الْمُبَامَ لِ نَا وُکھیٹ خال عَبْ کَا ذُہ یَعْنِی ابْنَ الُوئِ دِ اَخْبَرَ فِیْ عُمَرُنُنُ مُحَمَّدِ، بُنِ الْمُنْ کَدِیمِ عَنُ سُمَیِّ عَنُ اَ بِی

<u>TALANDENIERONUM DENEMBANGANIAN DELL'ENDELL'ENDER DE COURTE L'ENDAMENT DE L</u>

صَالِيحِ عَنُ أَنِى هُمُ يُوَةً عَنِ النَّبِي صَلَّى اللهُ عَكِيْدِ وَسَلَّوَ فَالَمَنْ مَاتَ وَلَوْ يَغُزُوُ لَوْمُجَدِّاتُ نَفُسَرُ بِغَنُومِ اسَ عَلَى شُعْبَةٍ مِنْ نِّفَا بِق .

الدم ربر ہ دسنسے روایت سے کہ نبی صلی الٹر ملیہ وسلم نے فرما یا : جومرگیا اوراس نے جہاد نہ کیا اورا نبے دل میں کبھی اس کا اطاوہ بھی نہ کیا تو وہ نفاقی کی ایک تسم مرم ارتستم ، نسا تھے ،

نشتوج ؛ دین سے مدافقت کا دریعہ صرف جہا دوقتال سیے ، جس کے دل میں پھی کمجی پرنمیال نہ کیا وہ مومن کیسے مجود کتا سے میں اور میں اور میں اور میں کہا ہے۔ موسکتا ہے ؟ بہا دسے جی چڑا ناا درمیدان سے منہ موڑنا منا فقوں کی خصلت تھی بسورہ تو ہم اس میں ٹا ہدعدل ہے۔ ۱۳۰۰ ۲۵ ۔ کے نگا نشہ کا محمر کو بن عقمان کو قرا اُسٹا عکی پذر ہے کہ بین عَبْرِ اور کہ اُسٹی جسسے تا

قَالاَنَا أَنوِلِيْكُا بُنُ مُسْلِعٍ عَنْ يَجِبَى ابْنِ الْحَامِ فِي عَنِ الْقَاسِمِ آفِي عَبُوالدَّ حَمْنِ الْحَامِ فِي عَنْ الْقَاسِمِ آفِي عَبُوالدَّ حَمْنِ عَنْ الْفَاسِمِ آفِي عَبُوالدَّ حَمْنِ عَنْ الْفَاسِمِ آفِي عَبُوالدَّ حَمْنِ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْلُولُ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ الْعَلَالِ اللَّ

الجوم مادیوسے روابت ہے کہ بی مسلی الطرعلیہ وسلم نے فرمایا : بجونہ نو دہما دکرے ، نرکسی جا بدی قیاری میں مالی مدد وے ، نہ جا مدکے امل وعیال کا فیکی کے ساتھ ٹیال دکھے اللہ تعالیٰ کس پر ملاکت نیمیز جا دفتر ناز ل کرے گا ۔ بیریت عبد ربۃ نے اپنی مد بہف میں کہا : قیامت کے دن سے پہلے پہلے د آبن ما تب مشرح : اللہ کے دسول صلی اللہ علیہ وسلم نے سیج فرمایا ، آج مسلم مما لکسکے لوگوں پر ہی جا د فرا ورم الاکست جٹر ،

واصيد نازل بوج كائة المؤسى أبن إسلم بناك مَا حَمَّادٌ عَنْ مُحمَيْدٍ عَنْ أَسُولَ النَّبِيَ

صَلَّى اللَّهُ عَكِيْمٍ وَسَلَّوَ قَالَ جَاهِمًا وَالْكُثْمِرِكِيْنَ إِلْمُوَالِكُمْ وَانْفُسِكُمْ وَالْسِنَتِكُوْء

انس دم ست روامیت می کم فہی معلی الله علیہ وسلم نے فرمایا: مشرکوں کے ساتھ اسپنے مالوں، اپنی جانوں اور اپنی زبانوں کے ساتھ جہا دکرو (نسانی، وارتی، مسند احمد، ابن حبان، الی کمی

نتسوے: جان و مال کا جہا د توواضح ہے، نہ بان کا جہا دیہ ہے کہ اسٹدے ڈین کی نشروا شاعت کی جائے اورشکوں کے اعتراضات اورشکوک د منبہات کا جواب دیا جائے۔ کا فروں کی ہجو و تعربین کا جواب تنلم ونٹر میں د بہا ہم جہاد ہے ۔ حصنور مسلی اسٹرعلیہ وسلم نے عبدالٹرین رواری شکے اسٹعا رشن کر فرط یا تھا کہ یہ تیروں سے بڑھ کہ مشرکوں کے دلوں پرا انرانداز ہیں ۔ اس مدیث کو آبن حبان ، حاکم اور نووی نے میجے کہا ہے۔

منن ابی داود جاری می منافع داود جاری می منافع داود جاری می منافع داود جاری داود جاری می منافع می منافع می منافع می منافع می می منافع می م

باب في سُيخ نَفِيرِ الْعَامَّةِ بِالْخَاصِّةِ

نغيرمام كانغير فاص كے سات منسوخ مونے كاباب-

20.8 - حَكَانُكُ احْمَدُ بُنُ مُحَمَّدًا الْمُرُونِيُّ حَدَّتُ عَلَى عَلَى الْمُرُونِيُّ حَدَّاتَ عَ عَلَى الْمُرُونِيُّ حَدَّاتَ عَلَى الْمُرُونِيُّ عَنَى عَلَى الْمُنْفِرُوا يُعَنِّذِ بُحُوَ الْمُعَنِّ بُحُو عَنَ ابْنِ عَبَاسٍ قَالَ إِلَا تَنْفِرُوا يُعَنِّذِ بُحُو عَنِ ابْنِ عَبَاسٍ قَالَ إِلَا تَنْفِرُوا يُعَنِّ بُحُو عَنَ الْمُنْفِرُوا يُعَنِّ بُحُو عَنِ ابْنِ عَنِي اللّهُ اللّه

ا بن عباس منے کہاکہ سورہ توبہ کی ہمیات نمبرااا ور ۱۲۰٪ اگرتم گھرسے نہ نکلوگے نوٹھیں الٹرور د ناک مزادے گا۔ اہل مدینہ اور اس کے ماحول کے اعراب کا یہ کام نہیں کہ رسول الٹر سے چیچے رہیں'۔ ان کے بعد کی آسی نمبر ۱۰٪ سب ایما نلار ول ہر بیک وقت نکلنا صروری نہیں' نے انہیں منسوخ کر دیا ہے۔

تشمیرے: نتخ کا نظامتقد مین کے نز دک بڑے وہیع معنی میں بولا جاتا تھا نامثلاً مطلق کومقد کرنا، عام کو فاص کرنا، کوئی قبیا تھا دینا، و منا حت کر دین ، کسی شک وشہ کو دُورکر دین وغیرہ ۔ نیخ بعنی انتہائے حکم بہت کم آباہے۔ منڈری نے کہاہیے کہا بن عباس سے سواا ور ہوگوں کے نز دیک بیہ آبات منسوخ نہیں ہیں. مثلاً است نمہوم کا مطلب سے کر صرورت جہا دکے وقت با ہر نسکن فرض ہے اور بیانسوخ نہیں ۔اوراسی طرح آبیت ۱۲۲ ۔ اور آبیت کا مطلب سے کہ جہا ووقتال کے موقع بر بھی کچھ نہ کچھ لوگ وار الاسلام عفا طت وصیا نت کے بیے منرور پیچھے رہیں ، مما وا دشمی موقع ماکر آب ہا ہے۔

مولا نائنے ابن جمہ پر طبری سے نقل کیا ہے کہ بعول عکہ مہ وحسن بھری یہ آبات منسوخ ہیں مبسیا کہ ابن عباس مغننے فرمایا . نگر صحابہ و تا بعین کی ایک جماعت نے نسخ کونہیں مانا ، اور بھیر طبری نے وہی تا وہل بیان کی سے جومنڈر تی سے بم سنے نقل کی ہے ۔

تنجده آبن نقیع نے کہا کہ میں نے ابن عباس مناسے اس آیت کے متعلق سوال کیا: اگرتم نہ نکلوگے تواللہ تعالی تمہیں وردناک ممزا دے گائ وتوبہ وسى ابن عباس منانے کہا کہ پھراللہ سنے اُن سے بارش روک بی اور میر

نہ پدین نا بت م^{یں} نے کہا کہ ہمیں دسول اکٹرصلی انٹرعلیہ وسلم سے پہلو ہمیں تقا ب*پس نن*ڈول وحی کی کیفیت آ میں ہے طه ری ہوگئیا وردسولاطیم ملی الٹرعلیہ وسلم کی دا آن میری دا ن پراپٹری توش سنے معنور صلی الٹرعلیہ وسلم کی دِا ان سے زیا دہ بو بھر کسی چنر کا نہ یایا ، پھر آئے سے وہ کیفیت مباتی رہی توفر مایا : لکھ بس میں نے ایک شانے کی ہٹری پر لکھا : كَلْكِينْتُوى الْقَاعِلُ فَرَقَ مِنْ الْمُوْرُ مِنْدِي كَا لَهُ عَاهِدُ وَنَ فِي سَبِيْلِ اللَّهِ آلِ بِس عيدانشرب ام عوم مناطفه ا بهواا وروه ایک نا ببینا مرد تقا، حبب اس نیے بی بدین کی نفسلیکت شنی نوبولا: پارسول الٹکر حومن مها دکی طاقت نهیں مسکھتے ان کاکیا حال ہوگا؟ حب اس نے اپنی بات نتم کی تورسول الٹرصلی الشرعلیہ وسلم پرنز و لِ وحی کی کیفیت پھر بھیاگئی،آپ کی دان میری دان ہے۔وا قع ہموئی تھی اور میں سانے دومری مرتبرائس کا اسی قدر بو بھڑ محسوس کیا حبّنا کہ پلی مرتب کیا تھا ۔ پھر رسول انٹدملی دلیا ہوسلم کی وہ کیفیت جاتی رہی تو فرمایا: اے زید رہے ہے میں نے یہ آیت بٹے تھی : لاکیٹنٹوی الْقَاعِلُ دُنَ مِنَ الْمُؤْرِمِنِينَ، بس رسول الدمسل الله عليه وسلم في فرايا: غَيْنُ أُو لِي الضَّر دِآج ربين المُعورُ منين مے بعد غینر اُکو بی العظرُ کو لفظ اہمی نازل ہوا تھا!) زید شنے کہا کہا نٹرعز ومبل نے اس لفظ کواکیلاا تارا تھاا ورمیں تے اسے آیت میں مثامل کرویا (بین حفنور کے حکم سے اور خدا کی قیم جس کے قبضے میں میری جان ہے گو یا کہ میں اس وقت اس کھے کے طائے جانے کا مقام مٹانے کی ٹڑی میں ابک دراٹ کے پاس دیکھ رہا ہوں (بخاری عن البراءب عاور بر مسلم

مشرح: اس مدنيف سے حواصل مسلمعلوم موا وہ توواضح ب كر على الم أولى المفتر يركا لفظ بعد مين نازل موا ا ودحضوٹر کے حکم سے کا تب وحی سنے ہیت کے اندر ملا دیا ۔ پس بومعذورلوگ جمادس شامل نہیں ہوسکتے ان کی فضیلت کمہنیں ہوائی ملکہ وہ بھی مجاہدین کے جتنا احبرر کھتے ہں جیسا کہ جنارتی میں سیے کہ حصنور ہونے فرما یا کہ مدینہ میں کچھ لوگ ہیں جو عُذر کے باعث ہما رہے رہ بھر نہیں ہے مگر وہ جہا دیے ہرعمل میں ہما رہے رہ اور نوکواٹ بشر کو مين - دوسرى ايم بات جمعلوم بهوئي وه وحي كا بو تجريخا، يه تورسول الطرصلي النرعليدوسلم كانفلادا د توصله بمثاكر اس بو تعرکوبر دائشت کریتے ہتھے ور مزاکر قرآن کسی پہاڑ پر زبرا ہ راست بلا داسطۂ دسول ا تارا جا تا تو وہ دیزہ دیزہ ہو جاتا - ايك مبلوه التي حوطورير نازل مواكفااس سن بها روش ميوط كيا اورموسي مبيا مبيل العدرسول

بهوش موكر كرك كا عا . عب التدين ام مكتورة كااصل نام عمروبن زائده بإعمرو بن قيس تقا - وه مشهور قريشي صحابي تقے- قديم الاسلام

اور قدم الهجرت تقے۔ حصنور کے مؤ ذن تھے ،حصنور سے سامر تبدا پنی عیر طاصنری میں انہیں مدینہ ہوا نیا نائب مقرر کیا گھا مجنگ قا دسیہ میں اسلامی فوج کا مجنٹ اال کے ماتھ میں تھا آور اسی ممالت میں شہا دت با اُل م

٨٠٥٠ حَكَّا ثَنَّا مُوسَى بْنُ إِسْمِيبُلْ نَاحَتَاكُ عَنْ مُحَمِيْدٍ عَنْ مُوسَى بْنِ أَنْسِ

عَنْ أَبِيْهِ أَنَّ رَسُولَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَكِيْرِ وَسَلَّوَ فَالَ لَقَدُ تَكُرُكُمُ مِ الْمَدِينَ فَوَاحًا مَا سِي تُكُومِسِينًا وَلا أَنْفَقْتُم مِن نَفَقَرِ وَلَا قَطَعْتُكُومِن وَادٍ إِلَّا وَهُكُومَكُكُو فِهُم

انس بن مالکن سے روایت ہے کہ (ایک سفر جہا دہیں) رسو ل الٹرصلی الطرعلیہ وسلم نے فرما یا: تم نے مرینہ میں کچھ لوگوں کو بھی وڑا ہے جو بہا دسے مرسفر میں میں کچھ لوگوں کو بھی وڑا ہے جو بہا دسے مرسفر میں میں خدا کی داہ میں ہزئر چہ ہیں اور ہروادی کو قطع کرنے میں بہارے رائق میں ۔ لوگوں نے کہا یا رسول اللہ وہ مدینہ میں دستے ہوئے ہما رسے رسائے کیونکر ہوئے و مایا: انہیں عُذر سنے روک رکھا ہے رہمت اور السالی اپنے معذور بندوں پرشفقت ورحمت اور السالی اپنے معذور بندوں پرشفقت ورحمت اور السالی احکام کا تو ازن واعتدال صاف طور میروا منے ہے ۔

بَانِت مَا يُجُزِئُ مِنَ الْعَنْرُورِ

إب كونساعل جا دى طرف سے كانى بوسكتا م

١٥٠٩ - حَكَّا ثَكُنَا عَبُكَ اللهِ بُنُ عَمْرِو بْنِ أَبِى الْحَجَاجِ أَبُومَعُمُ وَاَعَبُكُ الْوَانِ شِ نَا الْحُسَيُنُ حَكَا ثَنِي يَجَبَىٰ حَكَا ثَنِي ٱبْرُسَكَمَ رَحَكَا ثَنِي بُمُمُ بُنُ سَعِبْ حَكَا ثَنِي أَرُيكُ بُنُ خالِيا الْجُهَيِّ آَنَ مَسُولَ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْ مِن وَسَلَّوَ فَالَ مَن رَجَّهُ مَا فَانِيًا فِي سَبِيْلِ اللهِ فَقَلُ عَزَا وَمَنْ حَلَفَرُ فِي اَهْلِهِ بِنَيْ يَرِفَقُ لُهُ غَنَ الدِ

زید بن خالر من جہنی نے بیان کیا کررسول الٹرصلی الٹرعلیہ وسلم نے فر مایا : جس نے الٹرکی لاہ میں جہاد کر سنے واسے کو تبیار کیا رسامان جہاد دیا ، تواس نے عبی جہاد کیا اور جواس کے گھر میں آمکی کے ساتھ اس کا نائب بنا تواس خ عبی جہاد کیا (بخاری ، مسلم ، نزیدی ، نساتی ، ابن آجہ)

كآب الجباد

ان کے بیے محدب میں نفیع الحنفی کو میزان، خلاصہ اور تقریب میں مجھول ہے۔ ابن حبان نے اسے ثقات میں ذکر شہر حے : مخبرہ بن نفیع الحنفی کو میزان، خلاصہ اور تقریب میں مجھول ہے۔ ابن حبان نے اسے ثقات میں ذکر کمیا ہے دمیرے نمیال نا قص میں ہیروہ خارجی سرداد بھا جس کے نام ہران کا ایک مشہور فرقہ نحدات منسوب ہوا۔ خار حجی برعتی منرور سے مگر حجو شے نہ نام مجو بات برعتی کے مسلک کے مطابق ہو اس میں اس کی روا میت نا قابل محبّت ہوتی ہے ، ابو وا کو دنے نٹا یہ اس واف انٹارہ کیا ہے کہ ابن عباس رہ کی ہر دوا بہت اور پر کی روامیت کے خلا ن سے ۔ ہرصورت بد آیات نسوخ نہیں ہیں ، لینی اس معنی میں کہ ان کا محم انتقالیا گیا۔

كاسك الرُّخصندِ فِي الْقَعُودِمِن الْعُنُارِ

عندر کے باعث جہا دس بنر بانے کی رخصت کاباب۔

٥ . ١٥ . حَكًّا تَنْنَأ سَعِبْدُهُ بُنُ مَنْصُنُومِ لَا عَبُلاالدَّحْلِين بُنُ أَبِي الزَّنَادِ عَنْ ٱبِبُهِ عَنِيُ خَارِجَنَدُ بُنِ زَيْدٍ عَنْ زَيْدٍ بْنِ ثَابِتٍ فَالَ كُنْتُ إِلَى جَنْبِ دَسُولِ اللهِ صَلَّى الله عكيب كوكسكم فغنينينترا لتشركبننتر فكوفعث فخيلة دكيولوالله صلى الله عكيني وكستكرعلى غَخِيٰهِ يُ فَكَا وَجَهُاتُ ثِقُلَ شَيْءٍ الْقُلَ مِنْ غَنِيٰ رَسُولِ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْسِ وَسَلَّحَ ثُكَّةً مُرِّى عَنْهُ فَقَالُ اكْتُلُبُ فَكَتَبُتُ فِي كَيْفِ لَا يُسْتَوِى الْقَاعِكُاوُنَ مِنَ الْمُؤْمِنِينَ وَالْمُجُاهِلُونَ فِي سَبِيْلِ اللهِ إلى اخِرِ اللهَ بَا فَقَالَ ابْنُ أَقِرَمَكُتُومٍ وَكَانَ مَا عُجِلًا أَعلى كَمَّا سَمِمَ فَضِيْلَةَ الْمُجَاهِدِينَ فَقَالَ يَا مَ سُولَ اللَّهِ فَكَيْفَ بِمَنْ لَايُسْتَطِبُعُ الْجِهَاك مِنَ الْمُؤُمِنِينَ فَكَمَّا فَطَنَى كَلَامَهُ خَيْثِيَتْ مَاسُولَ اللهِ صَلَّى اللَّهُ عَكَيْمٍ وَسَسلَّحَ السِّيكِنُنُدُ فَوَقَعَتْ فِي نُدُهُ عَلَى فَيِنِ يَ وَوَجَلُ تُ مِنْ ثِقُلِهَا فِي الْمَرَّةِ الثَّا نِيَا وَكَمَا وَجَلُاتُ فِي أَنْكُمَّ فِي الْكُولِي تُحَرِّصُ مِنْ دَسُولِ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْمِ وَسَلَّوَ فَقَالَ اقْرأُ كَا مَ سُيلًا فَقَمِ أُنْ لَا بَسْتَوِي الْفَاعِلُونَ مِنَ الْمُؤْمِنِينَ فَقَالَ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْرِ وَسَلَّم تَغَيُراُولِي الصَّرَبِ ٱلْأَبِيَنِ كُلَّهَا قَالَ زَبِثٌ فَأَنْزَلَهَا اللهُ عَنَّ وَحِلَّ وَحُدَاهَا فَأَكْتُهُا وَالَّذِي نَفْسِي بِيهِ وَكُأَنِي أَنْظُرُ إِلَى مُلْحَقِهَا عِنْكَا صَلْعِ فِي كَيْقِ ـ

مرا یک کوسے گا۔ وا مٹراعلم بالصواب ۔

١٥١٠- كَلَّا ثَنَّا سَعِهُ لَدُنُ مَنْصُوبِ آنَا ابْنُ وَهُ بِ آخَبَرِ فِي عَبُرُونِ مُنَ الْحَارِثِ عَنَ يَزِيْ كَا بُنِ أَنِى جَيْبِ عَنَ يَزِيْ كَا بَنِ أَ بِي سَعِيْدِهِ مَوْلُى الْمَهُم تِي عَنَ آبِيهِ عَن آبِيهِ مِن كُلِّ دَجُهُ مِن كُلِّ دَجُهُ مِن كُلِّ دَجُهُ مِن كُلِّ دَجُهُ الْمَا يَعِيمُ وَاللَّهُ وَاللَّهِ مِن كُلِّ دَجُهُ مِن كُلِّ دَجُهُ الْمَا عِن آبُهِ اللَّهُ عَلِيهِ وَاللَّهُ وَاللَّهُ مِن كُلِّ دَجُهُ مِن كُلِّ دَجُهُ الْمَا عِن آبُهِ اللَّهُ عَلَيْهِ وَاللَّهُ وَاللَّهُ مِن كُلِّ دَجُهُ مِن كُلِّ دَجُهُ الْمَا عَلَيْهِ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهِ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ الْمُلِلَّةُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُلْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُلْلَمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُلْمُ اللَّهُ الْمُلْمُ اللَّهُ الْمُلْمُ اللَّهُ الْمُلْمُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُلْمُ اللَّهُ الللللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللللْمُ الللللَّهُ الللللْمُ اللَّهُ الللْمُ الللْمُ اللللللْم

ابوسعیدا نخدری سے روا بت ہے کہ دسول النہ صلی النہ علیہ وسلم نے بی تی ان کی طرف ایک نشکر عبرہا اور فرا کے کہ کہ اور خوا کے در کھر دسنے والوں سے فرما یا کہ تم میں سے جو جہا د پر بہا نے والے کے گھر بار کے اجر سے نصف طرح کا دمسلم، کے گھر بار کے اجر سے نصف طرح کا دمسلم، منتقل کی کہ کہ اس کو جہا ہے کہ اس کو جہا ہے کہ کہ اس کے مسابقہ نگر ان کرے گا اس کو جہا ہے کہ اس کے ایس کے اس کے اس کے بی اس کے بیان کا بن وہ بیش آیا تھا۔ ان بوگوں نے دھو کے سے دسول النہ میں ان میں میں تا بت میں اور فہدیب بن عدار ما وغیر میں کو اس کے بیان میں میں جہا ہے ہے ہے اور آپ نے انتقام کی نیت سے یہ مشکر روا نہ فرمایا، اس کی اس کے بیان میں انہ وہ میں جا جھیے ہے اور محفوظ ہوگئے تھے۔

بَا دِبِ فِي الْجُهُ أَوْ وَالْجُهُنِ

جرات اور مُزولى كاباب -

ا ۱۵۱ ـ حَكَّا ثَنَّا عَبُ كَا اللهِ بَنُ الْهُحَوَّاتِ عَنْ عَبُواللّٰهِ بَنِ يَوِيْدَا عَنْ مُتُوسَى بُنِ عَلَى اللهِ بَنِ يَوْدُنَا عَنْ مُتُوسَى بُنِ عَلَى بَنِ رَبَاجِ عَنْ أَبِيهِ عَنْ عَبُوا الْعَرْ يُوبُ مَرُ وَانَ قَالَ سَمِعْتُ اَ مَا هُمَ ثَيْرَةً يَعُولُ سَمِّهُ مَا وَانَ قَالَ سَمِعْتُ اَ مَا هُمَ ثَيْرَةً يَعُولُ سَمِّهُ مَا وَانَ قَالَ سَمِعْتُ اَ مَا هُمَ ثَيْرَةً مَا وَاللّٰهِ مَلْ اللّٰهِ عَنْ اللّٰهِ عَلَى اللّٰهُ عَلَيْهُ وَاللّٰهُ مَنْ مَا وَلَا مَنْ مَنْ اللّٰهِ مِلْ اللّٰهِ مِنْ اللّٰهُ مَلَى اللّٰهِ مِن اللّٰهِ مِن اللّٰهِ اللّٰهِ مِن اللّٰهِ اللّٰهِ مِن اللّٰهِ مِن اللّٰهِ اللّٰهِ مِن اللّٰهِ اللّٰهِ مَنْ اللّٰهُ مِنْ اللّٰهُ مِنْ اللّٰهُ مِنْ اللّٰهُ مِنْ اللّٰهُ مِنْ اللّٰهُ مَا اللّٰهُ مَنْ اللّٰهُ مَنْ اللّٰهُ مِنْ اللّٰهُ مِنْ اللّٰهُ مَنْ اللّٰهُ مَنْ اللّٰهُ مِنْ اللّٰهُ مِنْ اللّٰهُ مِنْ اللّٰهُ مِنْ اللّٰهُ مَنْ اللّٰهُ مَنْ اللّٰهُ مَنْ اللّٰهُ مَنْ اللّٰهُ مَا اللّٰهُ مَا اللّٰهُ مَنْ اللّٰهُ مِنْ اللّٰهُ مِنْ اللّٰهُ مِنْ اللّٰهُ مَا اللّٰهُ مَنْ اللّٰهُ مَا اللّٰهُ مَا اللّٰهُ مِنْ اللّٰهُ مِنْ اللّٰهُ مِنْ اللّٰهُ مَنْ اللّٰهُ مَاللّٰ اللّٰهُ مَا اللّٰهُ مَا اللّٰهُ مَا اللّٰهُ مَا اللّٰهُ مَا مَنْ اللّٰهُ مَا اللّٰ اللّٰهُ مَا اللّٰهُ مِنْ الللّٰهُ مِنْ اللّٰ اللّٰهُ مِنْ اللّٰهُ مَا اللّٰهُ مَا اللّٰهُ مُنْ اللّٰ مَا اللّٰهُ مِنْ اللّٰ اللّٰ اللّٰ اللّٰ اللّٰمُ اللّٰ الللّٰ الللّٰ اللّٰ الللّٰمِ اللّٰ اللّٰ اللّٰ اللّٰمُ اللّٰ الللّٰ الللّٰ اللّٰ الللّٰ اللّٰ الللللّٰ الللّٰ الللّٰ الللّٰ الللللّٰ اللللّٰ الللّٰ الللللّٰ الللللّٰ

وہ شدید تم کا عل اور نها بت سخت بُز دلی ہے ۔ شمیع : بلتے کا معنیٰ ہے ہے صبری اور تملع کا معنیٰ ہے نکال باہر کرنا ۔ همیت و سے مبی بخل شدید کو کتے میں،اس کے ساتھ بب ہے صبری مبی مل مبائے تواس کی شدت کا کیا کہنا ۔ بخیل کوجب کچیز خرج کرنا پڑسے تو جزع فرع اور ہے صبری کا اظہار کرنے لگتا ہے اور بُز دل کا جب دھمن یا مصیبت سے آمنا سامنا ہو تو موت اُسے سامنے دکھائی

دیتی ہے گویا ول باسر نکلا جا رہا موکداس کی وص^رکن سے ہی موت وا نع ہوجائے گی رید دو مختلت میں روائل افعلاق میں سے انتہائی بُری میں ۔ان کے ہاعث انسان میک کرنے کا نااہل ہوجا تا ہے ۔

٣١٥١ حَكَمُ الْكُا اَحْمُهُ اللَّهُ عَمُرِو بَنِ السَّمُ جَالُهُ وَهُبِ عَنْ جَبُوةً بَنِ الشَّمُ عَلَا السَّعَ اللَّهُ وَهُ اللَّهُ وَابْنِ كِهِيْعَة عَنْ يَبِرِيكَ الْنِ اللَّهُ وَعَلَى اللَّجَمَاعَة عَبُكُ السَّكُو اَ فِي عِمْمَ ان قَالَ غَهُ وَعَلَى اللَّجَمَاعَة عَبُكُ السَّحُمْنِ بُنُ حَالِي بَنِ مِنَ الْمَدِينَة فَرَكُ السَّعُ عَبُكُ السَّحُمَلُ وَعُلَى الْعَلَّا وِ الْمَوْيَة وَعَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى الْعَلَّا وَالْمُوالِينَة فَحَمَلَ وَحُلَّ عَلَى الْعَلَّا وَالْمُولِينَة فَحَمَلَ وَحُلَّ عَلَى الْعَلَّا وَالْمُولِينَة وَعَلَى اللَّهُ عَلَى اللهُ اللهُهُ اللهُ ال

بس ا پنے آپ کو الماکت میں ڈالنا یہ سے کہ ہم اپنے اموال میں مقیم مہو جائمیں اوران کی دوستی میں گا۔ جائمیں اورجہا و کو ترک کر دیں ۔ ابو عران نے کہا کہ ابوا یو بٹے برابر الٹار کی داہ ہی جہا دکر تے رہے حتی کہ نسطنطند میں وفن ہوئے۔ و تر فرتی اورنسا ئی۔ تر فری نے اسے مدیری حسن عزیب کہا ہے اورامیر بشکر ففنا دہن بن غبید کو بتا یا ہے ، فلم سے: قسطنطند یموجودہ ترکی کا شہر اسنبول ہے جسے سلطان محد فاتح ترکی سنے فنح کیا بھا۔ اس تشکر کا امیرعام عبدالرحمٰن بن فالدہ مقا اور حسب دوایت طبری ، مسری نوج کا امیرعقبہ بن عامر جمنی مقا اور دائمی مشکر کا امیرفشا دہن بن عبدید ۔ قسطنطند پر جملہ امیر معا و رہن کے دُور میں ہوا بھا مگر وہ فتح نہ ہو سکا۔ آنر کا دسلطان محمد فاتح ترکی سنے اُسے فتح کیا ۔

> باً مثبك في الترفي باب.ري كم شعلق

٣١٥٦ حكا أنك المبيعة المن منصور ناعبه الله الله المهام الحكا الله المهام المعالم المله المهام المهام المام المهام المعالم المناه المعالم المناه المن

عقب بن عامرشنے کہا کہ میں نے رسول الٹرمسلی الٹرعلیہ وسلم کوفر ما تے سُناکہ الٹرتنالی ایک تیر کے وَ دیعے سے تین اَ ومیوں کو حبنت میں واض کہ سے گا-اس کو بنا نے والا عبکہ بنانے میں شکی وُلواب کی نیت رکھے، اور اسے مپلا نموالا اور میکوٹ نے والا ۔ اور میکوٹ سے میں اندازی کہ واور موادی کہ وہ اور مجھے تہا لا تیراندازی کہ ناشہ سوادی سکھنے سے زیا وہ پہندہ اہو میں سے صرف تین کام جائز ہیں، ایک ہیر کہ آوئی سے گھوڑ ہے کو مدموا ہے ، ووسرا ہر کہ اپنی ہوی سے لا ڈپیالہ کہ سے اور جوشخص تیراندازی سیکھ کرا سے ازروئے اعلا میں کہ سے اور جوشخص تیراندازی سیکھ کرا سے ازروئے اعلا میں مرک کہ سے تیراندازے میا تھ کھڑا ہوکہ مشک ہے ، خطا بی نے ملعا ہے کہ میں میں اندازے میا تھ کھڑا ہوکہ اسے تیراندازے میا تھ کھڑا ہوکہ اسے تیراندازے میا تھ کھڑا ہوکہ اسے تیراندازے میا تھے کھڑا ہوکہ اسے تیراندا کے میا ہوں کے وقت ، نشا نے کی جگہ سے تیران تھا کہ لاسے اور

بھر ملانے کے لیے اُسے دے دے۔ ایک روا پت میں آلکہ بی کا لفظ آیا سے اور بر دونوں صور تمیں ا مداد کی ہیں۔ مبل عربی تبر ہوتے میں جو بلکے تھیلکے بھے اور طویل نہیں ہوتے تھے ۔ صنور منبی الٹرعلیہ وسلم نے ہو آپو کی ہم صوری مبائز فرما کئی ہیں ان ہیں جہادہ تقال کی تیا دی کی ہرورزش اور ہر مہمیار کی مشن شامل ہے۔ با طل پ ند اوارہ لوک جو نروبازی، شطر نج بازی ، کبوتہ اور بٹیر بازی وغیرہ کمر تے ہیں بیر خالف لہو کے کام ہیں جن کا کوئی شرعی فائدہ تو نہیں البتہ نقصان عزود سے اور ہیر جائز نہیں۔ بعض علماد نے خطر نج کو دھمن کی جا لبازیاں سجھنے کا فریعہ قرارویا ہے مگر ان چیز دل میں تمار بازی تو طعنا حالم ہے اور حواس میں مصروف ہو کمر دو مرسرے نیک کا مول مثلاً نمازی پابندی سے خانل ہوجائے تو یہ فعل قطعنا حال میں اور حواس میں مصروف ہو کمر دو مرسرے نیک کا مول مثلاً نمازی پابندی

رستی ابن مام) شرحے : مفتولے جو آیت تلاوت فرا کی وہ الا نفال میں نبرز ہیدہے۔

فنہ سے: سی کا تفظی معنی سے پھیننگنا۔ جدید حبگی ہم تھیا رسب و ورسے بھینکے مباتے ہیں لہذا حصولا نے ہوبار بار اس بر زور دے کر فر ما یا تواس کا مطلب پر سے کہ ہر جدید سے جدید تر مہتھیا رمائٹسل کر ناا ہل اسلام کا فرمس سے پر پھر توت میں ہر تسم کی قلعہ بندیاں ، بہب ، ایٹم بم ہم پڑئل ، ٹمینک، طیا دسے ، دلا کا جمانہ ، بحری حبگی ساز و دسا مان واض سے ۔ جس و ور یا تکک میں میں پیزکو توت سمجھا جا تا ہواس کا معسول مسلمان پر فرمس سے وریز جہا و نمدا نخوا ستہ معطل مہوکر د ہ جائے گا ۔

بَاسِتِ فِهُنُ يَغُرُونُو يَلُمِّسُ السَّانِيَا

اپنے بہا دستے دنیا فلسب کرنے والے کا باب

٢٥١٥- كَكَّا ثَنَّا حَيُونُهُ بْنُ شُكَرْ يَجِ الْحَصْرَفِيُّ نَا بَقِبَّتُ حَكَّا ثَنِي بُكَبِيَّعَنُ جَالِهِ بْنِ مَعْدَانَ عَنْ آبِى بَحْرِتَبَ عَنْ مُعَاذِبُنِ جَبَلٍ عَنْ رَسُولِ اللهِ صَلَى اللهُ عَكَيْرِ وَسَلَمَ وَنَهَا قَالَ الْفَكْرُو كآب الجها د

49

معاذ بن حبل السول الطرصلي الطروليه وسلم سے روا بيت كرتے ميں كم تخفور نے فرمايا : غزوه كى دونسمايں ميں ، پس جس سنے الندکی رصّابیا ہی اور ا مام کی ا طاعت کی ا ورا سنے حان ومال کوخرچ کیا اورسا تقیوں سے نرم سلوک ریاا در نسا دسے پر منرکیا تو اس کا سونا مباگنا سب باعث تو اب سے ۔ اور حس سنے نخ وعرور ، دبا کاری اور مشرت بیندی کی ن طرحبگ کی مام کی نافرمانی کی اورزمین میں مسادکیا تو وہ برا برمرا برا جرے کر تھی نہ لوٹما (نسائی - تموکھا میں معا ذرمنا پر موتو فا مر*و*ی ہے)

مشمرح: بعنی بہاں تسم کے نازی کے تمام اعمال وعبادات اگراللہ کے لیے تقے اوراسی لیے اس کی برحرکت وسکون دیکی بن گئی. تواسی دو لمری قسم والاا حر توکیا بت انشاعذاب اور نافر مانی سے کروائیں آیا گر کھے دیکی اور عما وت کی نمیت

جى بو نى توشائدمعلعلە برابر بيوماتا ـ

٢٥١٧ حَكَّمَا نَنْكَا ٱبُونَوْنَوْبَهُ الرَّبِيعُ بُنُ مَا فِيمِ عَنِ ابْنِ الْمُبَادَلِيْ عَنِ ابْنِ إِني ذِنُب عَنِ الْقُسِمِ عَنُ بُكِيرِ بْنِ عَبُهِ اللهِ ابْنِ الْاشِيَّةِ عَنِ ابْنِ مِـكُوزِ رَمُعِلٍ مِثْ ٱهْلِ الشَّامِ عَنْ اَبِي هُمَ يُونَةَ اَتَّ رَجُلًا قَالَ يَا رَسُولَ اللَّهِ رَجُلٌ يُونِينُ الْجِهَا دَ. فِي سِبُيلِ اللهِ وَهُوَيَبُنَغَى عَرُحِنًا مِنْ عَرَضِ التَّهُ نَبَا فَقَالَ التَّيَتَّى مَهَ تَى اللَّهُ عَلَيْتِ لاَ ٱجْرَلَهُ فَكَعُظَمَ ذُلِكَ السَّاسُ وَفَالُوا لِلْرَّمِيلِ عُلُا لِرَسُولِ اللَّهِ صَلَّى اللهُ عَلَبَ إ فُلُعَلَّكَ كُورَتُفَهَّنَهُ فَعَالَ يَا رَسُولَ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ رَجُلٌ يُرِبِينُ الْبِجهَادَ فِي سَبِينِكِ اللهِ وَهُو يُبْنَعِي عَرَضًا مَنَ عَرَضِ اللَّ نُبَا فَالَ لَا أَجْرَلَهُ فَقَالُوا لِلرَّكِيلِ

عُنْ لِرَسُولِ اللهِ حَسَلَى اللهُ عَكَيْ لِهِ وَسَسَعَ فَعَالَ لَهُ الشَّالِثَةَ فَقَالَ لَهُ لَا آجُرلِ لهُ -

ابوہر بمیہ ویعنہ سے روا بیت ہے کہ ایک آ دمی نے کہا ، مار سو ل التٰدایک مرد التٰد کی را ہ میں جہا و کاالا دہ کمہ تا ہے اور د نیا کی کوٹی عزمن بھی بیش نظر رکھتا ہے، تو نبی صلی اللہ علیہ وسلم نے فرمایا: اسسے کوٹی تواب نہیں بیس تو گوں ہریہ ہات نٹا ق گزریا ورا نہوں نے اس اُد می سے کہا *کہ رسو*ل الٹرمیلی الٹرعلیہ وسلم سے دوبارہ موال کرشا پرتری بات *کو* حعنور شنے سمچھانہیں . تواس نے کہا یا رسول الٹدا یک آ د می خدا کی لاہ میں جہا دکرنا جا ہتا ہےا ور دینا کا کیجی ساز و سا ما ن بھی مَدِنظ سے، حصنوں نے فرمایا اُسسے کو ٹی ثواب نہیں ۔لوگوں نے بھیراس آھ می سے کہا کم بھرسوال کو پوٹا،اس نے ا بیا ہی کیا توصنور سنے تمسری بار میں تی فرما یا کہ اسے کوئی اجر نمیں سے گا-

مشمدے: اس مدیث کے داوی آبن مرز کو مُنذری نے مجبول شمار کیا ہے۔ اعمال کا ملاد نیت برہے اگر کو فی شخص چہا دکر تا ہی نفسانی و دنیوبی نوایش کے بیے ہے یا دیت توجہا وکی ہے مگراس میں دنیوی اعزا مس کوبھی ملا دیتاہے تو ظاهر من كدا سع اجرو أواب تو نهين المسكتا كبونكه وه توصرف فلوض نيت وخلوص على يمنحصر ب.

*کتاب الجب*ا د

يا ديك من فاتل لِت مُون كِلمَة اللهِ هِي الْعَلْيَا

اس کا ہاب جو مزدا کی ہات کوا و نتحا کرنے کی خاطر الاسے یہ

١٥١٤ حَكَّا نَتُنَا حَفْصُ بْنَ عُمَرَيٰ اللهُ عَنْ عَمْرِوبِي مُرَّا لَهُ عَنَ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَن ابِي مُوسِى اِنَ اَعْرَا بِبَا جَاءَ إلىٰ رَسُولَ اللهِ صَلّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلّمَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلّمَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلّمَ اللهُ عَنَ ابِي مُوسِى اِنَ اعْرَا بِبَا جَاءَ إلىٰ رَسُولَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلّمَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلّمَ وَيُقَاتِلُ لِيهُ مَكَانُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلّمَ مَكَانُ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلّمَ مَنَ عَا تَلَ حَتَى تَكُونَ لِيهُ مَكَانُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلّمَ مَنَ عَا تَلَ حَتَى تَكُونَ كَلَيْهُ وَسَلّمَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلّمَ مَنَ عَا تَلَ حَتَى تَكُونَ كَلِيهُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلّمَ مَنَ عَا تَلَ حَتَى تَكُونَ كَلَمْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلّمَ مَنَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلّمَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلّمَ مَنَا عَلَى اللهُ عَلَيْهِ اللهُ عَنْ وَجَلّ وَسَلّمَ اللهُ عَلَيْهِ اللهُ عَلَيْهِ اللهُ عَنْ وَجَلّ وَاللهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ وَكُولُ اللهُ عَلَيْهُ وَلَا اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَلَا اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَلَا اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَلَا لَهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلْهُ عَلَى اللهُ عَلَى الل

ا بوموسی معنسے روایت ہے کہ ایک صحوائی رسول الترصلی التی علیہ وسلم کے پاس آیا ور بولا کہ بعض لوگ شہرت کے بیے نظرتے ہیں، بعض تعربین کی نفا طر، بعض مال عنیمت کی قاطر، بعض شجاعت کے اظہار سکے لیے۔ بیس رسول الشرصلی التی علیہ وسلم نے فرما یا کہ جوشخص اس بیے نظرے تاکہ التٰد کا حکم بلند مہوجائے تو وہ فی سببل التد سے دبخاری مہم بگر، مسلم، تر مذری، نساتی، ابن ما مر،

مشمرے: حافظ صاحب نے اس اعرابی کا نام لاحق بن ضمیرہ من کھا ہے۔ اعلائے کلتہ اللہ کا مطلب یہ ہے کہ دین کی مرفراندی وسر مبندی اور اسلام کے دفاع اور مسل نوں کے مصائب کو دور کرنے کی خاطر ہماد وقتال کیا جائے تاکہ حق سے را ہ کی دکا وٹ دور ہوا ور فدا کے بندوں تک اس کا پیغام کسی دکا وٹ کے بغیر پہنچے سکے، اگر جہاد میں کوئی وزیدی یا ذاتی عزمن شامل ہوتو وہ فی سبیل اللہ در رہا۔

١٥١٨ ـ حُكَّا تَنَاعَلِي مُن مُسُلِعِ نَا اَبُودَ اوْدَعَن شَعْبَ لَهُ عَمُ وَقَالَ سَمِعْتُ مِن اَنِي وَالِي مَن اَنِي وَالِي حَدِين اللهِ عَلَى اللهُ اللهِ عَلَى اللهُ اللهِ عَلَى اللهُ اللهِ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ اللهِ عَلَى اللهُ اللهِ عَلَى اللهُ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ اللهِ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى الل

دوسرے طریق کے ساتھ وہی اوپر کی صدیث حس میں عمر و بن مزہ کتنا ہے کہ میں نے ابو وائل سے ایک مدیث سنی جو مجھے مبت بیند آئی آئی۔

٢٥١٩ - حَكَّا ثَنَا مُسْلِمُ بُنُ حَايَّةِ وَالْاَنْصَادِيُّ نَاعَبُ الدَّحُمٰن بُنُ مَهُ دِي نَا هُنَدُنُ بُنُ اَلِى الْمُوضَّاعِ عَنِ الْعَلَاءِ بِنِ عَبْدِاللّهِ بْنِ دَافِعِ عَنْ جَنَانِ بْنِ خَامِ جَمَ عَزْعَنْ لِاللّهِ الْبِنِ عَشْرِهِ فَحَالَ قَالَ عَبْدُى اللّهِ بْنُ عَشْرِهِ يَا رَسُولَ اللّهِ اَخْبِرُ فِيُ

عبدالتٰدبن عمروطنے کہایا رسول الشد مجھے جہا داور عزوہ کے متعلق تباہئے یصنور سنے ارشا دفر مایا اسے عبدالشر بن عرو اِ اگر توصبر کے مائة مخلصانہ طور پر قتال کرے گا توالٹ تعالی تھے صابر و مخلص انٹھا سے گا اور اگر توریا کا ک کے مسابقہ مال براھانے کی خاطر جہا دکر سے گا توالٹ تعالے بتھے دیا کارا ور مال کا طالب انٹھائے گا۔اسے عبدالشر بن عمر و توجس مال بر بھی قتال کر سے گا یا قتل مہو گا اللہ تبعالے شخصے اُسی صال میں انٹھائے گا۔

باكِ فِي فَضْلِ السَّهُ الديِّهِ فَضَلِ السَّهُ الديِّهِ فَضُلِ السَّهُ الديُّهِ فَضَلِ السَّهُ الديّ

١٥١٠ كَالَّ الْمُعْنَى الْمُعْنَى الْمُنْ الْمُنْ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَن السَّحَانَ عَن السَّعَانَ عَن السَّعِبْ الْمُنْ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ ا

ا بن عباس من کہ کہ کہ درسول السّرصلی السّرعلیہ وسلم نے فرما یا جب اُ صَدّ میں تہا رہے بھا نیوں کو شہا دت ملی تو السّد تعالیٰ سنے ان کی ارواح کو مبز بہدندوں کے اسبسام میں دانمل کردیا، وہ جنت کی نہروں بہرجا تے اوداس کے بھیل کھاتے ہیں اور عوش کے سائے میں مثلی موئی شنہری قند بلوں میں بسیراکرتے ہیں۔ بس جب انہوں نے اپ کھانے بینے

ا چیائی اور آرام گامہوں کی چیائی کو پایا تو کسنے مگے کو ن ہے جو ہمادے بھائیوں کو ہماری طرف سے یہ پیغام پہنچا ئے کہ ہم جنت میں زندہ میں اور ہمیں دز ق ملتا ہے۔ تا کہ وہ جماد سے ہے دعنبت ندمہوں اور جنگ کے وقت بز دلی نہ و کھائیں ۔ بس التٰد تعالی نے یہ آیت تازل ذبائی ؛ وکا وکھائیں ۔ بس التٰد تعالی نے یہ آیت تازل ذبائی ؛ وکا گھٹٹ بن المائز بن فتیلڈ آآ کہ "جوالٹ دکی اس میں متل کئے گئے انہیں مرد سے مت گمان کروٹ البی ان ۱۹۹ (مسلم الحکم مسلم کی روایت ابن مسعود منت ہے ۔

شهر کے : تنا سخ ارواح کا تعلق اِس و نیا کے رہا تھ ہے اور یہ عقید ہ بعض فلاسفہ بیزنان اورمشر کین مہند کا ہے . دوسے بھان کے معاملات کواس و نیا پر قباس نہیں کیا مباسکتا لہذا اس مدسیف سے تنا سخ پر استدلال با طل ہے ۔

المهاد حَكَ نَكُ أَكُ أَكُ الْمُكَادُّنَا يَزِيدُ لُهُ ثُنُ ذُرَيْعٍ نَاعَوُفَ حَكَ فَتُنَا حَسُنَامُ يِنْتُ مُعَادِيَةً الصَّرَيْمِيَّةً فَاللَّ حَتَى فَنَاعَتِیْ فَالنَّیِ صَلّی اللّٰهُ عَنَاعَتِیْ فَالنَّا فِلْتُ لِلنَّیِ صَلّی اللّٰهُ عَلَیْهُ وَسَلّی اللّٰهِ عَلَیْهُ وَسَلّی اللّهِ مَنْ فِی الْبَحَنَّةُ وَاللّهُ اللّهُ الْبُحَنَّةُ وَاللّهُ الْبُحَنَّةُ وَاللّهُ اللّهُ ال

صناء نبت معاویہ صریمیہ نے کہا کہ مجھ سے میرے چھا (اسلم بن سلیم) نے بیان کیا،اس نے کہا کہ میں نے نبی مسلی الشر علیہ وسلم سے بو تھا، جنت میں کون کون مہوں گے ؟ فرمایا: نبی حنبت میں ہوگا اور شہید حنبت میں ہے اور مولو و حنت می ہے اور زندہ درگور بحیہ جنبت میں ہے ۔ فلام

شُکرے : موتود سے مراد طفل صغیر ساقط شدہ عمل اور نابا نغ بچہ ہے۔ و ترکید کا معنی ہے زندہ مدنون بچہ جاہلیت میں کچھ ہوگ اور نابا نظر بچہ سے ۔ و ترکید کا معنی ہے زندہ مدنون بچہ جاہلیت میں کچھ ہوگ نظر کی سون موٹ کا دانشا ہوتا ۔ اللہ سے اور بھی نائر کا ارتفاد ہے : وَ إِ ذَا الْمُحُرُّوُ وَ وَ اَ مُسْكِلُتُ بِا تِي ذَنْهِ فَتَوْلَتُ اُور جب زندہ گاڑی مہوئی لڑکی سے بوجی جائے گاکہوہ کس گناہ بچہ و ترانی میں میں کے کہا ہے کہ کھی و لئے بچے مسلمانوں کے بول یا کفار کے ،سب کا ہی حکم ہے ۔ گناہ بچہ مسلمانوں کے بول یا کفار کے ،سب کا ہی حکم ہے ۔

بَا دِبُ فِي الشَّهِيْدِي يَشْفَعُ

دَاوُدَ صَوْا بُهُ ادْ رَبَاحُ بُنُ الْوَلِيْ لِ

نران بن عتبہ زمادی نے کہا کہ ہم ام الدروا، رہ کے پاس گئے اوداس وقت ہم تیم تقے تواس نے کہا کہ بشارت پاؤ
کیونکہ میں نے ابوالد روادرہ کو کھے شنا کہ رہ ول الطوم ملی الشرعلیہ وسلم نے فرما یا : شہید کوا پنے متر اہل بہت کی متفاعت کی
عبازت دی جائے گی۔ ابوواؤد نے کہا کہ ہم آن نے خطاکی ہے اس کے امتاد کا نام مرباح بن الولید ہے واود اس نے
اسٹ کر ولید بن رباح کہ دیا ہے، منذری نے کہا کہ ام الدروارہ کا نام ہم تھے یا جہید انصار یہ تعااور یہ ابوالد دارہ کا کہ جمید یا جہید یا جہید انصار یہ تعااور یہ ابوالد دارہ کی کہ میں اس کی روایت یوں کی ہے کہ ہم ام الدر وارش کے باس کے آور ہم تیم سے کہ میں اس کی روایت یوں کی ہے کہ ہم ام الدر وارش کے باس کے آور ہم تیم سے کہ جم ام الدر وارش کے باس کے آور ہم تیم سے کہ میں ہے بیٹونویش ہوجاؤ کیونکہ جمے امید ہے کہ میں کواپنے باپ نام دیا ہوگا کا باپ شہید ہوچکا کا ا

كا دوس في النوريزي عُرْفَارِ النهابيد

٧٧٥٢ حَكَّ ثَكَ عُكَدُّ الْمُكَا عَهُمُ وَالْوَادِيُ مَا سَلَمَتُ يَعْنِ ابْنَ الْفَضُلِ عَنْ كَتَلَا الْمُؤْكِدُ اللَّهُ عَنْ كَلَا اللَّهُ عَنْ كَلَا اللَّهُ عَنْ كَا لَكُ اللَّهُ عَنْ كَا لَكُ اللَّهُ عَنْ كَا لِللَّهُ عَنْ كَا لِللَّهُ عَنْ كَا لَكُ اللَّهُ عَنْ كَاللَّهُ عَنْ كَا لَكُ اللَّهُ عَنْ كَا لَكُ اللَّهُ عَنْ كَا لَكُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَنْ كَا اللَّهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْهُ عَالِمُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللْهُ عَلَى الْهُ عَلَى الللّهُ عَلَى الللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى الللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللللّهُ عَلَى اللّهُ عَل

شُعْبَةُ فِي صَوْمِهِ وَعَمَلِهُ بَغُولًا عَمَلِهِ إِنَّ بَيْنَهُمَّا كَمَا بَيْنَ السَّمَاءِ وَالدَّوْضِ

عبیدبن فالدشلی شنے کہا کہ رسول الشدم اللہ علیہ وسلم نے دومردوں میں بھائی جارہ قائم کیا۔ بھران میں سے ایک توشید ہوا اور دوسراس کے بعد ایک ہفتہ بھر میں بااس کے قریب فوت ہوگیا۔ بس ہم نے اس کی بماذ جنازہ بڑھی آئورسول الشرصلی الشرعلیہ وسلم نے فرمایا کہ ہم نے اس کے حق میں کیا کہا ۔ اسے بہر نے اس کے سیے دعاء کی اور کہا : اسے بخش دے اور اسے اس کے مماعتی کے ساتھ ملا دے۔ بس دسول الشرصلی الشرعلیہ وسلم نے فرمایا : اپھر اس کی بمازیک میں کہا دارے میں شک اس کی مداور اسے میں میں مدید ہے بعد کہاں گیا ۔ اور اس کا عمل اُس کے موامی اور ملاون میں اتن فاصلہ سے مبتنا اس کا ورز میں کے دوم میان ورز میں اور میں اتن فاصلہ سے مبتنا اس کا دور میں اور میں اور میں مدید میں مدید میں مدید میں مدید کے دوم میں مدید میں مدید میں مدید میں مدید کے دوم میں مدید میں مدید میں مدید میں مدید کی مدید میں مدید کے دوم میں مدید کے دوم میں مدید کی مدید میں مدید کی شدید کی مدید کی

مثیرے: ہم خرت کے درجات کی بندی ، تبو بیت اعمال اور خلوص و قدر و منزیت کا معاملہ اللہ تعالیٰ کے سپردہے معارد من معارد منے سمجھام و گاکہ بہلا شخص جو تقہیر ہموا تقام س کا مقام بڑا ببند ہو گا لمذا انہوں نے اس دو سرے کے سیسے اس کے رائقہ ملائے جانے کی دعاء کی مگر رسول اللہ مسلی اللہ علیہ وسلم نے بزریعہ وحی یا کشعب حقیقی منے علوم کر لیا کہ اس کے صدق عل اور خلوص و تقوی کا مقام اس سے ببند ترہے ۔ بعض لوگ نماز ، صدقہ ، ذکو ہم بردر دی م خلائق ، خوش خلقی اور خلوص کے باعث سب سے اونجا ورجہ پالیستے ہیں ۔ اول سشخص شھادت کا ملہ کا مقام

ں پاسکا نہواور دو تراشخص اپنے بنی تہ عقید ہے ،خلوص اور صد تن عمّل ترکے باعث م س سے بیڑھ گیا ہو۔ اس مدیم کے کا بھی یا ب کے عنوان سے کو فی تعلق نظر نہیں آتا ۔

۔ سی حبر پر جہا دفر من مہووہ مال وعنہ ہ و کیگرا نئی مگا کہ کہی اور کو بھیج دے۔ یا کو ٹی شخص مال ودولت دے کہ کسی افازی کور وک اوراس کی حبگہ پہنچو د جلابا ہے۔ بعض و فعہ الیہا مہوتا تھا کہ مثنلاً نصعت، یا ثلث یا اُربح کی تعداد طلب کی مہاتی تھی، تو چندا و می مل کہ ایک یا دو کے تمام اخرا مات پورے کر دینے اور اسے کچہ مال و دولت و سے دستے تاکہ ان میں سے دود دوانہ ہو مائے۔ بعدال جمع ہے جبیا ہی انجمالہ یا حکم کی ۔ مدیث میں اس کی کراہت کا ذکرار ہاہے۔

بَاحِثُ فِي الْجَعَائِلِ فِي الْغَزُو

٢٥٢٥- كَتْ نَمْنَا اِبْرَاهِ بَهُمُ بُنُ مُوسَى الْتَازِيُ اَنَاحِ وَنَا عَمَرُوبُنُ عَهْمَانَ الْمُحْتَدُنُ مُوسَى الْتَازِيُ اَنَاح وَنَا عَمَرُوبُنُ عَهْمَانَ اللهُ عَنْهُ الْمُحْتَدُنُ اللهُ عَنْ اَبِي سَلَمَة سُلَيْمَانَ بَنِ اللهُ عَنْ اَبِي سَلَمَة سُلَيْمَانَ بَنِ اللهُ عَنْ اَبِي اَنْهُ اللهُ عَنْ اَبِي اَنْهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّو يَقُولُ سَنَفَتَمُ عَلَيْهُ وَ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّو يَقُولُ سَنَفَتَمُ عَلَيْهُ وَاللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّو يَقُولُ سَنَفَتَمُ عَلَيْهُ وَاللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَوا لَا اللهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّو يَا اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّو اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّو اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّو اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّو اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ الللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ

الأَمْصَارُوسَتَكُونَ جُنُودٌ جُنَّنَّهُ أَيْقُطُمُ عَلَيْكُوفِهَا بَعُوَثًا فَيَكُرُهُ الرَّجُلُ مِنْكُو الْبَعْثَ فِيهَا فَي كُلِنَتَ حَلَّى مِنْ قَوْمِهِ ثُكَّ بَنَصَفَّحُ الْقَبَائِلَ يَعُرِضُ نَفْسَرُ عَلَيْهُ وُ يَغُولُ مَنْ ٱكْمِفْبُهِ بِغُثْ كَذَا كُفِيهِ بَعْثَ كَذَا الْاَوْدِلِكَ الْاَجِبُرُ إِلَى الْحِرِفَطُوقِ

ع مِنْ دَمِهِ۔

الوالوث سے روایت ہے کہ اس نے رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم کو فرما تے سُنا ، عنقر بیب تم پر شہراور ملک نتے ہوں گ نتے ہوں گے اور بڑے بڑے نشکر تیا رہوں گے اور تہا رے ذمہ ان کے لیے نوجیں جمع کرنا دگائی مانمیں گی بھر تم میں سے کوئی آ و می ان میں نہ جانا چاہے گا ور قبائل ہیں گھوم بھر کر شلاش کر سے گا ، اپنے آپ کو ان کے سامنے پیش کرے گا اور سکے گا : کون ہے جس کے لیے میں فلال نشکر کے لیے کون مُت کروں ؟ وہ کون ہے جس کے لیے میں فلال فوج میں جانیکو کا نی ہو جاؤں ؟ خبر وار ! وہ اپنے نون کے آخری قطرے مک اُ جرت پر کام کرنے وال ہوگا۔

نشی سے: بینی اگر وہ اپنی قوم میں رہتا توبلام ہرت جہا دمیں بٹامل ہو ناپٹ تاکیو کہ حکومت کی طون سے با بندی تھی کہ اشتے آومی فلال قبیلہ اور اسٹے فلاں قوم مہیا کہ ہے۔ اب وہ اپنے آپ کو ام برت پر دوگوں کے سامنے پہلی کہ تاہے کہ اسے اتنی رقم با فلاں فلاں چیز ملے تو وہ وسینے و اے کے عوض میں جہا دبر اجارہ منعق دکر ناج افرنسیں۔ یہ ایک قیم کا سکود ا جار با۔ عمام خطابی نے کہ اس میریٹ سے معلوم ہوا کہ جہا دبر اجارہ منعق دکر ناج افرنسیں۔ یہ ایک قیم کا سکود ا

ہے اور ایسے تخص کو مال غنیت میں سے کچھ دیئے جانے میں اختلا دے۔

> كَالْكِ السَّرِيْكِ الْمُحْتِينِ أَخْنِ الْجِعَالِيْلِ مُعُلَى مَاسِلِ مِنْ الْمُحْتِينِ الْمِعَالِيْلِ مُعُلَى مَاسِلُ مِنْ الْمُنْتِ الْمِنْسِينَ الْمِابِ

سخماب الجب و

٢٥٢٧ ـ حَكَّا نَنَا إِبْرَاهِ يُوْبُنُ الْحَسَنِ ٱلْمِصِينِعِينُ مَاحَبَّاجٌ يَعْنِي إِنَّ مُتَحَمَّدٍ ح وَنَاعَبْلُ الْمَلِكِ بْنُ شُعْيَبُ ابْنِ وَهُبِ عَنِ اللَّبُثِ بْنِ سَعْدِاعَنُ حَبِّوَةً بْنِ اللَّهُ عَنُ اللَّهُ عَنْ عَبْدِاللَّهِ بْنِ عَنْ مَرْدُلُ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلِيهِ اللَّهُ عَلَيْهِ الللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ الْعَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ الْعُلْهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ الْعَلَيْهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْعُلْهُ اللَّهُ الْعُلْهُ اللَّهُ الْعُلْهُ اللَّهُ الْمُلْعُلِهُ اللَّهُ الْعُلْمُ اللَّهُ الْمُلْعِلَى اللَّهُ الْعُلْمُ اللَّهُ الْمُلْعُلُهُ اللَّهُ الْعُلْمُ اللَّهُ الْمُلْعُلِمُ اللَّهُ الْعُلْمُ اللَّهُ الْعُلْمُ الْعُلْمُ الْعُلْمُ الْعُلْمُ اللَّهُ الْعُلْمُ اللَّهُ الْعُلْمُ الْعُلْمُ الْعُلِمُ اللْعُلِمُ اللَّهُ الْعُلْمُ اللْعُلْمُ الْعُلْمُ الْعُلْمُ الْعُلْمُ اللَّهُ

وسَلَّوْ فَالَ لِلْغَاذِي أَجُوهُ وَلِلْجَاعِلِ آجُرُهُ وَآجُرًا لُغَاذِي . عَبِنَا طَعْ إِنْ الْمُعَلِيدِ وَالْمَ الْمُعَلِيدُ وَالْمُ الْمُعَلِيدُ وَالْمَ الْمُعَلِيدُ وَالْمَ الْمُعَلِيدُ وَالْمُ الْمُعَلِيدُ وَالْمُ الْمُعَلِيدُ وَالْمُ الْمُعَلِيدُ وَالْمُعَلِيدُ وَالْمُعْلِيدُ وَالْمُعَلِيدُ وَالْمُعِلِيدُ وَالْمُعْلِيدُ وَالْمُعْلِيدُ وَاللَّهُ اللَّهُ اللّ

اور مددگاد کے پیے اس کاا جربھی ہے اور غازی کا بھی ۔ مشمر سے ہمیاں پر مباعل سے مرا دمعین و مددگاد ہے بہ کہ کرائے برے کرکسی کوبطور پر دورجہا دہیں بھیجنے والا۔ بعنی وہ شخص مراد ہے جو غازی کی معنت مدد کر ہے اور اس سے پیے مہا مان جنگ حتیا کرے۔ بیراس لیے کہا کہ بی مدد بر بظا ہر گذر شخد اما دیث کے خلاف نظر آتی ہے ۔ بس اُن میں تو کرائے کا غازی مراد سے جو فحض دنیوی اغراض کی خاطر لڑتا ہے ، اور بیمال وہ شخص مراد ہے جو مملوص نیت سے لڑتا ہے مگر دومرے ہوگ اس کی مدد کرتے ہیں ۔ اور اُن ا ما دیٹ میں مہاعل سے مرادوہ ہے جو ممیلان جنگ میں مبا نے سے کترا تا ہے اور کسی کر ائے ہے سیا ہی کو اسامان جہتا کر دیتا ہے۔ بس دونوں قسم کی اما دیٹ میں فرق ہے ۔ اوپر یہ بحث گزر دی ہے۔

> كاملىك فى الرَّحل يَعْرُوبِ الْجُرِالْخِيْلَ مَنْ باب س منس كے بيان ميں جوندمت كے جربِ جادكر تاہے .

١٥١٠ - حَكَّ اَنَا اَحْدَدُنُ عَدِهِ اللهِ عَلَى عَلَى اللهِ عَنْ عَبْدِ اللهِ اللهِ اللهِ عَنْ اللهُ عَلَيْهُ وَ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهِ عَنْ اللهُ عَلَيْهُ اللهِ عَنْ اللهُ عَلَيْهُ وَ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَ اللهُ ا

الَّنِيُ سَمَتِي.

بعلی بن منیہ شنے کھاکہ رسول اللہ صلی الشرعلیہ وسلم نے جہاد کی منادی کلائی اور میں بہت بوٹر صابحا ، مراکوئی خادم نہ نقا، بس میں نے کوئی اچرین اس کیا جو تھے کفا بت کرے اور میں اُسے اس کا حصتہ دوں ، سومیں نے اکب اُدی بالیا، جب کوچ کا وقت قریب آیا تو وہ میرے پاس آیا ور بولا: بھے نہیں معلوم کہ حصد کیا ہم قامے اور تھے کیا سے گا ۔ فیم میرسے بھے کوئی چیز معین کر دو ، کیا پہتہ حصفے سے یا نہ طع ۔ بس میں نے اس کے لیے تین ویٹا اور کئی ۔ کیا سطح گا ۔ نم میرسے سامنے آیا تو میں نے بیا کہ اُس کا حصتہ لگا وُس مگر جھے ویٹا ریا و آگئے ۔ بس میں نبی صلی اللہ علاج سلم کے باس گیا اور اُس شخص کا قصتہ بیان کیا ۔ بس صفور سے فرط یا کہ میں اس کے عزدہ میں دینا و اس خرب میں اس کے میں دینا وار میں اس کے میں دینا وار میں اس کے میں دینا وار جو اس نے مقررت میں اس کے میں دوں دور دینا دیا تا ہوں جو اس نے مقررت میں اس معال صول

مشرے: بعیلی بن نمنیدو کو بعیلی بن امید بھی کہا جاتا ہے۔ منیدان کی والدہ کا اور امید باپ کا نام تھا، لہذا دو لوں طرح ورست ہے۔ مولا ناس فے فرہا یا ہے کہ فدمت گار ہے اُجرت پر کوئی لایا ہو، اگر قتال میں شامل ہو مبائے توکے اُ جرت اور مال فنیمت کا عصر بھی طے گا کیو نکہ یہ دو نوں ایک دوسرے کے نملات نہیں ہیں جی شخص کا یہاں وکر ہے یہ محف کما ہے کا فادم تھا، جنگ کی فاطر نہیں لایا گیا تھا۔ مسلم کی دوایت کے مطابق سلم بن اکو کا محفور مسلی اللہ علیہ وسلم نے فنیمت کا محصد دیا تھا کہ ونکہ وہ جنگ میں بھی نشاس تھے، بہت ماہر سر انداز سفتے اور لملحر من کے گھوڑ سے کی اس کے علاوہ تھی واللہ اعلم.

بَاسِيْ فِي الرَّجْلِ يَغْزُفُو وَإِنَّوَا لَا كَارِهَانِ.

ماں اپ کی نا کیند ید گی کے باوجود جاد کرنے والے کا باب

ى بىلات ئى بى بى گوشى كەن كەن كەن كىلىن شخص رسول التەمىلى التارىكىيە دسىم كے پاس آيا دركە: بىس آپ سے ہجرت پر بعت كەنے آيا ہوں اور اپنے ماں باپ كوروتا ہوا جھوڑ آيا ہول . آپ نے فرما يا وائس چىلاما انہيں بىنسا كە تونے انہيں رُلايا نظا : دىنساتى ، اس مآمر ،

متسمے : علام خطابی نے کماکر جاد حب فعلی ہوتو والدین کی اجازت بغیر مائز نمیں گرجب جبا دفر من عین برد جائے نو مواج ان کی مزورت نمیں، اگروہ

روکس توان کی بات نه بانے اور میں جائے ہیا می وقت جبکہ والدی سم بوں ۔ اگر وہ کافر ہموں توجها وکی کسی صورت میں جی وہ روکس توان کی بات نه بان کی اور کفار کی بدو ہوتی ہے ۔ اگر وہ کافر ہموں توجها وکی نا فرمانی اور کفار کی بدو ہوتی ہے۔ اس بیر صوف بیر فرمن ہے کہ ان سے دی کر سے اور ان با تول میں فرمان برواری کر سے جن میں خدا ور سول کی معقیبت نہ ہمو۔ فرمن جہا وکی صورت میں ان کی اجا تر سے برائے ہوں کی اوائیگی فوری کرنا ہو۔ مدریٹ میں صرف ہجرت کا ذکر سے جہا و کا نہیں، مگر دونوں کا حکم ایک ہی ہے۔ اس کیے اس بی ابو داؤ و نے یہ صدبیث و رج کی ۔

و ۲۵۲۹ - حَكَ نَكُ كُمَّ مُن كَشِيْرِ أَنَا سُفَيَانَ عَن جَبْبِ ابْنِ آبِ فَ تَابِتٍ عَنْ آبِ الْعَبَّاسِ عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ عَمْرِ وَقَالَ جَاءَ رُجُلُ إِلَى النَّبِي صَلَى اللهُ عَكَيْهِ وَسَنَّعَ وَقَالَ يَا رُسُولَ اللهِ أَجَاهِ مُن قَالَ أَلَكَ آبُوانِ قَالَ تَعَنْمِ قَالَ فَعِيْمِهَا فَجَاهِ مُ قَالَ أَبُودُ وَاوَ كَابُو الْعَبَاسِ هَذَا الشَّاعِرُ الشَّاعِرُ الشَّاعِ مُن السَّاعِ مُن السَّاعِ مُن السَّ

عبد التلذين عرض نے کہا کہ نبی صلی التارعلیہ وسلم کے پاس ایک مرد آیا اور لولا: یا رسول التکد میں جہا دکروں گا۔ آپ منے فرما یا کیا متر سے ماں ہائے ہیں؟ اس نے کہا ہاں۔ فرما یا تو انہی میں جہا دکر۔ البوداؤ دنے کہا کہ مدیث کارا وی ابوا لعباس شاع بقاحب کا نام مدائب بن فروخ تقا ربخارتی کتاب الا دب اور کتاب الجما در مسلم، تشدندی، نساتی اور منداحد) یہ جہا دفوض عین مذتقا اس لیے یہ فرمایاگیا۔ نفلی جہا دا ور دیگر نفلی عبا دمیں مسلم والدین کی اجازت کے بغیر جائز نہیں۔ کا فرسے اجازت کا سوال نہیں۔ اوپر بحث گذری ہے۔

٧٥٣٠ حَلَّا نَكَ الْمَعْيُكُ بْنُ مَنْصُوْدِ نَاعَبْكُ اللهِ بْنُ وَهُبِ آخُبُرُ فِي عَمْثُرُو اللهِ بْنُ وَهُبِ آخُبُرُ فِي عَمْثُرُو الْمُعْدِ حَلَّا ثَنَّهُ عَنْ آبِي الْهَيْثُمِ عَنْ آبِي اللهُ ا

ابور معید قدری سے دوا بت سے کرایک مرد نے دسول انٹر مسلی انٹر علیہ دسلم کی طرف بین سے ہجرت کی۔ بس دسول انٹر مسلی انٹر علیہ وسلم نے اس سے بچہ تھیا : کیا بین میں تبراکوئی ہے ؟ اس نے کہا : میرے والدین - فرمایا، انہوں نے تجھے اجازت دی تھی ابولاکہ نہیں - فرمایا : توان کی طرف وا پس جا ،اگر وہ بچھے اجا فرت دیں توجہا دکروں مران کے سابھ نیکی کردی بینی ان کی خدمت بجالا ہی بیرا جہا دہے ؟

بَاكِبُ فِي النِّسَاءِ بَغِزُونَ

عورتول كي جها دكاباب

٢٥٣١ - حَكَّانُكُ عَبُدُهُ السَّلَامِ بَنُ مُطَهِّرِنَا جَعْفَرُبْنُ سُلِمُكَانَ عَنْ ثَابِتٍ عَنْ ٱنَشِى قَالَ كَانَ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسُلَّوَ بَغْثُرُ وِبِالْمِرْسُكَيْمِ وَنِشُونَةٍ مِنَ ٱلْأَنْصَارِ لَيِسْفِيْنَ الْمَاءَ وَيُهِ اوِبْنَ الْجَرُحَى .

انس بی مالکرمے نے کہا کہ دسول اللہ مسلی اللہ علیہ وسلم اُسَ صلیم اور انعماد کی کچھ ٹوا تین کو جہا دیں ساتھ سے م مباتے مقے تاکہ زخمیوں کو با بی بلائیں اور ان کا علاج کریں دمسلم ، تزیدی ، نسائی)

شہرے: خطابی نے کہا ہے کہ خوا ہمین کو میدان جہا و ہمی بعین خدمات کے لیے ما تھ لے جانے کا اس حدیث میں ہوت ہے۔ اور بعین و بگرا حاد بیٹ بین ابت ہے کہ کچر عود توں نے شکر کے مائھ جانا چا ہا تور سول الشرصلی الشرعلیہ سلم نے ان کی واپی کا سحکہ دسے دیا ۔ اس حکم کا منشاء دوجیزیں ہوسکتی ہیں : ابک یہ کہ اس وقت سے حالات سے آئی نے اندازہ فر مالیا ہوگا کہ دشن پر غلبہ نتا پر حاصل بنہ ہوسکتی ہیں ان عور توں کا نحوف نقا کہ مبادا کسی فقت میں بڑیں یا گرفتار ہو جانہ بی لہذا انہیں واپس کلا دیا ۔ دور ہری وجہ یہ ہوسکتی ہے کہ ننا پر بنو جوان نحوج مورت عود ہیں ہول گی جوا بنے لیے اور دوسروں کے لیے فقتے کا ہاعث بن سکتی تقین لهذا آئی نے انہیں گھروں کو واپس بھیج دیا عود تیں اگر میدان جنگ میں جائیں اور کچے خدمات بجالائمی تو عاملاً اس کے نز دیک ان کا مالی عنیمت میں ہا قاعلہ کوئی مصد خدم نہیں ہوتا ۔ ابن عباس دیا ور تور کی کا خرب ہوتا ور تور کی کا خرب ہوتا ور تور کی کا خرب سے کھے نہیں دیا جاتا ۔

بَاهِ فِي الْعَزُومِ أَئِنَةُ الْجَوْدِ

ظا لم حكام كي سائق جها وكاباب.

۲۵۳۲ - حَكَّا نَكَ سَعِيْدُ اَنَ مَنْصُورِ نَا ٱبُومُعَاوِ بَنَهُ نَا جَعْفَرُ بَنُ اَبُرُقَا نَ عَنَ الْمَنْ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ الل

ظالم ا*گر فلمروستم بیر*آماده مهوں اور اور اور سلمراسلامی *سرحدوں بیرحمد*آ در ہوجانیں توجهاد و قتال انہی حکام *کے سابق* ہوگا

جوبر سران تدارا ورمسلّط میں ریرا حکام نها یت معتدل ، متوازن اورعقلی ہیں ۔ ما فظ آبن تجرکا قول ہے کہ نیکی اورجا دمیں ائر جورکا ساتھ وسینے پہا وران کے ضلا من خروج و بغا وت کی حرمت پر اہما ع امت ہو چکا سیے ۔ نروج کے بعض واقعات اس اجماع سے قبل بیش آئے تھے ۔

بَاكِسُ الرَّجُلِ يَنْعُمُّ لَ مِكَالِ غَيْرِهِ يَغْرُفُ

جو الخفس الا و المان الله و والرسال الله و والمرسال الله و الله الله و ا

عنوان کامطلب ہے سبے کہ جماد میں مجا ہریں ایک دوسرے کی مدد کھریں ، جن کے پاس سواری یا سازوما مال نہ ہوانہیں جتیا کریں اورسب مل کمرجہا دمیں حصدگیں ۔

۲۵۳۸ - حَكَ نَنَا عُحَدَّهُ بِنُ سُيَهُانَ الْاَنْبَادِيُّ نَا عُبَيْهِ الْعُنْدِي عَن الْاَنْدِ وَبَنِ عَبْدِ اللهِ عَن اللهُ عَن اللهُ عَن اللهِ عَن اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَن اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَن اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ اللهُ عَاللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلْ اللهُ عَلْمُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ

مباہر بن عبدالٹدون سنے رسو ل الٹرمسلی الٹرعلیہ وسلم کی صد میٹ بیان کی کہ ایک دفعہ جہاد کا الاوہ ہجا تو اکب نے اردا و زمایا: اسے مہاجرین اورا نصار کی جماعت، تہا رسے ہمائیوں میں کچھ وہ ہوگ بھی ہیں جن کے پاس مال یا خاندان و برادری شیں
سیے ۔ پس خم میں سے کچھ لوگ ان دودو یا تبن ہیں کو اپنے مہان کھ کہ ہمارے پاس اتنی سوار یال نہ میں ہوا نہیں اظا کر ایجا
سکیں صواسے اس کے د عبار نہیں کہ کہ باری باری ان پر سواری کریں، بعنی وہ لوگ جن کے پاس سواری نہ تھی۔ جا بردا نے
کہ کہ: پس میں نے اپنے ممائے دویا تمین آو می اور سے۔ جا بردا نے کہا کہ میرے اونٹ پر سواری کی نوبت مجھے ہمی اسی طرح ملتی
تھی جس طرح ان میں سے مرایک کو ملتی تھی۔ وی جا بہ القبیاس مجھنے آو می ایک سواری پر ہموتے وہ باری باری سوار اور
کی باری میں دوسرے کی ہاری کی ما نزر ہموتی تھی۔ علی بڑا القبیاس مجھنے آو می ایک سواری پر ہموتے وہ باری باری سوار اور

بَائِكُ فِي الرَّحْلِ يَغْزُونَيُلْمِ مِن الْأَجْرُوالْغِنْيَةُ.

باب جها د كرنے والا اجرا ورغنیرت دو توں كاطا سب مور

٢٥٣٥- حَمَّا ثَنَا آخُمُهُ بُنُ صَالِح نَا اسَهُ بُنُ مُوسَى نَا مُعَاوِيَةُ بُنُ صَالِح حَمَّا تَنَى ضَمُهُ وَ الْمَنْ مَعُهُ الْاِيَادِيُّ حَمَّا تَنَهُ عَالَ نَزلَ عَلَى عَبُهُ اللهِ بُنُ حَوَا لَنَهُ الْاَرْدِيُّ وَمَّا لَا يُعْمَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَنَّو لِنَعْ نَوْعَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَنَّو لِنَعْ نَوْعَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ

بَا حَبُّ فِي الرَّحِيلِ بَنْثُمِرِي نَفْسَهُ اس دَى كا باب بوابنى مان كوندا كسيد بيج والد

TOURD BEFORE THE FOR THE PROPERTY OF THE PROP

بعبدالشدین مسعود مننے کہالہ دسول الشرصلی الشرعلیہ وسلم نے فرہایا : ہمالا رب عزیومیل اس مرد پردامنی ہوگیا جس نے الشرعز ومبل کی لاہ میں جہا دکیا ، بھراس کے مسابھی شکست کھا کمہ پچھے ہوٹ گئے گراس نے مہان لیا کہاس پر کیا وا حب ہے پس وہ پھرواپس ملیٹا حتیٰ کہ اس کاخون بھا دیا گیا۔ بس الشرعز و مبل اپنے فرشتوں سے کہنا ہے : میرسے بندسے کی طرف د کیمسو ، بیرمیری دمنا ورحمت کی رعنبت میں واپس موااور میرے عذاب سے ڈرکریمیدان کی طرف مُوااحق کہاس کا نحون تک بھا دیا گیا د مسند احمد مطوّلاً ، جہان کو بہج ڈالینے کا مطلب ہے مروصوط کی ہائدی سگا دینا۔

مشرح، منذری نے احمد بن صنبان کا قول نقل کیا ہے کہ عطآ ، بن سائب آخری عمرس متغیر ہوگیا تھا۔ جنہوں نے اس کے تغیرسے قبل اس سے مدیث سے دو مدیث ہوں ہے۔ اس عجرب کو کی شخص اسے حالات سے دو مار بروجائے ہوگیا تھا۔ جنہوں نے ہوئی کے دی سے مراور دنا ، الہی ہے۔ دنا نعی ہیں ہے کہ جب کو کی شخص اسے حالات سے دو مار بہوجائے تواگراس کا خیال ہو کہ میں وعمٰن کو کوئی نقصان صرور بنچا دوں گا تو اس کے سیے بلٹ کر حملہ کہا اضاف سے بہتہ جل جائے کہ مسلمانوں کے دیسے اسے دھمن کا کمچہ نہیں گہڑیکا اس سے دھمن کا کمچہ نہیں گہڑیکا تواس کے لیے بن تہنا حملہ کر دینا جائز نہ ہوگا۔ فاسق مسلمانوں کو امر جانبی میں المنکر کی صورت میں اگر کسی کو قتل کا خدیشہ میں تو نہیں کیونکہ اس سے دین کا اعزاز ہوتا اسے ۔ قتل کا خدیشہ میں کوئی حرج نہیں کیونکہ اس سے دین کا اعزاز ہوتا اسے ۔

با ويم فيمن يسليم ويفتن مكانكرني سيبل الله نعالى بوهنس اسلام لاتي راه مقرس تن برجائي ألاب -

٢٥٣٤ كُلُّ نَنَا مُوْسَى بْنُ إِسْمِعِيْلَ نَاحَمَّا ذَانَا مُحَكَّدُا بُنُ عَمْرِوعَنُ إِنْ سَلَمَدَ عَنُ إِنْ سَلَمَدَ عَنُ إِنْ الْحَكَدُ اَنَا مُحَكَّدُ اَنَ مُحْرَو مَنَ أَفِي الْمَكَةُ عَنُ إِنْ الْحَلَى الْجَاجِ لِيَدَةٍ فَكِرَةِ آنَ يُسْلِوَ حَتَى الْحَدَّةُ فَكَا أَنِي الْحَدِيدِ قَالَ الْحَدِيدِ قَالُوا بِالْحَدِيدِ فَكَ الْوَا بِالْحَدِيدِ فَالُوا بِالْحَدِيدِ فَالْوَا بِالْحَدِيدِ فَالْوَا بِالْحَدِيدِ فَلَا اللَّهُ الْمُؤْمِنَ لَكُوا بِالْحَدِيدِ فَلَكُ اللَّهُ الْمُؤْمِ فَلَكُمْ اللَّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللللّهُ الللّهُ الللّهُ اللللّهُ الللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّه

رَاهُ الْسُلِمُونَ قَالُوْ اللَّكَ عَنَّا بَاعُمُرُونَا لَ إِنَّ قَدُ الْمَنْتُ فَقَا تَلَ حَتَّى جُرِمَ فَحُمُلَ إِلَىٰ آهْلِهِ جَرِيْتًا فِجَاءَهُ سَعُمُ بُنُ مُعَادٍ فَقَالَ لِأُخْتِهِ سَلِيْهِ حَمِيَّةٌ يِقَوْمِكِ ٱوْغَضَبًا كَهُمُ آمُرِغَ ضَبًا يِلْهِ فَقَالَ بَلْ غَضَبًا يِلْهِ وَلِرَسُولِهِ فَمَاتَ فَكَ خَلَ أَجَنَّةٌ مَا صَلَّى للهِ صَلاةً -

ابوہریہ دستے روایت ہے کہ عرو ہ تیش م کا زمانہ جاہیت ہیں کسی کے ذمتہ سُود تھا، پس اس نے سُود کینے سے پہلے اس اسلام لا نا زبا ہا ، پس وہ جنگ اُ مدکے دن آیا اور کھا کہ میرے ہجا زا دیما فی کھال ہیں ؟ لوگوں نے کھا کہ اَ مدہیں ہیں ۔ اس نے کھا فلال کھال سے ؟ لوگول نے کھا کہ اَ مدہیں ۔ اس نے کھا فلال کھال سے ؟ لوگول نے کھا کہ اَ مدہیں ۔ پس اُس نے کھا فلال کھال سے ؟ لوگول نے کھا تو کھا تو کھا تو گھوا تو گھوا ہو اِ ہجران کی طوٹ گیا ۔ جب مسلمانوں نے اسے و مکھا تو کھا: اسے عمر وا ہم سے پر سے دہو ۔ اُ مس نے کھا کہ میں ایمان لا جکا ہمول پس وہ لڑا سی کہ برن سے کھا کہ اسست پوچھ : تو اپنی قوم کی مغیرت کے باعث باان کے گیا ۔ سعد بن معا ذریع اس کے پاس آئے اور اس کی بہن سے کھا کہ اسست پوچھ : تو اپنی قوم کی مغیرت کے باعث باان کے باعث باان کے باعث باان کے باعث باان کے باعث بان کہ اس نے کھا بلکہ میں اصلا وراس کے رسول کی خاص میں جو دنول جنب کا ذکر ہے بیا بوہر نیرہ دمن کی طون سے ہے گر ولائل شرع کی ابوہر نیرہ دمن کی طون سے سے گر ولائل شرع کی باز بریرہ ایک جو برنے کہ برن سے ۔ و بسیے بھی اس قسم کے عزاجتہا وی مسائل میں صحابی کا قول مونوع مدیرے سے کھم میں انائل ہے بان بریرہ ایک جو برت شدہ امر سے ۔ و بسیے بھی اس قسم کے عزاجتہا وی مسائل میں صحابی کا تول مونوع مدیرے سے کھم میں انائل ہے بان بریرہ ایک جو برت شدہ و امرہ ہے ۔ و بسیے بھی اس قسم کے عزاجتہا وی مسائل میں صحابی کا تول مونوع مدیرے سے کھم میں انائل ہے بان بریرہ ایک جو برت شدہ و امرہ ہے ۔ و بسیے بھی اس قسم کے عزاجتہا وی مسائل میں صحابی کا تول مونوع مدیرے سے کھم میں انائل ہے بان کہ بھی ایک ہو کہ کہ میں انائل ہے کہ میں اس کے اس کے اس کے اس کے اس کے اس کے انواز میں کو برت سے دو مونون سے ۔ و بسیے بھی اس قسم کے عزاجتہا ہے کہ مسائل میں میں کی کا تول مونوع مدیرے سے میں انائل ہے کہ بھی کے اس کے ا

كَانِكُ فِي الرَّحُلِ يَمُونُ بِسِلاحِهِ

اس وی کا باب جوانیے سخیبارسے مرحائے۔

١٩٥٨ - حَكَ ثَنَا اكْمَكُ مُنَا مَكُمُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ ال

منٹمرحے: بخاری ومسلم ہیں کہے کہ عامر بن اکوع دہ کی تلوار نسبتۂ تھو ڈا عٹی-اس نے کسی کا فریر جملہ کیا، وہ مسلمنے سے بہٹ گلیا تو تلواران کے اپنے گھٹنے پر آ لگی .اس زخم سے ان کی نہا و ت واقع ہوگئی بمسلم کی روایت میں عامر من کے نام میں اختلاف ہے کیو تکہ بعض جگہ عامرنا می کوئی شخص سلم بن اکوع من کا چچاہی بیان مواسبے ۔ ممکن سے کہ بھائی اور چچا دونوں کا ہمی نام ہو بخاری کی روا بت ہیں دکت ب الا وب اس کا نام عامر بن اکوع منہ ہمی آیا ہے ۔ منازر کی نے ابوعبیدا لقاسم بن سلام کے حواسے سے

بنايا بے كەسىرىدىنكے ايك جبانى كانام البيان جى مقاا دروه بھى صحابى تقا .

مردر حَكَ نَكَ إِنْ سَلَامٍ مِنَ خَالِمٍ نَا الْوَلِيثُ عَنْ مُعَاوِيَة بَنِ آ فِي سَلَامٍ عَنْ رَجُهِ مِنَ اصْعَابِ النَّيِيّ صَلَى اللهُ عَلَيْرِوَسَمُ عَنْ رَجُهِ مِنَ اصْعَابِ النَّيِيِّ صَلَى اللهُ عَلَيْرِوَسَمُ عَنْ رَجُهِ مِنَ اصْعَابِ النَّيِيِّ صَلَى اللهُ عَلَيْرِوَسَمُ عَنْ رَجُهِ مِنَ اصْعَابِ النَّيْمِي صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ اللهُ عَلَيْهِ وَصَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَصَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَصَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَصَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ اللهُ عَلَيْهِ وَصَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ اللهُ عَلَيْهِ وَكَالَ لَهُ رَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ اللهُ عَلَيْهِ وَكَالَ لَهُ وَاللهُ اللهُ وَمَا لِهُ وَصَلَى عَلَيْهِ وَدَوَا لَا لَهُ اللهُ اللهُ وَاللهُ اللهُ وَمَالِي اللهُ عَلَيْهِ وَوَا مَا لَهُ عَلَيْهِ وَاللّهُ اللهُ وَمَا لِهُ وَمَا لَهُ وَمَا لَهُ وَمَا لَهُ وَمَا لَهُ وَمَا لَهُ وَمَالَ اللهُ وَاللّهُ اللهُ اللهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَمَا لَهُ وَمَالُ اللهُ وَمَا لَهُ وَاللّهُ وَمَا لَهُ وَمَا لَهُ وَمَا لَهُ وَا مَا لِهُ اللّهُ وَمَا لَهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَمَا لَهُ وَمَاللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَ

شرق ب الوسلام نے رسول اللہ مسلی اللہ علیہ وسلم کے ایک معیا بی سے تواہے سے بیان کیا۔ اس نے کہا کہ ہم نے مجبکینہ کے ایک قبیل ہے الوسلام نے رسول اللہ علیہ وسلم کے ایک معیا بی کے تواہے نہ الیک قبیلے بر فارن کے ایک آدمی کا بچھا کیں ،اس کو الموار ماری جوا کسے نہ گی اور خود امس کولگ گئی۔ بس رسول اللہ علیہ وسلم نے فرما یا :اسے سلمانوں کی جماعت اپنے بھائی کی تحربو دوگ جلای سے اس کولگ گئے تو اسے مراہوا با یا ۔ بس رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم نے اس کواس کے کیا وں اور خون میں جلای سے اس کی طرف گئے تو اسے دمن کیا ۔ لوگوں نے کہایار سول اللہ کیا یہ فہمید ہے ؟ معنور اسے دمن کیا ۔ لوگوں نے کہایار سول اللہ کیا یہ فہمید ہے ؟ معنور اسے دمن کیا ۔ لوگوں نے کہایار سول اللہ کیا یہ فہمید ہے ؟ معنور اسے دمن کیا ۔ لوگوں نے کہایار سول اللہ کیا یہ فہمید ہے ؟ معنور اسے دمن کیا ۔ لوگوں نے کہایار سول اللہ کیا یہ فہمید ہے ؟ معنور اسے دمن کیا ۔

ຓຨຓຨຉຉຓຠຨຓຨຨຨຨຨຨຓຨຓຨຓຨຨຨຨຨຨຨຨຨຨຨຨຨຆຨຓຓຑຆຓຬຓຓຓຓຓຓຨຓຨຨຨຨຨຨ

مَاكُ الكُ عَاءِ عِنْكَ اللَّقَاءِ

دشمن سے ملا بھبٹر کے وقت د نیاد کا ہا ب۔

به ٢٥٨. كَلَّ تَكُا الْحَنَى بَنَ عَلِيّ نَا ابْنُ ابِي مَنْ بَحُ فَا مُوْسَى بُنُ يَعْفُونِكُ الْمُوسَى بُنُ يَعْفُونِكُ الْمَعِيُّ عَنْ اَبِي مَعْدِ قَالَ وَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَبُهِ وَسَلَّوَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَبُهِ وَسَلَّوَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَبُهِ وَسَلَّوَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ ال

سہل بن سعد منے کہاکہ رسول اللہ دسلی اللہ علیہ وسلم نے فرمایا: دو دعائیں روٹہ میں ہو ہیں ، یا فرمایا کہ کم ہی اد قرکی جاتی ہیں ، اور حبنگ کے دوسری جاتی ہیں ، ان مار دوسری دوسری دوسری دوسری میں سے کہ: بارش کے وقت کی دعاد- دگویا یہ میسری دعاد ہوئی

س حَيْرِ اللهُ تَعَا بَى نَے وَمایا : آیا جُکا الّٰ اِیْنَ مَنْ مُوْاً اِیْ اَکْفِی مُرْدِ اِیْکُ اَلْکُونِ اَللهِ کَاللهٔ کَوْرُ اللهٔ کَاللهٔ کُللهٔ کَاللهٔ کَا

ہوتی ہے۔

بَا سِبِ فِيمُنْ سَأَلَ اللهُ النَّهُ النَّهُ الدَّةَ

الطرتعالي سصهه وت لللب كرنے والے كايا ب

ام ٢٥٠ حَكَ تَنَاهِ شَامُ بُنُ حَالِمِ ابُومَرُو اِنَ وابُنُ الْمُصَفَّى فَالَانَا بِقَيَّةُ عَنِ ابْنِ بَخَامِرَ اَنَّ مُعَا دُبْنَ جَبَلِ عَنِ ابْنِ بَخَامِرَ اَنَّ مُعَا دُبْنَ جَبَلِ عَنِ ابْنِ بَخَامِرَ اَنَّ مُعَا دُبْنَ جَبَلِ عَن ابْنِ بَخُامِرَ اَنَّ مُعَا دُبْنَ جَبَلِ حَنَ ابْنُ وَسَلَّوَ يَقُولُ مَنْ فَا تَلَ فِي سَبِيلِ حَمَّنَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ يَقُولُ مَنْ فَا تَلَ فِي سَبِيلِ اللهُ فَوَانَ نَا فَيْهِ فَقَلْ وَجَبَنُ لَهُ الْجَنَّةُ وَمَنْ سَأَلَ اللهُ الْقُتْلُ مِنْ نَفْسِهِ صَادِقًا اللهِ فَوَانَ نَا فَيْ الْمَنْ فَيْ اللهُ عَلَى مَن اللهُ اللهُ فَوَانَ نَا فَيْ اللهُ عَلَى مَن اللهُ ال

سَبِبْلِ اللهِ اُوْنَكِبَ نَكْبَنَهُ فَا تَهَا يَجِنْ كُوْمُ الْقِيَامَةِ كَا غَزْرَمِا كَانَتُ كُوْنُ النَّرَعُفَلانِ وَدِيْعُهَادِيْمُ الْمِسْكِ وَمَنْ حَرَجَ جِمِ حُرَاجٌ فِي سَبِبْلِ اللهِ عَزْوَجَلَ فَانَّ عَكِبُهِ كَالِمَ التَّهُكَا آبَد

معاذب بن جبل المنان کو و و بنے کے دو وقتوں کے دیمیان کی مقاد کے برابر جہا دکیا توجنت اس کے سندالتہ کی دا ہیں اونٹنی کا دودھ دو بنے کے دو وقتوں کے دیمیان کی مقاد کے برابر جہا دکیا توجنت اس کے سیے واحب ہوگئی اور حس نے صدق دل سے الشرسے اس کی دا ہمیں قتل ہونے کی دعاد ما نگی پھروہ مرگیا یا قتل ہو تواس کے لیے شہید کا اجر ہے ہمال سے ابن المصنی دوی کا اصافہ ہذا ور حس کوالٹہ کی دا ہمیں زخم لگا یا عقو کہ تواس کے لیے شہید کا اجر ہے کہ دن آئے گا تو اس کا توان خوب اُ بل دیا ہوگا ۔ اس کا رنگ ندعذان جیساا و رخوش بی اللہ کی دا ور حس کے جم برالٹہ کی دا ہ میں کونی بھوڑا بھنسی نکل آیا تواس بر بھی شہید و ل جیسی علامت ہوگا ۔ ونسائی ۱۰ بن ماجہ، تر مذی ، مسئدا حمد کا اللہ تعالی میں کچھ نفظی اختلاف سے اس مدید سے معلوم ہوا کہ اللہ عزوج ل کی دا ور جس کے درونا نے اللہ عزوج ل کی دا اللہ کے لیے بوتا ہے۔

باسك في كراهية جُزِنُواصِي الخَبْلِ وَاذْ نَابِهَا

کھوٹروں کی بیٹیا نیوں اور دُموں کے بال کا منے کی کراست کا باب۔

٢٥٢٢ حَكَّا تَكَا اَبُوْنُوبَنَا عَنِ الْهَبْنَمِ بْنِ حُمَيْدِهِ وَنَا حُسَيْتُ أَنُ اَ صُرَمَ اَ صُرَمَ اَ صُرَمَ اَ صُرَمَ اَ عُنَ اَ اَبُوعَا صِورِ جَمِيْعًا عَنْ تَوْرِبْنِ بَرْنِ بَا عَنْ نَضْرِ الْكِنَا فِي عَنْ رَحِلٍ وَقَالَ اَ اَبُو تَوْمَتُ عَنْ اَنْ اللهِ عَنْ مَنْ اللهِ عَنْ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ الل

عتبہ بن عبدالسّلمی نے رسول الٹرملی التٰرعلیہ وسلم کو فر مانے سُنا کہ کھوڈوں کی پیٹا نیوں اور گردنوں اور دُموں کے بال مت کا لوگیو کہ ان کی وُمیں ان کے چکھے ہیں اورگیرہ نول کے بال ان کے گلوبند (مفلر) ہیں اوران کی ہیٹا نیول میں بھولی ٹی بندھی ہموٹی ہے ۔ رصہ بیٹ میں ٹیر دمھول ٹی کی تغییر نواب اور مال غنیمت کی گئی ہے۔ اس بنا، بہاں کوڑوں سے مراوجہا و کے لیے تیارٹ مدہ گھوڈے ہیں ۔ اوروہ ہوں دیٹ میں ہے کہ گرنوست می تو میں جنروں میں ہوئی ۔ گھر۔ ہیوی اور گھوڈا۔ اُس گھوڑے سے مرادعام گھوڑا ہے جو بھاد کے لیے نہ ہو۔ و لیسے نبی اس سائنسی ترتی کے دور

گھوٹہ ہے ہے بیند میہ ہ رنگوں کا ہاں.

٣٨٥٠ حَتَّ ثَنَّ هُرُونُ ثِنْ عَبْدِ اللَّهِ نَاهِشَامُ ثِنْ سَعِبْدٍ الطَالِقَانِيُّ أَنَا مُحَمَّدُكُ بِنُ الْمُهَاجِرِ الْانْصَادِيُّ حَمَّا نَكِيْ عَفَيْلُ بُنْ سَيْبِ عَنْ إِنْي وَهْبِ الْجُشَمِيّ وَ كَانَتُ كَهُ حُمْعَتُهُ قَالَ قَالَ رَسُولُ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ عَلَيْكُوْ بِكُلِّ كُنينت

اَغَرَمُحَجَدِل اَوْ اَشْقَر اَغَرَمُحِجَدِل اَوْ اَدُهُم اَغَرَمُحَجَدِل -

ا بو وم ب جشی و صحابی نے کہاکہ رسول الٹرصلی الٹر علیہ وسلم نے فرا یا : ہر کئیٹ پنچ کابیان یا مُسرخ رنگ سے پنج کلیان یا سیا ہ پنج کلیان گھوڑ ہے کولازم کمیٹرو (نسانی) کمیٹ سرخی مامل سیا ہ رنگ کا ، انشقر خانص *سرخ رنگ* کا ا ورا وهم خانف سياه و دنگ كا گھوڑا ہے - آعر سفيد بينيا نی وا سُبِ كوا درمُحبّل چا روں يا تمين سفيد پاؤل واسے كوكها جا تاسیے۔ دونوں صفات جمع مہوں تو اُسے ہماری زبان میں پنج کلیا ن کتے ہیں۔ مسنداح دیں بیعدیث کا بی طویل سے تعیس لوگوں منے دمثلاً ابو ماتم ماندی نے حسب بیا ن ابن ابی ماتم اس معانی کو کلاعی که کرنا بعی قرار و یاسیے گر حسب تحقیق یہ ابومام کا ویم سے۔ ایام احمد سے ابو و صب حبیر ہے کوسی ہی کہاہے اور ابو و صب کلاسی کی رواً بیت بھی در ج کی سے بھس معلوم ہوا کہ بیردوایت مسلا ورمرس دونوں طرح سے ٹا بت سے ،

مم ٢٥- حَكَ نَكَنَا مُحَدَّدُ لُكُ عُرُفِ الطَائِيُّ ثَا إِبُوا لَمُغَيِّرَةً نَا مُحَمَّدُ لُأَنُّ مُهَاجِرِنَا تُعَقِّبُكُ عَنِ ابْنِ وَهِبِ قَالَ فَالَ دَسُولُ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْمِ وَسَلَّوَعَلَيْكُو كِبُلِّ اشْقَى ٱغَرَّمُ كُحَجِّلِ ٱوْكُبَيْرِتِ ٱغَرَّفَ لَا كُرْنَحُونَ قَالَ تُحَمَّدُ بَعْنِي ابْنَ مُهَاجِرِ وَسَأَ لُنَ لَهُ لِحَر فَوْتِلُ أَلاَشَقُمُ فَالَ لِآتَ النَّبَيُّ صَلَّى اللهُ عَلَيْ لِوَسَلَّمَ بَعَتَ سَرِتَيْنًا فَكَاك أَوَّلُ مَا

إَجَاءَ بِالْفَتْحِ صَاحِبُ أَشَقَرَهِ

ا وہر کی حدیث کی دوسرے طریق سے روا بیت. ابو وصب *اننے کہاکہ دیسو*ل ایٹرمسلی ایٹرعلیہ وسلم *نے ف*رما یا : *مہرنٹر*خ پنج کلیان پاٹگیت سفید مپیٹانی وا سے گھوڈے کوا ختیا رکہ وابخ تحدین مها جردا دی سنے کہاکہ دا وی سنے کہاکہ میں سنے عثیل سے ہو بھیاکہ معنوڈ ٹرخ دنگ والے کوکیول نفنیلت دی؟اس نے کہا ،کیونکہ نی مسلی الٹہ ملیہ وسلم سنےایک بشکر دوا نڈ

۲۵۲۱ - حَكَّ نَكَ مُوسَى بَنُ مَرُوانَ الرُّقِيُّ نَا مَرُوانُ بَنُ مُعَاوِيمَ عَن رَبِي كَتَبَانَ التَّيْمِيِّ نَا اَبُورُدُ عَتَ عَن كِنِي هُرَيْرَةَ اَتَّ رَسُول اللهِ صَلَى اللهُ عَلِيْمِ وَسَلَّعَ كَانَ يُسَمِّى الْاُنْ فَيْ مِنَ الْحَبُلِ فَرَسًا -

ا بوہر میرہ نظاسے مدایت شبے کررسول الٹرصلی الترعلیہ وسلم مؤنٹ گھوڑ وں کو بھی فرس ر گھوڑا ، کما کہتے تھے۔ القاموس میں ہے کہ گھوڑوں میں سے مذکرومؤنٹ وونوں کوفرس کہا جاتا ہے اور مبمی کھوڑی کوفرسہ بھی کہتے ہیں ۔ گو یا الفرس اسم جنس ہے جس میں مذکرومؤنٹ برابر ہیں اور اسحام جہا دمیں بھی مسادی ہیں)

مَا يُكُرُهُ مِنَ الْحَيْبِ لِي

نا پیندیده گھوڑوں کاباب

٢٥٨٠ حَمَّ لَنَا عَنَ مُن كَثِيرًا نَاسُهُ إِن عَنْ سَلِوعَن آبِي وَرُعَمَ عَنْ آبِي

هُمَّهُ رَهُ قَالَ كَانَ النَّبَيُّ صَلَّى اللهُ عَكَيْهِ وَسَتَّوَكَيْكُوهُ الشِّكَالَ مِنَ الْحَيْلِ وَالشِّكَالُ كَكُونُ الْفَرَسُ فِي رَجُلِهِ البَّمُنَى بَيَاصٌ وَفِي يَهِ وَ الْبَسْرَى اوَفِي بَيهِ الْبُمُنَى وَفِي رِجلِهِ الْهُمْرِي -

ابوہریہ وسنے کہ اکہ رسول اندسلی اند علیہ وسلم گھوڑوں کے شکال کونا پسند فرہاتے تھے اورشکال کا یہ مطلب ہے کہ گھوٹا سے کے دائیں پاؤں ہیں جائیں کا تھاور بائیں کہ گھوٹا سے کے دائیں پاؤں ہیں جائیں کا تھاور بائیں ہائے دائیں ہو ۔ ابو داؤ دینے کہ اکہ من لفٹ اطراف کے ہاتھ پاؤں سفید مہوں دسلم، تریڈی ابن ماجہ نسآئی معلم سے جہ کہ گھوٹا سے کہ گھوٹا ہوں اور چھلے باؤں میں سے کوئی لفظ سان میں اور دو مرابا کو اسفید منہ ہو ۔ شاید اس مدیث میں سے کوئی لفظ سان طور ہوئی ہوئے ۔ اور شکل اور اور کی سفید میں اور سفید میں ہوئے۔ ویسے بھی یہ دنگ جواس صدیث میں آیا سے اسلام نہیں کہ طبحا نا بہن میں تا ہے۔

باك مَا بُوْمَ بِهِ مِنَ الْقِيَامِ عَلَى اللَّوْابِ وَالْبَهَا يُعِدِ. كمورُون ورميار بإيون كي المجي ديكه بهال كي مكم كا باب.

٢٥٣٨ - حَسَّ نَتَاعَبُكَ اللهِ بَنُ حَسَّمَةِ النُّفَيُ لِيُّ نَامِسُكِنُ بَعْنِ ابْنَ بُكَيْرِنَا كُنَّهُ لَ بُنُ مُهَا جِرِعَنَ رَبِيْعَةَ بِنَ بَرِبُ مَعْنَ إِنْ كَبُشَةَ السَّكُولِ عَنْ سَهُلِ بْنِ خَنظِلِبَةٍ قَسَالَ مَرَّ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ بِبَعْيِرِفَ مَا كَبِي ظَهُ رُهُ بِبَطْنِهِ فَالَ اتَقُواللهُ فِي الْهَا يُعِيرُ اللهُ عَبَيْهِ فَالَ اتَقُواللهُ فِي الْهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَبَيْهِ فَالُكُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ

٩م ٢٥ - كَتَّا تَكُنا صُوْسَى بْنُ السَّمِيْلَ مَا مَهْ مِن كَنَّا ابْنُ أَبِى بَعْقُونِ عَن الْحَسَن بُنِ مَعْدِ مَنْ اللهِ مَن عَبْدِ اللهِ بْنِ جَعْفَرِ قَالَ أَذْ دَ فَنِى رَسُولُ اللهِ صَلَى اللهِ صَلْى اللهِ صَلَى اللهِ صَلْى اللهِ صَلْمَ اللهِ مَا اللهِ صَلْمَ اللهِ صَلْمَ اللهِ صَلْمَ اللهُ مَنْ عَلَى اللهِ اللهِ مَنْ عَلَى اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ الله

PESSOODANIA AROODBUORDEBOROEOROEORDEBORDEBUORDEBORDEBORDEBO

الله علين وسَ تَوَخَلْفُهُ ذَا سَ يُومٍ فَاسَرَ إِنَّ حَدِينَ اللهُ عَلَيْ وَسَاءً وِمِ احْدًا امِنَ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَاءً وَعَاجَرْمَ هَا اللهُ عَلَيْهِ وَسَاءً وَسَاءً وَعَاجَرْمَ هَا وَاللّهِ عَلَيْهِ وَسَاءً وَعَاجَرْمَ هَا وَاللّهِ عَلَيْهِ وَسَاءً وَعَاجَرْمَ هَا اللّهُ عَلَيْهِ وَسَاءً وَكَا وَاللّهِ عَلَيْهِ وَسَاءً وَكَا وَاللّهِ عَلَيْهِ وَسَاءً وَاللّهُ عَلَيْهِ وَسَاءً وَكَا وَكَا وَكَا وَكَا وَكَا اللّهُ عَلَيْهِ وَسَاءً وَكَا وَكَا وَكَا وَكَا اللّهُ عَلَيْهِ وَسَاءً وَكَا وَكُو و وَكُو و وَكُو و وَكُو و وَكُو وَكُو

۵۰۰ - گُن نَنَاعَبُهُ اللهِ بُنُ مُسُلَمَةَ الْقَعْنِينُ عَنْ مَالِكِ عَنْ سُمَتِي مَوْلَى اَ بِنَ اللهِ عَنْ سَمَتِي مَوْلَى اَ بِنَ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ الله

#3**0000000000000**

فَادَاكُلُبُ يَلْهَتُ يَاكُلُ التَّرَٰى مِنَ الْعَطْشِ فَقَالَ الرَّجُ لُ لَقَنْ بَلَغَ هُ فَا الْكُلُبُ مِنَ الْعَطْشِ مِثْلُ الَّذِي كَانَ بَلَغَنِي فَنَزَلَ الْبِئُرَوَ مَلاَّخُفَّ مَ فَامْسَكَمُ بِفِيبُرِ حَتَّى رَقِي فَسَعَى الْكُلُبُ فَشَكَرًا لِللَّهُ لَكُونَ فَالُوا يَارَسُولَ اللهِ وَلِآنَ لَنَا فِي الْبَهَا يُحِرِلَا جُرًا قَالَ فِي صُلِّ

ذَاتِ كَبِيدَرُكُلِمَةٍ ٱجُرُّ۔

> كاك في مزول المناغال . مزور برات نه ١٤٠٠

اد ٢٥٠ حكاننا مُحَمَّدُهُ أَن المُنتَى حَمَّاتَنِي مُحَمَّدُهُ اللهُ عَمَّدَهُ اللهُ عَمَّا اللهُ عَمَّا اللهُ ال

المترحاً ل. انس بن مالکٹنے نے کہاکہ جب ہم کسی منزل پر انڈ نے تھے تو مبانوروں کے کجاوے کھولنے سے پہلے جاشت کی نفل نماز نہ پڑھتے تھے (نحطابی نے کہھا سبے کہ بعقی علما بنو دکھا نا کھانے سے پہلے سواں کے جانور کو گھاس اور چارہ ڈالتے تھے کہ بیرھی اُس جانور کاحق ہے ؟ حیارہ ڈالتے تھے کہ بیرھی اُس جانور کاحق ہے ؟

بَا حِن نَقْلِبُوالْخَيْلِ بِالْأُوْتَ عِن مَا مِن الْمُوْتَ عِن مِن الْمُوْتَ عِن مِن الْمُؤْتِ الْمُؤْتِ

گھوڑوں کے گلے میں تانت نشکانے کاباب۔

۲۵۵۲ - حَكَّا نَنْ اَعَبُلَا اللهِ بَنُ مَسُلَمَة الْقَادَ نَبِي عَنْ عَبُلِا اللهِ بَنِ اَبِى بَكُرِ بَنِ مُحَمَّد لِ بَنِ عَمْر و بُنِ حَرْمٍ عَنْ عَبَادِ بْنِ نَدِيبُمِ اَنَّ اَبَا بَشِيبُرِ الْاَنْصَادِ تَى اَخْبَرُ اللهِ عَمْرِ و بُنِ حَرْمٍ عَنْ عَبَادِ بْنِ نَدِيبُمِ اَنَّ اَبَا بَشِيبُرِ الْاَنْصَادِ قَى اَخْبُرُ اللهِ عَنْ اَسُفَادِ مِ فَالَ فَارْسَلَ دَسُولُ اللهِ عَنْ اَسُفَادِ مِ فَالَ فَارْسَلَ دَسُولُ اللهِ عَنْ اَسُفَادِ مِ فَالَ فَارْسَلَ دَسُولُ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهُ عَنْ اللهِ عَنْ اللهُ عَلَى اللهِ عَنْ اللهُ عَلْمُ اللهِ عَلْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلْمُ اللهُ عَنْ اللهُ عَلْمُ اللهُ عَنْ اللهُ عَلْمُ اللهِ عَنْ اللهُ اللهُ اللهِ عَنْ اللهُ عَنْ اللهِ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ اللهِ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ اللهِ اللهِ عَلْمُ اللهِ عَنْ اللهِ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ الل

ا بوئبشرانصاری نے عباد بن نتم کو بتا یا کہ وہ کسی مقرمی رسول الندصلی الندعلیہ وسلم کے ساتھ تھا، ابو بشیرنے کہا کہ رسول اللہ معلی الندعلیہ وسلم نے ایک قاصد بھیجا، عبدالشربن ابی بکر راوی کا بیان ہے کہ میرسے نیمیال میں ابو بشیر نے یہ بھی کہا تھا کہ لوگ ابھی نک اس وقت ابنی نواب گا ہوں میں مقصے، کہ کسی اونٹ سے گلے میں کوئی تا نت کا قلادہ یا کوئی اور قلادہ مذبچھوڑا جائے گراسے کا طرد یا جائے۔ مالک نے کہا کہ میرسے خیال میں کہ قلاوہ نظر برسے بچاؤ کے لیے دوا ہے جاتھے۔ در سخاری مسلم ، منوطا، نسائی

مفیرے: الا م مالک کی تا وہل تواویر گزری کہ یہ قال دے نظر بدسے بچاؤگی قاط ڈالے باتے تھے لہذا اس رہم بد سے اظہار نفرت کے لیے حضور سے انہیں قطع کرایا گیا ۔ بچر توگوں نے بیر بھی کہا ہے کہ تا نت ہے تلا دول می گفتایا ل باند صتے عقے اس سبب سے انہیں قطع کرایا گیا ۔ بچر توگوں نے بیر بھی کہا ہے کہ تا نت ہے تلا دے ایک بعید اوپ یہ قلا دے گئے میں بھول تو جانور کے دوڑتے وقت کا تھٹ جانے کا اندیشہ بوتا ہے بعض تو گوں نے ایک بعید اوپ یہ بھی کی ہے کہ او تارسے مراد زمان ما بلیت کے انتقام میں جن سے یہ کہ کرروکا گیا ہے کہ آل نصل و دالا دیا ہہ حبیبا کہ آبندہ صدیت میں آیا ہے ۔ مطلب یہ کہ تم انتقام سے حصول کی فاطران جانوروں کو استعمال کرتے ہو، ایسا مت کرو۔ نظر بدکی فاطراکر قلا دے سے منع کیا گیا ہے تو یہ نبی تحریم سے لیے ہے۔ قرآن وحدیث کا تعویز اگر ڈال

بعنوان ماشیے پرورج ہے مگرممی نسخیں اسے د ی پرنشان دے کرش می دھائیا ہے۔ ماجی فرارم الخیمل وارنباط کا المسلم علی آگھالی ا می میں اگر اس کے اکرام وارتباط میں اور ان کے پہلوڈں کے سملامے یہ

٢٥٥٣ حَكَمَ نَنَا هُرُونَ بَنُ عَبُهِ اللهِ نَا هِلَنَامُ بَنُ سَعِبُهِ الطَّالِقَافِةُ أَنَا مُحْتَكُمُ بَنُ سَعِبُهِ الطَّالِقَافِةُ أَنَا مُحْتَكُمُ بَنُ اللهِ عَنْ آفِي وَهُرِ الجُنتَمِيّ وَكَانَ لَهَ مُحْتَكُمُ بُنُ اللّهِ عَنْ آفِي وَهُرِ الجُنتَمِيّ وَكَانَ لَهَ مُحْتَكُمُ بُنُ اللّهِ عَنْ آفِي وَهُرِ الجُنتَمِيّ وَكَانَ لَهَ مُحْتَكُمُ بُنُ اللّهُ الللّهُ اللللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللللّهُ اللّهُ الللللّهُ الللللّهُ اللللللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ الللللّه

حُنْهَا فَ قَالَ قَالَ رَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْسُ وَسَلَّمَ إِنْ يَبْطُوا الْخَيْلُ وَأَصَنَعُوا إِنْوَامِيمُهُا وَمُعْبَدُهُ وَكَالَ مُنْ اللهُ عَلَيْسُ وَسَلَّمَ إِنْ مُنْ اللهُ عَلَيْسُ وَهَا أَلَادُتَا مَا -

ابو وصب عُبْمی معابی نے کہا کہ دسول انٹرصلی انٹرعلیہ وسلم نے ادثا وفروایا : گھوڑسے پانوا ور ان کی پیٹا نیا ں ا ور مشرین سہ لماؤ ، یا بہلو ڈسکا تفظ ہول اور ان کے گلے میں فعل دسے ڈالو مگر تا منت کے قبل دسے مت ڈالو سر رنسانی ، اوراس کی روا بہت میں اور اصافہ بھی سبے کہ انہیا ہے ناموں برنام دکھوا ورالٹ کوسب سے بیارسے نام عمبرات میں اور عبدالرسم نہیں ، اس کی نشرے کے سیعے گوز شتہ صدیث ویکھئے ۔

بَاكِ فِي نَعْلِبْنِ الْأَجْرَاسِ

گھنٹیاں سکانے کا باب۔

م ٢٥٥ . كَتَّى نَثَنَا مُسَلَّدُ ذَا يَعْبَى عَنْ عُبَيْدِ اللهِ عَنْ نَافِعِ عَنْ سَالِعِ عَنْ أَبِيَ الْجَتَرَاحِ مَوْلُ اللهِ عَبْبَهَ عَنْ الْمَ عِبْبَةِ مَعِنِ النَّيْتِي صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ فَسَال

تَصْعَبُ الْمِلْشِكَةُ رُفَقَنَّ فِيهَا جَرَبُ

حفزت، تم جبیدہ اور ملہ بنت ابی مغیان میں نے نبی صلی اشر سبہ دسلم سے دوامیت کی کہ حضولا نے فرمایا : مسافروں کی اس جماعت کے مامح فرشنے نہیں ہونے جن میں گھنٹی مو دانسائی ۔ محافظ فرختوں اور کرا گاکا تبین کے علاوہ دومسرسے فرشنے مراد ہیں کیونکہ پرتو مروقت سابھ دستے ہیں ،سواسے بعن خاص حوال کے ۔

۵۵۵- حكا نَنَا اَحُمَدُ بُنُ بُونِسَ نَا ذُهَبُّرُنَا سُهُ فِيلُ بْنَ لَخْمَالِمِ عَنْ اَبِيهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهِ عَنْ اللهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَّهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَّا عَلَيْهُ الللّهُ عَلَّا عَلَيْهُ اللّهُ عَلّمُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ

ا بوہریرہ وٹنے کہا کردسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم نے فرمایا ، فرشتے ال مسا فروں کا سابھ نہیں، دیتے جن کے باس گفتی باکمت ایو ارمسلم، تر مذی اگران چنرول کی صرورت ہوتو دخصت ہے بلاصنورت نہیں -

٢٥ ٢٥ - حَكَ نَكُ الْحُسَّدُ بُنْ مَا أَفِع مَا أَبُوبَكُرِ بُنْ أَنِي أُولِسٍ حَتَّا ثَنِي سُلِمَانَ

ئُنَ مِلَالِ عَنِ الْعَلَامِنِ عَبُوالرَّحْلِنِ عَنْ آبِيْهِ عَنْ اَبِي هُمَّ يَرَةَ اَنَّ النَّبِيَ صَلَّى اللهُ عَكِيْدِ وَسَتَّوَقَالَ فِي الْجَرَسِ مِرْمَا لُوَلَتَيْ عَلَى الْ

ا بو ہریدہ وضعے روایت ہے کہ نی مسلی التٰرعلیہ وسلّم نے گفنٹی کے متعلق ذمایا بیشیطان کا مِزماردآ لاُموسیقی ہے دمسلم اورنسا فی ا صنوس! آج کل نو بعض لوگوں نے حیے ہما نے سے ہرتیم کے آلات موسیقی ولہوولہ کو اِن انس مَدھب '' بنار کھا ہے ،ان پر ناچ ہوتے ہیں ،سرٹینے مہاتے ہیں، وجدا ور مال آتا ہے اور وہ سب کچھ ہوتا ہے بھے دیکہ کرٹرافت منہ ڈھانپ لیتی ہے۔

٢٥٥٤ حَكَمَّا ثَنْنَا مُسَكَّادُ نَاعَبْهُا أَنُوابِ خِ عَنَ ٱتَّوْبَ عَنْ نَافِعِ عَنِ ا بُنِ

بَاسِّ فِي رُكُوْبِ الْجَلَّالَةِ

غلاظت خورجانورىيسوارى كاباب-

٢٥٥٨ - كَتْكَانْكُنَا أَخْسَكُ بَنْ إِنْ شُرَيْمِ الدَّازِقَ اَخْبَرَ فِي عَبْكَ اللهِ بَنُ الْجَهْدِ الدَّازِقَ اَخْبَرَ فِي عَبْكَ اللهِ بَنُ الْبَهْ مِوا السَّخْذِي الْمِي عَنْ اللهِ عَنِ الْمِنْ عُسَرَقًا لَ مَلَى وَهُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَيْنُهُ اللهِ عَنْ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ اللّهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ الللهُ اللهُ الل

ابن وروا ودث برسول الطرصلي الدعليدوسلم في علائلت نورا ودث برسواري سع منع قرطايا

نقسم سے : مولانا شنے فرمایا کہ بیراس دقت ہے جبکہ اس کی نا ب ٹوداک ہیں ہوحتی کہ اس کے گوشت پوست، دود مد ا و ر لیسیسنے میں اس غلاظت کا انٹر ظاہر ہوجائے، بس اس دقت اس کی سواری اور گوشت ویزرہ حرام ہے۔ ہاں اگر کمچے دن اسے محبوس رکھیں تو بھر جا ٹز سبے . سواری کی صورت میں اس کے لیسینے سے کپڑے بھی ہوں گے لہذا اس سے منع فرمایا۔

بأكت في الرَّج لِ بُسَرِّي كُوا بِّنَكُمُ

سوادی کا نام رکھنے کا باب۔

٧٥٥٩ - كَلَّ كَنْنَا هَنَّا دُبُنُ السَّرِيّ عَنْ آبِي الْاَحُوصِ عَنْ آبِي اِسْعَاقَ عَنْ عَبُرِد

معا ورم نے کہاکہ میں دسول السُّرصلی السُّرعلیہ وسلم کے پیچھے ایک گدسے پرسواد تھا عب کو عَفیر کہا جا تا تھا دسخاری، مسلم، نشا بی، نز دری

منسمے ، حب سموادی مفتوط ہوا وراس سے پی خط ہ نہ ہوکہ گرا دے گی تواس ہر و و یا زیا دہ لوگوں کا سوار مہن ہائز سے ہائل عرب مبانوروں، ہتھیا روں وعیرہ کے نام رکھنے کے عادی شے بعقبورہ کیا و نٹنی کا نام قصوا ، اور عقب آر بھا۔ گدھے کا نام عُفیر رِنبتولِ ابن کثیر بعِفور کھا ، اور ہیر نام اس سلے دیا گیا تھا کہ وہ عنور ربینی ہرن) کی طرح دو لڑتا تھا۔ آپ کی تلواد کا نام فروالفقاد تھا ۔ مجنڈ سے تم عقاب بھا ، زرہ کا نام ذات الفنسول تھا۔ فچرکا نام وَلاُل تھا ، ایک گھوڑ سے کا نام بچراور دو سرے کا نام سکب تھا ۔ ہیں سے معلوم ہو مباتا ہے کہ الب عرب اصیل کھوڑوں سے نسب کی مفاطرت کرتے تھے اور شہور م با نوروں کے نام رکھتے سے تاکہ دو مرد ں سے متنا زرہ سکیں۔

بَاكِفِ فِي التِّدَاءِ عِنْدَالنَّفِيُرِيَا خَيْلَ اللهِ إِرْكِبِي

باب فيرك وقت يرآواز ديناكم: اساللدك شدسوار وسواد موما والم

٧٥٧٠ حَلَّا ثَنَّا كُمُكُمُّ الْكُ كَا كُو دَاؤَدَ الْمَا الْفَيَانَ حَلَّا ثَانِي يَجِبَى الْكُوكَ الْكَ آكَ ا سُكَيْمانُ اللهُ الْمُوْدِاؤُدَاؤُدَا جُعَفَّرُ اللهُ اللهُل

سمره بن جندب شفها دیا لکسا) کربعداز حمد وصلوة واضح مهد کرفی صلی انظر خلیدوسلم شفیمارسے سواروں کا م عمیل انٹر دانٹر کے شدسوار) رکھا کہ حبب خوف کا وقت مہوتو یہ بکارو ۱۰ وراسخ میکا وقات میں رسول انٹرصلی انٹرعلی دسلم مہیں انجا دہ صبراورسکون کا محکم دیتے متھے اور حب ہم قتال کریں تب بھی۔

شرح : بقول مولاً نا مافظ ابن العيم من نه دا والمعا دمن كاما سي كه بدندا دسب سيد يبلي غزوة الغالب (ذى قرد) مي ميكارى كئى مقى جبكه ميديذ بن حصن فزارى نے بن عظفا ن محرسا تفرینگ میں دسول الٹر صلی الٹرمليدوسلم كی شير و الد

مت ليجب د

ا و دهنیو ں پرحملرکیا اور انہیں ہائک کمرے کی مظاور تپر واسے کونس کر دیا تا۔ اس و ننت سب سے پہلے یہ نداء بلند ہوئ کا حکیٰل اہللے اُر کہی ۔ مافظ نے البب ن وا نشیب ن میں اکھا سے کہ یہ نقرہ صرب المشل ہوگیا ہے اور نصاحت وبلاعنت میں اس کی کوئی مثال نہیں وتی جاسکتی تھیل درا میل دو گھوٹ وں کو کہتے ہیں اور بھر شہر سواد رسا ہے کو فیل کھنے ملکے بھنوٹر نے اپنی فی مارج اعت کو یہ نقب دے کران کی فضیلت بنا ڈا ورعزت افزائی وہائی وہائی ۔

بَاهِ فُ النَّهُ فِي عَنْ لَعُنِ الْبَهِيمَةِ

مالدرول كولعنت كرف سے سى نى كاباب.

الا ١٦٥ حَلَّ أَنْ اللهُ اللهُ عَنْ عِهُم اللهُ اللهُ عَنْ عِهُم اللهُ عَنْ اللهُ عَالِمُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَا عَلَى عَلَا عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَا عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلْمُ اللهُ عَلْ اللهُ عَلْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلْ اللهُ عَلَى عَلْمُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلْمُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَمُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَمُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَى اللهُ عَلَمُ اللهُ عَلَمُ اللهُ عَلَمُ عَلَمُ اللهُ عَلَمُ

عمان بن حسین نے کہا کہ بی صلی الٹرعلیہ وسلم کسی سفریں سقے تو آپ نے تعنت صنی ۔ فرما یاہر کیا سے اِلوگوں نے کہا کہ بہ فلاں عورت سے جس نے اپنی اونٹنی پرلعنت کی سہے ۔ بس نبی صلی الٹرعلیہ وسلم نے فرما یا اس کا کی وہ اورساندوساں اتا ر لوکم ہوئکہ بہ ملعون اونٹنی سے ۔ بس لوگوں نے اس کا اسا داسا مان اتا رائیا ۔ عمران مٹنے کہا کہ گویا ہیں اب جبی اُ سسے زمیشتم تعتقومیں ، ویکھے رہا مہوں وہ ایک خاکستری رنگ کی اونٹنی تھی (سلم، نساتی)

مشمرے بصنور کا یہ تول کر بیا دینی ملعون سے ،اس سے بیراست لال کیا گیا سے کہ رسول الشہ مسلی الٹرعلیہ سام کو بندر لیسے بین بناکہ مس مورت کی بعنت کی برنما قبول ہوگئی سے ،اسی سیے اس کاسامان اتر والیا گیا ۔اور یہ بھی احتمال سے کہ پرسب کچھ اُسے نصیعت دینے اور زجہ و تو بیخ اور مزا کے طور پر بھاکہ وہ آئندہ الیسی ترکت پھر نہ کہ سے اختمال سے کہ پر سام سے قبل حف کو تربی ہوئے کہ کہ سے کہ یہ لیکوں اس سے قبل حف کو تو اس کو تربی ہوئے اس میں میں اور نگی کہ جس او نگنی کو تو نے ملعوں کر دیا ہے اس پر سوادی مت کہ اور اس سے بر مذا اسے بیر مذا دی گئی کہ جس او نگنی کو تو نے ملعوں کر دیا ہے اس پر سوادی مت کہ اور اس سے اپنا ما مان ان تروا ہے ۔ مرادا میں سے یہ مقاکہ اس او نگنی کو ہمار سے ساتھ نہ رکھا جائے ۔ سکی اس پر سوادی اور دیگر تصرف اس جب کہ حف و اسے بر ساتھ میں نہ ہوں ، ہائن سے ، اس سیب سے وہ مورت اس منز کی مقتم ہوگئی ہیں ۔ والٹدا علم یا مصواب ۔

كألي لجب و

بَالِكُ فِي التَّحْرِيْشِ بَيْنَ الْبَعَايُمِ

مانوروں كوبائم مفكان فاورلا الحكاباب -

۲۵۲۲ حَتَّا ثَکَا مُحَکَّدُ دُنُ الْعَلَاءِ ٱخْبَرَ فِي بَحِنَى اُدَمَ عَن اُفَطَهَ رَبِي عَبُوا الْعَزْبُرِ بْنِ سِبَادٍ عَنِ الْاَعْمَشِ عَنُ إِنْ يَجَبُى الْقَتَّاتِ عَنْ مُجَاهِدٍ عَنِ ابْنِ عَبَّاسٍ صَالَ نَسْطَى رَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَبُنْ مِ وَسَسَّكُوعَنِ النَّخَيْرِ نُبْنِ بَابُنَ الْبَهَا يُحِرِ

ا بن عباس منے کہاکہ رسول التہ صلی التہ علیہ وسلم نے مانوروں کویا ہم ہو کانے سے منع فرمایا دیر مذی نے اُسے مرفوع اورمرسل مردوطرح سے روامیت کیا اور کہا کہ رسل صبح متر ہے ، د سے سر رسال

شہرے: اس کا مطلب یہ سے کہ جانوروں کو بھرا کاکر لڑا یا نہ جائے مبنیا کہ مینڈسے، مُرع ، بٹیر، کتے اورا وزٹ وغیرہ لڑاسئے جاتے ہیں یہ بڑی ہے رحمی اور تماش بینی کی بات ہے کہ جانوروں کو لڑا کر لطعن اندو زی کی جائے بھیراسس بر شرطیں ہی لگائی جاتی ہیں اور مزاد ہارو ہے کی تمار ہازی ہوتی ہے ۔

كا دي في وسم الدوات ماريايون كوداع مكان كاب

٢٥١٣ حَلَّ نَنْ حَفْصُ بُنَ عُمَّرَ نَا شُعْبَتُ عَنَ هِ شَامِ بَنِ زَيْدٍ عَنْ آنَسِ فَالْمَامِ بَنِ زَيْدٍ عَنْ آنَسِ فَالْمَارَ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ

انس من نے کہاکہ میں اپنے ایک نومولود بھائی کو گھٹی دلانے کے لیے رسول انٹرنسلی انٹرنلیہ وسلم کے پاس لایا آپ اس اس وقت ایک باٹر سے میں تقےا ور بھیٹر بکریوں کو، داوی کہ تا ہے کہ میرسے نوپال انس دما نے کہا، ان کے کا نوں پر داغ لگا رسیمے تقے ۔ در بخاری ہمسلم ، بخاری کی ایک روایت میں شاق کا اور دوسری میں انظر کا لفظ سے ۔ باٹر سے میں نا لٹا بھڑ کہوں اور اونٹ سبھی ہوں گےا ور آپ نے سب کودا فام ہوگا گرانس منے صرف مکر یوں کو د کھی ۔ داع مقعد نشان مہو تا عا تا کہ مجم ہونے کی صورت میں ڈھونڈ نے میں آ مانی رہے ۔

بَا هِ فَ النَّهُ يُعَنَّ أُلُوسُم فِي الْوَجْدِ وَالضَّرْبِ فِي الْوَجْدِ

بہرسے برداع نگانے اور مار نے کی نبی کاہاب.

GARANDANIAE ARONANARANDANARANDANANANARANDANARANDANARANDAN

٣٥٧٠ حَكَّانَكَ مُحَكَّدُهُ ثُنَ كَتِبْرِانَا سُفَيَانُ عَنُ إِي النَّرَبُ رِعَنَ جَابِرِ آتَ النَّبِيَّ صَلَى النَّبِيَّ صَلَى اللهُ عَكِيْ مِ وَسَكَّوَمُ تَرَعَكِينُ مِ بِحِمَا مِ قَلَى وُسِمَ فِي وَجُهِهِ فَقَالَ آمَا بَلَغَكُو آتِيْ لَعَنْتُ مَنْ وَسَمَ الْبَهِ بِمَتَى فِي وَجُهِهَا أُوْمَى لَهَا فِي وَجُهِهَا فَنَهَى عَنْ لَحَلِكَ -

مبابریم سے دوایت ہے کہ نبی صلی اکٹر علیہ دسلم کے پاس سے کوئی شخص ابک گدھے پر سوارگز را جس کے چہرہے پر وا خاگیا تقا، لپ مصنورؒ نے فرطا ہا کیا ہمیں خبر نہیں ہنچی کہ میں نے جا نوروں کوچہروں کو داع وینے یا مارنے والے پر تعنت کی ہے ؟ بچراً ہے نے اس سے منع فرطا پار مسلم، تر ہرہی چہرہے پر واعنے سے معورت بھڑتی ہے اور تعبق حواس مثلاً لگاہ پر مثلہ بدا ٹر رہے تا ہے ۔ ان سخت الغاظ کے مساعة منع کرنے کا باعث ہی تھا۔

> كاره في كراهية الحين المحين في الكيل ما مون كوموليون سعولان كارابيت كاباب.

قَالَ رَسُولُ اللهِ صَلَّاللهُ عَيْدُ رَسَّمُ إِنَّهُ اللَّهُ عَلَيْدُ وَسَمَّ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْدُ وَسَلَّمُ اللَّهُ عَلَيْدُ وَاللَّهُ عَلَيْ عَلَيْدُ وَاللَّهُ عَلَيْدُ وَاللَّهُ عَلَيْدُ وَاللَّهُ عَلَيْ عَلَيْدُ وَاللَّهُ عَلَيْدُ وَاللَّهُ عَلَيْكُ اللَّهُ عَلَيْكُ اللَّهُ عَلَيْدُ وَاللَّهُ عَلَيْكُ اللَّهُ عَلَيْدُ وَاللَّهُ عَلَيْكُ اللَّهُ عَلَّهُ عَلَيْكُ اللَّهُ عَلَّهُ عَلَيْكُ اللَّهُ عَلَّهُ عَلَيْكُ اللَّهُ عَلَيْكُ اللّ

حصرت علی بن ابی طالب دمنی التّٰدیمندَ نے کہا کہ رسول التّٰدصلی التّٰدعبیہ وسلم کوایک نچر بطبور تتحفہ دی تھی اور آپ اس بیہ سوار سہوئے توعلی دمنے نے کہا کہ اگر ہم گدھوں کو تھوڑوں بربرٹ ھائیں تو ہمارسے پاس جی اس قسم کے مبا نور بھوں ۔ رسول نشر مسلی اللّٰدعلیہ وسلم نے فرمایا : بدکام وہ کرتے ہیں جنہ ہیں علم نہیں ۔ (مسنداحمد)

سی اسلامید و مسے و دایا ہیں ہو کہ دو مرحے ہیں جہیں کا مہیں ہو سکہ کہ اسکہ کہ موٹریوں سے الایا جائے گاتو گھوڑوں
کے منافع کم ہوجائیں گے ان کی تعداد کم اورنشو و نمامنقطع ہوجائے گا۔ گھوڑے آلاجہا دہیں۔ ان برسوادی کی جاتی ہے
ا وروخمن کا پچھاکیا جاتا ہے ، اسی لیے شرع نے میدان جما دمیں گھوڑ سے کا بال غنیمت میں مستقل محتیم قرد کیا ہے ۔
یہ ففائل نچر میں نہیں ہیں لہذا نبی صلی الٹر علیہ وسلم نے چا ہا کہ گھوڑ وں کی نسل بڑسے اور پھیلے بھوئے۔ اس حدیث میں
گھول کو گھوڑ یوں پر چڑھانے کی مخالفت سے لہذا اگر گھوڑ ریکو گھی سے الایا جائے تو وہ مائز ہو گا ۔ ہاں آگر کو گھوٹ کے گھوٹ کے گوٹ کا سال کو گا فاور ان وونوں انواع کو گھڑ مائر کھوٹ کے اور کی خالف نسل کے جانوں سے جو بہتے بیدا ہوں وہ طبعًا فہیت ہوتے ہیں اول گرزیکر نامید تو یہ گیائش موجود ہے کہ کیونکہ مناف نسل کے جانوروں سے جو بہتے بیدا ہوں وہ طبعًا فہیٹ بہوتے ہیں اول میں ذکر کی خصوصہ یاس برگوٹ وہ ہیں ۔ سی میں ذکر کی خصوصہ اس برگوٹ وہ ہیں ۔ سی میں ذکر کی خصوصہ اس برگوٹ وہ ہیں ۔ سی میں ذکر کی خصوصہ یا میں جو بہتے ہوئے اور خیمانی عیوب اس برگوٹ وہ ہیں ۔ سی میں ذکر کی خصوصہ یا میں جو بہتے با ور حیمانی عیوب اس برگوٹ وہ ہیں ۔ سی می دان میں فرکھ کی خود میں اس برگوٹ وہ ہیں ۔ سی میں ذکر کی خود کی خود کی خود کی جو بی جو بیا میں کی داور جو میں اس میں خود کی خود

خطابی کتے ہیں کہ اللہ تعاہے نے درا ہے ۔ والخیک کا انبغال کہ المحکی کو لیٹو کہ می کھا کہ نہنے گا۔ العدی ۱۰ اس آیت ہی خجرکو بھی انعاب التی میں شامل فر بایا ہے ۔ اور دسول اللہ صلی اللہ صلیہ وسلم نے خجر بہ سواری کی، اس کی بہ ورش کی اور اس سے نقع ان بٹا یا ۔ جنگ حنبین میں آپ اپنی اسی سفید خجر بہ سوار سقے ، اگر وہ مکر وہ ہوتی تو آپ مذا کسے پالیسے مذاس بہ سواری کھوٹری سے ملانا تو نعل موام مناس بہ سواری کھوٹری سے ملانا تو نعل موام کے برخلاف دو مری تاویل کی سے کہ گدھے کو کھوٹری سے ملانا تو نعل موام میں میں مرح کہ تعمور کھینے بنانا مبائز ہے مگر ذش اور بھیونے بہ ہوتو اس کا استعمال میا م ہے ہے۔

بَانِكُ فِي دُكُونِ ثَلَاثَةٍ عَلَى دَابَّةٍ

تىين شخفىول كاكب مانورىسوارىمون كاماب -

٢٥٦٧ - حَكَ تَنَا ابُومَالِم عَبُوبُ بُنُ مُوسِ نَا ابُولِ الْفَرَادِيُ عَنْ عَاجِمِ بَنِ سُلِمَانَ عَنْ مُوسِ نَا ابُولِ الْفَلَ الْفَرَادِيُ عَنْ عَاجِمِ بَنِ سُلِمَانَ عَنْ مُوسِ يَعْنِى الْعَجْلِيِّ حَمَّا تَكِي عَبُكُا اللّهِ بُنُ جَعْفِهِ قَالَ كَاكَ النّبِيُ مَلَى اللّهُ عَكِيْبُ وَسَلّهُ وَلَا الْمَاكِلُ النّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَيْهِ اللّهِ عَلَيْهِ اللّهِ عَلَيْهِ اللّهِ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللللّهُ اللّهُ الللّهُ الللّهُ اللللللّهُ الللللّهُ الللللّهُ الللللللّهُ اللل

عبداللدى جعفرا نے كهاكرنى صلى الله عليه وسلم جب كسى سفرسے واپس تشريف لاتے توہم سے آپ كا استقبال كايا جاتا عقا، پس بم ميں سے پہلے جوسا منے آجا تا آپ اسے آپنے آگے سوارى پر سبنا ليتے۔ بس ایک مرتبہ ميں سامنے آگيا تو تجھے آپ نے اپنے آگے سبٹاليا بھر حسن الاسن العرب اللہ نے آپ كا استقبال كيا تو آپ سے اسے اپنے پھھے بھاليا، بس ہم اس طرح سے مدينہ ميں وافل ہوئے (مسلم، مسلی، ابن آج، ابن آج، مسئوا تحدید سوارى كو اس كى طاقت ہوتو تين آدميوں كا اس بيسوار ہونا مجائز ہے ور دنہ ہيں مدين سے سفرسے آنے والوں كے استقبال كا بحى مستحب ہونا معلوم ہواا ور بجوں كے ساتھ معلوم كے كى عبت وشفقت مي ثابت ہوئى ۔

مَا لِكُ فِي أَلْوْقُونِ عَلَى اللَّهُ اتَّهُمْ

سوارى ظراكماس برجيد سصدسيني كا باب.

٢٥٧٤ - حَكَّاثَنُاعَبُكُالُوهَابِ بُنُ نَجُكَاةُ نَا ابْنُ عَيَّا شِ عَنُ يَجْبَى بُنِ اَفِي عَمِّدِ السَيْبَافِيِّعَنُ اَفِي مَرُسَكِمِ عَنُ اَفِي هُمَاهِ ةَ عَنِ النَّيِي صَلَى اللهُ عَلَيْ لِهِ وَسَلَّوَ قَالَ إِيَّا يَ

سيتے ہيں۔ وربست نہيں ۔

ا تَ مَنْعَی اُوا اُلْهُومَا دُوا بِکُومِنَا بِرَفَاتَ اللّه اِ نَهُا سَخَرَهَا لَکُورِلْنَابِیَغَکُولِیٰ بَدَہِ کُو تَکُونُوْلِ بَالِغِبْہِ اِلَّا بِشِیْقِ الْاَنْفِی وَجَعَل لَکُو الْاَدْضَ فَعَکْبُهَا فَا فَضْدُوا حَاجَا شِکُور ابوہر برہ مسے دوایت مع کہ بی کہ بم صلی اللہ وسلم نے ذبا یا بخبر داد اپنے جانور وں کی پشتوں کو منبرت بناؤ کیونکرالٹہ تعالی نے توانیس متعاداس سے مطبع کیا ہے کہ جن ملا تو ں بن تم جان کی شقت کے بغیر نہیں ہنچ سکتے ،ان پ مواد ہوکر وہاں پہنچ ہاؤ ، اورالٹہ تعالے نے بھا رہے ہے کہ دسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم نے جمدّ الوداع کا نمطبہ اونٹی پردیا تھا۔ اس سے معلوم ہو اکہ مزودت کے وقت زیا وہ دیر بہ سوادی پر در ہنا درست ہے ادر بے خرود اوی طہر اکر تھولا مائل ہمی کرتے

> مَا مِنْ فِي الْجِنَا مِنِ كُوتا سواريون كاماب

٢٥٧٨ حَكَّا ثَنَّا كُحُدَّى لُهُ ثُنَى مَا فِعِ نَا أَبُنُ أَ فِي فَكَايُكِ حَدَّا ثَنِي عَبْكَ اللهِ بُنَ اَفِي يَحْبِى عَنُ سَعِيْدِ، بُنِ اَ فِي هِنُهِ فَ لَ قَالَ اَبُوهُمَّ أَيْرَةً قَالَ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسُلُّو تَكُوْنُ إِمِلَ لِلشَّيَا طِيْنِ وَ بُيُونَ ثَا لِلشَّيَا طِيْنِ فَا مَّا إِمِلُ الشَّيَا طِبْنِ فَعَنُ مَا أَيْهُمَا

انَّقَطَعَ بِهِفَ لَا يَجْمِلُهُ وَامَّنَا بُيُوْتُ الشَّيَاطِيْنِ فَكُوْاَمَا هَا كَانَ سَعِيْنَ تَيْقُولَ كَ اُرَاهَا إِلَّا هٰذِهِ الْاَقْفَاصَ الَّتِي يَشْنُوالنَّاسُ بِالدِّيْبَاجِ .

ابوسریر ورون نے کہاکہ رسول الشرمیلی الشرمیلی وسلم نے فر وائی بچر آونٹ کنیلا نول کے بیے ہوتے ہیں اور کچے گھر بھی شیطانوں کے بید ہوتے ہیں اور کچے گھر بھی شیطانوں کے بید ہوتے ہیں۔ پس شیطانوں کے اور شانوہ وہ ہیں ، ابو سریرہ دینئے کہاکہ میں نے انہیں دیکھ لباہے اکہ تم میں سے کوئی اپنے سابھ کوتل سوار بیاں بے کرنکلتا ہے جن میں اس سے گذرتا ہے جو کمزوری کے باعث قاطعے سے پھے دہ گیا کسی اور خیا تا میں دورہ انگلے سے پھے دہ گیا ہے گھروں کا تعلق ہے سومیں نے انہیں دیکھا (ابوہریرہ ورونکا تول سے سے مگروہ اسے سوار نہیں کرتا ، اور جہانتک شیطان کے گھروں کا تعلق ہے سومیں نے انہیں دیکھا (ابوہریرہ ورونکا تول سے سے مسالہ کی تعیین کی اور سعید تا بھی نے شیطان کی سوار بول کی تعیین کی اور سعید تا بھی نے شیطان کی سوار بول کی تعیین کی اور سعید تا بھی نے شیطان کی کھروں کی ک

میں میں ہوئی کے قول میں شیطانی سوار بول کی ایک متم کا بیان ہے اور تا بعی کے قول میں شیطانی گھروں کی ایک میں ما مناسر سے : صحابی کے قول میں شیطانی سوار بول کی ایک متم کا بیان ہے اور تا بعی کے قول میں شیطانی گھروں کی ایک می

ئ ليجا د

بعض شارمین مدییث نے کہاکہ شیطا نی سوادلیوں کی تغیبہ میں ہی کا تول نہیں بلکہ حفنورٌ کا ادشا دیے اوراسی طرح شیطا فی گھرول کے متعلق جوادراد دیے کہ میں نے انہیں نہیں دیکھا یہ می نبی علیہ العسلوٰ قر والسلام کا تول ہے۔ شارح طکیبی نے کہا کہ پہلی تا ویل ہی ہترہے جو قامتی عیامتی نے کہ ہے ۔ بہ شیطا نی سواد یا ل اور شیطا نی گھراس بیے ہیں کہاں سے تکبروغ وراور فوٰ کا ظہار مہو تا سے اس قیم کی سوادیوں کی کوئی مترورت نہیں ہوتی محض نمائش اور دکھا وا سبے، اسی طرح ہو درج کورشم بہنا ناصر بچگا مراف د تبذیہ ہے۔

مَاسِّكُ فِي مُنْرَعَتِهِ السَّبُورِ

تیزر فتاری کا باب ۔

٢٥٦٩ - كَتَّا ثَنَّا مُوْسَى بُنُ إِسَمِينَ نَاحَمَّا ذَنَا سَهَيُلُ بُنُ أَيْ صَالِمٍ عَنَ آبِيْهِ عَنَ آبِي هُمَ نَيَةَ أَنَّ رَسُولَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَبَيْهِ وَسَلَّوَ فَالَ إِذَا سَا فَرْتُ مُ فِي الْخِصْبِ فَاعْطُوا لِلْإِبِلَ كَتَّهُ هَا وَ (دَاسَا فَرْتُ مُ فِي الْجَدُ بِ فَاسْمِ عُولَا لَتَنْبَرَ فَإِذَا اللَّهُ مُولِلِيَّا اللَّهُ وَالْتَكُمُ وَ الْمَاكِنِ اللَّهُ وَاللَّهُ مُولِلِكُ اللَّهُ وَالْمَاكِنِ اللَّهُ وَاللَّهُ مُنْ اللَّهُ وَاللَّهُ وَالْمَاكُونِ اللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ مُن اللَّهُ وَاللَّهُ وَالْمُ اللَّهُ وَاللَّهُ وَالْمُؤْلِقُ وَالْمُعُولُونَ اللَّهُ وَالْمُعَالِمُ اللَّهُ وَالْمُؤْلِقُ وَالْمُؤْلِقُ وَالْمُؤْلِقُ وَاللَّهُ وَالْمُؤْلِقُ وَالْمُؤْلِقُ وَالْمُؤْلِقُ وَاللَّهُ وَالْمُؤْلِقُ وَالْمُؤْلِقُ وَالْمُؤْلِقُ وَاللَّهُ وَالْمُؤْلِقُ وَالْمُؤْلِقُ وَاللَّهُ وَالْمُؤْلِقُ وَاللَّهُ وَاللْمُؤْلِقُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَالْمُؤْلِقُ وَاللْمُؤْلِقُ وَاللَّهُ وَاللَّذِي اللَّهُ وَاللَّهُ وَالْمُؤْلِقُ وَاللَّذُالِقُولُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَالْمُؤْلِقُ وَاللَّهُ وَاللْمُؤْلِقُ اللْمُؤْلِقُ وَاللَّهُ وَالْمُؤْلِقُ وَالْمُؤْلِقُ اللْمُؤْلِقُ وَاللْمُؤْلِقُ وَاللْمُؤْلِقُ اللْمُؤْلِقُ وَاللْمُؤْلِقُ وَاللَّهُ وَاللْمُؤْلِقُ وَاللْمُؤْلِقُ اللْمُؤْلِقُ وَاللْمُؤْلِقُ اللْمُؤْلِقُ وَاللْمُؤْلُولُ وَاللَّهُ وَاللْمُؤْلِقُ وَالْمُولُ وَاللْمُؤْلِقُ وَاللْمُؤْلِقُ وَاللْمُؤْلِقُ وَاللْمُؤْلِقُ وَاللْمُؤْلُولُ وَالْمُؤْلِقُ وَاللْمُؤْلِقُ وَاللْمُؤْلُولُ اللْ

ابوہریم ہمنسے دوایت ہے کہ دسول الطرصلی الطرملیہ وسلم نے فرمایا : حب کم مرسبزی وفٹا وا بی کے وقت میں مفر کروتوا ونٹول کو ان کاحق دو،ا ورحب ہم تحط کے زمانے میں سفر کروتور فتار تیزد کھو، بھرحب بچھیے ہم مزل کروتولستے سے پر میزکر و دمسلم، تزمذی، نسائی ۔سنن ابی واؤدکی کتاب الا دب میں بھی یہ مدمیث اُر ہی ہے

سپر ہے : مطلب یہ نہیں کہ لوگوں کی کھیتیوں میں جانوروں کو حید نے کے لیے چھوٹر دو ، بلکہ بیر کہ راستے کے گھاس میونس اور درختوں میں انہیں منہ مار نے دو کیونکہ سرسنری کے زمانے میں عمو گا لاستوں پر بیچیزیں موجود موتی میں ۔اور تحط کے دور میں تبزی سے چلانے سے یہ عرمن سے کہ منعف طاری نہ ہو یا تھکن سے پہلے منزل پر جا بینوییں ۔ دا ستے پر منزل کمرنے سے سوسکنے کی علمت سلم کی حدیث میں آئی ہے کہ رات کے وقت کیڑے کو ڈے اور زم ریاج جانور نکل کر راستوں پر بایاں کے
اس آجا ہے ہیں، مباوا ڈس میں ۔

٠١٥٠ حَدًّا تَنْكَأَعُمْمَاكُ بُنُ أَيْ شَيْبَتَمَا نَايَزِيْكُ بْنُ هَادُوْنَ أَنَاهِ مِنْكَامِرً

عَنِ الْحُسَنِ عَنْ جَابِرِ بُنِ عَبْدِ اللهِ عَنِ النَّبِي صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَنَ حُولَهُ اَ ا

ما بربن عبدالت اسف نبى صلى الطرعليدوسلم سعدوايت كى جواوىركى ما نندسيداوراس مي" اكن كوان كا حق وو"

کے بعد بیر بھی ہے: اور منزلول سے تجاوز مت کرو (نسائی،ابن ماہم منزلوں سے تجاوز کرنے کی ممانعت اس سے فرمائی ہے کہ اس میں اسپنے آپ کو مشقت میں ڈالنے اور مبالوروں کے تقاکا ڈالنے کے سوا کچھ فائد ہنہیں،منزلیں جومقرر کی گئی میں وہ کا نی نجر بے کے بعد کی گئی ہیں ۔اوران کے تقرر میں سہوںت کو مذنظر رکھاگیا ہے ۔

بالبن في التي تُجَتِي

کچے دات رہے سفر کرنے کاباب۔

ا ٢٥٤ - كَتْمَا نَكْمَا عَنْمُ وَبْنَ عَلِى نَاخَالِدُ بُنُ يَزِيْ مَا اَبُوْجَعُفَرِ الرَازِقَى عَنِ السَّرَيْبِ بِنَ اللَّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمَ عَلَيْكُو وَسَلَّمَ عَلِيكُو وَسَلَّمَ عَلَيْكُو وَسَلَّمَ عَلِيكُ وَلِي مِنْ اللَّهُ عَلَيْكُو وَسَلَّمَ عَلَيْكُولُ وَسَلِيلُولُ وَاللَّهُ عَلَيْكُولُ مَا عَلَيْكُولُ وَاللَّهُ عَلَيْكُولُ وَالْمُلِكُ وَلِي مِنْ اللَّهُ عَلَيْكُولُ وَاللَّهُ عَلَيْكُولُ وَاللَّهُ عَلَيْكُولُ وَالْمُعْلِقُ وَالْمُعْلِقُ وَالْمُعُلِقُ وَالْمُعِلِقُ وَالْمُعُلِقُ وَالْمُعَلِقُ وَالْمُعُلِقُ وَالْمُعُلِقُ وَالْمُعَلِقُ وَالْمُعُلِقُ وَالْمُعَلِقُ وَالْمُعُلِقُ وَالْمُعِلِقُ وَالْمُعَلِقُ وَالْمُعُلِقُ وَالْمُعُلِقُ وَالْمُعُلِقُ وَالْمُوالِمُ اللَّهُ عَلَيْكُوا وَالْمُعُلِقُ وَالْمُعُلِقُ وَالْمُعُلِقُ وَالْمُعُلِقُ وَالْمُوالِمُ الْمُعَلِقُ وَالْمُعُلِقُ والْمُعُلِقُ وَالْمُعُلِقُ وَالْمُعُولُ وَالْمُعُلِقُ وَالْمُعُولُ وَالْمُعُ

انس منے کہا کہ دسول الشرصلی اللہ علیہ وسلم نے ذیا ہا : رات رہے سفرکیا کرد کیونکہ زمین دمسافت رات کو طے ہوتی سے معلی ہر مسافت رات کے پہلے ہر طے ہوتی سے در منذر کی سنے کہا کہ اس صدریث کی سند ہیں آبو حجفہ رازی مشکلم فیہ ہے۔ وُ تجہ کا معنیٰ رات سے پہلے ہر ایا ماری رات سے اور ایک صدیث میں یہ لفظ نما نے تنجہ کے لیے والد دہے جو رات سے آخری عصومیں ہوتی ہے اور سے گویا و توجہ کا معنیٰ سے دات سے اور سے اور سے گویا و توجہ کہ واقعی کے اس معلوم ہوتا ہے کہ زمین خود مجود طے ہور ہی ہے ۔

بَاجِهِ رَبِّ التَّاابَّةِ إَحَقُّ بِصَنْ مِهَا

إبديما نوركا ما لك، كي سواري كرنا كا زَّبا وه حقلات -

پیدل میل دسیم نقے، ایک مرد آیا جس کے پاس گدھا ہتا ۔ اس نے کہایا رسول الندسواد ہوجائیے اور وہ آ دمی خود پھیے معٹ گیا ۔ پس دسول السدمعلی السدعلیہ وسلم نے فرایا ۔ نہیں ، تواپنی سوادی پر آگے بیعظنے کازیا وہ حقدار سے الآب کہ تو یہ حق نجھے دسے دسے ۔ اس نے کہامیں نے یہ تق آپ کو دیا ، نیس حصنوں سواد مہو گئے (تزید تی نے اسے روایت کمرکے حسن عذیر کی سر ب

شریے: وہ تعفی خود پیھیے ہٹ گیا تھا کیونکہ ایک تو وہ حفنور کو پہلے ہی پیٹیٹ کریجا تھا، دوسرہے اس نے پرسمی تھا کرشا پرانفٹل کاندیا دہ حق ہوتا ہے۔ اس پر حفنور م نے مسئلہ تبا دیا کہ اپنی سواری پر ہ گے سوار ہونے کازیا وہ حق تیرا ہے، یوں اگر توبیرا بٹارکر کے جھے دسے ڈائے تو تیری مرمنی .

يَا ملِكَ فِي السَّالِيَّةِ نَعَدُ فَكِ فِي فِي الْحَدْبِ باب بب بانور ك جنگ مين باؤن كن مؤتين ـ

الله ١٥٠ حكا نَنْ عَبْدُ اللهِ بُنْ مُحَدِّدِ النَّفَةِ بِي مَا تَحَدِّدُ اللَّهُ مَا اللَّهُ مَا اللَّهُ الله

ئِن إِسْمَانَ حَدَّ نَنِى ابْنُ عَبَّادٍ عَنْ ٱبِبِهِ عَبَّادِ بْنِ عَبْدِ اللهِ بْنِ النَّرْبُ بْرِحَكَ تَبَيْ آبِ الَّذِي كَارُضَعِي وَهُوَا حَدُهُ بَيْ مُثَّةَ الْمِنْ عَوْبِ وَكَانَ فِي تِلْكَ الْغَزَا وَ غَزَا وَالْمُوتَة عَالَ وَاللّٰهِ لَكَا فِي الْفُورَ الْمَا جَعْفَرِ حِبْنَ الْمُتَعَمَّعَنْ فَرَسٍ لَهُ شَقَرُاءَ فَعَقَرَهَا ثُتَقَ عَا مَلَ النَّفُومَ حَنْى فُتِلَ قَالَ ابْوُدُا وَدَهُ لَهُ الْحَدِينِيثُ كَيْسَ بِالْقَوتِ .

شرح ہموتہ مدودشام میں بلقاء نامی ملاقے کا ایک مشہور سبتی تھی جس میں مشہور غزوہ مُوتہ ہوا اور حسنولا کے قشرح ہمطابق زید بن مار ندہ معفر بن آبی طالب اور عبدالطد بن دوار ہونے کیے بعد دیگر سے شہید ہموئے اور بھر علم خوالد بن الولیان نے لیا اور عبی جانوں سے نود ہمجے جیے احد دشمن کوھی بٹا دیا، پوں لٹائی برابر سرابر دہی ابن سعد کا لدبن الولیان نے لیا اور عبی جانوں کے مطابق شکست مسلمانوں کو ہموا، بخارتی کے مطابق رومیوں کواور بقول ابن اسی ق ہر فریق پھیے ہمط گیا اور کیں مات صعورت ہے۔

باكب في التشبق موزك دور ريدانعام مقرركيف كاباب.

م ٢٥٧ ـ كِلَّا ثَنَا آخُمَنُ بُنُ يُونِسُ نَا أَبُ اَبِي ذِيْبُ عَنْ نَافِعِ بَنِ آ بِكَ نَافِعِ بَنِ آ بِكَ نَافِعِ مَنِ آ بِكَ نَافِعِ مَنَ آ بِكَ نَافِعِ مَنَ آ بِكَ نَافِعِ مَنَ آ بِكَ نَافِعِ مَنَ آ بِكَ مَنْ أَبِي هُمُ أَيْلَةً كَالَ مَا لَكُونُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَكَبُهِ وَسَلَّمَ لَا سَبَنَى إِلَّا فِي اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ لِا سَبَنَى إِلَّا فِي اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ لَا سَبَنَى إِلَّا فِي اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ لِللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ لِللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ لِللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ لَا اللهُ عَلَيْهُ وَلَهُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ لِللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ لَا اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ لَا اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ لَا اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ لَا اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ لَا اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ لَا اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ لَا اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ لَا اللهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمُ لَا اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللّهُ عَلَى

الوبرريده دم سے روابیت ہے کہ دسول الٹرصلی الٹرعلیہ وسلم نے فرما یا آ گے بٹر صفے کا نعام یا مفابلہ صرف اونٹوں میں ، گھوڑوں میں بانٹیرول میں مبا ٹخذہ ہے (تند مَدَی ، نساتی ، ابن ما حدا ورمسند آخمد)

مقرے: ملامہ تعطابی فرماتے ہیں کہ مشکق کا معنی ہے وہ انعام جوآ گے بڑھنے والے کے ہے مقرد کیاجائے۔ مُنبق معدد ہے جس کا معنی ہے آگے بڑھنا۔ اس مدیث کی میچے دوا بیت مُنبق ہے بمطلب برکدا ونشا ور گھوڑے وی وی معدد ہے جس کا معنی ہوا وں اور بھال سے اسکی مؤدمہ ہوئے ہے ہے کہ ایک بڑھی اور اول یا دوم آنے پرانعام مقرد کرناجا گزیے۔ نُوک کا معنی موزہ ہے اور بھال سے اسکی مؤدمہ ما لا الخف دموڑے وال جا تور بھنی اونٹ ہے کیو نکہ اس کے پرگڈی واد ہوتے ہیں ۔ ما فرکا معنی ہے سٹم، مرا دہے ہم والا جانود تعنی گھوٹا ، گدھا نجیز ۔ اور نفس کا معنی سے ہواس معنی میں ہے کہ تراندازی کا مفا بارکر یاجا ہے اور انعام دیئے مائیں ۔ حضوظ کے اس ادشاد میں جہاد کی تیا دی، ورزش اور مہنسیار ول کے استعمال کی مشق کی تر عزیب سے کیونکراں سے مہائیں ۔ حضوظ کے اس ادشاد میں جہاد کی تیا دی، ورزش اور مہنسیار ول کے استعمال کی مشق کی تر عزیب سے کیونکراں سے

دسمن کامقابلہ کرنے اور اعدائے اسلام کے بیے تیا در منے کا واعیہ پیام والا ہے۔ لیکن پرند بازی، بشیر بازی، مرغ بازی، کبوت بازی وعیرہ اور چیزیں جواسی حکم میں ہیں، ان کا تعلق حرب فرب سے نہیں، نہ پرجہا وکی تیادی میں واضل ہیں۔ ان میں سے کسی میں انعام مقرر کرنا قمار بازی میں آئے گاکیونکر ہرے سے ان کی اجازت ہی نہیں، گھوڑ دوڑو عیرہ میں تھی اگر فہار بازی ہوتو نا مبائز سے ۔ آج کل ناشے دوڑا نے ، گئوں کی دوڑ

IO DE LE CONTRA LE LE CONTRA DE LA CONTRA DEL CONTRA DE LA CONTRA DEL CONTRA DE LA CONTRA DEL CONTRA DE LA CONTRA DEL CONTRA DE LA CONTRA DE LA CONTRA DE LA CONTRA DE LA CONTRA DEL CONTRA DE LA CONTRA

كرانے اور كھوڑ دُوڑ و مغيره بهرمزارول لا كھول دوسيے كى شر كميں بدتى ہي جو خا نصته تما رباندى ہيں له خلاج ائر نهيں-٥١٥٠ كتا تَنَاعَبُك اللهِ بُنْ مَسْلَمَتَ الْقَعْنَبِي عَنْ مَالِكِ عَنْ فَافِحِ عَنْ عَبْدِاللّهِ بْنِ عُمَرَاتٌ دَسُولَ اللّهِ صَلّى اللهُ عَكِينُ وصَلَّحَ سَابَقَ بَابِنِ الْحَبْلِ الَّذِي

كُمْ تُعْمَى الرَّبْيَةِ إِلَى مَسْجِدِ بَنِي أُرَيْقٍ وَإِنَّ عَبْدَاللَّهِ مِمِّنْ سَابَقَ بِهَا-

عبدالشرب ومنسص روابيت بيركه دسول التادصلي التطرع ليدوسكم في مُفتر كهوارون مي مقابله كمراً ما مِعَابلة حفياً، کے مقام سے بشروع موااورمقرر مرگه ثنیته الو داغ عقی العنی مقابلے کی انریری منزل اور مدّی اور ان گھوٹروں میں مقابلہ كمرايا جومُصْرِيهُ كَيْبِ كُنْ يَصْفِي فَينترالوداع سے سے معرصی بنی زُرتی بک- اورعبداللرهمی مقابله میں خصد یفنے دالوں من عقا (تبخار ی مسلم ، نتر یزی ، این ما حبر، وارحی ، مُوطّا)

ىغىرى ؛ تى<u>فىيا، ئەتىنىر</u>گا يېبېرونى مقام ىقاحس مىي اور ئىنىةا توداع مىر چەرمات مىل كا ناصلەرقا . ئىنىنةالو داع مەنى کے باہر کھے شلوں کا نام بھا جہاں مہمان کا استقبا ل کرتے اور و ہاں کس دخصت کرنے بھی جاتے تھے ۔ فنبر سیے سے کو مسجد مبنی ذکرٌ بتی تک ایک مسیل کا فاصل تقاریبرحد میث شنن میں ابواب المساحید میں تھی گذر میکی ہے۔امنماریا تصمیر کامعنی برين كركهورون كوكه لاملاكر خوب موطا نازه كياماتا تفاعيرانهين حبس والكرايك مكان مي مبندكر ديتي اورمعمولي واك د سے ۔ انہیں نوب بہیدہ نا اور دُسلے پیلے ہوجا تے ، برگھولے دوڑ نے میں بہت تیز ہو تے سے اور تبعن عرب انہیں تفنمبركے دنول میں دورھ اور گوپشت كی خوراك دیتے تقیے۔

٢٥٤٧ حسَّلُ ثَنَّا مُسَكَّاكُ نَا الْمُعْتَمِمُ عَنْ عُبَيْهِ اللَّهِ عَنْ نَافِع عَنِ ابْنِ عُمَرًا تَنْ يَبِي اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ كَانَ يُضِمُّ الْخَيْلَ يُسَابِنُ مِهَا.

ابن عمر من سے روایت مع کہ اللہ کے نبی صلی اللہ علیہ وسلم گھوڑوں کی تصمیر کراتے اور ان کی دور کراتے تقے

٤ ٢٥ ٤ حك تنك أحدك بن حنب ناعفينة ابن خالياعن عبيد الله عَنْ نَافِعٍ عَنِ ابْنِ عُمَرَا تَ النَّبِيَّ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ سَبْنَ بَيْنَ الْحَبْلِ وَفَضَّلَ

ا بن عراض سے روایت سے کہ نبی صلی اللہ علیہ وسلم نے گھوٹر دوٹرکرا نی ا ورمقر رم گھ تک پہنچنے میں جا رسال گھوٹون فضیلت دی دیعنی اس عمرکے گھوڑے جو نکہ زیا وہ طا تتورا ورجوان ہوتے ہیں لہٰذاان کی دوڑ کی مسانت طویل دکھی

ຼວດຕິດຄອດດາມ ດວດດວດດາດດວດດານຄອດວດດາດດວດດາດດາດດວດດວດດວດດວດດວດຕິດດວດດວດດວດດ

بأحث في السُّننِي عَلَى الرِّحُولِ

پیرل *دورا نے کا باب*۔

١٥٤٨ - كَلَّ الْمُنَا الْمُوْمَالِمُ الْلِانْطَالِيُّ كَعْبُونِ اللَّهُ مُوسَى اَنَا الْهُوْ السَّحَانَ الْمُنَادِيِّ مُعْمُونَ مُوسَى اَنَا الْهُوْ السَّحَانَ اللَّهُ عَنْ هِذَامِ بُنِ عُمُونَ عَنْ اللَّهُ عَنْ عَالِمُشَدَّا نَهَا كَانَتُ مَمَ النَّى عَنْ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ اللَّلْمُ اللَّهُ الللْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللْمُ اللَّهُ الللْمُ الللْمُ اللْمُوالِمُ الللْمُوالِمُ اللْمُ الللْمُ اللَّهُ اللْمُوالِمُ الللْمُ اللْمُلْمُ اللَّهُ اللْمُ

حصرت عائشہ دمنی الشرع نہاسے روایت ہے کہ وہ کسی سفر میں دسول الٹرصلی الٹرعلیہ وسلم کے ساتھ تحتیں فرماتی میں کہ میں نے مصورم کے ساتھ وُوڑ لگا ٹی اور آ کے نکل گئی۔ پھر حبب میراجیم فررا بجا دری ہوگی تو ایک بارہ پر دُوڑ لگا ٹی تو معنولاً آ گے نکل گئے اور فرمایا: آج کی یہ دُوڑ اس پہلی دُوڑ کا ہواب ہے دا بین ماجہ، نسباتی ، مسند احمد ، معنور مسلی الٹرعلیہ وسلم کی حُسن معامشرت اور ولداری اور اندواج سے کے ساتھ حسن مسلوک کی یہ بھی ایک مثال ہے۔

بَارِقِن فِي الْمُحَلِّلِ

بِ مِحْلِ كِ بِرِ حِيْلِ كِ بِرِ حِي مَلِيُّ بُنُ مُسُلِحٍ ذَا عَبَّا كُنُ الْعَوَّامِ أَنَا سُفْيَا نُ بُنُ حُسَبُنِ الْمَعْنَ عَنِ الزَّهِمِ فِي عَنْ مَلِيُّ بُنُ مُسُلِحٍ ذَا عَبَّا كُنُ الْعَوَّامِ أَنَا سُفْيَا نُ بُنُ حُسَبُنِ الْمَعْنَ عَنِ الزَّهِمِ فِي

سَونيدِ، بُنِ الْمُسَبَّبِ عَنُ إِنِي هُمَّ أَبِرَةَ عَنِ النَّبِي صَلَى اللهُ عَبَبُهِ وَسَلَّوَ خَالَ مَنَ ا دُخَلَ فَرَسَّا بَيْنَ فَرَسَبْنِ يَعْنِي وَهُوَ لَا يُؤْمَنُ أَنُ يُسُبَّنَ فَكَيْسَ بِقِمَا رِوَمَنْ اَ دُخَلَ فَرَسًّا

ابوہ ریدہ دم نے نبی صلی الٹرملیہ وسلم سے روا ہت کی کرمنودم نے فرما با بھی تھیں نے ایک گھوٹا او دگھوٹروں کے درمیان واض کیا اوراس کے آگے نکلنے یا نہ نسکنے کا گمان نہیں تھا تو یہ تمیا رہنیں سے - اور عبس نے ایک گھوٹڑا دو گھوٹڑا ہو کھوٹڑا ور گھوٹڑا ہے اور عبب نے ایک گھوٹڑا ہے موٹڑا ہو گھوٹڑا وس کے درمیا ن واضی کیا اور اس کے متعلق آ گے مبلنے بانہ جانے کا گمان تھا تو وہ تمیا رہے والی اس لیے کہا گیا ہے کہ دو گھوڑوں میں مقابلہ تما رہائری ہے ۔ اس تعیہ رہے کہ دو گھوڑوں میں مقابلہ تما رہائری ہے ۔ حب تمیہ اور میان میں آگیا تو تمار بازی ہذرہی بلکہ گھوڑ دولا ملال ہوگئی۔ یہ اس صورت میں سبے کہ تمیہ ہے گھوڑے

کے متعلق دیجربے اور علامات وغیر ہاسے ، پر دہ معلوم ہو کہ یہ صرود ہی آگے یا پیچیے رہ جائے گا مپیچیے رہ جانے کی علام ہو کہ یہ صورت میں تو یہ نیر بالعدم سے کیونکہ دوڑ تو دراصل انہی دولوں میں دستے گی جن میں شرط ہر گئی تھی ہا بھیت کی صورت میں تو یہ ہوگئی کہ اس نے مہاں ہو جم کہ کی صورت میں گو قمار رہ ہوگئی کہ اس نے مہاں ہو جم کہ دو کم زور گھروڑوں میں اپنا طاقتور تیز وفتار گھوڑا طایا تاکہ بطور طن خالب دقم سلے م ٹڑسے۔ سبب مینوں گھوڑ سے بطام ہم سرے ہوتی دو کہ دورگھروڑوں میں اپنا طاقتور تیز وفتار گھوٹر اور اس کو ایک ہی نہیں ہوتی ۔ اور اس کو ایک دینی صرورت اور فوجی صفتی کی ضاط مجائز دکھا گیا۔ اور اس کو ایک دینی صرورت اور نوجی صفتی کی ضاط مجائز دکھا گیا۔ اور ترسی سے میٹور کھی ہیں دیا ہوتی ہے۔ اور اس کو ایک دینی صرورت اور نوجی صفتی کی ضاط مجائز دکھا گیا۔

میر منورت کوہ سے جنبکہ انعام اور رقم کا تقرر مبانبین سے ہوکہ یہ مبیّا تو دومرا دسے وہ مبیّا توہولا دسے کیونکہ بر خانص تماد بازی ہے۔ اگرا نعام کسی تمیسرے شخص یا اوارسے یا حکومت کی طرف سے بہوتو قماد بازی نہیں ، اگر شرط ایک جانب سے بہوتو تمار نہیں دمہنا۔ امام طی وی منفی ا درعلامہ خطابی شافعی دونوں سے کلام کا خلاصہ او پر بہیش کر دیا گیپ

سيح - وا لتُداعلم بالفىواب ـ

٠٨٥٠ حكاثناً عَمُودُ بْنُ خَالِمٍ نَا الْوَلِيْكُ. ثُنُ مُسْلِمٍ عَنْ سَعِيْدِ بْنِ

بَشِبُرِعَنِ الزُّهُمِ تِي بِاسْنَادِ عَبَّادٍ وَمَعْنَا لَا .

یدا وَیدِی مدریف کی دُومری مند ہے جو زہری ہک ہنچتی ہے اورا گلی سندوہی کہلی ہے۔ ابو واؤ دنے کہا کہ اسے معر اور شعیب اور عقیل نے زمبری سے عن رِ مِالِ من اَعْلِ اَنقل_ی روایت کیا ہے اور ہما دے نز دیک ہیں میچ ترہے۔

يَانِكَ الْجَلْبِ عَلَى الْخَيْلِ فِي السِّبَاقِ

گهور دور مي سور مي نے كاباب .

١٨٥١ حكا نَتَ يَجَبَى بُنُ عَلَمِن نَاعَبُك الْوَقَابِ بُنُ عَبْدِالْمَجِي دَا عَنْ الْمَعْضَلِ عَنْ حَمَيْدِ الطّويُلِ جَبِيعًا عَنِ عَنْ جَمَيْدٍ الطّويُلِ جَبِيعًا عَنِ الْمُعَضَّلِ عَنْ حَمَيْدٍ الطّويُلِ جَبِيعًا عَنِ الْمُعَضَّلِ عَنْ حَمَيْدٍ الطّويُلِ جَبِيعًا عَنِ الْمُعَضَّلِ عَنِ النّبِي صَلّى الله عَنْ عَبْدُهِ وَسَلَّوَقَالَ لَا جَلَبَ الْمُعَنِي عَنْ النّبِي صَلّى الله عَنْ عَبْدُهِ وَسَلَّوَقَالَ لَا جَلَبَ وَلَا جَنْبُ ذَا وَهُ مَنْ الله عَنْ عَنْ الله عَنْ الله عَنْ عَنْ عَنْ الله عَنْ عَنْ الله عَنْ عَنْ عَنْ الله عَنْ عَنْ عَنْ الله عَنْ عَنْ عَنْ الله عَنْ الله عَنْ عَنْ الله عَنْ عَنْ الله عَنْ عَنْ عَنْ عَنْ الله عَنْ عَنْ الله عَنْ عَنْ الله عَنْ عَنْ عَنْ عَنْ عَنْ الله عَنْ عَنْ الله عَنْ عَنْ عَنْ عَنْ عَنْ عَنْ عَنْ الله عَنْ عَنْ عَنْ الله عَنْ عَنْ عَنْ عَنْ عَنْ الله عَنْ عَنْ الله عَنْ عَنْ عَنْ الله عَنْ عَنْ الله عَنْ عَنْ الله عَنْ عَنْ الله عَنْ عَنْ عَنْ الله الله عَنْ عَنْ الله عَنْ عَنْ عَلَا الله عَنْ عَنْ الله عَنْ عَنْ عَنْ الله عَنْ عَنْ الله عَنْ عَلَا الله عَنْ عَنْ عَنْ الله عَنْ عَلَا الله عَنْ عَنْ عَنْ الله عَنْ عَنْ الله عَنْ عَا عَنْ عَنْ الله عَنْ عَنْ الله عَنْ عَنْ عَلَا الله عَنْ عَلَا عَل

عمان بن مصین است نبی مسلی التار ملید وسلم سے روایت کی کہ آپ نے فرمایا ؛ کوئی مشور نہیں اور ددکوئی کو تل گھوڑا ارکھنا۔ دستر مذی انسانی ، ترمذی سلے اسے حسن صحیح کہا ہے ، کی نے اپنی روایت میں بدا دنیا فیرکیا ؛ گھوڑ دوڑ میں ۔

نتسم : گھوڑ دوٹسکے وقت بعض دفعہ گھوڑ وں کوشور میا کر ڈگراتے سے اور بعبض دنعہ مبند آ وازیں دے کم انہیں تیز عبا گئے کے لیے بھڑ کا تے سے یہ تو ہوئم کبک ۔ جَنَبُ کا بہ معنی ہے کہ گھوڑا دوڑا نے والا اپنے ساتھ ایک کوئل کھوڑا بھی

9909009999999999999999999999999999999

ر کھے، مبب اصل کھوڑا تھک جائے یا یاں نا ہوانظر آئے تو دوسرے پرجھانگ سگا دسے اور اسے تا زہ دم آ گے معاکل ہے جائے -ان دونوں چیزوں سے منع فرما یا گیا ہے ۔

٢٥٨٢ كَتْكَ أَبْنُ الْمُنْكَيُّ نَاعَبُكَ الْكَعْلَى عَنْ سَعِيْدِ عَنْ فَتَادَةَ فَالَ الْمُكَنِّ نَاعَبُكَ الْرَعْلَى عَنْ سَعِيْدِ عَنْ فَتَادَةَ فَالَ

قنا ده دمنند کهاکر مبکب ور بخب گفور دولرمی بی راس کامطلب بر سے کواوپر کی حدیث میں صوف کیتی نے فی الرصان کا لفظ برا حلیا ہے مسترق نے میں اگرا مناسے کونہ مان عاصف کونہ کا تعلق گھوڑد وٹرسے تمیں مرمتنا اور ان کونٹ قامی گذر جکا سے کہ مبکب اور مجلب مواشی کی ذکو قامین مجا در میں بوتا ہے۔ بہر مال وہ اپنی مبگر بر سے اور بر ابنی مبگر بر ا

مَا لِكِ السَّبِيْفِ جَعَلَى السَّبِيْفِ جَعَلَى السَّبِيْفِ الْعَلَى السَّبِيْفِ الْعَلَى السَّبِيْفِ الْعَلَى السَّالِيةِ اللَّالِيةِ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهُ اللَّلِي الْمُعْلَمُ اللَّهُ اللَّ

٣٩٨٠ حك ثَنَا مُسُلِحُ بِنُ ابْرَاهِبُم نَاجَرِيْرُبُنُ حَانِم نَا تَنَادَةٌ عَنَ آنَسٍ فَلَا تَنَادَةٌ عَنَ آنَسٍ فَالْكَانَتُ فَيِبُعَتُ سَيْعِتُ رَسُولِ اللهِ صَلَى اللهُ عَبَبُ مِ وَسَلَّمَ فِيضَةٌ .

ا نس دمنے کہا کہ دسوں الٹرمسلی الشد ملیہ وسلم کی تلواد کی مسطی کا سرما ندی کا تقا داتہ مذی اور نسائی) مشہرے : خطا بی مکھتے ہیں کہ اس مدیث میں قبیعہ کے لفظ کے معنی ہے آؤ کہ دشمکہ، ہو دستے کے اوپر ہوتا ہے ۔ اور اس سے یہ است رالال کیا گیا ہے کہ گھوڑ ہے کی لگام میں بھی ذراسی چاندی کا ستعمال جائز ہے ۔ اس طرح ذین وعیْرہ پر بھی ۔ گھر بعفن کے ننہ دیک تلواد کے سوااور کہیں گئیا ہیش نہیں ۔ شاقی نے لکھا ہے کہ مروصرف انگونٹی کھا اور الواد کی مسھی میں میا ندی کا استعمال کر سکتا ہے مگر سونے کا نہیں ۔

٣٨٨٠ ـ حَكَّانَكَا كُحُكَكُاكُ الْمُكَنِّى نَامُعَاذُ بُنُ هِشَامِ حَكَاثَنِيُ آبِي عَنَ نَتَادَةَ عَنَ سَعِيْهِ بِي إِي الْحَسَنِ فَالْ كَانَتُ قِيبُعَهُ سَيْعِ رَسُولِ اللهِ صَلَّى اللهُ عَكِيْهِ وَسَلَّمَ فِظْنَةُ قَالَ فَتَادَةُ وَمَا عَلِمُ ثَنَ إَحَكَا آتَا بَعَهُ عَلَى ذَلِكَ -

سعیدین انجا کھی نے کہ کررسول الٹرمنی الٹرینگیروسلم کی تلوار کی مٹی کا تکری اندی گا قا ۔ قبارہ و نے کہا کہ مجے معلوم نہیں کرکسی نے اس پراس کی متابعت کی ہو دنسائی ۔ ترندی ، پرروایت ٹرسل ہے۔ دراصل پرمدیث اوراور پر کی مدیث مختلف کتب مدیث میں کہیں مرفوع ، کہیں مرسل اور کہیں موقوف مروی ہے۔ اس کی بعض روایا ت میمے ، بعض صن اور بعمن منعیف میں مولا نامونے اس پر ایک طویل محد ثانہ کلام کیا ہے ۔

٥٨ ١٥ - كَلَّا ثَكَا مُحَدَّدُ اللهُ بَشَاء كَدَّ نَهِي يَجْبَى بُن كَيْ يَجْبَى بُن كَيْ يَكُمْ لِكُنْ الْعَنْ بَرِيَّ عَن الْعَنْ بَرِي مَالِكِ قَالَ كَانَ فَنَ كَرَمِنْ لَهُ -

ا وپہ کی صدین کی ابک اور روابت جو انس م سے مرفوع ہے ۔ ابو دا وُدینے کہاکہ سعید بن ابی الحس کی روابت قوی ہے اور باتی صنعیف ہیں ۔

بَاسِكُ فِي النَّبُلِ يُن خَلُّ فِي الْمُسْجِدِ

مسجد مس نیرول کے داخل کرسنے کا باب۔

٢٥٨٧ حَسَّ نَكَ فَتَيْبَ أَهُ أَبْنُ سَعِيْدِ نَا اللَّيْثُ عَنُ إِنِ النَّرَبِيْرِعَنَ جَابِرِعَنَ مَا مَنُ سَعِيْدِ نَا اللَّيْثُ عَنُ إِنِ النَّيْلِ فِي الْمَسْجِدِ اَنَ لَا مَنُولِ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوا تَنْ اللَّهُ عَلَيْهِ فَي اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهِ الللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهُ الللَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهِ الْمُعَلِّقُ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَالْمُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْكُمْ عَلَيْهُ عَلَيْهُ

مبابرین نے دسول الٹرصلی الٹرعلیہ وسلم سے دوا بیت کی کہ آپ نے ایک آ دمی کومکم ویا ،جوکہ سجد میں تروں کا مستقرکر دیا بھا ،کہ وہ مسجد میں اُنہیں سے کرنڈ گرز رہے گراس مالت میں کہ ان کے لوسے والبے مرکو بکٹار کھا ہو (مسلم ،مسند احمد ،مسلم کی روایت میں ریدلفظ بھی ہیں کہمہا واکسی مسلمان کوخراش ہمائے ۔

٢٥٨٠ حَتَّ ثَنَا كُمُّ مَكُ الْعَكَامِ نَا الْمُوالسَّامَةَ عَنُ الْمَوْلِ عَنَ الْمُولِ اللهِ عَنَ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ

ابوموسیٰ دختے رسول الطرصلی الشد علیہ وسلم سے روایت کی کر جب کوئی تم میں سے ہماری مجدیا ہمارے بازادسے گزرے اور اس کے پاس تربوں توان کے عیل مصنبوط بکڑے ہے اور فرمایا کہ معنی بزرکر سے یا یہ کہ شرول کواپنی معنی میں جمینی سے، ممبا وا وہ کسی مسلمان کو لگ جائیں، دبخاری ، مسلم ، نسائی، ابن ماجر ، نعقما ان کے علاوہ اس میں نیننے اور لڑائی حجگڑے کا اندلیشہ نجی ہوتا ہے مسلمانوں کا لفظ اس میلے بولاکہ اس وقت ماری آبا دی مسلمانوں کی تھی، اس کا مطلب یہ نہیں کوغیر سلم میں بے شک ننگے ہتھ یا رہے کر گھو ما جائے۔ علاوہ ازیں اس میں مسلم کا اکرام واحترام بھی ہے ۔ اور مسجد میں توغیر مسلم کے

مونے کا احتمال مٹا ذو نا درہی ہوںکتا ہے۔ م

بَاسِفُ فِي النَّهُي أَنْ يَتَعَاظَى السَّبُفُ مَسُاوُلًا.

نگی تلواد کولینے وینے کی حمانعت کا باب.

٨٥٥٨. كَنَا مُوسَى بِنَ إِمْمِعِيلَ مَا حَمَادُعَنَ إِنَ النَّرِي مِنْ جَابِرِ أَنَّ النَّبِي

صَلَّى اللهُ عَلَيْنِ وَسَلَّوَ هَيْ أَنْ يَتَعَاكِى السَّيْعِثُ مَسْلُولًا -

مباہر من سے روابت ہے کہ نبی صلی اللہ علیہ وسلم نے منگی تلواد ایک دوسرے کو لینے دیے سے منع فر مایاد تر مذی نے روابت کی اور کہا کہ حسن عزیب ہے ، علت اس ممانعت کی مبی وسی ہے جواوپر گزر مکی ۔

کام النهمی آن بنفکا است برکین اصبحت بن دوانگیوں کے درمیان مرائے دوری کا ننے سے ممانت کا اب

٢٥٨٩ ـ ڪَٽَانَكَ عُحَمَّدُنُ بَشَارِنَا فُرَيْشُ بُنُ اَسْ نَا آشَعَتُ عَنِ الْحَرِنِ عَنْ سَمُرَة بُنِ جُنْدُ إِبِ آَنَّ رَسُولَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ نَهُى آَنُ يُقَدِّ السَّيْرَ بَيْنَ اصْبَعَيْنِ .

سمرہ بن جندر بین سے روایت سے کہ رسول انٹرمسلی انٹرملید وسلم نے دو انگلیوں کے درمیان جڑے کی فروری کا شخصے منع فرمایاد یا توانگلیوں کے زور سے ہم جڑا کا شخے کی کوسٹنٹ مرادسے ، ظاہر ہے کہ اس سے انگلیاں زخمی ہوں گی اور مقعد مامس نہوگا ۔یا ایک انگلی کے اوپر چڑے کی ڈودی رکھ کمرنوسے سے کا ٹنامراد ہے اس سے مبی انگلی کشٹ مبارنے کا اندیشہ تو ک سیے ۔گویا اس کی مما نعست کی ملت ہی اوپر کی امادیرٹ والی ہے ،

بأنبث في لبس التأثر أوع

درس بينن كاباب ـ

٠٥٩٠ حَكَّا ثَنَا مُسَلَّدُ ذَنَا سُغَيَاتَ فَالْ حَسِبُتُ آيِّنَ سَمِعْتُ يَزِيْبَ لَا بُنَ خَصَيْبِ فَالْ حَسِبُتُ آيِّنَ سَمِعْتُ يَزِيْبَ لَا بُنَ نَعْمَ فَكَ يَرِيْبُ لَا يَكُنَّ مَسَلَّا لَا لَهُ مَا يَوْمَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَيْنِ وَسَلَّوْ فَالْمَا يَوْمَ اللهُ مَا يَوْمَ الْحُوابَ بَيْنَ دِرْعَيْنِ اَوْلِبَسَ وِرْعَيْنِ .

سائب بن بزیرنے ایک آدمی کا نام ہے کواس سے روا بت کی کہ درسول الٹرصلی الطرع لیہ وسلم نے بنگ اُ مد

میں دوزر میں جیچے اور پہنی عمیں (اس دوا بت میں سفیان نے شک سے کہا ہے کہ میں نے بزید بن محصیفہ سے سنا)

مشر سے ؛ حافظا بن عبدالبرنے کہا کرنز یہ بن خطیفہ ، صائب بن بزید الا کا بھیجا بھا اور ٹھروا مون تھا ۔ مائب بن بزید منا

نو دمع ابی ہے د حبیبا کہ اور کہیں گور دیکا ہے ، ابن ما آم کی روا بت میں ہے کہ: سفیان بن عبینہ عن بزید بن محصیف عن السائب من بن پزید انشادا لئد تعالی اور ابن ما تب نے مائب بن بن بدید والا آدمی بیان نہیں کیا ۔ اس طرح مسئل حمد کی دوا بت میں ہے کہ سفیان نہیں کیا ۔ اس طرح مسئل حمد کی دوا بت میں میں موا بت میں سے کہ سفیان نے انشادا الٹر تعالی نہ کہا دہ ہجرم و بقین سے دوا بت ماس میں میں موا بت میں میں مائر بن کا خام نہیں ہے ۔ علامہ قال نہ کہا ہے کہ یہ دوا بت ماس موا ب ہے کہ سندانی ابی داؤ دمیں مائر بن ہے دوا بت کی ہے دو ہ غیا بن زبر میں مائر بن کی دوا بت کی ہے دو ہ غیا بن زبر میں موا بر میں موا بر میا حصر میں موا ب ہے دوا بت کی ہو دو ایت کی ہو دو ایت کی ہو دو ایت کی ہو دوا بت کی ہو دو ایت کی ہو دوا بت کی ہو دوا بت کی ہو دو ایت طور یا حضرت طورہ ہیں کیونکہ صندا بی لیسی میں امرین کی دوا بت طورہ سے اور یا حضرت طورہ ہیں کیونکہ صندا بی لیسی میں امرین کی دوا بت طورہ سے اور یا حضرت طورہ ہیں کیونکہ صندا بی لیسی میں امرین کی دوا بت طورہ سے اور کا حضرت طورہ ہیں کیونکہ صندا بی لیسی میں امرین کی دوا بت طورہ سے دوا ب مورہ دیسے دوا اندا ملم بالفدوا ہو۔

باجه في الرأيات والألوييز

مچوئے برے مجندوں کاباب.

٢٥٩١ - حَكَّ ثَنَا إِبَرَاهِيُ مُنَ مُؤْسِى الرَّاذِيُّ أَنَا أَبُنَ اَفِي زَائِدَةَ آ سَا اَبُو يَعْقُونِ النَّفَعِيُّ حَتَ تَنِى يُوْسِى بُنُ عَبَيْدٍ رَجُلَ مِنْ تَقِيْفٍ مَوُلَى مَحْتَ وبُنِ الْفَسِمِ قَالَ بَعَثَنِى مُحَتَّدُهُ مُنَ الْفَاسِوِ إِلَى الْبَرَآءِ بْنِ عَانِ بِ يَسْأَلُمُ عَنْ رَأَيَةٍ رَسُولِ اللهِ مَثْلَى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَنَّوَمَا كَانَتْ سَوْحَاءَمُ رَبَّعَتْمُنِ ثَبِونَةٍ .

یونس بن عببیرثعتنی مولائے محدبن القاسم نے کہا کہ مجھے محد بن القاسم نے مبادبن عاذیث کے پاس بیچ کریددریانت کرایا کہ دسول الٹرصلی الٹرعلیہ وسلم کا حجنڈا کیسا بھا؟ مبادمننے کہا کہ وہ سیاہ دنگ کامر بع تجنڈا تھا جوسیاہ وسفید وحادیوں والے اُونی کیڑے کا بنا مہوا تھا دمسندا تمد، از نذی ، ابن ما تب

شرح: رائیت سشکر کامرکزی حجندا ہوتا تقاجوا میرسٹکر کے پاس دہتا عناا ور توا، با علم سسکر کے عتلف معتول دیونٹوں ا دیونٹوں) کے جنڈ سے موتے تھے۔ آ سبکل ھی ایسا ہی موتا ہے، فنتلف برگیڈیا ڈویٹرن یاان کے پونٹ مختلف مجنڈ سے اورنشان استعمال کرتے ہیں یہ در اصل اپنے نشکر کے بیے ایک علامت اورنشان موتا ہے۔ بعض نے توا، کو بطاح مبنڈ اا وردایت کو جو الکہ ہے کیونکہ مدیث میں ہے کہ حضور نے فرمایا: حمد کی لواء میدان قیامت میں میرے باتھ میں موگی اور آ دم اسے سے کرمی اس کے نیچے ہوں گے اور میں اس پر فخر نہیں کرتا۔

جاربر اس مدین کونم صلی انتدعلیه وسلم مکه میں فانخان و اصل ہوئے تھے آگی جھنٹر اسفید رنگ کا ظارنساتی ا تر مَدَى ، اَبَن مَا مِهِ ﴾

٣٥٩٠ - كَتَّ نَكَاعُفُهُ نَهُ بُنُ مُكَرَّمِ نَاسَلُو بَنُ ثَيَبَتَهُ عَنْ شَعِبَنَهُ عَنْ سِمَا لِكَ عَنْ رَجُلِ مِنْ قَوْمِهِ عَنْ الْحَرَمِ نُهُ مُوفِ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ لَا يَعْفُولِ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ مَنْ فَرُاءَ .

بالب في الإنتصار برد لا لخبيل والصّعَقة

ردئ وبيكا رگھوڑ ول اور صنعيف لوگول كي سبب سے فتح ونفرت كى دعاء كا باب ـ

٣٩٥٦ ـ حَتَّا تَنَا مُوَمِّلُ بُنَ الْفَصِّلِ الْحَرَافِيُّ نَا الْوَلِيُكَا نَا ابْنُ جَابِرِعَن مَا شِيلِ الْحَرَافِيُّ نَا الْوَلِيُكَا نَا ابْنُ جَابِرِعَن مَا شِيلِ الْحَضْرَفِيِّ اَتَنَاسَمِعَ اَبَا التَّادُ كَابِرَ بَعُولُ سَمِعْتُ مُورِي الْخَدَاءُ فَا الشَّعَفَاءُ فَا تَمَا تُورَقُونَ وَسُعُمُونَ وَسُعُولُ الشَّعَفَاءُ فَا تَمَا تُرُدَقُونَ وَسُعُمُونَ وَسُعُمُونَ اللَّهُ عَفَاءً فَا تِمَا تُرَدَّقُونَ وَسُعُمُونَ اللَّهُ عَفَاءً فَا تَمَا تُرَدَّقُونَ وَسُعُمُونَ اللَّهُ عَفَاءً فَا تَمَا تَكُونُ وَكُونَ وَسُعُمُونَ اللَّهُ عَفَاءً فَا لِنَا لَكُونَ اللَّهُ عَلَى الْعَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ الْعَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْمُنْ الْعَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ الْعَلَى اللَّهُ عَلَى الْمُنْ الْمُعَلِّ عَلَى اللَّهُ الْمُعْلِى اللَّهُ الْمُؤْمُ عَلَى اللَّهُ الْمُعَلِّى الْمُعْلَى الْمُؤْمُ اللَّهُ الْمُعْلِى الْمُعَلِّى اللْمُعْلَى اللَّهُ الْمُعْلَى الْمُعْلِى الْمُؤْمِنِ اللَّهُ الْمُعْلِي الْمُعْلِى الْمُعْلِى الْمُؤْمُ الْمُؤْمُ الْمُؤْمُ الْمُؤْمُ الْمُعْلِمُ الْمُؤْمُ اللَّهُ الْمُؤْمُ اللَّهُ الْمُؤْمُ اللْمُؤْمُ الْمُ

الوالدر داءرمة كو كهتے سُناگياكه ميں نے رسول الله صلى الله عليه دسلم كو فر ما تے رسُنا: ميرے يسے ضعيفول كونلاش كروكيونكه تهميں مد د اور رزرق اپنے ضعفاء كے سبب سے ملتى سے ۔ ابو داؤد نے كہاكم را وي صديث زير بن الطاقع

عدی بن اوطاق اون کا بھائی تھا در ترفدی بسند احمد، نسائی، بخاری نے سعدیم سے اسی قسم کی مدیث روایت کی ہے اور نسائی کی روایت میں یہ اصنا فہ ہے جس سے مطلب واصنع بہوجاتا ہے : اللہ تعالیٰ اس امت کو ان کے صنعفاء کے باعث

ی روایت میں پیراضا کہ ہے بس سے معتب وہ سے ہو گا ہا ہے ؛ اسلاحالی ہی مصنوان مے مساور سے بات ہے۔ نعمرت دہتا ہے ، ان کی دعاءا ور نما نراورا نملاص کے سبب سے ۔ مندر آی نے کہا ہے کہ منعفاء کی دعاء وعبادت

زیاره مخلصار به قی ہے، کیونکہ وہ دل شکستہ ہوتے ہیں اوران کے قلوب دنیا کی زیب وزینیت سے نسبتہ دورہوتے ہیں مولانا رمنے فرما یا کر حصنور کا یہ اربٹا داس لیے ہے کہ کوئی شخص یا جماعت اپنی قوت اور سازو سامان ہر عبروسر مرکم

بَيعظ كيونكه فتح ونصرَت تومن مانب النُدهِ عدّى بنُ ادطاة تَحضرَتْ عَرِثا نَ سُمَے دُود مِس ما كم بعرہ عمّا اور اپنے اُس عبائی سے مشہود تریحا مگرزید بن اوطاۃ اُس سے بڑا ، زیا وہ عابدوزا ہداور ہر مال افضل بھا۔

باعب في الرَّجلِ مِنَاذِي بِالشِّعَامِ .

شعار کو دیکار نے واسے مردکا باب

ه ٢٥٩٥ ـ كل نَكَ سَعِبْ لَمُ ابْنُ مَنْصُورِ نَا بَرِنْ لَكُ بْنُ هَا دُوْنَ عَنِ الْحَجَّاجِ عَنْ قَتَادَةً عَنِ الْحَبَّانِ عَنْ سَمُمَ لَهُ بْنِ جُنْكُ رِبِ فَالْكَانَ مِثْعَالِلْمُهَا جِينَ عَبْدَاللهِ وَيُعَالِلُهُا حِينَ عَبْدَاللهِ وَيُعَالِلهُ اللهِ وَيُعَالِلهُ اللهِ عَنْ سَمُمَ لَهُ بْنِ جُنْدُاللهِ وَيُعَالِنَهُ اللهِ عَنْ سَمُمَ لَهُ بْنِ جُنْدُاللهِ وَيَعَالُوا لَهُ اللهِ وَيَعَالُوا لَهُ اللهِ اللهِ عَنْ سَمُ اللهِ عَنْ سَمُ اللهِ وَيَعَالُوا لَهُ اللهِ وَيَعَالُوا لَهُ اللهِ وَيَعَالُوا لَهُ اللهِ وَيَعَالُوا لَهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُولِي اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُل

سلمدبن اكوع دم نے كها كرم سے كها كرم نے الو كر رضى الله عند ما قدرسول الله مسلى الله عليه وسلم ك ز ،ا سے بس جها دكيا ، مماد اضعاد على ، أمِثْ أمِثْ د وادى ، مسندا حمد ي

نتسى: يدحنگ سريدًا بى بكرم كهلاتى بي سي و سحد كے علاقے ميں بنى موزارة سے موئى تقى اس ميں سلمه ب اكوع دائے حصنے

میں ایک نوبھورت اونڈی آئی اور رسول الٹرمسلی الٹرعلیہ وسلم نے وہ سلریہ سے مانگ کرمسلمان قیدیوں کو مجھڑ لنے کے لیے بطور تبادلہ کفار کو بھیجی تقی ، اُمیٹ کا معنیٰ ہے: مارڈال اس کا مصدر اِ ما تَیزُ سے۔ بعنی اسے خداوشن کو مارڈال پٹرح انسنۃ میں ہے کہ: یا منفعور اکرمیٹ شعار تھا، بعنی اسے بجا مہروز شمن کومٹا دو۔

ہ کہ کہ بن ابی صفرہ نے کہا کہ جھے دسول الٹرمیلی الٹرعلیہ وسلم سے سننے واسے نے بتا یا کہ معنورٌ فر ماتے مقے:
اگرتم مپر شب نون ڈالا جائے توہمارا شعاد ہر مہونا جا ہئے ہے ہے ہے کہ کر گئے گئے ہوئی ۔ " والٹر وشمنوں کی مرد نرموگ ،
یاا سے الٹران کی مد دوم ہو" (متر مذکی ہمسندا حمد، نسائی - منذری نے کہا کہ بعض دیگرا ما وہٹ میں ہماں بھی وہی
مثعار آیا ہے: کیا خذصہ نے میٹ احد عرض ہر مثعار رات کی تاریکی میں ایک ودم سے کہ فنا خت کے سلے تقا۔
یہ مدین خرسل ہے۔ دہ کم ب اقد بہا درامیرا ورحنگی مرد تھا، حنگی جا لوں اور جا لاکیوں کی سیا ہمیوں کوم فورت
ہوئی ہے، نشاید ہم کی معادیف کے باعث اس سے وشمنوں نے اسے جھوٹ کی ہمت دگائی ہے ۔ اب عبد الب

فشی سے: امام احمد نے اس روائیت میں مہلّب کے بعدایک مبھم صحابی کا نام بھی لیا ہے، داوی تقدیم توصیا بی کا ابہام معذ بند رہوتا۔

باه مايقول الرَّجُلُ إذا سَافَر

باب منفرکے وقت وی کیا کھے؟ ۔

٢٥٩٨ - حَكَّ نَنَكَأَمُسَكَا دُنَا يَعَيِّى نَا مُحَدَّكُ بَنُ حَجُلاَنَ حَتَّاثَى مَسِعِيْهِ إِلْمُقَّبُرِ فَى عَنَ رَفِى هُمَّ مُرَةَ قَالَ كَانَ رَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّو لِذَا سَا فَرَفَالَ اللَّهُ وَأَنْتَ الصَاحِبَ فِى السَّفَرِوا كَخِينُفَدُ فِي الْكَفِلِ اللَّهُ مَّرَا فِي أَعُودُ مِنْ وَعَنَاءِ السَّنْفِي وَكَالَبْ مِمَا الْمُنْفَلِبِ وَسُوْمِ الْمَنْظِمِ فِي الْكَفِلِ وَالْمَالِ اللَّهُ مَّوْلِ فِي الْكَامُ مَن وَحَوَّنَ عَبَدُنَا السَّغَمَ .

الوہریرہ دون نے کہاکدر سول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم حب سفر کرتے تو دعاء فرماتے: اسے اللہ سفر میں تو یا رائعی سے اور گھر بار میں تو ہی قائم مقام ہے۔ اسے اللہ میں تجھ سے سفر کی شدت ومشقت سے اور واپسی کی غم کنی سے اور

گھروا بوں اور مال میں بڑسے نظارہے سے تیری پنا ہ لیتا ہوں۔ا سے ایٹیدز مین کو سمارے لیے طے کر دنے دلپیٹ ہے ہے اور ہم برپر خرکو آنسان فرما (نسائی مسلم نے اسے ابن کرتھ سے اور ایک مبکہ عبدالٹد بن مرحرے سے روابت کیا ہے ۔ مصنف عبدالرزاق میں رسکنی طریقیوں سے مالفاظ مختلف کی۔ سر

٥٩٥١ - كَتَكَ ثَنَا الْحَسَنُ بُنُ عَلِي مَا عَبْكُ الدِّرَا فِ اَخْبَرِفِ ابْنُ جُرَبُجِ الْحَبْرَفِي اللهُ الله

اب عرد نے علی الاندی کورکھایا کہ دسول التہ علیہ وسلم جب سفر کونکل کرا پنے اونٹ پر بیریٹ جاتے تو تین ہا تنگبیر
کھتے بھر کتنے: پاک ہے وہ ذات جس نے ان کوہما لامطیع بنا دیا اور ہمیں تواس کی توت نہ تھی اور ہم اپنے دب کی طرف
واپس نوسٹے و اسے ہیں۔اسے التہ میں تجھ سے اپنے اس سفریں نیکی اور نیوف خدا مانگتا ہوں ،اور وہ عمل مانگتا ہوں
حس سے تورا منی ہو۔ اسے التہ ہم بہ ہما را یہ سفر ہمان فر ما دسے۔اسے التہ ہم ارسے بعد کوسطے فر ما دسے۔اسے
انتگر توہی سفریس ساتھی ہے اور اہل وعیال اور مال میں نگران سے "اور عب آب واپس ہوتے تو یہ کلمات کھتے
ا ور ان میں بیا منا فر فراتے "مم واپس آنے والے میں، تو م کرنے والے میں،عبا دت گزاد ہیں،اسے درسکی حسد

سَبُحُوا فَوُضِعَتِ الصَّلوٰثُهُ عَلَى ذٰلِكَ ـ

کر نے واسے ہیں ''اورنی معلی اللہ ملیہ وسلم اور آپ کے لشکر حب بلندیوں پر چرا مصنے تو تکھیے اور حب نیے اُ رتے تو تسبیح کتے ، پس نمازکو نعبی اس انداز پر رکھا گیا ہے دیعنی رکوع وسجو دمیں تسبیح رکھی گئے ہے اور قیام کی مالٹ میں تکبیر تخریمہ در مسلم، تر ذری، نسانی

بَادِفِ فِي اللَّهُ عَاءِعِنْكَ أَلُودَاعِ

بوتت رخصت دعاد كاباب.

٢٧٠٠ حَمَّ نَنَا مُسَمَّا دُنَاعَبُ اللَّهِ بْنُ حَاوَد عَنْ عَبْدِ الْعَزِيْزِيْنَ عُمْسَد

عَنْ إِسُمِعِبُلُ بُنِ جَرِيرِعَنَ فَزَعَتَ فَالَ قَالَ إِلَى ابْنُ عُمَرَهَكُو ۗ أُوَدِعُكَ كَمَا وَدُعَنِ اللهُ عَبُهُ وَسَلَوا اللهُ وَبُنَكَ وَامَا نَتَكَ وَتَعَلِيمُ

عَمَلِكَ -

من قرعرنے کہ اکر مجرسے ابن عرد منے کہ : ہمیں مجھے اس طرح رخوصت کروں جس طرح رسول اللہ مسلی اللہ علیہ وسلم نے مجھے رخصت فرایا تھا : میں تیرا دین اورا ما مت اور فیرے عمل کے اوا خوالت کے میرد کرتا ہوں " وابن ما مہ، تزلدی، مناقی مسندا حمد ، فینح احمد بن محرد فنا کرنے کہا ہے کہ اس مدیث کی سندمی ایک دفیق بحث ہے وورا جے یہ سے کہ یہ میر متقبل ہے

یری سیسی میں ہے۔ مشر سے ,سفرمیں چوں کہ بعفی تکا لبعت، ناگہانی معدائب، بعف اعمال کے تذک کا گمان ہو تاہے لہذا دین وامانت ا ور نمائم ڈاعمال کوالٹ تعالی کی مفافلت ہیں دینے کی دعاء کی گئی۔ تاکہ مسافرالٹر تعالی کی توفیق اور ففسل وکرم سسے برمکروہ بیز سے بچارہے ۔

١٣٠١ - حَكَّا ثَنَا الْحَكُنُ بُنُ عَلِيّ نَا يَعِيْى بُنُ اِشْكُو يَهُ ثَاكَا دُبُنُ سَلَمَهُ عَنُ اَيْ يَعُنُ عَبُواللّٰهِ الْخُلِيّ فَالْ كَانَ النَّبِيُّ صَلَّى عَنُ اَيْ يَعُنُ عَبُواللّٰهِ الْخُلِيّ فَالْ كَانَ النَّبِيُّ صَلَّى اللّٰهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوُ إِذَا آمَا اَدَانَ تَبُنْ تَوْدِعُ الْجَبُشُ فَالَ اسْتَوْدِعُ اللّٰهَ وَيُنكُو وَأَمَا اَنتُكُو اللّٰهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوُ إِذَا آمَا ادَانَ تَبُنْ تَوْدِعُ الْجَبُشُ فَالَ اسْتَوْدِعُ اللّٰهَ وَيُنكُو وَأَمَا اَنتُكُو وَخُوا لِيْهُ وَاعْمَا لِكُورَ

عبد الله بن ریزیدم خطمی نے کہا کہ نبی صلی اللہ علیہ وسلم جب بشکر کو دعصمت کرنے کا ادادہ فرما تے تو یوں کہتے: میں تہا رسے دین کوا مانت کوا وریم ہارسے اعمال سکے انجام کو اللہ کی ٹگرانی کے مشپر دکر تا ہوں دنسا ٹی بحبیر اللہ تعظمی انعماری صحابی ہتے۔

بانت مَا يَغُولُ الرَّجِلُ إِذَارُكِبَ

سوار موتے وقت آدمی کیا سکے اس کا باب ۔

٢٠٠٠ حكاً نُكُنا مُسَكَا كُذَا ابُوال كُومِ نَا ابُواسُعَى الْمَهَا الْمَهَا الْمُهَا عَلِيَّا الْمُهَا عَلَى الْمُهُوهِا عَلَى الْمُهُمَا عَلَى الْمُهُمَا عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ ال

ربیتہ نے کہ کرمیری موجود گی مطابع کے ماصنے سواری کا جانور بیٹی کیا گیا ۔ حب انہوں نے دکاب میں پاؤل دکھا تو کہا: اللہ کے نام پر۔ پھر حب اس کی بیٹ پر سید سے مہو بیعظے تو کہا، تعربی اللہ ہی کی ہے، پھر کہا: پاک ہے وہ جس نے ہما اللہ ہی کی طرف لوسٹے والے ہیں ۔ پھر نمین مرتب ہما دسے سے ان کو مطبع کر دیا اور ہم میں اس کی طافت نہ عتی اور ہم اللہ ہی کی طرف لوسٹے والے ہیں ۔ پھر نمین اور ہما: تو پاک ہے میں نے اپنے او برزیا دتی کی ہے بس جھے بخش دے ٹیرے اسواکوئی گناہ نہیں بخش سکتا ۔ پھر علی منسل بڑے ہے تو بوجھا گیا: اے ایمانداروں کے امیر اس بات پر مینے ہیں ؟ فرایا کہ میں نے دیسے ان کو بھر میں نے کہا تھا تو میں نے کہا تھا بو کھر میں نے کیا ہے، پھر میس بڑے تو میں نے کہا تھا یا دسول اللہ آپ کس بات پر مینے ہیں؟ تو حضو دیر نے فرایا تھا ، تیراد تب بزدگ اپنے بندے ہے اس و قت بست خوش ہوتا ہے جب وہ کہے ؛ مجھے میرے گناہ بخش دے ، وہ جانتا ہے کہمیرے علادہ کوئی گنا ہوں کو نہیں بخش سکت بست خوش ہوتا ہے جب وہ کہے ؛ میں میں میں کہا ہے ، میں میں میں کہا ہے ۔

بادبك ما يقول الرّجال إذ انزل المنزل بالمراب ما يقول الرّجال إذ انزل المنزل من منزل بران من كان كان الم

٣٩٠٣ ـ كَلَّ نَكَا عَمُو اَنْ عَمْمُ اَنَ نَا بَقِيَّةُ كَلَّا تَنِي صَنْعَوَا كُكَّ مَنْ فَكَ مَسُولُ مَمَّدُ عُرُبُنُ عُبَيْرِ عَنْ عَبْدِ اللهِ بُنِ عُمَرَقًالَ كَانَ رَسُولُ اللهِ عَنْ عَبْدِ اللهُ عَمْرَقًالَ كَانَ رَسُولُ اللهُ عَنْ اللهِ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهُ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهُ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهُ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهِ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَ

معبدالطدىن عرد الطدىن عرد نے فوا يا كہ جناب دسول الله ملي الله مليہ وسلم عبب سفر مس موتے اور لات آتی توفر ماتے :اسے نومين ميرااور ديرا والك الله دير ميں تيرسے اور جو كچر تجديں سے اس كے شرسے الله كى بنا ہوں ، اور ان چيزوں كے مشرسے جو تجدير دسكتى ہيں ، اور ميں الله كى الله كى الله كا مائلة كى الله كا مائلة كى بنا ہوں سے دو تجديد دسكتى ہيں ۔ اور ميں الله كى بنا ہوں ميں دسے والوں سے دمنى بنا ہوں مينے والوں سے دمنى اور مينے والوں سے دمنى اور مينے والوں سے دمنى اور مينے والوں سے دمنى ، الله كا مائلة كى اللہ كے مائلة كى اللہ كا مائلة كے اللہ كا مائلة كى اللہ كے اللہ كے اللہ كے اللہ كے اللہ كے اللہ كا مائلة كى اللہ كا مائلة كى اللہ كے اللہ كے اللہ كے اللہ كے اللہ كا مائلة كى اللہ كے اللہ كے

شرح: بطور وُسعت اس دعاد میں زمین سے نطاب فرمایا ہے جدیداکہ وَ آن میں ہے !'اسے زمین توا پنا بانی نگل جااور اے آسمان تو نتم جا ، دطوفان نوح کے قصتے میں اکسو دافر دیا کو کہا جا تا ہے جو بڑا نہیٹ سانپ سے بہتیوں کے رسنے والوں سے جی وانس دونوں مراد ہوسکتے ہیں ۔ جنوں کی بستیاں ویرانوں اور معراؤں میں ہوتی ہیں ۔ وَالدِروَّوُ وَ لَدَيْنِ مِرِدَى وَى جَيْرِهُ مِنْ جُولُوالدُ وَ تَنَاسَل سے عَمَل سے ذندہ رمتی ہے۔ بعض نسخوں ہیں یہ مدینے عبدالسر برعو سے مروی سے مگر ابن عرض ہی صبحے مزہ ہے۔ مسند احمد کی دوایت اسی میر دلایت کہ تی ہے ۔

با ساب فی گراهیندالسی اِوَلَالیْلِ

جا بریم نے کہا کہ دسیول الٹیرصلی الٹیریملیہ وسلم نے فرمایا بسور ج بہونے کے بعدا بیے جالور و ں کومت صچوٹه وحب مک کدعشار کی بہلی ظلمت ندماتی رہے، کیونکد عَزَّو بِ آنتاب کے بعد شیاطین اوُ دهم مجاتے ہیں عب مک کوعشاء کا میلااند صرانه ما تاریع ابوداؤ دنے کہا کہ فوا غی کا معنیٰ ہے چلنے بھرنے والی چیز سینی مولانار شنف و مایا سے کہ ابود او دینے اس مدسیف سے دات کے بیلے ہر میں مفرند کرنسکا استباط کیا ہے جوانک بعبار سنب يَاسِّكُ فِي أَيِّ يُومِ يُسْنَحَبُ السَّفَرُ اً ب. مغرکس د ن بسند یده س*یے ؟* ٢٩٠٥ - كَلَّا ثَنَّ اسِعِبْ لَا بُنُ مَنْصُورِ نَاعَبْكَ اللَّهِ بُنَّ ٱلْمُبَاكِ عَنْ يُونِسُ بُنِ بَيْنِ كَا عَنِ النَّهُ هُنِ عَنْ عَهُ مِا لِرَّحُلِن بْنِ كَعْبِ بْنِ مَالِكٍ عَنْ كَعْبِ بْنِ مَا لِكِ فَالَ قُلَّ مَا كَانَ رَسُولُ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْمِ وَسَلَّى يَغُرُجُ فِي سَفَرِ إِلَّا يَوْمَ الْخَيثينِ -کعب بن ہلک نے کہاکہ دمیول الٹرمسلی الٹرعلیہ وسلم نمیس کے دن کے علا وہ کم ہی شفر مہر نکلتے تھے دنسائی ا کٹرسفرتواہی دن ہو ئے مگرمجۃ الوداع کے لیے بقول ابن انقیم مفتہ کو مدینہ سے نبھے تھے ۔ ابن حزم نے پرسفر بھی خمیس کو بنایا ہے مگراب القیم نے زاد المعادمی اس پر محققان ترصرہ کر ہے اس کی تروید کی ہے۔ كالسن في الْإِبْتِكَارِ فِي السَّفَيِّ مغرکے لیے دن کے پہلے ہرجانے کا باب ۔ ٢٧٠٧- كَتَّكَا ثَنَّنَا سَعِيْدُ بُنْ مَنْصُورِ نَاهُ شَيْدُو نَا بَعْلَى بَنْ عَلَامِ نَاعُمَامَ أَهُ بُنُ حَدِيْدٍ عَنَ صَغْيِرِالغَامِدِيِّ عَنِ النِّبِيّ حَسلَى اللهُ عَلَيْهِ وَمَسْكُوَ قَالَ ٱللهُ وَبَارِكُ لِأَمَّتِي فَيُ مُكُوْرِهَا وَكَاكَ إِذَا بَعَتَ سَرِيَّةً ٱوْجَيْشًا بَعَنَّهُ وَمِن ٱوَّلِ النَّهَايِ وَكَانَ حَمْ وَرُكُم لَا تَاجِدًا وَكَانَ يَبْعَثُ تِجَارَتَهُ مِنَ أَوَّلِ النَّهَارِ فَٱثْرَاى وَكَثْرَمَا لُهَا. صغرادفا مدى مننے نبى صلى الله عليه وسلم سے روايت كى كەحھنور سنے فرمايا: اسے الله ميرى أمّت كے ليعظى لصباح کے وقت مبّ برکت فرما ۔اور آہےجب کوئی چھوٹا بڑالشکر بھیجتے تواسے دن کے پہلے مہر روانہ فرماتے ۔اور صخرمنا ایک تا جرآ دی متما وروه اینا مال ی رت پیلے ہردوان کیا کرتا عا ، نہی وہ دولنمند موگیا اوراس کا مال کیپر ہوگیہ الوواؤ دشنے

ہا کہ صخ^{رت} بن ودا عہ مقا دکر نڈی، ابن ما مہ، نسا تی ، منڈرتی نے کہا کہ صخرا بغا بدی ج سے ایک اور حدیث تھی موی ہے

วิก**ากการและ** โดยเกิดเลียง เป็นเกิดเลี้ยง และ โดย เกิดเลี้ยง เป็นเกิดเลี้ยง เป็นเกิดเล้ายง เ

مُرُدوں کو گالی مت دواس سے زندوں کو دکھ ہوتا ہے " یہ روایت طبرانی سے مزی نے نقل کی ہے۔ کا جہ فی الرجیل بیسکاف و کے کہ کا کا

الدوى كے تنهائسفر كرينے كا باب -

٢٧٠٤ حَتَى ثَنَاعَبُ كُاللَّهِ بُنُ مُسْلَمَتُ ٱلْقَعْدِينَ عَنْ مَالِكٍ عَنْ عَبْدِهِ الرَّحْدِنِ مِن

كُوْمَكَة كَنْ عَمُرِوبُنِ شُعِيبُ عَنْ آبِبُهِ عَنْ جَرِّاهِ قَالَ قَالَ رَسُولُ اللهِ حَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَكُو التَواكِبُ شَبُكُاكُ وَالتَواكِبَانِ شَبُكُانَانِ وَالشَّلَاثَةُ تَرَكُبُ .

عبدانٹ بن عروٰ بن العاص نے کہاکہ دسول الٹرمسلی الٹرعلیہ وسلم نے فر مایا : ایک سواد شیطان سے دوسوار بشیطان میں ا ور تہیں سواد مجامعت میں دمؤ طا ، تز مذی ، نسبائی

مشوسے: امام خطابی سنے تکما ہے کہ تنہاسفرکرنا شیطانی کام سنے یا بدکہ شیطان اس برآ ما دہ کر تا ہے ۔ بر بھی کہاگیا ہے ک **انٹیطان** کا نام شکون سے نکلائے جس کامعنی ہے بُعدا ور تنهائی۔ نهایت گہرے *کنویں کوشکو*ن ک<u>ہتے ہی کہ</u>ا*س کا بینیل* بعید مہوتا ہے۔ گویایہ شخص شیطان سے مشابہ ہے ، اس طرح دو تھی ۔ اور حب تمین ہو مائیں توجماعت بن مباتی ہے . حفنرت عمربن الخطاب سے مروی سے کہ ایک تنہ اسفر کرنے واسے کے متعلق انہوں نے فرایا تھا۔ بعیل دیھواگروہ مرما کے تو میں کس سے بید حیول گا ؟ تنها آ دمی اگر بیر دئیں میں بہا رہو جائے تو کو بی تمیار دارسابھ نہیں ہوتا ،مر حا ہے تو تخبیز و تکفین میں الحبن موہا تی ہے نہ وہ وصی*ت کرسکتا ہے، ن*داینا مال *کسی کے سیر دکر سے س*تا ہے ، علی مذا لقیات منهاسفرمیں کو ٹی ساتھی نہیں ہوتا جو حامات میں مد ر دیسے سکے پٹین آ دمی جوں نویہ سب کام نستیُرسہل ہوماتے بیں ۔مولا ناد ممنگو بی منے قرما یا کہ گو بد محمرایک مد نک اب معبی باتی ہے مگراس کا صحیح اطلاق اس وقت تق ميكيركفا دكا غلبه نفا ، داستے محفوظ نبرنھے اورامن وامان فائم بنرموانھا. مل مقىلىت وندورت ك<mark>ے وقت مر</mark>يمي مجاعت كى حوّرنه مهونے بی باتنه اسفر حائمنہ سے 1 س پیدو ہ پیرو آہ نشین خانون والی صد میٹ ولالت کرتی ہے جو غالبًا عدی بن حاتم ط سے مردی سیے کہا سے را ستے میرخمسی کافنوف اکٹار کے سوانز ہمو گا ۔ بعض دفعہ شرعی مصلحت سیے تنها سفرہی مناسب وا و لی بہوتا ہے مثرلاً ماسوس بھی اور دشمن کی اطلاعات ما صل کرپنے کا نعفیہ اتنظام کرد نا وغیرہ ۔ بیمنورم نے ننو ر می مرتبرا کیلے آُدی بھی**ے مثلاً جنگ احزاب میں حذیف**ے م^{یں کا}و اسی جنگ میں نعیم بن مسعود کو بھیجا ورَ و کیرموا تع پری دانٹر بی نمبر مع کو **اطوات بن جبری** کو بمحروبن امیرم صمری کوم الم من عمری کواورب سیر کو مختلف حبکول میں مئی موا تع پر روان ر ما یا ها - میں یہ گزار مش کرتا تیو*ں کہ گو آج کل بھی جماعت کا سفر* ہی اوٹی ہے مگراب سوار بوں کی سہولتیں *بڑعت ذ*تیار پیام دسانی کی مبدیدسهولتیں وعیرہ موجو د میں اورسفرحنگلوں بیا بانوں میں نہیں دیا، گاڑی اور بس وعیرہ میں بہت سے نوك مفركست بي المداير حكم صرف استحباب برمبني سمجها بانا ولي وانسب سع والتداعلم.

مال*ک نے کہا میرسے خی*ا ل میں اس خوفت سے کہ وہ وشمن سے یا تھ ہڑ جا سے گا ^{د سخ}ا رہی ،مسلم ابن ماجہ ،مسندا حمد یموظا ،نسانی مشرحے: آخری فقرہ حصنور ہی کا کلام سے گو معبن روایات سے بہتہ میںا سے کہ یہ امام الک کا تول سے، یعنی الک نے مئی کی متست بیان کی سیے مسلم کی روابیت سے بیٹہ میلتاہے کہ پرمروع فقرہ سے ۔ مالک کے کئی مثاکر واسیے مرفوع روا بیت کرتے ہیں ۔ مثا یدامام مالک کو پہلے جزم وبھیں بھا کہ بیمرنوع سے اور بعد میں شک ہوگ ہ خاابنی تقسیر سکے طور ربیان کیا۔ ما فظ ابن عبداً تبرنے کہا کہ فقہاء کا آس بر اجماع ہے کہ ٹھوٹے نشکروں میں یا تنہ اسفر میں مقعف کو وارالكغرمي سفيها نا مكروه سے بڑے دستکر میں اختلاف سے الک تونے کرابہت کومطلق رکھا ۔الوحند قَدَّ العِرضية بر سے نشکریں فرق کیاا<u>در نشانعی 'نے خ</u>و ف وعدم خو ف برخم کومِعنق کیا .اسی نباد رہر کا فررکے ما تھ مصح<u>م</u>ف کی بیع می کودہ ہے مبادا وہ اس کی تو ہن کرے۔ آج کل بے شمار کفار ومشرکین کے باس قرآن کے نسخے موجود ہم، نیکن اگرا یانت کا نو ن بہوتو بھرجی ہمان کے ماعظ میں نہ دیں گے ،کہیں اور سے ما میل کر نیں توان کی مرحنی ۔ بہت سے عیر مسلم طالع ا ورا دائسے قرآن، تعشیر قرآن ، مدیث ، شرح مدیث ، مختلف ز بانوں میں قرآن و مدیث و فقیر کے برا جم و شروح مٹائع لدتے اور فرونحت کرتے ہیں گریس شخص سُے تو بین کا نوف سے ہم ہر مال اُسے ں دیں گے۔ والتّٰداعلم ۔

بابين في مَا يُسْتَعُبُ مِنَ الْجِينُونِ وَالْرَفِقَاءِ وَالسَّرَايَا تشكرون بجيوسط لشكرون اورمسا فرون كي ماعتون مي سخب تعدا دكاباب -

٢٦١١ حَكَّ ثَنَّا زُهُ يُرابُنُ حُرْبِ ٱبُوْخَةُ ثَمَّةً نَا وَهُبُ بُنَّ جَرِيُرِ نَا آبِي فَالَ سَمِعْتُ بُونِسُ عَنِ الزُّهُمِ تِي عَنُ عُبَيْدِ اللَّهِ بَنِ حَبُدِ اللَّهِ عَنِ ابْنِ عَبَّاسٍ عَنِ الدَّبِي صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَرَّكُونَالَ خَيْرَاْلِصَعَابَتِنِ ٱزْبَعَنُ وَخَيْرًالسَّمَرايَا ٱزْبَعُما نَيْ وَ خَـْبُرَ الجينؤشِ آمُ بَعَثُ أَلَافِ وَلَنُ يُغْلَبُ إِثْنَاعَتُكُرَ الْفَاصِ وَلَكَ يَ

ا بن عباس منسقے بی مسلی التدعلیہ وسلم متصر وا میت کی سیے کہ حضور اسے اردشا و فر مایا . بہترین سابھی میاد ہیں بہترین حیوا اسکر مارسو کا ہے اور بہترین برانشکر مار سزار کا سے ، اور تعداد کی کمی کے سبب سے بارہ سزار کا نشکر کہمی مغلوب نہ ہوگا در ندی، ابن مآجہ، وار فی ، ماکمہ تر مذک نے اسے حن اور ماکم اور دنہی نے معجے کہا ہے ، شرح: ادبع: سے صرف مارکا ند دمرا و نہیں ملکہ میں سے زائدمرا دھے۔معلیٰہ یہ سفے کہ من شخص وا تعی جماعیت ہیں گریار اس سے عبی بہتر میں ،انسانی ما مبات ومنرور یا ت اور بامبی تعاون کے بیے کم اذکمہ یہ عدر موالازم ہے میساک ا ما عزا بی نے اس کی حکمت بیان کی ہے۔ چا رہیں سے اگر خدا نخواستہ ہمیار ہو بائے تو اگروہ ایک کووسی بنانے گ توائی دواس کے ساب بن سکیں گے،اس سے کم تعداد میں بیمکن نسی مے -باره مبزار کالبشکراس وقت میں ایک بڑا نشکر مبو"ا بقا اس تعدا دمیں کمی کی نفی مزیسے زیاد تی نہیں بیں آمجل

جبکه توموں اور ملکوں کے نشکر ول کی نعداد لاکھول کروڑوں تک بہنچتی ہے ان کی نغی نمبیں ہو گئے۔ اتنا بڑا نشکر فحف قلت تعداد کے باعث نشکست خور وہ نہ نہوگا، کسی اور سبب سے شکست کھائے تودوسری بات ہے ، مثلاً جنگ منبی میں ہیں تعداد ہمی گراس میں دوسزار تا زہ نومسلم تھے اور کئی لوگ محف مال غنیمت کی خاطر گئے تھے ، انہی کی غلطی اور بھا گڑستے ہوشیا نی مہوئی تھی ۔ ابوداؤ دیے کہ سے کہ میر مدین مرسل سے ۔ اسے جریر بن ما زم سے سواکسی نے مسئر نہیں بیان کیا ۔ اور یہ کہ اس کا داوی زہری دسول انٹر مسل النہ علیہ وسلم سے دوایت کرتا ہے ۔ اگر اسے با ہج م مرسل صوب ابوداؤ دیے کہا ہے ۔ اس کا مفلب ن یہ بیر ہے کہ لیٹ عن عقبی عن الزم ری کی مرسسل روایت مہان بن علی کہ دوایت میں میں کہ مرسل کے ۔ اور وایت مہان بن علی کہ دوایت سے صبح تر ہے ۔

بارون في دعاء المشيركيين تنال سة تنام شركون ودعوت اسلام دين كاباب.

٢٧١٢ ـ كَتْكَ أَنْنَا كُحُتَكُ أَنْ سُلِمُانَ الْأَنْبَادِيُ نَاوَكِنْعٌ عَنْ سُغَيَانَ عَنْ عَلْقَكَذَ نِي مَرُقَدٍ عَنْ سُيَكُمَا نَ بُنِ بُرَيْكَ لَا كَانَ رَسُولُ اللَّهِ صَلَّى اللهُ عَكَبُ مِ وَسَلَّحَ إِذَا بَعَثَ آمِيْرًا عَلَى سَرِيَّةٍ إَوْجَيْشِ آوْصَاكُ بِتَقْوَى اللهِ فِي ْ خَاصَّةٍ نَفْسِهِ وَبِمَنْ مَعَةَ مِنَ الْمُثْلِينُنَ خَبُرًا وَكَالَ إِذَا لَقِينَتَ عَكَا وَكَمِنَ الْمُشْرِكِينَ فَادْعُهُمْ وِلِي إِحْدُى تَلْتِ خِصَالِ أُوخِلَالِ فَاتِّبَتُّهَا اَجَابُولِكَ إِلَيْهَا فَا فَبَلُ مِنْهُمُ وَكُتَّ عُنْهُ مُ أَدُعُهُ مِ إِلَى الْإِسْلَامِ خَاِنْ اَجَاْبُوا فَاقْبُلُ مِنْهُ وَكُتَّ عَنْهُمُ نُتُو ادْعُهُ وَإِلَى النَّخُولِ مِنْ دَايِ هِمُ إِلَىٰ دَايِ الْهُهَا جِرِيْنَ وَأَعْلِمُهُ وَإِنَّهُ مُواِنْ فَعَلُوا ذيكَ أَنَّ كَهُمُ مَا لِلُمُهَا جِرِيْنَ وَأَنَّ عَيْبِهِ مُرمَا عَلَى الْمُهَاجِرِيْنَ فَإِنْ أَبُوا وَانْحَنَّارُوا دَا رَهُمُ فَاعْلِمُهُ وَانَّهُ مُ رَبُّكُونُونَ كَاعُمَ ابِ الْمُسْلِمِينَ يَجُرِئُ عَيْبُهُ وَحُكُوا للَّمَ الَّذِي كَيُجِرِى عَلَى الْمُتُومِنِينَ وَلَا يَكُونُ لَهُ مُونِي الْفَيُّ وَالْغَنِبُمَةِ نَعِبُبُ إِكَّا أَت يُجَاهِكُ وَا مَعَ الْمُسُلِمِينَ فَإِنْ هُمَ اَبُوا فَادُعُهُوْ إِلَى إِعْطَاءِ الْحِزْبَيْنِ فَإِنْ آجَابُوْا فَانْبُلُ مِنْهُوْ وَكُفَّ عَنْهُوُ فَاكِ ٱبْوَا فَاسْنَعِنَ بِاللَّهِ وَفَا تِلْهُوُ وَإِذَا حَاصَرِتَ ٱۿؙڶڿڞؙۣڹ فَٱڒَادُوُ لِكَ ٱنْ تُنْزِلَهُ مُ عَلَى حُكُواللهِ فَلَا تُنْزِنُهُمُ وَفَا َّنَكُوْكَا تَنْأُونَ

مَا يَحُكُواللَّهُ فِيهُمُ وَالكِنُ الزِرُوهُ مُوعَلَى حُكْمِكُو ثُوَّا فَضُوا فِيهِمُ وَعَلَى مَا شِئْتُو فَالَ سُغِيَانُ فَالَ عَلَقَمَتُ فَكَكُرْتُ هُذَا الْحَيْ الْتَقَاتِلِ بُنِ حَيَّاتَ فَقَالَ حَدَّ تَنِي مُسُلِحُ فَالَ الْبُوْدَاوَدُ هُوابُنُ هَيْمَمْ عَنِ النَّعْمَانِ بُنِ مُقَرِّقٍ عَن إِلَيْتِي صَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ مِثْلَ حَلِيْثِ سُلِمًا تَ بْنِ بُرَيْكَا قَ

التنمریح: انسلام اور نبوت کامطالبه ایک چیز ہے، اس کے بعد دوسری چیز چزیرا ور تبیری قتال ہے۔ علاَم خطا ہی نے کہا سے کہا تتال سے قبل مٹرکوں کو اسلام کی دعوت دی جائے اور ظاہر کہا ہے کہ اس حدیث میں کئی احکام ہیں۔ پہلا حکم یہ ہے کہ قتال سے قبل مٹرکوں کو اسلام کی دعوت دی جائے اور ظاہر حدیث ہیں ہے کہ دعوت سے قبل قتال نہ کیا جائے۔ علی ، کا اس میں احتال ف ہے مالک بن انس نے کہا کہ مٹرکوں کو دعوت اسلام میلے سے دعوت اسلام یا اطلاع سے قبل ان پر حملہ نہ کیا جائے۔ حس بھری نے کہا کہ جب مشرکوں کو دعوت اسلام ہیلے سے مل مبی ہوتوقبل اند دعوت قتال مجائزے۔ توری اور حفقہ کی لائے بھی ہی ہے اور مثنا فعی ، احمد ، اسحاق کا بھی ہی قول سے امتد لال کیا ہے۔

جو کافرومشرک دور دراز ملک کے باشتد سے موں اورانہیں دعوت اسلام ننہنچی ہو**توان پر دعوت اسلام س**ے قبل یہ مائز نہیں ،اگر دعوت سے قبل ان میں سے کسی وقتل کرویا گیا تواس میں کفارہ اور دبیت وا جب ہے، مگراس کی فتطات ہے کہ دیت دا حب ہے یا نہیں ۔ مهاجرین کے حقوق و فرا نفس کے متعلق جو کچے حصنو ترنے فرما یا سے ، سونها جرین مختلف ہوگ تھے جہنوں نے دین کی خاط وطن اور گھر بار بھپوڑے تھے اور مدینہ کو وطن بنا کیا تھاان میں سے اکٹر ہے بار مددگار عقے،ان کی وٹی منقولہ وغیر منقولہ جا کراد منعقی لهذار سول الٹرسلی انٹرعلیہ وسلم اُن بر مال فئے میں سے زیدگی پیرخرچ کرتے دیے دیکن محرائی اور بدوی ہوگوں کا اس میں کوئی حقتہ اُن کے سوائے نہ تھا ہو قتا ک کرتے۔ وہ جنگ اختتام برا بنا مصته ہے کروابس ملے مہاتے تھے۔ مہا جرین بربواتتِ بہا دو نفیر لدیکے کہنا فرض مخامگراع اب حواقے وه مال غنیمت میں سے حصتہ پانے تھے، حومز آتے تھے انہیں حصتہ نہ ملنا على اس سے صرف وہ صورت مستنٹی سے حبیکہ بهاد فرص عین موماتا مثلاً جنگ بوک س نظاهر مدیث سے مرشرک سے تبول جزید کا جواز نکلتا سے بنواہ وہ کتا بی مہوں، مجوسی ہوں، آتش *ریست مہوں بہت پرست ہو*ں، کواکب بیست ہوں دعیٰرہ وعیٰرہ ۔ ہیں اور آعی کا مذہب ہے ا ور ما لک کا تول بھی اس کے قریب قریب سے ۔ا ورایک روایت مالکٹسے میر بھی سے کہ مرتد کے سواہر ایک سے جزیہ تبول کیا ماسکتا ہے۔ شافعی کا تول میر سے کہ امل کتاب سے، عرب ہوں یاعجما ور محبوسیوں سے جزیہ تبول کیا ئے گان کرمٹرکوں سے - البومنیقہ نے کہ اس عنرع ہی مشرک سے جزیر قبول کیا جا سکتا سے مگر کسی عربی سے نہیں خطابی لى الشّٰدعليدوسلم ك*اكسى عيْرعَ* في <u>سعه لَطَّ</u> نا ياان كى طرف نشكررواندُمرنا ^فنا بتنهيس مُواا ورآپ كى عام جنگیں عربوں سے بہؤیں ۔ اسی طرح آپ کے بھیجے ہوئے نشکرا ورصمات سب عربوں کے نمان نظیں اندااس مدیث کا خطا ب صربِ عربوں کی طوف سبے دمگر پر چیز قا بل تحقیق رہ جائے گی کہ جنگ تبوک میں رُومی اگر مقابلے پر آتے ن پر پر تواً يا وهسب كسب عرب عق ياعم يا مناوط ؟)

ເຄ**ັກກໍ່ຄົນຄົນ ຄົກຄົກຄະນາສາຄົນຄົນຄົນຄົນຄົນຄົນຄົນຄົນ ຄົນຄົນ**ຄົນຄົນຄົນຄົນຄົນຄົນຄົນຄົນຄົນຄົນຄົນຄົນ مولانا اسفے نتاوی ما الگیریہ کے حوالے سے لکھا ہے کہ غنیت اس مال کا نام حوکفاںسے بزورشمشر حمینا جائے ا ور نی وہ مال ہے جو حمرب و صنرب کے بغیر ہمارے قبیقے میں آ مبائے **جیسے م**ال نحراج ا ورحزیہ یس مال نینمت میں *مَس ببت المال کا ہے اور فی میں نہیں ۔ا ورجو کچے مشرکوں سے تطور بدیہ پاسر*قہ یا دست ہرست چھین کر^{وں دس}ام ہو یا مہبر ہوائش مں بھی خمس نمیں کیونکہ وہ غنیت نہیں ہوتا بلکہ صرف اسی کا سے جو کے ہے ۔اگراعترا من کیا میا ہے کیونکہ عنبیت والفال کی آتیں صراحةً بتا تی ہیں کہ مال غنبت کے یا بچے حقیم ہول گئے ي في بدور كاأور له بيت المال كا- بهرية خس هي يا پنج حصّتون بيه تقسّيم بهو كا: نقير ،مسكين ،مسا زجن مي شامل مير -اسی طرح انفال کی آیت صراحظ بناتی میکرخس با بیخ تشم کے لوگول بینتلیم مو گا جن میں تیا مل اور مساكين بنامل مين، ا دراءاً بان میں سے کسی میں داخل نہیں ہوتے تو تھے المیں عنیمت اور فئ کا حصتہ کیسے مل سکتا ہے؟ سکی ختا دی عالمگيريه مَن بيت المال كے مصارف ميں جن مين اصن ف كو تشاركيا كيا سے تعنى: بتا تى ،مساكين اورمسافر، ان مي شهريوں اور دمها تيوں معصر اور بدومي كونى تفريق نهيں كى كئى .

بعن ورصلی الٹرعلیہ وسلم نے محصورین کوالٹار کے نی<u>صلے</u> ہراتا دینے کے بجائے اپنے <u>فیصلے ہرا</u>تا دیے کامکم دیا ہے اور علت اس کی یہ بیان فرما کی ہے کہ تہاں نہیں معلوم التر کا فیصلہ ان میں کیا ہوگا ، لہذا یہ فیصلہ کمہ و کہتم میرسے فیصد رسته یارد کھو۔ علام قارتی نے فرایا ہے کہ اس میں یہ دلیل ماسکتی ہے کہ فرجہ تدمعیب نہیں ہوتا بلکہ بریق صرف ایک ہوگا بینی وہی جو نفس الامر میں در تحقیقت الٹر کے حکم کے موافق ہوگا -اور یہ باکل ظاہر ہے کہ اختلافی سائل میں جہاں متعدد ندا مہب واقوال ہوتے ہیں ریر سارے متعار من ومتنا لعن اقوال تو بریق نہیں ہوسکتے - مگر جن لوگوں نے کہا کہ مرجم ہیں گھیب در بریق ہے وہ مرد میف کے ال الفاظ کا کہ: تم نہیں جانے کہ الٹدان میں کیا فیصلہ کمرے گا، یہ مطلب مینتے ہیں کہ کیا بہتہ الٹر کا حکم اس بارے میں مجہ بہر بصورت وحی تمادے فیصلے کے فولا ف اس ہا کے۔

٣١١٣ - حَكَّ ثَنَا اَبُونُ مَالِجِ الْانْطَائِيُّ عَبُوبُ بَنْ مُوسَى اَخُبَرَنَا اَبُو اِسْحَاقَ الْفَذَامِ يَّ عَنْ سُنْفِبَانَ عَنْ عَلْقَمَة بَنِ مَرْتَ مِا عَنْ سُبَمَانَ بَنِ بُرَبُ اَ قَعْنَ إَبِيهِ اَتَ النَّبِيُّ مَلَى اللهُ عَبَبُهُ وصَلَّوَ فَالَ الْفُرُولُ السِّعِ اللهِ وَفِي سَبِيلِ اللهِ وَفَا تِلُولُ مَنْ كَفَرَ بِاللهِ الْفُرُاوُ وَلَا نَغُو الْوَاوَلَا تَعُلُّوا وَلَا تَنْفُلُولُ وَلَا تَفْتُلُولُ وَلِا تَفُ

مجریده در سے روا بیت ہے کہ بی صلی الٹرملیدوسلم نے فرما یا : الٹرکے نام سے جہا دکروا ورائٹر کی راہ میں لڑوہ اور ان سے لڑوجوا لٹرسے کوکر تے ہیں جہا دکروا ورغدر مست کرو ر بدعہدی مت کرو) اور مال غنیمت میں نیا نت در کھڑور مُٹلہ داعفنا ، کا لئن مست کروا ور بجوں کو مت قبل کرو ۔ دید مدیث گزشتہ صدیث کا ہی ایک مقسبے بعجن و فعہ داوی بیان میں کمی کرویتے ہیں۔ کہ کہ کامعنی ہے : ناک ، کان ، ہونٹ اور آلڈ تناسل کا مطور دینا عربوں میں مُرادواج مقاحے اسلام نے بندکیا ۔ شہدائے احد کا کفار نے مُشارکیا تھا)

٢٦١٣ - كَتَّا نَكَاعُنَّاكُ ابْنُ اِنْ شَيْبَةَ نَا يَجْبِى بْنُ اَدُمْ وَعُبَيْكَ اللهِ بْنُ مُوسَى عَنْ حَسَنِ بْنِ صَالِحٍ عَنْ خَالِمِ بْنِ الْفَزُرِ حَتَى ثَنَيْ اَنَسُ بْنُ مَالِكٍ آتَ مُوسَى عَنْ حَسَنِ بْنِ صَالِحٍ وَسَكَوْ فَالَ الْفَلْوَلِ حِسْمِ اللهِ وَعِلَى مِلَّةِ وَسُولِ وَسُولَ اللهِ مَا لَكُ عَلَى مِلَّةٍ وَسُولِ اللهِ مَا لَكُ عَلَى اللهِ عَلَى مِلَّةٍ وَسُولِ اللهِ مَا تَنْهُ اللهِ مَا اللهِ مَا اللهِ مَا اللهِ مَا اللهِ مَا اللهِ اللهِ مَا اللهُ مَا اللهُ مَا اللهُ مَا اللهِ مَا اللهُ مَا اللهُ مَا اللهُ مَا اللهُ مَا اللهِ مَا اللهُ مَا اللهُ مَا اللهُ مَا اللهُ مَا اللهِ مَا اللهُ مَا اللهِ اللهُ مَا اللهُ مَنْ مَا اللهُ مَا اللهُ مَا اللهُ مَا اللهُ اللهُ مَا اللهُ اللهُ مَا اللهُ اللهُ مَا اللهُ اللهِ اللهُ ال

ما لک بن احس من نے بیان کیا کردسول الشرمیلی الشرعلید وسلم نے قرفایا: مباؤ الشرکے نام کے ساتھ اورائشر کے رسول ک رسول کے طریقے پر کسی مبت لوٹر ھے کو، بنابا بعے کو، نابا بع کو، عورت وتس مت کرنا ، اور مال ننیست میں سے پوری ت کرنا ورسالا مال عنیہ ت ایک مبلہ جمع کرنا ۔ اپنے خوبا لات واحوال کو درست رکھنا اور احسان کرنا کمیونکہ الشراحسان کرنیوالوں کو دوست رکھنا سے درآمیت د، 1 اسورہ البقرہ)

شرح بشیخ نانی سے مراد وہ بوڑھا ہے جو فتال میں کسی کام کا نہ ہو۔ مشلاً نہ لاسکے، نہ نٹور جیا سکے بہ جیلے کرسکے اور

بانب فِي أَلْحَرُقِ فِي بِلَادِ ٱلْعَكَاقِ

دممن كے شرول كو جلانے كا باب.

٥ ا٢٦ حَلَّا تَنَا تُبَيِّهُ مِنَ سَعِبُ إِنَا اللَّبُتُ عَنُ نَافِعٍ عَنِ أَبِنِ عُمْرَانَ وَسُولَ اللهِ مَا لَكُ مَلَى اللَّهِ مَا لَكُو مُرَانًا فَكَا اللَّهِ مَا لَكُو مُرَانًا فَكَا اللَّهُ عَنَا وَهَى الْبُو بُرَةُ فَا اللَّهُ عَنَا وَهِى الْبُو بُرَةُ فَا اللَّهُ عَنَا وَهِى اللَّهُ عَنَا وَهِمَا اللَّهُ عَنَا وَهُمَا اللَّهُ عَنَا وَاللَّهُ عَنَا وَاللَّهُ عَنَا وَاللَّهُ عَنَا وَهُمَا اللَّهُ عَنَا وَاللّهُ عَنَا وَهُمَا اللّهُ عَنَا وَاللّهُ عَنَّا وَاللّهُ عَنَّا وَاللّهُ عَنَّا وَاللّهُ عَنْ وَاللّهُ عَنَّا وَاللّهُ عَنْ وَعِلَى اللّهُ عَنْ وَاللّهُ عَنْ وَاللّهُ عَنْ وَاللّهُ عَنْ وَاللّهُ عَنْ وَاللّهُ عَنْ وَاللّهُ عَلَا اللّهُ عَلَا مُعَالِمُ وَاللّهُ عَلَى اللّهُ عَنْ وَاللّهُ عَلَا مُعَلّمُ وَاللّهُ عَلَا مُعَالِمُ وَاللّهُ عَلَا عُلْمُ عَلَا عَلّمُ عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَا عَلَا عَل

ابن عرد منسے روابیت ہے کہ رسول الشرمیلی الشرعلیہ وسلم نے بنی نفت پر کے تھجوروں کا باغ بو کیرہ عبلا دیا نقالیں الشد تعالیٰ نے بیر آبیت اتا ری ، کم نے جو تھجوریں کا ط دیں یاچھوٹر دیں آلا رتجاری ،مسلم ، متر ندتی ، ابن ما مب،مسند آخمدا ور دار تی ؟

مشرے: بنی نفیہ نے دیں ہوری عہدشکنی کر کے دشمن کی مدو کی عتی امذا انہیں یہ مزاطی کم عماصرہ کیا گیا اوران کی عجودیں مبلائی گئیں، بعد میں نوواک کی بیٹریش پر انہیں مدینہ سے منقولہ مبا کدا دیے کرنکل جائے کی ا جازت وی گئی اور وہ مقام خیر میں ، بعض سنے کہا کہ ہیہ باغ ان کی طرف مبائل میں انہیں مبلا سے کہ کہ دیں مبلا نے کے اس فعل کی عنت اعن وجو ہات بتا ان گئی ہیں ۔ بعض سنے کہا کہ ہیہ باغ ان کی طرف مبائز نمیں میونکہ مبائل مقال مدا بطور حنگی ہمریت مبلایا گیا اور کہے ور ضت کا لئے گئے، بلا صرورت الیساکر نا جائز نہیں کیونکہ صفرت ابو کرون خلافی کی قول ہے ۔ مگراً میں نے وارالکھ ہی ہے۔ احمد بن میں سے انہیں میں میں میں انہیں میں میں دورت کے موانخ ایس و متح ہی گئی ہیں۔ اسے انہیں میں میں میں دورت کے موانخ ریب و متح ہی کو جائز نہیں دکھا دیعنی مزوا دالا مہاں میں دوارا لکفرا وروا اللے میں ،

ش فنی نے کہاکہ حفرت ابو مکرم کی مما نعت کا با عیث یہ تھاکرا نہیں حفود مسلی الٹری یدوسلم سے با تقطیع معلوم تھا کہ ریہ علاتے فنغ ہوں گے اورمسلمان ان میریمکومت کریں گے لہذا ان کی تخزیب سے منع فرما دیا ۔ یہ تو ہے۔ ہو دہی مقام سے

ملا عرض اون معادر مهاى البيلونت مري مع مهدان ي حريب مع مراد بير بير بيره يره دري ما المج مس كيم معلق حسان من في كها على مترا تو كيني لو ي جد كويين بالبوكي و مستعلق من من تعلق و مستعلق و من تعلق و ا

" بنی نوٹی کے مروادوں پرمقام ہو یرہ ہیں بھیلی ہوئی آگ بہت آ سان گزری؛ بینی قریش مکہ ہیودیوں کی مدد کے وعدوں کے با دیجودان کے بیے کچے دہ کر سکےا وران کے تعجدوں کے باغ میں گئے ۔ ہیودی ایک عہدشکن،

سازشی اور نمبیٹ وظمن قوم ہوتے ہوئے تھی اِسی واقعہ پرمظر من تھے لہذا اللہ تعاسلے یہ آبیت اتاری جو مودہ م الحقہ میں یانچومی آبیت ہے ۔

١٧١٧- حَكَّا ثَنَا هَنَا دُبْنُ السَّرِي عَنِ ابْنِ مُبَاسَ لِهِ عَنْ صَالِحِ بَمِنَ آبِ الْكَخْوَرِ عَنْ صَالِحِ بَمِنَ آبِ الْكَخْوَرِ عَنِ النَّهُ اللهُ اللهُ عَنْ مَا لَذُهُ مِنَ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ ال

م سامر من نے عوق ہ کو بتا یا کہ رسول الشرصلی التُدعلیہ وسلم نے اُسے رائسا مرم کو حکم دیا تفاکہ علی العدباح اُ بنی کے مقام مہد خالت و اُل اور آگ سکا داہری ماجری اکتفام مقام میں مقام میں مقام کی مقام مقام کے علاقے میں مسم علی جسے تا ہے کل مگری کہا جا تا ہے۔ احمد کی روایت کے مطابق یہ وہی مہم علی جسے مصنورہ کی وفات سے بعد ابو کرما میں صدیق نے دوان کی اوا یت ہے بعد ابو کرما میں مدیق نے دوان کی اوا یت ہے بعد ابو کرما ہوتا ہے۔

٢٧١٤ كَمُّ نَكُ عُبَبُكُ اللهِ أَنْ عَنْيِرِو الْغَيِّ يَى سَمِعْتُ أَبَا مُسْهَمِرِ فِيلَ لَدُ أَبْنى

فَالَ نَحْنُ أَعْكُوهِمَ يُبْنَا فَكُسُطِينَ.

ابومهرکو اُ بنی کے متعلق کهاگیا تواس نے کہاکہ ہم اسے نوب جا نتے ہیں پر فلسطین میں مکینی ہے (ابومسر شام کا رہنے والا بقااس سیسے اس نے بذکھا)

بَاكِ فِي بَعْنِ الْعُبُونِ

جاسوس بميحنے كا باب

١٩١٨- كَمَّ ثَنَا هُوُوكَ بَنَ عَبْدِ اللهِ نَا هَا شُورُكُ الْقَاسِمِ نَا سَلَمُكُ بَعْنِي اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَل

عَنْ عَبَّادِ بْنِ ثَنْرُجِبْلُ قَالَ احْمَابِنِ سَنَهُ فَكَا حَلَيْ الْمَاكِنِ الْمَوابَنَةِ فَكَ حَلَيْكَ حَلَيْكَ الْمَاكِ الْمَابِنِ سَنَهُ فَكَا حَلَيْكَ حَلَيْكِ الْمَاكِ الْمَابِنِ اللّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّو فَقَالَ لَمَ مَا عَبَيْهُ فَضَرَبِي وَاحْمَلُ ثَوْنِي فَكَا تَهُ مَا عَبَيْتُ وَسُولَ اللهُ حَلَيْهِ وَسَلَّو فَقَالَ لَمَ مَا عَبَيْتُ اللّهُ كَانَ جَاهِلًا وَكَا لَمَ مَا عَبَيْتُ اللّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّو فَقَالَ لَمَ مَا عَبَيْتُ وَلَى كَانَ جَاهِلًا وَكَا لَا مَا عَلَيْهُ وَسُقَلًا وَكَا لَا مَا عَلَيْهُ وَسُقَلًا وَكَا لَا مَا عَلَيْهُ وَسُقَلًا وَكَا اللّهُ مَا عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْهِ وَسُلَّا وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا لَكُوا اللّهُ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا لَا مَا عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ

نِصْفُ وَسُنِي مِن طَعَامٍ .

یا نصف وسق طعام دیا دنسانی اور ابن ما مر،

مثیرے: اس مدیث سے بظاہر رہ بہتہ میکتا ہے کہ ایک یا نعدف وسق کھانا دینے والا وہ باع کا مالک بھا، مگرنسا ٹی کی دوات اور اکستہ امغا ہمیں ابن الا فیر سے بیان سے معلوم ہوتا ہے کہ طعام دینے کا پیمے رسول انٹرصلی انٹرملیہ وسلم نے دیاتھا ۔ بعنی بیٹ المال سے دلوایا یاکسی اور شخص کو یا نووائس صاحب معاملہ کومکم فرمایا ۔

٢٩٢١ حَكَ نَنْ كُمَّ مُنْ يَشَارِنَا فَحَمَّ مَنْ بَنُ جَعَفَرِعَن مُشَعِبَ عَن آبِي بِشُرِ فَال مَعِن مُن عَن اللهِ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَا اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهِ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلْ اللهِ عَنْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلْمُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلْمُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلْمُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ عَلْمُ عَلَيْ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ عَلْمُ عَلَيْ عَلِي عَلَيْ عَلَيْ

ابوبشرنے کہاکہ میں نے عباد بن شرحیان سے شناجوم میں سے بنی عبر کا عقا ،اسی مدیث کے معنی میں ۔

كَبَاكِ مَنْ قَالَ إِنْ لَهُ يَا نَصُلُ مِنَّا سُقِطُ اللَّهِ مِنْ قَالَ إِنْ لَهُ يَا نُصُلُ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهِ الللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّلَّ اللَّهِ اللَّلَّ اللَّهِ الللَّالِي الللَّهِ اللَّلْمِلْ اللَّهِ الللَّهِ اللل

٢٩٢٢ حكى فَكَ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُؤْكِدُ الْمُؤْكِدُ الْمُؤْكَدُ وَهُذَا الْفُظُ الْمُ كَبُرِعُ فَ مُعْتَمِيمِ أَنِي سُلِيمُماكَ فَالَ سَمِعْتُ ابْنَ إِنَى حَكِمُ الْفِغَادِيّ بَقُولُ حَثَا نُتَنِي جَدَّةَ فِي عَلَى الْمُعْتَى الْمُنْ اللّهُ عَلَيْهِ وَالْمُؤْفَالُ مَا عُنَالًا مُن النَّهُ عَلَيْهِ وَالْمُؤْفِقَالَ مَا عُلَامً بِحَرَّرُ فِي النَّخْلَ فَالَا الْمُلُ قَالَ فَلَا تُرْمِ النَّهُ لَلْ اللّهُ عَلَيْهِ وَسَلّى اللّهُ اللّهُ عَلَيْهِ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّى وَقَالَ مَا عُلَامً بِحَرَّرُ فِي النَّخْلَ قَالَ الْمُلْ قَالَ فَلَا تُرْمِ النَّهُ لَلْ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ ال

كمآب لجباد

وَكُلُ مَا يَسْغُطُ فِي اَسْفَلِهَا ثُرَّ صَسَحَ رَأْسَمَ فَقَالَ اللَّهُ وَ انْشِرِجَ بَطْنَهُ.

ابورا فع بن عروع فنادی کے چپاسے روا بیت ہے۔ اس نے کہا کہ میں ایک لڑکا کا تقاموا نصار کی کھجوروں پر بیقونین میں بینکا کا کا کا تقاموا نصار کی کھجوروں پر بیقونین کے بینکا کا کا تقامی مجھے نبی مسلی الٹر علیہ وسلم کے پاس لایا گیا تو آپ نے ذیا یا: اے لڑکے اتو کھجوروں پر کیمیوں فر صیلے ماد تا ہے ہیں نے کہا کہ میں کھیل کھا تا ہوں، فر ما یا کہ مجمور بر بیقر مست بھینا کا کہ اور اس کے بینے جو بھیل گرا پڑا ہواسے کھا لیا کہ بھر حقنوں نے اس کا سر جھوا اور کہا: اے الشراس کے بیٹ کو میر فرما : در مذی ، ابن ماجر، بین ماجر وعفاری ہے۔ مسندا حمد میں بھی ابودا ؤدکی طرح عمر الی رافع بن عمر والیا ہے۔ اسی مارح این اسی مارح این اسی مارح این بیا ن کی ہے جس میں رافع بن عمر والعفاری سے اسی مارح این بیا ن کی ہے جس میں رافع بن عمر والعفاری سے اسی مارح این بیان کی ہے جس میں رافع بن عمر والعفاری کا کھا ہے۔ سے اور میں ان کی میں میں میں میں گرفتا ہے۔ سے اور میں ان کی میں میں میں میں میں کہا تی تھا ۔

باسب فيمن فالأكا يخلب

سبے ام ازت حانور ں د وسینے کا باب ۔

٢٩٢٣ ـ كَنَّ تَنَاعَبُ لَا اللهِ ابْنُ مَسُلَمَنَ عَنْ مَالِكِ عَنْ مَالِكِ عَنْ مَالِكِ عَنْ مَالِكِ عَنَ مَالِكِ عَنَ مَالِكِ عَنْ مَا لِنَهُ وَكَنْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ وَاللهُ كَا يَعْلِمُ اللهُ عَلَيْهُ الْحَلِي اللهُ اللهُ

شمرے: وودھ واسے مانوروں کے مقنول کوالٹارتعالی نے ان کے مالکوں کے سیے خزا نہ بنایا سے حس میں ان کا کھا نا جمع رہتا ہے، جیسے کہ کسی گھر کھا نے بیننے کی چنروں کا خاص مقام (سامان اور کھانے پینے کا کمرہ ہوں مس حس طرح اس کے گھریں وافعل ہوکر رسامان نکال لینا جائز نہیں اس طرح اس کے مانور کو دوہ لینا بھی بلاا جائزت مائز نہیں۔ اس تشبیہ سے معلوم ہوا کہ ایک نظیر کا دوسری پر تیاس کر کے دونوں کا ایک حکم قرار دینا خودر سول اللہ صلی الشرعلیہ وسلم سے خابت سے۔

باس في التطاعني

ا طاعیت کا ما س.

٢٩٢٨ حكى نَنَا زُهَيْرُبُنُ حُرْبٍ نَا حَجَاجٌ فَالَ فَالَ ابْنُ مُجَدَّمِ إِيَا إِنَّا الَّذِيْنَ الْمَعْوَا الرَّسُولَ وَأُولِي الْكَهْرِ مِنْكُورَ عَبْكُ اللهِ فَى تَجْدِيلًا اللهِ عَلَيْ اللهِ فَى تَجْدُلِ اللهِ مَنْ اللهِ فَى تَجْدُلِ اللهِ مَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلْ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ الل

حجاج نے کہاکہ ابن جریج نے کہا ہاںے ایمان والوالٹہ کی اطاعت کروا وردسول کی اطاعت کروا ور اپنیس سے تکام کی اطاعت کروڑ (اس آیت کا شان ننول یہ سے کہ) عبدالٹہ من تدیش من عدی کونبی مسلی الٹرعلیہ وسلم نے ایک مچھوٹے لشکر میں بھیجا ۔ یہ مجھے کی لئے سعید بن جبرسے اس نے ابن عباس مناسعے بتا یا ہے د سخار کی آستم ، ترینی، نسانی، ابن جریرطری ، مسندا حمدی

سن کی بری بھی اس منی آئی ہے ہوں ہے۔ اللہ بن قلیل منے واقعہ میں انزی تھی دائیت و ۵، النسکائ پیمشہود معا بی منہ سے ہوائٹہ بن قلیل من سندان میں منہ اللہ بن منافذ سہی میں بہاری میں بقول آبن الجوزی کسی را وی کے تعسرت کے باعث ان کی نسبت انعمادی ہوئے سے واقعہ ایمی آئا ہے۔ ہوئی سے واقعہ ایمی آئا ہے۔

مصریح ؛ علامه مندری نے فرما یا کرریر کشی عب الله بن مذا نه بن قیس بن عدی القرسی مقا، اس کی کنیت البومن القرب

ائس الُجَهَنِي عَنُ اَبِيهِ قَالَ غَنَ وْتُ مَعَ نَبِي اللهِ حَالَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَاتَحَ غَنُ وَةً كَذَا ا وَكَذَا فَضَيْنَ النَّاسُ الْمُنَا فِل وَقَطَعُوا الطَّرِينَ فَبَعَثَ النَّبِيُّ حَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ مُنَادِيًا يُنَادِي فِي النَّاسِ اَنَّ مَنْ خَبَيْنَ مَنْ فِلْ لِاَ وَقَطَعَ طَرِيْقًا فَلَا جِهَا دَلَهُ .

معا ذبن انس و جمنی نے کہا کہ میں نے نبی صلی الٹرعلیہ وسلم کے سابھ فلال فلال جنگوں میں شرکت کی ،
سب لوگوں نے مغزلوں کو تنگ کر دیا ور استدروک دیا ۔ بس نبی الٹہ صلی الٹہ علیہ وسلم نے ایک منا دی کرنوالا
عیب جولوگوں میں بیکا رتا تعاکر حسب نے منزل ونگ کی اور راستدروک دیا اُس کا کوئی جہا ونہیں ہے۔ یہ معورت نبی
دوگوں کے لیے باعث مشقت علی کرزودگاہ کو نها میت تنگ کر دیا جائے اور راستے بند ہوجائیں، بینی پہلی
صورت اگرا فراط تھی تو یہ تفریط ، لهذا اِس سے بھی منع فر ما دیا گیا، تاکہ لوگوں کو آسانی سے حاجات کے لیے آنے
جانے اور اعطنے بیسے نبی سہولت رہے ۔

به ٢٩١٨. حَكَّ نَتَنَا عَمُرُونُنُ عُنَّانَ نَا بَقِيَتَهُ عَنِ الْاَوْنَ اعِيْ عَنْ أُسَبِهُ لِهِ أَنِ عَبُوا الْأَوْنَ الْحَ عَنْ الْمِنْ عَنْ فَرُونَا مَعَ عَبُوا اللّهِ عَنْ اَبِيهِ قَالَ عَزُوْنَا مَعَ اللّهِ مَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلّحَ بِمَعْنَاءُ.
نَبِي اللّهِ صَلّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلّحَ بِمَعْنَاءُ.

روسرے طربق سے دہی اور کی مدیث معا ذر سنے کہ اکہ ہم نے رسول اللہ ملی اللہ علیہ وسلم کے ماقد ہوکہ بادگانا

وطمن سے جنگ کرامیت کا اب ۔ ۱۳۱۳ ۔ سکٹ انگوک ایسے محبوث بن محوصی نا ابول الله کا انگر انسان کا ابول الله کا انسان کا تک موسلی بن عقب کرد کا تک کا تب الک کا

عَبُكُ اللّٰهِ مُنُ أَنِى أَوُ فَى حِبُنَ خَرَجَ إِلَى الْحَرُورِتَيْتِ أَنَّ رَسُولَ اللّٰهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْرِ وَسَلَّوَ فِى بَعْضِ آبَّامِ مِ النَّبِي نِنِي فِهُا الْعَكَاوَ قَالَ إِلَّا يَهَا النَّاسُ لَا تَتَمَنَّوُ النِّفَاءَ الْعَلَاقِ وَسَلُوا اللهَ الْعَافِيْةَ فَإِذَا لِفِيُهُ مُؤْهُمُ وَفَا مُرِيرُوا وَاعْلَمُوا أَنَّ الْجُنَّةُ تَحْتَ ظِلَالِ الشَّبُونِ ثُوَقَالَ الْعَافِيْةَ فَإِذَا لِفِيهُ مُؤْهُمُ وَفَا مُرِيرُوا وَاعْلَمُوا أَنَّ الْجُنَّةُ تَحْتَ ظِلالِ الشَّبُونِ ثُوَ

﴾ الله وَمُنْزِلَ (لَكِتَابِ مُهُورَى السَّكَابِ وَكَانِ مَ الْاَحْزَابِ (خَزُمُهِمُ وَانْعُرْنَا عَلِهُمُ -Page 1900 1900 (الْعُرْدُ الْعُرْدُ السَّكَابِ وَكَانِ مَ الْاَحْزَابِ (خَزُمُهِمُ وَانْعُرُنَا عَلِهُمُ - عبدالشدین ابی او فی استے عربی عبیدالشہ کو لکھا جبکہ مؤخر الذکر خارجیوں کی جنگ کے سیے تکا کہ ، رسول الشر مسلی الشعلیہ وسلم جب اپنی ایک جنگ میں وقم من سے نظرے تو فر ما یا مشاکرا سے توگو او دشمن سے مطریح برکی ارزوم ت کرو اور الشرسے ما وثیت طلب کرو، بھرجب ہم وقم خوسسے بھڑ و توصبر کر واور جان لوکہ جنت تلواروں کے سلٹے میں سے بھر و ما ، فرما ئی: اسے الشدک ب کو اتا رہے والے ، ہا دل کو مہلا نے والے اور الشکروں کوشکت دینے والے ! انہیں شکست وسے اور ان بر بھاری مدوفر ما در مجادی مسلم الذراری

سندے: اللال السيون كامعنى بے: دشمن كا اتنا قرب كركورا أس كى الوارم برسائدكررہى بور

بكئ مَا يُن عَي عِنْكُ اللَّفَاءِ

وشمن سے مقامعے کے وقت کی دناد کا باب۔

٢٦٣٢ ـ ڪَٽُّ نَنْنَا نَمُرُنْ عَلِيّ اَخْبَرُ فِي اَالْمُثَنَّى بُنُ سَعِيْدٍ عَنُ نَسَادَةً عَنْ اَنْسِ بْنِ مَالِكِ قَالَ كَانَ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْسِ وَسَلَّوَ إِذَا غَزَا قَالَ اَللَّهُ تَحَ اَنْتَ عَضْدِی وَنَصِیْبِرِی مِکَ اَحُولُ وَبِکَ اَصُولُ وَبِکَ اَصُولُ وَبِکَ اَکْ وَلِکَ اَکْ وَلِکَ اَنْ ل

انس بن مالکٹ نے کہا کہ رسول انٹرصلی انٹرعلیہ وسلم جب قتال کہتے تو یوں دعا، فرما نے تھے: اسے انٹرتو ی میرا با ندود قوت بازو) اور مدوگار سے ہیں نترسے نفسل ودحمت سے ہی مباتا بھرتا اور تدبیر کرتا ہمیں اور تربے بعث ہی حمل کرتا ہوں اور تبری دحمت وقوت سے ہی قتال کرتا ہوں دنز مُدی اور نساتی

ہی سہ وہ ہوں ہونہ ہوں کے منت و وساسے ہی مہی کیا گیا ہے ۔ حول کا بعنی کرنا اور مٹا نا بھی ہے، یعنی میں ڈخمن مشر سے :) حُوُلُ کا معنیٰ اُنحفالُ د تدمیر کرتا ہموں ، بھی کیا گیا ہے ۔ حول کا بعنیٰ کراد ہے، یعنی کمروہات سے بچنے کی طاقت، حیلہ اور تدمیر وقوّت ۔

یہ عنوال اوپر می گزر حیا ہے اوراس سیسلے میں کچھ گفتگو بھی۔ مولا نادسنے فرطا کہ اُس باب سے پیٹا ہت کر نا پر نظر بنتا کہ حس مشرک توم کو اسلام کی دعوت نہ ہنجی ہوا سے اسلام کی دعوت اور حبزیہ کی بیش کش سکے بغیر قبّال مثر وع کر نا جائمۂ نہیں ۔ اس باب میں ہرچیئر تہ نظر ہے کہ جن توگوں کو اصلاحی دعوت مل چکی ہواس ہے بے خبی کی مالت میں نارت ڈالٹا مہائز ہے ۔

> با ب فی دعاء المشرطین مشرکوں کو دعوت اسلام دیثاتہ

٣٩٧٧ حسَّ نَكُنا سِعِيْكُ أَنْ مَنْصُوبِ كَا إِسْلِعِيْلُ أَنْ إِبْرَاهِيْكُو إِنَا أَبْتُ

عَوْنِ قَالَ كَتَبْتُ إِلَى نَافِعِ أَسُا لَمُنَ عَنْ دُعَاءِ الْمُشْرِكِينَ عِنْكَ الْقِتَالِ فَكَتَبَ الْتَالَ فَكَتَبَ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَسَكَّرَ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَسُتُرَ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ مَ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلْمُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلِي اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى ا

في ذلك الجيش،

وَلِلْا عَارَ ـ

م ١٩٧٧ - حَتَّى ثَنَا مُوْسَى بَنُ إِسْلِمِبْ لَ مَا حَمَّا ذُا نَا تَابِثَ عَنْ اَنْسِ اَتَ النَّبِيَّ صَلِّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَكَانَ يُغِيْرُعِنْ مَا طَوْقِ الصَّنْجِ وَكَانَ يَنْسَمَّمُ فَا ذَا سَمِعَ آذا نَا أَمْسَكَ

انس منسے روایت سے کہ نبی سلی اللہ علیہ وسلم مناز مبیح کے وقت فارت ڈالاکرتے تھے،اوراس سے پہلے کان لگاکر شننے تھے ہوں مناز مبیح کے وقت فارت ڈالاکرتے تھے،اوراس سے پہلے کان لگاکر شننے تھے ہوں ان شننے تو مسلم ہتری وار دی افان کی آواز آنے کا مطلب میں ہے کہ بیال المال می ایک تعداد موجود سے، اور خارت کے وقت جو نکہ اپنے بہائے کا ایک تعداد موجود سے، اور خارت کے وقت جو نکہ اپنے بہائے کا ایک ایک تعداد موجود سے، اور خارت کے وقت جو نکہ اپنے بہائے کا ایک تعداد موجود سے ، اور خارت کے وقت جو نکہ اپنے بہائے کا ایک ایک تعداد موجود سے ، اور خارت کے وقت جو نکہ اپنے بہائے کا ایک ایک دوران کا دوران کی ایک تعداد موجود سے ، اور خارت کے وقت ہو نکہ ایک کہ دیا ہے کا ایک دوران کی ایک تعداد موجود سے ، اور خارت کے وقت ہو نکہ ایک دوران کے ایک دوران کی ایک کی ایک تعداد موجود سے ، اور خارت کے وقت ہو نکہ ایک کہ دوران کی ایک کی ایک کی ایک کی دوران کی دور

مِین ولائل میں ۔

مُسَاحِقٍ عَنِ ابْنِ عِصَامِ الْمُزَقِّ عَنْ أَبِيْهِ قَالَ بَعَثَنَا رَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَبُهِ وَسَلَمَ فِي سَرِّيَةٍ فَقَالَ إِذَا رَأُ يُنْكُومَسُ جِلَّا أَوْسِمُ عَنْمُ مُؤَةٍ نَا فَكَ تَقْتُكُولَ احْدًا.

بَا دِفِي الْهَكُونِي الْحَرْبِ - بِي الْمُكُونِي - بِي الْهَالِي الْمُكُونِينِ الْمُكُونِينِ - بِي الْمُكُونِينِ الْمُعِلِينِ الْمُعِلِينِ الْمُعَلِينِ الْمُعَلِينِ الْمُعَلِينِ الْمُعِلِينِ الْمُعَلِينِ الْمُعَلِينِ الْمُعِلِينِ الْمُعِلِينِينِ الْمُعِلِينِ الْمُعِلِينِ الْمُعِلِينِ الْمُعِلِينِ الْمُعِلِينِ الْمُعِلِينِ الْمُعِلِينِ الْمُعِلِينِ الْمُعِلِينِ الْمُعِينِ الْمُعِلِينِ الْمُعِلِينِ الْمُعِلِينِ الْمُعِلِينِ الْمُعِلِينِ الْمُعِلِينِ الْمُعِلِينِ الْمُعِلِينِ الْمُعِلِينِ الْمُعِينِ الْمُعِلِينِ الْمُعِلِينِ الْمُعِلِينِ الْمُعِلِينِ الْمُعِلِينِينِ الْمُعِلِينِ الْمُعِلِينِ الْمُعِلِينِ الْمُعِلِينِ الْمِ

٢٦٣٧ - حَكَّ نَنْنَا سَعِينُ كُنْنُ مَنْصُورٍ مَا شُفَيَانَ عَنْ عَيرِواكَمْ اَسْمِعَ جَارِرًا إَتَ

رُسُولَ الله مَعلَى الله عَلَيْسِ وسَلَّو فَإِلَ الْحَرْبُ خُعُمَّاعَتْ -

نی صلی النّدعلیہ وسلم نے تعیم بن مستو کو کو جنگ احزاب میں مشرکوں اور مہود یوں میں تفریق و نفاق ڈاسنے کی عزمن سے بات جیت کی ا مبازت دی تھی۔ جنگ عنیر معمولی حالت کا نام سے لہٰ الس پر معمولی ما لات کے احکام کا انسابات نمیں ہوسکتا۔ بنلا ہر تو یہ معلوم ہوتا ہے کہ اسیے موقع ہے صریح کذب بھی مبائنہ سے مگر توریئہ وتعرفین کھیر بھی ہم مورت اولی سے ۔

٧٧٧٠ حَكَّانُكَا مُحَكَّمُ اللَّهُ عَبَيْهِ مَا الْمُؤْنُورِ عَنْ مَعْمَرِعَنِ الزَّهُمِ قِ عَنْ عَبِيلِ الرَّحُمٰنِ الدَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ كَانَ عَبِيلِ الرَّحْمٰنِ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ كَانَ عَبِيلِ الرَّحْمٰنِ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ كَانَ عَبُرُهُ الْعَالَى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ كَانَ اللَّهُ عَلَيْهِ وَاللَّهُ عَلَيْهِ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ وَاللَّهُ عَلَيْهِ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ وَاللَّهُ عَلَيْهِ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ وَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ وَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ وَلَا الْعَلَيْمُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللَّهُ عَلَيْهُ وَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللَّهُ عَلَيْهُ وَلَا الْعَلَالَ الْمُعَلِيْمُ وَلَا الْعَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ وَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ وَلَا الْعَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ وَلَا الْعَلَيْمُ وَلَا اللَّهُ عَلَيْهُ وَلَا الْعَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ وَلَا الْعَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ وَلَا الْعَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ وَلَا الْعَلَالُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَلَا الْعَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ وَلَا الْعَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْكُولُ اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْكُولُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْكُولُ اللَّهُ عَلَيْكُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى الللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْكُولُ اللَّهُ عَلَى اللْعَلَى اللَّهُ عَلَى اللْعَلَالِ اللَّهُ عَلَى الللّهُ عَلَيْكُولَ اللّهُ عَلَيْكُولُ اللّهُ عَلَيْكُولُ الللّهُ عَلَيْكُولُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْكُولُ اللّهُ عَلَيْكُولُ اللّهُ عَلَيْكُولُ الللّهُ عَلَيْكُولُ اللّهُ عَلَيْكُولُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْكُول

کعب بن مالکٹ سے روایت ہے کہ نبی صلی الٹرنیایہ وسلم حب کسی غزوہ کا اداوہ فرما تے توازل ہو توریز کچے اور نا ہر کرتے اور کہتے <u>بھے کہ: دل</u>ائی دھوکا بازی ہے ۔ آبو داؤ دبنے کہا کہ اس سند میں معمر سے سواکسی اور نے الحرب فدھت کی روایت نہیں کی۔ اور یہ الفاظ انم و بن وین ارعن جا بون کی حدیث میں اور معمرعن ہما <mark>م بن منتب عن ابی ہر ہ</mark>ے ہوٹ مدیث میں آئے ہیں ، رکعب بن مالکٹ کی معلق ل مدیث مجا ترکی میں موجو دسیے اور اس میں یہ لفظ مروی نہیں ہیں ۔

بانب في البكيات المستان المستان المستون المرافع المستون المرافع المستون المرافع المستون المستون المستون المستون

مهرى دكان المُسكَن الْحَسَن بَن عَلِي نَاعَبُكَ الطَّهُ الْحَلَى الْهُ عَلْمِ عَن عِكْرِمَهُ بَنِ عَمَّالِهِ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَوَ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَوَ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَوَ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَوَ اللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ اللهُ اللهُ

سلمہ بن اکوع نے کہاکہ درسول التّٰہ صلی التّٰہ علیہ وسلم نے ہم برا لوبکرہ کوامیر بنا یا میں ہم نے کچھ مشرک لوگوںسے جنگ کی ان پرشب نو ن ما دا اورا نہیں نشل کرتے دسہ - اور ہما را شعال اُس رات کو اُ مِثُ اُمِثُ بھا۔ سلمہ منے کہاکہ میں نے اس رات کومشرکوں کے سامت گھارنے قتل کئے تھے (ابن ماجہ اسندا حمد، وار می، نسا کی ۔ اورا و پر مدیب ۲۱۹۷ سنن ابی واؤ دمیں بھی سلمہ مسے گذری ،

با مبك فى لمزوم السكافتيا ساد كولادم ركف كاباب.

بَا حَبِّ عَلَى مَا يَفَا تُلُ الْمُشْرِكُونَ

باب.مشرکول سے کس بات پر قتال کیا جائے گا؟

به ۱۹۸۰ حَتَّا نَنَامُسَتَا دُنَا ابُومُعَا وِيَتَا عَنِ الْاعْمَشِ عَنُ اَبِي هَالِمٍ عَنَ الْمُعَلِيمِ عَنَ الْمُعَلِيمِ عَنَ الْمُعَلِيمِ عَنَ الْمُعَلِيمِ عَنَ الْمُعَلِيمِ وَسَلَّوا مُورَثُ اَنَ الْمَاسَلُ اللهُ عَلَيْمِ وَسَلَّوا مُورَثُ اَنَ اللهُ اللهُ عَلَيْمِ اللهُ عَلَيْمِ وَسَلَّوا مُورَثُ اَنَ اللهُ عَالِهُمُ اللهُ عَلَيْمِ اللهُ عَلَيْمِ اللهُ عَلَيْمِ اللهُ عَلَيْمُ اللهُ اللهُ عَلَيْمُ اللهُ عَلَيْمُ اللهُ اللهُ

ابوسر کر ورشنے کہاکہ جناب ربسول اللہ معلی اللہ علیہ وسلم سنے فر مایا: مجھے یکم دیا گیا ہے کہ کوگوں سے قنال کرومبتک کروہ کو اللہ الکا اللہ مذکسیں۔ بس جب انہوں نے یہ کہہ دیا توجھ سے انہوں نے اپنے نون اور مال بجا سے مگران کے حق کے رمائقہ اور اُن کا حساب اللہ تعالیٰ پرسپے (بخا رحی، مسلم، اُساتی، اِرْ مَدَی، اَبْ مَاْجَہ،

مشرح: ندال کامطلب کسی کوزردستی کله مراحا نا نهمیں ہے ۔ لا اکرنا کا بی المزین کی رُوسے دیں پر جبر جائز نہیں۔ اور پھر قبال کے دوہدل بمی ہیں جو بھیلی مدینوں میں گذر سے ایک اسلام دوسرا جزید ۔ جہا دو تبال کی کچے مثر الطامی ج بغیراس کی فرمنیت نہیں ہوتی اور بعمن احوال میں جواز ہی نہیں ہوتا ۔ بس اس مدیث میں ان سب میں سے ایک خائت بیان فرمائی گئی سے، اور یہ کہ کلمہ پڑا سصنے والوں کی جان و مال محفوظ سے، بال ان میں جو اسلام کے سی میں وہ و آب

رہیں مے مثلاً ذکو ۃ ، فرائف، مدود ، نفقات وغیر یا ۔اور صرف زبان سے کلہ بیڑھ لینے والوں پراسلامی احکام مباری ہوں گا۔ ان کا حساب اللہ پڑھے ، اگرا ندرسے منافق ہوئے تو اُخروی عزاب وعقاب ہے ۔ اس صدیف میں جزید کی کا دان کا حساب اللہ پڑھے ، اگرا ندرسے منافق ہوئے تو اُخروی عذاب وعقاب ہے ۔ اس صدیف میں جزید ہم کا ذکر نہیں آیا کیونکہ نبقول مولا نااس میں انتہاں ہے مرادا مل عرب ہیں ۔ حین سے اسلام یا فتال کے سوا کچھ قبول نہیں کیا جا تا ۔اس کی بست سی صلحتیں ہیں جن کے بیان کا یہ محل نہیں ۔ ایک یہ ہے کہ عرب مرکز اسلام ہے ۔ کوئی طافت اپنے مرکز میں اہل مرکز کی فنالفت کی روا دار نہیں ہوتی مغربی بی عیاب کہ میونزم اور من ومت وغیرہ نے کا ٹنات میں جونسا و کئے میں اور اب بھی کئے جا دہے ہیں ان پر ذرہ ذرہ کہ اور اب می کئے جا دہے ہیں ان پر ذرہ ذرہ کہ اور اب میں سے مارہ ہیں ان پر ذرہ فردہ گواہ ۔ م

الم ٢٦٠ - حكى تَنَا سَعِيْدُانُ بَعْقُوْبِ الطَّالِقَافِيُّ نَاعَبْدُاللهِ بَنَ الْمُبَامَ لِهِ عَنْ حُمَيْدٍ عَنْ أَنْسِ فَالَ قَالَ وَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَبْدُهِ وَسَلَّوا مِرْتُ اَنْ اَقَاتِلَ النَّاسَ حَتَى بَشَهُدُ وَاكْ كَالِدُ إِلَّهُ اللهُ وَآتَ مُحَمَّدًا اَعَبْدُاهُ وَرَسُولُهُ وَاَنْ بَسْنَقُرُول فَيْلُنَا وَانْ يَا كُلُوا ذَيهُ حَمَّنَا وَانْ بَيْضُلُّولِ صَلاتَنَا فَإِذَا فَعَلُولِ ذَلِكَ حَرْمَتُ

عَكَيْنَادِمَا فُهُمُ وَا مُوَالُهُمُ إِلَّا بِحَقَّهَا لَهُمُ مَا لِلْمُسْلِمِينَ وَعَلَيْهِمُ وَاعْلَىٰ لِينَ

ا نس بخننے کہا کہ رسول النہ مسلی النہ علیہ وسلم نے فرمایا: مجھے لوگول سکے رساعۃ قتال کرنے کا حکم ملا ہے جب نک کروہ یہ گواہی ہزدیں کہا لٹر کے سواکو ئی معبو دہنیں اور محد النٹد کا بندہ اور اس کا رسول ہے اور وہ ہمار سے قبلہ کار شخ کریں دہنا زیڑھیں ،اور مہارا ذبیحہ کھائیں اور مہاری نما زیڑ ہیں ۔ بس حبب انہوں نے ایسا کرلیا توان کے نون اور مال ہم رپر حرام ہو گئے ، مگران کے حقوق باتی ہیں ۔ اُن کے وہی حق ہوں گے جو مسلمانوں کے ہیں اور اُن کے وہی متی ہیں جو مسلمانوں کے ہیں دبنا رمی تعلیقاً ، اور نسیائی

مشریے: استقبال قبلہ ہمالا ذہبیہ کھانا، تماری نماز پڑھنا پیمسلمانوں کی علامات کے طور پر فرمایا گیاہے۔اورمرتد کا پرمکم نمیں شیے علی ہزاالقیاس زندیتی اور ملحدین کا بھی پیرمکم نہیں ہے۔ بیران لوگوں کا تعلم ہیے ہوکفر سے نکل کراسلام میں ہم جانیں اور شعا مزانسلام کو اختیار کریس۔

يُوم ٢٧ - كَنْكَ أَنْكَ الْكَلْمِيْكَ أَنْ كَا كَذَهُ الْمُهْدِيُّ أَنَا أَبُنَ وَهُبِ ٱخْبَرَىٰ يَعَلَىٰ اللهِ بْنَ ٱبْبُوبَ عَنْ حَمَيْدِ الطَّوِيْلِ عَنْ أَنْسِ بْنِ مَالِكٍ فَالَ قَالَ رَسُولُ اللهِ صَلَّى

الله عَكِيْتُ وَسَلَّو الْمِرْتُ الْنُ أَنْ الْمُشْرِكِيْنَ بِمَعْنَاكَا . ايك اورط يق سے النمان مالک كاروايت كه رسول النُّرصلى النُدعليه وسلم نے فرمایا : مجه كومشركول ہے

تنال کائتم دیا گیا ہے الخ . معمومہ عمروں معمومہ معمومہ

٣٩٩١ - حَتَّا ثَنَا الْحَسَنُ بُنُ عَلِي وَعُتَمَانُ بُنُ وَيُ شَكَبُهُ الْعَنَى الْكَانَا يَعُلَى بُنُ عَبْيُهِ عَنِ الْاعْمَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ عَنِ الْاعْمَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ عَنِ الْاعْمَى اللهُ عَلَيْهِ عَنِ الْاعْمَى اللهُ عَلَيْهِ عَنِ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّى اللهُ ا

ا مسامه بن زیز ^و نسنے کھارسول انٹرمسلی اسٹرعلیہ دھکم نے تمہیں بھیورت *سرید الحرقات* کی طرف ہیما۔ انہیں بما دا مِدْ مِن كِياتُوعِاكُ هِرِّ سے بوئے - ہم نے انہیں مالیا ، بس ہم نے ایک آد می کوپایا ، حب ہم اس پر کھا گئے تو اس لًا الله الدَّلتُه كه ديا ، گُرَهم ف است تلواد «رُرُفتل كر ديا . پس مس نے يہ بات نبى صلى التّدعليد وسلم كوبتا ئي توا پہنے فر ما يا: لك الله الكَّالله سے بیٹھے نمیامت میں کو ن بجائے گا : میں نے کہ یارمول التٰدیداس نے مبتھیارول کے خوف سے کہ متا بعننور نے فرمایا: سوکیا تو نے اس کا ول چیرٹر نہ دیچہ دیا تاکہ تو یہ بات مبان بیتا دکہ وہ پینوف پر کمہ رہا متا اج کہ اس سنے بیربات خوف سے کھی نقی یا نہیں؟ تجھے قب مت کے دن آلا الدالة الله سے کون بجانے والا بہوگا و میں آپ برابرية واتے دسيے حق كرمي نے بيندكيا كرأسى دن اسل م قبول كيا مہوتا د تاكرية مِم مرز درد موتا !) جارتى بسلم مشرح : كا فرجب كليُ اسلام يوم لي تواس سع القروك لينا والتجب ب باب قابوم اكراليا كرسياس سانس ا ور دل چیرکر دیمین کا جو فروایاسواس کامطلب به مقاکه اسلام کاشکم طامر برجیلتا ہے اور باطن الله کے مبردے ۔ اس سپ کچھ کے با وجو و اسامرہ پر ویت وا جب رہ کی گئی کیو بھر درا صل کفار کے نون مُباح میں اور وہ اُسامرہ اُ کے نز دیکہ ول شعمسلمان مزموا يخا محفق فمثل سيع بجين كاسيدكرنا عقا - چونكم أسامه م نے اُست مباح الدم كافر مبان كر ماداله ذلاس بركو في ديت واحب ند مو في كيونكرا سل من وه أس كي قتال برمامورت ادربياس كي اجتها دى عطا عي جمعات مے علام خطابی نے بحث کے آخر میں فر مایا ہے کہ ممکن ہے اُسامر سنے برنا ویل کی ہو کہ معذب تو موں بر حبب تعذيب كافيصله بوكيا توايمان نفع مندر موا : فكم يك يَنْفَعُهُمُ إِيمًا سُهُمُ لِكَمَّا كَ أَوْ ١٧١ سَكا رَف وُ ٥٠٠ ا ورفر عون عزق بوريا مقاتوا المهادايمان أسي أثاثره مد وسيرسكا : ٦ لُاسَى وَ كَانَ عَصَيْتُ قَبُلُ بَنْ يُعِن المُعْذُيْنَ ^و مگر میں عرمن کرمانا ہموں کرمیہ تا ویل در میں نہیں۔ فرعون کا ایمان تو حالت عزیز و میں تھا جو مُعتبر نہیں ہونا، ا مُعَذَّب قومول كسيهايان كي مهلبة علم مومكي في إبران كاليمان معتبريز موا . مُرجس كا فركولاً المرالاً الله كيف ك بعد مار طالا گياوه ان دونون معور تول مير د افعل در تقال أسامره كايه نول كه وحتى كمير ني بيند كياكم أسى دن اسلام لايا

ہوتا ، رسول اللہ صلی اللہ علیہ دسلم سے عضب کو دیکیہ کمرایک عارمنی شدیدا حساس کی بناء پر تھا۔ بیہ مطلب نہیں کہ انہوں نے معافداللہ مہلی زندگی میں کا فرمونا پ ندر کیا تھا۔ نیز پیر چیز مجی شاید مدنظر تھی کہ اسلام مہلی غلطیوں کوڈھ ویتا ہے لہذا شدّت احساس کے باعث یہ سوچا ، ورید اسامرہ ما ایک مبلیل القدر صحابی رہ تھا۔

مهم ۱۹۰ - حَكَانَكُ أَنْكُ اللهِ مِنْ سَعِبْهِ عَنِ اللَّهِ عَنِ الْكَثْرِ عَلَى اللَّهُ عَن الْكَثْرَ عَلَى اللهِ عَن الْمَنْكَ اللهِ عَن الْمِنْكَ اللهُ اللهُ اللهِ اللهِ اللهُ اللهُل

مقدادین اسود سنے خردی کم اس نے رخود مقداد سنے کہا یا رسول الٹا ایہ توفر مائے کم اگریں کفار میں سے سی مقابد کروں اوروہ تلوار سے میں ہوا ۔ توکی اسے دکا مائٹ دسے بھروہ مجدسے ایک ورخوس کی اوٹ میں بنا ہ ہے اور کہے : میں الٹر کے سلے مسلم ہوا ۔ توکیا یا رسول الٹدی کلمہ کھنے کے بعد میں اسٹر تسل کردوں اور مول الٹر مسلی اللہ علیہ وسلم نے فرمایا : اُسے تسل در میں نے کہ با رسول الٹدی کم ایا رسول الٹدی کی ایم اسے تسل میں اسلام کے تسل میں اور تو اس کے تسل سے فرمایا ؛ اسے تسل میں ہوگا جس بر تواس کے تسل سے فرمایا : اور کو اس کے اس ور سے میں ہوگا تو وہ تر سے بہلے عقاد اسمام ، اور تو اس کے اس ور سے میں ہوگا جو یہ کلمہ کہنے سے بہلے عقاد بھار بھی اور کے تسل میں ہوگا اور یہ مفتور سے بھلے عقاد بھار منطا بی نے کہا کہ نواد ج اور مفتور سے بعنی نوگ جو کہا کہ نواد ج اور کا ور سے بعنی نوگ جو کہا کہ تواد ج اور مسلم کا دفعا میں وعزیرہ میں مواس سے اس مدیث سے یہ استدلال کیا ہے کہا کہ نواد ج اور مواس کا فرموگا ، یہ ایک فاست تا وہ ہے کہا کہ نواد ج اور مواس سے یہ استدلال کیا ہے کہا کہ نواد ج اور مواس کا فرموگا ، یہ ایک فاست تا وہ ہے کیونکہ مونکہ میں مواس مقتول کا نوی میا میا ور تو اس مورت بی قاتل کو مہا حالات مواسلے کما مواس کے تو استدلال کیا ہے کہ اس مورت بی قاتل کو مواس کے تو وار تداد کا مکم نمیں دیا ۔ میں مواس کے تو داد مور کے باعث قاتل کو مہا حالات میں دیا ۔ مواس کے تو دار مسلم کا فقدا میں وعزیرہ میں مواس کا لذم ہو نااس کے کفروار تداد کا مکم نمیں دیا ۔

بَا سِكِ النَّهُ يُ عَن فَتْ لِ مَن أَعْتَصَمَ بِالسَّجُودِ اس منس ك تنل كى ما نعت كا باب بوسى سيريناه ك -

٢٩٣٥ حَكَّ ثَنَا هَنَا دُبُنُ السَّرِي نَا البُومُعَادِبَةَ عَن اِسْمِعِيْلَ عَن فَيْسِ عَنْ جَرِيرِ بْنِ عَبُواللهُ عَبُولَ اللهِ مَلَاللهُ عَلَيْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْ اللهُ ال

جری بہ بی عبداللہ کے کہا کہ رسول الترصنی الترعلیہ وسلم نے ایک ہر پر بیشنم کی طرف بھیجا۔ بس ال میں سے تعین سے ت تعین نے سجدہ کر کے بنا ہ لی گلافی میں مبلدی فنٹل کر دیا گیا ۔ جریزشنے کہا کہ پرخبرنبی صلی الترعلیہ وسلم کو پنچی تو آپ نے ان کے لیے نصف و بہت کا صحم ویا اور فرمایا: میں ہر آس مسلم سے بری ہوں جومش کوں کے درمیان متیم ارسے - توگول کے کہا یا دسے التر نہیں ہوتا دہم ندی سالی الدین میں جریزہ کا ذکر نہیں ۔ اب واسطی اور کئی توگول کی دوایت میں جریزہ کا ذکر نہیں ۔

المنہ مراف ہے ہے۔ ہم بر ما ہوت کا حرف ہی اور کی کا تھی ہوئیں ہوئیں ہوئیں ہوئیں ہے۔ ہوئیں ہوئیں ہوئیں ہوئیں ہوئی المعت الک مہو ہائے اوداس میں دوسرے کی جنائت کا بھی دخل ہو، بسی اس کے اپنے نفس کی جنائت کے باعث دہ ا کا نصف مہا تاریا ۔ سبب اس کا یہ تقاکران لوگوں نے کفار کے در میان اقامت رکھی اورا پنے نما و ن پر تہمت کولئی کر یہ بھی بخیر مسلم ہیں ۔ سب ہ ہوں کا اور قائلول کو معنڈ ور سمی گیا ۔ اس میں پر دلیل ہے کہ بخیر مسلموں کے پاس اگرکوئی اس سے ان کا اسلام واضح نر ہوں کا اور قائلول کو معنڈ ور سمی گیا ۔ اس میں پر دلیل ہے کہ بخیر مسلموں کے پاس اگرکوئی مسلم قیدی بھی مہوتو بھاگ کر محیل کا رہا گئی ہے۔ اس کا کفارہ بھی کوئی نہیں ۔ ہرصورت اس ہمن کا فرض ہے پر اضطراری نتم ہے ، اور تسم اگر مجبولاً کھائی تھی تو اس کا کفارہ بھی کوئی نہیں ۔ ہرصورت اس ہمنوں کا فرض ہے کہ رہائی کا ہم میکی صدر کہ ہے۔

لا الكادئ ذا را الكرائي الكري معنى الكريكان دونوں كامكم الكرے و وسرايركر جب الله تعاسك وادالاسلام اور دادالكفر ميں امتيا نرب ياكم دسے تومسلم كو دارا كفريا دارا كوب ميں جائز نہيں بمسلم اور عنر مسلم آبادى ميں فرق مونا جاہمينے تاكہ دونوں كى آگ اوراس كا دھؤاں وا منع طور بر نظرا شے نزيہ كرمسلم ان ميں رہ كر ان كى آك كا مبلناد كيما كرے - تاركا معلى علامت جى ہے اس مودت ميں معلى برہے كرمسلم كو كا فرسے مشابهت ند دكھنى جا ہيئے ، ان مبيى جال و هال، دفتار و گفتار ، نشست دبر فاست، فتيار نزگرے بكہ متا زرسے ۔

بَا سِب فِي التَّوَكِي بُومَ الرَّحْفِ

معرکہ جنگ سے منہ بھیرنے کا باب۔

٢٩٣٧ - حَكَّا ثَنَّا اَبُوْتُوْ بَنَا الرَّبِيُحُ بُنُ نَا فِعِ نَا اَبُنَ الْسُبَاءَ الْحِ عَنُ جَرِبِيهِ مِن عَانِمِ عَنِ الرُّبَيْرِ بْنِ خِيرِ بَنِ عَنْ عِكْرِمَتَ عَنِ ابْنِ عَبَّاسٍ قَالَ نَذَلَتُ اِنَ كَيُّنُ مِنْكُمْ عِثْرُوْنَ حَابِرُونَ يَغْلِبُوا مِمَا نَيْنِ فَتَنَّ لَا لِكَ عَلَى الْمُسُلِمِينَ حِبُن فَرَضَ اللَّهُ عَلَيْهِ مُوانَ ك يَغِرُوا حِنَّا مِنْ عَشَرَةٍ لِنْ مَرَانَّ مَا جَاءَ تَخْفِينُ فَقَالَ اللَّانَ خَفَفَ اللَّهُ عَنُكُوفًا أَبُو

تُؤْمِثُهُ إِلَىٰ قُولِمٍ يَغُلِبُوُ اللَّهِ مُنَاكِبِ قَالَ فَكَتَا خَفَّفُ اللَّهُ عَنْهُمُ مِنَ الْعِلَاقِ نَقَصَ مِن

الصَّبُوبِقَ لُهُ دِمَا خَقَفَ عَنْهُ حُرٍ ـ

ابن عباس منے کہاکہ یہ آ بت نازل ہوئی: اگرتم میں سے بہیں صابر ہوں تو دوسو پر خالب آئیں سگے ۔
الانفال ۱۵ و تو یہ مکم مسلما نول پرش قی گزرا کہ دس کے مقل بلے سیے ایک فر ار نہ کرے و پھر شخفیعت آگئی اورالٹہ تعالیٰ نے فرایا: اب الٹرنے نہارے یہے تخلیف کر دی ہے ، ابو تو برا دی نے یکٹے لبٹوا جا ہی بی بہت ہیں آگئی اورالٹہ تعالی الانفال ۲۰ و ابن عباس من نے کہا کہ حب الٹہ تعالی کی سے تعداد میں شخفیعت کی دوو کے مقابلے میں ایک فرار نہر کہ سے تعداد کے کہ سے تعداد کے کہ سے فرار کی اور کر مطلب یہ کہ دگئی تعداد کے مقابلے سے فراد کر ناتو نا جا گئے ہے لیکن اگر کسی میں صبر و فرات کی کیفیت اب جی زیادہ ہوتوا تنی بی زیادہ تعداد کے مقابلے سے فراد کر بی تیار مہوسے گا ۔ دور اول کی جنگوں میں اس کی سیستما اب جی زیادہ ہوتوا تنی بی زیادہ تعداد کے دمقا ہے سے تیار مہوسکے گا ۔ دور اول کی جنگوں میں اس کی سیستما اب ملکتی ہیں ۔

٢٧٣٠ حُنَّا ثَكَا آحُمَٰ ثُنُ يُؤنشَ بَا ثِهَا يُزَيْدُ بُنُ اَيْنِ لِللَّهِ الْنَ

عَبُلَا لِرَّحْمُنِ بُنَ أَفِي لَيْنَ حَلَّا تَنْزَاتَ عَبُلَا لَلْهِ بُنَ عَبَرَحَتَّا ثَنَا كَانَ فِي سَمِرَيَّةٍ مِنْ سَرَايًا رَسُولِ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْمِ وَسَلَوَ فَالَ فَعَاصَ النَّاسُ حَيْصَتُرَ فَكُنْتَ فِهُنَ حَاصَ فَكَتَا بَرُزُنَا قُلُنَا كَيْفُ ثُصَنَعُ وَقَلْ فَهَدُنَا مِنَ الزَّحْفِ وَبَوُنَا بِالْفَضِ فِلْكُنْ نَدُا نُعَلَى الْسَايُنَةَ فَنَنْهُ تَسَوِيهُ النَّذُ هَبَ وَلاَ بَرَا مَا اَحَدُ قَالَ فَيَ خَلْنَا فَقُلْنَا لُوْعَرَفَلْنَا عَلَى الْمَا الْمُنْ اللهُ الْمَا الْمَا الْمَا الْمَا الْمَا الْمَا الْمَا الْمَا الْمُنْ اللّهُ اللّهُ الْمَا الْمَا الْمَا الْمَا الْمَا الْمَا الْمُعَالِمُ اللّهُ الْمُنْ المُنْ الْمُعَالِمُ اللّهُ الْمُعَالِمُ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُؤْمِنِ الْمُنْ الْمُؤْمِلُ الْمُنْ الْمُؤْمِلُ الْمُن الْمُنْ الْمُن الْمُنْ الْمِنْ الْمُنْ الِمُنْ الْمُنْ الْمُنْ ال

ٱنْفُسَنَا عَلَىٰ رَسُولِ اللهِ مَسَلَّىٰ اللهُ عَكَيْرِ وَسَلَّمَ فَالْتُ كَانَتُ لَنَا تُوْبَدُّ ٱ قَمْنَا وَإِن كَانَ غَيْرُ

ذ لِكَ ذَهَبُنَا قَالَ نَجَلَسْنَا لِرَسُولِ اللهِ صَلَّى اللهُ عَكِيْرُوسَ لَّحَ قَبْلَ صَلَّا فَا فَجْرِقَكَما فَوَرَحُ تَمْنَا

اِيبْرِفَقُلْنَا نَعْنُ الْفَرَّارُونِ فَا تُبَلِّ اِلْمِنَا فَقَالَ لَا بَلُ انْتُمُ الْعَكَّارُونَ قَالَ فَمَا نُونَا فَقَبُلُنَا مَدَهُ فَقَالَ اَنَا فِئَةُ الْمُنْلِمِينَ -

٨٩٨ - حَكَّا ثَنَا مُحَكَّدُهُ ثِنَ حِفَامِ الْمِصْرِيُّ نَابِشُهُ ابْنُ الْمُغَضَّلِ مَا دَا وَكُوْنَ وَفَى نَصْرَةَ عَنُ وَفِي سَمِيْدٍ فَأَلَ نَذَلَتُ فِي يَوْمِ بَدُدٍ وَمَنْ يُوتِهِمْ بَوْمَدِنٍ حُبُرَةً -

ابوسعیدطسے روایت ہے کہ یہ آیت جنگ بدر کے بارے میں اُتری تقی: اور جو کوئی اس ون اپنی پشت پھرنگا اُلا الا نفال - ۱۱ - دنسانی اس آیت سے معلوم ہوا کہ سوائے وواسٹنٹنائی صور تول کے میدان جنگ سے فرار حائز شہر -وونوں صور توں کا ذکراوں آ چکا بعنی جنگی چال اور کڑوفڑ کے نیے پیچے مٹمنا یا کسی مجبوری کے باعث بنا ہ گاہ میں جاکہ از سر نو تیا ری کہ نا ۔ یہ آیت میسا کہ ابن جریہ طبری کی متحقیق ہے نا زل تو اہل بدر کے بار سے میں ہوئی متی د بینی شان نزول اس کا یہ تقالا ورمکم اس کا عام ہے ۔ والٹ داعلم با تصواب ۔

كاكن في الكري برم يحري على الكفر

٢٩٢٩ حَنْ نَتُكَا مَكُنُ مَكُونُ عَوْنِ قَالَ انَاهُ شَيْنُ وَخَالِمَا عَنْ إِسْمِعِيْلَ عَنْ الْمُعِيْلَ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ ا

باب فى حكوالجاسوس إذا كان مسلمًا مسلمًا مسم بارس معمر كاباب

. ٢٧٥ رَحَكَا نَنَا مُسَدَّةُ فَالَ ثَنَا شَفَيَانُ عَنْ عَمْيِرُوحَةً ثَنَا الْحَسَنُ بُثْ مُعَمَّدِهِ بْنِ عَلِيِّ ٱخْبَرُهُ عُبَيْدُ اللَّهِ بْنُ أَيْ مَ افِع وَكَانَ كَا رِبًّا لِعَلِيّ بْنِ أَ في طالِب فَالَ مَمِعْتُ عَلِبًا يَقُولُ بَعَثَى ٰ رَسُولُ اللَّهِ صَلَّى اللهُ عَبَيْسِ وَسَلَوَ أَنَا وَالنَّرُبُيرَ وَالْمِقْلَلا دَ عُقَالَ انْطَلِقُوا حَتَّى تَاتُوارُوْضَتَ خَاجِ فَإِنَّ بِهَا ظِيبُنَةٌ مَعَهَا كِتَابُ فَعُ لُوهُ مِنْهَافَانُطَلَقُنَا تَنْعَادِي بِنَا خَبِكُنَا حَتَّى ٱنْبُنَا الرَّوْضَةَ فَادِدًا نَحُنَ بِالطِّعِينَة وَقُلْنَاهُمُ مِي الكِتَابَ فَالْتُ مَاعِنْهِ يُ مِنْ كِتَابِ فَقُلْتُ لَنْحُلَحِنَّ ٱلكِتَابَ ٱولَكُلِعَبَنَ التِّيبَابَ فَالَ فَأَخْرَجُتُهُ مِنْ عِقَامِهَا فَأَتَيْنَا بِمِ النَّبِيَّ عَلِيتُ مِ السَّكَامُ فَاذَا هُومِنْ حَاطِب بْنِ إَبِى بَلْنَعَةَ إِلَى نَاسٍ مِنَ الْمُشْرِكِ بْنَ مِبْحُبِرُهُوْ بَبَعْضِ ٱمُرِدَسُولِ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَكَيْرِ وَسَلَّمَ نَفَا ثِي مَا لَهُ ذَا يَا حَاطِبُ فَعَالَ يَا رُسُولَ اللهِ لَا تَعْجُلُ عَنَى فَإِنِّى كُنْتُ امْرَأَ مُلْعَقَّا فِي خُرَيْشٍ وَكُوْ أَكُنُ مِنْ لَانْفُسِهَا وَإِنَّ قُرَيْشًا لَهُوْ بِهَا قَرَا بَاتٌ يَحْمُونَ بِهَا أَفِيلَهُمُ بِمَكَةَ فَأَجُبُنُ اذْ فَا تَنِي خُلِكَ أَنُ أَتَّخِذَ فِي فِي مُرْيَدًا يَحُمُونَ قَرَابَتِي بِهَا وَاللَّهِ بَا رَسُوُلَ اللهِ مَا كَانَ بِى كُفُرُ وَلَا إِنْ صِكَا اذَّ فَعَالَ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْسِ وَسَلَّم كُنُكَ فَكُ فَفَالَ عُمَرُدَعُنِي أَضُرِبُ عُنْقَ لَهٰ ﴿ الْمُنَافِقِ فَقَالَ مَ مُسُولُ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَكَبُ مِ وَسَلَمَ قَىٰ شَهِمَا بَدُ مَا وَمَا يُدُودِيْكَ تَعَلَّ التَّمَا إِ طَلَحَ عَلَى أَهُلِ بَدُيرِ فَقَالَ إِعْمَكُوا مَا مِشْتُتُكُو فَقُلَاغُغُرُ تُلِيكُورُ

حضرت ملی سیسے کا تب عبیدالند بہا ہی دافع نے کہا کہ میں نے علی انکو بید کھے سُنا کہ دسول النہ سلی النہ علیہ وسلم مجھے ، ذہر بڑا ور مقداً دکو بھی اور فرایا بتم جاؤٹھٹی کہتم روصۂ فارخ میں بنجہ تو وہاں ایک مساؤعورت مباری سے، اس کے پاس ایک خطسے وہ اس سے سے ہو ۔ بس ہم گھوٹے ووٹرا سے ہوسے سگنے حتی کردوم آئر پر بہنچے اور نہر نے اس عورت کود مکھا ۔ ہم سنے کہا کہ وہ خط الاؤ ۔ اس سے کہا کہ میرسے پاس کوئی خط نہیں ، میں سنے کہا کہ یا تو خط نکال دسے ماہم تیرسے کہا ہے ۔ قبس اس سنے وہ خط اپنے موٹر شدے سے باہر نکالا جم وہ خط بنی میں اس نے ایک بیس لاسٹے توکیا و شکھتے ہیں کہ وہ ما طریب بن ابی ملتع میں کی طرف سے معنی مشرکوں کی طرف عتا ۔ اس میں اس نے ایک بیس

0000000000000000 رسول التُرصلي التُرعليه وسلم كى تعفن خبرى بنا فى تتيس يس مفنور نے فرايا اسے مياطب بيد كيا ہے اس نے كها يارسو مجریر مبدی مذفر مائیے کیونکہ میں ایک ایسا آدمی تفاجو قرکیش کے ساتھ ملابا ہوا تفا مگران میں سے نمیں عقا ،اور قرکیش کی رمي *درشت*داد يا*ک پير*جن سکے باعدت وہ کہ ميں ان سکےابل وعيال کی حفاظت کر سے ميں - مجھے جب رہونز مائس پرفتی نومس سنے جا ماکم اُن برکو ٹی احسان کروں ناکراس سے سبب وہ مکہ مس میرسے دشتنہ داروں کی حفاظت کر س۔ والسُّراٰ تشرك رسول مي كافر ومر مد ته ته مهر يس رسول الشرصلي الشرعليه وسلم في فرايا: اس في مست سيح بولا سب بيس وِ سنے کہا بادسول الشرمجھے اس منافق کی گروں اڑانے دیجئے۔ رسول اکٹرمسلی انٹرملیہ وسلم سنے فرہا ، بہ بیز من ما صُنه مقااً وسخف كيايته مثنا يدالله تعالى ف ابل بتربير حجا نكااور فرما يا بم جوميا بوكمه ومس في تهيل تجن ديا ہے ښ*راحير ،لسانۍ .*ا ورا يودا ؤ دس کتاب ا نسنټ پس بير آ ـ منٹمے جے: اس مدیث میں بیرنقتی حکم سے کہ تا ول کے سا عذکسی نا مائنر کو مدال کرسنے والا مان بو حوکر سرام کو صلال ینے واسے کی مانز بنیں سے۔ا ورائس میں بیر تکم تھبی ہے کہ حب کوئی شخص ناویل سے حرام کا ارتبکاب کہ ہے بحک تا ویل کی اس میں گنجا نٹش بھی ہو۔ تو تکزر مش کر سنے میں اس کا قول قابل قبول ہوگا اگر دیے غلاف اس سکے ضلاف میو، حا لملہُ ت كواس سيسے مان ليا كيا كراس كى گنجائش موجود ہتى . حالانكہ گنجائش كاس بات كى ہى تقى تبوي حذرت عمر خسنے كہى تقى -دسول الشّرصلى الشّرعلية وسلم <u>نے حضرت عمرم</u>ن كى بات كا احتمال نهيں ما ناا ورصا طبطٌ كا دعوىٰ فتول فرمّا ليا -اس-کم حبب مباسوسی کمرے تواکسے قتل نمنی کیا ما تا اس کی منزامی البتدا ختلات ہے بحنفید سفے اس قسم کی صورت میں مبی قتیدا ورعقومت تجویز کی ہے۔ اور اعتی نے کہا کہ سلم مباسوس کو توسندید عبر نمناک ترزادی مباسے اور ذمی ماسوس کا عهد ذمته نوط گیا - مالک سنے کہا کہ میں سنے اس لمی کھے نہیں سُناا ورمیرے نزدیک بہرَسندا مام کی دائے پ موقوف سے سن من منی مد کہا کہ اگر یہ کام جہالت سے ہوجیسا کہ ما طائع کے معاسطے میں ہوا ، اور اس برکو ڈی تہمت دم ہو ب پیرہے کماس سے درگزر کیا جائے ۔ بہتب سیح بکہ یہ فعل کسی صاحب عزت واکرام سے مرزد مو۔ اگر نے وال کوئی اور بو توا مام استے تعزیر کرسکتا سے رخطانی

کاس وعد سے ماطب کی تشریعت و کرم ما درا عواز و اکام تعدال فرامای اس سے بیتہ جلاکہ ائدہ گنا ہوں کی معافی مراد سے اور بران حفرات کی تشریعت و کرم ما درا عواز و اکام تھا۔ اس قیم کی بات اس سے کہی ہاتی ہے جس پر باعماد ہوہ دہی حالمت کی خلطی، سویدایک احبتما دی فلطی بھی جس کا عذر رسول اسٹرصلی الشرعلیہ وسلم نے قبول فرالیا تھا، اس وعدے کا مطلب بیرنہ تھاکہ ان میں سے کسی سے کوئی گناہ نہ ہوگا۔ اب ایک واقعہ تو یہ ہمارے ما سف سے قدامہ بن ظعول کی خلاب میں شارب ہی تھی جسطے بن اثا ثر نے اہل الک سے ساتھ مل کرام المؤمنین امنی کسی تھیں۔ اس بات برعل اور کا اتفاق سے کریہ و عدہ امور آئرت کے متعلق سے نکہ ونوی کے متعلق سے نکہ ونوی اسٹرصلی الشرعلی ما القدر محافی سے درسول احکام مثلاً مور آئرت کرت کے متعلق سے نکہ ونوی الشرصلی الشرعلی مقدر سے اس محل برائی مقوق کے اور اس سے اس محل میں بریجا تھا۔ مقوق کے درسے بہور اور اس سے اور دوانا مختل کے فرد سے نہیں تکا لیف بہور اور کی دوانا مختل کے درسے بہور کے اور اس سے نکہ والی دوانا مختل کا ایک والے ایک دوانا مختل کے درسے بہور کے اور اس سے نکہ اور کی دوانا مختل کے درسے بہور کی دوانا مختل کے درسے بہور کی دوانا مختل کے درسے بہور کی اور کی دور نا مختل کے درسے بہور کی اور کی دور نا مختل کے درسے بہور کی اور کی دور دور نا مختل کا دیا ہور کی دور کی دور دور کی دور دور کی طور کی دور کی دور

ا ١٧٥٥ حَكَّ نَنْ الْمُعْبَ بُنَ بَظِيَّةَ عَنْ خَالِمٍا عَنْ حُصَبُينِ عَنْ سَعَلَا بَنَ عُبَهُ لَا لَا عَنْ حُصَبُينِ عَنْ سَعَلَا بَنَ عُبَهُ لَا عَنْ اللهَ عَنْ اللهَ عَنْ عَبِي بِهِ لِهِ لَا لِقِصَّلُو قَالَ اِنْطَلَقَ حَاطِبُ فَكَتَبُ عَنْ اَبِي عَنْ عَلِي بِهِ لِهِ لَا لِقِصَّلُو قَالَ اِنْطَاقَ حَاطِبُ فَكَتَبُ وَقَالَ فِيهُ وَقَالَ فِيهُ وَقَالَ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ ال

عدنت علی کا نمی بی روایت دو سرے طلق سے ۔ اس میں علی کا قول ہے کہ ما طب نے اہل مکہ کو لکھا کہ محد صلی النٹرعلیہ وسلم کونس ا پنے اور پر مملہ ہونے ہی سمجہ لو۔ اور بہ بھی سے کہ یا اس عورت نے کہا میرے باس کوئ خط نہیں تو ہم نے اس کی اونٹنی بٹھا دی اور اس کے پاس کو ڈخط مذبا پا ۔ نیس علی اسٹے کہا ۔ اُس النڈ کی قسم حس کی قسم کھائی مباتی سے ، میں مجھے قتل کر دول کا ور مذخط نکال وسے الح ۔

منتمریے: دوسری احادبیٹ سے پتہ میتا ہے کہ اس مہم برجانے واسے چار آدمی سنے، کہیں صرف دوکا ذکر بہوا اور اس ندیا دہ کا ۔ بخاری سنے کتاب المنازی میں الومر ڈکٹٹ علی بی کا ذکر بھی کیا ہے۔ کمہ کے بن دؤ سائر کوخط اکھا گیا تھا ان کے نام بہ ہیں: سہیل بن عرو، صفوان بن امیّہ اور عکرمہ بن الوجہ کل۔ بعد میں یہ تمینوں دمنی النّدعنہم کے ذمرے میں شامل ج باعبل في أنجاسوس الكناتي

١٧٥٢ - حَكَّا ثَنَا مُحَمَّدُ بُنُ بَشَّارِ فَالَ ثَبَىٰ مُحَمَّدُ بُنُ مُحَمَّدُ بُنُ مُحَمَّدُ بَنُ مُحَمَّدِ بِ
الكَّلَالُ قَالَ ثَنَا مُنْفَيَا كَ بُنُ سَعِيْهِ عَنْ آنِ إِسْلَحَى عَنْ عَامِ فَقَبْنِ مُخْتِرِ بِ
عَنْ فُرَاتِ بُنِ حَبَّانَ اَنَّ رَسُولَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْ مِنَ الْمَنْ اللهُ عَلَيْ مَنَ الْمَنْ اللهُ عَلَيْ مَنَ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهِ وَكَانَ عَبُنَا لِا فِي سُعْيَانَ وَكَانَ حَلِيهُ قَالَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ وَكَانَ عَبُنَا لِا فَيْ مُنْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلِي اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ الل

فرات بن حیان سے روایت ہے کہ رسول الٹرملی الٹرعلیہ وسلم نے اس کے روات سنے کہ تال کا حکم دیا تھا اور وہ البوسفیان کاجا سوس بھا اور ایک الفہا دی کا حلیف تھا۔ بس وہ الفہار کے ایک علقے برگز راا ور اولا : من مسلم موں، بس انعار میں سے ایک موسی سے ایک موسی ہوں جھنوٹر سنے فرایا: تم ہیں کچے اسکے لوگ ہیں حبندی میں ان کے ایمان کے بہر دکرتے ہیں، ان ہیں سے ایک فرات بن حیان می سے دمندری سنے کہ اسے کہ اس مدین کا ایک را وی ابوہم م الدّلال ناقا بل احتجاج ہے ۔ فرات بن حیان کا مال اسلام لا سنے کے بعد بہت احتجا موگ یا تھا ۔ اس مدین کا ایک را وی ابوہم م الدّلال ناقا بل احتجاج ہے ۔ فرات بن حیان کا مال اسلام لا سنے کے بعد بہت احتجاج موگ یا تھا ۔ اس مدین کا مال اسلام اللہ میں ہوگ یا تھا ۔ ابودا و دسنے موسوں تھا۔ ابودا و دسنے میں میں ہوگ یا تھا ۔ اس مدین باب سے عیر متعلق ہے)

كان في الجاسوس المستكامين منائد ماسي كالاس

سر ۲۹۵ مر ۲۹۵ مر المُحَالِمُ الْحَسَنُ بُنُ عَلِيَ قَالَ ثَنَا اللهُ نَعَيْمِ قِالَ ثَنَا المُوْعَمَيْسِ عَنِ (بُنِ سَلَمَةُ بُنِ اللهُ عَلَيْمِ وَسَلَمَ عَنَ اللهُ عَنَ اللهُ عَنَى مَنَى اللهُ عَلَيْمِ وَسَلَمَ عَنُ اللهُ عَلَيْمِ وَسَلَمَ عَنُ اللهُ عَلَيْمِ وَسَلَمَ عَنُ اللهُ عَلَيْمِ وَسَلَمَ عَنَ اللهُ عَلَيْمِ وَسَلَمَ وَهُو فِي سَفِرِ فَ جَلَسَ عِنْ لَا أَحْتَالِم ثُو النّسِلُ فَقَالَ النّبِي صَلَى اللهُ عَلَيْمِ وَسَلَمَ وَهُو فِي سَفِرِ فَ جَلَسَ عَنَ اللهُ عَلَيْمِ وَسَلَمَ وَهُو فِي سَفِرِ فَ جَلَسَ عَنَ اللهُ عَلَيْمِ وَسَلَمَ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ مَا اللهُ عَلَيْمُ وَاللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْمُ وَاللّهُ اللهُ عَلَيْمُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ اللهُ عَلَيْمُ وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْمُ وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْمُ وَاللّهُ اللهُ عَلَيْمُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْمُ وَاللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْمُ اللّهُ عَلَيْمُ وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْمُ وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْمُ اللّهُ عَلَيْمُ اللّهُ عَلَيْمُ اللّهُ اللللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ الللللّهُ الللّهُ الللّه

سلم بن اکوع دسنے کہا کہ رسول الٹرصلی التہ علیہ وسلم سفر میں سقے کہ آپ کے پاس مشرکوں کا ایک ہاسوس آیا پس وہ آپ لیے اصاب کے پاس بیٹھا بھر کھیسک کیا۔ بس رسول الٹرسلی الشرعلیہ وسلم سنے فرمایا: اسے تلاش کرواور قس کرد ویا اوراس کا سامان سے بہلے اس نگ بہنچا اورا سے قس کر دیا اوراس کا سامان سے بہا تورسول الشرف صلی الشرعلیہ وسلم سنے وہ مجھے ہی عطا فرما دیا ۔ در مجاری، ابن مامیدا ورنسائی ، مجاری سنے کمن ب امیما وہیں اسس معلی مستا من محدیث کو حس با بہم بیان کیا ہے اس سے بہت مہلنا ہے کہ ان کے نند دیک وہ شخص مربی کافر مقام نہ کہ مستا من مقدر اسے میں معلوم نہیں کیسے ہا کی مدیث میں تقدیل آتی ہے ۔
میں تقدیل آتی ہے ۔

م ٢٧٥. حَكَّانَكَ أَحَارُونَ ابْنُ عَبْدِاللَّهِ أَنَّ هَا شِعَرُبُنَ الْقَاسِمِ وَ هِشَامًا حَدَّةَ تَاهُوْ فِالْاثْنَاعِكُرِ مَنْ بُنُ عَمَّايِ قَالَ ثَنِيٌّ إِيَاسُ بُنُ سَلَمَةَ قَالَ ثَنِي أَبِي فَالَ غَرُوتُ مَعَ رَسُولِ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْسِ وَسَلَّمَ هُوَانِ نَ اللَّهُ بَبُنَمًا نَحُنَ أَنَن ضَحْى وَ عَامَّتُنَا مُشَاةٌ وَفِينُنَا ضَعَفَةٌ إِذُ جَلَارَجُلُ عَلَى جَمَلِ ٱحْتَرَفَا نُتَزَعَ كَالْقًامِنُ حَفُو الْبَعِيْرِفَقَيْتِنَا بِهِ جَمَلَهُ ثُمَّرِجَاءَ يَنَغَنَّا يَامَعَ الْقُومِ فَكَمَّا لِهِ اي حَنَعَفَتَهُمُ وَرِقَتَهُ لَهُمْرِهُمُ خَرْجَ يَعُكُ وَإِلَى جَمَلِهِ فَا كُلُقَهُ تُكُرِّ إِنَا خَمُ فَقَعَكَ عَلِيْهِ تُتَوْخَرَجُ يُرْكِضُهُ وَاتَّبُعَهُ مَ جُلَّ مِنْ ٱسْلَوَعَلَى نَاقَالُهِ وَمُنَافَاءُ هِي ٱلْمَثُلُ ظَهْرِ الْقَوْمِ قَالَ فَخَرَجْتُ أَعُمَّا وَفَادُمَ كُتَّهُ وَى أَسُ النَّا قَرْعِنْ لَا وَي لِذِا لَجِمَلِ وَكُنْتُ عِنْ لَا وَمِ لِذِ النَّا قَرْ ثُمَّ زَنَفَهَ مُتَ حَتَّى كُنْتُ عِنْدَا وَرِكِ الْجَمَلِ ثُوَّ لَقَدَّ مُتُ حَتَّى آخَذُتُ بِخِطَامِ الْجَمَلِ فَأَغَثُهُ فَكَمَّا وَضَعَ 'رُكُبَتَهُ بِالْاَمَ صِ الْحَتَرِظُتَ سَبُفِي فَالْمُرِبِ مَا إُسَهُ فَنَكَادَ فِيمُتُ بِرَاحِلَتِهِ وَمَا عَلَيْهَا ٱقُوْدُ هَا فَاسْنَغُهُ كَنِي رَسُولُ اللهِ صَلَى (للهُ عَكَيْسِ وَسَلَّحَ فِي النَّاسِ مَقْبِلًا فَقَالَ مَنْ مَنَالَ الرَّجُلَ فَقَالُوا سَكَمَدُ بُنُ الْأَكْوَعِ فَقَالَ لَهُ سَلْبُهُ أَجْمُعُ فَالَ هَا مُأُونُ هُ نُهُ الفُظَهُ الشِّحِ ـ

۔سلدبن اکوسٹے نے کہاکہ میں رسول اسٹرصلی اللہ علیہ وسلم کے سابقہ ہواندن کی لڑائی دحنگ سے نبین ؟ میں سٹائل مقاسلت بنے کہاکہ اس اختاد میں کہ ہم دن کا کھا ناکھ درہے سقے اور ہم میں سے عام نوگ پدل سقے ، اور ہم میں کیجہ کمزور لوگ ہی میتود

تے کہ اچا نک ایک مردا یک ٹرخ اونٹ پرآیا، پس اس نے ایک رسی اونٹ کے تقیلے سے نکالی اوراس کے ساتھ اپنا اورنٹ با ندھ دیا، پرآگر ہوگول کے ساتھ کھا نا کھانے لگا۔ پس جب آس نے بوگوں میں سے کمزوروں کو دیکھا اورال کی سوارلیوں کی کو دیکھا، نکل کرا ہے اونٹ کی جانب بھا گئے تھا۔ پس سے بنا اونٹ کھولا بھر اسے سٹا ہ بار پر مبعد گیا اور آسے جنگا کہ نکل گیا۔ فلیل آسلم کا ایک آ دمی ایک ناکستری رنگ کی او ملنی پر جواس وقت قوم کی بهترین سواری ھی اس کے بیٹھے سے اورائی میں اس کے بیٹھ ہوئی کا مرا ونٹ کے مرکزی سے مبارکی اورائی میں اونٹ کے مرکزی کے باس جا بہتا ، بھر میں آگے بڑھا حتی کہ میں اونٹ کے مرکزی کے باس جا بہتا ، بھر میں آگے بڑھا وہا سے سراپر وے اونٹ کی میں ہوئی کا مرا ونٹ کے مرکز ہو ہو اونٹ کی میں ہوئی کا مرا سے مبرا ہو ہوئی کے مرکزی کے باس جا بہتا ، بھر میں آگے بڑھا دیا ۔ جب اس نے اپنا گھٹنا نہیں بہر ہوئے آپی نبوار کھنچ کی اوراس سے مرکز ہوئی وہ اس میں اوراس کے مرکزی دے اوراس کے مرکزی دے اوراس کے مرکزی کی میں اوراس کے مرکزی کی میں میں اوراس کے مرکزی کی میں میں اوراں کے مرکزی کی میں اوراں کا مرکزی کی مواری اوران مال کو آگے سے بارگو کی سے تارہ کی میں ہوئی کہ ہوئی ہوئی ہوئی ہوئی ہوئی ہوئی ہوئی کہ دیا ہوئی کو اوراں کو آگے ہوئی کو کہ کے دون دراوی سے کہ کوگوں نے کہ کہ ہوئی کا مرکزی کا ہے۔ جا دون دراوی سے کہ کا کہ ہوئی کی کا مواری اوران کو ایک ہوئی کی کہ ہوئی کہ ہوئی کو کی کہ بیا جہا دی کہ کہ بیا جہا دی کہ کہ ہوئی کہ کا میا ہوئی کی کہ بیا جہا دی

شہرے: اس مدین سے حربی جاموس کے قتل کا مکم معلیم ہوا اور سب مسلمانوں کا اس پرا جماع ہے۔ نووی سے کہ ہماں تک میں برا ور ذبی جاموس کا موال سے مالک اور اولا تی کے نول کے مطابق ان کا عہدا ور عفد ذمتہ نوسط جا تا سے لہذا س کا قتل بھی جا تا سے لہذا س کا قتل بھی جا تا سے لہذا س کا قتل بھی جا تا سے لہذا س کا قتل ہیں جا تو سے اس کا معد نہیں اور حمد میں بیر شرط مجی تھی کہ جاموس نے متعلق طابق ، اور آتھی ، ابو صنیفتہ ، بعقی مالکید اور جما ہیر عماء کا یہ تول ہے کہ امام ہو مرا جہ اسے و سے مثلاً مار میٹ اور میں اور جما ہیں عماء کا یہ تول ہے کہ امام ہو مرا جہ اسے مگر تفقیل نہیں بنائی اور میں ہو تی ہو تو اسے تول ہے کہ اسے مگر تفقیل نہیں بنائی اور امس کے احتماد کہا ہو جو گرا سے مگر تفقیل نہیں بنائی اور اصحاب ما ہو تول ہے تول کہ اسے کہا سے کہا سے تول کہ وہا میں جو بہا ہو تول ہے تول کی جائے ہو تول ہو تول

بابل في أي وفن بشيخت اللقام كروت وطن كامق بدستب،

مه ۱۹۵۵ حتى مَنَامُوسَى بَنُ السِمِينُ النَّا مَنَا حَمَّا ذَّ فَالَ اَنَا اَبُوعِهُ وَانَ الْجَوْنِيُ الْمَا عَنْ عَلَمَا اللَّهُ مَا اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ مَا اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ مَا اللَّهُ مَا اللَّهُ مَا اللَّهُ مَا اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ مَا اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ مَا اللَّهُ مَا اللَّهُ مَا اللَّهُ اللللْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللللْمُ اللَّ

کتے سے اور فرملیا: اے نوگو! بے آپ مپرنری کروکیونکت کوتم بکارتے ہو وہ ہرہ یا نائب نہیں ہے وہ سننے والا اور قریب ہے)

بَاسِِّكِ فِي الرَّجِلِ بَنُرَجِ لُ عِنْكَ اللِّفَاءِ

باب اس آومی کا حومقا بلے کے وقت پیدل موجائے

١٧٥٨ - كَنَّ الْكُنَّ الْكُنَّ الْفِي الْمُنْ الْفِي اللَّهُ قَالَ الْمُنَا وَكِيْعٌ عَنُ إِسْمَا لِيُلْكَ عَنَ الْفِي اللَّهُ عَالَ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ الْمُشْمِ كِيْنَ بَهُ وَمَ اللَّهُ عَلَيْهِ وَاللَّهُ عَلَيْهِ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهِ وَاللَّهُ اللَّهُ اللْمُنَالِمُ اللَّهُ اللْمُلْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ

گرادین نے کہاکہ جنگ تنگن میں نبی صلی اللّٰہ علیہ وسلّم جب مشرکوں کے سامنے ہوئے تو وہ شکست نور دہ ہوکہ عبا گے ، بس رسول اللّٰہ صلی اللّٰہ علیہ وسلم اپنی نجر سے الدّکہ بدیل ہوگئے۔ ریخاری، نسائی مرحمہ میں میں اللّٰہ کر سال میں میں اللّٰہ کے اللّٰہ میں میں اللّٰہ کے اللّٰہ میں میں اللّٰہ کے اللّٰہ میں میں

عب سے ، بل دعول السرسی السراسی و سیم اپی جرسے امرار پیدل ہوسے ۔ (جادی اسای)
سامی بیتین والمجاز کے مہلو میں طالف کے قریب مکہ سے ۱۳ میں دور (عرفات کی طون سے) واقع سے ۔
ا میانک حملہ اور ہوئے ۔ سلما نوں میں مجلڈر حجی کیونکہ یہ حملہ نہائت ا میا نک اور بخیرمتو قع تھا۔ مکہ کے ۲ ہزار نومسلم ہوفوج کے اگر مسلم ہیں جگڑر ہوار تھے ہوفوج کے اگر مسلم ہیں چھر پر سوار سے بچر پر سوار سے بچر اس سے پنچے انزکر آگے ہوئے میں ایک تواند اور مشکر میں گڑ ہوئے ۔ مسلمانوں نے پاؤں جما سلے اور کفار کو زیمہ وست شکست ہوگئ میراس سے پنچے انزکر آگے ہوئے ۔ مسلمانوں کو نستی کا پہغام اور تمیہ سے ہواندن کی تیرانداندی سے بچرکو کیا نا مطلب تھا مباوا وہ ملیٹ ہیں ۔

بالميك في الخبكري في التحريب (جنگ مي فزكانها د مائز مو كالله د مائز مو كالله ب

٢٩٥٩ - كلّ نَكَا مُسَلِو بَنَ إِبَرَاهِ بُحَ وَمُوسَى بَنَ رَسَمِعِيُلَ الْمُعَىٰ وَاجِنَّا فَالَا ثَنَا اَبَهِ عَلَى عَنْ مُتَحَمِّدِ بَنِ إِبْرَاهِ يُحَوَّى ابْنِ جَابِرِيْنِ عَتِيْكِ فَالَا ثَنَا اَبَهِ بَى عَنْ مُتَحَمِّدِ بَنِ إِبْرَاهِ يُحَوِّى ابْنِ جَابِرِيْنِ عَتِيْكِ عَنْ جَابِرِ أَبْنِ عَتِيْكِ اللهُ عَنْ جَابِرِ أَبْنِ عَتِيْكِ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَكُوكًا نَ ابْنُ وَكُلُ مِنَ الْعُنْدَةُ فِي الرِّيْنَةِ مَا اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ وَعَنْ اللهُ وَالْمِنْ اللهُ وَعَنْ اللهُ وَعَنْ اللهُ وَعَنْ اللهُ وَالْمَالُولُ اللهُ وَالْمُولِ اللهُ وَالْمِنْ اللهُ وَالْمُؤْلِقُولُ اللهُ وَالْمَالِي اللهُ وَالْمَالِيْلُ وَالْمُؤْلِ اللهُ وَالْمُؤْلِ اللهُ وَالْمُؤْلِ اللهُ وَالْمُؤْلِ اللهُ وَالْمَالِكُولُ اللهُ وَالْمُؤْلِ اللهُ وَالْمُؤُلِي اللهُ وَالْمُؤْلِ اللهُ وَالْمُؤْلِ اللهُ وَالْمُؤْلِولُولِ اللهُ اللهُ وَالْمُؤْلِقُ اللهُ وَالْمُؤْلِ اللهُ وَالْمُؤْلِقُولُ اللهُ اللهُ وَالْمُؤْلِقُولُ اللهُ وَالْمُؤْلِقُولُ اللهُ اللهُ وَالْمُؤْلِ اللهُ وَالْمُؤْلِقُ اللهُ اللهُ وَالْمُؤْلِقُ اللّهُ وَالْمُؤْلِقُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ وَالْمُؤْلِقُ اللهُ الل

و مَدْ اللهُ فَامِنَا النَّكَيَلَامُ النَّهِ يُجِبُّ اللهُ فَا خُتِيَالُ الرَّجُلِ نَعْسَهُ عِنْ اللِقَامِ اللهُ فَا خُتِيَالُ الرَّجُلِ نَعْسَهُ عِنْ اللِقَامِ اللهُ فَا خُتِيَالُ الرَّجُلِ نَعْسَهُ عِنْ اللِقَامِ اللهُ فَا خُتِيَالُهُ فِي البَعْنَ فَالْهُ فَا الْبَعْنُ فَاللهُ عَنْ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ فَا الْبَعْنُ فَاللهُ عَنْ اللهُ عَنْ وَجَلَ فَا لِخُتِيَالُهُ فِي الْبَعْنُ فَاللهُ عَنْ اللهُ عَنْ وَجَلَ فَا لِخُتِيَالُهُ فِي الْبَعْنُ فَاللهُ عَنْ اللهُ عَنْ وَجَلَ فَا لِخُتِيَالُهُ فِي الْبَعْنُ فَاللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللّهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَنْ اللّهُ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَنْ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَاللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَا اللّهُ عَلْهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَل

ما بربن عنیک روایت بے کرنبی میل الله علیه وسلم نے فرایا ؛ فیرت بیض دفعہ وہ بھی ہے جواللہ تعالی کولیند ہے اور و معظم جو
الله تعالی کونالیٹ ندہے ہیں وہ فیرت جس کواللہ عقر وجل لیند کرتاہے وہ تہدت کے تقام میں فیرت ہے اور جس کواللہ تعالی نالیند کرتا ہے
وہ تہدت اور فئک کے متفام کے بغیر ہے اور فنح اور تحبر ہیں سے عض اللہ کونالیند ہے اور بھش پندلین جس بحبر کواللہ عز وجل لیند کرتا ہے
وہ تکہر ہے جو میدان جنگ ہیں ہے اور وہ فوج وصد فہ دینے وفت ہو اور جس بحبر کواللہ ند لیے نالیند کرتا ہے تو وہ دور و
پر ظلم و زیادت میں نی و دیجر ہے۔ موسلی نے فیز کا لفظ میں بولا (نسائی)

نشرح: عنیرت کامعنی مولانا نے دکھا ہے بحبوب میں کسی کی شاکت کو نابسندگرنا جمت میں عیرت کامطلب بیہ بے کہ مثلاً بنی بچی ، لونڈی یا محارم برجمت آئے توانسان کا دل جوش مارتا ہے اور وہ اسے برداشت نہیں کرسکتا . محسن بد طبی کی بناء میا میں ہوتو وہ ممنوع سے لیکن اگر کوئی سبب موجود موتو بہند بدہ ہے ۔ قتال کے وقت اظہار کہر میر سبح کہ معرکۂ جنگ میں نشا ط قلب، سکون دل اور اطمینان سے داخل مو،اس میں مبلاوت و شجاعت اور تبخر کا اظہار کرسے اور مہنگ اور برطینی سے ۔ اسی طرح نسب، مال و دولت، حس و حبال برغرور کرنا میں اللہ کرکے اظہار فعز و عزور کررے گا تو وہ کمینگی اور برطینی ہے ۔ اسی طرح نسب، مال و دولت، حس و حبال برغرور کرنا می اللہ تعالیٰ کو نا بہند ہے ۔ ان میں سے بعض ج نیری مارون میں اور بعض فطری و من جا نب اسٹہ ۔ لمذا ان میں سے بعض ج نیری مارون میں اور بعض فطری و من جا نب اسٹہ ۔ لمذا ان میں سے بعض ج نیری مارون کی مواد کر سے دے ۔ اسی طرح نسب میں اور کم ظرفی کی علا مت ہے ۔ اسی مواد کر سے دے ۔ اسی مواد کی تعالیٰ کو نا بہند سے دورت کا جذبہ اس بر آمادہ کر سے دلے کا مواد کی تعالیٰ کو نا برخ سے دے ۔ اسی مواد کی آمادہ کر سے دے ۔ اسی مواد کی آمادہ کر سے دے ۔ اسی مواد کی تعالیٰ کو نا بہند سے دیں اور کم ظرفی کی علا مت ہے ۔ اسی مواد کی تعالیٰ کو نا برخ سے دے ۔ اسی مواد کی تعالیٰ کو نا برخ سے دیں اس میں اور کم ظرفی کی علا مد دیں اور کم ظرفی کی علا مدید اس مواد کی تعالیٰ کو نا بدیا کی تعالیٰ کو نا برخ سے دیں اور کم نام دیکھ سے دیں اور کم نام دل کی آمادہ کی تعالیٰ کو ناب کی تعالیٰ کو ناب کو در سے دیں اور کم نام دی سے دیں اور کم نام دی سے دیں اور کم نام دی سے دیں اس کو ناب کی تعالیٰ کو ناب کی تعالیٰ کا مواد کی تعالیٰ کر کا تعالیٰ کی تعالیٰ کی تعالیٰ کا مواد کی تعالیٰ کی تعالیٰ کے دیا کے دیں کا مواد کی تعالیٰ کی

كاعط في الترجيل بهستناسر

کفار کے ہاتھوں قید ہوما نے دارے کاباب مراز در دوہ

١٧٩٠٠ كَلَّا اَنْ اَلْهُ الْمُوسَى اَنْ اللهُ اللهُ اللهُ الْمَالُولُ اللهُ الْمُولُ اللهُ الله

فَكَالَ عَاصِهُ إِمَّا أَنَا فَكُلَ أَنْزِلُ فِي خِمْنِ كَافِرِفَرَمُوهُمْ بِالْنَّبُلِ فَقَتَكُوْ عَاصِمًا فِي سَبُعَةِ نَفَيرِ وَ نَزَلَ إِيَهُمُ وَتَلْتُهُ نَفَرِ عَلَى الْعَهُ بِوَ الْبِيثَاقِ مِنْهُمْ حُبَيْبُ وَدُيُكَ أَبُنَ اللّهُ ثُنَا وَرَجُلُ اخْرُفَكُمَّ إِسْتَمْكُنُوا مِنْهُمُ اَطُلُقُو الْمُسْتَاقِ مِنْهُمُ وَكُبُبُ وَرَبُكُ وَلَيْكَ الْمُعَلِّمُ اللّهُ وَاللّهُ وَلَهُ وَلَا اللّهُ وَاللّهُ وَلَا اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَلَا اللّهُ وَاللّهُ وَالْلّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَالْمُؤْلُولُ وَاللّهُ وَلَا لَا اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَلّهُ وَاللّهُ وَلَا الللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَل

فَاسْنَعَا مُا مُؤْسَى بِسُعِيدًا بِهَا فَلَمَّا خُرِجُوا بِهِ لِبَقْتُ لَوْهُ قَالَ لَهُ مُرْجِبُبُ دَعُو ٱرُكُمُّ رَكُعْتَبُنِ ثُعَ قِالَ وَاللهِ مَوْلَا أَنْ تَحْسُبُوا مَا فِي جَزْعٌ الزِدُتُ.

مشی خ: ان دس اصحاب میں سے چھ کے نام ابن اسحاق نے یہ گنوائے ہیں : عامم بن ٹا بیٹ ، مڑند بن ابی مرثد ، فکریٹ بن عربی بن عربی بن ابنے میں بعتیث فکریٹ بن عدبی در بید بن و شد ، عبدالت رض بن طارق ، خالد فن کمیر، باقی جارک نام ابن سعد نے بہ بنائے میں بعتیث بن عبد رعبدالتد مذکور کا خیفی بھائی موسی بن عقبہ نے مغانتی میں اس کا نام معتوم نہیں بن عقب بہر ریار بیج کہ کہ تاری کی ایک روایت میں ہے کہ ام معتوم نہیں ہوسکے ۔ بہر ریار بیج کہ کہ تاری کی ایک روایت میں ہے کہ آتھ حضارت کے قتل کے بعد میں جارت بن عارث بن معارث بن عمر کوفتل کیا تھا اس کا بدلہ یہ خوال کے بید بن ایک بارمی حارث بن مام کوفتل کیا تھا ام داس کا بدلہ یہ کے بیداس کے بیٹوں نے تکبیش کو خرید لیا ۔ خبیث کے قتل کو باحمہ مست

حمدینوں کے باعث ملتوی کیا گیا عقاءان کے گزد نے کے بعداسے مترح سے با برننعیم میں ہے گئے اوروہ ہیں ہیں یہ کر ڈالا جبر سُیل مندیث سے فقہا دفیات ہے۔ کر ڈالا جبر سُیل فیاس وا قعہ کی اطلاع رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم کودی تھی۔اس مدیبٹ سے فقہا دفیات میں جبوری قید مہونے کی احبازت نکالی ہے گومقا لبہ کر ہے قتل مہوما ناا فضل لکھا ہے ۔

١٢٦٦ - حَكَّا ثَنَا ابُنُ عَوْبِ نَا اَبُوالِيمَانِ اَخْبَرَنَا شَعَيْبٌ عَنِ الزَّهُمِ يَ خَالَ اَخْبَرَ فِي عَلَى الرَّهُمِ يَ خَالَ الْخَبَرَ فِي عَنْ النَّفَ فِي وَهُو كِلِيْفُ لِبَنِي نَهُمَ الْخَبَرَ فِي عَنْ النَّفَ فِي وَهُو كِلِيْفُ لِبَنِي نَهُمَ اللَّهُ عَبْرُونَ مَنْ النَّفَ فِي وَهُو كِلِيْفُ لِبَنِي أَنْهُمَ اللَّهُ الْمُعْلِي اللَّهُ الْ

ا در کی حدمیث کی دوایت دو سری سند کے ساتھ۔

فَا تُوهُمُ فَصُرِفَتُ وُجُوهُهُ مَرْوَاتُبِكُوْا مُنْهَزِمِينَ -

مادلاك في الْحَصَّمَا عِلَا اللهِ فِي الْحَصَّمَا عِلَا اللهِ اللهِ عَلَيْهِ وَالوَّلِ كَابَابِ

٢٧٩٧ - كَكَانْكَا عَبُكُ اللهِ بَنَ عَجَمَّهُ النَّهَ بَكُ مَا زُهَارُ فَا الْهَا اللهِ عَلَى اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى

ابواسحاق نے مبادر کو حدمیث گنائے گئا۔ اس نے کہا کہ جنگ انحد میں دسول الٹرصلی اللہ علیہ وسلم نے بچاس تیرا ندانہ وں مربی عبداللہ من مبلی کو امیر مرقدر فر ما یا اور فرما یا کہ اگر تم دیکھو کہ ممیں مربی ندسے اُ میک اور نوج رسے میں تب ہمی اپنی اس جگہ سے ندم ٹمناحتی کہ میں تتہیں میغیام میں ہوں۔ اورا گرتم ہمیں دیکھو کہ مجم نے اس مشرک قوم کو فٹکست دے دی سے اور انہیں نتا لادیا ہے تو ہے جبی توجی کو ہیں کہ میں تتمہیں میغیام نبھیجوں۔ مرادر منسفے کہا میں اللہ نے انہیں

المشرکوں کو ہشکست دے دی، براء نے کہ والٹری نے عور نوں کو د بکھا کہ وہ بہاڈ کی آٹے کراو پر جارہی ہیں بہی عرائٹ بن جبیر سے سے سے کہا: اے لوگو! مال غنیمت! اے لوگو مال غنیمت، تہما رہے سابقی غالب آ گئے اب تم کس چیز کا انتظا دکر رہے ہو ہ عبدالٹرین جبیر سے کہا: کیا تم بھول گئے تہو کہ رسول الٹرصلی الٹرعلیہ وسلم نے تہمیں کیا فرمایا بھا؟ انہوں نے کہا: والٹریم لوگوں میں جائیں گے اور اپنا حصد ماصل کریں گے بہیں وہ ان ہیں آگئے توالے منہ تعسر دیئے گئے اور وہ شکست کھا کہ بھا گئے در نیا آئی

بَا كِل فِي الصَّفُونِ

صعن بندی کرسنے کا باب

٣٩٩٠ حَلَّا ثَنَا آحُمَدُ اَنَى سِنَاتِ شَا آبُو آحَمَدًا النَّهِ بَيْرِي فَا أَنَا عَبْدًا الرَّبِ بَرِي فَا أَنَا عَبْدًا الرَّحَلِينَ بَنَ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ ا

. TO ED BODERO ED BODERO DE DE DE COMPOSE DE BODERO DE COMPOSE DE BODERO DE SER FORMA DE BODERO DE SER FORMA DE B ابواً سیرُ الکسبن ربیعہ سے دوا ہت ہے کہ اس نے کہا؛ جنا ب دسول الٹرصلی الٹرعلیہ دسلم سنے فرما یا ہجبکہ ہم سنے حبک بررس صغیں با ندھیں ، حب کا فرم ہرآ گڑی توم ان رپر تیراندازی کروا ورا بنے تیر بجا کر رکھو دمبا دا صا رفع ہوں د بخاری کتاب الجما در بعنی نیرنشا نے رپ سکا ؤ ، قریب سے ماروا ورانہیں سنجال کردکھو۔

> مَا دِيل فِي سَلِ السَّيْعُونِ عِنْكَ اللِّفَاءِ مُقَالِمَ مُرَدِّةً تَنِيلُ مِن مُعَنِّمَ كَالِيلُ

مُقَابِ كَ وَتَتَاوَارِي كَيْخِذَكَا بِالِ مَقَابِ كَوَ وَتَتَاوَارِي كَيْخِذَكَا بِالِ مَعْلَى الْكُولِيِّ وَلَيْنَ بِالْمِلْطِيِّ مِنْ الْمَالِيِّ الْمَالِي الْمَالِي الْمَالِي الْمَالِي الْمَالِي عَنْ جَدِّمٍ وَلَيْنَ بِالْمِلْطِيّ عَنْ مَالِكِ بُنِ حَمْزَة بْنِ الْمِي الْمُنْ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَنْ جَدِّمٍ اللّهُ الل

ا بواُسینسا مدی سنے کہا کہ جنگ بدر میں رسول التّٰدُصلی السّٰدُعلیہ وسلم سنے فرمایا: جب بمشرک تھا رسے قریب آئمی توان بہتر بھینکو اور جب نک وہ تم بہر بھانہ مبائس تلوا دیں مت تھینچو رسّراندازی کے لیے کچہ فاصلہ درکار بہوتا تقا اور با مکل دست بدست جنگ میں تلواریں ہم کام آسکتی تقیں ۔

كالمارة في المباكرة

٢٢١٥ حَلَّا فَنَا هَا وَ فَيَ اللهِ فَنَا عَمْدُواللهِ فَنَا عَمْدُواللهِ فَنَا عَمْدُواللهِ عَنَ عَمْدُواللهِ فَنَا وَمُعَدُواللهِ عَنْ عَلَى عَلَى عَمْدُوا وَمُعَدِّمُ عَنْ عَلَى عَنْ عَمَدُوا عَنْ عَمْدُوا عَنْ عَمْدُوا عَنْ عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى عَمْدُوا عَنْ الْمَا عَنْ الْمَاعُونُ عَنْ الْمَاعُولُ عَنْ اللهُ عَنْدُ اللهُ اللهُ عَنْدُ اللهُ اللهُ عَنْدُ اللهُ عَنْدُ اللهُ ال

سٹیبہ بن رہیمہ) آئے ۔ بس اس نے بکار کہ کہا ؛ کون مقابلہ کرے گا ؟ بس ان کے سامنے کچے انصاری جو ان سکنے رعبدائنڈ بن رو احد معود کُن بن عفراء اور معوظ بن عفراء عقبہ نے بوچھاتم کون ہو ؟ انہوں نے اسے بتا یا تو وہ بولا : ہمیں تہا ری کوئی صرورت نہیں ، ہم تو اپنے مجازا دوں رقر بیٹ ، کو میا سبتے ہیں ۔ بس نبی صبل لیٹر علیہ وسلم نے فرما یا : اٹھ اے عبیدہ بن الحارث، بس جمزہ عقبہ کے سامنے ہوئے اور میں شیبہ کے سامنے اور عبدیہ اور وی مدکے ورمیان دو تلوار کی صربوں کا مقابلہ ہوا اور ان میں سے ہرا کی سے اپنے مقابل کوگرادیا ۔ پھر ہم والید کی طون گئے اور اسے قتل کر دیا اور عبدیدہ کو انظالائے۔

سنی سے: بیرجنگ بررکا واقعہ سے ۔ مفود سنے وشمن کے غزور کا علاج اپنے گھرکے ہوگوں کے ذریعہ سے کیا مہا واکوئی یہ کے کہ دوسروں کولاً اتے ہیں اورا میوں کو بچا تے میں بخطا ہی نے کہا سے کہ اس حدیث میں فقہی سنلہ ہے ہے کہ کفا د سکے جہا دمیں اکا دکا مقابلہ مہا ح ہے ۔ عربوں میں امس جنگ سے پہلے مشہور حبکہ اگا دکا مقابلے کرتے ستے اور حبب کوئی فریق اپنی کر وری محدوں کہ تا تو عام حملہ شروع کہ تا تھا ۔ خطا بی سکھتے ہیں کہ امیر جزئے حب اس کی ا جا ذرت درے تو بھے اس میں کئی کا انقلا ف معلوم نہیں ۔ امام کی امبازت کے بغیر اسے سفیاں توریء احمد اور اسیا ق سنے مکروہ کہا ہے ۔ اولا وزائی سے بی میں ہے نوط اور اللہ اور میں اور میل اور میں اور میں اور میں اور میں ہوا ، کا رحمت و میں نو ایا تھا ۔ اور اس مدین تو سے کے اور میں نو ایا تھا ۔ اور اس مدین سے میں اور میں ہوا ، کا رحمت وی سنے نوط ایا تھا ۔ اور اس مدین سے میں رز میں ایک دوسرے کی اعاب بھی تا بت بھی تی سے میارز میں ایک دوسرے کی اعاب بھی تا بت بھی تی سے د

بَاسِتِكِ فِي النَّهُيْ عَنِ الْمِنْكَةِ مُعْدَى مَا سَتَ كَابِ

٧٧٧٧ حَكَ ثَنَا مُحَدَّدُ بَنُ عِبِسُلَى وَمِرَيَا دُبُنَ اَيُّوبَ فَالَا ثَنَا هُ شَبُحُ فَالَ وَاللَّهُ الله (نَا مُغِيَرَةُ عَنْ شِبَالِهُ عَنُ إِبَرَاهِ يُعَرِّعِنْ هُنِي بَنِ نُوبِيَ فَى عَلَظَمَهُ عَنْ عَبْسِلِاللهِ فَالَ فَالَ رَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَبَيْسِ وَسَلَّوَ اعْفَى النَّاسِ وَتُلَقَّا هُلُ الْإِيْمَانِ -

عبدالتّٰدى مسعودٌ ننے كها كه حبناب رسول التّٰدصلى التّٰدعليه وسلم ننے فرمايا ، قتل ميں سب سعے زيا وہ عفيت لوگ اہل ايمان ہيں دانين ما حبرا ور مسند آحمد

نشیرے: مُتند کامعنیٰ ہے اعدند نے ممکو کا ٹنا، ہمرہ بگاڑنا. زمانہ جا ہمیت ہیں ہوش انتقام سے باعث اس کا رواج تھا۔
اسلام سنے اس کی ممانعت کی سے اور انسان توانسان ہے، مما نور کے ممثلہ کی بھی امرازت نہیں دی بعضور کا ارتباد سے کہ
الکند تعالیٰ نے ہر حزیمی احسان و من کیا ہے ۔ بس قتل بھی کر و توا چھے طریقے سے اور در کے بھی کرو توا چھے طریقے سے اور ذریح بھی کرو توا چھے طریقے سے اور ذریح بھی کی کو تو ابھے طریقے سے اور ذریح بھی کی کو تو بیٹی کر لو بعد تن کا معنیٰ سے اللہ کے محادم سے بازر مہنا، بس مثلہ ہو توا مے کو کی مسلم اس کا ادر کا بنہیں کرسکتا۔ وہ اور ہے گا توالٹ کی مناظر اقد کی خلط اور ممثلہ و تعذیب سے باز رہے گا۔

١٩٧٧ - كَلَّا ثَنَا مُحَمَّدُ الْمُتَى اللهِ عَمْرات الْمَثَى الْمُتَى اللهِ عَمْرات اللهُ عَلَى اللهِ عَمَل اللهِ عَمَل اللهُ عَلَيْهِ اللهِ عَمَل اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ اللهُ عَلَى اللهُ مَن اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ اللهُ عَلَى اللهُ مَن اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ مَن اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ

ممیار جبن توان سے روایت سے کڑان کا ایک خلام ہاگ گیاد پر عمران بن نفسیل همری سے پس اس نے نذر مائی کہ اگروہ قابو میں آگیا تواس کا ہاتھ کاٹ دسے گا۔ بس اس نے مجھے مسلہ بو چھنے کو بھیجا تو میں سمرہ من بن جندب سکے باس گیا اور ان سے دریا فنت کیا توانہوں نے کہا: رسول الشرصل الشرعلیہ وسلم میں معدقہ کی ترعیب دستے اور مشارسے منع فرماتے ہے میں عمران بن حصین سکے باس گیا اور ان سے بوچھا توانہوں سنے کہا: رسول الشرمیلی اسٹرعلیہ وسلم ہمیں صدقہ کی ترعیب دیتے

ا ورمُثلهُ سيع منع فر مات هي عقه .

نشہ ہے: محفن آتش انقام کو مجھانے کے لیے مثلہ ہا اُٹھ نہیں ہے۔ اگر کا فروں نے ایسا کیا ہو توفقا میں کی فاطر ہا اُٹھ ہے جیسا کہ رسول الٹرصل الٹروسلم نے عربیتی سے مساتھ وہی کچھ کیا تقا ہوں سے کہا تقا اگر میں الٹروسلے دیا تھا اگر میں ہوگا۔ میں ہوگا۔ میں ہو بھی ہو اس کے مال الرجائے وہ نے ہوا ہوں سے کوئنے ہو آواس میں ہوگا۔ میں ہو ہو ہے۔ اس طرح مسلما نوں میں باہم ہو قصاص ہوگا۔ وہ بھی ممثلہ کی تعربی ہے۔ اس طرح مسلما نوں میں باہم ہو قصاص ہوگا۔ وہ بھی ممثلہ کی تعربی ہے۔ اس کا ممثلہ کی تعربی ہو تھا۔ میں ہوگا۔ موہ ہو گا۔ موہ ہوگا۔ میں مقدم سے مہلے کا سبے یا بعد کا بہم ہوت

بامال في فتُل النِّسكامِ مورتون كة تسركاب

٢٧٦٨ - حَكَانَكَ كَيْرِبُكُ بَنَ كَالْهِ بَنِ مَوْهَبِ وَفَدَبُهُ لَا يَعُنِى ابْنَاسِمِيهِ قَالَا شَكُ اللّهِ عَنْ عَبُواللهِ اللهِ اللهِ مَا أَنَّا اللهِ مَا أَنَّا اللهِ مَا أَنَّا اللهِ مَا فَا مَا مَا أَنَّا اللهِ مَا أَنَّا اللهِ مَا فَا اللهِ مَا مَا مَا مَا فَا اللهِ مَا فَا اللهِ مَا أَنَّا اللهِ مَا فَا اللهِ مَا اللهِ مَا اللهِ مَا أَنْ اللهِ مَا اللهِ مَا أَنْ اللهُ مَا أَنْ اللهِ مَا أَنْ اللهُ مَا أَنْ اللهِ مَا أَنْ اللهُ مَا أَنْ اللهُ مَا أَنْ اللهُ مَا أَنْ اللهُ اللهُ مَا أَنْ أَنْ اللهُ مَا أَنْ اللّهُ مِنْ اللهُ اللهُ مَا اللهُ مَا أَنْ اللهُ اللهُ اللهُ مَا أَنْ اللهُ مَا اللهُ الل

مع دادنندین عرض سے روا برت ہے کہ دسول انٹرصلی انٹرعلیہ ڈسلم کے کسی غزوسے میں ایک مقتول عودت بائی گئی میں رسول انٹرصلی انٹرعلیہ وسلم نے عود توں اور تحج سے مقتل بہذ نکیر فریا ئی (سبخاری پسلم، ترززی انسانی ، ابن ماجر، دار می ، رسول انٹروسلی انٹروسلی انٹروسلی انٹروسلی ، ترززی انسانی ، ابن ماجر، دار می ، رسول انٹروسلی میں انسانی ، ابن ماجر، دار می ،

مثی ہے : اس مسئلے پراس سے قبل ایک مقام پر گفتگوگزر حکی ہے ۔ الد دا امنتادیں ہے کہ عودت، عیر مکلف، شیخ فانی نابیا اولا انگڑا ، دامہ، مجنون اورام کلیسا کو قس نہیں جاسے جبکہ بہلوگ دوپر ول سے نہ ملیں اور دوسروں کو جنگ ہر نہ اکسائیں ، ان کی کوئی تد ہر ہو جبلہ اور کم وفریب نہ ہو ۔ رسول الٹر صلی الٹر علیہ وسلم نے وکہ دید بن العتمہ سے قس کا حکم ویا تقابی ایک ٹا بت شدہ امر سے حالانکہ اس کی عمراس وقت ایک سوئیس برس یا اس سے نیاوہ تھی اور نا بینا ہو چکا تقا ۔ وجہ بہ کہ کسے ہوا نہ ن کے نشکہ میں جنگی منفودوں کے سیے لایا گیا تھا گو شتہ تمام فریقوں میں سے اگر کوئی قبال میں صف ہے قوا نہیں جبی تال کیا مباسکتا ہے کیونکہ اور مجنوب کسی مال ہیں نہیں مال جائے گا ۔ عود رت اگر ملکہ ہے یا بچہ اگر با دشاہ سے توا نہیں جبی تنہ کہا جا ب

٢٩٧٩ - كَلَّ ثَنَا اَبُوالُولِهِ وِ الطّبَالِسِيِّ قَالَ تَنَاعُمُوبُنَ الْمُرَقِّعِ بَنِ مَبْعِ قَالَ كُنَّا مَعَ مَ مُسُولِ اللهِ مَبْعِيْ بَنِ مَبْعِ قَالَ كُنَّا مَعَ مَ مُسُولِ اللهِ مَنْ عَبْعِ بَنِ مَبْعِ قَالَ كُنَّا مَعَ مَ مُسُولِ اللهِ مَسَلَى اللهُ عَلَيْ مِ وَسَلَّمُ وَيَعَنَى مَ وَيَعَنَى مَ مَعْ اللهُ عَلَيْ مَعْ مَ مُسُولِ اللهِ مَسَلَى اللهُ عَلَيْ مَعْ مَنْ اللهُ عَلَيْ مَعْ مَ مُسُولِ اللهِ فَقَالَ عَلَى إِمْ مَنْ فَاللهُ مَا الْحَدَّمُ عَلَيْ مَعْ مَا الْحَدَّمُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ وَعَلَى مَا الْحَدَّمُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ

فَالَ تَنَا قَتَادَةُ عَنِ الْحَسَنِ عَنْ سَمُرَةً بَنِ جُنُمَا بِ قَالَ قَالَ مَا سُولِ اللهِ صَلَّى

اللَّهُ عَكَيْرٍ وَسَلَّمَ أُ قُتُ كُوا شَيْوُخَ الْمُشْرِكِينَ وَاسْتَبِقُوْا شَرْحَهُ حُدَ

سمرہ بن جندیٹ نے کہاکہ دسول انٹرصلی انٹرعلیہ وسلم سنے فرمایا : مشرکوں کے بوڑھوں کوقش کمروا ورنوبجوانوں کو سینے دو دمتر مذتی سنے اس کی دواِیت کرکے کہا : حسن صحیح غربیب)

زندہ رہینے دو دہتہ مذتی نے اس کی روایت کہ کے کہا بھس کمیع عزیب) شہرے : خطا بی نے کہ اکہ شرخ شارخ کی جمع سے جس کا معنی سبے نو تم ،مراد بچے اور نابا بغ ہیں ،اوراس کے مقابلے ہیں ہو سعے مرا د مرف می عمر کے لوگ میں مذکہ شیخ فانی ، مچیلے گذرا ہے کہ شیخ فانی ہی اگر دنگی مشورہ میں مشر یک ہو،صاصب تدمیر ہو تو اس کا قتل جائز ہے ۔

١٧١٧ - حَكَّ أَنْ الْهِ بُنُ عُحَمَّى الْنُفَبُ لِيَّ خَالَ اللهِ بُنُ عَحَمَّى الْنُفَبُ لِيُّ خَالَ الْنَاعَ عَلَى اللهِ بَنَ عَمَّ اللهِ بَنَ عَحَمَّ اللهِ اللهِ عَنَ عَمَّ اللهِ عَن عَمَّ اللهِ عَن عَمْ اللهُ عَلَى اللهُ عَن عَلَيْ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ الل

ا ور ملحصاسیے کماہل ندنس کا عمل اسی بید تھا کہ یؤنکہ وہاں کے لوگوں کی خانب اکثریت ما لکی تقا۔ نقبولِ واقدی پیمورت خلافہ بن سواط کی قاتل مجی تقی ۔

٢٧٢٢ - كل نَكُ اكُم كُن عُمُو بِي السَرْجِ فَالَ تَكَا سُفَيَانَ عَنِ النَّرُهِمِي عَن عُبَيْ بِاللّهِ بَعُنِ ابْن عَبُ بِاللّهِ عَن ابْن عَبُ اللّهِ عَن الشَّهُ عَلَيْ بُو مَن اللّهِ عَن الشَّهُ عَلَيْ بُو مَن اللّهُ عَن اللّهُ عَن اللّهُ عَلَيْ بُو مَن اللّهُ عَلَيْ بُو مَن اللّهُ عَلَيْ مِن اللّهُ عَلَيْ بُو مَن اللّهُ عَلَيْ مِن اللّهُ عَلَيْ مَن اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْ مَن اللّهُ عَلَى الللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى الللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى الللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى الللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى الللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى الللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى ا

مسلم، تشه مذی ۱۰ بن ما جبر₎ .

شی کے : زہری نے فول سے معلوم ہو تاہیے کہ عور تول اور بچوں کے قتل کے جواز کا حکم منسوخ سے کین بات بہنہ ہے۔ سوال کا منشاء یہ تقاکر شب خون میں عور تول کو بچوں کو بچانا اورا متباز کرنامشکل ہو تا سبے اور ریہ جیز تواب بھی باقی سبے لیں ملاقعہ داگروہ قتل موجانمیں تو جائمۂ سبے اور بالقصد ان کا قتل جائز نہیں ہے۔ خطابی کی گفتگوسے بھی معلوم ہو تاہیے کہ اس نے زہری کے قول سے اقفاق نہیں کیا۔

> **ڮاستبك فى كراهبتر كرن الْعَالِيِّةِ بِالتَّامِ** دغري *اللَّ سِيمان نه الأست*ابات

٢٧٤٧ - كَلَّا ثَنَا سَعِيْكَ بَنُ مَنْصُوْمِ فَالَ ثَنَا مُعِيْرَة بُنُ عَبُوا لَرُّعُلِ الْحِرَافِيُ عَنَ اَبِيهِ الرَّعُلِ الْحِرَافِي عَنَ اَبِيهِ اَتَ رَسُولَ عَنَ اَبِيهِ اَتَ رَسُولَ اللهِ عَنَ اَبِيهِ اَتَ رَسُولَ اللهِ عَنَ اَبِيهِ اَتَ رَسُولَ اللهِ عَنْ اَللهُ عَلَيْهِ اللهُ عَلَى سَرِيَةٍ قَالَ فَخَرَجُنُ فَي اللهِ عَنْ اللهُ عَلَى اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهِ اللهِ عَنْ اللهِ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهُ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهُ اللهِ اللهِ عَنْ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ عَنْ اللهُ اللهِ اللهُ ا

ممزہ اسلی شنے کماکہ رسول الٹرصلی الترعلیہ وسلم سنے اس کو دحمزہ ہو کہ ایک بریز برامیر بنایا۔ حمزہ شنے کما کہ بھر اس کی طوٹ گیا ۔ اور حصنورؓ سنے فرمایا کھا گھرتم فلاں کو پاؤ تو اسسے آگ سے میلاد و ، بس حبب میں مو کر جانے سکا توحف ورّ نے مجھے آواز دی اور میں ملیسٹ کر فردمت میں ما حذمہوا ، تو فرمایا کہ اگرتم فلاں کو پاؤ تو اُسسے تس کر دواور استے مت جلا کی ہونکہ ایک کا عذاب مدون آگ کا در سی دسے سکتا ہے ۔

فطا بی سنے اس مدسین کی یہ تا وہل کی سے کہ کا فرکو جلانے کی ممانعت تب ہے جبکہ وہ گرفتاد مہو کر قالو ہمی آچکا ہو رسول الدُّصلی الدُّعلیہ وسلم سلے ما اب بین کی میں حرورت سے موضی ہاک ملکانے کی اجازت دی سے۔ اُسامر مُہ کو اُسِی بستی کومبلا نے کاحکم مل اتفاد صدیث ۱۲۷۱۷ قلعوں ہر آگ براسا نے کی اجازت سفیان توری اور شافتی سے ثابت ہے ، گریر مشد ریرصہ ورت پر مخصر سے ۔ گر میں عرض کرتا مہول کہ آج کل کی حدید ہوا تی اور زمینی جنگ کا دارہی نہ با وہ تر آگ ب بر سانے ،گوٹے چھینکنے اور آبا ویوں کو بربا دکر نے میرسے ہے۔ ظاہر سے کہ جب تک مسلمان حسب صرورت ایسا نزگر نظیم

كفا ركامقا بله كيسه مكن مهوكاء

م ١٧٦٤ حَسَّى تَتَنَا يَزِيثُ بُنُ خَالِهِ وَفَتَيْبَنَهُ كَنَّ اللَّيْثَ ابْنَ سَعُهِ حَمَّا لَهُمُّ عَنْ بُكِيْرِعَنْ مُسَيِّمَانَ بُنِ يَسَامِ عَنَ اَ فِي هُمْ يَرَةً قَالَ اِعَثْنَا رَسُّولُ اللَّهِ صَلَّى اللّٰمُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ فِي بَعُثِ فَقَالَ إِنْ وَجَمَّا كُمُ فَكُلَّنَا وَقَلَلْنَا فَنَا كُرَّمَعُنْ أَهُ

ابوسریہ ہمنے کہ کہ رسول الٹرصلی الٹرعلیہ وسلم نے یمیں ایک مشکر میں جمیجا توفر بایا :اگرتم فلاں اور فلاں کو پاؤآ کخ دسخاتی ، تریذی ، اوپراس مدمیث کامتوالہ گزر حیکا سے ۔

١٩٤٥ حَكَا الْعُنَا الْهُ صَالِمَ مَعُونَ الْمُنَا الْهُ وَصَالِم مَعُونَ الْمُنَا الْهُ وَاللّهُ عَنَ الْعُنَا اللهُ عَنَ الْمُنَا اللهُ عَنَ الْمُنَا اللهُ عَنَ اللّهُ عَنَ اللّهُ عَنَ اللّهُ عَنَ اللّهُ عَلَا اللهُ عَنَ اللّهُ عَلَا اللّهُ عَنَ اللّهُ عَلَا اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللهُ ال

بَأَكِتِ الرَّجِلِ يَكُونِي كُوابَّتُ مُعَلَى النِّصْفِ أَوِالسَّهُمِ

اس شخص کا باب جواین ما نور نعدعت بریا غنیمت کے متصر می کرائے رہے -

٢٧٤٧ . كَلَّا ثَنْكَ إِسْلِقُ بُنُ إِبْرَاهِ بِيعَ الْكِامَشُوقِيُّ أَبُوا لِنَظْهُرِقَالَ ثَنَا مُكَتَّمُنَّا بُنُ شُبَيْرِ فَالَ أَخْبَرُ فِي أَبُوزُمُ عَمَّ يَحْيِى بُنُ آبِى عَمْرِوا لِتَنْبُنَا فِي عَمْرِو بُنِ عَبْدِا لِلَهِ أَنَّنَا حَلَّا شَهُ عَنْ وَا فِلْمَا بُنِ الْاَسْقِعِ فَالْ نَا دِي يَ سُعُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْمِ

وَسَلَّمُ فِيُ غَنُو فِي نَبُوكَ غَنَرَجُتُ إِلَى الْهِلَى فَا تَبَلْتُ وَقَلْ حَرَبَحُ اَوَّلُ حَكَابَةِ مَا سُولِ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ

واثلاثم ابن استع نے کہا کہ رسول اللہ علیہ وسلم نے عزوہ ہوکہ کی منادی کرافی تومیں اپنے گھرگیا۔ بھر میں جب آیا تورسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم ہے امواب کی بہلی جماعت مدینہ سے ملک جی تھی۔ بس میں نے مدینہ میں منا دی شروع کی ایک القداری بوٹرسے نے باک اللہ ملکا اللہ علی اللہ میں اللہ علی اللہ میں اللہ میں اللہ میں اللہ می اللہ علی اللہ میں اس بھر میں ساتھ کے ما تھ تھا کہ اللہ تعالی نے میں اللہ فی دیا و در جھے کہ جان اللہ میں اللہ میں اس بھر میں ساتھ کے ما تھ تکا حتی کہ اللہ تعالی نے میں اللہ و اللہ تعالی اللہ میں الل

ا درا سے دسول انٹرصلی انٹرعلیہ وسلم کے پاس ذنکہ ہے جا یا جائے گا۔ اکبید رسنے بید معاہدہ کر دیا گھراس سے ہجائی معاد سنے قلعہ بہر دکر سنے سے انکار کر دیا ۔آکبہ رسنے کہا کہ اُس سے مبی کوئی معاہدہ کریوا وراستے مبی زندہ رسول انٹرسلی انٹر علیہ دسلم سکے پاس سے مبانے کی شرط کر لو۔ بچنا کنچہ خالہ '' اس بہ راضی ہو گئے اور دوم نزادا و نرٹ، آ کے سوگھوڑوں ، چارسو ذر مہول اور چارسونیزوں سے مصا کحت ہوگئی ۔خالہ ننے اکبیدر کو جھوڑ دیا اور اس نے قلعے کا در وانہ ہ کھلوا دیا ۔خالہ '' تلعہ میں داخل ہو گئے اور اکبید اور اس سے بھائی کی مبان بخشی کر سکے دسول الٹرصلی الٹرعلیہ وسلم سکے پاس اس وقت

> كا كال في الكسير بوتق قدي والدسف كابات

٢٧٧٧ ركى الْنَ سَلَمَةَ قَالَ الْمُعْبِلُ الْنَاحَةَادُ بَعْنِي الْنَ سَلَمَةَ قَالَ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْكِ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْكِ اللهُ عَلَيْكِ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْكِ اللهُ عَلَيْكِ اللهُ عَلَيْكِ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْكِ اللهُ اللهُ

 رُسُولُ اللهِ حَكَى اللهُ عَكَيْ وَسَكَمَ وَهَا لَ مَا ذَا عِنْ لَكَ الْمُامَتُ قَالَ عِنْ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى الله

سعیدین ابی معید من ابی سعید من او بریده و کو کستے سنا کر رسول النه مسی التارعلیہ وسلم سنے بخبہ کی طون گھوٹر مواروں کا
ایک درمال بھی اوہ بنی منبید کے ایک شخص شامہ بن اٹال یا کو سے کہ آسے ہوا ہی بما مرکا مروار بھا ابس اسیم می استوں کے مسابقہ ابنی اسے شہر ایس سے می استوں کے مسابقہ ابنی اسے شام الترصی باس دیرے باس دیرے باس دیرے باس دیرے گار اور کو تش کرے گا اور آوا کر ما یا اسے تمام ایس میں میں دیرے باس دیرے کا اور آوا کر مال جا ہے تو ایک فیمی موان کر وسے تو ایک شکر کو اور کو تش کرے گا اور آوا کر مال جا بات ہے تو ہو ما نکو حصل کا دیرو ایس اسے تو ہو مانکو حصل کا دیرو ایش میں استیار میں میں استیار تمام و ایس کے ایس کے ایک جھنڈ میں گیا اور اس میں عفل کیا بھر میجد بیرو اور سے ایک جھنڈ میں گیا اور اس میں عفل کیا بھر میجد بیں واصل موا اور تو دیرو اس میں عفل کیا بھر میجد بیں واصل موا اور تو دیرو اس میں عفل کیا بھر میجد بیں واصل موا اور تو دیرو اس میں عفل کیا بھر میجد بیں واصل موا اور تو دیرو اس میں عفل کیا بھر میجد بیں واصل موا اور تو دیرو اس میں عفل کیا بھر میکن موا ور تو دیرو اس میں عفل کیا بھر میکن کو اور تو دیرو کی مواد کو تو دیرو اس میں عفل کیا بھر میں مواد اور تو دیرو اس میں عفل کیا بھر میں ہو کہ ہو تا کو میں مواد اور تو میں ہو تا تھوں کو مواد دی والا میں ہو تو میں ہو تا تھوں کو میا کہ ہو تو میں ہو کو میں مواد اور تو دیرو اس کے ور نہ اس کے بعد بھی کھر مندوں باتی سے میں تو کہ ہو تو کہ کہ ہو تو کہ ہو کہ ہو تو ک

. ٢٧٨ - حِيْكَ نَنْنَا مُحَمَّدُ أَنْ عَمْرِ وَالدَّانِ يَ قَالَ ثَنَا سَكَنَدُ بَيْنِ أَيْنَ الْفَضْلِ

عن ١ بن الله عن الله بن عَبْ عَبْ الله بن الله بن الله بن الله بن عَبْ الله بن الله بن

یخی بن عبدالت در من براله حمن بن سعد بن زُراده سنے کہاکہ کچے قدیمی لائے سکنے دینی برَرَسکے سترکا فرقیدی) اور سود دہ نبست زمد، ام المؤمنین آل عفرار کے پاس ان سے ڈریر سے میں عوف اور معود ، عفراً کے بیٹوں سکے پاس خس بحئی نے کہا کہ یہ واقعہ پر دسے کاحکم آنے سے پہلے کا ہے۔ یحنی نے کہا کہ سودہ کہتی تھیں : موب یہ قدیدی لائے سکنے تو اس وقت میں عفراً رکھے خاندان والوں میں تھی۔ بس میں اپنے گھروا پس آئی اور وہاں بر دسول الٹرملی الٹرعلیہ وسلم موجو دستے۔ کیا دہ میسی مہوں کہ الویز پر سہیں من عمر و سکے دونوں با بھاس کی گردن سے مسابقہ بند سے اسے نہیں بچپانے سے سے اسے نہیں بچپانے سے مقد مگر حدیث بیان کی۔ الودا فردنے کہا کہ عود ہے اور مونوں ہی جنگ بردمی شہید ہوئے تھے دا لمت درک میں ام

شمرح ہولا نامنے فرما یا کماس مدیث کی سندسے پتہ چلاکہ کی بن عبدالت ام المؤمنین سودہ مسلے دوایت کرتاہے دہ اپنے دا دا اعبدالرحمان سے . مگراس مدیث کی مبعض روایات سے معلوم ہوتا سے کہوہ ، سپنے دا دا سے روایت کہ تاہے اوراس امر میں افتوا منسے کہ عبدالرحمان می ایستے بائمہ ما کم کی روایات کا محافو کیا جائے نوعبدالرحمان کے محابی دا ہو ہوئے ہے مصلے کی صورت میں ہدر وایت مرسل ہوگی ۔ ابودا و دسکے سیاق سے یہ واضح نہیں ہوتا کہ کیا کوام المؤمنین میود کی ۔ ابودا و دسکے رسیاق کی دو سے یہ مدیث مرسل مانی بڑھے ہے گی ۔ ابونعیم سنے مرف اس مدین کی دو سے یہ مدیث مرسل مانی بڑھے ہے گی ۔ ابونعیم سنے مرف اس مدین کی بناء بہوج بدائر ہم ن من سعد کو محابی کہا ہے۔ میں ہوا بات میں ہیاں پر سعد بن زرار دہ سے بجاستے اسکر بن ذلاہ کا نام آتا ہے۔ بہرمال اس روایت کے متصل ہونے میں گڑ ہڑھے ۔

موں ناشنے والیا ابودا و دسنے ابوم س کے قاتلوں کا نام عوف خاور معود نا یا سے حال کہ قاتلوں سے نام معگاذا ور معیود ہیں اور مبنس روایا سے میں معارض عروب الجوع کا نام آتا سے عوف کا ذکرا بوداؤد اور ابن سعد کے علا وہسی نے نہیں تیا ۔ ابن سعد سنے بھی کہا ہے کہ عوف سنے جب ابوج ہل کو زخمی کہاتو اس سنے بلیٹ کر تلوار سے عوف کو تسل کردیا

کے بعدان کی ماں معذاد نے مکیر بن یا کہیں میٹی سے نکا ح کیا تھاا وداس سے مہار بیٹے : ایائش، عاقل کم خاکدا ور عامر کہا ہوئے۔ ستھے ۔ یہ ساتوں بھائی جنگ ہدر میں نشر پک ستے، لیکن حسب روایت بخاری ابوجہل سکے تمین فاتل ستھے : معاد ، معوذ دمن ردونوں مدارے سکے بیٹے اور عقراد شکے بھی ہاور معا ذر من مجرع ۔ والٹداعلم بالصواب

بَأْ صِلَ فِي الْكُوسِ بِينَالُ مِنْهُ وَيُجْرَبُ وَيَجْرَبُ وَيَجْرُبُ وَيَجْرُبُ وَيَجْرُبُ

تیدی کی مار بہیا وراسے اعتراف کرانے کا باب

٢٧٨١ حكا نَنَا مُوسَى بُنُ إِسْمِعِيلُ شَاحَمًا ذُعَنُ تَابِبٍ عَنُ أَنْسِ أَنَّ رَسُولَ اللهِ صَلَّى اللَّهُ عَكَيْمِ وَسَلَّمَ زَمَّا بَ أَصْعَابَمَ فَانْطَلُقُو إلى بَدْيِ فَإِذَا هُدُ بِرَوْ إِيَا قُرُنِيْنِ فِيهَا عَبُكًا ٱسُوكُ لِبَنِي الْحَتَّاجِ فَٱخْذَنَاهُ ٱصْحَابُ رَسُولِ اللهِ حَسكَى الله عكيث وكسكَ فَجَعَكُوا يَسُأَكُونَنَ أَيْنَ آبُوسُفَيَانَ فَيَقُولُ وَاللَّهِ مَا لِي بِشَنَى مِنْ رَمُرِهِ عِنْعُ وَالِكِنْ هَٰذِهِ قُرْنُيْنُ قَدُ الْجَاءَتُ فِيهُمُ الْوَجُهُلِ وَعُنْبُهُ وَشَيْبُكُمُ إِنَّبُكُ ا رَبِهُ عَنَ وَأُمَيَّةُ بُنَ خَلَفٍ فَإِذَ (قَالَ لَهُمْ ذَلِكَ صَرَبُوهُ فَيَعُولُ دَعُونِي دَعُونِي أُخُبِرُكُمُ فَإِذَا تَرَكُونُهُ قَالَ وَاللَّهِ مَالِي بِإِنَّى شُفَيَانَ مِنْ عِلْمِ وَلَكِنْ لِهِذِهِ قُرِّيْنَ فَنَ الْقَبَكَثُ رِفِيهُ وَٱبُوْجَهُلِ وُعُنْبَدُ وَشَيْبُدُ أَبِنَا رَبِيعَةٌ وَأُمِّيَّةٌ بُنُ حَلَفِ فَكُا ٱفْبَكُوا وَالنَّبَّى صَلَّى اللهُ عَكِيْ رِوسَنَكُو نُهِكَدِّنِي وَ هُو بَسْمَعُ ذٰلِكَ فَكُمَّا انْصَرَفَ فَالَ وَالَّذِي نَفْسِي بِيدِ إ إِنَّكُوْ لِنَصْرُرُبُونِنَهُ إِذَا صَلَافَ كُووَتَنَاعُونَهُ إِذَا كُنَّا بَكُوْ هَٰذِهِ وَقُرَيُسٌ قَلُ ٱ تُبَسَلَتُ لِتَمْنَعُ أَبَاسُفَيَاكَ قَالَ أَنَسُ فَالَ رَسُولُ اللّهِ صَلَّى اللّهُ عَكَيْهِ وَسَلَّمَ هُذَا كَمُفَرُعُ فَلَاكِ غَنَّهُ اوْوَصْنَعُ يَكُانُهُ عَلَى الْكُنُّ ضِ وَهُنَا الْمُصْرَعُ فُكُلَاثٍ غُنَّا وَوُضَعَ بَكَادُ عَلَى الْكُنْضِ وَهٰذَا امَصُرُعُ فُلَانٍ غَلَّا! وَوَضَعَ بِكَاهُ عَلَى الْكُمُّ ضِ فَقَالَ وَالَّذِي نَفْسِي بَيدِهِ صَا جَاوَزُا حَكَا مِنْهُمْ عَنْ مَنْوضِع يَهِ رَسُولِ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسُلَّوَ فَأَمَرُ بِهِ وَرُسُولُ الله صَلَّى اللهُ عَكَيْبُ و وَسَرَّوَ فَأَخِلًا بِأَرْجُلِهِ وْفِسْ حِبُوْا فَالْقُوَّ إِنِي قِلِيبُ بَلَارِ-

الشرخ سنع روا بیت سے کہرسول انڈوسلی انڈ دعلیہ وسلم نے اسینے امسی اب کومکم دیا تووہ بٹرکی طرف میںے۔ انہوں سنے ا میا نک قریش سکے یا بی ڈمسوسنے والیے اونٹوں کو دیکیں ، ان میں بنی حجاجے کا ایک کالا علام تھا۔ پس رسول الشرصلي لترعليہ وسلم ا مستخط کے مکیر کھیا وراس سے بچ بچھنے گئے :ابوسفیان کہاں سے؛ وہ کہتا والٹار مجھےاس کاکو ٹی علم نہیں لکین یہ قریش آئے میں ان مس! لومہل، عتبہ بن دمبعہ ، شیبہ بن دمبعہ اورا میتہ بن ضلعت میں ۔ حبب وہ بیرکہتا تو وہ اسسے بادستے ، پھروہ کہتا ہجھے تجيوز دور سي متمين بتاتا بون. تبب اسع بحيو أست توكها والشر فحية ابوسفيان كاكوئى علمهس سے مگرب قريش ك لوگ كشفيميران ميرا بوحبس، عتبدبن رسيع، شيبر بن رسيع اورا ميّربن ضلعت مير. اوراس وقت نبى صلى انظرعلبه وسلم نما زيره سسير <u> تق</u>ے اور بیرسب کچیرسن *د ہے۔ تقع*ہ آئیب آپ نے نما زختم کی اور فرمایا: النٹر کی قسم می*ں سے میں میری ج*ان 'سے عبب وہ مت سے سے کہتا ہے تو تم اسے میلتے ہوا ور حب حجوث بولتا ہے تو حجو ڈریتے ہو۔ واقعی میہ قریش ابوسفیاں کی مفاظت کے لیے كشفح بير ـ انسُ مُسْفِهُ كه يسول التُرصلي التُرعليه وسلم سنف فرما يا بمل فلالسكے گرسف كى حكه يَه سبح ا ودام پسنے اپنا با تعزین برر کھا اور مرکل فل رکی قبل گا ہسبے اوراً پ سنے اپن کا بھ زمین بر رکھا ۔ اور کل فلال کی قتل گا ہ بر بروگی ، اور آب سے اپنا یا بھ زمین برد کھا۔انس شنے کہا کہاس زات کی قیم جومیری جان کا مالک سیے ان میں سے کو ٹی بھی دسول الٹرمسی الٹرعلیہ و پسل ے زیمین میر دا تفرر کھینے کی مبگہ سے او ہراوہ ہراؤمرا ۔ بھر رسول الٹارصلی الٹارولیہ وسلم نے ان کے متعلق حکم دیا ، ان کی ٹانگیں يكِرْيُ كِنِّينِ أورانهين تُصييطًا كيا وربدَر كه ساده كنوني من وال ديا كيارمستم نے اس سے مبی مدست كتاب الجها دمين در ج کی سیے

شرحے: قلبیب کاامهل معنی ہے وہ گطرها حس سے مٹی نکال کر کیاکنوال بنا دیاگیا ہوا ورا سے بختہ مذبنا یا گیا ہو۔ بررکا لنواں ایسا ہی تقا۔روایا راورٹر کی جمعے سے حس کا معنیٰ بڑے بڑے منگے اورمشکیں ہیں، بھراس اونٹ کو لاورئیر کہا **مبانے ل**گا عبس ریہ چیزیں لادکر مانی و عوتے ہے۔ انس شوبگ بدر میں شامل نہ تھے لہذا میر حدیث مراسیل صحابہ میں سے سے ہج بالاتفاق مقبولس

كَالْمِهِ فِي الْكَسِيْرِ فِي كَرَكُمْ عَلَى الْكِسُكُومِ قدى كواسلام ير فجود كرسن كابِب ٢٧٨١ - كَتَّا ثَنَا مُحَدَّدُ بُن عَدَّدُ بُنِ عَتِي الْمَقْلَا فِي فَالَ ثَنَا اَشْعَتُ بُنَ عَبْدِاللهِ

يَعُنِي الِتَنْيِحَسُنَانِيَ ﴿ وَثَنَا مُحَكَّمُ مُنَ كَنَا إِنْ اللَّهِ اللَّهِ عَلِي كَا هُذَا كُفُظُمُ ﴿ وَثَنَا الْحَسَنُ بُنُ عَلِيَّ لْنَا وَهُبُ بُنُ جَرِيْرِعَنُ شُعُبَلَهُ عَنْ إِنْ بِشَيْرِعَنْ سَعِيْدِ بْنِ حَجَابِرِعَنِ ابْنِ عَبَاسِ فَالَ كَا نَتِ الْمُرْزَةُ تَكُونُ مِقُلاَّةٌ فَتَعِعَلُ عَلَى نَفِسُهَا إِنْ عَاشَ كَهَا وَكُنُّ أَنُ ثَهَوِّدَةَ فَلَمَّا أَجُلِبَتُ بَنُوالتَّغِيْبِرِكَا نَ فِيهُمُ مِنْ ٱبْنَاءِ الْاَنْفَاي فَقَالُوْ لاَنكاعُ أَبُنَاءَنَا فَأَنْزَلَ اللهُ عَنْزُوجَلَّ لَا إِكْرَا لَهُ فِي السِّي يُنِ قَدُ نَبُتَيْنَ التُّرشُكُ

مِنَ الْغَيِّ قَالَ ٱبُوْدَاؤَدَ الْمِقْلَاثُهُ الَّذِي لَا يَعِيْشُ لَهَا وَلَكُمْ ـ

ابن عباس من نے کہا کہ جب کسی عورت کا بجہ زندہ مدر رہا تواسینے ویہ بہ ندر واحب کرتی کہ اگراس کا بجہ زندہ ہدگیا توا سے ہیو دی بنائے گی ہیں جب بنوتفنیر کوم ہا دطن کیا گیا توان میں انصار کے کچھ میٹے ستھے، انصار نے کہاکہ ہم اپنے مبٹول لونهیں چھوڑتے، بیں اٹٹر تعالے نے یہ آمیت آتاری: دین میں کوئی جبنہیں، بلایت گماہی سے واضع ہومکی سے البودالور نے کہا کرمقلاۃ وہ عورت سیے جس کی اولا دزندہ نہ دسیے رنسائی

شحے: گویا دنیا کی خبیث ترین توم ہونے کے ہا وجو در شرکوں پر نہود کایہ رعب ضرور عقا کرعور ہیں اولاد کو زندہ رکھنے کی ارزومی مینذرد انتی تقیں ۔ پرجہالت بمیتنبدرہی سیے اور آج بھی سے عود میں بعض بت کدوں، خانقا ہوں، امام بالرون سے مبتا موا دیا گھر تک لاتی ہیں تا کہ گھر کا دیا جل جائے . بعنی بخیر ہوجائے مگر قدرتِ خدا وہ ری دیجھوکہ ہو تا ج می سی مرز مانے میں مشرکوں سنے اپنے وہم وگمان کے بے شمار گل کھلائے ہیں۔ خو دیسا ختہ بتوں سے بنو دائل شاہرہ مورتبون سير، ما نورون سير، مها نطهول سير، درنون لا سير، شياطين سير، فرضى ديوي ديونا ؤن سير، فرمنى

با اصلی ا ماموں سے اولا وطلب کی ہے ۔ فاتنا لٹگروا ّنا الیہ داجعوں ۔

اس آست كنزول والبقره ٧ ٥٧) ك بعدرسول الترصلي التعليدوسلم ف فرماياكه الترتعالي فاسي اختيار دیا ہے،اگہ وہ مہیں اختیا دکرہی توکہ تم میں سے مہوں سے وریزمہو دیوں میں سے ، ابن تربیر طبری سنے سعید بن مجب سے روات کی سے کہان بوگوں کو بہو دیے ساتھ حلاوطن کہا گیا۔اس وا قعہ س کئی عبر ہمی ہیں ،ایک پیرکہ بپو دی اورمىلىپى میسا ئی سمیشہ اسلام کے مزور مشمشہ تعیلائے جانے کا مٹور تھا تنے رسے ہں ۔ بیموقع آیسا تقاکرانعہ اردیشرا نی ا ولا دکو بهو د کے سابھ جا کے سے روک سنگتے تھے مگرانٹرنغالی نے آئنے فرادیا کیوٹکہ دین ہی جبر جائز نہیں . دوسری غبرت یہ ک بچوں کوسس قوم کی تعلیم گامہوں میں مطبھا یا جائے وہی دنگ آبیندہ نسک رہی جرباھ مہا ناہیے۔

اسلامین کے مانے سے میلے تیری تتل کرنے کا باب

٢٧٨٣ حَكَّ ثَنَاعَتُمَا كُنُ أَنِي شَيْبَةَ تَنَا أَحُمُكُ أَنِي الْمَفَضِّلِ ثَنَا أَسُبَاطُ بَنُ نَصْرِفَالَ زَعَهِ وَالسُّتَا يَى عَنُ مُصْعَبِ بُنِ سَعْدٍ عَنْ سَعْدٍ قَالَ لَمَّا كَانَ بَعُمْرَفَتْ يَح مَكَّةُ أَمَّنَ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَبَهُ وَسَلَّمَ لَيْنِي النَّاسُ إِلَّاكُ اللَّهِ لَفَرِرَ الْمَرَأُ تَبْنِ وسَسَّمَا هُمُ وَابُّنُ أَنِي سَنْجٍ فَنَاكُوالْحَيْلِيثَ فَالْ وَأَمَّا ابْنُ أَنِي سُرْجٍ فَإِنَّهُ إِخْسَبَأُعِنْكَ عُ عَنْمَانَ بْنِعَفَّانَ فَكُمَّا دَعَا رُسُولَ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَكَيْمٌ وَسَلَّمَ إِلَيَّ ٱلبَيْعَةِ جَاءَ بِم حَتَّى

أَوْقَفَهُ عَلَىٰ دَسُولِ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ فَقَالَ بَا نَجِ اللهِ عَلَىٰ اللهِ فَرَا قُبَلَ عَلَى اللهِ فَرَا أَسَهُ فَنَظُرِ اللهِ فَا كَلَ لَا اللهِ عَلَى اللهِ عَلَىٰ اللهِ فَكَا اللهِ فَكَا اللهِ فَكَا اللهِ فَكَا اللهِ فَكَا اللهِ فَقَالُ مَا حَلَى اللهِ فَكَا اللهِ فَكَا اللهِ فَكَا اللهِ فَكَ اللهِ فَكَا اللهُ فَكَا اللهِ فَكَا اللهُ فَكَا اللهِ فَكَا اللهِ فَكَا اللهُ فَكَ اللهُ وَكَا اللهُ فَكَ اللهُ فَقَا لَا عَلَى اللهُ فَلَا اللهُ فَكَ اللهُ فَكَ اللهُ فَكَ اللهُ فَكَ اللهُ فَلَا اللهُ فَكَ اللهُ فَلَا اللهُ فَكَ اللهُ فَا مُنْ اللهُ فَكَ اللهُ فَاللهُ اللهُ فَا اللهُ فَاللهُ اللهُ فَا اللهُ فَاللهُ اللهُ الله

فلی سے مدست کی سند میں اسباط بن نصر بمدا نی مشکلہ فیہ سے ، عاصہ محتذمین سنے اس پر بھروسہ نہیں کیاا ورشد پر تنقید کی سبے ، دو سرا ماوی سُدتی ہے جس کا نام اسماعیل بن عبدالرخمن بن ابی کر پر سبے اس پر بھی محدثین سنے کوئی تنقید کی سبے ۔ کی بن معین سنے صنعیف ، بر آجا نی سنے کذاب و نشتاً م بھک کہا سبے ۔ رسول الڈر سلی انڈر علیہ وسلم سنے دنول مکہ سبے قبل اعلان کرا دیا تھا کہ بہو ہم تھیا رر کھرو سے اسسے امان سبے ۔ جو ابوسفیان سکے گھر میں مہل جا سے امان سبے ، تبو ابن اسے ، تبو ابن ورواندہ بند کر سے اسسے امان سبے ، جو مسجد حمل میں ایم اسٹے اسسے امان سبے مگر ان توگوں کو امان نہ ہیں : (ا) عجدا لنڈر ب سعد بن ابی الدرج جسے عثمان میں شخصے ابو برزہ ہسنے تسل کیا ۔ وروہ اسلام سے کا بادی ابن خطل سبے ابو برزہ ہسنے تسل کیا ۔ درس عکد من بن ابی اس جو مکہ سبے بھاگ گیا ، اس کی بیچے جاکر اسے ممانقہ لائی اوروہ اسلام سلے کیا دہ بھر پر اللہ ہوئی ۔

جن چارعورتوں کا محون ہرر قرار دیا گیا تھا وہ یہ تھیں () مہند خبت عتبہ الوسفیاں کی بیوی یہ بھیس بدل معود توں کے مجھے میں آئی اور کو ہِ صفا بر حضور سے بعیت کمہ بی در) قرمیہ رہ ہ فرتن ۔ یہ رونوں ابن مطل کی کانے والی موٹاریاں تھیں ، قرمیبر قتل ہوئ اور فرتنی اسلام لے آئی ایس بنی طل کی ایک اور اور ٹری جوقتل کی گئی تھی ان کے علاوہ درہ س عبدالمطلب کی ایک اور موٹاری قتل ہوئی تھی۔ د۲) ام سعد سمبھی قتل کی گئی۔ ان کے نام معلوم نہیں جو سکے بہتعار اور تفصیل اہل میرنے نکھی ہے۔ اس حدیث کے راوی شنے تعداد کم متائی ہے۔

مهره و حكانت عَدَّهُ العَكَامِ الْكَالَةِ اللَّهِ الْكَالَةِ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهُ الللَّهُ اللللْمُ اللللْمُ اللللْمُ الللْمُ الللْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللْمُ الللْمُ الللِمُ الللْمُ الللْمُ اللَّهُ الللْمُ اللَّهُ اللْمُ الللْمُ الللْمُ اللَّهُ اللللْمُ ال

سعید بن بربوع فخز ومی سے روایت ہے کہ رسول اللہ صلی اللہ علیہ نے فتح کہ کے دن فرمایا : بین میار شخصول کومن وحرم میں کمیں بنا ہ نہیں دتیا ، پھر لاوی نے ان کے نام سلیے ۔ کہا : اور دوگانے والیاں تھیں ہومقیت کی تقیں ، کیک قتل کی گئی اور دومسری زیج نکلی بھر اسلام ہے ہائی ۔ ابودا فور نے کہاکہ میں سنے اس معدیث کی سند کو حسب د بخوا ہ ابرابعلام سے نہیں سمجا رمولا نامے نے فرمایا کہ بیر دوگا منیں ابودا ؤرکے بقول مقیبی بن صیابہ کی تقیس مگرام سیر سنے بتا یا ہے کہ ابن عقل کی تقیں ، مکن سبے دونوں ان کی ملک میں شامل ہوں ۔

٢٧٨٥ حَكَّاثُنَ النَّعَنَيِّى عَنَ مَالِكِ عَنِ ابْنِ شِهَابِ عَنَ آنَسِ بْنِ مَالِكِ وَ ابْنِ شِهَا بِعَنَ آنَسِ بْنِ مَالِكِ وَ النَّ رَسُولَ اللهِ مَا اللهِ مِغْفَرُ وَ اللهُ عَلَيْهُ وَسَكَّرَ دَخَلَ مَكَنَاعًامُ الْفَتْحِ وَعَلَى مَا سِهِ مِغْفَرُ وَ اللهُ عَنْهُ وَ اللهُ مَعْفَرُ وَ اللهُ الل

ٱبُوْدَاؤَدَ إِسْكُوا بْنِ خَطِل عَبْلَاللَّهِ وَكَاكَ أَبُوْ بَرْزَةُ الْأَسْكِيُّ فَتَلَهُ

بَاصِل فِی فَتْلِ الْاسِبْرِ صَعْبِرًا نیدی کو باندھ کرتش کرنے کا باب

٢٧٨٧ - كَتُّا ثُنَاعَلِيَّ بُنُ الْحُسَدِ الدِّ فِيَّ تَنَاعَبُ اللهِ بَنُ جَعُفَرِ الرَّقِ فَالَ اللهِ بَنُ عَمُرو بَنِ مُنَا فَ اللهِ بَنَ عَمُرو بَنِ مُنَ فَا كَذَا لَهُ اللهِ بَنَ عَمُرو بَنِ مُنَ فَا كَذَا لَكُ اللهُ عَمَا لَهُ عَمْدُ وَفِي عَمُرو بَنِ مُنَ لَا عَمُدُ وَفَى اللهُ عَمَا لَهُ عَمَا لَهُ عَمَا لَهُ مَنْ اللهِ عَمَا لَهُ اللهُ عَمَا لَهُ عَمَا لَهُ عَمَا لَهُ اللهُ عَمَا لَهُ اللهُ عَمَا لَهُ اللهُ عَمَا لَهُ عَمَا لَهُ عَمَا لَهُ اللهُ اللهُ عَمَا لَهُ اللهُ عَمَا لَهُ اللهُ عَمَا لَهُ اللهُ عَمَا لَا اللهُ اللهُ

ا براتیم نخعی نے کہا کہ صنحاکت بن قبیں نے مسروق کو عائل بنانا چا ہا توعمارہ بن عقبہ نے اس سے کہا؛ کیا تواستخص کو

عامل بنا تاہے جو قاتلین عثمان کا بقیۃ ہے ؟ تومروق نے اس سے کہ کہ:عبدالٹرکن مسعود نے ہم سے مدہث بیاں کی اور و ہمارے نزد کیے مدین میں معتمدا ورمد تبریقا کہ نبی ملی الٹریلیدوسلم نے جب تیرے باپ کے قتل کا دادہ کیا دیسی مقد بن ابی معیط) تو اس نے کہا کہ: میرسے بجوں کے لیے کون ہے ؛ صفاد کرنے فرمایا: آگے بس میں تیرسے لیے اسی چنے کو لپند کرتا ہوں جسے تیرے لیے دسول الٹرصلی الٹریلیدوسلم نے لپند فرما یا تھا ۔

نشرخ، عفیبن آبی محید کو حنگ بدر سے واتبی پرداستے میں قتل کُد وا پاکیا تھا۔ پیشخص اسل م اور رسول الشرصلی النشر علیہ وسلم کی عداوت میں بڑا شدید تھا اسی نے مالت سحدہ میں عین سی حرام میں حدثور کی گرون پر او محیم می گالی تھی۔ یہ حوفر ما یکہ: اگ ۔ اس کا مطلب پر بھا کہ ان کی برور ش کرنے والی اور کھیل آگ ہے ۔ مشار سے طیب نے اس کی دووجہ میں میان کی میں واکید پر کہ اگ سے مراوصنا کے مونا ہے ، بعنی نیزی اولاد کا کھیل کوئی نہیں ہوگا ۔ دوسری میر کم برجواب اسلوب منام کے طور میر بھا کہ تو تو ما جہتم میں اور نیزی اولاد کی کفا سے الشرکے ذمتہ ہوگی ۔ مولانا شے نے فرما یا ہے کہ مجھے اس

بادال فی فُنْلِ الْاَسِبْرِ بِالْتَّهِ بَهِلِ الْسَبْرِ بِالْتَّهِ بَهِلِ الْسَبْرِ بِالْتَّهِ بَهِلِ الْسَبْرِ

٣٩٩٠ حسل المُن الْحَادِثِ عَنْ مَبَكُونِ الْالْآئِةِ عَنِ ابْن تِعْلَىٰ فَالَ عَنْ وَهُبِ قَالَ الْحَبَرُ فَيُ عَنْ الْمَاتَةِ عَنِ ابْنِ تِعْلَىٰ فَالَ عَنْ وَكَا اللّهُ مُن وَعَلَىٰ فَالَ عَنْ وَكَا اللّهُ عَبُواللّهُ مَن الْمَاتَةِ عَنِ ابْنِ تِعْلَىٰ فَالَ عَنْ وَكَامَرِ مِهْ وَفَقَوْلُوا حَسُبُوا لَهُ مَن الْمَاتِ عَنَى الْمَالِمَةِ عَنْ الْمَاتِ عَنَى الْمَالِمَةُ فَالْمَا لَكَ اللّهُ عَلَى اللّهِ حَسَلَى اللّهُ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللّهُ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا لَكُولِي اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللللّهُ الل

ب*ا تق*مي ميري بانسني، اگراي*ک مُرعَی بھي ہو*توميں اسسے با ندھ کر بنہ ماروں گا۔ پس عبدائر حملٰن بن خالد کو بہ خبرمین<mark>جي ت</mark>و اس سفي ميارغلام آزادسكيرُ .

شحیے: مولا نانشنے فرا یا ہے کہ مسندا حمد میں ابوا ہوئٹ کی ہہ صدیمٹ ہمیں گلرق سے آئی سے جن سے ثابت ہو تاہیے کہ ابوداؤد کی اس مددیث کی سندس انقطاع اُوہر قبیری کو باندھ کمسماں سنے کا بوانہ ٹا بت بہوچکا ہے۔ شایدا بن خطل کو تو فصاص مي ملاكيا عقبه بن ابي معيط كومضور كي مثاريدا ذبيت كي باعث اس طرح قتل كي أي مطلب بيمعلوم مو تلب کہ حتی الوسع قتل مبرسے گرمزیک مہاسئے۔

كانتك في المكن على الكرين بعرف الإيراني المرابع بين ا اَتُّ تَمَانِبُنَ رَجُلُامِنَ اَهُلِ مَكَّةً هَبُطُوٰ عَلَى النَّبِيِّ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلْمَ وَ أَصْحَابِم مِنْ جِبَالِ التّنْفِيْرِعِنْ كَاصَلُونْ الْفَجْرِلِيَنْفُتُكُونُهُ مُ فَاخَذَ هُــُمْ رَسُولُ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَكَيْبٍ وَسَلَّوَ سَلِمًا فَاعْنَكُهُ مُ رَسُولُ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَكَيْبِ مِا وَسَلُوكَا نُذُلُ اللَّهُ عَزُّو كَبَلُّ وَالَّذِي كَفَ آيُلِيكُهُ مُوعَنُكُو وَآيُلِا بُكُوعَهُ مُ مِ بِكُنِ مَكُنَّهُ ﴿خِرِالْاَيْتِ.

ائس سید وابت ہے کہا نٹی اُ دی مکترے باشندے رسول انٹرصلی انٹر ملیہ وسٹم پر اور آمیں کے اصحاب بینع کے بھاٹروں سے نیچیا ترسے تاکہ نما نِر فجر کے وقت انہیں قتل کر دیں ہیں دسول الٹرملی المتوعلیہ وسلم نے انہیں بطوہ قيدى انهي مكير ساعهر خفنور صلى الترعليه وسلم في انهي رياكمد ديا توالشر تعاسل في يرآ بيت اتا تدى: اوروسي وه الله ہے حب سنے ان کے باتھ تم سے اور ہتما دسے ان سے دوکے کہ کے اثار آئخ (مسلم، مُنْد مَدَی، مستراحمد ، شی ے: یہ زمان دم مدتیبیر کا واقعہ ہے تنعیم کر کے قریب وہ مقام سے بھاں سے عمرہ کا احرام با ندسھتے ہیں،عوام اُسے عمرہ کتے ہیں۔ برمکہ سے تین حارمیں دُوروا فع ہے . بہ بہت آنٹہ کا قریب تدین مفام ہے جو حِلّ میں وا فع ہے ، بہیں سے کفّا، بُرُسے الادسے سے پنیچے اُکٹرسے اورگرفتا ڈیہوئے سقے ۔ سُٹم کا معنٰ قیدی سے ۔ یہ آ بہت سورہُ القَّنْح کی ہے ۔ رسوالٹ صلی الشعلیہ وسلم سفیکی وجوہ سے ان لوگوں پر قالو با لینے کے با وجو دانسیں آزاد کر دیا تھا رہلی ہر کہ آپ عمرہ کہ سف تشریف لائے مقے اورا حرام میں مقے - دوسری بیرکہ اس طرح سمم کے اندرا ورقر بیب خوند ہیری کا نعطرہ تھا۔ تبہری بیک صلح كى گفتگوه ي رسى تقى حواس سعمتاً شربوم اقى اور آت بهرصال صلح عاست عقد

٢٧٨٩ ـ كَنْ نَتُنَا عُمَدَّكُ بَيُ يَجَبَى بَنِ فَامِ سِ فَالَ ثَنَاعَبُكُ الرَّزَّاقِ قَالَ أَنَّا مَعْهَ مُرْعَنِ الزُّهُمِ يَ عَنْ مُحَمَّدِهِ ابْنِ بَجُهُ بِرِبْنِ مُطْعِدٍ عَنُ ٱبِيْدِ اَتَّ النَّبِيَ صَلَّى اللهُ عَكِينُ وَصَالَ لِأَسَامَى بَدُيدِ كُوكَانَ مُطْعِدُ بُنْ عَلِي حَبًّا ثُنَّةً كَلَّمَنِي فِي هُوَلاءِ النَّتْنَىٰ لَا طُلُقَتُهُ وَلَهُ.

جبیر بن مطعم^{رم} سے روایت سے کہ نبی صلی الشرعلیہ وسلم نے بدر کے قید بی_وں کے متعلق فرمایا: اگرمطعم بن عدی نرندہ ہوتا ، تعیروہ طحبہ سے ان بلیدوں کے با دے میں بات کراتا تو میں اس کی خاطرانہیں رہا کردنیا ریخاری، مسلم شرح : مُطعم بن عدی گوایمیا ن ندلا با عقا مگروہ ایک تمریف انسان بھا۔ بنی _{کا}شتم کے قطع تعلق کے بارے میں ہوتحرابل لكهي كئي متى يدسب سيريهلا متحض مقاحب سنعاس كيفلا ف احتجاج كها بقاا ورحب حضورٌ طا لف سع والس تشريع لا سے میں تو اسی نے حصنور کوا بنی ہمسائیگی رحوارہ میناہ ، میں داخل مکہ کیا تھا ،حصنور بنے یہ بات جبیر بر مطعم کی دلدار ک کے سلیے اوراسے ترعنیب اسلام کی خاطر فرما ٹی تھی نیز مطعم کے اس حسن سلوک کا بدنہ چکا نا بھی مَدِنظر ہوگا ۔اس سے بہت

يهلاكرقيد بول كوكسى تشرعى مصلحت سع بلا فدبير حيوارون فبالنهسير

حافظ ابن چرنے کہاسے کہاس حدیث سے یہ استدلال کیا گیا سے کہ ال ننیمت ہر جا بدین کا جک اس کی تقیم کے بعد ہی ٹابتِ ہوتا ہے۔ مالکیہ اور صنفیہ کا ہی ندم ہے۔ امام مثا فعی سنے کماکرم وف غنیمت ماصل ہوجانے سے ہی عابدین کی ملکیت تا بت سوماتی سے قتال کرنے والے قدیری کے متعلق سلف میں اختلاف ہے کہ ہیا امام کواس کی ر ہائی قتل یا غلام منانے یا فدمید میں اختیا رہے مانہیں۔امام ش فعی سنے کہا سے کہ امام اس میں مختار سے بحسن بقری سے منعول ہے کہان کے نز دیک قیدی کا قتل مکروہ سعے بس یاس پراحسان کرسکے رہا کیا جا سئے یا تاوان جنگ لیا جائے ا ورہبی قول عطاء کا سے ۔ ابن عربین سے مروی سے کہ انہیں اصطح کے بڑے ڈیس کوقتل کرنے کو کہاگی ہوقیدی تھا ، انہول ا مس سے انکارکہ دیااوریہ آیت پڑھی: فَاِثْمَا مُنَا جُنُدُ وَإِنَّا فِلَاعًا حَبَابِهِ اورا بن سیرتن سے بھی قیدی کے تشل ک کراست منقول سے . امام ابوصنیفر^و سنے کہاکہ امام کو قیدی سکے قتل کر سنے اور غلام بنا نے کا اختیار سیے اوراس **ب**ے اسمىان كرسكے چھوٹز نا جائزنىيں ىزاس كا فديہ لينا جائزسے - پيرتمام فقہائے اھساداس بيمتفق بھوگئے كہ قيدى كاقتل جا ٹمنرسے،اس میں ممیں ان کا کو ٹی اختلاف معلوم نہیں سبے ۔ا ختلا ٹ صرف فدیہ لیننے نہ لیلینے میں سمے ۔

فدُسِيئِيس بمادے فقہا شے حفیہ کا مسلک یہ ہے کہ (ظاہر روا بیت کے مطابق قیدی کو مال سے کرنہ مجبو ڈامبائے ا *درایل حرب میںسے بیچے کو فروخت ن*رکیا جائے گاا ور نہ انہیں مسلمان قبدیوں کے تبا دیے میں رہا کیا مبائے گا ،اویوست ور محمد بن الحسن سف كها كم مسكما نول كامشرك قيديول كي سائق تنا دله كرفيس كوئي حرج نسين واورسي قول تورى الفا مالک، شاقنی اوراحدکا ہے ۔ مگر عود توں کے بار سے میں انتوا ن سے ۔ فدیہ مجائمۂ کھرانے والوں کی ولیل یہ آست ہے فَإِمَّا مَنَّا مَعُكُوا مَّا فِذَا ٓءًا- آيت كاظا سِرقيديوں كا تبا ولہ مال سے اورقيد بولسے ميا ثُمُذ بحثراتا سبے - اورنبي صلى اللّٰد علیہ وسلم نے بدر کے قبیر بوں کا فدیہ وصول فر ما یا تھا ۔اور عمران تب حصین کی مدسی میں اس کا شبوت موجود سے کمہ

تقبقت نے دسول الٹرصلی الٹرملیہ وسلم کے اصحاب ہیں سے دوشخصوں کو قبیری بنا لیا بھا اور اصحاب دسول سنے بنی عامر بن صعصعہ کے ایک شخص کو قد کر رہا گتا اس نے دسول انٹرملی انٹرعلیہ وسلم سنے بوجھا تقاکہ مجھے کس جرم میں باندھا گیا ہ ىلمانوں كوآ ج كل ر باكر نا حائية ىز بوگا كيونكەكسى مسلمان كوحمە بى كا فروں كيے يوں سيرد نهس كسا ما سکتا ۔ صلح <u>مدیب</u>یہ مس دسول انٹرصلی انٹرعلیہ وسلم نے بہر شرط کی تھی کہ اہل کمہ میں سیے جوسلم ہو کہ مدینیہ آئے گا اُسے وا بپر رد ما حا ہے گا ، نسکین اب بہ منسوخ مہو تیکا ہے اورنی اکم م صلی اَنٹرعلیہ وسلم نے مشرکوں سکے درمیان ا قا مہت درکھنے سے منع ہے اورآ شے کا فرمان سیے، میں ہراس مسلمان سے ہری ہوں جومنٹر کوں کے درمیان رسیے ۔ اورایک بار فرمایا کہ سج ا ندرمقىم موااس كى ذميه دارى ختم بهوگئى ـ اورمىود م محمد كى حب آيت بىي صرف اسسان كريے ما فدېيە لے كمه قيدى نے کا ذکر سیےا وربچ جنگ پدرسکے قید لیوں سکے متعلق ہر وی سے بیا نٹرنغانی کے اس قول سکے مباکۃ منسوخ . فَا قَتُلُواا لَمُشُوكَانَ حَمُثُ وَجُدُهُ تَهُوْهُمُ لِي مشركون كوسمال ماؤمار ذَالوجُ. وَحُدُنٌ وْهُمُرُ وَا حُعْمُ وُهُمُ وَلَعْفُكُوا يَّ مُرُصَّدِهِ" اور النهي بَكِيرُوا ورهيرِ فراوران كَي برهمات من بيطو؛ فإنْ تَا بُوْا وَ ٱقَامُوالصَّبِ لَوْ وَ ٱتَوْ وَالْوَكُوْ سُبِينَ لَهُمْ الريم الكروه كفرس توبركريس را ورسلم مؤكر بنانة فالمحري ا ورزكاة واكرس توان كي راه جور دوك ستترى ا ورا بن جرج سے ہىم وى سبے اورانٹر تعاليے كا بہ تول كہ: فَا تِلْوُ الْكُنِ بُنَ لَا يُورُ مِنْوُثَ بِا لِلْهِ آنح ان لوگول <u>سے قتال کرو حوالٹ میرا ور قبا مت کے دن برایمان نہیں لاتے حتی کہ حبک کمرا پنے ہائفہ سے حزیہ ا دا یہ کمرس'' یس ان</u> ر **و** نوں ہمیتوں میں پیرمفنمون ہے کہ کا فروں سے قتال فرصٰ سیے حتیٰ کہوہ ایمان لائیس با ندنسل ہوکمہ جزیبا دا کہ س اور مال^ک سما تھ فدیر دینا یا بلا فدرہے تندی تھیوڑ دیا ان کے منا فی سے ۔اوراہل تغسراور آٹا برکے ناقل اس باب میں مختلف نہیں ہوگئے ہرسورہُ بارُ ہ سورہُ محردٌ کے بعد اُتر ی بھی بس وا حبب نہواکہ اس میں بیان ہونے والا مکم نا سخ ہوا س حکم سے لیے جو مورهٔ محدمی فدا، مال وعیره کانتا- اورانهول نے ا*س آیت سیرهی استدلال کیاست.* فاطہر کیُزا فَوْقَ الْاَعُلْنَاق - او میمکم ا خن و صنوب کے بعد ہو تاہے کیونکہ گردنوں کے اور تلوار کی ضرب رگانے کا معنی یہ ہے کہ انہیں موڑ سے انگ کیا حاسے اورقتال کی ما دست ہمں اس کی قدرت نہیں ہوتی ۔اس کی قدرت توقیدکر سنےاور کیڑنے سے بعد ہی ہوتی سے پیما ں تک عودتوں اور تحوں کا سوال سے وہ ماسے عربوں کی بموں باعثیرعربوں کی ، انہیں ہرما ل غلام بنا یا مباسٹے گا ، عرب مشرکوں ا مرتد وں سکے مردوں کوغلام نئیں ہاگی ماریکیا باکہا حنایت سکے ننر دیک وہ ماتومسیمان ہومایس ما انہیں قتل کمیا مائے کیونکہ نبی صلی انٹرولیہ وسلم سنے م<mark>وازن</mark> کی عورتوں اور بچوں کو قدیری بنا یا تھا حالا تکہ وہ عرب سختے ۔ اس طرح صحا ب^{یز} سنےان عربوں کی ں کو قبیدی ہنا یا عقام ہو مرتبہ تھے۔اور قبیریوں کو ذمی مناکمہ ازرو شے احسان تھیو ٹرنا مائز سے ،اورا مام کے لیے بیرحائز ہنا لہ قبیدی کو بلاعقبر ذمتر بھیوڑ دسے، نداستے قتل کرسے اور نہ لوگوں میں تقتیم کرسے ۔ اگر کہاجا سے کہ نبی صلی التُدمليہ وسلم سنے بی قرنظیمیں سسے ڈبیرین بالھا ل پراحسان کرسکے اسے رہا کردیا عمّاا وراس طرح اہل نحیبر ریاحسان فرمایا تھا، تواس کا مجوالب بیر سے کہ اس شخص کوملام نہ برچھوٹا کی تا ہت نہیں ہے۔ اہل نوپرایل کتا ب مقے حقنوٹر سنے ان برا مسان کر کے انہیں مسلمانوں کاکسان ا ور کا فتشکار بنا ما عقاا ور یجزیه سکے معنی میں بھا نہ کر ہلا ہجذ رہ ۔

بَاطِلِ فِي فِذَاءِ الْكَسِيْرِ بِالْمَالِ الله نَدَي كُونِدَ لَهُ اللَّهِ بِالْمَالِ ١٣٩٠ - كَمَّا أَكُمَا اَحْمَدُ اللَّهُ اللَّهِ الْإِنْ عَلْبَالٍ قَالَ ثَنَا اَبُونُوْمٍ فَالْ اَنَا

عِكْرِمَتُ بُنُ عَمَّا رِفَالَ تَنَاسِمَاكُ الْحَنَفِيُّ فَالَ تَنِي ابْنُ عَبَّاسٍ فَالَ ثَنِي عُمَرُبُنُ اُكَتَّطَابِ فَالَ لَتَمَا كَانَ يُومَ بُدُي مِا فَاحْذَ يُعْنِى النَّبِيَ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ الْفِلَاآع dَ نُزُلُ اللّٰهُ عَزُّوكِ جَلَّ مَا كَانَ بِنَبِي اَنَ يَكُونَ لَهُ اسُلِى حَتَّى يُنْتُخِنَ فِي الْأَرْضِ <u>لِ</u>كَ قَوْلِهِ لَمُسَّكُونِهُمَا أَخَنُ تُنُومِنَ الْفِكَ اعِثْمَ أُجِلَ لَهُو الْغَنَايُونَ فَالْ أَبُودَا وْرَسَمِعْتُ آحُمَكَ بُنَ كَنْبُكِلُ يُسْتَلُعْنُ إِسْمِ إِنْ نُوحٍ فَقَالَ أَقَ شَى إِنْصَنَعُ بِإِسْمِهِ إِسْمُ لَهُ شَنيعٌ قَالَ ٱبُوُ دَاوُدِ إِسْمُهُ قُرُادٌ وَالصِّحِبْمُ عَبْكَ الرَّحْلِنِ بُنُ غَزُوانَ -

ا بن عباس منسنے کہاکہ مجسسے عمرین الحطاب سنے بیان کیا ہ کہاکہ جب بدری جنگ ہوئی تو نبی صلحاللہ وسلم سنے فدیسے الترعزومل نے برآبت اتادی کس نی کیلئے زہب نمیں کواس کے قیدی ہوں تی کہوہ زمین میں خونر میری کرے اس فدیر لینے سکے برسے میں بڑی سزا ملتی ۔ مجراللہ تعالی نے ان کے سیے عنیم توں کو ملال کرویا ڈسسلم، ابوداؤ دسنے کہا کہ ہ سُناکہا حمد بن منبل کو ابونوح درا وی مدر پیشنیخ احدین منبل، کے متعلق سوال کیا گیا توا ہوں نے کہا : ٹم اس کے نام کوکیا کم اس کا نام براہے ۔ ابوداؤ ح سنے کہا ۔اُبونوح کا نا<mark>م قراد ت</mark>ھا اور صحح یہ سے کہ اس کا نام عبدالرحمل بن غزوال مقا ۔

شرح: مَن وفدادا ورقتل کے مشلے بیاو برگفتگوموگئی ہے۔خطا بی نے ان ہن احا دمنہ: ۹ ،۷۷۱،۹۷۱ ور ۷۸۸ سے است طا کیا ہے کہ امام قبید لوں کا جو میاہے نیصلہ کمہ ہے اسے اختیار سبے اور نہی مثنا فعی ، اوز آعی ہ احمد اور ثوری کا ندسیہ میں بیرع من کرتا ہوں کہ حبلک بدر کے قید بوں کے متعلق فیصلے کی اللہ تعالی نے توثیق تو فرمادی مگر ساتھ ہی بیعتاب بھی تا **زما دیاک**ر بهتر فیصلہ بیہ جو تاکہ بیرسب قتل کر دسیئے مباستے۔ تفاصیل کاموقع تفسیرسیے۔اور بھرانہی رہا شدہ قید بوں کی تعداد سکھے مطابق ا گلے سال مترمسلمان جنگ المحد ہیں شہر ہوئے ران حالات پس ان آیا ت کی روشنی سکے مانخت جنگ بدرسکے فدسیٹے کو همیشر کے بیے اخذ فدریہ کی دلیل بنا ناشا ید درست نہ ہو۔ اور وافعات کی اس دفتار کے بیش نظر سنفیہ و مالکیہ کے دلائل زبادہ توی معلوم ہوتے میں ۔اس میں صرف ایک ۱ شکال سے کہوب الٹرتعا سے سنے اختیار و یا مقاتو فدیہ سیسے پریحتا ب کیوں `اذل بوا اوردسول الترضلي الترعليه وسلم اورابو مكره ريق ح روست كيون رسيج اور حفنور سنے يہ كيون قربا ياكه اكران مير عذاب ه تا توغون کے سواکو ئی مذبحیتا ؟ اس افتکال کا جواب مولا ناشنے بر دیا ہے کہ عمّا بندک او بی بید نازل مہوا تھا-ا لنڈ تعالی نے اختیا راس سیے دیا تھا کہ نوگ اسینے اجہاد سے اس صورت کوا ختیا دکریں جو سجالتِ موجودہ اللہ کے نزدیک بیند بدہ تم ہو،اوربیب انہوں نے فدسیے کو اختیا رکدلیا توعاب نازل ہواکہ یہ بات متمارے درجے سے فرونر تھی کہ اولی کو ترک

کر کے اونی کواختیا رکر ستے۔ اوراس ہواب سے مبی بہتر ہوا ہیں ہہ کہ کبھن اصحاب کے دل میں نوبی مال کی طوف جمکا وُالو "عرض الدنیا "کی رعبت پیا ہوگئی متی ہمذا عمّا ب کے الف ظاکو عام وسیع مگر مخاطب دراصل و ہی سقے میسا کہ فرما یا ہے: شوکن وک عُکر منی الدہ شیکا والدہ ہوئی کو الدی ہوئی ہے۔ اوا لمعاد میں صافظ ابن القیم سنے کہا سبے کہ ہوگوں سنے اس امر بہر گفتگو کی سے کہ صفرت عمروض الشرعنہ کی دائے زیادہ ہم ہر صال اسی بہر بہوا تھا۔ رسول الشرصلی الشرطیبہ وسلم سنے اس موقع بر رصی الشرعنہ کی دائے نیا وہ فرین صواب متی کیونکہ فیصلہ ہم صال اسی بہر بہوا تھا۔ رسول الشرصلی الشرطیبہ وسلم سنے اس محواب موقع بر الو بکہر ہم کو المراہم الذی کا غلبہ تھا کہ اور موسی کو نوح اور موسی سے دیا ہو دونوں بغیر وں برد ہمت ورافت کا اور وور سے دو بر مبال وعند ب اللی کا غلبہ تھا گی اور معنوں کا گر یہ ان لوگوں کے ہاس سے نیا ہو تک میں بعن وزیوں ہے اختاب کا شال تھا کیونکہ اسیدے مواقع بر حب براطے تو وہ تو می مزاہوتی سے جیسے جنگ احد میں اور سربنگ حتین میں بہ شی آبا تھا۔ میں گذار می کرتا ہوں کہ حافظ ابن القیم کی داشے بڑی وقیع سے عگر اس مسئے پرگفتگو کی گئبا کش ہوتے ہو سے جی جال

عننائم بہلی امتوں پر حوام عقیں ۔الٹر تعالے ازلاہ رحمت اس امت کے لیے انہیں ملال تھہ اِباسیے ، اور بہر سپیز خصائکس نیوی ہس سے ہے ۔

سى درى يوسطه. ٢٧٩١ - مسكَّك نَشَأَ عَبُسُكَا لِرَّحُهُنِ بُنُ الْسُبَاءَ لِذِا لْعَبْشِينَ فَنَا شُفْيَا ثُنُ ثُنُ حَبِيْبِ

شَنَا شُكْبَهُ عُنُ اَبِي الْعَنْبَسِ عَنْ اَبِي الشَّعْنَاءِعَنِ ابْنِ عَبَّاسٍ اَنَّ النَّبِيَّ صَلَّى اللَّهُ عَكَيْدٍ وَسَلَّحَ جَعَلُ فِهَاءَ اَهُلِ الْجَاهِلِيَّتِ يَوْمَرَبْلِإِرْاَهُ بِعَمِيا ثُرِّةٍ - '

ا بن عباس م سے دوا میت ہے کہ منی صلی السُّرعلیہ وسلم نے امل جا ملہیت ومشرکییں ، کا فدیہ جنگ بدر میں چارسو درسم قار نور نا

نشیے : سرت حلبیہ س سے کہاں قید ہے ں کا فدیران کے اسحال سے مطابق تھا ،کسی کا چاد مزاد ،کسی کا تمین مزاد ، کسی کا وہ مزاد ؛ کسی کا ایک مزاد ، اور جومفلس سخے اور مکھنا بڑھنا جا سنتے تھے ان کا فدربر مدینہ کے دس ان پڑھ لڑکوں کی تعلیم تھا حبا مع البیان طری میں ابن عباس کی روابیت کے مطابق معبارٹ کا فدیہ چاہیں اوقیہ سونامقرم ہوا تھا۔ ایک اوقیہ چاہیں درہم کا مہوتا تھا۔ اورا مس کا بدل جے ویا رہو تے تھے مطلب ابن ابی و دا عرسے اس کے با ب کا فدیہ چاربزاد ورہم لیا گیا تھا ہیں ابن عبارت کے اس قول کا کہ ، ویارسو درہم مقرر مہوا تھا، یہ طلب سے کہ کئی لوگوں کا فدیرات تا تھا۔

٢٧٩٢ حَكَا نَنَا عَبُ لَا لَهُ مِن مُحَدَّي اللهِ النَّفَيُ فِي ثَنَا مُحَدَّلُ اللهُ عَن مُعَلَّم اللهُ عَن مُعَلَّم اللهُ عَن مُعَلَّم اللهُ عَن مُعَلَم اللهُ عَن مَعَلَم اللهُ عَن مَعَلَم اللهُ عَن مَا يَشَهُ مَا اللهُ عَن اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَن اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلْ اللهُ عَلْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَمُ اللهُ عَلْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَمُ اللهُ عَلْ اللهُ عَلْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَمُ اللهُ عَلَمُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَمُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَمُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَمُ اللهُ عَلَمُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَمُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَمُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَمُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَمُ عَلَى اللهُ عَا عَلَمُ عَلَمُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَى اللهُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَى اللهُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلِي اللهُ عَلَمُ عَلَمُ

وَبَعَنْتُ فِينُ بِفَكَ لَا يَهُ كَا كَانَتُ عِنْدَ خَلِيهُ اَدُخَلَتُهَا بِهَا عَلَى إِنِهِ الْعَاصِ فَالَتُ لَتَا عَالَهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ مَنَ لَهَا فَقَالُوا نَعَدُوكَانَ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اَن تُطُلِقُوا لَهَا اللهُ عَلَيْهِ الْوَعِمَدَةُ وَاعَلَيْهُا اللّهِ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَكَانَ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَ بَعَثَ مَ سُولُ اللهُ عَلَيْهِ وَ بَعَثَ مَ سُولُ اللهُ عَلَيْهِ وَ بَعَثَ مَ اللهُ عَلَيْهِ وَ بَعْتَ مَ اللهُ عَلَيْهِ وَ بَعْتَ مَا اللهُ عَلَيْهِ وَ بَعْتَ مَا مَن كَانِهُ اللهُ عَلَيْهِ وَ بَعْتَ مَا اللهُ عَلَيْهِ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَلَهُ عَلَيْهُ وَلَا عَلَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَلَيْهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللّهُ عَلَيْهُ وَلَيْهُ عَلَيْهُ وَلَا لَا اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَلَاللّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللّهُ عَلَيْهُ وَلَالْمُ عَلَيْهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَلَا لَا عَلَيْهُ وَلَاللّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ عَلْمُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللللّهُ اللللّهُ الللللّهُ الللّهُ الللللّهُ الللّهُ الللّهُ الللّهُ الللللّهُ

١٧٩٩ - حَكَاثَنَا احْمَدُ اَبِي مَرْيَعِ ثِنَا عَتِى بَعْنِ سَعِبُمَا بُنَ الْحَكُو قَالَ اَنَا الْمَدِي الْعَبْ سَعِبُمَا بُنَ الْحَكُو قَالَ اَنَ اللّهُ عَنْ عَنْ عَقَيْلِ عَنِ ابْنِ فِيهَا بِ قَالَ وَذَكْرَ عُرُولًا أَنْ اللّهُ عَلَيْهِ وَالْمَ اللّهُ عَلَيْهِ وَسَلّا وَأَنْ مَسْرُواكُ اللهِ صَلّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلّا وَأَنْ مَسْرُواكُ اللهِ صَلّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلّا وَأَنْ مَنْ اللهُ عَلَيْهِ وَاللّهِ مَنْ اللهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ وَقَالَ لَهُ مُرْدُكُ اللّهِ صَلّى اللهِ عَلَى اللهِ مَنْ اللهُ مَنْ اللهُ مَنْ اللهُ وَاللّهُ مَنْ اللهُ عَلَيْهُ وَقَالَ لَهُ مُرْدُكُ اللّهِ صَلّى اللهِ عَلَى اللهُ اللّهُ اللّهُ مَنْ اللّهُ اللّهُ مَنْ اللهُ عَلَى اللهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللللللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّه

عَبَيْهِ وَسَلَّمُ مَعَى مَنْ تَرُوْنَ وَاحَبُّا لُكِي يُشِ إِلَّ اَصُلَاقُكَ فَا خَتَارُوُ الِمَّا السَّبُى وَإِمَّا السَّبُى وَإِمَّا السَّبُى وَاللَّهُ عَلَى اللَّهِ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهِ عَلَى اللَّهِ عَلَى اللَّهِ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهِ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى الللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى الللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَ

مال؟ انهوں نے کہا بارسول النٹراکپ نے نہیں حسب اور مال میں اختیا سرد یاسیے، پس مہیں حسب زیا وہ پیندسیے اور م محسی مکبری یا او نرٹ کی بات نہیں کہ تے ۔ بس صفور نے فرمایا کہ : حوصتہ بنی یا شم کا سبے وہ متمال مچڑا اور میں تہاری فاطر سلمانوں سے بات کروں گا، تم بھی بات کروا ورا پنااسلام ظاہر کرد. بس جب حسنوٹر صلی اللہ علیہ وسلم نے ظہر کی نما ذہر جی تو وہ اسطے اور سلمانوں کو ترعنیب دی کہ ان سکے قدی تو وہ اسطے اور سلمانوں کو ترعنیب دی کہ ان سکے قدی والس کر دیں۔ پھران کے فادع ہو نے ہوئے ہوئے ہوئے اور سلمانوں کو ترعنیب دی کہ ان سکے قدی والس کر دیں۔ پھر اس کی ترخیب دی اور مسلمانوں کو اس کی ترخیب دی اعلان کیا۔ دی اور فرایا کہ میں اندر سلم نے بی اعلان کیا۔ صرف افر عملی میں میں اور عمی نہ بی حصن فرادی نے ایسا کر نے سے انکا دی دیا۔ اس پر دسول انٹر صلی انٹر علیہ وسلم نے ان کے حصوں سے آبند دیا۔ اس پر دسول انٹر حلیہ وسلم نے ان کے حصوں سے آبند دیا۔ اس بر در معاملہ طرم ہوگیا۔

٩٩٩٠ حَكَا نُنْنَا مُوسَى بُنُ إِسْمِعِهُ لَ ثَنَا جَمَّادٌ عَنُ مُحَمَّدُ اللهِ عَنْ عَمْرِو بَنِ سَعُينِ عَنُ عَمْرِو بَنِ سَعُينِ عَنُ عَلَيْهِ عِنْ جَلِامٍ فِي هَٰ لِهِ الْفِصَّةِ فَالَ فَعَالَ رَسُولُ اللهِ عَنْ عَمْرِو بَنِ سَعُينِ عَنْ اللهُ عَلَيْهُ وَسَاءَهُ وَا بُنَاءَ هُمُ وَا بُنَاءَ هُمُ وَا بُنَاءَ هُمُ وَا بُنَاءَ هُمُ وَا بَنَاءَ هُمُ وَا بَنَاءَ هُمُ وَا بَنَاءَ هُمُ وَا بَنَاءَ هُمُ وَاللهُ عَلَيْنَا اللهُ عَلَيْنِ اللهُ عَلَيْنَا اللهُ عَلَيْنَا اللهُ عَلَيْنَا اللهُ عَلَيْنَا اللهُ عَلَيْنِ اللهُ عَلَيْنَا اللهُ عَلَيْنَا اللهُ عَلَيْنَا اللهُ عَلِي اللهُ عَلَيْنَا اللهُ ا

بَاتِسِ فِي الْلِمَامِ يَغِيمُ عِنْكَ النَّطُهُ وَرَعَلَى الْعَثَاقِ بِعَرْصَتِ مِهْ وَ

باب اام غلیے کے بعد رسمن کے علاستے میں تھرا سے

مه ١٦٩ حَلَّا ثَنَا مُعَدَّنَا مُعَدَّنَا الْمُتَنَى تَنَامُعَا ذُبُنُ مُعَاذِح وَتَنَاهُرُونُ بَنَ الْمُعَادِح وَتَنَاهُرُونُ بَنَامُعَا وَحَ وَتَنَاهُرُونُ بَنَا اللهِ تَنَارَوْحٌ فَالاَتَنَاسِفِيْنَاعَنَ فَنَا وَلاَ عَنَا اللهِ عَنَا إِلْهُ مَلَحَدَ فَالاَ كَانَ اللهُ عَلَى الل

ا بوطلی شنے کہا کہ دسول السّم صلی السّر علیہ وسلم حب کسی قوم کر فتح با تے تو تمین من بعد ال میں مظہر سے دستے سقے۔ ابن المشنی کے نفظ یہ ہیں : حب کسی قوم ہر عالب آنے توان کے بعد ان میں مین دن عظہر فالپند کمہ تے سقے (مجاری ، ترمذی

دارمی ، نسائی ، سندا حمد) ابوداؤ د نے کہا کہ کئی بن سعید (القطان) اس حدیث پرطعن کرتا تھا کیونکہ یہ سعیّد کی قدیم مدیثوں میں سے نمین سبے ۔ کیونکہ وہ شاہد میں منغیر ہوگیا تھا اور یہ حدیث اس کی آخری عمر کی سبے ۔ منٹوج : سعیدسے مرادا بن ابی عرف برہے ہوئی تھا . نگراس حدیث کی منٹوج : سعیدسے مرادا بن ابی عرف برہے ہوئی کی سبے اور ان سے نز دیک ابوداؤد کا اعراض خلط سبے ۔ اس عبارت کے بعد بعض نسخوں میں یہ عبارت کے بعد بعض نسخوں میں یہ برعبا رست مجمی میں سبے کہ : ابوداؤ دسنے کہا کہ کہا جاتا ہے وکیع نے سعیدسے اس سمی تغیر کے ذمانے میں حدیث بیٹر حق میں لہذا۔ یہ لافق اعتبار سبے حدیث بیٹر حق سبے ۔ مگراس سند میں سعید سے دوا میت کہ اور اس معاذ بن معاذ بن معاذ اور رُوح میں لہذا۔ یہ لافق اعتبار سبے فتح سے بعد دشمن سے علاقے میں با میدان قتال میں مین دن مظہر نے کی مصلحت برجی تھی کہ شہداء کو دفن کی جائے ترمیوں کا علاج ہوا ورتھکن دور کی جاستی اور دعی بھی ہو سکے ، اور یہ تھی کہ اس معنت و حد علاقے کا انتظام درست کیا جائے۔ بعن دفعہ مظہر نے کی مسلحت بہیات اور دعی بھی ہو مسکتی سبے کہ مبادا ورشمن می ہو مباد کے کا انتظام درست کیا جائے۔ بعی تعی میں وسکتی سبے کہ مبادا ورشمن می ہو مبادات کی کوشش کر درست کیا جائے۔

باسبتاني التَّغُرِنْنِ بِأَنَى السَّبْي

فيد بول سي مداني كاباب

٢٩٩٧ - كَلَّا ثَنَا عُبُكَا اللَّهُ الْمَاكُ الْكَالَةِ الْمَاكُةُ الْمَاكُةُ الْمَاكُةُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّكُ اللَّهُ اللَ

علی صفی دوایت سے کہ انہوں نے ایک لوٹٹری اور اس کے بچے میں تفریقی کی تونبی صلی التُرعلیہ وسلم نے اس سے منع فرما یا اور ہی کورد کر دیا ۔ ابو واؤرنے کہا کہ میمون نے علی ماکونہیں بایا، وہ جی جم میں سائٹ ہوں میں قتل ہوا تھا ریس مندمنقطع سے

مشحیے: خطابی نے کہاکہ اس مشکے میں امل علم میں کوئی اختلاف نہیں کہ تھجو ہے بچے اور اس کی ماں میں تغریق نا حائز ہے۔ اختلاف صرف اُس عمر میں ہے جس تفریق کاعل نا جائز ہے ۔ حنفیہ کے نز ویک اس کی مد بلو ع ہے ۔ مثنا فقی کے نز دیک سات آکٹ سال، اور زاعی کے نز دیک حبب ماں سے مستغنی ہو جائے تو حدّ صغرسے فارج ہے مہالک نے کہا جب اس کے سیجھلے دانت نکل آئیں امام احمد نے کسی عمر یا حال میں تفریق جائز نہیں رکھی بنطا بی نے کہا کہ شائد احمد کے نزد کے تفریق کا

 \overline{a} and \overline{a} and

معنیٰ قطع رحم ہے کیونکہ صلۂ رحم توصغیرو کبیرسب میں وا حب ہے . حنفید کے ننہ دیک دوروں ئیوں کو مدا کرنا ہے کہان ہیں

سے ایک با سنے اور دورا نابا سنے ہو، مبائر نہیں، بھیورت ونگیر مبائز سے۔ نتا فعی کے نز دیک تحارم میں تفریق جائز سے صرف اولا داور مال میں جائز نہیں ۔ تمام علما ، کے نز دیک بونڈی اوراس کے حیو لے بیچے کو مبدا کرنا جائز نہیں

ما سبے کسی حال میں ہو۔ ہاں! اَلادی میں تفریق جا گزستے کیو نکر عمتق کفا لت ونگرا نی سسے مانع نہیں ۔اگر تفریق پر بیع واقع مہومائے توابو حنفیہ نے ہع کونا فذیکر کروہ کہ اسے ۔ نثا فعی کا غالب خرمیب پرسے کہ بیع مردود سبے اورابویوسف کا قول

مھی سے ان حصرات کا استدلال اس مدیث زیر نظرسے سے مگراس کی سند منقطع سے ۔

اس سے بعد ابو واؤدنے کہا؛ کہ واقعہ حمر ہستا ہے میں ہو ااور ابن زیر من کا قتل سی کھا جم میں ہوا تھا۔ یہ ذکر مدری سے یا باب سے متعلق نہیں سید نسب بین استطار اُ ا آگیا ہے۔ مولا ناکٹنے فرطیا ہے کہ میمون کے دیر جما جم میں تقتل ہونے سے سند کے انقطاع عرب دلیل صبح نہیں ، کیو نکہ علی شہادت سنگھ میں ہوئی تھی اور میمون اس واقعہ سے سات یا آ تھ سال قبل پدا ہوگ میں اماع ممکن سے۔

بَاسِ الرَّنْ عُهَنَهِ فِي الْمُكُارِكِينَ يُفَرَّقُ بَيْنَهُمُ

با تغور میں تفریق کی رخصت کا باب

عال تَنْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْنَا هَا الْوَنُ اللهُ عَلَيْ اللهِ فَنَا هَا اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْنَا اللهُ الله

وَفِي ٱبُدِيْ بِهِ وَإِسُرَى فَعَكَ الْهُ مُو بِثَلِكَ ٱلْمُرْاً قِ

سامی بن اکوع نے کہا کہ ہم ابو کمرظ کے ساتھ ہما دکو نکلے اور رسول الڈھ کیا لٹہ علیہ وسلم نے انہیں ہم ہم ہا اور کرظے اور سے بنا ہیں ہم نے فردارہ سے جنگ کی اور اس ہر غارت ڈالی ۔ پھر میں نے بوگوں کی ایک جماعت دیھی جس میں عور تمیں اور بیجے تھے لیس میں نے بتر بحب تیکا تو وہ ان کے اور ہم لاکے درمیان گرا، پس وہ اسٹے تو میں انہیں جفرت ابو مکریٹ کے باس سے آیا۔ ان ہیں فرا ان کی معود ت تھی جس ہم ہورت تھی جس ہم ہو ان کی ایک عود ت تھی جس ہم ہو ان کی ایک میں میں مدینہ میں آیا تو دسول الشرصلی الشرطیا و سلم جب سے طے اور مولیا یہ اس میں میں مدینہ میں آیا تو دسول الشرصلی الشرطیا و ما مجمود تھے سے طے اور مولا اور میں ہے کہا ؛ واقت رہے ہم بہت بہت بہت ہے اور میں نے اس کا ہر وہ نک نہیں کھولا۔

اب سے سنم ہر وہ وہ الشرشرے باب کو اجر درے ۔ بس میں سے کہا ؛ یا رسول الشرصلی الشرعیہ سے اس کا ہر وہ نہیں کھولا اور وہ میں آپ کو وہ تیا ہوں ۔ بس حف وہ عورت کہ والوں کی طوف تھیج جن کے یا محقوں میں مسلما ان قدیدی سے جفور ہے ۔

آپ کو وہ تیا ہوں ۔ بس حفنور سے وہ عورت کہ والوں کی طوف تھیج جن کے یا محقوں میں مسلما ان قدیدی سے جفور ہے ۔ اس کا ہر الم کہ کہ الجماد ،

شیرے: بعول خطابی اس مدسی میں با نغوں کے درمیان تغریق کے جوازی دلیل سیےا وراحمد بن منبل کامسلک اس کے خلاف سیے سلام کام مسلک اس کے خلاف سیے سلام کام مسلک اس کے خلاف سیے سلام کام مسلک اس وقت مشرک نونڈ یول سے وطی مبائز تھی اور یہ واقعہ مدید ہیں کہ سے پہلے کا سیے ۔ اوراگر بیرعورت کفر میں ندرم ہی توقید ہولک تنا دسے میں اسے مکر جمیعا مبائز ندم والکہ ہاں وقت کا فہتے ۔

بَاهِ اللَّهِ إِنَّ الْمُكَالِ يُعِينُهُ إِلْعُكُ وَكُونَ الْمُسَلِمِ إِنْ مُمَّ يُكُارِكُمُ صَاحِبَهُ وَالْفَيْحُمَاء

باب مسلمانوں کا جو مال دشن لوط سي كهروه مال غنيمت بيس كمانوں كے فاقع مي آجائے

٢٩٩٨ حَكَ ثَنَا صَالِحُ بُنُ سُهُيلٍ ثَنَا بَحَيْى يَعْنِى ابْنَ اَبِى نَا اللهِ عَن عَبَيلِ اللهِ عَن اللهِ عَن اللهِ عَن اللهِ عَن اللهِ عَن اللهِ عَن اللهُ عَن اللهُ عَن اللهُ عَدَوا بِق إلى الْعَلْ وَفَظَهَ رَعِلَيْهِ اللهُ عَلَى اللهُ عَدَوا بِقَ إلى الْمِن عُدَرُونُ وَفَظَهَ رَعِلَيْهِ اللهُ عَلَى اللهُ عَدَد اللهُ عَد اللهُ عَ

نا فع سنے ابن عمرمنسسے دوا بیت کی کم ابن عمرم کا ایک غلام وشمن کی طون کھاگ گیا بھرمسلمان اس بہرغا لب آگئے تو رسول النٹرصلی النٹرعلیہ وسلم سنے وہ ابن عمرم کو وا نس کردیا اورا بھی وہ تعلیم نہ ہوا تھا۔ را بودا ؤ دسنے کہا کہ بہ غلام ابن عمرم کو ناللہ بن ولیدسنے وا بس کیا تھا ،

مشرح : خطآبی نے کہا کہاس مدین سع معلوم ہوا کہ شرک مسلمانوں کے مال کے مالک نہیں ہوسکتے اور حب بھی وہولیں آئے گا مالک کا ہوگا ۔اس مسلم میں انتلاف ہے ۔ سٹا فعی شنے کہا کہ قبل از نقیم یا بعد از تقییم وہ ہر مال مسلمان کا مال سے -اوزای

٢٩٩٩ - حَكَّا نَكُ الْحُكَمَّةُ الْكُنْ الْكُنْبَارِى وَالْحُكَنُ الْكُنْبَارِى وَالْحُكَنُ الْكُنْ الْكُنْكَ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَيْكُ وَاللهُ عَلَيْكُ وَاللهُ عَلَيْكُ وَاللهُ عَلَيْكُ وَاللهُ عَلَيْكُ وَاللهُ عَلَيْكُ وَاللهُ اللهُ عَلَيْكُ وَاللهُ اللهُ عَلَيْكُ وَاللهُ اللهُ عَلَيْكُ اللهُ اللهُ عَلَيْكُ اللهُ عَلَيْكُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْكُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْكُ اللهُ اللهُ عَلَيْكُ اللهُ اللهُ عَلَيْكُ اللهُ اللهُ عَلَيْكُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْكُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْكُ اللهُ اللهُ عَلَيْكُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْكُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْكُ اللهُ اللهُ

ا بن ع دم نے کہا کہ ان کا دخو دا بن ع دم کا) ایک گھوٹرا جا تا رہا اوراسے دشمی سنے بکیٹ لیا ، بھرمسلمان مشرکوں پر خا لب کا سکتے توجہ گھوٹرا امنیں دسول انٹرصلی انٹرعلیہ وسلم سے عہد میں وائس دیا گیا ۔ اوران کا ایک دشمن بھاگ گیاا ودمرز مین رقوم میں میلاگیا ، بھرمسلمان دومیوں پر غالب آ سکتے تو نبی سلی انٹرعلیہ وسلم سے بعد خالد شہر الولدیہ سنے وہ غلام ابن عمرام کو وائیس کیا دبخارتی ، ابن ما ہے ،

بَاطِيِّلِ فِي عَبِبُ بِالْشَيْرِكِيْنَ يَجْفُونَ بِالنَّسَوُلِمِيْنَ فَبِسُلِمُونَ.

باب مِنْركول كے خلام المُمسلما نول سنے آئلیں اوراسلام سے آئیں

مَلْمَةُ عَنْ مُحَمَّدُ الْمُعْ الْمُعْ الْمُعْ الْمُعْ الْمُعْ الْمُعَ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَل

عَلَىٰ هَٰذَا وَ أَنِي أَنْ يَرُدُّهُمُ وَقَالَ هُمْ عَتَقَاءُ اللَّهِ عَزَّوَجَلَّ .

علی بنُ ابی طالبسے دواریت ہے کہ انہوں نے کہ انہ تھ تہہ کے دن مشرکوں کے کچر غلام صلح سے پہلے دسول الٹر صلی الٹرعلیہ وسلم کے پاس آ گئے۔ ان کے مالکوں نے دسول الٹرصلی الٹرعلیہ وسلم کو لکھا ، اسے محمدُ ! والٹریہ غلام آپ کے دین میں دعنبت کے باعث نہیں آئے ملکہ صرف غلا می سے بھاگ کم نشکے میں ۔ یس کچے لوگوں نے کہا : یا دسول الٹرانہوں نے سیح کہ ، انہیں واپس فرما دیر بچئے ۔ پس دسول الٹرصلی الٹرعلیہ وسلم غفنب ناک ہو سکے اور فرما یا : اسے قریش کی جا عدت ہیں تہیں ماز آتے نہیں د کہ بتا حتی کہ الٹرنو تا لی تم ہر الیسے لوگوں کہ بھیجے بچاس جہزیر تہماری گر دمیں کا تمیں . اور حفود سے انہ میں کا در الٹرع و صرف کے لیے آزاد میں رہے تھا ہوا ب المناقب

تشمی بخطا بی نے گہاکہ یہ مدین اس مسئلہ میں اصل ہے کہ دارا لکفر سے اسلام لاکنکل آنے والوں کو را گہ وہ پہلے غلام سے ہم مسلم شمار کیا جائے گاا وران کی پہلی مالت کا تعدم ہوگی ، ہل اگر ایک آقا اپنے غلام سمیت آجا سے اور دونوں مسلم ہوجائیں توہ حسب سابق آقا وغلام ہوں کے کیونکہ بوقت خروج ان کی ہی حیثیت تھی ۔ عباک کمرآنے والے غلاموں کی بیرمالت شمار مدمولات اس کے برعکس ہومشلاً دارا لکفر میں ایک غلام آقا بن مبی اور اس سے ایک غلام بنایا پھر دونوں مسلم ہوکہ اور اس سے ایک غلام بنایا پھر دونوں مسلم ہوکہ اور ار آگئے تو دا دالاسلام میں آکہ دونوں کی بی مالت برقرار رہے گی ۔

زید نظرمدیث ابوطاؤد، تر خری اور مستدرک میں ہی ہے اور حیرانی کی بات ہے کہ اس میں یہ واقعہ مدیمیہ کا بتایا گیا ہے مالانکداہل سیرمتفق ہیں کہ یہ واقعہ غزوہ طالف کا سے۔ یہ کسی داوی کی غلطی سے ہوا سیے۔ اس میں یہ بھی نہ کو سے کہ کچھوگوں نے کفار سے قول کی تقدریق کی تھی۔ مولا ناکشنے فرما با کہ صحابۂ کبا رسے یہ توقع نہیں کی مباسکتی کہ ایسا کہ می اور پچراس میں مصورہ کا خطا ب قریش شے بتا باگیا سے ذکہ اپنے اہل قافلہ سے۔ اور انہیں مشدید عذاب کی دعی دیسا کی گئی۔

يے، براس كى دلىل كرخطا بمسلمانولسك ناتا .

مَا حَسِل فِي إِمَا حَرِ الطَّعَامِ فِي الرَّضِ الْعَمَّاقِ وشن كى مرزين من طعام كيرياح بونه كالاب

١٠٧٠ حَكَّا تَكُا ابْرَاهِ يُمُرِينُ جَمْزَةَ النَّرْبَيْرِينُ ثَنَا اَسُ بُنُ عَيَا ضِ عَنُ عَبَا اللهِ عَنْ مَا اللهِ عَنْ مَا إِنْ عَمُراتَ جَيْشَا غَفِوْا فِي مَا مَا بِ رَسُولِ اللهِ صَلَّى اللهُ عَبْدُ اللهِ عَلَى اللهُ

عَكِيثِهِ وَسَلَّوَ طَعَامًا وَعَسُلًا فَكُو تُوْجَنُّهُ مِنْهُ مُوالْحُسْنَ .

ابن عمر منستے دوایت ہے کہ مرسول النٹرصلی النٹر علیہ وسلم کے زیا نے میں ایک نشکر سنے کچیہ کھاناا ورشہ دی لطبور مال غنیمت یا یا کسی ای سے خمس نہ لیا گیا ۔

عبدالٹرہی منفون نے کہاکہ جنگر خمیر ہیں چہ ہی کی ایک تھیلی پنچے نظائی گئی ہیں اس کی طوف آیا اوراس سے چہٹ گیا بھرس نے کہا کہ ہیں اس ہیں اس میں سے کہی کہا بھر ہیں چھچے مڑا تو دسول انٹرصلی انٹرملیہ وسلم ممیری طوف مُسکرادسے نقے ۔ لربخادی مُسلم، نساتی ۔ وارتی ، مسئدا حمد ب نشی ہے : اس مدیث کا مفنمون دیزکہ قصتہ کھیلی حدیث سے المتا جلتا ہے۔ والا لح ب ہیں عجا بدیں کور وزمرہ کے کھلنے

سننابي داؤد صدر يحبارم

پینے اور استعمال کی چیزوں کی اجازت ہے۔ ان کا ذخیرہ نزکیا جائے ، انہیں دالالسلام ہیں نہ لایا جائے ، ابوالولیدطیالسی کی صدیث ہیں ہے کہ معنور '' سنے چربی کی تقبیل کے متعلق معبدالسُّدین مغفل سے فرمایا تفاکہ: ' بہ ننبری ہے '' اس سے ہہ جی معلوم مہوا کہ کفا رکی صلال جبیروں کا استعمال جائز ہے بچہ بی کا استعمال اسلام نے روا دکھا ہے گوہیو دیے۔ ہیے حمام می

معلوم نبير كه يد كسى خد كيون كبينك دى تقى د شايد بطور استهزاء يا بيكا د جان كر صبيلي بوگ كا مبتك في النهمي عَنِ النهم بي إذ كاك في الطعام فِلَهُ فِي السَّطِعام فِلَهُ فِي الرَّضِ الْعَمَاقِ

دشمن كى رزين مي حبكه طعام كى فلكت بهو تو يوسط ماركى مما نعن كا باب

س.١٧٠ حَكَّا ثُنَّا سُكَيْمًا ثُن حُرْبٍ ثَنَا جَرِيْكِ بَيْنِي (بُن حَانِيمٍ عَنْ يَعْلَى بُنِ

حِكِيْمٍ عَنْ رَبِي لِبِيهِ فَالَكُتَّامَعَ عَبُدِ الرَّحُمْنِ بْنِ سَمُمَ وَ بِكَا بُلَ فَا صَابَ التَّاسَ غَنِيْمَ فَا اللهِ عَنْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ يَهُمَ عَبُدِ الرَّحُمْنِ بُنِ سَمُ وَاللهِ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ يَهُمَى خَنِيمَ فَا اللهِ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ يَهُمَى وَسُولَ اللهِ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ يَهُمَى فَاللهِ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ يَهُمَى

عَنِ النَّهُ بِي فَرَدُّ وَامَا اَخَنُّ وَافْقَسَّمُهُ بَيْنَهُ كُرِ-

اورمقا می مسلما بول کے در میان جنگ مباری ہے۔

٢٠٠٨ حكانك مُحَدَّهُ وَنُ (لَعَكَاءِ نَنَا أَمُومُعَاوِبَهَ ثَنَا أَمُولِهُ عَنَا أَمُولِ شَعْقَ التَّنَبُ افِي

عَنْ مُحَتَّدِ أَنِ اَ فِي مُجَالِدٍ عَنْ حَبُدِ اللهِ أَبْنِ أَفِى اَوْفَى قَالَ قُلْتُ هَلُ كُنْمُ تَعَيِّسُونَ يَعْنِى الطَّعَامَ فِي مُعَهْدِ رَسُولِ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَبْهِ وَسَلَمَ فَقَالَ اَ صَبْنَا طَعَامًا يَوْمَ خَبُبَرَ فَكَانَ الرَّحْبِلُ يَغِيْمُ فَيَا خُذَا مِنْهُ مِنْهُ مِنْ مَا يَكُونِ بِهُ وَتُكَالَ اَ صَبْنَا طَعَامًا يَوْم

ابوفجالد نے عبداللہ بن ابی اونی اسے پوٹھا کہ کیا تم لوگ رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم کے عہد میں طعام کافمس نکا سلتے سختے ؟ توعبدالسرنے کہ کہ بنگ نحیہ میں عمام ملا بس آدمی آتا اور اس میں سے اپنی کفائت کی مقالہ بہ سے لیتا بھر صلا جاتا تھا زیعنی وہ روز مرہ کے کھانے کی چیزیں تھیں مثلاً بھیل یا فلّہ وعیٰرہ لہذا انہیں بطور مال غنیمت نقیم نہیں کیا گیا ملکہ حسب صرورت ہر ایک پر مُباح کردیا گیا اور لوگ ان میں سے اپنی صرورت و کفائت کے مطابق سے جاتے سکتے ۔ اگر کو ٹی ذخیرہ کرنے کی چیز ہوتی یا مقدار میں بہت زیا دہ ہوتی تواسے ممس نکال کہ تقیم کیا جاتا) جاسے سکتے۔ اگر کو ٹی ذخیرہ کرنے کہ گئیا ہوئی المسین تی شنا اکھو الاکھو ھیں عثن تھا ہے ہے کہ بھی خیث

ا اُن كُلَيْبٍ عَنْ آبِيهِ عَنْ رَجُهِلِ مِنَ الْانصَايِ قَالَ خَرَجُنَا مَعَ دَسُولِ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْ اللهُ عَنْ آبِيهِ عَنْ رَجُهِلِ مِنَ الْانصَايِ قَالَ خَرَجُنَا مَعَ دَسُولِ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّو فَي سَفَرِفًا صَابُولَ غَنْ سَلَا يَكُنَّ مَثَلِ يُكَانَّةُ وَجَهُنَا فَاصَابُولَ غَنْ سَلَا عَنْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّو يَكُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّو يَهُفِي عَلَى فَا نَتَهُ بَعُولِ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّو يَهُولُ اللهِ مَنْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّو يَهُولُ اللهِ فَوْسِهِ فَتَرَجَعَلَ يَرْمُلُ اللّهُ عَرَبا لَا نَزَابٍ ثُمَّرَ فَالَ إِنَّ وَوْسِهِ فَاكُولُ اللّهِ عَرْ اللّهُ عَرْ اللّهُ عَرْ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَرْ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَرْ اللّهُ عَلَى اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ الللّهُ الللّهُ اللللّهُ اللّهُ اللللّهُ اللّهُ اللّهُ ال

التَّهُبُهُ يَسُنَتُ بِأَحَلَ مِنَ الْمَيْتُةِ أَوْاتَ الْمَيْتَةَ لَيْسَتُ بِأَحَلَ مِنَ النَّهُبَةِ الشَّحَ

ِ هِنُ هَتَادٍ ـ

عاصم ابن گلیب نے ایک انصادی مرد سے دوایت کی کہم ہوگ دسول الٹرصلی الٹرعلیہ وسلم کے سا تفرکسی سفر میں سگئے، پس نوگوں کوشر بدضروریت اور تکلیف پنچی اور انہیں بھیٹر بکر ہاں ملیں تووہ انہوں نے نوٹ نیس بھاری مہنٹ یاں اُمبل دہی تقیں کہ اچا ٹک دسول الٹرصلی النٹرعلیہ وسلم اپنی کمان شمے سہادسے پر میلتے ہوئے تشریف لائے اور آپ سنے اپنی کمان سکے سماتھ ہماری مہنٹ یاں اسط دیں عتی کہ گوشت مٹی سسے اودہ ہوگیا۔ پھر آپ نے فرما یا کہ نوٹ کھسوٹ مردام سے زیادہ حلال نہیں یا یہ فرمایا کہ مرداد لوٹ کھسوٹ سے زیا دہ حدال نسی شک مینا دراوی کا سے۔

نشی ج: اس مدیث میں براشکال سے کہ لوگوں کوشد ہدیا جت تھی اور صرفر دئت کے وقت دارا کر ب میں کفار کا مال جسب ماحبت بے کر کما بینا مائز تقا مبیسا کہ او ہرگزر رکھا ، تو مجر حضنور مسنے ان بریہ سختی کیوں فرمائی ؟ اس کا حجاب ملامہ قاری اور قاضی شوکا تی سے یہ دیا ہے کہ صرورت من ر توسب ستھے اور سے لیا تقاصرت چند لوگوں نے ، لہذا حضور سنے از رادی تا

بَاسِيل فِي بَيْعِ الطَّعَامِ إِذَ افْضَلَعَنِ النَّاسِ فِي ٱرْضِ الْعَدَّةِ

دارا کرب میں بوگوں سے بچے موسے طعام کی بع کا باب

٢٠٠٠ كَلَّا ثَنَا كُتُكَا مُنَ الْمُصَفَّى تَنَا كُعَتَكُ بُنَ الْمُبَارَكِ عَن يَعِنى بَنِ

خَنَرَة ثَنَا اَبُوعَبُ والْعَزِيْرِ شَيْخُ مِنَ اَهُلِ الْاُمُ دُتِّ عَنَ عَبَادَة بَنِ نَسَيّ عَنَ عَبُوالاَّ مَن اللهُ عَنَو قَالَ مَا الطَنَامَ والنّ الْكُمُ دُتِّ عَنْ عَبُوالاَّ حَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ المُعَلّمُ اللهُ المُعْلَى المُعْلَى اللهُ المُعْلَى المُعْلَى اللهُ المُعْلَى المُعْلَى المُعَلَى المُعْلِ المُعْلَى المُ

عبدالرجمان بن عنم نے کہا کہ ہم تنسر بن شرمین شرحیان بن سمط سکے ساتھ وشمن کے مقابل بیٹ سے سے بجب اس نے بہد نیخ کرلیا توہست می گائے ہمین اور بھیل کہریاں بطور غنیت ماصل کیں ۔ بس اس نے ہم میں کچ حقہ تعلیم کیا اور اپنے اللہ بالم عند الدحول الشرح کی سے کہا کہ ہم میں محاوی حب سے بلا اور اسے بروا قورشنایا ۔ بس معا وضے کہا کہم نے رسول الشرصی الشرصی الشرح کی اور ہم ہمیں با نے ویا اور باقی ال غنیت میں دکھ لیا (ترجہ الباب میں بع کا ذکرسیم کمرصدیث اس سے ساتھ میں موجو کہا ہمیں بائے کا ذکرسیم کمرصدیث اس سے ساتھ ہمی کہر سکتے ہم اور کیا اور میں الم الب بیں بع کا ذکرسیم کمرصدیث اس سے ساتھ ہمی کہرسکتے ہمیں با نے ویا اور باقی ال غنیت میں دکھ لیا (ترجہ الباب میں بع کا ذکرسیم کمرصدیث اس سے ساتھ ہمی کہرسکتے ہمیں اور کچ حقہ لقدر موزورت باض کر باقی ال غنیت میں معنو توکر سے کا دار المحتاد الدا لمحتاد دارا ہمیتار ہمیں مال غنیت کی تعلیم میں بازی اور کھر حقہ بالم ما ہے استہاد سے اجتماد الدا محتاد ہمیں اور الی خور میں اور الی غنیت کے سیا جو تو تب من کہر تعلیم میں اور وحت ماجہ بات کہ سے باتھ الدا میں جب بات کہ الم المحتاد ہمیں ہمی کہر تو تو تب من کے میں اور ال کی خرید و وحت ماجہ بات کہا ہمیں کہر تعلیم میں اور کھر تھے کہ میں اور کھر تھے کہا تو اس میں موجود کی کہر اس کے میں اور ال کی خرید و وحت ماجہ بات کہا ہمیں کہر تعلیم کہ اس کے میں اور ال کی خرید و وحت ماجہ بات کہا وہ سے سے کھر کا جو کر نا جا کہ نہر ہمیں ہمیں کہا تھی ہمیں کہا تو اس میں سے میں موجود ہمیں کہ اور کھا تو میں ہمیں کا لائوں کہ باتی کہ کھا تے کہ کھرائے کہ میاب و میں کے میاب و کھر کے میاب کے کھر کے میاب کے کھر کے می

بالل في الرّجل بنتفع من الغينيمة بنتي عم اس شخص كاباب جو مال منيت من سيرس نفع اظائ

٨٠٠٨ حكانكا سَعِيْكُ الْمُنْ مَنْصُوْرِ وَعُمْانُ الْنَا الْمِنْ الْمُنْكَا الْمُوكَا وَيَهُمَانُ الْنَا الْمُوكَا وَيَهُمَا وَيُهُمَانُ الْمُنْكَا الْمُنْكَا الْمُنْكَا الْمُنْكَا وَيُمْكَا وَيُهُمَّا وَيُهُمَّا وَيُهُمَّا وَيُهُمَّا وَيُهُمَّا وَيُهُمِّ الْمُنْكَانَ الْمُنْكَانَ عُنْ اللهُ اللهُ

وَمَنْ كَانَ يُؤْمِنُ بِاللَّهِ وَبِأَلِبُومِ الْأَخِرِفَكَ يَلْبَسُ ثَوْبًا مِنْ فَيُ الْمُسْلِمِينَ حَتَّى إِذَا

أُخْلَقُهُ رَدُّهُ إِنْ مِنْ مِ

رٌو لفع بن نابیت انصاری سے دوایت ہے کہ نبی کریم صلی التّٰہ علیہ وسلم نے فرما یا ، ہوشخص التّٰہ اور قیامت کے دن پرایمان رکھتاہے اسے مسلمانوں کے مال فئی میں سے کسی وانور کی سوادی واٹر نہمیں کہ حبب اُسسے کمزود کر دسے تو پھر مال غنیمت میں وامپن لوٹا دسے ،اور ہوشخص التّٰداور کچھیلے دن پرایمان رکھتا ہے اسے مسلمانوں کے مال فئی میں سسے کوئی کپڑا پیننا مبائز نہیں کہ جب اُسے پہرا ناکہ دیے توغنیمت میں واپس لوٹا دسے ۔ **

شمرے: مُعَالَم استَن سب که دخمن کے متھیاروں اور جا نوروں کا استعمال مالت جنگ میں صرورت کے سبسے جا تُر سبے۔ اس میں مجھے اہل علم میں سے کسی کا ختلاف معلوم نہیں۔ حنگ ختم ہونے کے بعدان چنر وں کو مال غلیمت میں دا ضل کیا جائے گا۔ دوسری اسٹیا مثلاً کپڑے وغیرہ کا استعمال سخت صرورت دمثلاً سر دی گر می سے حفاظت اور سر مدیر قیام کے سیے قوت ہم سبی نا ہے علاوہ مائز نہیں اور اعتی نے مالت اصطاد کی شرط لگائی سے بیس مدیث میں جو خما نعت سبے وہ بلا صرورت استعمال کی ہے۔

ماريمان في الترخصة في السلام يقاتل برفي المعركة

و. ١٢ - حَكَ ثَنَا مُحَدَّدُهُ أَنُ الْعَلَاءِ فَالَ آنَا إِبْرَاهِ يُحُرِيعُنِى آبُن يُحُسُفَ آبُ إِنْ يَكُوسُفَ آبُ إِنْ يَكُوسُفَ آبُ إِنْ يَكُولُ السَّبَيْعِيِّ فَالَ تَكُن آبُو عُبَيْدَا لَا عَنْ السَّبَيْعِيِّ فَالَ تَكُن آبُو عُبَيْدَا لَا تَعْنَ السَّبَيْعِيِّ عَنْ آبُو عُبَيْدَا لَا تُسَالِعُ عَنْ إِنْ السَّبَيْعِيِّ فَالَ تَكُن السَّبَيْعِيِّ عَنْ آبُو عُبَيْدَا لَا تَعْنَ السَّبَيْعِيِّ فَالَ تَكُن السَّبَيْعِيِّ عَنْ آبُو عُبَيْدَ السَّبَا اللَّهُ عَنْ الْحَالِقُ السَّعَالَ السَّبَاءُ عَنْ الْعُلَامِ اللَّهُ عَنْ الْمُعَالِقُ السَّبَاءُ عَنْ الْمُعَلَى السَّبَاءُ عَنْ السَّبَاءُ عَنْ الْمُعْلَى السَّعَالَ عَلَى السَّعَالَ السَّبَاءُ عَنْ الْمُعَالَى السَّبَاءُ عَنْ السَّعَالَ السَّعَالَ السَّبَاءُ عَنْ الْمُعَلَى السَّعَالَ عَلَى السَّعَالَ السَّعَالَ عَلَى السَّعَالَ السَّعَالَ عَلَى السَّعَالَ السَّعَالَ السَّعَالَى السَّعَالَ السَّعَالَ عَلَى السَّعَالَ السَّعَالَ عَلَى السَّعَالَ السَّعَالَ عَلَى السَّعَالَى السَّعَالِي السَّعَالَ السَّعَالَ عَلَى السَّعَالَ عَلَى السَّعَالَ عَلَى السَّعَالَ عَلَى السَّعَالَ عَلَى السَّعَالِ عَلَى السَّعَالَ عُلَى السَّعَالَ عَلَى السَّعَالَ عَلَى الْعَلَى السَّعَالَ عَلَى السَّعَالَ عَلَى السَّعَالَ عَلَى السَّعَالَ عَلَى السَّعَالَ عَلَى السَّعَالَ عَلَى الْعَلَى الْ

رَبِيُهِ فَأَلَ مَرَدُتُ فَإِذَا ٱبُوْجَهِلِ حَبِرَيْعٌ فَكَ صُرْبَتُ رِجُلُهُ فَقُلُتُ كَيا عَسُكاق اللهُ يَا أَبَاجُهُ لِ فَكُ أَخُزَى اللَّهُ الْآخِرَفَ الْ وَلَااهَا بُنَ عِنْهَ لَا لِكَ فَقَالَ أَبُعَكُمُ مِنْ رَحْجِلِ قَتَلَهُ قُومُهُ فَخَكُرُبُتُمْ بِسَبْعِن غَبْرِطَا مِلِ فَكُورُ يُغْنِ شَيْعًا حَتَّى سَقَط سَيْنَفُهُ مِنْ يَيْرِهِ فَخَرَبُتُهُ بِهِ حَتَّى بَرَكَ ـ

عبدالهردي مسعود سيمروى سع كرا شور نے كها بي ميلان (بدر) مي گزراتوا يا نك مس سندابوجب كوگرا بوا د مکیما اس کا باؤں اٹرا دیا گیا تھا۔ بس میں سنے کہا: اسے دشمن خدا ، اسے الوحہل ، التّٰدسنے بد کارکو دلیل کرد <u>یاسے بعب</u>التہ نے کہا کہ اس وقت مجھے اس کی سببت نہ تھی ۔ سی الوجہل نے کہا: اس سے زیا دہ تو کھے منہ بر ہوا کہ انک آ دمی کو اس کی قوم نے قتل کر دیا ہے ۔ بیس میں نے اسے تلوار ماری مگریے س*ٹو د۔ اس کی تلواد اس سے بڑیفہ سے گریٹ* ی تومس نے اسی ک ساغة اسيرحوط بيكا بي حتى كيروه تفيناً البوكبارنسا في مختصرًا

ستوح :اس واقعهسے ابوداؤ دسنے میلان جنگ ہیں دشمن کے معقبار کواستعمال کرنے کا مہوت نکا لاسے کیونکر علیہ بن مسعورة نے ابویمیل کوخو داس کی تلوار کے ساتھ قتل کیا تھا اور بہ و اقعہ مال غنیمت کی نقسیم سے قبل پیش آیا تھا اس *حدیث* کی سند میں الوا سحا ق سبیعی منظم فیہ را وی ہےا در بقول منذری ابوعبریرہ کا شماع اپنے **وال**وعبالیّا بن سعودسے ثابت نهیں سے اس سے قبل کتاب الصلاۃ میں برنجٹ گزرھ کی سے کہ اس مماع میں محافی کا نتا

ہے۔ بیروا قعد مختلف الفاظ کے سابھ والومہل کی تلوار کے ذکر کے بغیر) صحاح نیں وار دسے۔

مَنَاعَمُ فُوْجَهُ لَا خَرَزًا مِنْ خَرَزِ مَهُوْدَ لاتسكاوِى وِرُهَمَيُنِ.

كالمسكانى نعظيم العلول. المنيستائي پورې كرمايكى شدت كاب ١ ١٠ - كما تشامسكاد أَنَّ بِعِبْى بْنَ سَعِبُ لِا وَبِشُرَبْنَ الْمُفَضَّلِ حَكَا تَاهُمُ عَنُ يَحِيُى بُنِ سَمِيدًهِ عَنْ مُحَتَّم بِنِي يَحْيَى بُنِ حَتَّانَ عَنْ ﴿ فِي عَمْرُ لَا عَنْ زَيْدِ بُنِ خَالِيهِ الْجُهَٰخِيَّ أَنَّ رُجُلًامِنُ اَصْحَابِ النَّبِيّ صَلَى اللَّهُ عَكِيْسِ وَسَلَّحُ ثَنُونِي كَيْوْجَ خَبُبَرُ فَنَا كُرُو ا ذٰلِكَ لِرَسُولِ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْسِ وَسَلَّوَ فَقَالَ صَلُّوا عَلَى صَاحِبُكُمُ فَتَغَيَّرَتُ وُجُوْهُ النَّاسِ لِنَالِكَ فَقَالَ إِنَّ صَاحِبٌكُوْغَلَ فِي سَبِيلِ اللهِ فَفَتَشَفَ

زیر بُنْ فال جہنی سے روایت ہے کہ دسول الٹرصلی الٹرعلیہ وسلم کے اصحاب سے سے ایک شخص حنگ خیبر مس

وفات پاگیا تو یوگوں نے اس کا ذکررسول الشرصلی الشرعلیہ وسلم سے کیا توحضوْر نے فرمایا: ۱ سینے ساتھی کی نماز عبنازہ ٹرچ لوبس، اس سبب سے دگوں کے چہروں کا مرنگ بہل گیا تو حفود کے فرمایا کہ ہمہار سے ساتھی نے زرای را ہ میں مامٹل ہونے واسے مانی سے بچوری کی مفی ۔ نس عم نے اس کا سامان طرفولا توم کنے ہودیوں کے موتبول میں سے ایک موق با یا جو دو در م کے مساوی بھی مذبخا را بن مامبرک ب الجهادی شوحے ؛ ہل مدتیہ کے پاس اس قسم کے موتی مذکلے اس موتی کو بہود کی طرف منسوب کیا گیا ۔اُس شخص کی نماز حیازہ ِنا جائمزِ نه هتی ورندحضورٌ د وسرو ں کو مٹر حصنے کا حکم ند وسیتے ، بلکہ عربت دِ لا نے سکے سیسے اسیداکیا گیا تاکہ لوگ اس معاملے کی سنگنی کا حسانس کریں اس سے معلوم ہو اکراہام یا مقتلا کو اس قئم کے واقعات میں عبرت کے بیے نا در بڑھنی چاہیے ١١ ٧٠ ر كَكُلُ ثَنَّا الْقَعْنَبِيُّ عَنْ مَالِكٍ عَنْ ثَوْرِبْنِ ذَيْسِ اللَّهَ بُلِي عَنْ أَبِي الْغَبُّثِ مَوْلَىٰ ابْنِ مُطِيعٍ عَنْ أَنِي هُمَ أَيْرَةَ ٱنَّهُ قَالَ خَرَجْنَا مَعَ رَسُولِ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْمِ وَسَلَّمَ عَامَ خَيْبَرَفَكُونَغُمُ ذَهَبًا وَلا وَرِقًا إِلَّا الَّذِيَابَ وَالْمَثَاعَ وَالْكُمُوالَ قَالَ فَوَجَّمَ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَكَيْسٍ وَسَلَّمَ نَحُوكا دِى الْقُرَى وَنَكُ ٱلْحَلِجَ لِرَسُولِ اللهِ حَسْلَى اللهُ عَلَيْهِ وَمَسَكُو عَبُدًا ٱسْرَدُ بِقَالَ لَهَ مِهُ عَمَّرَحَتَى إِذَا كَانُوْا بِوَادِي الْقُرَى فَبَبُنَمَا مِلْعَكَمَ بَحُطُّ دَحُلَ دَسُولِ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْنِ وَسَلُو إِذْ جَاءَةٌ سَهُمُ فَقَتَلَهُ فَعَنَالَ التَّاسُ هَينيُتًا لَمُ ٱلْجِئَتَةُ فَقَالَ رَسُولُ اللَّهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْسٍ وَسَلَّحَ كَلَّا وَالَّبِي كَ فَفُسِمُ بِيدِهِ إِنَّ الشُّمُلَةَ الَّذِي ٱخَذَا هَا يَوْمَ خَيُبَرُمِنَ الْمَخَانِجِ كُوْتُحِبُهَا الْمُغَاسِمُ لَتَشْتَعِلُ عَيَتُ مَا مَّا فَكَتَمَا سَمِمُعُوا بِهَا لِكَ جَاءَ رَجُكٌ بِبِثِيرَالِةٍ ٱوْسِتِرَاكِيثَ إِلَىٰ رَسُولِ اللَّهِ

ا پوہردیں گئے کہا کہم لوگ جنگ خیریس دسول الٹیصلی انٹڑعلیہ وسلم کے مباعظ سگئے توسمیں سونا یا جا دری کی صورت میں مال غنیمت منر ملا ، ملکه کمپروں ، سما مان اور مال جا فور دل کی فکل میں ۔ابو سر ریٹ نے کہا کہ رسول الدُوسلی المدعلية وسلم نے وا وى القرئ كى طرف توجه فر ما ئى اوردسول التُدصلى الشّعليه وسلم كو مدغم نا مى ايك كا لاغلام لطود بديرُ ملا تقاحتى كرجب يوگ وادى القرى بي بينج تومدغم رسول السرصلي الشرعليه وسلم كالسامان سوارى بيست اتارر ما تفاكدا يك ترايا اورأسقتل کر دیا ۔ پس نوگوں نے کما اسے حبنت مبارک ہو ۔ تورسول الٹرصلی الٹرعلیہ وسلم نے فرمایا: ہرگز نہیں، مجھے الٹرکی سم حب کے

صدقد کر دیتا برشا فعی کا قول بری تاکه اگروه شخص اس کا مالک ہو جکا مقاتواس پرصدقہ وا بجب بن تقاا وراگروہ مالک ن کقانودوسرے کے ملک سے صدقہ کیونکر آتا؟ وا جب بہ ہے کہ ضائع اور بیکا راموال کی اندا سے ام کے ساسنے بیش کردیا جاتا اس سٹلہ میں تفلید کا قول بہ ہے کہ السیر الکبہ ہے مطابق اس قیم کے معاملے میں ام کوا فتنا رہے کہ اس شخص سے قبول نہ کر رہے اور وہ چیزامی کے باس رہنے وسے تی کہ وہ ستحق کواس کا حق بہنچائے ۔ اور یا بھر اس سے سے سے اور اس کا خمس میت المال میں داخل کر مدے ، ماتی وہ شخص سبور تقطہ محفوظ رسے یا مساکین کو دسے دیے با بیت المال میں میں واضل کر دے ۔ اگر خلول کر سنے والا تا مرب ہو جائے اور چیل ڈی ہوئی جیز کوامام کے باس نہ توا سے صدقہ کر دے یا بیت المال میں یا بطور لقطہ محفوظ رکھے اور اس کا حکم اس بہنا فذکر سے مولا ناشنے فرایا ہے کہ اس تمام تفسیل کے با و بود حصنو ہو کے دی کر سے کے دیکر اس تمام تفسیل کے با و بود حصنو ہو کے دی کر دی کرنے کے دیکر اس مال کی حیثیت واضح نہیں ہوئی والٹا داعلم بالصواب ۔

باب في عقوبة الغال

مال نینمت سے چوری کرنے واسے کی عقوبت کاباب

ا بو وا قد مدالح نَے کہا کہ میں مشکمہ سکے ساعة سرز میں دوم میں داخل م والیں ایک شخص کو لایا گیا جس نے مال ننیت میں سے بچوری کی تھی، بمی سلم سنے اس سے متعلق سا تم سسے بچر بچھا تو اس سنے کہا: میں اسنے باپ سے سنا وہ محضرت عرف بن الخطاب سے روایت کرتا تھا، اس نے نبی صلی الٹہ علیہ وسلم سے روایت کی جعفرہ سنے فرما یا کہ جب تم کسی آ د می کو با وس سنے مال ننیمت سے بچوری کی موتواس کا سامان مبلد دوا ور اسے پہلے۔ ابو واقد سنے کہا کہ ہم سنے اس کے سامان میں ایک مصحف با با تو مسلم سنے اس کے متعلق سالم سے بچر چھیا، اس نے کہا کہ اسے بیج دوا ور اس تھی مت مدد تریب کہا کہ رو رتہ مذی سنے اسے دوایت کم سکے حدیث عزیب کہا کہ

شرحے: خطابی سنے کہا کہ ایسے شخص کی برنی منزا کا جہا تک تعنق ہے اس کے متعلق مجھے اہل علم کا کوئی اختلاف معلوم نہیں ۔ اختلاف صرف مالی منزامیں سے بھن بھبری سنے کہا کہ حیوان اور مصحفت سکے عملا وہ اس کائٹ مرسامان مبلادیا جائے

Šenna**n**annonanonannannanarevelennannannannannannannannannan Š

ا وذاتی، احمد اور اسحاق کا جی ہی قول سیعا نہوں نے کہا کہ بوج پڑاس نے جہائی ہواسے در جلایا جائے کیونکہ وہ مجا ہیں کا حق سے ،اگروہ اسے منائع کر جہا ہوتواس کی قبیست کا صنائمن سیع ۔او ذاتی سنے اس کا وہ تمام سامان مبلانے کا فتو کی دیا سیع جیسے اس نے میدان جنگ میں استعمال کیا مقادی کہ زین اور بالان بھی، مگرسوا دی تھیں۔ دراس کا سفر نمرج ، معتب اور اسے مبلائے مباہیں ۔ شافعی شنے المیسے آدمی کو صروب بدنی مزاکا فتو کی دیا سیم اور کسی جزرکوہ بلائے کا نہ میں مال پر نہ میں اور ہی مالک کا اور میرسے حمیال میں حنفیہ کا قول سے ۔ان سکے نزر دیک مدیرٹ میں ذرجہ و تو بہتی مرا دسے دان میں اور میں اور ایک میں مال اور میں مال اور میں اور ایک کا اور میرسے حمیال میں حنفیہ کا قول سے ۔ان سکے نزر دیک مدیرٹ میں ذرجہ و تو بہتی مرا دسے دان میں اور ایک کا اور میرسے حمیال میں حنفیہ کا حق کے مال مال حالاتا ۔

اس مدیت کی سے اور ای ما تح آبو واقد کواب معین اور علی بر المدینی نے منعیف کی سے اور بخاری نے منکر الحدث اظہرایا ہے اوراس کی روایت بچاس کا کوئی متا بع نہیں ۔ محفوظ بہ سے کہ یہ ساتھ کا قول سے مدیث مرفوع نہیں ۔ اس میث کے منعف کی دسی یہ ہے کہ صنور کے وقت ہیں منافقین کی وجہ سے فلول ہوتا رہا ہے گراما دیث وسیرو مغازی ہیں ہر بھو گ بڑی چیز مروی ہوئی کہ غلول ہر کسی کا سامان مبلایا جا نا ٹا بت نہیں ہوا ۔ اگر سامان مبلانے کو لازم ما نا جائے تواس کا مطلب یہ ہوگا کہ ایک مدیث مثا ذکے باعث ہم سے ایک می تابت کی اور یہ فعل ہا معول ہے ۔ مدود توجو ٹا بت شدہ میں وہ میں شہات سے ساقط ہو مباتی ہیں میر جا شکر بخیر ٹابت ۔

مردر حك نتنا أبُوْصَابِ فَعُبُوبُ ابْنُ مُوسَى الْانْطَاكِيُّ فَالَانُواشَانَ الْاَلْطَاكِيُّ فَالَانُواشَانَ مَعُ الْوَلِيْ وَابْنَ هِ اللهِ عَنْ صَابِح اللهِ الْعَالَمُ الْوَلِيْ وَالْمَعُ الْوَلِيْ وَالْمَعُ الْوَلِيْ وَاللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهُ وَلَا مَعُ اللهِ اللهِ اللهُ اللهُ

صالح بن محمد البن ذائره - وسى الو واقد مذكون نے كها كه مم سنے وليد بن مثنام كے مائقة جها دكيا اور مهاد كے سائة سالم بن عبدالشد بن عراور عمر بن عبدالعزيز هي سقے - بعرايك ادمى سنے مال غنيمت ميں جورى كى اور وليد سنے اس كالسا مان ملانے كا حكم ديا تواسمے حلا يا گيا اوراً سے بعرايا گيا ولائس كا حصة رغنيمت ميں سے اسے مند ديا بالوداؤد سنے كها كه ان وصد شول ميں سے مير صبحے ترسبے سبے كئ لوگوں نے روايت كيا ہے كہ وليد بن مثنام سنے ذيا دمن سعد كا ذريرہ حلا ديا مقا اورائس نے غلول كيا مقا اور وليسنے اسے بديا تقا در س برمحض ايك تعزيم تقى حوم وقو ونسئے اور مرفوع نهيں

٢٧١٥ حَكَمَا ثَنَا مُحْمَّدُهُ بُنُ عُوْفِ ثَنَا مُوْسَى بُنُ اَيُّوْبَ قَالَ ثَنَا الْوَلِبُ لَا بُثُ مُسْلِمِ تَنَازُهُ يُرْبُنُ مُحَمَّدٍ عَنْ عَسُودِ بْنِ شُعَيْدٍ عَنْ اَبِبِهِ عَنْ جَدِّهِ اَتَّ رَسُولَ الله صَلَى اللهُ عُلِبُ مِ وَسَلَّمَ وَا بَا بَسُئِرِ وَعُمَرَ حَرَّفُوْلِ مَسَّاءَ الغَّالِ وَضَرَّتُوهُ قَالَ اَبُوْدَا فَحَ

منعُسُهُمَهُ.

بَأُ دَبِيلِ النَّهُ يُعِنِ السِّتُ وَعِلَى مَنْ عُلَّ

. منلول کرسنے واسے کی رپر دہ بوشی کی مما نعت کا باب ۔

٢٤١٧ ـ حَكَّا ثَكَا كُحَدَّ مُا بُنُ دَاؤَد بَنِ شُغَبَانَ ثَنَا يَعَبُى بُنُ حَسَانِ ثَنَا سُكُمُانَ أَنَا مُكَمَّانًا ثَنَا اللَّهُمَانَ أَنَا مُكَمَّانًا بُنُ مُوسَى المُورِد وَ اللَّهُ تَعَلَى الْمُعَلَّمَة اللَّهِ اللَّهُ مُنَا جَعُفُر بُنُ سَعُوا بَنِ سَمُمَاةً بَنِ جُنْدُابٍ قَالَ ثَنِي نُجَدِيبُ

بْنُ سُكِيْمًا نَ عَنْ رَبِيْهِ سُكِمُ أَن بُنِ سُمَمَ لَهُ عَن سَمَمَ لَا بَنِ جُنْدُبُ فَالَ أَمَّا بَعُلُا وَكُاك

رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْسِ وَسَلَّمَ بَهُولُ مَنْ كَتَمَ غَالَّا فَإِنَّا مِثْلُهُ -

سمرہ بن جندب نے کہاکہ دسول انٹرصلی انٹرعلیہ وسلم فرماتے سقے بحس نے غلول کمینے واسے کو چھپا ما وہ اسی کی مثل ہے دید اس مدین کا محصد ہے جواس مترسے باب اتخاذ المساحد میں گزری سبے ۔ اس میں نقول امام وسبی رالمنیوں مسجد بنانے کا ، پرح سکے سیسے تیار کی ہوئی چیز کی ذکوہ نکا سنے کا ور ریمضموں سیر جواس وقت پی فظر ہے ۔ سنن ابی واؤد میں اس مند سکے ساتھ بچھا ما ویٹ آئی ہیں اور سرحال میں ریرسند تا ریک سبے کو پی مکم تا بت نہیں کرسکتی ۔

مَا مِينِكِ فِي السَّلَّبِ بِيعُطَىٰ الْفَاتِلِ الْمَالِيَّ الْمَالِيِلِ الْمَالِيلِ الْمَالِيلِ الْمَالِيلِ ال مقتول كارمان قال كودشة جانف كاباب

١ ١١٠ حس مَن عَن مَسْلَمَة اللهِ ابْنُ مَسْلَمَة الْقَعْنِي عَن مَالِكِ عَنْ يَحِيْى بَنِ

سَعِيْدٍ عَنْ عَبْرِونِنِ كَتِيْرِنِنِ ٱفْلَوَعَنْ إِنِي هُحَتَدِامُولِا أَبِي قَتَادَةٌ فَعَنْ إَبِي قَتَادَةٌ ٱتَّنِهُ قَالَ خَرَجُنَا مَعَ دَسُولِ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَكَّوَ فِي عَامٍ حُنُينِ فَكَثَّا الْنَقَيْنَاكَانَتُ لِلْسُيلِمِينَ جَوْلَنَ قَالَ فَرَاَّيُتُ رَجُعِلًامِنَ الْمُشْرِكِينَ قَسُلًا عَكُ رُجُلًامِنَ الْمُنْالِمِبُنَ فَالَ فَاسْتَكَادُتُ لَهُ حَتَّى أَتَيْتُهُ مِنْ وَمَ إِيهِ فَضَرَّبْتُهُ ِ بِالسَّيْفِ عَلَىٰ حَبُلِ عَا تِنِعَهِ فَا قُبُلَ عَكَنَّ فَضَمَّنِيُ صَمَّتَةٌ وَجَهُاتُ مِنْهَامِ (بِحَ الْمُوْتِ ثُوَّا ذُرَكَمُ الْمُوتُ فَأَرْسَلَنِي فَلَحِقْتُ عُمُرَابُنَ الْخَطَّابِ فَقُلْتُ لَمَّ مَا بَالُ النَّاسِ قَالَ اَ مُرُ لِللِّهِ نُحْرَ إِنَّ النَّاسَ دَجُعُوا وَجَلَسَ رَسُولُ اللهِ صَهلَى الله معكيه وسَسْتُو فَقَالَ مَنْ فَتَلَ فَيِتِيلًا لَمَ عَلَيْهِ بَيْنَةٌ فَلَهُ سَكِهَ قَالَ فَقَهُمُتُ ثُكَّرُفُكُتُ مَنْ يَشْهُ كُولِي ثُرَّجَكُسُتُ ثُمَّرَ فَالَ لَا لِكَ التَّانِيَةَ مَنْ فَتَلَ فَيتِيلًا لَـهُ عَكَيْهِ بِيَّنَهُ فَلَهُ سَلَبُهُ قَالَ فَعُمْتُ ثُرَّةُ فُلْتُ مَنْ يَشُهُلُ إِنْ تُرْجَلُسُتُ ثُرَّ فَالَ وُلِكَ الثَّالِثُنَّةَ فَظُمْتُ فَقَالَ رَسُولُ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْسِ وَسَلَّوَمَالِكَ بَأَابًا قَتَاحَةُ فَا فَتُحَمُّ صُنَّ عَكِينِهِ الْقِصَّةَ فَقَالَ رَجُلٌ مِنَ الْقَدْمِ حِنَكَ فَيَا رَسُولَ اللهِ وَسَلَبُ لْحَلِكَ الْقَيْبُ لِ عِنْهِ فِي فَارْضِهِ مِنْهُ فَقَالَ ابْوُرَكِ دِالصِّيةِ بُنُّ لاَهَا اللهِ إِذَّا يَعْمَلُ إِلَّ أَسَدِهِ مِنْ أُسُدِ اللَّهِ يُفَا يِلُ عَنِ اللَّهِ وَعَنْ دَسُولِيم فَيُعْطِبُكَ سَلَبَهُ فَكَنَّالُ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلِينُ مِ وَسَلَّمَ صَمَاقَ فَأَعُطِهِ إِيَّاكُ فَقَالَ ٱبْوَتِنَادَةً فَأَعْطَانِيهِ فَبِعُثُ اللَّارُعَ فَا بُنَعُتُ بِهِ مَحْرَفًا فِي بَنِي سَلَمَةَ فَاتَّكَ اَوَّلُ مَالِ نَا تَلْتُهُ فِلْكُسُلامِ ا بوقتا دهٔ منے کہا کہ ہم لوگ جنگ حنین میں رسول التٹرصلی التّرعلیہ وسلم سکےمسا تقریحئے۔حب ہما لامقابلہ مہوا ِ تو مسلما نوں میں تھے عبگڈر مجی۔ مٰیںنے ایک مشرک کو د کھیا کہ وہ ایک مسلمان پر غالب آبام واسبے۔ ابو فتا دہ سنے کہاکہ میں گھوم کمرائس کے پیچیے سے آیا اوراس کے کندسے اور گردن کے درمیا نی جوٹز پر تلوار مادی۔ وہ میری طرف مڑاا وراس سنے <u>مح</u>ےاتنے دوڈرسے دبایا کہیں نے اس سے موت کی ہوا پا بی وقین اس کا بھینچنا نہا بیت منٹدید نظا) کچرا سے موسے سنے " نها وراس نے مجھے محیوٹر دیا ۔ پیرمس عربن الخطائش سے ملاا وران سے بوٹھا کہ لوگوں کو کیا ہوا سے ؟ انہوں نے کہاکہ

نفل وسلك كيمتعلق مولاناتشف براية المجتهرس مهارمسائل نقل كئيمين (١) نفل اس ممس ميرسع بهوتا سبع

بچوبیت المال کاحق سے .امام شانعی نے کہا کہ نفل حمل الخمس میں سے ہوتا ہے بچومرون امام کا حق ہے .احمِد اور عيث پير ہے كہ اً يا مال غنيمة بس وار دينده دوا بيو ريس تعارض سبيءَ بعني وَا عُلْمُ نِحِبْتُ مِنْ شَيْئِيءَ آنِ اور: ليَسْنَكُوْ فَكَ عَنِ الْاَنْفَالَ آنِ لِي مِن *سَكِنزديكَ وَاعْلَمُوْا وَالْ آميت دوبرى* اَست نًا رسخ حيَّان كَے نز ديك نفل صرف حمس الخشَّى ميں سسے ہو تا سے۔اورجن كے نز ديك ان آ بيّوں ميں تعارض نه مي ملکہ دولوں کا تعلق امام سکے اختیا رسے سے بس امام عبس کو غنیمت میں سے حتمت کیا ہے جدید ہے۔ (۷) دوا نفل كى مقع الركاسية - بل حن لوكول في سف سورة الآلفال كي آيت كو عكم وعنير منسوخ كها أن كي نزديك الم مال مكن ورا نغام دسے سکتا ہے اور حنہوں نے کہاکہ اس است سس مخصیص ہو گئی ہے ات ہے سکتارس کیا جنگ سیے سپیلے ا نعام کا وعدہ مبانز سبے اینس و مالک ت کے نئے دیک بیر حما ٹرزنہیں کیو نکہ قبال تو فی سبس الٹیرک میا تا ہے تاکہ الٹیرکا کلمہ سریلند سو واگمہا مام ہے گا تو نوون ہے کہ بوگ ناحق خون بھاننے نگیں اور بھا روقتال میں نماوہ ساکرنا حبائذہہے کیونکہ حبسیب بن مسلمہ کی مدیمیٹ میں سپے کہ نبی صلی الٹیرعلیہ وسلم جنگ کی ابتدا و انتها ،میں 🕁 کا وعدہ فرما یا کستے تھے رہی ہیر کہ مقتول کاسلب آیا تا تل کے بیے واجب سے بانہیں۔ مالک سے كومقتولك سلب كالتق صرف المام كي تفيل سع موكا سجواس ك احبتها دميم وقوف ساوروه بعداز سبے یہیا بوصنیفہا ورٹوری کا قول سبے سٹافتی، احجہ اورابوٹوری ، اسحاقی ا ورسلف کی ایک مجامعت سے نڈ دیک مفتول کا سنُدبُ قاتُل شَکسلِیے وا حبب سبے، آمام کھے با نہ کھے۔ان میں سے بعف سےا سے عیر*مشروط قراد* د باسے آوریعن س ننددیک پرصرف اسی صورت میں ہوگا ۔ ٹبکہ دیشن کو آسفے ساہنے ہجائتِ مقا بدقتل کرسے، وہ بھاگ ہزرہا ہو۔ اوربیٹا آ

فعل كى تا وىل هي سي كرانمون ف سلب كامكم بطور تفقيل ديا تقا - والتداعلم -

٢٤١٨. كَلَّ نَتُنَّا مُوْمِى بُنُ إِسُلِعِيلَ ثَنَا حَمَّادٌ عَنُ إِسْحَانَ بُنِ عَبُدِ اللَّهِ ابْنِ

اَ فِي طَلْحَتَمَ عَنَ اَنْسِ بَنِ مَا لِكِ قَالَ قَالَ رَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْمِ وَسَلَّوْ تَغِيمُ لِإ يَعْنِي يُومُ مُحَنَيْنِ مَنْ قَتَلَ كَافِرُ فَلَهُ سَلَبُهُ فَقَتَلَ اَبُوطِلْحَةَ يَوْمَتُ لِا عِنْ رَبِينَ رو يَدْ يَرِيدَ يَرِيدُ وَيَرْدُونِ مِنْ وَيَرْدُونِ الْعَلَالَةِ مَا لَكُهُ فَقَتَلَ الْبُوطِلْحَةَ يَوْمَتُ إِن عِنْ وَيَوْمِ اللّهِ عَنْ رَبِينَ

رُجُلُا وَأَخَذَا اَسُلَابُهُ وَ لَقِى اَبُوطِلْحَةَ أُمَّ سُلَيْمٍ وَمَعَهَا خَنْجُرُ فَقَالَ يَاأُمَّ سُلَيْمٍ

مَا هٰ ذَا مَعَكِ قَالَتُ اُرَدُتُ وَاللَّهِ إِنَّ دَنَا مِنِّي بَعْفُهُ وَ الْبَعَجُ بِهِ بَطْنَهُ فَاخْبَرَ

بِنَالِكَ ٱبُوطِلُحَتَ دُسُولَ اللهِ حَملَى اللهُ عَبَهُ مِ اللهُ عَبَهُ مِ وَسَلَّوَ قَالَ ٱ بُوحَا فَدَ هٰذَا حَدِا يُثُّ حَسَنَ قَالَ ٱبُوْدَا وَدَ ٱرَّدُ مَا بِهٰذَا لِخَنْجَرِفَكَانَ سِلَاْحُ الْعَجِيرِ مَوْمَسِّنِا الْغَنَاجِرَ-

انس بن مالکٹ نے کہ اکر جنگ جنین میں رسول الند صلی اللہ علیہ وسلم نے فرایا ہجس شخص نے کسی کا فرکو قتل کیا تواس کا سامان اس کا اب بھی ہوی ہے سے سامان اس کا سبے بہل بوطلح آئم سلیم از بنی بھی ہے سے اسلمان اس کے اوران کا سب ماصل کر لیا۔ ابوطلح آئم سلیم از ابنی بھی ہے سے اصلے اور اس کے باس نے کہ اکہ واللہ میادادہ میں اور اس کے باشد میں اور اس کے بات دسول میں میں سے کہ اگر انہیں میں سے کہ اگر انہیں میں سے کہ اگر انہیں میں سے کہ اگر والے میں ابود اور سے بماری مراد ہی اللہ میں اللہ میں اللہ میں اللہ میں اللہ میں ابود اور اس کے ماکہ یہ صدیدے سن سبے ۔ ابود اور ان کہ اکہ عنج سے بماری مراد ہی معروف معروبی اللہ میں مارد ہی معروف میں اللہ میں میں اللہ میں اللہ میں میں اللہ م

كاديك في أُلِمام بَهُنَامُ النَّالِ لَسَلَبَ إِنْ الْمِي وَالْعُرُووَالِسِكُ مِنَ السَّلَبِ مِنَ السَّلَبِ مِن رَّهُ مِنَ الْمُوسِدِينَ وَخِيرًا بِهِ مِنْ الرَّاسِ كَارِلْتُ مِوتُونَ وَسِمَا وَدَهُو الْاوَرِسْمِيارِسِدِ مِن سَمِينٍ -

وَسِلَاحٌ مُلاَ قَبُ فَعُو قَبَ فَوْرَى بِالْمُسُلِمِينَ فَقَعَدَ لَهُ المَدَادِيُ عَلَىٰ حَفَرَةٍ فَمَرَةٍ فَمَرَدِم الرُّوْفِي فَعُرْقِ مَعْرَفِهِ فَكَرَّوْعَلَاهُ فَقَتَلَهُ وَ جَائِمَ فَرَسَهُ وَسِلاَحَهُ فَلَتَا فَمَرَدِم الرُّوْفِي فَعُرُقبَ فَعُرَقب السَّلِمِ فَنَحَ اللَّهُ مَنْ اللَّهِ مَنَ اللَّهُ مَنَ السَّلِمِ فَا خَفَرَ مِنَ السَّلِمِ فَا خَفَرَ مِنَ السَّلِمِ فَا خَفَرَ مَنَ السَّلِمِ فَا خَفَرَ مَنَ اللَّهُ عَلَيْ مِنَ اللَّهُ عَلَيْ مِن اللَّهُ عَلَيْمِ وَسَلَّو فَعَلَى اللَّهُ عَلَيْمِ وَسَلَّو فَعَمَ مَن اللَّهُ عَلَيْمِ اللَّهُ عَلَيْمِ وَسَلَّو فَا فَعَمَا وَلَا عَلَى اللَّهُ عَلَيْمِ وَسَلَّو فَقَصَ مَن اللَّهُ عَلَيْمِ اللَّهُ عَلَيْمِ وَسَلَّو فَقَصَ مَن عَلَيْمِ وَسَلَّو فَقَالَ عَلْمَ اللَّهُ عَلَيْمِ وَسَلَّو فَقَصَ مَن عَلَيْمِ وَصَلَّ عَلَى مَاللَّهُ عَلَى مَا حَمَلَ عَلَى عَوْثُ فَا جُنَمَع مَا عَمَل عَرْفَ فَا جُنْمَ عَلَى اللّهُ عَلَيْمِ وَسَلَّو فَقَصَ مَن اللّهُ عَلَيْمِ وَسَلَّو فَقَصَ مَن اللّهُ عَلَيْمِ وَمَن اللّهُ عَلَيْمِ وَمَن اللّهُ عَلَيْمُ وَمَن اللّهُ عَلَيْمِ وَمَن اللّهُ عَلَيْمِ وَمَا لَا عَرْفَ اللّهُ وَمِن اللّهُ عَلَيْمُ وَمَا لَوْ مَن اللّهُ عَلَيْمِ وَمَا لَوْ مَن اللّهُ عَلَيْمُ وَمَا الْمَا عَلَيْمُ وَمِسَلَّو يَا حَالِي اللّهُ عَلَيْمُ اللّهُ عَلَيْمُ وَمَا لَا مُعَلِى مَا حَمَلَكَ عَلَى مَا حَمَل كَعَلَى مَا حَمَل كَ عَلَى مَا حَمَل كَ عَلَى مَا حَمَل كَ عَلَى الْمَا عَلَى الْمَا عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى مَا حَمَل كَ عَلَى الْمَالِمُ الْمَا عَلَى الْمَالِمُ الْمَا عَلَى الْمَا عَلَى اللّهُ عَلَى الْمَا عَلَى اللّهُ عَلَى مَا حَمَل كَ عَلَى مَا حَمَل كَ عَلَى مَا حَمَل كَ عَلَى الْمَالُ الْمَالُولُ وَلَمُ الْمَا عَلَى الْمَالُ اللّهُ الْمَالُ اللّهُ الْمُعْلِقُ الْمِلْ الْمُلْمَا الْمَالِ الْمَالُ اللْمُ الْمُلْ

فَعَالُ رَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَكِيْمِ وَسَكُو وَمَا ذَاكَ قَالَ أَخُبِرُتُ مَا فَالَ فَغَضِبَ رَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَكَرُمِ هَلُ أَنْهُمْ تَارِكُونَ رَسُولُ اللهِ صَلَى اللهِ عَلَيْمِ هَلُ أَنْهُمْ تَارِكُونَ وَسُولُ اللهِ صَلَى اللهِ عَلَيْمِ هَلُ أَنْهُمْ تَارِكُونَ وَسُولُ اللهِ عَلَيْمِ هَلُ أَنْهُمْ تَارِكُونَ وَرَبِيهِ وَمِنْ مِنْ عِنْهِ مِنْ عَلَيْمِ مِنْ عِنْهِ مِنْ عَلَيْمُ اللهِ اللهِ عَلَيْمُ مِنْ عَلَيْمُ مِنْ عَلَيْمُ اللهُ اللللهُ اللّهُ اللللهُ اللهُ اللهُ الللهُ الللهُ اللللهُ الللهُ اللللهُ اللهُ اللهُ

فَى الْ يَا رَسُولَ اللهِ إِسْتَكُنُونْتُ فَقَالَ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَبَبْ لِوصَلَّو بَا خَالِمُا وَجَ

عَلَيْهِ مِمَا أَخُلُاتَ مِنْهُ قَالَ عَوْنُ فَقُلْتُ لَمَ دُوْنَكَ يَا خَالِمُ أَلَمْ أَفِ لَكَ

لِيُ أُمَّلًا فِيُ لَكُوْ صَنْفُولًا أَمْرِهِ مُروَعَكِيْهِ مُوكَ لِالْمَالَاء

کریں ودنہ بھریں آپ کی بات دسول السُّرصلی السُّرعلیہ وسلم کو بَاؤل گا بسِ فالدُ نےوہ سا مال واس دینے سے انکادکیا بووٹ انے کہاکہ بھریم دسنے رسول السُّرصلی السُّرعلیہ وسلم کو با وی السُّری کی کا محتدا ور فالدُ کا فعل حفود کو بتا دیا ۔

پس دسول السُّرمسلی السُّرعلیہ وسلم نے فر ما با: اسے فالدہ سے جو کچھر کیا اس پہنہ میں کسی چنر نے آمادہ کیا بھا ؟ فالدُّ نے کہا کہ یا دسول السُّرمیں نے اسے زیا وہ سمجھا تھا۔ پس دسول السُّرمیلیہ وسلم نے فرما یا: اسے فالدُ مُسِ دسول السُّرمیل السُرمیل السُّرمیل السُّریل السِریل السُرمیل السُّرمیل السُّرمیل السُّرمیل السُرمیل السُّرمیل السُریل السِریل السُریل السُریل السریل السُریل السُریل السِریل السُریل السُریل السُریل السریل السُریل السریل السُریل السریل ا

ملیں اوران کے ذر کدلا بن آئے ؟ رمسلم

مثارے: غزوہ محوتر شدھ میں ہوا تھا۔ اس حبک ہیں ہیے بعد دیگہ سے حدود کی بیٹی گو ڈی کے مطابق آپ کے مقر رکردہ ہون امراد: فرید بن مارُنچہ ، حجفر بن ابی طالب اور عبداللہ بن روامنها دت یا سکٹے سکتے ہے مسلمانوں نے بالاتفاق خالا اس میں با ورائی میں ہوئی ہے۔ کہ مسلم کو امیر بنا یا اور اس نے بطری ہوئی تھے ہوئی کی مسلم کی مواہد سے معلوم ہوتا ہے کہ خالا نے اس مجابہ سے سادا مال سے لیا تھا نگر سندا حمد کی رواہیت ابوداؤ دکی ماندہ کہ بعق سے بیا سند الل نہیں کہ بعق سے بیا سند الل نہیں کہ بعق سے بیا سند الل نہیں کہ بعق سے بیا سند ولا تا ہی ہوئی ہے، اس موری سے بیا سند الل نہیں کہ بعق سے بیا سند الل نہیں کہ بعق سے بیا سند ولا تا ہی جو اس موری سے بیا سند الل نہیں کہ بعق سے بیا سند الل نہیں کہ بعق سے بیا سند ولا تا ہی تول اس موریت کا جوار نہیں ہوسکتا کہ حفری سے بیا ہوئی الرائے ہوئی سے بیا تو اس موری سند ہو وائیں اور نظم و صنبط نہوں اگر دیوں تا ہے۔ اس موری سند ہو وائی اللہ موری سند ہو وائی اللہ موری سند ہو وائی اللہ موری سند موری سند ہو وائی اللہ موری سند موری سند ہو وائی اللہ موری سند موری سند موری سند ہو وائی اللہ موری سند موری سند موری سند ہو وائی اللہ موری سند کی سند ہو وائی سے دوری سند سے موری سند ہو وائی سند موری سند ہو وائی سند موری سند موری سند ہوری سند ہو سند ہو سند ہو سند موری سند موری سند ہو سند موری سند ہوری سند ہو سند ہو سند ہو سند ہو سند ہوری سند ہوری

٢٢٠٠ حَكَّا لَكَ الْحَمَدُ اللهُ عَكِمَّهِ بَنِ حَنْبَلِ ثَنَا الْوَلِيْدُ قَالَ سَأَلُتُ لُوْمًا عَنُ الْوَلِي اللهُ الْوَلِي اللهُ الْوَلِي اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ

عَنُ عُونِ بُنِ مَا لِكِ ٱلْأَشَجَعِيِّ لَحُوةً -

ا *وی*پی *مدیث* کی ای*کس*ند ۔

ما وي في السِّلبِ لَايْخَتَّسَ مىسب سيخس يزنكا سيخ كاباب

٢٤٢١ حَكَما ثَكُنا سَعِبُهُ بُنُ مَنْصُوْرِ فَنَا إِمْمِلِيثُ لُ بُنُ عَبَّاشٍ عَنْ حَسُعُوانَ بُنْ عَهُروعَنُ عَبُهِ السَرِّحُلِين بُنِ جُهَيْرِابُنِ نُفَيْرِعَنُ آبِيْهِ عَنْ عَوْنِ بُنِ مَالِكِ الْاَشْجَعِيّ وَخَالِهِ بُنِ الْوَلِيْهِ الْآكَرَسُولَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهُ مِا وَسَلَّوَقَضَى بِالسَّلِي

لِلْقَاتِلِ وَكُوكَخِيْسِ السَّلْبَ.

عوف بن الکٹے اشجی اورن لدب الولیوٹرسے دوایت ہے کہ رسول انٹرسلی انٹریلیہ وسلم نے سلب کا فیصلہ قاتل کے سلیے اورسلب سیخمس نہ تکاوایا - دمسندا حمد ،

نشوح: اس مدریث کا دوسرا مجله تمسند احتمد می مروی سبے مگر مهلانه میں۔البدائع میں سبے کہ نفل سعے حمس نہیں دیا جا کیو نکہ خمس کا تعلق اس مال غذیبہت سکے سمائق سبے تجوم شرک سبے اور نفل کوا مام نے ایک یا چیندا نشخاص سکے سائق مخسوص کمر دیا مہونا سے اور ان کی ملکیت میں میلاما تا ہے۔

باسباق أجاز عُلَجِرْ يَهُ تَعَنِي بَنَقَلُ مِنْ سَلِيه

باب مديد زخمي كوحس سف عم كرد يا سع اس كرسب سع نفل ديا جائے

٢٤٢٢ حكا فكا مكون بن عَبّاد شكا وكين عَن ابِيهِ عَنْ ابِيهِ

اَ فِي عُبَيْكُ لَا لَا عُنْ عَبُهِ اللّٰهِ اثْنِ مَسْعُودٍ قَالَ لَقَّلَىٰ رَسُولُ اللّٰهِ صَلَّى الله عَلَيك مِل

وَسَلَّوْ مَوْمَ بَنْدِرِسَيُّفَ إِنْ جَهُلِ كَانَ فَتَلَكَ . عَدِيدًا مِنْ مِنْ مِنْ زَنِي مِحْدِرِ الْعَلَى الْأَعْلَى اللهِ عَلَى مِنْ الرَّعِ الرَّعِ الرَّعِ الرَّعِ ال

بَاكِ فِي مَنْ جَاءَ بَعُنَا الْغَنْبُمَةِ لِكَسَّهُم لَمَ

باب بوعنیمت کے بعد آئے اس کاکوئی مسرسی

١٤٢٢ - كلّا نَكُ كَتُكُ سَعِيدُ كَا بُنُ مَنْ صُوْعٍ شَنَا السَهٰعِيدُ لَ بُنُ عَيَاشٍ عَنَ مُحَمَّدِ بَنِ الْوَيِهِ النَّرُ اللَّهُ عَنِ الزَّهُ مِن النَّرُ هُرِيّ اَنَّ عَلَيْسَةَ بَنَ سَعِيدٍ الْحُبَرَة وَ اَنَّنَ سَعِيدُ كَا بَنَ الْعَاصِ عَلَى سَرِيْتِ مِنَ الْسَكِ مَسَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّى اللَّهُ عَلَيْهُ وَلِي اللَّهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللَّهُ عَالْهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى الل

ا بوہریمہ اسعید بن العا عرف کو مدین سنا سے سے کررسول الٹرصلی الٹرطیہ وسلم سنے ابان بن سعید بن العاص کو مدینہ سنے بخید کی طوف ایک سٹکر کا مرداد بنا کر بھیجا بس اہان بن سکٹیدا وران کے سابھی فتح خیر کے بعد رسول الٹرسول الٹرسول الٹرسول الٹریم مسلم کے باس معامر ہوئے اوران سے گھوٹو وں کے تنگ مجور کی تھیال کے شقے دلعنی اس قدر تنگ وستی تھی ہی بس ابان سنے کہ یا رسول الٹریم ہی مجھی محصور وں سکے الوہریہ العام کے بین کر میں نے کہا، با رسول الٹران میں مجھی مز دیجئے ۔ بس ابان سنے کہا : اسے ورد ولی مسیا ایک جھوٹا سامانوں توجو ہم پر ایک بھاٹے مسالہ کر آ باہیں تھو بہت کہتا ہے؟ اس رسول الٹر صلی الٹری المار مسلم سنے فرمایا : اسے امان من میں مراب المار میں دیا۔

مشرے؛ مال غنیمت کو حب دارالاسلام میں لا کر محفوظ کرلیں، باجب دارالحرب میں بدین رتقتے کردیں توبعد میں آنے والول کا سوجنگ میں مثال در ہوں ،اس میں عق نہیں سیمہ مال غنیمت میں تو حق مجا بدین کا ہی ہے۔ اس مشار کی تعبی ضمنی تفاصیل میں اختلاف ہوا سے۔

١٤٢٣ - حَكَّا نَنْكَ أَحَامِدُ بُنُ يَعَيْى الْهَلْخِيُّ قَالَ نَا شُغْيَاكُ نَا الزُّهُمِ فَي وُسَاكَمَ السَّ السَمْعِيْلُ بُنُ الْمَيْتَةَ فَحَمَّا تَنَاهُ الزُّهْمِ فَيُ آتَى سَمِعَ عَنْبَسَتَهُ بَنَ سَعِيْدٍ الْقُرْثِيَّ يُحَيِّدِكُ

عَنَ اَفِي هُمُ يَرَة قَالَ قَلِ مُتُ الْمَلِي يَنَكُ دَسُولُ اللهِ حَلَى اللهُ عَلَيْ مِ وَسَلَوَ يِنَعَيْ بَرَحِيْنَ الْعَنَعَ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ مَ وَسَلَو يَعَنَى اللهُ عَلَيْ مَ وَاللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَى اللهُ تَعَالَى اللهُ يَعَالَى اللهُ تَعَالَى اللهُ تَعَالَى اللهُ تَعَالَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ تَعَالَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ تَعَالَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ تَعَالَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ الل

ابوہریری نے کہا کہ میں مدینہ میں آیا اور دسول النہ مسل النہ علیہ وسلم مقام نیج میں سقے جبکہ آنخفود نے است عم فرمایا۔
بس میں سنے آپ سے موال کیا کہ جھے بھی مصدعنائت فرمائیں تو سعید بس العاص کی اولا دمیں سیے کسی نے بات کی اور کہا
کہ یا رسول النہ است صفتہ نہ د بجئے۔ ابوہر ہے گئے نے کہا کہ یہ ابن قوقل کا قاتل ہے۔ بس سعید بن العاص نے کہا جیرت ہے
اس وَرَبِ ہِ جوہم پر کسی بہا ڈکی طرف سے لٹک کم اُم تراکا اسے یہ مجھے ایک مسلم کے قتل برعاد دلاتا سے سے النارتعالی سے بہر یا مقول شہادت سے نواز اعتا اور اس کے ماتھوں سے میری تو ہن بن کم اِنْ متی دنجادی

مندری مندری نے خطیب سے نقل کی سے کہ پر بات کسنے والا سعید بن العا من نمیں بلکہ اب سعید بن العاص نقام بن کا نام ابکن نقا اس مدیث کے بعد الود آف دکا پر کلام حملی نسخے ہیں آ با ہے ، ابود آف د نے کہ اکد بدلوگ دس کے قریب ہے من سے چوتش ہوئے اور باقی و اس گئے سقے سعید بن العاص کے دو بیٹے ما لڈا اور عرام و قدم الا بمان اور معبشہ کے مہا جرسے آبان بن سعید مالت فرک ہیں جنگ برر ہیں شامل ہوا تقا، اس کے دوجائی عاص اور عبد برہ مشرک تشل ہوئے سقے اوروہ نیچ کر کہ کہ والین کہ با تقا ۔ ابن فرائ کھا ۔ ان دولوں مدخوں میں سے ایک کی دوایت یا تو مخلوب سے اور یا اس سے بہنز تا ویل برسے کہ ابو ہر برج اور ابائ ہر دونوں ما نکا نقا مگر دونوں نے ایک دوسرے کی مخالفت کی تھی ۔ ابائ اور ان کے برائی فرخ نوبر کے بعد پہنچے تھے ۔ تو باس قد مال میں میں اسلام میں آج کے تو بعد میں آنے والوں کو بحد نہیں ملتا ۔ ان کے بر ممال والا سلام میں آج کے تو بعد میں آنے والوں کو بحد نہیں ملتا ۔ ان کے بر ممال ابوموسی اسلام میں اسلام میں آج کے تو بعد میں آنے والوں کو بحد نہیں ملتا ۔ ان کے بر ممال ابوموسی اسلام میں اسلام میں آج کے تو بعد میں آبے کے دو الوں کو بحد نہیں ملتا ۔ ان کے بر ممال الیس میں میں سے متا اگر منہ میں میں میں اسلام کی برائی ہوگا ۔ ابور موسی اسلام کی میں اسلام میں آبے کے تو بعد میں آبے کے دریاگیا وہ خمس میں سے متا اگر منہ میں ہوگا تو جہا ہدیں کو وجہا ہدیں کو دریاگیا وہ خمس میں سے متا اگر منہ میں میں میں میں میں سے متا اگر منہ میں سے متا اسلام میں آب کو کہا دو جہا ہدیں کی درما میں اسلام کی میں میں میں اسلام کی میں میں میں میں اسلام کو میک کو میا کہ دولوں کو میا میا کہا ہوگا ۔ ابور کو موال کی دولوں کو میا کہا کہا ہوگا ۔

مِنُ اَفِي مُوسَى قَالَ فَكِ مُنَافُوا فَقُنَا رُسُولُ اللهِ مَا اَبُوا اَسَامَتَ حَدَّ فَنَا بُرَبُهُ عَنَ اَ فِي بُرُدَةً مَنَ اَفِي مُرُدَةً مَنَ اَفِي مُرُدَةً مَنَ اَفِي مُرُدَةً مَنَ اللهُ مَنَ اللهُ مَكَانُ اللهُ مَنَ اللهُ مَنْ اللهُ مُنْ اللهُ مَنْ اللهُ مُنْ اللهُ مُنْ اللهُ مُنْ اللهُ مَنْ اللهُ مُنْ اللهُ مَنْ اللهُ مُنْ اللهُ

تا حبکہ انجی آپ کی تیاری تحییر کے سلیے نہوئی علی آن لوگوں کے روانہ ہوجا نے کے بعد حصنور صلی اللہ علیہ وسلم تیہ کی طوف متوجہ ہوئے ہیں ان لوگوں کی غیر جان میں مصروفیت کے باعث بھی اور جس کام میں سکئے تھے اس کا تعلق غزوہ ٹو ٹریسے نہ تھا۔ اس مدیث میں راوی کا یہ بیان کہ بتر سے خائب ہو نے والوں میں سے عثمان رائے سواکسی اور معلی تعلق عزوہ ٹو ٹریسے کی ایسے بیان کے فلاف سے دمع ونت کہ کتا ب الٹری نفق کے مطابق بتر کا مال غلبت رسول الٹری مواجہ یہ بہر تھا اور آپ نے ایک جماعت کو جو حاضر نہ تھی، حصتہ عطاف مایا تھا بھر جمالاً تھی ہو الکہ بیر میں سے کہ رسول الٹری الذی ملیہ وسلم نے عثمان کی کو جنگ بر کے مال غلبیت سے حصد دیا تھا۔ فلیم کئی عبد الٹر اور آپ کے قافل تجادت کی خبر میں معلوم کرنے کے سے روانہ فر مایا تھا، انہیں بی بی نفی میں مرتب کی جب سے حصد موافر مایا ۔ پا ریخ انصار کو بھی حصہ دیا تھا جن میں من فقین مرتب کی بعین خبر میں طنے کے باعث حصول کا میں ہوا تھا۔ میں اس بنا دیر کہا جا جا گا کہ ابن عرص کو صرف حضرت عشران کے جصے کا علم ہوا تھا۔ میں اس بنا دیر کہا جا گا کہ ابن عرص کو صرف حضرت عشران کی جصے کا علم ہوا تھا۔

بَاسِ فِل لَمُرا قُولُ لَعَبُ لِي مُحَدُّنَا بَالِ مِنَ الْعَنِيمَةِ

دعورت اورملام كاباب عنمي مال غنيت سي سيم كجدد يا حاسي كار

اسے دہنج کہا مباتا ہے اوریہ مال غنیمت میں سے خمس نکا کنے سے ٹیلے دیا با تا ہے ۔ حنقیہ، ٹنا فعی اوراحمد کا ہمی تول ہے مثا فعی اوراحمد کے دومرے قول کے مطابق یہ ہے میں سے بعنی اخراج خمس کے بعد۔ نثا فقی کے ایک قول میں ہر رضح خ خمس انخس میں سے بوتا سے اور مالک کے مزد دیک خمس میں سے ۔

٢٤٢٤ كَمَا نَنْ عَنْهُوبُ بُنُ مُؤسَى ٱبُوصَالِحٍ نَااَ بُوْإِسْلَحْقَ الْفَزَامِ يَ عَنْ

مَا مِنْ الْهُ عَنِ الْكُ عُمَّن عَنِ الْمُعُتَارِبُنِ مَيُهُ فِي عَنْ يَرْثِيدُ بَنِ هُرُصُّوْقَالَ كَتَبَ مَا مِنْ الْمُعُمَّوْقَالَ كَتَبَ مَهُ مِنْ عَنِ الْمُعُمُّوْقَالَ كَتَبَ مَعُمُولِ اللهِ عَنِ الْمُعُمُّولِ اللهِ عَنِ الْمُعُمُّولِ اللهِ عَنَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ فَى الْمُعُمُّولِ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ فَى الْمُعُمُّولِ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ فَى الْمُعْمُولِ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ فَى الْمُعْمُولِ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ وَهُلُ لَهُنَ نَصِيبِ فَى النِّسَاءِ هَلُ كُنَّ يَهُ وَكُولُ النَّي الْمُعْمُوفَ يَهُ مَا كَتَبُتُ وَسَلَّمَ وَهُلُ لُهُنَ نَصِيبِ فَعَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ اللهِ اللهِ عَنْ اللهُ عَلَيْهِ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَهُولِ اللهِ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَهُولِ اللهِ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ اللهُ عَلَيْهِ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ اللهُ ا

شکوے: نخدہ بن عامر مرکزی ایک فارجی مردار تھا جس کی طرف خوارج کا فرقہ نجالت منسوب سہے۔اس سے فارجی اور برعتی ہونے کی بنا، ہرا بن عباس نہجواب دینا نا ببند کرتے سے گرجواب اس سلے دیا کہ وہ حبنگوں ہیں مصروف دسہتے سقے اور فرن مرخ کے بان ہم اس کی مسلم کی دوایت میں سے کہ ابن عباس نے اس خیا ل سے جواب مکھی تھا کہ معیاس فی طرف کے سیم مسلم کی دوایت میں سے حقت بائیں گے ۔ مورتوں کے متعلق مسلم کی دوایت میں سے کہ انہیں مجی کچے طور انعام اور می انحد مست مال فننیت میں سے حقت بائیں گے ۔ معاملہ ان کا حصد مقدر مذمل میں اس کی دوایت میں سے کہ انہیں مجی کچے طور انعام اور می انجام دستے میں اس کی امہیت کے بیش فی انسان کی دو ایک میں اس کی انہیں کے مسلم کی در سے لدا اسے بچواس دفت دیا جا سے گا ایا مثل کسکی دو انسان کی در منانی کی کی در منانی کی

قَالَ نَاابُنُ السَّحْنَ عَنَ الِيُ جَعْفِرُ وَالنَّرْهُمِ يَ عَنَ يَلِي فَالِمِ يَعْفِ الْوَهِبِيّ فَالْ نَاابُنُ السَّحْنَ عَنَ الْمِ جَعْفِرُ وَالنَّرْهُمِ يَ عَنَ يَلِيهُ بَنِ هُرُمْ وَالْكَابُ نَجُلاةً الْمُحْرُورِيُ إِلَى ابْنِ عَبَّاسٍ بَسْأَلُ مُعْنِ النِسَاءِ هَلُ كُنَّ يَشْهُ لَمُ نَ الْعَرْبُ مَعْ رَسُولِ اللّهِ مَسلَى اللهُ عَلَيْ مِن اللّهِ عَلَى كُنَّ يَحْمُرُ لَ الْمُعْلَى اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ

ا و پری روایت ایک اورسند کے ساتھ ۔ غبہ ہودی دفادجی سنے ابن عباس م کوخط کھ کر بو بھا کہ کیا عو رہیں رسول الشرصلی الشرعلیہ وسلم کے ساتھ حنگ میں جاتی تھیں اور کیا ان کے لیے کوئی دعتہ مقرر کیا م باتا تھا ؟ بزید بن کما کہ نجبہ ہو ابن عباس سنے بچاب مجھ سے مکھوا یا تھا کہ ،عور میں رسول الشرصلی الشرعلیہ وسلم کے ساتھ جنگ میں جاتی تھیں مگران کا حصتہ مقرر منہیں کیا جاتا ہو انہیں کچے بطور رضنے وانعام دیا جاتا تھا دسلم، ترمذی، نسائی ،

أَ يْنْ مُمْلُوكَ فَامَرَ فِي بِشَكِّي مِنْ خُرُقِيِّ الْمَتَاعِ.

عَمْرَ مُن مُولا سُے ابی اللم سے بات چیت کی لپس رسول التُرصلی الله علیہ وسلم سے بھے تلوار سے مہانے کا حکم دیا ہیں ہی رسول التُرصلی الله علیہ وسلم سے بھے تلوار سے مہانے کا حکم دیا ہیں ہی رسول التُرصلی الله علیہ وسلم سے بھے تلوار سے مہانے کا حکم دیا ہیں ہی اسے گھسٹنے لگا۔ درسول الله صلی الله علیہ وسلم کو بتا یا گیا کہ ہیں فلام ہوں تو محف ورسے کھی کچھ ملوسا مان عطاء فر ما یا ۔ اسے مستنظم کی اللہ مستدرک حاکم مائڈ نرتی ہے اسے مستنظم سے اللہ علیہ البعد واؤد سے کہا کہ اس کا مسلم سے کہا ہی البعد البعد البعد الود الارسے کہا : اور البو عبید سے کہا ہی البعد البعد البعد البعد البعد البعد البعد البعد المرس کے البعد البعد اللہ عبد سے کہا ہی البعد البعد الله عبد البعد الله عبد البعد الله عبد البعد البعد الله عبد البعد الله عبد البعد الله عبد البعد الله عبد الله ع

المهم يحتكاً نَنْكَا شِعِبُ مُا بُنَ مَنْصُوْرِ فَالَ مَا كَبُو مُعَاوِيَنَا عَنِ الْكُعُمَيْنِ

عُنْ أَنِي سُفَيَانَ عَنْ جَابِرِ فَالَ كُنْتُ أَمِيعُ أَصْعَافِي المَاءَ يُومَ بَدْيِ -

حابُر من نے کہا کہ میں جنگ برتمیں ا بنے ساتھ ہوں سے لیے بانی سے ڈول عرزا تقاد حب بانی پیروڑا ہو تا تو ایک ادی بنچے اتر کر ڈول بھر تااور ایک اوپر سے کھینچ تا تھا ، گراس سے البوداؤ دکی کیا مراد ہے ؟ شاید برکہ جو بجے قتال می حقیہ شر بیت اور دوسرے کھیدکام کر سے اُسے فنیمت میں سے کھی مطور عطاء مل مجاتا تھا ۔

باتب في المُشْرِكِ بُسُمُ كُمُ لَكُولِ

باب بي مشرك كوحفته ديا ماسكتا سيع ؟

٢٧ ٣٢ ركى نَنْ مُسَدَّدُ وَ يَحْنَى بَنُ مَعِيْنِ خَالَانَا يَحْبَى عَنْ مَالِكِ عَنِ الْفُضَيْلِ عَنْ عَالِمَ الْمُشْرِكِيْنَ عَنْ عَلَمْ اللهُ عَنْ عَالَمُ اللهُ عَنْ عَالَمُ اللهُ عَنْ عَالَمُ اللهُ عَنْ عَالَمُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَمُ وَيَعَا وَلَى مَعَهُ فَقَالَ ارْجِعْ ثُمَّ وَاتَّفَقًا فَقَالَا إِنَّ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَمُ وَيَعَا وَلَى مَعَهُ فَقَالَ ارْجِعْ ثُمَّ وَاتَّفَقًا فَقَالَا إِنَّا لَكُونُ مِنْ اللهُ عَلَيْهُ وَلِيدًا وَلَا اللهُ عَنْ عَلَيْهُ وَلِيدًا وَلَا اللهُ عَلَيْهُ وَلِيدًا وَلَا اللهُ عَلَيْهُ وَلِيدًا عَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَلِيدًا وَلَا اللهُ عَلَيْهُ وَلِيدًا وَلَا اللهُ عَلَيْهُ وَلِيدًا وَلَا اللهُ عَلَيْهُ وَلِيدًا عَنْ اللهُ عَلَيْهُ وَلِيدًا وَلَا اللهُ عَلَيْهُ وَلِيدًا وَلَا اللّهُ عَلَيْهُ وَلِيدًا لَا اللّهُ عَلَيْهُ وَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللّهُ عَلَيْهُ وَلِيدًا لَا اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللّهُ عَلَيْهُ وَلِي اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللّهُ عَلَيْهُ وَلَى اللّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ وَلِي اللّهُ عَلَيْهُ وَلِي اللّهُ عَلَيْهُ وَلِي اللّهُ عَلَيْهُ وَلِيلُهُ عَلَيْهُ وَلِي اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَلِي اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ اللّهُولِي اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ الل

محضرت عائشہ دمنی التٰدعنها سے دوا بت سے کہ شرکوں میں سسما یک آد می قبّال کرنے کے سلیے نبی صلی التٰدعلیہ وسلم سکے مما تقرآ کریل حصنور صلی التٰدعلیہ وسلم نے فرما پاکہ تو وائپ ہوٹاکیو نکہ ہم کسی مشرک سے مدد نہیں سیستے متر ندی ، آبن ماصر ، نسانی ،

سیمت بی بی بہر سے ہے۔ شریح برمدیث سے بیمعلوم ہواکہ جہا دہم مشرک سے مدد حاصل کمہ نا مبائر نہمیں ،جب مدد منہ لی جائے گی تواس کے حصتے کا سوال بھی خارج اذہبیث سے ، دو سری روایات میں اس شخص کا کئی بار حضور کے باپس آنا اور با رہاں معد کی

مبشکش کرنااور آپ کا ہر بادا سے د دکرنا مروی ہے بعضور سنے ہر تربی ہواب دیا متاکر کیا توالندا وراس کے دسول ہر آبان رکھتا ہے ؟ آخری بار جب وہ مقام بلا علی ماسز ہواا ور صفور شوال کیا کہ کی توالندا وراس کے دسول ہر آبان لا تاہے ؟ تواس نے کہا کہ ہاں ایک نے فرایا اب میویٹ و کانی نے کہا ہے مشرکوں سے مدد کے جائز نہ ہونے کا قول ایک جماعت کا ہے جن میں شافعی میں شامل ہیں ، آبھی میں ائٹہ عزیت اور حنفید سے منقول ہے کہ کفار سے مدد لینا اس وقت مبائز ہے جبکہ وہ مسلمانوں کے اور ونواہی میرستقیم ہوں ، اور انہوں نے اس مسلک کے لیے مفود صفوال بن امریک اس استحانت بالا تعاق مبائز ہے من اور حضور کے سناکہ وہ مشرکوں نے میں منامل ہوکہ میں مناملہ کے معاملہ کے معاملہ کا میں میں مناملہ کے معاملہ کے معاملہ کا میں مناملہ کو میں مناملہ کر میں کے معاملہ کے معاملہ کے معاملہ کے معاملہ کے معاملہ کا میں میں کو میں مناملہ کو میں کے میں کو میں کے معاملہ کے معاملہ کو میں کو می

بأكلف في شهكان المخيرًا

مگهورون کے محصوں کا ما ب

افيم المريم و منكَ تَكُنَّ اَحْمَدُهُ اللهُ عَنْبُهِ الْمَا الْمُومُعَاوِيَنَ الْعُبَيْدُ اللهُ عَنْ نَافِيمِ عَنِ ابْنِ عُمَرُكَ دَسُولَ اللهِ عَسِدَ اللهُ عَلِيْهِ وَسَلَّوا سُهَ مَر لِرَجِهِ وَلِفَرَسِهِ تَلاَقَٰهُ اَسُهُ حِرسَهُ مَّالَ ذَوْسَهُ مَيْنِ لِفَرْسِهِ .

ابن عرائے سے روایت ہے کرمول الڈ میل انڈ علیہ وسلم نے مرداودائس کے گھوٹرے کے سیے بین حقے عقرائے سے ایک بعد اس کا اور دوائ سے کھوڑے کے رہنا تی ، مسلم ، ترندی ، ابن آج، وارقی مسندا تحدی مشرح بنطا بی سنے کہا کہ یہ مدیث عبد الشرب عمون تا بع عن ابن تمر کے طریق سے موی ہے اوراس میں ہے کہ ، مسوار کے لیے دو حصیا وربد ل کے سیے ایک مصد ، اور عدبد الشرعب الشرس نیا دہ مافظا ورا ثبت سے ، اس میں اور میں کا ایک فی است ملال اُسی می دیث سے سیے کہ فارس کے دو مصیا ور اور میں کا ایک فی طابی کی میان ہے کہ ابن سے کہ اور سید کے دو مصیا ور میں اس مسئلے میں جمہور کے دمائے میں جو فارس رگھوڑ سوار ہے تھی قرار دیتے ہیں اور بدیدل کا ایک حصیت میں اور بدیدل کا ایک صورت کے دو سے کہ ایک میں اور بدیدل کا ایک حصیت میں اور بدیدل کا ایک میں اس مسئلے میں جو کہ دو سے کہ ایک کا دو سے کہ ایک کے دو سے کہ دو سے ک

مولانائے فرما یا کہ اور تھوڑ سے والا یا پدل مہوگا یا سوار۔ پیدل کا بالا تفاق ایک حصرت ہے۔ اور گھوڑ سوار کے سیے ا اور کر فرکے مزدیک روحصے میں اور ابولیوسف و محد بن الحسن کے نزدیک بین سصے ایک مرد کا دو گھوڑ ہے ہے۔ میں تول شافق آمالک، احد اور اسحاق کا ہے۔ اور اس عباس سے بہار ابن میرین، عربن عبد العزیز، اور اسعی، ٹوری ہو ہی ابن جریہ طبری اور دو سروں کا بھی ہیں قول ہے۔ امام ابو صنیفہ اور زھر کا فول صحابہ میں سے عمر فاروق منم علی شن ابی طاب

(Charles at the partie of the formation of the first of t

ا ورا بوبوسی شدم وی ہے ۔ مافظ ابن حجرنے فتح الباری میں کہا ہے کہ معنرت عرضا ورعلی سے فابت شدہ تول وہی حبور کاسے ۔ حبود کا استدلال اس مربیف سے اوراسی معنی کی دوسری روایات سے ہے۔ ابوصنیفہ کا استدلال مجمع بن جارتے افساری کی مدیث سے ہے جہور کا استدلال مجمع بن جارتے افساری کی مدیث سے ہے کہ اس میں بتایا گیا کہ یہ کب کا واقعہ ہے ۔ آیا حبک خریر سے پہلے کا با اس کے بعد کا ۔ اگر یہ خریر سے پہلے کا ہے تواس میں نسخ کا احتمال ہے سے کہ اس میں نسخ کا احتمال ہے سے کہ اس میں ہو ۔ اور پراس یہ احتمال می سے کہ سے استدلال کی موجود کی میں اس سے استدلال میں رکہ اور ایک موجود کی میں اس سے استدلال میں رکہ اور ایک کے موجود کی میں اس سے استدلال میں رکہ اور ایک کے موجود کی میں اس سے استدلال میں رکہ اور ایک کے موجود کی میں اس سے استدلال میں رکہ اور ایک کہ اور ایک کے موجود کی میں اس سے استدلال میں رکہ اور ایک کے موجود کی میں اس سے استدلال میں رکہ اور ایک کے موجود کی میں اس سے استدلال میں رکہ اور ایک کے اور ایک کے موجود کی میں اس سے استدلال میں رکہ اور ایک کے موجود کی میں است استدلال میں رکہ اور ایک کے موجود کی میں اس سے استدلال میں رکہ اور ایک کے موجود کی میں اس سے استدلال میں رکہ اور ایک کے دور کیا ہو کہ اور ایک کے دور کی میں اس سے استدلال میں رکہ اور ایک کے دور کی میں است کی موجود کی میں اس سے استدلال میں رکہ اور ایک کے دور کی میں اور ایک کی میں اور ایک کی کہ کی کو کہ کی کی کہ کی کی کی کہ کہ کی کہ کہ کی کہ ک

بخاری نے یہ مدری صیح میں دو مجہ رہاں کی ہے۔ کتب الجہاد منی کسی خاص بنگ کا ذکر نہیں اور کتا بالمغادی میں بنگ نے پرکا ذکر موجود ہے۔ اس کے الفاظ برہیں " لمِنْفر سی سہو ہیں و للواجل سہ ہٹا" گھوڑا سے اور اس کا قریبہ ہے کہ اور بدل کا ایک معتبہ الموار سمیت اور اس کا قریبہ ہے کہ اس کا مقابلہ لا مبل سہ کہا گیا ہے تعنی بدل کا ایک معتبہ بہیں مطلب ہوں سنے گاکہ سواز کے دو مصفے اور بدل کا ایک معتبہ بیں مطلب ہوں سنے گاکہ سواز کے دو مصفے اور بدل کا ایک معتبہ بیں مطلب ہوں سنے گاکہ سواز کے دو مصفے اور بدل کا ایک معتبہ بیں ممانی میں اس کہ ماروی کہ علی ہوں ہے گاکہ سواز کے دو مصفے گھوڑ ہے کا ایک معتبہ بیں اس میں ہوئے ۔ جیسا کہ اس دو ایت میں ہے کہ دو جیلے گو لئے کہا گئے کہا ہے تھا کہا ہوں میں ہے دنی گئے ہے کہا ہے تھا کہا ہے تھا کہا ہے تھا ہے کہا ہے ک

كا نفظ حبال سياس كامعني سيم للمورث كاحمداس كيسوارسمية وكناسي .

اس بحث سے ثابت موکنا کہ ابومنیفہ کا دامن اس مسلے میں دلائل مدین سے بیسے بس شوکا تی صاحب

جوالجومنینیه کی طرف برمنسوب کیاسیے کہ انہوں نے : جمت ضعیفہ اور شبه ئرسا قط کوسنت صحیح مشہورہ کے مقابلے میں نعصب کیاسے " یہ محفن ایک سوءا دب یا تعصب تو ہوسکتا ہے کوئی عالمانہ و عاد لانہ کلام نہیں سے ریہ الفاظ تکھتے ہوئے مہمین خود افسوس موالی ہے گرسٹو کانی جیسے وسیح استظر شخص سے یہ توقع نہ تھی کہ وہ بیہ دھاندلی کرے گا۔ فالی ادلیٰ الشیرا کشکان ۔

م ٢٤٣٠ - حَكَّ تَنَكَ احْمَدُهُ بِنُ حَنْبِلِ مَا عَبْكُ اللهِ بُنُ يَزِيْدُ مَا الْمَسْعُودِ مِنْ حَنْبِلِ مَا عَبْكُ اللهِ مُنَا اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّوَ أَرْبَعَ مَا اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّوَ أَرْبَعَ مَا وَكُنَّ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّوَ أَرْبَعَ مَا وَكُنَّ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّوَ أَرْبَعَ مَا وَاعْلَى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّوَ أَرْبَعَ مَا وَعُلَى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّوَ أَرْبَعَ مَا وَاعْلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ اللهُ وَاللهُ وَاللّهُ وَاللهُ وَاللّهُ وَلّهُ وَلَا اللهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَلّهُ وَاللّهُ وَلّا اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَلَا اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ

ا بوعمرہ سنے اسپنے باپ سے روایت کی اس نے کماکہ ہم لوگ چا را ّ دمی سخے بورسول انٹرصلی انٹرعلیہ وسلم کی خدمت میں ماصر ہوسئے اور ہمادسے مسانٹرا ایک گھوٹا تھا۔ بس آپ سنے ہم میں سنے ہرا نسان کوایک محمتہ دیا اور گھوٹرے کو دو محصتے دسئے دگفتگو آگے ہے ۔

٧٤٣٥ كَلَا نَكُنَا مُسَدًّا لَا نَا أُمَيَّتُهُ بَنُ خَالِدٍ نَا مَسْعُوْدِى عَنْ رَجْبٍ مِنْ الْمِنْ فَالْمِ مَا مَشَعُوْدِى عَنْ رَجْبٍ مِنْ الْمِنْ الْمُنْ مُعُنَاهُ إِلَّا إِنْ مُنْ فَالْ مُلْفَتَهُ نَفَرِ مَا اَدَ فَكَانَ لِلْقَادِسِ لَلْفَتْهُ الْمُنْ مُنْ مُعُمَّدَةً مِمْعُنَاهُ إِلَّا إِنْ مُنْ فَالْ مُلْفَتَهُ نَفَرِ مَا اَدَ فَكَانَ لِلْقَادِسِ لَلْفَتْهُ اللّهُ مِنْ اللّهُ مُنْ اللّهُ مِنْ اللّهُ مُنْ اللّهُ مِنْ اللّهُ مُنْ اللّهُ مُ

اوپرکی مدیث کی ایک وروایت ۔ اس میں سبے کہ ہم مین آ دمی <u>تھے اور یہ</u> اصافہ کیا کہ سواد کے تعین محقے تھے داسی مدیث کے داوی مسعود کی پر کلام ہوا سیے۔ ما فظ زیلعی اور شوکا ٹی نئے ہیں کہاسیے

بَاحِفُ فِي مِنْ أُسِيمُ لَهُ سُهُمْ رَ

باب بن کے نز دیک گوراے کا بھی ایک مصد ہے

٢٤٣٧ حَنْكُ ثَنَا كُحُدُّ لُائِنَ عِيْسَىٰ مَا مُجَيِّعُ بُنُ يَعْقُوْبَ بُنِ مُجَيِّعِ بُنِ

يَزِيْكَ الْاَنْصُكَامِ يَ قَالَ سَمِعْتُ آفِ يَعْتُوبَ بَنَ الْمُتَجَمِّعِ يَنْ كُرُعَنُ عَيِّبِهِ عَسُلِا الرِّحُلِن بُن يَذِيْكَ الْاَنْصُاءِيِّ عَنْ عَيِّبِهِ مُجَيِّعِ بُنِ جَادِيَتَ الْاَنْصُكَامِ يَ قَالَ وَ

كَانَ (حَكَ الْقُعَرَاءِ الَّذِينَ فَكَرُّهُ اللَّقُولُانَ قِبَالْ شَعِلْمَا الْحُكَدَيْدِيَّةَ مَعَ مَا عُنُول

اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوُ فِكُتَّا انْصُكُوفِيَا عَنْهَا إِذَا النَّاسُ بَهُ زُّونَ الْآبَاعِ رَ

. Poseoscopo de la contractica del contractica de la contractica de la contractica del contractica de la contractica de فقاً كَ بَعُضُ النَّاسِ لِبَعْضِ مَا لِلنَّاسِ فَاكُوا أُوْجِي إِلَى النَّبِيّ صَلّى اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ وَسَلَّوَ وَالْحَالَةُ وَالْحَمْ اللّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ وَالْحَمْ اللّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ وَالْحَمْ اللّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ وَالْحَمْ عَلَيْهُ النَّاسُ قَرَاكَ عَلَيْهِ وَإِنَّا فَتَعَالَكَ عَلَى مَا حِلَيْهِ عِنْ كَرُاعِ الْعَيْمِ وَلَكَ الْجَنَّةُ عَلَيْهُ النَّاسُ قَرَاكَ عَلَيْهِ وَإِنَّا فَتَعَالَكَ فَنَا لَكُو اللّهُ الْعَلَى اللّهُ الْعَلَى اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلْمَ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلْمَ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلْمَ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلْمَ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّ

بختے بن جاریہ انعاری جوان قرادمی سے متا حبہوں نے آئ پڑھا تھا ، نے کہاکہ ہم دسول الشرصلی الشرعلیہ وسلم کے ساتھ مدید ہیں ہوجود مقے جب ہم و ہاں سے واپس ہوئے تو کچ لوگ اونٹول کو تیز میلا نے سکے ۔ پس لوگوں نے ایک دوسرے سے بوجھا کہ لوگوں کو کیا ہوا ہے ؟ جواب ملاکہ دسول الشرصلی الشرعلیہ وسلم ہی وحی نازل ہو تی ہے میں ہم لوگوں کے ساتھ صوار یوں کو تیز بعبگات ہوئے گئے ۔ تو بنی صلی الشرعلیہ وسلم کراع النم پیرے ہا ہم اپنی ہواری ہم کو اس جب بوگئے تو ای سی الشرعلیہ وسلم کراع النم پیری سے اس بنی ہواری ہم کو اس بر برانا فیٹھ کئی گئے ۔ تو بنی صلی الشرعلی الشرعی میں محمد کی مبان سے اس کی فسیم میں ایک شخص بولا بار سول الشرک یہ فتح سے ؟ آپ نے فرا با بھی دُوا الشرعلی الشرعلی الشرعید وسلم نے اس کو اس میں ہم میں ایس الشرعی الشرعید وسلم نے اور میں کو ایک سے سے اور میں کہ ایک میں مدر میں مدر میں مدر میں مواد سے دیں ہی ہر ہے اور میں کی مدریت میں وہم ہے کہ اس نے دور میں مدریت نہ یا دہ میں سے اور میں کا در مجمع کے مدریت میں وہم ہے کہ اس نے کہ ایک مدریت میں مدریت نہا دہ معمون ہم ہے کہ اس نے کہ ایک مدریت میں مدریت نہا دہ معمون ہے اور عمل اس پر ہے اور میں کہ در میں مدرست میں مدریت نہا دور میں کہ در میں مدریت نہا دہ معمون ہو کہ ایک مدریت میں دیا کہ ایک مدریت میں مدریت کی مدریت میں ایک مدریت میں میں مدریت کی مدریت میں مدریت کو ایک مدریت میں مدریت کی مدریت میں مدریت کی مدریت میں مدریت کی مدریت کیا تھا کہ مدریت کی مدریت میں مدریت کی مدریت کی ایک مدریت کی مدریت

شرح برگراع الغمیم کی اور مدینه کے درمیان عسفان سے آبگیمیل کے فاصلے برایک وادی کانام کیا ۔ بس محف کے پر بوجیا تھا کہ : یا بسول الٹرکھیا یہ سے جا جا فظابن ا نتیم نے زا دا انعاد میں تکھا ہے کہ وہ عرسابن ا تخطا بستھے جن بر نظری شرت دینی کے باعث صلح حدیدیہ میں بظاہر دب مصلح کرنے کے سبب سے بہت اثر تنا بحض والا استھے جن انفظوں میں فرایا کہ یہ فعظ ہے ۔ مسلح حدیدیہ میں بہلی مرتبہ کا اسے مسلمانوں کی سیاسی میشت کو تسلیم کیا تھا ور در ان کا غود ان کا خود الم اسلام کو ناط میں لا نے کو تیا رہ نہوا ہوئی ۔ اس سبب اس صلح کے بعد کا رق بھوا رہوئی ۔ اس سبب اس صلح کے بعد کا رق بھوا رہوئی ۔ اس سبب اسلام میں کہ کی دا ہ مہوا رہوئی ۔ اس سبب استحد اللہ مسلم اللہ عملی میں تعسیم فر ما یا ۔ اٹھا رہ سے اپنی از واج کر ما ت کے لیے اور روزان میں آنے والی ما جات وصروریات کے لیے در سکھا ودا مگارہ میں است کے لیے اور روزان میں آنے والی ما جات وہ ور یا ت سکے لیے در سکھا ودا مگارہ ا

تصعیم بدین سی تقسیم فرائے اصحاب صدیب بیری تعداد میں اختلاف سے بخاری میں اوا کیدوایت می سودہ سوء ما بھرکی حدیث میں بندرہ سو ، تعبدالٹرش ابی اوفی کی روایت میں تیرہ سوواد دستے مولا ٹانشنے فرما پاکران میں سیے مہا برمیز کی دواریت محقیق سے اقر بسہے کیو نکہ اس میں رہے ہے کہ اس تعداد سنے مدیبیہ میں دسول الٹرصلی الٹرعلیہ وسلم سے بعیت کی ہے مجع دئن ما در انعیاری کی دوا بیت بھی اس کی تا ٹید کھرتی سعے ۔

مولا نامشے فرمایا کہ ابوداؤ د سے تول میں اس مدمیث کی تضعیعت یا بی مباتی سے حالا نکہ انہوں نے اس میرکو ئی دلسیل میش نہیں کی ابن ا<u>تقطآن کے نز</u>د یک ا**س مدریث** کی عکّت کا باعث را وی بیغوب بن مجمع کی جہا ہت ہے بگریمانظا بن تجرکا بیان سیے کہ تیقوب سے اس کے بیٹے مجیع سے اس کے بھیٹیے امرامیم بن اسماعیل نے اور عبدا لعزیزین علر بن صہیب نے روایت کی ہے۔ابن حماً ن نے بعقوب کوثقات میں شماد کیا سیے، بس نہ صرف جہالت دفع ہوئی ملک . تقامیت بھی **نامت موگئی ۔ بھرا**مام شافعی سنے فجمع بن تعقوب بیرننق*ید کی سبے کہ وہ عنیرمصروف س*ے (انخلاصہ مرافظ ابو تجرِّ سنے کہاسے کہاس سے یونس بن محد مؤدب سنے بھیلی بن حیان نے،اسماعیل بن ابی اولس سنے، فعنبی نے تقیہ نے، عمد بن عبی طراع نے اود کئی اور ہوگوں نے روا تت کی سے بس جس شخف سے روایت کرنے واسے استفادگ بول وہ مجہول کیسے ہوا؟ ابن معین اور نسائی سے کہا سے کہ اس مس کوئی حرج نہیں، ابن سعد نے سے ثقر کہا سے

این انقطان نے تھیاسے ثقیر کہا ہے۔

ا کچوہ انتی میںسے کہ تھے ہی ماریہ کی حدیث کو ماکم نے مت دیک میں دوایت کر کے کہاسے کہ برایک حدیث کیہ مح الاسناد ہے۔ اور عجع بن معقوب مصروف سے الومائم نے کماسے کہ مجمع میں کوئی نمرا بی نہیں ابن معین سنامی ماسے کہ: ککٹنی جہ بُامُنیک اور یہام کی طرف سے توشیق کے لفظ ہیں۔ مَا فَعَا ذہبی نے بھی تلخیص میں اس مدیث کو سمح قرار دیا ہے ۔ مئی گذارش کو تا ہوں کہ کیا یہ مقام انسوس نہیں کراس میچے مدیث کے ہوستے ہو سے علا مٹو کا <u>بعیسے</u> آدنی نے امام ابومنیفہ میرتنفیدیے کے شوق میں وہ الفاظ ہوئے میں کا ذکر اوپرگزد میکا ہے ۔

بالبص في النَّعَلِ

یہ باب نفل کے بار سے میں سسے

٢٤٣٤ ـ كَلَّا ثَنَّا وَهُبُ بُنَّ يَقِبَتُهُ قَالَ أَنَا خَالِكًا عَنْ دَا وَدَعَنْ عِكْرِمَـ لَهُ عَنِ ابْنِ عَبَاسٍ فَالَ ظَالَ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَكَبْ مِ وَسَلَّو كَوْمَ بَهْ إِحِنُ فَعَلَ كُنُاا وَكُنَا فَلَهُ مِنَ النَّفُلِ كُنُا وَكُنَا قَالَ فَتَقَتَّاكُمُ الْفِتْرَبَاكُ وَلَذِمَ الْمُشِيِّحَةُ الرَّاكِاتِ فَكُوْ يَبْرُحُوْهَا فَكُمَّا فَنْحَ اللهُ عَلَيْهِ هُ فَاكْتِ الْمَشِيْخَةُ كُنَّا مِ دُءُ كُكُونُو إِنْهَزَمْ تُتُو مِفْكُمُ إِلِيْنَا فَكَلَاتَ لَهُ هَبُوكَ بِالْمَغُ نَوِوَنَبُ فَى فَا بَى الْفِتُ بَاكُ فَظَ أَلُول

جَعَلَةً رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَكَّرَ لَنَا فَأَنْزَلَ اللهُ تَعَالَىٰ بَبِسْتُكُونَكَ عَنِ الْاَنْفَالِ

ثُولِ الْانْفَالُ لِللهِ وَالرَّسُولِ إِلَى قُولِمِ كَمَا اَحْرَجِكَ رَبُكَ مِنْ بَيْتِكَ مِا لَحَقِّ وَاِنَّ فَرِيْقًا مِنَ الْمُؤْمِنِيْنَ مَكَارِهُونَ يَغُولُ فَكَانَ ذَلِكَ خَيْرًا لَهُمْ فَكَذَا لِكَ اَيْمَا فَاطِيعُونِيْ

فَإِنِّي أَعُكُو بِعَالِبَهِ هِنَا مِنكُور

ابن عباس مع اس نے کہا کہ رسول الندصلی اللہ علیہ وسلم سنے مبنگ بہر میں فرما یا جو فلال فلال کام کرے گااس کو اتنا
اتنا نفل سلے گا۔ ابن عباس من سنے کہا کہ جو ان تو آ گے مبلے ہے اور بوڑھول سنے جھبنڈ سے سنجھال سیے اور انہی سکے باس
رہے۔ مہں جب الند تعالیٰ نے نتے دی تو بوڑھوں نے کہا : ہم تمہاری بہت پناہ سقے اگر تم بیچھے جہتے تو ہماری طرف
آ تے، بہی یہ نہیں ہوسکا کہ تم مال فنیمت سے جا فاور ہم بو نئی رہ مباہیں۔ مگر جوانوں نے انکارکیا اور کما کہ رسول النہ ملی لئد
علیہ وسلم نے فنیمت ہمارسے سیے عظر ان تھی بہی اللہ تعالیٰ نیم کر ہے اور مرب نے بھارسے گھر سے تق کے ساتھ باہر نکالا ، ،
الشدا ور رسول کے لیے ہیں ہواس کہ تا ہم بی بہتر ہوائی فرمات ہو کہ ہوں سے نکل نا بنہا دے تی میں بہتر تھا اس طرح گھروں سے نکل نا بنہا دے تی میں بہتر تھا اس طرح اللہ بعن ایم اور دسائی اور کہ میں اس کے انجام کو تم سے زیادہ مبا نتا مہوں در نسائی ،
اب بن نہ میری اطاعت کم و کمیو نکر میں اس کے انجام کو تم سے زیادہ مبا نتا مہوں در نسائی ،

تنگرے: نفل سے مراد غنیت تھی ہوسکتی ہے کیونکہ وہ اللہ تعالیٰ کی طون سے ایک بفنل واسسان سے۔ بھیلی فوئموں بہہ یہ ملال نہ تھی، بالخفیوص اسی امت کے لیے ملال کی گئی ہے۔اس باب میں غنیمت کے بعض وہ اس کام آسٹے ہیں ہو کہ بچھلے الوار بم رنہیں کئے کرے ماتھ بران بر نفل سیسرماد وہ خاص جہزیں بر بربر ہوں کے دسنے کا امام اس سلے وعدہ کرتا ہے کہ وہ

ابواب میں نہیں آئے۔ مابھر ہماں پر نفل سے مراد وہ خاص چیزیں میں جن کے دینے کا امام اس سلیے وعدہ کرتا ہے کہ وہ توگوں کو جنگ برابعا دے۔ اور کذا وکذا سے مرا دیہ ہے کہ مشلاً 'بعوشخص کسی کوقتل کرے گااس کاسامان اس قاتل کا ہے۔ میں میں نیست کے بیان سے مصابق اللہ فیزند میں میں ایک اس کا میں اس کا میں کا سامان اس کا سامان کی سے میں کہ می

روں و بعث پر بیا ہے۔ ہروں والے سے فرہا یاسیے کہ مال غنیمت کا معاملہ انشرا دراس سے دسول سے سپرد کہ و اور سورۂ الا نفال کی مہلی ایت میں اللہ تعالیٰ نے فرہا یاسیے کہ مال غنیمت کا معاملہ انشرا دراس سے درسول سے سپرد کر خلاکا خوف کرتے ہوئے آپس میں مجاکم امت کرو۔ اس ہمیت سے بعض علما ہسنے دیہ مجاسبے کرجنگ بررکی غنیمت بالخصی

علاقا توف کرتے ہوئے ایس میں معلوا مت ہرو۔ اس ایت سے مبھی علما ہے یہ تھا سے کہ جناب بدری علیمت باعضو حضور صلی النہ علیہ وسلم کی صواب دید ہی مخصر تھی جہاں جا ہیں اور مبتنا جا ہیں خرچ کردیں ۔ میکن دوسرے علماء سنے کہا

سے کہ اس آئیت میں اختال ونسسے مما نعت کریے لوگوں کی توجہ بعض خرودی امورکی طرف مبدول کی گئی سے اورغنیت کا حکم آگے: وَاعْلَمْ کُوا اَنْدُاعْ مِنْ اَمْ بِیْ مِنْ اِنْدِی ہِ المج میں بیان فرایا سے بینا نچہ حضور سنے اسی پرعمل ورا مدفرایا تھا ۔

١٤٣٨ حسك فَكُ لِيَادُ بْنُ آيُّوْبَ نَا هُشَدْيُونَ فَالْ نَا دَا وَحُرَّبُنُ إِنِي هِنْ إِ عَنْ

عِكْدِمَةً عَنِ ابْنِ عَبَّاسٍ أَنَّ رَسُّولَ اللهِ صَكَى اللهُ عَلَيْدِ وَسَلَّمَ قَالَ يَوْمَر بَ لَا يَ

مَنْ فَتَلَ قِتِبُلًا فَكُهُ كُذَا وَكُنَا وَمِنْ أَسَرَا سِيرًا فَلَهُ كَنَا اوَكُنَا أَثُمَّ سَاقً نَحُونُه

وَحَدِهِ نُبِثُ خَالِدٍهِ ٱلْكُوُّ -

ابن عباس میماس سے روایت ہے کہ دسول الٹ صلی الٹ علیہ وسلم نے جنگ بدر کے دن فرمایا، کوشنفس کسی مقتول کوتش کرسے تواسے نلال اور فلاں چیز سلے گی اور جو کسی تیزی کوقید کراہے فلال نلا ں چیز سلے گی ایخ اور اوم پروالی خالد کی مدسیث متر سر

شی به به بولانا نسف الدیالکی بیسے نقل ذرا یا سے کہ موسلی بن سعد بن زیدنے کہا : دس ول الٹرسلی الشرعلیہ وسلم کے منا دی کر سے والے سنے بنگ بر سے دن اعلان کیا کہ جوشخص کئی مقتول کر ہے گا تواس کا سلب اسی کے لیے ہوگا ور ہو کسی کو قدیر کر ہے گا تواس کا سلب مطافر مایا اور ہو کچے توگوں سنقتل سے بغیر لیا اسے برا بربر ابر تقسیم فرمایا ۔ اور وا بات اس برمتفق ہیں کہ حضود سنے اس دن مقتو کول کے قاتلوں کو ان کا سلب منا برب ابر تقسیم فرمایا ۔ اور وا بات اس برمتفق ہیں کہ حضود سنے اس دن مقتو کول کے قاتلوں کو ان کا سلب منا برب لیا بھا۔ علی من الحادث نے شیب کا سلب میا برب لیا جوعب یکی است برا کے دار اول کو دیا گیا کمیونکہ عب پرخی نوج کا تھا اور مدین کی پہنے سے قبل ذات المبدل کے قام بر وفات یا گیا تھا۔

معرم حكى فَكَ الْمُدُونُ بَنُ عُكَمَّدِ بَنِ بَكَارِ بِهِ بِلَالٍ قَالَ مَا يَنْ بِهُ بِنَ بَكَارِ بِهِ بِلَالٍ قَالَ مَا يَنْ بِهُ بَنُ مَكَادِ بَنِ بَكَ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ مِ وَسَلَّمَ بِالسَّوَالِمِ اللهُ عَلَيْهُ مِ وَسَلَّمَ بِالسَّوَالِمِ اللهُ عَلَيْهُ مِا وَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهُ مِ وَسَلَّمَ بِالسَّوَالِمِ اللهُ عَلَيْهُ مِ وَسَلَّمَ بِالسَّوَالِمِ اللهُ عَلَيْهُ مِ وَسَلَّمَ بِالسَّوَالِمِ

وَحَدِالْيُ خَالِدٍ أَتَكُورَ

٠٠ ٢٠ . حَكَّا ثَنْنَا هَنَا دُبُنُ السَّرِيِّ عَنْ آبِى بَكْيِرِعَنْ عَاصِبِوعَنْ مُصْعَبِ

ابْنِ سَعْدِ عَنَ أَبِيهِ قَالَ جِمْتُ إِلَى النَّبِيّ مَه لَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ يَوُمَ بَنَ الْعَمُ وَكَ اللّهِ فَكَ اللّهُ عَلَى مَنْ اللهُ عَلَى اللّهُ وَكَ الْكُونُمُ مِنَ الْعَمُ اللّهُ وَكَ اللّهُ عَلَى مَنْ الْعَدُونَ اللّهُ وَكَ اللّهُ وَلَا اللّهُ وَكَ اللّهُ وَكَ اللّهُ وَلَا اللّهُ وَكَ اللّهُ وَلَا اللّهُ وَاللّهُ وَلَا اللّهُ وَاللّهُ وَلَا اللّهُ وَاللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ وَاللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ وَاللّهُ وَلَا اللّهُ وَاللّهُ وَلَا اللّهُ وَاللّهُ وَلَا اللّهُ وَاللّهُ وَلَا اللّهُ وَلّهُ وَلَا اللّهُ وَلّهُ اللّهُ وَلّهُ اللّهُ وَلّهُ اللّهُ وَلَا اللّهُ وَلِمُ اللّهُ وَلِمُ اللّهُ وَلِمُ اللّهُ وَلَا اللّهُ وَلِمُ اللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ وَلِمُ اللّهُ وَلّهُ اللّهُ وَلَا اللّهُ وَلِمُ اللّهُ وَلَا اللّهُ وَاللّهُ وَلِمُ اللّهُ وَلِمُ اللّهُ اللّهُ وَلِمُ اللّهُ وَلِمُ اللّهُ اللّهُ وَلِمُ اللّهُ وَلِمُ اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ اللّهُ الللّهُ وَاللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللللّهُ ا

سعدرضی التُرعنہ نے کہا کہ میں جنگ بہتر میں وسول التُرميلي التُرعليہ وسلم کے پامن ايک تلواد لا باا ور کہا: بارسول التُراج التُرتعالیٰ نے دشمن کی طون سے میراسینہ طفی اکر دیا ہے بپ آپ یہ تلواد نجھے بخش دیں بھنوڑنے فر ما یا: میسیا کا د نامہ نہیں دکھایا میں اھی اسی اوصیر میں تھا کہ قاصد میرسے باس آبا اور کہا: رسول التُرصلی التُرعلیہ وسلم کے باس میل میں نے سوما کرنٹا پر میری بات کی وقع سے میرسے بادسے میں کچھ نازل ہوا ہے۔ بس جب میں ما منہو الو سعنورصلی الشرملیہ وسلم نے فرما یا: قونے تھے سے بہتواداس وقت ما نگی تھی حبکہ نہ یہ میری تھی ہزئیری، اور التُرت اللہ تعالیٰ نے اساس کا اختیاد مجھے دیے ویا ہے بس یہ تجھے دیتا ہوں ، بھر حضور شنے ہے آ بت تلاوت فرما ئی "، لوگ تھے سے مال فنیمت کے متعلق بو سیمتے میں کہ کہ کہا ہا منہ تنہ اسا کی اسول کے میں الح الو واقر د نے کہا کہ ابن مسعود کی

تشرے بھولا ناسنے فرما یا کہ حسب بیان ابن جربر طبری ابن مسعود کی قرات بھل ہے: کیٹٹا کو ٹکٹ الا کفاک، بعنی عام قرات اور ابن مسعود کی قرات میں برفرق سے کرابن مسعود کاسٹ عن کا نفظ نہیں بولا ، دونوں قرا توں میں معنیٰ کا حجہ فرق ہے وہ یہ ہے کہ جمہور قرات سے مطابق معنی یہ ہے کہ بوگ آئے سے مال فنیمت کا حکم بوچھتے ہیں کہ

ا ورا بھی بھی سیے جواس پہلی اُکھیں سے سٹد پر ترسیے وہ یہ کہ جب دسول الٹرصلی الشرعلیہ وسلم پہلے ہی، علان کارچکے سقے کہ ، مَنْ فَتَدُلُ فَلَا فَلَا مُسَلَّمُهُ اُ اور سعدُ مِن ابی وقا می فیسعیہ بن العا ص کوفتن کیا بھا وراس کی تلوار ہی تقی ہدنا وہی اس بھوار کے زیادہ مستحق سقے ہیں رسول الشرصلی الشرعلیہ وسلم سنے یہ تلوار پہلے ہی مرصلے ہیں سعادہ کو کیوں نہ دیوی ورانخا لیکہ کدا ب سف الوجول سے قامول کو اس کا سلس عنا میت فرما یا بھا اور عبدالتُرمُ بن مسعود کو اس کی تلوار عطار فرما ئی تھی۔ پھر یہ المجب سال عنبہت کا حکم المبی نافرل ہی نہ ہوا بھا تو رسول الشرصلی الشرعلیہ وسلم سفے ہم تو ہو کہ تعدول کا سلب بھی مال بغنیمت کا حقد سبے ؟ اور جب ابھی تک حضورہ سے ؟ اور جب ابھی تک حضورہ سے ؟ اور جب ابھی تک حضورہ سے ؟ اور جب ابھی تک حضورہ کی تعدول کا سلب بھی ارتا ہی نہ تھا توائی سنے بھی اس کا یہ فیصلہ کہیں فرما

مولا نائشنے فرمایا ہے کہ اس کا پہنواب ممکن ہے کہ منبہت ہملی امتوں ہم کا مقی اوراسے آگ سے حواسے کیا جا تھا، ما پرکہ آسمانی آگ اسے کھا جاتی تھی۔ اور ہمی اس کی قبو لیت کی علامت تھی۔ اور دسول الشرصلی الشر علیہ وسلم کو نمیال تھا کہ اس است کھا جاتی تھی۔ اور ہمی است کی علامت تھی۔ اور دسول الشرصلی الشر علی است کے جو الا سیا اور اس آست ہی حدث اس کی طرف اسان موجہ ہے کہ جس تو الشری لا ہمیں قتال کر، تجہ بہ صرف اپنی جان کی ذمہ وار کی در اور اس آست ہیں اپنی زاروں کو قتال بر آ کہ اور اس آست ہیں ابتداء میں دسول الشرصلی الشر علیہ وسلم نے ایماندادوں کو رہر کہر اشتعال دلایا کہ جو کسی مقتول کو قتل کر سے گا استداس کا سلب میں دسول الشرصلی الشرصلی الشرور کا استداس کا سلب سطے گا، یعنی عند بر اس بار سے میں الشرکا مکم نازل ہوا جا ہما ہمی نہیں اترا تھا، چلاے صفور سف ہو تلوار نہ دی اور کی آسے میں انسان کا حکم دسول الشرصلی الشرعلیہ وسلم کی داستے بر اس کی توالے کر دی ۔ میں اکہ النظم بالعلی ہو تا میں ہیں آست میں انسان کا حکم دسول الشرصلی الشرعلیہ وسلم کی داستے ہو تا میں نہیں تا تا اور اسی طرح صفور شنے و وہرسے مقتولوں سے قاتلوں کو حبی ان کا اسلیب عطافرہ با تھا۔ والشان کی باسلی حمل اور اسی طرح صفور شنے و وہرسے مقتولوں سے قاتلوں کو حبی ان کا اسلیب عطافرہ با تھا۔ والشان کی اسلیب عطافرہ باتھا۔ والشان کی اسلیب عطافرہ باتھا۔ والشان کا حکم دسول استد میں اسلیب عطافرہ باتھا۔ والشان کا حکم دسول استد میں اسلی کا میں اسلیب عطافرہ باتھا۔ والشان کا حکم دسول استد میں اسلیک کی کا میں کا مسلید کی کا مسلی کی کا مسلم کی کی کی کو مسلم کی کا مسلم کی کی کا مسلم کی کی کا مسلم کی کی کا مسلم کی کی کی کا مسلم کی کا مسلم کی کی کا مسلم کی کا مسلم کی کا مسلم کی کی کی کا مسلم کی کی کی کا مسلم کی کی کا مسلم کے کا مسلم کی کا مسلم

بَاكِكُ فِي النَّفُلُ لِلْسَمِرَةِ بَرَتَحُوجُ مِنَ الْعَسُكُزِ شَكِرِي سَعِ جِرِجُودُ فَوجَ نِنْكَ اسْسِ فَضْفَ لَا بَا سِ

ام عرب حكى فَنَا عَبْ الْوَهَابِ بُنُ نَجُمَا لَا ثَا اَبُنُ مُسُلِمِ وَنَا مُوسَى ابُنُ الْبُنُ مُسُلِمِ وَنَا مُحَمَّدُ اللَّا الْمُ اللَّهُ الْمُنَا اللَّهُ اللْمُلِلْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللِّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ

لَعِبُرًا وَنُقِبَ اَهُلُ السَّرِتَيْنِ بَعِيُرًا بَعُيرًا فَكَانَتُ مُهُمَا نُهُوْ ثَلْتَةً عَشَرَتُكُ فَ عَشَرَ

ا بن عمر النه کہارسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم نے ہمیں ایک شکر میں نجد کی طوب تھیجا اوراس شکر ہیں سے ایک میجوٹی محبوبی فوج نکلی: بس سنکر کے تعقد بارہ بارہ اونٹ تھے اور مجدسٹے تشکر والوں کوایک ایک اونٹ مزید ملا، بس

ان کا حفتہ نتیرہ متیرہ او منط مہو گیا۔

ما فظاہب عبدالبرنے کھاکہ سارسے نشکر کی تعداد ہم ہزار تھی اور سریہ ہوغنیہ ت لایا تھا وہ دوسوا ونٹ اور دوسڑا دھر نہیں ۔ پھریہ کیونکر ممکن تھاکہ سارسے نشکر کو بارہ بارہ اونٹ اور سریٹر والوں کو بترہ بٹرہ مل گئے جو بہ توا کہ ان بات ہے ۔ بس ماننا پٹرے گاکہ ہمت سامال غنیمت اصل نشکر نے حاصل کیا تھا اور اس میں اس چھوٹے نشکر کا مبی کچھے تعدر ملایا گیا ہوگا۔ اس تاویل کی صرور ت اس وقت ہے جبکہ اس روایت کو کوئی مقام دیا جاسئے اور اسے محفوظ سمی جاسے وریذ معتبر کثیر صبحے روایات سے مطابق یہ تعداد ہو بتائی گئی سے صرف سریٹر کے مالی غنیمت اور نفل کی ہے ۔

ابُن مُسُلِو حَتَّا ثَنَا الْوَلِيْكَ بُن عَتُبَاهُ السِّا مَشُنِيُّ قَالَ قَالَ الْوَلِيكَ بَعُنِ الْمُن عَتُبَاهُ السِّا مَشُنِيُّ قَالَ قَالَ الْوَلِيكَ بَعُنِ الْمُن الْمُنَامُ لِهِ بِعُلْمَا الْهُ مِنْ الْمُن الْمُنَامُ الْهُ مِنْ الْمُن الْمُن الْمُن الْمُن الْمُن الْمُن اللّهِ الْمُكَذَّ الدُن حُولًا يَعْنِي مَا لِحَالَ فَرُونَةً عَنْ مَا فِي قَالَ لَا يَعْنِي مَا لِحَالَ اللّهِ الْمُكَذَّ الدُن حُولًا يَعْنِي مَا لِحَالَ اللّهُ الْمُن اللّهُ اللّهُ اللّهُ الدُن حُولًا يَعْنِي مَا لِحَالَ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الل

بُنُ أَنْسٍ.

ابن المبارک کوولیہ بن سلم سفیہ قدریٹ سنائی اوراس کی دوہ ری سندیمی ثعابی تواس سنے کہا کہ الک بن انرم عن نافع کی روایت کے ماعقر نشعیب بن ابی حمزہ کی روایت مقابلہ کرتی سبے ندا بن ابی فروہ کی (اور مالک کی روایت میں فقط یہ ذکر سبے کہ ہمریئے وادول میں سے ہم ایک کویہ تعداد ملی جس کا ذکر اوم پرگزدا ۔ لیٹ اور مبید السلہ کی روایات مجی مالک کی روایت کی تامید کم تی ہمی اور طبقات ابن معدسے بہتہ مہتا ہے کہ سریئہ واسے ۲ سوا و نسط اور دوم بزار معمیر مکر یاں مال غنیمت لائے تھے اور صما ب سے وقت دس مکر اور کا کھی اونٹ سے مباہر سامر کیا گیا تھا۔

سم ٢٠٠ حكما ثننا حَنَّا دُنَا عَبُ مَا تُعَنَّى اللهُ عَنَى الْحَنِي النَّهُ عَنَى اللهُ عَنَى اللهُ عَنَى النَّهُ عَلَى اللهُ عَنَى اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنَى اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلْمُ اللهُ عَلَى اللهُ

ابن عرض نے کہا کررسول الٹرصلی الٹرعلیہ وسلم نے ایک سریۂ تخد کے علاقے میں بھیجا اور میں مبی اس کے ساتھ تھا۔ مہیں بہت سے مبانور سلے اور بہارے امیر نے بہم میں سے سرانسان کوایک ایک او نسط بطور نفل دیا۔ عبر بہم رسول الٹرصلی الٹرعلیہ وسلم کے پاس آئے تو آپ سنے بہاری غنیست ہم بہتھیم فرمائی توخمس نکا سلنے کے عبر بہم رسول الٹرصلی الٹرعلیہ وسلم کے پاس آئے تو آپ سنے بہاری غنیست ہم بہتھیم فرمائی توخمس نکا سلنے کے

وتقرير فرمادى توليل كمناما كل درست مواكه بينفل دسول الشدصلي الشدوسلم سف دياعقا.

٧٩ ١٩٠٠ حَكَّا ثَنَا حَبَّا ثَنَا عَبُكَ الْمَلِكِ ابْنُ شُعَيْبِ بْنِ اللَّهُ قَالَ حَتَا تَنِي آفِي عَنْ الله عَنْ الْمَلِكِ ابْنُ شُعَيْبِ بْنِ اللّهِ عَنْ مَا اللّهِ عَنْ اللّهُ عَنْ مَا لَكُمْ عَنْ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَنْ اللّهِ عَنْ اللّهِ عَنْ اللّهُ عَنْ اللّهِ عَنْ اللّهِ عَنْ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَنْ اللّهُ الللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللللّهُ الللّهُ الللللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللللّهُ الللللّهُ الللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ ا

عبدالله بن عرف سے روایت ہے کہ رسول الله صلی الله وسلم بعفن بھیجے جانے واسے سریکوں کو نفل عطافرا تے سعے اور برنفل انہی کے لیے فاص ہوتا تھا اور عام بشکری تقییم کے علاوہ ہوتا تھا۔ اور مساس سب میں واحب تھا .

منتی ہے : مولا نامشنے فرمایا کہ بخارتی کی رواست میں یہ آخری حبلہ نذکور نہیں سبے اور بظاہریہ ابن عُمُر کا قول سبے۔امیر مشکر فید مگاسکتا سبے کرجہا ہروں کو قبل انتصر یا بعداز خمس پہنٹل مجساب نی کس سلے گا۔ یا فلال کا رنامہ انجام دسیف واسے کو رہ سلے گا۔

عمد حكا ثنا احمك بن عمد المسلمة عن عمد الله بن عمد وان رسول الله بن وهيب تا محين عن اب عن عن اب عن عب الريط الريط الله عن عب والله بن عمد وان رسول الله صلى الله على الله عن عب والله بن عمد وان رسول الله صلى الله عك به وسلكو خريج بور بن بن في الله عن عب الله عن عن الله عن عن الله عن ال

و من المراجع ا

شرح: منذری نے کہاہے کہ برزایک بنویں کا نام تقا ہو مالک کے نام سے مشہور ہوگیا تقا جنگ برز ہرجی ہیں ، د رمصنان سکے دن مروز جعہ واقع ہوئی تقی ۔اصحاب بدر کی تعدا واصحاب طالوت کی تعداد سے موافق ہم_ا ساتھی بمسند خ ىس الوموسى كى حدىث ميں اصحاب بدر كى تعداد عاسماً فى سبے۔ ابن عباس مى كى جديث ميں جومسندا حد، م یہ تعدادہ۱۲ سے اورا مل مغا زی کے نز دیک ہی روا مت مشہورترسیے ۔ ابن اسحاق سنے۱۲ اس تعبی تعدا دیّا گئ . طبرا تی اورسهتی سنے اُبوا یوب انعماری من کی روایت درج کی سیرحس کے مطابق ان کی تعدا دہم_ا سرحقی ۔ پھر معنور ر دفعه مزيرگنتي كمانئ توايك اوراً دي اكر طاحو كمزورا و منط پرچيلام تا بخاتواب تعداد ۱۵ م موكئي - الو داؤ دسك عداوه بيغ کی روا بت میں تھی ۱۵س ہی تعدا دائی سے معلوم ہوتا ہے کراس تعدا دمیں رسول الشرصلی الشرعلیہ وسکم اور بعد میں آنے والاشخص شمادنہیں کئے گئے بجس روامیت میں ۱۹ س کا عدواً یاسیے، سویہا حتمال موجودسیے کہ ان چھے توں ک سمّا رکه لیاگیا سیح بن مس حنگ سیے قبل نشکر سیھ فارج کیا گیا تھا مثلاً بہارہ اس عرب اورانس ، مارم بن عرب التارم سے قتال صرف ۵ .۴ ما ۱۲ مسر نے کمانفا ، اوراس کی بناء رہا بن عمیار من کی ایک مدیث میں امل میرتہ کی تعداد ۷ ساکڈ یراسی بناء ہم ابن مسعدسنے ۵ س کا عدد بتا پاسیے ۱۰ وراس تعداد میں دسول الٹرصلی الٹرعلیہ وسلم کی ذات نهیں کیاگیا ۔اور آنطانشخاص اور بھی سقے جبنیں ،ب<u>ر رسی</u> شمار کیا گیا مگہ وہ میدان جنگ میں حاصر نہ لیھے ۔ان میں ای*ک* تو عثمان فن بعفان تقصيحوا مني زوم عمر معرد فترنت رسول كي تمار داري من مصروب تقيرا وروه ان د نون مرض الو فات ميں مبتلاء تقیں مطلحہ بن عبنیدا دلتٰداً ورسعیدین زید کو حضور سنے قائلہ فرنس کی لوہ میں بھیجا تھا لہذا وہ بھی میدان میں موجود نه تقر ابولبائي كو معنو رسن مقام روماء سے مدینہ اپنا نائب بناء كه میجاء قا عاصم بن عدى كو معنور سنے ماليہ ما كرزخمى مهدئ اورحضور سف انهي والس عبيا عقاا ورخوات من برران كا ذكراب سعد سف كياس وادر كميرا بل مغازى نے سعد بن مالکٹے مساعدی کا ذکر بھی کیا سیے جنہو ل نے دا ستے میں وفات یائی تھی ۔سعد میں عباوہ شکے متعلق اختلاق ہے یا وہ جنگ میں مثا مل مجھے یاکسی صورت کی بنا ہمیانہیں وائس کیا گیا تھا (مسلم میں ان کا ذکر آ باہیے اور مسیتے مولائے

تہ آیا کہ بہت میں مان موسے یا سی صرورت کی جا ہم انہیں وہ میں لیا تھا (مسلم میں ان کا درآ یا ہے) ور جبیعے مولاے امتیحہ کے بارے میں همی اختلاف مواہد اور میر تھی کہا گیا ہے کہ حصنور میں ابی طالب کا محصد همی بَدِر کی غنیمت می لگا ما گدا تھا رفتح الباری مگر مُجَعِّفه تواس وقت مہشہ میں تھے اور سے جدیں والس آئے تھے اس مدیث کی عنوان

نظایا کیا تھا رہے الباری مکر عبفر لوانس وقت مبشہ میں تھے اور شکھ میں واکس ائے تھے!اس مدیث کی عنوان ہاب کے سابھ مظاہر کوئی مطالقت نظر نہیں آتی مگر رہ کہ بوں کہا جائے: بدمختصر شکر محصن فا قائد قریش کی خاطر نکل تھا تھو

ەب مىلىن ھەلىجا بىركۈنى خفاھىت تىر كىلى كى كىرىيدنىچەن كەنا بايسىد بىلىنى ئىرىنىڭ كەندىرى كى كام كولالىكا جو ا ئىچ كىرنىك گىيا دراتفا قانشكىرة يىش كەسا بەرىنىڭ بېوگىي .ادرانىپدىغالى نىنے كىفار كوشكست دى دىدما كې مىنىت اېل بېرىيە

نقيم فَرَمَا يَاكُيا - مدّ مَيْنَه حِوالسلام كَي تشكر كاه هي وما ل مُحكسي أدمي كو كجدينه مين ديا گياموا محان حيدا شخاص محمة بنه بن مامن

خاص کاموں بیہ مامور فرما یا گیا تھا۔ وا نشداعلم ما بصواب و ماسی کاموں بیہ مامور فرما یا گیا تھا۔ وا نشداعلم ما بھواب

بَا مِصْ فِي كُنْ هَا لَا يُخْمِسُ فَيْلُ النَّفُلِ

كياخمس نفل سے پہلے نكالا مبائے گا؟

السَّامِيّ عَن مَحْكُولِ عَن زِيَادِ بْنِ جَامِرينَا سُفْيَانُ عَن يَذِبُ كَابُنِ يَذِبُ كَبُنِ جَابِدِ السَّامِيّ عَن مَدْكَ لَهُ مَسْلَمَة الشَّامِيّ عَنْ حَدِيبِ ابْنِ مَسْلَمَة الشَّامِيّ عَنْ الشَّامَ بَهُ وَسَلَّو كُنْ فَي لَا الشَّلُكَ بَعْبُ كَا الشَّلْمُ عَلَى اللهُ عَبْدُ وَسَلَّو كُنْ فَي الشَّامَ اللهُ عَبْدُ اللهُ عَبْدُ اللهُ عَبْدُ اللهُ عَبْدُ اللهُ عَبْدُ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ الل

صبیب بن مساری فهری سنے کہاکہ دسول التُرصلی التُدعلیہ وسلم خمس نکا گئے کے بعد تبیرا حقتہ نفل سے طور پر دستے سفے دائن آصر کتاب الحیاد)

منگریے: صبیب بن مسلم فہری کی صحابیت میں اختلاف ہوا ہے۔ بخاری نے اسے صحابی قرار دیا ہے۔ مدیث کا مطلب بیمعلوم ہوتا ہے کہ صنور کسی سرئی سے فرما تے: تقدیم خس کے بعد او تو بطور نفل سلے گااور ماتی کا حصر سا رہے نجا بدین سمیت دیا جائے گا۔

المَّا اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ الله

الدُّبُعُ بَعُكَا كُنُسُ وَالثَّلُثَ بَعْكَا لَخُمُسِ إِذَا قَفَلَ.

تعبیب بن مسلمه می مستده ایت ہے کہ رسول الشد مسلی انشد علیہ وسلم خمس کے بعد جو تقاعه مداور حمس کے بعتر سرا تحصر بطور نفل دیتے بھتے جبکہ والیس لوسطتے رامشر عی صرورت اور جہا در پر تحریف سکے لیے ثلث یا رُبع ما اس سے کم و بیش بطور نفل دینا جا نُمذہبے ۔ صنفیہ سنے صرف میر کہا کہ اس کی صورت یہ ہے کہ امام سپہلے سے اعلان کر جسے ۔

كُلَّ لَا إِنَّ اَسْتَالُ عَنِ النَّفُلِ فَكُورَ جِهُ اكْبَدُ أَيْ فِيهِ بِسَنَى بِحَتَى كَقِيْتُ كَ شَيْهُ فَا يُنْفَالُ لَهُ ذِيَادُ بُن جَامِ يَتَ التَّمِيْ يَقُلْتُ لَهُ هَلُ سَمِعْت فِي النَّفْلِ شَيْئًا قَالَ نَعَمْ سَمِعْتُ جَيْبَ بُن مَسْلَمَ الْفِهْ رِقَى يَفُولُ شَهْلِاتُ النَّبِي مَنْ لَى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ نَقَلَ الدُّبُحَ فِي الْبَى أَوْ وَالتَّلُّفُ فِي الرَّجُعَيْدِ .

ابووسب نے مکول سے بہ کہتے سُناکہ بیں بنی آدیکی ایک عورت کا مصر میں غلام بھا، بس اس نے مجھے آ ناد کر دیا۔ میں مقسسے اس وقت نک نہ نکلا حب بک کہ وہاں کے بمام علم کو محفوظ نزکہ لیا۔ بھر میں جا زیں آیا تو وہاں سے اس وقت نک نہ نکلا حب نک کہ ابنی وانست میں وہاں کے بمام علم محمع نزکر لیا۔ بھر میں طاق میں گیا اور اس وقت وہاں سے نہ نکلا حب تک کہ ابنی وانست میں وہاں کا تمام علم جمع نزکر لیا۔ بھر میں شام بی گیا وراسے مبلوای ہر طوف نفل کے متعلق بوجھتا رہا لیکن میں نے کوئی شخص نزیا یا ہو جمعے اس کے بارے میں تیا تا۔ حتی کہ میں ایک بوڑے سے ملاحب کا نام زیاد بن جاریہ تمہی تقا۔ بس میں نے اس سے کہ اکر کیاتو سنے نفل کے میں کہ میں نبی صلی اللہ علیہ نفل کے میں بجھ مشاکہ میں نبی صلی اللہ علیہ فعل کے میں جاس نے کہا ماں ایمیں نے مبدیض بن مسلمہ فہری کو یہ کہتے مشاکہ میں نبی صلی اللہ علیہ وسلم کے باس حاصر تفاکہ آپ نے ابتدادیں ہے اور والبی ہر ہے نفل دیا دابن مام ب

ك تعمن دفعرل اور تعمن دفعر لل مونے كم متعلق الشكال تفاجعي اس مديث نے مل كيا ۔ كا معمن دفعر لل ما العسكيد كا العسكيد

بابسرير كم متعلق كروه الله شكرم بالفنيمت لوا في كا-

ا ١٢٥٥ حكا تَكَ تُكَ يُكَ يُكِ يَكُ يُكُ سَجِهُ إِنَا ابْنُ اَفِي عَلِي عَنِ ابْنِ اِسْحَاقَ بِبَعُضِ هُذَا حَ نَاعُ بَيْكُ اللهِ بَنُ عُمَرِ قَالَ حَلَا تَنِي هُ شَنْ بُعُ حَنْ يَعِيَى بْنِ سَعِيْدٍ جَبِيعًا عَنْ عَمْرِ وَ هُذَا حَ نَاعُ بَيْكُ اللهُ عَنْ كَبِي سَعِيْدٍ جَبِيعًا عَنْ عَمْرِ وَ هُنَا اللهُ عَيْدُ اللهُ عَيْدُ اللهُ عَيْدُ اللهُ اللهُ عَيْدُ اللهُ اللهُ عَيْدُ اللهُ عَيْدُ اللهُ اللهُ عَيْدُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَيْدُ اللهُ اللهُ عَيْدُ اللهُ اللهُ اللهُ عَيْدُ اللهُ اللهُ اللهُ عَيْدُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَيْدُ اللهُ الل

ما دا جائے گا اور ابن اسحاق نے تکا فو آور قود کا ذکر نمیں کیا راب ماجم

شوح؛ قصاص اور دیتوں پی سب مسلم انوں کے تون مسادی ہیں، کوئی شریف کسی و صنیع پر فضیلت نہیں رکھتا۔ یہ
مسئد اجماعی ہے ۔ ذمان و المہت پس بوگ اس بات پر راضی نہ ہوتے کہ ان کا نون دوسروں کے برابرہ بعض لوگ
ا بنجا یک ادمی کے تون دوسروں کے دویا زیادہ اُدمی قس کرہتے سقے گویا " شاہی نون" عام نحون کے برابر
نہ تھا۔ اسلام نے اس ما المی رسم کا قلع قبع کیا اور انسانوں کو بحینیت انسان ، مسلمانوں کو بحینیت مسلمان و ست اور
قصاص میں اور دیگر اس می احکام میں برابر قراد دیا فضیلت کے دیگر اسباب ہوسکتے ہیں مگران کا تعلق و نگر ، نہوں ہسب ،
برادری اور قبیلے سے نہیں ہوتا ۔ اور فرایا کر بسولی بنہ متہم اور تول وقرار کو نبما نے کی سی کہاں کو وہ دوسر سے
برادری اور قبیلے سے نہیں ہوتا ۔ اور فرایا کر بسولی بنہ متہم اور قول وقرار کو نبما نے کی سی کر سے موسلے کے اور ان کے عہدا ور قول وقرار کو نبما نے کی سی کر سے موسلے کے اور ان کے عہدا ور قول وقرار کو نبما اور وہ لوگ ہوضعفا وہ میں سے سی بھلے
مرادری اور قبلے سے معلق دیکھتے ہیں کیونکہ وہ جہاد و قبال نہیں کرتے مثل کو تا یا صنعی سے نبی کی کا فرکو بنا دے دی سے تعلق دیکھتے ہیں کیونکہ وہ جہاد و قبال نہیں کرتے مثل کو ترمین اور ضعیعت لوگ ، حب کسی کا فرکو بنا دے دی سے تعلق دیکھتے ہیں کیونکہ وہ جہاد و قبال نہیں کرتے مثل کو ترمین اور ضعیعت لوگ ، حب کسی کا فرکو بنا دے دی تول کی بنا ہ کو ما ائر سے گا۔

و بجیر علیه م اکتف میم: نعنی مرتب کی ظاستے جولوگ کم گرتبہوں مثلاً وہ غلام ہے آقا نے قتال کی امباذت دی ہے ، البوا کم میں سے کہ امان کی شرط یہ ہے کہ دینے والاعال میں ہے ، البوا کع میں سے کہ امان کی شرط یہ ہے کہ دینے والاعال ہو، با نع ہو نس سے کہ امان کی شرط یہ ہے کہ دینے والاعال ہو، با نع ہو نس عامتہ علماء سے نزد یک مجنوں اور سیے کی پنا ہ جائز ہمیں امام محمد سنے مراوغلام کیا ہے۔ سے مراوغلام کیا ہے۔ اور اس کے احکام سے واقعت سے اگر کسی کوامان و یہ سے تواس کی امان حائز سے . عورت کی بناہ مجی حائز سے ۔ اور اس کے احکام سے واقعت سے اگر کسی کوامان و یہ سے تواس کی امان حائز سے .

فتح مكه كسك دن حضورٌ سنعامٌ ما في وي إلى ال كوجائزة واردما تقاءامان كي شرائط مي سياسلام تعبي سيدس بناه سروم سلم ديكا كافرگومسلمان كے ساعة قبّال ميں مثامل ہوكسى كوامان نہيں دسكے سكتا بمولا ناتسنے فرما باكر لتبول حافظ البريخجرا ورا و تراغى. لمانوں کے سابھ قتال میں شامل ہمہ، حاکثہ ۃ ارد باسیے، بشرطہ کہام اسسے حا نے بناہ دی متی اُسے اس کے طفکا نے پر سنجا دیا جا سئے گا۔ اورا مان کی شرائط مس حرّ ست و ا صِ عَلام كُوفَتَال كِي ا حَادَت دى كَنُي مِ واكر وه كَسَى كُواْ مَان دسے نواس كي امان بالا حِماً ع حَالُ سے حصے قتال سے روکاگیا ہو،امام تحراودت انعی سکے نے دیک اس کی امان جا پینے کی ما مندی ہوں کتو نکہاڈنی کا لفظ ماتو د نائٹ ہے کھتے ہیں. انہیں مجھے کوئی زق معلوم نہیں ہوسکا كى سائق عقد ذمته ما معايدة . صلح كما سوتوده سب بينا فذ موما نه كانستنے والا يا غلام هي كسى كوامان د بدھے توسب ميائس كى يا بندى واحب موڭگى. بیں جب انہیں ایک دوسرے کی مدد کے سیمے بکا لا جائے توسنا اور بیلے آ کی مدد کرنا لازم سے ایک کی تکلیف میں ہاتھ مبّا ناسب برفرض سے۔ یو د میش هم علی مفتعفہم :ان میں سے طاق وركمزوركي مددكرك كأ،مفروحصرمي اس كانسائق دسے كا . مَيدانِ عبنگ ميں جو مالِ غنيمت جمع بهو گاامِ ميں بير منہيں وكيما مبائے گاكه طاقتوركون تفاحس شفيذياده جع كيا عبكه وه برائر براتر تغتيم بهوگا أس طرح برسے نشكر سف تكل كر

جانے والا حجوثات کر دختری جوفوائد وفتو حات اور مال ننبیت ماسل کے گاوہ سب کی طون سے اور سب سے ملئے مؤگی (قا مدہم) سے مرا دوہ بٹرانشکر ہے جو دارالحرب میں بڑا ہوا ور مترسی وہ گلٹرا اور حسب ہے جواس میں سے نکل کہ کاروائی کے لیے ادبر اُدس مائے ۔

آس مریث کا نفظ الادنین مؤ مد ، بکا فران فقها ، کی دلیل ہے جوفہ می کے قائل سے حوالی ہے اور کی کے قائل ہے ۔ ہو اس کے قائل ہے ۔ ہو اس کے قائل ہے ۔ ہو اس کا مرائی کے عمو می اس کام مثلاً ۔ اکنونسی با انتفائی وعیرہ سے اس کا لرکہتے ہی کہ جان کے بدیے جان کی جان کی جائے گا دمنے کی ۔ بعنی وی کافر کے بدیے مسلم قائل سے قصاص کیا جائے گا دمنے کی تفاصیل آسے آئی کی والا خدی ہو ہے ۔ ولا خدی ہو ہو کہ ہو ہو ہو کہ دو جہ در ہے ، فتل نہ کیا جائے گا ۔ اس کی جان محترم ہے ۔ اس کی جان محترم ہے ۔ اس کی جان ہے ۔ اس کی جان ہو ہے ۔ اس کی جان ہو ہے ۔ اس کی جان ہو ہے کا دکر نہیں ہے ۔ اس کی جان ہو ہے ۔ اس کی جان ہو ہے کا دکر نہیں ہے ۔ اس کی جان ہو ہے کا دکر نہیں ہے ۔ اس کی جان ہو ہے کا دکر نہیں ہے ۔ اس کی جان ہو ہے کہ کا دار کی جان ہو ہے کہ کا دار تا م مسلمانوں کے خون سے دائر ہونے کا ذکر نہیں ہے ۔

٢٤٥٢ كي المن هاروك بن عبد الله خال أنا ها مِشْرُبُن الْقسا سِحِر نَاعِكُرِمَةُ حَنَّا ثَنِي إِيَاسُ ابْنُ سَلَمَةً عَنُ إِبْدِينَ قَالَ اَغَامَ عَبُدُا الْرَحْلِينِ بُنُ عَبَيْنَةَ عَلَى إبل رَسُولِ اللَّهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْسٍ وَسَلَّمَ فَقَتَلَ دَاعِبَهَا وَخَرَجَ يَظُورُهُ هَا هُوَوَا نَاسٌ مَعَهُ فِي خَيْلِ فَجَعَلْتُ وَجُهِيَ قِبَلَ الْمَدِائِينَةِ ثُمَّ نَادَيْتُ نَلْتَ مَرَّ (بِت بَاصَبَاحَاكُا ثُنَّرَا تَبَعُثُ الْقَوْمُ فِجَعَلْتُ آمُ فِي وَاعْقِرُهُمْ فَإِذَا دَجَعَ إِلَىَّ فَامِ سُ جَلَسْتُ فِي ْاصْلِ شَجَدَةٍ حَتَّى مَا خَكَنَ اللَّهُ شَيًّا مِنْ ظَهِ وَالنَّبِي صَلَّى اللَّهُ عَكَيْهِ وَسَتَوَ إِلَّاجَعَلْتُهُ وَرَاءَ ظَهُرِئُ وَحَتَّى ٱلْقَوْااَكُتُرَمِنْ ثَلًا ثِينَ رُمُعًا وَ تَلْيِثِينَ مُرُدَةً يَسْتَخِفُّونَ مِنْهَا ثُمَّ إِنَّا هُمُ عُيكِنُدُ مَنَادًا فَقَالَ لِيَقُمُ إِيبُهِ نَفَرُ مِنْكُوْ فَقَا مَراكَتَ أَمْ بَعَثُ مِنْهُ مُ وَصَعِمُ وَالْهَجَبَلَ فَكَمَّا ٱسْمَعْنُهُ فَوْفُكُ اتَّعْرِفُونِي قَالُوا وَمَنْ ٱنْتَ قُلْتُ أَنَا أَبُنَ الْأَحْوَعِ وَالَّذِي كُتَرَهُ وَجْهَ مُحَمَّدِ لاَ يُطْلُبُ فِي رَجُلُ مِنْكُو فَيْكُ لِكُنِي وَلَا ٱطْلُبُهُ فَبِرُغُوتَ بِي فَهَا بَرِحْتُ حَتَّى نَظَرُتُ إِلَىٰ فَوَامِ سِ مَ سُولِ اللهِ عَملَى اللهُ عَلَيْمِ وَسَلَّوَ يَبَّخَلُّوكَ الشَّجَرَا قَالُهُمُ الْأَخْرَمُ الْأَسَمِ تَّى فَيَلُحَقّ بِعَبُوالرَّحُلُون بُنِ عُبَيْنَةَ وَيَعُطِفَ عَلَيْهِ عَبْلُ الرَّحُلُون فَا خُتَلَقًا كَلَعُنَتُيْب فَعَقَرَالْاَخْرَمُ عَبُلَالرَّحْمَٰنِ وَطَعَبُهُ عَبُكَ الرَّحْمَٰنِ فَقُتُلَهُ فَتَحَوَّلَ عَبُكَا لرَّحْمَٰن

عَلَىٰ فَرَسِ ٱلاَخْرَمِ فَيلُحَقَ ٱبُوقَتَا دَةَ بِعَهُ اِلرَّحُمْنِ فَاخْتَلَفَا طَعْ نَتَيُنِ فَعَقَرَ إِنِي قَتَادَةً وَفَتَلَةً ٱبُونِتَادَةً فَتَحَوَّلَ ٱبُوقَتَادَةً عَلَىٰ فَرَسِ ٱلاَخْرَمِ ثُمَّ حِبِّمُتُ إِلَىٰ رَسُولِ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ وَهُوعَلَى الْمَاءِ الَّالِي صَلَيْتُهُ مُوعَنَهُ فَدُو قِرَدٍ فَإِذَا نَبِيُ

الله عَدلَى اللهُ عَلَيْهِ وسَتَعَ فِي خَمْسِما تُدْ فَاعْطا فِي سَهُمَ الْفَارِسِ وَالرَاجِلِ-

مىلمەين اكوع سنے كهاكەعىدالرحمن بن عبيب سنے دسول التلىمىلى الثەعلىدوسلم كے اونوں ميەغارت ڈالی،ان كيے تجیروا ہے کو تنل کر دیا اوروہ خودا ورکھے اور لوگ حواس کے سابقہ اورا ونٹوں 'بیرسواں بینےے،اں اونٹوں کو ہانک یے نکلا۔ نیں میں نے مرینہ کی طرف منٹریا اور من بار بآوانہ مبند دیکادکہ کہا، با حَسَا سے ای میم بر خارت بڑگئی سیے ای میرم ان لوگوں سے پیچھیے ہولیاا وران پر نئر کیپینکنے اورانہیں زشمی کمیسنے سگا بیں ان مںسے کو بی گھوٹر سوار میری طرف اُرخ کم نومريكسى درخت كيفي بييط مها بالادرمبيط كرتبراندازى كرنا حوا درعبى مؤثرا وريخنه بهوتى سيرستي كرمس قدرهي أمرد صلی التیرعلیہ وسلم کی اوٹلنیا ں حتیں ان سب کو ہیں نے اپنی بشت سکے میچھے حجیوڑ دیا ۔ (معنی وشمن سے وہ تمام انهس تصلىط ف رُوانذكر و ما) اورحتى كمان لا اكوؤل نے تمیں نیزے اور نمیں جا درس اینا لو تھر ملكا كا چپینک دنی - تعیرعیبینه بن حصن فزاری ان کی مدر کو آنهنجااور کها لمتر میں سے مجھے لوگ اِس " بس ا ن مں سے میا دمبرسے لیے اعظے اور ما طریم ترکہ ہو سکئے۔ نس جب میں بنے انہیں آ دانر منا کی تو کہا کہ کمیا تم پہاستے ہو؟ ا بنول سنے کہا کہ توکوں سے ؟ مس سنے کہا کہ مس اس الما کوع تہو، محمد صلی اللہ علیہ وسلم کی عزت و رسنے واسے رب کی میم کہ اگرتم میں سے کوئی تجھے مکیڑنا جا سے گا توا لیسا نہمی کرسکے گاا ور اگرکسی کومٹی مکیڑنا جا ہونگا تو وہ مبا *ں مسلے گا (سلّمہ بن اکوع ہما ٹت تیریمینیکٹ*ے واسے حقے!) پھراُسی وقت میںسنے *دسو*ل التُرصلی السّرعلیہ ے شہر اروں کو دیکھا جو درنیتوں سکے اندر وانحل ہو رسیے حقے ان میں سے ہوں انترم انشدی کھا جوعبدالمین سے ما جوا اعبدالرحمل اس کی طرف مواا ور دونول سے ایک دوہرے کونیزہ مارائیں اخرم مطابقے مگرائں سنے استے تسا کمرڈ الا بھر عب اکر حمل اخروز منسکے گھوڑے میر مج بیٹھا۔ بھرا کو فتا دُٹھ کعب لاجمان سے ۔ ولوں نے ایک دوسرے کونیزہ مالاُحس سے الوقتارہ شکا گھوڈا زخمی موٹی مگر عبدالرحمٰ قتل ہوگیا ۔ بھر ولیسے کواسنے گھوڑ سے سے مدل لیا : پھر میں دسول انٹر صلی الٹرعلیہ وسلم کے باس آیا اور آب اس پیشے پر سے حس سے میں نے دیشنوں کو تدانداندی کریے ہما یا بھا۔ اس کا نام و و قردتا، و یا ں رسول الشرسلي الشرنوليه وسلم يانج صداً دميول سے مساعة تتوجُود سقے ۔ بيس آب سے مجھے سوارا وريكيل مردوكا معصة عطافرما با رمسلم مي به حدايث زيا وه مفقس سعد بخارتي سنه عبي استدروا بيت كيا) مشيحيج: علامَرخطاتي سنّے کها سے کہمعلوم ہو تاسبے حسنوٹر سنے سکرے کو پریال کا محت دیا ہوگا کیونکہ وہ اس دن پریال تقے

مسى ي: علام دخطا بي ساله استه كه علوم الوئاسية حقود نسائه كويدين كالتعتب ديا موكا ليونك وه اس دن بهدل هيه مكر چونكدان كاكارنام رمبت برايق لهذا مجه بطور نفل عبي عطاكيا موكا رمولا ناشف فر ما باكه تكفول مواد كاحصة مسلمة كوخس سه يا خمس الخس سنه د باگيا موكا اور پيدل كاحصه حسب صنا بطه هيج مال غنيمت ميں سنه د باگيا موكا -اس غزوه كا نام

بَانِيْكِ النَّغُلِ مِنَ النَّاهَبِ وَالْفِضَّنِ وَمِنْ أَوَّلِ مَغْنَمِ

سو نےمیا ندی میں سےنفل کا ہابا ور مال غنیبت سے قبل یوماصل ہو

مال غنیمت میں نقدی ، سونا میاندی، میرسے مجا سرات . سا زوساً مان ، اسلی، جا نورویخیرہ مجو کچھے حاصل ہواسے پانچے صفو پر تقسیم کمیا جا تا سیے اوراس میں سے نغل بھی دیا جا سکتا ہے۔ اس مسئلہ میں اورای کا اختلا ن سے ۔ جمہورکی دائے مہی سے حو بیان مہوئی ۔ اسی طرح اصل دوائی سے قبل موکچے سطے گا اس میں سے بھی نفل نکالا جا سکتا ہے گمرا وزاعی سنے اس سے انکار کہا ہیے۔ مولا ٹائے نے فرما یا کہ مشا بہر الورآؤد کا اپنا مذہب وہی ہے بچا وزآعی کا سبے ۔

٣٥٥ رحك النكا الموصل المحبوب المحبوب الموسل قال الأواسطى المفارا في المفارا المواسطى المولام المولام المولوم المولوم

ا بوا کجور پریا گیر می کا بیان سے کہ مجھے مرز میں روم میں ایک ممرخ مٹکا ملاحب میں دیناد سکتے۔ یہ واقعہ معاویہ کی امارت سکے ندمانے کا سیے اور ہم ہر بنی سلیم کا ایک شخص امیر تھا جس کا نام معن بن بزید تھا۔ بس میں وہ مٹکا اس کے پاس

ہوگئے ہیں بمسندا حمد میں مقدائم ہن کر ہب کی روایت ہے کہ وہ ایک بارعبا وہ بن الصامت اورا ہوا کیڈرواء کے ساتھ بیٹھیا تھا اور صارت بن معاور کی کندی بھی موجود تقابی انہوں نے رسول الٹرصلی الٹرعلیہ وسلم کی حدیث کا ذکر کیا ابوالدولاً الشرعبادة سے کہا کہ فلال فلال جنگ میں رسول الٹرمسلی الٹروسلم نے خمس کے بارسے میں کیا زبایا تھا؟ پھرعبا دہ شنے ہر واقعہ سنا یا کہ نما زریج محدود میں کیو گئے ہوئے دہ میں معادے مال عندیم کے میرا محقد اس میں بھارا جیسا سے اور پھر خمس سے جو کا ہی کو دولا وہ از بن اس مفصل مدیث مندیم بنا دیا کہ خمس المخس کے عملا وہ حضور کا محمد ہر جہا ہدے برابر بھی ہوتا تھا۔ عملا وہ از بن امادیث سے ثابت ہے کہ بعض وفعہ حضور سے میں میں میں نمی زیا وہ ترجمت میں میں میں نمی زیا وہ ترجمت وہ میں وہ تو میں المؤسل میں میں میں نمی زیا وہ ترجمت وہ موسوں کا تھا۔

بَاسِيْكِ فِي الْوَفَاءِ بِالْعَهُ لِ

٧٥٥٧ حَلَّ ثَنَّا عَبْكُ اللَّهِ بَنُ مَسْلَمَةَ الْقَعْنَجَ عَنْ مَالِكِ عَنْ عَبْدِ اللَّهِ بَنِ دَيْنَا يَهُ عَنْ مَالِكِ عَنْ عَبْدِ اللَّهِ بَنِ دَيْنَا يَهُ عَنْ مَالِكِ عَنْ عَبْدِ اللهِ بَنْ مَسْلَمَة الْقَعْنَجَ وَسَلَّحَ وَلَا إِنَّ الْفَاحِدَ بَيْنَصَبُ دَيْنَا يَهُ عَنْ اللهِ عَنْ مَلْ اللهُ عَلَيْنِ وَسَلَّحَ وَلَا إِنَّ الْفَاحِدَ بَيْنَصَبُ لَكُنْ يَوْمُ الْقِنَامَةِ مَنْ فَيْقَالُ هٰ فِي وَخُدُارَةُ فُلانِ بَنِ فُلَانٍ -

ا بن عرد منسے دوا بہت ہے کہ رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم نے فرما یا: قیا مت کے دن عہد مشکن کے سیے ایک بھینڈ الگاڈ ا مبائے گا ، پیر کھا مبائے گا : بہ فلاں ابن فلاں کی عہد شکنی سے دمبخارتی نے اسے مجاد مرتب دوا بیت کیا ہمسلم ، ابن آب تر مذری ی مشرح : مجہ ذرا نعسب کرنے سے غرض تشہیر ، دسوائی اور بدنا می مہوگی ۔ بعنی بدعہدی اتنا م المجرم سے حبس کی منزاقیا مت کے دن سب ہوگوں کے مداشنے علی روگوس الاشہا ددی جائے گی اور بدعہد کو برسرعام ذمیں ورسوا کہ دیا جائے گا ۔

ماسيد في الإمام بسنتجن به في العهود عورس المرك باه ين كابب

٢٤٥٤ حَلَى النَّمَا الْمُعَمَّدُ الصَّبَاحِ الْكِزَّارُ فَاعَهُ الرَّحَلِي النِّوْفَادِ عَن النَّوْمَ النَّهُ عَلَى النَّوْمَ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ

ابوسرىيە ئى نے كماكىرىسول الىلەسلى الىلە علىدەسلى الىلە غايدىن د فرايا بىيەن كىسام ايك د ھال سىپى عبى سىكەسمارسى بېر قال كيا ما تاسىچ د بخارتى ، مسلم، نساقى)

مه ١٩٥٨ حكا أَنْ أَحُمُكُ اللهِ عَلَيْ اللهِ اللهِ وَسَلَحُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ اللهُ اللهُ

الورا فی نشنے کہا کہ قرنی نے جھے رسول الٹرصلی لنٹر علیہ وسلم کی طرف بھیجا۔ پس جب میں نے رسول الٹرصلی الٹر علیہ وسلم کو دیکھا تو میرے دلیوں الٹرصلی الٹرصلی الٹر علیہ وسلم کو دیکھا تو میرے کہا یا رسول الٹر میں بھی کفار سے باس وا بس نہ ہاؤں گا۔ بس رسول الٹرصلی الٹر علیہ وسلم سنے فرایا کہ میں عہد کو نہیں توڑنا ورقا صدوں کو نہیں روکنا، سکن تو وا بس میلا ب سبو کو استرے دل میں سبے، ویاں بھی بہی ہوتو چھر واپس آ جا۔ ابورا فع سنے کہا کہ میں واپس جو لاگیا بھر میں نبی صلی الٹر علیہ وسلم کیا وراسلام سے آیار بعنی اسلام کو ناام کر دیا۔) بکیر سنے کہا کہ حسن بن علی بن ابی لافع سنے مجھے بتا یا کہ ابورا فع قبلی ابورا فرد سنے کہا کہ دیا۔ در مستدر میں نیا تھی ہے۔ ابورا فی مسالی کی ابورا فی مسالی کی ابورا فی مسالی کی سے در مستدر میں تو اور دیا کہ دورا کی میں در دست نہیں سبے در مستدر میں نسانی کی میں در دست نہیں سبے در مستدر میں نسانی کی کو دورا کے در میں نواز کو در نے کہا کہ دورا فی در نے کہا کہ دورا فی در نا کو در نے کہا کہ دورا فی در نے کہا کہ دورا کو در نے کہا کہ دورا کے دورا کو در نے کہا کہ دورا کو دورا کو در نے کہا کہ دورا کو دورا کو در نے کہا کہ دورا کو در نے کہا کہ دورا کو در نے کہا کہ دورا کو دورا کو در نے کہا کہا کہ دورا کو دور

شمرے: ابولافع من کا اسلام مبنگ بدرسے پہلے کا وا تعریب لهذاً ما ننا پڑسے گا کہ ابورا فع کو قریق نے کسی مقدر کے سیے جنگ بدرسے قبل بھیجا ہوگا عمدسے مرادا مس مدبث میں مسلم بین الاقوا می اور مین المملکتی قاعدہ سے کہ قاصد محفوظ کے اورا نہیں عزت واحدام سے صحیح وسلامت واپس کیا جائے گا ۔ کما ں ہیں وہ آ ہرو باحثہ فریبی اور کہ ذاب لوگ جواں الم ہزور شمشر بھیرلائے جانے کا الزام و صرتے ہیں ؟ وہ آئیں اور عظست ورفعت اورا سرّام ، آ دمیت واحرام قانوں کی

بدمثال ديكيميس ابورافع عباس بن عبدالمطلب كاقبطى غلام تقااور آذاد مويكا تقاء

بَاسْبِكِ فِي الْلِمَامِ بَكُونَ بِينَهُ وَبَانِ الْعَمَاقِعَ فَيُ فَيَسِبُرُنَ حُولًا وَ

الباب بعب امام اوردشن کے درمیان عدر موقد وشمن کی طون کوچ کرسے

اکر مهد کی مدّرت ختم ہو مباسنے کے بعد مملہ کر دے رہے بارت بدل المجدود کے ما شیئے پر کھی ہو لُ ہے ،

٧٤٥٩ كَكَانْنَا حَفْصُ بْنُ عُمَرُ النَّمْرِيُّ مَا شَعْبَدُ عَنَ أَبِي الْفَيْضِ عَنْ

سُكَنُمْ بَنِ عَامِرِ رَجُلِمِنْ حِنْمَرِقَالَ كَانَ بَيْنَ مُعَاوِيَنَا وَبَيْنَ الرُّوْمِ عَهُ نَكَانَ وَيَهُ وَبَيْنَ الرُّوْمِ عَهُ نَكَانَ فَيَ مِنْ وَبَيْنَ الرُّوْمِ عَهُ نَكَانَ فَيْ وَيَهُ وَيَاءُ رَجُلَّ عَلَىٰ فَرَسٍ اوْبُرْدُونِ يَسِيُ كُنَ فَعُولَ اللهُ ال

عَلَىٰ سُوَاءٍ فَرَجُعُ مُعَاوِيَتُهُ -

مسلیم بن عام حمیری نے کہاکہ معاویرم اورا ہل دوم سے درمیان عہد تھاا وروہ ان سے ملاقوں کی طرف جاتا تھا تا کہ حبب عہد تھا اور وہ ان سے ملاقوں کی طرف جاتا تھا تا کہ حبب عہد تھم مہوم اسٹے توحملہ آور ہوجائے ۔ بس ایک آ دمی گھوٹر سے پر یا عیرعربی گھوٹر سے دبکھا تو وہ عمروم بن عبسہ عقاء امیر وہ کہ رہا تھا: اسٹر کہر، انٹراکبر، انٹراکبر، وفاء کمرو، بدعہدی مت کرو۔ بس لوگوں نے عورسے دبکھا تو وہ عمروم بن عبسہ عقاء امیر معا ورہم نسے بلا بھیجا اور اس سے سوال کیا۔ تو اس نے کہا: میں سنے دسول انٹرمیلی انٹرعلیہ وسلم کو فر ما نے مناتھا کہ جس معا ورہ کھو سے حتی کہ اس کی ترت تمام ہو مباشے ، یا درمیان اور کسی اور قوم سکے درمیان عہد مہوتو وہ کوئی گھرہ نہ با ندسے اور نہ کھو سے حتی کہ اس کی ترت تمام ہو مباشے ، یا

پھوان دشمنوں سکےطون ان کا عہد مربر عام بھینیک دیے ۔ بس پیشن کمرمعا ویٹِ واپس موسکئے لمرتر مذی سنے روامیت کر سکے اسے حسن صبح کہا، نساقی

شی ج بحدیث کامطلب با مکل واضح اور ظاہر ہے کہ دھوکا فریب بھبورت بدعهدی وضمن کے ساتھ تھی جائز نہیں بعمد موقو دل سے بچا اور کسی کواس کے متعلق غلط فہی نہ دسیے۔ علاّمہ خطابی نے کہاسے کہ نبذا ایہ ہم علی سواء کا معنی یہ ہے کہ دشمن کو بتاد ہے کہ میں تم سے برسر جنگ ہجول اور میر المحملی نہ نہ الیہ معلی ہوں اور میر المحملی نہ نہ الیہ معلی ہوں اور میر المحملی نہ معلوم ہوا کہ دخمن کے مسابقہ ہم الاسی معلوم ہوا کہ دخمن کے مسابقہ ہما اسمدکوئی ایسا عہد مندی ہم صورت یا بندی وا جب ہو۔ بلکہ دخمن کو بناکہ خمن کسی وقت بھی وہ عہد ہیں کہ اس سے یہ معلوم ہوا کہ دخمن سے معلوم ہوا کہ دخمن سے بھروس کے مسابقہ ہم بر مرعہد ہیں، ناجائز سمجا کہ اس میں اس مدیث کی فیلا ہن ورزی یا ٹی جاتی ہے اُو یکٹر کا ایک ہم بر مرعہد ہیں، ناجائز سمجا کہ اس میں اس مدیث کی فیلا ہن ورزی یا ٹی جاتی ہے اُو یکٹر کی ایک ہم ہم بر مرعہد ہیں، ناجائز سمجا کہ اس میں اس مدیث کی فیلا ہن ورزی یا ٹی جاتی ہوتی کے متوقع ہو سے معلوم ہوا ۔ معاویہ کی سعادت مندی اورخلوم سے معلوم ہوا ۔ معاویہ کی مذکور کی بیان کرسکتے ہو اس سیسلے ہم کئی عذری بیان کرسکتے ہو اس سیسلے ہم کئی عذری بیان کرسکتے ہے اس سیسلے ہم کئی عذری بیان کرسکتے ہو اس سیسلے ہم کئی عذری بیان کرسکتے ہے اس سیسلے ہم کئی عذری بیان کرسکتے ہم اس سیسلے ہم کئی عذری بیان کرسکتے ہم اس سیسلے ہم کئی عذری بیان کرسکتے ہے اس سیسلے ہم کئی عذری بیان کرسکتے ہم کہ کہ کہ کا اس کی خوالوں کہ کہ کیا کہ کہ کہ کی ورزی وہ کی کیا کہ کہ کہ کا کہ کہ کہ کو تھی کو معموم ہم کا کہ کئی کہ کو کہ کی کہ کہ کہ کہ کی کو کئی کے کہ کہ کہ کی کئی کہ کہ کی کو کئی کو کئیں کر کو کئی کے کہ کہ کی کئی کر کے کہ کو کئی کرنے کی کئی کئی کر کئی کر کئی کے کہ کہ کی کئی کہ کہ کو کئی کے کئی کہ کو کئی کے کئی کئی کر کئی کرنے کی کئی کی کئی کئی کر کئی کے کئی کہ کو کئی کے کئی کے کئی کئی کہ کہ کی کئی کر کئی کے کئی کئی کر کئی کئی کے کئی کے کئی کے کئی کئی کے کہ کہ کو کئی کی کئی کر کئی کی کو کئی کی کئی کئی کر کئی کر کئی کے کئی کئی کئی کر کئی کئی کے کئی کئی کئی کر کئی کئی کر کئی کئی کئی کئی کئی کئی کئی کئی کر کئی کئی کئی کئی کئی کئی کئی کئی کر کئی کئ

بالهبك في الوفاء للمعاهد وحُرْمَة خِمَيْه

معابد سے کے ساتھ و فادادی کا باب اوراس کی ذمہدادی کی حرمت

٠٢٤٦٠ كَلَّمُ الْمُنْ عَنْمَا لَ ثَنْ اَيْ سَيْبَتَدَ الْوَكِيْعُ عَنْ كَيْبَنَدَرُ بُنِ عَبْدِالرَّحُلُونِ عَنُ اَبِيْهِ عَنْ أَيِفُ الْمُنْ عَبَيْنَةَ رَبِّ عَبْدِالرَّحُلُونِ عَنْ اَبِيْهِ عَنْ اَبِيْهِ عَنْ أَيِفُ اللَّهُ عَلَيْمِ وَسَلَّوَ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْمِ وَسَلَّوَ صَنْ فَتَلَ مُعَاهِدًا فِي اللَّهُ عَلَيْمِ وَسَلَّوَ صَنْ فَتَلَ مُعَاهِدًا فِي عَيْرِكُنْهِ وَسَلَّوَ صَنْ فَتَلَ مُعَاهِدًا فِي عَيْرِكُنْهِ وَسَلَّوَ صَنْ فَتَلَ مُعَاهِدًا فِي اللَّهُ عَيْرِكُنْهِ وَسَلَّوَ صَنْ فَتَلَ مُعَاهِدًا فِي اللَّهُ عَيْرِكُنْهِ وَسَلَّوَ مَنْ فَتَلَ مُعَاهِدًا فِي اللَّهُ عَيْرِكُنْهِ وَمَا لَلْهُ عَلَيْدِ الْمُعَالِمُ اللَّهُ عَلَيْدِ الْمُعَالِمُ اللَّهُ عَلَيْدِ الْمُعَامِلًا الْمُعَامِلًا الْمُعَامِلًا الْمُعَامِلًا اللَّهُ عَلَيْدِ اللَّهُ عَلَيْدِ اللَّهُ عَلَيْدِ اللَّهُ عَلَيْدِ اللَّهُ عَلَيْدِ اللَّهُ عَلَيْدِ عَنْ أَيْدُ اللَّهُ عَلَيْدِ اللَّهُ عَلَيْدِ اللَّهُ عَلَيْدِ عَنْ أَيْدِ اللَّهُ عَلَيْدِ عَلَى اللَّهُ عَلَيْدِ عَنْ اللَّهُ عَلَيْدِ عَنْ أَيْدِ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْدِ عَنْ أَيْدِي مُنْ اللَّهُ عَلَيْدِ عَنْ أَيْدُ عَلَيْدِ عَنْ أَلِمُ عَلَيْ عَلَيْدِ عَنْ أَنِي اللَّهُ عَلَيْدِ عَنْ أَيْدِ عَنْ أَيْدِ عَلَيْكُ عَلَيْدِ عَنْ أَنْ أَنْ اللَّهُ عَلَيْدُ عَلَيْدُ عَلَيْدُ اللَّهُ عَلَيْدِ عَلَيْ عَلَيْدُ عَلَيْدُ عَلَيْدُ عَلَيْدِ عَلَالِهُ عَلَيْدُ عَلَيْدُ عَلَيْدُ عَلَيْدِ عَلَى اللَّهُ عَلَيْدُ عَلَيْدِ عَلَيْدِ عَلَيْكُوا اللَّهُ عَلَيْدُ عَلَيْدُ عَلَيْدُ عَلَيْدُ عَلَيْدُ عَلَيْدُ عَلَيْدُ عَلَيْدُ عَلَيْدِ عَلَيْدِ عَلَيْدُ عَلَيْدُ عَلَيْدُ عَلَيْدُ عَلَيْدُ عَلَيْدُ عَلَيْدُ عَلَيْدُ عَلَيْدُ عَلِي عَلَيْدُ عَلَيْدُ عَلَيْدُ عَلَيْدُ عِلْمُ عَلَيْدُ عَلَيْدُ عَلَيْدُ عَلَيْدُ عَلَيْدُ عَلَيْدُ عَلَيْ عَلَى الْعَلَالِمُ الْعَلَامُ عَلَيْدُ عَلَيْكُونُ الْعَلَامُ عَلَيْدُ عَلَيْكُوا عَلَا عَلَامُ عَلَيْكُولِ الْعَلَامُ عَلَيْ

ا بوبکرہ مسننے کہاکہ رسول الٹرصلی انٹرعلیہ وسلم سنے فرما یا جس کسی سنے معابد کو بلا سبب مشرعی قتل کرر دیا ، الٹرسنے اس بر جبنت کو سوام کیا سے و دنسا ڈی ،

نشرخ : نواه اس معاً بهركاعه دمُوُ قَت بهونواه عيْرمُؤنت، بهرمال معا بهركوبب بلاحقيقت بشرعيه مالاگيا نويدا يك براسكين معاملہ ہے ١٠س سے اب لام كے ضلاف وشمنون كوبروپيگ ٹراكسے كا موقع متا ہے ١٠س فعل كى سزا توعدم ونولِ جنت ہى ؟ سے مگرو بإل فيصله تمام افعال واعمال كى مجع وتغربتي سے بهوگا ـ والنشداعلم بالصواب

بَارِينِ فِي الرَّسُلِ

قامْدوں گاباب میں ایک الفَضُلِ عَنْدِ وَالْوَائِنِ کَی نَاسَلَمَدُ یَعْنِی (بُنَ الْفَضُلِ عَنْدَ الْمَانُ الْفَضُلِ عَنْدَ اللّهِ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ

كَتَكُورُ بِنِ إِسلَّى قَالَكَانَ مُسَيْلَكُ كُنَبُ إِلَىٰ رَسُولِ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْ وَسَلَّى قَالَ وَ قَدُ حَدَا تَنِي مُحَدَّدُ بُنُ إِسُحَاقَ عَن تَشِيْحِ مِنُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَىٰ بَنُ طَايِر قِب عَنْ سَلَمَةَ بَنِ ثُعَيْمِ بَنِ مُسُعُودٍ الْاشْجَعِي عَنْ آبِيْدِ نُعَيْمِ فَال سَيعَتُ رَسُولَ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْ مِ وَسَلَّى يَقُولُ لَهُ مَا حِبْنَ قَرَا السَّابُ مُسَيَّلَمَةُ مَا تَقُولُ إِنَ الشَّالَ مَا وَاللهِ الْوَسُلُ لَا نُفْتَالُ لَعَرَبُ الْمُسَلِّى لَا نُفْتَالُ لَعَرَبُ الْمُنافِلُ المَّالَةُ الرَّسُلُ لَا نُفْتَالُ لَعَرَبُ الْمَنَافَلُكُما .

نعیم بن سعودً اشجعی نے کہاکہ میں نے رمیول التّدصلی التّدعلیہ وسلم کوسُنا جبکہ آپ نے مُسَلِّمہ کا خطا پڑھوا یا، فرمایا: تم دونوں رقاصد کیا کتتے ہو؟ انہوں نے کہاکہ ہم بھی وہی کھتے ہیں ہواُس نے کہا بحضور سنے فرمایا: والتّراگر بہ بات نہ ہوتی کہ قاصد قتل نہیں کئے مباتے میں بالعنور بتھاری گر دمیں الّا دیثا دمسندا حمد) • بہ بات نہ ہوتی کہ قاصد قتل نہیں کئے مباتے میں بالعنور بتھاری گر دمیں الّا دیثا دمسندا حمد)

منتی سے: بیمسیلمدگذّاب،بنی منسفہ (پمامہ کے حجو لئے نبی کے قاصد تقے۔ مسنداَ حَدَّ مِس مغرد کا مسغہ سے پرسیلہ شعدہ باز عا جس نے ایک مغلق کو گراہ کرے پیچھے لگا لیا عا۔ ابو مکڑ صدیق کی خلافت میں اس کا قعتہ پاک بھا تھا، شیخ الاسلام مافظ ابن تیمیہ نے اپنی مصنعت میں جومدیث روایت کی ہے اس میں ان دو قاصدوں کا نام ابن النوا صاورابن ا ثال آیا ہے۔ قاصد کی گوکلمہ کفر کمہیں انہیں فمثل نہیں کیا جا سکتا۔ قدمے سے بہی قانون بین الممالک مہلاً یا ہے۔

١٤١٧ - كَلَّا تَكُ عَنْهُ اللهِ فَقَالَ مَا اللهِ فَقَالَ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْهُ اللهِ فَقَالَ مَا اللهِ فَقَالَ مَا اللهِ فَقَالَ مَا اللهِ فَقَالَ مَا اللهِ فَعَالَ اللهِ فَعَالَ اللهِ فَعَنْهُ اللهُ فَاللهُ مَنْ اللهُ فَعَنْهُ اللهُ فَعَنْهُ اللهُ فَعَنْهُ اللهُ فَاللهُ وَاللهُ وَاللّهُ و

مار قہ بن معنرت سے روایت ہے کہ وہ عبدانٹ د (بن مسعود) کے پاس آیا اور کہا ، مجبر میں اور کسی عربی میں کوئی ڈشمن با تعفن نمیں ہے۔اور میں بن صنیفہ کی ایک مسجد میں سے گزرا ہوں تو دیکھا ہے کہ وہ سیلمہ (کذا ب) پرایمان دسکھتے ہیں ہیں عبدا دلٹر نے انہیں بلاجیجا توانہیں لایا گیا ، ہیں ان سے توبہ کا مطا لبہ کیا ، مگرا ہی انواحہ سے توبہ کا مطالبہ نمیں کیا اور اس سے کہاکہ میں نے دسول انٹرصلی انٹروسلم کو تجھے سے فرماتے سنا تقاکہ گرتوا کمپی نہوتا تو میں تیری گردن اٹرا دیتا وداکج توا کمپی نمیں سبے ۔ بس عبدالٹرنے قرظ تو کل کو بن کعیب کومکم دیا تواس نے ابن انتقاصہ کی گردن بازار میں اٹرا دی پھر کہا کہ حوشخص ابن اکتوا صرمقتول دمکھنا میاہیے وہ بازار میں دیکھے سے دنسائی

ہوسی ہی اسواحہ علوں وجھا ہا جوہ ہا ہواری وجھے کے دلسائی مندے ؛ ابن اسعود کے ابن ابن اسعود کے اس کا انہوں سے ذکر کیا ۔ اوراس قول کو ابن سعود کے ابن المتواحہ سے تو بہندیں کائی کیو کہ حضور کا وہ قول انہیں یا د تقاحی کا انہوں سے ذکر کیا ۔ اوراس قول کو ابن سعود نے مکم قتل واپس لوٹ کیا۔ حکم قتل واپس لوٹ کیا۔ امام مالک کے کنز دیک زندیق کا قتل بغیر مطالبہ کئے جائز مسکن ہوتا ۔ وور ہوگئی تواسی موجو دسے۔ یہ دوگ کو فر میں سختے جو دارالاسلام تھا اوراس کی کسی سجد میں ان کے لیے اظہاد کو ممکن ہوتا ۔ وہ دراصل اعلان تو اسلام کا کہ تے تھے اور دل میں ایمان سیلہ پر رکھتے ہے۔ مار فتہ کو مہتہ چل گیا تواس نے حصفرت عبدالٹر دہا کو معاطلے کا طلاع دی جو حاکم سختے ۔ انہوں نے کچر دوگوں سے تو ہو کرائی اور تو رہ کے باصف ان کا خون معان کر دیا ۔ شایدان کے قلوب میں مسیکہ کے متعلق کوئی شبہ تقامی کے دُور ہو نے پر انہوں نے اسلام کی طرف دیوع کیا ابن انتواحہ کا معاملہ حضرت بابند میں مسیکہ کے متعلق کوئی شبہ تقامی کے دُور ہو نے پر انہوں نے اسلام کی طرف دیوع کیا ابن انتواحہ کا معاملہ حضرت بابند کی مسیکہ کے متعلق کوئی شبہ تقامی کے دُور ہو نے پر انہوں نے اسلام کی طرف دیوع کیا ابن انتواحہ کا معاملہ حضرت بابند کیا میں بادور تا میں اور باطنیہ کا مکم بھی علما رکے نز دیک ہی سے۔ میں گزارش کر نا ہوں کہ ہم اسے یہ انہوں تقامی میں بارکل ہی مکم سے یہ انہوں کے نز دیک ہی سے۔ میں گزارش کر نا ہوں کہ ہم اسے یہ نہ بالی کی منا رائے میں تا دیا تھی کی کا دائی تھا اور بالیک کی مکم سے ۔

سنن ابی وا وُد کے معی شخیس: فَاسُنُنَا بَهُمُ عَنْ اِسْ المنواحة کے تفظیم مگر بْرل لَمِجَهُود کے نشخے میں ہے فَا سُنَتَ اَمُهُمُ فَنَّا اَبُواعْلِی البن البنوّ احتر : بس عبداللّٰ مُنْ نے ان سے تو بہرائی اور ابن النواح کے علاوہ سب نے توبکر ہی بس اس نشخے کی صورت میں وہ اشکال بیا نہیں ہوتا کہ عبداللّٰ دُسْنے ابن النواحہ کو توبہ کرائے بغیر کیوں اروالا تھا۔ فرظہ کُنْ

كعب بعي صحابي فسق حيساكه بخارى في ما حت كى سے .

بَا بَكِ فِي آمَانِ الْمُرَاةِ

ابن عباس سنے کھاکہ مجدسے امّ ہانی سنے بیان کیا کہ اس نے فتح کمہ کے دن ایک مشرک کو پناہ دی ہتی بھروہ نبی سالٹنگ علیہ وسلم کے باس آئی اور آپ سے اس کا ذکر کیا توحصنو کرنے فر مایا : سجسے تونے پناہ دی اُسے ہم نے بنا ہ دی اور ہست توسفامال دی اسے ہم نے امان دی د بخاری نے اس کو چارجگہ روایت کیا ، مستم ، مکوطاً ، ترندی ، منسائی ، وارتی ، مسند آحمد ،

ابوداؤد فى كناب العىلوة)

أَبُراهِ يُحَوَّنِ الْأَسُودِعَنَ عَايُشَكَّرَ قَالَتَ إِنَّ كَانَشِ الْمَرْأَةُ لَتُجِبُّرُعَكَى الْمُوعِينِ فَ فَيَجُونُدُ

ما کُشہ سلام السّرعليها سے فرما يا کم عورت بناه و بني تھي توبير مات جا گزيمو جاتی تھي دنسائي - بعني رسول السّر عليه وسلم ك دُور ميں ايسا بوتا تھا جيسا كها و بركي مديث سسے ثابت سبے)

كا دين في صُلِر الْعُدَاتِ

٧٤٧٥ حَلّا قَعْ الْحُكَمْ الْمُكَا الْمُكَا الْمُكَا الْمُكَا الْمُكَا الْمُكَا اللهُ الل

فَجُعَلَ مَ كَلِوُ النَّابَى صَلَّى اللهُ عَلَيْ مِ وَسَلَّوَ فَكُلِّمَا كَلَّمَهُ اخْذَا بِلِحُبَيْرِ وَالْمُغِيَرَةُ بُنُ سُنُعُهُ فَى البُّرُعَكَى النَّبِي صَلَّى اللهُ عَلَيْمِ وَسَلَّوَ وَهَعَهُ السَّبُعُ وَعَلَيْمِ الْمِغُ فُرُفَضَرَبَ يكاك بِنَعْلِ السَّيْفِ وَفَالَ آخِر بِكَاكَ عَنْ لِحُيِّتِهِ فَرَفَعُ عُرُوتُهُ مَ أُسَمَ فَقَالَ مَنْ هَا ا نَالُوا الْمُغِيَرَةُ بُنُ شُعُبَهُ قَالَ أَيْ غَنُدُا وَلَسُبُ اَسُعِي فِي غَنْ رَبِكَ وَكَانَ الْمُغِيَرَةُ صِّحِتِ قَوْمًا فِي الْجَاهِلِيَّتِي فَقَتَلَهُ وَاخَتَ لَا أَمُوالَهُ وَثُمَّ جَاءَ فَاسْتَوْفَقَالَ النَّبِيُ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْنُهِ وَسَلَّحَ أَمَّا الْإِسْ لَاحُ فَقَتْ فَبِلْنَا وَأَمَّا الْمَالُ فَإِنَّهُ مَالُ غَسْهِم لاحاجن كنافبه وفك ككرا لتحديث فكال التبي صكى الله عكبه وسكوا كمثب هنكا مَا قَاضِي عَكِينِهِ مُحَمَّدٌ رَسُولُ اللهِ وَقَصَّ النَّحِبُرِ فَقَالَ سُهَيْنُ وَعَلَى أَنَّهُ كَا يَبُكَ مِتَارَجُلُ وَإِن كَانَ عَلَى دِينِكَ إِلَّا رُدُد تَنَهُ إِلَيْنَا فَكَتَا فَرَغَ مِن غَضِيتَ لِهِ أَلكِتُ اب قَالَ النَّابُّي صَلَّى اللهُ عَكِينُمِ وَسَكُو لِأَصْحَابِهِ فُومُوْا فَانْحُرُوا ثُوَّا حُلِقُوا تُحَرَّد نِسُوةً مُؤُمِنَاتٌ مُهَاجِرًا فِي ٱلْاَيْتُ فَنَهَاهُمُ اللهُ آنُ يَرْخُوهُنَّ وَٱمْرَهُمُ اَنْ يَرْخُوا العَّدَدُاقَ ثَكَّرُى كَهُ إِلَى الْمَدِائِذَةِ فَجَاءَةُ ٱبُوبَضِيرِرُجُلُ مِنْ قُرَدُيشِ يَعُنِي فَارْسَكُوْا فِي طَلَيِهِ فَكَا فَعَمَا إِلَى الرَّحِكِبُنِ فَعَرَجًا بِم حَتَى إِذَا بِلَفَا ذَا أَلْحُلَمُ فَتِ نَزَلُوا بَأَكُمُونَ مِنُ تَمُرِلَهُمُ وَفَقَالَ ٱبُوبَعِيْ لِلإَحَدِ الرَّجُلَيْنِ وَاللَّهِ ۚ إِنِّى لَامُ ى سَيْفَكَ هٰذَ ايَا فُكُلُكُ جَيِّمًا إِفَاسُنَلَّهُ الْآخَرُ فَقَالَ اجَلُ فَلُ جَرَّبُتْ بِم فَقَالَ ٱبُوبَعِيْدِ آمِ فِي ٱنْظُرُ لِلَيْسِ فَامُكَنَهُ مِنْهُ فَضَرَبَهُ حَتَّى بَرَدَوَفَرَّ الْآخُرَحَتَّى اَنَّى الْمَدِايْنَةَ مَكَا خَلَ الْمَسْجِسكا يَعْ مُا وُفَقَالَالِنَبَى صَلَى اللهُ عَلَيْنِ وَسَلَّعَ لِلَقَلُ رَاعِي هٰذَا ذُعُولِ فَقَالَ فُتِلَ وَاللَّهِ صَاحِبِيُ وَإِنِّي كُمُ قُنُولٌ نَعِكَمُ ٱبْوُبَصِيْرِ فَعَالَ قَلُهُ أَوْنَى اللَّهُ خِمَّتَكَ فَفَلُا رَحَدُ تَكْنِي إَيْهُ وَثُنَّرَيْنَا فِي اللهُ مِنْهُ حُوفِقًا لَ النَّبَى صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحَ وَيُلُ أُمِّهِ مِسْعَ رُ

حَرْبِ كُوْكَاكَ لَمُ أَحَكُ فَكَتَاسَمِعَ ذَلِكِ عَرَفَ أَنَّهُ سَيْرُدُهُ إِلَيْهُمُ فَخَرَجَ حَتَّى ٱلبَحْدِوُيْنَفُلْتَ ٱبُوجَنُكُولِ فَلَحِقَ بِإِنْ بَصِيْرِحَتَّى إِجْتَمَعَتُ مِنْهُ وَعِصَابَتْ . مسوُّرٌ بن مخرمہ نے کہا کہ نبی صلی الطرعلیہ وسلم ۱٫۵٬۵ موصحا بہ کے مسابھ موریبیپہ کے زما نے میں تشریعیٹ سا گئے حتی کہ جب لوگ ووالحلیفہ میں تقے تو آپ نے باری کے گلے میں قلاوہ ڈالاا وراسے زخی کر کے نشان سگایا اور عمره كااترام ما ندها ،ا وردا دى سنے مدیث سارى بيان كى كه إورنې مىلي اد شدعليه وسلم چلے سى كەحب اس گھا ئى برپنج جس سے پنچا ترکر مکر کو ماتے ہیں تو ا آپ کی سواری میجے مبیط گئی۔ نیں لوگوں نے کہا؛ کمن مُن را کھ اُنٹری تفعوا روعنور كى اونىڭى)كىكىمئى سىردومرتىدىدكما) ىس ئى مىلى اللەعلىدوسىم ئىفرايا ، دەنىيىركى اورىزىدامى كادىت تقى مىلكەكسەمى روك دياحس نے اعلى كوروكا تفادىعنى الله تعالى فيدوكا باع، بهرونايا اس مداكى قىم مى كى الله مى مىرى جان سع، آج کے دن وہ مجرسے کسی ایسی بات کامطالبر مذکر سے مس کے ساتھ کروہ الٹرکی مرمتوں کی تعظیم کریں مے مگریں ان کی وه با ت تسلیم کمریوں گا ۔ پھرا کے سنے اوٹلن کو ڈانٹا تووہ کو دکرامٹی یس رسول انترصلی انترعکیہ وسلم سنے داستہ بدل د باحتی کر *مدمیت کے اعمر میں ایک چیشے موالز سے حس* می مقور اسا یا بی عقار میں حضور کے باس مدیل بن ور قاوخراعی آیا پچرعروه بن مسعود تعنی آبا. پس وه مبی صلی انترعلیه وسلم سے کلام کرسنے مگا، جب کبھی بات کر اُن تو تعفیوری داڑھی پکڑلیتا ا در مغرو ہی شعبہ ماعظ میں الوارا ورسر رہود کہنے رسول الله ملی الله علیہ وسلم کے باس کھڑا تھا، بس اس نے تلوار کے ذم کے ما عقر عروہ بن مسعود کے یا تقدم برجوٹ مگائی اور کہا: اپنا یا تقر مضور کی ڈاٹر صی سے پیکھیے ہٹا ہے۔ بس عروہ نے اپنا اعظاما اوركها؛ بيركون سبع؛ لوگول سنے كها؛ مغيره من من شعبہ سبے. اس بروہ بولا: ۱ سے غدّار كيا ہيں تيري بدعهدی مي ے سعی نسٹیں کرریا مہوں؟ اورمغیرہ منلے نہ کا منہ مبا ہیٹ میں کھر توگوں کا ساتھ دیا تھا، پھرا نسٹیں قتل کر دیا اوران مح مال سے سیسے اور آگرسلم ہوگیا بھا۔ بس نب مسلی انٹرعلیہ وسلم نے فرمایا بھا: تیرے اصلام کوتو ہم قبول کر ستے میں نگرمیر مال فدر كاسم عين اس كى حاجبت مني ، يوراوى ف حديث كا ذكركها . كي نبى ملى الله عليه وسلم كف زمايا : كار ميدوه معابده فيصله محدر سول الشرصلي الشرعليدوسلم سف كياءا وريورا وى سفاس خبركوبا إن كيار بس سبيل بولادا ور رط پر کہ ہم میں سے متمارے ہاس جو کوئی اسٹے اگر جبر وہ تمہارے دین بہہ ہو، بس اسے واپس کرنا ہوگا. بس جب عا ہدسے کے <u>مجھنے کے معاط</u>ے سے فا درخ ہوئے تو نی مسلی الٹرعلیہ وسلم نے فرما یا: انٹھوا ور ہدی کو *نخر کر و بھرمزن* دواؤ کے آئیں مجیساکہ مورہ متحنہ کی ایت ہیں ہے، ہب انتکرتعالی نے مسلما نوں کوانسیں واس وک دیا ورحکم دیاکدان کا مروانس کردیں ۔ بچردسول انٹرسلی انٹرملیدوسلم بدینہ وائیں تشریف السط لے ماس آباا ورقرنیش سنے اسے والس كرسنے كے سابے آدى بھیجے الى اسے والس كرسنے كے سابے آدى بھیجے الى اس معلیہ وسلم سنے اِسے ان دو آ دمیوں کے ماتھ والیں کر دیا۔ وہ اسے سما تھ سے کر ذوا تحلیفہ مینجے تو هگے ۔ بس ابوبھیر شنے ان میں ایک آ د می سے کھا: اسے فلاں والسُّدمیں و نکیے تیا ہوں کرنٹری ہے الموارا بھی ہے۔ بس اُس شخص نے اسے نیام سے نکا لااور کہا : با ہیں نے اسے اَ زمایلیں ابوبھری^وسنے کہا، <u>مجھے ک</u>ھاو^ا میں ذرا سے دیکھوں ہیں اس نے وہ تلوادا سعد مکڑائی توابوبھیرنے اسے ماری حتی کروہ کھنڈا ہوگیا اور دونرہاگگ

اس موقع پرمعرنے زہری کا قول نفل کیا کہ ابوہ رتبہ ہم سے نبول: میں نے رسول انٹر ملی انٹر علیہ وسلم سے زیادہ اسپنا صحاب سے مشور ہ کرنے والا کسی کو نہیں دیکھا، پھر رسول انٹر ملیا ہو سلم آگے جیائے ہے اس کھائی پر پہنچے ہیں۔ سے نبچا اتر کر آگے مکہ کی حد آتی ہے وہاں آپ کی سواری مبیع گئی۔ لوگوں نے کہا، مُلُ مُلُ وا نفانے اور زحر کا لفظ ہے کہیں رسول انٹر صلی انٹر ملیہ وسلم نے فرایا، قصواء نے صند نہیں کی اور نہ یہ اس کی عادت سے ، بلکہ اسے اس کی ذات نے دوک و دیا ہے، جس نے ہا تھی کورو کا تھار تشہید فقط کر سے میں اور جیز میں نہیں) بھر فرایا؛ جس ذات کے ہاتھ میں میری جان کہ سے اس کی قسم ؛ دہ لوگ جو بھی مجھ سے ما نگیں گے جس میں وہ الٹ کی گر متوں کا استرام کریں گے میں وہ انہیں دیدوں گا جہ آپ نے اسے ڈانٹا تو وہ کو دکرا مط کھڑی ہوئی ۔ حضوار نے داستہ بدل کہ حدیدیہ کے مقام پر ایک مقول سے سے اور متورٹی دیر میں ختم بھی کر ڈالا بیس رسول الٹ کی دو اسے میں ختم بھی کر ڈالا بیس رسول الٹ کی دو اسے میں ختم بھی کر ڈالا بیس رسول الٹ کی دو اسے مقا در متحول کی دیر میں ختم بھی کر ڈالا بیس رسول الٹ کی دو اسے مقادر کے دیر میں ختم بھی کر ڈالا بیس رسول الٹ کی دیر میں ختم بھی کر ڈالا بیس رسول الٹ کی دو اسے مقادر کے دو اسے میں دو اسے مقادر کی دیر میں ختم بھی کر ڈالا بیس رسول الٹ کی دو اسے مقادر کی دیر میں ختم بھی کر ڈالا بیس رسول الٹ کی دو اسے مقادر کی دو اسے میں دو اسے میں دو اسے مقادر کی دو میں دو کر دو کے دو کر د

د سکتر حقہ

صلی الشرطلیہ وسلم سے پیاس کی شکا بہت کی گئی ۔ بس آ پ نے ا پنے تزکش سے ایک تیر نکا لاا ورا نہیں مکم دیا کہ اسے اس چھے میں ڈال دین ، سو وا نڈروہ چٹمہ انہیں سرکر سے جوش مارتا رہا حتیٰ کہ ہوگ وہاں سے وابس میلے آ ہے۔

ہوگ اس مال میں سفے کہ بدیل ہی ور قار خزاعی اپنے قبیلہ خزاعہ کے کچھ لوگوں سمیت آیا، اور یہ لوگ اہل کھا تہہ کے دل سے خرخواہ سفتے۔ اس نے کہا کہ میں نے کعب بن لوگی اور عام بن لوئی ارکے قبائل قرین کو حد میں ہے جہوالی اونٹنیاں اسے قبائل قرین کو حد میں ہے جہوالی اونٹنیاں بھی میں اور وہ آپ سے جنگ کہ یں گے اور آپ کو میت ایک سے دو کس کے بسی رسول الٹر صلی الٹر علیہ وسلم نے فرایا: ہم کسی سے لائے نہیں آئے بکہ عمرہ کر سے آئے میں۔ قریش کو جنگ نے فقایا ور نقصان بہنیا یا ہے ۔ اگر وہ جائیں تو میں ان سے طویل مدت کا معاہدہ کہ لیتا ہوں۔ وہ چھے ہمٹ حبائیں اور میں جانوں اور لوگ جائیں ہیں اگر میں عالب آجا وہ تھی لوگوں کی مان ماس میں واضل ہو جائیں ورنزا نہیں اختیار ہے ۔ انکار کی صورت میں اسے قبالی موں گا حتی کہ میری گر دن کس حبائے یا اس خدا کی قبیم جس کے قبیفے میں میری جان ہو جائی اسے قبال کروں گا حتی کہ میری گر دن کسے جائے یا اس خدا کی آئی ایس انہا کہ انہا میں اسے قبالی این امر نافذ فرما و ہے۔ دیتا ہوں ۔

یں ببریل قرنیش کے پاس منیجا۔ اور اوی نے مدیث ران کی *عنی کہاس نے عر*و ہ ن مسعود کا رسول اللہ صلی اللہ علیہ دسلم سے پاس ہ نا بیان کیا ۔ کھاکہ بھرغرہ ہ بن مسعود نبی صلی انٹ علیہ وسلم سے سائھ گفتگو کرنے لیگا۔ بہمال تک کلمس نے کہا کہ: والتّنديمي السي ميرسے اورغير وقتم وار لوگ ركھ ريا موں جو تتجھے حيوثر كرم هاگ عبانے كے نياره لائق ميں -ىس ابوىكىردىنى انتىدىمىنەسنىڭ ، تولات كى ىشرىگا ەسى گھس مبار باكسىرىچىس اكىيابىم اسىرىچپوردىپ سىگے اورجباكى مېمىي گے؟ عروہ بن مسعود نے بو تھا کہ بیکون سے ؟ کوگوں نے کہاکہ ابو بکراہ میں ب<u>س عرفہ بن مسعود سے کہا کہ وا</u> لینداگر تیرامجر جم ے انسان بزیو تاحیں کا میں سنے انھی تک برلہنس دیا، تو مس شخصے جاب دیتا۔ لاوی سنے کہاکہ عروہ نی صلی اکٹر ہوسلم سے گفتگو کمہ سنے ملکا بحبب بھی آئے سے ہا ت کر ناآیگی ڈاٹر تھی مبارک مکیٹ میتا اور مغیر کا بن شعبہ رسول اللہ صلی انٹر علیہ وسلم کے قریب ہی کھوا کھا،اس کے یا س الواد می اوراس کے سربرینو دیا ایس حب می عرف اینا یا کا لی الٹرعلیہ وسلم کمی ڈاٹر تھی کی طوٹ مِٹر جھا تا تو مغیرہ تلوار کا دستہ اس کے ہا تقریبیّہ مار تاا و رکھتا ۔ ا بنا کا تھ رسول الترفعل ل عليه وسلم کي ڈاڻھي کسے ہٹائے بيئ عرق ہے سنے سراغگا يا اور کها : بيرکو ن سٹے ؟ ٽوگوں نے کہا مغيره منز بن شعبہ ہے بيپ عرورَهُ سانے کہا: اے غدّار !کہا مس تیری باعمدی کے سلطات تک عہاگ دوٹر نہیں کررہا ہوں! اورمغیرہ منے نے زمانیوا میں ایک قوم سے دوستی کی مفی، پھرائنس قتل کر دیا تھاا وران کے مال ہے کر آئمسلما ن ہوا تھا . میں رسول الٹلمسلی الثا عليه وسلم نف ذما يا تقا : مي امراه كو توقيد لكر الهول مكر مال سع ميراكوني تعلق منين بهر عرفه واثني أ تكفول كم سائقر يسوال صلیا متلیدوسکم کے اصحاب کو دیکھنے نگا۔ داوی نے کہا: خداکی متم پیول الترصلی اللہ علیہ وسلم سنے کوئی کھنکا رینہ مذیھینکا مگروہ ان میں سے کسی کے ماتھ پر پڑا اوراس سنے وہ اپنے منہ پر اور حبم پر مل لیا: اور حب حقاور انہیں حکم حیتے تووہ نور ااسے ما ننے کو تا رسوح استے اور حب آپ و منو کرنے تو قرب مقاکر آپ کے وصور کے مانی میر رط میاس اور حبب آپ بات کرتے تو وہ اپنی آوازیں مہت کر دیتے اور تعظیم کے باعث وہ تیز نکاہ سے حضور کو دیکھ جی ﴿

راوی نے کہاکہ پر عروہ لینے نوگوں ہی والس گیاا ورکھا: اسے میری توم! اور عرفہ سفے قصہ بیان کیا حتیٰ کہان سے کہا اس نے نعنی نبی سلی اسٹرعلیہ وسلم نے معبلائی کی ہات تہاں سے مسامنے بیٹی کی سیے نبس تم اُ سے اس سے قبول کر ہو جب سیل بن عمرو آیا تو نبی صلی انٹرعیبہ وسلم نے فرایا کم انٹدنے تہارا معاملہ آسان کر دیا سے ۔ بس سہبل بن عمرو نے کہا : لا ؤمسا ہنےاً وریمتہارے درمیان ایک دستاویز بکھوں لیں کا تب کو الاکررسول الٹرصلی الشرعی وشلم نے فرما پاکہ ککھ حِوا مَلْهِ السَّرُحُمْنِ السَّرَحِيْمُ يستيلَ بولاكرمي نهين ما نتأكُم الوَحَنُ كياسِيسين تُولَكه ، باشمِكُ اللهُمَّة ، تورُ زمانهُ مِما بلیت مین ، مکھاکر ناکھا ۔ نس سلمانوں نے کہا، والٹہ ہم توصرف مبنیم الکیوالی محکمیں الرّح پیم ہی گے یکن نتی صلی انتہ علیہ وسلم نے فرمایا ، لکھ: بیاسٹم ہے الٹھ کھٹے کے بھر تحصنکو ڈرکسنے فرما یا : بیروہ معا ہرہ سمیے کمنج ل الٹرنے کیا دصلی انٹرعلیہ وسلم ہیں سہیل بولاً: واکٹا *اگریب معلوم سے گرتو انٹر کا دسول ہے توہم نیچھے بی*ٹالٹ سے ہزر و کیتے ہیکن تو نکھے چھے دب عبدالنٹر کیس نبی صلی انٹیوعلیہ وسلم نے فرمایا کہ جم سمیں بہت انتیز نکر مجانے دو تاکہ تم اس كاطوات كرس يس مسل في كها، والندعرب يركنتكون كرس كركم من بطل سع و بوجا كيا، ليك تو إينده مال طوا ف کرربینا ۔ پس کا تب نے یہ تکھ لیا۔ سہ بیل نے کہا کہ ہماری طرف سنے اگر کوئی مرد تیرے ہاں آئے اگر میدہ اس دىن پرىچە، نۇاكىسے دائىپ لوٹا دىسەكا ـ ئېرىسىلمان بول پىلىسىكە ، شجان انىڭد اجومسىلمان بوكىر آئىگے مسيع مىشركو راكى ِطرف کیونکروانس کیا جائے گا ۔اسی اثناءمیں آبومبندک خی سہبل بن *عروا پنی بیڑیوں کو گھیپیلتے ہوسے آ*پہنیا وہ کم ئی ننچلی طرف سے نکلا تقاحتی کہ اس نے اسپے آپ کومسلمانوں کے سامنے ؤال دیا یس شہیل بول : یہ معا ہرہ پولاکر نیکا ببلاموفع سے کہ سے واپس کریں . لبن نی ضلیا تنٹرعلیہ وسلم سنے فرمایا: ہم شے انھی معامدہ مکھانہیں سے مجسل شنے کہا کہ تب س آپ سے کیمی کسی معاسفے برمضا لحت ریکروں گا۔ بی صلی اَسّدُعلیہ وسلم سنے فرمایا: اسے میری خاطر چھوڑد و۔ سہیں نے کہا، میں اُسسے آپ کے ہنیں بھپوٹر تا ہوں پسنوٹر نے فرمایا: ہاں ہاں ایسا کرو۔ اُس سنے کہا کہیں ا بسانہیں کروں گا۔ مکرزسنے کہا کہ: ہاں ہم نے اسے آپ کی خاطر حبوط دیا ہے۔ کیں ابوٹ دل منے کہا کہ مسلما نوں کی ج <u>عجے مشکول کی طوف واپس بھیجا مبار ہاسبے مال کہ ہم سلم ہو کرآگیا تہوں ، کیائم دیکھتے ہوکہ میراکیا سال ہوا سے ؟ا وراکسے</u> يتأري خاط مشعريكه عذاب دياكيا تقأ يشعربن اتخطائط يشاحكها، والتاراك لاكر فجھے كبھى اتنى المجھ منس بوقى تقى حتنی اس دن بوئ، بس مس نی صلی النّرعلیه وسکم کی مدمِت مس گیا اوراً می سے کہا ،کیا آپ استٰدیے برحق نبی نمیم میں ہ مصنور کے دایا بھوں نہیں میں سنے کہا بکیا ہم حق لیہ نہیں اور ہما را دعتمی یا طل پر نہیں ؟ آپ نے فر مایا بھیوں نہیں میں۔ بهرم آبینے دین میں یہ ذاتت کیوں تبول کریں ؟ مصنور کے قرمایا : میں اللہ کا رسول مہوں اور اس کی نافرمانی مندیں کرتا ا وروہ میری مدد کرنے والا سے بی نے کہا کہ کیا ہے جہیں یہ مذفر ما تے بتھے کہ م عنفریب میت السُّدیں ما کرطوا ف ریں گے ؛ حضور نے فرمایا کنوں نہیں کمیامیں نے تجھے یہ ب ما بھاکہ نواسی سال وہاں جائے گا؟ میں نے کہا کہ ہو نے فرمایا کہ تو کعبہ میں صرور جائے گا اور اس کا طواف کرے گا، *حصنرت عَرِية نے کہا کہ تھے میں ابو بکرنٹے یا س گی*ا ا *درا سسے بھی وہی باتیں کہیں جو رسو*ل الٹرمسلی الٹرعلیہ **وس**م سے که حیکا تقاریس ابو مکرانسنے کھاکہ:اً سے مرد! وہ اکٹر کا دسول سیے اور اسپنے دب کی نا فرماتی نہیں کر تاا وروہ اس کی مڈر کمرسنے والا سیم میں توموت تک اُس کی دکاب کو مکڑے سے کیونکہ وانٹروہ بانفریس ترسیے۔ اور دا وی سنے مدیث ببار کی حتی کہ کہا: پس جب معا ہدے کے مکھنے کے قفینے سے فاد سخ ہوئے تورسول الٹرم لی الٹرعلیہ وسلم سفے فر مایا: اعظو ، مخرر واور سرمنٹ واڈ ، پس والٹدان میں سے ایک شخص عبی ندا عظا ، حتی کہ آپ سنے یہ میں مرتبہ فر مایا ۔ جب اس برعبی کوئی مذا عظا تو آپ آسٹھے اور مصنرت امّ سلمہ سکے ہاس گئے اور ہہ سب کچھ بیان کر دیا حو ہوگوں سے آپ کومپنی آیا تھا بس ام مسلمہ سنے کہا اسے نبی الٹدکیا آپ کو ہدل ہندے ؟ آپ ما ہر نکلیں ، پھر کسی سے کلام مذکریں حتی کہ اسپنیا و نرط ذریح کر دیسے ا ور مربون ٹرصنے والے کوبل کر مرمنڈ وادیں ۔ کس حفور استھے اور باہر نمل کر ایسا ہی کیا ۔ قر بانی سکے جانور ذریح کر دیسے

ا ودہرمونڈ جنے والے کوبل یا ۔ پھروب انہوں نے یہ دیکھا، وہ اعظے اور نخرکیا اور ایک دومرسے سکے سمونڈرسے سگے حتی کہ نمدشہ تقاکہ ایک دومرے کو گھونٹ کہ مار دس گے .

يررسول التدميلي التعطير وسلم كعياس ومن عورتمي أنهي توالترتعالي في آيت نا ندل فرا في: إسعا يمان والو تعب بها دسے پاس مؤمن عورتمیں ہجرات کر کے آئیں انز (الممتحند · ۱) حتی کہ بہاں تک فراما ؛ کا فر عور تو**ں کی ع**صمتوں کو مت دوکوریسائس و ن مفتر کراف سنے دومشرک عور توں کوطلاق دی دھیوٹر دیا ، سی ان میں سے ایک سے معاویہ آب اب سفیا ن نے نکاح کیاا ور دو سری کے سابھ صنوان بن امیترسنے ۔ بھر دشول الٹرمىلی لىٹرعلیہ وسلم مدینہ وائیس تشریف لا ئے تواہ شے کے پاس ابو بھتے رم آیا ، حوا یک قریشی مرد تھا ا در وہ سلم تھا ، مشرکوں سنے اس کی طلب میں دوار می جھیھے لیں انہوں نے دہنوگووہ عہد یا وولایا جو دونوں فریقوں سکے درمیان بھا بعضورصلی ا*نٹارم*لیہ وسلم سنے اسعے اس سکے ميردكرديا اوروه استعرب ليكرمت تندسيح نتكے حتی كه ؤوا كحليف پینچ سگئےا وراُ تركرا بي هجور كھار ان مس سے ایک کی تلوار لیا وراُسسے مار کمہ بھٹ ڈاکمر دیا۔ دوسرا ہجاگ کمہ مدینہ پہنچا حتیٰ کہ دورٌ کرمسجد میں حیا راضل مہوا یہبس دمسولیا لنٹرعلیہ وسلم اسے د کمیر کر فرمایا: امن شخص نے تکوفنا کے چیز دیکھی سیے ۔ بس حبب وہ نبی صلی النٹرعلیہ وسلم کے پاس پنجاتو بولا: والٹدمٰسرا سائقی قتل کیا گھاا ورمیں بھی قتل ہونے والا ہوں۔ بھرالوتیمبیمز آیا اور بولا: اسے التُدسکے نبی وا لٹدانٹد تعالیٰ نے آپ کی ذمہ داری پوری کردی سبے آ صی نے تھے ان کی طرف وائس کر دیا تھا بھرالٹ نے تھوان م **بچا ںی**ا ہے۔ نبی صلی انٹرملیہ وسلم نے فرما یا : اس کی مال کا بھلا ہو ، بہرجنگ بھڑکا نے والاسے اگراس کا کوئی ساتھی ہو بوتقسره سنے برمنا تومان لیا کرہ کے اسسےان کی طرف والیں بھیجنے واسے ہیں۔ بس وہ نکل عباگا حتی کہما حال ممنود ما بھر قریش میں سے جوکوئی اسلام لا تا سیدھا ابو بقریم سسے حاملتا رحتیٰ کران جی ایک مجاعب بہم منبج گئی ۔ دا ورک نے لهوالتندوه قريش كينام كومان والسيحن قافله كمتعلق مسنتي تواكسعدوك ليقيم وولاوكوفت كونسا اور لیتے ، اور قرلیش نے رسول انٹی میلی انٹریلیہ وسلم کوانٹر کا واسطہ دے کراور رفتے کا واسط ان لوگول كومدمينه ثم الدين أتنهي امن حاصل رسيے گا، نس ني صلى السُّرعليدوسلم سنے انہ ميں ثمل بھی اور ، آنادی: اوروه التُدى سے حب نے ان كے ماعظ ممّ سے روك در كھے اور تمهارسے ماعق ان سے روك دستے ریہ فرمایا " مبا ملیسیت کا تعصیّب وانفتح بہ ہم) وران کا تعصّب بیرتھا کما نہوں نے دسول انٹیوسلی انٹرعلیہ وسلم کو انشركا ني تسليم مذكيا اور السِشيرا للصالر حنلي الرّحيينوكا لكصنابر داشت مذكها اورحفنورك ورميان ورمت ال کے درمیان مائل ہوگئے۔

علام خطابی کا بیان سے کہ اس مدمین میں بہت سی سنن وادب اورببت سے فقہی احکام ہیں . تعفن امل علم نے

اس بر کلام کیا ہے اوران کی تفسیر کی سے مگر بعف کوئٹرک کمرد یا سے۔ سم اپنے علم کے مطابق انہیں بیان کرتے ہیں:اس میں ایک حکم بہ سے کہ اہل مذبیّۃ میں سسے جو جج اور عمرہ کو حبائیں ان کی میقاتِ احرام زُواَ احلیٰۃ ہے۔ بھر حدیث سسے ریھی معلوما بہوا بیری کے سکے سکے میں قلادہ ڈالٹامسنون سے اور میٹھا کہ جمیسنون سے ہینی قربا نی سکے جا نورکو نے نمی کرے نشان لگافا - مج ا م*ں حدیث میں ن*ظام ماسوسی کی *ضرورت داہم*یت کا بیان بھی سے ناکہ رہشن کی نقل وٹرکت معلوم ہوتی ہے۔ بی نوزاعہ کے سائة رسول الشرسلي الشرعليه وسلم كامدا دكي صلف ملي آتى فتى اوران رحف وركوا عتما دها . جوم اسوس أب في بيجاتما وه اس وقت نکسہ کا فریخا ۔اس سلیےمعلوم ہو اکہ کا فراگر قابل اعتما دہوتواس سے برکام لیا مباسکتاسیے اوراس کی بات میں مار میں کیا جا سکتا ہے بہیں سے غیر مسلم ڈاکٹر کے قول برا عنما دکا مسٹلہ تھی طے ہو جا تاہیے ۔ا ما بیش کا جو میراعماد تھی کیا جا سکتا ہے بہیں سے غیر مسلم ڈاکٹر کے قول برا عنما دکا مسٹلہ تھی طے ہو جا تاہیے ۔ا ما بیش کا جو سے اس سے مراد تا رہ کے کچے قبائل کھے جو قریش سکے راچ لارنے کے سامے بنی لیٹ کے طرورارین مکئے تھے نی کامعنی سنجیجی : مجع مو ناماحجما ع کرنا ۔ا**س مدر**یت میں حضور کا بدادیٹا دمروی سیے کہ: اکشریر کو اعکی ^{پر ہجھے} مشوده دو" استعمشورسے کی ہمیت اور منہورت کا بتہ حیلتاسیے بعقبوڈ صاحب وحی دسول نقے پھر بھی بی امود ىيى وحى ىزاتىرى بوان ىس مىشودە فرماتتے ھے، ابوبىر بري^{رچ} كا قول ام*ى مدىي*ث ميں سے كەمىر نے دسول انشرصلحالتر عليہ وسلمست ندباده مشوره كرنے والاكسى كوسى و مكھا . كهر حفور في سخدا سے او كول كے سائنے مشورے كے ليے مين کی تھی اس میں یہ دلیل سیے کہ مشر کوں کی او لاد کو قبیدی بنا نا جائمنہ سیے مھے حصنو کرنے یہ تھی فرما یا کہ حوسمیں مبیت التند شے ہے گا تم اس *سے سابھ* قبال کُری سکے وا**س سے بترحیل کر**گومھنگچہ اُس موقع برفتال ہنیں کیا *گی* نکین مُحرَم اسٹخص سے قبال کرسکتاسیے جواگسے کعبہ مانے سے یا نع ہو۔ درا صل بہ حالات ووا قعات بہموقوف ہے، حفوظ، تواس مييزكوركها عقا مكركسي كرسائة فتال موانس، بلكاس كرير خلاف بظاهر ببت دب مرصل كمرائ سي عني -قصوآ ریسول انشرصلی الشرعلیه وسلم کی اونتلی کا نام تھا،اس کا کا ن ایک طرف سے کیچوکٹا ہوا تھا اس لیعے بیرنام بیٹه ا عَكَسُهُ الْمَانِسِ الْفَيلِ مِن تَشْبِيهِ فَقَط روسِكُ مِا سَنِينِ سِنِدا ورسنا يرِ ذَّ مِن مِن بِأب تَقِي م وكنسُهُ الْمَانِسِ الْفَيلِ مِن تَشْبِيهِ فَقَط روسِكُ مِا سِنِينِ سِنِيا ورسنا ير ذَّ مِن مِن بِأب تَقِي مِوك وسلم کے اصحاب کوروکا مذما تا وروہ مکرمین د اخل بہرتے تو قریش کی صندا ورتعسب وعدا ون توسب کومعلوم سے مکن ،نوبت نتیجی اور حرم من خون بها یا حا تا لهذاان مصارلح کے بیش نظرا نیشر تعالی نے آم ے دیا۔ا**ںٹ**رعالم اُ تغیب کو یہ تھی معلوم تقاکہ کفارِقر نیش اُٹندہ اسلام لانے واسے میں لہذا ت اللی ہوئی۔ دخول کمہیں بہ خدس قوی کھاکہ قریش سے تھیا دم کی نومت کسٹے اور نون نمرابہ ہو ، حفوڈ سے جویر ليع حوشرط تعبي قرليش منوائم سكے كميں مان بول گاءاس كامطلب تعبى ہي تقاكم مة سمة ممس نون خرابرند ہو۔ اور آٹ سے اس قول کو بیر ری طرح نہایا ور سرمشرط مان لی جو بیظا سرای اسلام کے ضلاف تھی۔ الوكبرصدين ه كا قول: المحصَّف بَطرا مَلَاتِ بِغَامِرَوا يَسْفِى كلم سِيع كرمعنوم مومَّا سِي كربرا يك ﴿ حِهَا بلبيت مِين بھي معروب بھا۔علاوہ از بي لات تو بت كا نام بھاا ودمشرك مباسنتے تھے كہوہ ايك فرمنى فداسيے ا وراس کے اعمناء بھی فرصی میں عرقه بن مسعود کا حضور کی ڈاٹ سی کو ما کفرنگا ناعادت عرب کے مطابق تھا۔ مهارسے ہاں جی " ڈاڑھی کو مائھ لگا نا "منت وسماحبت اوراصراروا لحاح کےمعنوں میں استعمال ہوتاسے۔ بھرمغیرہ ش 🕏 شعبه کا اس خوف وخطر کے مقام مرحضور کے پاس ننگی تلوار سے کر کھڑے رہناا لیسے مواقع پرا مس فعل کے حواز بر دلات

MATARIA OR OFFICER OF OR OF A SOCIAL SOCIETATION OF THE SOCIETATION OF

ِ تاسیع ،کیونکهاس میں تکبہ وِنخوت اور عزود کا شائر برنہ کتا ،حعنورصلی انٹرعلیہ وسلم نے اس خیا ل سے مبٹی نظر *کو صلح ب*ہر صورت ہومبائے بظاہرا بیسے مطالبات بھی سلم کر بیے سکتے جوعام احوال میں بائوٹ ایانت ہی سمجھے مباہمیں سگے۔ دىنى امورىسى حصنرت عريز كا تعصتب اوران كيرزاج كى فطرى ىنتدت مشهورسے، اس موقع بران كى بريشانى الله الله عالم ہے ۔ پھرتسول الٹرصلی انٹرعلیہ وسلم کے بچاب سے مطابق تحصرت ابو کمرہ کا بچاب واصح کمہ تا سیخ کہ ابو کمراّم ویہ

ا مام شافعی کا قول سے کرم مدیب میں جو مسجد بنی ہوئی سے یہ بالکل اس درخت کی ملکہ پرسے میں کے بیجے بعيت دضوان ہوئی تقی-اور ببعیت دمنوان کا سبب رسول انتاصلی انٹرعلیہ وسلم سکے قاصد عثمان سمے متعلق کی غلطا فواه کی شہرت تھی بحصنور سنے امّ سلمنہ سے مشورہ کیاا ورانہی کے مشور سے میرعمل بھی کیا اس سے ٹا ہت ہوا کہ مكحاكه بعفن المجمعائلات مسعورتون سيعمشوره ليناا وراس مرعمل كمدنا جائزست يصحابهم كاتوقعت السسبسسة ر پرسب کیمان کی توقع کے فولات ہور ہا تھا۔ حب انہوں نے دیکھ لیا کہ ہات وہ نہیں حووہ سمھتے ہیں کہتا۔ وحي آ مياستُےا ورحفنور اسکے مبلے حکم من ترمم ہوجائے، توا نہوں نے نورًا امتثال امرکیا ،ابوبھی اوراس کے ماخل كامها حل سمندر برحاكر ڈیمہ ہ لگا دینا یہ بتا تا سے كہوہ مقام تا حال دادالاسلام نہ تقاً لدزامعا ہدسے میں مثا مل نہیں تقا عورتول كا وابس مذكيا ما نااس امرى دسيل هى كرواسي كم معا برسيمي وه وأفل مذهبي -

سورهٔ ممتحند کی آیا ت میں کا فرعورتوں اورمومن مرووں اوراسی طرح مومن عورتوں اور کا فرمردوں کے بعفل ا حکام بیان ہوئے میں۔ ان احکام سے مومنوں اور کا فروں میں نکاح حرام رز ہوا تھا اس سے علماء کا خیا ل ہے کہ اس سورت کے بدا حکام آج کل کے لیے نہیں میں کیو نکداب توجید صے مومن اور کافر کا نکاح ہی منعقد نہیں ہوتا ہاں! اگرکوئی کا فریحورے مومل مہوکر دارالاسلام میں آ جآ ئے تواس کا حق مہراس سے کا فروسینے، خاون کواب ادا منبیں کیا جائے گا کف**نّا** رسے معابد ہامن کی م*ترت کس قدر مہو ؟ علماء نے کہاہے کہ*اس کی مد*ت نہ یا دہ سے نہیا دہ دس سال ہوسکتی سے بوصل*ے مدىيىبىمى مقررىم فى على يعفى سف كها كرما رسال سعنديا ده كى درت كامعا يده جائز نهير اوربعض سنة عن سال كى مدمت بتائی سے کیونکہ صلح حد دیسہ کے قائم رہنے کی زیادہ سے زیادہ مّدت اتنی بی تھی ۔ بھرمشرکین سنے بھرد توڑااور رسول الٹرصلی الٹدوسلم سنے کہ کو نیچ کریا جھرٹشکنی کا با عدن یہ ہواکہ مشرکین سکے مُلقاً ، تبی گرسنے اہل اسلام کے

حلفاً، خزا عدى حمله كيا ورامشركين في حجب كران كى مددى على .

رسولِ التُرصلی التُرعلیہ **وسلم نے مغیرہ م**یں شعبہ سے وہ مال نہ قبول کیا جوا نہوں سنے زما دۂ میا ملہت میں اس کے ما مکوں کو تش کر سکے ماصل کیا تھا : وطا تی سے عبی اس طرف ارثارہ کیاسے اور بقول کولانا مافظ ابن مجرف کہا ہے کمرا من کی حالت میں کفار کا مال ازدا ہ غدر لینا جا ٹرنہ میں ۔ مُولا نارشینے فرما باکہاس سے پیھی معلوم ہو گیا کہ مال کا مصلح جبکه اصل سی حرام ہوتو وہ مال تھی حرائم ہو تاہیے ۔ کفار کے اموال اگرج مُباح الاصل اور عنے مخترم میں مگر بذریعه غ ان کا محصول فا مبائمنسسے ۔

٧٤٧٠- كُلُّ نَنَا مُحَمَّدُ أَنُ الْعَلَاءِ نَا أَبُنَ إِدْرِيْسَ فَالَ سَمِعْتُ أَبَ إِسْحَاقَ

عَنِ الزُّهُمِ يَ عَنُ عُرُولَا بَنِ الذَّبَبُرِعَنُ مِسْوَمِ بَنِ مَغُرَمَتَ وَمَرُواْنَ بَنِ الْحَكُو النَّهُمُ اصطلحُواعلى وضُع الْحَرْبِ عُشَى سِنِيْنَ يَامَنُ فِيهِنَ النَّاسُ وَعَلَى اَنَّ بَيْ نَتَ عَيْبَةً مَحُقُوْفَتُمُ وَاتَنَا لا إِسُلالُ وَلا إِغُلالًا -

مسور نبی مخرمها و دمروان بن المحکم سے دوایت ہے کہ مسلمانوں کا کفارسے یہ معامدہ مہوا بھا کہ دس سال نک سے سیسے بنگ بندرسے کی اورلوگ ں کو امن وا مان دسیے گاا و دیہ کہ ہما دسے دفریقین کے دوممیان دل کی آ ما دگی اور معلوص سے مسلح دسیے گیا و دمرقہ و خیانت ہ ہوگی ۔

٢٤٧٤ ـ كَنْ نَهُ اَ عَنْ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ النَّفَيْ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ

مسلودی به معود معرف مرای و به برخوسی حسان بن عظید، مکول اورا بن ابی ذکر باد خالد بن معدان کے ہاں گئے، حسان نے کہاکہ خالد نے ہمیں جمیر بن فیر کے متعلق مدیث شنائی کہ جبیر نے کہا ، مبلو ذی تحربر کے پاس مجلیں بورسول التدصلی التر علیہ وسلم کے اصحاب میں سے عقادا ور مخاطی کا بھتیجا تھا) بس جمیر نے اس سے صلح مدیب ہے متعلق معوال کیا تو ذو محبر دسنے کہا کہ میں نے دسوال سے معلی التر علیہ وسلم کو فرما تے شنا : عنقریب ہم رومیوں کے ساتھ امن وا مان کی معلم کرو گے اور تم ادروہ کر کرا بک دشمن سے جنگ کرو گے جوتم سے بہرے ہوگا (ابن ما جہ) یہ حدیث ن میں بھی کتا ب (الملاحم میں عنقریب آسے گی مفصل گفتگوا نشاء اللہ تعالیٰ وہاں ہوگی ۔

مَا مَعْ الْمُعْلِي عِلَيْ عِلَى غِرَّةٍ وَبِنَا مَا مِعْلِي غِرَّةٍ وَبِنَسْبَهُ مِعْمَدِ الْمُعْلِي غِرَّةٍ وبِنَسْبَهُ مِعْمَدِ الْمُعْلِي غِرَّةٍ وبِنَسْبَهُ مِعْمَدِ الْمُعْلِي غِرَّةً وبِنَا اللهُ اللهِ اللهِ

٧٤٦٨ - كَلَّا ثَنَا اَحْمَدُ اللهُ عَلَى صَالِحِ نَاسُفَيَانُ عَنْ عَمْرِوبُنِ دِيْنَارِعَنَ كِابِرِ قَالَ قَالَ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَكِيْسِ وَسَلَّوَ مَنْ لَكَوْبِ بَنِ الْكَشْرَونِ فَإِنَّهُ قَدُا ذَى

ration of the filler and an annumental and the filler and the fill

اللهُ وَرُسُولَهُ فَقَامَ مُحَمَّدُ ابْنُ مَسْلَمَةً فَقَالَ اَ فَا بَارُسُولَ اللَّهِ ٱلْجَعِبُ اَنْ ٱقْتَلَا فَالَ نَعَمُ إِنَّ اللَّهُ كُنُ إِنْ أَنُولَ شَهُيًّا قَالَ نَعَمُ فَأَتَاهُ فَقَالَ إِنَّ هُذَا الرَّجُلَ فَلُ سَأَكُنَا القَكَ قَتَا وَفَ لُهُ عَنَّا نَا قَالَ وَايُعِنَّا لَتَمَلَّتَهُ قَالَ إِنَّهَ عَنَا فَنَحُنُ كَكُرَةُ أَنْ نَكَ عَكَ حَتَّى نَنْظُرَ إِلَىٰ آيِ شَيْ يَجِينِيُ اَصُرَةَ وَقَـنُ اَمَ دُنَا اَنْ تُسْلِفَنَا وَسُقًا اَوُوسُغَنِينِ قَالَ أَي شَيْءٍ تَرُهَنُونِ فَي قَالَ وَمَا تُعِرِبُكُ مِتَّا فَقَالَ نِسَا مُكُورٌ فَالُوْ اسُبْحَاك اللهِ آنَتُ ٱجُمَلُ الْعَرَبِ نَرُهَنُكَ نِسَا ثَنَا نَيَكُونُ لِالْكَعَامُ اعْكَمْنَا فَسَالًا فَتَرْهَنُونِيُ ٱوُلَادَ كُوْ قَالُوا سُبْحَانَ اللهِ يُسَبَّ ابْنُ آحَدِ نَا فَبْقَالُ رُهِنْتَ بِوَشِقِ آوُوسُفَبُنِ فَ الْوَا نَرُهَنُكَ اللَّامَنَةُ يُرِبُكُ السِّلاَحَ فَالَ نَعْمُ فَكُتَا آتَاهُ فَا ذَلْهَ فَخَدَجَ إِلَيْهِ وَهُوَمَنَظِبِّهِ كَانُضَعُومَ أَشُنُ فَكُمَّا أَنُ جَلَسَ إِلَيْسِ وَقَدْ كَانَ جَاءَمَعُهُ بِنَفَرِ ثَلْثَتِي اَوُآ مُ بَعَبِ فَنَكَكُرُو اللهُ قَالَ عِنْهِ يُ فُلاَنَتُمْ وَهِيَ اَعْظَرُنِسَاءِ النَّاسِ تَىلَ نَاذَنُ لِيْ فَٱشْكَرْ فَالْ نَعَمُ فَادُ خَلَ يَكَاهُ فِي مَا سِمِ فَشَمَّمُ فَالَ ٱعُوْدُ فَالَ نَعَمُ فَأَدْ خَلَ يَهُ لَهُ فِي مَا أَسِم فَكُتَّا اسْتَهُكُنَ مِنْكُ فَالَ دُوْكَنَّكُمُ فَضَرَّبُولُ

کرتوا پک یا دو دس کے عوض رم در در اس کے آیا تو کھ ب کو آواز دی ۔ کعب اس کی طرف نکلاا وداس نے ہیں۔ اس نے کس میں مہت اچھا۔ چرجب ابن مسلم من درات کی آیا تو کعب کو آواز دی ۔ کعب اس کی طرف نکلاا وداس نے توشیو دگا دکھی میں اور اس کے ہم سے نوشیو دگا دکھی ہے اور اس کے ہم سی میں گھرگیا اور ابن مسلم اس نے توشیو دگا دکھی آو دراس کے مرب ہو ہی لا با بھا۔ بوگوں سنے اس سے نوشیو کا ذکر کیا تو کعب بولا: میری ہو می لا با بھا۔ بوگوں سنے اس سے نوشیو کا ذکر کیا تو کعب بولا: میری ہو می لا اس مودت ہے اور سب بوگول کی مود تو سے دیا در دراس کی مود تو اس سے دراس کے مرب ہو گھرا وراست میں اور اس سے کہا ہا ۔ بھر کھا کہ دوبارہ سونگھر تو لگا اس نے کہا ہا ۔ بھر کھا کہ دوبارہ سونگھر تو لگا اس نے کہا ہا ۔ بھر کھا کہ دوبارہ سونگھر تو لگا اس نے کہا ہا ۔ بھر کھا کہ دوبارہ سونگھر تو لگا سے تعاداد مادی کھرا کہ دوبارہ سونگھر تو گا اللہ جب اسے قالو میں کردیا تو کھا: مبائے دیپائے ، بس انہوں نے اُسے تا واد میں کردیا تو کھا: مبائے ، بس انہوں نے اُسے اُس کی مسلم ، نسائی ک

قترے بکعب بن انٹرون ہیو دی دراصل عربی تھا،اس کا تعلق بنی بختان سے تھا ہوبی سے سے سے نے نہادہ جا ہمیت میں اس کے با بسنے ایک تعلق بنی تعلیہ کا ملید بنی میں سے تعلیہ منب ابی الحقیق سے شاہ کی کی اوراس میں سے تعلیہ بنیا ہوا۔ کعب المبائظ نگا بڑے بیٹ والاشخص تھا وراس کا ہم بیلا تھا، وا قعہ بدر کے بعد مکر کیا، ابن و داعہ سے تعلیہ وسلم کی ہجو کہتا اور کفار قریش کو آ ب کے فوا ون استعمال ولا تا تھا۔ اس نے ایک مرتبر رسول الٹرسلی الٹر علیہ وسلم کی ہجو کہتا اور کفار قریش کو آ ب کے فول دن استعمال ولا تا تھا۔ اس نے ایک مرتبر رسول الٹرسلی الٹر علیہ وسلم کی ہجو کہتا اور کفار قریش کو آ ب کے فول دن استعمال ولا تا تھا۔ اس نے ایک مرتبر رسول الٹرسلی الٹر علیہ وسلم کی ہوئی اور قدر ہے بعد ہی آئی سنیاس کی دوئی ہوران کا حکم دیا تھا۔ محمد بند وقت بندر دی ہو وی آئی کو بہ میں گیا تو وہاں تشریب سے معلی ہوا ہوا ہوران میں میں اور تعربی آئی سنیاس کی دوئی سے دی واقعہ رسے الاول سیسے کا مواز کو ہی سکر میں معلی ہوا کہ شرعی مصابح کی بناد ہور شاہد تو میں اور تو ہوں کو ہی سکر میں معلی ہوا کہ شرعی مصابح کی بناد ہور شاہد قرم کے اعلی اور تو ہوں تا ہوا کہ شرعی مصابح کی بناد ہور شاہد تو میں اور تو ہو کہ ہوا کہ تو میں اور تو ہو کہ ہوا کہ تو ہوں دی ہو تھے۔ دیو اقد در بیج الاول سیسے کے اس میں میں اور کسی خوا ہوا ہوا ہوا کہ تا تھی ہوا کہ تو ہو کہ کی مصابح کی بناد ہور شاہد تو میں اور تو ہو کہ و دور میں معلی ہوا کہ تو دوئی ہوا کہ تا ہوا کہ تو ہو کہ کہ دوئی ہوا کہ اس کی مقال خالت کری اور شرب کی مصابح کی بناد ہور تو کسی دا تو ہو ہی مائز رکھا گیا ہے۔ کعب بن اور دن تا تم دسول تھا جس کا قتل ہم والد اس کی دوئی ہوا تو اس کی دوئی ہوا کہ اور کسی ہوتے ہوں کہ کہ دوئی ہور کہ کہ دوئی ہوا کہ کہ دوئی ہوا کہ اس کی دوئی ہوا کہ اس کا استعمال جائز دکھا گیا ہے۔ کعب بن اور دن شائم دسول تھا جس کا قتل ہم وال میں کہ کو دھور کے سے تو کی میان کی دوئی ہو کہ کہ دوئی ہوا کہ کو دوئی کے دوئی ہو کہ کہ دوئی ہو کہ کہ کہ دوئی ہو کہ کہ دوئی کی اور کہ کہ کو دوئی کے دوئی ہو کہ کو دوئی کے دوئی کے دوئی ہو کہ کی ہوئی کی ہوئی کی دوئی کی دوئی کے دوئی کی دوئی کی دوئی کے دوئی کی دوئی کے دوئی کی دوئی کی دوئی کی دوئی کی دوئی کی دوئی کی دوئی کے دوئی کو کو کی کو دوئی کے دوئی کی دوئی کی دوئی کی دوئی کی دوئی کو

١٤٦٩ حك ثناً مُحَمَّدُ اللهُ عَزَابَهُ نَا السَّخِيُ يَعْنِي الْبَنَ مَنْصُورِ نَا اَ سُبَاطُ الهَمْدَا فِي عَنْ النِّبِي عَنْ اَبِي عَنْ اَبِي عَنْ اَبِي عَنْ اَبِي عَنْ اللهُ عَلَيْتِ مِ مَلَى اللهُ عَلَيْتُ مِنْ اللهُ عَلَيْتُ اللهُ عَلَيْتُ اللهُ عَلَيْتُ مِنْ اللهُ عَلَيْتُ مِنْ اللهُ عَلَيْتُ اللهُ عَلَيْتُ اللهُ مَوْمِنْ .

الدبرىرة سينى صلى الله عليه وسلم سعدوا بيت كى سبحكه آئيدن فرمايا: ايما ن سفاح بانك دهوك سيقتل

کمے سنے کوروک دیا ہے کوئی ایمان دارا چا نک دھو کے سے قتل نہیں کمہ تا ۔ شم حے: فتاک کا معنیٰ ۔ سرکسی اسپر شخصہ کو او ایک دھو ہے کہ سرقتل کی د

شیح: فناک کا معنی سے کسی اسیے شخص کو اچا نک دھو کے سے قتل کر دینا ہیں اس ماس تھی۔ مگر کعب بن الٹرون کو امان ماصل نہ تھی کیو نکہ کہ اور سلم خوانمین کا کوامان ماصل نہ تھی کیو نکہ اس نے دسول الشرصلی الشرعلیہ وسلم کو گا لیال دے کردا ہل اسلام کی بچو کہ کرا و دسلم خوانمین کا بہرسرعام اسپنے شعروں میں ذکر کر ہے معا ہرہ تو ٹردیا تھا اور امان سے تھو وم تھا بہو دیوں سے بہرو بریگنڈ اکیا سے کہ کہ بن الا نشرف کا قتل غدر کی تعریف میں آتا ہے ما لا نکہ السیانہ میں تھا ۔ بہی وہ شخص تھا جو قریش کہ کو اسمام اور اہل اسلام کے ضلا ہن بھراکا سے سے سے ملہ سنچا تھا ۔ وہ میٹا تی مدینہ کی روسے یا بند تھا کہ ایسا ہزکر سے مگراس نے دہر عام عہد بھریک کی ۔ وہ شا تم رسول تہ وسے کہ اسے مارڈ الن بھی کہ کو اسے مارڈ الن بھی کہ کہ کا معنیٰ ہے تھا ۔ ان کی کو ذریب سے نحفی مبلہ ہے ماکروں کر اے اسے مارڈ الن بھی کہ کا معنیٰ ہے کہی کو ذریب سے نحفی مبلہ ہے ماکروں کر ا

بَا نِبِكِ فِى لَتَكْبِيْرِ عِلَى كُلِّ شَرَفِ فِى الْمُسِبُرِ سفرين بربندى پر تكبير كاباب

مع ١٠٤٠ حكا نَمُنَا الْفَعُنَجِيُّ عَنُ مَالِكِ عَنُ مَا فِعِ عَنْ عَبُواللهِ بَنِ عَسُرَ اللهِ مَلَى اللهُ عَلَيْ وَسَلَّوَ كَا نَ إِذَا قَفَلَ مِنْ غَذُوا وَحَبِّجَ اَ وُعُسُرَةٍ اِنَّ رَسُولَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْ وَسَلَّوَ كَا نَ إِذَا قَفَلَ مِنْ غَذُوا وَحُرَّةً وَعُسُرَةً مِنْ اللهُ وَحُمَلَةً وَهُوعَلَى حُلِي اللهُ وَيَعُولُ لَا إِللهُ إِلَّا اللهُ وَحُمَلَةً وَهُوعَلَى حُلِي اللهُ وَعُمَلَةً وَاللهُ وَحُمَلَةً وَهُمَدَوَ اللهُ وَعُمَلَةً وَاللهُ وَعُمَلَةً وَهُمَدَوَ اللهُ وَعُمَلَةً وَهُمَدَوَ اللهُ وَعُمَلَةً وَاللهُ وَعُمَلَةً وَهُمَدَوَ اللهُ وَعُمَلَةً وَاللهُ وَعُمَلَةً وَاللهُ وَعُمَا اللهُ وَعُمَلَةً وَاللهُ وَعُمَلَةً وَاللهُ وَعُمَلَةً وَاللهُ وَعُمَلَةً وَاللهُ وَعُمَا اللهُ وَعُمَلَةً وَاللهُ وَعُمَا لَا اللهُ وَعُمَا لَاللهُ وَعُمَا لَا اللهُ وَاللهُ وَعُمَا لَا اللهُ وَعُمَا لَا اللهُ وَعُمَا لَا اللهُ وَعُمَا لَا لَا مُعَلِّى اللهُ وَعُمَا لَا اللهُ وَاللهُ وَعُمَا لَا اللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَعُمَا لَا اللهُ وَعُمَا لَا اللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَالْعَالَةُ وَالْمُ اللهُ وَالْعَالَةُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَعُمَا لَا اللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَالْعَالَةُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَالْعُمَا لَا لَا لَا لَا لَاللهُ وَالْمُ اللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَالْعُمُولُولُ اللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَالْمُ اللهُ وَاللهُ اللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَلِهُ اللهُ اللهُ وَاللهُ وَالْمُ اللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللّهُ وَاللهُ وَاللّهُ وَاللهُ اللهُ اللهُ الله

عبدالترب عرضے روایت ہے کہ رسول الترصلی الترعلیہ وسلم جب کسی بنگ سے یا حج یا عمرہ سے واہی استے تو ندمین کی ہر دہند مگہ بہترین با دیکیے سے۔ اور کھتے سے۔ اور کھتے سے۔ الترکے سواکوئی معبود نہیں، وہ اکیلا ہے اس کا کوئی مثر یک نہیں، بادر شاہی اس کی سے اور تعربیت اس کی سے اور وہ ہر بہتر بہتا در سے ہم واپس آنے والے میں ، تو بہ کرسنے واسے میں ، تو بہ کرسنے واسے میں ، تو بہ کرسنے واسے میں ، تو بہتر ہے واسے میں ، تعربیت کہ درکی اور اُس نے اکیلے ہی سب بشکروں کوشکست دسے دی در نجا دی مسلم، ترین ، نسائی ، نسائی

مشریے : ختلف ما دی و عنیر ما دی مشکراسلام سے مقابلے میں آتے رسبے ۔ خاص طور رہے دنگب احزا بعی بادہ نراز آ

کی تعدادیں مشرکین کمترا وران کے بہت سے ساتھی ہجوم کرے مدینہ پر چواھ آئے۔ مدینہ کا نماصرہ کر ایا، ایک ماہ کے قریب مدینہ کر کر بڑے کے درمیدان مجوڑ گئے قریب مدینہ کے کر دبڑے درمیدان مجوڑ گئے ان کے علاوہ بہوداول کے مشکر تھے، منافقوں کے مشکر تھے۔ شیاطین الانس کے علاوہ ہوداول کے مشکر تھے، منافقوں کے مشکر تھے۔ شیاطین الانس کے علاوہ ہوداول کے مشکر تھے، منافقوں کے مشکر تھے۔ شیاطین الانس کے علاوہ ہورہ احزاب می اللہ تعالی نے مقد، ان سب سنگر ول کو مدائے واص سف شکر سے دی اور اسلام کا بول بالا کیا، سورہ احزاب می اللہ تعالی نے اس مشکر تھے جنہیں تم نے در دیکھا۔

بَأَ لِكِ فِي لِلْأُونِ فِي أَنْفُولِ بَعْمَا النَّهِي

نهى كے بعد واپسى كے اذن كا باب

المحكى تَكُ اَحْدَدُ ثِنُ مُحَدَّدِ بَنِ ثَابِتِ الْمَرُوزِيُ حَكَاتُنِ عَلَى اَبُنُ عَلَى اَبُنُ عَلَى اَبُنُ انْعُسَيْنِ عَنْ ابْبِيءِ عَنْ يَغِرِبُ اللَّهُومِ اللَّحْوِيِ عَنْ عِكْرِمَةَ عَنِ ابْنِ عَبَّاسٍ قَالَ كَابَشَادُ نُكَ الْكِ بُنَ يُومِنُونَ بِاللَّهِ وَالْهُومِ الْاَحْرِ الْاَيْدُ نَسَحَتُهَا الَّتِي فِي النَّوْرِ إِنَّمَا الْهُؤُ مِنُونَ الْكِلِينَ الْمَنُوبِ اللَّهِ وَلَهُ لِيهِ إِلَى عَفُورِ تَرَجِبُم .

ا ما زت دے دیں اوران کے لیے استغفا رکرس ۔

بابي في بعنة البشراء

بتارت خوالون و جعم اباب ٢٤٤٢ - كَلَّ نَكُ الْبُوْتُوبُة الرَّبِيُّ الْبُنَ الْفِي الْمَا عَنْ إِسْمِعِيْلَ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ إِسْمِعِيْلَ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْ مِنْ ذِي وَسُولُ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ مِنْ اللهُ عَلَيْ مِنْ ذِي وَسُولُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَمَ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَمَ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَمُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَمَ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَمُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَمَ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَمَ اللهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَسَلَمَ اللهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَسَلَمُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَمَ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَمَ اللهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ وَالْمُواللّهُ وَاللّهُ وَالّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ

إِلْمُبَسِّرُهُ مُكِنِي أَبَالُهُ طَا فَدَ

باسك في إعطاء البيث بر وفري ريري ما يري عطاء البيث

فَوْخَرِى دِنَ وَآرَ الْ الْمُعَالِمِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ الْمُعَالِمِ الْمُعَالِمِ الْمُعَالِمِ اللهِ اللهِل

فَالَ وَنَهُى رَسُولُ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّة وَاللهِ النَّاكُة عَنْ كَلَامِنَا أَيَّهَا الشَّلْفَ عَلَيْهِ فَوَاللهِ إِنَّ الْمَثْلِيمِينَ عَنْ كَلَامِنَا أَيَّهَا الشَّلْفَ عَلَيْهِ فَوَاللهِ إِنَّ المَثْلَة عَلَى اللهُ عَلَيْهِ فَوَاللهِ عَمْسِينَ لَيْلَةً عَلَى اللهُ مِنْ مَعْسَلَمُ عَلَيْهِ فَوَاللهِ مَا رَحَّ عَلَى اللهُ مَنْ مَعْسَلَمُ مُنْ مَعْسَلِهُ الشَّلُ وَمَنَا مَ حَمْسِينَ لَيْلَةً عَلَى اللهُ مِنْ اللهُ عَلَيْهِ مِنْ اللهُ عَلَيْهِ مِنْ اللهِ مَا لَكُلُ مَا اللهُ عَلَيْهِ اللهِ مَا اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهُ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهُ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهُ عَلَيْهِ اللهُ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهُ عَلَيْهِ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهِ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهِ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ ا

الشرح : جنگ تبوک میں بلا گذرنٹرعی شامل مذہونے واسے کئی لوگ عقدا وران کے مختلف اسوال کے میں نظر میں سب کے ساتھ معاملہ کیا گیا ۔ بر بین حضرات وہ ہی جن کا ذکر میور ہ تو بہ میں : وَعَلَى الشَّلَا ثَلُةِ) لَکِ یُکَ مُحْسَرِفُوْا میں موجود ہے ۔ بخاری اور مسلم کی جلویل روایا ت جواس سلسلے میں میں نمایت عبرت آموز ہیں ۔ ابودا قرد سنے اسس معدمیت سے یہ استدلال کیا ہے کہ خوش خبری دینے والے کوخوش مہوکر کچے عطا، کیا دبا سے۔ رواج یہ تھا کہ اسے جسم

ے اتا*دکر دے دیتے ہے۔* باسب فی سبجود الشکر باسب شرکار

م ٢٠٠٠ حكَّ تَنَ الْمُعَدُّ مُن خَالِيا نَا أَبُوْعَ صِيرِعَنْ أَفِي بَكُرَةَ بَكَام بني

عَبْسِ الْعَزِرُ بْزِقِالَ ٱخْبَرَ فِي اَ فِي عَبْسُ الْعَزِرُ بْزِعَنْ اَ فِي بَكْرَة عَنِ النَّبِي صَلَى الله عَلَيْسِ وَسَدَّوَ اَتَّهُ كَانَ إِذَ جَاءَةُ ٱصُرْسُرُومٍ اَ وُ بَيْنِرَبِم، خَرَسَاحِمُ اشَاكِرًا لِيَٰهِ -

وسلو ان کان از کہا گان از کہ جا وہ اور دسو و ہم او بھیں ہے کہ کہ است علوم ہوتی یا آپ کواس کی اور بھی ہے۔

ا بو بکرہ ہ سے روایت ہے کہ بی صلی الٹرعلیہ وسلم کوجب کو ٹی خوشی کی بات علوم ہوتی یا آپ کواس کی خوشخبری دی جاتی ہے کہ بی ساتھ بھا انٹر علیہ وسلم کوجب کو ٹی خوشی کی بات علوم ہوتی یا آپ کواس کی خوشخبری دی جاتی ہے کہ دول کے ساتھ بھا درت پر سحدہ تا برت ہوا ہے بمسندا تحد میں الو کرتے کی مدیش کی معنوں حضورت عائشہ من گود میں آلام فراستھ کہ کسی لشکری فتح کی خوش نوبری آئی ۔ حضو ہو گئے ۔

مولا نامشے فرای ہے کہ ور نو گئا ارمی سے بعیدہ کہ شکر متحب سے اور اسی پر نتوی ہے ۔ نا نی نے کہ کہ کہ ہواس شخیس کے لیے ہے جس پر کو ٹی واضح فعمت نوبا و ندی ہو گئی ، یا الشرتعالی نے اسے مال یا اولا دسے نواز ایا اس سے کوئی محکومت و در بھوئی ، نسی اس شخیس کی محکومت ہو اسی ہو گئی ہوا ہو باسی ہے ، اس میں الہ تعالی کی محکومت و اسی ہو گئی ہوا تا جب ہوتا کہ ہو ہوتی اسی ہو گئی ہو اسی ہو گئی ہو اسی ہو گئی ہوا تا ہو ہوتی اسی ہو گئی ہو تا ہو ہوتی اسی ہو گئی ہو تا ہو ہو تی ہوتا کہ ہو گئی ہو تا ہو ہو تا بوب کیا جا تا ہو اسی ہو گئی ہو تا ہو ہوتی اسی ہو گئی ہو تا ہو ہو تا ہو ہو تا ہو تا

باسب رفراليك بن في التاعاء

2424 - كَلَّا فَكَا اَكُوكُ الْحُوكُ الْحُوكُ الْحُوكُ الْحُوكُ الْحُوكُ الْحُوكُ الْحُسَنِ الْحَسَنِ الْحَسَنِ الْحَسَنِ الْحَسَنِ الْحَسَنِ الْحَسَنِ الْحَسَنِ الْحَسَنِ الْحَسَنِ الْحَسَنَ الْحَسَنِ الْحَسَنِ الْحَسَنَ الْحَسَنِ الْحَسَنَ الْحَسَنِ الْحَسَنِ الْحَسَنَ الْحَسَنِ الْحَسَنَ الْحَسَنِ الْحَسَنَ الْحَسَنَ الْحَسَنَ الْحَسَنَ الْحَسَنَ الْحَسَنَ الْحَسَنَ الْحَرَالِمَا اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ الل

CONCOUNTERMEDICALE CONTRACTOR CON

خَرَسَاجِلَا ذَكَرَة اَحُمُكُ ثَلَاقًا فَالَ إِنَّى سَأَلُتُ رَقِي وَشَفَعَتُ لِأُمَّتِي فَاعُطَافِي ثُلُتَ المَّنِي فَخَرَرُتُ سَاجِلَا شُكَرًا لِرَقِي ثُمَّ رَفَعُتُ مَا أَسِى فَسَالُتُ رَقِي لِأُمَّتِي فَاعُطَافِي أَمَّ رَفَعُتُ مَا أَسِى فَسَالُتُ رَقِي لِأُمَّتِي فَاعُطَافِي ثَكُرَاتُ سَاجِلًا لِرَقِي شُكَرًا ثُمَّ رَفَعُتُ مَا أَسِى فَسَالُتُ رَقِي لِامْتِي فَاعُطَافِي ثَلَيْ اللَّهِ فَعَلَى اللَّهِ فَا لَكَ اللَّهِ فَا لَا اللَّهُ اللَّهِ فَا لَا اللَّهُ اللَّهِ فَا لَا اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ وَلَا اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ وَلَا اللَّهُ اللَّ

سعدبن ابی وقا من سے دوا بت ہے کہ انہوں نے کہا : ہم لوگ کہ سے حفنور کے سائڈ مدینہ کے الادے کے سائڈ نکلے میں جب ہم عزوداً ، کے قریب پہنچے تو حفنوں ملی الترعلیہ وسلم سوادی سے نیجے اتر بڑے ہے اور کا بی دیر بک گھڑی کی ۔ بی با تھ اعلی کے ورکا بی الترقعالی ہے دورا بھر اعلی الترایک گھڑی کے المترقعالی ہے دعائی ، چرسی ہر سے ہے اور کا بی دیر بڑے ہے اعظے اور اپنے گھڑی کے المترقعالی ہے دعائی ، چرسی ہر سے ہوالی المترق ہوائی بھر سی ہر سے ہوالی المترق ہوائی بھر سی ہرگئے ، احمد نے میں باداس کا ذکر کیا ہے ، بھوائی اور اپنی امر سے سوال کیا اور اپنی امرت کا تعیار حقتہ عطا ذیا یا ۔ بھر میں اپنے دب سے سوال کیا اور اپنی امرا مٹھا یا اور اپنے دب سے سے اپنی امت کا تعیار حقتہ عطا ذیا یا ۔ بھر میں اپنے دب سے سے اپنی امت کا سی سے میں گرگ تا کو مشکل دیا والٹ دفا سے میری امت کا میرا حصد بھی عطا فرما دیا ، بھر میں اپنے دب سے سے اپنی امرا مٹھا یا اور اپنی اس سے میرے اپنی سے دریت ہمیں مشنائی توا شعث بن اسحاق کو ماقط سے شنائی ۔

متی با س مدین بی صفور کے متعدد با سی ده نظراداکر سنے کا ذکر موجو دہ ہے ۔ مسندا حمد بی سے کہا یک مرتب ہوں انتظامی انتظ

تعالىٰ موا فقِ مصلحت سجھے گا ۔

ماهي في الطروني التروير التروير

مباہد بن عبدالتٰد من نے کہا کہ رسول التٰرصلی التٰدعلیہ وسلم اس بات کو نا پہند فریا تے منصے کہ آ دمی دات کے وقت بلاا طلاع گھر آ مباسے دبخاری مسلم، تر ندی، نسانی ،

٢٤٤٤ حَلَّى نَتُنَا عُمَّمَا ثُنَ أَبِى شَيْبَةَ نَا جَدِي عَنَ مُغِيرَةَ عَنِ الشَّعْبِي عَنْ جَابِرِ عَنِ النَّيْعِ عَنْ النَّيْعِ مَلَى عَنْ جَابِرِ عَنِ النَّيْعِ مَلَى اللَّهُ عَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى الْعَلَى اللْعَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَل

جابر شنے بی سی الٹرعلیہ وسلم سے دوایت کی کہ اسپے گھرس سفرسے آکر داخل ہونے کا بہترین وقت را سے کا پہلا معتبردا بتدائ سے ۔ دگو یا برا بتدا دس کا وقت سے اور مہلی مدب شمس اس کے بعد کا وقت مذکورسیے۔ یا بہوہ صور ست سے کہ گھر آنے کی اطلاع دی مام کی ہو ۔ یا ہوں کھٹے کہ نمی ننزیہ سکے سیے اور اس مدریث میں حوفر ما یاسیے وہ بیان مجوانہ سکے سیے سیے

١٧٤٨ حكانت أخمى بن حنبيل ناهشبه والسيّارُ عن الشّعبي عن جابر بن عبد الله قال كُتّامَة رُسُولِ اللهِ صَلّى الله عَكيد وسَتَو في سَفَرِف كمّتا ذَهَ بُتَ

لِنَكُ حُكُ قَالَ المُهِكُولَ حُتَّى نَدُن خُلَكَ لِكُنُ تَدُنَا شِكَا لِنَّتُ عَثَمُ اللَّهُ عَلَى الْمَعِيْبَ الْمُ الْمَعْفِي اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللْهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى الْمُعْمِنِهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْمُعْمِي عَلَى اللْمُعْمِنِ عَلَى اللْمُعْمِي عَلَى اللْمُعْمِي عَلَى اللْمُعْمِي عَلَى اللْمُعْمِي عَلَى اللْمُعْمِي عَلَى اللْمُعْمِي عَلَى اللْمُعْمِيْكُ الْمُعْمِي عَلَى الْمُعْمِيْكُولِ اللَّهُ عَلَى اللْمُعْمِي عَلَى اللْمُعْمُ عَلَى اللْمُعْم

جا بُرِّ بن عبداللّہ نے کہاکہ رسول اللّٰہ صلی اللّٰہ علیہ وسلم کے سابھ ایک سفر میں سقے ، پیرجب ہم ہے گھروں می ڈال موسنے کا ارادہ کیا تو سعنوں سنے فرمایا کہ ذراعتہ و تاکہ ہم ات کو گھروالوں کے پاس مبائیں تاکہ بکھرے بالوں والی گئیمی کہ سے اور غائب خاوندوا بی صفائی کہ سے ، الو واقو د نے کہا کہ ذہری کا قول ہے کہ طرق عشاء کے بعد ہے ۔ الوداؤر گ نے کہا کہ مغرب کے بعد کوئی تمہ ج نہیں ہے دبخاری مسلم ، نسائی ۔ بندی سے : استی ادکا نفطی عنی ہے یہ بدیعنی او بااستعمال کہ نا ، مراد اس سے سے مردوں کا اُسترہ استعمال کہ نا اور ہوگئی

مشی حسی استی ادکا اختلی معنی سب سدید یعنی او با ستعمال کرنا . مراد اس سے سے مردوں کا اُسترہ استعمال کرنا اور دو زیر اور کوصاف کیہ نار مورت کے سیے پر تفظ محنس سندائی کے معنی میں آئے گا، یعنی حس طرح ان کے نز دیک صفائی کا طریقہ ہوتا ہے وہ افعتیار کرنا ۔

با <mark>سرىل فى التّسَاقَتْ</mark>ى أخدالون كرمائر ماكر مطيفة كامات

١٤٤٩ - حَكَّ الْنُ التَّمُرَةُ نَا أَنُ التَّمُرَةُ نَا أَنْ التَّمُرَةُ نَا أَنْ اللَّهُ عَنِ التَّالِيَ بَنِ اللَّهُ عَلَيْهُ التَّالُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمُ النَّهُ عَنُ اللَّهُ عَلَيْهُ التَّالُ اللَّهُ عَلَيْهُ التَّالُ اللَّهُ عَلَيْهُ النَّالُ اللَّهُ عَلَيْهُ النَّالُ اللَّهُ عَلَيْهُ النَّالُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ الْمَاكِدُ المَاكِدُ المَاكِدُ اللَّهُ الللللْمُ الللللْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللللْمُ اللَّهُ اللللللللْمُ اللللللْمُ اللللللْمُ اللللللْمُ الللللللللْمُ الللللْمُ الللللللللْمُ الللللْمُ اللللللللْمُ اللللللللللللللللْمُ الللللْمُ اللللللْمُ الللللْمُ الللللللللللْمُ الللللللللللْمُ الللل

سائب بن بزید نیرنسنے کہا کہ جب بی صلی الٹہ علیہ وسلم عزوہ تبوک سے والیس مدینہ تندیف لائے تو لوگ آپ کو لینے کے کے لیے شہر سے باہر نکلے اور میں بھی تنبتہ الوداع ہر بجوں سے ساتھ معنو دصلی الٹہ علیہ وسلم سے ملا لا بخارتی ، ترمَدی ، ننبتہ الوداع مدینہ کی ایک ملبند گھا کی تھی جس بر آنے والوں کا استقبال کہ ستے سقے اور مبانے والوں کو دخصت کرتے کے مقے رہیرنام قدیم ندمانے سے چلاآتا تھا اور معلوم ہوا کہ ہر رسم تھی قدیم سے مبادی تھی ۔

بَأْكِ مَا يُسْتَعُبُ مِن إِنْفَادِ النَّرادِ فِي الْعُنُو إِذَا قَفَلَ

عزوہ سے والسی پرسفر خرچ کوختم کر دینے سے استعباب کا باب

بن مَالِكِ اَنَّ فَنَى مِنْ اَسُكُوتِ الْكَارِسُولَ اللهِ إِنْ أَمِنَ اَنَا ثَابِتُ إِلَيْنَا فِيَّ عَنْ انْسِ بن مَالِكِ اَنَّ فَنَى مِنْ اَسُكُوقِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ الْمُعَادَ وَلَيْسَ فِي مَسَالُ اَتَجَهَّرُكِم فَالَ اذْكُفِ إِلَى فَكُلُونِ الْاَنْصَامِ فِي فَإِذَّ مَا قَدُهُ وَكُونَ مَنْ فَلُلُ لَمُ إِنَّ رَسُولَ اللهِ مَلَى اللهُ عَلَيْ مِ وَسَلَّمَ يَغُولُكَ السَّلَامَ وَفُلُ لَمُ إِذْ فَ مُ اللَّهُ وَاللهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّ

كك فثير.

كأبيك في لصّالوة عِنْكُ الْفُكُ وَمُمْنَ السَّفَرِ

١٤٨١ - حَكَّا نَنْ الْحَدَّدُ الْمُتَوَجِّلِ الْعَسْطَلَانِيُّ وَالْحَسَنُ الْمُتَوَجِّلِ الْعَسْطَلَانِيُّ وَالْحَسَنُ الْمُتَوَجِّلِ الْعَسْطَلَانِ وَالْحَسَنُ الْمُتَوَلِي اللهِ اللهِ عَلَى الْمُتَوَلِي اللهِ عَنْ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ عَنْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ

مِنْ سَفَرِ الْآنَهَامُ ا تَالَ الْحَسَنُ فِي الضَّلَىٰ فَإِذَا فَكِمَ مِنْ سَفَرِا نَى اَلْسَرْجِ كَا فَرَكَمَ فِيهُ مِ كُعَنَيْنِ ثُوْرَجَكَسَ فِيهُ -

کعب بن مالکُرض سے روایت سے کہ نبی صلی التُدعلیہ وسلم سفرسے واپس تشریف لائے تودن کے وقت آتے الحسن لاوی نے کہا کہ بوقت ہا نہ ہوئے۔ الحسن لاوی نے کہا کہ بوقت ہا نہ ہوئے۔ سفرسے واپس آتے تو مب بہ ہا کہ بوقت نماز ہوئے وہ سب سفرسے واپس آتے تو مب بہ کا حقتہ ہے جس میں کعرب اور اسب مدین کا حقتہ ہے جس میں کعرب اور ان سبے دونوں ساتھیوں کی تو ہد کی قبولیت کا ذکر ہے ۔ اوپر نمبر ۲۵۰ میں بھی اس مدیث کا ایک حقتہ گزرا ہے ۔ طویل مدیث صبح بین تھی اور حنفیہ کے نزد دیک طویل مدیث میں اور حنفیہ کے نزد دیک بیم ستے بہ بین دورکوت نفل بڑھ کر سفر وایات میں سفر کا الا وہ کر سنے وقت بھی گھر میں دورکوت نفل بڑھ کر سفر شروع کرنا مستحب آیا ہے۔ سیے میں اکہ بین شاقی سنے طرانی کی مدیث سے نقل کیا ہے ۔

١٤٨٧. كَ الْمَا الْمَا الْمَا الْمَا الْمَا الْمَا الْمُعَدَ الْمُعُومِ الْطُومِيُ الْمَا يُعُومُ الْمَا الله عَلَى الله

ٵڡڮ؋ٞڮڔٳڔٳڵؠڣٳڛۣ ڔڹؾؠڒ؎ؙٵڝڮٳڔڽٵٵؚ

مر ١٢٨٠ كَ الْمَا الْمَعْ الْمَا الْمَعْ الْمَا الْمَعْ الْمَا الْمَعْ الْمَا الْمَعْ الْمَا الْمَعْ اللهُ اللهُل

<u>დი ით განის გ</u>

فَيُنْتَقِصُ مِنْمُ .

البرىعىد فدرى شنية بايكرسول النه صلى الته وسلم كالدشادسة ، خبر دار تقسيم مي كمى كمر سنة بي البرستية المين المي المين كالمين حقي المين الم

عطاء بن بسارتے نبی صلی الشرعلیہ وسلم سے دمرسلًا اسی طرح روا بٹ کی ہے۔عطاء سنے کہا کہ ہرو ہخف سے جو لوگوں کی جماعتوں پر سردادیا عربیت یا منظم ہو، پس کچھ اس سے جستے میں سے بیلے کچھ اس سے منطقے میں سے نکال سے دگویا صبحے معنے میں بندر بانٹ کرسے کہ کہمی اِس بیّ سکے مبنے کا ٹکرڈا کچھ کاٹ سے اور جب و وسرا بڑھ مبائے تو اُ دہرسے کاٹ سے۔ وعلیٰ بْدَالقیاس ۔

بكنب في التجارة في الغنرو عزده مستعارت كاباب

١٤٨٥ حكا نك التربيع بن الغيم المعاوية ابن سلام عن ديها ابن سلام عن ديها ابن سلام عن ديها ابن سلام الته التربيع ابن سلام الته التربيع ابن سلام التربيع ابن سلام التربيع ابن سلام التربيع ابن التربيع الله التربيع التر

A LEGI CLECCOCCOLOGICO DE COLOGICO CON CONTROLOGICO DE COLOGICO DE

رَجِعُتُ ثَلَا تَمِا كُتِهِ أُوْقِبَةٍ فَقَالَ دُسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْمِ وَسَلَّحِ إِنَا أُنَبِّتُكَ

بعن بركت كريم فال ما هو بهارسول الله فال دكت بعد المصلوق.

عبيدات به سان سنه كهائم اس كورسول الله فال دكت به سعا معاسب من سعابك شخص ني تبايا
اس سنه كها بر حب مم سن خير فتح كيا تولول سنه ما ان اورقيدى وعنره جو بال غنيمت بل تقااست كا لااوراً بس
من بال غنيمت كي خريد وفرونت كم سنة يك بب رسول الشمل الشرعليه وسلم نمازيل عما چك توا يك شخص آيا اوركها المارسول الشرس سنة بن من الم يعنور سنة في اياد مستراجلا بارسول الشرس سنة بن ان نفع كما باسيم كه اس وادى والول بن سيمس سنه بن كها يا جعنور سنة في ما مس كيا به به موتو سنة كه تاريا بهون من كه تين سواك قيد نفع ما مس كيا به به به به بورسول الشرصلي الشرعليه وسلم سنة فرايا بير بستم اس سع بهتر نفع باسنة والما آدمى بنا تا بهول أس سنة بوجها يا يوال في سع سع من المناه و مي بنا تا بهول أس سنة بوجها يا يوال و و كما نفع سع من الشرع بالمناه و المناه و المناه

شیرے: بال ننیمت حب ککسی کی ملک دم ہومائے، اس کے سعقے میں نہ آمبائے اس کی خریدوؤ و نونت مبائز نہیں سے منوبی اسے ۔ نویر حب نوع ہو بیکا تو وہ دارالاسلام بن گیا ، حضو گرسنے ان کی ننیمت ان پرتقیم فر ا دی اور انہوں سے تجارت شروع کر دی ۔ مگرام کام منزوی کے بحاظ سے دور کعیت نما زم رحیز سے بہتر ہے ۔

٢٧٨٧ ـ كَلَّ نَكُ مُسَكَّدٌ نَاعِبْسَى بُنُ بُونِسَ مَا كَفِعَنُ كَفِي السَّخَقَ عَنَ ذِى الْجَوْشَنِ رَجُهِلِ مِنَ الظُّمَابِ قَالَ اتَبُثُ النَّبِيِّ صَلَّى اللَّهُ عَبَسُهِ وَسَلَّعَ بَعُمَ انُ فَرَغُ مِنَ اهْلِ بَهُ إِهِ بِنِ فَرَسٍ لِى بُقَالُ لَهَا الْقَرْحَاءُ فَقُلُتُ بَامُ حَمَّمُهُ إِنِّي قَنْ جِمْتَكَ بِابُنِ الْقَرْحَاءِ لِتَتَّخِمَةُ قَالَ لَا حَاجَةَ لِى فِيهُ فَاكَ شِمْتَ اَنُ اَ قِيفَ لَكَ بِهِ الْمُنْعَنَامَ لَهُ مِنْ دُرُوعٍ بَهُ إِفْعَلْتُ قَلَتُ مَا كُنْتُ أَقِيْضُهُ الْيَوْمَ بِنُولَةً مَنْ وَمَعْ مَنْ وَرُوعٍ بَهُ إِفْعَلَتُ قَلَتُ مَا كُنْتُ أَقِيْضُهُ الْيَوْمَ بِخُتَرَةٍ

قال فلکھا جگائی فہنے۔ منبآب کے ایک شخص ذی الجوش کا بیان ہے کہ نبی صلی اللہ علیہ قیلم جب اہل پدرسے فادع ہوئے تو می آکے پاس اپنا ایک گھوڑے کا بچہ لے کہ آیا جسے رگھوڑے کو ، قرصاً ، کہا جا تا تھا۔ پس میں سنے کہا: اسے فرکڈ! میں متہا رہے باس قرصاً ، کا بیٹالا یا ہوں تاکہ آپ سے سے لیس جھنو کہ نے فرما یا مجھے اس کی صرورت نہیں سیے۔ لیکن اگر تو مباہے

hairing of the commentation of the commentation of the commentation of the commentation of the comment of the c

کر میں بررکی منتخب نرر بہوں نیں سے اس سے عوض میں تجھے دوں تو میں ایسا کرتا بہوں بیں نے کہا کہ میں تو آجا سے آ کسی حان: غلام ، لوزاری یا گھوڑسے وغیرہ سے عوض تبریل کرنے کو تیار نئیں بہوں رچہ مبائے کہ زر بہوں کے عوض ؛ معنور سنے فرا ما کہ بھر مجھے اس کی کوئی صورت نئیں سے دمین احمدے

من مرح: خطآبی نے معالم السن میں کہ ہے کہ ذی انجوش کا یہ لقب اس سے مہوا کہ اس کا سینہ اکھ اس کی کنیت الوہم کا میں میں کہ سے کہ نوی انجوش کا یہ لقب اس سے معالم السن میں کہ اس نے عذر الموسل اللہ علیہ وسلم نے ذی الجوش کوا سلام کی دعوت دی مگراس نے عذر میں اس سے عذر میں ہے۔ کہ اللہ آپ کتبہ میہ غالب آ جا لمیں اور مکہ کو فتح کہ لمیں تو ممکن ہے میں گئی یہ دعوت ماں لوں۔ بھرا ہے نے فرا با: اسے طال: اس آ دمی کا تقیلا اوا ور مدینہ کی بہتریں تھجور رعجوہ کا زور او اسے دیوں۔ بھر اس سے بھر کہ میں اپنے مقال سے خوا با اسے دیاں ہے۔ بھر میں سے ب ذی الجوش نے کہ ایک میں اسے ایک بھر میں سے ب ذی الجوش نے کہ ایک میں اس اس سے ایک میں سے ب ذی الجوش سے باس میں میں میں ہوجا تا تو آ جا گر محمول سے باس سے باس

تنوی باب کے ساتھ مدیث کی مناسبت یہ کہ ذک آلجوش اس وقت کا فر تفار حضور اس کے بہترین گھوٹر ہے کہ موں میں اسے بنگ بدر کی غنیرت میں سے زرہیں دینے برآ مادہ مقے جوہ دادا بحرب میں سے ماتا اس سے معلوم موا کہ دشمن کے بائد سہ تعبار ہے بنا بازادا بحرب میں بھیار سے جائز نہیں کہ دادا ہحرب میں ہتھیا دیا کوئی اور چیز ہے مبائے جسے بنگ میں سلما نوں سے خلاف استعمال کیا مباسک ہو، اس میں ان کہ دادا ہحرب میں ہتھیا دیا کوئی اور چیز ہے مبائز کہ میں مسلما نوں سے خلاف استعمال کیا مباسک ہو، اس میں ان کی دار ہو تقت کو گھٹا میں اور ہر ممان طریقے سے ان کی قوت توڑیں۔ اس مدیث میں انقطاع اور ادر سال کا احتمال موجود سے بخاری اور ابوما تم سے کہ ان ما سے کہ ذی الجوش سے ابواسیا تی کی دوایت مرسل سے ۔ ما فظ ابن عبد البرنے کہا ہے کہ ابواسیا تی کا سماع ذی الجوش سے ثابت نہیں، ہال اس سے میٹے شریع شریع نام سے دوالجوش اسے اس سے سے دوالجوش اسے اس سے کہ ابواسیا تی کہ دوایت مرسل سے دوالجوش کا نام اوس، ہا خرجس یا عثمان کا تعالی کوئی دی الجوش اسے سے اس سے کہ ابواسیا تھا۔ ابوشمراس کی کنیت تھی۔ ذی الجوش اسے اس سے کہ کہ کا گرا کہ فارس کے بادر ناہ کہ کہ کی نوائی سے تو شن دار کے میں میں بہنا ما تھا۔

بَأُرْبِكِ فِل لِإِقَامَن مِ إِرْضِ الشِّمُكِ

مشركول كى مرزمين مي اقامت كا باب

٢٨ ٢٨ حكى نَكَ الْحُكَمَّ كَا بُكُ مَكَ الْكَ الْحُكَمَّ كَا الْكَ الْحَدَّ الْكَ اللّهِ عَلَى اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْكُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ الل

The control of the country of the control of the co

مَعُهُ فَإِنَّهُ مِثْلُهُ

سمرہ بن جندرے سے روا ریت سبے کہ رسول التّہ بسلی التّٰدعلیہ وسلم سنے فرمایا: بوشخص مشرکوں سے مباتھ جمع ہو ﴿ ودان کے ساتھ رائٹ افتیا دکرسے تو وہ اُس کی مانند سے ۔

شرسے: ظاہری معنی تو مدیث کا ساسنے سے کہ حوشخص دارا لحرب میں رسے گا وہ مٹرک ہی سمجا حاسئے گا۔ حب بھی سلمانوں آ اور مشرکوں میں جنگ ہوگی تو اس کا پتر ہز جل سکے گا کہ یہ کا فر سے یا مشرک سے۔ اس طرح جوشخص امل کفر کی شکل وشہات بابس، رفتار وگفتارا ورسٹیت و عادیت افتیا دکرسے تو وہ کا فر ہی سمجیا جائے گا۔ اس کی معرفت شکل ہو حباسے گی۔ کوئی ذکوئی چیز تو ایسی ہونی حزوری سیع جس سے اہل اسلام اورا ہل شرک وکفر میں اتمیا نہ ہو سکے۔ اہل اسلام کا عادات و خصائل، زبان و بیان شکل وصورت اور میٹیت ورسوم میں اہل کفر سے الگ تھلگ رہنا مقاصد پشر کا میں سے سبے۔ حکن تشریک بیٹ م فہری منہ کم نہ ۔

آخِرُ کِتَابِ الْجِهَادِ دنده ده ده ده

لِسُهِم اللِّيم السَّحُ لمنِ السَّرَحِيْمِيرُ

القل مي المهاب اور لا ه مديني بي -

بَابِ فِي إِنْجَابِ الْأَضَاحِي

بابة بانيون كواجب كران بواكا كميد المنكارية في الما المنكرية المنكرية المنكرية المنكرية المنكرية الكراكة المنكرية المنكرية الكراكة المنكرية المنكر

محنف بن بہتم سنے کہا کہم لوگ رسول الٹرصلی اسٹرعلیہ وسلم سے سابھ میدان عرفات میں وقوف کررسیے ستھے۔ معنور سنے فرمایا: اسے توگو اہر سال میں سرگھروا لول پر اصحیہ اور عشرہ سبے ۔ کیا تم جا سنٹے ہوکہ عشرہ کیا ہے ؟ حس سے متعلق لوگ کھتے ہس کہ وہ رجیبیہ سنے رتز نذی ابن ماحہ ،

اس مدیث کا داوی عامرا بی دماه محبول ہے۔ عبدالحق نے کہا کہ یہ ایک صنعیف مدیث ہے۔ آئندہ صدیثیوں میں معمان طور پر معاف طور پر فرع اور عتیرہ کی نفی عبنی نمانعت ہو جو دہے۔ امام مثافعی اور پہتی وغیر ہما نے کہا سبے کہ یہ احا دیث استحباب بہرد لالت کستی ہیں اور منع کی احادیث عدم وجو ب پر۔ بعض علماء سنے کہا کہ بہ مدیث آئندہ اصادیث سے مبیب سے منوخ ہے۔ فاصی عیا من سنے کہا کہ جا میر علماء کا بھی خیال سبے لیکن جزم و تقین کے مسابھ نسیح کا حکم نہیں لگایا جا سکتا جبت کے بدنہ ثابت ہو مباسے کہ منع کی احادیث متا نوم ہیں۔

مارى دىيل يدسى كرانتدنعا يطسف فرماياسى: فنصلِّ ليركدتنك والمنحن واس كى تغييريد كائن سع كر: نمازعيد

بر صاور قربان کراور طلق امروجوب کے سیے ہوتا ہے بین عمل کے اعتبار سے۔ اور حب نبی صلی التٰدعلیہ وسلم ہر قربانی وا جب موئی توامّت ہر بھی وا حب ہے کیو نکہ آپ امت کے بیے بیشوا اور اُسوا ہیں۔ اور نبی صلی التٰدعلیہ وسلم ہے ایک ہر مدیث بھی مروی ہے کہ آپ سے فربایا ، محکور ہے اکا اس مدیث بین قربانی کا حکم ہے اور مطلق امروبوب کے بیے ہوتا ہے۔ ایک اور مدیث میں ہے ، بوقر بانی ندکر سے وہ ہمادی عیدگاہ سے قرب بن سے اور مطلق امروبوب کے بیے ہوتا ہے۔ ایک اور مدیث میں ہے ، بوقر بانی ندکر سے وہ ہمادی عیدگاہ سے اور مدیث میں ہے کہ قربانی کی وہ اپنی قربان کی وہ اپنی قربان کہ سے اور مدیث میں سے کہ حضور علیہ العدالي ہ قوانسلام سنے فرمایا ، حس سنے نماز سے تبل قربانی کی وہ اپنی قربان دوبارہ کہ سے اور جس سے کہ قربان کی وہ بانی کو فرز کا کرنے کا حکم ہے اور دیکہ اُسے فرز کے کہا جا ہے۔ اور بی وجوب کی دلیل ہے ۔ اور مدیث میں جو یہ سے کہ قربان کہ ہم کہ موب سے کہ قربان کا فاصلہ ہے ۔ اور میں ہو تو ب کے در میان اتنا ہی فرق ہے جاتا کہ ذمی و اسکا کہ وہ بانی کہ نو میں ہوئی کیونکہ اس کا وجوب کہ در میان کا فاصلہ ہے ۔ اور بی فرق سے موب کہ کہ گوب شنگ نے اس سے وجوب کی نفی نہیں ہوئی کیونکہ اس کا وجوب سند سے نا ہو ہے ۔ اور بی وی کونکہ اُس کا وجوب سے نا ہو ہے ۔ اور بی وی کیونکہ اس کا وجوب سند سے نا ہو ہے ۔

حصنرت البو مکبروغرد منی التارعنها کے کسی مهال با دوسال مک قربانی نه دینے کا جها نتک سوال ہے، سواس کا باعث یہ سے کہ دورِخلا فت بیں ان کی گزران تنگ رہی ہے لہذا اس وقت قربانی واحب نه ہوتی تقی ۔ البومسعورُ انسان کی کا قول کتاب وسنت کے مقابلے میں کوئی حیثیت نہیں رکھتا ۔ ممکن ہے ان کی مرادیہ بھو کہ تجہ بربست ساقر صن مہونے کے بات قربانی واجب نہیں ۔ اور دار قطنی کی وہ مدیرے ضعیف ہے جس میں عفتور کا یہ ارشاد منقول ہے کہ تمین چیز میں جھ برزون اور بن می ماہر جعفی مشہور کذاب ہے۔ اور بنا بہن یہ اس کا داوی ماہر جعفی مشہور کذاب ہے۔

THER OF IMPARTS OF CECEPIC CECEPODD DEPOSITED TO THE PROPERTY OF THE PROPERTY

اورمونج کوائے اورموئے زیرنا ن کو صاف کر دیے بس ندا کے نز دیک یہ تیری قربانی کاتمام ہے۔ رسائی جن بیزوں کا بہاں ذکراً یا سے بیرمتحب میں .

منی سے بنی حرورہ دو دھ والا مانور سے بیسے بلور تبرع کسی کو دودھ پینے کے سابے دسے دیا بائے بوال کرنے والے کی عرص مثا یدیہ می کراگرا ور مانور مذہلے تو اس نبیحہ کو ہی ذبر کے کہ ڈالوں۔ اس مدیث سے بتہ مبلاکہ فربانی ہر ہر فر دیر واحب نہیں ملکہ اس سے وجوب سے کیے شرائط میں .

بالم الكُفيجية في الكيتين ميت كالمن سافرون كاباب

٠٧٠٠ حَكَ ثَنَا عُنَاكُ مُنَى اَبِى شَيْبَةَ قَالَ نَا شَرِيكٌ عَنُ اَ بِهِ الْحَسَنَاءِ عِنِ النَّكَ كَبُونَ النَّهُ عَنُهُ يَضَعِي عَنْ مَنْ النَّهُ عَنْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْكُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْكُ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْكُ الْمُ عَلَيْكُ اللَّهُ عَلَيْكُ اللَّهُ عَلَيْكُ اللَّهُ عَلَيْكُ الْمُعْتَى اللَّهُ عَلَيْكُ الْمُعْتَى اللَّهُ عَلَيْكُمْ عَلَيْ الْمُعْتَلِي اللَّهُ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَى اللْعُلِمُ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَى اللَّهُ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَى الْمُعْتَلِمُ عَلَيْكُمْ عَلَى الْمُعْتَلِقُ عَلَى الْمُعْتَلِقُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْكُ الْمُعْتَلِقُ عَلَى الْعُلِمُ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَى الْمُلِمُ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمُ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَى اللَّهُ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُ عَلَيْكُمُ عَلَيْكُمُ عَلِي مُعْتَلِمُ عَلَيْكُمُ عَلِي عَلَيْكُ

معنش سنے کہا کہ میں سنے علی میں کو دیکھا کہ انہوں سنے دو مینڈ سصے قربان کئے۔ بس میں سنے ان سے بُو بھا کہ یہ کیا سے ؟ توعلی میں سنے کہا کہ دوں سنے ہوئی کیا کہ وں کیا سے ؟ توعلی میں سنے کہا کہ دسول الٹرمیلی الٹرمیلی الٹر میلی منٹی منظم فیہ سبے ۔ میت کی طرف سعے قربانی کرتا ہوں (تر مذی) منٹی منظم فیہ سبے ۔ میت کی طرف سعے قربانی کرتا ہوں (تر مذی) منٹی منظم فیہ سبے ۔ میت کی طرف سعے قربانی کرتا ہوں (تر مذی) منٹی منٹی منظم فیہ سبے ۔ میت کی طرف سعے قربانی میانی کے اس میں کہی کا مختلا و نہیں ۔

بَاسِبِ السِّحِبِلِ بِمَا حَمْدُ مِنْ مِنْ فِي الْعَشْرِوهِ وَرَوْدَ وَرَجَيْدًا مِنْ مَا لِكُونِ مِنْ الْمُعْدِدِةِ فِي الْعَشْرِوهِ وَرَدِي الْمُعْدِدِةِ فِي الْعَشْرِوهِ وَرَدِي الْمُحْدِدِةِ فِي الْعَشْرِدِةِ وَلَا اللَّهِ وَمُرْدِي اللَّهِ مِنْ اللَّهِ وَمُرْدِي اللَّهِ مِنْ اللَّهِ وَمُرْدِي اللَّهِ وَمُنْ اللَّهِ وَمُنْ اللَّهِ وَمُرْدِي اللَّهِ وَمُنْ اللَّهُ وَمُنْ اللَّهِ وَمُنْ اللَّهُ وَمُنْ اللَّهِ وَمُنْ اللَّهُ وَمُنْ اللَّهُ اللَّهِ وَمُنْ اللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّا لِمُنْ اللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّالِمُ اللَّهُ وَاللَّهُ وَالْمُعُلِّمُ اللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّ

٢٤٩١ - كَلَّا نَنْ عُمْدِهِ اللَّهِ بَنُ مُعَاذِ قَالَ اللَّهِ اللَّهِ عَمْدِهِ عَلَى اللَّهِ عَمْدِهِ عَالَ اللَّهِ عَلَى اللَّهِ عَمْدُهِ اللَّهِ عَمْدُهُ اللَّهِ عَمْدُهُ اللَّهِ عَمْدُهُ اللَّهِ عَمْدُهُ اللَّهِ عَمْدُهُ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ مَنْ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ مَنْ كَانَ لَهُ ذِي مُحْدِيدُ وَسَلَّمَ مَنْ كَانَ لَهُ ذِي مُحْدِيدٌ وَسَلَّمَ مَنْ كَانَ لَهُ ذِي مُحْدِيدٌ فَلَا يَا حُنْ اللَّهُ عَلَيْهِ وَلَا مِنْ اللَّهُ عَلَيْهُ وَلِي مِنْ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللْهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللْعُلِي اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللْعُلِي اللَّهُ عَلَيْهُ اللْعُلِي اللَّهُ عَلَيْهُ اللْهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللْعُلِي اللْعُلِي اللْعُلِي اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللْعُلِي الللْهُ اللَّهُ الللْعُلِي اللْعُلِي اللْعُلِي اللَّهُ اللْعُلِي اللْعُلِي اللَّهُ اللْعُلِي اللْعُلِي الللْعُلِي الللْعُلِي اللْعُلِي اللْعُلِي اللْعُلِي الللْعُلِي الللْعُلِي اللْعُلِي الللْعُلِي الللْعُلِي الللْعُلِي الللْعُلِي الللْعُلِي الللللْعُلِي اللْعُلِي الللْعُلِي الللْعُلِي الللْعُلِي الللْعُلِي الللْعُلِي الللْعُلِي الل

حصرت امسلم فرماتی تقیس که رسول الله مسلی الله علیه وسلم نے فرمایا کوم شخص کے پاس فریح کرنے کو قربانی ہے اللہ م میں حبب فری المجمد کا جا ند سرط سے تووہ قربانی دسنے تک اسنے بال اور ناخن مذکو لئے دمسلم، تریزی، نساتی ہوداؤد کی نے کہا کہ حدیث کا داوی عروبی مسلم بن اکیمہ لیٹی جندعی سے ۔اور اس کے نام میں اختلات ہواہے۔

مَا يُسْتَحُبُ مِنَ الضَّعَابَا

كون سى قربانيال مستحب بين اس كا باب

IN LOCAL CALCALLE AND ELLES EN TOTO DE PRESENDE PARA LA PROPERTA DE LA PROPERTA DEL PROPERTA DE LA PROPERTA DE LA PROPERTA DEL PROPERTA DE LA PROPERTA DEL PROPERTA DE LA PROPERTA DE LA PROPERTA DE LA PROPERTA DE LA PROPERTA DEL PROPERTA DE LA PORTA DE LA PROPERTA DE LA PORTA DE LA PROPERTA DE LA PROPERTA DE LA PORTA DE LA PORTA DEL PR

ا مّت سے قبول فرما، پھراُسے ذرکے کردیا (مسلم) شہرے : ایک ہی قربانی سے ٹواب میں بہت سے لوگ شریک ہوسکتے ہیں۔ اگر قربانی وا حب ہموتو ایک گھرکے مرکزہ کی طوف سے دی گئی قربانی اس سے مسب گھروالوں کی طرف سے ادا ہموجاتی سے ۔ اگلی صدریث سے بہتہ جباتا سے کہ یہ دو مینٹر سے سقے ۔ ایک کو آئے سنے اپنی اور اپنے گھروالوں کی طوف سے اور دوسرے کو امّت کی طوب سے قربان فرمایا ۔ اس کا مطلب پر نہیں کہ مباری اتمت مہر اب قربانی وا حب بڑر ہی ۔ بلکہ مطلب پر سے کہ ٹواب میں سب شامل مہو سکئے ۔ یہ بحث الگ سبے کہ آیا مفور مربائس وقت قربانی وا حب بھی یا نہیں ؟

سرورود كَلَّى فَكُنَّ الْمُوْسَى بُنُ إِسْمِعِيثُ لَى فَالَ مَا وُهَيْبُ عَنَ الْيُوْبَ عَنَ أَفِى قِلْابَةَ عَنَ انْسِ اَتَّ النَّبِي صَلَى اللهُ عَلَيْسِ وَسَلَّوَ نَحَرَ سَبْعَ بَا مَا عَنِ بِيهِ مِ فِيهَامًا وَضَحَى بِالْمَهِ أَيْمَ يَكِبُ شَيْنِ اَقْرَنَيْنِ اَمُلَكَيْنِ -

ا نس طسع ددایت سبے کہ نبی صلی الٹدعلیہ وسلم سنے ممات اونٹ نخر کئے جبکہ وہ کھڑسے سقے اور مدینہ میں ڈو سنیگوں واسے سیاہ وسفید منیٹر سصے قربان سکئے دبخاری مہولا واقعہ خالاً باکمۃ کاسبے۔ اونٹ کو کھڑا کر سکے نخرکہ نا اور دومرسے جا نوروں کو ٹٹاکر ذبح کمہ نامسنون سبے۔ اس کی بعف تعاصیل کتاب الجج میں گذرگئی ہیں۔

م ٢٠٩ - كَلَّا ثَنَا مُسُلِمُ بِنُ إِبْرَاهِ يَكُونَاهِ فَا مَنَا دَةً عَنُ أَنْسِ أَنَّ السَّرِي صَلَى اللهُ عَنْ أَنْسِ أَنَّ اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ أَنْسِ أَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى مَا مُسَلِّمُ وَكُلِي اللهُ عَلَى مَا مُسَلِّمُ وَكُلِي اللهُ عَلَى مَا مُسَلِّمُ وَكُلِي اللهُ عَلَى مَا مُسَلِّمُ اللهُ اللهُ عَلَى مَا مُسَلِّمُ اللهُ اللهُ

ا نسی سے روا برت سبے کہ نبی صلی الٹ علیہ وسلم نے دوسینگ دارسیا ہ وسفید میز ڈسھے قر بان سکئے۔ آپ ذ برح کر رسبے سقے تکبیر کھتے اورا لٹند کا نام لیستے ستھے دلعبی ہم الٹروالٹ اکبرے اور اپنا پاؤں ان سکے منہ کی ایک طرف میہ سر کھتے سکھے (مسلم ، تر مَدَی ، نسانی ، ابن ما تبہ)

٢٠٩٥ - كَلَّا ثَكُنَّا إِبُرَاهِ يُهُورُنُ مُوسَى التَّرانِ فَى قَالَ نَاعِشِلَى قَالَ اللَّهِ قَالَ بَنَ اللَّهِ قَالَ اللَّهِ قَالَ وَعَهُ اللَّهِ عَنْ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ الْمُؤْلِمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُؤْلِمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُ اللَّهُ الْمُؤْلِمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللْهُ اللَّهُ الْمُؤْلِمُ اللَّهُ الْمُؤْلِمُ الْمُؤْلِمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُؤْلِمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللللْمُ الللْمُ اللللْمُ اللللْمُ الللْمُ اللللْمُ اللللللْمُ اللللْمُ اللَّهُ اللَّهُ الللْمُ اللللْمُ اللللْمُ اللللْمُ اللللْمُ اللللْمُ اللللْمُ اللللْمُ الللللْمُ اللللْمُ الللللْمُ الللْمُ الللْمُ اللللْمُ الللْمُ الللْمُ الللللْمُ اللللْمُ الللللْمُ اللللْمُ

مسم في و عَدَّياى و مسكاتي لله رَبِّ الْعَلَمِينَ لَا سَرْدِيكَ لَمَ وَمِنْ لِلهِ وَاللّهِ الْعِرْدِيقَ وَالْعَلَمُ وَالْعَلَمُ وَاللّهِ الْعَرْدِيقَ وَاللّهِ الْعَرْدِيقِ وَاللّهِ اللّهِ الْعَرْدِيقِ وَاللّهِ اللّهِ اللهِ اللّهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ الل

رو ٤٩٠ رَحَكُا نَكَ اَ يَكُ مَنَ مَعِيْنِ قَالَ نَاحَفُصٌ عَنْ جَعْفِرِعَنْ آبِيهِ عَنْ اَبِيهِ عَنْ اللهُ عَدْمِهِ مِنْ اللهُ عَدْمِهِ وَسَلَّمَ بُهُمْ يَى اللهُ عَلَيْ مِنْ اللهُ عَلَيْ مَنْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ

بععفرنے اپنے باپ دمی آلباقر سے سے اوراس نے ابوسعیلٹ سے روایت کی۔ اس نے کہاکہ دسول الٹرسلی الٹرس علیہ وسلم سینگوں والے مدنڈ سصے کو جونعسی نہ ہوتا قر بان کرتے سقے۔ اس کی آ نکھیں ریبنی ان کا ماسول سیاہ اور نہریا، اور پاؤں سیاہ ہوتے ہتھے دیتہ نہری، نسانی، ابن مآجہ ساس سے معلوم ہوا کہ حفوظ سنے نصبی اور عیرخصی دونول طرح کے میا نور قربان سکٹے ہیں ۔

كابك مًا بجوزهن السِّنِّ في الصُّحَاياً زبانوں كا مائز عروں كاباب

٧٩٧ حكى فَكَ اَحْمَدُ كُنُ اَبِي شُعَيْبِ الْحَرَّانِيُّ فَالْ اَنُوهَيْرُبُنُ مُعَ وَبَرَّا فَالْ اَلْهُ عَلَيْ الْمُعَدِّوَ فَالَ اَلَّهِ صَلَى اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ الْمُعَدِّوَ اللَّهِ عَلَيْ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللللْمُواللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللْمُ اللَّهُ اللللْمُ اللَّهُ اللللْمُ اللللْمُ

جا بریشنے کہا کہ دسول انٹرصلی انٹرعلیہ وسلم نے فرمایا: صروب وہ مجا نور ذربے کروہ چوکٹے ڈٹنی یا دوندا) بہو، لیکن اگر بھیط یا دُنبمُستہ بزسطے توجذ عہ ذربح کردو دمسلم، نسائی، ابن ما تھیں

متی ہے۔ اونٹ کا مُستہ وہ ہے جو پا کچ سال کمل کر کے چھٹے میں دا طل ہوگیا ہو، گائے جینس میں سے جو دوسال پورے کو کر کے تیمیہ سے بارے سال کمل کر کے دوسر سے میں قدم رکھ جبکا ہو۔ قربانی صرف اونٹ، گائے ہیں داخل ہو جبکا ہوا ور بھر طرک کی جا گئے ہیں سے ایک سال کمل کر کے دوسر سے میں قدم رکھ جبکا ہو۔ قربانی صرف اونٹ کا سے جا گزشے اور وہ جبر ما ممکن کر کے ساتھ ہیں گائے گی ایک تسم سے ۔ جذب جربالا تعاق جا گزش میں داخل ہوگیا ہو، بکری سے جند عربالا تعاق جا گئے میں داخل ہوگیا ہو، بکری سے جند عربالا تعاق جا گئے میں سے جبر جب جو مناصا موطا تازہ ہوا ور بنا ہرایک سال کا گئے۔ نو وی منے کہ اکرا مت کا اس میں اجماع سے کرمناک میں سے ہر حال ہوئے ہمائے ہو۔ ہا ں اور نہری سے صرف اس میورت میں جذب کو جا گزر ہے۔ ہاں اور نہری سے صرف اس میورت میں جذب کو جا گزر کا سے مستحب پہنے کہ مناک تھے کہ وائنز دکھا ہے کہ اس سے برای میں جب کرمنا کا در جب کہ درکے میں جب درکے کن دریک مید سے میں قدید اتعاق ہے، بعنی ہر صورت اس عرکا گذر ہوائز ہے۔

مه ١٠٤ حسل الكُن عَبُ الكُن عَبُ الكُن عَالَ الكَاعَبُ الكَاعَلَى الكَاعَلَى الكَاعَلَى الكَاعَلَى الكَاعَلَى الكَاعَبُ الكَاعِلَى الكَاعَبُ الكَاعَلَى الكَاعَبُ الكَاعَلَى الكَاعَبُ الكَاعِلَى الكَاعِبُ الكَاعُبُ الكَاعِبُ اللهُ الكَاعِبُ الكَاعِبُ الكَاعِبُ اللهُ الكَاعِبُ اللهُ الكَاعِبُ الكَاعِبُ الكَاعِبُ الكَاعُبُ الكَاعِبُ الكَاعُلُولِ الكَاعِبُ اللْعُلِمُ اللْعُلِم

ندیدبن خالاہ جنی ہے کہاکہ دیسول الٹرصلی لٹرعلیہ وسلم نے اسپنے اصحاب میں قربانی کے مبانود تقسیم فر ما ہے۔ پھر تھے ایک جمپوڈی مکری عطافہ مائی بچرششش مام ہمتی ، لپس میں اسے ہے کرا ہے کے باس آیا اور عرض کیا کہ یہ تو مبت سے۔ آپ سنے فرمایا ، تواسسے قربان کر دسے ۔ لپس میں نے اسے قربان کیا دبخاری ، مسلم ، تر نہ تری ابن ما مرد مسار صحد میں یہ قصتہ عقابہ بن عامر جہنی سے منقول سے مہتی کی روایت میں ہے اصفا فہ سے کہ : تیر سے بعداس میں کسے سے منعوب ، نہم کی ۔

شرح، عتقدای سالہ کمری کو کھنے میں جوئچ جگ کرکا نی موٹی تازی ہوجکی ہو۔ غالبًا پرچھوٹی نسل کی کبری ہوگی جیسے کہ ہما رسے مکس میں آج کل بہت جھوٹی نسل کی جھوسٹے قدکی کبریاں پاسنے کا دواج ہے۔ ابن بطال نے کہا سے کہ تو ہو پنج ماہر کبری ہوتی ہے۔ جمہور سکے ننز دیک مذع رمبند عدنہ یں کی سالہ کبری ہے۔ بوگوں نے اس کی عممیل ختان ت کیا ہے مثلاً: مشمق ما ہم ، مہنت ماہم ، وہ ماہم ، وکیع نے شفس ماہد با ہفت ماہد کھا ہے۔ عرص کبری کی مبتری کی عمر میں مہت اختلا منہ ہے۔ حافظ ابن تجریف کھا ہے کہ کہری کا جذع کی سمالہ ہوتا ہے۔ پس اگراس کی عمر کم بھی توہر وابت بہتی

A CONTROL OF THE CONT

عاصِم بْنِ كُلِيْبِ عَنْ آبِيْنِ فَال كُنَّ مَعْ دَجُلِ مِنْ آصُحَافِ النَّبِي صَلَى اللهُ عَلَيْهِ مَعْ وَجُلِ مِنْ آصُحَافِ النَّبِي صَلَى اللهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ كُنُو مَعْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ كُنُو فَا مَرَصَنَا وَبَا فَنَا لَحْى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ كُنُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ كُانَ يَقُولُ إِنَّ الْجَنْمُ وَاللَّهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ كَانَ يَقُولُ إِنَّ الْجَنْمُ وَاللَّهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ كَانَ يَقُولُ إِنَّ الْجَنْمُ وَالْمَعْلِي اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ كَانَ يَقُولُ إِنَّ الْجَنْمُ وَالْمَعْلِي اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ كَانَ يَقُولُ إِنَّ الْجَنْمُ وَلَى مَتَا الْجُوفِي مِنْهُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ عَلَيْهِ وَمَعْ عَلَيْهِ وَمَعْ عَلَيْهِ وَمَعْ عَلَيْهُ وَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَمَعْ عَلَيْهِ وَمَعْ عَلَيْهُ وَلَا عَلَيْهِ وَمَعْ عَلَيْهُ وَلَا عَلَيْهُ وَمِعْ عَلَيْهُ وَمِنْ عَلَيْهِ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَلِمَ عَلَيْهُ وَلَا عَلَيْهِ عَلَيْهُ وَلَيْهُ وَلَا عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَالْمَعِلَى الللهُ عَلَيْهُ وَلَا عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَالْمَ عَلَيْهُ وَلَالْ اللهُ وَلِمَ عَلَيْهُ وَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَلَا عَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَلَا عَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ الللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَلَا عَلَيْهُ عَلَيْهُ وَلَمْ عَلَيْهُ الللهُ عَلَيْهُ وَلَا عَلَيْهُ وَلَى اللهُ اللهُ الْعَلَى اللهُ عَلَيْهُ الللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ عَلَى اللهُ ال

مَن صَلَّى صَلَّى صَلَّا مَسُنَكُ مُسَنَكُ وَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْ مِ وَسَلَّهُ وَالنَّوْرِ بَعِكَ الصَّلَا وَ فَالَ السَّارِ وَ فَالَ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ الل

بلاً مُنْ نَهُ لَكُهُ الدُّمْ الدُّمْ الدُّعَلِيه وسلم سَنْ مِهِ الدُّمْ مِنْ مَا ذِک بعد مُعَلَمْ دیا تو فر ما یا جو ہماری مَا ذَرِّ ہِ الدِّمِ مِنْ مَا ذِکْ مِعْ طَلِیّة بالیا ۔ اور جس سنے تماذ سے بہلے قر بانی کا صحح طریقہ بالیا ۔ اور جس سنے تماذ سے بہلے قر بانی کا صحح طریقہ بالیا ۔ اور جس سنے تماذ سے تہا خری ہوئی ۔ بس الو ہر بڑہ ہیں نیارا تھا اور کہا یا دسول اللہ میں سنے تماذ سے تعلی قربانی دی تھی اور میں سنے مبا ناکہ آج کا دن کھائے نے پیننے کا سیماس سیے میں نے مبلدی کی اور خود بھی کہا یا اور اپنے اہل وسیال اور ہمسالوں کو بھی کھلایا ۔ بس دسول اللہ مسلی اللہ علیہ وہنگم سنے فرمایا کہ وہ تو گو شہت کی بکر دی تھی۔

HERECECULOCECOCCECOCCECOCCECECON PROPER PROPER PROPER PROPER PROPERTY PROPE

نن إنى داؤ دجله يجارم تختاب لامنامي دىنكەقر بانى كى بىپ اس نےكماكەمىرىے باس ايك مىال سىے كم كى مكرى سے اور وەگوشت كى دوبكر بوپ سے بہتر سے سوکیا میری طرف سے وہ کا نی سبے ؟ فر مایا ہاں! سکن تیرے بعد کسی اور کی طرف سے سرگندکا نی نرمبوگی دبخارتی، مسلّم، ترمنّر شرح : خطاتی نے معالم اسن میں کہاہے کہ اس مدبث کی دُوسے پک سالہ مکری سے کم عرکی کسی کی طوف سے حاکز نہیں ا وراس میں کوئی اختیا ہے۔ مہا کہ کہ کے سالہ کمبری حائز سبے۔ اوراکٹر اہل علم نے کہا کہ تصبیح و منبرا یک ممال سبے کم عمر کا حائز سے لیکن بعبن سنے اس میں بیرٹسرط لگائی ہے کہ وہ جیم ومہان کا بڑا سے نسری کے متعلق بیان کیا گیا سبے کہا س سنے کہا تھی ط^ور ہو نہر، تھیترا تھیا *بیب س*ال سے کم کا حائز نہیں،حبیباگرا ونٹ،گائے تھینس وعنیرہ میں مال س**ے ک**ہم**قررہ عمر رثنی، دو** نلا ، سسے کم جائز نہیں ہے۔ اوراس مدمیث سے یہ بھی معلوم ہوا کہ نما نہ عبدسے پہلے قربانی کوذ بح کرنا حافمذنہیں۔ اکٹڑا ہل علم کامپح ندنہب ہے کہا مام کے نماز بڑھ صلینے سے قبل قربانی ذبح کر نا جائز نہیں ہے۔ بعن نے نماز پڑھ کر واہیں آجا کئے گی اور تعف بنيا الم ك نحر ياذ بح كي شرط لكائي سيد اوراس براحماع سي كه ملوع شمس سع قبل جائز نهي . البدائع میں ہے کہ قربانی کاوقت یوم اسخر کے پہلے دن طلوع فجرنانی کے بعد سے سکی شہریوں کے سیے ایک شرط ندائدسےاوروہ یک نمازعید کے بعدمواس سے پہلے نہوا وریہ مدنیٹ اُس کی دبیل ہے ۔ اور یہونکہ شہر کے باہروالوں کے بیعے نمازعید بنس لہذاان کے حق میں پرتر تیپ ثابت نہیں سے آگرامام نماز عبد کونمؤ خرکر ڈسے رشہر کویں سکے سیے ، توبھی نصعت ا نہما ر تک کی سے سیے قربانی کا ذرمے کہ نا حائمۂ نہیں سے۔ لیکن اگرامام جان ہوجہ کمریما نرعیب مؤخركمے يا ترك كردے تولوكوں كے سيے زوال شمس بر قرباني كاوقت شروع موجائے گا۔ ١٠ حكا ثناً مُسَكَّدً نَاخَالِلُا عَنْ مَطِرِّنِ عَنْ عَامِرِعَنِ البَرَاءِ بْنِ عَاذِبِ قَالَ ضَتَّى خَالٌ لِيُ بُنِفَالُ لَمُ اَبُوْ بُرُدَةً كَبُلَ الصَّلاةِ فَقَالَ لَمُ رَسُولُ اللَّهِ صَلَّى اللّهُ عَكَبُهِ وَسَلَّحَ شَاتُكَ شَاتُهُ لَعُيمِ فَقَالَ بَارُسُولَ اللهِ إِنَّ عِنْدِى دَاجِنًا جَنْ عَتُمِ الْمَعْزِفْقَالَ اذْبَحْهَا وَلَاتَصْكُولِغَيْرِكَ ـ بلاح بن مازپ نے کہاکہ میرےایک ماموں نے ہے۔ ابورزم کہاجا تا تھا،نماز سے قبل قر مانی کوذ زمح کردما تو رمول التهوسلى الشدوسلم لمنفاس سصفرما ياكه تبرى قربانى فقط گوشت خورى كاسامان سبىر- وه لولاكه يارسول الشدم يرسيدياس ايك یلی بوئی سفش ما بر مکری سے حضور کے فر مایا کرتوا سے ذریح کردے لیکن ترسے علاوہ کسی ورسکے لیے روا نہیں دکھو تکروہ ا یک مرتبرتوغلطی سے سبے وقت ذ برکے کہ ہی جیکا تھا لہذا بطوز مصوصیت کم عمرکا جا نوداس سکے سینے روار کھاگیا ۔آبوبروُھُ كانام إنى بن خيار عا يه بوزما ياكروه مرى فقط كوشت كهاف كي تيزيداس كاسبب ظام رسي كروه وباني تومو ئي نهیں اور اب صرف اس کا گوشت عام جا نوروں کی ماند کھایا گیا ہوگا) مشحے: بنولِ مولَائنًا ما فظا بن حجرسنے کہاسے کہ اس مدیث سے ثا بت ہوا کہ کم عمر کی مکری کا بجازے وب ابورڈ ہ

کی خصوصیت تھا، مگر بعض دوسری احادیث میں اس کی نظیر دوسروں سے پیے بھی ٹا بت ہے۔ عقبہ گن عامر کی حدیث میں بھی اسی قسم سے الفاظ میں دمسندا حمد از بد بن خالرجہ بی کے بیے بھی معنوٹ نے کم عمر کے جانور میں اجازت دی تی گو خصوصیت کیسے ہوسکتی ہے بمطلب یہ سمجھا جاسٹے گا کہ یہ الفاظ رخصت کے تقے اور احادیث میں جاریا با با بچ اصحاب کے بیے اس قسم کی رخصمت ٹا بت ہے۔ ہاں جمعین کی حدیث میں شخصیص کے الفاظ رخصت کے تقے اور احادیث میں جاریا با بچ اصحاب کے بیے اس قسم کی رخصمت ٹا بت ہے۔ ہاں جمعین کی حدیث میں شخصیص کے الفاظ حرص الوہ بریش کی حدیث ہیں اور مہتی میں عقبہ بڑنا عامر کے بلیے ذریع ہی معلام کے لئے رسول الشرصلی میں بہت ہوجے توصرف دوا شخاص کو بلوہ خصوصیت احادیث دی گئی اور دوروں سے بیا جا ازت شمسوخ کردی گئی اور دوروں سے بیا جا ازت شمسوخ کردی گئی ، بیر دوحضرات الوہ دورون اختاص کو بلوہ خصوصیت احادیث دی گئی اور دوروں سے بیا جا ازت شمسوخ کردی گئی ، بیر دوحضرات الوہ بردی الفا اور حقیہ گئی عامر ہے۔

بَابِ مَا يُكُرِهُ مِنَ الصَّعَايَا كروة الله الأراكة من الصَّعَايَا

٢٠٠٢ حكى نَعْنَ حَفُصُ بَنُ عُمَرَ النَّمْرِيُّ قَالَ سَنَا لَكُ الْكُاءَ بَنَ عَلَى اللَّهُ الْكُونُ الْكُونَ الْكُونَ الْكُونُ الْكُونَ اللَّهُ عَلَيْهِ وَكَالَ اللَّهُ وَكُونَ فِي الْاَسْتِي اللَّهُ عَلَيْهِ وَكَالَ اللَّهُ وَلَا عَلَيْهُ وَلَا اللَّهُ وَلَا اللَّهُ وَلَا اللَّهُ وَلَا اللَّهُ وَكُونُ فِي اللَّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ وَلَا اللَّهُ وَلَا اللَّهُ وَلَا اللَّهُ وَلَا اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ وَلَا اللَّهُ وَلَا اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ وَلَا اللَّهُ الللَّهُ ال

عبیدبن فیروندسنے کہاکہ میں نے بہاء بن عاز بسسے ہو تھاکہ کو نسی ڈ با نیاں نا جائز ہیں تواس نے کہاکہ جناب رسول انسمسلی انسرعیلہ وسلم ہم میں کھڑسے ہوئے، اورمیری انگلیاں آپ کی انگلیوں سے تھو نٹا اورمیری پوری آپ کی بوروں سے جھونٹا ہیں ، لیپ حسنو گر نے فرایا : قربا نیوں میں جارجانور جائز نہیں ، رکا نا جا نورجس کا کا نا پن واضح ہو دم، مربین جانورجس کامرض واضح ہو (س) لنگوا جانورجس کا ننگوا ہیں واضح ہو دہم ، اور بوڑھا جانورجس کی ہانوں میں گودا کس شہیں دیا ۔ عبدراوی نے کہاکہ میں نے براء سے کہا : میں اس بات کو نا بسندگر تا ہوں کہ اس کی عربیں کو ئی نقیس ہو۔ کس برادشنے کہا : جو تھے نا بسند ہوا سے جھوڑ وسے اور اسسے کہی اور برحرام مست کھرا ۔ ابوداؤ د نے کہ کہ مدید شرک

ىغظ: لُاّ تنقى كامعنى يبسيح كهاس بس گُوُ داىز بهود ترىزى، نسائ، بۇ ظَا ؛

مشی سے اس رید بیٹ سے بیتہ میلاکہ قربانی کے مبانور میں اگر کوئی معمولی نقف ہوتو و و معاف ہے، کیونکہ حضور کاارشاد یہ سے کہجس کا کا نا ہی، تنگرا ہیں اور مرض باسکل وا صح اور لحا سر بہووہ صائز نہیں اس کا مطلب بہ ہواکہ اگر ریفائص وا ضحا ودظاِ سرندمہوں توقر بانی ہوما سے گی اسی طرح مہت ہی ہوٹھا جا نورحس کی بڑیاں کے نشکک ہومکی ہوں مها تُونه میں ، مگراس سے کم اگر عرمیں زائد ہو تو حرج ہنگی ۔ دین کا معا ملہ دراصل آسانی پر مبنی سیے۔ جانور کی بھا دی **وامنع ہواس سےمرا دوہ حانور سیے بس سنے تھے۔ نااور کھا نا بینا تھوٹا دیا ہو، ظاہر سے کہاس کی قربانی کا مطلب موا سٹے** ا بنے کپ کوفریب دینے کے اور کچھ نہیں ۔ مُکبیّد را وی کے سوال کا منشا ، یہ تقاکر میں احتیا طاکسی مَانور کو قربان نہیں کرنا می ستا مبا دااس مس کوئی خوابی ہو ۔ برا کا سنے بوجواب دیا وہ دین کی رُوح کے عین مطابق سیے کہ دین کا معاملہ وہم و گمان مرمبی نهیں .ا دراگر کوئی شخص اکیے ما نور کو سپندنہیں کرنا اقداس ما نور کی قربا نی حائمز بھی سیے توکسی سبب نا بین دکر سف واسے کا بہت نہیں کرد وسرول ہے تھی اس کا دروازہ بند کردسے ۔

 ٣٠ - حَكَمَا نَنْكُ إِبْوَاهِ يُحْرَبُنُ مُوْسِى التَّااِزِيِّ قَالَ أَخْبَرَنَاح وَحَتَّ شَنَا عَلِي مِنْ بَحُونَا عِيْسَى المَعْنَىٰ عَنْ ثَوْيِ فَالَ حَتَاتَٰ بِي ٱبُوْحُمَيْدِ الرَّعَيْنِيُّ قَالَ ٱخْبَرْنِيُ يَنِرِيُكُ أُدُو مِصْمَ قَالَ أَتَيْتُ عَتُبَةَ بْنَ عَبْدِ السُّكَمِيَّ فَقُلْتُ يَا أَبَا الْوَلِيْدِ إِنِّي خَرَجْتُ اَلْتُمِسُ الضَّعَايَافَكُوْ آجِهُ شُيًّا بْعَجِبْنِي غَيْرَتْرُمَاءَ فَكُرِهُتُهَا فَمَا تَقُولُ فَعَالَ ا فَكَلّ جِتُنَكِيْ بِهَا فَلْتُ سُبْعَاكَ اللهِ نَجُورُعَنَكَ وَلَا تَجُونُ عَنِيْ قَالَ نَعَمُ إِنَّكَ تَشْكَ وَلَا مَشُكٌّ إِنَّمَا مَكُى رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْ مِ وَسَلَّمَ عَن الْمُصْفَرَةِ وَالْمُثَا صِلَيْ وَالْبَخْفَاءِ وَالْمُشَيَّعَةِ وَالْكُسُرَاءِ فَالْمُصْفَرَةُ الَّتِي تَسْتَاصُلُ أَدُّنُهَا حَتَّى يَبِيُ كُلَطَ عَمَاحُهَا وَالْمُسْتَاعِمِلُةُ الَّتِي يُسْتَاصَلُ قَرْنِهَامِنُ اَصْلِهِ وَالْبَغُقَاءُ الَّتِي يُبْخَق عَبِنُهَا وَالْمُشَيِّعَةِ (لَّذِي لَا تَتْبَعُ الْغَنَوَعُجُفًا وَصِعْفًا وَٱلْكُسُمَ اعِ الْكَسِيرَةُ ـ

یزید ڈومھئر دمقرائی نے کھاکہ میں عتبہ بن عدبالسلبی ہے یا س گیاا وراس سے کھا: ا سے ابوا یو لید! میں قربا میوں کی تلاش میں نکلام وں اور کوئی اسی چیز نہیں یا ئی جو مجھے لبند م وسوائے ایک مبانور کے جب کے وانت گرمیکے تھے۔ تگرمی نےا سے نامیند کمیا ۔عُمَنیُمُ سفے کہا کہ توامسے میرسے یا س کیوں نہ ہے آیا جمیں سنے کہا : مبحان النّد اتیری طرف سے تو ما تمزسیدا ورمیری طرف سعے مبائز نہیں ؟اس نے کہاکہ ہاں! توشک کرتا سیداور میں شک ہمیں کرنا رسول اللہ صلى التُدعليه وسلم نے تومرون مُعَفَّرَه سيے منع فرما يا بخاا ورمسنا صلّہ سندا ورمِجْنِنا آ ورمشیعتدا ودکمسراء سیے منع فرما ياتھا

م م مستقره وه سرحس کا کان برط سے کھ جا میں کا میں گھری کے اس مستقرہ وہ سے حس کا مین گرسے کے اس مستقرہ وہ سے حس کا مین گرسے کے اس مستقرہ وہ سے حس کا مین گرسے کے اس مستقرہ وہ سے حس کا مین گرسے کے اس مستقرہ وہ سے حس

ا کھڑ جائے۔ بخقاء وہ ہے جس کی ا نکھ دباتی رہے۔ مشیعہ وہ ہے جوضعف کے باعث اور وہ بلے پن کے سبسے وہ میں جو میں کا نگر کی ہوریہ تفسیر مسلف کی طرف سے وہ میں کا نگ ٹوٹ گئی ہوریہ تفسیر مسلف کی طرف سے معلوم ہوتی ہے گواس کی صراحت نہیں کی گئی ،اوریہ بالک واضح سے لہذا مزید وضاحت کی صراحت نہیں ہے ۔

م. ٢٨ - حَتَّا نَثُنا عَبُ اللهِ بُن مُحَتِّيدِ النَّفْيَ لِي قَالَ مَا مُحَبِّرَ قَالَ مَا أَبُوا رَسُلْقَ

عَنْ شُكْرَنْ بِهِ بُنِ نُعُمَانَ وَكَانَ رَجُلَ صِلَا فَيَ قَالَ آمَرَنَا رَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَنْ عَلِي قَالَ آمَرَنَا رَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَىٰ وَالْأَذُنَ وَلاَ نَعْنَى اللهُ وَلاَ عَنْ وَلاَ عَنْ اللهُ وَاللهُ وَلاَ عَنْ اللهُ وَلاَ عَنْ اللهُ وَاللهُ وَلاَ عَنْ اللهُ وَاللهُ وَلاَ عَنْ اللهُ وَلاَ اللهُ وَاللهُ وَلاَ عَلَا اللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَلاَ اللهُ وَاللهُ وَاللّهُ واللّهُ وَاللّهُ وَاللّ

فتی سے بام ابوسیمان خطابی نے کہا ہے کہا حادیث میں ہوعیوب بیان ہوئے ہیں ان کی مقدار وں ہی علماء کا انتلاف ہے۔
بین یرعیب کس قدر مہوں تو معاف ہیں اور اس قدر معاف نہیں، امام مالک نے کہا کہ حب کان کا قطع اور شق معود اسام ہو تو کئی سرج نہیں مگر زیا وہ مہو تو حبائز نہیں ہے بعن خیبہ کے نز دیک کان یا دُم با آئی سے اگر نصف سے زاید قائم ہے تو قو کئی سے تو کہ کی نہیں مار نسب میں موتو قربانی حد نہیں ۔ اور نہیں ۔ قو کے تو کہا کہ حب عیب لیے یا اس سے کم مہوتو قربانی جائز ہے ور نہیں ۔ قو کے تو کہ سینگ واسے جانور میں اختل دن سے دالک، منا فعی اور حنفیہ سے نزد کی اور کا سینگ اترکیا ہو یا لوٹ گیا ہوتو کوئی سے نہیں ۔ ابر اسمی منعی سے کہ کہ کہ اندرونی سینگ اگر درست سے توکوئی سے نہیں ۔

كان من تحييد سو .

بن بہ سیدی سے اس کے کہا کہ تر ندی کی اس مدیث کی تصبیح میں کلام ہے۔ بھرتی بن گلیب جو اس کا دا دی ہے، ابو ما تم دا ذی سے اس کے متعلق بوجھا گیا تو اس نے کہا کہ: وہ ایک بوٹر صاسبے عبس کی مدیث پراعتما دہمیں یرتہ نہ کی نے ہی محفرت علی شستہ ایک مدیث کی دوایت کی سے کہ تو سے بوٹے سینگ واسے جانور کی قربانی میں کوئی سمہ ج نہیں۔ امام شافعی شینے کہا سے کہ سینگ میں کوئی نقفی نہیں، نگو سے ہوئے سینگ واسے جانور کی قربانی جائز سے نواہ اس کا میا دارینگ ٹوسے جا سے اور خون بہنے لگے۔

مولا ناتشے فرمایا ہے کر تحری بن کلیب خار مبوں سے فرقے ا ذارقہ بیسے تعلق رکھتا تھا، ابن المدینی سے اسے جمول

كهاميد بعفن محدثين في اسكى توشق مبى كى سے ـ

٧٠٠٧ حكم نَكُ أَمْسَكَ أَدُ قَالَ نَا يَحِينِي قَالَ نَا هِنَا الْمُ عَنْ قَتَا دَةَ قَالَ قَلْتُ

يَعْنِيُ لِسَعِيْدِينِ الْمُسْتَبَيِ مَا اللَّهُ صَبَّ فَالَ النَّصْفُ فَمَّا فَوْقَمَ -

قتاده منسنے کہاکہ میں سنے سعید بن المسیب سے کہاکہ اعقب رعین باد) کیا ہے ؟ اس نے کہاکہ میں کا من ماری کا من ہا ا من یا اس سے زیا وہ کان کٹا ہوا ہو ۔

باب لبغم والجروم عن كربجو عمر بالمجاري المجاري المجاري المجاري المجاري المجاري المرابع المراب

٢٨٠٤ حَمَّا ثَنَا آحُمَا أَنْ حَنِبَلِ قَالَ حَمَّا ثَنَا هُشَابُةً وَالْ اَعْبُدُا الْمَلْكِ

عَنْ عَطَاءِ عَنْ جَابِرِ بْنِ عَبُدِ اللهِ فَالَكُنَّا نَنَمَتَهُ فِي عَهْدِ رَسُولِ اللهِ صَلَّى اللهُ عَنْ عَنْ صَبُعَةٍ اللهُ اللهُ عَنْ صَبُعَةٍ اللهُ اللهُ عَنْ صَبُعَةٍ اللهُ اللهُ عَنْ صَبُعَةٍ اللهُ عَنْ صَبُعَةٍ اللهُ اللهُ عَنْ صَبُعَةٍ اللهُ اللهُ عَنْ صَبُعَةٍ اللهُ اللهُ عَنْ صَبُعَةً اللهُ عَنْ صَبُعَةً اللهُ اللهُ عَنْ صَبُعَةً اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ صَبُعَةً اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ

حابربن عبدائٹڈ سنے کہاکہ ہم ہوگ ہول انٹھ کیا لٹائلیہ دسلم کے عہد میں جج میں تمتع کرتے تھے تو کاسٹے قربانی مات آ دمیوں کی طون سے کرنے ہے اورا ونٹ کو سات کی طون سے ذبح کرتے ہے۔ ہم اس میں ٹٹر یک بہو مباستے سے دمسلم، مؤطاء ترزری، نسائی، دارتی،

مَرَ ٢٨٠٨ حَكَا نَنَا مُوْسَى بُنُ إِسَمَامِيثِلَ قَالَ أَنَا حَتَمَادٌ عَنَ فَيْسِ عَنَى عَطَاءِعَنُ جَارِبُنِ عَبْدِ اللهِ إَنَّ التَّبِى صَلَى اللهُ عَلَيْمُ وَسَكَمُ وَكَالَ الْبَعْدَةُ عَنْ سَبُعَيْنِ وَسَكَمُ وَكَالَ الْبَعْدَةُ عَنْ سَبُعَيْنِ وَلَا جَزُورُعَنْ سَبُعَيْنِ .

عبار شہر عبدالشرسے روایت ہے کہ نبی صلی الشرعلیہ وسلم نے فرمایا: گلے مات کی طوف سے اورا ونٹ سات کی صحیح د نسائی

سنرے: اونٹ اور گانے کا سات بھیٹر بکری سے برابر ہونا مجہود کا قول ہے۔ طَحَاوَی اور ابن رَشید نے بعّو لِ شُوکا نی اس بہ احجاع کا دعویٰ کیا ہے مگر حسب بیان تر کمری اس میں کچھ اختلاف بھی ہے۔ اسحان بن را ہویہ ،سعبد بہت المسیب اول بن خزیجہ کا اس میں اختلاف ہے ۔ اور اونٹ کا صرف سات کی طوف سے حبائز ہونا حدیث میں اس طرح سے وار دسے کہ جواونٹ مذبا نے وہ سات بھیٹر بکریاں خریدے۔ اگر اونٹ دس کے برابر ہوتا تو حصنو کر دس کا حکم دیتے۔ اس باب کی صدبت کا ظاہر بہتا تا سیے کہ بدی میں انتقراک جائز سے اور مہی حبور کا قول سے۔ انہوں نے فرض اور نفل یا بعض کی طرف سے فرض اور

بعفن کی طوف سے نفل کا بھی فرق نہیں کیا۔ الو صنیفہ نے کہاہے کہسب شرکا ، کی نیّت فانفس قربانی کی ہو ۔ واقرد ظاہری ا وربعفن ما مکیہ کا قول پرسے کہ نفل ہری میں اشتراک جائز سے وا حبب میں نہیں .

مولا نا تخراتے ہیں کہ ابن عباس خونے کہا کہ مم ایک بارسند میں دسول الشخصلی الشرعلیہ وسلم کے مرا تھ سے کہ بہلا اصلی اسلام میں میں ہونے کا بہلا میں ہوں ہوں ہوں کا شراک کا جوانہ بنا ہی ہے گائے ہیں اس کے برفولا و برائر کی دوا بہت ہے رہی جواس وقت زیر نظر ہے کہ دسول الشرصلی الشرعلیہ وسلم نے اور فائے میں مرات کی شراکت کا حکم و یا تھا۔ شخ الاسلام حافظ ابنی تیمیہ نے منعتی الاخبار میں برقائی کی روا بہت در س کی سیم جوشر طاحیحیں بہر ہے کہ دسول الشرصلی الشرعلیہ وسلم نے ہمیں اونظ اور گائے میں مرات کی روا بہت در س کی سیم جوشر طاحیحیں بہر ہے کہ دس کے الشرعلیہ وسلم نے ہمیں اونظ اور گائے میں مرات کی میں مرات کی شرکت کا حکم دیا تھا اسلام کی دوا بہ سے کہ ہم بی سیال الشرعلیہ وسلم سے مرات جے اور برون میں سے اور برون سے برائر نے میں مرات ہوں تو بھی جا اسلام کی مرات ہوں تو بھی جا اسلام کی مرات ہوں تو بھی جا برائر کے میں مرات ہے دائم کی مرات ہوں تو بھی جا برائر ہو سے دائد کہ کہ می نہیں ہو سکتے ، ما شرعلماء کا تول ہی صحیح ہے کہو کہ اون طاور کا نے میں برائر ہے مدین میں ایک ہوں تو بھی جا برائر ہوں میں اور گائے میں برائر ہے مدین میں ایک ہوں ہوں تو بھی جا برائر ہوتا ہے اور قاس بھی جا ہتا ہے کہ اون طاور کا نے سے مرائر ہوتا ہے اور خوال میں اور تی سے مرائ کی طرح اور کا سے مدین میں اور کا سے مدین میں اور کا سے مدین میں اور کی ہوں تو تا میں تھی جا ہتا ہے کہ اون میں اور گائے میں ذو کیا ہے اور قاس بھی جا ہتا ہے کہ اور نے اسے اور تا ہوں ہوں ہیں اور گائے میں بودہ دارست نہیں ، ملاوہ اذبی تو در ایک ہور ہور کا میں ہور ہور ہور کی اور خوال میں اور کی مقام ہے میں ہودہ درست نہیں ، ملاوہ اذبی تو در ان میں اور کی مقام ہور کی سے مقام ہور کی ہور کو در ان میں اور کی ہور کو کا سے میں ہور کی سے ان کو کہ کو در ان میں اور کی ہور کو تا ہور کی ہور کو در ان کہ کو تو کی ہور کو تا ہور کو

مُ ٢٨٠٠ حُكَّا ثَنَا الْقَعُنَ مَا الْحَكُونَ مَالِكِ عَنْ أَفِي النَّرُ الْمُكَا عَنْ جَابِرِ اللهِ عَنْ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَمَ وَالْمُكِيِّ عَنْ جَابِرِ اللهِ عَبْدِ اللهِ عَنْ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَمَ وَالْحَدِي اللهُ عَبْدِهِ وَسَلَمَ وَالْحَدِي اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ وَالْحَدِي اللهُ عَبْدِهِ وَسَلَمَ وَالْحَدِي اللهُ عَبْدِهِ وَسَلَمَ وَالْحَدِي اللهُ عَبْدِهِ وَاللهُ عَلَيْهِ وَاللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ وَالّهُ وَاللّهُ وَلّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ

الْبِكَاكَنَةُ عَنْ سَبْعَنِدِ وَالْبَقَرَةَ عَنْ سَبْعَتِدٍ.

مبابربن عبدالٹرنے کہاکہ ہم مدیبیمیں رسول الٹرصلی الٹرعلیہ وسلم کے رساتھ اونرط رسات کی طون سے اور گائے سات کی طون سے اور گائے ہما سے کی طون سے کہا ونرط اور گائے میں سیاست کی طون سے کہا ونرط اور گائے میں مساست ہوئی مشر یک بھوسکتے ہیں)

بَابِ فِي الشَّا وَيُضَعِّي بِهَاعَن جَمَاعَن

عیر کمری کوابک ماعت کی طرف سے ذبح کرنے کا باب

· ١٨١٠ كَلَّا ثَنَّكُ فَتُنْبُ لَهُ بُنُ سَعِيبُ إِحَدًّا ثَنَا يَعْقُوبُ بَعْنِي ٱلِاسْكَنَادَ وَإِنَّ عَنْ

عَمْرِوعَنِ ٱلمُطَلِبِ عِنُ جَارِبِنِ عَهُواللهِ قَالَ شَهِدُ ثُنَ مَعَ رَسُّولِ اللهِ صَلَى اللهُ عَمْرِوعَنِ ٱلمُطَلِّ عَنُ اللهُ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ إِللهُ صَلَى اللهُ صَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمَ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمَ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمَ بِيهِ اللهِ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمَ بِيهِ اللهِ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمَ بِيهِ اللهِ وَاللهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللهُ وَاللّهُ وَاللّ

حبابر بن عبدالشّر سننے کہا کہ میں مول استد تعلی استعلیہ وسلم کے ساتہ عید الاضلی میں عبدگا ہ میں موجود ہا۔ پس حب آ پسنے خطبہ ختم کیا تو اپنے منبر سے شیچے اکترے اور ایک مینڈ صالایا گیا جے آپ نے اپنے ہا تہ سند و رسی کہا ور کہا پسنے واللّٰے واللّٰے آگ بُرُ۔ یہ میری طون سے سے اور میری امت میں سے ان کی طون سے جوقر بانی خاد سرسیں کے ۔ در ترزیری نے اسے دوایت کہ کے مدیث غریب کہا ہے کیو نکہ طلب بن عبدات بن صطب کاسی ع جابر رسے شابت نہیں میں ا

مشیرے: اس سے قبل یہ مدیث سولوۃ ا تعید میں گزرگئی ہے اس میں صوب نؤل کا تفظ ہے جبکہ اس موجودہ مدیث ہیں ۔ متر سے انزینے کا ذکر سے۔ حافظ ابن جرنے کہ سے کہ جناب دسول انٹرسلی تازعلیہ وسلم ایک او بچی بگر ہے کھڑے ۔ محکم خطبہ دستے ہے۔ ابوسعی یم کی صدیث اوپرگزرم کی سے میں صراحةً منبر موسنے کی نفی ہئی سے ہونکہ اس میں ۔ علی الکارمش کا تفظ سے ۔مولا ناتشنے فرمایا کہ اگر اس مدیرے۔ مبابرت کو محفوظ قراد دیں تو مان بڑسے گا کہ اس یا تا حضور ہے ۔ عبد کا ہ میں منبر کا استعمال بھی فرما یا تھا۔

اس حدیث میں جوسب کی طُوت سے قربانی کا ذکرسے اس سے مراد ثواب میں ٹراکت سے۔ ورنہ عام دلائل مدیث اسے ایک شخص کی طوف سے صوف ایک قربانی جائے ہوا ہوئے گا اور گائے میں ہی ہی تقا مگر سم سفا حا دیٹ کی ہنا ہوئیاں دوجانور ول میں ایک سے نہا ہوئیاں ہے مرادیہ ہمیں ہوئیاں ہے ہوئیاں ہوئیاں

باب الإمام بني بم بالمصلى ١١٠ - عيد كاه بن قربان كرية كاب

ا ٢٨١ - كَنَّا نَتُنَا عُنُمَا كُ بُنُ أَفِي شَيْبَةَ أَنَّ آبا أَسَامَةَ حَمَّا تَهُوْعَنُ أَسَامَتُه

عَنُ نَافِهِ عَنِ الْبِي عُمَرَ أَنَّ النَّبِي صَلَى اللهُ عَلَبْ مِ وَسَلَوَ كَانَ يَنْ بَحُ أَ ضُحِيّتُ اللهُ عَلَى اللهُ عَ

ابن عرض سے روایت ہے کہ نبی صلی الت علیہ وسلم چی قرب ٹی کوعیدگاہ میں ذبح فرماتے سقے۔ اور ابن عرف ایساسی کرتے سے ربخاری، نسائی، ابن آب منذری سن کہا ۔ قبول مستب حضور سنے یہ اس سے کیا تھا کہ لوگ آپ کی اقتدار کریں جفت ذبح کو دیکھ میں اور تبقی ہوجہ سنے کہ ۱ ، مقر ابن کر حیا ہے اب لوگوں کو کہی کرنی جا جیئے ۔ مشوکانی کے بقوں اس کا مقصد یہ بھی تفاکہ ما بت مندلوگ باتمانی گوشت مائس کردسکیں ۔

كاب كبس تحوم الرضاحي قربانيون عروث والمناحق وابب

٧٨١٧ ـ كَتَّاقُكُ الْقَعُنجَ عَنْ مَالِكِ عَنْ عَبُلِ اللهِ بْنِ أَبِى بَكْرِعَنْ عَمُرَةً بنْتِ عَبْدِالدَّحْمُن فَالْ فَالْتُ سَمِمُتُ عَامِّتُهَ تَقُولُ دَفَ نَاسُ مِنْ آهُلِ الْبَادِيةِ حَضْرَةَ الْاَصْلَىٰ فِي زَمَا نِ رَسُولِ اللهِ صَلَّى اللهُ عَكَيْبٍ وَسَنَّوَ فَقَالَ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَبَيْهِ وَسَلَّمَ إِذَّ حِرُوا لِتُلْبِ وَتَصَلَّى تُوا بِمَا بَقِيَ فَالَثُ فَلَمَّا كَانَ بَعْدَ ذُلِكَ تِيْبُلَ لِرَسُولِ (للهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْمِ وَيَسَلَّعَ كَا رَسُولَ اللهِ لَغَلْ كَانَ السَّسَاسُ بَنْتَفِعُونَ مِنُ صَحَابًا هُمُ وَهِ بَجِيتَ لُونَ مِنْهَا الْوَدَكَ وَيَنْتَخِنَا وُنَ مِنْهَا الْاَسْقِيَةُ فَقَالَ رَسُنُولَ اللهِ حَملَى اللهُ عَلَيْمِ وَسَلَّمَ وَمَا ذَاكَ أَوْكَمَا فَالَ قَالُولَ يَارَسُولَ اللَّهِ نَهَيْتَ عَنْ إِمْسَاكِ لَحُوْمِ الصَّعَايَا بَعُمَ ثَلْتٍ فَقَالَ رَسُولُ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْرُ وَسَلَّمَ إِنَّهَا نَهَيُ نُنكُوُمِنُ ٱجَلِ السَّا افَتِرِ الَّذِي دَفَّتُ عَلَيْكُوْ وَنُصَكَّا قَوُ اوَاذَّ حِرُوا -عمره منبت عبدالرحمل سنے کہا کہ میں سنے حصرت عالثیّہ ہو کوفر ہاتے سُنا بھاکچھنورصلیا بیٹرملیہ وسلم سکے زملینے میں کچھ لوگ بحیریہ الاصحیٰ سکے موقع برصحاد سے آسے لیس دسول الٹرصلی الٹرعایہ دسلم سنے فرما یاکہ : تہی ون پاکسہ ذخرہ كسر مشكتة بوبا قى صدقهُمرو- عالسُ شرصنے و ما ياكراس سے بعد دسول الشرصلی الشرعليہ وسُلم سنے كما گياكہ يا رسول الشرح! لوگ! بنی قربا نیوں سے نفع ماصل کرتے سکتھا وران کی حمیہ لی کو ٹکھیلا لیتے سکتھےاوران کی کھالوں کی شکیس وعیرہ بنا تے سقے ۔ رسول انٹرصلی انٹرعلیہ وسلم سنے فرمایا: بھر بایت کی سبے ؟ یا جیسا کر آپٹے سنے فرما یا ۔ لوگوں سنے کہسا

: یا دسول النشراک سنے تین ون سے زیادہ کے سیلے قربانچول کے گوشت کو دوسکنے سے منع فرما یاسیے بہب دسول لنشر صلی النّدعدیہ وسلم نے فرمایا : میں نے تہ ہب ان ا ہا نکس آ جا نے والوں کی وجہ سے منع کیا تھا بہب تم کھا وُا ورمعد قرکرہِ اور جع می کرو دستم ، نسا ئی

شرخ : معالم انسنن کمی خطابی نے کہا ہے کہ دفت کا معنی سیے تیز حلنا ۔ دافتہ یک کا معنیٰ سے جماعت ۔ برمحوائی لوگ تھا ذہ حقے اور بھوک پیاس کی معیبیت سے تنگ آ کرشہریں چلے آ ئے سقے ۔ ان کی خاط دسول انٹرمسلی انٹر وسلم سنے اس سال لوگوں کوگوشت کا ذخیرہ کرنے سے دوک دیا تھا تاکہ لوگ ان کے ممائۃ مواسات اور سم در دی سے پیش آئیں ۔ حبب یہ مُذر بذریا توآب نے حسب معمول لوگوں کو گوشت زیادہ دیمہ تک دکھ لیسنے کی امباذت دے دی ۔

شوکاتی نے کہا سبے کہ اس مدیث میں وضاحت و مراحت کے ساتھ بیدے مکم کے نسخ کا فہوت ہو ہو ہے۔
جامیر علماد صحابہ تا بعیں ، اورا تباع تا بعیں کا ہی ند سب ہے۔ نووی نے حضرت علی اورا بن عراضت نقل کیا ہے
کہ حرمت کا حکم تا حال باتی سے منسوخ نہیں ہوا، محدث ما ترحی سنے الا عتباریں یہ تول علی افر بنی اورعبالی بنی اور عبالی بنی اور عبالی بنی بنیا۔ اورا صول کا قاعدہ یہ ہے کہ جنیں نیخ کا علم ہے ان کا علم ان پر مجت سے انبی نین کیا ہے۔ اور من یہ بنی بنیا۔ اورا صول کا قاعدہ یہ ہے کہ جنیں نیخ کا علم ہے ان کا علم ان پر مجت سے انبی نین میں نین اور کی میں میں بنیا۔ اورا صول کا قاعدہ یہ ہے کہ جنین کے تعامل ان انعین کے توان نے کے علم ان پر مجت سے انبی بنیا ہے کہ قربانی کا گوشت کھانا وا جب سے۔ اور اس کی تا کید قول نقل کیا ہے کہ قربانی کی ہے۔ اس لیے نو وی شنے بعض سف کا برقول نقل کیا ہے کہ قربانی میں صدیق میں صدیق میں سے حس سے میں سے حس سے میں سے کھی صدیق میں صدیق میں صدیق کا حکم بھی سے حس سے میں سے اور اس مدین میں صدیق کا حکم بھی سے حس سے میں سے کھی صدیق کر نا وا جب سے۔ اور اس مدین میں صدیق کا حکم بھی سے حس سے میں سے کھی صدیق کر نا وا جب سے۔ اور اس مدین میں صدیق کا حکم بھی سے حس سے میں سے میں اس کا مفاد ایا حت ہوتا ہے جب بیا کہ اصول میں سلم سے ۔ اور اس مدین میں صدیقے کا حکم بھی سے حس سے میں اس کا مفاد ایا حت ہوت کے گوشت میں سے کھی صدیق کر نا وا جب سے۔ اس کا مفاد ایا حت ہوت کے گوشت میں سے کھی صدیق کر نا وا جب سے۔ اس کے گوشت میں سے کھی صدیق کر نا وا جب سے۔

اورا بني قربانى كانوشت كها نامستحب سبدا للرتعالى سفارال وفرماياسيد ، مُكَلِّوًا مِنْهَا وَأَكْلِمِمُ وَالْبَالْسَى الْفَقِيلِ

ا ورانعنل ریرسیے کہ اللہ کا مسدقہ کررسے، اللہ اقارب و بھران اور دوستوں کو دسے اور اللہ خود کھلنے یا ذخیرہ کررکے رسکھے۔ کتاب وسنت کے دلائں کے مجموعے سے واضع ہوگیا کرمنخب ہی سیے ہو ہم نے بیان کیا، مکین اگر وہ سالاصد قرکر درسے پاسال

با نمٹ د سے یا مدادا نو در کھ ہے تو بمبی ما ٹرزسیے گواففنل پہلی یا دومری صورت ہے ہے ۔

بِنَ الْمَا الْمُ الْمُكَا الْمُكَا الْمُكَادُ مَا يَزِيدُهُ اللهُ وَمَا يَعِ الْمَا الْحَالِكُا الْحَكَ الْمُعَنَ الْمِكَ الْمُكَادُ اللهُ وَمُكَا اللهُ وَمُكَا اللهُ وَمُكَا اللهُ وَمَا اللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَمُلَا اللهُ وَمُلُولًا اللهُ وَمُلُولًا اللهُ وَاللهُ وَمُلَالِهُ وَمُلَاللهُ وَاللهُ وَمُلُولًا اللهُ وَمُلُولًا اللهُ وَمُلُولًا اللهُ وَمُلُولًا اللهُ وَمُلَالِهُ وَمُلَالِهُ وَمُلَالِهُ وَمُلَالِهُ وَمُلَاللهُ وَمُلَالِهُ وَلَا اللهُ وَمُلَالِهُ وَمُلَالِهُ وَمُلَالِهُ وَمُلَالِهُ وَمُلَالِهُ وَمُلَالِهُ وَاللّهُ وَمُلِلهُ وَاللّهُ وَمُلِلهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَمُلِلهُ وَاللّهُ وَلّهُ وَاللّهُ ولَا اللّهُ وَاللّهُ ولَا لَا اللّهُ وَاللّهُ ا

نبدش شند کهاکر دسول التدهی الترعلیه وسلم سنے ادرا داور ایا بهم سنے تہیں قربانی گاگوشت نین و ن سے ذا نکز نک کھانے سے منع کیا تھا تاکہ سب لوگوں کول سکے اب التر تعالی سنے وسعت بدیا کر دی سے، بس کھاؤا ورجمع کروا ورا جرو تواب سکے سیے خرچ کروا ورسنی لوکر ہر دن کھاسنے چینے اورانٹرعز وجل کو یا دکر سنے سکے میں رنسائی سنے بوری مدیث کی، ابن باقہ سنے کچے حصد اور سلم سنے کچے حصد و ایت کیا)

بالب في الرفن بالنابيجة

مرر ۱۸ حسل مَنْ مُسُلِمُ بُنُ اِبُرَاهِ بُهُ وَالْ اللهُ عَنْ خَالِمِ الْحَسَّانَ عَنْ خَالِمِ الْحَسَّاءِ عَنَ آبِی فِلاَ بَنَ عَنْ آبِ الْاللهُ عَنْ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ

سنداد بن اوس نے کہاکہ میں نے دوباتیں دسول الٹرصلی الٹر علیہ وسلم سے مشی تھیں ۔ سے شک الٹر تعا نے نے ہر سے نیز پر اوس نے ہر سے نیز بریا حسان فر من کیا ہے ، بس جب تم قشل کر و تو اچی طرح سے قتل کرو۔ اور جب تم ند بح کر و تو اچی طرح ذریح کر و اور زری کر و نظام رسبے در میں کا فروں کو قتل کرنا پڑتا کر واور ذریح بظام رسبے در میں کبھن وفعہ مسلمانوں کو بھی، بہر قتل میں سبے در حمی مثلاً کمشلہ و عیرہ جا کہ نہیں ، نہ لا مثوں سسے انتقام لینا دوا ہے۔ انسان افرون المخلوفات ہے، مجھن حلال جانوروں کو کھانے کی صفر و رت سے ذریح کرنا پڑتا ہے۔

مگراس میں نبی رحم ورشفقت تو ہدنظر رکھا گیا ہے۔

الْمَهَ يُحُدَدُ اللَّهُ الْعَلَالُ اللَّهُ الْعَلَى اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَنْ هِشَامِ بَنِ رَبْهِ الْكَالُ اللَّهُ عَنْ هِمَا نَا اللَّهُ عَنْ هِمَا نَا اللَّهُ عَنْ هِمَا نَا اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَّا عَلَى اللَّهُ عَلَّى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى

ہشام بن زیدسنے کہا کہ میں انس خسکے سا پخت محکم بن ابوب سکے پاس گیا۔ بس ا نس ٹنے نیچہ ہو انوں کو بالڑکوں کو د مکھاکہ اننوں سنے ایک مُرعیٰ کو ہرف بنا رکھا مخااوراس ہرتتر بھینکت تقے ۔ بس انس خسنے کہا کہ رسول السُّرصلی الشرعلیہ وسلم نے مہانوروں کو باندھ کر ماد نے سعے منع فرما با کفاد بخدری، ابن ما جہ، نسانگی

شرح : صبر کااصلی معنیٰ سبے : روکنا. بندکر نا . اور کہیں سے میجاورہ نسکلاکہ فلاں سنے فلاٹ نخص کے جرافت کیا، لینی قہرًا اور موتِ برروک کراور باندھ کر مالا ۔اس سے ممانعت کا باعث پرسے کہ اس میں جانور کی تعذیب ہے ۔ حزودت کے موقع

بر، ذ بح كرنے مي كم ستكم تكليف دينے كا حكم وياكياسے .

> بَامِيْكِ فِي الْمُسَافِرِيُجَةِيِّ مِنْ الْمُرَافِي خِيَالِيَّا

المراد كل نَنْ عَبْكَ اللَّهُ بَنْ مُعَمَّدِ النَّفَيُ فِي ثَنَا حَمَّا دُبُنْ عَالِمِ الْخَبَاطُ ثَنَا مُعَا وَيَدُ بُنُ عَالِمِ الْخَبَاطُ ثَنَا مُعَا وِيَدُ بُنُ مَا لِهِ عَنْ اَبِي النَّاقِ عَنْ جَبَهِ بِنِ نَفَيْرِ عَنْ تَوْبَانَ فَالَ ضَعْى . وَسُولُ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ الْجَبْرِ بُنِ نَفَيْرِ عَنْ تَوْبَانَ فَالَ ضَعْى . وَسُولُ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ اللهَ اللهُ الللهُ اللهُ ال

Incorporational (1970)

فَمَا زِلْتُ ٱصْعِمُ رَمِنُهَا حَتَى قَدِمُ مَنَا الْمَدِينَتَى -

قوبان سنے کہاکہ رسول اللہ مسلی اللہ علیہ وسلم سنے حالور قربان کیا چرفر مایا۔ اسے تو بان میر د سے اس بگری کا گوشت درست کر۔ تو بان منسنے کہا کہ میں ہرا م آت کو اس کا گوشت کھ لا تا دیا حتی کہ ہم مدینہ ، پنہ جناری مسلم. فی نسائلی)

شیرے: بیرجہ الوداع کا قعتہ ہے۔ مسافر لیرقر بانی واجب نہیں خواہ ماجی ہویا عیر ماجی۔ لیس برق کی منور کی طوف سے نعلی تھی۔

باب في دُبائِ الْمُكَالِكِ الْمُكَالِبِ الْمُعَالِبِ الْمُكَالِبِ الْمُعَالِبِ الْمُكَالِبِ الْمُكِلِكِ الْمُكَالِبِ الْمُكِلِيلِ الْمُكِلِمِ الْمُلْكِلِيلِي الْمُكِلِمِ الْمُعَالِ الْمُكِلِمِينِ الْمُعَلِيلِ الْمُكِلِمِينِ الْمُعَلِيلِ الْمُلْكِلِمِينِ الْمُعَلِيلِ الْمُعَالِمِينِ الْمُعَلِيلِ الْمُكِلِمِينِ الْمُعَلِيلِ الْمُعَلِمِينِ الْمُعَلِمِينِ الْمُعِلِمِينِ الْمُعِلِمِينِ الْمُعِلِمِينِ الْمُعِلِمِينِ الْمُعِلِمِينِ الْمِنْ الْمُعِلِمِينِ الْمُعِلِمِينِ الْمُعِلِمِينِ الْمُعِلِمِينِ الْمُعِلِمِينِ الْمُعِلِمِينِ الْمُعِلِمِينِ الْمُعِلِمِينِ الْمِنْ الْمُعِلِمِينِ الْمُعِلِمِينِ الْمُعِلِمِينِ الْمُعِلِمِينِ الْمُعِلِمِينِ الْمُعِلِمِينِ الْمُعِلِمِينِ الْمُعِلِمِينِ الْمُعِلِمِينِ الْمُعِلَّمِينِ الْمُعِلِمِينِ الْمُعِلِمِينِ الْمُعِلِمِينِ الْمُعِلِمِينِ الْمُعِلِمِينِ الْمُعِلَّمِينِ الْمُعِلَّمِينِ الْمُعِلِمِينِ الْمُعِلِ

٢٨١٤ حَكَّا تَنَا أَخُمَدُ بُنُ مُحَمَّدِ بَنِ ثَابِتِ الْمَرْوَزِيُّ فَالَ ثَنَاعَلِيُّ بُنُ

حُسُيْنِ عَنْ آبِيْمِ عَنُ يَنِيُدُ النَّحْوِيِّ عَنْ عِكْرِمَتَاعَن ابْنِ عَبَّاسٍ قَالَ فَكُلُوامِتَا فُكُورِمِ اللهِ عَلَيْمِ اللهِ عَلَيْمِ فَنُسِيخَ السُّكُولِمِتَا لَوْلَيْنَ كَرِ السُّمُ اللهِ عَلَيْمِ فَنُسِيخَ السُّكُولُمِ مِثَالُولُيْنَ كَرِ السُّمُ اللهِ عَلَيْمِ فَنُسِيخَ السُّكُتُونِ فَنُورِ مِثَالُولُ اللهِ عَلَيْمِ فَنُسِيخَ السُّكُتُونِ فَنُمُ اللهِ عَلَيْمِ فَنُسِيخَ السُّكُ تُنِي

مِنْ دٰلِكَ فَقَالَ طِعَامُ الَّذِيْنَ ٱوْتُواْلِكِتَ ابَحِلُّ لِكُوْوَطَعَامُ كُورُحِلُّ لَهُمُرِ

مشرکول کی اندرگلا گھونٹ کر ما کیس تخت کا طے کرن مادا گیا ہو بلک مقام فر کے بر تھبری حیا کر فر بھے کیا گیا ہو۔ووں کوئی انٹرکانام

مع كريمي أكر شنادً كل كلون و سي تووه ما نور ندلوح نه مو كا بلك مُرواد موكا -

١٨١٨ - كَلَّا ثُنَا عُمَّمَّ لَكُ بُنُ كَثِيْرِ فَالَ اَبَا الْمَرَائِينَ لَنَاسِمَالُ عَنَ عِكْمِمَ مَنَا عَن ابْنِ عَبَاسٍ فَيُ تَوْلِيهِ وَإِنَّ الشَّيَاطِيْنَ لَيُوْحُونَ إِلَى اَوْلِيَا بُهِمْ لَقُولُونَ مَا ذَبَحُ الشَّهُ فَلاَ بَا كُلُوهُ وَمَا ذَبَحُ تُحُوا نَتُمُ وَكُلُوهُ فَا نَذَلَ اللهُ وَلاَ تَا كُلُوا مِمَا لَوْ يُبِنُ كَرِ

اشكرالله عكبه

ا بن عباس منت الله تعالی کے اس تولی میں روایت ہے کہ: بے شک شیاطین اپنے دوستوں کو وحی کرتے ہیں ، مطلب بہ کہ وہ ان سے کہتے ہیں کہ(فربح کا مطلب توریہ مہوا کہ جوالٹد نے ذبح کیا رہارا) اسے تومت کھا وُا ورجے تم نئو دِ فرزمج کیا ہمو اُسسے کھا وُ۔ لپس راس سے جواب میں اللہ تعاسلے نے بہرآیت اتا ری؛ جس برالٹر کا نام نہ لیا گیا ہوا کہ سے مدت کھا وُردائی ماجی،

نشی بی به مشرکوں نے مرواد کھانے کی ہر ولیل توامٹی کہ وہ الشدکا ما دا ہمواسے ، حبب انسان کا مالا ہموا صلال سے توالٹ کا ما دا ہوا حلال کہوں نہیں ؟ حالا نکہ ما دا تا و دونوں صورتوں میں الشد ہی سے مگرا کے صورت میں وہ حانورانظر سے حکم کے مطابق اس کا نام لیکر مطابق اس کا نام لیکر خون ہمایا جا تا اورانس کی حان ہی حاق بغیر مبیر حکمت و حرمت کا فیصلہ تسمیدا ورغیر تسمید کے باعث ہوا ہے جبکہ وہ حانوں نی نفشہ پٹر مگا کہ ایک مترک کے کہ اصطاب کے مطابق و بھے کہ نام لیا جب بھا تھیں ہوت احرکام سے مطابق و بھے کہ نام میں نہ ہوت احرکام سے مطابق و بھے کہ اورانٹ کی کا نام لیا جائے تواض طرار کے باعث وہ حانوں میں ہوتا ہے۔ در جیسے شکار کی صورت میں ہوتا ہے۔ اورانٹ کی خوبی وانوں کے کنویں وغیرہ میں گہر جا نے کی صورت میں ہوتا ہے۔ در جیسے شکار کی صورت میں ہوتا ہے۔

٢٨١٩ - حَكَانَكُ عُمَّاكُ بُنُ آبِ شَيْبَةَ تَنَاعِمُ رَاكُ بُنُ عَيَيْنَةَ عَنَاعِمُ رَاكُ بُنُ عُيَيْنَةَ عَنَ عَطَاءِ بُنِ السَّامِبِ عَنْ سَعِيْدِ بِنِ جَبْيرِ عَن ابْنِ عَبَّاسٍ قَالَ جَاءَتِ الْبَهُودُ وَلَى النَّبِيِّ صَلَى السَّامِنِ عَبَّاسٍ قَالَ جَاءَتِ الْبَهُودُ وَلَى النَّبِيِّ صَلَى السَّلُ عَلَيْهِ وَلَا تَاكُلُ مِمَّا قَتَلُ اللَّهُ عَلَيْهِ وَلَا تَاكُلُ مِمَّا قَتَلُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَلَا تَاكُلُ مِمَّا قَتَلُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَلِي السَّالِ عَلَى مَا عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ وَلِي السَّالِ عَلَى السَّالِ اللَّهُ عَلَيْهُ وَلَا مَا كُلُ مِمَّا قَتَلُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَلِي السَّالِ عَلَيْهُ وَلَا تَاكُولُ مِنْ اللَّهُ عَلَيْهُ وَلِي اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ وَلِي الْعَلَيْدُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَلِي الْمَالِمُ عَلَيْهُ وَلِي السَّالِ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ وَلِي السَّالِ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ وَلِي السَّلَ عَلَيْهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ وَلِي الْمَالِ اللَّهُ عَلَيْهُ وَلِي السَّلِ عَلَيْهُ وَلِي السَّلِ عَلَيْهُ وَلِي السَّلَى عَلَيْهُ عَلَيْهُ وَلِي الْمُعْلِى اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ وَلِي الْمُعْلِى اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ وَلِي الْمُعْلِى اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ وَالْمُ اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ عَالِمُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ

ابن عباس نے کہاکہ ہودی بی صلحال مسرطیہ وسلم کے باہس ہے اور کہنے تکے کیا توکھا ہے اس جانورسے جہم نے فتل کیا اور کہنے تکے کیا توکھا ہے اس جانورسے جہم نے فتل کیا اور کھائے اس سے جوالٹ رہے ہا ہے کہا نقل کیا ہوائے تہ کھائٹر ؛ لیس السر تعالیٰ نے یہ آبیت ایست آگادی جب پراللہ کا نام مذکور نر بھوا ہو۔ کہسے مت کھائے۔ (تر مذی نے اسے دوایت کیا اور کہا کہ پیوییٹ "حسن غربیہ کہسے ۔

مد سال میں کی مدین کے ایک میں میں نہ میں کہ اور ایک کیا ہوائے کہا کہ بیرویٹ سے مدین کے مدین کے اس میں کا نام مذکور نر بھوا ہو۔ کہسے مدین کے در اس میں نہ میں کہا کہ بیرویٹ ایک کے در اس میں کا تھا ہے کہا کہ بیرویٹ کے در اس میں کا تاریخ کے در اس میں کیا تاریخ کے در اس میں کہا کہ در اس میں کے در اس

تشميح بمطلب يهسيغ كم مودارا ورحلال مي فرق التركيم كم مكم ملابق اس كانام ملے كمد ذبح كرنے كاسبے بحوجانور طبعى

موت مرسے یا مشرکوں نے وزیح کیا ہو یا بت پرستوں مجوسیوں، مندو وُں، مرتدوں وغیر ہم نے اپنے طریق کے مطابق ذیح کیا یا ما دا ہو یا اس کا مجٹلکا کیا ہو، اس مرجع نیالائٹر کا نام اس کے حکم کے مطابق نہیں لیا گیا اس لئے سمرام سے ۔ یا حکماً الٹارکا نام لیا گیا ہے اس لیے حلال ہے ۔

بَاسِكُ مَا جَاءَ فِي ٱكْلِى مُعَافِرَةِ الْأَعْرَابِ

بدوگوں کے مقابلہ کا نوروں کو ہار ڈاسلنے کا باب زمانۂ مہا ہلیت میں یہ بھی ایک فیز وریا کاری سکے اظہار کا طریقہ تھا کہ نام نها دمجُرد و سخا میں ایک دوسرسے سے بطر ہی پھیے کمہ اونٹوں کو ملاک کرتے ہے حتی کہ ان میں سسے ایک عاجمۂ آج تا تو دور ارجیت حاتما کتا۔ اس شہرت ونمائش کو اسلام نے طعی ور میر نند کمہ دیا ہے ۔

مرر و كَنَّ نَكَ الْمُ وَكُنْ ثَنَ عَبُ اللهِ قَالَ نَاحَتَمَا دُنُ مَسْعَكَا لَهُ عَنُ عَنُ عَنُ اللهِ عَنَ ا وَعَنَ اللهِ عَنَ ا اللهِ عَنَ ا وَهُ وَا اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْمَ وَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْمَ وَسُوكَ اللهِ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْ اللهُ عَل

ابن مباس منسنے کہاکہ دسول الترسلی الترعلیہ وسلم سنے بروؤں سکے مقابلہ گا بانود ما دسنے سے منع فرما یہ ابوداؤ و سنے کہاکہ عندر دمحد بی معفری سنے اس مدیث کو ابن عباس مع بدموقوف دوا بت کیا سبے ۔الوداؤ دسنے کہاکہ الودیجان داوئ مدیث کا نام عبدالتری مطرسے .

شیرے: معالم السن میں خطابی نے کہائیے کہ با دمثا بہوں یا رؤساء کی اُ پربرچو مقابلةً کی وریا دا وران با دیشا ہوں کا توب حاصل کرنے کی خاطران کے سامنے ایک دوسرسے سے بڑھ چڑھ کرجانور ذبح کرنے کا دواج سے بہ بھی منا فرت اور دیا، و سمعہ کے باعدے اس صفن میں آتا ہے اس گوشت کا کھا نا بھی حائز نہیں سیے ۔

باه النّابيء بالمروة

ا ۱۸۲۱ حَمَّى اَنْكَا مُسَلَّادٌ قَالَ أَا أَبُوالُاَّحُوَصِ قَالَ مَا سَعِبُكُابُنَّ مَسُرُوتِ عَنْ عَنْ عَبَ عَبَا بَنَهُ بْنِ رِفَاعَتَمَا عَنْ اَبِيْهِ عَنْ جَدِّهِ مِهِ مَرافِع بْنِ خَدِيْ بِهِ قَالَ اَبَيْتُ رَسُنُول اللهِ صَلّى اللهُ عَلَيْ بِوصَلَّمَ فَقُلْتُ مَا رَسُولَ اللهِ إِنَّا نَالُقَى الْعَدُا وَعَيْسُ مَعَنَا

 $ar{ ext{G}}$ of $ext{U}$ decreases an analysis $ext{U}$ and $ext{U}$ and $ext{U}$ and $ext{U}$ and $ext{U}$

مُنَى فَقَالَ رَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْ وَسَلَوْ اَرِنْ أَوْاعُجُلُ مَا أَنْهَ رَاكُ مُ وَ وَخُكِرَ اسْكُوا لِمَا أَنْهُ وَاللّهُ عَلَيْ اللهُ ا

را فع بن فرنڈ بج نے کہا کہ ہیں رسول اللہ سلی استہ عبد وسلم کی ضدمت میں گیاا ودع ض کیا: یا دسول اللہ ہم کل کو وشمن سے مقابلہ کریں گے اور ہما دسے ہا س جھر یا نہیں تہ ہم جانور و کوتیز بجہ و سسے اور ڈیڈوں سے کا ور ہما دسے اور اللہ کا اللہ علیہ وسلم نے فرایا: تیا ور مبلدی چلا کر بجویز نحوں ہما دسے اور اللہ کا نام سے فرایا: تیا ہور نعی جم برزندہ دانت یا ناخن بنہ ہو، اور میں ہماس کی سے متعلق بنا تا ہوں۔ دانت تو بڑی سے اور ناخن حسن بیا ناخن بنہ ہور نعی جم برزندہ دانت یا ناخن بنہ ہو، اور میں ہماس کے اور اللہ و اللہ

هٔ شمیے: اُرِنی کا لفظ تعبّولِ خطاتی دراصل اِ مُرنُ سبر جس کا معنی سبے؛ یا کا کوملکا اورتیز میل یا مطلب پر کوجب بجیری وعیرہ هُ کے علاوہ کسی اورچیز سے ذبح کریں توخطہ ہمو تاسبے کہ مبا نور گلا گھٹ کرینہ مرجاسے ۔ لہذا حکم دیا گیا کررگیں کا سطینے اورخو ن بہائے چا میں مبلدی کمرو۔ البلا نع میں سبے کہ اُنہُ ذبح کی دوقعیں میں ایک وہ جو قطع کرسے اور دوررا وہ جو توڑ وسے۔ قطع کرنے واسے

نتون برگيا، توملال بوگيا ۔

وَرَجِدًا حَدَّا ثُكُا ثُكُا مُسَدًا ذُا تُعَبِّدًا الْوَاحِدِ ابْنَ خِرَادٍ وَحَمَّادًا الْمَعْنَى وَرَحِمًا وَالْمَعْنَى وَرَحِمًا وَالْمَعْنَى وَرَحِمًا وَالْمَعْنَى وَرَحِمًا وَالْمَعْنَى وَرَحِمًا وَالْمَعْنَى وَرَحِمًا وَاللّهُ وَرَحِمًا وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَسَلَّمُ وَاللّهُ وَسَلَّمُ وَاللّهُ وَسَلَّ وَسُلُومَ اللّهُ وَسَلَّمُ وَاللّهُ وَمَلْ وَاللّهُ وَمَلْ وَاللّهُ وَمَلْ وَاللّهُ وَمِنْ وَاللّهُ وَمَلْ وَاللّهُ وَمِنْ وَاللّهُ وَمُنْ وَاللّهُ وَمِنْ وَاللّهُ وَمِنْ وَاللّهُ وَمِنْ وَاللّهُ وَمُنْ وَاللّهُ وَمِنْ وَاللّهُ وَمُنْ وَاللّهُ وَاللّهُ وَمُنْ وَالْمُوالِمُ اللّهُ وَمُنْ وَاللّهُ وَمُنْ وَاللّهُ وَمُنْ وَاللّهُ وَمُنْ وَاللّهُ وَمُنْ وَاللّهُ وَمُنْ وَالْمُوالُولُ وَاللّهُ وَمُنْ مُنْ وَاللّهُ وَمُنْ وَاللّهُ وَمُنْ وَاللّهُ وَمُنْ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَالْمُوالِقُولُ وَالْمُولُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَالْمُوالُولُولُ وَالْمُوالّمُولُ وَاللّهُ ا

محمد بن صفوان بن فحد سنے کہا کہ مُن سنے دو قرائی شکا ر کئے اور انسیں ایک بیلے نیز بہھرسے ذیجے کیا پھر ہیں نے ان سکے متعلق رسول النہ صلی النہ علیہ وسلم سے بچہ جھا تو آپ نے جھے ان کے کھانے کا حکم دیا ۔ دنسائی ، ابن آجہ مناقلہ کی مدیث میں محمد بن صفوان کا لفظ شک کے بغیر ہے اور بقول مولا ناہی درست سیے۔ یہ انعماری صحابی سخے بنی الک بن اوس میں سے ۔

مَعْ الله المَّامِ عَنْ زَيْهِ اللهُ الْمَا الْمَا الْمَا الْمَا اللهُ اللهُ

معلماہ بن بسار نے بنی حارثہ کے ایک مرد سے روا بت کی کہ وہ اُمد بہا ڈکی گھاٹیوں مب سے کسی گھاٹی میں ایک مثیر دار اونٹٹی چاتا تھا، پس اسے موت نے آبادا وراس مرد نے اُسے بخر کہ نے کے لیے کوئی چیز نہ بائی، بس اس سے ایک کھوٹئ بی اور اسے اس کی جائے ذریح میں چہو یا حقی کہ اس کا توں بہ گیا، بھروہ نبی صلی الٹر علیہ دسلم کے یابس آیا اور آپ کوخودی تو آپ نے اُسے اس کے کھا نے کا سیم دیا۔

عدّی بن حاتم نے کہاکہ میں نے کہایا رسول الٹراگہ ہم میں سے کسی کوشکار سے اوراس کے باس چھری نہ ہو تو کیا وہ پھر کے میا تداور ڈنڈ سے کے کمڑے کے مماقۃ فرنج کرے ؟ ہم پ نے فرایا : حس چیز سے حیا ہو نوں بہا دواور الٹرکا نا م بو۔ انسانی ، ابن مامیہ

بالب مَاجَاء فِي دَرِيجَن ِ الْمُتَرَدِّية

ا وپرسے بنچے گرسنے والے مہانور کے ذبیر کا باب

مَن رَبِهِ مِنَ مَن اللّهِ مَن اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَن اللّهُ عَن اللّهُ اللّهُ اللهُ اللهُ

مولانا گفت فرمایا کروگات اصطرائدی صیح سیم بشرطیکه ما نورکی موت کا سبب و به به و درکرکوئی اور پیزر آگرکوئی دوسرا سبب غالب موجود مومثلاً با نی می گرنا جهال بر که موت کا سبب عزق سے اور بها لا و عزرہ سے نیچے گرنا کہ اس میں موت کا ظاہر سبب وہ جو سط ہے جو گرنے کے سبب سے آئی ہو۔ نیس کا میں صورت میں مشرین میں زخم لگانا کا فی مندم ہوگا کم یونکہ موت کا دوسرا غالب سبب موجود ہے۔ اس قتم کی صورت میں سرین برزخم لگانا کا فی نہیں جب تک کہ ظن غالب بین م

کرموت کا خالب سبب بہ زخم ہے جس کی وجہ سے مبانور کا نون بہایا گیاہے۔
علا تر خطا ہی نے اس حدیث کے منہن میں کھاہے کہ رہنے رمقد ورعلیہ جا نور کی فوکات ہے۔ مقد ورعلیہ کی وکات ہے جا سے ذبح میں ہوتی ہے اس حدیث کو منعیف کہا گہا ہے کیونکہ اس کا را وی مجھول ہے ابوا لعشراء دار می کے باپ کا علم نہیں کہ وہ کون تھا ؟ اور حماد بن سلمہ کے علا وہ الوا لعشراء سے کسی نے دوایت نہیں کی ۔ عام آبان میں کہ وہ کون تھا ؟ اور حماد بن سلمہ کے علا وہ الوا لعشراء سے کسی نے کہا ہے کہ عام اس کے نز دیک و کا ت اصطراری کی صورت میں زخم کم یہی لگ جائے حملال سبے مگر مالک نے کہا ہے کہ ذکا ت اصطراری کو ٹی جیز نہیں ، صرف اس صورت میں جا نور حلال موگا کہ اس کی جائے ذبح کو کا ما جائے اور ان کے اور ان کی جائے دبھی کو جائے دبھی جو جانوں وہ سے نے دبھی جو جانوں وہ سے کہ باعث جانوں وہ سے نور حمل نہیں بہ تا ۔

باب في المبالغة في النَّابِح

مَن ابْن الْمُبَادَكِ عَنْ مَعْمَرِعَنْ عَمْرِو بْنِ عَبْسِل اللهِ عَنْ عِبْسِل مَوْل ابْنِ الْمُبَادَكِ عَن ابْنِ الْمُبَادَكِ عَن ابْنِ الْمُبَادَكِ عَن ابْنِ الْمُبَادَكِ عَنْ ابْنِ الْمُبَادَكِ عَنْ اللهِ عَنْ عِكْرِمَةَ عَن ابْنِ عَبُسِل اللهِ عَنْ عِكْرِمَةَ عَن ابْنِ عَبُسِل اللهِ عَنْ عِكْرِمَةَ عَن ابْنِ عَبُسل مَا دَابُن عِيسُلى وَ إَنِي هُمَ يَرَةٌ فَ الْا بَهَى دَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ الل

ا بن عباس من اورابوسر مرین سنے کہا کہ دسول التہ صلی الشدعلیہ وسلم سنے مشر بیطار شیطان سے منع فر مایا: ابن عیلی سنے اپنی حدیث میں بیدا صنا فرکیا کہ ریہ وہ مبانور سمے حوذ ربح تو کیا جائے مگرانس کی صرف کھال کا طبر دی مبائے اور مگیر رنز کا ڈی وائیں بھو اسسر بھود ہو وہا وہ سرحتی کہ وہ خود دم جاہے ہے۔

رگیں نہ کا فی جائمیں تھے اسسے تھے وٹر دیا جائے حتی کہ وہ خودمر حائے۔ مثامرے: بقولِ خطآ بی اسسے شریط پر شیطان اس سیسے کہا گیا کہ یہ ایک شیطانی نعل سے اور لوگوں کو ابسا کرنے پر شیطان ہی م کسا تاہے ۔ مثر بطہ کا لفظ شرط سے نکلا ہے جس کا معنی ہے کھال کو تھا ڈنا - اب بوشخص صرف اس پر کہنفا کرے اور حکم مثرع سے مطابق جائے ذبح کونہ کا فیے تو تھی کہ ہیں گئے کہ اس نے ایک شیطانی فعل کیا ہے ۔ علامہ شوکا تی نے کہا ہے کہ یہ تغسیر مدین کا حقتہ نہیں سے بلکہ ایک را وی حسن ابن عیلی کا قول سے ۔ مدین شرمنع فر مایا "کے لفظ برختم سے ۔

بأبب ماجاء في ذكوة الجناين

بیٹ کے بچے کی ذکات کا باب

به ٢٨٢٠ حكا تَنَا الْقَعْنَبِيُّ فَالَ الْحَبْرِيَّا ابْنُ الْسَبَاءَ كِ حَوَمَا فَنَا مُسَلَّاكُ وَالْمَا الْمُنَا الْمُسَلَّاكُ وَالْمَا اللَّهِ عَنَ إِنِ الْوَدَّ الْمِعْنَ إِنِي سَعِبُ فِي فَالَ سَالُتُ وَسُنُولَ اللَّهِ عَنَ إِنِ الْوَدَّ الْمُعْنَ وَفَالَ مُسَلَّادٌ قُلْنَا بَاءَ مُسُولَ اللَّهُ عَلَيْهُ وَمَالَ مُسَلَّادٌ قُلْنَا بَاءَ مُسُولَ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ عَنِ الْمُعْنِي الْمُعْنِي الْمُعْنِي وَمَا لَكُونُ اللَّهُ عَلَيْهِ وَمَالَ مُسَلَّادٌ قُلْنَا بَاءَ مُسُولَ اللَّهُ عَلَيْهُ وَمَالَ مُسَلَّادٌ قُلْنَا بَاءَ مُسُولًا اللَّهُ عَلَيْهُ وَمَالَ مُسَلَّادٌ قُلْنَا بَاءَ مُسُولًا اللَّهُ عَلَيْهُ وَالسَّالَةُ فَنَعِمُ وَقَالَ مُسَلَّادٌ قُلْنَا بَاعُونَ اللَّهُ اللَّهُ الْمُعْنَ وَنَا الْمُعَلِّمُ وَالشَّالَةُ فَنَعِما وَالشَّالَةُ فَنَعِما وَالسَّالَةُ وَالسَّالَةُ وَالسَّالَةُ وَاللَّهُ اللَّهُ الْمُعْرَالِقَ الْمُعَلِي الْمُعْرَالِقَ وَالشَّالَةُ وَالسَّالَةُ وَالسَّالَةُ وَالسَّالَةُ وَالسَّالَةُ وَالسَّالَةُ وَالسَّالَةُ وَالسَّالَةُ وَالسَّالَةُ وَالسَّالَةُ وَالْمُعَالَ الْمُعْرَالِقَ الْمُعْرَالِقَ الْمُعْرَالِقَ الْمُعْمَى الْمُعْرَالِقَ الْمُعْرَالِقَ الْمُعْرَالِقَ الْمُعْرَالِقَ الْمُعْلَى الْمُعْرَالِقَ الْمُعْرَالِقَ الْمُعْرَالِقُ الْمُعْرَالِقَ الْمُعْرَالِقَ الْمُعْرَالِقَ الْمُعْرَالِقَ الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلِلَةُ الْمُعْلِقَالُولُ الْمُعْرَالِقَ الْمُعْرَالِقَ الْمُعْلَى الْمُعْرَالِقَ الْمُعْلَى الْمُعْرَالِقَ الْمُعْلَى الْمُعْلِقَ الْمُعْلِقِي الْمُعْلِقِي الْمُعْلِقِي الْمُعْلِقِي الْمُعْلِقِي الْمُعْلَى الْمُعْلِقِي الْمُعْلِقِ الْمُعْلِقِي الْمُعْ

ا بوسعیگرے کہا کہ میں نے دسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم سے پیٹ کے بیچے کے متعلق بو بھا تو آب نے فرمایا کہ: اگرتم میا ہوتواس کو کھا لو جسترد کی مدیث میں ہے کہ ہم نے کہا یا رسول اللہ ہم اوراس کے پیٹ میں بچہ با ستے ہیں، کیا ہم اُسے بینک دیں یا کھا ہیں؟ آج نے فرمایا: اگر جا ہوتوا سے کھالوکیونکاس کی دل کا ت می سیرد تر آتی ، ابن ما تھی کھالوکیونکاس کی دل کا ت می سیرد تر آتی ، ابن ما تھی

منعوے اکثر علماء کا ہی مذہب ہے گرابو منیفہ و نے کہا کہ ال کے پیٹ سے ندہ ہ نکلنے والا بحبہ جب صب صا بعد ہے کہ ب کہ ب قول یہ کہ ب قول ایک نہیں ہے اور خود الومنیفہ کے امتحاب کا نہیں۔ اس مسلے میں اسٹا دسے فرلان ہے ، شوکا نی نے کہا ہے کہ حدیث ابی سعید کو داد قطنی اور ابن حاب کا نہیں ہے اور ابن حاب کی تصبح کی ہے ہیں کو کی سے اور ابن حاب کی تصبح کی ہے اسکی عبد آلی میں مولیق میں سعید کو داد قطنی اور ابن حاب کہ معتبہ ہیں ۔ بعض میں جالہ می ہے بیشو کا نی کھتے میں کہ عبالکہ صوت اس طریق میں سے جو ابو دا وُداور تر ندی سنے بیان کیا ہے اور من آحمد میں یہ السی سند سے آئی ہے کہ اس میں کوئی صعیف ماوی نہیں۔ اس کے طق بست سے میں لہذا کم ان کی ہے اور من آحمد میں یہ السی سند سے آئی ہے کہ اس میں کوئی صعیف ماوی نہیں۔ اس کے طق بست سے میں لہذا کم اند کم یہ مدیث حق تھے واحد تر ندی کے نہاں کر دہ طریق میں عطیہ ہے جو ضعیف سے ۔ اس کے طق بست سے میں لہذا کم اند کم یہ مدیث حق تھے واحد تر ندی کے نہاں اور ابن مستوری ابوالو رہ ابوالو رہ ابوالو ہو میں گا امنا فرکنا ، کعب بن مالکہ من سے مروی ہے ۔ مافقا سنے کہ اس باب میں علی منا ابوالو الور ابن اور ابن میں مال نہیں الکہ میں مدیث میں اب بر ما برمن ، ابوالا مرمن ابوالدر دائن اور آبو ہو ہو کہ اس مال فرکنا ، ابوالا مرمن ابوالور دائن اور آبولی میں مال فرکنا ، ابوالا مرمن ابوالور دائن اور آبولی المیں کوئی میں ان کوئی ہو کہ اس باب میں علی میں ابوالدر دائن اور آبولی میں ان کوئی ہو کہ کہ کہ کا امنا فرکنا .

مین کی مدیث دارقطی بنے دہایت کی سے اوراس کی سندمیں مادرشدا عورا ودمو ہی بن عمر کوئی دونوں ضعیعت ہیں ابن مسعود م ابن مسعود م کی مدیث کو دار نظی سنے دوا بہت کیا ہے اوراس کی سندمی احد بن المجاج منعیعت ہے۔الجالج نئے کی مدیث کو مہتی نے دوا بت معدن کے مہتی نے دوا بت کیا ہے۔ برایش مدیث کو مہتی نے دوا بت کیا ہے۔ ابن عمر دن کی مدیث کو ما کم اور طبر آنی اور ابن مبال سنے دوا بہت کیا ہے اوراس میں محمد بن مسی واسطی خید ہے۔ دور بعض طرق میں محمد بن اسحاق عنف سے دوا بہت کے اور بعض طرق میں محمد بن عصام سیے ہو منعیعت ہے۔ مور طبح سے دوا بہت کے مصرح سے۔ اور بعض طرق میں محمد بن بحصام سیے ہو منعیعت ہے۔ مورط اس مدید ہے دوا بہت کے مصرح سے۔

ا بن عباس كى مديث دارقطنى سف دوا يت كى سيا وراس كى مندسي كوسى بن عثمان عبد لى عبدول سي كعدي بن

اوريكهناكر جنبي كي غذا مال كي غذا سبع، سوا م كي بواب مي كما مباسكة سبح كرالله تعالى أسع بيط مي غذا كي بغير

أَبْلَهِ يُنَوَ قَالَ نَاعَتَّابُ ابْنُ بَشِيْرِ قَالَ نَاعِبُيَكُ اللهِ بْنُ آَيِنْ زِيَادِ الْقَلَّالُحُ الْمُكِنَّ عَنُ آ بِي النَّرِبُيْرِعَنُ جَايِرِ بُنِ عَبْدِ اللهِ عَنُ رَسُولِ اللهِ صَلَى اللهُ عَكَيْهِ وَسَلَّحَ قَالَ وَكُونُهُ الْجَنِيْنِ ذَكُونُهُ أَسِّهِ.

جاہر بن عبداللہ سے روایت ہے کہ در مول التہ علیہ وستم نے فرایا پسیط کے بیجے کا ذیح کرنا اس کی ال

باب اللَّخِم لَايُدُارِي أَذُكِ وَلِهُمُ اللَّهِ عَلَيْهِ أَمُ لَا

اس گوشت كا باب جى برانشركا نام يسيع جائيان الميانيكا علم زبو

المعنى عَنْ هِنْ اللّهُ اللللللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ

رَسُولُ اللهِ حَمِلَى اللهُ عَنَيْنِ وَسَلَّو سَتُوا اللهَ وَكُنُوا.

عائشہ سلام الشرعلیہ اسے دوا بہت سے کرا صحاب نے کہا یا دسول الٹدکچہ نومسلم ہوگ ہماد ہے پاس گوشت، لاتے ہیں ہمیں نہیں معلوم کرا نہوں الشرکا نام ہے کر ذبر کے کیا عقا یا نہیں، کیا ہم اسے کھا لیاکریں ؟ پس دسول! نشرسال لنسر علیہ دسلم نے فرما یا جم الناری نام ہوا ور کھا گی ربخاری، مؤطا ، نسائی، ابن ما جہ ،

ستہ مشرح : جب گوشت لا نے واسے سلم سقے گو شئے نئے امرام میں داخل ہوئے تھے۔ توان سے بہتو قع نہ تھی کھلا تھا میں میں داخل ہوئے سے۔ توان سے بہتو قع نہ تھی کھلا تھا ہوں گے، صوف اس وسوسے اور شک و دشبہ کی مزار کر توملت و مرمت کے فیصلے نہیں ہوتے مسلم کا لایا ہواگوشت فی الاصل حلال سمجما مبا نا م اسبئے، ہاں و دوس

and the subsection of a proposition of the contraction of the contract

فَالَ خَالِثًا قُلُتُ لِلَائِي قِلاَبَتَ كُوالسَّائِمَتُ قَالَ مِا تُنَةً

نبعث شنے کہا کہ ایک آ دمی سنے بیکا رکمہ کہا: یا رسول انٹرصلی انٹرعلیہ دسلم سم زما نیز مبا ہلیت میں ما و رحب میں ایک ذبيجه ذبح كياكريتے تقے،اس كے متعلق حضوركيا مكم دسيتے ميں ؛ حضور نے فرمايا: الله كے ليے ذبيح كدوا ور حب ماه میں تعبی چام وکر واور تنکی النگر کی خاطر کمرواور کھیلا و ' نبیشنه سنے کہاکہ وہ مشخص بولا ہم نہ مارہ ما مہیت میں ایک فرتع بھی کیا کہ تے مقے اس میں آپ میں کیا مکم دیتے ہیں ؟ فرمایا ہر جرنے واسے مباثور کی ایک فرع سے جیسے تو غذا دسے گا، وہ تیرا مولیٹی ہوگا حتی کہ حبب وہ الوجھ اعظا نے کے قابل ہو مبائے ، نصر اوی نے منظمگ سکے بجا شےاِ نسٹنجماً کا نفظ ہولا، بعنی وہ صاحبوں کی معوادی کے لائق ا وضی بن جائے توٹواسسے ذ بح کرسے اور

٢٨٣١ - كَكَّانُكُ أَحُمَكُ بِنُ عَبْكَاتُهُ فَالْ أَخَبَرُ ثَاكُ أَخَبَرُ ثَاكُ عَنْ الزَّهُمِ فِي عَنْ سَبِعِيْبِ عَنُ اَ فِي هُمَا مِيْرَةَ إَنَّ التَّبِيُّ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْنِهِ وَسَنَّوَقَالَ لَا فَرْعَ وَلاَعِتُ يَرَةً .

ا بومرمیره بمنسصے دوا بیت سیے که نبی صنی التاعلیہ وسلم نے فرایا: کوئی فرع نہیں اور کوئی عمیرہ نہیں رَنجا ری، مسلم، نسانی *اکر مذ*ی ابنِ مآج_{م ا} یعنی زمانڈ ما ہلیت میں ان کا تبوم طلب لیا ما تاتھا وہ باطل سیے ۔

٣٧ ٧٨ركت ثنكا الحُسَنُ بُنُ عَلِيَ قَالَ نَاعَبُ كَالدَّيْ (قِ قَالَ أَنَا مَعْمَرُ عَنِ

لَرَّهُمْ يِي عَنُ سَعِيبُ إِن قَالَ ٱلْفَرْعُ أَوَّلُ النِستَاجِ كَانَ يَسُنَبُحُ لَهُمُ فَيَنَ بَحُونَهُ -سعیدین المسیب سے دوا بہت ہے کہ و ع سب سے پہلا مبا نور ہوتا حوان سکے ہاں پیدا ہوتا تودہ لسے ذبح کر ڈا سے سے .

الْلَوْلِ مِنْ مَا بَحِب .

٣٨٠- حَكَمَا ثَنَكَا مُوْسَى بُنُ إِسْمَاعِيْلَ قَالَ نَاحَتَا ذُعَنْ عَبْدِ اللَّهِ بُرِنَ عُمْمًا كَ بْنِ خُتَكْيُرِعُنُ يُوسُفَ بْنِ مَاهَكِ عَنْ حَفْصَتْرَ بِنْتِ عَبُرِ الرَّحْلِينِ عَنْ عَايْشَتَرْفَالَتُ امَرَنَا رَسُولُ اللِّهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْ وِوَسَلَّوَ مِنْ كُلِّ حَمْسِيْنَ شَبِأَةُ شَاةٌ قَالَ الْبُودَاؤَد قَالَ بُعْضُهُمُ الْفَرْعَ أَوْلُ مَا تُنْكُمُ الْإِبِلُ كَانُوا بَيْهُ بَحُونَنَهُ لِطَوَاغِيُتِهِمُ نُكُوَّكُما أَكُونَا وُيلُقُونَ جِلْمَاهُ عَلَى الشَّجَرِوَ الْعَتْبَوَةُ فِي الْعَشْسِر

عائشہ رصٰی الٹرعنہا سنے فرما یاکدرسول الٹرصلی الٹرعلیہ وسلم نے ہمیں ہ_{ر ی}ج اس بھیج بکرلیوں میں سے **یک بکری پینے کا** حكم ديا بخا الودا فردنے كها كربعف ابل علم كا قول سيے كہ فرخ كربان و ما بليت بس ان شميے حانوروں كا پہلا بجيهة تا تفاحیے وہ اپنے منگوں (طواعثت) تھیو لیے نماؤں کے لئے ذبح کرتے تھے ،گوشت نود کھاتےا ور کھا کہی درمین ير وال ديتے تھے اور عترہ رجب کے ميدنے کے بياع عنرہ من موتا تھا۔ شیعے : مولانات نے فرمایا کرام باب میں واردا ما دریث میں انتہاف سے بخت من بھیم اورعا کشدرضی الٹرعنما کی میریش توفرع سکے دہوب میر دکا نت کرتی ہے ۔ الورزین عقیلی کی حدیث سے صرف احبازتِ ٹابت ہوتی ہے اسی طرح مات بن حرَرُ کی مید میث اور نبدید در منزی کی مدیث سے مجی آمازت کا ثبوت مہو تا ہے۔ مگران کے برخولات ابو ہر میر کا ا ورابن عمر وکیا حادیث سے حمر مست وم ما نعت ٹابت ہوتی ہے۔ پس اس امر میں احتلات ہواکہ ان کوجع کیوں ک کیا حالے۔ کیہ با ت ایک جماعت نے کہی ہے حس میں بہتی اورٹ آفتی بھی ہیں ۱ ان کے نزدیک لا فرُرُع وُلا عُتِيْقٌ

ہے مزعمتیرہ اس طریقےسے اما دیے کو جمع کرنا ناگز برسے کیونکہ تاریخ کا علم مِ حبّ کی بناء برنسخ کا حکم دیا مباسکے جہورائل علم سکے نمز دیک بدا حادیث جو جوا زبر دلا است کمہ تی مہنے وخ میں قامنی عمیا عن کا دعوی سے کہ نہی جما سرعلماء کا مذہب سے اور محدیث ماز بی سنے اس پرجمزم و لقیب کا اظهار مولا نامشنے فر مایا ہے کہ معفن مجة ترین كايركناكه لافرع ولاعتيره كامسند آخد كے بدالفاظكم، يسول الله صلى الشرعليه وسلم نے فرع اور عتيره سعے منع فرمايا ہے، صاحة اس چيز ميد دلالت كمرتى ہے كہ فرع اور عتيره ممنوع ا ورحزام میں لهذا ندیب واستخدماب کا استدلال باطل مو گیا ۔ ابن آگنذ دبنے کہا سے کہ فرع ا ورعتیرہ کا زمانہ مامیت میں دواج تقاآ ودبعفن لوگ اسلام لاسنے کے لبریھی ان میں کرتے دسیے مگر پہلے ا ذن تقاا وربھے ہما نعست ہوگئی لیس محافعت ا ذن کے بعد منی تو ہی تسخ ہے کسی نے اس کے ملاف نقل نہیں کیا کہ پیلے حرمت عنی اور پھر ا ما زت آئی ، کہ نیا س و کا بی قول درست نہیں ہے کہ نسخ کا ٹبوت نہیں طا ۔

كاسك في العِقبِقَانِي

۲۸۳۴ حسماً نشئاً مُسَتَّا دُقيّاً لَ مَا مُسْفِيانُ عَنْ عَبْرِو بُنِ دِيْنَايِرا عَنْ

عَنُ عَطَاءِعَنُ جِيبَتَ بِنُتِ مَبْسَمَ ةَعَنُ أُرْمَ كُرْنِي ٱلكَّعْبِيَتَةِ فَالَتُ سَمِعْتُ رَسُولَ اللهِ صَلَّىٰ اللَّهُ عَلَيْ مِ صَلَّى كَيُّولُ عَنِ الْغُلامِ شَاتَانِ مُكَا فِتُتَانِ وَعَنِ الْجَادِيَةِ شَانَّةُ قَالَ ٱبُودَ (وَوَ سَمِعُتُ احْمَدُ قَالَ مُكَافِئَتَ الْ مُسَانَةُ قَالَ الْمُسْتَوِبَتِانِ اَوْمَتَ فَارِبَتَانِ .

ام کزرد کھبیرنے کہاکہ میں نے دسول الٹھ ملی الٹرعلیہ وسلم کورپرؤ پاسٹے کٹنا ؛ لڑے کی طوب سے ، وہم عمر مکر بیاں وہ دوکی کی طوف سے ایک مکری . ابو واقو د سنے کہا کہ میں نے احمد سے کٹنا ، اس نے کہا : ممکا فِئسّان کا معنی سے ہراہریا

ۆيب قرىب

شکرے بخطاتی نے کہا کہ مکا فیٹنان کا معنی ہے : وہ ہمر باں ان انوروں کی ہم جمر ہوں ہو قربانیوں میں ذرمے ہوتے ہیں۔ بعنی پر بزہو کہ ایک تو یک سالہ ہم مگر مگر ماں سے چھوٹی ہو۔اکٹرائل علم کے ننددیک عقیقہ سنت ہے کا مذک جائی نہیں ۔ اختلات مذکر ومو من بجوں میں مسا وات یا عدم مساوات میں ہے ۔ احمد بر صنب مثان فعی اور سحات نے ظاہر حد میں ہے ۔ احمد بر صنب مثان فعی اور تعادہ کے ننددیک لاکی کا عقیقہ ہمیں ہوتا ۔ امام مالک نے کہا کہ لاکا ہو یا لاکی، دونوں کی طوب سے ایک بمری کا فی ہے ۔ حضیہ نے عقیقہ کو سنت عند مرک کرا کہ اسے جو در جر استعباب میں ہے ۔ حفیہ نے عقیقہ کو سنت عند مرک کہ اسے جو در جر استعباب میں ہے ۔

محدث علی القاری سنے کہاکہ عمق کا معنیٰ سیرشق، بھاڑنا، اوراسی سیرعقیقہ کا لفظ کلاسے . دراصل پیفظ مولو د کے بالوں کے سیے آیا سیر کیونکہ مماتویں دن ہر بال محدد کئے جاتے ہیں اور وہ مکبری حوذ رکح کی جائے اس کا نام بھی عقیقہ رکھ دیا گیا ۔ عل مہشاتی کی عبارت سے معلوم ہوتا سیر کہ حنب کے بال عقیقہ مستحب سیما دراس یں

مذکر ومورُ نث کا فرق نہیں ہے

مَسَنَا ثَنَ السُفَيَانُ عَنَ عَبَيْهِ اللَّهِ بَنِ اَبِي عَنْ اَللَّهُ عَنْ عَبَيْهِ اللَّهِ بَنِ اَبِي عَنْ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَنْ اَبِيهِ عَنْ اللَّهُ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ الْمُنْ اللْمُنْ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللللْمُ الللَّهُ الللْمُ اللللْمُ اللللْمُ ال

ام کریڈ نے کہاکہ میں نے نبی کہ یم صلی الشرعلیہ وسلم کو یہ فر ماتے شنا تھا کہ: برندوں کو ان کے گھونسلوں میں دسندو
ا ور بر ہمی دیا ہے شنا کہ لاکھ کی طرف سے دو مکر یاں اور لڑی سے ایک بکری، نہ کر بھوں یامؤنٹ بھوں کوئی فرق نہیں
منٹرے: زمانۂ جا ملیت میں برندوں کے زہر اور عیافت کا طریقہ بہت معروف و مقبول تھا۔ جب کوئی آ دمی مفروغی ا بر جا تا تو ہے: زمانہ جا کواس کے گھو نسلے یا ورخت بر سے اٹا تا ہا اگر وہ دائیں طوف کو اڑ جا تا تو مطلب برکت فریت کا لیننا ور مذاس کے برعکس ۔ اس مدیث میں اسنیں اس سے منع فر مایا گیا۔ پر ندے میں اس کھا ظرے کوئی نفع وضرر نہیں کہ وہ وائیں یا بائیں یا آگے یا ہے تھے کی طوف کو آ ڑکرانسا ن کی قسمت کا فیصلہ کہ سے یا اس سے ادا دسے کو مبارک یا منحوس بتائے ۔ مدیث میں یہ اضارہ بھی سے کہ دات کو گھونسلوں وغیرہ میں نبرالیف واسے برندوں کا شکا ریز کیا جائے

٢٨٣٧ حَكَ نَكَ مُسَدَّ دُفَالَ نَاحَمَّا دُبُنُ زَبْدٍ عَنُ عُبَبُدِا لِلْهِ أَبِ أَبِي اللهِ عَنُ عُبَبُدِا لِلهِ أَبِي أَبِي اللهِ عَنُ عَبَدُ اللهِ عَنُ اللهِ عَنُ اللهِ عَنُ اللهِ عَنُ اللهُ عَنُ اللهُ عَنُ سِبَاعِ ابْنِ ثَا بِيتِ عَنُ أَمْ كُرْنٍ قَالَتُ قَالَ رَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ اللهِ عَنْ عَنْ اللهِ عَلَى اللهُ اللهِ عَنْ عَنْ اللهِ عَنْ عَالِمَ اللهِ عَنْ عَنْ اللهُ اللهِ عَنْ اللهُ اللهِ عَنْ اللهُ اللهِ عَنْ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ ال

مشنن ابى دا ذر مبديه، رم كدلانعاج مىن تأمما بغيركے ليے ہے جیسے عُلاَ مُنَةُ اور فِلَانُ كُو نُمُةٌ قُوْمِهِ . رَبُونِيَّة كامعنیٰ يبرے كماس كے سرى تعليف دو باں بں بعنی جورحم میں ایک سفے۔ انہیں اتا رد با جائے ۔ بیچے کے سرکونوں اُلودکرنا زما دہ مبا بلیت کی ایک دم بھی لهذا علماءنے اسے کمروہ سمچاہیے۔ جیسا کراہو آفی دیے کہاکہ روا بیٹ کا تفظ نیٹنی تقاسیسے حمّاد سے مُیکری بنا والا۔ ٢٨٣٨ ـ حَكَّلُ اثْنُ الْمُثَنِّى قَالَ مَا أَبُنُ إِنِّي عَنْ سَعِيْدِ عَنْ الْنَاكُ وَقَا عَرْبُ عَنِ الْحُسَنَ عَنْ سَهُمَ لَا بُنِ جُنْدُابِ أَنَّ رَسُولَ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحَ قَالَ إِنْ كُلُ عُلَامِ رَهِينَنَدُ بَعِقَيْقَتِهِ تُنْابِحُ عَنْهُ يَوْمَ سَابِعِهُ وَيُحْلَقُ وَلِيَهُمَى فَالْاَكُو دَا ذُدَ يُسَهِّى اَ صَتُحُ كَنَا قَالَ سَلَامُ بُنُ اَ فِي مُطِيعٍ عَنُ فَتَادَةً وَإِيَاسِ بُنِ دِغُفُلِ وَاشْعَتْ عَنِ الْحَسَنِ . سمره دم بن جندب سے د وابت سیے کہ دمیول انٹرصلی انٹرعلیہ وسلم نے فرما با : ہردادکا اسپنے عقیقہ کا مرہوں سے توساتویں دن اس کی طوف سے فرج کیا جائے اوراس کا سرمنظ وایا جائے اوراس کا نام رکھا جائے۔ ابد داؤ دسنے کما كريتين مسيح مترسي اسى طرح سلام بن افي مطيع في قتاده سعدوايت كرك كهااورا ياس بن و فقل ا ورانتعث سن حن سے روایت کی دنر ندی، ابن مآجہ الساتی ، خطابی نے کہا ہے کہ خس کا سماع سمرہ سے بخارتی کی ایک روایت سے ٹا بت بہوتاسیے میں کااس نے توالہ دیا ہے اور وہ بھی عقیقہ کی روایت سے۔ شرح: ما فظاہر بحدالبرنے کہاسے کہ تعد وا ما دیٹ سے بیچے کے مرکو مانور کے نون سے آ لودہ کرتے کا نسخ اور اس کا زمائزہ ما بلیت کی عادت ہوزا ٹا بت سے ۔ اب حال سے عائشہ دھنی انٹر عنہاستے روایت کی سے کہ معنواڑ سنے نه مان دم بلیت کی رسم کے بجائے بچے کا مرمن رحواکراس بنوشبور خلوق ڈا سنے کا حکم دیا تھا۔الوانشخ سے اس میں ا مِنا فہ کیا سیے جس سے صراحۃ میخے سے سرکونوں اً لود کرنے کی ممانعت ثابت ہوتی سیے ابن ماجہ کی ایک مرس ىمدىيث سىے ىعبى فما نعىت ملتى سيے و ٢٨٣. حَتَّى نَنْنَا الْحَسَنُ بُنُ عَلِيّ قَالَ نَاعَبُهُ الرَّبِيّ اقِ قَالَ نَا هِشَامُ بُنُ حَسَّاتٍ عَنُ حَفْصَنَهُ بِنُتِ سِبُرِينَ عَنِ الرَّيَابِ عَنْ سَلْمَانَ بُنِ عَامِرِ الضَّبِّي قَالَ قَالَ رُسُول اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْمِ وَسَلَّوَمَعَ الْعُكْرِمِ عَظِيْقَةٌ فَاهْرِيْقُوْاعَنْهُ دَ مَسًا وَ أَمِيكُمُوا عَنْهُ الْأَذِي ـ سلمان بن عائرٌ صنى سنے كهاكه دميول الشرصلي الشرعليه وسلم سنے فريا باكه لائے كے سما تق عقيقہ سبے بس اس ك طرف معایک مبالور کاخون بهاؤاوراس کے اذبیت ناک بال دورکر و (بخاری، تر تدی، نسائی، ابن ما جر، مسندا حمد)

40

440

منتریت: علام خطابی نے کہا سے کہ رسول انترصلی انترعلیہ وسلم نے حب سرکے بالوں کو باعث اذیت قرار دسے کر ان کے اٹا رنے کاحکم دیا سے توریکیسے ہوسکتا تھا کہ اُس اذیت سے ادبی خون کی اذیت تشجیع نے کا حکم دسیتے ہ حالانکہ بال ایک ملکی اذیت سے اور سرکو خول آلود کمہ ناا ور نجس کرنا اس سے بڑی اذیت سے اس سے معلوم ہوا کر سی تی ر

بِيهِ ٢٨. كِيْ الْمُنْ أَبُودَ اوْ ذَنَالَ نَا يَعُبُى بُنَ خَلَفٍ قَالَ نَاعَبُ ثَالُاعُلَى قَالَ

نَا هِشَامٌ عَنِ الْحَسَنِ اكْنَهُ كَاكَ بَقُولَ إِمَا طَلَهُ ٱلْأَذِي حَلَقُ الرَّأْسِ -حس بقرى سے روابت سے روابت فی دولکتے تھے :اذبیت دُورکسنے کامعنی سرمونڈ صناسیے .

٢٨٢١- حَكَّا تَكُنَّا اَبُوْمَعْبَدِعَهُ كَاللهِ بُنُ عَبْرِو فَالَ نَاعَبُكَ الْوَامِ فِ فَالَ نَاعَبُكَ الْوَامِ فِ فَالَ نَاعَبُكَ اللهُ عَلَيْهِ فَا فَالَ نَاعَبُكُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَعَنَّ اللهُ عَنُولَ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَعَنَّ اللهُ عَنُهُ مَا كَبُنْنًا كَبُنْنًا وَسَلَّا عَنْهُ مَا كَبُنْنًا كَبُنْنًا وَ اللهُ عَنْهُ مَا كَبُنْنًا كَبُنْنًا وَكُنْ اللهُ عَنْهُ مَا كَبُنْنًا كَبُنْنًا وَ اللهُ عَنْهُ مَا لَكُنْنًا كَبُنْنًا وَلَا عُنْهُ مَا لَكُنْ اللهُ عَنْهُ مَا كَبُنْنًا كَبُنْنًا وَ

ا بن عبام معسے دوا بیت سبے کہ دسول انٹ حسل انٹرعلیہ وسلم سنے حسن اور حسین کی طرفت سیے ایک ایک میٹھیا بطور عقیقہ دیا دنسائی، لیکن اس میں دو دورمینڈ صوں کا ذکر سبے

منگرح:الواکشیخ کی روا بت بیرانجی د ودو مدینا بھے آئے ہیں کیپش متعب دو ہوئے اور مبائز ایک کیونکہ عثر طلوب مزید

تَنُوبَحَهُ فَيُكُزِقَ كَمُهُ بِوَيْرِمْ وَتُكُفَّىٰ إِنَاءُكَ وَتُؤَلَّمَ نَا قَنَكَ -

معبدالشدى عروب العاص رصى التدعنها نے كهاكه نى صلى الدعليه وسلم كوعقيقه كے متعلق يوچها كيا تو آپ نے فرمایا:التلد تعالی عقیق کو نا پسنکمستا ہے، گو باکر آھے نے یہ نام پسند نہیں ﴿ مایا -اور فرمایا کہ جس کے ہاں کوئی بجیریا موا وروہ اس کی طرف سے مبانور قربان کرنا جاسے تونس لڑے کی طرف سے دوئم عمر قربانی کے مبانور کی مان ریکر یا ک د ہے ۔ اور لڑکی کی طرف سے ایک بکری اور حصنور سے فرع سے تعلق بوچھا گیا تو آئے سنے فرمایا کہ فرع برحق سہے ۔ ا وراگرتم استے بھروڑ دویحتی کہ 💎 وہ مضبوط گھٹا ہوا مبا نورین مباسٹے ایک سالہ با دوم البریجان ا ونیٹ بہو مباسف اور توا سیکسی ہوہ کورے ڈانے یا اُسے اللہ کی راہ می کسی کوسواد کر دوتو براس سے بہتر ہے کراسے ذبح کرواوراس ك كوشت كوامس كي اون سے الوره كرواوراينا دودھ كابرتن السطاد واورايني اونٹني كويريشان كرورنسائي ىنىمەسى: علامەخطابى نے كھاسىركەا ہل كىغىت مىں عقبقە كے اشتقاق كے بارسىدىمى اختلاف سىرے كى سے كەكەرىدنام ان با بوں کا سے یمنیں مونڈھا ما تا سیے بھر مکری کو عجازی طور میرعقیقہ کہہ دیا گیا۔اور پیشورنے اس نام کو نا لیندولا یا سیے لہذا اسے نسیکہ یا دبچہ کہتا ہمتر ہے میں گزارش کر نام ہوں کرا مام ابوصنیفہ مسے جوعفتیقہ کے خلاف روایت آئی ہے اس کادان ہی ہے . اور اننوں نے زمان مراملیت کے عقیقہ کار دکیا سے تعنی بچے کے مرکونوں آلودکرنا وغیرہ فیطاتی نے کہاسے کہ بکری کوعفیقہ اس سیے کہا گیا کہ یہ مبا نور بالوں کے منڈ صواسٹے مبا نے کے باعث فر ہاں کیا مبا تاہے بعصٰ امل بننت کا قول ہے کہ عقیقہ بخو داس مکری کا نام ہے سیسے ذیح کیا جا تا ہے۔عقّ کامعی شقّ مہو تا ہے ، پی ککہ اس حانور کی رئیں کا ٹی عباتی میں اوراس کا گوشت،ایک ایک بوٹی کر کے الگ کیا ما نامنے لہذا اسے عقیقہ کہا گیا جفنور نے ہو فرما یا ہے کہ اونٹنی کا بچہ ذ بح کر کے دروھ کے برتن اُ سط دو گے ، اونٹن کویر لیٹان حال کرو گے ، اس کامطلب کیا سے ؟ فرتع کے متعلق فرمایا مبار ہاسمے کہ اگرتم اونٹنی کامبرلا بچیز زیح کرو گے تونیتیراس کے دو وصد محرومی ا ورا و نتلنی گی میریشانی ہوگا۔ لهذا اس سے بهتریہ سے کہ اسے پال پوس کمرشکی کے کام میں دھے دو۔ یا درسے کہ اس کے بعدوع كاحكم مكيبه منسوخ كمدو بأكبائقا يه

المراركة المُحكَّا اللهِ اللهِ اللهُ الله

٥ ﴿ وَقُلْ صَافِي عَبِهُ الْمُعِرِقِ بَرِي وَقَالَ مَا يَعْدُونُ مِنْ مِنْ اللَّهُ وِلَمَا مِنَا اللَّهُ وَلَك الْجَاهِلِيّنَ فِي إِذَا وُلِكَ لِأَحْدِي ثَاغُلُامٌ ذَبَحَ شَاقًا وَلَطَحْمَ السَّهُ وِلَمَا مِهَا فَلَمَّاجَاءَ

اللهُ إِلْاسُكَامِ كُنَّا نَنُ بَحُ شَاةً وَنَحُلِقُ مَ اسَهُ وَنَلُطَحُهُ بَزَعُ فَرَانَ آخِرُ لَاضَاحِيُ اَوَّلُ العَيْدِي -

عبدالشّرين بريدٌ ہ كا بيان سے كرميں نے اپنے داپ بريدٌ كو كھتے ثنا كەزدا نۂ جا لمبت ميں حب مم كسى كے ماحق

جابر شنے کہ اکہ بی صلی اللہ علیہ وسلم نے کسوں کو قتل کرنے کا حکم دیا سے کہ عورت بھی اگر صحاء سے کا ساتھ لائی قوم ہے تی کہ میں ان کے قتل سے روک دیا اور ڈو با کہ میاہ دنگ والوں کو مار دو۔
ماسی سے بعین ہم نے مدینہ میں توکوئ کتا نہ جوڑا لیکن اگر کوئی باویۂ نشین عورت بھی کتا ہے کہ آئی تو ہم اس کے کتے کو مار ڈا لیے تے۔ بعین دفتہ کتوں کی کرت ہو مائی سے اور ان میں دلیا نگی جوٹ بڑتی ہے، گی معلے میں اور واله چلتے کتوں کی کتوں کو مراز درتی ہیں۔ مربعہ محقیقی سے کتوں کوئی کتوں کوم وا درتی ہیں۔ مربعہ محقیقی سے میت میں اس کے دائوں اور نواب میں دلیا نگی کے اخترات ہوتے ہیں۔ امام احمد اور اسے تر دلیا در بیا در نہوں ان کے قتل میں افتہ اللہ میں ماؤند نہیں۔ اور دلیا اسے تر دلیا دانے کتے کے تر اس کے دائوں اور نواب میں دلیا اللہ کے اخترات ہوتے ہیں۔ امام احمد اور اسے تر کر کا لے کئے سے شکار کرنا تھی جائنہ نہیں۔ اور دلیا الے کتے کے تن کر توسب علماء کا اسے اسے در کرنے سے در کرنے میں افتہ لافت سے۔

كات في الصيلا اب شارك باسي

٢٨٣٤ . كَلْكُ تَكُ عُمَّدُ اللَّهُ عَبْسَىٰ قَالَ نَاجَدِ نَيْرَعَنَ مَنْصُومٍ عَنْ إِبْرَاهِمُ عَنْ عَنْ عَنِ عِنْ إِبْرَاهِمُ عَنْ عَدِي أَبْنِ حَالِيمِ قَالَ سَأَلُتُ النَّبِي صَلَى اللهُ عَلَيْمِ وَسَلَّعُ فُلُتُ

جوان مي تما توتواس مت كها، معلى معلوم شايراس كية فيدشكار ما لا موجو ترسي كتون سينسي عقاء منتر ستح شکار دو ککر خصب کے معاملات میں سے سبے اور رخصتوں میں وہ شرعی شرائط ملحفظ ہوتی ہی میں کے سے رخصنت دی گئی، نیں جب ان میں سے کوئی مٹرط مفقو دم وگئی تو آ صلی ترمت وائس کا حاسے گی کیونکہ اصل مس توم وه حالید ذبیجهٔ نسسید، ضرورت کی وم سے اُسیے مشروط طور برم ال از ارد ما کما سیے دخطا بی اس عکش میں جو دونٹرطیں مگا ٹی گئی ہیں بیٹنی شکار کے یا بی میں رہ یا سے حبائے کی نثر حاورانیئے تیر سے سواکسی اور نشان کے ندم وبنے کی شَرَط، یہ دونوں شرطی اس نیے ہیں کہ ان کی عدم موجودگی میں یہ معلوم ننس بوسکتا کہ شکار کی موت کا باعسف كياظاءاً باتريخا ياعزفا في آكو في اورستب اليسانكار كے كھاشنے ميں ايك شرط اورسے جو صدريف سعے ثابت سيركه ايك فخفس نيريسوك الشرصلي الشرعليه وسلم كوشكار كالتحفدميش كباا ورحفنو كسيكي وربا فنت كرسف يرتبا ما ہ: می سنے کل اس مربتر میلایا تھاا ور میں برابراس کی الأش میں تھا، دات آ تبا سنے کے باعث میں سنے تلاش ترک ىمەدى*رى يورا ج*ېرىل سىيے اوراس مىں مېرىيەتىر كەنشان سىھ -حضودعلىدالسلام <u>نىے ۋ</u>ما ياكەرپەتىرى ك*اپبول س*ے ا و تھبل رہا، شایداسے کسی در ندسے یا کیڑے مکولا سے نے مار ڈالا ہو، مجھے اس کی ماحت سہی- ابن عباس فا قول سي كرجوتيري لكاميول سكرما تف ربا أسب كهااور ونظول سيدا و تحبل موكرا سيد من كمايكي تيم تواتر الأ ا ورطلب كونگا برول سے او تھل موجا نے کے باعث نظر كا قائم مقام مربنا سے صرورت عمرا يا گياسے .زيرنظ مدیث اس مسئله من ایک عظیم اصل بیش کرتی سے کر جب بموت کے دوسیب یائے جائیں، اور آنک سبب ملت ا ور دوبرا حرمت بنا نا موتونتكا راموتونتكا رنهي كهايا ماسئ كا، كيونكهاس بات كا احتمال موجود سي كموت اُس سبب سے واقع ہوئی ہو ہو تو گرمت کا باعث نتا۔ آوپہ ہم نے ابوسیمان الخطابی کا ہوقول *درج کیاسے وہ نہا*۔

. ٢٨٥ . كَتْكُ ثَنَا كُمُنَّ مُنْ يَخْيِي بُنِ خَاصَ إِنَّ فَالْ أَنَا أَحْمَلُ بُنِ حَنْبُلِ

قَالَ نَا يَعِينَى بُنُ زَكِرِ آيِ بَنِ اَ فِى نَمَا اِئِكَ آَهُ قَالَ اَخْبَرَ فِي عَاحِمُ إِلَاَحُولُ عَزِلَشَّعْ بِيَ عَنَ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْ وَسَلَّوَ قَالَ إِذَا وَ قَعَتُ رَمِيَّتُكَ عَلَى عَلَى إِنْ اللهُ عَلَيْ عَنْ اللهُ عَلَيْ عَلَى اللهُ عَلَيْ عَلَى اللهُ عَلَيْ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلْمُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ

عدی خبن ما تم سے روایت ہے کہ نی صلی الٹرعلیہ وسلم نے فر ما یا : حب تیر کھا کر تیرانشکا رکا نی میں گر رہیے ہے ا عرق مو حباسے تو موت کی صورت میں اسے مت کھا (پنجارتی، مسلم، تریذی ﴿

١٨٥١ حَكَ ثَنَا عُمُّانُ بُنُ آبِ سَهُمِّتُهُ فَالَ نَاعَبُدُ اللهِ بُنُ نُمَيْرِقَالَ نَا مُجَالِدٍ عَنِ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحَ فَالَ نَا مُجَالِدٍ عَنِ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحَ فَالَ

مَاعَلَّمْتَ مِنْ كَلْبِ أَوْ بَازِيْثُرَّ السَّلْتَةُ وَذَكَرْتَ اسْمَاللَّهُ فَكُلُّ مِمَّا آمُسَكَ عَلَيْكَ أَقُلُتَ وَإِنْ تَعَتَلَ فَالَ إِذَا فَتَلَكَ وَنَعْ مُا كُلُ مِنْكُ شَيْبًا فَإِنَّكُمَا كَمُسَكَّهُ عَكَيْكَ -بے کہ می صلی انٹر علیہ وسکرنے وڑا یا: توسے جس کتنے یا باند کو تعلیم دی میر توسنے سے مجبول الورات کے نام کا ذکر کیا توجی شکار کو وہ تھے ہر روک رہے اُسے کھا ہے، میں نے کہا: اُگر جبر اُسے ائس نے قبل کر دیا ؟ فرماما : حب مس نے شکار کو قبل کیا اوراس میں سے کیے کھا یا نہیں تو وہ نیر سے ہی لیے روکا تے کہاکہ آڈنے نے حب اس مس سے کھاتیا تو کو ڈی حرج مہیں اور کتے نے جب کھا یا تو مکہ وہ ہوا اوراكرائس نےخون بیا تو کو ئی مصائقہنیں رہتے مذی حخ ے ہے سیے اور ہی مثنا فعی کا مذمب سبے ۔ اور جنگیر نے اور مُزنی شافعی سنے کہاسے کہ سکتے کی صورت م اگراوہ کھا ہے توسیکا رحزام ہوگیا افر باز کا بیر حکم نہیں . مُرزِق نے کہا کہ اس کا سبب یہ سے کہ باقر کی تعلیم نے سے ہوتی ہے مگر کتے کی تعلیم کھانے کے ترک سیے ہوئی ہے۔ اور شافعی م کا ایک قول یہ بھی سے کہ اگر ے شکار میں <u>سے تھ</u>ر کھا لیا تو بھی وہ ترکار حرام نہیں اور نہی مالک کا قول ہے اور میر پرے خیال میں ان کی دنیل ابوتغ كى مدين المام الوداؤد في المرابع الراباد من جوزق بنا بلسم السيرم الوبر كفتكوكر مِلْ ما ٢٨٥٢ ـ كُلَّا تَكُا مُحْكِمُ أَبْنَ عِيْسِلَى قَالَ نَاهُشَيْمٌ قَالَ أَخْبِرُنَا دَاؤُدُنِ عَنْمِ عَنُ كُسُرِ بُنِ عُبَيْدِ اللهِ عَنْ اَ فِي إِدُرِيسَ الْحُولَا فِيِّ عَنْ اَ فِي تَعْلَبُ لَهُ الْحُشُنِيِّ قَسَالً قَالَ النَّبِيُّ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوْنِي صَبْهِ الْكُلْبِ إِذَا آمُ سَلُتَ كُلِّبَكَ وَذَكَرُتَ اسْمَ اللهِ تَعَالَىٰ فَكُلُ وَإِنَ أَكُلُ مِنْكُ وَكُلُّ مَارَدَّتُ عَلَيْكَ يَكُكُ لَكَ. ابو تعلیہ خشتی نے کہاکہ نبی صلی اللہ علیہ وسلم نے شکاری سکتے کے متعلق فرما یا : حب توسنے اپناکنا ججو ڈااوراللہ کا نام نیایس تواسے کھا ہے اگر جیوہ اس میں سے کھا جائے ،اور جو کچھاس نے سیرے ما بھر میں جھوڑ دیا کہ سے کھائے منٹر جے: عدی ہے اورالو ثعابیم کی مدشوں میں تعارض ہے بخطاتی نے کہا سے کہانہیں بوں حمع کمرنا ممکن ہے کالوثعلیش کی حدمیث کوا با حبت میں اصل ما نا حبا ہے اور عدمی کی حدمیث میں تحریم کو تعزیہ سے معنوں میں لیا حباہے ، ما اس ک برخلات عدي كى مديث مي تحريم مراد لى جائے اور الو تعليم كى مديث من وَإِنْ اكْلُ مِنْكَ كَا تَعلق نه ما من سے قرا ہر ما جائے، یعنی اگر میروہ اس سے قبل کھام! "ار یا ہو را می سلے کر ہتھ وہ ایک ہیکا ری حوال سے) پھر بھی تم اسے محیوٹرنے میں میرواہ منت کرو۔ اس کی وضاحت ببرے کر بعض فقہاء کا بیر مذہب سے کہ اگرشکا رسی گنتا ا پکٹ مڈنٹ تکس شکا دکونہ کھ اس تو بعد میں کھانے سکے تواس کا اگل بھیلاسب شنکار حرام ہوا۔ بہاس معدیث

میں حضور کے ادشاد کا مطلب یہ ہے کہ اگر کتے کو پہلے شکا رمیں سے کھا مبانے کی عادت تھی مگراب نہیں ہے تواب اس کے شکا اور کھا ہے میں مرحدنا نعیز نہیں .

مولا ناصر فرمایا کراس مدیث کا راوی داؤد بن عمر دمنظم فیرسید ابن حزم نے کہا سے کہا حمد بن حنہ بنے اسے اسے کہا سے کہا حمد بن حنہ بنے اسے اسے منطق نے اسے طبح اسے منطق کی اسے عنہ توی کہا ہے ۔ نووی سے سے مسلم میں کہا ہے کہ علمار نے عدی بن حاتم ہی کہا ہے کہ علمار نے عدی بن حاتم ہی کہ منطق کی حدیث کو مقدم کر دانا ہے کہو کہ وہ اس حدیث ابی تعلیم اسے انگر ہوگیا ، بھر تقویل کی دیم سے انگر ہوگیا ، اس صورت سے شکا دیں کوئی فرق نہیں ہوا تا ۔

م ٢٨٥- حَكَمُ النَّهُ الْحُسَابُنُ أَنُّ مُعَاذِبُنِ خِلِيْفٍ فَالَ مَا عَبْدُ الْاَعْلَىٰ فَالَ مَا

٢١ؤُوُعَنَ عَامِرِعَنَ عَدِيِّي بُنِ حَاتِمِ اتَّهُ قَالَ يَارُسُولَ اللهِ اَحَكَانَا يَرُمِي القَيْدَا فَيَقْتَفِى اَثَرَهُ الْيَوْمَ أَيْنِ وَالتَّلاَثَةَ ثُوَّ يَجِدُاهُ مَيِتنًا وَفِيهُ وَسَهُمُ لَا يَاكُلُ قَالَ نَعَمُ اِنْشَاءَ اَوْقَالَ يَاكُلُ إِنْ شَاءَ۔

عدی ٹُن حام ، روایت ہے کہ اس نے کہا: یا دسول اللہ نم میں سے کو ٹی شکار پرتیر صلاتا ہے اور دو تین د^ن تک اس نے پیچھے نلاش میں رہتا ہے، پھراُسے مردہ یا تا ہے اوراُس کا تبراس کے اندر ہو تاہیے ، کیا وہ اُسے کھا ہے ؟ صفورٌ نے فرمایا: یاں اُکر جاسے تو ، یا پہ فرما ایکر :اگر جاسے تو کھالے ۔

السَّفَرِعَنِ الشَّعْبِيِّ قَالَ قَالَ عَدِا يُ انْ عَالِمَ اللَّهُ عَلَيْهُ وَسَلَمَ النَّبِي صَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ وَسَلَمَ عَنِ الْمِعْمَ الْمِ نَقَالَ إِذَا اصَابِ بِحَيِّهِ فَكُنْ وَإِذَا اصَابَ بِحَرْضِهِ فَكَلَ تَاكُلُ عَلَا الْحُلُ عَنِ الْمُعْمَ اللَّهِ فَقَالَ إِذَا سَمَّيْتَ فَكُنْ وَ إِذَا اصَابَ بِحَرْضِهِ فَكَلَ تَاكُلُ تَاكُلُ وَالْمَابُ بِحَرْضِهِ فَكَلَ تَاكُلُ وَالْمَابُ بِحَرْضِهِ فَقَالَ إِذَا سَمَّيْتَ فَكُنْ وَ إِلَّا فَكَ تَاكُلُ وَالْمَالُ اللَّهُ اللَّ

عدى بن حاتم بننے كها كه بي نے دسول النه صلى الشرعليہ وسلم سے معراض سے متعلق بوجها تو آپ سنے فراياكم سبب وہ ابني دھاد كے ساتھ لگے تورشكادكو) كھا سے اور حب وہ ابني جو طائی كے بل گئے تومت كھا كيونكہ وہ وہ موقوزہ رچوط سيے مرسنے والا) سبع بي سنے كها كہ ميں ابناكتا محبوط تا ہوں تو فرايا: حب تو نے تسميہ بلاحي تى تو كھا ہے ورنہ مت كھا ، اوراگہ وہ اس ميں سبے كھا جا ہا ہوں اور شكا در برا كير اورك با تا ہوں تو حضور سے كيا ہے۔ درنہ كر تر سر ليے) جرعد يو نے كہا ، ميں ابناكا مجوط تا ہوں اور شكا در براكير اورك با تا ہوں تو حضور سے نے ادرن اور تا با موں تو حضور سے اور تا با موں تو حضور سے اور تا با موں اور شكا در براكير اور تا با موں تو حضور سے اور تا با موں اور شكا در براكير اورائل مول اور ترمیم اور ترمیم اور ترمیم اور ترمیم ہوگا ۔ باتی مدین میں مواحت النہ میں گفتگو كی جا جگا ہے۔ موام ہوگیا ۔ باتی معدا میں براؤ مير كی اما ورث ميں گفتگو كی جا جگا ہے۔

وكَمَا اَصَلُاتٌ بِكُلْمِكَ الَّذِي كَيْسَ بِمُعَلَّوْ فَأَدُرَكْتَ ذَكَاتَ مَ فَكُلُّ ـ

ابو تعلیم نشنی کتے مقے کمیں نے کہا یا دسول الٹرمیں اپنے ایک سیدھائے ہوئے اورا یک بخرس معائے موسے اورا یک بخرس معائے موسے کتے تسے کیا اس برالٹر کا نام موسے کتے تسے کیا اس برالٹر کا نام سے اور کھا۔ اور جو شکار تو نے اس کے نے کہ ساتھ کیا ہج سدھا یا مجا اور بچھے اس کے ذریح کرنے کا موقع مل گیا تو اُسے کھا ہے ربخاری مسلم، نسائی کا بعنی معلم کتے کو جب تسمید کے بعد جھوٹرا اوراس نے شکار کو تشکید کے اور اس کے کھا ہے کہ مورت میں اس کا مادا مجا شکار ما بھز نہیں، ہاں اگر زندہ لگا گیا تھیں۔ کہ دورت میں اس کا مادا مجا شکار ما بھز نہیں، ہاں اگر زندہ لگا

بشمرا للرالت مسرل لتحييل

أوَّلُ حِنَابِ الْوُصَايَا

ادّل كتاب الوصايا داسى بهاب اور ۲۳ مديني بين بي كا كما بالم مريب الوصيايا و مريب الوصيد

ا ن احكام كاباب جووصيت من أشقي

عَبُونَ عَبُدُ اللهِ يَعْنَى اللهِ عَمَرَعَنَ دَسُ صَنَهُ هَ إِنَا بَعَبُی عَنَ عُبَیْدِ اللهِ قَالَ حَدَّ الْبَیْ اللهُ عَنْ عُبَیْدِ اللهِ قَالَ حَدَّ اللهِ عَنْ عَبُدُ اللهُ عَلَیْهِ وَسَلَّمَ قَالَ صَالَعَ اللهُ عَنْ عَبُدُ اللهُ عَنْ عَبُدُ اللهُ عَنْ عَبُدُ اللهُ عَلَیْهُ وَسَلَّمَ قَالَ مَسَا حَقَّ اللهُ عَنْ عَبُدُ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَیْهُ وَسَلَمْ فَا اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَا اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَا اللهُ عَلَى اللهُ عَلَا اللهُ عَلَا اللهُ عَلَا اللهُ عَلَا اللهُ عَلَا اللهُ عَلَا اللهُ عَلَى اللهُ عَلَا الللهُ ع

ا ورًا و بیاد بیراس کا نفا ذرخروری سیے ۔ مولانا نشینے قربا یا کہ وصیبت مصدر بھی سیے ا ور حس مال میں پایس مضموں کی وصیت کرنا حیاسے کا اسے

باب ما جاء فيمالا يجوز الموصى في ماله بابدميت را دالا بنال كر كتف صفير وميت رسكانه

بْنَ خُولْنَهُ يُرْقِي لَهُ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْرِ وَسَلَّمُ أَنْ مَاتَ بِمَكَّمَرَ

عامرین سور نونے نے اپنے باپ سے روایت کی کہ وہ کمہ میں اس فار بیما رہو کے کہ میں موت کے قریب ما پہنچے ، پس رسول الشر المرس کی اللہ علیہ وسلم نے ان کی عیا دت کی توسع نونے کہ ایا رسول الشرا بمرے باس بہت مال ہے اور میراوارٹ میری برخی کے سواکو کی نہیں ۔ پس کیا میں اپنے مال کا دونلٹ (بعنی ہے صد فر کر جا الح اب معنور کے و ما ما کہ نہیں بعد فر ایا نہیں . سعت نے سے مال کا دونلٹ (بی صد فر ایا نہاں معنور کے و ما ما کہ نہیں بعد ہے کہ اور ایش کے مادی ہے مور اللہ اس سے بہتر ہے کہ تو اس سے بہتر ہے کہ تو اس سے بہتر ہے کہ انہیں دور ول پر بو جربنا جائے ۔ وہ لوگوں کے آگے ہائخ تھیلا تے بھریں ۔ اور توجو بھی نفقہ کر سے کا اس کا اس میں بھر ہے ہے اور ول کو نفوی ایشا ہے گا میں لے کہ ایا ایسول الٹری ابنی ابنی بھرت سے پچھے رہا جا تا بہوں بھنو گرنے فرایا : توا گر میرے بعد نز ندہ اربا اور نبک کا سے مالا توالٹ کہ کی رضا ، چا اور ہی کہ مالا توالٹ کہ کا بی سے کا میں کے کہا : یا اس کے مالا توالٹ کہ کی رضا ، چا ہے گا تو بری کے مالا توالٹ کہ کی دونر کو گا تا ہے کہا تا ہوں کے مالا تو اور ول کو نقصا ان پنچے گا ۔ بھر حصور نے فرایا : اس کی میکو اور ول کو نقصا ان پنچے گا ۔ بھر حصور نے فرایا : اے الٹر میں میں کہ کہا تھا کہ کا بالہ تو ارسے کا اور کی اور کی اور کی اور کی اربی ہو کہا تھا تھا کہ نامہ تو اور ول کو نقصا ان پنچے گا ۔ بھر حصور نے فرایا : اے الٹر میں میں نورت ہوگیا تھا در بخا در کا می تر نور کی ایک کو در کو گا اور کی ایک ہو اور ول کو نقصا ان پنچے گا ۔ تھر حصور نے فرایا : اس کی ایک ہو اور ول کو نقصا ان پنچے گا ۔ تھر حصور نے فرایا : اس کی بھر اس کی تھر انہ کو کہا کی در اور کی اور کی اور کی دونر کو گا تا تھا در بخا در کا می مسلم ، تر نور کی بیا کی ایک کی اس کی ایک کی اس کی دونر کی دونر کو گا تا تو کہ کی در سال ان اور کی دونر کو کہ میں نورت ہوگیا تھا در بخا در کی مسلم ، تر ندی کی اسانی ، اب کا تو کہ کی دونر کو کہ کی دونر کو کو کہ کی دونر کو کہ کی دونر کو کہ کی دونر کی کی کو کہ کی کی دونر کو گا کی دونر کی دونر کو کہ کی کی دونر کو کہ کی دونر کو کہ کی دونر کو کی کی دونر کو کی کی دونر کو کی کو دونر کو کی کو دونر کو کی کی دونر کو کی کی دونر کو کی کو دونر کو کو کی کی کی دونر کو کی کو کو کی کو کی کو کی کو کی کو کی کو کو کو کی کی کو کی کو کی کو کی کو کی

معدبن خولہ بیارہ اس سرز میں میں مراجہاں سے بجرت کر حیکا تھا ۔ سعد گنی خو کہ کے قفتے میں اختلاف سے بعین نے کہاکہاس نے موت نک ہجرت نہ کی اوراس کی موت مکہ میں واقع ہوگئی بخارتی نے میان کیا ہے کرسعد بن خوارمزنے حبیت اور مدرتنہ کی دونوں ہج تیں کی عنس اور محمۃ الوداع مں مکرمی فوت مہوا. بعض نے کھاکہ وہ صلح صربیبہ کے بعد^{ے ہی} میں مکہ سے گزررہا تقا کہ وہیں فورت ہوگیا - ظاہر سے کمراس میں سعد م بن خولہ کا بنا کوئی تقبور رہر تھا، زندگی ا ورموت توالٹرتعاسے کے باتھ ہیں سے۔ پھر بھی ہجرت گا ہی فوت مہوجا نے سے وہ کا مل وا کل ٹواپ حاصل نہ ہوسکا جو دوبرے مہاہم میں کو مل بھااس سیے تعنوث سنے اس کی مکہ میں موت بیا ظہارا فسوس فرما یا تھا۔ قاصٰی عیا ضٌ نے کہا ہے کہ اگر کو ڈئی حہام ہر مکہ ہم رہیے یا وہاں م فوت بموحائے تواس کا احبر صالح نہیں بوگا کیو مکہ فتح کے بعد مکہ دالاسدلام بن گیا تھا۔ سعد فو کواس خیال آ سے زمار شہر روا مواکر حب ملک کو خوا کے ساتھ تھیو ڈا تھا میا دا اس میں موت آمبا سٹے تو پیجرت کے اہم وتواب میں کمی واقعے نیرو مبائے، سعار م کواس بات کا بھی تلق تھاکہ دوہرے مہا جمہ جج کی دائیگی کے بعد میپنروایس مائيس كم مرمين مرجا سكالوكيا بوكا إسا يرميرا احر وتواب حبط موجائ احرواتواب مي كمي و في ما نها انني مات توصا ن تقی کہ حہا ہمرین کو مکہ میں مرنے کا مثد بدخوف تقا کیونکہ وہ ا سے انٹار کے لیے حکور ٹر حکے بقے ۔ مكتبك دادالاسلام بن چكنے كے بعداس كى ريائش (با تضوص رسول الله صلى الله عليه وسلم كے بعد باحق الخصيح فتنول کے زیا نے کی ، ا حائز رہ تھی ورز عبدالتارین عباس خیسیا حبرالا تمیز مکہ کی رواکش اختیار رز کر تا ۔یا درسے کِها بن عباس من کی وفات طالف میں واقع ہوئی تھی۔ اس مسٹلہ بریہما بنی مشرح میں کہنیں اورپہ ذَرا تفصیلی محدث کم ميكي من يركتاب الجيمي .

باسب في نَصْرِل لصِّكَاتَة فِي الصِّعَتر

صحت میں صوقہ دینے کی نصیلت کے باب

هُ ٢٨٧٤ حَكَا ثَنَكَا مُسَدَّا ذُقالَ نَاعَبُهُ الْوَاحِدِ بُنُ زِيَادٍ قَالَ نَاعَهُا مَ اللهُ الْوَاحِدِ بُنُ زِيَادٍ قَالَ نَاعُهَا مَا اللهُ اللهُ اللهُ عَسُرِ وَبْنِ جَرِيُدٍ عَنُ اَ فِي هُمَ يُرَةً قَالَ فَالَ مُسَالًا اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّوَ يَا رَسُولَ اللهِ اَيُ الصَّكَ قَتِوا فَضَلُ قَالَ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّوَ يَا رَسُولَ اللهِ اَيُ الصَّكَ قَتِوا فَضَلُ قَالَ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّوَ يَا رَسُولَ اللهِ اَيُّ الصَّكَ قَتِوا فَضَلُ قَالَ اللهُ عَلَيْهُ وَلَا تَنْهُ هِلَ اللهُ عَلَيْهُ وَلَا تَنْهُ هِلَ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَلَا تَنْهُ هِلَ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَلَا تَنْهُ هِلَ اللهُ ا

حتى إذا بكغيت المحلُقُوم قُلْت لِفُلانٍ كَنَا أُولِفُلانٍ كَنَا أُولِفُلانٍ كَنَا اَدَ قَلْ كَانَ لِفُلانٍ وَ ا بوہریرُهٔ نے کہاکہ ایک شخص نے دسول الٹرملی لٹرعلیہ دسم سے کہا یا دسول الٹرکون ما صدقہ افضل ہے ؟ فرایا وہ صدقہ جے کہ تے وقت توتند دمت ہو، مال پر حریص ہو، بقاء کی امید رکھتا ہوا ورفقرسے ڈرتا ہو اور تواس وقت تک مہلت نہ دیے کرمانِس مُلق بَلِکُرائِک ماسے تو توکے فلاں کا اتنا اور فلاں کو اتنا اور وہ

توفلال کامهوی چکا! ربخاری، مستم، نسانی، مسندا حد

مشی جے بخطا کی نے کہا ہے کہاس مدایث سے بتہ جلاکہ تندرست آدی اپنا مال جہاں جا ہے ترج کرسکتا ہے جہار کے میں جہ میں کہ یہ اس کے بارے میں وہ بخل بھی کرسکتا ہے کہ یہا کہ میں خطر ج کرے اور جس شخص کا خرج ہیں ہر وا حب نہیں اس کے بارے میں وہ بخل بھی کرسکتا ہے کہ یہا کہ دولوں کا کہ یہا کہ یہ نظری جزیے ہے تو کا ن نقلان کا مطلب یہ ہے کہ اب تم کسی کو دو یا نہ دولوہ مال تو دوسروں کا در سیعے سے وار توں کو نقصان ہنچا نے کی کوٹٹش کرے تواس کی وصیت باطل ہے کیو نکہ مال اب اس کا نہیں وار توں کو نقصان ہو کہ کوٹٹش کرے تواس کی وصیت باطل ہے کیو نکہ مال اب اس کا نہیں وار توں کا سے بید الفاظ فصاحت و بلا مونت کے انتہائی مقام ہیہ فائر بیں اور فطرت انسانی کے عمیق مطابع اور وی فرا و نہری ہر دو کا بتہ دیتے ہیں ۔ مافظ آبن تھر نے اس موقع ہوا کہ بی جہار کہ ہو نہیں ۔ بعض سلف نے بعض مالدار وں کے متعلق فر ما یا کہ یہ لوگ اپنے احوال میں دو باد الشرکی نا فر مانی کرتے ہیں ۔ بعض سلف نے بعض مالدار وں کے متعلق فر ما یا کہ یہ لوگ اپنے احوال میں دو باد الشرکی نا فر مانی کرتے ہیں ۔ بعض سلف نے بعض مالدار وں کے متعلق فر ما یا کہ یہ لوگ اپنے احوال میں دو باد الشرکی نا فر مانی کرتے ہیں ۔ بعض سراون کرتے ہیں بوت کے بعد کی ما لت میں غلط وصیت اور غلط بخشین کرتے ہیں ۔ بعض اسلان کے باتھ سے نکل موسیت اور فلط بخشین کرتے ہیں ۔ بین اس اون کرتے ہیں کہ دو باد الشرکی کی مواست میں غلط وصیت اور فلط بخشین کرتے ہیں ۔

١٨٧٧ حَلَّ مَنَ الْحُمَّدُ بُنُ صَالِحٍ فَالَ نَا ابْنُ أَفِى فَكَالِمِ قَالَ اَخْبَرِ فِي اِبْنُ آ بِيُ ذِيْبِ عَنُ سُخْرَجِهِيلَ عَنُ آ فِي سَنِيدِ إِلْخُكُارِيّ آنَّ دَسُولَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ فَالَ لَانَ يَنْصَلَّانَ الْمَرْءُ فِي حَيَاتِهِ بِورِهِمِ خَيْزُكَهُ مِنْ آنَ يَنْصَلَّا فَي بِمِا مُةٍ

عِنْكَا مَوُثِهِ ر

ابوسعید خدری منسے روایت ہے کہ رسول الٹرصلی الٹرعلیہ وسلم نے فرمایا: آ دمی کااپنی زندگی میں ایک درسم صدقہ کرنا ہے۔ ایک درسم صدقہ کرنے سے ہمتر سے راس کا سبب او پر کی حدیث میں ایک درسم صدقہ کرنے سے ہمتر سے راس کا سبب او پر کی حدیث میں میان موجکا ہے ۔ اوراگہ وصیت کے طور پر صد قرکر سے گا تو لئے سے نراید نا فذرنہ ہو گا اور لئے بھی اگر وارتوں کو نقصان بہنچا نے کی نمیت سے ہوا تو فعل حرام میں داخل ہے۔ اس مدیث کی عنوانِ باب سے ہی مناسبت سے بھی مناسبت ہے۔

باب في كراهند الاضرار في الوصية تر ميت يو نقصان يرغ نه كرابت كابب ا

دُمِسِتْ بِي نَعُصَان بِيوَيِّ نِهُ كُرُامِت كَا بِسِيانَ ؟ ٢٨٧٤ - حَلَّا نَنْ عَبْمَاةُ أَبُنَ عَبُدِاللهِ قَالَ أَخَبَرَنَا عَبْمَا الصَّمَدِ قَالَ نَصُرُبُنَ

عَلِيّ الْحُكَّا اِنِّ قَالَ نَا الْاَشْعَتُ بَنُ جَابِرِ فَالَ حَمَّا ثَنِي شَهُرُ بَنُ حُوشَبِ اَتَ اَبَاهُمَ بَكَ حَمَّا ثُخَهُ اَنَّ رَسُولَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّوْ فَالَ إِنَّ الرَّجُلَ لِيَعْمَلُ وَالْمَرُا تَهْ بِطَاعَةِ اللهِ سِتِيْنَ سَنَةً نُوَّ يَجُنُوهُمَا الْمَوْتُ فَيُضَارًا إِنِ فِي الْوَصِيَّةِ وَفَخِبُ لَهُمَا النَّارُ فَالَ وَقَرَا عَلَيَّ اَبُوهُمَ رُبَرَةَ مِنْ لَمُهُنَامِنُ بَعُمِ وَصِيَّةٍ يُوصِيَّ فَيَخِي الْوَحْدَا وَرَهُ مُضَايِّ حَتَّى بَلَعَ ذَٰ إِلَى الْعَوْنُ الْعَظِيْمُ وَاللَّهُ الْمُؤْدَا وَرَهُ لَا الْبَعْنِ الْاَشْعَتُ بَنَ جَابِرِ

جَكُّ نَصْرِيْنِ عَلِيّ

بَأُحْرِقِ ٥٠،١٠٩ وَفَي اللَّهُ حُولِ فِي الْوَصَايَا

وصيتون مي داخل بون كاباب

٢٨٦٨ - حَكَا نَنَا الْحَسَنُ بُنُ عَلِيّ نَا ٱبُوعَهُ الدَّحَمُنِ الْمُقْرِئُ فَالَ اَلْسَعُهُ الْمُوعَةُ الدَّحَمُنِ الْمُقْرِئُ فَالَ السَّعِيمُ اللَّهُ الدَّحَمُنِ اللَّهُ عَنَ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ الْمُعَلَى اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللْهُ اللَّهُ اللْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللْمُلْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللْمُ اللَّهُ اللْمُلِمُ الللْمُ اللْمُلْمُ اللْمُلْمُ الللْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللْمُلِمُ الللْمُلِمُ الللْمُلْمُ اللَّهُ اللْمُلْمُ اللْمُلْمُ اللْمُلْمُ اللَّهُ اللْمُلْمُ الللْمُلْمُ اللْمُلْمُ اللَّهُ اللْمُلِمُ الللْمُلْمُ اللْمُلْمُ الللْمُلْمُ الللْمُلْمُ الللْمُلْمُ الللْمُلْمُ اللْمُلْمُ اللْمُلْمُ الللْمُلْمُ اللللْمُلْمُ اللْمُ

تَوَلَّبَنَّ مَالَ كَيْنِيهُ

معالى والمرادة المرادة المراد

باب والدمن اور قرابت داروں کے سلیے وصیت کا منسوخ ہونا

٢٨٧٩ حكا فك احْدُكُ احْدُكُ الْكُوْرِيُّ حَلَاثَنِى عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى عَلَ بَنِ وَاقِهِ عَنُ اَبِيهِ عَنُ يَذِبُ النَّخُوتِ عَنُ عِكْرِمَ لَهُ عَنِ ابْنَ عَبَّاسٍ إِنْ تَوْكَ خَيْرَ إِلْوَحِيثَ لَهُ يُلُوَالِكَ يُنِ وَالْاقْرَبِينَ فَكَانَتِ الْوَحِيثَ لُهُ كَنُ النَّ عَتَّى نَسَعَتُهَا مُنَدُّ الْمِنْ الْمُنْ الْمُن الْمُنْذَا لَمِنْ الْمُنْ الْمُنْمُ لَا مُنْ الْمُنْ الْمُ

اُبن عباس سعدوا بتسبے کر قراُن کی آیت دا لبقرہ ۱۸۰می سے: اگروہ مال بھیوٹرمباسے تووالہ بن اور قرابت دادوں سکے بیے وصیت کرے۔ بس وصیت اسی طرح دہی حتی کرآیت المیراٹ نے امسے منسوخ کر دیا ۔

وارث؛ سے مبائز رکھیں تو مبائز سے، گریعین اہل علم کا وہال سے کہ وارث کے سلیے وصیت کی حل میں جا ٹزنہیں۔ اگر باقی وارٹ اسے مبائز رکھیں تھیں رکھیں تب بھی باطل سے کیو نکہ اس سے مجدود کا گیا سے بہتی نشریع کی بناء ہر سے ہیں اگریم اسے مبائز رکھیں گے تو تو یا ہم نے ایک نسوخ حمکم کومہا ٹز رکھا جو نا جا لڈ سے۔ جیسے کہ قاتل کے سلیے وصیعت اگروارٹ مبائز بھی دکھیں تب بھی مبائز نہیں ہوتی دخطا بی

یماں پرایک اشکال ہے کہ وصیت جو فرض ضی، آیت قرآ نی سے نا بت سے، لین وارث کے حق میں وصیت کو باقل وصیت کا ناجائز ہونا حدیث سے نا بت ہوا ہے ۔ اگر بہ کہا جائے کہ آیت مراف نے بطورا شارہ النص وصیت کو باقل کہا ہے کہ بہ دنگہ ہر وارث کا حقتہ مقرر کہ دینا اس بات کی علا مت ہے کہ جن کے یہ جھتے ہیں ان کے سالے وصیت کا سوال بہت سے کہ جن کے یہ جھتے ہیں ان کے سالے وصیت کا سوال تعالی میں بہت گا کہ ورا نت کا حقتہ اور وصیت کا محت دونوں جع ہو سکتے ہیں کیونکران میں کوئی تعالی میں سے اور تمام فقہ اسے تعالی میں سے اور تمام فقہ اسے امسے امست نے اسے قبول کیا سے اور تمام فقہ اسے امسے امست نے اسے قبول کیا ہے اور تمام جیزوں کے باعث وصیت کا وجوب منسوخ ہوگیا ہے ۔ اس قیم کی حدیث المیں ہوگیا ہے ۔ اس قیم کی حدیث کی مدیث کے ماعظ قرآن کا نتی جائز ہوئی کے در کی عباد ت کچھ اس قیم کی صدیت کے مدیث میں ہے کہ صوت حدیث سے نسخ قرآن کا نتی الدرات سے بہوا ہے ۔

كَما حَبِ مَخَالَطَةِ الْبَيْبِيوِ فِي الطَّعَامِ يَبِم يُوكِمانَ بِينِينِ ثَالِ كَرِيدُكُوا أَبُ

١٨٨١ حس فَكُمْ عُمُن بِي شَيْبَةَ قَالَ نَا جَرِي عَنْ عَطَاءِ عَنْ سَعِيْلِ

بُنِ جُبُيرِعِنِ ابُنِ عَبَّاسٍ فَالَ لَمَّا اَنْزَلَ اللهُ عَمَّ وَجَلَّ وَلَا تَقْرَبُوا مَالَ الْبَدِيْءِ الله بِاللّهِ بِاللّهِ عِنْهَ هُ يَرْبُكُو فَحَزَلَ طَعَامَهُ مِنْ طَعَامِهِ وَسَدَلَ بِهُ ظُلُمَّا اللّهَ يَقِ انْطَلَقَ مَنْ كَانَ عِنْهَ هُ يَرِينُ وَفَحَزَلَ طَعَامَهُ مِنْ طَعَامِهِ وَسَدَلَ بِهُ مَنْ سَدَلَ بِهِ فَمَنْ كَانَهُ عَلَيْهِ مَنْ طَعَامِهِ وَسَدَلَ بَهُ مِنْ اللّهُ عَلَيْهِ مَنْ عَلَيْهِ مَنْ طَعَامِهِ وَسَدَلَ بَهُ مَنْ اللّهُ عَلَيْهِ وَسَدَلُ اللّهُ عَذَلَ اللّهُ عَذَلَ اللّهُ عَذَلُ اللّهُ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَيْهِ وَسَلّو فَا اللّهُ عَذَلُ اللّهُ عَزَوجَلٌ وَكُنْ اللّهُ عَلَيْهِ وَسَلّو فَا اللّهُ عَزَوجَلٌ وَكُنْ اللّهُ عَزَوجَلٌ وَكُنْ اللّهُ عَزَوجَلٌ وَكُنْ اللّهُ عَلَيْهِ مَنْ اللّهُ عَذَلُ اللّهُ عَزَوجَلٌ وَكُنْ اللّهُ عَلَيْهِ مَنْ اللّهُ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَيْهِ مَنْ اللّهُ عَلَولُ اللّهُ عَلَيْهِ وَسَلّو فَا اللّهُ عَلَيْهِ وَسَلّو فَا اللّهُ عَزَوجَلٌ وَكُنْ اللّهُ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَيْهِ وَسَلّو فَا اللّهُ عَذَلُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَكُنْ اللّهُ عَذَلُ اللّهُ عَذَلُ اللّهُ عَلَا اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللللّهُ اللّهُ اللّهُ اللللّهُ اللللّهُ الللللّهُ الللللّهُ الللللّهُ اللللّهُ اللللللّهُ ال

بَاْمِ مَا جُاءِ فِي الْبِينِ الْبَيْنِ الْبَيْنِ الْبَيْنِ مِنَاكُ مِنَاكُ مِنَاكُ الْبَيْنِيمِ الْبَيْنِ مِن الْمَالِ الْبَيْنِيمِ الْمَالِ الْبَيْنِيمِ الْمَالِ الْبَيْنِيمِ الْمَالِ الْبَيْنِيمِ الْمَالِ الْبَيْنِيمِ الْمَالِينِ الْمُنْفِينِ اللَّهِ الْمِنْ الْمُنْفِينِ الْمِنْ الْمُنْفِينِ اللَّهِ الْمُنْفِينِ اللَّهِ الْمُنْفِينِ الْمُنْفِينِ اللَّهِ الْمُنْفِينِ اللَّهِ ا

٢٨٤٢ - حَكَّا نَتُ حُمَّيُهُ مُنَ مَسْعَلَاةً أَنَّ خَالِهُ بُنَ الْحَادِثِ حَمَّا لَهُمُ قَالَ الْحَادِثِ حَمَّا لَهُمُ قَالَ الْحَادِثِ حَمَّا لَهُمُ قَالَ الْحَادِثِ حَمَّا اللهُ عَلَى الْمُعَلِّمَ عَنُ عَمُرِو بُنِ شُعَبِّبِ عَنُ آبِيهِ عَنْ جَلَامٌ لَكَ اللهُ عَلَى اللهُ الله

عبدالشرب عمروبن عاص سے دوایت ہے کہ ایک آدی نبی صلی الندعلیہ وسلم نے فرمایا: تواپنے ہاں تیم کے ا مال سے بغیر اسراف سے اور نداس خوف سے کربہ بڑا اس کر کرانیا مال سے سے گااور نداس کے مال کو نو د جمع کرے و

ر نسائی، ابن مآجہ ، نشر سے : اس مریت سے معلوم ہواکریتی کا متوتی اس کے مال ہیں سے بوقت ماجت مرف اتنا بے سکتا سے جتنا فروری ہو۔ وہ سوال کرنے والا نود بحتاج و نفتہ بھا لہذا ہم نشر طوں کے ساتھ سحنو کر سنے اسے کھائی اجازت کی دا) یہ کہ مدسے مذبع ہے مرف سب ماجت کھا ہے (۲) اس کے مال کو اس خوف سے معنم کم زمان شروع ذکر ہے کہ بربط ابوکر اس پر قبہنہ کر سے کا لہذا اب موقع ہے کہ جو ہو سکے کھ جاؤر ہم اس کے مال کا استعمال رجو سے مٹا دینا) ترنظر نہ ہو ہداس کی خدمت کے موافق اور اس کے مال کی اصلاح کے نقط دُنظرے کیے ماصل کمرے ۔ سعید تب جبیر عبید و سلمانی ، عابد اور اور اور ای کا تول ہے کہ جو کیج تیم کے مال میں سے خرج کیا اور کھایا ہو وہ

اس کے بلوغ پر والپ کرنا پڑے گا۔ دیگر علماء کا قول اس کے برعکس ہے۔ نبیاداس منہوں کی قرآن آپ ہے کہ : وَلاَ تَا اُنْ کُلُوْ هَا إِسْرَا فَا وَ بِدُ امْرَااَن تَکُ بُرِ مُوْاَدَ وَ مَنْ کَا نَ عَنِیکًا فَکُیسُت کے نفیف کے مسرف کان فَعْلِیکُ ا فَکْیا اِنْ کُلُ بِالْمُعُرُمُونِ بِرُ مِیْم کے مال کوامراف سے مت کھا وُاور نہ اس نوف سے کریہ ہڑے ہوجائیں سے د توا بنے مال پر فیصنہ کریس سے اور جوعنی ہووہ زنچ کمرر سے اور جو محتاج سے وہ نیکی سے ممانتہ کھائے ہ

> ماب مائجاء منى بنقطع البنبور الرياد كلاري تركز بتركوما لاسير

اس باف اب المبري المنظمة المنظمة المنطقة المنظمة المنطقة المنظمة المنطقة المن

علی بن ا بی طالب شنے کہا کہ میں سنے دسول ا نشرصلی ا نشرعلیہ وسلم سے یہ بات با در کھی سے کہ ہونوت کے بعد کوئی بتین نیں اورنہ دن بھرکی خاموشی دارت مک ۔

شرح، شرعی قانون میں شیم جب بابغ ہوم اسٹے تواسینے مال کاخود محافظ و قابض سنے گا، ہیع و نزاءا ورد گریقے رفات کرسے گا، اور کر گریقے رفات کرسے گا، اور کر سکے گا دائلہ کرسے گا، اور کر سکے گا دائلہ کرسے گا، اور کر سکے گا دائلہ کرسے گا، اگر موردت سے تواس کے اون کے بغیر کوئی اس کا نکاح نرکر سکے گا دائلہ کر اسکے سے انسس مہوتو وہ نو وہ نو وا بنا نکاح آپ کرسکتی ہے ، اہل حا المبہ ہیں خاموش دریا کہ ہوجود سے بعض حابل صوفی یا ان کے احجمل مرید میں اب میں بدریا کا دی موجود سے بعض حابل صوفی یا ان کے احجمل مرید میں گردیا کا دورہ کر کے قطعاف ملات سے ۔

بَانِكُ مَا جَاءً فِي التَّشُويِدِ فِي أَكْلِ مَالِ الْبَرْبِيوِ

ينيم كامال كهاني تشديد كاباب

٣٨ ٢٨ حك فَكَ أَكُ مَكُ بُنُ سَعِيْدِ الْهَمُكَا فِي أَنَا ابْنُ وَهَرِب عَنْ سُلِماً نَ اللهِ عَلَى اللهِ مَك بْنِ بِلَالٍ عَنْ قُوْرِ بْنِ دَيْدٍ عَنُ أَبِى الْجَيْثِ عَنْ اَبِى هُمَ يُرَةً اَنَّ رَسُولَ اللهِ صَلَى

اللهُ عَلَيْهِ وَسَتَمَ فَالَ الْجَنِبُو (السَّبُعُ الْمُؤْنِفَاتِ فِيلُ بَارَسُولَ اللهِ وَمَاهُنَّ قَالَ اللهِ وَالشِّرُ لَكُ بِاللهِ وَالشَّوْدِ وَالشَّرِ فَاللهُ وَالسَّرُ وَالشَّوْدِ وَالشَّوْدِ وَالشَّوْدِ وَالشَّرِ وَالشَّوْدِ وَالشَّوْدِ وَالشَّرِ فَاللهُ وَالسَّرِ وَالشَّوْدِ وَالسَّرِ وَالشَّوْدِ وَالشَّرِ وَالسَّرِ وَالسَّرِ وَالسَّرِ وَالسَّرِ وَالسَّرِ فَا اللهُ وَالسَّرِ فَا اللهُ وَالسَّرِ وَالسَّرِ وَالسَّرِ وَالسَّرِ وَالسَّرِ فَا اللهُ اللهِ وَالسَّرِ فَا اللهُ وَالسَّرِ فَا السَّالِ اللهِ وَالسَّرِ فَا السَّالَ اللهُ وَالسَّرِ فَا السَّالَ اللهُ وَالسَّرِ فَا السَّالَ اللهُ وَالسَّرُ وَالسَّرُ وَالسَّلُهُ وَالسَّرُ وَالسَّرُ اللهُ وَالسَّرُ السَّالَ اللهُ وَالسَّرُ فَا السَّالُ اللهُ اللهُ وَالسَّرُ وَالسَّرُ اللهُ وَالسَّرُ وَالسَّرُ اللهُ وَالسَّرُ وَالسَّرُ اللهُ وَالسَّرُ وَالسَّرُ وَالسَّرُ وَالسَّرُولِ اللهُ وَالسَّرُ وَالسَّرُ وَالسَّرُولِ السَّرُولِ السَّرَالِ السَّلُولُ اللهُ السَّلُ اللهُ السَّلُولُ السَّلُولُ الللهُ اللهُ الللهُ اللهُ اللّهُ اللّهُ الللللّهُ اللّهُ الللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّ

ابو بريدة است روايت بي كريسول الترصيلي الشعليه وسلم في فرما يا: سات مُعَكَ بينرول سع بحود كما كياكم یا رسول ا منگروہ کیاہں ؟ فرما یا: التَّرکے مائھ ٹرک کمہزا، اور خَبا دُوْ، اس َ جائے کو ناحق قتل کرنا جس کا قتل التُدني اللے في المرام كيا مع، اورسور كل كا فااور تيم كا مل كها فااورميدان حبك سع فراركم فا ورمومن في كياز مي خبرعور آول ب تهمت نگانا (بخارَی،مسلم، نساتی ابودا ؤ دنے کہا کرا وی ابوا لغیث کا نام ما لم عقام وابن مطبع کا آزا دکر دہ غلام تقا مشرح بمولاناتشف فرما ماكرگناه كبيره كى تعريف مى علمار كااختلات سب را يك قول بدسير كركبيره وه سير عب رير مدواجه دِوسرا تول یہ سے کہ کتاب وسنیت بہت ہے مرتکب ہر وعید وار دسیے وہ کبیرہ سے تعمیدا فعل یہ سے کہم ہو ہے جس کے فاعکی تید نعنت یاوعیدا کی بہو - سچوتھا قول یہسے کہ ہروہ گناہ حوالے نیے ترککب سے سیے ماعث جہتم بہود ہے۔ بہترین تعربیٹ امام فرطبی نے المتقہم میں کی سے کہ ہروہ گناہ کبیرہ سیحس پیدکتاب وسنت یااجاع گیفش سے عَظَّم كا لفظَ لولاگيا ہو، يٰ اسَ پرښنديد عذاب كَيْ خرد گُئى ہو ، يا اس بېد قَدَ واحب ہوتى ہو يا اس پرشديد كير أَيْ ہو ۔ ٹاکٹے ڈما باکرا بن عطاء نے اپنی حکمتوں مس کھا سے کہ : جب ففنل خلاوندی موتوکو ڈٹی تھی کہرہ ہمیں اورجہ للي ساسمنے بوتوكوئي گناه صغيره نهيں - المعتبتي نے منهاج ميں كها سے كه: برگناه يں دودرسج بيں: صغيره اوكبره بعض دفعرکسی قرینرنے مل حاسف سیصغیرہ بھی کبیرہ بن ماتا ہے اوراسی طرح کبیرہ فاحشد بن ماتا ہے مگر کفر بالشركا مال بہنس کیوکرسب کبائریں سے ذیادہ فائش سے اوراس کی کو ٹی قسم صغیرہ نہیں سے۔ اوراس کے با وجداس ک قسیم بوب کی جاتی ہے کہلعبوں کفرفاحش میں اور معصل افٹی ناحق متل کسٹا کہیرہ سے کیکن اپنے باپ دا دا یا بیٹے بوستے یا ترابت داد کوتش کرناً ما حرم میں تشل کرنا یا باحرمت میں میں مثل کرنا فاحتہ سے، اور نه ناگنا ه کهبیره ہے، ایکن اگر مسا کی ہوپی سے ہویاکسی فرم کے ساتھ ہویا ماہ درمضان ہیں ہو یا حرم ہیں، تووہ فاحشٹر سبے ۔ اور شراب نیورئ کہرہ گنا ہ سے نیکن آگر ما دِ دیمصنان میں ون سکے وقت ہو یا حرم میں ہو یا برسر عام کی جاسے تووہ فائسٹہ سے منصاب سے کم کی بچدری صغیرہ سے سکیں اگرنا دا رسے تیرانی حاسئے توکبیرہ ہے۔ سانت کا عدد حد بندی سکے سیے نہیں ہے بلکہ سامعین کے لحاظ سے بیان *ہواستے*۔

٢٨٠٥ حكا نكا (بُرَاهِ يُهُونِيُ يَعْفُوبَ (كَجَوَزَجَا فِيُّ قَالَ مَا مُعَادُبُ هَافِيً اللَّهُ الْمُعَادُبُ هَافِيً اللَّهِ الْمُعَادُبُ فَا فَالْ مَا يَجْبَى بَنِي إِنْ كَيْثَمِرِ عَنْ عَبُرِهِ الْحَيْثِهِ بَنِ سِنَاتِ

توسرنكا موجاتا تقايس رسول التصلى الترعليه وسلم في قرمايا: اس كساته اس كا سروها نك دواوراس كم باؤا بيرا ذخر دگهاس وال دو ابخاري ،مسلم ، تر ذري دنسا دلي مسنداً حدا و دسن ابي داؤد نيس عنظريب كتاب الجنائندي بي

شي ج. ميت كإكفن اور تجميز وتدفين كانتظام اس كے مالىي سے بهوگا اور وه دئي، وصيت اور ميارث ميمقدم رکھا مبائے گا اگراس کا سار ال اس میں صرف ہوم اسٹ توکوئی سوج نہیں ،اس معلسلے میں متتِ کا حق سی بر فائق ہے ممصعر بن عمر سالقین اولین میں سے عما. دونوں بجریں کیں، مدتنہ میں بحیثیت اسلام سے معلّم ومبتلغ ا ول کے بھیجاگیا . ناز و نعمت کا بلاموا نوبعبورت انسان تقامگرسَب کیراسلام کے سیے کھیا دیا جنگ اُمدئیر علميه دادا سلام كظارضي الكرتعاسط عنهر

باب کونی ادمی مبه کرے میروسی حیز اسمے دسیت

٧٨٧٧ ڪٽانٽ آڪيونون عَالَ نَا اللهِ عَلَيْ فَالَ نَا عَمْدُ فَالَ نَا عَبْدُ اللهِ ابْنُ عَطَامِ عَنُ عَبْدِ اللَّهِ بْنِ مُبَرَبْكِ ةَعَنْ (َبِيْهِ مُبَرِيْكَاةَ أَنَّ امْرَأَةٌ اتَتُ رَسُولَ اللهِ صَلَّى الله عَلِينه وَسَلَّمَ وَ قَالَتُ كُنتُ تَصَكَا قَتُ عَلَىٰ أُمِّي بِوَلِهُ مَا قِ وَإِنَّهَا مَا تَتُ وَتَرَكُّتُ نِلْكَ الْوَلِيُ لَا فَالَ قَلُهُ وَجَبَ اَجُرَلِيهِ وَدَجَعَتْ إِلَيْكِ فِي الْمِيْرَاتِ فَالْتُ وَ

إِنَّهَامَا تَتُ وَعَلَيْهَا صَوْمٌ شَهْمٍ الْفِيجُزِيُّ الْوَكَيْفِي عَنْهَا اَنُ ٱصُومَ عَنْهَا فَالْأَنْعَ قَالَتْ وَإِنَّهَا لَمُ نَحُجَّ أَنْ يُجُزِئُ أَوْ يَقْضِي عَنْهَا أَنْ أَحُبُّم عَنْهَا قَالَ نَعِمْ ـ

برُیدہ سے روایت سیے کہا یک عورت رسول انٹرصلی انٹرعلیہ وسلم کے باس آئی اولہ کھنے مگی : ہیں سنے ابني مال كوابك بونڈى بطور عطبته دى تقى اور وه مركئى ہے اور وه لونڈى جھو ط گئى سے بيضتور نے فرما ما: ترا اجر فو مو کسااور وه میران می تیری طرف وامین آگئی - وه تحورت بولی که وه مرگئی سے ا وراس بیا یک ما ه کے رونسے کیا یہ کافی ہے یا اس تی طوف سے قضا موسکتی ہے کہ میں اس کی طوف سے کہ وزُہ رکھوں ؟ خصور کے نفاو اللہ اور اور الل بولی کہ: اس نے حج نہیں کیا تھا کیا یہ کافی ہے یا اس کی طوف سے قضاء ہوجائے گا اگر میں اس کی طرفِ سے مجاکوں

صنور نے قرمایا ہاں ۔ دمسکم، ترکزی، ابن ما جُر، نسائی اورسٹن آبی داور و مدیث نمبر ۲۹۹) فترسے بخطا بی نے کہاکہ دونلے کا عطیہ صد قر کہلایا کیونکہ وہ ایک نئی بھی جوصد قرکے قائم مقام تھی۔ اس میں پرلسل ے کرجن شخف نے کسی محتاج کوصد قد دیا اوراس کے نتیعنے مں چلے مانے کے بعداس سے خرید لیا تو ہیر بیچ مائزے۔

سم دھیے ہیں بھورسے حرفایا دائر م می جونوں کا کہیں گا می مفوظ دھوا فرا کے صفات کا فلد مردوزی کا مستر مردوزی کا عمر رمنی التار عند نے اسے اسی طرح صد قد کمیا کہ اس کا اصل بیع مذکبیا مبائے گا دم بہرکیا جائے گا اور ندور انت میں

وَصِرْصَةَ بْنَ الْكُوْعِ وَالْعَبُ كَا الَّالِي فِينِهِ وَالْبِيائَةِ سَهُمِ الَّذِي فِ بِخَيْبَرَ وَرَقِيبُ فَي

الله ى فيئه والسائت التي الطعمة مُعَمَّنَ الله عَلَيْهِ وَسَلَّى الله عَلَيْهِ وَسَلَّى بِالوَادِى تَلِيهُ الم حَفْصَةُ مَا عَاشَتُ ثُرَقَ مِلِيْهِ ذُوالرَائِ مِنَ اهْلِهَا اَنُ لا يُبَاعَ وَلا يُشْتَرُعَ مُنْفِقُهُ حَيْثُ لَا يَمِنَ السَّائِلِ وَالْمَحْرُومِ وَدِى الْقُرَّ فِي وَلاَحَرُّحَ عَلَى مَنْ وَلِيهَ الْف إِنْ اَكِلَا وَلَكَ اَوْ الشَّرَى وَيُنْقَامِنُهُ -

ده نودگھائے <u>اوروں کو گھلائے ی</u>ا س ہیںسے غلام خریدے ۔ شریح : صرمترابن آلاکوع برشا ہر مجودوں کا باع تقا صرمہ کامعنی ٹکٹھا اور چھوٹا ریوٹر تھبی سے، شاید پیٹوں

كاربوط عقابه

بابك ما جاء في الصّداقة عن المبيّت

٢٨٨٠ حكّا نَكَ الرَبِيمُ بُنُ سُلِمان المُؤَذِنَ قَالَ نَا ابْنُ وَهُبِ عَنُ الْمُؤَذِنَ قَالَ نَا ابْنُ وَهُبِ عَنُ الْمُلَمِّ الْمُؤَذِنَ قَالَ نَا ابْنُ وَهُبِ عَنُ الْمُلَمِّ اللَّهُ عَنْ اَبِيُهِ عَنْ اَبِي عَبْدِ الرَّحُلُنِ اُمَا لَا عَنِ اَبِيهِ عَنْ اَبِي عَبْدِ الرَّحُلُنِ اَمَا ثَا اللَّهُ عَنْ اَبِيهِ عَنْ اَبِي عَبْلُهُ هُمْ يَهُ وَكَا لَا ذَا مَا تَ الْاِنسَاكُ إِنْقَطَعُ عَمْلُهُ إِلَيْ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ قَالَ إِذَا مَا تَ الْاِنسَاكُ إِنْقَطَعُ عَمْلُهُ إِلَيْ اللَّهُ الْتُلْلِي الْمُؤْلِمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُلْالِمُ اللَّهُ الْمُؤْلِمُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُؤْلِمُ اللَّهُ الْمُؤْلِمُ اللَّهُ الْمُؤْلِمُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُؤْلِمُ اللَّهُ الْمُؤْلِمُ اللَّهُ الْمُؤْلِمُ اللَّهُ الْمُؤْلِمُ اللَّهُ الْمُؤْلِمُ الْمُؤْلِمُ الْمُؤْلِمُ الْمُؤْلِمُ الْمُؤْلِمُ الْمُؤْلِمُ اللَّهُ الْمُؤْلِمُ اللْمُؤْلِمُ الْمُلِمُ الْمُؤْلِمُ الللْمُؤْلِمُ اللَّهُ الْمُؤْلِمُ الْمُؤْلِمُ الْمُؤْلِمُ الْمُؤْلِمُ الْمُؤْلِمُ الْمُؤْلِمُ الْمُؤْلِمُ الْمُلِمُ الْمُؤْلِمُ الْمُؤْلِمُ الْمُؤْلِمُ الْمُؤْلِمُ الْمُؤْلِمُ الْمُؤْلِمُ الْمُؤْلِمُ الْمُؤْلِمُ الللَّهُ الْمُؤْلِمُ الْمُؤْلِمُ الللَّهُ الْمُؤْلِمُ الللَّهُ الْمُؤْلِمُ اللللِّهُ الْمُؤْ

سبصاورامل نے کہاکی کئٹ للّا نسکاد ہالّا کا سکٹی کا حکم را انصا ِن میں تقا۔اس شریعیت میں انسان کواپنے اعمال کا لوا ب سانبواس کاثواب تھی ملتاستے تعدیث مو بع اكب في فرايا ما اور تحفي الجر درمبرسے خمال مں اگروہ بول سکتی توصد قہ دیتی، پ نے فرآ ما ہاں . اور شخ تقی الدین ابوا واستعطاكا نفع المتاسيه وه خلاف اجماع له ا نسان کو دوبرسے کی دما رسے فائرہ پہنچناسسے ریبرمضمون توکیا شکهسے،اورمردان تیا مست می*ں رس* ہے اور رہردوں سے وت سني منزانسرتعالى محف ابنى دحمت كے مسائق حبنم سے ايك عمل بذكها مبو گاور مرهی عامل كے عمل كے علاوہ كسى اور كى معى كا نقع مو گا مولمنوں كى اولا م ے مں دانمل ہوگی اور پرھی تحف کسی ا ور سے عمل سے نقع انظا ٹا ہوگا۔ اس طرح مخلوق سے دلوان میں یلوة اور دعا ، کا حال ہے کہ ان سے متیت کو نفع موتا سے اور بر بھی عنبر کے اعمالَ میں۔ اوران کی نظائمُ

ر ۲۸۸ - كَمَّا نَكُ الْمُوسِى بَنُ إِسْمِيلُ قَالَ مَا حَمَّا ذُ عَنْ هِنَامِ عَنْ آبِيُهِ عَنْ آبِيهِ عَنْ آبِيهِ عَنْ عَالَمَ عَنْ آبِيهِ عَنْ عَالَمَ عَنْ عَالِمَ عَنْ عَالِمَ عَنْ عَالَمَ عَنْ عَالِمَ عَنْ عَالَمُ عَنْ عَالَمُ عَنْ عَالَمُ عَنْ عَالْمُ عَنْ عَنْ عَالَمُ عَلَى اللّهُ عَلَيْهُ وَسُلّمَ عَنْ عَنْ عَالَمُ عَلَيْهُ وَسُلّمَ عَنْ عَلَى اللّهُ عَلَيْهُ وَسُلّمَ فَنَالَ النّبِيمُ عَلَى اللّهُ عَلَيْهُ وَسُلّمَ فَنَكُو فَتَكُم مَّى اللّهُ عَلَيْهُ وَسُلّمَ فَنَالَ النّبِيمُ عَلَى اللّهُ عَلَيْهُ وَسُلّمَ فَنَكُو فَتَكُم مَنْ فَيْهَا وَ اللّهُ عَلَيْهُ وَسُلّمَ فَنَالَ النّبِيمُ عَلَى اللّهُ عَلَيْهُ وَسُلّمَ فَاللّمَ اللّهُ عَلَيْهُ وَسُلّمَ فَاللّمَ اللّهُ عَلَيْهُ وَسُلّمَ فَا اللّهُ عَلَيْهُ وَسُلّمَ فَاللّمَ اللّهُ عَلَيْهُ وَسُلّمَ فَا فَقَالَ النّبَالِمُ عَلَيْهُ وَاللّمُ اللّهُ عَلَيْهُ وَسُلّمَ فَا عَلَى اللّهُ عَلَيْهُ وَسُلْكُ اللّهُ عَلَيْهُ وَسُلّمَ فَا اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّمُ اللّهُ عَلَيْهُ وَسُلّمَ فَا عَلَيْهُ وَسُلّمَ وَاعْتُوا فَقَالَ اللّهُ عَلَيْهُ وَسُلّمُ عَلَيْهُ وَسُلّمَ فَاللّمُ اللّهُ عَلَيْهُ وَسُلّمَ فَا فَقَالُ اللّهُ عَلَيْهُ وَسُلّمَ عَلَيْهُ وَسُلّمَ فَا عَلَى اللّهُ عَلَيْهُ وَسُلّمَ فَا فَا اللّهُ عَلَيْهُ وَسُلّمَ عَلَيْهُ وَسُلّمَ وَاللّمُ اللّهُ عَلَيْهُ وَسُلّمَ عَلَيْهُ وَسُلّمَ عَلَيْهُ وَسُلّمَ عَلَيْهُ وَسُلّمَ عَلَيْهُ وَسُلّمَ عَلَيْهُ وَسُلّمَ عَلَيْهُ وَسُلْمُ عَلَيْهُ وَسُلّمَ عَلَيْهُ وَسُلّمُ عَلَيْهُ وَسُلْكُ وَاللّمُ الْمُ عَلَيْهُ وَسُلّمَ عَلَيْهُ وَسُلْكُ وَلَا عَلَيْهُ وَلَمْ عَلَيْهُ وَلَمُ عَلَيْهُ وَسُلّمَ عَلَيْهُ وَسُلّمُ عَلَيْهُ وَالْمُ اللّمُ عَلَيْهُ وَلَا عَلَيْهُ وَالْمُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّمُ عَلَيْهُ وَاللّمُ عَلَيْهُ وَاللّمُ عَلَيْهُ عَلَى اللّهُ عَلّمَ الْمُعْلَمُ وَالْمُ عَلَيْهُ وَاللّمُ عَلَيْهُ وَالْمُ عَلَيْهُ وَالْمُ عَلَيْكُوا مِنْ الْمُعْلَمُ وَالْمُ عَلَيْكُمُ الْمُعُلّمُ اللّهُ عَلَيْكُمُ اللّمُ عَلَيْكُمُ اللّمُ عَلّمُ اللّهُ عَلَيْكُمُ اللّمُ عَلَيْكُمُ اللّهُ عَلَيْكُمُ اللّمُ عَلَيْكُمُ اللّمُ عَلَيْكُمُ اللّمُ عَلَيْكُمُ اللّمُ اللّمُ عَلَيْكُمُ اللّمُ عَلَيْكُمُ اللّمُ عَلَيْكُمُ اللّمُ اللّمُ عَلَيْكُمُ اللّم

مصرت عائشرسلام الشدعليها نف فرما يكه ايك مورت نه كها با دسول الشرصلي الشرعليه وسلم ميري مال ي جان يك بخت نكل مني متى اگراليها نه بو تا تو وه صدقه كمه تى اور عطا ، كرتى سوكها اگريس اس كى طرف سے صدقه كرول توكانى سيم ؟ بس نبي صلى الشرعليه وسلم نے فرما ياكر بال إفواس كى طرف سے صدقه كرد (نسآئى ، ابن مآجر، بخارى) نسآئى كى دوايت ميں ايك مردكا ذكر سيم كم اس نے ريسوال كيا تھا ۔ مخارى كى دوا بت بيس تعبى جيمت مرت عائش دمشے مردى سيم ايك مردكي سال كا ذكر سيم ي

مرد تے سوال کا ذکر ہے ؟ منس ہے: مافظ ابن جرئے کہاہے کہ سوال کرنے والا سعد بن عبارت مقااوراس کی ماں کا نام عمرہ تھا۔ ابودا ور کی دوات میں جوام المؤمنین عائش سے ایک عورت کے سوال کا ذکراً باسے مولانات وطلتے میں کہ منا کہ رہے معفوظ ہے

اس مديث مع صدقه كاثواب متبت كويهني كاوا صنع نبوت ملسب ـ

ابن موہاس سے دوایت ہے کہ ایک مرد نے کہا پارسول انٹراس کی دمیری) ماں وفات باگئ ہے کیااگر میں اس کی طون سے مدوایت ہے کہا گار میں اس کی طون سے مدول آئی ہے ہیں آپ کو طون سے مدول اسے نفع موگا ؟ معنولاً نے فرا یا کہ ہاں اس نے کہا کہ مجرمیرا ایک ہا تا ہوں کہ میں نے وہ مال کی طون سے صدفہ میں دے دیا ۔ در بخارتی ، نساتی ، تذاذی کی مدوایت میں مدائل کا نام سعد بن عبا دھ کا بیاہے ہوئی کہ مجود ہے باع کو کہا جا تاہیے ۔

بَا بِدِكَ مَا جَاءً فِي وَصِبَّتُ الْحَرُقِ بِيَسِلِمُ وَلِيَّةً اللَّهُ مَا اللَّهُ مَا اللَّهُ مَا اللَّهُ ا

باب بحربی کا وبی اسلام سے اسٹے تو کیااس کی وصیت کو نافذ کرنا اس بہدلازم ہے؟

معام من عُمَّ وَهُ عَنْ وَهُبِ بُنِ كَيْسَانَ عَنْ جَابِرِ بُنِ عَبْدِ اللهِ أَنَّ الْهُو عَنْ الْهُو مَنْ اللهِ أَنَّ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ الل

أخِرُكِتَابِ الْوَصَايَا

جابر من عبداللہ شنے وہب بن کیسان کو بتا یا کہ اس کا باب مرکبیا ورائیے ذمرا کی بہو دی کا نمیں وسق قرمن جہو ہے۔ انکارکر دیا ہیں جابر خضف نہی قرمن جہو ہ گئی۔ لیں جابر خضف نہی مسلی الشرعلیہ وسلم سے بات کی کہ بہو دی کے پاس میری سفادش فرائی ۔ لیپ رسول الشرحیلی الشرعلیہ وسلم تشریف ہے گئے اور یہو دی سے بات کی کہ اپنے قرمن سے بدیے میں جا برج کے باغ کا عیل ہے ہے، یہوی سنے انکار کیا، اور رسول الشرحیلی الشرعلی ہوئے کہ ان ایک کہ ان اور کہ ان ایک این کہ اس میں جا در کیا ہا توں کے ایک کہ ان کا در کیا دائے۔ ایک این کہ اس میں کو کہ ان کو وہ اس سے بھی انکارکرگیا ان در میں موسود دیں۔ ان کی این کی این کی ان کی این کی در سے میں کو کہ ان کو وہ اس سے بھی انکارکرگیا ان در میں موسود دیں ۔

شرح: جابرًا کے باپ کا نام محبالت مبروب حرام انصاری خزرجی سلمی تقا. وہ اہلِ عقبہ واہل بَرَرست م عقبے اور جنگ آمدیں شہدیہ ہو گئے تھے . سَجَاری وعنہ وکی مدیث سے بہتے میلتا سے کرفرض خواہ مہت سے تھے ، اُ

اس مدریف سی صرف ایک خبیث میودی کا ذکرسے ،

أخركتا بالوصايا

ธิ 9ชิญหนึ่งแบบกลดงกลกลดดดกลดกลกลกลดกลดดกลดดกลดดากกลดกลดกลดก

بِسُمِيلِ للتَّرِلُ لسَّرَحُ مُنْسِلُ لسَّرَحَ ثَمِيرٌ

أول حابالغرائض

اقل كتاب الغرائف واس مي ١٨ باب اورس مديثس مين

باب مَاجَاء فِي تَعْلِيْمِ الْفَرَّ الْخِصَ

فزائفن كى تعليم كا باب

٨٨٨ ـ كَلَّا نَكَا أَحْمَدُ أَنْ عَمْرِ وَبْنِ السَّرْجِ قَالَ أَخْبَرَ يَا ابْنُ وَهُبِّ قَالَ

حَدَّا ثَنِيُّ عَبُكَ الرَّحُلِنِ بُنُ زِيَادٍ عَنْ عَبُهِ الرَّحُلِنِ بَنِ مَا فِعِ التَّنْتُوْخِيِّ عَنْ عَبُ عَبْهِ اللهِ بْنِ عَبْدِ وَبْنِ الْعَاصِ اَنَّ رَسُولَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ فَأَلَ الْعِلْمُ مَا رَبِي رَبِي اللهِ اللهِ عَبْدِ وَمِنْ الْعَاصِ اَنَّ رَسُولَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ فَأَلَ الْعِلْمُ فَيَ

تَلْتُهُ وَمَاسِوٰى دُلِكَ فَهُوَفَضُلُ أَيَتُمْ مَعْكُمَةً أَوْسُنَةً قَائِمَةً أَوْفِرِيْضَةً عَادِلَةً-

معبدالتدبن عمرو بن العاص سے دوا بیت سے کہ دسول انٹرصلی التّرعلیہ وسلم سنے فر ایا :علم بن ہیں اور ان کے علا وہ جو کھے سیے وہ ذا گرسے۔ آبت محکمہ یا سنتِ قائمُہ یا فرلینٹ عا دلہ (ابن ماجبی

من سے موار ہو چوہ ہوں وارد ہے۔ ایک میں ہوں کہ میں ہوں ہے۔ فریشہ کا معنی ہے مفروضہ رفرض کیا ہوا ہو گا فرص سے نکلا ہے۔ فرص کا معنی ہے قطع کرنا ۔ مہراٹ کے مسائل کوفرائفن کا نام اس سیے دیا گیا کہ انتظر تعاسے گا نے میراٹ کے حصوں میں فرما ہا ہے: فوڈ فائم کٹ کوخنگا۔ بعنی مقدّر مقطوع اور معلوم ۔ فریشہ ہر سے سے کا نام ہے ہو جس کے مما تھ والہ توں کے درمیان تقیم میں عدل میلا ہوتا ہے۔ اسی سیے اُسے فریفنۂ عادلہ کما گیا ہے۔ ما دلہ کا معنی مساویہ بھی ہے ، بعنی ہے وجوب عمل میں ہر دو سرے سے اور فریفنے کے برا برسے ۔ مطلب بیکرا جماع اور

قیاس شرعی سے تعبی سجوفرا نفن مسائل ٹا بت موں گئے وہ عادل اور دوسرے شرعی احکام کے مساوی ہیں ۔ امام ابوسلیمان الخطابی نے فرما مااس مدسیف میں آبیت محکمہ سے مراد قرآن پاک کی واضح اور صربے آبات میں جن کا تعلق مشاہمات سے نہیں بلکہ احکام بینی اوامرونوا ہی سے سے، اور نمسوخ بنرموں بلکہ ناسخ ہوں سنت تعامر ا

مع مرادوه مروى سنتيس بين جوحفنور صلى الله عليدوسلم سے صبح طور ئيد الا بت بين . بهمال تك وقفينم عادله كاسول

م برمنسکتے تھے کہ یں بمیارم وا تودسول الٹرصلی الشرعلیہ وسلم اورا لیہ کبروخی الٹرعنہ ببیرل جل کرمیری عبا دے کو

آئے، میں بہوش تھا لہذا آپ سے کلام نہ کرسکا، پس آپ نے وضوء کیا اور مجھ بردہ بانی ڈالا۔ میں ہوش میں آگیا اور کہا یا رسول انٹرمیں مال کا کیا کمہ وں اور ممیری کچر مبنیں ہیں۔ جابر سے کہا کہ بھر آ پۃ المیراث اُسْ ی کینٹے نگٹ '' لوگ آپ سے فتو کی لوچھے ہیں ،کو کہ انٹر بہتیں کلا لہ میں فتو کی دتیا سے (سور ہُ لساء آ بت ۲۰۱۱۔ بخالہ می اسلم اتر اُری

دو بين بن مرت صفح جد بها جد وال ين عاد ق المحد الروب به السام وروبي على المعد بهر بن روب به الله المرب المرب ب الله و يون آيات من كل تم كا ذكر موجود سم اس سيع دونول استين مرا دين يديكن جو نكه بلي ايت كلايد من من في من جايوك

کا ذکر سے اور اپنی کی میراث کا بیان ہے۔ اُبن معودؓ کا قرأت اس کی تائید کرتی سے ؛ وَ لَکُو اُسْحُ ۖ اُو اُصِخُتُ مُرِنُ اُمِمْ ۖ ۔ اوراسی طرح بہتی کی میچے روایت کے مطابق سعد بن ابی وقاصؓ کی قرارت بھی ہے ۔ پیر عِلَی یا سفیقی بہن بھا بھوں کاموال

ہوا تودورتری آیت اُکتری دیس پر صیح ہے کہ یہ دونوں آیا ت نصبیم جا برتم میں اُکتری تھیں نکین بہی آیت میں صرف کلالہ کا میان ہی مبابر میں سے تعقے سے موافقت رکھتا ہے ،ودنداس کا پہلا حصرتہ معدبن الربیع کی سٹیوں کے بارسے میں اُڑا تعا جبکہ

یں کہ جبا نے ان کے باپ کی ساری میراث دبالی تھی۔ انتقالی نے ان دوبیٹوں کا حصہ تا قرار دیا ہے۔ ان کے چچا نے ان کے باپ کی ساری میراث دبالی تھی۔ انتقالی نے ان دوبیٹوں کا حصہ تا قرار دیا ہے۔

كابس مَن كان لَبْس لَهُ وَلَهُ وَلَهُ الْحُواتُ

جس کی اولا در نه مواور بهندین بهون

١٨٨٤ حَمَّا نَتُنَا عُنْمَانُ بُنَ آفِي شَيْبَةَ قَالَ نَاكَفِيْرُ ابْنَ هِفَامٍ خَالَ نَا كَفِيْرُ ابْنَ هِفَامٍ خَالَ نَا كَفِي الْمُعَنِي اللهُ عَلَى مَا يَعْنَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَتَوَ فَنَعْ فَي وَجُعِي سَبْعُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَتَوَ فَنَعْ فَي وَجُعِي سَبْعُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَتَوَ فَنَعْ فَي وَجُعِي اللهُ عَلَيْهِ وَسَتَوَ فَنَعْ فَي وَجُعِي اللهُ عَلَيْهِ وَسَتَوَ فَنَعْ فَي وَجُعِي اللهُ عَلَيْهِ وَسَتَو فَنَعْ فَي وَجُعِي اللهُ عَلَيْهِ وَسَتَعَ فَنَا عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَتَعَ فَا وَاللَّهُ عَلَيْهِ وَسَتَعَ وَاللَّهُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَتَعَ وَلَيْ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَتَعَ وَلَيْ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَتَعَ وَلَيْ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَتَعَ وَلَيْ وَاللَّهُ اللّهُ عَلَيْهِ وَسَتَعَ وَلَيْ وَاللَّهُ وَاللَّهُ اللّهُ عَلَيْهِ وَسَتَعَ وَلَيْ وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللّهُ عَلَيْهُ وَالَاللّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللّهُ عَلَيْهُ وَلَيْهُ وَسَلَّا وَلَيْهُ وَلَا اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللّهُ عَلَيْهُ وَلَيْ وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللّهُ عَلَيْهُ وَلّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ اللّ

الشَّنْطِرَ فَالُكُ يَا مَ سُولَ اللهِ الْا أُوْمِى لِلْخُواقِيُ بِالثَّلْنَيْنِ عَالَ اَحْرِنُ قُلْتُ الْفَا فَقَالَ اللهِ اللَّهُ الْكُونُ قُلْتُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ

الككلالةِ.

جابرہ نے کہا کہ میں بیما ر ہوگیاا ورمبرے ساتھ بہنیں تھیں ، کپی دسول الٹرصلی الٹرعلیہ وسلم میرے باس تشریف السکے ، میرے مہاری کہ بین تو مجھے افاقہ ہوا۔ میں نے کہا : یا رسول الٹرصلی الٹرعلی میں اپنی بہنوں کے سیے لئے کی وصیت درکروں ؟ آئ نے نے فرطا : احسان کر میں نے کہا نصف ؟ فرطا : احسان کر ، جبر آئ نشریف نے لیے اور جھے جبوط گئے فرطا اے جابرہ فرا اسلام تعالی نے حکم انا لے اور کھول کر بڑا دیا ہے کہ ہر آئ مرابہ خوال نمیں ہے کہ توا پنی اس بیماری سے مرے گا ، اور انٹر تعالی نے حکم انا لے اور کھول کر بڑا دیا ہے کہ ہری کہا کہ جب بی انٹر کہا کہ اور کہا کہ اور انٹر تھ میں کا لہے متعلق فتو لے دیا ہے کہ ہری کہ دو کہ انٹر تھ میں گا کہ کے متعلق فتو ہے دیا ہے کہ اور کہا لئر تھ میں کا لہے متعلق فتو ہے دیا ہو کے اور کرا انٹر تھ میں کا لہے متعلق فتو ہے دیا ہے دیا ہو کہا کہ دو کہ انٹر تھ میں گا ہے دیا ہو کہا ہو کہا ہو کہا ہو کہا ہو کہ دیا ہو کہا ہو کہا ہو کر ہے کہ دیا ہو کہا ہو

منکی جے بعضور کے بار بار اُخس فرمانے کا مطلب خالبایہ تھا کہ ہنوں کی اتنی تعداد سے اوران کا حق زیادہ سے اور حکم بھی اترا نہیں بہذا تواکر و صبت کے ناحیا بہنا ہے توزیادہ کی کرے بھرخود ہی فرماد یا کہ تواس بیما ری سے شفایا ب بہوجائے گاا ور سیری

ببنول كاحقته اللرتعاف في مقرد فرماد باسه

٢٨٨٠ حَكَّا نَكَا مُسْلِمُ بَنُ إِبَاهِ يُمَوَّالُ حَدَّا ثَنَا شُعَبَّمُ عَنَ اَفِي اِسْحَقَ عَنِ الْبَرَاءِ بِنِ عَادِبِ فَالَ الْحِرُاكِيةِ نَزَلَتْ فِي الْكَلَالَةِ يَسْتَفُتُونَكَ قُلِ اللهُ يُفْذِيْ كُمُ فِي الْكَلَالَةِ -

براء بن مازی سے روایت ہے کہ کلاکہ میں جو آخری آبت اُکٹری تقی وہ پرسے۔ کیئٹ کفٹو کئے قُلِ اللّٰہ کیکٹینگہ، فی فی اُنگلاکہ '' لوگ تم سے نتو کی پرچیتے ہیں ۔ تو کہ کہ اسلیمہ بیں کلا تہ میں فتو کی دیتا ہے'؛ رنجا رَی مسلم ، نساتی 'ے کلاکہ میں ایک اُسٹ سیکھے اسم مجی تقی حوایت المداف سے اندر سے اور آخری آئیت کلاکہ میں ہیں ہے۔ بس اس آئیت کی آخریت ایک خاص سیب سے سے بعنی کلاکہ کے معلق ہونا۔

٩٨٨ حكًّا تُنكَ الْمُؤْسَى بُنَ الشِّمِينُ لَ فَالْ نَا أَبَّاكُ فَالْ نَا الْأَنَا وَالْ الْعَنَادَةُ فَالْ

مَن عَقِيبُلِ عَن جَارِبْ عَبْدِ اللهِ عَالَ مَا مِثْمُرُنُ الْمُفَضَّلِ قَالَ مَا عَبْدَا اللهِ مُعَمَدِ اللهِ عَن جَارِبِ عَبْدِ اللهِ عَلَ اللهِ عَلَا اللهُ عَلَيْرُوسَةً عَلَى اللهُ عَلَيْرُوسَةً عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَمُ اللهُ عَلَيْهِ اللهُ عَلَيْهِ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَمُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَمُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَا اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَمُ اللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَمُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ اللهُ عَلَى ا

براء بن مازس سیردوایت سے کہ ایک مرد دسول انٹوسلی انٹر علیہ وسلم کے پاس آیا اور کھا بارسول انٹر اقرآن نے میر ہو یہ جو کھا سے کہ: نوگ آپ سے کلالہ کے متعلق فتو کی گئر چھتے ہیں ،سوفر ماسٹے کلالہ کیا ہے ؟ آپ نے فرما یا کہ تجھے موسم کر ماولی آئیت کا بی سے ۔ بس میں سنے ابواسح آق سے کھا۔ دیہ ابو بکر راوی کا کلام ہے ، وہ وہ شخص ہے جو مرج اسٹے اور اولا دیا مال باپ در بھوڑے ہے ؟ اس سنے کھا: نوگوں سنے نمیال کیا ہے کہ یہ ایسا ہی سبے دیر ندی ،سکم ،ابن ما تب مسلم اور ابن ما تعبی

يرقعته حضرت عربن الخطائ سيمروي سي

م حوثی تعتی اور آیت کے نزول کے و تت مباہر کے نہ والدین تقے نہ اولاد تعی ۔اور والدین کا اصافہ اس تبیل سے سے

عَنْهَا بِفَضَاءِ رَسُولِ اللهِ صَلَى اللهُ عَكِيْمِ وَسَلَّمَ لِا بُنَةِ النِّصْفُ وَلِابْنَهُ اكْلِبُنِ أَنْهُ مُنْ تَكُيلَةً الشُّكُنْيُنِ وَمَا بَعِي فَلِلا نُحْتِ مِنَ الْاَبِ وَالْاَمِّ .

ہزیں بن شرجیں اووی نے کہا کہ ایک جمفی الوموسی اضعری اورسلمان ابن دہید کے پاس آیا (سلمان کی صحابت میں اختلاف سے اوراک سے ایک بیٹی اورا یک جمبتی اور حقیقی ہیں کی میراث کا مسلم توجیا ۔ پس ان دونوں نے کہا کہ بیٹی کے سیے نصوب اور کہا کہ ابن مسعود کے سے نہ دلا باداور کہا کہ ابن مسعود کے سے باس میں اور میں کہ بیٹی کے اس میں اس مسعود کے باس آبا وران سے مسلم بوجیا اور ان دونوں کا نتوئی بتا ابن مسعود شرخ کہا کہ داگر میں ان کی موافقت کروں تو میں گراہ ہوں گا اور بدایت یا فتہ نہ ہوں گا لیکن) میں اس مسئلہ کا فیصلہ رسول انٹر مسلم ان کی موافقت کروں تو میں گراہ ہوں گا اور بدایت یا فتہ نہ ہوں گا لیکن) میں اس مسئلہ کا فیصلہ رسول انٹر مسلم انٹر میں کہ موجود کی مسلم کے فیصلے کے مطابق کمہ تا ہوں ۔ اس کی بیٹی کا نسمت سے اور جمتی کا چھا محصلہ کے رہنے کہ کہ بی اس میں کا موگا د بخاری کا کہ کہ اور نسا کی نے اسے دو لوں طرح سے تریز کی ابن ما جہ ، نسانی) بخاری کی معدیث میں سلمان بن رمید کا ذکر نہیں سے اور نسانی کی نے اسے دو لوں طرح سے در نیس کمان کے ذکر سلمان کے ذکر سلمان کے ذکر سلمان کی دولوں طرح سے در نوی سلمان کی سلمان کی سلمان کی سلمان کی سلمان کی دولوں طرح سے در نیس کمان کی کی کھی ہوں ایک ہوں کا دولوں کی سلمان کی دولوں کی سلمان کی سلمان کی دولوں کا کھی سلمان کی دولوں کی سلمان کے ذکر سلمان کی دولوں کا دولوں کی سلمان کی سلمان کے ذکر کی سلمان کی دولوں کا دولوں کی سلمان کی سلمان کی دولوں کی سلمان کی دولوں کا دولوں کی سلمان کی دولوں کا دولوں کی سلمان کی دولوں کی سلمان کی دولوں کا دولوں کی دولوں کی سلمان کو دولوں کو سلمان کی دولوں کا دولوں کی دولوں کا دولوں کا دولوں کی سلمان کی دولوں کی دولوں کی دولوں کی دولوں کو کھی کی سلمان کی دولوں کی دولوں

بَافِ فِي الْجَدَّاقِ

وَأُولَا وُكُورُ فِلْنَاتُ راسْنَا بِن ١٥١

ه ۲۸ - حَسَّا ثَنَا الْقَعُنَبِيُّ عَنْ مَالِكِ عَنِ ابْنِ شِهَابِ عَنُ عَثَمَا نَهِ اِسْحَاقًا ﴿ إَنِ خَرِشَةَ عَنْ قَبِسُصَةَ بُنِ ذُوْيَبِ اَتَنَا فَالَ جَاءَتِ الْجُتَّاةُ إِلَىٰ اَفِي بَكُرِ العِسلِيانِ عَسْاً لَهُ مِٰ يَرَاتُهَا فَعَالَ مَالَكِ فِي كِتَابِ اللهِ فَنَى كَوَمَا عَلِمُتُ لَكِ فِي سُنَّةٍ نَبِي اللهِ صَلَى أَ

الله عليه وساكوسَكُونَ الله عليه وسَلَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّهُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَسَلَّهُ وَسَلَّهُ وَاللَّهُ وَا اللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَالَالِمُ اللَّهُ وَاللَّهُ وَالْمُؤْلِقُ وَاللَّالِمُ اللللْمُ اللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَال

٣٨٩٠ حَكَ ثَكُ الْمُحَتَّمَّ مُنْ عَبُ مِا الْعَزِنْ زِنِ اَ فِي رِنْ مَنَ قَالَ اَخْ بَرَ فِي اَفِي اللّهُ عَلَيْهِ وَسَلّمَ اللّهُ عَلَيْهُ وَلَهُ اللّهُ مَا اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللللّهُ الللللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ الللللّهُ الللللّهُ الللللّهُ الللللللّهُ اللللّهُ اللللللللللّهُ الللللّ

برید دمنسد وایت ہے کہ نبی صلی الشرعلیہ وسلم نے دادی یا نانی سکے لیے حبیتا استد قرار دیا تھا بشر طیکہ اس کے ور ور سے ماں در بہور نسانی) معنی مرنے واسے کی ماں زندہ ہوتو نانی کا کوئی محصد ہمیں بہیں سے ریرا معول نکلاہے کا قرب

کی موجود گی میں ابقد کو کچید تنمیں دیا مباتا مال کی موجود گی میں نانی اور دادی دونوں خرد م میں +

المناب ماجاء في مبراف الجليا

مِدَوْكُونَ مَعَ الْمُعَالِكُ الْمُعَدَّدُهُ الْمُعَدِّدُ الْمُعَدَّدُهُ الْمُعَدِّدُهُ عَنْ فَتَادَةَ عَزِلْحَيْ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ

(الشُّكُونُ مِنْ ـ

عمان بن حصین منسے دوایت سے کہ ایک آدی بی صلی الشرعلیہ وسلم کے پاس آ یا اور ابولا: میرا لیوتا مرگیا سہے۔
اس کی میراث میں سے ممرا کتن حصتہ ہے ، معنولانے فرہا یا کہ تیرسے لیے جھٹا محدہ ہے۔ بھرحب وہ جلاگیا توحضور اللہ اسے بلایا اور فرہا یا کہ : دور سرا سے اسے بلایا اور فرہا یا کہ : دور سرا سکہ اسے اسے بلایا اور فرہا یا کہ : دور سرا سکہ اس ای اور فرہا یا کہ : دور سرا سکہ اسے اسے باتھ اور ہوں ہے۔ بھرحب وہ جلاگیا تواسے بلایا اور فرہا یا کہ : دور سرا سکہ سے بہ میرا دوا وا سے برکہ ان ا کے بیونکہ ان ان نہ تواصی برفرانسن سے سے برخوس سے بہلا سُرس جو اُسے دباگیا وہ اس کا حصتہ (فریف می سے سے نعصب اس سے برب بلا سُرس جو اُسے کی دو بیٹیاں اور ایک داوا تھا ، دور بٹیوں کو ہے قتا دہ وا وہ کی تواسے کی دو بیٹیاں اور ایک داوا تھا ، دور بٹیوں کو ہے قتا دہ وا وہ کی کا تول اس میں سے ہو وا دے کا حصہ تھا اور باتی ہے تھے قتا دہ وا وہ کی کا تول اور جو سرا سکہ سے بیا کہ اور کہ کہ اذکہ جو اس کے دور ہو تا ہے ۔ دور ہو تا ہے ۔ دور ہو گئی اس میں سے ہو تا ہو کہ کہ اور کہ جو اس کے بیار ہو ہو تا ہو کہ کہ ان کے مصنور سے سے اسے میں ایک اور کی کہی سے اس سے برکہ ہو گئی ہو گئی ہو اس کا حصہ تھا وہ ہو گئی اور کی کا میار میں سے بے دا دی کا حصہ تھا اور باتی ہو تھا کہ اور کی گئی سے اس سے برع تا میں دواہ تا ہے ۔ دور کی کہی سے اس سے برع تا ہو ہو گئی ہو ہو کہ کہ سے اس سے برع تا ہو گئی اور کی کہی سے اس سے برع تا ہو گئی ہو ہو گئی سے اس سے برع تا دور کی کہی سے اس سے برع تا ہو گئی ہو گئی سے اس سے برع تا ہو گئی ہو گئی سے اس سے برع تا دور کئی کہی سے اس سے برع تا ہو گئی سے اس سے برع تا ہو گئی سے اس سے برک کی کھی سے اسے دور کو کہی ہو گئی سے اس سے برع تا ہو گئی سے اس سے برک کی کھی ہو گئی سے اس سے برک کی کھی سے کہ سے دور سے سے برک کی کھی ہو گئی سے دور سے سے کہ کو کی کھی سے دور سے کا مور سے کہ کر کی کھی سے کہ کو کو کی کھی سے کو کی کھی سے کہ کو کی کھی سے کر کی کھی ہو کہ کو کی کھی سے کر کی کھی ہو کہ کو کی کھی سے کر کے کہ کو کی کھی ہو کہ کو کر کے کہ کو کی کھی سے کہ کو کر کے کہ کو کی کھی کو کے کہ کو کی کھی کے کہ کو کی کھی کی کو کی کھی کے کو کی کھی کو کی کھی کے کو کی کھی

قَالَ مَعَ مَنْ قَالَ لَا دُرِى قَالَ لَا دَرِيْكَ فَمَا تُغُنِي إِذًا -

حصزت بورا نے فرما با کہ تم میں سے کون جا نتا ہے کہ دسول الٹرصلی الٹرعلیہ وسلم نے دا دا کوکستی میراث دی ہ معقل ا بن بسیا دسنے کہا کہ میں جا تنا ہوں ، دسول الٹر حسلیہ اوسلم نے اُسے چھٹا حصتہ دیا بحضرت بحراض نے فرما یا کہ کس کے ساتھ ، معقل نے کہا کہ مجھے معلوم نہیں جصرت عراض نے کہا کہ نجھے معلوم نہیں تو بھر تیرے علم کا فائدہ کیا بہوا ، واب اعبان کی شیرے . منڈری نے اس مدیدے کو منقطع قراد دیا ہے کہو نکر حسن بھری کی پیدائش کر کیا ہے اور عمراضی الٹر عنہ کی شہا در سے ساتھ کی۔ لیکن کی آدی اور سلم نے حسن کی روایت کو حصرت بورسے معتبر قرار و باسے اورا بنی کتابوں میں اس مند سے احا دریث روایت کی ہیں ۔

باب في ميران العصبة

٢٨٩٨ - كَلَّ نَنْنَا احْمَدُانُ صَالِحٍ وَعَنْلَانُ كَالِي وَهَذَا حَدِيْتُ عَنْلَهِ وَهَذَا حَدِيْتُ عَنْلَهِ وَهُواَ شَبْعُ قَالَانَا عَبْسُ التَّرِّنَ (قِ نَا مَعْمَدُ عَنِ ابْنِ طَاقُسٍ عَنْ اَبِيهِ عَنِ ابْنِ عَبَاسٍ قَالَ قَالَ دَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَيْدِي وَسَلَّوَ اِنْمَالُ بَيْنَ اَهْلِ الْفَرَا لِخِرِ عَلَى كِتَابِ

(اللهِ فَمَا تَدَكَتِ (لُفَرَائِضُ فَالْأُولِيٰ ذَكِيرٍ

ابن عباس مفنے کہ کہ رسول انٹرصلی انٹرطلبہ وسلم نے فرمایا : مال کو کٹا ب انٹر سے مطابق حصیرواروں بہتقیم کمرو۔ اس سے جوبے مبائے وہ اس مرد کا ہے جومئبت سے قریب تتر مہود اسی مطلب کی صدیث بخاری ، مسلم ، تر مذی ، ابن مام برا ور نسائی میں بھی سے۔ الفاظ کا کمچھ اختلاف سے

منی بعضبہ اس قریبی رشتہ وارکو کھے میں جس کاکوئی مقررہ حقتہ نہیں ہوتا۔ اگر مقردہ حصہ داروں سے کھی جائے تواسے متاہے ور نہنیں۔ اولی کا لفظاس مدیث میں اقرب کے معنی میں ہے بمثلاً بھائی اور بچپا میں سے بھائی اقرب ہے۔ بچیا اور جچرے بھائی میں سے بچپا آقرب ہے۔ اس مدیث میں عصبہ کی جو تعربیت آئی ہے بہ عصبہ بنفسہ کی ہے جو ہمیشہ بذکر میوتا ہے۔ عصبہ با لغیر مؤنث بھی ہو سکتے ہیں جیسے مبلی سیطے کے سابھ بہنیں بھا میوں کے ساتھ۔ ایک عصبہ مع الغیر بھی ہے بعنی مروہ مؤنث ہو کہ می دو سری مؤنث کے سابھ عصبہ سبنے مثلاً بہنیں میلی کے سابھ ۔

مدین میں ہے۔ بہنوں کو میلگوں کے سابھ عصبہ میا ؤ۔

بَأْتُ فِي مِبْرَاتِ ذَوِى (لُكُرْ حَامِ

ذوى الاسعام كى ميراث كاباب

٢٨٩٩. كُلَّا ثَنْ حَفْصُ بِي عُمَرَقَالَ نَا شُعَبَةُ عَن بُكَايُلٍ عَزُعَلِي بِنِ إِنَّ

ا کمفدام الکندی م نے کہا کہ رسول اللہ صلی اللہ ملیہ وسلم نے فرایا: بین ہر مومن سے اس کی جان سے بھی قریب تریموں، نہی جوشخص قرض یا عیال چھوڑگیا تو وہ میری کفالت بیں سے اور جومال چھوڑ گیا وہ اس کے وار توں کا

ليے كها كيا كران كے نزد بك مور لي اور المولى بهرام ي**نو**َلُ وَالْوُلْ مِي مُثَقِيٰ إِن تُورِيعُ ، مَا لَكُ مُرْشَا فعي مِرْتِين مَا وَرُكُور ميث زُوري الارحام كي فعي كمه بينے والول كى دليل بير كرانتْدتْعَا لِے بنے آپا یا تّیا کموا رمیٹ میں ذوی الارحام کا ذکر نہیں ڈیا یا: وَمَا کَا کَ دُکِّیتُ نُسِیّاً اودان کی توریث کتا لِکٹ برا صنا فهسع ودبير ضبروا مداور قياس كمسائق ناب نهيس موسكت وريسول الترصلي التيعليه وسلم سعي فالداور میراث کا سوال ہوا تھا ہے۔ ہوسے اور کہا کہ خالا ورتھی بھی کی کوئی میراث ہیں یا درمروی اسپورسی کی کوئی میراث ہیں یا درمروی اسپورسی کا درمروی اسپورسی الٹرسی اسٹوارہ کرسنے سے سیے تعبادی طون تشریف سے گئے کہ خالدا ور بھیو بھی کی میراث کیا ہوتو کی میراث کیا ہوتو کی میراث کیا ہوتو اور اسپورسی کیا ہے کہ اس کا مطلب میراث کیا دی مقرد صفر ہیں۔ اور مقرد حقد توعمہ بات کا بھی ہنیں ہوتا ۔ لیکن خالہ اور بھیو بھی کو دیشتے کی بنائر پر وراث دی مبائے گی ۔

ر. 19- كِلَّا فَكَا عَبْ كَا السَّلامِ ا بُنَ عِنْدِي الدِّي مَشْقِقٌ قَالَ مَا مُسَحَّمُ كُنْ بُنَ

الْمُبَارَكِ قَالَ نَا اِسْلِمِيْكُ بَنُ عَيَّاشٌ عَنَ يَزِنُ لَا بُنِ حَبَدِعَنَ صَالِحِ بَنِ بَحْيَى بْنِ الْمِقْلَامِ عَنُ آبِيْهِ عَنُ جَيِّرِهِ فَالْ سَمِعُتُ رَسُولَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ يَقُولُ آنَا وَارِثُ مَنُ لَا وَارِثَ لَـهُ آفُتُ عَيِنَتُهُ وَآرِتُ مَالَـهُ وَالْخَالُ وَارِثَ مَنْ لاَ وَارِثَ لَـهُ يَفُكُ عُنِيَّهُ وَبَرِثُ مَالَهُ.

الله عند الوسليمان الخطابي في كما م كرمديث كالفظ يَفك عُما نهُ اور عِنسَة بهم عنى سعِ: أَس مُ حقيدى كوه النام

اور قدیری کامعنی بیاں پر یہ سے کہ اس کی ذمہ داریاں پوری کر تاسیع اور دنیا یات کے باعث جو لوجھ عاقلہ برآ تاسیع وہ برداشت کرتا ہے۔ چنا بخے دو سری حارث میں بعقل عنہ کا لفظ ہے ۔ اوراس مدیث بیں ان لوگوں کے لیے دلیل سے سجو ذوی الارحام کی ورا شف کے قائل ہیں اور برا بو منبقہ اوران کے اصحاب اور سفیاں توری اور احمد بن منبل کا مذہب ہے اور علی بن ابی طالب اور عبدالمثار ہم بن مسعود سے مروی ہے ۔ مالک، شافتی اورا وزاعی ذوی الارحام کی توریث کے قائل نہیں ہیں اور ہی قول ذیر بن تا بت کا ہے۔ ان کے نز دیک بہ صوف ما موں کو ایک انعام دیا گیا ہے تھے۔ کے طور میر یا ور اثت کے حق کے طور پر نہیں۔ اس ہر بحث ہے جھے گزرگئی ہے ۔

٢٠ ٢٩ - كِلَّا ثُنَّا مُسَلَّادٌ فَالْ مَا يَحْيِي فَالْ مَا شَعْبَةُ الْمَعْنَى حَوْمَنَا عُثْمَاكً

ابُنُ رَبِي شَيْبُنَهُ قَالَ نَاوَكِيمُ بُنُ الْجَرَّاحِ عَنْ سُفْيًا نَ جَمِيْعًا عَنِ أَبِو أَلِاصَبُهَا فِي عَنْ هَجَاهِدِ (بُنِ وَرُدَانَ عَنْ عُمْ وَةَ عَنْ عَائِشَةَ أَنَّ مَوْلُ لِلنَّى جِي صَلَى اللهُ عَلَيْرُوسَهُ

مَاتَ وَتَرَكِ شَيُّا وَكُمْ بِيَكُمْ وَلَدَّا وَلاَ حَبِيمًا فَقَالَ رَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلِيهِ وَ اللهُ عَلِيهِ وَالنَّا وَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلِيهِ وَالنَّا اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْنَ وَهُلِ فَرْيَبِهِ قَالَ اللهِ عَرْدَا وَحَ حَدِيثِ اللهُ عَلَيْنَ وَهُلِ فَرْيَبِهِ قَالَ اللهِ عَرْدَا وَحَ حَدِيثِ اللهُ عَلَيْنَ اللّهُ عَلَيْنَ اللّهُ عَلَيْكُ وَالْمِنْ عَلَيْنَ اللّهُ عَلَيْنَ اللّهُ عَلَيْنَ اللّهُ عَلَيْنَ عَلَيْنَ اللّهُ عَلَيْنَ اللّهُ عَلَيْنَ اللّهُ عَلَيْنَا عَلَيْنَ اللّهُ عَلَيْنَا عَلَيْنَ اللّهُ عَلَيْنَ اللّهُ عَلَيْنَا عَلَيْنَ اللّهُ عَلَيْنَ اللّهُ عَلَيْنَا عَلَيْنَا اللّهُ عَلَيْنَ اللّهُ عَلَيْنَ اللّهُ عَلَيْنَ عَلَيْنَا اللّهُ عَلَيْنَ اللّهُ عَلَيْنَا عَلَيْنَ اللّهُ عَلَيْنَا عَلَيْنَ عَلَيْنَا عَلَيْنَا عَلَيْنَا عَلَيْنَا عَلَيْنَ عَلَيْنَا عَلَيْنَا عَلَيْنَا عَلَيْنَا عَلَيْنَا عَلَيْنَا عَلَيْنَا عَلَ

ٱتَعْرَوْقَالَ مُسَلَّادٌ فَالَ فَقَالَ النَّبِي مَهِ لَى اللهُ عَلَيْهِ وَسُلَّمَ هُمُنَا أَحُدُ مِن

ٱهُلِ ٱدُضِهِ قَالُوا نَعُمُ فِالْ فَاعُطُولًا مِيْكُمِ إِنَّا مَا

عائٹہ دمنی الٹرعنماسے دوایت سے کہ رسول الٹرصلی الٹرعلیہ وسلم کا ایک آ ذا دکردہ غلام مرگیا اواس نے کو ٹی اولاس نے کو ٹی اولا و یا قریبی دشتہ دار در چھوڑا۔ پس دسول الٹرصلی الٹرعلیہ وسلم سنے فرمایا: اس کی میرایث اس سکے گا ڈس سے کسی شخص کو دیے دو۔ ابوداؤ دینے کہا کہ سفیان کی صدیمیٹ اتم سیے اورمسترو نے کہا کہ نبی صلی الٹرعلیہ وسلم سنے فرما یا: کیا بہاں بہکو ئی اس کا ہم وطن ہے؟ ہوگوں نے کہا کہ کال آپ سنے فرما یا کہ اس کی میرایث اس کو و ہدہ۔

د تنه مَذَنَی، ابن ما مِبر، نسا نیُ

م مسامه بن *زید نے کہا کم میں نے دسو*ل انٹرصلی انٹرعلیہ دسلم کے حجج دحجۃ ابو داع میں اُمٹے سے یو جھیا کہ ہا اولا آپ کل کوکهاں قیام فوا ہوں کے بعضور نے فوایا : کیاعقیل نے ہما ہی کوئی فرود کا ہے چھوٹٹری بھی سے ؟ پھرفرایا ا سم خیدن بنی کنا ندمیں اللہ نے والے میں جہال برقر بیش سے کھر برقسمیں کھائیں بعنی المتحصّب واوراس کا مطلب یہ علاکہ بنی کناند نے قریش کے معالم تھ بنی ہاشم کے خلاف قسما قسمی کی تھی کہاں سے لکاح مذکریں کے اوران سے خمہ پدو فرونوت رد کریں گے اور انہیں بناہ نہ دیں گے ۔ زہری نے کہا کہ خصیف کا معنی وا دی سے رسخاری اسلمان اس مام ب شمرح بخطاتی نے کہاکہ الوواؤد کااس مدیث سے استدلال یوں سے کہمسلم کا فرکا وارث نہیں ہوتا، عقال ابوطالم کی و فات کون ننگ مسلمان ربهوا نقاا وراس کا وارت بنا ۔ اور سنگفرا ور ملی من دونوں مسلم کے لمذا وارث نرمو نے جب عقیل عبدا لمطلب کی جائدادگا مالک ہوگیا تواسے بیج ڈالا ، پرمطلب سے حضور کے اس قول کا کرعفتیل نے ہمارے سلیے کون ما گھرتھیے ڈا سے بحبیعت بنی کنا نہیں قریش نے جع ہوکر با شمیدں کے خلاف قسم انھا کی تھی،کیونکرئی باخم دمول التُدمِ لحالتُ عليه وسلم كوقتل كرنے باكسي اوركوكرنے دسنےسے انكادكر ديا بھا۔ ابوطا لب كوجب اس تساقتى کا بہتر چوں تو وہ بنی ہاشم اور اپنی مطلب کو سے کرا بنی گھا ڈٹی میں بناہ گر ہو گئے سخ کہاں کے کف ریمبی حما بلیت کی عادت كيمطابق إن كيساته عقر كيونكه نسلى محبت اور خاندا في عصبيت كاسوال يديا سوحيكا تقاء قريش كى د ساوين جوكعية اندر دسكا في كئي محتى، منفور بن عكرمه بن بشام في مكمى محتى، بعراس كا باعق شلّ بوكياً عمّاً - يه دستا ويرا انهول في مكم محرم سخند نبوی کوکعبہ کے اندوں کی گئی ۔ دوسال کک با ٹریکا ط کی کیفیت دسی مجرحفوڈ کے خبر دینے پرکراسے ديك ميار ميكي سيا الدكر ديكهاكيا تووا قعى اليها ظا بهربية قطع تعلق متم كرد لكيا -٧٩١ ـ كَتَّا فَنْ أَمُوْسِلى بُنُ إِسْمِلِينُ لَ نَاحَتَمَا ذُعَنُ جَيْبِ الْمُعَلِّوِعَنَ عَشْرِد بُنِ شُعَيُبِ عَنْ آبِبُهِ عَنْ جَكِمَا هِ عَبُسِ اللهِ بْنِ عَنْ رَفَّالَ قَالَ رَسُولُ اللهِ صَتَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَالْحَوْلَا يَتَوَارِثُ أَهُلُ مِلْتَأْبِي شَتَّى۔ عجیدا مٹری*ن ع*وین العاصے نے کماکریسول الٹرصلی الٹرعلیہ وسلم سنے فرایا: دو *جدا میل*ا ملتوں واسے ایکس دوسرے کے وارٹ بنہیں ہوتے (ابن مآجہ دنساتی اور تر مذی نے اسے جابر کی سے دوایت کیا ہے) مشريح : الكُنْرُ مِلَّةٌ فَرُ احِدًا ﴿ يَحْصُمُ عَلَى إِنْ اسْ مِدِيثْ سِيهِ مِزَادِ بِرِسْهِ كُذَا بِل اسلام اورابل كُو (خواه كمي نديم و ملت کے مہوں ایک مدوسرے کے وادث نہیں ہیں۔ وریز بطا ہر توریہ حدیث بہ جا ہتی ہے کہ میودی و نسان ، مجوسی ا نصرانی ، میودی و مجوسی و عیره و مخیره می ایک دوسرے سے وارث نه موسکیں . نمبری ، ابن آبی سبی اورا حمد تب صنبل کا یمی مذرب سے ۔ایک سنے میں مشکی کے بجائے شکیا گا تفظ سے ۔عام فقہاد کا مسلک ہی سے کہ تفرکو ایک اگ متت اوراسلام كودوسرى الك ملت قرار دياما سفكا -اوراني بايم وراشت بني جلي ك -

٢٩١٢ ـ حَمَّكَ ثَنَا مُسَدَّدُ نَاعَبُ لَا أَنُوامِ ثِ عَنْ عَمْدِو الْوَاسِطِيِّ نَاعَبُكَا اللَّهِ

نُ بُرَيْكَ اللهُ اَنَّ (خَوَيْنِ إِخْتَصَمَا إِلَى بَحَبْی بُنِ يَعْتُرَ يَهُوُدِيَّ وَمُسُلِوَّ فَوَرَّتُ الْمُسْلِمُ مِنْهُهُمَا وَ فَالَ حَلَّا ثَنِي ٱبُوالُاسُودِ اَنَّ رَجُلَّاحَلَّا ثَهْ اَنَّ مُعَا ذًّا قَالَ سَمِعْتُ رَسُول اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ كِقُولُ الْإِسْلاَمُ يَذِيْكُ وَكَا أَنْهُ صَلَّى فَوَرَّتُ الْمُشْلِعُ

عبدالترب بُريدُ نے کہاکہ دوبھائی ہیودی اور سلم۔ مقدّمہ کے فریق بن کر بحیٰ بن میم کے ماصفے بیش ہوسے میں اور کہاکہ مجہ کو ابوالا سود سے مدیث منا ڈن کہ ایک اور کہاکہ مجہ کو ابوالا سود سے مدیث منا ڈن کہ ایک اور کہ نظیمے بنا یا کہ معا ذھنے کہاکہ میں سنے دسول الشرصلی الشرولیہ دسلم کوفرا نے شنا کہ: اسلام بطرعت اسے اور کم نہیں ہوتا، بہر اُس نے مسلم کووار دیٹ مظال کا ۔

تنکویے: اس صدیت کی مندئیں ایک مجول لاوی سے اور الوالا سود کے معا ذہن جبل منسے سماع میں کلام ہے الجالالم و سے مراد الجدالامود ذیلی سے ماس صدیث کا ہومعنی معا ذہن جبل نے سمجا وہ ان کے اجتماد پر مبنی سے ۔ اس میں فقط اسلام کی ففنیلت کا اظہار سے ، میراث سے اس کا کوئی تعلق نہیں ہے ۔ اوب کی صدیث صریح سے جس میں زمایا گیا ہے کہ مسلم کا فرکا اوراس کے مرفکس وارث نہیں ہوسکتا۔

٧٩١٣ د حَكَّا نَنَنَا مُسَتَّدَكَ مَا يَحُيلُ بْنُ سَعِيْدٍ عَنْ شُعُبَهَ عَنْ عَسُرِوبْنِ (بِيُ حَرِينُوِرِعَنْ عَبُلِا اللهِ بْنِ بُرَيْدَةَ عَنْ يَحْيل ابْنِ يَعْشُرَعَنْ اَ بِي ٱلْاَسُودِ لِلَّبِينِ

أَنَّ مُعَادُّ أَاتِّيَ بِمِيرَاتِ بَهُودِيٍّ وَارِثَهَا مُسْلِحُ بِمَعْنَاهُ عَنِ النِّبِيِّ صَلَّى اللهُ عَلَيْرِوَسَلَّمِ

ابوا لاسود دیلی سیمروی سیے کہمعا ڈٹر کے پاس ہیودی کا مقدیر لایا گیا جس کا وادث مسلم تھا آنخ اوپہ کی حدمیث کی ما نند۔ معا ذکی روا میٹ نبی صلی انٹر علیہ وسلم سیر سے -

كَالِكِ فِيمُنَ أَسُلِمُ عَلَى مِيرَايِتِ -

ہاب اس شخص کے متعلق میراث پڑسلم ہوا ۔ یعنی اس کے اسلام لانے سقین جوالی تقلیم ہوگئی متی احب و مسلم ہوگا توکیا اب نے مرے سے میراث کی تقلیم کی جائے گی ؟ ۔

م ۱۹۱۰ حمّ نَشَا حَجَاجُ بُنُ اَفِى يَعُقُّرُبَ مَا مُوسَىٰ مُنَ دَاؤِدَ مَا مُحَتَّمُهُ بُنُ مُسُلِمٍ عَنْ عَمُرِو بُنِ دِيُنَارِعَنُ اَفِي الشَّعُنَاءِ عَنِ ابْنِ عَبَّاسٍ رَضِى اللَّهُ عَنُهُمَا قَالَ قَالَ اَ النَّبِّىُ مَسَلَى اللهُ عَكِيهُ وَرَسَا وَكُلَّ قَسْرِهِ قَصْدَ فِي الْجَاهِلِيَّةِ فَهُوَ عَلَى مَا قَسِمَ وَحُسَلًا

 کروہ فیصلہ ببل دیا گیاہے۔ بس بنوم عرفے بھر ہم آم بن اسم غیل کی عدالت میں دعو ٹی ہیٹی کیا اور ہم نے عبد الملک۔، ایک معاملہ پنچا یا اور اس کے باس صفرت عمر صفی التی عنہ کی تحریر لائے۔ اس نے کہا میں دیکھتا ہوں کاس فیصلے میں کو ائی تنگ نہیں اور مجھے بر در معلوم تھا کہ اہل مدستہ کا معاملہ بھاں تک بہنچ گیاہے کہ انہوں نے اس فیصلے ی شک کیا ہے۔ بس عبد الملک نے اس میں ہمارے حق میں فیصلہ کی اور اس کے بعد سم اسی فیصلے پر در سے۔

باسب في الرَّجُلِ يُسُامِعَلَى يَدُي الرَّجُلِ

باب ایشخص دوسرے کے مائد برایمان لائے توج

٢٩١٨ كل نَكُ نَكُ يَوْنِ كَابُنُ حَالِهِ بَنِ مَوْهَدِ الرَّمُ لِيُّ وَهِ شَامِ بَنِ عَسَامٍ فَا لَا يَهُ فَى الرَّمُ لِيُّ وَهِ شَامِ بَنِ عَسَامٍ فَا لَا نَا يَهُ فَى قَالَ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ الله

التَّاسِ بِمُحْيَالًا وُوَمِمَاتِهِ.

تہتم الداری مونے کہا یا رسول الٹر ہوشخص سلمانوں ہیں سے کسی سلم کے یا تھ برایمان لائے تواس بادے ہیں سنت کیا ہے؟ فرما یا کہ وہ فرزندگی اور مون میں اس کے مب بوگوں سے قریب ترسے در ترخری، ابن ما تب ہا مشرح: ما المشائلة کا مطلب ہے کہ استیت و شرع کا کیا حکم ہے ؟ اس صدیف سے ان توگوں نے استدلا ل کیا ہے جو کس کے باخ تھ پر ایمان لائے کو بھی تو در بین کا کیا حکم ہے ؟ اس صدیف سے ان توگوں نے استدلا ل ہیں۔ مگر انہوں نے اس میں ایک شرط کا اضافہ کیا ہے، اور وہ ایر کہ: ان دو نول سے در میان عقد موالات ہو جا بی ایک شرط کا اضافہ کیا ہے، اور وہ ایر کہ: ان دو نول سے در میان عقد موالات ہو جا بی ایک شرط منہیں کا تو ل کی ما ند ہے مگر اس سے موالات کی شرط منہیں را ہو ہے کہ اس مضمون پر اس صدر ہے کہ اس سے مواد میران ہو اور کا مواد ور ما اس کے فرائد کی ما ند ہے کہ اس سے مراد میران ہوا ور رہ بھی کہ افراد داری کی مواد ور ما ہو کہ اور کہ اس مدریث کی دان کی ہوا ور دام کے مواد ور ما ہوا کہ اس کے فرائد کی مسلم کے فرائد کی مسلم کے مواد ور ما کہ اس میں مورث مواد کی کہ اس کا داری میں ایک دو العمام اس کے فول کی ما نول ہے مسلم کی مواد کر سے ما مواد کی میں ایک دو العمام کے فول کی ما نول کے اس میں دو اس کے قرب تر ہوگا ہے اسے دوائٹ کا مسبب قرار نہیں دیا کیو نکہ وضافہ کی اور کر ہے اس میں کہ واس میں کہ اس کا داوی عبد العزیز موافظ و مستقین نہیں ہے دوائی کی اس مدریث کو صدیف عقرا یا ہے اور کہا ہے کہ اس کا داوی عبد العزیز موافظ و مستقین نہیں ہے دوطانی کہ اس کا داوی عبد العزیز موافظ و مستقین نہیں ہے دوطانی کہ دور کی اس مدریث کو صدیف کا فرک کے دوسانی کہ دور کی اس کا داوی عبد العزیز موافظ و مستقین نہیں ہے دوطانی کہ دور کی کی اس کا داوی عبد العزیز موافظ و مستقین نہیں ہے دوطانی کا دور کو مسلم کی دور کی کی دور کی کا مسلم کی دور کی کا مسلم کی دور کی کا مسلم کی دور کی کی دور کی کا مسلم کی دور کی کی دور کی کا مسلم کی دور کی کی دور کی کا مسلم کی کا دور کی کا مسلم کی دور کی کا کی کا مسلم کی دور کی کا کی کا کی کا مسلم کی دور کی کا کی کا کی کی دور کی کا کی کا کی کا کی کا کی کی کا کی کی دور کی کی کا کی کی دور کی کی کا کی کا کی کی کا کی کی کا کی کی کا کی کا کی کی کی دور

مولانا نسفولی ایکوالیوا تورند اسپ دواستا دون پزید بن خالدا و دستام بن عماری بهونے والیاس اختلاف کا ذکر کی سے جواس دوایت کے بارے بس سے بیزید بن خالد کی دوایت برسل نظرا تی سے بولانا فرما تے ہیں اس حدیث میں کئی اور وجوہ سر بھی اختلاف سے ۔ آیک اختلاف داوی عبداللہ بن موہب میں ہے کہ ایا اس کا نام ابن موہب ہے ، با ابن وسب سر ندی اور ما فظا بن جر نے عبداللہ بن موہب کو صحیح کہ اسپ دو در ایست تر بالئہ بن موہب اور تھی داری میں کوئی واسطہ ہے یا بنیں ۔ بعض نے توعبداللہ بن موہب کی دوایت تیم دادی منسب بن تو بی دوایت تیم دادی منسب بن اور تو بی دوایت تیم دادی منسب بن اور تیم داری سے اور الو تقیم کی دوایت موہب کا واسطہ ذکر کیا ہے جمہدالی میں بے اور الو تقیم کی دوایت جوہد نا قدا بن جر می ماع کی مراحت ہو جوہد کہ دوایت کی ہے ۔ ما نظا بن جر کے تہذیب المتہذیب میں ماع کوغلط تبا بیا ہے کیو کہ ابن موہب کی ملاقات تیم دادی کے ساتھ نا بت نہیں سے دنجا دی سے می دادی میں سے دنجا دی سے می دادی کے ساتھ نا بت نہیں سے دنجا دی کے ساتھ نا بت نہیں سے دنجا دی کہ دوایت کی ہے۔

ا مظر نے کہاکہ ابوصیفی، شاتھی، مالک اور توری کے ننہ دیک جی خص کسی سے ہاتھ ہوا بھال الے وہ اسکا ا مولانہیں بہو جاتا بھیم داری من کی صدیف میں احتمال ہے کہ بیر حکم ابتداء اسلام میں بہوکیو نکہ اس وقبت اسلام اور ا پر توادث میلتا تھا جو بعدیس منسوخ موگا - اور اگر اولی المناس بہکے کیا گا و مکما تبدی کا معنی پر لیا جائے کہ ذندگی میں تھرت اور موت کے بعد نما زمینانہ اور دعائے معنوت کا وہ سب سے زیادہ مستحق ہوجاتا ہے تو اس میں متنا زعہ فید مثلہ کی کوئی دلیل نہیں رہتی مولانات فریا یا کہ اگر اسلام لانے کے ساتھ ساتھ عقرموالات بر بھی معاہدہ ہوجائے تواس صورت میں توریث موسکتی سے بہتر طیکہ کوئی قریب زندہ دہ ہویانہ مل سکے ۔

مَا مِيْكَ فِي بِهُمِ الْوَكَاءِ نولارورون ريخ ماب

٢٩١٩. كَلَّا نَكُ حَفْصُ بَنَ عُهُرَنَا شَعْبَتَهُ عَنْ عَبْدِاللَّهِ بِنِ دِيْنَامِ عَنْ

ابْنِ عَمْرَرَضِيَ اللَّهُ عَنْهُمُا قَالَ مَلَى رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْ مِ وَسَلَّوَ عَنْ بَيْعِ

(لُوَلَاءِ وَعَنْ هِبَتِهِ ـ

شی جے بخطاً تی نے ابن الاعلی محد بن زیاد سے نقل کیاہے کہ زمانۂ جا ملیت ہیں ولاد کی خرید وفرو محدث کا رواج مجمع مقاجی سے نم صلی التلاعلیہ وسلم نے منع ذمایا۔ یوسٹل الم علمیں اجاعی سے مگر میمون سے بارسے میں مدیث ہیں آتا ہے کہ انہوں نے اپنے آزاد کمہ دہ تعلاموں کی ولاءعباس یا ابن عباس کی مہر برکردی مقی پخطابی نے کہا کہ ہیں نے

ابدالولىدىسے شناكە بەدلائے مىلىپدىتى جونخىلف فيەب، مولانانىغ را ياسى كەدلا، كونى محسوس مالى چىزىنىپ حس كى بىغ بورسكے، ملكە يېغقوق بىرسى ايك تق سے لەزلاس كى بىچنىس بوسكتى -

باهافي المولودكية بمالتم يبوت

باب،اس بحيمي جو آوادنكاك وريدرماك ر

٢٩٢٠ - كَلَّ نَكُ الْحَدُيْنَ بُنَ مُعَاذِ نَا عَبُكَ الْاَعُلَى نَامُحَمَّلًا يَعُنِى ابْنَ اِسْعَاقَ عَنُ بَذِي كَابُنِ عَبُهِ اللهِ بُنِ ثُعَبُطِ عَنُ اَبِيُ هُمُ يُرَةَ دَخِى اللهُ عَنُهُ عَنِ النَّهِي صَلَى اللهُ عَكَيْدِ وَسَلَّحَ قَالَ إِذَا اسْنَهَلَ الْمَوْلُودُ وُرِّتَ -

> بارين تسيخ ميران الكفي بديران الترجير بار مبرك عقد كامير في رم معني رشته داريء منسوخ بونا

٢٩٢١. كَلَّا نَكُ أَحُدُهُ بُنُ كُمَّتُهِ بُنِ ثَالِبٍ فَالْ حَدَّثَنِي عَلِيُّ بُنُ حَدَّثِي

عَنُ اَبِيهِ عَنُ يَزِيْ النَّحُوقِ عَنَ عِكُرِمَهُ عَنِ ابْنِ عَبَّاسٍ رَضِى اللهُ عَنُهُمَا فَالَ وَالْكَنِينَ عَاقَكَاتُ اَيْمَانُكُمُ فَاتُوهُمُ وَنَصِيْبَهُ مُوكَانَ الرَّجُلُ يُحَالِفُ كَيْسَ بَيْنَهُمُ انسَبُ فَيَرِثُ احَدُهُ هُمَا الْأَخَرَ فَنَسْمَ ذُلِكَ الْأَنْفَالُ وَالْوَلُو الْأَمُ حَامِ

المُ بَعْضُهُ وَ أَوْلَىٰ بِبَعْضٍ.

ابن عباس من السُّرعند فِي كَهَاكمه: وَالنَّذِينَ عَقَى فَ اكْيُمَا لَكُمُ فَأْتُو هُمُ نَصِيبُهُمْ وَالسَاء سم) دَى كَلَى اللَّهِ عَلَى اللَّهِ عَلَى اللَّهِ عَلَى اللَّهِ عَقَى كَ اللَّهِ عَقَى كَ اللَّهِ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللْعَلَى اللَّهُ عَلَى اللْعَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْعُلِمُ عَلَى اللْعُلِيْ عَلَى اللْعُلِمُ عَلَى اللْعُلِمُ عَلَى اللْعُلِمُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْعُلِمُ عَا

شرح: عقد سے مار محالفہ وقعاقسی اور کوالات ہے : مولا نا فرماتے ہیں کہ اس مسلامی علما ، کا اختلاف ہونے نہیں ہے تو اسے منبوخ کہا ہے صبیبا کہ ابن عباس کی یہ روایت ہے ۔ اور تعبن نے کہا کہ سور کا انساء کی وہ آبت بنسوخ نہیں ہے بکہ سور کا افغال کی آبرت سنے ذوی الا رجام کومولائے موالات کی منبت اولی قرار دیا گیا ہے ہیں اقرباء کی موجودگی میں تو مولا سے موالات کی تعرب المرائل کے موالات کا عقد وحلف منعقد کے خوالات کا مقد وحلف منعقد کے ماہم موالات کا مقد وحلف منعقد کے خوالات کا مقد وحلف منعقد کے خوالات کا مقد وحلف منعقد کے خوالات کی موجود گی کی صورت میں اس کی موارث اس کے ماہم موالات کا مقد وحلف منعقد کے خوالات کی موجود گی کی صورت میں اس کی موارث اس کے ماہم موالات کا مقد وحلف منعقد کے والات موارث اس کی موارث میں ہے جائے ہوا گیا ہو گیا

٧٩٢٧- ڪَٽَا نَکَ اَهُ رُونُ بُنْ عَبُهِ اللهِ نَا ٱبُواْسَامَتَ حَتَا ثَنِي اِدُرِبِسُ بُنَ بَزِيْدَ نَا طَلْحَدُّ بُنُ مُصَرِّدٍ عَنْ سَعِيْدِ بْنِ جُبَيْرِعِنِ (بُنِ عَبَّاسٍ فِي قَوْلِهِ نَعَالَى

ُواَكَّ نِهِيُنَ عَاقَكَ مَنْ اَيْمَنَا مُنْكُونَا تُوَهُمُ مِنْصِيْبَهُهُ وَكَالَ كَانَ الْمُهَاجِرُونَ حِيْن قَكِهُمُوالْلَسَكِيْنَةَ ثُورِتُ الْانْصَارَدُونَ ذِي رَجِيهِ لِلْاُحُوَةِ الَّتِيُ الْحَارَسُولُ اللَّهِ

صَلَّى اللهُ عَلَيْ وِرَسَلُ وَبَيْنَهُ مُوفَكَتَا نَزَلَتُ هٰذِيوَ الْأَبَتُ وَلِكُلِّ جَعَلَنَا مَوَالِيَ

وَ مِنَا تَرَكِ قَالَ نَسَخَنُهَا وَالنَّذِيْنَ عَاقَانَ نَ اَيُمَا ثُكُونَا ثُوُهُ وَنَصِيبَهُ مُ هُ وَ النُّصُرَةِ وَالنَّصِيعَةِ وَالرِّفَاءَةِ وَيُوْحِى لَهُ وَثَلُاذَهَ مَنَ الْمُيَرَاثُ .

ا بن عباس شسے اس آیت کے متعلق مروی سے کہ ، اور عبن لوگوں سے تم نے بیکے عقدا ود معلف سکئے ہوں ان کوان کا محصد دو۔ النساء س م ابن عباس طنے کہا کہ جہا ہم حجب مدینہ میں آسٹے تو اس بھا بی جہا ہم سے کہ باعمیث جو رسولی انڈھیلی الٹرعلیہ وسلم نے مہاجرین اور انصار میں منعقد کیا تھا جہا ہم رہن وانصار ایک دو مرسے سے وارث ہوتے

شرے: صحیح بخاری کی حدیث ہی سے کہ جب جہ ہر مدینہ ہیں اُسٹے تو جہ ہر انصادی کا وادر ہے ہوتا تھا، اس کا درمشتہ داروارٹ بہوتا تھا، اس کا درمشتہ داروارٹ بہوتا تھا، اس کھا کہ اس کے بعث ہو دسول انڈصلی انٹر علیہ وسلم سنے ان ہم بمتعقد کیا تھا۔ مطلب یہ سبے کہ جہ ہر بن کی آباد کاری کے سلے۔ اورا نہیں اپنے یا وُں ہر کھ اگر سنے کے سلے یہ ایک عارضی انتظام تھا کہ کچ عرصہ تک عقد مواحات کے وربعے سے جن لوگوں کو بھائی بند وارد سے دیا گیا تھا ان ہم ہوائی سے مواحل کے عقد میں ان کھا تھوں ہوتا کم مہونی نسی درشتہ دا رول ہیں لیکن جمد ددی ، خرجوا ہی، نمیک سنگا کی ما مانت وغیرہ اب بھی ان کھا نیکوں ہیں قائم دہی ۔

۲۹۲۲ حكا نفكا احكماك ابن حنبها وعبث كالكوزيز بن يجيلى المعنى قال المحكمة المنطقة عن المنطقة عن ابن السخق عن داؤد بن المحكيين قال حكنت المؤركة كالمنطقة عن ابن المربية وكانت يتيك في يحجوز في بكير فقرا كشك و الكربي عاقدات المربية وكانت يتيك في يحجوز في بكير فقرا كنت و الكربين عاقدات الميكر فقرا كناك و إنها الكربين عاقدات الميكر فقرا كناك والتها الكربين عاقدات الميكر فقرا كما كالموالي من الكربية وكانت المربية المربية المربية وكانت الكربية المربية المربي

دا ؤربر بحصین نے کماکمی ام معد بنت الربیع سے قرآن بط معاکرتا تقااور وہ ایک بتیم لڑکی تقی ہوتھ برت ابو بکرانے کے زیر کفا اس بھی بہی میں سنے پڑھا ؛ واگرا بین کا فکل کے آئے "اور جن لوگوں سے تہماری تسمیل منعقد ہوئیں؟ تواس نے کہا کہ : کا لگز بن کا فکل ہے اکی کمرائیکٹر مست پڑھ ۔ یہ توابو مکرانا و دان سے بیٹے عبدالرجل میں اُتری تقی جب کہاس نے اسلام لانے سے انکارکیا اور ابو بکرانا نے تھے کھائی کہ اُسے وارث نہیں قراد دیں گے ۔ مہر جب وہ اسلام سے آیا تو نبی صلی لائے ملیہ وسلم نے حکم دیا کہ اُسے اُس کا حصتہ دسے دو - عبدالتحز بیز نے اتنا اضافہ کیا کہ وہ اسلام نہ لا یا جب تک کہ الوار سے مسلم جنگ میں مصد کہا تھا ۔ اور عبدالر حمل اُن فتح مکر سے ذرا پہلے اسلام لا یا تھلام سفا

جریم بن مطعم نے کہا کہ: اسلام میں کو بی طبعت نہیں اور جو عرات جا ملیت میں تقی اسلام نے اس کی مفنبوطی کواور زیار کر میاں و مسلب

می زیاده کر دیا ہے رسلم ،
ملی سے ، حلیت سے مراوز مائز ، مبا بلیت کی حلفت ہے کہ لوگ ایک دوسرے کی نفرت وا عائت کے سلے باہم معا بدہ ملی سے ۔ اسلام کواس حلفت کے بجائے دین کی حلفت دی گئی ہے کرسب سلم مجائی جائی جی ، تکی میں ایک دوسرے کے بدد گار ہیں اور برائی میں اصلاح کرنے والے میں اندھا و معند بدد کرنے والے نہیں ۔ حافظ ابن القیم نے اس حد اسلام کی ایک دوسرے بر لکھا ہے کہ اللہ تعالی ہے اسلام کی افراد اسلام کی افراد سے میں اندر کا اور نا دیا ہے وہ ایک جہم کی مانندا ورایک معلی ب گئے ہیں ۔ نبی اندر نے انہیں اسلام کی وجہ سے حملیت میں اگر کسی حداث اندر نیا دیا ہے ۔ اسلامی افوت کے تفاض سے معند بر تبی اسلام کی وجہ سے حملیت کے تفاض سے سندید تر بی بس جا بلیت کی حلف میں اگر کسی حملیت کی تفاق میں اندر کی منازم میں اور مفہ وا مہو کیا ہے۔ مولا نا نے فرایا ہے کہ جا بلیت کی حلف خالات کری جا بلیت کی حلف خالات کو معاہدہ محاج و خیاب بی کمنا نہ میں ہوا تھا۔ میکن میکی خلاص کے خلاف کو محابدہ تعاجو خیاب بی کمنا نہ میں ہوا تھا۔ میکن میکی خلاص کی فیطرت اور خدمت اور خدمت کی اسلام کی فیطرت اور خدمت کی دوسرت کی ملت کی حلامت کی حلام میں کے خلافت و معاہدہ تعاجو خیاب بی کمنا نہ میں ہوا تھا۔ میکن میکی خلاش کی منازم کی فیطری تعلیم اور معاہدہ کا موابدہ تعاجو خیاب بی کمنا نہ میں ہوا تھا۔ میکن میکی مقال میں بی مسلم کی فیطری تعلیم اور معامل میں موابدہ کی منازم کی مسلم کی فیطری تعلیم اور اسلام میں ہو تی تھی مثل کو جہ با بلیت کی حلف کی صورت نہیں دہی ۔

٢٩٢٧ - حَكَّا ثَنْكَا مُسَكَادُ نَا سُفَيَانُ عَنْ عَاصِهِ الْآحُولِ فَالَ سَمِعْتُ أَنْسَ بُنَ مَالِكِ يَقُولُ حَالَفَ رَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَكِيهُ وصَلَّى بَيْنَ الْهُاَجِرِيْنَ وَالْآنْصَامِ ا فِي دَارِنَا فَقِيْلَ لَكَ آكِيسُ فَالَ رَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَكَيْهُ وصَلَّى لِكُولُ حِلْفَ فِي الْإِسْلامِ فَقَالَ حَالفَ رَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَكِينُهِ وَسَلَّحَ بَيْنَ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمَ وَالْآنِصَادِ فِي

مُرِّتُين أوْثَلَاثًا -

عاصم احول کمتا ہے کہ ہیں نے انس بی مالک کو پر کتے شنا کہ حضور نبی کریم صلی التُرعلیہ وسلم سنے مہاجہ بین وا نصمار کے مابین ہما دسے گھرمیں بھائی جا دسے کا معاہدہ کرایا تھا۔ انس شسے کہاگیا کہ کیا دسول انتہ صلی التُرعلیہ وسلم سنے ہمائی وسلم نے یہ نہیں فروا کہ اسلام میں کوئی حلید نہیں ؟ توانس شنے کہا کہ دسول انتہ صلی الشیعلیہ وسلم سنے مہاجہ بین اورانعما دیے دومبان ہما دے گھرمیں دویا تیں بار کھائی جا سے کہ ہم معاہدہ کھرمیں دویا تیں بار کھائی جسسے کہ یہ معاہدہ سے کہ یہ معاہدہ دینی واسلاحی تھا۔ اُس کے مقاصد شخصی ونفسانی ہوستے سے جبکہ رہما ہدہ وینی واسلاحی تھا۔ اُس کے معاہدہ کو اسلاحی تھا۔ اُس کے معاہدہ کہ دینی واسلاحی تھا۔ اُس کے معاہدہ کے معاہدہ کے معاہدہ کے دونوں میں عظیم فرق ہے۔

مطلب بہ مقاکہ بہ آیت کو اگن بڑی عافاک کہ کہ کہ کہ کو ابو کم بھے اوران کے بیطے عبدالرحمٰن کے بارسے بس الری تھی ا مطلب برکہاس بس عقد موالات وغیرہ کا ذکر بنس سے بلکہ ابو بکر رضی النہ عنہ کی علقت کا ذکر سے اوران نہ تھا کی نے فہا ا نہے کہ جن ہوگوں کے خلاف تم نے فتی ہی کھا ہی ہیں جب وہ اسلام للب مکے ہیں توانہ ہیں میران ہیں سے ان کا حقد ہجال کر تھا اعلان کہ و ۔ نس جب رہ حضرت ابو مکر ہے کہ کہ کہ دی تو کا گذر نے کا فتک نے دانہ باب مفاعلہ بڑھ صنا درست نہیں ، بلکہ بڑھو کو اگن ہے گئی ہے گئی ہے گئی ہے گئے ہیں ہوا تھا بلکہ مون ابو مکر نے تعدیم کھا ڈی تھی ۔ مکا فتک نے ترب سے مہر کا حب بے مقاملہ کے اور کا حب بے مکر کے اس معرف اور میں اور میں میران ہیں نے مقابلہ میں دونوں طون سے ہو ۔ ابو داؤد نے کہ کہ رس نے عقد کہ کہ اس نے اسے ملعت قراد دیا اور حب نے اسے عاقل نے کہ اس نے اسے ما لعت بنا یا اور صبحے طلح کی صدیف ہے بھی عاقد کی نے تھا قدی ہے۔

ا بن عباس سے روایت سیر کم " اور جولوگ ایمان لاسٹے اور ہجرت کی اور ہولوگ ایمان لاسٹے اور ہجرت نہ کی " دالا نغال ہم ہے پس اعرا بی جماح رکا وارث نہیں ہوتا تھا اور نہ جماح راس کا وارث ہوتا تھا پس اسے منسو خ کیا توانشہ تعالیٰ نے فرمایا : اور رشتہ واراکی دومرسے سیے اقرب ہیں رالانغال ۵ ی

باب في إلْجِلْفِ

٢٩٢٥ حكا تَكُ عُنْمَا كُنُ أَنِي شَيْبَةَ نَامُحَمِّدُ ثُنُ بِثْرِوَ أَنُ نُكْ يَدِي

ا اُبُوا سَامَةَ عَنُ زَكَرِيَا عَنُ سَعُهِ بِنِ إِبْرَاهِ بَهُوعَنَ اَبِيْهُ عَنُ جُهُ بَهِ بَنِ مُتَطَعِمِهِ وَ قَالَ فَالَ رَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَكِيْهِ وَسَلَّوَلاَ حِلْفَ فِي الْالسَلامِ وَاَ بَيْمَا حِلْفِ كَانَ فِي الْجَاهِلِيَّ لَهِ نَوْرَ بِرُدُهُ الْاِسْلامُ اللَّاسِيِّةَ أَهُ

حس کی ا دائیگی وا جب ہے اور اس کے متعلق سوال کیا جلئے گا اور کوتا ہی کی صورت میں موا خذہ ہوگا ، مولاناً نے قرما یا کہ ان سب اشخاص میر حفور سنے لفظ ایک جسسے لوسے میں مگر ان کے فرائشن اور ا ما نتداری الگ الگ ہے ۔ امام کی فرمہ داری سب سنے زیادہ سبے ۔ گھر میں مردکی فرمہ داری عورت کی نسبت زیادہ سے دعلیٰ ھذا القباس ۔

بإب مَاجَاء فِي طَلَبِ الْإِمَارَةِ

ا مارت طلب كرسينے كا با ب

وہ بچھے سوال کے بغیر ملی تواس پرنتری مدد کی مبائے کی دبخاری ہستم، تر مذی بنسائی ، ابن ما مبر) منتوحے : بعنی مسلما نوں کا میر منبنا بڑی و مرداری کا کا مہیے ۔اگر تو نے امارت طلب کی تواس کا مطلب بیر ہواکہ تھے اسٹے آپ کواس کا اہل میان کر انساکیا ۔الٹادنغالی اس صورت میں مجھے تیرے میر دکر دے گا تو گان اور تیرا کا م ۔اور

مرك كا التجفية ناسب فدم مسكف كا أور فرائفن كى ادائيكي كى توفيق تخفية كا .

٧٩٣٠ حَكَ ثُنَّ وَهُبُ بُنُ بَقِيَّةٌ نَاخَالِنٌ عَنُ رِسُمِعِيْلَ بُنِ أَبِي خَالِدٍ

بِمَاجَاءَ اللَّهُ فَكُوْ يَسْتَعِنْ بِهِمَا عَلَىٰ شُيَّ حَتَّى مَاتَ.

ان میں سے ایک نے خطا ب کیا دستے کلہ شہا دت سے شروع کیا) بچرکھاکہ ہم اس لیے آ سئے ہیں ناکر آپ اپنے کام ہر(اگا کے انتظا می امود پر ، ہم سے مدد دس . بچر دوسرے سے بھی ا سپنے مسامتی جیسی بات کئی ، تودسو ل انترصلی انترعلیہ وسلم نے

فرا پاکہ تم میں سے بھ اخیانت کارسمارے نز دیک وہ سے بوخود امارت کو طلب کرے، پس ابوموسی منے ما اللہ علیہ وسلم کے رامین معذرت پیش کی اور کھا کہ مجھے یہ معلوم نہ تھا کر پر دونوں اس کام کے سیے آئے سے، بس رسول اللہ وسلم نے و فات تک ان سے کو ٹی کام نہیں لیا، لر بخاری، مسلم)
میں ہے: بخاری نے تا ہے کہ پر میں صاحت کی ہے کہ اس مدیث کی سند میں اسماعیل بن ابی خالد عن اخیہ ہے اور جن لوگوں نے عن ابیہ کہ کر دوایت کی سے وہ صحیح نہیں ہے جسمی میں سے کہ ابورو سی انتقامی میرے دائیں طون اور دورا اس میں انتقامی میرے دائیں طون اور دورا ابنیں طون اور دورا ابنیں طون اور دورا ابنیں طون اور دورا ابنیں طون اور دورا اس میں سے کہ: اس ذات کی میں میں کہ حضورہ نے ذرا کی انتقامی میں کہ حضورہ نے ذرا کی اور اس میں یہ لفظ بھی میں کہ حضورہ نے ذرا کی اور اس میں یہ لفظ بھی میں کہ حضورہ نے ذرا کی اور اس میں یہ بلا اور میں میں کے ملاقے میں میں کہ اور اس میں یہ لفظ بھی میں کہ حضورہ نے ذرا کی اور اس میں یہ لکھ کی میں کہ حضورہ نے ذرا کی اور اس میں یہ بلا اور اس میں یہ لکھ کی میں کہ حضورہ نے ذرا کی اور اس کی میں کہ حضورہ نے درا عمل د ذرا عمل د داخل دی کی میں میں اور اس میں اور اس میں اور اس میں اور اس میں کہ حضورہ نے درا عمل د داخل میں کہ دار اس میں اور اس میں اور اس میں اور اس میں کہ دار اس میں کہ دار اس میں اور اس میں اور اس میں دورا عمل د داخل دی کی کا دوا تھا ق درا عمل د داخل دی دی کے دورا عمل د داخل د دورا می کا دوا تھا ق درا عمل د کھنے کی دوست تو دائے کی دورات تا د در دورا میں درا کہ دی درا کہ دورا تھا تا دورا عمل د کھنے کی دوسیت ذرا ہی درا کہ دورا کی دورا کی دورا کو دورا کی دورا کی دورا کی دورا کی دورا کو دورا کی دورا کو دورا کی دو

مَا سِين كُوم كَالصَّرِيرِ فِي لِي الصَّرِيرِ فِي لِي الصَّرِيرِ فِي الصَّرِيرِ فِي الْفِيرِيرِ فِي اللَّهِ ال نابيناكُوم كم بنائية كاباب

ا ٢٩٣٠ كل نَكَ كُمَّدُ ثُنَ عَبُهِ اللهِ الْمُحَوَّرِقِيَّ مَا عَبُكَ الرَّحِمْنِ بُنُ مَهْ التِّي نَاعِمُ اللهُ اللهُ عَلَىٰ عَنُ تَنَادَةَ عَنَ انْسِ اَنَ التَّبِي صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ السَّنَعُلَف

ابْنَ أُمِّ مَكُتُوم عَلَى الْهَدِينَ نَهُ مَرَّتُينِ.

ا نس مسید روایت سیے کہ نبی ملی اندعلیہ وسلم سفاہ بن ام دھ کمتوم کو دود فعہ مدینہ پر اپنا نامُب مقرر فرط یا مخادیہ مدیث ۹۵ ۵ نمبر ہر کتا لملے تلاق فیں گذر حکی ہے ۔

ننی خطابی نے کہا کے کہ ابن ام مکتوم کورسول اندائی اللہ واسلم نے اپنی غیر حاضری میں صرف اور مسلوق مقرر و ابا بھتا اور فیصلے اور اسکام اس کے میر د نہیں فرمائے تھے ۔ مبب بہ سے کہ نابین کا قاضی بنا یا جا ناجائز نہیں ہے۔ کیونکہ وہ انتخاص کو نہیں د کھے مسکتا) اعیان کی بیچان نہیں کرسکتا اور یہ نہیں جان سکتا کہ کس سکے حق میں اور کس سکے فعلا و نقصلہ دینا ہے اور وہ ابنی ذمہ واری سے ان تمام کا موں میں دو سروں کا مقلد مہوگا اور تقلید سے ساتھ فیصلہ

سنن ابی داؤ د حبار سیمارم

بَابِ فِي إِنْ خَادِ الْوَزِيرِ بَابِ وَرُزُو دِيارِ

٢٩٣٢ حكا نَتُنَا مُوْسِلُى بُنْ عَامِرِ الْمُرِيُّ نَا الْوَلِيُكُانَا نُهُ يُرُبُنُ مُحَمَّدِهِ عَنْ

عَبُوالرَّحُمُونَ بُنِ الْفَاسِمِعُنَ آبِيُهِ عَنْ عَالِمُتُنَّ رَضِى اللَّهُ عَنْ اَكْتُ قَالَ رَسُولُ الله صَلَى اللهُ عَكُيْرِ وَسَلَّوَ إِذَا اَرَادَ اللهُ إِلْاَمِيْرِ خَيْرًا جَعَلَ لَمَّ وَزِيْرَ صِمَا فِي إِنْ نَسِى دَكَ رَفَى وَانْ ذَكَرَاعًا نَهُ وَإِذَا اَرَادَ اللهُ يَهِ عَيْرَ لَحَ لِكَ جَعَلَ لَهُ وَزِيْرَ

سُوْءٍ إِنْ نَسِكُ كُورُيْنَ كِنُولُو وَإِنْ ذَكُرَ مُو كُينَهُ مُ

ما نشر منی الترعنما نے فرما یا کہ تبناب دیسول الٹرصلی الترعلیہ وسلم کا دیشا دسے . جب لٹرنعا کی امیرکا بھرا آگا تواس کے سیسے کسی کوسچا وزہر بنا دیتا سے ۔ اگر بھوسے تواسے یا دکرائے اور نہ بھوسے تواس کی مرد کر سے ۔ اور سبب انٹر تعاسلے اس کے مراحۃ دومرا الا - ہ فرما تا سے تواس کے سیے مجرا وزہر مقرد فرما تاسیم کہ اگر بھوسے تو وہ اسے یا دنہ کمائے اوراگر نہ بھو بے تواس کی مدد نہ کمر سے ۔

بر مرس سند سر برست و رئیس کے دائفن بتائے گئے ہیں . وزیر کا معنی ہے ، بوجھ اٹھانے والا ، لینی امیر مرجع المارت فائن کا بوجم مونا ہے وفر میراس بوجھ کوا تھا تا سے اور اس کے فرائن کا دائیگی میں اس کی مدد کرتا ہے ۔ یا وزیر اسعاس سیے کہتے ہیں کہ موانزت کا معنی ا عاضا وزئے رسگا ہی سے ساتھ دو مرسے کی مدد کر ناسبے وزیر جو نکام کا مددگار اور معین موتا ہے ، اس کا طحاف کر مرتب موتا ہے ، اس کی مدد کرتا سے اور مبتر تدام اِضیا رکھ کے اس کے فرائفن کی

اَيُنَهُمُ وَكِنَ اَلْهُ اَنَ يُرْتَجِعَهَا مِنَهُمُ وَأَفَهُواَ حَتَّى بِهَا اَمُ هُمُ وَإِنَّ قَالَ لَكَ نَحَمُ الْمُنْكُمُ وَكُلُ وَلَا فَقُلُ لَكَ إِنَّ الْمُنْكُمُ الْفَاعِ وَإِنَّمُ يَسُتُكُلُكَ اَنْ يَجْعَلَ لِي الْمُورَافَةُ اللَّهُ الْمُنْكُلُكَ السَّكَامُ فَقَالَ وَعَلَيُ الْمُنْكُولُ وَلَيْكُ السَّكَامُ فَقَالَ وَعَلَيُ أَنِي يَحْلَى إِنِّ اللَّهُ وَعَلَى أَنِي اللَّكُومُ وَقَالَ وَعَلَي أَنِي اللَّهُ وَعَلَى أَنِي اللَّهُ وَعَلَى اللَّهُ وَعَلَى اللَّهُ وَعَلَى أَنِي اللَّهُ وَعَلَى أَنْ يُوَجِعِهُ اللَّهُ وَاللَّهُ وَعَلَى اللَّهُ وَعَلَى اللَّهُ اللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَعَلَى اللَّهُ وَعَلَى اللَّهُ وَعَلَى اللَّهُ وَعَلَى اللَّهُ وَعَلَى اللَّهُ وَعَلَى اللَّهُ وَعَلَى اللَّكُومُ وَاللَّهُ وَعَلَى اللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّالَ اللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّكُولُ اللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّكُ اللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّكُ اللَّهُ وَاللَّكُولُ اللَّهُ وَاللَّكُ اللَّهُ وَاللَّكُ اللَّهُ وَاللَّكُ اللَّكُ اللَّهُ وَاللَّكُ اللَّكُولُ اللَّهُ وَاللَّكُ اللَّكُ وَاللَّكُ اللَّهُ وَاللَّكُ اللَّكُ وَاللَّكُ اللَّهُ وَاللَّكُ اللَّهُ وَاللَّكُ اللَّكُومُ وَاللَّكُ اللْكُولُ اللَّهُ وَاللَّكُ اللَّهُ وَاللَّكُ اللَّهُ وَاللَّكُومُ وَاللَّهُ وَاللَّكُومُ وَاللَّكُ اللَّكُ اللَّهُ وَاللَّكُ اللَّهُ وَاللَّكُ اللَّكُ اللْكُومُ وَالْكُولُ اللْكُلُولُ اللَّكُ الْكُلُولُ اللَّكُومُ وَاللَّكُ الْمُؤْلِقُ اللَّكُ الْمُؤْلِقُ اللْكُومُ وَاللَّهُ وَاللَّكُومُ وَاللَّكُومُ وَالْمُؤْلِقُ الْمُؤْلِقُولُولُ اللَّلُكُ اللَّلُولُ اللَّلُولُ اللَّلْمُ اللَّلُهُ الْمُؤْلِقُولُ اللَّلُولُ اللَّلُولُ اللَّلُولُ اللَّلُولُ اللْلَالِمُ الْمُؤْلِقُولُ اللْلَالِ اللَّلْمُ الْمُؤْلِمُ الْمُؤْلِمُ

خالب القطان نے ایک مردسے، اس نے اپنے با پ سے، اس نے اپنے و دا داسے روایت کی کہ وہ پانی کے گوائوں میں ایک گھا تول میں ایک کے دائوں سے ایک اس کے اسے اور اس نے اور طیا اس نے اپنی انہ میں بان طیا دستے ۔ بھراس کا نوبال ہوا کہ اور نوب ان اس سے والبس سے سے بہر میں سے اپنی ہوا کہ اور نوب ان ان سے والبس سے سے بہر میں اس سنے اپنی ہیں گوئی صلی الشرط ہو ہم کے باس جا اور اس سنے اپنی ہوا کہ اور اس سے اپنی تور سے سے موا وزیل میں جا اور اس سے اور اس سے اور اس سے اپنی تور سے سے موا وزیل میں جا اور اس سے اور اس سے والبس سے ہوا ہوا ہم کے اس اس کا نوبال میں اس اس کے اس کہ اس کیا دہ اس کا میں اس مو کہ کو جا ان فرائمیں دوا ہوا ہے ۔ اب اس کا نما کہ ہم کہ کہ دار اس سے والبس سے ہوا ہوا ہوا ہوا ہم کہ کہ کہ کہ کہ در اباب ایک بول ان مور کے سے اور وہ اس کے اب کہ اس کے اب کہ اور کہ بیا اور کہ کہ کہ کہ کہ کہ در اباب ایک بول کے اب کہ اس کے اب کہ اور اس کے اب کہ اور اس کے اس کے اس کے اب کہ اس کے اب کہ اس کے اب کہ اس کے اس کے اس کے اور ان کا اسل میا ہو گھا ہے اس کیا اس کے اس کے اور ان کا اسل میا ہو گھا ہے اس کے اس کے اور ان کا اسل میا ہو گھا ہوں کا زیادہ می دار سے باتوم کے دول کا بس کے مور سے میا ہو اس کے اس کے اور ان کا اسل میا ہو کہ بیاں دوس کے در اور میں دار میں اگر وہ می دار سے باتوم کے دول کہ ابس کے اس کو ان کا دیا ہوا کہ اس کے اس ک

 ${f access}$

اسلام اُن ہی کے سیے سے اوراگراسلام نہ لائمیں گے توان سے اسلام پر تقال کیا جائے گا (کمچنکہ وہ ٹر تد مہوں گے) پیراس تناصد نے کہ اکہ میرا باپ نہ یا وہ عمر کا بوظ صااً دمی ہے اور وہ با نی کانتظم ہے اور آپ سے سوال کرتا ہے کہ اس کے بعد عرافت میر سے سے تقرر فرنا ہے۔ پس صفود صلی انٹر علیہ وسلم نے فرنایا: عرافت حق ہے اور لوگوں کے عرفیوں کا بودنا ضروری سے رلین عرفیت دوتر خریس بعد گے۔

شی سے: اس مدیث کی سندس کی مجہوں داوی ہیں۔ عرقیت دراصل قبیدے اور مکومت کے در مہان ایک واسط ہوتا کھا مکومت کے در اس مدیث کی سندس کے محتوال کا متنا م کرنا، اگران کے کیے حل طلب معاملات اور مطالبات ہوتو و انہیں ما کم کلے سے اس کام ہیں توگوں کے سیدع لفوں کا ہذا ناگر کر سے۔ اور یہ جوارشا در فایا ہے کہ اس کام ہیں توگوں کے سیدع لفوں کا ہذا ناگر کر سے ۔ اور یہ جوارشا در فایا ہے کہ علیت بھتہی ہیں، یہ عہدہ طلبی سے نفرت ولا نے کے سید فرق ہے۔ لیم اگر کسی کو تو دمقر کر سے اور دل میں کھوٹ ہے۔ لیکن بہتہی ہیں، یہ عہدہ طلبی کر بی تو بات دو دری موجاتی ہے۔ اگر کوئی شخص عہدہ طلب کرے اور دل میں کھوٹ ہو جو کہ استراک کوئی سندہ میں موجاتی ہو ایک کہ جو نکا اسلام کا ناال توگوں کا ابنا ذریعنہ تھا لہذا اگر ترعیب کے بیے انہیں کی دیا گیا تو واپس می ہوسکا تھا کہ وہ کہ تو ہو ایک کہ جو نکا اسلام کا ناال توگوں کوا سلام کا ان نے کی شرط ریس کو اون سے سے تھی کی کہ موٹور ہے۔ ان میں کی دیا گیا تو واپس می ہوسکا تھا کہ وہ کوٹی سے تو ہون کہ موٹور ہو تو کہ موٹور ہو تو کہ موٹور ہو تو کہ دیا گیا تو واپس می ہوسکا تھا کہ وہ کہ موٹور ہو اون سے سے تھی کی ہوگوں کوا سلام کی ان شرط ریس کو تو رس میں ہو اسلام کا اگر انہیں اسلام کی ان شر سے ساتھ مشروط دریا تھا جو انہیں وہ سلام کی ان شرط کے ساتھ مشروط دریا تھا جو انہیں وہ سلم نے مال کوٹی انہیں اسلام کی ان شب پر ابھ وہ بس یہ دونوں معاطے ماکل انگ نوعیت دکھتے ہے۔ دسے تھے تھے گودل میں یوبیال تھا کہ انہیں اسلام کی ان شب پر ابھ وہ بس یہ دونوں معاطے ماکل انگ نوعیت دکھتے ہے۔

باب في إيخاذ الكاتب

٧٩٣٥ حَكَّا نَكَ اَيَّتَكِ اَيْنَ مَعِيْدِ لِمَا نُوْحَ بَنَ قَيْسٍ عَنَ يَوْتِ مَا بَنِ كَعَرِبُ كَا نُوحَ بَنَ قَيْسٍ عَنَ يَوْتِ مَا بَنِ كَعَرِبُ كَا نِنَا كَعَرِبُ كَانِ عَبَى الْبَوْعَ الْمِنْ عَبَاسٍ فَالَ السِّبِ فَلُ كَا نِنْ جَاكَ الْمَثِ كَانَ عَنُ الْمِنْ عَبَاسٍ فَالَ السِّبِ فِلُ كَا نِنْ جَاكَ الْمَثَانِ الْمَدِي عَنْ الْمِنْ عَبَاسٍ فَالَ السِّبِ فِلُ كَا نِنْ جَاكَ الْمَدِي عَنْ الْمِنْ عَبَاسٍ فَالَ السِّبِ فِلُ كَا نِنْ جَاكَ الْمَدِي عَنْ الْمِنْ عَبَاسٍ فَالَ السِّبِ فِلْ كَا نِنْ جَاكَ الْمَ

ابن عباس من في كماكم التّحب شي كم يم صلى التّعليدوسلم كاليك كاتب تقا -

تشریح، ابن مربیر طبری اور حافظ ابن تیمیه نے بڑا زور دے کر کہا ہے کہ دیسول السّرُصلی السّرُعلیہ وسلم کے کسی کا تب کا بدنام نہیں تھا۔ حافظ ابن تیمیہ نے بڑا زور دے کر کہا ہے کہ دیسول السّرُحلی السّرُعلیہ وسلم کے کسی کا تب کا مہنی تھا۔ حاس کے داوی نوح بن حلیں بدکا فی لے دیے ہو دئ ہے۔ بھر بدوا تعدیم کہ تا با جا تا ہے حالا کہ مکہ میں صفور کا کوئی بھی کا تب در تھا۔ انسجل لغنت عرب میں طومار کو کتے ہیں اور سورہ ال نبیارکی آیت: یکو م نطوی استحقاع مرکم کی اسّد کے لگاکت ہے۔ ہم ا یکا معنی بدہے کے مراح کیا مدت سے قبل آمان کہ لیبیٹ دیا جا سے کا اکا منات کی صف کے معمد میں دیا جا سے کا اکا منات کی صف

انتهاعارمستغلف

كتاب الحزاج كرف والاحوكجي ماصل كرتا بينود بع ما تاب اور اركادى خوافي اليائي ام دافل كرتا ب يا كجيهي سي دیتا . ظاہرے کر بیصور میں ظلم و تعدی کی ہیں ، این کل مہارے ہاں ہی تو تی محصول کے ملازم بالعموم اکنی ڈیاد توں کار تنکاب کرنے ہیں ۔ان توگوں کی ڈیا د تیوں کا تجربراکٹر لوگوں کومو تاہے۔ مروم حك نتنا مُحتَمِّدُ أَنْ عَبْدِ اللهِ الْقَطَّانُ عَنِ ابْنِ مَعْدُاءً عَنِ ابْنِ إ سُعَاقَ كَالُ إِلَّا فِي كُن يُعَشِّمُ النَّاسَ يَعْنِي صَاحِبُ أَلْمَكْسِ -ا بن اسحاق نے کہا کہ جومٹخص لوگوں سے بختر اگا مہتا ہے صاحب مکس سے وہ مراد ہے۔ (مطلب بیر کہ

مطالبہ بی نعسبہ پاسے جا ٹزم و مگراس کے جمع کرنے میں آگر بر دیا نتی اور کلم کار قبیا متبیار کیا مباسف تو وہ باعث جنم ہے اس سے زکو ہ وصد قاب جع کر فے والامراد نسی سے کیونکدیکا ماورسے باسے فاصل صحاب نے می کیا تنا . بلکمبیاکراور گردا، پرشخص گورنے واسے تاہر ول سے مسلم علاقے میں داخل موستے ہیں (ا ور آج کل میونسپل صدود میں اُستے میں ایک خاص تعداد کا طبکیس وصول کر تاسیے ا وربا سموم اس کا کا خاکم اور زبادتی برمبني سيوتا ہے

رفاة أيستخلف

٢٩٣٩ حسل فن المحترَّ مُن وَوَد بُنَ مُنْفَيانَ وَسَلَمَتُهُ فَالْاَناعَبِهُ التَّرِينَ الِي ٱنَامَعُكُمُ عَنِ الزُّهُمِاتِي عَنْ سَالِوعِن (بُنِ عُكَمَ قَالَ قَالَ عُمُمَ إِنَّى لَا اَسْتَغُلِفُ أَفَاِتَ رَسُولَ اللهِ حَمِلَى اللهُ عَكَبُ وِ وَسَلَّكُو كَوْ رَبِّسَتَخُلِفٌ وَإِنْ ٱسْتَخُلِفُ فَاِتَّ أَبَا بَكُر نَى إِنْ السَّنْعُلُقَ فَالَ قُواللَّهِ مَا هُو إِلَّا أَنْ ذَكَرَ رَضُولَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْم وَسَلَّح وَٱبَابَكُرِفَعَلِمُتُ أَتَّنَهُ لا يَغْمَالُ بَرَسُولِ اللهِ صَلَّى اللَّهُ عَكَيْهِ وَسَلَّوْ أَحَمَّا وَ

ا بن عِمر منے کہا کہ جناب عُرض نے فرایا: میں اگر کسی کوخلیفہ نامزد دہ کروں تورسول انٹرصلی انٹرعلیر کسلم سے نامزوشیں فرمایا ا دراگسہ کسی کونامز د کرے وں توبقینیًا او بکرہ سے نامز د فرایا تھا۔ ابن فرمنسنے کہ اکروا نشر حصنر*ے برمنانے جب ایو*ل التركسلي الشيغليروسلما وديصترت الومكرين كا ذكركيا تومسسف مبكن لباكروه ديسول الترصلي التشطيروسلم سنم بمرابهي قرار من کے اور پر کر وہ کسی کو خلیفہ مقر کرسنے قرائے ہیں رسلم، تر مذی

منوح : خطابی نے کہاکہ صفرت عرش کے اس قول کاکہ: وسول الله

بہے کہائی نے بعیب کسی ایک شخص کا فام لے کمریہ نہیں زمایا تقاکہ نہی میرے بعد صکومید ہو گا ، یا ریمیں فلار شخص کو نامز دکرتا سوں ماری پوگ رکو ر سوال تفا آم نے کوگوں کو بوری طرح سی مبال میں سربارہ کے بغیر نہیں دہ سکتے اور اللہ تعالے کے احکا سلما ن کس يرتهي فرما ديا فقاكم: ٱلْأَيْمُكَةُ مِن قُسُ كُيْتِي . اس كا ىلمان كأفرص سنِّ كها سے سى كا مەورىتە اخىتىياركى بفأمقرركيا كقاوه حضور كمسلى الشرعليهوم لم كى ط صَن معنما وز ىن خدا ۋرسول. دا ورنسغیت کو ماهم طلوم تیری بْ مُوتَّة كه بيه هِندًا زيد رَمُّ مارنْه كود يا بقا اور ذيا با ها یے تونتہارا ام بجدد مگیرسے شہد موسئے تو بچرمھ ڈاخا لائن ولمپرشنے سلے نیا اور دسول الڈصلی الڈ راس کے ما تھوں ہے فتح بھی ہوئی اور رسول الٹرصلی الٹرعلیہ وسلم س ئی مدح میں عظیم کلمات ارسا و فرائے۔ بیرسب اس بات کی دلیل ہے کہ خلیفہ بنا ٹا ورا مام مقرد کر حضرت عمر منی انتاز معند نے خلافت کامعا ملہ لو بنی مهمل نہیں جھوٹرا بخیا بلکہ جیندا شخاص کا نام سے حماعت میں وہی انفغل ترین لوگ تھے ۔ لیس ان میں سے جو تھی خلیفہ نبا یا ن*دیده مراورایل مزیمو*تا .پیران *لوگول نے عثراً کو اختیار کی*ا وراس کی بعیت منعقد کی .پیراستحلات بی منت عمری مبن به صنیا به کی مجاعت متفق هی اور بهراس بهامت کا اصولاً اجماع منعقد مهو کیا بهوائے وابع كے جوامت س بدنظمي وفزا مع بھيل تے كے ماحى عقر، وركسي تے اس كى مخالفت نهيں كى۔

الطَّاعَةِ وُيكَيِّتًا فِيمَا اسْتَطَعُتُمُ _

ابن وسنند که اکرېم لوگ ئې صلی انتظیه وسلم سیرسمی وطاعت پر ببیت کرتے سکتے اوراً پ ہمبی تلقین فراتے " حسب استدطاعت؛ دمنجاری اسلم، نسائی، نر آری بجرواکراہ کا معا ملہ اسلامی احکام سے خادج ہے کیونکہ جب جبرواکراہ آمبائے استدطاعت کا سوال خالاج از بحث ہوجا تاسیع بگوالٹراور سول کی اطاعت غیر مشروط ہے اور اس میں انسانی رمنا، و نارمنا مندی کا کوئی معوال نہیں، گر بھی جبی اسیدا سندطاعت کے مسابح مشروط کیا گیاہید اور ریردسول الٹرصلی الشرطليه وسلم کی شفقت ورحمت اور را فت وعطوفت تھی کہ بیعت کے وقت یہ الفافا فراتے اور یہ دست مشروط سے کہ کہ میعت کے وقت یہ السلام حکم نہ یا کہ کو اسے دیے دوال خلاف اسلام حکم نہ دیے دور میں اس بات سے مشروط سے کہ حکم دینے و الاخلاف اسلام حکم نہ دیے دور اس میں دمین ا

٢٩٨١ حك نَتُنَا أَحُمَدُ بُنُ صَالِمٍ مَا وَهُبُ حَدَّا ثَنِي مَالِكُ عَنِ أَبِي شِهَالِب

عَنْ عَهُونَةَ اَنَّ عَالِمُتُنَذَرَخِى اللَّهُ عَنْهَا ٱخْبَرَتْ مَعَنْ بَيْعَنْ وَسُولِ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَكَيْرٍ وَسَلَّوَ لِنَسِنَاءَ فَالْكُ مَا مَسِّ النَّبِيُّ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْ لِهِ وَسَلَّوَ بَبْهِ إِمْسَرَا تَّهُ فَطَّ إِلَّا

آنُ يَأْخُذُ عَلَيْهَا فَإِذَا آخَنَ عَلَيْهَا فَأَعُطَتُهُ قَالَ اذْهِبِي فَقَدُ بَايَعْتُكِ -

مه وم حكماً فَكَ عَبَيْكَ اللهِ ابْنَ عُمَرُ بْنِ مَبْسَرَةَ نَاعَبُكَ اللهِ بُنَ بَزِيْكَ قَالَ حَمَّا اللهِ بُنَ عَبُ كَاللهِ بُنَ عَبُ كَاللهِ بُنَ مَعْبَ اللهِ مَنْ اللهُ عَلَيْهِ وَاللهِ اللهِ اللهِ مَنْ اللهُ عَلَيْهِ وَاسَلَحُ وَهَا لَتَ مَا رَسُولَ اللهِ اللهِ اللهِ عَلَيْهِ وَاسْلَحُ وَهَا لَتَ مَا رَسُولَ اللهِ اللهُ اللهُه

فَقَالَ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْسِ وَسَكَّرَهُ وَصَنِعَيْرُ فَسَحَ رَأْسَكَم

عبدانتُدَنْ مِثام نے کہا، اور وہ رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم کا عهد با چکا تھا اوراس کی مال نرین بنت شید اسے دسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم سے پاس سے کرگئی تھی، میں اس سنے کہا یا دسول السّر سے بیت فرماسیے، پس رسول اللہ صلی اللہ علیہ دسلم سنے فرمایا: وہ چھوٹا سے، بھرآ ب سنے اس سے سریہ جا تھ بھیرار بخاری بعیست ایک پختہ عہد کا نام سبے جوعا قل وہ بالغ ممکلفٹ سے لیا جاتا ہے اور وہ بچہ چھوٹا تھا جس سے عہد کا سوال خارج انر بحث تھا، بال سلود دشخفت و محبت حفنو رسنے اس کا مئر چھوُا۔

مَا بِ فِي أُوزَاقِ الْعِمْ الْ

سهم ٢٩ حكم المَّكَ زَبُ الدُّكَ رَجُدُم الْبُوكِ الدِّنِ نَا الْبُوعُ اصِمِ عَنْ عَبُوالُوادِثِ بَن سَعِيْهِ عَنُ كُسُنِهِ الْمُعَتِّمِ عَنْ عَبُواللّهِ بَنِ بَرَيْهَ لَا غَنْ اَبِيْهِ عَنِ النَّيْجِي صَلَّى اللهُ عَكَيْهِ وَسَلَّمُ قِالَ مَنِ السَّنُعُمَلُنَا لَا عَلَى عَمَلِ فَرَزَقَنَا لَا دُدُقًا فَمَا آخِن بَعُمَا ذَلِكَ فَهُوكُ عُلُولٌ .

بریدر منت نبی صلی الشعلید وسلم سے روا میت کی کہ آپ نے فرمایا، حب شخص کو ہم کو بی کام میرد کریں اور نخواہ و دیں تواس کے بعد وہ جو کچھ ہے گا وہ خیا نت اور ہے ایما ن مہو گی دکیو نکہ جب کام کامعا وصدم قرر مہو چکا تواس سے زائد لینے کامی ختم مہو گیا، اب جو کچے کو ٹی سے گا وہ مال حمام مہوگا)

٣٩٨٠ حُكُمُ ثَنَا أَبُو الوَلِيهِ والطَّلَبُ الْسِيُّ مَا لَيْتُ عَنْ مَبَكِّرُ بُنِ عَبُدُ اللَّهِ بُنِ

الَّاشَيْحِ عَنِي بُسُمِرِيْنِ سَعِيْدٍ عَنِ ابْنِ السَّاعِدِاقِ قَالَ السَّنَعُمَكَ فِي عُمَمَ عَلَى الصَّمَا فَنِو فَكُتَّا فَرَغُنُ الْمَرَ لِيُ بِعُمَاكِةٍ فَقُلْتُ إِنَّمَا عَنِمَ لَيْ لِلّٰهِ فَقَالَ خُنْامَا أُعُطِبُتَ فَإِنْ

وعَمِدُ لُتُ عَلَى عَهُ مِا رَسُولِ اللهِ صَلَّى اللهُ عَكَيْسِ وَسَلَّوَ فَعَتَّلَنِي -

ابن الساعدی نے کہا گرحفرت عمر صی انتازی نہ سے مجھے صدیتے ہے تا ماں بنا یا ۔ جب میں کام سے فا رخ ہوا تو مجھے عل کامعا وضہ دسینے کا حکم دیا ۔ میں نے کہا کہ میں نے تو محف انتادی خاطر کام کیا ہے جصرت عرض نے فرا با کہ جو کچھے دیا جا تاسیرا سے سے کیونکہ میں نے بھی دسول انتارہ ملیہ وسلم سے وقت میں کام کیا تھا تو آگ نے تھے منخاہ دی می د بخاری مسلم، نسائی مسئل حمد

می مال حمزت مراس کا محاور کی ایک کا معتقل کا میں ہوئے ہیں ہوا کی دور سے سے دوایت کرتے ہیں۔ انٹر تعالیٰ نے مدنا میں کے معارون میں کا انتخا میل کی عکر کھا کی مستقل کا رکھی ہے۔ وجہ یہ کہ ہر شخص تو مفت کا مہنیں کرسکتا المذا "عاملین" کامعاوم نہ مقدر ہونا صوری ہے ورنہ مکومت کے کام کیسے انجام پائیس کے آائیس مشکر اور جواس مدیث سے معلوم ہوا وہ یہ ہے کہ حف و رصلی انڈ علیہ وسلم نے حذرت بوس کی وجب صدیق ہر عامل بنا یا تعالواس وقت ہونکہ تنخوا ہ کی قراد واد نر ہوئی متی المذا و صفرت موس نے ہی سمجیا تھا کہ وہ نی سبیل انٹریہ کام مرانجام دے دسے ہیں کی وضور نے انہیں شخوا ہ دی ہی مال معنرت موس کے عامل کا تھا۔ یہ مدیث اس سے قبل کنا ب انڈر کو ہیں زیادہ طویل گذر می ہے۔

فَكْيَكُسَسِبْ خَادِمُا فَانْ كَوْبَكُنْ لَهُ مَسْكَنَّ فَلْيَكُسِّبُ مَسْكَنًا قَالَ قَالَ كَالَا بُوبَكِراً خُبِرُتُ وَتَّ النَّبِيِّ صَلَّى اللَّهُ عَكِيْسِ وَسَكَّوَ فَالَ مَنِ اتَّنِحَنَا غَيْرَ ذَٰ لِكَ فَهُوَغَالٌ اَوْسَادِقُ ـ

مُستوُرْ بن شدا دنے کہا کہ میں سنے بی صلی اللہ علیہ وسلم کویہ کھتے شنا کہ حفیود صلی اللہ علیہ وسلم سنے فرما یا بجو شخص ہما دا عامل ہووہ سبت الممال کے خرچ پرایک بیوی سنے نکاح کرسکتا سیے اگراس کا خادم نہوتو وہ خادم رکھ سکتا سیے اوراگراس کا مکان نہ ہوتو وہ مکان رکھ مکتا سیے ۔ داوی نے کہا کہ ابو بکرنے کہاکہ مجھے خبر ملی سیے کہ نبی صلی اللہ علیہ وسلم نے فرمایا : حواس کے علاوہ کھے سے وہ ہر دیانت سے باچو رہے ۔

شمرے: ملام خطابی نے کہا سیکہ اس حدیث کی تاویل دوطرح پرسے، ایک یہ کہ اس شخص کوخادم اور سکن حاصل کمرنے کی اجازت اس نخواہ میں سعے ملی سے جواس کا اجر مقررسے، اس سے سوا کچھا در سے کم استخرج کہ نا حبائمنہ نہیں، دور ری تاویل یہ ہے کہ مامل کے بیے خادم اور مکان کی صزورت ہوتی ہے بس اگر براس سے باس نرموں تو تنخوام بہنا دم دکھ کہ دیا جائے گا اور ملازمت کی مدّت سے لیے اس کی خاطر کراسٹے سے مکان کا بندوست کیسا

ہاسے ہا، وصلا ملہ) روایت کے خدیس حس الو کم کا ذکر کیا ہے رہ صنوت الو کمرصدیق نہیں ہیں ،مولا کا کنے فرما یا کہ نشایداس سے مراوا مام المحد کا اسنا دکی بن اسحاق ہے -امام احمد نے یہ روایت کئی سندوں سے دورج کی ہے مگرکسی ہیں پیمبات نہیں آئی جوالجہ داقتو ویان کرتے ہیں ۔

بَالِكِ فِي هَدُ ايَا الْعُمَّالِ

وسَلَّهُ مُرَى عَنْ عَرُوةَ عَنْ اَفِي السَّرَةِ وَابُنُ اَقِي عَلَيْ اَفَعْلَهُ قَالَانا سُفَيانُ عَنِ الرُّهُ مِن عَنْ عَرُوةَ عَنْ اَفِي حَيْدِ السَّاعِدِي اَنَّ النَّجَ صَلَّى اللَّعَكَيْءِ وَسَلَّو الرُّهُ مُرِي عَنْ عَرُوةَ عَنْ اَفِي حَيْدٍ السَّاعِدِي اَنَّ النَّبَي صَلَّى اللَّهُ عَكَيْءِ وَسَلَّو اللَّهُ مِنَ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّو عَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّو عَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّو عَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهِ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهِ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ وَعَالَ اللَّهُ عَلَيْهِ وَعَالَ اللَّهُ عَلَيْهِ وَعَالَ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ وَعَالَ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَى اللْعَلَى اللْهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْعَلَى اللْعَلَى اللْعَلَى اللَّهُ عَلَى اللْعَلَى اللْعَلَى اللْعَلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى

کانا م عبدانشر تھا۔ اس حدیث ہیں دسوت ہی متدید ممانعت نا بت ہود تھی سے۔ اورید مجی معلوم موالہ عمال کا محاسبہ ا ضروری ہے وریز بدریانتی بڑھے گی۔ ان جانور وں کا ذکہ کو سے پر جو فرما یا کہ وہ بول سے معل گے، اس کامطلب یہ ہے کہ مدال قیامت میں بمرسر عام اُس شخص کی رسوائی ہوگی۔

> باتك في محكول الصّدافتي صدة من مدورات كالأب

٧٩ - كَلَّا ثَنَاعُهُمَانُ بُنُ إِنِي شَيْبَ لَهُ مَا جَرِيْزَعَنُ مُطَرِّحِنِ عَنُ اَبِ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ اللِّهُ اللَّهُ اللَّ

ا بومسعود انفعاری نے کہاکہ نبی صلی اللہ علیہ دسلم نے جمعے صدقہ اُ کاسٹنے کے لیے جمیعا۔ عیر فرط یا؛ اسے ابومسٹوڈ جاؤ، مبادا میں تہمیں میدان قیا مت میں آتا ہوا پائیل اور تری پشت پرصدقہ کا اونٹ للا ہوا ہو تجہ بلیلا تا ہو ہے تو بددیا نتی سے حاصل کہا ہو۔ الومسعور ہ نے کہا کہ: تب تو میں نہیں جاتا حضور گرنے فرطایا: تب میں تھے جبور می نہیں کرتا۔ دمند رتی نے کہا ہے کہ یہ مدیث حس ہے) ابومسعور ہ نے سمجھا تھا کہ حضور شنے جو میرا تقرر فرطا ہے یہ کو بی فریفنہ نہیں ہے اور اس سے انکار یا اسمحرامت نافر مانی میں نہیں آئے گا، لہذا انہوں نے ازراج تقوی وورع از کارکیا اور حفور سے نے ذور نہیں دیا۔

باس فيما بانم الرمام من أمرالت عبد في الماري المناب عنهم

الم واركا الكُونَ الله المَّاكَ الله المَّاكَ الله المَّاكَة المَّاكَة المَّاكَة المَّاكَة المَّاكَة المَّاكَة المَّاكَة المُلكَة المَّاكَة المَّاكِة المَاكِة المَاكِة

خَلَّتِهِ وَفَقَرِمٌ قَالَ فَجَعَلَ رَحُجَلُاعَكَى حَوَامِيْجِ النَّاسِ-ابوم يم ُ اذرى نے كدكہ ميں مصرت معاويہُ كے پاس گياتوانوں نے كہا:ا سے فلاں ! ہميں آپ نے كيسے شون فرما يا سے مج داور يرايك كلہ سے جے عرب بوستے ہيں ، توميں نے كہاكہ ميں نے ايك مدریث مشئی حتى جو آپ كو بتا نے آيا

ہوں۔ میں نے رسول اللہ صلیا و شد علیہ وسلم کوفرواتے میں اعقائہ جس شخص کے سپر داللہ تعالیٰ مسلما نوں کا کو فئ کام کسے

میں وہ ان کی حورت اور فقر دما جت سے پہرے جھیپ مبائے اللہ نغالیٰ اس سے اس کی ما جت وصرورت اور فقر کے وقت (قیا مت میں) پر د ہ کہرے گالا وی کہتا ہے کہ بھرمعا در پینسنے لوگوں کی حروط بت پرا مک آ د می مقر رکم دیا رہت مذی۔ ابوم تم کمنیت ہے عرص کو بن مرم ہ جہنی کی)

ر کے مکری یا ہو ترم سیب مستم ہر کہ بی گی ؟ متعمہ سے جامرا دُسلافین اور بالخصوص با دشاموں کا یہ مال ہو تاہے کہ عوام سے پرے دستے ہیں ان تک پنچنا تقریبًا نا ممکن ہو تا ہے اگر غور کیا مبائے تواسیے لوگوں کوعوام پر حکومت کا کوئی جق نہیں کیونکہ وہ ان کے مسائل وصروریات سے بے خبرر سبتے ہیں ، ان کےخومٹا مدی چیچے اپنی اغراصِ مشئوم کی خافرانہیں عوام کی طرحت اندھیرے ہیں رکھتے

سی، انهی لوگول کے متعلق بر مدیث باک سے ۔

> ا مروس ا مرت.

الوسرى اورخوا ممشى نفسانى الشرعليه وسلم نفرايا: (مين الني عرض اورخوا ممشى نفسانى سكماعة) تم كو الديس المي المون المين السول المين المون المين السول المين المون المين المراك المرك المراك المراك

عَنُ مُحَتَّمُ الْبَنِ عَنُمِ وَبُنِ عَطَاءِ عَنُ مَا لِكِ بُنِ اَ فُسِ بُنِ الْحَدْ قَانِ فَالَ دَكَرَ عُمُمُ اللَّهُ اللَّخَطَابِ يَوْمًا ذَلْفَى فَقَالَ مَا اَنَا بِاَحَقَّ بِهِ نَاالْفَى مِنْكُوْ وَلا مَا اَسَا مِثْنَا بِاَحْقَ بِهِ مِنَ احْدِد اِلْاَ أَنَّا عَلَىٰ مَنَا ذِلِنَا مِنْ كِنَابِ اللهِ عَزْوَجَلَ وَقَسُدِد دُسُولِهِ فَالرَّجُلُ وَقَدْمُ مُهُ وَالرَّجُلُ وَ بَلَا فُؤَةً وَالرَّجُلُ وَعَيَالُهُ وَالرَّجُلُ وَعَاجُنَهُ

منٹی کے انٹر تعالیے کے قراُ آن پاک میں بی و دقدیم الاسلام لوگوں، مہاجرین ا وَلین ، انصارِ مدینہ، اند باب بدر اور اصحابِ حدید بیتہ و نزیر ہم سے نفنائل بیان فرمائے ہیں جن سے بہتہ حل جا تا ہے کہ لوگوں کے تعفیٰ خاص خاص اعمال ان کی فضیلت و استحقاق کا سبب ہیں . بیں صفرت کورضی انٹریمنہ کے نزد کے سہی نفنائل و منا قب، مالِ فی کے مصول ہیں

مَرِنظرد کھے مانے لازم تھے۔

باب في قديم الفي م

٢٩٥١. كَمَّا نَنْكَ الْمُرُونَ بُنُ زَيْدِ بْنِ أَبِي الذِّرْقَاءِ ٱخْبَرَ فِي أَبِي الْمَرَ

مِّنُ سَعُهِاعَنُ ذَبُهِ بِنِ السَّكَوَاتَ عَبُهُ اللَّهِ بَنَ عُهُمَ كَخَلَعَلَى مُعَاوِيَةَ فَخَالَ حَاجَنُكَ يَا أَبَا عَبْهِ الرَّحُمْنِ فَقَالَ عَطاءُ الْمَحَدَّدِينِ فَإِنِّى كَالَيْصَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ اَوَّلَ مَا جَاءً لَا شَيْءٌ بَكَ أَبِالْمُحَدَّدِيْنَ وَاللَّهُ مَا كَالُهُ عَلَيْهِ

عبدالتلدىن بمرصنى التاعنهما اميرمعا وكيز كے باس اَ گئے تواميرمعا وكيز نے كہا: اسے الوعبدالسرمن اپنی ضرورت بيا ن فرائے . بس عبدالتاریخ نے کہا : آزا د که دہ لوگوں کو عطاء کمہ نا ، کيونکه ميں نے د مکيما نفا که دسول التلاصلی التاریخ بير دساری اور پری دو مها ہے ، دو تری و سن دکر دول کی سرورش و عرف اور کی تعد

وسلم کے پاس ہوکوئی مہلی چیز آئی تو آب آذاد کم دہ لوگوں سے شروع فریا تھے۔ شہرے : علامہ خطابی کا بیان ہے کہ عبدالٹار بربور سکے قول میں چرارین سے حرا دمعتقیں (آذاد مشدہ لوگ) ہمیں ان کی طوب خصوصی توجہ مبذول کر انے کا باعث پر تقاکہ ان لوگوں کا کوئی رجیٹر ہز ہو تا تھا ۔ وقد گوقتاً پر لوگ ماکول سے از ادہوتے رہتے تھے اور اپنے آذاد کرنے والے مالبق ما کموں کے تابع ہوکہ صاحب دیوان درجہ ٹرمیس جن کے نام مسلم میں ہوتے تھے ، بنتے تھے ۔ انہیں ان کی صرورت اور سنگا می احوال کی بنا دہر دوبروں پر مقدم کرنے کو اس عراض نے ذالیا۔ معدرت ابو کمرصدیق مشنے مال فی کی تقسیم میں مساوات کو متر نظر رکھا تھا ، مگر حصنرت عررضی اسٹر عنہ سنے اسپے احتما تھے۔ استحقاق کی بنا دہر درجہ بندی کی تھی ، لیکن انٹو کا ادانہوں سے رجوع کر سے صد ہوں تقسیم کو نا فذکر ہے کا

الأده كميا تفاحب كاموقع بذمل مسكا-

دِيْ عَنِ الْفَاسِمِ بَنِ عَبَّاسٍ عَنْ عَبْدِ اللهِ يُعَرِّنُ مُوسَى الدَّازِيُّ اَخْبَرَنَا عِلَيْ مَا ابْنَ اَبِي اللهِ يَوْبُ عَنْ اللهُ عَنْ عَبْدِ اللهِ يُن عِنْ اللهُ عَنْ عَبْدِ اللهِ عَنْ عَبْدِ اللهُ عَبْدِ اللهُ عَبْدِ اللهُ عَبْدِ اللهُ عَبْدِ اللهُ عَبْدِ اللهُ عَبْدُ مِ وَسَلَّمُ أَنِي اللهُ عَنْ اللهُ عَبْدُ مِ وَسَلَّمُ أَنِي اللهُ عَبْدُ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَبْدُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَنْ عَلَيْهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ الللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ ال

لِلْهُ حَوِّدٌ فَا لَاكُمْ أَى فَالْتُ عَالِمُنْ كَانَ أَبِى دَخِى اللَّهُ عَنْ كُهُ يُقْسِمُ لِلْهُ حَرَفَ الْعَبْ لِا وَ لَكُهُ وَ لَكُهُ وَ لَا لَكُمْ عَنْ كُولُو اللَّهُ عَنْ كُولُو الْعَبْ لِلْ وَ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ وَاللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْلُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللْهُ الْمُعَلِّمُ اللَّهُ عَلَيْهُ الْمُعَلِّمُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ اللَّهُ الْمُعَاءِ عَلَيْكُ الْمُ

مُساوی رکھا تقاحیٰ که آزادا ورغلام میں بھی امتیاد در کیا تھا۔ جیسا کہ اور پاٹارہ کیا گیا حضرت عمر فاروق تنسف اسلام، ایجرت یا مالی قربانیول اور جہا دوعنبرہ میں سبقت اور فزبا نیوں کے بیش نظر بیت المال کے رجسط تیار کمہ اسے اور

ا سی در مه بندی کے حساب سے وہ مال فئ تقسیم کمرنے تھے، نیکن عبیسا کہ اوپُرانٹا رہ گزرا سے وہ تقسیم میں مسادات کو قائم کرنا چاہتے تھے کہ ان کی نثما دت کا واقعہ میش اگیا اور یہ تنج میزنس تجویز ہی دسی

٢٩٥٣ حسًّا فَنَا سَعِبُ كُ بُنُ مَنْصُورٍ نَاعِبُ كَاللَّهِ بُنُ الْمُبَارَلِيْ حَ وَ حَمَّا ثَنَا أَبُنُ

المُصَفَّىٰ قَالَ حَتَىٰ ثَنَا اَبُوالْمُغِيُرَ فِرَجِينَعًا عَنْ صَنْفُوانَ أَنِ عَنْمِ وَعَنْ عَبُهِ الرَّحْلِن أَنِ جُبُيرِ أِنِ كُفُيرِعَنَ اَ بِيهِ عَنْ عَوْفِ ابْنِ مَالِحِ اتَّ رَسُّولَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَيْلِ اللهُ وَسَلَّمُ كَانَ إِذَ ا اتَاهُ الْفَيُ قَسَّمَ لَهُ فَي يُوعِهِ فَا عَطَى الْاَهُلَ حَظَيْنِ وَاعْطَى الْفَرْب حَظَّا نَا دَا انْ الْمُصَغِّى فَكَا عِيْنَا وَكُنْتُ الدَّى الْمُنْ عَمَّامٍ فَكَ عِيْتُ فَا عُطَا فِي

حَظَّيْنِ وَكَانِ لِي آهُلُ الْحُرْدَعِي عَمَّارُانُ يَاسِرِفَاعُطِي حُطَّا وَاحِلُهُ

* * * * * * * *

باله في أَرْزَاقِ النَّاتِيِّةِ

م ٢٩٥٠ حَكَّا نَكُ عُحَدَّ كُنُ كُنِ كُنِ الْخُبِرِنَا سُفُلُنَ عَنِ جَعَفِي عَنَ اَبِيْهِ عَنَ

جَابِرِ بْنِ عَبْدِاللهِ قَالَ كَانَ رَمُنُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ يُقُولُ أَنَا أَوْلِيْ اللهُ عَلَيْهُ وَمَنْ تَرَكَ دَيْنًا أَوْضِياعًا فَأَلِّ وَعَنَ تَرَكَ دَيْنًا أَوْضِياعًا فَأَلِّ وَعَنَ لِلهُ وَمَنْ تَرَكَ دَيْنًا أَوْضِياعًا فَأَلِّ وَعَنَ

مابربن عبدالت مست روایت بے کہ جناب دسول الشرصلی الشعلیہ دسلم فرمایا کرتے تھے۔ میں ایماندارول کے السی ان کی مانوں سے اور جوقر من جھوڑے السی ان کی جانوں سے قریب تر بہوں ہو شخص مال جھوڑ جائے وہ اس کے گھروا ہوں کے سلیے سے اور جوقر من جھوڑے بیا نا با بغ اولاد جھوڑ جائے اسے میری طوت لا با جائے اور میرے ذمتر دکھام بلنے۔ را بن مآم ہی المعرف والصد فاحت مسلم، انسانی ، سن ابی واؤد صدیث نمیر میں میں میں است ابی واؤد صدیث نمیر میں میں میں اور میں میں انسانی ، سن ابی واؤد صدیث نمیر میں میں ا

مَنُ اَفِى هُمَ اَيْرَةَ فَالَ فَالَ رَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ مَنْ عَرِقِ بَنِ تَابِتِ عَنَ اَبِى حَانِمٍ عَنُ اَبِى حَانِمٍ عَنُ اَبِى كَانِمُ عَنُ اَبِى كَانِمُ عَنُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ مَنْ تَرَكِفَ مَالًا فَلِوَدَ شَتِهِ وَمَنْ تَرَكِفَ مَالًا فَلِوَدَ شَتِهِ وَمَنْ تَرَكِفَ كَلَّهُ وَلَا لَكُودَ شَتِهِ وَمَنْ تَرَكِفَ كَلَّهُ وَلَا لَكُودَ شَتِهِ وَمَنْ تَرَكِ كُلَّا فَإِلَيْنَا.

ابوہ ریرہ خانے کہاکہ دسول الٹرصلی الٹرعلیہ وسلم نے فرا یا جو کوئی ال چیوٹر مباسے وہ اس کے وارٹوں کا سے اورجوکوئی بوچہ چیوٹر مباشے وہ ہمارے ذمہ کسنے گا۔ (بخاری مسلم ، تذ خری ، ابن مام ہم ، نسبا ٹی ، بوچہ سے مراد وہی کچیرہے جواور پر کی مدریدے مس گذرا۔

٢٩٥٧ - حَكَّ نَكُ أَحُمَ كُنَا كَعُمَ الْكَالِمُ الْكَرْدَاقِ عَنْ مَعْتَمِ عَنِ التَّرْضُ الدَّرَ الْكَرْدَاقِ عَنْ مَعْتَمِ عَنِ التَّرُضِ عَنْ الدَّرَ مِي عَنْ الدَّا عَنْ الدَّرَ عَنْ الدَّارِ مِنْ الدَّارِ مِنْ نَفْسِهُ فَا يَتُمَا رَجُلِ مَاتَ وَتَرَادَ دُبْنًا فَالِقَ وَمَنْ تَدَكُ مَا لَكُ وَمَلَ الدَّكُ مَا لَكُ وَمَلَ الدَّكُ مَا لَكُ وَمَنْ الدَّكُ مَا لَكُولُ مَا لَكُ وَمَلَ الدَّكُ مَا لَكُولُ مَا لَكُ وَمَنْ الدَّكُ مَا لَكُولُ مَا لَكُولُ وَلَا اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَنْ الدَّهُ اللَّهُ عَنْ الدَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَنْ الدَّهُ اللَّهُ عَنْ الدَّهُ اللَّهُ عَنْ الدَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَنْ الدَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَنْ الدَّهُ عَنْ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْكُ اللَّهُ عَلَى الْعَلَى اللِهُ الْعَلَى اللْعَلَى اللَّهُ عَلَى الْعَلَى اللْعَلَى اللْعَلَى اللْعَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْعَلَى اللَّهُ عَلَى اللْعَلَى اللْعَلَى اللْعَلَى اللَّهُ ع

جابر بن عبدالترمنے نبی صلی استرعلیہ وسلم سے روایت کی کہ آپ فرماتے سے اس ہرمون کے لیے اس کی جان سے می قریب ترموں ایس جو آمری مرکبا اور قرحن مجھولا گیا تو وہ میرہے میرد سے اور شخص مال مجبولا گیا وہ اس سے وار تول

بالله منى بفرض للرجل فى المقاتلة باركى تى سائل الرياد الرياد المائلة بالمعالمة المائلة المائل

٢٩٥٤ - حَكَّا نَكُ اَحْمَدُ أَنْ حَنْبَلِ نَا يَحْيَى نَاعُبَيْ اللهِ اَخْبَوا فِي نَافِعُ عَنِ الْمَبَيْ اللهِ اَخْبَوا فِي نَافِعُ عَنِ اللهِ اَخْبَرُ اللهِ اَخْبَرُ اللهُ عَلَيْ مِا وَسَلَّوَعُو خَدْ اَبُنَ اَمْ اَحْدُ اللهُ عَلَيْ مَا اللهُ عَلَيْ مِا اللهُ عَلَيْ مَا اللهُ عَلَيْ مَا اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ الل

ابن موم سے دوایت سے کہ انہیں جنگ اُم آمای دیں الٹوسلی الٹولید وسلم سے ساسنے پیش کیا گیا جبکہ ان کی عمر مہما ممال بھتی، پس نبی صلی الٹو علیہ وسلم نے انہیں اجازت نہ دی ۔ا ورجنگ خندتی میں انہیں بیش کیا گیا جبکہ ان کی عمرہ ا تھی ، لپس معنور نے انہیں اجازت و سے دی دسنج آری ، سکم تر نذتی ، ابن ماجہ ، سنن آبی داؤد ہ ، بہم منم سے ؛ اہل عرب میں دواج تھا کہ گنتی میں کسروں کوٹر ک کہ دستے ستے اور اس طرح مہمی مثما دکم اور کمجی زیادہ مہوجا تا تھا۔

بنگ احدا ورجنگ خند ق میں دوسال کا فاصلہ تھا ارزا بن عرص کی مراکہ جنگ احدیس ہم اسال تھی توجنگ خندق میں ۵۱ ممال سے نائد ہوگی، گراس تیم کے شار میں سہل افکاری سے کام سیام! تا تھا بمشلہ اس سے بیمعلوم ہوا کہ بلوغ میں یا تو احتلام کا اعتبار سے یا پھر کم از کم ۵ اسال کی عمر کا ۔

NATO TOTAL ARTERIA TOTAL ARTERIA ARTER

مه ١٩٥٨ حَلّا نَنَا اَحْمَدُ اَنَ الْحُوارَةِ نَا شَكَيْمُ اَنْ مُطِيْرِ شَيْخُ مِنْ اَهُلِ وَاحْدَا اللّهُ مِنْ الْهُلُولَةُ الْمُورَةِ حَاجًا حَتَى إِذَا كَانَ بِالسّوَيُ الْوَلَا الْحَوَاتُ الْحُوارَةِ وَحَضَضًا فَقَالَ اَخْبَرُ فِي مَنْ سَمِعَ مَ مُسُولَ اللّهِ صَلّى اللهُ عَكَيْبِ وَسَلَّم فِي حَبَّةِ الوَدَاعِ وَهُو بَعِظُ النّاسَ وَيَا مُرُهُمُ وَيَنُهَا هُمُ اللّهِ صَلّى اللهُ عَكَيْبِ وَسَلَّم فِي حَبَّةِ الوَدَاعِ وَهُو بَعِظُ النّاسَ وَيَا مُرُهُمُ وَيَنُهَا هُمُ اللّهِ صَلّى اللهُ عَكَيْبِ وَسَلَّم فِي حَبَّةِ الوَدَاعِ وَهُو بَعِظُ النّاسَ وَيَا مُرُهُمُ وَيَهُمَا اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْبِ وَسَلَّم فِي حَبَّةِ الوَدَاعِ وَهُو بَعِظُ النّاسَ وَيَا مُرَاعِلًا عَمَا عَلَى اللّهُ عَلَيْ اللّهُ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ

روایت کیا .

اللهُ عَلَيْ مِ وَسَلَّوَ فِي حَبَّحَةِ الْوَدَاعِ الْمَرَالِتَاسَ وَنَهَا هُمُ ثَمَّ فَالَ اللَّهُ مَّ هَلَ ا بَلَغْتُ قَالُوْلَاللَّهُ وَنَعَمُ ثُنَةً وَالْإِذَا نَجَاحَفَتُ قُرَيْشَ عَلَى الْمُلْكِ فِيمَا بَيْنَهَا وَعَادَ الْعَطَاءُ وَكَانَ رَيْشًا فَكَاعُوكُ فَقِيْلَ مَنْ لَهُ لَا اَفَالُوا لَهُ لَا أَدُوالزَوَا يُسِلِ صَاحِبُ

كصولِ اللّٰوصَ كَى اللّٰهُ عَلَيْتُمِ وَسَسَّحَرَ

مطیرنے کہاکہ میں نے ایک شخص کو کھتے سُنا کہ: میں نے درسول الٹرصلی الشخلیہ وسلم کو بجۃ الوداع میں سُناکا نِنے لوگوں کو حکم دیئے اور فما نعت فرمائی بھر فرمایا: اسے اسٹر کیامس نے بہنچا دیا ؟ لوگوں سے کہاکہ اسے اسٹر تو گواہ سے ہاں پہنچا دیا ۔ بھر فرمایا کہ جب قریش مکومت کی خاطراً بس میں جمعی گفتا مہو جامی اور عطاء رشوت بن حاسے تو اُسے چھوٹر دو۔ کہا گئے کہ سنخفس کو در سے ؟ لوگوں نے کہاکہ رہے دسول انٹر مسلی انٹر علیہ وسلم کا صحابی فوالنروا مگر سے۔ ز ذوالنہ وابلہ مدتی صحابی سختے اور اسی نام سے مشہور ہیں

باب في تراون العطاء

. ٢٩٧ - كَتَّا أَنْ الْمُوْسَى بَنَ إِسْمَاعِيتُ لَ نَا إِبْرَاهِثِيمُ يَعْنِي ابْنَ سَعْدٍ آخَبُرُنَا

ابُنُ شِهَابِ عَنُ عَبْ لِاللهِ بُنِ كَعْبِ بُنِ مَالِكِ مِنَ اللهِ بُنِ كَعْبِ بُنِ مَالِكِ مِنْ الْاَنْصَارِي آنَّ جَبْشًامِنَ اللهُ مِنْ اللهِ بُنِ كَعْبِ بُنِ مَالِكِ مِنْ الْمُعْرِقِي آنَّ جَبْشًا مِنَ الْمُعْرِقِي وَلَا تَعْبَدُ اللهِ مُعْرَفِي فَيْ مُعْلِلًا اللهِ اللهِ مُعْرَفِي فَي مُعْلِلًا اللهِ مُعْرَفِي فَي مُعْلِلُهُ اللهِ مُعْرَفِي فَي مُعْلِلًا اللهِ مُعْرَفِي اللهِ مُعْرَفِي اللهِ مُعْرَفِي اللهِ مُعْرَفِي اللهِ مُعْرَفِي اللهِ اللهِ مُعْرَفِي اللهِ مُعْرَفِي اللهِ اللهِ مُنْ اللهِ اللهِ اللهِ مُعْرَفِي اللهِ اللهُ اللهِ ا

عَامِرِ فَشَغَلَ عَنَهُ وَعُمَمُ فَلَمَا مَرُ الْاَجَلُ فَفُلَ اَهُلُ لَا لِكَ الشَّغُرِفَ الْمُتَا عَلَمُهُمُ وَتُواعَكُاهُمْ وَهُمُ مَا حُتَعَابُ رَسُولِ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْ وَسَلَّمُ وَهُمُ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَكم إِنَّكَ غَفَلُتَ عَنَّا وَتُوكِتَ فِيْنَا الَّهِ عُمَا مُرَبِهِ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْ وَمَسَلَمَ

مِنْ أَعْقَابِ بَعْضِ ٱلْغَنِرِيِّينِ بَعْضًا

عبدالترب کعرض بن مالک، نھا دی سے دوایت ہے کہ انھا رکا ایک لشکرا بنے امر سمبت سزوی فارس بن عفا اور حفرت برنس برسال نشکروں کوا ول بل کمرتے دستے تھے دینی مرحدوا بول کوچیٹی دستے اوران کی جگردوس کو لوگوں کو روانہ کرتے ہے، بس ایک دفعہ مصنرت برن نے انہیں صفت الفاظ کے اور انہیں دھمکیاں دیں، اور وہ والے لوگ از خود والب لوٹ آئے۔ بب حفرت برن نے انہیں صفت الفاظ کے اور انہیں دھمکیاں دیں، اور وہ دسول الٹرصل الدعليہ وسلم کے اصحاب تھے، وہ ہوئے : اے برن ایک دو مرسے کے اور انہیں دھمکیاں دیں، اور وہ مسلی الٹرعلیہ وسلم کا یہ مکم می وال دیا کہ آپ نے نشکروں کو ایک دو مرسے کے آئے ہی جھے بھیجنے کا صمح دیا تقاد مولاً نا خور والے اور ایک مناسبت عنوان باب سے بہے کہ حضرت برن عطا دیے درجیط وں کی تیا دی اور تکمیل میں مصوف سے اس سے شکر کو تدبل نزکر سکے بشکروں کو ذیا دہ ویر برن کسر صدوں پر دکھنے کی مما نفت ہے، کہا مدت کے بعد انہیں گھرآنے اور اہل وعیال سے سطنے کی رخصت دی جانی لاذم سے ۔

<u>annong no no no no no no esta de la composta de la compostação de</u>

١٩٩١ حَكَلَ نَكُ مُ مُحُمُودُ بُنُ خَالِمِنَا هُمَّ كُابُنُ عَالِمِنَا مُحَمُودُ بُنُ خَالِمِنَا هُمَّ كُابُنُ عَالِمِنَا عَلَى عَلَى الْكُولِيَ مَنْ عَالِمِنَا الْكُولِيَ مَنْ عَلَى الْكُولِيَ الْكُولِيَ الْكُولِيَ الْكُولِيَ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ وَ مَعَ اللَّهُ عَلَيْهُ وَ مَعْ اللَّهُ عَلَيْهُ وَ مَعْ اللَّهُ عَلَيْهُ وَمَعْ اللَّهُ عَلَيْهُ وَمِنَ الْمُحْدِينُ وَمُعْلِي اللَّهُ عَلَيْهُ وَمِنَ الْمُحْدِينُ وَمُعْلَى اللَّهُ اللْمُعْلِي اللللْمُعْلِمُ اللْمُعْلِمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ

٢٩٧٢ - كَمُّ الْمُنْ الْحُمَدُ الْمُنْ الْمُؤْسِ مَا نُرَهُ يُوْمَا اللهُ عَمَّدُ اللهُ عَنَى اللهُ مَكُمُ وَلَا اللهِ عَنَى اللهُ مَكُمُ وَلِهِ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَكَدُمِ وَلَهُ وَلَا اللهِ عَلَى اللهُ عَكَدُمُ وَلَا اللهِ عَلَى اللهُ عَكَدُمُ وَلَا اللهِ عَلَى اللهُ عَكَدُمُ وَلَا اللهُ وَخَدَمُ الْحَقَى عَلَى لِسَانِ عَمَى كَفُولُ إِنَّ اللهُ نَعَالَى وَخَدَمُ الْحَقَى عَلَى لِسَانِ عُمَى كَفُولُ إِنَّ اللهُ نَعَالَى وَخَدَمُ الْحَقَى عَلَى لِسَانِ عُمَى كَفُولُ إِنَّ اللهُ نَعَالَى وَخَدَمُ الْحَقَى عَلَى لِسَانِ عُمَى كَفُولُ إِنِهِ وَلِي اللهُ اللهُ

ابو ذره نے کہاکہ میں سنے دسول التُرصلی السُّرعلیہ وسلم کوفر ماتے سُنا: السُّر تعاسِط سنے صی کوعرص کی زبان پر رکھ دیا سے روہ اممی حق کے ساتھ کلام کہ تے ہی دابن ماجہ بعنی یہ وہ مدیریث ہے جس کا سحالہ عرص بن عبدالعزیز تے گذشتہ مروایت میں دیا ہے)

با ول في صفاياً وسول الله وسلم كالله عليه وسلم كالموالية الموالية المولية وسلم كالمالية والم كالموالية والموالية وال

٣٩٧١. كَلَّا ثَنَّا الْحَسَنُ بْنُ عَلِيَّ وَمُحَمَّدُهُ بْنُ يَجْبَى بْنِ فَارِسَ ٱلْمَعْنِ تَالَانَا بِشُرُبُنُ عُهَرَا لِنَهُمَ إِنَّ قَالَ حَكَا تَئِي مَالِكُ بُنُ أَنْسِ عَنِ ابْنِ شِهَابِعَنُ مَالِكِ بُنِ أَوْسِ بُنِ أَلِحَدُ خَالِ فَالَ أَرْسَلَ إِلَّى عُمَمُ حِدُنَ تَعَالَى النَّهَامُ فَجِنُتُ كُ فَرَجُلُاكُ كَالِسَّاعَلَىٰ سَرِيرُمُفُضِيًّا إِلَى رُمَّالِهِ فَقَالٌ حِيْنَ دَخَلْتُ عَلَيْهِ يَامَالِ إِنَّهُ قَلُادَتُ اَهُلُ ٱبْرَيَاتِ مِنْ قَوْمِكَ وَإِنَّىٰ قَلُ امْرُيْكَ نِيْهِمُ بِيَثْمُ فَا قَسُهِمُ فِيُهِمُ يُعَلَّتُ نُوا مَرْتَ غَيْرِى بِنَالِكَ فَقَالَ خُنَاهُ فَجَاءَهُ يَرْفَأَفْقَالَ يَا آمِبُرَ الْمُؤْمِنِينَ هَلُ لَكَ فِي عُنْمَاكَ بْنِ عَفّاكَ وَعَبْ بِالدِّحْلِي بْنِ عَوْمِنِ وَالنَّرْبَيْرِ العَوَّامِ وَسَعُدِيْنِ اَبِي وَقَاصٍ قَالَ نَعَعُرِفَا ذِنَ كَهُمُ فَكَا خَلُوا ثُمَّرَجَاءَيَّرُفَ فَقَالَ يَا اَمِيْ رَأَلِمُوْمِنِيْنَ هَلُ لَكَ فِي الْعَبَّاسِ وَعَلِى فَالَ نَعَمُ فَا ذِنَ لَهُمْ فَكَ خَكُوا وْلَلُ الْعَبَّاسُ مِهِ الْمُؤْمِنِينَ اقْضِ مِنْ وَمَيْنَ هِنَهَ الْبَعْضُ عَلِيٌّ الْفَالَ بَعْضُ هُ مُو أَجلُ يَا آمِهُ بَرَالُهُ وُمِنِيْنَ إِفْضِ بَيْنَهُمُا وَآرِحُهُمَا قَالُ مَالِكُ بَنُ آوْسٍ خُبِبَلَ آتَنَهُمَا نَتَهُمَا ٱوْلِيْكَ النَّفَرِلِلْ لِكَ فَقَالَ عُنَمُ مِنْ إِنْشِكَ الْتُقَرَّا تُبَلَّ عَلَى ٱوْلَيْكَ التَّلْفِط نَقَالَ } نَشُكُ كُوْرِ بِاللهِ اللَّهِ الَّذِينِ بِالْدُينِ مِنْ فَقُومُ السَّمَاءُ وَالْأَنْ صُ كُلُ نَعْكُونَكُ أَنَّ رَسُولَ اللهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْكِ وَسَلَّحَ فَالَ لَا ثُوْرَِتْ مَا تَكُوكُنَا حَسَمًا ظَنْمُأ فَقَالُوا نَكُمُ أَنْهَ ا فَهَا عَلَى عَلَى عَلَى عَلِي وَالْعَبَاسِ مَ فَقَالَ ٱلْمُسْكُ كُمُ إِللَّهِ الَّذِي بِإِذْ بِهِ نَفُومُ السَّمَاءُ وَالْأَمْ صُ هُلُ تَعْلَمُ إِنِ أَنَّ رَسُولَ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَكِبُهِ وَسَلَّمَ فَالَ كَا نُورِثُ مَا تَرَكُنَ صَكَافَتُ فَقَاكَا نَعَمُ فَالَ فَارِثَ اللَّهُ خَصَّ مَا سُولَ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْتُ مِا وَسَلَّمَ بِخَاصَّةٍ لَوُ بَخُصَّ بِهَا احَدٌ ا مِنَ التَّاسِ فَقَالَ تَعَالَىٰ وَمَا أَفَاءَ اللَّهُ عَلَىٰ رَسُولِهِ مِنْهُو فَكَا أُوجَفُ ثُمُ عَكَيْهُ وَمِنَ خَبُلِ وَلا رِكَاب

وَلِكِنَّ اللَّهُ بُسَيِّطُ رُسُلَهُ عَلَىٰ مَنْ تَبِشَاءُ وَاللَّهُ عَلَىٰ كُلِّ شَكُىءٍ قَدِي بُرُكُمْ

وَكَانَ اللَّهُ نَكَالًا أَخَاءَعُلَىٰ رَسُولِيمٍ بَنِي النَّخِبُيرِ فَوَاللَّهِ مَا اسْتَا تَرْبِيمَا عَكَيْكُمُ وَكَا اَخَنَاهَا دُونَ كُمُ وَكَانَ رُسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَكَيْبِ وَسَلَّحَ بَا خُنَّا مِنْهَا نَفُقَةَ سَنَةٍ ٱوْنَفْقَتَةَ وَنَغَقَةَ ٱهْلِهِ سَنَةً وَيَجْعَلُ مَابَقِيٓ ٱسُوَّةً الْمُسَالِ تُمُثَرًا نَفْهَلَ عَلَى أُولِيتِكَ الرَّهُ طِ فَقَالَ ٱلْمُشْكَاكُمُ مِ بِاللَّهِ الَّذِي في إِنْ نَقُومُ السَّمَاءُ وَالْكُونُ مَلْ تَعْلَمُونَ لَالِكَ تَاكُونُ عَلَى اللَّهُ الْعُكُم لَكُمُ الْفَكُم اللَّهُ اللّ الْعَبَّاسِ وَعَلِيٍّ مَ خِي اللَّهُ عَنْهُمَا فَقَالَ ٱنْشُكُ كُمَا بِاللَّهِ الَّذِي يُ إِذْ ينه نَفُوْهُ السَّبَاءُ وَالْأَمُ صُ هَلُ تَعُلَمُانِ ذُلِكَ قَالَانَعُهُ وَكَتَا تُوفِيُّ مَ مُسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْسِ وَسَلَّمَ فَالَ ٱ بُوْبَكِرْ أَنَا وَلِيُّ رَسُولِ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلُّونَجِئُتَ ٱنْتَ وَهُ لَمَا إِلَىٰ إِنِّى بَكُرِرِمْ تَطْلُبُ ٱنْتَ مِيْوَافِكَ مِنْ إُبْنِ آخِيَكُ وَيُطُلُّبُ هُـنَا مِيُولَتَ إِمْراً يَتِهِ مِنَ ٱبِيْهَا فَقَالَ ٱبْوَبَكِر تَحَالَ رَمُسُولُ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْسِهِ وَسَلَّوَ كَا نُوْرَتِكُ مَا تَوَكُّنَ حَمَّا كَذَاتًا وَاللَّهُ يَعُكُو إِنَّهُ صَادِ قُ بَاتُمُ لَاسِتُكُ نَا بِمُ لِلْحَتِّى فَوَلِيُهَا ٱبُوْبَكِرِ فِكُمَّا ثُو فِيَّ ٱبُوْبَكِرُولُكُ ٱبَّا وَلِيَّ دُسُولِ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَكَبُ وَسَلَّمَ وَوَلِيُّ اَبْي بَكْرِ فَوُلِينُهُ اللَّهُ اللَّهُ أَنَّ البِّيهَا فَجِئْتَ أَنْتَ وَلَهُ ذَا وَ أَنْتُمُا جَيِبُحُ وَأَمْرُكُمُ لَا خِنْهِ فَسَأَكُتُمَا فِيمَا فَقُلُتُ إِنْ شِنْتُمَّا اَنْ اَدْ فَعَهَا إِلَيْتُ كُمَّا عَلَىٰ اَنَّ عَلِبُكُمُا عَهُ مَا اللَّهِ أَنْ تَلِبَ الْمَا بِالَّذِي كَانَ رَسُولُ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَكِيرُ وَسَلَّمَ يَلِيْهَا فَاخَذُنَّكُمَّاهَا مِنِّي عَلَىٰ ذٰلِكَ ثُرَّةً جِئُمَّا في لِاَتَّحِى بَيْنَكُمَّا بِغَيْرِ ذُلِكَ وَاللَّهِ لاً اقضيى بَيْنَكُمَا بِغَيْرِ لَا لِكَ حَتَّى نَقُومُ السَّاعَتُ فَإِنَّ عَجَزُتُمَا عَنُهَا فَوْدَ اهَا إِنَّ قَالَ ٱبُوُدَا ذَرَو إِنَّهَا سَالًاهُ أَنْ يَكُونَ يَصِيبُونَ بَيْنَهُمُنَا نِصُفَاٰبِ كَا ٱنَّهُمَا جِهلاعَنُ ذٰلِكَ أَنَّ النَّبَّى صَلَّى اللَّهُ عَكِبُ هِ وَسَلَّمَ فَالَكَا نُوْرِتُ مَا تَوَكُنَا صَدَقَتُمْ

فَإِنَّهُمَّا كَانَالَايُطُلُبُ إِن إِلَّا الصَّوَابُ فَقَالَ عُمَرُ لَا أُوْقِعُ عَلَيْهِ إِسْمَ الْقَسْمِ آدُعَهُ

' مالک بن اور کٹن میا کھنڈنان سنے کہا کہ کا نی د ن تیڑستھے تھے کو حضرت عمرت سنے ملا بھیجا ۔ میں ان کے ما س آ ما توانہ میں ا یک پڑولوں ریا بی پر منتظے موسے دیکھا۔ حب میں ان کے پاس گیا تواننوں کے کہا کہ اسے مالک اتیری قوم کے کھے گھراتے ئے ہی اور میں نے ان میں تقسیمکر نے کے لیے ایک جنر کا حکم دیا ہے میں تو اُسے ان میں بازے دے میں نے کہا بہتر موتا کر آپ اس کا حکم کسی اورکو دیتے۔ انہوں نے کہاکہ تو اس مال کونے نے اسٹے میں بہ نَا ار حصرت عرض کا غلام اور در مان أبا اوركها الصالميلمؤميين كياأب عثمارُ من عفان عبلاح أن بن عود من انسر من العوام اور سعت أبي وقاص مصلياً **ما** ہیں گے؟ انہوں نے کہا کہ ہاں بیس دریان^ے انہیں اندیہ آنے کی اما ذّت دی اوروہ اندیسروا خل مو کئے بم**عرمیا آ** آیا اور کہا: اسے امیالمؤمنین کیا آپ عباس اور علی فاسے ملنا نیند کریں گے؟ انہوں نے کہا کہ ہل! نسب اس نے انہیں ا ا سے کی جا زن دی اوروہ اندیہ داخل ہو گئے بس عباس شنے کہا:ا ہے امیرالمؤمنین!میہے اوراس *کے ربعنی علی خ* کے، درمیان فیصلہ کیجے۔نس بعفن ماعنرین نے کہاکہ ہاںا سےامپرالمؤمنینان بیں فیصلہ کیجئےا وران کا تناز مسر نتم کیجئے۔ مالکٹنم بن ا وس نے کہاکہمیرسے و ک می حیال آیا کہ ان دونوں نے اُس گروہ کو اسی عزمن کے لیے آ گے پھیجا تھا ، ىس خىنر*ت ئادىمىلىنى كە*؛ ئىم دونو ل مېلىرى مَىن كە د - بېردە أس گەدە كى طرف متوجە بېروسىنے ا وركھا : مىي تىمىي اس ا تىلىكى قىم د *سے کر بچھ*ٹنا ہوں حبی کیے اذن سے آسمانِ اورزئین قائم ہیں ،کیانم جا نتے ہوکہ رسول التّٰرصلی الدعلیہ وسلم نے فر تقاكه ممارنے تركے ميں ميراث نهيں ملئ ، حو كي سم هيوڙي وه صدقه اسے ، انهوں نے كهاكہ ما را بھرانهوں نے صفرت على اورعبار م كارت توحبكي اوركها: نبي تهدين اس التركة نام برملات دست كر بوجهتا مون عب كاذن سع أسمان ا ورزمین قائم میں، کیائم رونوں جانے ہوکہ دیتول النہ صلی التہ علبہ وسلم نے فرما یا تقابیم کسی کو وارث نہیں بناتے ہوہم یں وہ صد قرمے ان دوِنوں نے کہاکہ ہاں ! حضرت عرص نے کہاکہ التد تعاسط نے بعض خاص جنرول کے ما كقرا سنت رسول صلى الشُّرعليه وسلم كومحفعوص فرماً في نفاجس كيرماً فقركسي أور السال كومحفوص نهي كيا ؟ بس السُّلان ك سنة فرابا : الشرسنة بني رسول كوان سيرجو مال في ويا توتم سنة اس بير كھوڑے يا ونتو ل سے حله نهيں كيا بلكم الشراب ب كر دينا سيحا ورأ نتلد م حيزم يتا ورسيع - اورانترتعا لينسف اسينے دسول انتلاصلی انتلا علیہ وسلم کو بن نقنے کا مال فئ د یا تھا ، نس والٹرآٹ سنے آن ما لول میں کسی کوتم پر ترجیح نز دی اور متہیں اس میں سے دیئے بغير مالا كنوريز تنه كيا نقا- اور رسول الشرصلي الشه عليه وسلم اس مين سيدا يك سال كانترج ، يا يع ل كهو كه ابنا اورا بيني گھر والول کامیال ہرکا نورج سے بیتے تھے ا ورجو بچ جا تااسے دومرے اموال کی طرح ہوگوں کی مصلحت میں خرج والم تے تھے۔ پھر مصنرت ہوت آئے اُس گروہ کی طوف توجہ کی اور کہا کہ میں متہ ہیں اس الٹار کی حلف دے کہ سوال کرتا ہوں جس سکے اذن سصه سمان اورزمین قاعم ہیں، کدکمیا تم یہ بات جا سنتے ہو؟ امہوں سنے کہاکہ یا یہ اپھوانہوں نے محضرت علی اورعباس رصی انٹیجنہاکی طرف منہ کرکے کہا کہ میں تسہٰی اس انٹرکے نام کیملعت دے کرمیوا ل کرتا بہوں جس کے حکم سے آسمان اوددین . قائم مهرکه که با ت جانتے مهر؟ انهوں نے کهاکہ _{تا}ں ! بچرحبب دسول انتارصلی انتاء لیے وسلم کی وفات مہوئی **توابو کم درخی ا**لتا

جماں کک دور سے اشکال کاسوال ہے ، امام نووی نے ناصی عبام کی سے نقل کیا ہے کہ نقبول ما زری بیرالفاظ موسکم کی دوابیت میں آھے ہیں بظام حصرت عباس کی نان کے لائن رہ تھے کہوہ علی جیسے شخص کے متعلق انہیں ستعال کرتے ، مذخصرت علی ہم کا یہ مقام کھا کہ خط شخو ستہ ان میں یہ اوسا ن پائے مبا تے ہمیں بہ طم دیا گیا ہے کہ مسی ابر سے حسن طی دکھیں اور ہر تھم کے دوائل کی ان سے نئی کمیں دوابیت میں جب یہ الفاظ آکے ہم تو تا وہل کا داستہ جب الفاظ آکے ہمیں تو تا وہل کا داستہ جب الفاظ آکے ہمیں بھاں کون سام منسوب الفاظ آگئے ہمیں نظر تعمل میں منسوب کریں گئی ہمیں کے ۔ اس معنظ کے میش نظر تعمل میں نے اپنی کتاب کے نشخے سے ان الفاظ کو تھرج دیا کھا، شائیداس نے کریں گئی دیا ہے۔

يدمانا بوگاكروسم كسى راوى كاسيم.

سے فاص رہا تھا ، رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم کے بعد اس مالِ فئ میں جو مصد حنور صلی اللہ علیہ وسلم کے لیے ففوص عقا بعنی ہے ، اس کے متعلق علما ، کا ختلاف ہے کہ حضولا کے بعد اس کا مصرف کیا ہو گااور یہ کس کے قبضے ہیں دہے گا۔

امام شا فعی رم کے اس میں دو قول ہیں ایک بدکہ اسے اہم سے اہم ترمصا کے اسلام ومصا کے المسلمین میں صرف کیا جائے گا۔

سب سے پہلے قا بل جہا دوقال مردوں کو دیا جائے گا، ان کی صورت بورک ہونے بہ کھر دیگر مصا کے بہ صوف ہوگا۔

اور یہ کسی کے ملک میں نہیں رہ سکتا کیونکہ بیر رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم کی فضیلت و صوصیت بودی ہونے بہ جرد کرگر مصالے برصوف ہوگا۔

مصالے برصوف ہوگا۔ اور یہ کسی کے بلک میں نہیں دہ سکتا کیونکہ بیر رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم کی فسالمت و خصوصیت کھی جو بعد کے کسی شخص کے بلک میں نہیں ہوگا ولر دیگر ہر سے کہ یہ جا کہ ادر ساری کی ساری تجا مدیل اسلام کے فلاف میں بند و رسول اللہ صلی اللہ علی اللہ علیہ دسلم کے فلاف میں بند کر عب میں ہوگ رسول اللہ صلی اللہ علیہ دسلم کے فلاف میں بند کر برحا تھا ۔

میں اور اموال فی کا محصول کر عب و بہت کہ برحا تھا .

م ٢٩٧ - كَمَّا نَكُ عَجَمَّهُ بُنُ عُبَيْدٍ قَالَ الْعُكَمَّهُ بُنُ تُوْدِعَنْ مَعْمَرِ عَنِ النَّرُهُ مِن الْفَصَدِ قَالَ وَهُمَا يَعْنِي عَلِيًّا وَالْعَبَّ سَ النَّرُهُ مِن عَلَيْهُ وَالْعَبَّ الْمُنْ عَلِيًّا وَالْعَبَّ الْمَا يَعْنِي عَلِيًّا وَالْعَبَّ الْمَا يَعْنِي عَلِيًّا وَالْعَبَّ الْمَا يَعْنِي عَلِيًّا وَالْعَبَ اللهِ الْقِصَدِ قَالَ وَهُمَا يَعْنِي عَلِيًّا وَالْعَبَ الْمَا

يَغْنَصِمَانِ فِبْمَا أَفَاءَ اللهُ عَلَىٰ رَسُولِهِ صَلَّى اللهُ عَكَيْهِ وَسَلَّمَ مِنْ أَمْوَالِ بَنِي النَّفِيْرِ

فَالَ ٱبُوُدُ وَدَارًا دَانَ لَا يُونِعُ عَلَيْهِ إِسْمَ فَسْمٍ .

اسی گذشته صدیث میں مالکت بن اوس کی دوایت. ما لکت سے کہا کہ وہ دونوں بعین علی اور عباس اور ال بن نفیر میں تنا ذیح کر ہے تھے ہوکہ اللہ نے اپنے رسول صلی اللہ علیہ وسلم کو بطور فی دیئے تھے۔ ابودا ؤ دینے کہا کہ جھنرت عرص نے جا پاکہ ان اموال پرتقسیم کا نام نہ آنے بائے۔ رکیو کہ انتظام کی تقسیم بھی نفسفا نفسف مہو تی اور اس سے میراث کا تشابہ ہوسکتا تھا کیو ککہ بیٹی اور چیا کے حقیے میراث میں ہی ہوتے ہیں، کس آگے جل کر بدایک دہیل بن جاتی کہ حضرت عمر رصنی انٹریمنہ نے اس جائداد کو بطور مراث تقسیم کر دیا تھا .

٢٩٧٥. كَلَّانُكَا عُتُمَا ثُنَّ أَنِي شَيْبَةَ وَاحْمَدُ ثَنَ عَبُدَةَ لَا لَمُعُنَى اَتَّ سُفَيَاكَ مَنْ عَبُرَا وَبُنِ دِيْنَا بِرَا عَنِ النَّرُ هُرِي عَنْ مَالِكِ بُنِ اَوْسِ

بْسِ الْحُكُهُ فَالِ عَنُ عُكُمَ قَالَ كَانَتُ أَمُوالُ بَنِي النَّضِبُرِمَ أَفَاءَ اللهُ عَلَى رُسُولِهِ مِتَا

تَمُرُيُوجِ عِنِ الْمُسُلِمُونَ عَلَيْهِ بِجَيْرٍل وَكَارِكَابٍ كَانْتُ لِرَسُولِ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ

 وَسَتَمَخَالِصًا أَبُنْفِتُ عَلَى اَهْلِ كَبْيَتِهِ قَالَ (بُنُ عَبْمَاةً مُنْفِقَ عَلَى اَهْلِهِ فُوْتَ سَنَةٍ فَمَا بَقِي جُعَلَ فِي (نَكُواعِ وَعُدَّةٍ إِ

فِيْ سِينيلِ اللهِ قَالَ أَبْنُ عَبْكَالَا فِي أَنكُمُ اع وَالسِّلاحِ -

مالک بن اوس بن الحدثال نے جناب عرام سے دوامیت کی کہ انہوں نے فرایا: اموال بن نضیرا لٹدتھا لئے کی طون سے اپنے رسول صلی الشخلیہ وسلم کو دیئے ہوئے اموال فئی تھے جن پر مسلمانوں نے گھوڑے یا اونٹ نہیں دورا کا عضر بعنی صلہ کہ سکے بندے مقرب کئے تھے ہوئے اموال فئی تھے جن پر مسلمانوں نے گھوڑے یا اونٹ نہیں اپنے این خالص رسول الٹر مسلم سکے لیے سقے ، آپ انہیں اپنے این خال میں اسلی الٹر مسلم اسٹے ایم واقد دکھے بیٹے این عبدہ صنبی نے کہا کہ رسول الٹر مسلم الشرا وردیگر سامان مبلک کی خریدا وردیگر سامان مبلک کی خریدا وردستی میں صرف فرمانے تھے در بھاری مسلم، نسائی ۔)

٢٩٧٧ . حكا ثُنَّ أَمْسَ تَكَادُ نَا إِسُمِعِيمُ كُبُنُ إِبْرَاهِيْمُ آنَا أَبُّوبُ عَنِ الزَّهُمِ قِ فَالْ عَمَمُ وَ وَمَا آفَاءَ اللهُ عَلَى مُسُولِهِ مِنْهُ وُ فَسَا آوُجَفَيْمُ عَكَيْهِ مِنْ خَيْلِ تَوَلاِ رَكَابِ خَالَ عَمَمُ اللهُ عَلَيْهِ مِنْ خَيْلِ وَسَكَوَ خَاصَةٌ قُرَى عُكَدُينَ فَالْ وَكَالَ عُمُمُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَوْ خَاصَةٌ وَكَا وَكَالَ اللهُ عَلَى مَسُولِهِ مِنْ آهُلِ اللهُ عَلَيْهِ وَللهِ وَاللهِ وَاللهُ وَاللهِ وَاللهِ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهِ وَاللهُ وَاللهِ وَاللهِ وَاللهِ وَاللهِ وَاللهِ وَاللهِ وَاللهِ وَاللهُ وَاللهِ وَاللهُ وَاللهِ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهِ وَاللهُ وَا

خطابی نے کہاکہ نظا ہرنتانعی کا قول کا دت آبات کے نقطان فطرسے بڑا قوی نظر آتا ہے کیونکہ فی سے مصارف میں اور خص اور خمس سے مصارف میں با نکل ایک جیسے الفاظ آئے ہیں۔ لیکن مختصل القدر صحابی میں امام عادل میں اوران فسائل کے ملاک میں جو کسی اور کو نہیں سے ، بھر ٹافعی کے علاوہ سباہل نتوی نے نے حضرت عرصٰ کا قول ہی اختیار کیا ہے لہذا ہمتر میں سے کہ اس بار سے میں عرص کا قول اعلیٰ وارفع مان کراس کی میروی کی عبائے مرسول اللہ صلی النترعلیہ وسلم کا ارمثا و

صى سے كم :إن دوكى بيروى كروجوميرے بعد ميں الجو بكر وعمر رضى الترعنها .

مولانا کی نیاس قدین کی نترج میں ذما یا ہے کہ حضرت نمر رسنی التار عند نے اس میں بالیج آیات کا ذکر فرما یا ہے۔ پہلی آئیت کے اموال وہ ہیں جورسول التارسلی التار علیہ وسلم کے ساتھ محقوص تھے۔ دو سری آئیت میں رسول التار صلی التی علیہ وسلم کے ساتھ قرابت دار ، بیتا ہی مساکمیں اور ابن السبیل مجی مذکور ہیں : میسری آئیت میں جو کھیے مذکور ہے وہ مہا جرین کے لیے ہے۔ چومعی آئیت میں جو کچید فرما یا ہے وہ انصار کے لیے سے اور پانچویں آئیت میں ان لوگوں کا ذکر ہے جو جہا جرین وانصار کے بعد قبامت نک آئمیں گے۔ بس غلاموں کے سواان با پنچ آبات سنے کام مسلانوں ا احاطہ کر لیا ہے۔

٢٩٧٤ - كَلَّ نَكَ هِ شَامُرُنُ عَمَّامِ نَا حَاتِمُ ابْنُ اِسْمِيلُ حَوَّنَا سُلِمَانُ بُنُ الْمَا عَمَّا مِن الْمَا عَمُ الْمَانُ الْمَا الْمَا الْمَالُمِ الْمَالْمُ الْمُلْمُ الْمُلْمُ مُ كَلِّهُمُ مَعْنَ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الل

اَنَّهُ قَالَ كَانَتُ لِرَسُولِ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّو خَلْتُ صَفَايًا بَنُوا لِنَّضِيْرِ وَ خَيْبَرُ وَفَكَ لِكُ فَاكْمَا بَنُو النَّضِيْرِ فَكَا نَتْ حُبُسًا لِنَوَا مِبْهِ وَامَّا فَكَاكُ وَكَانَتُ حُبُسًا لِنَوَا مِبْهِ وَامَّا فَكَاكُ وَكَانَتُ حُبُسًا لِلَّهِ مَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ خَكَانَتُ حُبُسًا لِللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ خَكَانَتُ حُبُسًا لِللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ خَكُولُهُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ خَلَا اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ خَلَا اللهُ عَلَيْهُ اللهُ اللهِ عَلَيْهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ

مالک بن و ورن بن الحد نیان نے کہا کرحصرت عرر رمنی الٹیرع نہ نے جواستدلال فرما یا تقیا اس کا خلاصہ یہ سے کہ:رسوال نشر صلحا لتُدعليه وسلم كے ليے تين اموال محضوص تحقے، بتونفنبر، خيبراور ندك - بيران ميں سے بنواننفنبر تو بيش أمده حوادث شکے لیے کھا اورفدکت مسافر و ل سکے لیے تخصوص کھاا ورخیبر سکے دسول انٹرسلی انٹرعلیہ وسلم نے بمین تحقیر کئے تھے: دو محصے مسلما نوں کے درمیان تشیم کمہ دسیے تھے اورا یک دفتہ اسنے ابل وعیال کے انوا دبات کے لیے مخصوص رکھاتھا .اپنے اہل خانہ کے خرچ سے جو بچے رہتا تھا آپ اسے مفلس نہا جرین کودے دیتے سقے ۔ شیرح: سرزمین حیبر کے متعلق سن ابی وا وُدمی عنقریب ایک الگ مستقل باب آئے گا اس حدمیث میں یہ آبلے کہ حفورصلی *لٹرعلیہ وسلم نے خیبر کے نین حصنے کیئے ستھے تیا مسلمانوں کے لیے اور اُ*تہ اپنے اہ*ل وعی*ال کے لیے اُس سے پہلے مجمع بن جاریم کی مدمن گزر حکی سے حس میں گزرا کررسول الٹڑھ ملی الٹرعلیبہ وسلم سے خیبر سکے ۱۸ عنقے سکتے سقے مهارا تشکریزپرره سوکی تعداد میں تھا، اس میں سے بمن صد گھوڑ سوار تھے سواد کو دو حقتے اور میدل کو ایک مصطبطا فرمایا۔ اور باب حکم امن خیبرمیں ابن مرمن^کی حدیث میں سے کہ نصف خیبری کھج_ور سکے دو <u>حصتے کیئے</u> جا نے <u>تھا</u> وربول الترصلى الترعليه وكم اس سي مسيخمس ميت عقدا وراب كى برزوم كواسس سد كك صدوست كهجورا وربيس وسق بچ<u>ُ طل</u>ے ستھے اودسہلٰ بن ابی حتم^{رہ} کی حدیث میں سے کہرسول التٰہ صلی التٰہ علیہ وسلم سے ٹیربرکے دو حصے فرما سے ستھے ، یک حصر ہوا دن اور امنی صرور بات سے سلیے تھا۔ امنی صرور بات سے لیے تھا اوراکیر حصد مسلما نول ہر ۱۸ تھیںے کر سے نعتيم فرما با بقاء اور مشربي سيارى مديث بي آباب كنير كراب في المعتقد كف تقد ال بي سي نفعت لعنی ۱۸ تَو مسلمانوں کو با مَط دسینے اوراس میں دیگر جا ہرین کی ما مَن رسول التّرصلی التّر علیہ وسلم کا صفتہ بھی تھا۔ باقی ۱۸ متعقة أكي سنه توادث اور ضرور باب السائم كم سيني روك ركھ سقة .

مولانا هنے فرمایا کہ میرے نزدیک ان نمام احادیث کو پوں جمع کیاجا سکتاہے کہ دراصل نبی صلی اللہ علیہ وسلم نے کاخیر کو اس محصول میں تقسیم فرمایا تھا۔ مجران میں سے ابنیرین سایوا کی حدمیث کی روسے اُپ نے ۱۹ حصے مجا بیٹن میں تقسیم فرمائے مجوا ہل معدم بیرسے۔ اور فجع مین مجادیہ کی معدمیث میں ہجہ ۱۸ معصول کا ذکر اُ تاہیے ان سے مراد ہی ۱۸ حصے میں جو مجا ہدین نویبر میں تقسیم ہوئے تھے ۱۰ بن عمران کی معدمیث میں ہجہ حصنور صلی اللہ علیہ وسلم سے خمس صل کرنے اور میرزوج ہم مکر مرکو نفلۃ و سنے کا ذکر اُ یا ہے اس سعدم اداس نصف کا خمس ہے جسے دسول الٹرصلی الٹر علیہ وسلم نے حوا د ث

ئے لیے مخصوص قرما دیا بھا،اوروہ نصف ما بچ **حصول ب**ریقتیم ہوتا تھا مبس کا ذکرا*س ہیت میں ہے*، ومیک اً فَأَكْرُ اللَّهُ عَلَىٰ دَسُوْ لِهِ مِنْ أَهْلِ اللَّهُ مَىٰ آلْحُ ۔اور مالکٹ بن اوس بن الحدثان کی مدسٹ میں جو تعین حصوں کا ذکر آ پاسیے کہ د و حصے مسلمانوں کے درمیان تقسیم فراسٹے اورا کیک اپنے سلے رکھا، سواس سے مرا دغا لگا یہ سیے کہ آ ہے میں رراصل تویا نج مصعیم رکبونکه الله ورسول کا حصرایک می سید ، گریطان رجع مصعیم بن الله کا محصر رسول کا حصر ذى القرالي كاحقته، تيا في كاحقته مساكين كا عقته إورابن السبيل كاحقته يسيان دواجزادسي مراد ، جوحفور سن مسلما نوں کے میے رکھے تھے، ذی القرقی، تاتی مساکین اور ابن انسبیل کے بیصے ہیں۔ اور بالفاظ ظاہرہ باقی دو <u> حصتے د</u>سبے بعنی الٹنرکا حسمتہا وردسول کا مصنۃ ۔ بیرد ونول <u>حصتے کل ح</u>یے کا تبیہ اِرصتہ کہیں ۔ آور بیھسیے خیریکےاس نصعت کی تقی جسے رسول النٹر مسلی التہ علیہ وسلم نے اپنے نوائب وجوا دے کے سیے الگ کرتے رکھا تھا۔ والنّداعكم۔ ١٩٩٨ - كَلَّا نَتُنَا يَرِبُ مُنْ خَالِدِ بْنِ عَبْدِ اللهِ بْنِ مُوْهَيِبِ الْهَمْ مَا إِنَّ ثَا اللَّهُ شُكُ بُنَّ سَعُدٍ عَنْ مُعَقَّبُلِ بُنِ خَالِدٍ عَنِ ابْنِ شِهَارِبِ عَنْ مُعْرَوَةً بَنِ النَّرَبُ بُرِعَنُ عَامِّنْتَذَزُوْجِ النَّبِي صَلَّى اللهُ عَكَيْهِ وَسَلَّرَ ٱنَّهَا ٱخْبَرَتُهُ ٱنَّ فَاطِمَنَهُ بِنُتَ مَ سُولِ الله حَمِلَى اللهُ عَكِيْمِ وَسَلَّمُ ٱرْسَلَتُ إِلَى إَنْ بَكْرِ الصِّتِدُيْنِ تَسَأَلُهُ مِيْراتُهَا مِنْ رُسُولِ اللهِ صَلَّى اللهُ عَكَيْبِ وَسَكَّومِتِهَا أَفَاءُ اللهُ عَكَيْهِ بِالْمُدَرِ بَنَهُ وَفَكَاكَ وَصَا يَفِي مِنْ خُمُسِ خَيْبَرُفَقَالَ أَبُوبَكُرِياتَ رُسُولِ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحَ خَالَ كَانُوْرَاتُ مَا تَرَكُنَا صَكَافَئُما إِنْتَهَا بَأْ كُلُ الْ مُحَتِّدِ مِنْ هُذَا الْمَالِ وَ إِنَّى وَاللَّهِ لَا أُغَرِّبُ لَتُنْيَّامِنْ صَدَ قَنْهِ رَسُولِ اللهِ صَنَّى اللهُ عَلَيْسِ وَسَتَّعَ عَنْ حَالِهَا الَّيْيُ كَانَتُ عَلَيْهَا فِي حَهْدِ رَسُولِ اللّهِ صَلَّى اللّهُ عَكِيْمِ وَسَتَّمَ فَكَ عُمَانَ فِيهَا بِمَا عَبِلَ بِهِ رَسُولُ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَكَيْهِ وَسَلَّمَ فَأَنِى ٱبُوْرَكُمِ إِنَّ مَيْنَا فَسَعَ إِلَّى فَاطِمُهُ مِنْهَا شَيْئًا. منبي صلى التشعليدوسلم كي زوم بم معلم وعا كمنشدوضى الشيخهماسنے عروجٌ بن زبيركو تبتا يا كەرسول التسمسلى الشرعليد وسلم كى

منی صلی الشعلیہ وسلم کی زوم بُرمطہرہ عاکمشہر وسلی الشیخ ہانے عروق بن زبر کو بتا یا کہ دسول الشدسلی الشرعلیہ وسلم کی بیٹی فاظمہر وسلم کی طرف سے اپنی ورا ترب ہیٹی فاظمہر و منی الشیخ ہانے و ما ترب کی الشیخ ہیں ایٹ کے در سے اللہ کی الشیخ ہیں ایٹ کو دیا تھا اور فدر کے اور خیبر کے حس سے جو بائی رہا تھا اس کے ملب کی ہیہ وہ مال فی تھا ہوا لٹر تعالی سنے مدینے میں آئٹ کو دیا تھا اور فدر کے اور خیبر کے حس سے جو بائی رہا تھا ہیں الدیکر رصنی الشیخ ہیں تا میں مجھے والم المیں الدیکر رصنی الشیخ ہوتے والے میں التی میں مالی کہ در مول الشیخ میں الشیخ ہیں ہوتے ہوتے والی تھا : ہما داکوئی وا در ث نہیں ہوتا ، ہم جو جے والم المیں اللہ علیہ وسلم سنے قرایا تھا : ہما داکوئی وا در ث نہیں ہوتا ، ہم جو جے والم المیں اللہ علیہ وسلم سنے قرایا تھا : ہما داکوئی وا در ث نہیں ہوتا ، ہم جو جے دام اللہ میں اللہ علیہ وسلم سنے قرایا تھا : ہما داکوئی وا در ث نہیں ہوتا ، ہم جو جے دام اللہ علیہ وسلم سنے قرایا تھا : ہما داکوئی وا در ث

وه صدقهم اس مال مي سے اک محدر مون کھاسکتی سے، اور میں والتدر سول التدصلی التدعلیہ وسلم سے صعب قے سے کوئی

٢٩٧٩ . حَكَا نَكُ عَهُمُ وَبُنَ عُهُمَانَ الْحِمْحِ يُنَ عَالْمَنَ الْأَبِهُ الْفَيْنَ الْعُيَّبُ بُنُ الْمُعَلِمُ الْمُعَلِمُ الْمُعَلِمُ الْمُعَلِمُ الْمُعَلِمُ الْمُعَلِمُ الْمُعَلِمُ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ اللَّهُ اللللَّهُ اللَّهُ الللللَّهُ الللللْهُ اللَّهُ اللَّهُ الللللِهُ الللللْهُ اللللْهُ اللللْهُ اللللْهُ الللللْهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللللْهُ الللللْهُ اللَّهُ اللللْهُ اللللْهُ اللَّهُ اللللْهُ اللَّهُ اللْهُ اللَّهُ الللللْهُ اللللْهُ اللللْهُ الللللْهُ الللللْل

عروه بن زبیر نے کہا کرنبی صلی السّرعلیہ وسلم کی نروم بر مُرتم عالمُتُند شنے اسے گزشتہ حدیث کے متعلق بنا باعوه نے کہاکہ فاطمہ رضی السّرعنہا رسولی السّرصلی علیہ وسلم کا صدقہ طلب کرتی تنسی جو مدینہ میں تقاا ورفدک اور نویر کانمس جو باقی تھا العینی ان میں سے وہ اپنی میراث کے بقد رطلب کرنی تقیمی ، عالمُشہ رضی السّرعنہا نے فرمایاکہ اس برابو بکر صدیق رضی السّری منہ نے فرمایا کہ دسول السّر علیہ وسلم نے فرمایا ہے: سم کسی کو وارث نہیں کوتے ، جو کچر ہم جھول ہیں وہ صدقہ

سے ۱ درآل محمد صرف اس مال میں سے کھا سکتی ہے ، تعنی السّٰد کے مال میں سے وہ کھانے بینے کی صرودت سے زائداس میں سے نسیں لے سکتے ربعیٰ زندگی کے مبائز انواحات و نفقات حضورؓ کی حمیں میات اور بعد میں عمی المبح راس مال میں اسے سے بے سکتے ہیں ۔ آلِ حجد میں بدرجۂ اولی سب سے پہلے ان وارجؓ اُتی ہیں اور حصنورؓ زندگی میں ممی النمی کا نفقہ اول

اَبُرَاهِ يُهُونُ بِعَغُونُ بِعَنَى حَبَّاجُ بُنُ إِنَّ يَعْفُوبَ حَكَّاثُنِي يَعْفُونُ يَعْنَى ا بُنَ اِبُرَاهِ يُهُونُ سَعْبِ حَلَّاتُ فِي اَفِي عَنْ صَالِحٍ عَنِ ابْنِ شِهَا بِ اَخْبَرَنِي عُرُوةً اَنَّ عَالِمَنْ لَهُ الْحُبَرُنَ لُهُ بِهٰ لَمَا الْحُدِ يُخِ خَالَ فِيهُ فَا فَا الْبُوبُ كُرِ عَبْهُ الْحَلَى وَقَالَ لَا لَهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّى اللَّهُ عَلَيْهُ وَسَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّى اللَّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّى اللَّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّى اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللَّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللَّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ وَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ

لِحُقُوقِهِ الَّانِي تَعْرُوهُ وَنَوامِيهِ وَأَمْرُهُمَا إِلَّا مَنْ وَلِي الْكَمَرَ فَالَ فَهُمَا عَطْ

لخلِكَ إِلَى الْيَوْمِرِـ

١٩٤١. كَلَّانُكُ الْحُكَمَّدُهُ ثُنَّ عُبَبْدٍ نَا أَبُنَ نَوْدِعَنَ مَعْسَمِ عَنِ الزَّهُ رَيِ الْمُصَرِي فِي فِي قَوْلِهِ فَهَا اَوْجَفُنْهُ عَكِيْهِ مِنْ خَيْلٍ وَلَارِكَابٍ قَالَ صَالِحَ النَّبِي عَسلَى

<u>ම් විට වර්ව විට වර්ව වර විට වර්ග වර්ව වර්ව වර්ව වර්ව විට වර්ව විට වර්ව විට වර්ව විට වර්ව විට වර්ව වර්ව වර්ව වි</u>

اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ اهُلُ فَكَ الْحَدُّى فَكَ اسْتَمَاهَا لَا احْفَظُهَا وَهُوكُمَا حِثَرَقُومًا الْحَدُنِيَ فَارْسَكُوْ الْمَيْهِ الصَّلَةِ فَالْ فَمَا اَوْجَفُنْ وَعَلَيْهِ مِنُ خَبْلِ وَلَارِكَالِهِ الْخُدِيْنَ فَارُسَكُوْ الْمَيْهِ الصَّلَةِ فَالْ فَمَا اَوْجَفُنْ وَعَلَيْهِ مِنُ خَبْلِ وَلَارِكَالِهِ يَعْفُولُ اللّهُ عَلَيْهِ مِنْ خَبْلِ وَكَانِتُ بَنُوالتَّخِيْرِ النَّيِّ صَلّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ خَالِمُنَا لَيْ اللّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمَ اللّهُ عَلَيْهُ وَسَلّمَ اللّهُ عَلَيْهِ وَسَلّمَ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ اللللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللللّهُ الللّهُ الللّهُ الللللّهُ اللّهُ الللللّهُ الللهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ

معمر بنے زہری سے الشریعالیٰ کے اس ارسٹاد کے ہارے میں کر؛ بس نتم نے اس پر گھوٹر ہے اورا وزیل نہیں دوڑا گئے دا کحنٹرہ، روابیت کی ۔ زہری نےکہاک نبی صلی الٹخلیہ وسلم نے اہل فدکت سنے اورکچھا وربستیوں والوں سے مصیا لحت کی دمشلاً عممینے کم بستی، زہری سنے ان کا نام لیابھا گرمترکستا سے کہ تجھے یا دہنیں ہیا،اور آپ آیپ اور فوم کا محاصرہ سکئے سوئے تھے، میں انہوں کے آپ کوصلح کاپیغام تھیجا الندتعا لیسنے فرما باکہ: میں تم نے ال پرند گھوڑے ووڑا ہے اور ں اوسے فرما تا سبے کہ وہ با تنال فتیح بھوسئے س<u>تھے ۔ زہری سنے کہا کہ بنو تق</u>نیر کا مال خاکھتہ دسول انٹرصلی انٹرعلیہ وسل رليه تقا مسكمانول سنےاستے ہ ورششت فرخے مذکریا ملکہ صلح رہ فتح کیا تھا، نس نبی صلی التُدعِلیہ وسلم نے اسے جہا جرین ۔ درمیان تعتیم کردیا .ا نصارکوس س سیعے کچے منردیا سوائے دو آدمیوں کے جوصرورین مندیکھے دان کا نام معلوم نہیں ہوسکا **شریح : بقولُ امام لؤوی قاضی عیان سنے رسول النّد صلی اللّه علیہ وسلم کے صدقات یمن کا ذکر ال احادیث میں آ باسٹنے** ان کی تغنیبہ پیر ران کی ہے *کہ رسو*ل ایٹام میلی الٹام کیہ پر ام اس میں اگر لقوں <u>سے سلے تھے</u>: را) جنگ آحکمیس نخر لقا یہودی اسلام لا یا اودا زروسے وصیت اس نے اپنے اموال کا بمب رسوک التیصلی الت*اعلیہ وسلم سکے نام پرکر دیا* تھا وريه بني تقنير من سات باع يخفيه اورانصا رنے اپني وه نه من جسس باني نه پینجنا بھاوه دمول الله ؟ ىلى الت*ترغلي*، وسلم كى ملكيت م*ى تفنس درم) جب بنى نصنير ح*لا وطن **بوس**ط تومال_ي سے زمین جو آپ کا حصہ بقایہ خاصتہ آٹ کیے۔لیے تھی کیونکہ بیر ہز و رشمسٹیہ 'فتح نہ ہو کی کتی۔ مبی نضیرا نی منقولہ **حائداد کوسمقیار دن کےمیوا ُ ظاکر لے گئے تھے، جو کھ دہ یہ بے بیا سکتے تھے اسع رسول انٹیصلی انٹیعلیہ وسلم نےمسلا** نسم کمه د ما مقامگه زمین خالعتهٔ آب کی می تقی، مگر حصنور است میجاد یث ونوامش میں اورمسلمانوں کی ضرورہات اس ے کستھے ۔اسی طرح *مرز* بین ف*لاکسٹ* کا نشیف متعترض *میرحفنویسنے* ان لوگول سے ممنیا کحنت فرمائی کھی، پیرخالف *نڈاٹی* ک تھاًا ورخبتبر کی فتح کے بعد ریاصلیاً اُپ کو ملا تھا۔اسی طرح وادی اُلفریٰ کی زمین کاایک ٹلٹ یہ ،بیرنگی اُپ نے میود لو س مصالحت ُمرَکے حاصل کیا بھا اورخالف ﷺ آئپ کا ہی تھا ۔اس طرح تُحِرِکے فلعوں میں سے و مکتے ہورسلا کم نا می دو فلعے جوصلیًا آپ کے قبضے میں آئے سے (m) خیر رکے نلٹ میں سے آپ کا حدثہ اور اسی طرح جننے تلعے اور علائے اور نرمنیں وہاں کی بنروزِشمشیر فتح محکمیں ان میںستے آپ کا حضہ ان میں سے کسی حیز میں رسوک انٹدمسلی انٹرعلبہ وسلم کے علاوه کسی کاکوئی حق درمقیا، نگردسول التلهملی السُّرعلیه وسلم ان حا ثدادوں کواسل م ا درا بل اسلام کی صرور بایت وجاجات

io para proportina de la compacta del compacta de la compacta del compacta de la compacta del la compacta de la

ا ورعام م صالح سی صرف فرماتے سقے اور حستورٌ صلی الشرعلیہ وسلم کے بعد بیرصد قات کسی کی ملک سی نہیں مباسکتے وضا مبا نے کہت مک صیحے عمل در آمدر ہا اورکس وقت ان سب کی اصلی حیثیت بدل گئی ۔

عمربن عبدالعزید حب ملیفه بوسے توانهول نے بنی مروان کوجع کیا اور کہا: رسول الترصلی الترعلیہ و سلم کے پاس فدک تھا، بن آپ اس میں سے خرج کہ تے عقد اور اس کے ذریعے سے بنی ہاشم کے بچوں کی تورت کرتے عقد اور اس کے ذریعے سے بنی ہاشم کے بچوں کی تورت کرتے ہے، ب فاوند عورت کا لکاح کرتے تھے۔ اور فاطریخ نے آپ سے سوال کیا تفاکۃ حفورا این داہ پر تشریف ہے۔ اور فاطریخ نے آپ سے سوال کیا تفاکۃ حفورا اپنی داہ پر تشریف ہے۔ گئے۔ اور فاطریخ نے اس میں اسی طرح عمل کیا جس طرح کہ رسول الترصلی الترعین ملاح علی ہورہ ب عروضی الترعین خلیف ہورہ بے بھر حروان سے اس میں اسی طرح عمل کے بھر مروان نے اسے اپنی واہ میل وسیعے بھر حرب عروضی الترعین والی ہوئے کے اس میں اسی طرح عمل کئے۔ بھر مروان نے اسے اپنی جاگئے بنا لیا، بھر ہے عراح کیا جس طرح بیلے دو حضرات نے کیا تھا ہے گئے۔ بھر مروان نے اسے اپنی جاگئے بنا لیا، بھر ہے عراح کیا کہ بی عرب العزیز کے قبضے میں آیا تو عرص بی عبدالعزیز نے کہ تعلیہ وسلم نے داخل کے دیور میں بنا اس میں کہ دیا تھا ہوں کہ میں الترمیل واٹ می ہوں کہ میں الترمیل والتی ہوں کہ میں والیس بھیر دیا ہے حب میں بیں بیرسول الترمیل الترمیل والت عرب میں ہوں کہ میں مقا۔ اسی صور سے بیل والی میں والیس بھیر دیا ہے حب میں بیرسول الترمیل الترمیل والترمیل میں مقا۔ اسی صور سے میں والیس بھیر دیا ہے حب میں بیرسول الترمیل والترمیل والی عہدمیں تھا۔

ابودا فرد نے کہا کر حب عمر میں عبدالعزئر خلیفہ ہوئے توان کی آمدنی کپالس مزار دینا دیتی ، اور جب و فات باتی توکل آمدنی حپار سودینا رحتی اوراگروہ نه زندہ رستے تو آمدنی اور گھٹ جاتی ۔

٣ ٧ ٢ حَتَّى ثَنْكَ عُنْمَانُ بُنُ آنِي شَيْبَةً نَا مُعَمَّدُهُ بُنُ الْفُصَيْلِ عَنِ الْوَلِيْدِ

بُنِ جَمِيْعِ عَنُ أَبِى الطَّفَيُلِ فَالْ جَاءَتُ فَاظِمَهُ إِلَىٰ آبِى بَكُرِرَتَ طُلُبُ مِيْرَا تَهَا مِنَ النَّبِي صَلَّى اللهُ عَبَبُهِ وَسَلَّوَ فَالَ فَقَالَ ٱبُوْ مَكْبِرِ سَمِعُتُ رَسُولَ اللهِ صَلَّى اللهُ

عَكَيْهِ وَسَلَّمَ يَقُولُ إِنَّ اللَّهَ إِذَا ٱ طُعَمَ نِبِيًّا طُعُمَةً فَهَى لِلَّذِي يَقُومُ مِن بَعْدِهِ.

ابوالطفیل افنے کہاکہ فاطمہ رضی التُرعنها حضرت ابو مکر رضی التُرعنہ کے پاس نبی صلی التُرعلیہ وسلم کی واقعت آئی مرات طلب کر نے کئیں ابوالطفیل کہتے ہیں کرنس ابو مکر صدیق مضی التُّرتعا لی عنہ نے فرما یا: میں نے رسول التُّر صلے التُرعلیٰ ہوسکم کو ریر فرما سے کے کنا تھا کہ: التُرعز و مبل جب کسی نبی کوکوئی لقمہ کھلاسے تو وہ اس کا ہے ہواس کے

بعد قائمُ مقام ہو۔

منت ہے: کیدوہ فردیٹ سے جس کا حوالہ گزشتہ مدیث کی شرح میں گزدائے کواس سے غالبًا حضرت عثمان رصی اللیجنہ نے است لال کر ہتے ہوئے ندک کی آمدتی اللیجا ہے است لال کر ہتے ہوئے ندک کی آمدتی اللیجا ہے کہ تھی مگر مروان نے اسے اپنی خالص حاکم بنا لیا تھا اِس مدیث کا مطلب بھی اس کے سوااور کچھ نہیں ہے کہ حصنور کے بعد قائم بالا مرجو لوگ مہوں گئے وہ اس فرح تصرف و مملد دامد کریں گئے جس طرح کر حصنور نے کہا تھا ۔ بھی خلف کے داشدین کی سنت سے ۔

سه وم مرح مَن آبِي هُمَ اللهِ مِن مَسُلَمَة عَن مَالِكِ عَنْ آبِي السِّرِتَ اللهِ عَنْ أَبِي السِّرِتَ اللهُ عَلَىٰ اللهُ اللهُ عَلَىٰ اللهُ اللهُ عَلَىٰ اللهُه

الوسرىية فننفروايت كى كرنبى ملى التُدعِليه وسلم في فرمايا بمير سے دارت دينا د تعتبيم مزكمه ي گے ، حو كچومي اپني بيولوں

عظم میں ہے۔ اور میں کا نفظ بھی ہے البودا وُد نے کہا کہ حضور کے ادشاد: مُوَّمَنَةُ عَامَلُی کامطلب زیمن کے کارکن پرکا خت کار اور من دور میں میں میں میں میں میں البودا وُد نے کہا کہ حضور کے ادشاد: مُوَّمِنَةُ عَامَلِی کامطلب زیمن کے کارکن پرکا خت کار

ا *ورمز دور ہی*

شی ح َ: رمّیان بن عبینہ نے کہاکہ دسول التٰرصلی التٰرعلیہ وسلم کی ازواج مطہات کا کسی اُمّتی سے نکاح محصنورصلی التٰرولیہ وسلم کے بعد بھی حرام سے لب معتدّات و عدّت گذار نے والیاں ہن لہذا زندگی تعبراُن کا نفخہ وا جب ہوا ، اوری مل سے مرا و آٹ کا قائم مقام بھی ہے کہ وہ اس جا کہ اد میں سے کھا سکتا ہے ۔

١٩٤٨ كَانَ مُورُونِ نَا شُعُبَنَهُ عَنُى عَنُى وَيُونَ اَنْ اللهُ عَنَى عَنِي وَيُونَ عَنَى اللهُ عَنَى الْمَخْتَرِي فَالْسَعُنَ الْمَنْ اللهُ عَنَى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَى اللهُ عَنَى اللهُ عَنْ اللهُ عَلْهُ اللهُ عَلَيْهُ عَلْهُ اللهُ عَلْهُ اللهُ عَلْهُ اللهُ عَلْهُ اللهُ عَلْهُ عَلْهُ اللهُ عَلْهُ اللهُ عَلْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلْهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلْهُ اللهُ عَلْهُ اللهُ عَلْهُ اللهُ عَلْهُ اللهُ عَلْهُ اللهُ اللهُ عَلْهُ الله

یہ فرما تے نہ شنا تھا کہ بہما راکوئی وارٹ نہیں ہوتا ہم جو جھیو طرح ائیں تو وہ صدقہ ہے۔ اور بیرمال تو الرخی کے سیے ان محصوات و نوائٹ اور نہما نول کے ان محصورت میں میرے قائم نقام ہے سوروگا ونوائٹ اور نہما نوں کے بیے ہے ، مھر حب میں وفات پا جاؤئی توریال میرے بعد حکومت میں میرے قائم نقام ہے سوروگا رحد میٹ نمبر ۲۹۷ کے انٹمری الفاظ محی انہی الفاظ سے طبعہ جلتے ہیں سنی الی داؤد کے ایک نینے کی عبارت و یوں سے کہ: جب میں دنیا سے گزرجاؤں تو یہ مال اس کے میر د موگا ، جو ممرے بعد اس امر حکومت کا متو کی بنے گا ا

بَاسِ فِي بِيَانِ مُواطِيعٍ فَسُمِ الْخُمْسِ وَسَهُم ذِي الْفَرْبِي

اب خُس كى نقتيم كے مواضع اور قرابت داروں كا حصته

٢٩٤٨ - كَالْ اللّهِ عَلَى اللّهِ عَنْ اللّهِ اللّهِ اللهِ عَنْ اللهِ اللّهِ اللّهِ عَنْ عَبْدُاللّهِ اللّهُ اللّهِ عَنْ اللهُ عَنْ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَ

جیر بن مطعر نے خبر دی کہ وہ اور صفرت بناگ بن عفان رسول الٹرصلی الشدعلیہ وسلم سے حمس سے بارے میں بات جیبت کرنے کو اُئے جو اَلی نے بنی ہائتم اور بنی المطلک میں بات جیبت کرنے کو اُئے جو اَلی نے بنی ہائتم اور بنی المطلک بنی بھی تقسیم کیا اور بنی المجددیا مصلا ٹکر ہماری قرابت اور اُن کی قرابت آ ہے سے ایک ہمار سے ایک ایک میں انسان کو جس ایک ہمارے کو ایک انسان کو ایک ایک ہمارے کو ایک کے دیکر کا اور ایک کو ایک کو ایک کا اور ایک کو ایک کے دیر دیا مصلا ٹکر ہماری قرابت اور اُن کی قرابت آ ہے سے ایک ہمارے کو اُسٹ کا کہ کا کہ کا کہ کو اُسٹ کی کہا کہ کو اُسٹ کو اُسٹ کو اُسٹ کو اُسٹ کے اُسٹ کو اُسٹ

جبیبی ہے ۔بس نبیصلی انٹرعلیہ وسلم نے قرما با: سے ٹنگ بنویا شم ا ورسنو المطلب ایک ہی *جنوب پیشرنے کہا* ک حضعو ليسنء بن عبد شمس كوا وربني نوفل وحمس تقسيم بنه ذما يا حبيبا كركبني بالتقم ا وربني المطلب كوتفشيم فرمايا مخفا- زهرى سن نے کہاا ورا بو بکریرضی انٹاریمن جمس کواسی طرح تقسیم کمہ نے ستھے حب طرح کردسول انٹرمسلی انٹریملبہ وسل مكن وه رسول الترصلي الشعلب وسلم كے قرابت داروں كوده كي منرسيق عقى بوخود نبى صلى التُرعليدوسلم د زہری نے کہاا ورعمر بن الخطائ انہ کی خس میں سے دیتے تھے اور ان کے بعد عثمان بھی ر بخاری نساتی ابن ماحر ، شرح: عبدمناف کے حاربیٹے حقے: ہانٹم،مطل*ک، معبد مشمی، نوفل حب کفار قریش نے دسو*ل انٹرصلیا لٹیمل وسلم کی بمداورسے باعث بنی آشم کا مقاطعہ کیا اوروہ ایک گھا ٹی میں بنا ہ گیر ہونے پر محبور کہو گئے تو بنی المطلک بھی بخیا کے سابھ ایسبلے۔اُدھر بنی نوقل اور منی عبد شمس نے کفار قرلیش کا سابھ دیا تھا۔ پہاں سے دو دو بھا ٹیوں کیا ولا مہ میں ایک قسم کالسمجھ یة مروگیا بخطآتی نے کھواہے کہ زیا نؤ ما بلیت میں بنی ہا شیما ور بنی مطلب میں ملف تقیاس سیسے صنور کے نے ادشا و فرما باکہ مبنو ہا تھم اور مبنوم ملکب ای*ک ہی جیزیں ،* اس روایت کے علاوہ دوسری روا باسندیں پہ لفظ ہیں: ہم زم! ملیت کے دور ہیں جدا ہوئے نذا سلام میں ۔ تیخی مت معین نے شنی واحمد کوشیئی وا *مداسین کے* ىمائ*ىردوايت كما سىمے بى*يئى كامعنى سىمث*ل، بايم*ە، بذاشيى منساقىعنى يېچىزاس كىنظىر ورمشلىسە . اس دوایت من سے کہ حدرت الو بکرینا ب رسول الشرصلی التاز علیہ وسلم کے قر ابتدار و رس کووہ کھرمز دیتے تھے سوحفورعطا، فرما باکرتے شخے لیکن لفکول حطآتی دوسری رواست ہیں حفرت الویکر دامنی انٹریحنہ کے عطا، کرنے کا ذکر موجود ہے بس ابو داؤد گیا*س روایت کامطلب ماتو پرہے کہ حضرت* الو*یکرٹ^نا نہیں اُس قدر نہ دیتے تقصے حبتنا کہ حضور عنایت فواتے* ہے اور بایدکہ وہ لوگ اس زمانے میں عنی ہوئے۔ مقے اس سیے صفرت ابو مکمہ صدیق دھنی الٹرعنہ انہمیں باسکل مذو سینے تھے، مگران کے بعد معدارت عمروعثمان دفنی الله عنها نے انہ می عطاء کیا مزید سحت اس میرا کے آ دہی ہے۔ 9>9- حكَّا نَتُ عَبَيْلُاللِّهِ بُنُ عُهُمُ نَاعُتُمَانُ بُنُ عَهُمُ نَاعُتُمَانُ بُنُ عَهُمَ فَالْ اَخْبَرِنِي بُونِسُ عَنِ الذَّهِنِي عَنْ سَعِيْدِ بُنِ الْمُسُبَّكِبِ كَالَ نَاجُبُ بُرُبُنُ مُطْحِعِرَاتٌ رَسُولَ اللهِ صَسكَى اللَّهُ عَكَبُهُ مِا وَسَلُّوَكُوْرِ يَقِيْسِهُ لَيِنِي عَبُمِا سَنَّهُسِ وَلَا لِبَنِيْ نَوْفَ إِل مِنَ الْخُمُسِي شَيْئَاكَمَافَسَرَلِبَنِي هَا شِهِر وَبَنِي الْمُطَّلِبِ فَالَ وَكَانَ ٱبُوبَكِ رِيُقَسِّمُ الخُكْسَ نَحُوقَسُو رَسُولِ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ غَيْراً ثَنَّهُ تَحُرَبَكُن يَعُطِى قَى ُدِئِ مَ سُولِ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْتِ وَسَلَّحَ كَتَ كَانَ يُعْطِبُهِ هُرِمَ سُولُ اللهِ صَلَّى الله عكيث مِن وسَلَّمَ وكان عَهُم يُعْطِيهِ وَوَكُن كَانَ بَعْنَا لَا مِنْكَ .

معیدین المسیری نے کہاکہ رسول انٹرصلی لٹمطیبہ وسلم نے بی عبرشمس اور بنی نوفل کے کیے شمس میں سے کھیے

مجی تقبیم ندکیا حب طرح که بنی مانتم آور بنی مطلب کے سیائے تقسیم فرمائے سفے۔ زمری نے کہا کہ حدزت ابو کم رینی اسٹر عند خمس کوامس طرح تقبیم کمرتے سفے جس طرح کہ جناب رسول الٹٹرنسلی الٹڑلیہ وسلم تقسیم فرمائے سفے لیکن وہ دسول الٹروسلی علیہ وسلم سے فرا بتداروں کو اس طرح عطا مذکرتے ہے جس طرح کہ دسول الٹرنسلی الٹرعلیہ وسلم عطا فرماتے سفے اورونسرت عمران اور ان کے بعد سکے خلفاء تھی انہ مس عطاء کرتے ہتے ۔

٧٩٨٠ حَكَ النَّاهُمِ تَكَ الْمُسَنَّدُ الْمُسَنَّدُ الْمُسَنِّ الْمُعَنَّ الْمُحَمَّدِ السَّحَانَ عَنِ النَّرُهُ اِ عَنَ المُحَمِّدِ الْمُسَكِّدِ النَّهُ اللَّهُ عَلَى النَّرُ الْمُسَكِّدِ وَالْمُسَكِّدِ الْمُصَلِّدِ الْمُسَكِّدِ اللَّهُ عَلَيْدِ وَسَلَى اللَّهُ عَلَيْدِ وَسَلَّمَ اللَّهُ عَلَيْدِ وَسَلَّمَ اللَّهُ عَلَيْدِ وَسَلَّمَ اللَّهُ عَلَيْدِ وَاللَّهُ وَالْمُوالِمُ وَاللَّهُ وَالْمُوالِمُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَالْمُوالِمُ اللْمُوالِمُ الللْمُ اللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَالْمُواللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَالْمُلْمُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَالْمُؤْمِنِ وَالْمُلْمُ وَالْمُلِمُ وَاللَّهُ وَاللْمُوالِمُ وَالْمُوالِمُ وَالْمُوالِمُ وَاللَّهُ وَالْمُل

وَتَرَكِ بِينِي نَوْفَيلِ وَبِنِي عَبْلِ الشَّمْسِ فَأَنْطَلُقْتُ إِنَا وَعُتَمَانُ بَنُ عَفَانَ حَتَّى

ٱنْبُنَا النَّبِى صَلَى اللهُ عَلَيْ مِا وَسَلَّوَ فِقُلْنَا بَارُسُولَ اللهِ هُؤُلَاءِ بَنُوُهَا اللهِ عَلَى مُشْكِرٌ فَضْلَهُ ثُمْ الْمُدُوّضِعِ الَّذِي وَضَعَكَ اللهُ يَهِ مِنْهُمُ وَفَهَا بَالُ إِنْحُوا نِنَا بَنِي ٱلْمُطَلِب

اَعْطَيْتُكُمْ وَتَرَكْتَنَا وَفِيراً بَنْنَا وَاحِدَاتُهُ فَقَالَ رَسُولُ اللهِ عَسكَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ إِنَّا وَبَنِي

ٱلمُكَّلِبُ لَانَفَتَرِنُ فِي جَاهِلِبَةٍ وَلا إِسْلامٍ وَإِنتَا نَحُنُ وَهُمُ شَيْئٌ وَاحِدًا وَشَبك

بُبُنَ اَصَابِعِهِ عَلَيْهِ السَّلَامُ .

سنی سے: مولان المافر بائے بیں کہ اس سلامی حنفیہ کا مسلک بقول ساحب، ہدایہ ہے کہ خُس کے بین عظیم ہوا ایک حصتہ نیائی کے لیے ایک حصتہ مساکین کے لیے اورایک حصتہ ابن اسب کے لیے۔ زوی القربی سے حاجت مندان میں داخل ہیں لیکن انہیں مقدم کیا جائے گاکیونکہ دوسر سے فقرا، توصد قات سے سکتے ہیں مگروہ ذوی القربی کے سیلے حلال نہیں ہیں۔ اور یما دے نز دیک بہتمین مصادِن خمس بطورا متحقاق نہیں ہیں حتی کراگہ

ا وردوایات پئی صنور کاخش کو با نج صعول پر تقسیم کرنا وردوی القر فی کا ایک صفته د با جو آبا ہے اس میں یہ کلا کے کہ آبار سول الطوسلی الموسلی الطوسلی الطوسلی الطوسلی الطوسلی الموسلی الموسلی الموسلی الموسلی الموسلی الموسلی الموسلی الموسلی الطوسلی الطوسلی الطوسلی الموسلی الطوسلی الموسلی الموسلی الموسلی الموسلی الموسلی الطوسلی الطوسلی الطوسلی الطوسلی الطوسلی الموسلی الموسلی الطوسلی الموسلی الموسلی الموسلی الطوسلی الطوسلی الطوسلی الموسلی ال

د فتح العثرير، البدأ بعي

١٩٨١ - كَلَّانُكُ حَسُرُنُ مَى عَلِيّ الْعُهَدِيُّ نَاوَحِيبُكُمْ عَنِ الْعَسَنِ بَنِ عَدالِجِ عَنِ الْعَسَنِ بَنِ عَدالِجِ عَنِ السَّيِّي فِي فِي السَّيِي فِي فِي السَّيِّي فِي فِي السَّيِّي فِي فِي السَّيِّي فِي السَّيِّي فِي فِي السَّيِّي فِي فِي السَّيِّي فِي فِي السَّيِّي فِي السَّيِّي فِي فِي السَّيِّي فِي فِي السَّيِّي فِي السَّيِّي فِي السَّيِّي فِي السَّيِّي فِي السَّيِّي فِي السَّيِّي فِي فِي السَّيِي فِي السَّيِّي فِي السَّيِّي فِي الْمُعْرِينِ السَّيِّي فِي السَّيِّي فِي فِي السَّيِّي فِي السَّيِّي فِي السَّيِّي فِي السَّيْ فِي فِي السَّيِّي فِي السَّيِّي فِي فِي السَّيِّي فِي فِي السَّيِّي فِي فِي السَّيْرِي فِي السَّيْرِي فِي فِي السَّيْرِي فِي السَّيْرِي فِي فِي السَّيْرِي فِي فِي السَّيْرِي فِي فِي السَّيْرِي فِي السَّيْرِي فِي السَّيْرِي فِي السَّيْرِي فِي فِي السَّيْرِي فِي السَّيْرِي فِي فِي السَّيِي فِي فِي السَّيْرِي السَّيْرِي فِي السَّيْرِي فِي السَّيْرِي فِي السَّيْرِي فِي السَّيْرِي السَّيْرِي فِي السَّيِ السَّيْرِي فِي السَّيْرِي السَّيْرِي السَّيْرِي السَّيْرِي السَّيْرِي السَّيْرِي السَّيْرِي السَّيْرِي السَّيْرِي الْمُسْرِي السَّيْرِي السَّيْرِي السَّيْرِي السَّيْرِي السَّيْرِي السَّيْرِي السَّيْرِي السَّيِ السَّيْرِي الْعَالِي السَاسِيِ السَّيْرِي الْمُعْرِي السَّيْرِي السَّيْرِي الْ

ذى القربي كَيْ تَعْلَق مُدّى سِع مروى سِع كروه عبد المطلب كى اولاد مي ربعض نسخول بي بنوعبد المطلّب

کا لفظ ہے اور بعض میں بنو المطلب کا۔ دونوں میں بہما دے کہ طلّب کی اولاد باعب المطلّب کی اولاد بھی ذی القربی می کا سے میں ۔

٢٩٩٨ - كَلَّا فَكَ ابْنَ هُمْ مَنَ إِنَّ نَجُمَدُ الْحَدُودِ قَ حِبْنَ حَبِّمَ فِي ابْنِ شِهَابِ قَالُ إِنَا يَنْ يُونَنَ وَبُنَ وَبُنَ وَبُنَ وَابُنِ الْمُعَالِدِ قَالَ إِنَا يَرْفِيكُ ابْنُ هُمْ مَنَ إِنَّ نَجُمَةُ الْحَدُودِ قَ حِبْنَ حَبِّمَ فِي فِنْنَ قِ ابْنِ النَّهِ الْمُن تَبَلِهُ عَنْ مَنْهُ وَ ذِي الْقُدُ بِي وَيَقُولُ لِمَنْ تَبَلِهُ قَالَ اللهُ عَبَيْ اللهُ عَنْ مَنْهُ وَمَن مَنْ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمَ وَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمَ وَلَكُ وَسَلَّمَ وَلَيْنَ اللهُ عَلَيْهُ وَلَيْ اللهُ عَلَيْهُ وَلَكُ عَرْضًا مَا أَيْنَا لَا تُحَدُّقُ وَلَ حَقِينًا عَلَيْهُ وَسَلَّمُ وَلَكُ عَرْضًا مَا أَيْنَا لَا تُحْدُونَ حَقِينًا عَلَيْهُ وَلَكُ عَرْضًا مَا أَيْنَا لَا لَا تُعْمَعُ وَلَيْنَ اللهُ عَلَيْهِ وَلَاكَ عَرْضًا مَا أَيْنَا لَا تُحْدُونَ حَقِينًا عَلَيْهِ وَلَاكَ عَرْضًا مَا أَيْنَا لَا تُحْدُونَ حَقِينًا عَلَيْهُ وَلَاكَ عَرْضًا مَا أَيْنَا لَا تُحْدُونَ حَقِينًا عَلَيْهُ وَلَاكَ عَرْضًا مَا أَيْنَا لَا لَا عَلَيْهُ وَلِكُ عَرْضًا مَا أَيْنَا لَا لَكُونَ حَقِينًا عَلَيْهُ وَلَاكَ عَرُضًا مَا أَيْنَا لَا لَيْكُونَ عَلَيْ وَلِكُ عَرْضًا مَا أَيْنَا لَا لَعُلَى اللهُ عَلَيْهُ وَلِكَ عَرْضًا مَا أَيْنَا لَا عَلَيْهُ وَلِي اللهُ عَلَيْهُ وَلَاكَ عَرْضًا مَا أَيْنَا لَا لَعُهُ وَلَاكُ عَرْضًا مَا أَيْنَا لَا لَا عَلَيْهُ وَلَاكُ عَرْضًا مَا أَيْنَا لَا لَكُونَ حَقَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَلِلْكُ عَرْضًا مَا أَيْنَا لَا عَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَلِلْكُ عَرْضًا مَا أَيْلُكُ عَرْضًا مَا أَيْلُولُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَاللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللّهُ اللهُ عَلَى اللهُ الْنَا لَا عَلَيْكُ عَرْضًا مَا أَنْ عَلَى اللهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللّهُ الللّهُ اللللّهُ

عليه وسلم وقعل كان عَمْمَ عَرُضَ عَلَيْكِ فِن دَلِكَ عَرْضَ مَا لِيهِ وَ وَلَا عَرَضَا مُا لِيهِ وَ وَلَا عَلِي فَرَدُدُ نَاهُ عَلَيْنُهِ وَأَبِينَا أَنُ نَقْبَلُهُ -

ر تسریت بیزین برمزابن میاسکاکا تب تھا جوان کی آنکھیں بند ہونے کے دوریں ان کے حکم سے خطوط مکھاکر نا تھا۔

یر مدریث مختصرا پہلے بھی کئی بارگز رصی سے اوراس میں فری القربی کے علا وہ اور بھی کئی موال کھے۔ شا پر حضرت بوسنے خصرے کئی مصار ف در کیھتے ہوئے اس کا کمچ حصتہ ان میں خرچ کیا اور باتی ان مضارت کو پیش کیا ہوگا۔ اس سے ابن عباس دفنی مضار ف در کیھے تھے ہوں کا کم بردی اور جوم کر ڈالیس معلوم ہوا کہ جنا برجومن نے خمس کے کئی مصار ف در کیھے تھے جی میں سے در میں ہوری کی مصار ف در کیھے تھے جی میں سے ایک قرابت داروں کا مصرف تھا۔ گراس سے بہنہ میں واضح ہوسکتا کہ آبا یہ جھتہ ان کی محفی قرابت کی بنا در پر تھا یا فقر وصاحبت کے باعد نے علی دھئی الٹرعنہ نے بیکہ کمہ بات وا منح کی ہے کہ: اس سال مہن خس کی حاجب نہ بھی آباس سے معلوم ہوا کہ اور ایک مدین و سیھئے تو فرات داگی مدین و سیھئے تو فرات داگی مدین و سیھئے تو فرات وا صنح ہو مبار کے گی ۔

٢٩٨٣ - كَلَّ نَكَ عَبُ اللَّهُ عَبُ الْعَظِيْرِ فَا يَجْبَى بُنَ اَ فِي بُكَيْرِ فَا اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى عَبُ التَّوْحُلُنِ الْبِي الْمَاكِلُ قَالَ سَمِعْتُ عَلَى عَبُ عِلْ عَبْ التَّوْحُلُنِ الْبِي الْمُعْتُكَ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمَ خُمُسُ الْخُمُسِ فَوَضَعْتُهُ عَلِيّاً يَقُولُ وَلَا فِي مَا مُعُولُ اللهِ حَسَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ خُمُسُ الْخُمُسِ فَوَضَعْتُهُ عَلِيّاً يَقُولُ وَلَا فِي مَا مُعُولُ اللهِ حَسَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ خُمُسُ الْخُمُسِ فَوَضَعْتُهُ

مَوَ إِضِعَهُ حَيْوَةُ رَسُولِ اللّٰهِ صَلَّى اللهُ عَكَيْمِ وَسَكَّرَ وَ حَيْوةً أَبِي بَكُرُو حَيْوةً عُمَرً فَأَتِي بِمَالِ فَكَاعَا فِي وَقَالَ خُنُهُ وَقُلْتُ لا أُرِيْكُاهُ فَقَالَ خُنُهُ فَا نُحُمُ آحَتَى

بِهِ قُلْتُ فَكُ اسْتَغْنَيْنَاعَنُهُ فَجُعَلَهُ فِي بَيْتِ الْمَالِ -

منتمیسے) یہ معدمیث اوپرگذری بخبیر بن مطعم کی حدمیث سے بھا ہر میلان سے حس میں بیمضموں گزدا سے کہ حضرت الوبکر پڑ مجي حس كي تقتيم ريسول الشرصلي الشيطليروسلم كى ظرح كرت تصفي كين رسول الشرصلي الشرعليدوسلم سحة إبت دارول كونيس وسيقه تقراور مفنرت بعرف اننين وسيت في اور بعد ك خلفا، هي دسيتے تقد محقق ابن الهام نے كماسے كرما فظامندرى محق بقول مجبير بن مطعم من كي مدمث ميں سے كه حضرت الو مكر مشنے حمس كى تقسيم ذى القربا ميں نہيں كى ورعلي مع كى مدمث میں سے کہ تھنرت ابو بکرام نے ذی القر بی کوشش با نظامقا . *صدیرے جبری میچے سے* اور مدیرے علی^{ین می}یچے ہمیں سے پولانا گنگا وحمالن وتعذرت بمرمنى الثرعند كحاس فؤل كامطلب تواكب نفرحعنرت على هست فرايا كخاكرا سيرب لوكيونكم تماس کے زیادہ حقداد تہو، بیرہے کہ حب صرورت ہوتو تم دوہروں سے زیادہ مستی ہو۔ وجہ اس کی بیرہے کہ اگر دی انقرالی غناہ وفقر دوبول حالتول مي خمُس كے زيادة حقدار موح توحفرت على مشكل كسے ردّ كرنا جائز در سوتا ، كيو كدا كروه ردّ كر سكت تقے تو اس کا اختیا را نہیں اپنی طرف سے یا سیے اہل خانہ سے ہوں کتا تھارہ کہ تمام ذی انقر کی سے جن مس سار سے بنى بإستماورسادے بنیالم طلّب داً حل حقے - علاوہ ازیں اگر ذی القربیٰ کا استِحقا قُ صرف رَّ ابت کی بنّاء پر عقا توجی حضرت علی منی الٹرعنہ کے انکا رکے با وجود معفرت عرّر صی الٹرعند اُس مال کومیت الماک میں داخل مذکر سکتے مقتّے ابت درا مسل بیقی کردهنرن علی مواکوزی القربی کامتو کی و تنتظم بنایا گیا تقا، وه ان کے احوال کودوسرے برا دی کی نسبت زیادہ تباسنتے سقے گہکون کس قدرمستی ہے اور کون نہیل کس جب علی ہے اس فول کے باعث کہ بماس سے بے نیا دم و کھے میں ہمھنرت عرف نے اسے میت المال میں جمع کرا دیا ۔ دونوں چھنرات کے فعل سے یہ وا مجنو مہوگیا کلان سے نزددکیب ذی القرق کا استحقاق یا احقیقت منروزیت کی بناء ہے بھی بزکہ ڈ ابت کی بنادہہ، ووٹ پنامل سے يعانكا رمائز بوتان عره م كياس ال كوسيت المال مي داخل كر أما فزم والا

٢٩٨٨ - كَلَّا نَمْنُ عُنُمَانُ بُنُ أَيْ شَيْبَهُ ذَا ابْنُ ثُمَيْدٍ ذَا هَا شِعْرَبُنُ الْسَوِيُولِ

ARDADARICA CONTRACO C

قَالَ سَمِعْتُ عَلِيًّا يَقُولُ إِجْمَعُتُ آنَا وَ الْعَبَّاسُ وَ فَاطِمَنُهُ وَ لَهُ بُدُانُ مَا أَيْتُ اَنُ تُولِبَ فَى حَقَيْنَا اللّهُ عَلَيْهُ وَسَلّمُ وَصَلّمُ اللّهُ عَنْ وَجَلّ فَالْتُهِ إِنْ مَا أَيْتُ اَنُ تُولِبَ فِى حَقَيْنَا مِنْ لَهُ مَا اللّهُ عَنْ وَجَلّ فَاتْسِمُهُ حَيَا تَكَ كَيُلُ لِبُنَا لِعَنِي احْتُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْهُ وَسَلّمَ وَمَنْ اللّهُ عَلَى اللّهُ الللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ

من سے : واقعی اسم فاعل سے کو کھی گئے سے ، و ھی کا معنی سے ہوسٹیا دی ، اعلیٰ داسے کے مالک ہونا ، وا ھی اس محض کو کتے ہیں ہومعا ملات ہیں بڑی سیجے لو جھے کا مالک ہو ، دالے والاا ور تجربر کار ہو۔

٢٩٨٥ حكانك آحَمُه بُن صَالِمٍ نَاعَنْبَسَةُ نَا بُونُسُ عَنِ أَبِي شِهَابِ

نَالَ اَخْتَبُرُ فِي عَبُكَ اللهِ ابْنُ الْحَايِ نِ بُنِ نَوْفَلِ الْهَا شِيتُ أَنَّ عَنْمَا الْمُطَلِبَ بُنَ رَبِبُعَنَهُ بْنِ الْحَادِثِ بْنِ عَبُوالْمُطَّلِبِ آخُهُ بَدُهُ آنَّ آبَاهُ دَبِبْعَنَهُ بْنَ الْحَامِ مِنْ وَعَبَّاسَ بْنَ عَبْ مِالْمُطَّلِبِ قَالَالِعِبْ مِالْمُطَّلِبِ بْنِ رَبْيَعَةً وَلِلْفَضُلِ بْنِ عَبَّاسٍ إِ مُتِبَ رُسُولُ اللهِ حَمِلُ اللهُ عَلَيْمِ وَسَكَمَ فَقُولِاكَمْ يَا دَسُولَ اللهِ فَكُمَّ بَكُفْنَا مِنَ السِّيقِ مَا نَرَىٰ وَاحْبَبُنَا أَنْ نَتَزَوَّجَ وَإِنْتَ كَا رُسُولَ اللهِ ٱبْرَّالتَّاسِ وَٱوْصَلُهُمْ وَكَيْسَ عِنُكَ ٱبْوَيْنَا كَايُصُدِا قَاكِ عَتَا فَاسْتَعُمَلُنَا يَارْسُولَ اللَّهِ عَلَى الصَّكَافَاتِ فَكُنُؤَةٍ إِلَيْكَ مَا كَيُؤَدِّ الْعُكَالُ وَلِتَصِيبُ مَا كَانَ فِيهَا مِنْ مِرُنِيِّ خَالَ فَا فَى إِلَيْنَا عَلِيٌّ بُنُ إِنْ كِلَالِبِ وَنَكُنَ عَلَىٰ نِلُكَ أَلِحَالِ فَقَالَ لَنَا إِنَّ دَسُولَ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْرُوسَكُم لاوَاللهِ لا يَسْنَعُولُ أَحَدًا مِنْكُوعَلَى القَدَى فَقَالَ لَهُ رَبِيْعَهُ هَذَا مِنْ أَمُرِكِ قَدُ نِلْتَ حِهُ رَيُسُولِ اللهِ صَلَّى اللهُ عَكَيْسِ وَسَلَّحَ فَكُونِ حُسُمُ الَّ عَكَيْدِ فِكَ أَنْفَى عَلِي رِدَاءَة ثُرَّرًا ضُطَبَعَ عَلَيْهِ فَقَالَ إَنَا ٱبُوْحَسَنِ الْقَرْمُ وَاللَّهِ كَا آمِ يُحْرِحَنَّى يَرُجِعَ إِلَيْكُمُ اللَّهُ عَلَيْ مُعَوْرِمَا بَعَنُكُمْ أَبِهِ إِلَىٰ النَّبِي مَنْ كَى اللَّهُ عَلِينُ وَصَاتُحَ فَسَالًا عَبُ الْمُطَلِبِ فَانْطَلَقْتُ أَنَادَ الْفَضْلُ حَتَّى ثُوا فِي صَلَوْةَ الْطَهُي فَكَا قَامَتُ فَصَلَّبُنَا مَعَ التَّاسِ ثُحَّا سُرَعُتُ ٱنَّا وَالْفَضُلُ إِلَى بَابِ حُجُرَةِ النَّبِي صَلَّى اللهُ عَكِيبُ وَسَلَّحَ وَهُو يَوْمَتْ نِوعِنُ لِمَا نَيْنَكِ بِنُتِ جَحْشِ فَقَمْنَا عِنْمَا الْبَابِ حَتَّى ٱلْهَ وَلَهُ وَلَهُ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ فَكَخَنَا بِأَذُ فِي وَأُدُنِ الْفَضْلِ ثُكَّرَ قَالَ ٱخْرِجَا مَانْعَبِرَ زَانِ ثُتَّردَ خَعَلَ فَأَذِنَ لِي وَ لِلْفَضُلِ فَكَاخَلُنَا فَتَوَا كَلُنَا الْكَلَامُ فَلِيسُ لَا ثُتَّر كَلُمُنَّهُ أَوْ كَلَّمَهُ (لُفَهُ لُ قَلْ شَكَّ فِي دُلِكَ عَبُكَ اللَّهِ فَالَ كُلَّمَةُ بِالَّذِي أَمَرَنَ بِهِ ابْوَانَا فَسَكَتَ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَبْسِ وَسَلَّحَ سَاعَتُ وَدَفَحَ بَصَرَةُ قِبَلَ سَفْفِ الْبَيْتِ حَتَّى طَالَ عَكِيْنَا ٱتَّنَهُ لاَ يُرْجِعُ إِلَيْنَا شَيْعًا حَتَّى لَأَيْنَا زَيْنَبَ تَلْمَعُ مُزْوَلَاءِ

الُحِجَابِ بِبِيهِ هَا تُوبِيُهَا أَنُ كَا تَعْجِلا وَ أَنَّ رَسُولَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ مَا اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ مَا أَسَهُ فَعَالَ لَنَا إِنَّ فَيْ اَمْرِنَا ثُوَّ خَفْضَ رَسُولَ اللهِ صَلَى اللهُ عَكَيْبِ وَسَلَّوَ مَا أَسَهُ فَعَالَ لَنَا إِنَّ فَيْ اَمْرِنَا ثُوَّ خَفْلَ اللهُ عَلَيْهِ الصَّلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوْ اللهُ عَلَيْهِ مَا اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوْ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّوْ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّوْ اللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ وَسَلَّى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمُ وَلَيْهُ وَسَلَّى اللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ وَاللّهُ وَسَلَّى اللهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ اللهُ ا

کچیتم دل می مخیب دسیم بو- بچر آب گھر میں داخل موسئے اور شجھے اور فقتل کوا جازیت دی دہیں تم اندر سکئے اور تحوالی

د *میں پر شخص و دسرسے* کی بات کرنے کا انتظاد کرتا ہ جا۔ پھرس ہو لا مافقنل نے کلام کیا یعبدا لٹدین مادے ہن مادیث لادی کوشکسیسے ہما دیے والدین سنے بہب جومکم دیا تھا وہ کلام کرنے واسے نے ظا مرکد دیا ۔نس دسول الشّرصلی لنسّر علىدوسلم أيب كفرطى خاموس رسع اوراين لكاه ككرى حجبت كى طرف اللمائي حتى كه كانى لمباعرصه آب في معين حجاب نہ دیا ،حتی کم ہم نے پُدے ہے بیچیے سے زیرہ کوانٹا دہ کرتے ہوئے دیکھا، وہ پا تقسے امثارہ کرتی تھیں کہ مہلدی ، ا ورم کردسول السرصلی التی علیہ وسلم بما دیے ہی معاسطے میں غور فرائے ہیں ۔ بھر دسول التہ صلی تشریح لیہ وسلم نے اپنا مرتعکا پا اور فرایا، بہرومد قدے یہ لوگول کی میل کچیل سے اور پرخما وراً کِ فحم کے کیے عمال نہیں ہے ، م بإس نوفل بَن الحارث كُوبَكِ دو، بس لوَمَل بن الحارث كو آبٌ شّے باس بلا باكيا، بس آ جي نے زمابا: اے نو مَل اغبدالمقلد كانكاح كرود ، پھرنى صلى الله عليه وسلم نے فرمايا: ميرے ياس محبرَبيْ بن جزء كو ملاؤ ، اور وه بنى زُمِيدكا ايك شخص كفاسِ رسول انشرمه لی التُرَمِليه وسلم شفاخ السرخُسَ کی جمع ، برعامل بنار کھا تھا ۔ بس رسول التُرصلی التُرعِلبہ وسلم نے حمیّۃ فرمایا .نفسل کانکاح کردے کہ اس نے کردیا بھرمسول انٹرمٹلی انٹرعلی دسلم نے فرما یا: انٹھ اور ان کی طرف کسے اثنا ا وراتناسی جرفس میسدادا کرے بدائشر بن الحادث راوی نے اس کی مقدار تھیں بنائی (مسلم،انسائی) شیرے: اِس مدیریث میں اُس مفنمو کا مربح اور واضح ذکر آگیا سیے جس کے متعلق اسسے قبل کئ امادیث میں امثارات كدرسيدين،كررسول الله مسلى الله عليه وسلم مال في أورخس ميسس بني باشم ك لالى نكاح بوكون كا لكاح كلهت عقد صدقات كم متعلق موصفور في فرما ياكريه لوكول كوأوساخ دميل كجيل من اس سع عرض يه حتى كمران مطا لبہ کرسنے واسے ہا خمیوں کے دل میںان کی طرف سے نفرت پیدا کی جائے ، ورنہ تجو ہوگ ان سے مستحق ہوں ان کے ملے ان کی تیریت بر منس سے ۔اس لفظ کی گرائی میں بیر معنی بھی پوشیدہ سے کہ صدقہ و زکوۃ سے مال یا کے ہوتا ہے حسط ح كرميل كجيل ووركمرف سيحسم وركير على وسا من محصاتين

مِنَ إِلَانُصَارِا أَقُبَلْتُ حِيْنَ جَمَعُتُ مَا جَمَعُتُ فَاذَا بِشَارِا فِيَّ قَالِ الْجُكْبِيَّتُ أَسْيَمَتُهُكُمَا وَبُقِرَتُ خَوَاصِرُهُمَا وَأَخِنَا مِنْ أَكْتَادِهِمَا فَكُوَ آمُلِكُ عَبُنَتَ حِيْنَ مَا أَيْتُ لِإِلِكَ ٱلْمَنْظَرَ فَقُلْتُ مَنْ نَعَلَ لِهِذَا كَالْوَا فَعَلَهُ حَمْزَةُ مُنُ عَبُ إِ المُطَّلِبِ وَهُو فِي هٰذَا الْبَيْتِ فِي شَرْبِ مِنَ الْانْصَارِغَنَّتُهُ قَيْنَةٌ وَآصَعَامُهُ فقَالَتُ مِنْ غِنَا بُهَا الْاَيَا حَمُنُ لِلْشُمْرِبِ النَّوَاءِ فَوَمْبَ إِلَى التَّيْمِنِ فَاجْتَتِ ٱسْنِمَتُهُنُا وَبَقَرِيْعُوا حِرَهُمَا فَٱخْنَامِنُ ٱكْتِادِهِمُا فَالْعَلِيُّ فَانْطَلُقُتُ حَتَّى اَدُ مُحَلَ عَلَىٰ رَسُولِ اللهِ صَلَّى اللهُ عَنَيْسِ وَسَلَّوَ وَعِنْكَ لَا نَيْسَا بُنَ حَارِثَةَ قَسَالَ فَعَرَفَ رَسُولُ اللَّهِ مَهِ لَى اللهُ عَلَيْتِ وَتَسَكَّمَ إِنَّ لَوى كَيْقِيثُ فَعَنَّالَ رَمُسُولُ اللَّهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْ لِوَسَلَّوَ مَالَكَ قَالَ قُلْتُ مَارُسُولَ اللهِ مَا لَأُ يُثُ كَالْيَوْمِ عَكَا حَمْ زَقَّ عَلْ نَاقُتَى ۚ فَاجْتَبُ ٱسْنِمَتُهُمُا وَبَقَرَخُوا حِرَهُ مَا وَهَا هُوذَا فِي بَبُتِ مَعَهُ شَرُبُ فكتعارَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَكْثِي وَسَلَّوَ بِدَائِهِ فَادُتَكَا ابِهُمْ أَلِنُ طَلَّقَ يَمُثِيئُ وَالْبَعْنُ لَهُ إِنَا وَرُبِيمُ بَنْ حَادِثَةَ حَتَّى جَاءَ الْبَيْتُ الَّانِي فِبُهِ حَسُدَةً فَاسُتَاذَكَ فَأُذِنَ لَمَّ فَإِذَا هُمُ مِنْتُرْبٌ فَطَفِقَ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْرِ وَسَلَّحَ يُكُومُ حَمْزَةً فِيهُمَا فَعُلَ فَإِذَا حَمَزَهُ تَبِلُ مُخْمَرَّةٌ عَيْنَاهُ فَنَظَرَ حَبَّزَهُ الْيَرَسُول اللَّهِ حَسلَى اللَّهُ عَكِيلُ مِهِ وَسَسَّكُو تُحَرَّحَهُ قَدَى النُّنْظَرَ فَنَظَرَ إِلَىٰ وَكُبَّتُهُ وَتُحَرَّ صَعْمَا النُّنْظَرَفَ نَظَرَ إلى مُستَّرِيبٍ أَحَدَّ صَعْدَ النَّظُرُ فَنَظَرُ إِلَىٰ وَجُهِهِ ثُمَّرُفَالَ حَمْزَةُ وَهُلَ ٱنْتُم اِلْاَعْبَيْثُ لِاَئِيُ فَعَرَفَ رَسُولُ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَكِيْسِ وَسَلَّمَ انَّهُ ثَيِلٌ فَنَكُصَ رَسُولُ اللَّهِ صَلّى اللهُ عَلَيْم وسَ لَم عَلى عِعْبَيْهِ الْقَهْقُرِي فَخُرْجَ فَخُرْجُ الْمُعَلَّهُ .

علی بن ا بی طالب نے کہاکٹریرے پاس ایک نوجواں ا ونٹنی بھی جو جنگ بدر سکے مال غنیمت سے ملی تھی اورائسی دن رسول انٹرصلی انٹرعلیہ وسلم نے مجھے خمس میں سے ایک اور جوان اونٹنی بھی عطاکی تھی۔ بس حبب میں نے رسول سا

بیرس کمروہ تیزی سے نلوار کی طرف اکٹا ، ان کی کو ہائیں کا طبابیں اوران کے مبلو تھا اگر دیئے اوران کے مبگروں کا ہے بیا علامق نے کہا کہ میں گماستی کہ رمیول التاصلی التا علیہ وسلم کے باس ہنچا عاور آپ کے باس زیدین حارفتہ تھا، باكه دسول الشرصلي الشرعليه وسلم ني تاظ لباكم فحد مركبا گذري ليبيء كيس دسول النثره لیا ہوا علی فنے کہا کہ میں نے کہا مارلسول اینڈمی آج مبیبی مصیبت مجمی نردیکھی تھی جمز و شنے میری اونٹنیول ہے ایسا وربہلوں ٹافرا ہے ۔اوروہ فلاں گھرمیںایک شیا بی جماعت صلی انٹیلے دسلم نے اپنی میا درمنگوا ئی اسے اوڑھا ، بچرمل پھڑسے اور کس اورزمیر کن صادفہ آپ کے ريبر المسابي في منه من المسلم المباري المسلم المباري المسلم المباري المسلم المباري المسلم المباري المباري الم و الفريس ميني منهال ممرزة مسطم و منها أب في المبارت ما ملى اور أب كوا جازت ملى أب نيد مكام أكروه مبني بلاغ وف كتے پیٹھنودصلی الٹرملیہ وسلم حمزہ خوائن كی عقل ہیدا سے ملامت كرنے لگے، حمزہ اللہ عقبَی ۔ بس حزہ منے رسول انٹرمیلی الٹرمیکی وسلم کی طرف دیکھا ، پھرنگاہ انٹمانی اور آپ کے محتلنوں کی طرف و مکھا، پھرنگاہ ا تھا بی تواثب کی نامن کی طرف دیکیھا بھرنگاہ اٹھائی اور آپ کے تپریے کی طرف دیکھا۔ بھر حمرتُم بوسے : تم لوگ ہیے غلامو *ل سکےموا اورک*یا مبو ؟ بی*ں دمیو*ل انگرمیلی الل_معلیہ وسلم نے پیچان لیا کہ وہ نشے میں ہے، اس *پر دمیول انشر* بروسلم النظي يا فيان وانسِين بجرسے اور گھرسے ننطے اور ہم کھبی آئے گے مسابھ باہر ننگل آئے دنجاری، ' : بوا تعمر عمر مع قبل كام و اور فالناسكة على واخر كا ذكرت عرول كرواج كم مطابق كائن ف نشركي مالت من من وه كوان جان اونشليول كاكوشت سائقي شرابيول كوكهلا سندير أكسايا تومزه نشري وهست وه کے کرسگئے عبی کا اس مدیث ہیں ذکرے بومت حمر سکے اعلان سے بعد عبر طرح شراب بینے پر مزاملتی ہے اسى طرح شرابى كے اقطل وافعال معى لاكن كرفت بوتے ہيں ۔اكركوئي شخص فدانخواسته كنظرين مرتد بوجائے تونسف الترسفكاانتظاركيا مبلسط كا الكر بهوش كم حالت مي رجوع اور نوبه كرسے نوقش د بهوگا ورن تلوا دسك تواسے كيام الكا ، امام مالك من توري اوزاعي ورشافعي كنز ديك نشرس ست آدمي طلاق دعد عتودا قع بوحباط كديسي حنف کاایک قول کھیسے ۔اور ہی معید بن^م المسد*ے ،ع*طا^{ن م}ست بھی بھی بختے ہے ابن سیرین اور جا کڈسے مروی سے ۔ ربعير بن ابي عبد المرحمان الميث بن معدما سعاق بن رابوريم الونور واورمز في مسلح كهاكماس كي طلاق وأقع نه بر موتى اور

یمی قول معدرت عثمان ابن عماس من قاسم بن محدد کربن عبدالعزیزا ور طاؤس سیر منقول ہے ۔ احریم بن منسل نے اس مسئل سے اس مسئل ہوں تعدید کا در مسئل ہوں کا جواب معلوم نہیں ۔ مما فظ آبن جو نے کہاہیے کہ صب روایت ابن آبی شیب اس مسئل ہوں کا تعدید ک

١٩٨٨ عَلَا الْحُكُونِ الْفَصْرِيُ عَنِ الْفَصْرِي الْحَكَا اللهِ بَنَ وَهِ اللّهِ بَنَ وَهُ اللّهُ عَلَا اللّهُ عَلَا اللّهُ عَلَا اللّهُ عَلَا اللّهُ عَلَى الْحَكُورَا وَحُكَا اللّهُ عَلَا اللّهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللّهُ الللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ الللللّهُ اللللّهُ الللللّهُ الللللّهُ الللللّهُ اللللّهُ الللللّهُ الللللّهُ الللللّهُ الللللّهُ اللللّهُ الللللّهُ اللللللّهُ الللللّهُ اللللللّهُ اللللللّهُ اللللللّ

ا ما محکم بنت الزبربن عبدالمطلب ما صنّباعة بنت ذبر بن عبدالمطلب،ان دونون بیرست ایک کهاکه دسول الشخصل المستحمل ا

عَنُ إِي الْوَرْدِعِنِ ابْنِ اَعْبُكَا فَالَ قَالَ إِنْ عَلِيٌّ الْالْحَدِّ ثَكَ عَتِي ُ وَعَنْ ضَا طِمَةً بِنُنِ دُسُولِ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْسُ وَسَكَّرَ وَكَا نَتْ مِنْ ٱحْتِ اَهُلِهِ إِلَيْسِ فَكُتُ بَلَى قَالَ إِنْهَا جَرَّتُ بِالرُّحِيٰ حَتَّى ٱتَّرَفِي يَكِاهَا وَاسْتَقَتْ بِالْقِرْبَةِ حَتَّى ٱتَّرَفِي يَكِاهَا وَاسْتَقَتْ بِالْقِرْبَةِ حَتَّى ٱتَّكَرِف نَحُرِهَا وَكُنَسَتِ الْبَيْتَ كُتْنَى اغْبُرْتُ مِثْبَابُهَا فَانَى النَّبِيَّ صَكَّى اللهُ عَكَيْر وَسَكُو خَكَامٌ فَقُلْتُ لُوا تَبُتِ ٱبَالِ فَسَأَلْتِهِ خَادِمًا فَأَتَتُهُ فَرَجَكَا تُ عِنْكَاهُ حُمَّا (ثُا فرَجَعَتُ فَأَتَاهَا مِنَ الْغَيِ فَغَالَ مَا كَانَ حَاجَتُكِ فَسَكَتَتُ فَقُلْتَ إِنَّا أَحَتِّ ثُكَ يَارُسُولَ اللهِ حَبَّرَتُ بِالرُّحِي حَتَّى ٱتَّكَرِتُ فِي يَهِ هَا وَحَمَلَتُ بِالْقِرْبَةِ حَتَّى ٱتَّكَرِتُ فِيُ نَحْرِهَا فَكُتَّا أَنْ جَاءَكَ الْحَدِمُ آمَرُتِهُا أَنْ تَاتِيكَ فَتُسْتَغُدِ مَكَ عَادِمًا يَقِيمُا حَرَّمَا هِيَ فِينِ قَالَ إِنَّفِي اللَّهَ يَا فَاطِمَنَّهُ وَأَذِّى فَرِيْضَةَ رَبِّكِ وَاعْمَ لِي عَمَلَ أَهُلِكِ خَاذَا آخَنَاتِ مَضْجَعَكِ فَيَجِى ثَلَاثًا وَ ثُلْثِينَ وَاحْمَدِى تُلَاثًا وَتَلَيْيُنَ وَلَجِينُ أَمُ بَعًا وَتَلْثِينَ فَتِلْكَ مِا تُمُّ فَهِي خَيْرُلكِ مِنْ خَادِمٍ فَالْتُ رَضِيْتُ عَنِ اللَّهِ وُعُنْ رَسُولِهِ.

ابن اعبد نے کہ کہ جسے علی شنے کہا کیا میں تجرکوا نے احد فاطریہ بنت رسول الٹرصلی الٹرعلیہ وسلم کے متعلق بنر بتاؤل ؟ جوکر رمیول الٹرصلی الٹرعلیہ وسلم کوا نے رسی تھر کوا ہوں سے زیادہ محبوب تھیں ! میں نے کہا کہ کیوں نہیں علی شنے کہا کہ فاطریم نے جبی میل ہے جہ کہ اس کا نشا ن کہ فاطریم نے جبی میل ہے جہ نہ میں ان کے باتھ میں تھی نے نشا ن وال دیا اور بائی کی مشک اعظا کہ لاقی رمیں جبی کہ اس کا نشا ن ان سے سینے بر برط گیا اور گھر میں جباڑو دیا تھی کہ باس کے باس کی جائے ہوئی صلی انٹر علیہ وسلم کے پاس کی مشک اعظام انٹر علیہ وسلم کے پاس کی مشک اعلام انٹر علیہ وسلم کے پاس کی مشک اعلیہ وسلم کے پاس کی مشک اعلام انٹر میں نشان ڈوال دیا اور مشک اعظامی حتی کہ اس سے اس نے اس نے اس نے باس خادم کی عقر میں نشان ڈوال دیا اور مشک اعظامی حتی کہ اس نے باس خادم کی عقر میں نشان ڈوال دیا اور مشک اعظامی خدمت میں مامنر ہو کہ سینے بر نشان ڈال دیا ، بس حب اُس سے باس خادم اسے تو میں نشان ڈال دیا اور مشک اعظامی خدمت میں مامنر ہو کہ سینے بر نشان ڈال دیا ، بس حب اُس سے باس خادم اسے تو میں نے اس سے کہا تھا کہ آپ کی خدمت میں مامنر ہو کہ اسے تو میں نے اس سے کہا تھا کہ آپ کی خدمت میں مامنر ہو کہ اسے تو میں نشان ڈال دیا ، بس حب اُس حب اُس کے باس خادم اُسے تو میں نشان ڈال دیا تھا کہ آپ کی خدمت میں مامنر ہو کہ اُسے تو میں نے اس سے کہا تھا کہ آپ کی خدمت میں مامنر ہو کہ اُس کے اس کے دور سے کہا تھا کہ آپ کی خدمت میں مامنر ہو کہ اُس کے دور سے کہا تھا کہ کہ کو میں نے اس سے کہا تھا کہ کو کہ کے دور کے اس کے دور کی کے دور کے کہ کو کہ کو کہ کو کہ کی خدمت میں مامنر ہو کہ کور کیا کہ کور کور کیا کہ کور کیا کیا کہ کور کور کیا کہ کور کیا کہ کور کور کیا کی کی کور کیا کہ ک

ایک خادم طلب کرے تاکہ اس مشقت سے زیج جائے جیدا ب بر داشت کرتی ہے بھندوں کی الٹرعلیہ وسلم نے زبایا : اے فاطریم االتلاسے ڈراورا نے درب کا فریفیہ ادا کراور اپنے گر والوں سے کام کر، مجرحب نولبتر پر سلطے توس بارتبیع کواورس بار تحدید کر اور م سابار تکبیر کہ نس برایک سومرتب ہوا۔ بہترے سلیے خادم سے بہترے۔ فاطریع بولیں کرمیل تشک سے داعنی بچوں اور اس کے دسول سے رامنی ہوں ربخاری، مسلم، نساتی، اورسن آبی داؤر میں ۷۲۰ ۵ اور ۲۰۱۳

نمبرىمه آئےگى۔

. ىتنى خى ، على مەخىلا بى نے كهاسىپى كەل مەرىيە بىن يەفقىي مىسىلىرىپى كەبىيەي حبى طرح خاوندىسىے نفق لودلىياس كامطالىد باس طرح فادم كامطالبه نهي كرسكتي، بإن إخاوندك ورعودت كي طوت سيريدمستحب به كركرك كام كاج حجودهٔ خود کا کرسکتی وه مرد کریے دے۔ یہ بات اگرمرد میہ واحب مہوتی تود سول الٹرصلی الٹرعلیہ ومسلم عارج میداستے واحب واشقے باکسی مناسب طویر پریتا دستے ۔ابو حجفہ طحا وی نے کہا سے کہ ایک قوم کا قول سے کہ دسول التّرصلی التّرطليد خُسُ مِن كوئي مقرومعلوم حصَّه بنهي سبح ، بلكه الله تعالى نيحبي طرح فقرام ومساكين ا ورا نبلت سببل کا محمتر برینائے فقرو حاسبت بیان کیا ہے اسی طرح ذی القہالی کا حال بھی ہے کہ ان کا حمت برینا سے فقر وحاصب ے۔ لی*ں حب طرح فقیر،مسکیری اورا بن السبیل اس استحقا*ق *سنے کل سکتے ہیں جبکہ*اں کی وجہ استحقاق باقی *نرمرسے* اسى طرح رسول انتُرصلي التُدعليه وسلم كے ذوى القربل عبى عدم حاجت وعدم فقركى بنادىم اس سنے خارج ہوسكتے ہو ذوی القربی کوفقادومساکیرج ابنائے سبیل کے ساتھ کرینائے فقروحاجت ملا ہاگیا کہے، جب بدست تووہ ان سے فنار جے یہو حائیں سکے۔ اس فوم نے کہا ہے کہ فاطمہ جٹ کا نسبی پیشند رسول انٹر صلی انٹر علیہ وسلم سے سائق ببت ہی اقرب ہا،اگر رسول انتر صلی ایٹ غلیہ وسلم کے اقارب کا حق محصل قرابت کی بنا ریمہ مور الواق فی فاطمہ کوقیدی فا دم<u>ے م</u>حروم *رنزر کھتے*۔اس کے بمرعکس حضورصلی انٹرعلیہ ونسلم نے فاطمین کواً متلہ تعالیے نے ذکمہ سے *میر د* کیاا ورذکر لوان کے کیے خا دم سے بہتر فرار دیا ۱۰ ور رسول النّرصلی السّد علیہ وسلم کے بعد ابو مکمہ وعمر رمنی النّہ عنها نے تمام غمسَ تقتیم کمیا اور سول انترصلی انترعلیہ وُسلم کے قرات بلاوں کا حق برنائے قراب قرار نہ دیا ،اس سے ناہت ہوگیا کہاں دولوں ننمذ د مکٹے شک کانہی مکمرتھا کم وہ دکشتہ و قرابت کی بنا ہوگہی گائتی رہ کقا ملکہ سفیہ صلی اینڈ علب وسلم کے دشتہ دار ستحة بتقے ۔اورامعاً ب میں سیے کسی نے ان دونو رہ کی مخالفت نہمیں کی کہا ہے ثابت ی میں دہی تھی جو حصنرات خلیفا مے داشتہ یں کی تھی،ا دریہ سلیا جماعی نابت ہوا بحب علی ملک ما س حکومت و اقتداد آیا تو انہول سے بھی اس میں وہی کچے کہ سجوان تعندات نے کیا تھا۔ پیرطحاوی نے اس معنموں مسابی وساته الوجه فرم ومحدالها في سند وآيت كي سن تحرقه فيرين اسحاق في ان سع بوجيا كوب علي في كي باس خلاف على توانہوں نے دوی القرقی کے پیسے سے بارسے ہیں کہا عمل درآ مدکیا تھا ؟ ابوجعقر سنے کہا کہ وارٹ علی شنے بھی بالکل ابوبکہ وع رصی الٹرعنہاکی لاہ اختیا رکی بس علی صنے نے اس کوعدل کی داہ دیکھا اور اسی برعمل کیا ۔

٢٩٨٩ - كَلَّانْكُ أَحْمَلُ بُنُ مُحَمَّدٍ الْمَرُوزِيُّ حَمَّ فَكَا عَبُمُ الرَّزَرَ إِنَا مَعْمَمُ عَنِ الْمَرُوزِيُّ حَمَّ فَكَا عَبُمُ الرَّزَرَ إِنَا مَعْمَمُ عَنِ الرَّهُمِ الْقِصَّةِ فَال وَتُومِيْ فِي مُهَا -

زہری نے علی برجسین د زبن العابہ بن سے ہی صتہ روایت کیا علی برجسین نے کہا کہ دسول التُرصلی السُّر علیہ وسلم نے فاطریخ کوخا دم نہیں دیا تھا ۔

• و ووركل ثن المحمدة بن عبسى ناعنبسة بن عبد الواحد العَمَاشِيُّ قَالَ ٱبُوكِجَعْغِرِيَيْنِ ابْنَ عِبْسَلَى كُتَّا فَقُولُ إِنَّنَهُمِنَ الْاَبْدَالِ تَبُلَ ٱنْ نَسْمَعَ آقَ الْاَبْدَالَ مِنَ الْمُوَالِيُ فَالَحَدَّ ثَنِي الدَّخِيلُ بُنُ إِمَاسِ بُنِ نُوْجِ بُنِ مَجَاعَةً عَنُ هِلَالِ بُنِ سِمَاجٍ بُنِ مَجَاعَةً عَنُ إَبِيهِ عَزْجَةِ مِ مَجَاعَةً أَنَّهُ أَنَّى النِّبِحَ صَلَّى اللهُ عَلَيْرُوسَتُمَ يُطْلَبُ دِيَّتَ أَخِيلِهِ قَتَلَتُهُ بَنُوْسَكُ أُوسٍ مِنْ بَنِي ذُهُلِ فَقَالَ النَّبِي مَا لَى اللهُ عَلَيْ مِ وَسَلَّمَ لَوُكُنْتُ جَاعِلَالِمُشُرِكِ دِينًا جَعَلُتُ لِاَخِيُكَ وَلِكِنْ سَأَعُطِيْكَ مِنْهُ عُقَلِى فَكَتَبَكَ النَّبِيُّ صَكَّى اللَّهُ عَلَيْر وَسَكُوبِمِا نَتَةٍ مِنَ الْإِبِلِمِنُ ٱقَالِ يُحْسَبِ يُنْعَرَجَ مِنْهُ مُسُرِكِيُ بَنِي خُهُلٍ فَأَخَذَ كالِفَةُ مِنْهَا وَإَسْلَمَتُ بَنُوُدُهُ لِ فَطلَبُهَا بَعْثُ مَجَاعَةً إِلَىٰ ٱ بِيُ بَكِيْرِوَا تَا لَا بِكِنَّابِ النَّيِّ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ فَكُتُبَ لَهُ ٱلْبُوبَكِيرِ بِا ثُنَّى عَشَرَ ٱلْفَ صَاعِ مِن حَكَاقَةِ الْيَمَامَةِ اَدْبَعَهُ الآفِ مِرّاً اَرْبَعَتُ الآفِ شَعَيْدِ وَأَرْبَعْنَ الآفِ تَكْسِر وَ كَانَ فِي كِتَابِ النَّبِي صَلَّى اللهُ عَكَبُ و صَلَّولِ مَهَا عَدَ بِسُو الله ِ الرَّحُلِ الرَّحِيم هَهُ اكِتَ ابْ مِنْ مُحَتَّدِ النَّبِي صَلَّى اللَّهُ عَكَيْرِ وَيَسْلَحُ لِيَحَاعَة بُنِ مَوَارَةً مِنْ بَنِيُ سَكُلَى إِنِّي ٱعْطَيْنَهُ مِا كُنَّا مِنَ الْإِبلِ مِنْ أَوَّلِ حُمْسٍ بَجْوَرَ مِنْ مَنْتُرَي بَنِي دُهُلِ عَقْبُهُ مِنْ أَخِيلُهِ .

تعدابوبكر سے طلب كرنے آئے اور ان كے ہاس دسول الترصلى التراماع كور المرام كا خط لائے . لميں الو بكر في سے معدور يا آم كے استراد صاع معدور اور مجابئة كوروں الترصلى التراماع بحود ، چا دہزاد صاع مجود - اور مجابئة كوروں الترصلى الترعيد وسلم في جو مكتوب كلمواكر و با تقااس ميں ہے تقاكر ، سبجر التراكر حلى الرحيم : يہ كمتوب محدن مواكر و با تقااس ميں ہے تقاكر ، سبجر التراكر حلى الرحيم : يہ كمتوب محدن مواكر و محد ميں سے سبح كم ميں سے سبح كم ميں سے سبح كم ميں سے استحداد و نے اولين محسل ميں سے دينے كا حكم ديا ہے ہو بن ذقع كى سبحر بو سبح ميں الله كا اس كے بعائى كى طون سے عومن اور واجو ئى كے طور ہے ۔ واس مدیث سے بھی مال خمس كے مصادف ہو رقم علی اللہ علی اللہ میں منظم میں موروں میں اور استحداد کی اور اللہ كا اللہ میں موروں میں اور اللہ كوروں كے باك كا اللہ ميں الوقد كا يہ ما مان فرا يا كور حضور كا يہ خط بيش كيا تو عمران نے استحداد السيم الوقد كا يہ موروں كا يہ خط اللہ اللہ ميں موروں كا يہ خط اللہ كا اور جس مدین كيا تو اللہ كا اللہ كہ كا اللہ كا

بالب ما بجاء في سهم الصيغي باب سم العنفي من جو كيرواد د مواسع .

٢٩٩١ - حكا نَكَ الْحُكَدُّ مُنْ كَذِيْدِ اَنَا سُفُيانَ عَنُ مُطَرِّفِ عَنُ عَامِرِ الشَّغِيِّ قَالَ كَانَ اللَّهِ عَنْ مُطَرِّفِ عَنْ عَامِرِ الشَّغِيِّ قَالَ كَانَ اللَّهِ عَنْ مُلَا عَنُهُ اللَّهُ عَلَى الْمُعَلِّمُ عَلَى اللْعُلِمُ عَلَى الْعُلِمُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْعُلِمُ عَلَى الللْعُلِمُ عَلَى الْعُلِمُ اللَّهُ عَلَى اللْعُلِمُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْعُلِمُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْعُلِمُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى الللْعُلِمُ عَلَى الْ

عا مرشعبی گنے کہا کہ نبی صلی الشدعلیہ وسلم کا ایک حصدصی تھی کھیل تا ہقا،اگرجا ہتے توغلام ،اگرما ہے تو ہوئ^{ای) ہ} اگر ما ہتے تو گھوٹما ہو تاہیے مال غنیمت کا خمس نکا سلنے سے قبل نہند کو لیتے ستھے۔ دظا ہرسے کہ پردوا میت مُرسل ہے ، اصل مسئلہ ہر گفتگوسے قبل و ومری حدیث بھی وہ کچھ لیہے !)

٢٩٩١ حَكَمُ نَكُ الْحُكَمَّ كُنُ بَشَامِ نَا الْبُوعَاصِرِ وَآزُهُمْ قَالَ نَا الْبُقُ عَوْنِ وَالْسَاكُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّوَ وَالصَّفِيّ فَالَ عَالَكَ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّوَ وَالصَّفِيّ فَالْكَاكَ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّوَ وَالصَّفِيّ فَالْكَاكَ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّوَ وَالصَّفِيّ فَالْكَاكَ اللهُ عَلَيْهُ وَالصَّفِيّ بَوْخَنُاكَ مَنَ السَّمِنَ وَيُعْرَفُهُ اللهُ عَلَيْهُ وَالصَّفِيّ بَوْخَنُاكَ مَنَ السَّمِنَ وَالصَّفِي اللهُ عَلَيْهُ وَالصَّفِي اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَالصَّفِي اللهُ عَلَيْهُ وَالصَّفِقَ اللهُ عَلَيْهُ وَالصَّفِي اللهُ عَلَيْهُ وَالصَّفِي اللهُ عَلَيْهُ وَالصَّالِ اللهُ عَلَيْهُ وَالصَّالِ اللهُ عَلَيْهُ وَعَلَيْهُ وَالصَّالُ وَالْمَالُولُ عَلَيْهُ وَالصَّالِ اللهُ عَلَيْهُ وَالصَّالُ وَالصَّالِ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ وَالصَّالُ وَالصَّالُ وَالْمَالُ اللهُ عَلَيْهُ وَالْمَلْ عَلَيْهُ وَالْمَالُولُ اللهُ عَلَيْهُ وَالصَّالُ وَالصَّالِ اللهُ عَلَيْكُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ اللهُ عَلَيْكُ مَا اللهُ عَلَيْهُ وَالصَالِحُولُ اللهُ عَلَيْكُمُ اللهُ عَلَيْكُولُ اللهُ عَلَيْكُمُ اللّهُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُمُ اللّهُ عَلَيْكُمُ اللهُ عَلَيْكُمُ اللّهُ عَلَيْكُمُ اللهُ عَلَيْكُمُ اللّهُ عَلَيْكُمُ اللّهُ عَلَيْكُمُ اللّهُ عَلَيْكُمُ اللّهُ عَلَيْكُمُ اللّهُ عَل

ابن عون نے کہاکہ میں نے محد بن سیری سے سوالی کیا کہ دسول انٹر صلی اللہ علیہ وسلم کا معتبراور صفی کیا چیز تقی ؟ ابن سیرین نے کہاکہ ایک مصد تو آپ کے بیے مال غنیمت میں سے نکالا جاتا تقا ہو تنا م مسلمانوں کے ساتھ

كتاب الخزاج سنن ابی داؤدمیل *رحها*رم _የ/• ۵ بہوتا جا ہے آپ قتال میں موجود مز بہوتے،اورصفی یہ تھی کہ خس میں سسے سرحیز سے قبل آپ کے بیرا یک نفریا جان کال لی جاتی تھی رہے مدمث بھی مرسل ہے کیونکہ عامرتعبی کی مانندا بن سیرین تھی تا بعی تھے،صحابی مستھے) ىنتىمەسىج، بەردۈنون ھەرىنىيى م**رسل مونەنے كە**سائقرىما كىقراس مىنىمەن بى*ن تىقىي اڭك گەرىنىتە مەدىپ كى*ھ خىلان بىي كىرا ن مىي فتغى كتبوتع اعنيا أن كم بربه بي تعدير بي خلاف سے اس حدیث برب مکہ اوی اس کاتھی عام رفعی ہے بصفی کے متعلق برآیا ہے کہ صفی تقشیم سے قبل مادسے ماں میں سے ملالی جاتی ہی ۔ درا محالیکران مدریث بین متنی کا حمس میں سے بہونا بتا بلسے ذکرمالیے مال غنیبت پی سیعے بعنفید کا ذریب اس مسئله میں وہ سے جو کہ العبیرالکبیر کی شرح عمس الائم برمنرصی نے مکھا ہے۔ وہ تکھنے میں کر غنائع میں سے رسول اللہ صلی اللہ علیہ وستم کوکل تین قسم <u>کے محصہ ط</u>ح سقے را)صنی ر۲) عام کیا بدس کا حصر (س خمس الخن بسنی کا معنی برها کراپ تقشیم سے قبل کوائی چیز مثل کلوار، نرمه ، لوندی وغیرہ جو چاہتے *لیندکر پیستے تھے*۔ ز ما درع ما ملبت مين هي يه حفته ريه مالاركو د بگر حفتون سميت مكنا عقاء ايب شاعر نے كماسے كرد . ب كلتشات برباع منهكا والنشكفاكيا وَمَعَلَكَ وَالنَّبْنِيطُنَّهُ وَالْقُضُولَ -"اسلام نے مقی کے موال سے پیروں کوخت مرد یا ہے۔ بیرصنور کے ما تع فعموص عتی اور آپ کے بعد کسی اور کے لیے نہیں سے منى كے آپ كے بعد روسنے پر تواٹفا ق ہے مگر تمس ہيں سے جو حصہ خس الخس حفاظ ركا بھا ،اس ميں اختلات سيے ك آپ كے بعدوہ خلفاء كے كيے سے يا نہيں - اور بيرم شال السي القيديس واضح طور بير بايان سوا سے . ٧٩٩٣ . كُلَّ انْتُ أَحَدُدُ بُن حَالِمِ السَّلَيُّ نَاعُتُمُ نَعْبِي ابْنَ عَبْدِالدَاكِ السَّلَعِيُّ نَاعُتُمُ نَعْبِي ابْنَ عَبْدِالدَاكَ احِدِ عَنْ سَعِيْدِهِ يَعُنِي ابْنَ بَشِيْرِعَنْ فَتَنَادَةً قَالَ كَانَ رَسُولُ اللَّهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْسِ وَسَلَّوَ إدُاغُوا كَانَ لَهُ سُهُمُ صَانِ بَأُخُلُهُ مِنْ حَيْثُ شَاءٌ فَكَانَتُ مَنِفِيَّةً مِنْ لَالِكَ المتنهج وكان إذاكم يَغُذُ بِنَفْسِهِ خَرْبُ لَمُ بِسَهْمِهِ وَكُورُ عُنْ اللهُ قتاده وهنف كهاكه رسول التدصلي التلمطيه وسلم حبب قتال فوا تستقة توآب كا يك خالص من تترجي بهوتا تقاجو آپ جہاں سیے جاہتے لیے لینے سکتے ، کس صفیریہ اسی حققے میں سکتے تقیں۔اور حب اُپ قتال مذفرماتے تو اُپ کاحقہ تونكالا جاتا مُكر صفين كا اختيار بنرمونا تقا. منتمی**ے ،**ا م*س حدیبیٹ کا مطلب بہسے کردس*ول الٹرمسلی الٹرعلیہ *وسلم خود قبال میں نٹر بک ہزبہوسے حقے* کو آٹ کو صَفَى كَا اختيا رينه ومّا عَمَاء كَمُرِ حِعْرِتُ كُنْكُو بِي كُول سِهِ كُرُمِ فِي كَا اخْتَبَادِ رَسُول التُدصِيّ لا تشريكيه وسلم كوبرحالت من بهو تا عقا ۔ جنگ میں شامل ہوں یا رہوں - ہاں! اگرامل مبریئر رسول انتصافا نتا علیہ دسلم ی ا جازت سے میرسیم آ نے سے قبل ہی قال غنیت کوتقسیم کر لیتے تواس میں سے سفی رَز نکا بی مباتی، رز اس سیے کرصنو اُڑ کا حوِث صفی ساقط تہو گیا بلکہ اس ليكر تقسيم اس سع قبل واقع مولاً في مولانات ني فرا يا كرمت عقد من ومتأخرين مب سعيب في كايرةول نهيل ديكها مربى زبر إقيش كوحف وريف موخط مكما تقاوه أس كي البيكر تاسف السبي ال حيرول كا زكرسيد : توصيه وديسالت بميائيا ب العامت صلوة ، النائے ذكوة ، عنيمت كاخمس واكمة نا، رسول الشەتصلى التدعيليه وسلم كالتصداد أكز

وسَكُمُ أَعْنَقُهَا وَتَزَوَّجُهَا ـ

اللهُ عَكَيْبِ وَسُلُّمُ ـُ

٩٩٩٠ كل نَكَ مُسُاءَ مُسُاءُ وَ الْمُواَ وَ الْمُواَ وَ الْمُواَ وَ الْمُواَ وَ الْمُواَ اللهِ وَاللهِ وَاللهِ وَاللهِ وَاللهُ وَا ا

یز پر بی عبدالشدنے کہا کہ ہم مرتبر ہیں تھے دلبکرہ کا مربدیا پرتینہ کا مربد کہ ایک مجھ سے سرکے بادی والامرداکیا، اس کے با تھ میں مرخ مچول سے کا مکاٹلا تھا، بس ہم نے کہا: کو یا کہ توصح اوکا رہنے والا ہے ؟ اس نے کہا ہاں ہم نے کہا کہ میگر کڑا

سی سے بھی مروق اب ک سے بہا ہم کرتے وا اس کی مدین ابن الشخیر سے بھوائی ہے۔ شہرے بیزید بن عبداللہ سے مراد مشہور را وئ مدین ابن الشخیر سے ۔ نوطاً بی کہتے ہیں کہ مربد سے مرادیہ ال پر بھرہ کا ایک مشہود محلہ ہے ۔ ورند بقول مولا نا گذیبتہ سے دوسیل کے فاصلے پر عبی اس نام کا ایک سبتی موتود بھی ۔ نبوز مہر بن افسین منجو عکل کی ایک شاخ کا نام تھا۔ پر مکبھر سے بالوں والا متھی مرتھا۔ بڑئی تھر میں انتخاب مقابور سول الٹیوسلی الٹیولید وسلم کا معابی عاب سے نہ کہ میں رہائش اختیا دکر لی عتی اور سکتھ ہیں کہ دوسور سال کی عمر باپی تھی ۔ اس تحریر سے معلوم ہوگیا کہ نبی صلی الٹد علیہ وسلم کا مقد ہر برنگ ہیں بہوتا تھا نبواہ آئی ما منہوں با نہ ۔ اس طرح صفی کا بھی حال تھا اور مسقی آپ سے ساتھ حشس کی مانند معلیہ وسلم کا مقد ہر برنگ ہیں بہوتا تھا نبواہ آئی مامنہوں با نہ ۔ اس طرح صفی کا بھی حال تھا اور مسقی آپ سے ساتھ حشس کی مانند

بَامِيْكَ كَبُفُ كَانَ إِخْرَائِحِ ٱلْيَهُودِمِزَ الْمُكَانِيَةِ

باب مدمينه سعيهو د كااخراج كيول كريهوا؟

٠٠٠٣ - كَلَّانُكُ الْمُعَدِّ اللهِ اللهُ ال

مُعَاذِ أَنْ يَبُعَثَ رَهُطًا يَقُتُكُونَ مَ فَبَعَثَ مُحَتَى اَنْ مَسْلَمَة وَ وَكَرْفِطَّ مُعَلَمْ فَكُلُمُ فَكَا فَكَ مَسْلَمَة وَ وَكَرْفِطَ مُعَلَمْ فَكُلُمُ فَكَا فَاعَلَى النَّيْ مَلَى اللَّهُ عَلَيْسِ وَسَلَّحُ وَقَالُوا مُلْمِ وَكُونَ فَعَكَ وَاعْلَى النَّيْ مَلَى اللَّهُ عَلَيْسِ وَسَلَّحُ وَقَالُوا مُلْمِ وَكَا لَهُ مُكَالِمُ فَكَ كَدَلَهُ مُوالتَّيِ مَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحَ النَّيْ مَعْلَى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحَ النَّيْ مَعْلَى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحَ النَّيْ مُكَالَ وَدَعَاهُ مُلِلهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحَ النَّيْ مَعْلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحَ اللهُ النَّيْكَ مَلِكَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحَ اللهِ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحَ اللهُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحَ اللهُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحَ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَكُنْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحَ اللهُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحَ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَكُنْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحَ اللهُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحَ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَكُنْ اللهُ عَلَيْهُ وَلَيْ اللهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللهُ عَلَيْهُ وَلَيْ اللهُ عَلَيْهُ وَلَيْ اللهُ عَلَيْهُ وَلَيْكُ اللهُ عَلَيْهُ وَلَيْكُ اللهُ عَلَيْهُ وَلَيْكُ اللهُ عَلَيْهُ وَلَا اللهُ عَلَيْهُ وَكُنْ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ وَلَا اللهُ عَلَيْهُ وَلَيْكُ اللهُ عَلَيْكُ وَاللّهُ اللهُ عَلَيْهُ وَلَا اللهُ عَلَيْهُ وَلَا اللهُ عَلَيْهُ وَلَيْكُ اللهُ عَلَيْهُ وَلَا اللهُ عَلَيْهُ وَلَا اللهُ عَلَيْهُ وَلَا اللهُ عَلَيْهُ وَلَا اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ وَلِي اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ وَلَا اللهُ عَلَيْهُ وَلَا اللهُ عَلَيْهُ وَلَا اللّهُ عَلَيْكُ اللهُ عَلَيْهُ وَلَا عَلَيْكُ وَاللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا عَلَا عَلَيْكُونَ اللّهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْكُ اللّهُ عَلَيْكُونُ اللّهُ عَلَيْكُ وَاللّهُ عَلَيْكُ وَاللّهُ عَلَيْكُولُوا اللهُ اللهُ عَلَيْكُ اللهُ عَلَيْكُ وَاللّهُ عَلَيْكُ اللّهُ عَلَيْكُولُوا اللّهُ عَلَيْكُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْكُ وَاللّهُ عَلَيْكُ اللّهُ عَلَيْكُولُوا اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْكُ اللّهُ عَلَيْكُ اللهُ عَلَيْكُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْكُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْكُ اللهُ ال

کعب بن مالکتے سے روا بیت سیے جوات میں اً دمیوں میں سے تقاجن کی توبر قبول کی گئی ۔ کعب بن انٹرف دمیودی نبی صلی لنٹر عليہ وسلم جب مدينہ ميں تشريف لاسئے تووي_ا ں کے لوگ <u>طب جلے تق</u>ے .ان ميں سے گيھ مسلم سقے ، کچھ مشرک سقے بوتبو*ل کوبوسیت*ے مقے اور کی میودی منقے اور بیودی رسول الترصلی الشرطلیہ وسلم اوراً شیسکے اصحاب کودکھ بہنچا ماکر تے سقے بس الترتع الى نے ا سینے نبی کوصبر کااور عفو کا حکم دیا ۔ اوربہو د سکے متعلق بہآ میٹ الترنعا لی شے آنادی متی ۔اورنم بالصروران لوگوں سے جنہ ہی تم شیر پیلے کتاب دی گئی اود مشرکوں سے بہت اذ تیت سنویگے راک عمران ۱۸۷) کبس حب کعسب انشرے نبی مسلی انشرطافی سل يودكه بنجيأ نيست بإذنه أيا تونبي صلى التُرعليه وسلم نيص مترض معا ذكو حكم و بأكها يك جهاعت بهيج كمراسي تسل كرادي بسب اس نے محمد رہنم مسلم کو بھوا ۔اور کعدم نے اس ہیوری کے قتل کا فقتہ بہان کیا۔ جب ان بوگوں نے کعب بن اشرف کوتشل کر دہا تو بہودی اورمشرک گھرا کھٹے اور بوقت صبح دوسرے ون نبی صلح انٹرعلیہ وسلم کے پاس آئے اور بو لے کرہما رسے ساتھی کے پاس دات كوبوگ سكنےا ورَاسے قتل كر ديا گياہے بس نبي صلى الشرعليہ وسلم نے انہيں بتا ياكہ وہ كيا كها كر تا تھا اور نبي صلى الشرعليہ وسلم نے انہیں دعوت دی کہ آپ میں اوران میں ایک معامدہ کھے لیا جائے اورلوگ اس کی با بندی کریں ۔ میں نبی صلی انٹرعلیہ وسلم نے ا سینے اوران کے ورعام اہل اسلام کے ورمیان ایک بخریر کھوا ئی ریخادتی، دنسائی سنن ہی داؤد میں مباہر مبی عبدالعرخ کی دوائیت سے کتا ب الجہاد میں کعب بن الشرف کے قتل کا واقع گزر حیاسے۔ بخارتی کی حدمیث زیادہ طومل اور تمام سے متنعرس بعبدالرحمن داوى كاباب عبدالتربن كعب سيرجوم حانى نهين اوريذان من آدميون مي سنا مل تقاحن كا قضه سوره توربي خرکور بہوا ہے، لیں باپ سے مرا داگر بعب الترسے تو ہے مدست مرسل سیے ،ا وراگر باپ سے مرا د دا دا سیے ،ا ورعم بالرحمان سے ا سبخددادا كعنب بن مالك سع سعاع كيا ممنا توكير يه مديث منداور مقسل سع يمولا ناشف فرما باسم كهما فظ ابن حجر سف فتح البارى دكتاب التغنس مس حور وابت درج كي سيروه محبدالرزاق كيطرق سيرسيرا وررا وي كا نام عبلالرحمن بن كعب بی مالک سے گو باکوٹ بن مالک کے ایک جیلئے کا نام عبدالرحمل مخاص کی پرروایت سے ۔ بہذااس صودت میں عبدالشرکا

ing managang ng mga ng mga

وومنا سے نہیں ہوتی ابن سَعَدینے کھاسپے کہ بعدیں بہ تخریری معاہدہ مصرت علی من کی تحولی میں دیا بھا کعب بن اشرے کے مثلّ

ذکراس سندمیں کسی دلوی کے ویم سے ہوا ہے۔ بہ معاہدہ ہو معنورصلی الٹرولیہ وسلم نے کمعوابا بھا آ ہا یہ وہی ہے سیسے میٹا تی مدینہ کانام دیا گیا ہے اور میں پر بہت اچی مشرح ڈاکٹر حمید آ نٹرنے کھی ہے، باکو ٹی اور معاہدہ تھا ؟ اس دوایت سے بہ مرا حت

ر.. سر . كَلَّانَكُ مُصَمِّون بُن عَهُرِ و الْآيَا فِي نَايُولُسُ يَعْنِى ابْنَ بُكَيْرُ قَالَ نَاكُتُمُ لُن يُنِ ابْنَ بُكِيرُ قَالَ نَاكُتُمُ لُن يُنِ ابْنَ عَهُرِ مَا فَى ابْنَ عَهُرِ مَوْلَى اللهِ عَنْ ابْنِ عَبَاسِ قَالَ لَمَّا اصَابَ رَسُولُ اللهِ صَلّى اللهُ عَنْ ابْنِ عَبَاسِ قَالَ لَمَّا اصَابَ رَسُولُ اللهِ صَلّى اللهُ عَبْ بُنِ وَعِيرُ مِنَ عَنِ ابْنِ عَبَاسِ قَالَ لَمَا الصَابَ رَسُولُ اللهِ صَلّى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ صَلّى اللهُ عَلَى اللهُ وَعَلَى اللهُ عَلَى اللهُ وَعَلَى اللهُ وَالْمُ اللهُ وَاللهُ وَاللّهُ وَاللهُ وَاللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ وَالّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ

ابن عباس النعباس الله المرتب رسول الترصل الترعليه وسلم نے جنگ بَدَرَ مِين فنکست دی اور مدتينه ميں تشريف السط تو ميو ديول کو بنو قيفتاع کے بازاديں جمع فر ما با: اور فرما با: اسے ميود کی جاعت اسلام قبول کر لوقبل اس کے کہم کی مصيبت پہنچے جبسی کہ قریش کو بہنچی ہے ، ميو د بولے : اسے محد المهم ميں تها دسے دل کا بر نميال دھو کے ميں مدر کھے کہ تم نے قریش کے کچھوکوں کوقتل کر دیا ہے، وہ اناظری لوگ تھے جنہ ہیں جنگ کرنے کا وقعنگ نہیں آتا گھا ،اگر تم ہم سے

جنگ کرو گے تو تمسیں بیتہ چل مبائے گا کہم کمس قدر بہا درا ور بچر بہ کا لوگ ہیں اور بہ کہ تمہادامتقا بلہ ہم حبیبوں سے نہیں ہوا ،اس بچرالٹارتعالی نے بہ آبیت آبادی ،ان کا فرول سے کر دو کہ عنقریب تم مغلوب ہوگے ۔مُصرف سے آبیت کو بہاں تک بطریعا :ایک گروہ الٹلکی طرہ میں قبال کرنا تھا، یعن جنگ بدر میں ،اور دوسراگروہ کا فرتھا (اس حدیث کی سندیسی تحمد من اسحاق کا استاد محمد بن ابی محمد مولا ئے ذبہ ہم بن ٹا بہت بعول ذبہ ہی و مما فیظ مجہول سے)

٧٠٠٧ حَكَ فَكُ اللهِ عَكَ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ الل

محیق شنے سے روایت ہے کہ رسول النہ صلی النہ علیہ ولم نے فرایا : ہیود کے مردوں ہیں سے جس پر نہا را ابس پلے اسے قل کر دو پیس محیق نے ہود کے ناجروں ہیں سے ایک تنبید ہر حملہ کیا ہو اُن سے خلط ملط سکھتا تھا ، بس اسے قتل کر ڈالا ۔ اور شوکی تھے۔ ان میں حب محیق میں اور وہ محیق میں ہوا (بھائی) تھا ۔ بس حب محیق میں اسلام نیا یا نظا ور دشمن خوائی منمائس کے مال کی ہت سی جربی تر بے بیٹ ہیں ہے ۔ نے اُسے قتل کیا تو مور تھی ہو گئے ہوئی ہے ۔ اس کا بلا کھا جا اور شمن خوائی منمائس کے مال کی ہت سی جربی تر بے بیٹ ہیں ہے ۔ (محیق من کو کی منہ اور کی نظر اور کی نظر تو بیٹ کا نام مسعود میں ہودی ہمیں ہوں کے دار میں اور کی دور سے بیس مگر دسول النہ صلی النہ علیہ وسلم سے ان کی دشمنی اور کی نہ منہ اور کی نام اسلام کو نقصال بنیا یا جا ہے ۔ انہوں نے کوئی کر نہیں اور اور اور اور اور ال اسلام کونقصال بنیا یا جائے ۔

 $ilde{ t U}$ $ilde{ t U}$

صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّوَ إِنَّ كُفَّارُكُ رُشِي كَنْبُوْ إِلَّى ابْنِ أَ بَيِّ وَمَنْ كَانَ يَغِبُكُ مَعَهُ ٱلاُوْتَانَ مِنَ الْاَوْسِ وَالْخَزْرَجِ وَرَسُولُ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَكِيْسِهِ وَسَنَّكُو يَوْمَ سُيبِ بِالْمَدِ بُنَةِ قَبُلَ وَفُعَةٍ بَلُدِ ٱتُّكُوٰ اوَبُنكُ مُ احِبَنَا وَإِنَّا كُفُّسِهُ مِاللَّهِ كُتُعَا نِكُنَّهُ ٱوۡلَنُّخُرِجُنَّهُ ٱولِنَسْ بُرَكَّ إِبَبُكُو بِٱجۡمَعِنَاحَتَّى نُقْتُلَ مُقَا تِلْتَكُمُ وَنَسُتَبِيۡجَ لِسَأَنَّكُم فَكُمَّا بِلَّغَ ذٰلِكَ عَبُدُا اللَّهِ بْنُ أَبْرِ وَمُنْ كَانَ مَعَهُ مِنْ عَبَمَاةِ الْأُونَانِ إِجْتَ مَعُوا لِقِتَالِ رَسُولِ اللهِ صَلَّى اللهُ عَكَبُهِ وَسَلَّوَ فَكَتَا بَكُغَ ذَلِكَ النَّجَّ صَلَّى اللهُ عَكَيْهِ وَسَلُّوكِقِبَهُ مُوفَقَالَ لَقُكُ بِكُنَّ وَعِيْكًا ثُفَرُيْنِ مِنْكُو الْمَبَالِغَ مَا كَانَتُ تَكِيبُ كَاكُمُ بِٱكَنْرُمِيِّكَا تُنِرِيْدُهُ وَنَ أَنْ تَزِيدُ مُ وَابِهِ ٱ نَفْسَكُو تُونِيدُهُ وَنَ آَنْ تُقَايِّدُا ٱبْنَاءَكُمُ وَإِخُوا نَكُمُوفَكُتُا سَمِعُوا ذٰلِكَ مِنَ النَّبِيِّ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ تَفَرَّقُوا فَبَلَغَ ذلِكَ كُفَّارَقُ رَشِي فَكَتَبَتُ كُفَّارُ فَرَشِ بَعْكَا وَقَعَتْهِ بَلْإِدِ إِلَى ٱلْبَهْ وِ إِنَّنكُوا هُلَ الْحَلْفَةِ وَأَلْحُصُونِ وَإِنَّنَكُمُ لَتُقَاتِكُنَّ صَاحِبِنَا أَوْلَنَفُعَكَنَّ كَنَا أَوَلا يَعُولَ بَيْنَا وَبُينَ حَمَامِ نِسَائِكُ مُوسَّنُهُم وَهِيَ الْمَحَالِخِينُ لَ فَكَتَا بَلَعُ كِتَابُهُمُ النَّبَي صَلَّى اللَّهُ عَذَبُهِ وَسَكَّمُ إَجْمَعَتُ سُنُوالنَّضِيْرِ بِالْغَنْهِ دِفَارُسَكُوْا إِلَى النَّبِيِّ صَلَّى اللهُ عَكَيْبِ وَسَلَّوا مُخْرَجُ إِلَيْنَا فِي تُلْثِينَ رَجُلًا مِنْ أَصْعَابِكَ وَلَيَخُرُجِ مِنَّا خُلْتُونَ حُبُرًاحَتَّى نَلْتَقِي بِمَكانِ الْمُنْصَفِ فَيَسْمَعُرُمِنُكَ فَإِنْ مَمَّا نُولِكَ وَامَنُوا بِكَ امْنَا بِكَ فَقَصَّ خَبْرَهُمُ فِلْتَا كَانَ الْغَلَّا عَكَا عَكِيْهِمْ رَسُولُ الذَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَنَبُهِ وَسَتَّعَرَالِكَ تَالِيبُ فَحَصَرَهُ مُ وَقَالَ لَهُمُ وَإِنْكُمُ والله لا تَامِنُونَ عِنْهِ فَي إِلَّا بِعَهْدٍ تُعَاهِدُ وَفِي عَلَيْهِ فَأَيُوْ اللَّهِ يُعُطُّونُهُ عَهْدًا فَقَا تَلَهُ مُ يَوْمَهُ مُوذِلِكَ نُكُمُّ غَدَا الْغَدَ عَلَى مِنْ فُكُرُ مُظَّنَّهُ يَّ إِلْكُتُ رَبِّ وَتَرْكَ بِنِي النَّضِيْرِ وَدَعَ الْمُصْرِ إِلَى أَنْ يُعَاهِمُا وَهُ فَعَاهُمُا وَهُ

قَانُصُرُونَ عَنْهُمُ وَعَكَا عَلَى بَغِيَّ النَّصِبُرِ بِالْكَتَارَمِ فَقَا تَلْهُمُ حَتَى النَّصِبُرِ بِالْكَتَارَمِ فَقَا تَلْهُمُ حَتَى النَّصِيْرِ وَالْحَتِكُمُ لُوا مَا اَفَلَتِ الْإِبِلُ مِن المُتِعَتِمِ فَو اَبُوابِ مِيُّوتِهِ مُر وَحَشِبِهَا وَكَانَ نَحُلُ بَنِي النَّخِيرِ وَمِن المُتِعَتِمِ فَو وَابُوابِ مِيُّوتِهِ مُر وَحَشِبِهَا وَكَانَ نَحُلُ اللَّهُ وَاللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ وَاللَّهُ عَلَى اللَّهُ وَاللَّهُ عَلَى اللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَلَا اللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ عَلَى اللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَلَا اللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَلَا اللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَلَيْ اللَّهُ وَاللَّهُ وَلَيْ اللَّهُ وَلَيْ اللَّهُ وَلَا اللَّهُ وَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ

عبدالر حل بن بی کو اوراس کے ساتھ اوس و تر آج ہے ہو گریت پرست سے ان کو نکھا، اور رسول الشرصلی الشرطلیہ وسلم کے ایک صحابی سے روا برین کی کہ کفار قریش نے ابن ابن کو اوراس کے ساتھ اوس و تر آج ہے ہو گریت پرست سے ان کو نکھا کہ تم نے ہمارے ساتھی کو بنا ہو ی سے اور مراکتہ کہ تم سے بھا کا ہے ، قریش نے نکھا کہ تم نے ہمارے ساتھی کو بنا ہو ی سے اور مراکتہ کہ تم سے بھا کا موروز ہم سب کے سب بھا دی اور مراکتہ کی تم اس سے با روز ور تباہ کرویا اسے وہاں سے دہال کو دو ور در ہم سب کے سب بھا دی طوف ایمی کے میں گئے اور تہ ہاری کو تا لیس کے مساب نہ ہادی خطوب الشرطی ہوگئے۔ بھر جب بنی ہماری سے بھا وہ در سول الشرطی الشرطی ہوگئے۔ بھر جب بنی مراکتہ کی مراکتہ ہوگئے۔ بھر بہ نہ بنی اللہ علیہ وسلم کو بہ بنی اللہ وہ بھر بہ تو بہ بات شکی تو موا استرائی ہوگئے۔ بھر بہ تر بی سے دیا وہ بہ بھر بی اس میں اللہ وہ بھر بی ہوگئے۔ بھر بہ تر بی سے موادر اللہ بھر بی ہوگئے۔ بھر بہ تر بی سے موادر اللہ بھر بی ہوگئے۔ بھر بہ تر بی سے موادر اللہ بھر بی ہوگئے۔ بھر بہ تر بی سے موادر اللہ بھر بی سے موادر اللہ بھر بی ہوگئے۔ بھر بہ تر بی سے موادر اللہ بھر بی ہوگئے۔ بھر بہ تر بی سے موادر اللہ بھر بی سے موادر اللہ بھر بی ہوگئے۔ بھر بہ تر بی سے موادر ہوگئی ہ

مثنکہ ہے بمران برحملیاً ورمویئے اوران کو گھیر بیااوران سے فرہا یا، والشرقم میرسے ننر دیک اسمون وسلامتی اوراعتما د إلك معابرة منعقدنه كوبس انهول سنيكونئ عهدويمان دسيف سيع انكاركمه دماتوا لشكرول كو لمفركر منى قرليظة بريرحمله كيا اوربني نفتتر كويز ، سے معائدہ کریس انہوں بھی جا مدہ کر نیا تو آپ ان کی طرف سے وال ت صبح كوبنى نصنه برچمله أور و كب بس أرج أن تسع قبال كياختي كه وه صلا وطني برراً ا ونسط جتنا مجدا تھا سکے نعنی ان کا سازوسا مان اوران سے گھروں کے دروازے اور کھڑیاں وہ سب اٹھا کر سے سگ ے مبن چھراتھا کے بی ہی ماروں میں اور ہی اسلام کی انتہ علیہ وسلم کے تنقیری التُدتعا کی نے آپ کو عدہ بی تفنیہ کی تھجور و ں کے باغ خاص طور ہی ایسول اللہ صلی التّدعلیہ وسلم کے تنقیری التُدتعا کی نے آپ کو عدہ کے نقے اور آپ کی محصوص ملک منابع دیتے ہتھے اللہ تعالیٰ نے اور اللہ تعالیٰ نے ایسوال سے جو مال فی و باسے سوتم سناس بر گھوڑ سے اور سوار باں نس دور انس تعنی برجنگ کے مغیر ما تھا باہے فی تفتیر بزدرشِ شیرنئیں بلکہ (ازروئے مصا لحت مغتولے موئے تھے) بس نبی صلی ا لٹرعلیہ وسلم سنے ان باعول فتر دما برين كود شيخة ديا اوراننس ال كردميان تقتيم كرديا . اوراس مال سي سعدوا نصاري مردول كوهي ند يحقران دو كوعلاده انصار مي سيكسي وركا كي نهي ديا وراس مي سيرسول الترصلي التُرعليد كاصدقه ، سچ گيا جو فاطم رمنى التدعنها كي اولاد يحت ما عقر مين اينے ـ اس مدسیت میں ابن آتی کا باربار فرکر کا باہے اس سے مرا دعب المطرب آبی رئیس المنا فقین سے بہودیوں بیوں کے باہم مننے کی جو قرار داد کی تھی اور حس تاک بینج کراس مدسٹ میں سے فقص کا نےان کا واقعہ بیان کیا، وہ دا تعہر سرے کے حسب براوایت سیوطی، نبی میلی انٹرعکیبہ وسلمرا نیٹینش امعیآ ران ی طرف گئے اور تنتین ہودی عالم ماہر شنکلے عق کارجب بموارز میں برآ صفے سامنے ہو نے کہاکہ تم کس طرح اس کی طرف ار نینی معنور کی طرف) جاسکو گے بہا ہاس سے ساتھ اس سے لبرنا سيع وكئيس انهول سنے دسول التُدھ بجا کہ جب ہم سائط آدمی جمع ہوں گے تو ہات کیو نکر سنجو سکا یں گے ؟ آگ اپنے تین ساتھیوں کو ہے کواکمل اورسمارے تعبی میں علمارا ب کی طرب آئیں گے، وہ آپ کی ہائیں گئیں گے، اگروہ ایمان ہے آ کے تو ہم ئے ایس رسول الٹرمہالی الٹر علیہ وسلم اسٹیے بین ال امیان سے آئیں گے اور آپ کی نفیدر کئی کریں۔ و دی سئے عنہوں لیے عنے تھیا پر کھے انتقےاور وہ دم مُوَّمَارِ دِينَا حِاسِينَ سَقِيهِ بِسِ بِي نَفْسِرِ بَنِ سِيهِ الْمِنْ تُحْرِثُوا وعولَت ناسينه بِهَا في كوسينام بمعها جوانفعاد بي سية مرد نظاء اوراس عورت نے آئے سے بنا دیاکہ بن نفئیروللول التُدف بی السّرعلیہ وسلم کے ساتھ کیا کرنے کا

کرحفود ہو دیوں نگ پہنچے ہوں اس نے اس کے کان میں وہ بات کہ دی بس نبی صلی التہ علیہ وسلم والبی تربین سے گئے اور دوسرے دن سٹکر سے کر حملہ ادر ہوئے الخ اس مدیث میں دوا نف دیوں کو بی نفینبر کے مال فئے سے دینے کا ذکر ہے میلے ایک مدیث میں ایک شخص کا ذکر ہو جیکا ہے اور امام فخ الدین دان ی نے لکھا سے کہ وہ میں صاحبت مندا شخاص سکتے ؛ ابود جائز من

تھے میں اس کا حیاتی بیزی سے ایا ہوٹی کہ اس نے دیکھول انٹرصلی النٹرعلید وسلم کو بالیا ورقبل اس کے

مهل سن منده اورا می ارت بن المصمة - ا واس صریف پس اس مال پر صدقه و سول کا لفظاس سے بولاگیا تا کو منده منده والا کا الدت دسے و کا کہ منده کا دران دسے و کا کہ کا مندا کے سام کی کے دوران کا کا کہ دل کہ دلے کہ دل کہ دل کہ دل کہ دل کہ دل کہ دلے کہ دل کہ دل کہ دلے کہ دل کہ دلے کہ دل کہ دل کہ دل کہ دل کہ دلے کہ دل کہ

امام الوكر وصاص راذي في كما م كماس مريف سے دو باتي معلوم بوس -

٣٠٠٥ حَدَّانَنَا مُحَمَّدُهُ ثِنَ يَحْيَى بِنِ فَارِسِ نَاعَبُكُالِرَّمَّا فِي اَكَا ا بُنُ وَ مُون 2000 و 2000 و

ابن عرص سعدوایت سے کہ بنی نفنیرا وربنی قریقاد کے بہو دبوں نے رسول الترصل الترعلیہ وسلم سے ساتھ جنگ کی، پس رسول الترصلی الترعلیہ وسلم نے بنی نفنیر کو جلاوطن کیا ورقر تظیر کو برقرار کھا اور ان پراسیان فرما یا حتی کہ اس کے بعد قریظیر کو برقرار کھا اور ان کی عور تمیں اور مال حتی کہ اس کے بعد قریظیر کے بورسول الترصلی الترعلیہ وسلم سے آسطے تو آپ سے افراد اور اولا دسلمانوں بس نفیتم کر دی موائے بندایک کے جورسول الترصلی الترعلیہ وسلم سے آسطے تو آپ سے انہیں امان دسے دی اور وہ مسلمان ہو گئے ، اور رسول الترصلی الترعلیہ وسلم سے مدینہ کے سب بہو و کو جدا وطن کردیا، بنوقید نقاع جو عبد التدبن مسلام کی توم تھی اور بنی حادثہ کے بہو دی اور ہر مہودی جو مدینہ میں مقا

ربخاری،مسلم

بَابِنُ مَاجًاءً فِي حُصِيرِ أَنْ ضِ جَيْبَرَ

سرز بین خی*رَ بِسِ کُمُو*کُمُ کَا بِاللِّ ۷۰۰ سرر حکّا تکتاً کا گروگ بُنُ رَبْ ہِ ابْنِ اَبِی النَّرِی فَاعِ مَا اَ بِی کَ

حَمَّادُ بْنُ سَلِمَة عَنْ عُبَيْدِ اللهِ بْنِ عُمَرَفَالَ آحْسَبُهَ عَنْ نَافِعٍ عَنِ ا بْنِ عُمْرَاتَ النَّبِيِّي صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ فَا تَلَ رَهُلَ خَبْبَ؟ فَعَلَبَ عَلَى الْأَرْضِ وَالنَّخُلِ وَالْكَجُاهُمُ وإلى قَصْرِهِمُ فَصَالِحُولُهُ عَلِى أَنَّ لِرَسُولِ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحَ الصَّفَرَاءُ وَالْبَيْضَاءُ وَالْحُلْقَةُ وَلَهُ مُومَا حَمَلَتُ رِكَابُهُمُ عَلَى أَنَ الْكُنْكُولُولُ لِيُغَيِّبُوا شُنبُا فَإِنْ فَعُكُوا فَلَا ذِمُّنَّهُ لَهُمُ وَلَاعَهُمَ فَغَيَّبُو الْمِسْكًا لِحُيَيِّ سُنِ أخطب وفك كأن قُتِلَ قَبْلَ خَيْ كَرْكَانَ إِحْتَمَلَهُ مَعَهُ يَوْمَربِ خِي النَّضِيْرِحِيْنَ ٱجُلِيَتِ النَّصِيْرِ فِيهُ وَجَلَّتُهُمُ وَقَالَ قَالَ النَّبِّيُّ كَمَلَّى اللهُ عَكِينُهِ وَسَلَّوَ لِسَغِيمَةُ أَيْنَ مِسُكُ حُيِّتِي بُنِ أَخُطُبُ قَالَ أَذُ هَبَتُهُ الْحُرُوبُ وَالنَّفَقَاتُ فَرَجَدُوا الْمِسْكَ فَقَتَلَ ابْنَ أَبِي الْحُقَيْنِ وَسَبَانِسَائُهُمُ وَذَكَادِيَهُمُ وَأَنَاكَ أَنْ يُجِلِيَهُمْ فَقَالُولَ يَامُحَمَّدُ دَعْنَا نَعْمَلُ فِي هٰذِهِ الْلَهُمْضِ وَلَنِا الشَّكُمُ مَا بَدَالَكَ وَلَكَ الشُّكُمُ وَكَانَ رَسُولُ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ يُعُطِئ كُلَّ إِمْرُأَةٍ مِنُ نِسَائِهِ تُكَانِيْنَ وَسُفًا مِنْ تَمْرِوَعِشُرِينَ وَسُفَّامِنُ شَعِيْدٍ ابن عرض سے روایت سے کہ نبی سلی الشرعلیہ وسلم سے خیبر والول سے جنگ کی، بس باعوں اور زمین برغا اب آسکتے ا ورانهين ان كے محل كى طوف مجبور كرديا - بير بيود سفائيسسداس شرط بيمنسا محت كر لى كسونا، جاندي اور اسلحد ربسولِ الشُرْصلي الشِّدعَلية وسِلم كامهواء اعدان يحسيف وه مال بين حجواً ن ي سواريا ب ابني البشرطيكي وه مجهر منه جھیائیں اور کھ غامب نظریں، اگروہ ایسا کریں کے توان کا کو فی عہداور ذمتر نہوگا بیں ہوں نے عمیری بن ب كى ايك مشك د كھال) تھيالى رجى مى مال ودولىت اورنەيور سقى ئىي ئىن اخطىب جنگ خىرسەت قىبل مى تال موحيكا تقااوراس مشك كووه بى تفنيرك ون اعماكم كى عقاحبك نسيركو ميد وطن كياكيا داس بي ان كمذبور عقر. ابن عريف في كماكه منى صلى التعليم وسلم في سبعيد بهوري سع يوجها حري بن اخطب كي ميتك كما ل سع إس في که اکر جنگیں اور انتخار مات اسے سے مطفییں بھر مسلمالول منصف مالی ، بھرائن المقیق کورسول الترصل الله عليه وسلم سني قتل كرايا اوران كى عور تول اور بجول كو تدبرى بنالبا. اور صنور سنة الل تحبير كو حبلا وطن كرنا مها يا توانهون لي كهادا ك عمرهم كواس زمين مي كام كرنے و بيجة ورسميں نصف حصته وي بيكي حب تك أب كا خيال مس مرسي

د پنے کا ہوء اور بہما رسے لیے نصف ہوگا -اور رسول انٹر صلی انٹر علیہ وسلم اپنی از طاج ہیں سے ہر ہوی کو استی وسق کھی دا ور بہس وسق سی و رہا کر تے ہتھے۔

تفکی ہے ؛ خطا بی نے کہا ہے کہ خی ہی اعطب کی مشک سونے چاندی اورزلوروں کا ایک دخیرہ کا اور اُسے مسک الحمل کی مشک سونے چاندی اورزلوروں کا ایک دخیرہ کا اور اُسے مسک الحمل کہا جاتا ہے ۔ بیان کیا گیا ہے کہاس کی تیمت دس ہزار دینا رنگا کی گئی تھی ۔ بوہودی عورت بھی کہا ہے بنائی جاتی اُسے مستعاد سے کروہ زبور پہنا تے سقے ۔ انہوں نے دسول النصل التعلیہ وسلم سے شرط کی تھی کہ اسے کوئی سونا ، چاندی ، لوروغیرہ موجہ پائس کے ، مگرانهوں نے عمد شکنی کی اور پیمشک چھیا لی ، چران کا جومعاملہ مواوہ معلوم میں ہے ۔ دسول النگوس التا تعلیہ وسلم نے ہیو دخیر کی پیشکش مان کی تھی اور انہیں بطور کا شت کارنصف شائی کی منظ اور انہیں بطور کا شت کارنصف شائی

كى شرط مهرويس ريبنے ديا تھا .

مولا ناتشنے فرمایا کرنف ہے ایسٹ ، کر بع وغیرہ میرزمین کی مٹرائی میں اختلات مواسے یسی اسے علی ، ابن سعورہ ، سعدَحْ زمرِمْ اسُامُرُ، ابن عرمْ معاذ ا درخباب رضى الثارعنهم نے حالمَذر کھاسبے دورہی قول سے ابن المسیب بطائق ابن إن بيل، أوذاعي، تورى، الويوسع في أورا حدر صما للدكاء اور انهول في مزادعت اور مسا قات كوم نزد كما سے ، اور ایک گرو سنے اسے مکہ وہ تھہرایا ہے . بیہ ابن عباس خا ابن عرض مکرمِشہ اور نخعی سے مروی ہے ا ورسي ما لکتُ،ابوصنيفُهُ، ميٺُهُ مثانعيُ اورابوتُورُ کا مذمب ہے۔ان کے مُندویک مساقات ما مُنہ ہے مگرابوصنیفہ م ا ورز فرنشنے اسے ممنوع کما ہے اوران کے نز دیک مساقات اور مزارعت کسی صورت میں بھی حائز نہیں سے الوضیفہ ا ورز فررئے نے اس حدیث سے استدلال کیا ہے جس س مخابرہ سے مما نعب آئی ہے۔ رہا ہائی حیبہر کے سابھ دسوال نثر صلى التُرعليدولِلم كامعاً مليسوا منهول نے كماكه مير بطور مزادعت ومساقات مذيحا بلكه بطور نوائج عماكه رسول التهبل لتر عليه وسلم في ال بها حسان فرما يا تقا، ورنده و علاقه اورارامني اور باغات وعِيرو حصنور كى ملكيت عصطور مالغنيت اكربيمزار عب بوق توحفنور ائتي مدت بتات مكركوني مدّت منين بنان كلي حسي معلوم بواكربيمزار عبت مدّى ورىد مزادعت كوجا ندر كھنے والوں كے نزويك بھي باب مات مندوري سے .اورابو كر حصاً كن رازى سنے كهاہے كر محنور صلى التله عليه وسلم سفيد وسكيرا عقد جو نفست تفيل الور غلِّي كا معامله كيا تقاوه بطور تربير عقار لكن اس كاجزيه بهونا حفنور كى كسى حديث سعدا ورالوبكر وعررضى الندعنها سعدباسكل ثابت بتين مهوا . انجى اس مشكر برگفتگراتی سم ٥٠٠٠ حكاثنا أحُمَدُ بَنُ حَنْبُلِ نَا يَعْفُوبُ بَنُ إِبُواهِبُمَ نَا أَبِي عَن ا بْنِ السَّحَاقَ قَالَ حَتَّاثَنِي نَافِعٌ مَوْلًى عَبْدِاللَّهِ ابْنِ عُمَرَعَنَ عَبْدِاللَّهِ بْنِ عُمَرَاتَ عُمَرَفَالَ مَا أَيُّهَا النَّاسُ إِنَّ مَ سُولَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسُلَّوَكَانَ عَامَلَ يَهُودَ خَيْرَعَلِي آنُ نُخْرِجَهُ وَإِذَا شِتُنَا وَ مَنْ كَانَ كَهُ مَالٌ فَلْبَلْحَنْ بِهِ فَإِنِّى مُحْرِجُ بَهُوْدَ فَأَخْرَجُهُورَ وَالْحَرَدُ الْمُعْدِولِهِ عَلَيْ مُحْرِجُ بَهُودَ وَأَخْرَجُهُمُ وَ وَمِلِ اللهُ عَلَيْهِ وَالْمُ اللهُ عَلَيْهِ وَاللّهُ عَلَيْهِ وَاللّهُ عَلَيْهِ وَاللّهُ عَلَيْهِ وَاللّهُ عَلَيْهِ وَاللّهُ عَلَيْهِ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهِ وَاللّهُ عَلَيْهِ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهِ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ وَلَيْهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهِ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهِ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ مِنْ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْكُوا عَلَيْكُوا عَلَا عَلَيْكُ وَاللّهُ عَلَيْكُوا عَلَيْكُوا عَلَيْكُوا عَلَيْكُوا عَلَا عَلَالْمُ عَلَّهُ عَلَّهُ عَلَيْكُ وَاللّهُ عَلَّا عَلَّا عَلَّهُ عَلَا عَلَّا عَلَّا عَلَّا عَلَّهُ عَلَّهُ عَلَّا عَلَّا عَلَّا عَلَّا عَلَاكُمُ عَلَّا عَلَا عَلَّا عَلَّهُ عَلَّا عَلَا عَلَا عَلَّا عَلَا عَلَا عَلَّا عَلَا عَلَّا عَلَا عَلَا عَلَّا عَلَّا عَلَا عَلَا عَلَّا عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلَّا عَلَ سے اس شرط پر معاملہ کیا تھا کہ م حب مہامیں انہیں نکال دیں، اور حب شخص کاکوئی ویاں مال ہودہ ان سے لے کمہ

عفوظ كرسة كيونكه بي بهودكونكاسك والابهون. پهرحفزت بود نے الكونكال ديا و بهر بخرا كاير اعمال ان سكم نرما نهٔ خلامت بي بهوا تقا. پهيلى حديث بي كزر بو بكاسه كر بهو د كه سائق ابنين خير بي رسمة دسنه كى بوشرط بولى عقى وه يدهتى، پس بهود سنے كماكرا سے همير ! بهي اسى نهن بهام كرينے د بجيئے ، حبب مک بهب كى مرضى بو بهي نعسن مر ماد فرا ن به كمى ندمى فود بها في اصلام كونفشان بني نا ان كا و لميره تقا ، جنا ننج مصنرت عرض نداسى معالم دسے كا موالہ ويا سے اورا بينے زمان خلامت بي ابنين خيرست نكال ديا تقا .

م. ١٠٠٠ حَكَّا ثَنَا شُكِمًا كُ بُنُ حَاكِدَ الْمُهْرِئُ أَنَا ابْنُ وَهُبِ أَخْسَرَفِي أُسَامَهُ بُنُ زَبْدٍ اللَّبُرِي كَنَ عَافِيعٍ عَنْ عَبُواللَّهِ بْنِ عُمَرَفَ الْكَالَ كُنَّهُ أُفْتُنِحَتُ نَجِيْنِ رُسَا لَتُ يَهُوْكُ رَسُولَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلِيْهِ وَسَلَّمَ اَنْ يُقِيُّ هُمُرِعَلَىٰ أَنْ يَعُمَّلُوا عَلَى النِّصْعِبِ مِمَّا حَرَجَ مِنْهَا فَقَالَ مَ مُسُولُ كُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّو أُقِعُ كُمْ عَلَىٰ ذٰلِكَ فِيهَا مَا شِنْهُنَا كَكَانُوْاعَلَى ذبك وَكَانَ الْتَيَهُرُ يَقْسُمُ عَلَى السُّهُمَانِ مِنْ يَفْعِبَ جَيْبُرُوبَاخُذُ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهُ وَسَسَّعَرِ الْحُكُمُسَ وَكَانَ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَكَيْنُهُ وَسَنَّوا طُعَمَ كُلَّ إِمْرَأَ إِهْ مِنْ أَذُواجِهِ مِنَ أَلْخُكُسِ مِائَةً وسُنِي تَكُولُ وَعِشْرِينَ وَسُقَّامِنَ شَعِيْدِ فَكُمَّا الْمَادَ عُمُرُ إِخْسَرَاجَ اليكه ودارسك إلى أزُواج السَّبِي صَلَّى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمَ فَاللَّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمَ فَقَالَ مَهُنَّ مَنْ آحَبُ مِنْكُنَّ أَنُ أَفْسِمَ لِهَانَخُلَّ بِحَرْصِهَا مِائَنَةُ وَشُقِى فَيَكُولُا كها أصلها وارضها وماؤها ومن الزَّرْعِ مَزْرَعَن مُحرُص عِشْرُبَ وَسُقًا فَعَلْنَا وَمُنَ آحَبُ أَنْ نَعْزِلَ الَّذِي نَهَا فِي النَّحَمُّسِ كَمَا هُوَ

علی عبدالترب عرض نے کہاکہ حب خیبر فع ہواتو ہودیوں نے دسول التُرصلی التُدعلیہ وسلم مطالبہ کیاکہ انہیں اسی ترط بر وہاں رہنے دیں کہ خیر سے مصل ہونے والانحکہ وعنیرہ نصفا نصف ہوگا، کس دسول التُرصلی التُدعلیہ وسلم نے فرمایا کہ جب تک ہم چاہیں کے نہیں اس خمرط بریہاں علم نے دیں گے بس وہ اس شرط فریاں تھے اور کھجور دوغیرہ محیل خیر سے نصف کے حساب سے تقسیم ہوتا مقاا ور دسول التُدمیلی لتُرعلیہ وسلم خمنس ماصل کہ نے تھے اور نتیبرکے خس میں سے رسول النوسلی النوبلیہ وسلم نے اپنی ادواج میں سے مرعورت کوسووس کھجوراور میں وہتی ہودیئے سے۔ بھر حبب حضرت عرض نے بہو دکو نکا لینے کا ادادہ کیا تو رسول النہ صلی النہ علیہ دسلم کی از واج کو بہنیا م بھیجا اور اُن سے کہا کہ اَب یں سے جو جا ہم کہ انہیں خیبر کے باعوں کی کھی رہی ملیں کہ اندازہ کر کے سووسق دے دی جائیں یہ اُسے وہ اصل کھی دیں ان کی زمین اور با نی سمیت و سے دی جائیں گی اور کھیتی ہیں اتنی نہیں جس سے بہیں وسق برا مدم و وہ سلے کا ، جو برجا ہے ہم الیسا کریں گے اور جو جاہیں کہ ہم ان کے سیخ مس میں سے ان کا حصتہ نکال کہ الگ کر ہیں توایب کرویں گے د صبح مسلم باب المساقات ،

٣٠٠٩- كَلَّانْكَ دَاوَدُ بْنُ مُعَادِ نَاعَبُ ثَمَالُوَامِ فِحَ وَنَا يَعْقُوبُ بْنُ إِبْرَاهِ بِهِ وَزِيبَادُ بُنُ اَيُّونِ اَنَّ إِسْمَاعِبُ لَ بُنَ إِبْرَاهِ بِهِ حَتَّ تَكُمُّمُ

عَنْ عَنُوالْعَذِيْزِ بْنِ صُهَيْبٍ عَنْ اَنْسِ ابْنِ مَالِحِ اَنَّ رَسُولَ اللهِ حَنَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَنَّمَ غَزَا خَيْبَرَ فَأَحَدُنَاهَا عَنُوَةً فَجَمَعَ السَّبُى -

النس بن مالک سے روابیت ہے کہ رسول اللہ صلی اللہ علیہ دسلم نے خبیر بہر جواصا کی کیس ہم نے اُسے بزور شمشیر حاصل کیا اور قیدی بھی جمع کئے گئے آل اور ان میں حصارت صفیرین ام المؤمنین بھی تھیں جنہیں حصنور سے انداد کرے ان سے نکاح کیا تھا کہ اربخارتی ، مسلم ، نسالی) اس سے بھی بھی نابت ہواکہ حب خبر بزور شمشیر فتح ہوا تھا توویل سے باشندوں کو ویاں دینے دنا یا نکال دینا ہے خا لست صفود صلی الشعلیہ وسلم کی مرخی بہروقون تھا ، اور انهي ويال جور مينه دياكياب اكر عايت عقى حوال مع كائى -

سهل ين ا بي حشه ن كهاكدرسول الشرصل الترعليد وسلم في خيركو دوعمول من تعسيم كيا تقا، نعد عن تواسف وادف ونوائب ادراین صنورت سے بیے عقاا مدنصف مسلمانوں کے درمیان اسمار مصور برتعسیم ذما یا عقار منعر سے: معالم اَسنَ ميں امام الوسليمان الخطابي نے فرما ماكه اس مديث سے بيت ميلاكم كو في زَيْن جب فتح سواور بطور مال غنیت حاصل بو تواسع دمگرمال واسباب کی ما ننگر تقتیم کیا حاسکتا ہے ،اس میں اور دیگر اموال منقو اوغیر منقوار مئي كوئي فرق نهين بنوتا بخير بحرمعا ملے سے جو بات طام روہا سر ہے وہ یہ ہے کہ جنا ب رسول الله مملى للله عليه وسلم سنے است بزود شمشير فتح كيا كھاا ورسجب اس كى فتح يوں ہوئى تھى تووہ مرزى سارى مال غنيمت تھى ا ورَّاس صلورِت بي ديسول التُرْصِلَي التُرعليه وسلم كا حصداس بي خمس الخسس يغى ﴿ عَلَا ابْعَنِي وه حصرجس كا ذكرانتُ تعالىٰ دسول کا اورقرا بتداروں، پتیموں، مَسکینوں اورمسا ووں کا ہے۔ ا*ور مدیبٹ زیر نظریں ہے کہ ح*ضور کا محصہ اس مي سے نصعت مقابعہ من اپنے موا مع ونوائب مي صرف فرمات عقد، سور كر كم كن مهوا بخطا بى فراتيه بي كريه إشكال ال تعص كوينين إ تاسيم و فع تعيري الماديث واصاروم ويات كانتبع ندكر سي اورانسي جع و ۔ کے قاعد سعے در یکھے عور وفکر کے بعداس تعلیم کی وضاحت سامنے آتی سے اوراس میں کوئ اشکال باقی نہیں رمتا اس کا بیان یہ سے کنعیر کی کھربتیاں گاؤں اورز مینیں اصل نحیر کے دیا سے باہروا تع تہیں مثلاً، وطيعه، كتيبه النقيّ، ينطآة ادرسلاتهم وعنروا - بدعلات كيونوب ورسمند فقيمون كيف اعدا نهن تعتبم كرويا كيا تقار مُرْبِعِش مِالِ فَي كَتَّحَ كَمِيْنَكُ وه بزور لنمنْ رَفِح نهي موت مبلك مَا ساقي مَا زروستُ مصالحت قبض من آئ تقي ىس يەقتى رسول إنشرصلى دىنىرىلىدوسلى ئىكە سانة خاص تقى اورىيى دە اموال تىقى جنىسى آپ مصالى ونوائب ادر حامات کے لیے سکھتے تھے ۔ بس او کول نے ان دونوں تتم کے علاقوں اور ادامی کود کھا تو بورسے علاقہ متیبر میں بخدود مثمث ونتح بهونيودا بصاور تطوير فني باتق آسنے واسے لعمفا نصف سقے بینا نچہ ابن شہاب دہری نے اسے وضياحت كسع بيان كياسيد اور مدسيف بي بيرجو آياسي كم نصعف كومسلمانون تعدد ميان مراحمتول بيعتم کیا گیااس کا بیان اویرگزدیکاہے۔

حُكَّا ثُنَّا عَبُ ثُمَا اللَّهِ بُنَّ سَعِيْدِ الْكِنْدِيُّ أَلَا الْبُوْحَالِي بَعْنِي سَلِمًا كَ

عَنْ بَهُجَى بُنِ سَعِيْدِ عَنْ بَشِيْرِ بُنِ يَسَامِ فَالَ لَمَّا أَفَاءُ اللَّهُ عَلَى نَبِيّهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْ مِتَّةٍ وَ ثَلَاثِينَ سَهُمَّا جَمَعَ صَلَّى اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ مِنْ أَوْ ثَلَاثِينَ سَهُمَّا جَمَعَ صَلَّى اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ مِنْ أَوْ ثَلَاثِينَ سَهُمَّا حَمَعَ فَكُلُ سِنَّةٍ وَثَلَاثِينَ اللهُ عَلَيْ مَعَهُمَا وَعَزَلَ نِصْفَ اللَّحَرَ فَقَسَمَهُ اللَّحَرَ فَقَسَمَهُ اللهُ عَنْ اللَّحَرَ فَقَسَمَهُ اللهُ عَنْ اللَّحَرَ فَقَسَمَهُ اللهُ عَنْ اللَّحَرَ فَقَسَمَهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللَّحَرَ فَقَسَمَهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ ال

کشیری بیارنے کہاکہ حبب اللہ تعالی نے خیر کوانیے نبی ملی اللہ علیہ وسلم کے قبیفے ہیں دبا تو آپ نے اسے ہم محصول بن تقسیم فرمایا، مرحصتہ بھر آ کے سوحصول بن شمل تھا۔ بس اس کے نصف کو تو حصنور نوائب وحواد ث اور وفود ویز ہم کے سیار کھا۔ اور وہ یہ علاقے تھے؛ وطیکی، کتیب اوران دونوں سے ملحق علاقے اور بعض علاقوں کوالگ کریا اور مسلمانوں میں با نظر دیا مثلاً : شرق اور نطآء قاوران کے ملحقہ علاقے اور نسول اللہ علیہ ملاقوں میں مقا۔

 صَلَى الله عَلَيْهِ وَسَاحَرَ أَنَّ رَسُولَ اللهِ صَلَى الله عَلَيْهُ وَسَلَّوَظُهُ عَلَيْهُ وَسَلَّوَظُهُ عَلَيْ الله عَلَيْهُ وَسَلَّوَظُهُ عَلَيْهُ وَسَلَّوَ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّوَ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّوَ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّوَ وَلِهُ مُسْلِمِ بُنَ النِّصُعِ مَا عَنْ مِنَ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّوَ وَلِهُ مُسْلِمِ بُنَ النِّصُعِ فَ مِنَ الْمُسْلِمِ بُنَ النِّصُعِ فَ مِنَ الْمُسْلِمِ بُنَ النِّصُعِ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّوَ وَلِهُ مُسْلِمِ بُنَ النِّصُعِ اللهُ عَلَيْهُ وَلِهُ مَنْ اللهُ فَوْدِوَالْالْمُ وَمِنَ الْوَفُودِوَالْلُهُ مُومِ وَ لَيْهُ مِنَ الْوَفُودِوَالْلُهُ مُومِ وَ لَهُ مُنْ اللهُ عَذَلَ النِّصُعِ النَّامِ .

ذَوا يَكِ وَعَذَلَ النِّصُعِ النَّامِ اللهُ عَلَيْهِ اللهُ اللهُ مُنْ اللهُ اللهُولِي اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُلِللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ الله

بینرین بیا رمولائے انصارتے بی صلی الٹرعلیہ وسلم کے اصحاب کی ایک جماعت سے روایت کی ہے کہ حب رسول الٹرعلیہ وسلم خیر بم بغالب آئے واسعہ ۳ حصوں پر تقتیم فرما یا اور سر حصنے میں آگے سو عصد سے دہ بال اسلمانوں کے لیے تھا اور باتی سو عصد سے ، بس اس سارے کا نصف رسول الٹرعلیہ وسلم کے سیے اور مسلمانوں کے لیے تھا اور باتی نصف کو آپ سے ہم سے ہے والے وفدوں اور امور وحوادث کے لیے الگ کر دیا تھا .

٣٠١٨ - كُمَّا ثَنُكُأَ مُحَمَّدُ بُنُ مِسُحِيْنِ الْبَكَامِيُّ نَا يَحْيَى بُنَ حَسَانِ نَا لَمُعَيْدِ عَنَ بَغِيْرِ بَنِ بِلَالِ عَنْ يَحْيَى بَنِ سَعِيْدٍ عَنْ بَغِيْرِ بَنِ بَسَارِاَنَ مَسُكِمُكُ لَكُ بَكَ اللهُ عَنْ يَحْيَى بَنِ سَعِيْدٍ عَنْ بَغِيْرِ بَنِ بَسَارِاَنَ لَسُعُولَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَنَّعُ لَهُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَنَّعُ لَكُمْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَنَّعُ مَعَ هُولَ لَهُ سَهُ هُ كُمَّ لَكُمْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَنَّعُ مَعَ هُولَ لَهُ سَهُ هُ كَسَهُ وَسَنَّعُ فَيْهُ وَسَنَّعُ لَكُمْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَنَّعُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَنَّعُ وَسَنَّعُ مَعَ هُولَ لَهُ سَهُ هُ كُمْ كَسَهُ وَسَنَّعُ وَسَنَّعُ وَسَنَّعُ وَسَنَّعُ وَسَنَعُ وَسَنَّعُ وَسَنَّعُ وَسَنَّعُ وَسَنَّعُ وَسَنَّعُ وَسَنَّعُ وَسَنَعُ وَاللّهُ وَعَمَا فَلَكُمُ وَمَعَ اللّهُ وَمَعَى اللهُ وَمَا يَنْ وَلَا لَهُ مُنْ اللهُ عَلَيْهُ وَسَنَعُ وَالْمَعُولُ وَسَاكُونُ وَلَا اللهُ وَمَا يَنْ اللهُ وَمَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَعُ وَالْمَعُودُ وَقَامَلُهُ وَ وَمَا يَنُهُ وَمُ اللهُ وَمَلَى اللهُ وَمَلَى اللهُ وَمَا كَنُهُ وَمَا مَلُهُ وَاللّهُ وَمَا مَلُكُولُ وَمَا مَلُهُ وَاللّهُ وَمَا مَلُكُولُ وَاللّهُ وَمَا مَلُهُ وَاللّهُ وَمَا مَلُهُ وَاللّهُ وَمَا مَلُهُ وَاللّهُ وَمُعَلِيْهُ وَاللّهُ وَمَا مَلُهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَمُعَلِي اللّهُ وَمَا مَلَهُ وَاللّهُ وَمَا مَلَكُولُ اللهُ وَمَلْكُولُ اللّهُ وَمُعَلِي اللّهُ وَمُعَلِّلُكُولُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّ

بشیربن بیسارسے روابت ہے کہ جب رسول الترصلی الشرعلیہ وسلم کوالٹ تعالیٰ نے تیبر کے اموال فنی دیئے توآپ نے تیبر کو کل اس محصول ہیں تقتم فرمایا نصف بین ۱۸ جھے سلمانوں کے سیے الگ کر سیے ہر بیستے میں بھر آ گے سو حصے تھے بنی صلی الشرعلیہ وسلم بھی ان کے ساتھ تھے اور آپ کا بھی اُن میں سے ایک کی طرح ایک معصر تھا ،اور **BOSTO PORTO PORTO**

رسول التنصل التنظيد وسلم نصف بعنی ۱۸ حصے اسپنے حوادث و نواشب ورسلما نوں کے پیش آمدہ امود کے لیے علیٰ ہوہ کر نسا اور بیرو کیلئے اور کمنید اور شرلا کم اور ان کے توابع سقے ۔ پس حب اموال نبی صلی الترعلیہ وسلم کے ہاتھ میں اور مسلمانوں کے ہاتھ میں آگئے توان کے لیے مزدورا ور کا رکن نہ تھے ہوان میں کا م کر سکتے ، پس رسول التارصلی الته علیوسلم منے بہودیوں کو ملا ما اور ان سے معاملہ کیا ۔

مضم مع در میرسل روایت سبے و ملی خیر کے قلعول ہیں سے ایک قلعہ تھا ۔ کنیکہ خیر کی ایک بستی کا نام کھا بشق بھی ایک قلعہ تھا . نظافة ایک چیٹر کا ایک تعلیہ کھا بھی خیر کا ایک تعلیہ کھا بھی خیر کا ایک قلعہ کھا یہ کہ کا ایک قلعہ کھا ایس کے تعلیہ کھا ہے۔ قلعہ کھا اور بنی اسلام کھی خیر کا ایک تعلیہ کھا ۔ اس مدیث سے بھی ہی بہتہ قلعہ کھا تھا ور سے جومعا ملہ کیا گیا تھا وہ در اصل مزادعت کا عقد کھا کیو نکم مسلمانوں کے باس اسیسے کارکن نہ مقع جوزمین اور کھستوں مس کام کرتے ۔ اور کھستوں مس کام کرتے ۔

٥١٠٣ - كَلَّا نَتْنَا مُحَمَّدُهُ بُنُ عِيسَى نَامُجَمِّعُ بُنُ يَعُقُوب بُنِ مُجَمِّعِ بَنِ مُجَمِّعِ بَنِ مُجَمِّعِ بَنِ مُجَمِّعِ بَنَ مُحَرِّعِ بَنِ مُجَمِّعِ بَنَ مُحَرِّعِ بَنِ مُحَرِي عَنَ عَبِهِ مُحَرِّعِ بَنِ حَالِيَ عَنَ عَبِهِ مُحَرِّعِ بَنِ حَالِيَ عَنَ عَبِهِ مُحَرِّعِ بَنِ حَالِيَ عَنَ اللهُ عَبُواللَّوْمُ اللَّهُ عَبُواللَّهُ مُحَرِّعِ بَنِ حَالِيَ عَنَ عَبِهِ مُحَرِّعِ بَنِ حَالِيَ مَنَ اللهُ عَبُواللَّهُ مَا اللَّهُ مَا اللَّهُ مَا اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ ال

The respective sections and the section of the sect

١٠١٧ - كَلَّانْكَا حُسَيْنَ بْنَ عَلِيّ الْعَجَلِيُّ نَا يَجْيِى يَعْنِى (بُنَ الْدَمَ نَا ابْنَ اَبِيُ رَائِكَ ابْنَ الْمُوْرِيَ وَعَبْدِ اللّهِ بْنِ اَلْهُ بَنِ اللّهِ بَنِ اللّهُ عَنِ النّهُ هُي وَعَبْدِ اللّهِ بْنِ اَلْهُ بَنِ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَنْ اللّهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللّهُ عَلْكُ اللّهُ عَلَى اللّهُ الللّه

زبرتی اور عبدالسرب ابی بمراور فحد تن مسلم سکے ایک دارے سے روا بیت سے ءانہوں نے کہا کہ اہل فحیبریں سے کچے لوگ ہا تی رہ کئے نس وہ فلعہ بند بہو گئے ، بھرا نہوں نے رسول انٹرصلی انٹر علیہ وسلم سے مطالبہ کہا کہ ان کی حیان مجنثی كثروس اوران كے وطن سے مكل مبائے ديں بس رسول الترصلي التار عليه وسلفني كيا ، پھرابل فدك نے بير بات شي تو وہ معي اسی معابد سے برآت آئے ہیں فدک دسول التّرصلی التّدعلیہ وسلم کے دمائھ تحفوص کھاکیو نکے سلمانوں سنے اس میر گھوٹیہے اوراو منط نہیں دوٹرائے تھے ۔ربید وابت تھی مُرسل کے اورسلما نوں کے ان علاقوں پر کھوڑے اوراونٹ نەدورا نے كامطلب يەسمچەيس، تاجىكە انىيى بزورشمشىر فى نىس كىڭ عقا، درىد جهال كە مىلى كاسوال ہے، حملەلان سے بعض پر بھی ہوا تقام بیا کہ اسی روا بہت میں ہے میرحمتی شہر یا علاقے باگا وں وغیرہ کے مال فئی میں واقعل ہونے کا معيار ريط مراكواس كى فتحكيو لكرمونى عتى والروه عَنون الريزور شير فتح مبواتو مال غنيت ب ، الرمعا لحت سطاس مح باشند کے مبان بخشی کرا کیئے اور علاقہ بھیوڈ کرنسکل گئے تووہ مال نئی کے مصریث نمبر ہوں ہو کی شرح میں جوا مام فیزالدین ً رازی کا بیش کرده اشکال اورانی کا جواب نقل کیا گیا ہے، اگاس مائد بھی تبی اصول ترنظر رکھا جاسے جوہم نے بہاں إس مديث كي روشي مي عرض كيا سبه توكئ كتها التعبير ماني بير- اس تثريح كي روستي مي بني تَصَيْبر كه اموال مني مال فَيَ حقينهُم مَالِ غَنْمِتْ ،كيونكُ الخرى فيصله ان كابزورشمشيرنيين مواتفا بلكم مصابحت سعهوا ثقاً) والثام علم بالعليب ٧٠١٤. كَتَكُ نَنْنًا مُحَمَّدُكُ بُنُ يَجْيَى بُنِ فَارِسٍ نَا عَبْ كَاللَّهِ ابْنُ مُحَمَّدٍ عَنْ حُجَوْيُوبِيَةٌ عَنْ مَالِكِ عَنِ الزَّهُمِ يَ انَّ سَعِيْدَهُ بَنَ الْهُسَبَّبِ اَحْبَرَهُ اَنَّ تُرُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحَ إِ فَتَنَبَحَ بُعْصَ خَيْبَ رَعَنُوةٌ فَالَ ٱبُؤُ دَا وُدُونَمِ يُ عَلَى الْحَادِثِ بْنِ مِسْكِيْنِ وَ زَنَا شَاهِكُ آخُهُ رَكُمُ رِبْنُ وَهُبِ فَ الْ ﴿ حَتَا تَكِي مَالِكَ عَنِ ابْنِ شِهَا بِ آنَّ خَيْبَرَ كَانَ بَعْضُهَا عَنُونَا ۗ وَبَعْضُهَا ما نے دیا جائے۔ حبب امل فدک نے بیرک تو انہوں نے جبی انہی شطوں پر اپنا کا ڈرن حوالے کردیا ۔ بین حیب تو مسلمانوں کا مفتوحہ تقاا ور فدک خالصہ کہ سول التدعلیہ وسلم کی فئی تھی۔ ابن شہآب کی زیر نظار وائیت میں نوریہ ہے کہ سب اہل حدید بہت کو حصد ملاخوا ہ کوئی موقع پر موجود دی ابنیں تھا، کر تادیخ خمیر میں ہے کہ خواہل مدید بہت میں کیا گئر مرف الله کورسول الله مدید بہت میں سے مرف جا ہدین عبدالتاریخ کورسول الله مولی لائد علیہ وسلم نے انہیں میں خیب مصد دلوایا بنیز جہاجرین مبتدا وراشت می حصد دلوایا ۔ جا یدین کی امن دسے حصنور صلی التر علیہ وسلم نے انہیں میں خیب سے حصد دلوایا ۔

٣٠٢٠ - كَكُّانْكُ آخُمَكُ بُنُ كَنْبَلِ نَاعَبُكُ التَّرْحُمْنِ عَنْ مَالِكِ عَنْ زَيْهِ. ابْنِ آسُلَمَ عَنْ آبِيهِ عَنْ عُمَرَقَ الْكُولَا الْحِرُ الْمُسُلِمِيْنَ مَا فَنَحْتُ فَرُيَةً إِلَّا فَسَهُمُنُهَا كُمَا قَسَكُورُسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْنُ وَسَلَّحَ خَيْبُرُ.

حصنرت عمر رضی التّه عند نے فرما ما کہ اگر بعد میں آنے والے مسلمانوں کا خیال نہ ہونا (کہ وہ محتاج رہ جائیگے تو جو کو ڈئی سبتی بھی منتے ہوتی میں اسے اِس طرح تقتیم کمہ دیتا جس طرح کہ رسول النتر صلی النٹر علیہ وسلم نے غیر تو تقسیر کی تھ اس ایر ک

تشرح: اس سے معلوم ہوگیا کردسول الترصلی الله علیہ دسلم نے تیر کوملما نول برتقتیم کردیا تھا بمسلمانوں کے مفتوصہ علاقوں میں انگر فقد واجہاد کا اختلاف بہوائے۔ ابو مذید مسئے کہا کہ امام کو تقسیم کرنے یا حکومت کی احتماعی ملکیت قرار دینے کا اختیا دسے بیٹا فوج برکونقتیم کی تقالی طرح مساری زمین تقسیم ہوگی ۔ مالک نے نے کہا کہ امام اسے وقف کی حثیت دسے گا جیسا کہ حضرت عرف نے کیا متا اور عرف کیا متا اور عرف کی اندا میں موجو دگی میں ہوا تھا اور کسی نے اس بر نکیر بزگی لہذا ہم مسئلہ جماعی بن گیا۔ میں گذارش کرتا ہما کہ اس مسئلے میں مالک قریب قریب ہے اور انہیں اختیا رکھے بغیر جارہ نہیں۔ آج کل کہ اس مسئلے میں اور الو قوائی بدل چکے ہیں، فوجیں بھی با فتی اور انہیں اس دور کی ما نند ہے تنی او نہیں اس وقوائی اور الوقوائی اور دیگر تمام مسائل کے ڈھا سے بے بہاد میر نوعور وقائد کی مند سے تنی اور میں اور فائی دور ان اور دیگر تمام مسائل کے ڈھا سے بے بہاد میر نوعور وقائد کی صفورت ہے۔

باهيماكاء في خبرمكة

فنح مكرك واقعات كاباب

٣٠١ - ڪڏا ٽنگا عُنُمان بُن آئِي شَيْبَة نا يَخِي بُن اَدَمَ نَا اَبُنَ اِدُمِ نِيَكَ عَنْ مُحَتَّهِ بِنِ إِسْحَاقَ عَنِ الرَّهُمِي عَنْ عُبَبُو اللهِ بُنِ عَبْدِ اللهِ بُنِ عُتُبَتَهُ عَنِ ابْنِ عَبَّاسِ اَنَّ رَسُولَ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّوَعَامُ لُلُفُنْمِ جَاءَ ﴾ الْعَبَّاسُ ابْنُ عَبُوا لُهُ طِلِبٍ بِأَنِي سُنفيانَ بُنِ حُرْبِ فَاسْلُو بِمَتْدِ النَّطُهُمُ انِ فَقَالَ لَهُ الْعَبَّاسُ بِارْسُولَ اللهِ إِنَّ اَبَا سُنفيَانَ رَجُلُ بُحِبُ هُنَا الْفَخُرَفَ نَوْجَعَلْتَ لَهُ شَيْئًا قَالَ نَعَمُ مَنْ ذَخَلَ دَارَ اَنِي سُفْبَانَ فَهُوَا مِنْ وَمَن اَغُلَقَ مَا بَهُ فَهُوَا مِنْ -

ابن عباس صف روايت مع كه فتح مكه مك موقع برعباس بن عبد المطلب يسول التصلي الترملي والترملي والمرك بال ا بوسفيان بن حرب كولا عُرب الوسفيان مر الظهران كيمفام بإسلام المرا توعباس في في الاسول التلر! ابوسفیا ن وافر کونیند کرنے وِاللا و فی سے تواگر آب اس کے لیے کوئی چیز قرار دیں تو بہتر ہو حصور سف فرمایا بل ا جُوشِخُص ابوسَفْیان شکے گھرمی دا فل موجا سے اسے امن سیے اور جو نقیف اپنا درواز ہ بندکرہ سے سے امن سیے منتوج : الخطابي في كما سي كماس مديث من بي فقى مسلم سي كم مشرك حبب دار الكفر سي مكل استفاور اسلام قبول كمراك وراس كى بيوى دارا محفرس مالت كفر مريم والوان كى دوجيت منقطع مذم كى حب تك كم عدمت والم كزرنے سے پہلے پہلے وہ دونوں اُسلام بُرِ جُمعٌ ہومائیں۔اس موقع پڑتھی پیسول انتُرصلی انتگرعلیہ وسلم نے مکر فتح نہیں کیا تھا اور وہ واللسلام نہ نتا ، ابوسفیان مرابط آن کے مقام براسلام لا اوراس کی بیوی گہند انھی مشرک بھٹی اور مکہ میں تھی ۔ بھرو ہ بھی اس م سے آئ اور پیلے نکاح پر مرقرارر ہی داس مشلیم مریجے تفاصیل میں جن کے بیان کا محل بینسی حضور صلی التُدعلیه وسلم کا بیرتوں کر ، خوا بوسفیان م کے گھریں واِ مل ہوجا است امن سے آبا اس سے ان وگوں نے استدلال کیا ہے جن کا قول کے کرکتہ بندور شمشیر فتح ہوا تھا امام جب می علاقے ياشهركوبر ورخمشير فتح كري توجه مياسي امن دبرك ، جها عي ميقتل كردي، اسع بورًا ختيار سي-اسي طرح أكَّد وه واسبة تومفيتو مرزيين كوفا ننين بن تنتيم كرسا ورمان في نون كرس، يسول الشرصلي التدعليه وسلم ف مكرك زمین اور وہاں کے لوگوں کے گھوں کو انہی کے ہاتھ میں جھوڑ دیا تھا، تقسیم نمیں فرمایا تھا، کمہ کے بندور شمشر نی م قول الديوسوني، اوزاعى ا درعبيداً تقاسم بن سلّ م سع منقول الله عبد بركم البرعبية بسنة كما المرسول الترصكي الله عليه وسلم في ابن مكر مراحسان فرما يا أزمن ، مكانات اورجا ثلاد انهين وأبس كردية يرمكه مي رسول التُدهسلي التُدعليدويلم ك خصوصیت متی - مکہ کے علا وہ کوئی اورا مام اورسر برا وسلطنت کسی علاقے اورشہریں ایسا نہیں کورسکتا رسبب برکوکک تام ابراسلام کا قبلہ اور سجد ب جو بیلے چلا جائے وہ جس ملک کوم استعمال کرسکتا ہے۔ اس سے گھرو ل کا كرا يركخ وه ہے اور د باك ي جائداد عنر منقوله كي سينهي موسكتي، بيربات سي ورشريا علا تحيين نئيس ہے -امام مشافعي نے کہا کہ مکہ ازروے صلح فتح نہوا تقاا ور دخول مکہ سے قبل رسول التنصلی الترعلیہ وسلم نے وہاں کے باشندول کو بہت سی صور تول میں امان دی متی ان میں سے تعفی اسلام سے آسٹ اور بعض اسلام مزلائے بلکہا فان میں دا نمل ہو سکتے ہمٹاکہ ہنھیا وال دسینه اور گھروں کے دروانہ سے بند کر سیاہ سپ دب بیصورت تھی توکسی سلم کامال میا ہے۔ امان دی گئی ہوائس کا مال بطورِ مال غنيمت محمول كرنسامان كتا ؟

٣٠٢٢- كَتَانَنَا مُحَمَّدُ أَنُ عَمْرِو (لرَّازِيُّ نَاسَلَمَةُ يَعُنِي ابْنَ الْفَصْلِ

عَنْ مُحَمَّدِ بُنِ إِسُحَاقَ عَنِ الْعَبَّاسِ بْنِ عَبْدِاللّهِ ابْنِ مَعْبَدَ بِمُثَّلِ مُغْثَرُ اَهْلِه عَنِ ابْنِ عَبَاسِ فَالَ لَمَنَا نَزُلَ النَّبِيُّ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمَ بِهُرْ الظَّهْرَانِ قَالَ الْعَبَّاسُ قُلْتُ وَاللَّهِ لَيْنَ دَخَلَ رَسُوْلُ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ مَكَّتَ عَنُوَةٌ قُبُلَ ان يَاتُولُهُ فَيَسُنَا مِنُولُهُ إِنَّهُ لَهَلَاكَ قَرَلَيْرٍ فَجُكَسُتُ عَلَى يَغُكَةِ رَسُولِ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحَ فَقُلُتُ لَعَلَّمَ أَجِدُ ذَ حَاجَةٍ يَا تِيْ ٱهْلَ مَكَّدَ فَيُخُيرُهُ وَبِمَكَانِ رَسُولِ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْنَا وَسَلَّوُ لِيَخُرُجُوا إِلَيْهِ فَبَسْتَا مِنُوْهِ فَإِنَّى لاَسِيْرَا ذُسَمِعْتُ كَلَمَ إِنَّى لاَسِيْرَا ذُسَمِعْتُ كَلَمَ إِنَّى سُفْيَانَ وَبُكَيْلِ بُنِ وَرْفَاءَ فَقُلْتَ يَا اَبَاحَنَظَلَهَ فَعَرَفَ صَوْقِ فَالْ ٱبُوالْفَضْلِ قُلْتُ نَعَمُ قَالَ مَالَكَ فِهَاكَ إِنِي وَأُوْتِي قُلْتُ هِٰ فَالْسُولِ الْ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ وَالنَّاسُ قَالَ فَهَا الْحِيْلَةُ فَالَ فَرَكِبَ خَلْفِيُ وَمُرَجَعَ صَاحِبُهُ فَكُمَّا أَصْبَعَ غَكَاوُتُ بِهِ عَلْ رَسُولِ اللَّهِ صَالَى الله عَكَيْ وَصَلَّمُ فَأَسُكُو فُلُتُ كَا رَسُولَ اللَّهِ إِنَّ أَبَا سُفَيَانَ رُجِلٌ بِهُجِبُّ هِ نَهُ الْفَخُرُفَاجُعَلُ لَهُ شُكًّا فَالَ نَعُمْرِمَنَ دَخَلَ دَامَ أَبِي سُفَيًّا نَ فَهُو امِنَّ وَمَنْ اَغُلَقَ عَلِينهِ دَارَةُ فَهُوَ امِنَّ وَمَنْ دَخَلَ الْمَسْجِلَافَ هُوَ مِنُ فَالَ فَنَفَرِّقَ (لِنَّا سُ إِلَّى دُورِهِ عُووَ إِلَى الْمَسْجِدِ.

 سواد ہوگ اوداس کا ساتھی و انہی لوٹ گ ۔ جب جسے ہم و گی تو میں اسے سے کر جسے سویرسے رسول النگر سلی الدُّعلیہ وسلم کی فکت میں جا ہا عذہ ہوا ہیں وہ اسمام ہے آیا ہیں نے کہا یا دسول النگر: الجوسفیا ان کیک الیسا سنخف ہے جو فخر کولپند کرتا ہے ہیں آپ اسے کچرع طافر مائیں بحضور شینے فایا: ہاں اِ جوشنف اِلوسفیا کے کھو ہیں واضل ہوجائے اسے ا مان ہے، ہوانیے اوم ا بنا گھر بند کر لے اُسعے امان سے اور جو کمسجہ جوام میں واضل ہوجائے اسے امان سے ابن عباس شنے کھاکہ بھرلوگ اسپنے کچروں میں کہ جرگئے اور محد کی طوف جلے گئے ۔ راس حدیث کی سندمیں ابن عباس سننسے روایت کرنے والما ایک مجہول

نسرے بعب سن تو مکسے بجرت کرکے نکل آئے تھے لہذا وہ اب کمی ندرہے تھے۔ بہذا بت بہیں ہوسکا کہ اہل مکہ میں سے س نے ان کے ایا مان طلب کی تقی لہذا جن لوگوں نے اس مدیث سے مکہ کے صلی فتح ہونے کا استدلال کیا ہے ان کا استدلال تام نہیں ہے۔ جما ہر علم کا کی تقول ہے کہ کہ تہ برور شمشیر فتح ہوا تقاامام شا فی اس تول میں متفود تھے کہ کہ صلی فتح ہوا تھا ام مشافی مسلی فتح ہوا تھا۔ مسجوع احادیث میں آچکا ہے کہ حضور سنے ارشا و فرایا: مکہ کی حرمت میری ضاطر دن کی صرف ایک گرطی میں ملال ہوئی تھی اور بجر قریامت تک لوٹ آئی ہے۔ اس ادشاد کا مشافی ہے کہ مکہ منوق آئی فتح ہوا تھا ور دہ ترمیت کو ایک مطلب ؟

٣٠٧٣ - كَلَّانْنَا الْحَسَنُ بُنُ الطَّبَاجِ نَا إِسْمُعِيْلُ يَعْنِى ابْنَ عَبُو الْحَدِيْمِ نَا إِبْرَاهِيُكُو بُنُ عَقِيُلِ بُنِ مَعْقِل عَنْ آبِيهِ عَنْ وَهْرِب فَالَ سَأَلَتُ جَابِرًا هَلْ غَنِهُوا يَوْمَرالْفَنْجِ شَيُّا قَالَ لا ـ

ومب بن منترنے کہ کرمی نے ماہراط سے پو جھا : کیا لوگوں نے فتح کہ کے دن کھی غنیمت ماصل کی تھی ؟ اس نے کہ اکر منہ ۔

٣٠٢٨ - كُلَّا نَتْنَا مُسُلِوُ بُنُ إِبْرَ (هِبُحَ نَا سَلَامُ بُنُ مِسْكِيْنِ نَا تَابِثُ الْبُنَانِيُّ عَنْ عَبُوا لِللهِ بْنِي بَاجِ الْانْصَارِي عَنْ مَنْ فَكُرِيْرَةَ أَنَّ النَّيِّيَ صَلَّى اللهُ أَ

عَكَيْهُ وَسَلَّوَكَمَّا دَخَلَ مَسَّحَةً سَرَّحَ الزُّبَيْرَيْنَ الْعَوَّ إِمِوَا بَاعُبَيْدَا الْ بُنَ الْجَرَّامِ وَحَالِمَ بُنَ الْوَلِيْءِ عَلَى الْحَبُلِ وَقَالَ يَا أَبَا هُرَيُرَةً إِهْنِفْ بِالْانْصَامِ قَالَ (سُلُكُو الْهُنَا (لطَّرِيْنَ فَلَا يُشْرِفَنَّ نَكُمُ أَحَنَّا إِلَّا أَنَّهُ تُمُولُهُ فَنَادًى مَنَادٍ لَا قُرِنْشِ بَعْدَ الْيَوْمِ فَقَالَ رَسُولُ اللهِ صَلَّى الله عَكِيْهِ وَسَلَّوَ مَنْ دَخَلَ دَارًا فَهُوَ امِنْ وَمَنْ اَلْقَى السَّلَاحَ فَهُو المِنَّ وَعَمَدَ صَنَادِ يِنُهُ قُرُيْشِ فَكَاخَلُوا الْكَعْبُنَهُ فَعَصَّ بِهِمُ وَطَافَ النَّبِيُّ صُلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ وَصَلَّى خَلْفَ الْمَقَامِرْتُكَرَّ أَحَمَا بِجَنْبَنِي الْبَابِ فَخَرَجُوْ الْفَبَايَعُوا النَّبِيُّ صَلَّى اللَّهُ كَلِيْهِ وَسَلَّوَعَلَى الْإِسْلَامِ -ا بوہر پر ہُٹنے روایت سیے کہ نبی صلی استرعلیہ وسلم حبب مکر میں داخل ہوئے تو آئی سنے زہر برہ معوام ہابو عبیدہ ن الجراح اور فالدين الوليديكو كهورون برروا تدفرها بالورفرها بالإساب تبريية إا نصار كو بيارو- فرما ياكه بيراسندا فتيار كرو-بس کو ڈیھی جو ہماری مزاحمت کرے اسے سُلادو (موت کی نمیند) پس ایک پکارنے واسے نے آوائد بدند کہا: آج سے بعد کوئی قریش نمیں ہوں گے. سِ سِول التُرصل التُرعليہ وسلم نے فرما یا بتو شخص کسی گھرمی باابوسفیا ک کے گھرمی) داخل ہوجا ا میں اور جوم بھیار ڈال دسلاسے اما ن سیعے ۔ قریش مے سردارا ور بڑے کا کو میں داخل موسکے اور کھیا ور کھیا کہ سے اسما مان ہےا در جوم بھیار ڈال دسلاسے اما ن سیعے ۔ قریش مے سردارا ور بڑے کا کور کھیہ میں داخمل مو گئے اور کھیا ک بجرگیا . اور نبی صلی انٹرعلیہ وسلم نے طوا وٹ کیاا ورمقام ، اکبراہیم کے پیچھے نما زیچے سی بھراٹی نے تعبہ کے دروا زسے کے دونوں کواڑ بکڑے ہے تو لوگ اہر نسکے اور نبی صلی النٹر ملیہ وسلم سے اسلام ہر سبعت کی۔ اُبوداؤد سے کہ کرمیں نے ایک شخص كوا حمد بن صنول سيس سوال كرست سن كري مكر بزود شمشر فتح سؤا تقاءا حمد في طايا بوعم صورت تقى تجهاس سع كيا نقصان اس نے کیاکہ کیا پھر صلے سے فتح ہموا تھا ؟ احمد آنے کہا نہیں. راصل مدیث مسلم کتا ب ابھا دہیں مروی ہے ، تشريع: تا ريخ خيس سي مي كرحب الوسفيان اور حكيم ربن حزام رسول الترسلي الترمليد وسلم ك بإس سد مكه كاطرت والیں لؤسٹے تو تعضور نے اُنکے پیچے زریش بن العوام کونہا جرین اورانفدار کے گھوڑ سوار رسا سے کاسپہ سالار بنا بھیجااور مكم دياكم كوا المستة المين المرحوق مي لمندترين معام برحضور كالمجنظ اكالروسيد بدعبي فوا ياكم مرسة من تك فم ولیں عظم نا ۔ ابد عببہ و ابن الجراح كو حصور كرتے تبدل وكد لكام بسالار بنايا . بس زمير اساكسميت جون مك حا بنجا اوروبين تظهر كيا . فالدين الوليد حوداني بازون كامير نقا است حكم مواكر قضآء ، بني سَلَمَ ، اسكَم عفا مرج مبينه مُزينه اور باتى قبابل كوس عقر ميك مرجلي بس فالدم اليقا كي مقام سنة مكركي خيلي طرف سنة داخل مواا ورا و بال برينو بكر ، بوالحارث بن عبد مناة اورا حابیش نتصحن کو قریش نے اپنی مدر بر مملا یا تقااورا نهیں مکہ کی خپلی جانب تقها یا ہوا تقا۔ رسول النّهُ صبلی لنّد عليه وسلم نے خالد كوئى دياكہ الدى كى انتها ومن ماكرانا جھنڈا كالرد ، وررسول المندصلى اكترعليه وسلم في خالد اور یر میں سے فرمایا تھا کیا دخود قبال مذ*کریں، جو مزاحمت کمہ ہے*ا وربط سے اس سے بھریں بیس زبیر کی طرف کو کی قبال نہیں ہوا اور كمَهُ كَى تَلِي جَانب سے جہاں سے خالد من مقام ليكا سے داخل ہوئے تھے وہاں ہے قریش بنو كر اور اُحا بَيش نے نظافی

شروع کی پس فالد سند اور دہ شکست کی گئے اور ہی مذبق ہوسے تدیں با جا رقبل کئے اور وہ شکست کی گئے اور وہ سنا انداز اور ہو ہوں اور ہو ہوں انداز ہوں انداز ہوں ہور ہے ۔ مکہ کا دہر کی طاقت تشریف لاسفا ور وہ ہیں آپ کا قربہ لگا باگ حب میں آپ زوکش موسئے ۔ طواف کر چھنے کے بعد رسول الشوسلی الشرعلیہ وسلم نے فروایا: است قربش کی جماعت انتمالاً حب میں آپ زوکش موسئے ۔ طواف کر میں ہے والا ہوں؛ وہ ہو لے: آپ امچھا سلوک کریں گئے ، کرم میں ان اور کرم میں جھنے ہیں۔ کیا خیال سے کہ میں آزاد کر دیا تھا۔ انداز میں انداز اور کرم میں ہوری ہوں ہو ہے ۔ انداز اور کے انداز اور کئے ہوسئے میں گذارش کرتا ہوں کہ مشرح مسلم میں ہیں سنے اس حدیث ہو مدرید اس طرح اہل کہ کا نام کلفتا وہ با ایسی آزاد کئے ہوسئے میں گذارش کرتا ہوں کہ مشرح مسلم میں ہیں سنے اس حدیث ہو مدرید

علماء کے ایک گروہ نے کہا ہے کہ کہ کے گووں کو بچینا اوران کا کرایہ لینا ملال نہیں اور پر بھراں تکروہن العاص سے مروی ہے۔ عملاً اور غمر بن عبدالعزیز سے مکہ کے مکا ناست کے کمائے کی مما نعت ثابت ہے۔ احمد من صنبی سے کوائے کی مما نعت کی مگر اس کے مکا ناست کی ٹریدو فرونست کو حضرت عمر صنکے دارا اسچن کی ٹمرید سے استدلال کر سے جائز قرال و باہے۔ اسحاق بن را بہو یہ کے کہا کہ کمہ کے مکا ناست کی ٹریدو فرونست اور امبارہ مکروہ ہے۔ لکین اسے بچینا آسمان توسیع میں گذارش کرتا بہوں کہ حنفیہ کے نزدیک کہ سے گھروں اور مکا نوں کی ٹریدو فرونست اور ان کا کراہے جائم نہیں سے۔

بالبن مَا جَاءً فِي خَسَرِ الطَّائِفِ

بينگرطا نُعن كاباب

٥٩٠٠٥ ـ كَمَّا ثَنَا الْحَسَنُ بُنُ الصَّبَاحِ نَا الْمُعِبُلُ يَحْنِي ابْنَ عَنْدِ الْكَرِيْجِ كَا الْمُعْبِلُ يَحْنِي ابْنَ عَنْدِ الْكَرِيْجِ كَا الْمُعْبِلُ يَكُونُ الْمُعْبِلُ الْكَرِيْجِ كَنَ الْمِيْمُ عَنْ وَهُب فَ الْمُ

سَالُتُ جَابِرُ اعْنُ شَانِ تَنِفِيُو إِذْ بَا يَعَتُ قَالَ اشْتَرُطْتُ عَلَى النَّبِيِّ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسُلَّواً أَكُصِمَا فَذَ عَلِيهُا وَلاجِهَا دَوَا تَهُ سَمِمَ النَّبِيِّ صَلَى اللهُ عَكِيْهِ وَسَلَّوَ يَعُمَا ذَٰ لِكَ يَنْهُولُ سَيَتَصَمَّا فُوْنَ وَيُجَاهِمُ وُنَ إِذَا اَسْلَمُوا -

وہہب بن منبہ نے کہ کہ ہیں نے جا برانسے تبید تقیقت کی ما لت وظرط کے بادے ہیں ہے جھا جبکہ اس نے بہ صلی اللہ علیہ ولم سے بیت کہ تھی ۔ جا برانسے کہ کہ کہ انہ و سے بیٹر طکی ان کے ذمہ صدقہ اور جہا دنہ ہوگا، اور جا برانسے اس سے بعد رسول الند صلی اللہ علیہ وسلی سے اور جہا دہ ہی کریں گے۔ رسول الند صلی وسلی اللہ علیہ وسلی اللہ علی کہ من وسلی اللہ علی کا من وسلی اللہ علی میں میں ہے کہ ان لوگوں کے صد قدر زکو قالی میں کہ عنظر میں اللہ ان سے سینوں کو سے بیٹ میں میں اسلام کے لئے کھول دے گا ور بیا کہ منظر میں اللہ اللہ میں کہ عنظر میں اللہ اللہ میں کہ عنظر میں اللہ اللہ میں کہ ان اور میں کو اسلام کے لئے کھول دے گا ور بیا کہ اسلام کے لئے کھول دے گا ور بیا کہ اسلام کے لئے کھول دے گا ور بیا تمام اعمالی اسلام بیکل کہ نے میں گئے۔

٣٠٢٩. كَتَّانَكَا اَحُمَّهُ اَنْكَا اَحُمَّهُ اَنْكَا اَلْهُ وَالْمَانِ اَنْكَا اِلْمُوْدَا وَدَّا عَنْ حَمَّادِ بْنِ سَلَمَنَهُ عَنْ حُمَيْهِ عَنِ الْحَسَنِ عَنْ عُتْمَانَ بْنِ اَبِي الْعَاصِ اَنَّ وَفُكَ ثَقِيْفِ نَمَّا قَدِمُ وَاعَلَى دَسُولِ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّوا اَنْزُلُهُو المَسْجِدَ لِيَكُنُّ وَالْمُنْ ارْقَ لِقُلُولِهِ فَ فَالْ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّو لَكُوانَ الْمُنْ يُعَشَّرُوا وَلَا بُحِبُوا فَقَالَ رَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّو لَكُوانَ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّو لَكُوانَ اللهُ عَنْدُهُ وَلَا تُعَنِّدُ وَالْمَانُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّو لَكُوانَ اللهُ عَنْدُوا فَقَالَ رَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّو لَكُوانَ اللهُ عَنْدُهُ وَلَا تَعْدَلُقُ اللهُ عَنْدُولُ اللهُ عَنْدُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّو لَكُوانَ اللهُ عَنْدُوا وَلَا لَكُونَ اللهُ اللهُ عَنْدُولُ اللهُ عَنْدُوا وَلَا لَكُولُ اللهُ عَنْدُولُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّو لَكُولَ اللهُ وَلَا لَا لَهُ مَا اللهُ عَنْدُولُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّو لَكُولَ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَالْكُولُ اللهُ اللهُ عَنْدُولُ اللهُ عَنْدُولُ اللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ وَالْكُولُ اللهُ اللهُ عَنْدُولُ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْدُولُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَالْكُولُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَالْكُولُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ وَلَا لَاللهُ عَلَيْهُ وَالْكُولُ اللهُ الل

مشی : جیساکراوپر گزرای داورجها د تواس و تعت فرض نه سے امذان کی پیشرط مان لی کئی، بعدیں وہ از خود می تمام ادکان واحمال کوادا کرسے واسے تقے نماز چو نکہ ہر عاقل و با سع مسلم ہر دن رات میں با بنج بار فر من ہے امذاس کی مجھی نددی گئی . اس مدیث سے برنجی پتے میلا کہ صنرورت کے وقعت کا فر مسجد میں داخل ہوسکتا ہے وہ صنورت اس کی ہو باکسی سلم کی .

بَائِ مَا جَاءَ فِي حَكْمِ الْرَضِ الْبَمْنِ

سرزمین مین کے حکم کاباب

٧٠٠٠٠ حَكَّا نَنْنَا هُنَّا دُبُنُ السَّرِيِّ عَنْ أَيْ السَّامَة عَنْ مُعَالِدٍ عَنِ الشُّعْيِةِ عَنْ عَامِرِيْنِ شَهْرِ فَالَ خَرَجَ رَسُولُ اللهِ صَلَّى (للهُ عَلَيْنِهِ وَسَلَّوَ فَقَالَتْ إلى هَمْكَ (نُ هَلُ آنْتُ ابِ هَذَا الرَّجُلَ وَمُرْتَادُّ لَنَا فَالِنُ رَضِيُتَ لَتَ شَكًّا قِبلْنَاهُ وإن كَرِهُتَ شَيْئًا كَرِهُنَاهُ فُلْتُ نَكَمْ فَجِئْتُ حَتَّى فَدِمْتُ عَلَىٰ دَسُولِ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ فَرَضِيُبِتُ آَمُرَهُ وَأَسْلَوَ قَرْمِي وَكَتَبَ رَسُوُلُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَكِبُهِ وَسَلَّمَ هٰذَا الْكِيَّابِ إِلَى عُبَيْرٍ ذِي مِرَاثَ فَالَ وَبَعَثَ مَالِكُ بْنُ مُوَارَةُ الرَّهَا وِي إِلَى الْبَمَنِ جَمِيْعًا فَاسْلَوَعَكَ ذُونَحَيُوانَ تَىالَ فَفِيلُ لِعَكِّ إِنْطَيِنُ إِلَى رَسُولِ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْ وَصَلَّى أَفُنُهُ الْاَمَانَ عَلَى قَدْ بَيْكَ وَمَالِكَ ، فَقَدِ مَرَ فَكَتَبَ لَمُ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّعَ بِسْجِ اللّهِ الرَّحِلْنِ الرَّحِبْعِ مِنْ مُحَمَّدٍ رُسُولِ اللّهِ صَلَّى اللّهُ عَلَيْهِ إُوسَكُمُ يِعَكِّ دِي حَيُواتَ إِنْ كَانَ صَادِتًا فِي أَرْضِهِ وَمَالِهِ وَرَقِيْفِهِ خُلُهُ الْكُمَّاكُ وَذِمَّنَّهُ اللَّهِ وَدِمَّنَّهُ مُحَكَّمَ بِارْسُولِ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ وَكَتَبُ خَالِهُ بُنُ سَعِيْدٍ، يُنِ الْعَاصِ -

عامرین نتر مین نے کہا کہ دیک و کہا گرفتو ہاں مبعوث مہوئے ہمدانی نے مجھ سے کہا کری تواس شخص کے ہاس جائم گا
اور بہاری خاط معلوم کر ہے آئے گا ، اگر تو بہارے بید کوئی جز لیپند کرے گا تو بم اسے قبول کریس کے اور اگر تو نالبند
کرے گا تو ہم جبی اسے ناببند کریں گے، میں نے کہا کہ ہاں : پس میں آیا سے کہ رسول الشرصلی الشرعليہ وسلم کے باس گیا اور
ان کے معاملے کو بیند کیا اور میری قوم اسلام سے آئی اور رسول الشرصلی الشرعلیہ وسلم نے بہر عمیر ذی مران کی طوف محصوا با
مام بن شہر شنے کہا کہ رسول الشریس عکت سے مالک بن مرارہ رہا وی کوسب امل مین کی طوف محسوبا بہر بستی اور
ایمان سے آیا، عام بن شہرشنے کہا کہ بس مالی الشرعلیہ وسلم نے الشرعلیہ وسلم نے است معمود میں وی وی در آپ سے اپنی سبتی اور
مال کی امان ساصل کرے یس وہ آیا تو رسول الشرعلی الشرعلیہ وسلم نے است معمود میں در این معرود میں میں موجود میں در مدور میں میں معرود میں معرود میں مدور میں معرود معرود میں معرود میں معرود میں معرود میں معرود معرود میں معرود معرود میں معرود میں معرود میں معرود معرود میں معرود میں معرود میں معرود میں معرود میں معرود معرود معرود معرود میں معرود میں معرود معرود معرود میں معرود میں معرود معرود معرود معرود معرود معرود معرود میں معرود معرود میں معرود معرود معرود معرود معرود معرود معرود معرود میں معرود معرود میں معرود معر

محدرسول التُرصلي التُرعليه وسلم كى طرف سعة عكب ذوخبيوان كے بيے اگر دہ شيا سے اپني زمين اور مال اور غلاموں سکے بار سے میں توجھ اس سکے بیرے امان ہے اورالتُد کا وَرّ ہے اور محدرسول التُرصلی التُرعلیہ وسلم کا ذرر سے - اور میرسخ رینالد من معد من العام وسنے ملعى .

نشریت: عامر بربنهر صحابی سقے اور ان کانمالال کوفرمی مؤاسد ان سے عامر شعبی کے سواکسی نے روایت بنیں کی اسی طرح عرش ذور مرال بھی صحابی سقے رصاوی کی نسبت ریا کی طرف سیع جو مجھے کی ایک شاخ تھی اس صدیث سے الم بمن کے از نود

مسلمان ہونے کا پتہ ملتا ہے، لیس مین کی زمین عُسْری سیے ۔

٣٠٢٨ ـ حَكَّانَنَا مُحَمَّدُ بُنُ آحُمَدُ الْفَرُيْتِيُّ وَهَارُونُ بُنُ عَبْهِ اللّهِ عَبْدَاللَّهِ ثُنَ الذُّرُبُ بِرِحَكَ تَهُمُ وَفَالَ نَافَرَجُ ثُنَّ سَعِيْدِ حَدَّ تَنِي عَتِي تَا بِنَ بُنُ سَعِيْدٍ عَنُ رَبِيْهِ سَعِبْرِ يَعْنَى ابْنَ ٱبْبَضَ عَنْ جَيَّاهِ ٱبْبَيْضَ بْنِ حَمَّالِ اَتَّهُ كُلِّحُ رَسُولَ اللّهِ صَلَّى (للهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ فِي الصَّمَافَةِ حِبُنَ وَفَكَا عَكِيْهِ فَقَالَ كِا اَخَاسَبَا لَابُتَامِنْ صَمَا قَيْرِ فَقَالَ إِنَّمَا زَمُا عُنَا الْغُطُنُ يَا رَسُنُولَ اللَّهِ وَفَكُ تَبَكَّا دَتْ سَبَأُو نَوْ بَيْنَى مِنْهُمُ إِلَّا فَلِبُلُّ بِمَارِبَ فَعَمَا لَحَ التَّبِيُّ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحُ عَلَىٰ سَبْعِبُنَ كُلَّةٌ مِنْ فِيْمَهِ وَفَاءَ بَالِلْعَافِيرِ كُلُّ سَنَهُ عَتَّن بَقِي مِنْ سَبَأِيهَا رَبِ فَكَوْ يَزَالُوا أَيُؤَدُّونَهَا حَتَّى قُيضَ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْنِهِ وَسَلَّمُ وَإِنَّ الْعُمَّالَ انْتَقَضُّوا عَلَيْهِمْ بَعْدَا قَبُهِ لِي رَسُولِ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوُ فِيمَا صَالَحَ ٱبْيَصْ أَبْنُ حَالِل رَسُولَ اللّهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّعَ فِي الْحُلَلِ السَّبْعِبْنَ فَرَدَ ذُ لِكَ ٱبُوْنَكُر عَلَىٰ مَا وَضِعَهُ رَسُولُ اللَّهِ صَلَّىٰ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَحَتَّى مَاتَ ٱبُوْ بَكُرِفَ لَتَهُ مَاتُ أَبُوْبَكُرِ إِنْنَقَضَ ذٰلِكَ وَحَمَادَتُ عَلَى الصَّدَافَتِي -

ا سفن بن جمال سے روابیت سے کوئس نے ہجبکہ وہ رسول النافس سٹوعلیہ وسلم کے پاس وفدسے کہ گیا تھا ہعنوں لمالئر علیہ وسلم کے سامقہ صدقہ کے متعلق گفتگو کی بس حفولا سے فرایا: اسے سبا کے بھائی دینی قوم سباس سے صدقہ تولازم سے بس ابین نے کہا! رسول الٹد ہماری کھیتی توکیاس ہے اور قوم سبا ادم ادھ مکھ مکی ہے اوران میں سے بہت کم باقی رہ گئے ہیں جو مار سبم رہتے میں ۔ بس نبی مسلی الٹر علیہ وسلم نے اس کے ساتھ ستر جوڑوں میرمصالحت کی جو معاصری جا دروں کی قیمت

کی شکل میں ہوگا۔ نارب میں جولوگ تعبیائہ سادے باقی تھے وہ یہ سالانداداکریں گے بہی وہ اداکرتے دسے حتی کہ دیسول النگر صلی انٹر علیہ دسلم کی وفات واقع ہوگئ اور عاملوں نے دسول النٹر مسلی النٹر علیہ وسلم کی وفات کے بعدا ہمین بن حمال کا مصالحتی معاہدہ حواس سنے سنز جوڑ وں کے متعلق دسول النٹر مسلی النٹر علیہ وسلم کے سابھ کیا تھا توڑ ڈالا، بھر ابو بکرین وفات پاسٹے توہ اسساسی صورت پریوٹا دیا جو دسول النٹر مسلی النٹر علیہ وسلم نے مقرر کی تھی کہ ابو بکرین کی فیات ہوگئی بہی ابو بکرین وفات پاسٹے توہ مہما معاہدہ محرفوٹ گیا اور اسے مورت صدف کی بریکی ۔

بهلامعامده مجرانوٹ گیااوراب صورت صدقه کی بنگی .

همرح: قرآن نے سورهٔ سها ، میں سر بارت اوراس کو سنے کا دا تعربیان کیا ہے ، بند تو ط جانے کے بعد بہلاگ اورو اُدور کے سالے کا نام مقابشہیل سے کہا مارت دراصل قلعہ تقا اوران کے ہم یا دختا ہ کا لقب مسیاد ہم و تا تقامیسا کہ بین شر اور حضرت موت کے ہم یا دشاہ کو تبع کها جاتا تھا ، مولا نا گنگو ہی نے فرایا سے کرسوال سالی اسٹر علیہ وسلم نے اُن لوگوں کے ساتھ ضدقہ کی وصولی کا حتم دیا کہ ترقی کا متم دیا کہ ترقی کی میں اسل متم تو میں تا ورب میں اُن کے مصوبی رہا ہے کہ اور میں قدم سے تو مکوم کے وقت کو اس میں کھا ختا اور اگر معملة سے مراد عشر کو خیرہ یا کہ کہ اور وسر قدم سے تو مکوم کی وقت کو اس میں کھا ختا را اِت حاصل ہم وقت کو اس میں کے میں اور ان میں اُن کے دان کا میں اور کیا ہوا ہور کیا کہ کی کی کھی میں سے تو اور اگر معملة سے میں وارد میں کیا کہ کہ اور وسر قدار ایک میں ہو تے ہیں ۔

کھا ختا اور ایور کیا میں دور کی میں اور کیا کہ کہ اور میں تو میں کو میں کو ان کو کہ اور وسر قدار کو میں کو میں کو ان کو کہ اور وسر قدار کو کہ کو کہ کو کہ کو اس میں کے کہ کو کہ کو کہ کو کہ کہ کا میں کہ کہ کو کہ کو کہ کو کہ کا میں کہ کو کہ کہ کو کہ کا کہ کو کہ کہ کہ کو کہ کو کہ کو کہ کہ کہ کہ کو کھی کھی کہ کہ کہ کہ کہ کو کہ کہ کہ کا کھی کہ کو کہ کا کہ کہ کہ کہ کہ کہ کہ کو کہ کہ کو کہ کہ کہ کہ کہ کو کہ کہ کو کہ کہ کو کہ کی کو کہ کو کو کہ کو کہ کہ کو کہ کو کہ کہ کہ کو کو کہ کو کو کہ کو کو کہ کو کہ کو کہ کو کہ کو کہ کو کہ کو ک

باكِن فِي إِخْرَاجِ الْبِهُودِمِنْ جَزِيْرَةِ الْعَرْبِ

بزيرة عرب سعهوديول كانزاج كاباب

الأخول عَنْ المويه المَّنَا سَعِيْهُ اللهُ عَنْ المُنْ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ الل

ابن عباس مسے موابت ہے کہ رسول الترمیلی التہ ملیہ وسلم نے تین باتوں کی دھیت فرما ٹی مہی فرما یا کہ شرکوں کو جزیرہ کے عرب سے نکال دو۔ اور وفد کی پذیرائی کو میز بانی اُسی طرح کر ناجس طرح میں کرنا تھا۔ ابن عباس نے کہا کہ آپ میری بات مسے خاموش دسے دیا ابن عباس میں نے کہا کہ وہ مجھے مجول گئی۔ اور لاوئ حدیث ممیدکی نے سفیان سے روابیت کی اُس فوسین کے نہا کہ دیکھ میں کہ دیا ہے۔ اور لاوئ کا درکہ کیا تا تو میں مجول گئیا یا سعید ہی اُس سے خاموش رہا ۔ میں میں کہ دیکھ کا درکہ کیا تا تو میں مجول گئیا یا سعید ہی اُس سے خاموش رہا ۔ میں میں کہ دورہ کی میں میں کا درکہ کیا تا تو میں مجول گئیا یا سعید ہی اُس سے خاموش رہا ۔ میں میں کہ دورہ کی میں میں کا درکہ کیا تا تو میں مجول گئیا یا سعید ہی اُس سے خاموش رہا ۔ میں میں کہ دورہ کی کہ دورہ کیا گئی کہ دورہ کی دورہ کی کہ دورہ کی دورہ کی کہ دورہ کی کر دورہ کی کہ دورہ

بخارتی نے کئی جگر اسے بہت طویل بیان کیا ہمستر آ تھر) منتہ ہے: بیری جزجی کا اس حدیث میں ذکر نہیں ہم یا تو نشکر آسا مرہ کی روائی تھی جوالوبکر صدیق نے کی اور یا حضور کا وہ ارت دسے بھری قرکوبت بہت میں نا ۔ اور کو طامیں اس طون اشارہ بایا جانا ہے بہتر تریۃ العرب سے مراد بھول علا مر شامی وہ علاقہ ہے جو جان یا بچ علاقوں بہشتل تھا ۔ تہا مرہ تھی جا آد عروض اور یہی ۔ تہامہ ججاز کا جنوبی علاقہ ہے ۔ بخدوہ علاقہ شام سے محق ہوجاتا تھا اور اس میں مرتبہ واد عمال سے عروض وہ علاقہ ہے جو بما تھی کہ اسے بھر تھی تک ۔ بجاز کو جا تھا اس سے کہتے ہے کہ وہ مجدا ور بما تھر کے در مریان میں حالی تھا بہاس وقت کی حدیں تھیں جبکہ عضور سے برحد میں ادمان و

اس مدین میں بریرہ عرب سے مٹرکوں کو نکا گئے کا حکم ہے ، مشرکول سے مرادیماں برمشرکین اہا کی بہا بین بی بود و نصاری اکر بین بن بین اللہ اور مسیح ابن آللہ کے قائل ہم اور اس طرح مجوس وعنی و دیگر مغرکین . نفظ حدیث میں بود بریرہ آلا ہوں اور سے مراد وہ ملک ہے جا اس وقت اس نام سے موسوم تھا ، ایک برجوح تول کے مطابق سجز برة العرب مراد صرف کداور در اللہ ہیں نے کہا ہے کہ مثنا نعی افر نے برحکم جا ترسے ممائدہ فضوص ما نا ہے اور وہ اللہ سے نزر دیک مکہ مراد صرف کداور اس کا ماحول ہے اس میں کو نگلی مارد حدیث میں مراد ور میں اس سے فارجے ۔ نمین حنفیہ کے نزریک مراد سے بزرید ہوئی کا میں بود ہولوں میں بود ہولوں کو میں بود ہوئی کا میں بود ہوئی کہا ہود ہوئی کو ایس میں مراد ور وخت ہوئی کا اس میں کو فی کا میں بود ہوئی کو ایس بود ہوئی کو ایس بود ہوئی کو ایس بود ہوئی کو بود ہوئی کا میں بود ہوئی کا میں اور اور کی کو جو ل کئی متی ہوئی کا اس میں کو وہ بود کا دو الشراع کم

٣٠٣٠ حَمَّ ثَنَا الْحَسَنُ بُنُ عَلِيّ نَا اَبُوعَا صِعِودَ عَبُ لَالرَّنَ آقِ قَالَا اَنَا اَبُنُ جُرَيْحِ اَ الْمَعَ الْمَا الْمَعَ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ الل

جابربن عبدالسرص سنتے کے مجھے عربی الخطاب نے بنا یا کراننوں نے دسول الشرطی الشرعلیہ دسلم کو برکھتے مسئا کتا : مس میں یود نصاری کو جذریرہ کو عرب سے نکال دوں گا اورکسی کو بھر مسلما نوں سکے سواس میں بنر جھوڑوں گا توین مسلم تریدی، نساتی مرد کی سکے الفاظ ہیں کہ:اگر میں زندہ رہا توانیشا ، الشرائح ،

حصرت عرض نے کہا کررسول التہ صلی التی علیہ وسلم نے فرما یا الع اسی اور پہ کی صدیت کی ما نند۔ اور بہلی صدمیت مام ترب ۔ تمام ترب ۔

الم ٣٠٣٠ كَلَّا نَكَا سُلِبُمَانُ بُنُ دَا وَدَ الْعَتُكِيُّ نَا جَدِنِيَّ عَنْ قَابُوْسَ بَنِ أَبِي الْلُهُ بَيَانَ عَنْ آبِيهُ عِنِ ابْنِ عَبَّاسٍ قَالَ قَالَ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلِيمِ وَسَلَّمَ الْاَتَكُونُ قِبْلَتَانِ فِي بَكِيرِ وَاحِدِ -

ابن عباس مفنے کہا کہ رسول الٹرسلی التہ علیہ وسلم نے فریا یا: ایک شہریں دو قبلے نہیں ہوسکتے درتر فدی اسلام ہی کے احکام شہر سے : یہ نفی بمعنی منہ سے - یعنی مسلمان یا توجہال پر دہی اس جگہ کو دارالا سلام سائیں اوراس میں اسلام ہی کے احکام جاری کریں، وریذ کم از کم وارا لکفر میں تواقا مت اختیار درکریں - علاوہ ازیں اسلامی حکومت میں رسینے وا سے غیر مسلمول کو این مسلمول کو این مسلمول کو نامی ہوئے کی کی دارالا سلام کے حکام کواس حاف توجہ کرنالازم ہے

سعیدبن عبدالعزیز نے کہاکہ جزیرت العرب وادی سے کے کہین کی انتہا تک بھر صدود عراق کس اور سند زمک سے رخوم ہو بدلنے اور مند زمک سے رخوم جمع سے تو می یا تھم کی مجس کا معنی حدود وعلا مات ہیں . ایک مدیث میں زمین کے خوم کو بدلنے اور منا نے وانوں پر بعنت کی گئی ہے، بعنی علامات مثاوی مجائیں، لوگوں کی کھینتیوں اور ملکیتوں سے نشا نات بدل دیئے مائیں

تور لا نق تعنت بات ابوداؤد نے کہاا نیارٹ بن کین کے ساسنے میری موجودگی میں یہ مدیث بیٹر حی گئی مالک سے کہاکہ مصفرت عرض نے امل بھر آن کو تو حیل وطن کر رویا تھا مگرا ہل تیماء کوان کے وطن سے نہیں نکالا گیا کیونکہ وہ عرب کے علاقے میں سے نہیں ہے بہاں ک وادی القری کا تعلق ہے میری لاسے میں بیودکو وہاں سے نہیں نکالا گیا کمیونکہ لوگوں نے وادی القری کو مرز میں عرب میں سیے نہیں جانا تھا۔

م ﴿ . ﴿ وَكُنُ اللَّهُ وَهُدِ فَالْ فَالْ فَالْ فَالْ مَالِكُ وَخَدُ الْجُلُا عُمَالِكُ وَفَدُ الْجُلُا عُمَرُنِهُ وَهُدِ فَالْ فَالْ مَالِكُ وَفَدُ اللَّهِ عُمَرُنِهُ وَدُنَجُرَانَ وَفَدَكَ .

امام مالک نے کہاکہ صنرت عراض نے کی آن اور قدک کے میں ودکو جلا وطن کر دیا تھا ارکیونکریہ دونوں علاقے بلا دِ عرب کے میں خلاصہ بہتے کہ حصنرت عرصی الٹر عند نے ازخود کوئی نہیں کیا بلکہ رسول الٹر صلی الٹر علیہ وسلم کے حکم کی با بندی کی تھی کہ عرب کو مشرکوں اور مہودوا نصاری سے باک کو یا جائے ، سے سن ابی دا کو دیے ایک نسخ میں میاں کی دیا جائے ، سے اللہ کا دیا جائے ، کی دیا جائے کی دیا

بَا وَلِي إِنْفَافِ أَرْضِ السَّوَادِ وَ أَرْضِ الْعَنُونَةِ

(المرزمين سواد اوربنورشمشيرفي موت والى زمين كووقف كمرنے كا با ٢٩

ه ۱۰۳۰ حکاتک اکمک بن بُولس نا دُه بُرُن سُهُ بُل بن اَدِی صَالِح عَن اَبِیهِ عَن اَبِی هُمَا اِنْ هُال فَال وَال وَاللهِ صَلَى اللهِ صَلَى الله عَکیه وَسَتَوَمَن عَن الْعَمَالُ وَعَن الله عَن الله عَنْ ا

 ای به کا دسول الله صلی الله وسلی پر بیش کوئی پوری به گئی . حضرت عمریضی الله عند نے برزمین عراق دسواد) بهد بهرکا اورا سی طرح دو برے مما لک کا بجی حال بقا۔ اورا سی طرح دو برے مما لک کا بجی حال بقا۔ اورا سی طرح دو برے مما لک کا بجی حال بقا۔ اورا سی طرح دو برے مما لک کا بجی حال بقا۔ معنی بی بروی کے گئی انگا اکٹو کم کوئی کا عَبْدی اللّه کَ کُرُون کَ مَا مُکُول اللّه کِ کُرُون کَ کُرُون کَ کُرُون کُون کَ کُرُون کُون کَ کُرُون کُون کُرون کُ

مهام بن منبد نے کہاکہ بیردہ حدیث سے تو ہم سے ابوہر رہے ہیں نے دسول الٹرصلی الٹرعلیہ وسلم کے حوالے سے بیان کی بحصنور سنے قرما ماکہ جس بستی میں تم جا وُاور وہاں اقامت کر وتو تنہارا حضہ اس سے اور جس بستی سنے الشر اور اس کے دسول ملی الٹر علیہ وسلم کی نافر مانی کی بیس اس کا حمس اللہ اور اس کے دسول کا سیم بھروہ تنہار سے سائے سیم در سلم کتاب الحجماد ک

منترکے: امام لووی کے کہا ہے کہ منبول قاصی عیاص و کہا گہتی سے مراد مال فی سے جوبغیر لاسے معرا سے ہاتھ آئے، صلح سے باآبادی کے اور دور مری سے سے مراد مسلے سے باآبادی کے انخلاء سے اس میں سلمانوں کا حق سے میا دسینے جائیں گے۔ اور دور مری سبتی سے مراد برور شمشیر فیج ہونے ہونے والی آبادی ہے، اس کا خس نکال کر باقی مجاہدیں کے تیے ہے۔

بَانِت فِي أَخُذِ الْجِزْدَةِ

جزير لينف كاباب

۵۰۰۰۰ حکانکا العُبَّاسُ بُنُ عَبْ رَانَعُظِيْو نَاسَهُلُ بُنُ مُحَبَّدٍ نَا بَخِينِي الْبَحْدِيِيَ الْبَحْدِي ابْنُ أَبِى ذَائِكَ تَهُ عَنُ مُحَمَّدِ بُنِ إِسْحَاقَ عَنْ عَاصِحِ ابْنِ عُمَرَعَنُ أَنْسِ ابْنِ مَالِكٍ وَعَنُ عُثْمَانَ بُنِ أَبِى سُلِيكُمَانَ أَنَّ النَّبِيِّ صَلِيَ اللَّهُ عَلِيهُ وَسَبِّلُوَ بعث خالِك بُن الولِيْ بِإلى أُكِيثَ زَدُوْمَةٌ فَا خَدُوهُ فَا تَوُهُ بِهِ فَحَفَنَ لَهُ دَمَهُ وَصَالَحَهُ عَلَى (لُجِزُيةِ.

انس بن مالکشے سے دسندًا) اورعثمان بن ابی سلیمان نے دمرسلاً دوامیت سے کہ نبی صلی التٰرعلیہ وسلم سے ف ف لدب انولید میں کو دو مرکہ کے اکیدر کی داف بھیجا مسلمانوں نے اسے پہڑا لیا اوراسے دسول التٰرصلی التٰرعلیہ وسلم کے پاس لائے ۔ بس دسول التٰرصلی التٰرعلیہ وکسلم سنے اس کی جان بخشی کر دی اوراس کے ساتھ بزسیٹے بیصصا محت فوالی ہے۔

مثریے بخطابی نے کہا سبے کراکندر دو مرعر بی رئیس تقا، کہاماتا سبے کروہ غشان سسے تقا-اس كرجزريّ جس طرح عجميول سيے ليا جا تا ہے اس*ي طرح عربو*ل سعے بھي نينا جائز سبے۔ ابوليسف كا مُدمهب يركر جزيرً عربوں سینیئن نیاجاتا، مالک،اوداعی اورشانعی نے کہاکہ عربی وعجبی اس میں پرا برمیں ۔مولانا تھنے فرما با کہ قبیا م نبوك كيے زمانے مں رسول اللہ صلى التلہ عليه وسلم نے خالدين الوبيد كو ہم ياسوار وں سميت دومترالجيَّد ل سكے ٱكىيدر آبى عبدالملك كى طرف بمبيا- دومة المجندل شاتم اور مدينه كدوميان ايك قطعا ورآبا دى كانام مقاء أكميدر لين علاقے کا عیسائی با دشاہ تھا۔ فالڈ بیالولبدسنے عرض کیا تھا کہیں بلاد کلسے کے مابین اس مقولای سی تعدُّ دسے کیا کروٹنگا؟ رسول التُرصَلي التُعليه وسلم في المرتو اسع حفكي ما تؤرون كامشكاركرتا بوايائ كا- لس حب خالك مها ندني لات میں موسم گھر ہا کے اندراس کے قلعہ کے قریب بپنیا تواس وقت اکیرتہ ا<u>پنے قلعے کی تح</u>یت پر مقاا وراس کی عورت رباب کندری^ا اس كے سابقہ على جنگلى كائس اس كے فلنے ركے در واز سے سرا سنے سنگ مار سے گئیں۔ اس كى بيوى نے تعبا لك كوكائس و كيميں اوراكيدرَ نيم انهيں دكيو ليا۔اس كا كھوڑاايپ ما وسے نتيارتيا جا بيا،وہ فلعرسے ينيچے امرا ورگھوڑا كسنے كا حكم وياروه جندا دميول سميت سوار مهوا حن مي ال كائبا في حسان جمي تقار اشتفيس خالد طف انبين جاليا اور اكتيرركو توكيط ما مكر تحسان في مزاحمت كي اورقتل موكيا . دومرك لوك بعاك كي مسلمان قلعي مادافل وي بعنورم نے خالاقا سے فرما یا تھاکا گرتوا کیدر کو کھٹے ہے تواسے تاریخ کرنا بلکھرے یاس ہے آنا یکیں اگروہ مزاحمت کریے تو ا سے تنو کردینا . مَالدُشنے اس سے کہاکہ اگه آو قلعہ کا دروازہ کھلوا دسے توٹس بچھے قتل مذکروں گا بلکہ پیول ائٹرملی الثّر عليه وسلم سك ياس مصلول كاريمصا لحت حبب موق تواكيدر سندها مواتقا أوراس كالعبائي مصاو قلعب اندر تقا ، اس نے انکاد کر دیا ۔ اکتید سے مشورے می خالات نے معا دسے دوسزارا و نرط، اکٹرسو کھوڑوں، چا پسروز دیموں اور جارسونيزول برصلح كمه لى. خالدُ شب أكبر ركو حيور ديا اوراس سنة فلعم كا دروازه كليوايا - فالدّقلعيس داخل بورسط . اور ككيدر ك علاده اس كے بھائى كام ي حال بختى كورى - بھرخالد ان دونوں كورسول الترصلي الشرعليه وسلم كے باس المسط حضورصلى الشرعليه وسلم اس وقت مرينه والهر تشريف لا يحكه عقد رسول الشرصلي الشرعليه وسلم سف ال وونول بعائيول کوامان کی تحریر ملکھ دی اور ان نبر جزیر ما یکرر ما ۔

٨٣٠٨ - حَنَّى نَنَا عَبُكُ اللهِ بُنُ مَحَتَمَدِ النَّفَبُ لِيُّ نَا اَبُوْمُعَا وِبَبَرَ عَنِ الْاَعْمَشِ عَنُ اَفِي وَا يُلِ عَنُ مُعَادِ اَنَّ النَّبِيِّ صَلَّى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّوَ لَمَّا وَجَهَهُ الْكَ الْبَهُنِ اَمْكُرُهُ اَنْ يَا نُحُدُ مِنْ كُلِّ حَالِحٍ بَعْنِي مُحْتَلِمًا دِيْنَازًا وَعِدُ الدَمِنَ

الْمَعَافِرِيِّ ثِيَابُ تَكُونُ بِالْهَرِي

معاؤر خستے روایت ہے کہ بی صلی النولیہ وسلم سے جب اسے یمن کی طرف بھیجا توصکم دیا کہ ہر با بع سے پیکہ دیناریا اس البام معافری وصول کرسے معافری بمنی کٹروں کا نام سے ارتسادی، نسائی، ابن ماجہ ۔ تسدی نے اسے مدیرے جس کہا مگر بتا ایک اس کامرس بہونا زیا وہ میجے ہے۔ رہوریٹ اس سے پہلے سن ابی واؤد میں ۲۱ کا تمبر میرگذر حبی ہے ،

٣٠٣٩ - كَنْكَ التَّفَيُكِيُّ نَا اَبُوْمُ عَادِيَةَ نَا الْكَفَمَثُلُ عَنُ إِبْرَاهِمُ عَنُ مَمْرُونِ الْمَا مُعَالِمُ عَنُ مَمْرُونِ اللَّهِ عَنْ اللَّهُ عَلَيْهُ وَسَنَّوَمِثُلَهُ .

دوسرى سندست وسى اوبروالى مدريث معادشت

علی مضی انترعنہ لیے فرط یا کہ اگر میں نصبا رکی آئی تغلب سے لیے زندہ رہاتو ان کے قابل جنگ مردول کو تسسل کروں گاا ورعور توں اور بچر<u>س کو قید</u> می بنا ہوں گا کیونکہ میں سنے ہمان بڑا ورنبی صلی انترعلیہ وسلم میں تحریر کھی تھی کہ وہ لینے

بیٹوں کو عیسائی نربنائمیں۔ الوداؤ دسنے کہا کہ مُنکر مدیث ہے، مجھا حمد کے تنعلق خبر بینچی سے کہوہ اس مدیث کا تثدیلر انکار کرتے سے سنن ابی داؤد سکے داوی الوعلی کؤلوی سنے کہا کہ ابو داؤد سنے یہ مدیث دور سے دور سے بین بنیں بط ھی متی ۔

نشرے: اس مدیث کی سندس ابراہیم بن حماجر بحلی کو فی اور شریک بن عبدالتار صنی پر اٹمہ مدیث نے تنقید کی ہے۔ اس کے ایک اور دا وی عبدالرحمل بن بان سخنی کے متعلق احمد بن منبل نے لائقسی اور یحیٰی بن معین نے کلااب کا لفظ بول سے رمن دری ابودا فی داور داور نسب کی کے نزدیک وہ منعیف ہے ۔

رم.٧٠ حكَّ نَنَامُصَرِّفُ بُنُ عَمْرِوالْتِبَامِيُّ نَا يُؤنِسُ يَعْنِي ابْنَ بُكَبْرِنَا اَسْبَاطُ بُنُ نَصْرِ الْهَمُ لَهِ الْمَعْنِينَ إِسْمَعِيْلَ بُنِ عَبْدِ الرَّحُمْنِ الْقَرُشِي عَنِ ابْنِ عَبَّايِر فَالَ صَالِحَ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّعَ أَهُلَ نَجْدَانَ عَلَى ٱلْفَي حُلَّةِ التِّصْفُ فِي صَفَرَوَ التِّصْفُ فِي رَجَّبَ يَوُحُدُّوْنِهَا إِلَى الْمُسْلِمِينَ وَعَامِ بَ الْمُ ڞؘؙڵڎؙؽؽ ڋۯڠٵۉڎؙڵۮڿؙؽڹۏۯڛۧٵۉڂؙڶڿؽڹڔۼؠٞڒڶۉڟؙۼؽؙؽڡؚڽؙڰڷٟڝڹؙۼ مِنُ أَصْنَافِ السِّلَاحِ يُغْزُونَ بِهَا وَالْمُسُلِمُوْنَ صَامِنُونَ لَهَاحَتَّى يُوتَّدُوْهَا عَيْنِهُ وَإِنْ كَانَ بِالْبَهَنِ كَيْنَا دَاكُ غَنْهِ عِلْى اَنْ لَا نُهْمَامَلِهُمُ بِيُعَا وَلَا يُخْرُجُ لَكُمُ وَمَتَّ وَلَا يُفْتَنُوا عَنْ دِينِهِمُ مَا لَوْبَيْحِ مِا لَوْبَ عِلْمُ الْوَا التركيا فال إسم عبل فقَلْ الْحُكُول الرِّياقالُ أَبُوداً وَءَواذَا نَقَصُوا بَعْضَ مَا اشْتَرَا عَلَيْهِمْ فَعَدُا حُدَثُوا بِهِ ابن عباس من نے کہاکہ دسول الترصلي التروليد وسلم نے اہل نجران سے دوسوجود وں پرمصا لحت كي تقى نصف ما وصفر یں اور نصف ریحب میں وہ مسلما نوں کوادا کریں گئے، اور تمیں زرمبن ، تمیں گھوڑ سے ، تمیں اونسٹ، اور مرقم سے اسلے میں سے میں میں وہمسلمانوں کو دبو قب حاحبت، مستعار دیں گے تاکہ حنگ میں کام آئمیں ،ا ورمسلما ن ان کے ضامن متونگے تاکہ انہیں واہیں کرس ریستھداروہ اس وقت دیں گے جبکہ من س معاہدہ کرنے واسے غذاری نہ کرس -اور ہماری طرت سے بدو عدہ ہے کہ اُن کا تو فی گرما نہیں گرایا مباہے گا اوران کا کو ٹی عیسائی یا دری نکا لانہیں مبائے گا اوب ال کو دین و مذمه بسکے باعث کوئی تکلیف نے دی حبائے گی حب تک کرکوئی نٹی بات ند کریں گئے یا سکو دنہ کھا ہو تھے اسماعيل لأوئ مديث سنے كماكم انهوں سنے سود كھا يا -الوداؤد سنے كماكم حبب انهوں سنے معاہدے كى كسى فرطكوتولا تواكنو سفني بات كى م

منترے : منذری نے کہا ہے کہ اسماعیل ب عبدالرحل الفرشی میڈی سے نام سے مشہور سے اوراب عبار ش سے اس سے اس سے ماں کہا گیا ہے کہاں سے ابن عباس کودیکھا تھا اور اس کے میں کلام سے ابن کوالی اس سے میں کا میں کہا گیا ہے کہاں سے ابن عباس کودیکھا تھا اور

ideacatteacatacatteacatacatteacatteacatteacatteacatteacatteacatteacatteacatteacatteacatteacatteacatteacatteacat

انس بن مالک سے اسے سماع بھی ما صل مواسے ۔اس مدیت سے خطابی نے بیات لال کیا سے کرامام کوا ختیا روائل سے کہ ذمیوں کے ساتھ جن شرطوں برصلے موا ورجی مقدار کا جزیۂ باہم صلح سے نگایا جائے اس مس کمی بیشی بوقت صرورت کرسکتا ہے، ہاں بیشی کی صورت ہیں ان کی رصادحا صل کرنا بھی لازم ہوگا۔ مدیث کے نقطا کہن قد آئی غیار کیدسے مراد جنگ ہے ۔

بَالِب فِي أَخُذِ الْجِزْكِ إِلْمِ مِنَ الْمَجُوْسِ

فجوس سيحزير ليبني كابالب

٢٨٠٣٠ حَكَّ نَنَا أَحْمَدُنُ سِنَانِ الْوَاسِطِيُّ نَامُحَدَّدُكُ بِلَالِ عَنْ عِهُوانَ الْوَاسِطِيُّ نَامُحَدَّدُكُ بِلَالِ عَنْ عِهُوانَ الْوَاسِطِيُّ نَامُحَدَّدُكُ أَنْ الْمِلْ الْمُعَالِينَ عَبَاسِ فَالَ إِنَّ آهُلَ فَارِسَ لَمَّا مَاتَ نَبَيْهُ مُركَةً بَالِيسُ الْمُعَجُوسِيَّةً .

ابن عباس منے کہا کہ حبب فاریس والوں کا نبی مرگیا توا بلیس نے ان کے سلیے بچوسیّت مکھ وی ربعنی انہیں آتش بیتی کی او میر ڈال دیا ہ

مرم. سر حكا تَنَا مُسَدَّدُ نَا سُفَيَا نُ عَنَ عَمْرِونُنِ دِيُنَارِسَمِعَ بَجَالَتَ اللهِ عَنَ عَمْرِونُنِ دِيُنَارِسَمِعَ بَجَالَتَ اللهِ عَمْرَونُنِ وَبُنَا السَّعُنَاءِ فَالَكُنْتُ كَا شِبَالِجَزُءِ بُنَ مُعَادِيَا عُمْرَ فَبُلَ مُوْتِهِ سِنَةٍ انْفُتُوا كُلَّ عَمْرَ فَبُلَ مَوْتِهِ سِنَةٍ انْفُتُوا كُلَّ عَمْرَ فَبُلَ مَوْتِهِ سِنَةٍ انْفُتُوا كُلَّ عَمْرَ فَبُلُ مَعُوسٍ وَانْكُولُ كُلَّ عَنِ الْمُحُوسِ وَانْكُولُ مُكَا عَنِ الْمُحُوسِ وَانْكُولُ مُكَا مَعْدِنَ الْمُحُوسِ وَانْكُولُ مُكَا مَعْنِ الْمُحَوْسِ وَانْكُولُ مُكَا مَعْدِنَ الْمُحْوَلِ مِنَ الْمُحَوْسِ وَانْكُولُ مُكَا مِنَ الْمُحَوْسِ وَانْكُولُ مُكِلِ مِنَ الْمُحَوْسِ وَانْكُولُ مُعَلِي مِنَ الْمُحَوْسِ وَانْكُولُ مُعَلِي مِن الْمُحَوْسِ وَانْكُولُ وَعَرِفُ مُنْ الْمُحَوْسِ وَانْكُولُ وَعَرِفُ مُنْ الْمُعَالِمُ مُنَا فِي كُومِ تَلْقُهُ سُواحِدًا وَفَرَقَنَا بَيْنَ كُلِّ وَحُبِلِ مِن الْمُعَالِمُ مُنَا فِي كُومٍ تَلْقُهُ سُواحِدًا وَفَرَقَنَا بَيْنَ كُلِّ وَحُبِلٍ مِن الْمُعَلِي مَنَا اللهُ عَلَى الْمُعَالِمُ اللّهُ مُنَا فَى يَوْمٍ تَلْقُهُ مُنُواحِدًا وَفَرَقَالُ الْمِنْ كُولُ وَكُولُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهِ اللّهُ مُنْ اللّهُ الْفُلُولُ وَلَا اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللللّهُ الللّهُ اللّهُ اللللّهُ ال

الْمُجُوسِ وَحَدِيْمِ فِي كِتَابِ اللهِ نَعَالَى وَصَنَعَ طَعَامًا كَثِيْرًا فَكَاعَاهُمُ الْمُجُوسِ وَحَدِيْمِ فِي كِتَابِ اللهِ نَعَالَى وَصَنَعَ طَعَامًا كَثِيْرًا فَكَاعَاهُمُ الْعُكُونَ السَّيْعَ عَلَى فَجُوبِ فَ فَكَ كُوْا وَلَحُرُيْرُمُومُ وَا وَالْقَوْا وَ وَكُوبُ كَانُ عُمُوا خَذَا الْجِزُيْنَ مِنَ الْمُجُوسِ حَتَّى اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهُ عَلِيْهِ وَسَاكُوا خَذَهُ اللهِ عَنْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَاكُوا خَذَهُ مَنْ مُجُوسِ هَجَرَدَ

بجاريروس اوس ورابوالشعثاء سيص بيان كمه تا مفاكه مي احنف بن فيس كي عجاب بزين معاويه كاكا تب عمّا را جانك بمارك إس مصرت عرف كى وفات سع اكي مال قبل ان كاخطا الكرم رجاد وكربو قتل كرد واور حجوسيون ميسي برفرم كو (تكاح سى الك كردوا وران كو زمزمهس منع كرويس ممسف ايك دن من من ماد وكر تتل كف إوراللاتعال کی کتاب کے مطابق ہرجوسی اوراًس کے عرم میں جلائ کردی بہت وہن معاہر نے سنت ساتھ انا بکایا اور حج سیوں کی دعوت ی،اور تلوار کواپنی دان پر توران کے بل رکھا۔ کس انهول نے کھانا کھا باا ورزمزم ننس بط صااورا کے پر بادونج ول ابوج حیا ندی ڈال دی ا *درحصنرت عمرضنے مح*وسیوں ش*سے جنہ ہیرنہ* نیا تقاحب تک کریمبدالرحمل بن عوف سنے پرگوا ہی نئر دی کھ رسو لانٹرصلیاںٹٹرملیہ وَسَلم سَنےمعَامَ بھو کے فہوسیوں شیسے جزیۂ وصول فرایا نظا (بَجَارَتَی، ترَمَدَی، نَسَانَیُ شمِرے :اس صدیث کی مندم پرکام ہوا ہے۔ فجوسی زرتھت کی پدائش سے قبل ما دِوگری، فال کیری اور نوٹے نوٹیکے کا كام كرينے متصاور اسى مبب سے بادشا تہوں كے تقرّب منے . زرتشت نے گوان چيزوں كومٹا يا مگراس كے بعد معى بىلى مالىت بهوگئ ا ورقجوسى بطور بيشرانى بچيزوں كواپنا جيھے. بەيھى ٹابت نہيں بہوسكا كەغمات كے سابة نكاح كرنا زرتشت كى تعليم كےمطابق عقا بيرتهمان كے بعض عيش پرست با دفتاً ميوں نے نكانی تعتی اور عيم عام موگئی ۔ <u>زمز مرس</u>ے مُرا دوه كلمات عقير في وحوسى كھا ناكھاتے وقت بطر معت حف جاندى ڈالنے كامطلب تطابى سنے يہ كھاسے كه وه لوگ عايمرى كے برتنوں اور جمچوں وعنيروميں كھا ناكھاتے سقے . خطا بَنْ كھتے ہيں كہ جناب عرض سنے جوسيوں كواس بات برمجبور رخميا عقاكه ابني محفلوں باغْمَا دَت گامُوں با گھروں میں وہ اپنے ان طورط تقبو*ں کو ترک مردی، مم*ا نعت اس امری مُہو ئ تقى كرابل اسلام كيس من برمرعام وه أن ينرول كا اظهار ركري. درا فسل يرتيزس النس كسي صيح دليل مع زرشت مع نهين ملى تقيل، ملكوان بي اك كي لوجوا ورأش كي تعظيم كانف وريايا جاتا تقاجة فديم مجوسيت كازرتشت مسه قبل هي شعار مقا - ابل كتاب أسيف ديني عقائد وأحكام اورمعا ملات بينود توعل برابو سنة بين مرمسلمانون كساسف ان چیزوں کا اظهار مندی کرتے ۔ ہاں اگروہ اپنا مفر سعد التوں میں اللی تو منبصلہ ملی تعنی اسلامی والون کے مطابق سی ہوتا ہے۔

حفرت عررمنی التّرعنه پہلے مجسیوں سے بزیہ لینے سے جھیکے تھے، حب عبدالرحمٰن برعوف نے شہادت دی کہ دسول التّرصلی التّرعلیہ وسلم نے مقام ہو کے مجوسیول سے جزیر اسا تھا تواننوں سنے عجوس پر جزیہ عاید کیا جزیہ عا ید کرنے کے سبب نیں اہل علم کے اندر اختلاف ہے۔ امام ننا نعی سنے کہاکراننس اہل کتاب مان کرجزیر اما گیا تھا س

مثنا نعی کامشہور ترقول سیےا ورحد نرے کا نسسے ہی ابسا ہی مروی ہے لیکن اکٹرا کی کامشہور ترقول سیے اور حدث ہے گئی ایسا ہی مروی ہے لیکن اکٹرا کی کامشہور ترقول سیے اور حدث ہے گئی ایسا ہی مروی ہے لیکن اکٹرا کی کامشہور تر یہ کتاب الٹر کے حکم ، کھٹی مصلے المبخوذ بکہ سی حدث کیں وہم مسکا عزم و ن البقہ ۔ علی مطابق میں کا مسلوں ہے مسلوں التہ صلی الشرعائي الشرعائي کی اس سنت سے مطابق عبی کا بیان عبدالنہ میں ب عوف سن جنا ب عرص کے مسامنے کہ تھا ، میں ریسلوک جو بحوس سے موابس حرف جزیہ ہے کہ محدود ہے ۔ ورشا سس بہ علی نے اسلام کا اتفاق ہے کہ ان کتاح مائنہ سہے ۔ اس سے مسلمانوں کا نکاح مائنہ سہے ۔ ابراہی میں دور نہ کا ماہل علم کا اتفاق سے ۔ ا

المولا أن نے مع البادان سے نقل کیا ہے کہ حمی اور عرب عادلہ کی زبان میں تھے کا معنیٰ بستی اورا بادی تقا کے ہا م ملات کو ہو کہ اما تھا اور ہر علاقہ حرف و نہا کہ م مسلی التہ علیہ وسلم سے وقت میں المحصاری الشر کے ہا تھ ہر اس کے ہا تھ ہدا کھ اس ہے کہ اس حدیث کا خری جملہ اگر حصارت عمر صنی الشر عن سے عن سے خطا کا حدید ہے ہوا تھا۔ حافظ ابن جر نے کہا ہے کہ اس حدیث کا خری جملہ اگر حصارت عمر صنی الشر میں معرف سے عن سے خطا کا حدید ہوں میں ہو ہوں ہے ہوا ایست جنا ہے کہ اس میں بدھ است موجود ہے ۔ جنا ہو عمر اس کی وجا بار سے اور اس کی روا بہت میں بدھ است موجود ہے ۔ جنا ہو عمر اس کی دس کتاب الدی ہا ہے ہوں گار فرن اللہ عمر ال

٣٠٠٠ - حَكَّا ثُنَّا مُحَكَّدُ بُنُ مِصَدِي بِن الْمَكَافِيُ نَا بَجْبَى بَى حَسَانِ نَاهُ هُدُمُ وَالْمَكَافِي الْمَكَافِي اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللْهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى الْمَالِمُ الْمُؤْلِقُ عَلَى الْمَالِمُ اللَّهُ عَلَى اللْهُ الْمُؤْلِقُ عَلَى الْمُؤْلِقُ عَلَى الْمُؤْلِقُ عَلَى الْمُؤْلِقُ عَلَى الْمُؤْلِقُ الْمُؤْلِقُ عَلَى الْمُؤْلِقُ عَلَى الْمُؤْلِقُ الْمُؤْلِقُ الْمُؤْلِقُ عَلَى الْمُؤْلِقُ عَلَى اللْمُؤْلِ عَلَى الْمُؤْلِقُ عَلَى اللْمُؤْلِقُ الْمُؤْلِقُ الْمُؤْلِعُ الْمُؤْلِقُ الْمُؤْلِقُ الْمُؤْلِقُ اللَّهُ الْمُؤْلِقُ الْمُؤْلِقُ الْمُؤْلِقُ الْمُؤْلِقُ الْمُؤْلِقُ الْمُؤْلِقُ الْمُؤْلِ

ابن عباس مسنے کها کہ اہل جو تبن میں سے ایک اسبندی رجوسی ہو تیجری ایک بجوسی قوم متی۔ رسول الشرصل التر علیہ وسلم کے پاس یا اور حصنور سرکے پاس عظہ ابھر وہ با ہر نکلا تو میں نے اس سے پوچھا کہ: انشا وراس کے رسول نے بہارے با دسے میں کیا فیصلہ کیا ہے وہ بولا: بُرا فیصلہ ہے۔ میں نے کہا کہ فاموش دہو، اس نے کہا کہ فیصلہ یہ ہے کہ یا اسلام یا قتل ابن عباس منانے کہا کہ عبدالرحمٰ بن عوف نے کہا کہ دسول انتیاصلی النہ علیہ وسلم نے اُن سسے سخ ریئر فتبول کیا بھا، بس نوگوں نے عبدالرحمٰ کا فول نے لیا ورمیں سے جو کچھ اس اسبندی لعبی مجوسی کے سے مشنا تھا اسے افتریا ریز کیا۔ رشا بگران کے قبول نزکر نے کا مسبب ہر سوکراس کی سندمیں وہ مجوسی تھا جس کا قول اور روا بُرت نا قابل

بروں ہے۔ اسبندی بحرین کے ایک قصیر اسبندکی طون منسوب سے بروزن احمد۔ اسبندی کواگر فارسی کلمہ مانا مہائے تو بہ اسپ کی طوف نمسوب ہوگا (مجمعنی گھوڑا) اور معنی اس کا ہوگا: گھوڑے کے بجاری ربہ گھوڑا بھی پوجنے سقے اوران کے ناموں میں اسپ شامل ہوتا تھا مشلاً: طہما سپ، لہ اسپ وعنیہ بماء ابو عبید کے مطابق اسبنہ فارس کے کمسری کا ایک قائد تھا سو بحرش کا حاکم تھا۔

> كَا كُلِّ فِي النَّشُولِي فِي جِبَاين ِ الْجِزية فِي النَّسُولِي فِي جِبَاين ِ الْجِزية فِي النَّين الْجِزية ف جزيراً المضين تشديد كابات

٣٠٠٥ - حَكَّا تَنْنَا شَكِيمَا نُ بُنُ دَاؤَدَ الْمَهُمِ قُرَانَا ابْنُ وَهُيِ اَخُبَرَ فِي يُونَسُ بُنُ يَنِ الرَّبُ مِرَانَ هِشَامَ بَنَ حَجْدُونَ يُونَسُ بُنُ يَنِ الرَّبُ مِرَانَ هِشَامَ بَنَ حَجْدُ وَجَدَا لَمُ مُنِ الرَّبُ مِرَانَ هِشَامَ بَنَ حَجْدُ وَجَدَا مُورَكِهُ وَجَدَا لَهُ مُنَا مَنْ اللَّهُ عَلَى مَا لَمُ مُنَا اللَّهُ عَلَى مِنْ اللَّهُ عَلَيْهُ وَصَلَّى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ وَصَلَّى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ وَصَلَّى اللَّهُ عَلَيْهُ وَصَلَّى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ وَصَلَّى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ الْمُنْ اللَّهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى الْمُلْعُولُولُولُولُ الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى اللَ

مشام بن مکیم نبن حزام نے جبکہ وہ تحق کا حاکم تھا، ایک آدمی کو پایا کہ وہ کچے قبطیوں کو جزید کی اوائلگ میں دھوپی کو اکر رہا تھا تو اس نے کہا؛ یہ کیا ہے ہیں نے تورسول انڈوسلی انٹرعلیہ وسلم کو یہ سکتے شنا تھا کہ انٹرعزوم ل ان لوگوں کو عذات دے گا تھ دنیا میں لوگوں کو عذا ہے وسیتے ہیں رمسلم، نسآئی

مرب و صلى كى مديث ين وون و مرب بسيد من الم يراس وقت عمر بن سعد عقا جو حصرت عرص التدعيد كي طون سيعم من التعمير وفلسطين كا مداس كا ميراس وقت عمر بن سعد عقا جو حصرت عرض التدعيد كي طون سيعم من وفلسطين كا ماكم عنا اوران كروعي زيون و الاكياء قا بحض و كاير قول ناحق تعذيب كي ارس من بي يجو تعذيب بريق مومن لا اوران كرووي من التعرب بي من من المراق من التعرب بي من من المراق من التعرب بي من المراق المراق و الدان وكون كون التعرب من المراق ا

in contraction of the contractio

بَاسِت فِی نَعْشِبُرِاَهُ لِلآلِمِ النِّيمَةِ اِذَالْخُنَاكُفُوْا بِالشِّجَارَةُ وَ ذميوں سِعِنْورِي ُ گابِي كاباتِجبِكِوه تِجارِ قَالَ لائِيں

٧٩.٣٠ حَكَّا ثَنَا مُسَكَّادٌ نَا اَبُوالاَحُوصِ نَاعَطَاءُ اَبُنَ السَّامِثِ عَنْ حَرْبِ
بَنِ عُبَيْدِ اللَّهِ عَنْ جَدِّهِ أَنِي المَّهِ عَنْ آبِيْهِ فَالَ قَالَ دَسُولُ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَلَا تَكُولُ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهُ وَلَا تَكُولُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَلَا لَكُولُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَلَا لَكُولُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَلَا لِللَّهُ عَلَيْهُ وَلَا لَكُولُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَلَا لِللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَلَا لَكُولُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَلَا لِللَّهُ عَلَيْهُ وَلَا لِللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَلَا لِللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَلَا لِللَّهُ عَلَيْهُ وَلَا لِللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَلَا لِللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَلَا لِللَّهُ اللَّهُ عَلَيْكُ وَلَا لِللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْكُ وَلَا لِلللَّهُ عَلَيْكُ وَلَالْمُ اللَّهُ عَلَيْكُ وَلَا لَكُولُ اللَّهُ عَلَيْكُ وَلَا لَكُولُ اللَّهُ عَلَيْكُ وَلَا لِلللَّهُ عَلَيْكُ مِنْ اللَّهُ عَلَيْكُولِ اللَّهُ عَلَيْكُ وَلَا لَكُولُ اللَّهُ عَلَيْكُ وَلَا لِللَّهُ عَلَيْكُ وَلَا لِللَّهُ عَلَيْكُ وَلَا لَكُولُ اللَّهُ عَلَا لَهُ عَلَيْكُ وَلَا لَكُولُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْمُ اللَّهُ عَلَيْكُ وَلَا لَكُولُ اللَّهُ عَلَى اللْمُ اللَّهُ عَلَيْكُ وَلَا لِللللَّهُ عَلَيْكُ وَلَا لِللْمُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْكُ وَلَا لِلللْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْكُ اللَّهُ اللَّهُ اللْمُ اللَّهُ اللْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُ اللَّهُ الللللَّهُ الللللَّهُ اللَّ

عببيدا لتأدثقفى شنبي كماكرجنا بديسول التكصلى التدعليدوسكم سنيفوا بإبعينثوربهي وونصادى برسبي بذكم المانول برا نشریے: اس سے مراد صدقات کا عشور نہیں بلکہ مال تجارت کاعشوٰر ہے۔ تُحطا آبی نے کماکہ میو دونصاریٰ مسے وہ عشور وصول كيا جاتا ب- جوعقد ومدوم صالحت كوقت مقريروا بوا اكراليانهين بواتوجزير تصعاوه ان بركوني عشونس. اور برعشورا راحنی کاعشرنیں سیے بیونکدان کی زمین سے خرائج لباجانا ہے اورسلمانوں سے عشر رید ساری مجٹ مثن فعی مذمهب كيم مطابق سيے يحنفيه بنے كها ہے كه اگر وہ سلمانوں سے اسپنے مك ميں عشور استجار نی ٹلیس میں گے تو ہم تھی ان سنے وصول کریں سے ور رزنہیں ۔اس مدمیث کی سندمیں بط ئ گرا بھ اوراختلاف سے ۔اس سے اگلی روا بت میں تو د ا بو داؤد عوسند درج كمرتے بس اسسيے بھي اس خلط ملط كى وضا حت بوتى سے بولانا سے خرامايا سے كرا صطراب اس سند كاعطاء بن السائب كيطرف سعب كيونكه وه منوى عميس اختلاط كاشكار موكيا بقاء دو ترى مديث كاستندي انعتىلاط كالشائر نظرنهين آتاكيو ككرمغيان تورك سف عطاءب اكسائب كا نعتلاط سعة قبل اس سعَدم عاع كيا تقاسة خطابی سنے عشور کے بارسے میں حنفیہ کا جو فرس بیان کیا سے اس میں امجمن کا اندلیشہ سے بحنفیہ کا فرمب اس مسلد میں *یہ سے کہ حر*بی کا فرسسے مال بخا دت کا عشور وصول کیا جا تا سبے اور ذقی سسے نقسف عمصرا ورسلم سے کربع عشر يعنى لمبر الرعنيرمسكانون كاسلوك مسلمانون كي ما من اور تسم كانموتو بير بم كفي ان سع وي ساوك كريل محد برح استر میں ہے کہ حربی کا فراگرا مان وا جازت سے بغیر وارالاسلام میں تجا اُرت کی عز صَلٰی سے داخل ہوں تو اِن کا ساارا وال صَلِط كيا جائے كا اگرامان وا مازت كرائيس كے توان كے مسامق شرائط امان كے مطابق سلوك بوكا اور يرشكس سال بریں ایک ہی مرتبہ لیا جائے گا جیکہ وہ ہمارے ملک میں تجارت کے لیے مگومیں پیریں گے يم سَرِّحُتُلُ لِنَّنَا أُمُحُمَّدُ بَنُ عُبُهِ الْمُحَارِقِ نَاوَحِيْعُ عَنَّ سُفْيَانَ عَنُ وْعَطَاءِ بُنِ السَّامِبُ عَنْ جَرْبِ ابْنِ عُبَيْدِ اللَّهِ عَنِ النَّهِ عَنِ النَّهِ عَلَى اللَّهُ عَلَبُ فَيُ وَسَكُّو بِمَعْنَالُهُ فَالَ خَرَاجُ مَكًا فِي الْعُشُورِ. ابن عبدا دیند منسنے نبی صلی انٹرعلیہ واکروسلم سے اوپر کی حدیث جیسی روایت کی داس حدیث کی سند مہلی سے

٨٨.٧ . كَتَّا ثَنْنَا مُحَتَّمُ كُنُ بَشَّارِنَا عَبُكُ الدَّحُلِنِ مَا سُفْيَاكَ عَنُ عَكَا الْمَصْ عَنْ دَجُلِ مِنْ مَكْرِبْنِ وَ(مُلِ عَنْ خَالِهِ فَالَ قُلْتُ يَا رَسُولَ اللهِ الْمَصَّدِرُ قَوْمِي فَالَ إِنْهَا الْعُشُورُ عَلَى الْيَهُودِ وَالنَّصَالِي .

عطاء نے کمربن وائل سے ایک مروسے اوراس نے اپنے مامول سے روایت کی ،اس نے کہاکہ بارسول اللہ کیا میں اپنے قوم سے عنتور وصول کے دوں رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم نے فرما یا کہ عشور توصرف ہیود ونصاری

فلم سے جافظ ابن مجرنے کہا ہے کہ ابوا میے تغلبی (حرب بن بلال کا دادا) رسول الشرصلی الشرعلیہ وسلم سے عشور کی روایت کرتا ہے کہ وہ مسلمانوں پر بنیں ہے عطا ربن السائب سے داوی اس کا نام مختلف بتاتے ہیں مولانا نے سے فرمایا گئرسندا حمد کی روایت میں حرب بن بلال تعنی ابوا مبتہ سے روایت کرتا ہے جوبنی تغلب کا ایک مرد تھا پھر بعض روایات ہیں ہے بحرب اپنے ماموں سے روایت کرتا ہے حب کا نام نہیں لینا اور صرف یہ بتاتا ہے کہ وہ مکرب وائل سے تھا۔ ابودا تو دکی روایت ہیں: عن دجل من بکو بن واعل رحرب) عن خالہ ہے مولان نے فرمایا کو برائل سے تھا۔ ابودا تو دکی روایت ہیں: عن دجل من بکو بن واعل رحرب) عن خالہ ہے مولان کی مدریث نمبر برب ہم میں جو نفط، عن جاتا ہی احت آیا ہے مثل بال میں تعقیمہ و کی ہے اور درست نفظ ابی اس میں بنیں بلہ ابی امی ہو اسے باس میں بہت کا صحابی کون ہے باس میں بہت بات کا میں بیت کا محابی کون ہے باس میں بہت میں بات میں بیت کے سے مربد بحث بوگی ۔

۵۸.۳. كَلَّ ثَنَا مُحَمَّكُ أَبُنَ إِبْرَاهِ يُو الْبَرَّا أَنْ الْبُونُعُ يُهِ وَالْعَبُ السَّلامِ عَنْ عَطَاء بَنِ السَّافِبِ عَنْ حَرْبِ بَنِ عُبَيْدِ اللهِ ابْنِ عُمَّى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ حَرْبِ بَنِ عُبَيْدِ اللهِ ابْنِ عُمَى اللهُ عَلَى اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَل

سوب بن عبيدا لندين عمير تفقى اسپه دا داست روايت كرتا ب جوبنى تغلب كاايك شخص عقا، اس نے كهاكه ميں منبي صلى النه عليه وسلم كرسلمان بواا ور آپ نے بھے اسلام سكھايا اور يرسمى سكھايا كہ بى اپنى قوم سے معدقه كميوں كرم وصول كروں ، يعنى ان ميں سے اسلام لا نے والوں سے ۔ بھريس حضور كى طوف والى گياا وركها يارسول النّداب نے

مے ہے ہو کچھ سکھایا بھاوہ میں سنے با دکر لیا ہے سوائے صدقہ سے، کیائمی اُن سے عشور ومول کروں ؟ آپ سنے قرما یا کہ نہیں عشور تو بھو دونصاری کر سے ۔

شریح ، مندری نے کہا ہے کریدروایت بخاری نے النار کے الکیریں بیان کی ہاور بتا باہے کہ راویوں کااس میں کیا استعلام ہے ، مندری نے اور کہا ہے کہ راویوں کااس میں کیا استعلام ہے ؟ اور کہنا ہے کہ:اس کی متابعت نہیں ہوتی۔ نبی صلی النت علیہ وسلم نور کہ بی مسلمانوں پر بھی عمر واحب و بایا ہے۔ راور البو صنیفہ کے نز دیک ہم تعدار پر عمر واحب ہے بعنی یا منے وستی مسلمانوں پر سے جو در گرام کہ فقہ کے مطابق ہے مینی یا منے وستی

٣٠٥ ـ حَدُّ نَنَا مُحَدَّمُ ابُنُ عِيْسِي نَا أَشُعَتُ بُنُ شُعْبُ لَهُ نَا أَمْ طَاءُ بُنُ الْمُنُنادِ فَالَ سَمِعْتُ حَكِيْرَ بَنَ عُمَيْرِ أَبَّا الْأَحُوصِ يُحَدِّيتُ عَنِ الْعُرْيَافِر ابْوِسَادِيَةَ السُّنَهِيِّ قَالَ نَزَلْنَامَعَ النَّبِيِّ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحَ خَيْبَكَ وَ مُعُهُ مَنْ مَعَهُ مِنْ اَصْحَابِهِ وَكَانَ صَاحِبُ جَبُهُ كَرُرُجُ لَا مَارِدٌ الْمُنْكُرَّا فَأَقْبُلُ إلى التَّبِي صَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمُ فَقَالَ بِالْمُحَمَّدُ ٱلكُّوْرَانُ تَنْ بَحُوا حَمُرَنَا وَتُأْكُلُواْ نُبُمُرِنَا وَتَضْيِ بُوانِسَاءَنَا فَغَضِبَ يَعْنِي النَّبِيَّ عَلَيْهُ والسَّكُلُمُ ﴾ ﴿ قَالَ يَا ابْنَ عَوْبِ إِرْكَبُ فَرَسَكَ ثُكَّرِنَا دِ ٱلا إِنَّ الْجَنَّةَ لَا تَحِلُ إِلَّالُهُ تُعِينِ و أَنْ رَجْتَمِ عُوْ الِلصَّالِةِ قَالَ فَاجْتَمُ عُوْا تُكْرَّصَكِّي بِهِ حُرِالنَّبِيُّ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَتُكَّوَ اللَّهِ وَكُنَّالَ البَّحْسَبُ إَكُنَّا كُمْرُمُتَّكِئًا عَلَى آرِيكُنو فَ لَا يُطَنَّ اَنَّ الله كَوُيُحَرِّمُ شَيُّ الكَمَا فِي هٰذَا القُرُانِ الكَوَاتِي وَاللهِ فَكُو عَظْتُ وَامْرُتُ وُنَهَيْتُ عَنُ اللَّهُ يَاءَ إِنَّهَا لَمِثُلُ الْقُرْانِ آوَ إَكْثَرُوَ إِنَّ اللَّهُ نَعَا لِلْ كُمُ يَحِلُّ لَكُمْ اَنْ تَهُ خُكُوا بُيُونَ اَهُلِ الْكِتَابِ إِلَّا بِارِدْنِ وَلَاضَرْبَ نِسَاءِهِمُ أُولَا ٱكُلُ ثِمَادِهِ مُواِذَا أَعُكَانِكُمُ الَّذِي عَلَيْهُ مُو-

عرمایش بن مادید سلمی نے کہا کہ ہم نبی مسلی التُرعلیہ وسلم کے رہا تھ نتیب میں استہ اور آپ کے اصحاب بھی سقے۔ اور نیب کا میک منکر اور نیب کے اسکار سے میں اللہ علیہ وسلم کے پاس آیا اور بولا: اسے محد اکیا بھار سے سلے جائز سبے کہ ہما دسے کہ بہار سے گروا در ہمار کی کھا جا اُوا در ہماری عور توں کو بپٹو ؟ اس بر نبی صلی التُرعلیہ سلم غضب ناک ہوگئے اور فرمایا: اسے ابن عوف اِ اسبے گھوٹ سے برسوار بہوجا وُ اور بھر کی کرکہ منا وی کرمون اِ اسبے گھوٹ سے برسوار بہوجا وُ اور بھر کی کرکہ منا وی کرمون و میں اللہ ایمان اللہ ایک اللہ میں میں اللہ ایک میں ہوگئے تو بھر بی صلی اللہ ایمان اللہ ایک میں ہوگئے تو بھر بی صلی اللہ ا

عليه وسلم في المنسى نماز بط صائى ، مجرا سطے اور فرایا : کیا تم سے کوئی شخص اپنی جار باؤی بر سمارا نگائے بیٹھا ہوا یہ سمجھتا ہے کہ اور کھر دیا ہے کہ اور کھر دیا ہے کہ اور کھر دیا ہے کہ اور کھر اور کا سے منع کیا ، وہ قرآن کی طرح یا اس سے صی فریادہ بن ، اور اسٹدی وم سنے کیا ، وہ قرآن کی طرح یا اس سے صی فریادہ بن ، اور اسٹدی وم سنے کہا کہ متم اور سے منع کیا ، وہ قرآن کی طرح یا اس سے صی فریادہ اور ان کی عور توں کو پسیٹنے کی صی ا جا ذہ نہیں دی اور دان کی عور توں کو پسیٹنے کی صی ا جا ذہ نہیں دی اور دان کے اور کہ میں کھانے کی جبکہ وہ تہیں وہ فریف اوا کم بن جوان کے وقت ہے ۔

منسریے: مندری نے کہاکہ اس مدسی کی مندیں اشعت بن شعبہ مقتبھی ہے جس میں کلام ہے۔ مولا ناشے نے زمایا کر بقول از دی و صنعیف ہے اور الوزر تقر نے اسے نام قرار دیا ہے۔ اسی طرفتح ابو الا حوص مصی بھی متعلم نہیںے۔ بہ نفتہ جس کا بہال ذکر ہے بظا ہر نوخ نویر کے بعد بیش آیا تھا مگریہ نہیں معلوم کہ کب اورکس موقع پر؟

٣٠٥١ ـ كَكُّ نَنَا مُسَكَّدٌ وَسَعِيْكَا بُنَ مَنْكُورٍ قَالَانَا ٱبُوعِوَانَهُ عَنَ مَنْصَوَيِا عَنْ هِلَالٍ عَنُ رُجلٍ مِنْ ثَيْقِيفٍ عَنْ رُجلٍ مِن جُهَيْنَةَ قَالَ قَالَ مَاسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهُ وَسَنَّوَ لَعَلَّكُ وُنُقَاتِلُونَ قَوْمًا فَتَظُهَرُونَ عَلَيْهُمْ فَيَتَقُونُكُم بِأَمُوا لِهِ وَدُونَ ٱنْفُسِهِ مُو وَ ٱبْنَا ئِهِ مُو قَالَ سَعِبُكَ فِي حَدِيْتِهِ فَيْصَالِحُونَكُمُ عَلَى صَلْحِ ثُمَوا تَفَقَا فَلَا نُعِيْبُوا مِنْهُمُ شَنِيًا فَوْقَ دَلِكَ فَإِنَّهُ لَا يَصْلَحُ لَكُمُ

کی کی کہ کے ہے اوق اولادہ ببدوا میں ہو سب کوی خوات کا کہ لا ہے بہ کا کہ کہ ہوگا ہے ہیں کہ کہ کہ ہوت کا کہ کہ ک تعیف کے ایک توم سے قبال کر وادر م ان پر غالب آ جاؤ۔ بھروہ اپنے آپ ا درائی ا ولاد کو بچاسنے کی خاطر ا بنے مال دے کرم سے بجیس، سعبہ نے اپنی صدیث میں کہا کہ دیں وہ تم سے مصالحت کمریں بھر دونوں را ولوں کا اتفاق ہے کہ فرمایا، تم اک سے اس سے زیادہ اور کمچے وصول مرت کروکیونکہ وہ تمہارے سیے روانہیں داسکی

سندیں ایک جول اول کی سے۔ شریع : تعلکم کا لفظ بیال تفتیق کے لیے ہے اِمید کے لیے ہیں اِتی مدیث کامطلب واضح سے۔

مره و حكَّانَنَا سُكِمَانُ بُنُ دَا وَدَ الْمَهُمِ قُورَانُ ابْنُ وَهُ بِ حَتَّ تَغِيُ اَبُوُصَخَرِ الْمَدِينِيُّ اَنَّ صَفْوَا نَ بَنَ سُكِيْدِ اَخْبَرَةَ عَنْ عِثَاةٍ مِنَ اَبْنَاءِ اَصْعَابِ رَسُولِ اللهِ صَكَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَتَّمَ عَنُ الْمَائِهِ مَوْدُ نِينَةً عَنْ رَسُولِ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ قَالَا الْاَمَنُ ظَلَمُومُ عَاهِمًا أَو انْتَقَصَهُ آوْ حَتَفَةً فَوْقَ كَاقَتِهِ وَ اَخَذَهُ مِنْهُ شَيُّا بِغَيْرِطِيْبِ نَفْسِ فَانَا حَجِيبُ جُهُ يَوْمَ الْقِبْلِمَةِ .

رسول النهصلى النه عليه وسلم كے قريب تھاكہ حضور كے ارشاد فرما يا ہنجر دار احبى كسى ترسى ترسى ترخى كى نسب ماس كات مارا باس كى ما قديد سے ہم حكى جنور كا يا ہنجر دار احبى كسى ترخى مارہ برطم كيا جا كان كائن براس كا فت سے ہم حكم اسے تعليف دى ياس كى دفئونى كے بنيراس كا وقت سے ہم كو اسے تعليف دى ياس كى دفئونى كے بنيراس كا وقت سے جملو اسے تعليف دى ياس كى دفئونى كے بنيراس كا وقت سے جملو اس كا داس دوايت بى محمد جا ماديت سے بھى اس سے ملتا حكت بى اس سے اس سے اس سے اس سے ملتا حكمت اس سے دفئوں دونيا صارہ سے ملائے دونيا صارہ سے ملتا حكمت اس مارہ كے ماد لان اور غرب ملموں كے مق بي مشام كى ديا دونيا مسلم كى ماد تا ہم كے كا بند حكم كيا ہے وہ با كى واضح ہے اس سے كہا دونواسلام كى يہ تعليم سے كہ غير مسلموں بركسى تسم كى ذيا د تى نرم و نے با ہے۔

بَاكِتِ فِي النِّرِقِيِّ يُسُلِمُ فِي بَعْضِ السِّنَةِ هَلْ عَلَيْهُ جِزْيَةً مُ

بالاب اگردی سال کے دوران میں اسلام ہے آئے توکیا اس پہر ہیں ہے؟) سر ۵ سار حکا نشکا عَبْسُ ۱ للهِ بُنُ ۱ لُجَدَّراج عَنُ جَدِنْ مِرِعَنُ قَابُوسِ عَنْ اَ بِيْبِ؟ عَنِ ١ بُنِ عَبًّا بِس قَالَ قَالَ رُسُنُولُ اللهِ صَلَّى ١ للهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحَ لَيْسَ عَلَىٰ مُسُلِمِ

ابن عباس سُنْ لَهُ كَهَا كُهُ رَسُول اللهُ صلى اللهُ عليه وسلم نفرايا بَسَى سِلم بِرِجَدِيهُ بَيْنَ م صرور حَكَّا ثَنَاكُا مُحَجَّدًا بُنُ كَتِيْرِفَالَ سُئِلَ سُنْفِيَانُ عَنْ تَفْسِيْرِهُ فَا اَفَقَالَ وَذَا اَسْنَوَ فَلَاجِزُيَهُ فَعَبَيْهِ وَ

سفیان نے اس کا مطلب یہ بنا باکجب وہ سلم ہوم سے تواس برکوئی جزیہ ہمیں رہتہ آئی)
منسرے ؛ علام خطابی نے کہا کواس کا معنی دوطرح سے موسکتا ہے، ایک بیر کر جزید کا معنی خواج یا جائے بہ ب اگرکوئی ہودی اسلام سے آئے اوراس کے قبضے میں زمین تھی جب برکرمصا نحت کا کئی تھی تواس کی کرون سے بجزیہ موقوف ہے اور اس کی زمین سے خواج و اور پر سفیان توری اور شافعی کا قول سے سفیان سف کہ کہا گر گروہ زمین بروی میں کھر میں کہ کہا گر گروہ زمین بروی میں کھر اس کا مالک اسلام سے اور اس شخص کا جزیر خصے ہے۔ خواج باقی ہے۔ دوم امعنی بہر میں کہ مسلمان جب سال کا کی حصہ گر رحب کا موال بہندیں کیا حاسے کا حب اکا کہ سلمان حب سال خواج کہ دے تو میں بہر سے کہا کہ کہ دور اس کے کا حب اکر کر مسلمان حب سال خواج کہا کہ کہ دور اس کے کا حب اکر کہ سال کا گر درج ان خواج ہے۔ اس سے زکوہ کا کہ کہ دور اس کے بعد وہ مسلمان کو اور اس کی جب سال گا کو درج الون سے ابو عب ہے کہا کہ کہ دشتہ سال کا اس سے درکوہ کہا کہ کہ دشتہ سال کا اس سے درکوہ کا مطالبہ و تو اس میں ان خواج ہے۔

مطالبہ بنی ہوگااوراس نے صفرت عربن الخطاب کے وار دہو نے واسے ایک اٹرسے استدلال کیا سہمے ۔
ابوصنیفہ م نے کہاکہ جب کوئی فرمی مرجائے اوراس کے و مداس کے سرکا کچر جزید تھا تواس کے متعلق اس کے وار تول سے کوئی مطالبہ نہ ہوگا اور وہ اس کے ترکیمی سے نہیں بیا جائے گا، کیونکہ وہ اس پر و بن نہیں ۔ اوراگر ان میں سے کوئی اسلام قبول کرے جبکہ اس کے زمر کچر جزید تھا تواب وہ بھیتہ ساقط موگیا وہ اس سے نہیں بیا جائے گا۔ اور شافعی کے نزدیک اس کا مطالبہ کیا جائے گا کیونکہ وہ اس کے ذہ وین کی مانند ہے ۔ شافعی کا دوسرا قول میں ہے جودمگیہ فقہ ایک مطابق سے اور وہ ہاؤ کی سے کیونکہ وہ جاعیت کے ساتھ ہے ۔

بَاهِت فِي الْإِمَامِ رَقْبُلُ هَدَايَا الْمُشْرِكِينَ

امام کے مشرکوں کے بدیے قبول کرنے کاباب

٣٠٥٥ حَكَمَانَكُ ٱبُوٰتُوْبَةَ الرَّبِيعُ بْنُ نَافِعِ نَامُعَا وِيَدُّ يَعُنِي ابْنَ سَلًا عَنْ رَئِيهِ أَتَنَهُ سَمِعَ أَبَاسَلَامِ فَالْ حَدَّ ثَنِي غَبْدُ اللهِ الْهَوْدِ فِي كَالَ كَوْبُتُ بِلَالْامُوَذِّنَ رَسُولِ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَنَّرَ بِحَلْبُ فَقُلْتُ يَا بِلَالُ حَدِّفَيْ كَيْفَ كَانَتُ نَفَقَة مُرْسُول اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ فَا لَهُ عَالَيْهِ وَسَلَّمَ فَالَ مَا كَانَ كَهُ شَيْئٌ كُنُتُ آنَا الَّهِ يُحالِي ذلكَ مِنْهُ مُنْنُ بَعَتُهُ اللَّهُ تَعَالَى حَتَّى تُوتِّي صَلَّى اللَّهُ عَلِيْهِ وَسَلَّوَ وَكَانَ إِذَا اَ تَاهُ مُسْدِمًا فَرَاهُ عَادِيًا بَامُرُفِ فَ أَفَط لِقُ ۚ ۚ فَاكْتَنَقُرِضُ فَاشْتَرِيُ لَهُ الْبُرُدَةَ فَاكْسُوٰهُ وَٱطْعِمُهُ حَتَّى إِعْتَرَضَنِيُ رَجِلُ مِنَ الْمُشْرِكِيْنَ فَغَالَ بَا بِلَالُ أَنَّ عِنْدِي سَعَةً فَكَلِ نَسْنَفُونَ مِنْ أَحَدٍ إِلَّامِتِي فَفَعَلْتُ فَكَمَّا أَنْ كَانَا ذَاتَ يُومِرِ تَوْضَأَتُ ثُمَّ وَفُمْتُ لِأُوَّذِنَ بِالصَّاوَةِ فَاذَا الْمُشُرِكُ قَدُا تَبُلَ فِي عِصَابَةٍ مِنَ التُّجَّارِ فَكَمَّا آنُ رُافِي فَالَ يَاحَبُثِيُّ قُلُتُ كَالِبًا ﴾ فَتَجَهَمَنِي وَقَالَ لِي قُولًاغِينُظًا وَقَالَ لِي أَتَهُ رِئِي كُوبِيُنَكَ وَبَيْنَ الشَّهْرِ قَالَ قُدُتُ قَرِيْكِ قَالَ إِنَّمَا بَيْنَكَ وَبَيْنَهُ ٱرْدَعُ فَاكُذُلَّا بِالَّانِ وَعَلَيْكَ {ِ فَاكُرْدُّكَ تَرْعِى الْعَنَوَكَ مَا كُنُتَ تَبُلَ لَا لِكَ فَاحَنَا فِي نَفْسِي مَا بَا خُذُ فِي اَنْفُسِ

التَّاسِ حَتَّى إِذَا صَلَّمْتُ الْعَنَيْمَةُ رَجَعَ رَشُولُ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَتَحَرَ إِلَى رَهُلِهِ فَاسْتَاذَنْتُ عَلَيْهِ فَأَذِنَ لِى قُلْتُ بَارَسُولَ اللهِ بَأَيْ ٱنْتَ وَأُهِّ**حِ** إِنَّ الْمُشْرُكِ الَّذِي كُنْتُ آتَكُ تَنْ مِنْهُ قَالَ لِي كَنَا وَكَيْسَ عِنْ مَا كُمُ تَقَضِى عَنِي وَلاعِنْهِ يُ وَهُوَ فَا ضِحِي فَاذَ نُ لِي أَنَ آبَنَ إِلَى بَعْصِ هُؤَلآ عِالْكَمْيَا الَّذِيْنَ فَكُ ٱسْلَمُوا حَتَّى بَرُرُنَ اللَّهُ نَعَالَى رَسُولَ لَهُ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ مَا يَقْضِي عَتِّي فَخَرَجْتُ حَتَّى إِذَا أَنَيْتُ مَنْزِلِي فَجَعَلْتُ سَيْفِي وَجِوَا بِيُ وَنَعُكَنَّ وَمَحِنِينَ عِينُكَ رَأُسِي حَتَّى إِذَا انْشَقَّ عَمُوُدُ الصُّبْحِ الْأَوَّلِ اَرَدُ فَ أَنُ أَنْطُلِنَ فَإِذَا إِنْسَاكُ يَسْعَى يَهُ عُوْيَا بِلَالُ أَجِبُ رَسُولَ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّحُ فَانْطُلُفْتُ حَتَّى ٱتَيُتُهُ فَاذَا ٱرْبُحُ رَكَا مِبُ مَنَاحَاتُ عَلَيْهِ تَ رُحْمَا لُهُنَّ فَا نُستَا ذَنْتُ فَغَالَ لِيُ رَسُولُ اللَّهِ صَلَّى (للهُ عَلَبْ وَسَلَّعُوا أَبْشِرُ فَقَدُ جَاءَكَ اللَّهُ نَكَالَى بِقَدَ صَائِكَ تُكَّرِّفًا لَ الْمُرْتَالِ لِرَكَا يَبَ الْمُنَا حَاتِ الْكَارُبُعَ فَقُلُتُ بَلَىٰ فَغَالَ إِنَّ لَكَ رِخَابَهُنَّ وَمَا عَلَيْهِنَّ فَاِتَّ عَلَيْهِنَّ كَسُوَةً وَطَعَامًا أَهُدَا هُنَ إِلَّ عَظِيْرُوفَكَ كَا قِبُضُهُنَّ وَاقْضِ كَيْنَكَ فَفَعَلُتُ فَنَكُرُ الْحَدِيْتُ ثُمَّ انْطَلَقْتُ إِلَى الْمَسْجِدِ فَاذَا رَسُولُ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَتَحَ قَاعِلًا فِي (لُمَسْجِهِ فَسَتَمُتُ عَلَيْهِ فَقَالَ مَا فَعَلَ مَا قِبَلَكَ قُلُتُ قَلْهِ فْضَى اللهُ تعَالَى كُلُّ شَهُيٌّ كَانَ عَلَىٰ رَسُولِ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّوَ فَكُو يَبْنَ نَنَى ثَنَى ثَالَ أَفْضَلَ تَنَى فَكُتُ نَعَكُمْ قَالَ الْظُرْ اَنُ تُرِيْحُنِي مِنْهُ فَإِنَّى لَسُتُ بِدَ (خِيلِ عَلَىٰ اَحَدِهِ مِنْ اَهُلِيُ حَتَى ثَرِيْحَنِيْ مِنْهُ فَكَمَّا صَلَّى رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهُ وَسُلَّوَ الْعَنَّمَةَ دَعَانِي فَقَالَ مَا فَعَلَ الَّذِي وَبَلَكَ قَالَ ثُعَلَّتُ هُوَ { مُعِى كَثُرِياتِنَا أَحَدُّ فَبَاتَ رَسُولُ اللهِ صَالَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحَ فِي الْمَسْجِدِ

وَقَصَ الْحَدِيثُ حَتَّى إِذَا صَلَّ الْعَتَمَةَ يَعْنِي مِن الْفَدِدَ عَانِي قَالَ مَا فَعَا الُّـنِي كَ قِبَلَكَ قَالَ قُلُتُ فَكَ (زَاحَكَ اللَّهُ مِنْهُ يَا رَسُولَ اللَّهِ فَكَبَّرُوحَمِيْ الله شَفَقًا مِنُ آنُ بُهُ رِكُهُ الْمَوْتُ وَعِنُكَ لَا ذَٰ لِكَ تُكُوِّ تُبَعَثُهُ حَتَّى إِذَا كِا ٱۮؙۉٵڂؘۜ؋ڣڛۜڴۅؘۼڵٳۿڗٲۼٳڞڗٲۼۣڂڗؖ۬ؽٳٙؾؙٚۻؽؽػ؋ۅؘۿ؇ٵڰڹڮؙڛٵڵؾٛڹٟٛڠ عب الشِّدالعوز ني نے مان کیاکہ میں رمیول السُّرصلی التُّدعِليہ وسلِّم کے مؤ ذن لال حَ سے حلب میں ہلاا ورمی نے كهاكرا مع بلال المجع بنا وكريسول الترملي الشرطي الشريط كاخرج كيون كرطيت عقاة بلال فن في كهاكر آب كون مال ماريطيم منظے اوراس کارماراانتظام میں کر تا تھا ہائے کی بعثت سے لے کراس وقت تک ہی مال رہا حبکہ آپ و فات ہا گئے، نعض آب کے پاس سلم ہوکرا تا اور آپ اُسے عربان پاتے تو جھے حکم دیتے ہیں جاتا سيع ما در خريد أ اور كهانا كعلانا تفاختي كم محق ايك مشرك الااور كمن كاست بلال! میرے باس مال و دولت کی گنجا نش محجود سے سی تومیرے سواکسی اور سے قرص من لباکر کیس میں سے ایسا ہی کیا یس ایک دن کا ذکر سے کرمں نے وضوک اور نمان کی ا ذان دینے کے سیلے کھڑا ہوگو ا جا نک وہ مشرک تا ہروں کی ایک مما عنت میں آمااور حب اس نے مجھے دیکھا توکھا: اسے مبشی اس نے کھا: مجی ہاں یس اس نے مجھے سخت ت کہاا درسخت ہاتیں کس،اور مجرسے کہاکہ تجھے معلوم ہے کنہدینہ گزر نے س کتنا وقت باقی ہے؟ بلاّل گننے ومه حومال ہے اس کے عوص مں مجرط بوں گا اور تجھے غلام بنا ڈ الوں گا کہ توپیلے کی ما نند تھ میر مجر ماں جرانے سنگے گا جس گئے، ہیں سنے آٹ سے ا مازت ملک کیا ورآپ نے ا مازت دی۔ ہیں سنے برنے کو کھے سے نہیں اور نہ میرے یاس سے اوروہ مجھے رسوا کمہ دسے گا، نس آ ب ے دس کرمں ان سلم قبائل کی طاف مھاک جاؤں حق کمرانٹر تعالیٰ اپنے رسول کواتنا رز تی و وه میرا لیا ہوا قرمض ادا کمدسکس بس مں رسول التار صلی الترعلیہ وسلم کے گھرسے نسکلا حتی کہ اپنے مہکا ن پر پہنچا ،نس میں نے اپنی الوار اور چیز سے کا عقبل اور حو تا اور اسی ڈھال اسنے سرکے قریب رکھ کی بیٹی کہ حب صبح کا ذیب علیو نی تونس سنے نکل حیا نے کا ادا دہ کر لیا۔ توکیا دیکھتا ہوں کراٹھ۔ انسان تھا گا آتا سیے اور تیجھے پیکا رتا ہے : اسے بلال! پیچھ رسول التدضلي لتدعليه وسلم ولات بيساس مبين مبلاحتي كه حصنور كييس ما بينجا توكيا ويكصتام والكرم بالا ونتطنسا ب بٹھائی گئی تھیںا ودان کا بولجے اُ ن کے اوبرہی مٹا۔ بس میں نے اجازت مانگی تورسول الٹرصلی الٹرعلیہ دسلم نے فجہ سے فرما يبنون بوجار إلله تعالى ترسه فرص كي المعلِّي كاسامان معه أياسه معراب نفرما ما كيا تُونِ عام ينبطي مهمو في ا وُنتْ نيال تنيس دكيفيس بيس سِن كما كرجي إلى دكيمي بعضور سن فرلياكم وه اوسنيا في اور عو كجد ال نبرسه وه

مشرح : اس طویل مدیث میں کا فر کے مدیئے تبول کرنے کا ذکر موجود ہے جو باب کے عنوان کا مقصد ہے۔
علاوہ ازین اس سے نئی باتیں اور بھی معلوم ہوئی ہیں : ہلال پر بحضور کا اعتماد ، ہلال کی حضور سے ہے بناہ محبت،
عداوی کا ذاتی معا طاست میں ذیا دہ وقت اور قوت صرف نہ کرنا ، بگال کا حصنور کی ذات سے تقرب ہم ہے کا ذاتِ
خدا وندی بہتو کل کا فرکا رعیت ہو لے کے با وجود ہل اس سے حتی سے بیش آنا نگر حسنور کا نظر انداز کرنا کیونکہ
معا ملہ قرض کا تھا ۔ بگل کا خلوص سادگی جعنور کا مال دنیای طرف سے بے معنیت رمنا اور ذات اللی ہو کا مل

عبروسه وغيره وعنره.

٧٥٠٣ - حَكَّ نَنَامَحُهُوُ كُ بُنُ خَالِهِ نَامَرُوانُ بُنُ مُحَتَّهِ نَامُعَاوِيَدُ بِمَعْنَى الْمُعَاوِيَةُ بِمَعْنَى الْمُسَادِدَ إِنِي تَعْفِي عَنَى عَلَيْهِ قَالَ عِنْكَ قَوْلِهِ مَا يَغْضَى عَنَى فَسَكَتَ عَنِّي وَسُتَوَ فَاغْتَمَوْنَهُا - رَسُولُ اللّهِ صَلّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَتَّوَ فَاغْتَمَوْنَهُا -

 النَّبِي صَلَى اللهُ عَبَهُ وَسَلَوَ نَاقَة فَقَالَ اسْلَمُتَ فُلْتُ لَا فَقَالَ النَّبِيِّ كُلُّ وَلَا فَقَالَ النَّبِيِّ كُلُّ وَكُلُّ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ

عیاصٰ بن حمارنے کہا کہ بس نے داسلام لانے سے قبل رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم کوایک اونٹنی بطور بدیہ بیش کی تو آئی نے فرمایا کہ مجھے کومشر کول کا مدیر اور عطاء سیلنے سے منع کیا گیا ہے (تر مذی ، اوراس نے اسے حسن میجھے کہا ہے)

مشرح: اس صدیت میں نفظ زبد کا معنی عطا ہے۔ علا مرخطابی نے کہاکہ حضور کے اس بدید کو رد کرنے کی دو وجیں ہوسکتی ہیں ایک یہ کہ حضور نے اس کا بدیر د قر ما کواسے کا فر ہونے کا احساس دلایا کا تا کا کہ وہ اسلام قبول کرنے ، دو سری وجدیہ متی کہ دید کی قبولیت دبی میں اور توجہ بہ مخصرہ اور حضور کا دل جو نکہ اس کی طرف ما بل در تقالمذا اس کا بدید قبول کرنے کا فہوت موجود ہے، شابیاس معاسلے میں مشرک اورائل کتا ہے کا جی فرق ہو لیکن اولی یہ ہے کہ اس صربیت کو منسوخ محبا جائے میں وکئر آپ کئی مشرکوں کے بدایا کے قبول کرنے کی دو ایات بہت سی ہیں اور اس صدیت سے مبح تر ہی ہیں۔ یہ عیام من تب ماربعد میں اسلام سے آ کے قبول کرنے کی دو ایات بہت سی ہیں اور اس صدیت سے مبح تر ہی ہیں۔ یہ عیام من تب ماربعد میں اسلام سے آ کے قبول کرنے کی دو ایات بہت سی ہیں اور اس صدیت سے مبح تر ہی ہیں۔ یہ عیام من تب

بالبسرفي إفطاع الكرمضين

زمينوں كى جاكيرونينے كا بالب

م. س. حَرِّ تَنَا حَفَصُ بُنُ عُمَرَنَا جَامِعُ بُنُ مَطِ عَنْ عَلْقَمَةَ بَنِ وَا مُلِ بِالسَّادِهِ مِثْلَةً.

اوىدىسى كى حدريث ايك اورطرىتى سنت

٠٧٠س حَكَّا نَنْنَا مُسَكَّدُ ذَاعَبُ كَاللهِ بَنُ دَاوَدَ عَنْ فِطِرِقَالَ حَلَاثَنِيُ اَ فِي عَنْ عَنْهِرُو بُنِ حُدَيْثِ قَالَ خَطَّالِى رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّوَ دَا مَّ الْإِلْسَانَ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّوَ دَامَّ الْإِلْسَانَ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّوَ وَاللهِ اللهِ عَنْ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّوَ وَاللهُ اللهِ عَنْ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّوْ وَاللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ وَلَا اللهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ ا

عروبن خوری ایک کمان سول الترصلی التا علیه وسلم نے مجھے مد آبینہ میں ایک کمان کے ساتھ نشان مگا کوایک گھرعطا فرمایا اور فرمایا : میں بچھے عطا کرتا ہوں رمولانا نے فرمایا کہ بقول ذہبی یہ ایک منکر صدیث سے کیو کو کوئیں محریث اس سے بہت بھوٹا خاکہ اسے ایک مکان عطاکی ما تا بحضور کی دفات کے وقت اس کی عروش سال کے حریث اس سے ماصل کیا ہے کیونکہ پہلے اس نے یہ حدیث اس کی معمل کیا ہے کیونکہ پہلے اس نے یہ حدیث اس بناء بیم معلول قرار دی تھی ۔ اور حقیقہ کے می اس کو مجمول ایمال قرار دیا تھا ، مولانا سم نے اس میں ایک اور علت بناء بیم مادر مقرب کی مادر مقرب کی آبادی کے اندر کی ادا صلی لوگوں کی مملوکہ تھی دندا از خود کسی اور کو دے والنا سمجیں بنائی ہوں ایک اور میں اور کو دے والنا سمجیں بنائی ہوں ایک اور میں ایک اور میاں ایک اور میں اور میں ایک اور میں اور میں ایک اور میں ای

النوكوة الك الكؤمر

inananeoconomananomaneoconomica i anticomica de la companie de la companie de la companie de la companie de la

ہر در مربعہ بن ابی عبدالرحمٰل نے کئی لوگوں سے روامیت کی کررسول الترصلی انترعلیہ وسلم نے بلال بن حارث مُرز نی کومعادی القبلیّہ بطور مبالگیر دی تعین جو فرع کی طرف واقع تقیں، سپ ان معادی سے آج تک زکواۃ سے سوائحہ وصول نہیں کی جاتیا

شہ : یہ ایک مرس صدیث ہے۔ الفرع نوائ رندہ میں ایک آبادی کا نام ہے۔ معادن کے متعلی النرفقها سے سے کہ اگراس میں سے فارج مونے والی دھات تصاب کو پنچے تواس می زکوۃ فرض سے ۔ ابو منیفه، توری وربع من دوسرے نقهاء کا فول ہے کہ معدن اور رکا زکا حکم ایک سے اور رکا زمیں کروئے ماریث جع خمس سے جا سے اس کی مقدار کم ہو ما ہے زیا وہ ۔ مولانا وا نے بی کر انبدا نع سے معدن می سے سكلنے والی بیٹر یا بھٹوس موگی یا ما بغ اعراس كى مجى دوسى بىن الب دہ جو گھلاانے سے بجمل مبلے اوراس كے نه يورب سكين مثلاً مسونا فياندي، لويا، سكة ، فا نبا، ميثل وعنيره اور دوسرى تسم وه جو گيم بنرست بيسي يا توت ، ملور، عقبق اورزمرواور فيروز و وعيره واورما تع بين وإلى چيز ب جيسے روعن قازا ور تفط وعيره -اوربيرب ما تو داراً لاتسلام مِي مَا في مَبَائِمِي كَي يادادَاهِرِ مب مِي، كس عملوكه زمين مَن ما يخير عملوكه زمين مي مبي الكر داراً لاتسال م مي كمن عنبر ملوكرزمين ملي ما في ماني تواكروه ميكول ماسفاورزيوركي فكل بي وصل مايف والى دها مين مول توان مي المراحب سين المرال والمراه المراد بين الذي المراد بين الذي المراد المراد المراد المراد والمراد المراد والمراد المراد والمراد المراد والمراد وا اگرمتا من حربی موتواس سے ساری دھات ہے ہی جائے گی بشرطیکاس کے ساتھ بہنر طانہ موحکی ہو۔ برحنفیہ کا قول مع - مثا فعي كن ويك سوف عائدى كى معدن مين زكوة كى مقدا دىعنى بالم آئ كاجبكه بقد دنساب مود بعض اصبحاب شا فعی کے نز دیک سال گزر نے کی شرط تھی ہے بسو نے جاندی کے علاوہ باتی سب معدنیا ت مين هي خمس ميرعندا تعنيفيدا وران مي مشرائط زكوة كا ما ياجا نا واحب نهين اورانهي والدين اورا ولاد كوهي دمينا مائز سے اور بانے والا اگر محتاج ہو اور کے اسے بنی ذکر سکے توسادا نود خرج کرسکتا ہے۔ مثا فعی کی دسل یہ زنرياً مُرْمُديث بعدا ورمنفيرن ، وفي الرَّكانِ المخمس دمنفق عليه سے استدلال كيا ہے۔ ركا زاصل ميں تومعدن ہی کا نام ہے خز اسنے بہاس مغظ کو بجاز الولاجا تا ہے۔ اس کا مادہ دکر سیے جس کامعنیٰ گاڑنا ہے اورگٹری سے فی حینر معدن بهام وسكتى سبعه مذكه خوالغر كيونكه خواكه توزمين كأعجاور مبوتا سبعاس ميث كرا امواا وركنتبت نهني مهوتا اورمعدن كى تعربيت بلفظ دكان فو ودسول الشرصلي الشدعليه وسلم سفيهي فرما فكسيع كه وه مال جصد الشرتعالى سفنوين مين دونه اذل سے بداکیا وه دکاز دِ بعنی معدن سے -اور اس مدست کی دکھ سے ہر معدن میں خمس سے ،نسونا جا ندی مو ياكوني اور- بلالبن ماكنت مزنى كي مديث مي براحتمال بوسك بهديد ل انترصلي التدعليه وسلم ف أس كى ما تبت ك باغث است كم وصول كيامو .

٣٠٩٢ حُكَّا ثَنَا الْعَبَّاسُ ابْنُ مُحَمَّدِ بُنِ حَانِهِ وَغَيُرُةَ قَالَ الْعَبَّاسُ نَا كُسُبُنُ بُنُ مُحَمَّدِ قَالَ اَنَا ابُوُ اَوْلِي قَالَ حَدَّ ثَنِي كَخِيْرُ بُنُ عَبْسُوا اللهِ بَنِ عُسَرِو بُنِ عُونِ الْمُزَنِيُّ عَنْ ابْنِهِ عَنْ جَدِّهِ اَتَ النَّبِى صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحَ اَقْطَعَ بِلَالَ بُنَ الْحَارِثِ الْمُزَنِيَّ مَعَادِنَ الْفَيْرِيَةَ تَجَدِّسِيتَ هَا وَغُورَتَهَا وَقَالَ غَسُيْرً

الْنُعْبَاسِ جَلْسُهُا وَغُورَهَا وَحَيْثُ يَصْلَحُ الزَّرَّ عَمِنُ قُلُ سِ وَكُورُ يُعُطِّ حُنِّ الْمُصُلِّ اللهُ عَكِيهُ وَسَتَّوَ بِسُحِ اللهِ الدَّحُهُ مِن الدَّحِ يَهِ مُسُلِو وَكَتَبُ لَهُ النَّيِجُ صَلَى اللهُ عَكِيهُ وَسَتَّوَ بِسُحِ اللهِ الدَّحُهُ مِن الدَّحِ يَهِ مُسُلِو وَكَتَبُ اللهُ عَكِيهُ وَسَلَّو مِلِالَ بُنَ عَارِتِ الْمُزُنِيَّ هُولَا اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّو مِلالَ بُنَ عَارِتِ الْمُزُنِيَّ اللهُ عَكِيهُ وَسَلَّو مِلْالَ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّو مِلْالَ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ مُعَادِنَ فَكُونِ اللهُ عَلَيْهُ وَعُولِيَةً عَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّو مِلْالَ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَلَا عَنْهُ اللهُ الل

عمرور بن عوف مُر نی سے روا بیت ہے کہ نبی صلی القہ علیہ وسلم نے بلاک " بن حیارٹ کر نی کومعا و ن قبیل مجلسی ا ورعغوری، یا بقول غیرانساس، صلس ا ورغور اور قدس کا وه مدلا قرحهال زرا عبت بوسکتی تنسی اورآپ سئے اسے سی لم كاتى نىنى ديا ورئى سلى الترعليه وسلم في اس كي يدبه خرى كلهوائي بينسيدا لله التركيل الوجيم بیروہ عطاد ہے جو محدرسول الشرصلی الشرعلیہ وعلم نے بلال اس الحاسف مزنی کوکی، اسے معادن قبلیہ عطا کیں کم، متبی اور عورتی یا صلی اور عور آور مهار بر قدش میں زراعت کی صلاحیت ہے اورائے کسی مسلم کاحق نہیں دیا ابدا وس نے تورین زیدے مربق سے ابری سے اس کی مانندروایت کی ہے شريع : كشير بن عبدالمند بن عرو بن عوف كادا داعرم ومها بي سه مكر نودكشير لقول المسمد كم الحديث اورلماشي سے دائن معین فاسے سعید کما جری نے کہاکہ الود افدے اس کے شعباق ہو تھیا گیا تواس نے کہاکہ وہ كذابون ميسايك ظارشا نعى في سع كذا ب عله إيا سهد الوزر عدف اسع والهي الحديث اورغرتوى كماسي اللِّيا في اوردار للتي مِن مروك الحديث فرارديا بَدِ ابن مبان سن كماسي كروه اكب موضوع ننف سے روایت کرنا ہے جس کا ذکر صرف اندا و تعجب صلا ک سے ورنہنیں۔ ابن عبدالبر سنے کہاکہ اس کے ضعف م ا جماع ہے یہ مدیث میں طبسی یا ملس کالفظ ملندمنفام ماسطے مرتفع سکے بیے آباہے اس طرح عنوری ماعور کا میصنے ے بست عجم یا مقام ماور یہ جوفر مایاسے کہ اُ سے میں سلم کا حق نہیں دیا، اس کا مطلب کیرہے کہ اگراس مبکہ می سیمسلم کاسی ثابت ہوجائے یا نکل سے تو وہ ماگیرے فارج ہوگا کیونکامل ملیت مسی عظاء مااحیا وغیرہ ے باطل نہاں موتی الود آور نے مدمیت کی ہلی سند کے صنعف کا دوسری سندسے علاج کیاہے ۔ قدر کامعنی بھاتھ ٣٠١٣. حَكَّانْتُ أَمْحَتَكُ أَنُ التَّضُرِفَالَ سَمِعْتُ (لْحَنَيْنِيَّ فَالَ قَرَأُتُهُ غَيْرُمُتَرَةِ بِعُنِيُ كِتَابَ تَطِيئُعَ هِ النِّبِيِّ صَلَّى اللهُ عَكِنُ وَمَسَلَّعَ خَالَ ٱبُوْدَا وَحَ حَمَّا تَنِي غَيْرُ ولا عِن حُسَيْنِ بُنِ مُحَمَّدِهِ قَالَ أَنَا أَبُو أُولِينِ قَالَ حَمَّا ثَنِي كِنْ يُرْبُثُ

DEBEGRE LEGIOGRAF GEF DE GEGEFF É COGOGOGO DE LA DEBEGRADO COCOCOCOCOCO

عَبُواللهِ عَنْ رَبِيهِ عَنْ جَدِّهِ وَتَ النَّبِّي صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوا فُكَعَ بِلَالَ بُنَ أُحَارِثِ الْمُزَنِيَّ مَعَادِنَ الْقَبْرِيَّةِ جَلِيتَهَا وَغَوْرِتَهَا فَالَ ابْنُ النَّضُرِوَجَرَسَهَا وَذَاتَ النَّصْبِ ثُكَرًا تَّفَقَا وَحَيْتُ يُصُلَّحُ الزَّيْءَ مُن فُكُسٍ وَكُمْ رَبُعُطِ بِلَالَ بُنَ الْحَادِيْتِ حَقَّ مُسَرِيرِ وَكَتُبُ لَهُ دَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَكَيْبُهِ وَسَلَّحَ هٰذَا مَا أَعْلَى رُسُولُ اللهِ مِسكَّى اللهُ عَنَيْ وَسَلَّحَ مِلاَلَ بَنَ الْحَارِثِ الْمُزَنِيَّ اَعْطَا لَهُ مَجَّادِت الْغَبُ بِيَنَةِ جَلْسَهُا وَغُوْرُهَ وَحَيُتُ يَصُلَحُ النَّرُرُحُ مِنْ قُكُسٍ وَكُورُ يُعُطِّ الْمَتَى إُمُسْرِيوِ قَالَ أَيُّوُا وَيُسِ وَحَـٰتَا تَـٰنِى تَوُرُ بُنُ رَبُرٍ عَنْ عِكْرِمَةَ عَنِ أَبِنِ عَبَاسِ عَبِ التَّبِيِّ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحُ مِنْكَةُ زَادَ ابْنُ النَّضْرِ وَكُتُبُ أَبُّ بُنُ كُعُبٍ . ا يك ادرط بق سے دہي اوب كى حديث ، عمر وسي عوف مزنى كى روايت ، كه نبي سى المشعليه وسلم في بلال بن حا رىٺ مرّ ئى كومعان قىبىيى على كىن ملىندىيى اورئيت بىي، ابن النفرى روايت م**ي، ىجرس اور فرا**ت النصب سيح ا و د جهاں پر بیاڑ ی مداستے میں درایحت موسکتی مو۔ اور مبال بن انجا رہے کوکسی مسلم کا حق نہیں و یاا ورنبی صلی الشخلیہ وسلم في اس ك يع الماري بهوه عطاء من حورسول الشرصلي التدمليه وسلم سف بلال من الحارث مزى كو کی ہے، آپ سفاسیے قبلیّہ کی کا نیں عطائیں ملیند بھی اور سن بھی اورجہاں پر ڈکٹس مس نہ دا عسن ہوسکتی ہے۔ ا ورا سیے کسی مسلم کاحق نہیں دیا ۔ابوم ونس نے کہا کہ مجہ سے نورین نہ پدنے عن عکر مرعن ابن عماس نبی صلی التلزعلیہ وسلم سے اسی طرح کی روایت کی ہے۔ ابن انتظر سے یہ اصافہ کیا کہ اسے آبی بن تعظ سے تکھا و ذات انتشب مدینہ کئے قریب ایک مقام ہے) ٣٠٦٣ - حَكَّا نَنَكَأْ قُنَيْبُنُ بُنُ سَمِعِبْدِ النَّفَافِيُّ وَمُحَكَّمُ لُهُ الْمُتَوَكِّلِ الْعَسَقَلافَةُ ٱلْمُعْلَىٰ ۚ وَاحِكُنَا اَتَّ مُحَكَّمُ لَا اَثُنَا يَجُيئُ اِنِ قَيْسِ الْمَارِبِيَّ حَكَّاثُهُ ثَهُ ثُونَالَ اَ خُبَرَنِيُ ﴾ فِي عَنْ شُكَامَةَ بْنِ شَرَاحِيُلَ عَنْ سُمَيٍّ بْنِ فَيْسِ عَنْ شَيْمِيْرِ فَالَ ٱبُو إِلَّمْتَوَكِلِ ابْنُ عَبْدِالْمُمَانِ عَنْ أَبَيْضَ ابْنِ حَمَّالِ إِنَّهُ وَفَكَا إِلَى رَسُولِ اللَّهِ صَلَّى اللّهُ عَيْنُهُ وَسَنَّعُ فَاسْتَنْفَطَعُهُ الْمِلْحَ قَالَ ابْنُ الْمُتَوَجِّلِ إِكْنِي يَمَارِبَ فَغَطَعَا أَكُ فَكُمَّا أَنُ وَثَى قَالَ مَ كُولً مِنَ الْمَجْسِ إَتَكُ دِئُ مَا فَكَعْتَ لَـ ﴾ إِنَّهُ أَلَّ

وْ فَكُلُّعُتَ لُهُ الْمَاءَ الْعِنَّدُ قَالُ فَالْنَائِعُ مِنْهُ قَالَ وَسَأَلُهُ عَيَّمًا يُخْلَى مِنَ الْإِزَالِيُّ

قَالَ مَا لِحُرْتَمَالُهُ خِفَاتُ وَقَالَ أَبْنُ ٱلْمُتَوْتِكِلِ أَخَفَاتُ ٱلإِبْلِ -

ا بعض بن حمال سے روایت سے کہ وہ رسول النّر صلی النّر علیہ وسلم کے پاس وفد سے کرا باا وراکب سے عک کی کان بطور جاگر طلب کی ابن المتوکل نے کہا کہ جو ما رب میں تھی، نس حنورصلی النے علیہ وسلم سنے وہ اسے عطاب کردی حب وہ مخص چلاگ تو اس مجلس میں سے ایک شخص بولاکر آپ کومعلوم ہے آپ نے اسے کیا جاگیر میں ویا ہے؟

ات فاسع بنت سا دا مُعنر منقطع با في جاكير من ديائے _

٣٠٠٧٥ حَدَّا نَهُ هَا أُوْنُ بَنَ عَبْ اللهِ قَالَ قَالُ مُحَدِّمُ بُنُ الْحَسَنِ الْمُخُودُهِ فَي مَا لَهُ خُودُهِ فَي مَا لَهُ خُودُهِ فَي مَا لَهُ خُودُهِ فَي مَا لَوْ فِلْ مَا لَكُو مَا لَهُ فَا لَكُو مَا لَهُ خُودُهِ فَي مَا لَوْ فَكَ مَا لَكُو مَا لَكُو مَا لَكُو مَا لَكُو مَا فَوْقَهُ مَعْ مَا لَكُو مَن الْمَوْدِ مِن الْمُعْرِي اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ الله

اَبْيَضَ بُنِّ حَمَّالٍ إِنَّهُ سَأَلَ رَسُولَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمُ عَنْ حَمِى الْإِرَاكِ

are reserved and the control of the

فَقَالَ رُسُولُ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَلِيهِ وَسَلَّوَ لَاحِلَى فِي أَلِامَ الَّهِ فَقَالَ إِرَا كَهَ أَفِي حَظَارِيُ فَقَالَ النَّبُّى صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَهُ مَ لَاحِلِي فِي الْإِمَ الِثِ فَالَ فَكَرَجَ يَعُفِي بِحُظَادِيِّ ٱلْكُنَّ ضِ الَّتِي فِيهَا الزَّرْ عُ الْهُ حَاطُ عَلَيْهَا. اً بیفن بن عمال سے روایت میم کراس نے رسول اسٹر صف المدعدہ سے اداک کی جراگاہ سے متعدی سوال کی رسول افتاد مل استدعلیہ وسلم نے فرمایا: امراک میں کوئی رفخصو کہ اور کا ہندیں ہوتی ۔ بس اسجن رشنے کہا کہ میری گھیری ہوئی زمین می سواماك ميواء توني صكى التُدعليه وسلم نے فرايا الاك مي كوئى محقعوص فرا كا هندي - فرج لاوى سنے كها كم اسفن سے مراد وہ کمیتی سے کہ جس کے کناروں براداک کے بورے سکتے ہوں ریہ م موات زمین میں اس وقت موجو دستھے جبکہ اکس سنے اس زمین میر قبصنہ کر سکے اسے زندہ کر، تھا . بعد اس کی ملک میں اگر پودے اگئے تو وہ اس کی ذاتی ملکیت موستے اداکت بیلو کے پودے کو کہتے ہیں تجوایک نٹے دار بو را ہو تا ہے اور اون کا بھا تا کھا جا ہے ۔ - حَكُ نَنْنَا عُمُرُ بِنُ الْخَطَابِ أَبُوحَهُمِ قَالَ نَا أَلْفَرْيَا بِي قَالَ نَا أَبُانُ لَ عَمُرُوهُوابُنُ عَبُهِ اللهُ بُنِ إِنْ حَازِمِ فَالْكَتَّا ثُنِي عُثْمَا نُ بُنُ اللَّهِ عَانِهِ عَنْ أَبِيهِ وَعَنْ جَيَّةِ وَمُحْرِراتٌ رَسُولَ اللهِ صَكَّى اللهُ عَلِيهُ وصَلَّى عَنْ الْبَيْدِ عَنْ المُعَا فَكُمَّا أَنُ سَمِعَ ذُلِكَ صَخْرُمُ كِبَ فِي خَيْلٍ بُمِدُّ النَّبِيَّ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَنَةَ فَوَجَكَا نَبِيُّ اللَّهِ صَلَّى اللهُ عَلِينُهِ وَسَلَّعُ فَي انْصَرَفَ وَتَوْرِيفُنَهُ فَجَعَلَ صَعْرَ جِيْنَعِيْاِ عَهُمَا اللَّهِ وَفِرَ مَّنَّهُ أَنْ لَا يُفَارِقَ لَهِ فَاالْقَصُرَحَتَّى يَنْزِلُوا عَلَى حُكُور رَسُولِ اللهِ صَهِلَى اللهُ عَكِيْهِ وَسَلَّحُ فَكُوْ لِهِا لِيْصُوْحَتَّى نَزُلُوا عَلَى حُكُورَ سُولِ اللهِ صَلَّى اللهُ عَكَيْنُهِ وَسَلَّحُ فِكُتَبَ إِلَيْهِ صَنْحُرًا مَّا بَعُكُ فَإِنَّ تُوقِيُفًا قُكُ نَزُلِتُ عَلى حُكْمِكَ بَا رُسُولَ اللهِ وَ اَنَامُ فَفِلُ اللهِ هُوَ فَهُمُ فِي خَبْلٍ فَامْكَرَ رَسُولُ اللهِ صَلَّى «اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَعَ بالصَّاوَةِ جَامِعَاةٍ فَكَاعَاٰ لِكَحُمَسَ عَنْشَرَوَ عُوَاتٍ ٱللَّهُ قَرَبادِكُ لِآحُمَسُ فِي نَحْيُلِهَا وَرِجَالِهَا وَآتَاهُ الْقُوْمِ فَتَكَلَّمُ الْمُغِيَرَةُ بَنُ شُجْبَةً فَقَالَ يَا نَبِيَ اللَّهِ إِنَّ صَنْحًا اَخَذَا عَكَمَتِي وَكَ نَعَلَتُ فِيَمَا دَخَلَ فِيهِ الْمُسُلِمُونَ فَلَاعَاكُ أَ فَفَالَ يَا مَنْ خُرُاتَ الْقُوْمَ إِذَا أَسُلَمُوا آخُرَنُ وَإِدِمَاءَ هُمُ وَأَمُوا لَهُمْ فَادْفَعُ

إِلَى الْمُغِيْرَةِ حَتَمَتَهُ قَكَ مَعَهَا إِلَيْهِ وَسَأَلَ نَبِي اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّعَهُ لِبَنِيُ سُكَيْرِقَى لَهُ كَبُوا عَنِ الْاِسْلاَمَ وَتَرَكُّوا ذُلِكَ الْمَاءَ فَقَالَ بَا نَبِيَّ اللّهِ ٱنْدِلْنِيهِ ٱنَا وَاقُومِي قَالَ نَعُمُوفَا نُزُلِهُ وَاسْلَوْ يَغِي ٱلْمُسْلِمِينَ فَاتُوا صَهْرَا فَسَأَلُوهُ أَنْ يَهُ فَكُوا لِيَهُ هُمُ الْمَاءَ فَأَبُوا فَأَتُوا نَجِى اللهِ صَلَّى (للهُ عَلَيْ وَسَلَّوَ فَقَالُواْ يَا نَبِيَ اللَّهِ ٱسْكَمُنَا وَاتَّيَهُنَا صَخُرًا لِينَهُ فَعَ إِلَيْنَامَاءَ نَا فَأَقِ عَلَيْتُ فَكَاعَاهُ فَقَالَ بَاصَنْحُولِ تَ الْقُوْمَ إِذَا ٱسْلَمُوا ٱحْرَبُ واامُوالَهُمْ وَدِمَاءَهُمْ فَادُفَعُ إِلَى الْقَوْمِ مِمَاءَهُمُ وَقَالَ نَعَمُ يَا نَبِي اللَّهِ فَكُلَّا يُثُوَّوُ مُنْ وَلِهُ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَكُنْ اللَّهُ عَكُنْ اللَّهُ عَكُنْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَّهُ عَلَّهُ عَلَيْ عَلَيْ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ عَلَيْ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْلِهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَّهُ عَلَمْ عَلَيْ وَسَكُو بَيْغَيُّرُعِنُ لَا ذَلِكَ مُحْمَرُهُ حَيَاءٌ مِنْ أَخَذِهِ الْجَارِيَةُ وَأَخْذِهِ الْمَاءَ صخرط بن عيله شفروايت سيركر ديسول التُرصلي التُرعِليه وسلم سف ثُعَيدت بريم الم هائي كي ديس صخر يُسنف عبب بركسنا توني صلى انتُرعليه وسلم كي امدادك خاطر گھوڑ سوار وں كي آيك جماعت ليے كمدآيا۔ بس اس سنے يہ يا ياكه نبي صلى انترعليہ وسلم فتح سنئے بغیروایل تغریف ہے سکئے ہیں ہیں صغرت نے اس د ن الٹر سے عہد کیا ا ور ذمر دیا کہ وہ اس محل کو نہیں جبوڑے گا جَب بک کروہ لوگ رسول الشرملي الله عليه وسلم سے فيصل پر بحل سے بیچے ندا تر اُئيں، بس وه اكن سع جدان بها حبت ك كروه رسول الترصلي الترعليه وسلم ك حكم ليد نيجيه اترس - پس صخر يفنے رسول الشر صلی انٹر علیہ وسلم کوخط لکھ کہ جمدوصلوٰ ہ سے بعدوا ضح ہوکہ یا رسول انٹ تعبیار تقیف آپ کے فیصلے پرا تر اً ما سبے اور میں اُن کی طرف مبار ہا بہوں اور وہ گھوڑ سوار وں میں میں میں رسول الشر صلی الشرعليد وسلم سے تعظم دیاکہ الصلاق جامعہ و کی منادی کی جائے رہ منا دی فاص اوقات میں بوگوں کو فور الم جمع کرمے سے ایسے كى ماتى هى بس رسول الله صلى الله عليه وسلم نع أحكس رصغ كى قوم كى سيدوس دعا بين مانكين جويد بن ؛ اسدالتدا حسر كوان كيشهوارون إورئيدلون مي مرتمت عطا زماً . ا وروه توم (تقيعت) دسول الترسالية علیہ وسلم کے پاس آئی، میں مغیرہ بن شعبہ نے حقنور سسے بات کی اور کہا، اے نبی اللہ اِسٹر سنے میری مجوم ہی گوگرفتار كرىياسىيە كمالانكەدە دىگرمسلمالول كى ماننداسلام مىر دا نىل مومكى سىھە بىس حضور كەن يىلامالار قرمايا: استصفر! حب كوئى توم مسلمان بوجائ تووه اپنى حانو ل اور الول كومعفوظ كرستى ب بس تومغيرة كواس كى بيوهي حواس كريس بى مىخرنے وه عورت اسے دے دى ۔ اورانتد كے نبى صلى الله عليه وسلم نے سوال كياكہ بن سَليم بوجيمہ حيوال كئے ستے

ا دراسلام لاسے سے بھاگ کے کھے

بی اس نے کہا سے نبی اللہ: وہ چینہ میرسے اورمیری قوم سے میٹرد کیجئے۔ آپ نے فرما یا ہاں! پی حفنورٌ سنے است ویاں انتسان کی امبا ذری ورسی صلیم اسلام سے آسٹا ور وہ صورت کے باس آسٹے اور اس سے مطالبہ کیا

E CONTROPONION COL EL COCCEPTO POPONO DE PRODUCCIO POPONO DE CONTROPONO DE PRODUCCIO DE PRODUCCI

کرد و خبنہ ان کے شردکر دے، مگر صخر مزنے آنکا رکر دیا ۔ بس وہ نبی صلی الشرعلیہ وسلم کے پاس پہنچے اور کہا؛ است بالط ہم اسلام سے آئے ہیں اور صخر منسکے پاس گئے مقعے تاکروہ ہما دا جشر ہما رہے و اسے کر دے مگر اس نے انکار کیا ہے ۔ بس حضور صلی الشرعلیہ وسلم صخر دمنسکے پاس تشریف سے سکے اور فرما یا: اسے صخر اِ جب یہ قوم مسلمان ہوگئی ہے تو انہوں سنے اسپے مال اور خو ن محفوظ کر سیے ہیں بس توان کا چشرہ ان سے سپر دکر دسے ۔ اس نے کہا ہاں اسے الشرکے نبی بس میں سنے دیکھا کر رسول الشرصلی استرعلیہ وسلم کا چرواس وقت دیا ، کے باعث مشرخ ہور ہا تقالبون کر صحور منے وہ اور وہ چشرہ سے لیا تھا ۔

نتْسحيْے: صخربن عيكية صُرلى احسى كى كنيت بھى الوحازم مقى عيكمان كى دالدہ تقى جناب رسول الترصلي التا عليه وسلم سنصخرا كأ فوم سك لي جودس دعائي كالتي ال سعم اد ماتويي دعا مصحب وس دفعه مكررمانكا كيانا ا ور یا عیر میاں فقط ایک دعاء مذکور مرد ٹی سے اور ما تی نو کا ذکر نہیں کیا۔ الوسلیمان الحظابی نے فرمایا سے کرحتو صلی النه عکیدوسلم نے سوریم کوجہہ واکس کر دسینے کا جوجہ دیا تھا گیر عا کبا بطوراِستی باب تھا ورا کمنجنا تب کو معلوم تقاکہ وہ بخوشی الیسا کمرسنے کو تمیار سے -اوراس سے ان بوگوں کی دل جو بی اور تالیف تلب مقصود تقی میں سلبیب سے کہ آنجنا مب سے چہرے پڑویا ای ممرخی نظرانی۔ ورندا صبل مسئلہ یہ سے کہ کلا حب اسال تھیو کر کھا گئے جا سے اور وہ مال مسلما لوک کے تبصف میں آجائے لودہ مال منے ہوتا ہے۔ بی حب و م چغم مال فی تقبِا وردسول الترصلِي الشرعِليه وسلم اس سك مالك بهو حكے تقے اور اَتُ سنے وہ صخر من كو دہے دیا تو ان كی ملکست بعباگ مبانے وابوں کے قبول اسلام کی وجہسے زائل یا منتقل نہیں ہو ٹسکتی تھی بیس مصنور کی کا پینکھ معزر کی فوٹ کھی سے با عیث اوراُن لوگوں کی تا لیدن فلدب کی خاطر مقاریتی تا دیل مغیرہ بن شعبہ اُن کا بھو بھی کی واپسی کی میں ہوسکتی سے ادر اس کی مثال قبیل مواز آن کے قید لول کی دائیسی می موجود ہے، کہ وہ قیدی می عجام مین کی خوش دلی سے واپس کیے سکتے متھے ۔اور بیراحتمال بھی ہے کہ جو نکر قلب ایرا تھی ہے ہوگ رسول انٹرصلی الٹرعلیہ وسلم کے <u>فیصلے کی م</u>ٹرط میر مطیع ہوئے سکتے لہذاان کے اموال ما نیس اور قبیدی رسول انٹرصلی انٹرعلیہ دسلم کے مکم پریموفیوفٹ من**ے اوراکیٹی**کو ا ن میں کوئی تھی فیصلہ کرسنے کا بورا ختیا ر ماصل تھا۔ پس آپ سنے مناسب ما ناگراس عوارت کووائیں کے دیا جائے ا دراسے قیدی د بنایا جاسے مولا ناسے فرمایا ہے کہ اس بات کی دسناحت صدیث میں نسی ہے کہ وہ عورت كب مسلمان موئى مقى اوداس إمركا احتمال موجود بين كدوه بيل سيدى مسلمان بو لداً اس كى والبي كأحكم د بأكب ر ہاں؛ جہانتکسِ چٹمہ کی واپسی کا تعلق ہے تیا کیے شکل مسئلہ ہے اور اس میں ہی کہاما سکتا ہے کہ آنحفنور اصلی ہٹٹر عليه وسلم كابير حكم تاليف فلوب كى خاطر فقا والتلاعلم بالصواب بين بركز ارش كرتا مور كرير وصاحب بني بوكى كرية تصرّ كب بين أيا - آيا يه جنَّك اوطاس مع يا جنّك طا نف رنظام ربدوا قعه غزوة مُنين كالتم ونظرآ له والعزاظ

٨٠.٧٠ حِكَ ثَنَا سُلِيمَانُ بُنُ دَا وَدَ الْمَهْدِيُ أَنَا ابْنُ وَهِبِ حَكَانَى مَسُبَرَةُ بُنُ عَبْ مِالْعَذِ بُنِرِ ابْنِ الرَّمِيْعِ الْجُهَنِ عَنْ آبِيهِ عَنْ جَدِهِ أَنَّ النَّبِي صَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ نَذُلَ فِي مَوْضِعِ الْمَسْجِهِ تَحْتَ دَومَنْهِ فَأَقَا مَرِ ثَلْثًا ثُمَرً

- MARCHOUGGEGEGEGEGEGEGEGEREN DE PRODUCTION DE L'ANDRE L'ANDRE

خُرَجُ إِلَى تَبُوُكَ وَإِنَّ جُهَيُنَهُ لَحِقُّوهُ بِالرَّحْبَةِ فَقَالَ لَهُمُ مَنَ اَهُلُ دِوالْمُوَةِ الْمُؤَمِّ الْكَالَا فَكُ اَقْطَعْتُهَا لِبَنِي رِفَاعَةَ فَاقْتَسَمُوهَا فَعَالُوا بَنُوْمِ فَاعَدَ مِن جُهِدَنَةَ فَقَالُ قُكُ اَقْطُعْتُهَا لِبَنِي رِفَاعَةَ فَاقْتَسَمُوهَا فَعَالُوا بَنُومِ فَكُومَ لَا ثُكَ الْمُعَالِثُ مُكَالِمُ الْمُعَالِمُ فَعَمِلُ ثُكَّرِسَالُتُ كَابُاهُ عَبُكَ الْعَنْ لِنَرْ فَعَمِلُ ثُكَّرِسَالُتُ كَابُاهُ عَبْكَ الْعَنْ لِنُورِ فَكُومِنَ الْمُسَكَ فَعَمِلُ ثُكَّرِسَالُتُ كَابُاهُ عَبْكَ الْعَنْ لِنُورِ فَكُومِنَ الْمُسَكَ فَعَمِلُ ثُكَّرِسَالُتُ كَابُاهُ عَبْكَ الْعَنْ لِنُولِ فَعَنْ هَا اللّهُ اللّهُ مَا الْعَالَ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ ال

سبرہ بن معبد جبنی شدوایت ہے کہ نبی کیم صلی التہ علیہ دسلم ایک عظیم درخت کے نیچے اُلا ہے جبان مسجد کی طون تشریف ہے گئے اور حکم تھی رہنے اور معبد بنائی گئی تھی لبن میں ملا تورسول التہ سبل اللہ علیہ وسلم نے اُن سے فر مایا: فری المروہ والے جب کرنے اور معبد کا فہبلہ آپ سے رحبہ رکھے میدان میں ملا تورسول التہ سبلی اللہ علیہ وسلم نے اُن سے فرایا: فری المروہ والے بین مروہ آیک بسی تھی انہوں نے کہا کہ جبینہ میں سے بنور تا عمری جاگیہ میں دیا بین انہوں نے اسے باہم تقسیم کر لیا ۔ ان میں سے بعض نے اپنا حصہ فرو خت کر دیا اور معض نے اسے روک کر رکھا اور اس میں کام کیا ۔ ابن ویب نے کہا کہ بعد میں میں نے بیر مدین اس کے باپ ردا وی کے باپ عبد العزیز سے بوچھی تو اس نے اس کا کچے حصہ مجھے بنایا اور کچے دنہ بنایا . در یوری صدر شدنہ بنائی اور کچے دنہ بنایا .

٣٠.٧٩ حَكَّ نَنَا حُسَابِكُ ابْنُ عَلِيّ نَا يَجْبَى يَعْنِى ابْنَ الْحَرَّمَ نَا اَبُوْنَكُوبُنُ عَتَيَاشٍ عَنْ هِشَامِ بْنِ عُرُوةٌ عَنْ اَبِيهِ عَنْ اَسْسَاءَ بِنُتِ اَبِى بَكِرُ اَتَّ رَسُولَ اللّهِ صَلَى اللّهُ عَكِيْهِ وَسَنَّواَ قُطَعَ الزِّبُ بَرُنَحُ لَا .

 تَعْنِى حُرَيْتُ بُنَ حَسَّانِ وَاقِلَ مَبُرِبُنِ وَايُلِ فَبَايِعَهُ عَلَى الْاِسْلَامِ عَلَيْهُ وَ عَلَى قَوْمِهِ ثُمَّ وَالْكَالُكُ اللهِ أَكْنَابُ بَيُنْنَا وَبُينَ تَمِيْهِ بِالسَّلَ هَنَاءِ اَنَ عَلَى مُجَادِنَ هَا إِلَيْنَامِنَهُ مُو الصَّلَامُسَافِرًا وَمُحَادِنًا فَقَالَ الْحَتُبُ لَهُ سَا عَلَامُ بِالْمَا اللهِ مَنَاءِ فَكَمَّا وَابُنَهُ فَكَ الْمَسَافِرَلَهُ بِهَا شُخِصَ فِي وَهِي وَطِينَ وَوَابِي فَ عَلَى مُ إِلَى هَنَا مُسُولَ اللهِ وَتَهُ تَوْ يَسُكُلُكُ السَّوِيَةِ مِنَ الْكَرْضِ إِذُ سَالَكُ إِنَّهَا وَمَا وَذُهِ اللهَ هَنَا مُعْمَلِ وَمُوعَى الْفَرِو وَنِسَاءُ بَعِي وَالنَّهُ وَ النَّاوُهَا وَمَا وَذُهِ اللهُ هَنَا مُعْمَلِ وَمُوعَى الْفَنْ عِلَى الْفَسَاءُ بَعَى تَعِيمُ وَالنَّهُ وَالنَّهُ وَالنَّهُ وَالنَّهُ وَالنَّهُ وَالنَّهُ الْمُسَامِعُ الْمُسْلِمُ الْمُسْلِمُ الْمُسَامِعُ النَّهُ وَالنَّهُ وَالْمُ اللَّهُ وَالْمُ اللَّهُ وَالْمُولُ اللهُ الْمُثَالِقُ اللْمُ اللهُ الْمُعَالِقُ اللَّهُ الْمُعْلَى الْفَتَانِ الْمُنَامُ وَالنَّهُ وَالنَّهُ وَالنَّالِ اللْمُ الْمُعْمِلُولُ النَّالُولُ الْمُسْلِمُ الْمُسْلِمُ اللَّهُ وَالنَّامُ وَالنَّهُ وَالنَّهُ وَالنَّهُ وَالْمُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَى الْفَتَانِ الْمُسَامِعُ وَالنَّامُ اللَّهُ اللْمُعُلِي الْمُنْ الْمُعْلَى الْمُسْلِمُ وَالْمُعْلَى الْمُسْلِمُ وَالْمُسْلِمُ الْمُسْلِمُ الْمُعْلَى الْمُسْلِمُ الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُسْلِمُ الْمُسْلِمُ الْمُعْلِمُ الْمُعْلِمُ الْمُنْ الْمُسْلِمُ الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلِمُ اللْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى اللَّهُ الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى اللْمُعْلِمُ الْمُعْلَى اللَّهُ الْمُعْلَى اللَّهُ الْمُعْلَى اللْمُعْلِمُ اللَّهُ الْمُعْلَى اللَّهُ الْمُعْلَى الْمُعْلَى اللَّهُ اللَّهُ الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى ال

شرے ، ہنوا خطا بی اس مدیت سے معلوم ہوا کہ جاگا ہ کوسی کی جاگے بنا نا جائز نئیں ہے اور گھاس بھی بانی مندسے جسسے کمی کو روکا ہنیں جا سکت ، وا دی دھتی آء بنی تھی کے ملاستے ہیں تھی اورایک معروت جگہ تھی ۔ یہ دیت کے سات بڑے بڑے بیالے کے اندیسے درمیان کھی جگہ مقی اوراس کی آب وہوا نفوں سے درمیان کھی جب تک قیدہ سندنیں نایت خوش گوار تھی، اس میں گھاس اور جا نوروں کے چرنے کی بوٹیاں بکٹرت تھیں جب تک قیدہ سندنیں بنا دیا حصنور صلی الشرعلیہ وسلم بچر برات واضح نرتھی کہ جوعلا قربطور جاگیر مانکا جا رہا ہے اس کی مفیت وثنیت کھیا ہے ۔ مضور کا یہ ارشا دکہ دومسلما نوں کو بائی اور درخت ہردوس وسعت و گئیائش ہے ، اس کامطلب یہ تعالی کہاس من کی چرا گا ہوں میں سب بوگوں کو مل کر رہنا چا ہے اور بطر لی احس گذارہ کر نا چا ہے ۔ یک تعالی کہاس من کی چرا گا ہوں میں منسلک میں ۔ اگرا گوٹیان ہو تو مطلب یہ ہے کہ فتنہ گروں اور مخالفین کی اور وہ دینی کو نوٹ سکے دینے میں منسلک میں ۔ اگرا گوٹیان ہو تو مطلب یہ ہے کہ فتنہ گروں اور مخالفین کی

جماعت كے خلاف دونوں متحد موتے مير ايك أينے كى عبارت سے كه ابوداً وا دسے فَتَكَان كے متعلق بوجها كما تواكس نے كها كه شبلان .

ا ، س حَمَّا ثَنَا عُحَمَّهُ اَنُ مَنَ مَنَ مَنَ مَنَ الْحَمِيْدِ اِنْ عَبُ الْوَاحِدِ حَمَّ ثَتَ فِي الْحَمِيْدِ اِنْ عَبُ الْوَاحِدِ حَمَّ ثَتَ فِي الْحَمِيْدِ الْحَامُ الْمَحَامُ الْحَمَّةُ الْمَرَّ الْحَمَّا اللهُ عَنَ الْمِرَامِ اللهُ عَنَ الْمِرَامِ اللهُ عَنَ اللهُ عَنَ اللهُ عَنَ اللهُ عَنَ اللهُ عَنَ اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ

اسمربن مفرس سننے کہاکہ میں نبی صلی الشرعلیہ وسلم کے پاس گیاا درآپ سے بیعت کی بیس آپ نے فرما باکہ جو مخص سب سے بیلے سی بینی اس سے بیلے کوئی مسلم وہا ل ندگیا ظاتوہ اسی کا ہے ۱۰ میرم نے کہاکہ بھرتو ہوگ مخص سب سے بیلے کسی بہت ہے کہاکہ بھرتو ہوگ میاگ نبطے اور وہ مدبند یا ل نر رہے سے زبانی کی سکے جینوں برا بنی اپنی علامتیں بنارہ سے سقے تاکران پرقبضت مسلم ہوسکے منذری سنے کہا کہ یہ صدیت اس مدیث سے علاوہ منذری سنے کہا کہ یہ صدیث منیں جاتا ہیں میں عور میں ایک دور ری سے روا بت کرتی ہیں اور مینوں عیر معروف ہیں ۔ میں اور کوئی صدیث بنیں اور مینوں عیر معروف ہیں ۔ میں اور کوئی صدیث بنیں اور مینوں عیر معروف ہیں ۔ میں میں بین عور میں ایک دور ری سے روا بت کرتی ہیں اور مینوں عیر معروف ہیں ۔ میں میں بینوں عیر معروف ہیں۔

٧>٠س - كَلَّانْتُ أَحْمَدُ أَنْ حَنْبَالِ ثَنَا حَمَّادُ بَنُ خَالِمِ عَنْ عَبْدِ اللهِ بَنِ عُمَرَ أَنَّ خَالِمِ عَنْ عَبْدِ اللهِ بَنِ عُمَرَ أَنَّ خَالَ اللهِ بَنِ عُمَرَ أَنَّ خَالَ اللهِ عَنْ خَالِمُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلْمُ عَلَى اللهُ عَلَى الل

ابن عراضت روا بت ہے کہ نبی صلی اللہ علیہ وسلم نے ڈبیر کو اس کے گھوڑے کی ایک دوڑ کے برا برجا گیرنجشی، پس اس نے اپنا گھوڑا ووڑا باحتی کہ گھوڑا جاکہ کھڑا ہوگیا تو زبیر اسنے اپنا کوڑا آسکے پپینک و با، آنصنور نے فرال وجمال تک اس کا کوڑا جا بہنی ہے استے وہی تک و سے دو۔

بن کی سے : اس کی سندس عبدالت بر عمر بن حقص بن عاصم بن عمر بن الخطاب مسلم نیدراوی ہے ، المظہرا وربغوتی کے بھول زبر اس کے سیے شرعی حکم ہی سے کہ ہوجی بھول زبر اس کے سیے شرعی حکم ہی سے کہ ہوجی اسے با ذب امام زندہ کرسے وہ اس کی ہے ۔ اور پہ حدیث نمبر وہ ، ، نمیں جس کھجود کے باع کا فکر ہے، شاید یہ وہی ادف موات تھی جے ذبر ان نے آباد کیا تھا ، والنداعلم .

باكت إحباء الشوات عيرة بادع ملوكذين كوة بادكرف كابائة

٣٠٠٣ . كَتْكَ ثَنَكَ الْحَكَمَّ مُنُ الْمُثَنِّى نَاعَهُ الْوَهَابِ نَا آَيُّوبُ عَنَ هِ شَهَامِ نِنِ عَمُو الْمَثَنَّ مُنَ عَمُ الْوَهَابِ نَا آيُّوبُ عَنَ هِ شَهَامِ نِنِ عَمُو الْمَثَنَ عَمُ وَلَا مَنَ عَمُو لَا الْمَرْدَةِ عَلَى اللّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّعَ وَاللّهُ مَنْ اللّهُ عَنَى اللّهُ عَلَيْهُ وَسَلّمَ وَلَاللّهُ مَنْ اللّهُ عَنِي اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا الْمَرْدَةِ فَا اللّهِ مَا اللّهِ مَا اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَيْسَ لِعِنْ فِلْ اللّهِ مَتَى اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللّهُ وَلَيْسَ لِعِنْ فِلْ اللّهِ مَتَى اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ اللّهُ وَلَا اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللللللّهُ

سعیدین زیرمن روایت کرتے ہیں کر نبی صلی التہ علیہ اوسلم نے قرما یا بعب نے مردہ زبین کو زندہ کیا وہ اُسی کی ہے

م ٤٠٠٧ ـ حَكَّا ثَنَا هَنَا دُبُن السَّرِي نَاعَبُ اللهُ عَنَ مُحَمَّدِ اَعْنِ اَبْنَ السُحَاقَ عَنْ يَعْنِى اَبْنَ السُحَاقَ عَنْ يَعْنِى اَبْنَ السُحِاتَ مَسُولَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ قَالَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ قَالَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ قَالَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ عَلَيْهُ وَسَلَّمَ عَلَيْهُ وَسَلَّمَ عَلَيْهُ وَسَلَّمُ عَلَيْهُ وَسَلَّمَ عَلَيْهُ وَسَلَّمَ عَلَيْهُ عَلَيْهُ وَمَعْمَ عَلَيْهُ وَمِنْ عَلَيْهُ وَالْمَا عَلَيْهُ وَمِنْ عَلَيْهُ وَمَنْ اللّهُ وَمِنْ عَلَيْهُ وَمَنْ عَلَيْهُ مَلَ اللّهُ عَلَيْهُ وَمَنْ عَلَيْهُ وَمَنْ عَلَيْهُ وَمِنْ عَلَيْهُ وَمِنْ عَلَيْهُ وَمَنْ عَلَيْهُ وَمِنْ عَلَيْهُ وَمُنْ عَلَيْهُ وَمِنْ عَلَيْهُ وَمُنْ عَلَيْهُ وَمِنْ عَلَيْهُ وَمُعُلِمُ وَمُنْ عَلَيْ عَلَيْهُ وَمُنْ عَلَيْهُ وَمُنَاقِلُ مَا مُعْمَا وَمِنْ عَلَيْهُ عَلَيْهُ وَمُعَلِّمُ وَمُعَلِّمُ وَمُعُلِمُ وَمُعَلِمُ وَمُنْ مُولِمُ عَلَيْهُ وَمُنْ مُوالْمُ عَلَيْهُ وَمُنْ مُوالِمُ عَلَيْهُوا مِنَا مُعَلِيْكُولُ مُنَا عَلَيْهُ مِلْكُولُ مُنْ مُولِمُ عَلَ

عروہ سے دوا بیت سے کر رسول اسٹر صلی اسٹر علیہ وسلم نے فرما یا کہ جو کوئی کسی زیبی کو زندہ کر سے وہ اُسی کی سے، اور اس نے اس پہلی صدیت کی طرح بیان کیا ۔عروہ شنے کہا کہ جس صحابی نے کہا کہ دور آسے بھے یہ صدیت بتائی تقی اس نے کہا کہ دور آدمی ایک جھریر صدیت بتائی تقی اس نے کہا کہ دور آدمی ایک جھریر شائل اسٹر میں اسٹر علیہ وسلم کی خدمت میں پیش ہوئے ہے جن ہیں سے ایک نے دور سرے کی زیبن میں کھجو در اُل کی تھی، بس حضوار نے زمین والے سے کہا کہ دور سرے کی زیبن میں گھر دور کے سے کہا کہ اپنی مجود میں نکال سے ۔ داوی نے کہا کم میں نے دیکھا کہ اور کھجوروں کی جڑا میں کلماڑوں سے کافی جا رہی تھیں اور وہ کہ ایک کھروں کے جڑا میں کلماڑوں سے کافی جا رہی تھیں اور وہ کہ کہی کھجوریں تھیں جس تھی کہا تھیں سے اکھاڑ دیا گیا ۔

٥٠٠٧ - كَتَّانَكُا اَحْمَكُ اَبُنُ سَعِبُهِ التَّادِهِيُّ نَاوَهُ اَعِنْ اَبِيهِ عَنِ اَبِي اِسْحَاقَ اللَّهِ الْمَادِهِ الْمَادِهِ الْمَادِهِ الْمَادَةُ اللَّهِ عَنْ اَبِيهِ عَنِ اَبُنِ السَّحَاقَ اللَّهِ مَكَانَ النَّيْ عَنْ الْمُعَادُ فَقَالَ عِنْ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ وَاكْتُرُطُقِي اَنَّهُ اَبُوسِعِيثُ إِللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ وَاكْتُرُطُقِي اَنَّهُ اَبُوسِعِيثُ إِللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ وَاكْتُرُطُقِي النَّهُ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ وَاكْتُرُطُقِي النَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ وَالْكُولُولِ النَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهِ وَالْمُ اللَّهُ اللْهُ اللَّهُ الْكُلِمُ اللَّهُ اللللْمُ ال

ایک اورسندسے دہی اور پروالی حدیث اس میں ہے کہ عردہ نے کہا کہ رسول انٹر صلی انٹرعلیہ وسلم کے اصحاب میں سے ایک نے کہا ورمیراغالب گمان بہ سے کہ دہ ابوسعید خدری عمّا ، پس میں نے اس شخص کو دیکھیا کہ وہ کھجوروں کی حمِرا و ل برکلہا ڈا مار ناتما۔

مرومنے نبی صلی الترعلیہ وسلم سے روایت کی کر صنور سنے فرمایا، جس نے سی زمین سے گرد و دیوار کھینے دی تو وہ اس کی سے ۔

شوسے: بینی انی شرطوں کے ساتھ جن کا ذکر اوپر گرز راکہ: وہ زیمن کسی سلم کی مک میں نہ ہواور آبادی، گاؤں باشہر کے مفاد عامتہ میں استعمال ندموتی ہوا ورامام ابوصنیفہ سے نزدیک بیفول ماکم وقت کی اجازت سے مونظام موریث یہ دلالت کرتی ہے کہ احاط ہی ملک ثابت کر نے کے لیے کا فی ہے ۔ اورامام احمد کی منہور ترین روایت ہیں ہے بشرط یکہ دیواراتنی اونچی ہوجس سے وہ زمین ار دگر دسے محفوظ ہوجائے کئیں اکٹر علماء کے نزدیک صرف دیوار کھینے دینا ہی ملک کے لیے کا فی نہیں ہے ملکہ زمین کا احیاء نشرط ہے، بینی اس زمین کو قابل کاشت یا دیگر مقاصد میں استعمال ہوسکتے کے لائی بنا دینا ۔ البرائع میں سے کہ دیوار کھینے دینا کی طرح سے قبضہ جمالینے سے وہ شخص اس مدیث کی روسے دوسرے لوگوں کی نسبت زیادہ مقدار تو ہوجا تا ہے مگر مالک نہیں ہی سکا۔ مالک ہونے کے لیے راحیاء بشرط ہے جیسے کہ دوسری احادیث میں موجود ہے ۔

٨٧٠٨ - كَلُّانْكُ أَخْمَكُ بُنُ عَمُرِوْبِ (لسَّرْجِ أَنَا (بُنُ وَهُيِ آخُبُرُ فِي مَالِكُ فَالَّ هِشَاهُ ٱلْحِرْقُ الظَّالِمُ إَنْ يَغْرِسَ (لتَرْجُلُ فِي آرُضِ غَيْرٍ ﴿ فَيَسْتَحِقَّهُ اَ بِنَا إِلَى فَالَ مَا لِكَ وَالْعِنْرِثُ الظَّالِمُ كُلَّ مَا أُخِنَ وَاحْتُنِفِرَوَ عُرِسَ بِغَيْرِحَتِّى -

مشام نے کہاکہ عرقی ظالم برہے کہ آدمی دوسرے کی زمین میں کوئی پودا نگاکہ اس کے ساتھ اس کا حق دار بن بیٹ مالک نے کہاکہ عرق ظالم مردہ چیز ہے جونا حق کپڑی، کمودی اور بوئی باگا ڈی میائے مطلب بہتے کہ مدیث غبرہ، ۳۰ میں جویہ نفظ ہیں کہ: کمیٹنی بعش تی ظالم چر کتی ان کا مطلب ان بزرگوں نے یہ بیا ن کیا ہے ۔)

و > ٠٠٠٠ حَكَّ اَنْكَا سَهُلُ اَنْ بَكَ إِنَا وُهَيَّ اِنْ خَالِمِ عَنْ عَبُرونِنِ يَجْلَى عَنِ الْعَبَاسِ السَّاعِدِ قِي بَعْنِ الْمُنَ سَهُلِ بَنِ سَعْدِ عَنْ آبِى حُيْدٍ السَّاعِدِ قِي فَالَ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى وَسَلَّوْ مَنْ وَكَ كَيْدُ السَّاعِدِ قِي فَالَ اللهُ عَلَى وَسَلَّوْ مَنْ وَكَ الْمُوكِ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوْ مَنْ وَكَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوْ وَلَا اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوْ وَكَ اللهُ عَلَيْهُ وَلَا اللهُ عَلَيْهُ وَكَ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّوْ وَكَ اللهُ عَلَيْهُ وَكَ اللهُ عَلَيْهُ وَكَ اللهُ عَلَيْهُ وَلَا اللهُ عَلَيْهُ وَكَ اللهُ عَلَيْهُ وَلَا اللهُ عَلَيْهُ وَلَا اللهُ عَلَيْهُ وَلَا اللهُ عَلَيْهُ وَلَا اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّوْ وَكَ اللهُ عَلَيْهُ وَلَا فَكَ اللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ وَاللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ وَلَا اللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ وَلَا اللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ وَلَا اللهُ عَلَيْهُ وَلَيْ وَاللّهُ وَلَا اللهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ وَلَا اللهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ وَلَا اللهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ وَلَا اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ وَلَا اللهُ اللهُ وَلَا اللهُ اللهُ وَلَا اللهُ اللهُ وَلَا اللهُ وَلَا اللهُ اللهُ وَلَا اللهُ اللهُ وَلَا اللهُ اللهُ وَلَا اللهُ اللهُ اللهُ وَلَا اللهُ ا

اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ فَقَالَ دَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ إِنِّي مُ إِلَى الْمَنِ يُنْتِرِ فَكُنَّ أَرَادَ مِنْكُورًا نُ يَتَعَجَّلَ مَعِي فَلْيَتَعَجَّبْ ـ

الوحميديها عدى في كماكه مي في ديسول التُرصل التُرعليه وسلم كسائة جنَّاب تبوك مي حقته لبايقار عب آپ دا دا نقری میں بینجے تو ایک عورت اپنے ایک باینجے میں تقی بیس رسول انٹر صلی انٹر علیہ وسلم نے اپنیامحات سے فرما یا کہ بخمید کمرورِ معنی مھل کا بھررسول استرصلی استرعلیہ وسلم سف دس وسق کا مخمید نگایا اور اب سف اس عورت سے فرما باکہ جو کچھ اس باع سے ماصل ہواسے یا در کھ اور اہم مبوک میں بہنچ سکئے۔ اور آیکہ سے باوشا ہے رسول انتاصلي أنتأرعليه وسلم كوسفيه رنج كانتحفه بعيجا اورآب كواكيب مبا درمينجا في اوريسول انترصلي انتارع ليدوسكم نے اس بادر شاہ کے سلیے اس کے ماخل بحر کے سلیے تحریر مکھوا دی ربعنی انہوں سنے جزیر دینا قبول کر لیا تقا ، صحابی نے کہاکہ حببہم وادی القری میں اے تو حضور کے اس عورت سے فرما یا: تیرے باغ میں کمتنا معیل ہوا بهًا ؟ اس نے کہا دس ولسق . بعنی مِتَنا عَنیبنہ رسول السُّرصلی السُّرعلیہ وسلم نے ملَّا یا کھا۔ پھریسول السُّرصلی السُّرعلیہ وسلم نے فرما یا کہ میں مدسینہ کی طرف حبلدی والیس حبار ہا ہوں، بس جوشخص کم میںسے میرسے مرائع حبلہ ی حبانا جاہے

مِشْرِح، بنام کے قریب بجرہ قلزم کے کنارے بہا یہ نامی فہروا تع ہے، بہاں کا با دشاہ کو متنا بن رور بقام کا ذكراً س مديريت مي سيني اس مديث لي عنوان اب سي متعلق صرت بدا نفاظ بين: بس حضورصلي التارعليه وسلم

نے ایکہ کے بادشاہ کواس کاسا حل بحر لکھوا رہا۔

٠٨٠٠ - كَنَّ نَتْنَاعَتُ مُالْوَاحِدِ ابْنُ فِيهَانِ مَاعَبُكُ الْوَاحِدِ بَنُ زِيَادٍ الْاَعْمَشُ عَنُ جامِعِ ثِنِ شُكَادِ عَنُ كُنْتُومِ عَنُ زَيْبَبَ أَنَّهَا كَانَتْ نَفُرِي َ رَأْسَ مَ سُولِ إِ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَكِيبُهُ وسَدَّوْ عَنِكَ لَهُ إِمْ رَأَةٌ عُتْمَانَ بْنِ عَفَّانَ وَنِسَاءٌ مِسْ الْكُمْهَاجِرَاتِ وَهُنَّ يَشْتَكِينَ مَنَا فِالَهُنَّ ٱنَّهَا تَخِيثُ عَلَيْهِنَّ وَيُخْرَجَنَّ مِنْهَا فَامُومَا شُولُ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْ لِهِ وَسَلَّحُوَاكُ تَوَيَّ خَدُومَ الْمُهَاحِدِينَ النِّسَامُ فَمَاتَ عَبُكُ اللهِ بَنْ مَسْعُودِ فُورِيْتُهُ إِمْكِرَاتُهُ دَارًا إِالْمَدِابُدِ .

ام المؤمنين نرينب دصی التکرع نهاست دوايت سب كهروه ديسول التُرصلی التُرعليدوسلم سكے مرکے بال ديکھ رسی تقیں اور آپ کے پاس عثمان بن عفائ کی بوی اور کھیے جہاجہ عور میں تقیں اور وہ اپنے گھروں رکی ننگی کی شکایت كررى على كران وارث انىي تنك كرت مي اورخا وزرم ماني توانى كور سي نكانا بوانا سے بس رسول الله صلی انترعلیہ وسلم سے محتم دیا کرمہ اجرین سے گھروں کی وارشیان کی بھیا کہ ہو ں گی۔ پھر خب عبدا دینہ ب مسعوری فوت ہو ئے (سٹیامہ) توان کی بیوی کوان کا گھر مدتیتہ میں ورا خت میں ملا۔

" منتمد حے : مهاہر بن میسینہ میں عزمیب العدیار اور بے وطن مقے ان کی کوئی زدعی یا عنیرمنقولہ جائداد نہ تھی اور مدمیت میں سے کدرسول التدرصلی التدعلید وسلم نے مدمیند میں مهاجرین کو گفرعطا فرمائے عقمے خطابی نے کہاہے کراس کی صورت مثماً یدریھی کرآپ نے ان سے سیے خرمین متخب فرمائی اورا ہنوں نے اس پرم کان بنائے، مکانوں آ کی ملکیت ان کی تقی مگرندین کی نمیں و یو سکیے کر حصنو رہنے حضر مررت کی بنا دیرا نمیں بطور عاریت مکان بنانے كى إجازت دى مقى ، ابواسحاق مروزي كايبى فدسب سيحا وراس بناء كريان مكالون من ورا ثب جارى نيس بوسكى مقى كيونكهمكان والول كى ملك ثابت منهمقى فحقن ايك أنتظام كقا ماس أمركا امكان مجى سيركه وه الأحنى كسى كى ملكبت يزمواور بعلودِاحيا شفروات مهاجرين سفحفنور كي اجازت سے اسے زنده كرايا ہو يعض دفعہ جاگيرا يك عادمنى فايده پنجانے کے کیے ہوتی ہے اس می تملیک نہیں ہوتی جیسے کہ بازاروں میں بنیفنے یا خریدوفروخت کی حکمیں یا سفر کے موقع رہے لوگوں کے گھروں میں عارصنی قبام وغیرہ بعور توں کو جو مکا نات کی وراخت دی گئی تو ریے شدید صرورت کی بناء رہان کی ايب تصوصيت على كيونكم وه مدينة مي عزيب الوطن عيس، ان كاكون رسته داريابرا درى مذهى وا دريهم بهوسكا ہے کریہ مکانا سے ان نبوا تین سے با تقول می ان کی ندار گی تجرر کھنے کا علم مصلی کا دیاگیا ہوا وران کی طکیت اس سے ثا نبت مدمو تى بوجيد كرحعنورصنى الترعلية وسلم كى توكوئى ميرات ندعتى، مصلحت ومنرورت كى بناء براز واج مطارت کوان کی ذندگی بھر رہنے کے بیے دسیئے سگئے تھے اور وہ اپنی کی طرف پنسوب بھی ہوسئے تھے ۔ معبان بن عمیدنہ کا تول سے کہ جو ٹکہ از وائے رہ النبی کا نکاح مائنہ منہ تھا لہذا ان کی حیثیت زندگی بھرعدّت کرنے ارسنے والی عورت مبین رہی تھی، اور عدّرت والی کور سے کی مبکہ ملتی ہے۔ بس بیرمکا ناست ان کی ملکیت ندستے مگرز ندگی معرانہیں ان میں رسینے کا فرعی امپازیت بھی۔

بَائِكُ مَا جَاءُ فِي النَّانُعُولِ فِي اَرْضِ الْخُرَاجِ

خراجی زمین میں داخل موسنے کابات

٣٠٨١ - حَكَّا نَتُنَا هَارُونُ بَنُ هُكَنَّمَ وَبِي بَكَارِ بَنِ بِلَالٍ آنَا هُكَمَّ لَهُ بَعِيسِمِ يَعْنِي ابْنَ سَنِيْعٍ قَالَ مَارَيُكُ بِنُ وَإِقِي حَلَّا تَنِي آبُوْعَبُ وِاللهِ عَنُ مُعَادِ آنَهُ فَالَ مَنْ عَقْدَ الْجِزْبَةَ فِي عُنُقِهِ فَفَدُ بَرِي مِمَاعَيْهُ وَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ

معا ذرائسنه کها کر حس نے اپی گردن میں جزیئر زمین کا جزید تعیی خراج کا عقد ڈال میا تو دہ اس طور طریعے سے بری ہوگیا جس پر دسول التہ صلی التہ علیہ وسلم سنتے۔ مشریع : معاذبن جبل شسے نیچے کا داوی ابوع بدالت زامعلوم الاسم ہے۔ منذری سنے تو کھاہے کہ اس کی نسبت معلوم

نہیں، میکن مولا نامشینے اسسے اشعری شامی مکھا سہے اورا من حبان سنے اس کا ذکر ثقات میں کیا ہیے جسی کافر کی زمین خرماز ا پنی گر د ن می جزیرُ (خراج) کا قلادہ ڈالنے سے مترا دف سے کبو نکداس نیمن کا خراج اب اس خریدار مسلمان سے دمہ م ما ئے گا لمذااس فلا منست فعل كو مفترت معاد خسف استف خديدا لفا ظمي بران فرما يا سهدير تعليظ وتشديد برجمول معد خطا بی سنے کہا ہے کہ برور کامعنی اس مدیث میں خراج سے اور میں معدوم ہوتا ہے کہ کا فری زمین حب سلمان عریدے تواس کے واجبات خراج نہیں برسلتے .حنفیہ کاہی مذہب ہے سکین انہوں سنے کہا کر چونکہ یہ زمین خراجی بدااس سے ماصل ہونے واسے علے پر عرفر نہیں تا ورعامته اہل علم سنے اس پر عضر بھی وا عب کیا سے -٣٠٨٢ حكا ثُنّا كَيُوة بُنُ شُرُنْيِم الْحَضْرَ فِيُّ نَا بَقِبَتَهُ كُمَّا تَنِي عُمَارَة أُبْثُ ٱبِي الشَّعُثَاءِ حَكَّا تُكِيُّ سِنَاكُ بَنُ قَيْسٍ حَلَّا تَنِيُ شَبِيُبُ بُنُ نُعُيْرٍ حَكَا تَكِي يَزِيْكُ بْنُ خُمَيْرِ حَتَى ثَنِي ٱبُوالنَّارُ وَاءِ قَالَ قَالَ رَسُولُ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَلِيُهِ وَسَلَّمَ مَنَ ٱخَذَا ثَمْضًا بِجِزُيَتِهَا فَقُوا شَتَقَالَ هِجُرَتَهُ وَمُنْ نَزُعٌ صِغَامَ كَافِيرِمِنُ عُنُقِهِ فَجَعَلُهُ فِي عُنُقِهِ فَقَدُوكَالِّلِي لَكُمْ ظَهُ رَهُ قَالَ فَسَمِعَ مِثِي خَالِكُ بْكُ مَعْمَاك هْ نَا الْحَدِينَ يَكَ فَعَالَ لِي أَشَّبَيْكِ حَمَّاتُكَ فَقُلْتُ نَعُمُ قَالَ فَاذَا قَسِمْتَ فَسَلْهُ فَلْيَكُنْتُ إِنَّ بِالْحَدِينِ قَالَ فَكُنَّبَ لَهُ فَلَمَّا قَالِمُتُ سَأَلَئِي خَالِكُ بَنُ مَعُكَ انَ الْقِرْطَاسَ فَاعْطَيْتُهُ فَكَمَّا قَرَأَهُ تَرَكَ مَا فِي بِكَايْهِ مِنَ الْكَرْضِ حِيْنَ سَمِعَ ذَٰلِكَ قَالَ ٱلْبُوْدَ ﴿ وَهُ هُذَا يَزِينُ بُنَّ خُمَيْرٍ الْبَزَفِيُّ لَيْسَ هُوَصَاحِبَ شُعُبُةً۔

الوالدردادنے کہاکہ رمول النہ صلی اللہ علیہ وسلم نے فرمایا ہجر کمی نے زمین کواس کے جزیہ سمیت کیا ہیں اس نے اپنی ہج ت سے رج سے کر کیا واسے باطل کہ دیا اور حب نے کسی کا فرکی ذکت رخواج ہواس کی گردن سے نکال کراپئی گردن میں ڈال لیا تواس نے اسلام کی طرف سے بیشت بھیر لی سنان را دی نے کہا یہ حدیث ججہ سے فالد بن معدان نے کئی تو کما کہ کیا شہیب نے تجہ سے میری طرف میر حدیث مکھوالا نا اس نے کہا کہ حب تواس سے مل کہ دوا بس اسے تو بھر بوچ جھنا وداس سے میری طرف میر حدیث مکھوالا نا اس نے کہا کہ شبہ نے سمجھ یہ مکھ دی بھر حب بیں آیا تو خالد بن معدان نے مجہ سے کا غذمانگا ہیں نے دہ کا غذ دے دیا ، حب اس نے اسے بیٹ صاتو فورًا وہ زمین جھوڑ ویں جواس سے ما تھ میں تھیں ما بو وا ؤ درنے کہا کہ دا وی محدیث بندید بن تھر بن نے ہے شعبہ کا ما حق نہیں ہے ۔ منصوح : منڈر کی نے کہا ہے کہ اس دوایت کی سند میں بھیتہ ابن الولید سے جس میر کام مواسے - اوراس کا است نا د

بَا وَسِ فِي الْكَرْضِ يَحْيِيُهَا الْإِمَا مُرَاوِ الرَّحْبُ لُ-

اس زمین کا باق جیدامام باکونی اور آدمی محضوص حارکا و نبائے

٣٠٨٣ - كَلَّانْكَ ابْنُ السَّنْرِجِ اَنَا ابْنُ وَهْرِبِ اَخُبَرُ فِي بُونسُ عَنِ اَبْنِ شِهَارِبَ عَنْ عُبَيْدِ اللهِ ابْنِ عَبْدِ اللهِ عَنِ ابْنِ عَبَّاسٍ عَنِ الصَّغْبِ بُنِ جَثَّامَةَ اَنَّ دُسُولَ اللهِ صَلَى اللهُ عَلِيْهِ وَسَلَّمَ قَالَ لَاحِلْيِّ إِلَّا لِلْهِ وَلِرَسُولِهِ قَالَ أَبْنُ شِهَارِب وَ بَلْعَنِي اَنَ رُسُولَ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ حَكِى اليَّفِيبُعَ .

ا بن عباس شنےصعب بن جٹامیر سے روایت کی ہے کہ رسول انٹرصلی انٹرعلیہ وسلم سنے فرمایا کہ جمضوص و محفوظ چڑکا ہ انٹرا وراس کے رسول سےسواکسی کی نئیں ہوسکتی۔ ابن شہائب نے کہا کہ مجھے ٹبر ملی ہے کہ رسول انٹرصل لٹٹر علیہ وسلم نے نقیع کو جمٰی بنا یا تھا زیخاری)

کے پیے اس متم کی جی محفوص کیا کہ تی ہیں. رسول الشرصل الشرعليہ وسلم اگراني ذات کے پيے البيا کرتے تو جی مائز
ہوتا گرہ ب نے صدقہ کے اونٹوں اور گھوٹا وں کے پیے برایک مخصوص جا گاہ قرار دی تھی۔ ظاہر ہے کہ برجی ایک احتماعی اورعوا می مفاد تھا اس جا گاہ ہیں وہ گھوڑ ہے جی پہلتے تھے جو جہا دکی عزص سے تیا در سکھ جا ستے سکتے۔
اجتماعی اورعوا می مفاد تھا اس جا گاہ ہیں وہ گھوڑ ہے۔ ہاں اگران مقاصد کے پیش نظر ہوجن کی خاطر برسول اللہ اس سے بعد کو بھی سے بعد کہ میں نظر ہوجن کی خاطر برسول اللہ سے معلی اللہ علیہ وسلم سنے می بنائی تھی تواس میں کوئی حرج نہیں ہے۔ ہاں اگران مقاصد ہے جو سے دو سکنے کی احادیث میں اوراحیا ہموات کی احادیث میں تعارض ہے حالا کہ ایسا سمجہ نا باسکی غلط ہے۔
ملی سے دو سکنے کی احادیث میں اوراحیا ہموات کی احادیث ہمت خاص جہز ہے ۔ جس ملی سے منع کیا گیا ہے وہ وہ وہ میں بہت فرق ہے جہی احیا ہو اوراحیا ہے موات کی نسبت ہمت خاص میں سے منع کیا گیا ہے وہ وہ دو میں ہمت ذرخ یہ حقالہ دار حیا ہے موات میں احد میں ماہم ، مارئیس آ بہت کا رواح جا ۔ اوراحیا ہے موات مگراح وہ سیے جو کسی قابل منعمت عامد زمین میں ہو۔ جس می احد میں احد بندی تعلی میں نہوں کے تعلی اوراحیا کے مقاد واس کا دقیر طول وعرض ۸ ہدا میل تھا۔ ہو سے جو می کا میں نہوں اسے میں احد میں نامد بن نہوں کی میں احد بن نامد میں نہوں ہے۔ جس میں احد میں نامد بندی ہو جس میں احد بن نامد میں نے میں احد میں نامد بن نرار ہو سے جو کہ کی ناز متر ورع کی تھی، اس کا ذکر اور برس بالصلوۃ میں گذر حیکا ہے۔ حس میں احد بن نرار ہوں خور کی کھی اس کا ذکر اور برس بالصلوۃ میں گذر حیکا ہے۔

٣٠٨٨ - كُلُّا ثَنَا سَعِبْ لَوْ بَنُ مَنْصُورِ نَاعَبُ الْعَزِيْرِ بْنُ مُحَمَّدِ عَنُ عَبُدِهِ الْبَرْحُمْ فِي بْنِ الْحَادِثِ عَنِ ابْنِ شِهَا بِ عَنْ عُبَيْدِ اللهِ بْنِ عَبْدِ اللهِ عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ عَبَّاسٍ عَنِ الصَّغِبِ بْنِ جَنَّامَةَ أَنَّ النَّرِجَى صَلَّى اللهُ عَلَيْمُ وَسَلَّمَ حَبَى النَّقِيْعُ وَفَالَ لَاحِمْى إِلَّا لِللهِ عَنَّوجَلَ .

عبدالتُدب عباس مننے الععب بن جثامرسے روایت کی کردسول التُرصلی التُرعلیہ وسلم ہے مقام نقیع کو رحی قرار دیا اور فرما اکر حلی صرف التُرع تومل کے لیے سے دہ بی مدیث کا منقطع تول جز آری سے مروی ہے، ابو داؤ دسنے اس منقسل مدیث سے نامت کردیا) نغول منذری یہ مدیث نسانی نے دوایت کی مگر نقیع کا وکر نس کیا ۔

بَانِكُ مَا جَاءَ فِي الرِّكَازِ وَمَا فِيْهِ دكاداوراس كاحكام كابابِي

مه ٢٠٠٥- حَتَّمَ نَنَكَأَمُسَكَدُ كَاسُفَيَانَ عَنِ الزَّهُوتِ عَنْ سَعِيْدِ بْنِ الْمُسَتَّبِ وَآ بِي سُلَمَةُ سَمِعًا أَبَاهُ رَيْرَةً يُحَرِّبُ ثُلَاثًا لَتَبِي صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ قَالَ فِي السَّعَ الرِّكَاذِ الْخُمْسُ .

حن بصری شن که اله ال الوکانه کا معنی سے قدیم خزانه (بعنی زمانهٔ جا بلیت کا گارها ہوا خزانه) بدروا بیت سنن ابی واؤد کے ماشیے برورج سے مگر جمعی سننے میں اس کو متن کا عصد بنایا گیا ہے، المذاہم سنے مجی من سب ماناکہ اسے متن میں تقس

معرف النوعية عن المترائي المن المن المن المن المن المرائية المترافعية عن عقيم المرائية المنت المرائية المنت المنت

كريم بنت مقدا د نے دائنی والدہ) حثما عض بنت زبرین عبدالمطلب سے دوایت کی کرمشاع دہ نے کہا کہ مقدادم رصباعين كاخا وندرابني كشي صرورت مي اليانقيع جمنه ريا تعجب مي كياتوكيا دمكيت اسي كرايك برااج والك بل سے ایک دینارنکالتا ہے تھے وہ براکب ایک دینا رفت اتار ہا حق کا سے ستر و دینار نکا ہے۔ معِراً س منها يك سرّخ رنگ كاكبركا تلخزا تكالاجن مي ايك دينا درها رس يكل ظارً دینار بو گئے بی مقداور ان کورسول اسلام کی انتظار وسلم کے پاس سے گیاا ور آپ کو تعتب آبا یا ور آپ سے کماکہ آپ اس کا صدفہ سے لیں بین بیس بی التاریلیہ وسلم نے اس سے کماکہ کیا تو بل کی طرف میکا عما ؟اس نے کما نهيں بي رسول ابند صلى الترعليه وسلم سف اس سعة فرما با: التر تحقيدان بي بركت وسے راب مامي شمريع بخطابي في كِهامي كرمضور كي يديدوا فت فراكي تقاكه بكيا توسول خ كي طوف جميكا ثقا ؟ اس كامطلب يه تفاكه أكورت وأور الماس وقم كو عبل مي سي نكالتا تووه ركار بهوتا وراس مي مش واحبب موتا-اور حضور في جو وعابت بركبت دى اس كا مطلب يهني عقاكم تم الجي بيجاكراس رقم كواستعمال كرلود ملكم مطلب يرس كرير مقطه ك حكمي بعيب كسال موتعريف كى مباقى بالداكر كوئى الكس ربي ك تواعقًا فواسع برمباح مووما تاسيد مولاً النَّكُوسُ مِنْ مِنْ مِنْ الْكُراسُ كَا مِحَمَّ تُولُقُطُ كَا بِي مِنْ الكُّرْجُونَكُ رَجِ سِنْ السيم ورا خ سي لكا لا تقا المعلوم أسي ب أوركس كي رقم كيسے ٻياں نہنچي تقلي، اوراس كي تعريف نها بيت مشكل نقي اور مقدارُه كواس كي حاجت نقي لهل آيا آپ نے سال کی نعرایت کی مشرط نختم کم ستے ہوئے اسے فورًا خمرج کرنے کی ا جازت دے دی، مصرت کنگوی نے یہ بھی فرمایا سے کہ خصنور کا ارمثنا د ؛ کہا تو ہل کی طرف جسکا ہتا ؟ محف اس کے صبر و تناعت کو حالی کے کے سابع اعلى ورندديناً رول كا خرقيدي مونااس بات في وليل محى كريدر كانتهي سيكيو نكرركان مو ف كمورت سي يرسرخ كبرابركة محفوظ مذره مكتا.

بابس نبس القبور العادية

پرانی قبروں کو کھو دڈا سنے کا بالب جن میں مال ہو

٣٠٨٨ - حَكَانَكُ ايَحُيى بُنُ مَعِيْنِ نَا وَهُبُ بُنُ جَرِيْزِنَا أَبِى قَالَ سَمِعْتُ مُحَمِّدَ بَنَ جَرِيْزِنَا أَبِى قَالَ سَمِعْتُ مُحَمِّدَ بَنَ اللهِ عَنْ اللهِ بَنَ عَمْرِويَ قُولُ سَمِعْتُ رَسُولُ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهُ عَلَيْرُوسَةً فَقَالَ سَمِعْتُ عَنْ اللهِ عَنْ اللهُ عَلَيْرُوسَةً فَقَالَ سَمِعْتُ عَنْ اللهِ عَنْ اللهُ عَلَيْرُوسَةً فَقَالَ سَمِعْتُ عَنْ اللهُ عَلَيْرُوسَةً فَقَالَ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمُ هُذَا اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمُ هُذَا اللهُ عَلَيْهُ وَلَكَ اللهُ عَلَيْهُ وَلَكَ اللهُ عَلَيْهُ وَلَكَ اللهُ عَلَيْهُ وَلَكَ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْهُ وَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ وَلَيْهُ وَلَكَ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَلَيْهُ وَلَيْهُ وَلَكُ اللهُ عَلَيْهُ وَلَيْهُ وَلَا اللهُ اللهُ وَلَا اللهُ عَلَيْهُ وَلَا اللهُ اللهُ وَكُولُ اللهُ اللهُ اللهُ وَكُولُ اللهُ وَلَا اللهُ اللهُ وَلَا اللهُ اللهُ وَلَا اللهُ وَلَا اللهُ اللهُ وَلَا اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ وَكُولُ مُعْمَلُ اللهُ وَلَا اللهُ وَلِي اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ وَلَا اللهُ الل

لِكَ اتَّهُ دُ فِنَ مَعَهُ عُصُنَّ مِنْ دَهَبِ إِنَ انْنُو نَبَشْنُوْعَنْهُ أَصَبْتُكُمْ مُعُهُ فَابْتَدَدُهُ النَّاسُ فَاسْتَخْرَكُخُوا الفُصْنَ (خِيْرِكِتَابِ الْخُوَاجِ وَالْفَيْجِ وَالْكِفَارُ عبدالتُد بن عمروفرماتے سفے کم میں نے جناب رسول التُرصلی التُرعلیہ وسلم کوفرماتے سُنا حبکہ م ایک ساتھ ط نف ى طوف فيط اور ايك قبر مي ورد الله و الما و الما الله على الترعيد والم النور فال كي قرم اوروہ ترم میں تھا، متبنی دیر حرم میں رہا بجارہا ، تھر حب باہر نکلاتوا سے بھی وہ سزا کی جواس کی قوم کواس مکہ مل تقی ۔ پھراسے بہیں وفن کیاگیا تھاا دراس کی علامت رہ سے کہاس کے ساتھ سونے کی ایک ثبا خ دفن کی گئی تھی، اگرة اس کی قبر کو کھودو گے تو وہ سونااس سے ساتھ با وائے۔ پس لوگوں نے مبلدی کی اور وہ سے تو گان کال لی۔ مشویے: ابور آفال ابر تہر کی حبثی نوج کی کعبہ کی طرف رسنمائی کر رہا تھا۔ اس کی موت کے بعد توگ اس کی قبر پر پھر مار تے ہے، بکریٹا پراب مک بھی مارستے ہوں۔

خوكتاب الحزاج والامارة والفئ إاسب ١٨ باب١٥ مديد

÷

الحال كن المنافر المنافر المنافر المنافر المنافر المنافر المناوض المنافرة المنافورة المنافوب

گناموں كومٹانے والے امراض كاباب ـ

٣٠٨٩ - كُلُانْكَا عَبُكُ اللهِ بُنُ مُحَمَّدِ التُفَيُلِيُّ بَامُحَمَّدُ ابُنُ سَلَمَهُ عَنَ مُحَمَّدِ التُفَيُلِيُّ بَامُحَمَّدُ ابُنُ سَلَمَهُ عَنَ مُحَمَّدِ التَّفَيْلِيُّ بَامُحَمَّدُ الْهُ ابْنُ سَلَمَهُ عَنَ عَرِمَ الْمُ الشَّامِ يُقَالُ لَهُ ابْوَمَنُ طُورِ عَن عَرِمَ اللَّهُ اللَّهُ عَنْ عَلَى الْمُحْفَرِقَ النَّفِي الْمُحَفِّرِقَ اللَّهُ عَلَى الْمُحَفِّرِقَ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ ا

TOURDE BORGERE REPRESENTE AU COMPANIO DE COMPANIO DE

قَدُى بُسِطَلَهُ كِستَاءٌ وَهُوجَالِيكَ عَلَيْهُ وَقَيِ اجْتُمَعُ عَلَيْهُ اَصْحَابُهُ فَجَلَسُتُ إَكْيُهِ مُوفَنَا كَرُرُسُولُ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ الْأَسْقَامَ فَقَالَ إِنَّ الْمُؤْمِنَ إِذَا صَابُهُ السَّقَكُرُنُكُم إَعْفَاهُ اللَّهُ مِنْهُ كَانَ كَفَّارَةً لِمَامَحَىٰ مِنْ وُنُوبِإ *وَمَوْعِظَةً لَهُ فِيهَا بَسُنَتْقِب*ُلُ وَإِنَّ الْمُنَافِقَ إِذَا مَرِضَ ثُرِيَّ اُعُفِى كَانَ كَالْبَعِثِيرِ عَقَلَهُ أَهُلُهُ ثُكَّرًا رُسَكُومُ فَكُوبُ لِإِحْرَعَقَكُوهُ وَنَوْرَبُ لِرِحَارُسَكُومُ فَقَالًا ْرُجُلُّ مِمْنُ حُولُهُ يَارُسُولَ اللهِ وَمَا الْكَسْفَامُ وَاللهِ مَا مَرِضُ ثَقُطُ فَعَالَ النَّابِيُّ صَلَّى اللَّهُ عَكِينِهِ وَسَيَّمُ مُ عَنَّا فَكَسُتَ مِنَّا فَيَنْنَا نَحُنَّ عِنْكَاهُ إِذْ أَ قُبَلَ رَجُلُّ عَكِينهِ كِسَاءٌ وَفِي كِيهِ شَيَحٌ قَي الْتَقَ عَلِينهِ فَقَالَ يَارَسُولَ اللَّهِ إِنِّي كَمَّا رَأَيْتَكَ ٱقْبَلْتُ إِلَيْكَ فَكَرُرُكَ بِغَيْضَةِ شَجِرِ فَسَمِعْتُ فِيهُا اَصُواتَ فِرَاجٍ كَلَّ الْحِيرِ فَاخَنْاتُهُنَّ فَوْضَعَتُهُنَّ فِي كِسَائِي فَجَاءَتْ أَتُّهُنَّ فَاسْتَكَادَتُ عَلَى مَأْسِحُ فَكَشَفْتُ لَهَا عَنْهُنَّ فَوْقَعَتْ عَلَيْهِنَّ مَعَهُنَّ فَلَفَفُتُهُنَّ بِكِسَا فِي فَهُنَّ أُولَاءِمَعِي فَالَ نْعَنُّهُنَّ وَابَتُ ٱمُّهُنَّ إِلَّاكُنُرُومَهُنَّ فَقَالَ رَسُولُ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْكُم وَسَنَوَ لِأَصْعَابِمِ أَنَعْجُبُونَ لِرَحْهِ أُمِّرِ أَلاَفُرَاجٍ فِرَاخَهَا فَالْوُا نَعُمُ بَارَسُولَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَكَيْهِ وَسَكُونَالَ فَوَالَّذِي بَعْتَنِي بِالْحَقِّ اللهُ أَرْحَهُ بِعِبَادِم مِنْ أُمِّر أَلافُكُاخِ بِفِرَاخِهَا إِنْ جِعْ بِهِنَّ حَتَّى تَضَعُهُ نَّ مِن حَيْثُ اَخَنْ تَهُنَّ وَأُمَّهُنَّ مَعَهُنَّ فَرَجَعُ بِ عامرا می، نحفنرکے بھائی سے ،اورنفیل نے کہا کہ نفظ توخھنرسیے مگرمیرسے استا دسنے ایسا ہی کہا، عامره نے کہاکہ میں اپنے علاقے میں تفاکہ ہما دے سامنے بھوٹے بھڑے جھند کے سند کئے گئے تو میں نے کہا کربرکیا ہے ، بوگوں نے کہا پررسول انٹارصلی الٹارعلیہ وسلم کا حجنی اسے ۔ بیس میں آپ کے مام گیا، آب ایک در حدت رکے نیچے متھے، آپ کے سلے ایک کمبل بجیایا گیا بھا اور آپ اس بر معظ ہوئے مت اور آب تے اصحاب ارد گرد مجمع سے بس میں ان کے باس میط کیا تورسول التعرصلی الت عليه وسلم في بماريون كا ذكر فرمايا وركهاكم مومن كو حب كونئ بيماري أفي، بهراتنداس كواس سے عابیت و بدے تووہ اس کے سپلے گناموں کا کفارہ ہومائے گیاور ہوندہ کے لیے نصیحت کاباعث ہو گئی۔ اور منافق جب

نشرسے: عامراً لام مُن یا ارا می ، مُحفر کا عبا ئی تھا جوسے انتھیں تھاا وراس نے نبی شی اللہ علیہ وسلم سے یہ ایک حدیث رواسیہ کی سیے دابوا تقاسم بغوی ، محفز ایک مشہور قبیلے می دب بن خصفہ کی شاخ تھی، ابن اسملبی نے کسب کہ وہ

كندم كون شق اس بي الخفر كملائ .

. و. س حكَّانْتُنَا عَبُى اللهِ بُنُ مُحَمَّدِ النَّفَيْدِيُّ وَإِبْرَاهِ يُحُرِّنُ مَهْ دِي اَلْمِعِبُّصِتَ الْمَعْنَى عَالَ اللهِ عَنْ مُحَمَّدِ النَّفَيْدِيُّ وَإِبْرَاهِ يُحُرِّبُنَ الْمِي قَالَ اللهِ عَنْ مُحَمَّدِ بَنْ خَالِدٍ قَالَ اللهِ عَنْ مُحَمَّدِ بَنْ خَالَدٍ قَالَ اللهِ عَنْ مَحْدَثَ مِنْ دَسُولِ اللهِ صَلَى اللهُ مُمْدِثَةً مِنْ دَسُولِ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَالَمُ مَنْ وَسُولِ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَاكُمَ وَسَلَمَ وَيُعُولُ إِنَّ الْعَبُ لَهُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ وَقُلُ إِنَّ الْعَبُ لَهُ إِذَا اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ وَقُولُ إِنَّ الْعَبُ لَهُ إِذَا

المال والمال المالي المالي المالية الم ع كربيديان كياسوتي بي قسم المنذك مين تعجي بهار بنيس موليا - نني كريم صقع المتشر عليه ومسلم في فرايا - مَصُونُ وَكُونُ سَبَقَتُ لَهُ مِنَ اللّٰهِ مَنْ فِرِكُمْ كَرِيدُ كُمُّ فَهُولٍ الْبَتَلَامُ اللهُ فِي جَسَدِهِ اَوْفِي صَالِح اَوْفِيُ وَكُوهِ فَالَ اَبُوكُ وَاوَدُزَا دَبُنُ ثُنَيْلِ ثُكَرَّحَتَ بَرُهُ عَلَىٰ ذُلِكَ ثُكَرًا تُفَقَاحَتَّى يُبَلِّغُ الْحَالِيَ اللّٰهِ مَنْ اللّٰهِ تَبَارُكَ وَنَعَالَىٰ وَاللّٰهِ اللّٰهِ مَنْ اللّٰهِ تَبَارُكَ وَنَعَالَىٰ وَاللّٰهِ اللّٰهِ اللّٰهِ مَنْ اللّٰهِ مَنْ اللّٰهِ مَنَالًىٰ وَلَا اللّٰهِ اللّٰهِ اللّٰهِ مَنْ اللّٰهُ مَنْ اللّٰهِ مَنْ اللّٰهِ مَنْ اللّٰهِ مَنْ اللّٰهِ مَنْ اللّٰهِ مَنْ اللّٰهُ مَنْ اللّٰهُ مَنْ اللّٰهُ مَنْ اللّٰهِ مَنْ اللّٰهُ اللّٰهُ مَنْ اللّٰهُ اللّٰهُ مَنْ اللّٰهُ مَا اللّٰهُ مِنْ اللّٰهُ اللّٰهُ مَلْ اللّٰهُ مَا اللّٰهُ مِنْ اللّٰهُ مِنْ اللّٰهُ مَنْ اللّٰهُ مِنْ اللّٰهُ مِنْ اللّٰهُ مَا اللّٰهُ مِنْ اللّٰهُ اللّٰهُ مِنْ اللّٰهُ مِنْ اللّٰهُ مِنْ اللّٰهُ مِنْ اللّٰ اللّٰهُ مِنْ اللّٰهُ مِنْ اللّٰهُ مِنْ اللّٰهُ اللّٰهُ مِنْ اللّٰهُ اللّٰ اللّٰ اللّٰ اللّٰهُ مِنْ اللّٰهُ مِنْ اللّٰهُ مِنْ اللّٰهُ مِنْ اللّٰهُ اللّٰهُ مِنْ اللّٰهُ مِنْ اللّٰهُ اللّٰ اللّٰ اللّ

محد بن خالد منملی نے اپنے باپ سے اس سے اپنے دا داسے دوایت کی جوصحا بی تھا، اس نے کہا کہ میں نے زیوالٹر صلی التٰرعلیدوسلم کو کھتے مُناکہ آپ نے فرا یا ، حب اللہ تعالیٰ کی طرف سے بندے کو کوئی درجد لمنا مقدّر ہو حس بروہ لپنے عمل سے نہ پہنچ سکے توالٹر تعالیٰ اس کی آزما کش اسکے حبم میں یا اس سے مال میں یا اس کی اولاد میں فرما تا ہے ، ابوداؤد نے کہا کہ ابن نعیل نے میدا منا فرکیا ، کھرالٹلاس پر اُسے صبر دیتا ہے ، حتیٰ کہ اسے اس مقام پر بنیچا دیتا ہے جوالتہ تعالیٰ کی طرف سے اس کے سیے مطے نشدہ ہوتا ہے۔

منش سے: یہ مدیب پڑل المجہود کے ما شفے پراورسن ابی واؤد کے حقی کشنے کے اتن ہیں درج ہے ہما شئے ہر یہ عجارت ہے کہ عبارت ہے کہ ہر مدیف نوٹوی کی روایت سے نہیں ہے ،اس سے منذرتی نے اسے اپنی فنقر ہیں بیاں نہیں کیا ہر الزّی نے اطراف ہیں کہا ہے کہ: یہ مدیدہ ابن القبد اور ابن وا معہ کی روایت سے سہے اورا سے ابوالقا ہم نے بیان نہیں کیا ۔ ابن منذہ ، آبونعیم ،مسند آحمد ہا تو تعلی ،طبرا فی کمبیرا ورطبر فی اوسط ہیں اسے دوایت کیا ہے مطلب وا منے ۔ سیے کہ مومن کے دربات تکا لیف وامراض کے باعث بمند ہوتے ہیں ۔

بَالْبِكَكُانَ الرِّجُلُ يَعْمُلُ عُمُلاً صَالِحًا فَيَشِغُلُهُ عَنَّهُمُ ضَ وَسُفَرَ

د باتب عب کوئی آدمی کوئی نیک عمل کرتا ہوا ورمون یا سفر کے باعث مذکر سکے) برعنوال حقی نسنے کا اوراس رپر ایسی علامات درج ہیں جن سے معلوم ہوتا سے کوسن ابی داؤر کے اکثر نسنوں میں برعنوان نہسیں ہے۔

ا ١٠٠٩ حَلَّا ثَنَا مُحْتَدُكُ بُنُ عِيْسِلَى وَمُسَكَّدُ اللَّمُعَنَى قَالَانَا هُشَيْعُ عَنِ الْعَوَّامِ الْمَعْنَى قَالَانَا هُشَيْعُ عَنِ الْعَوَّامِ الْمَعْنَى وَمُسَكَّدُ اللَّهُ عَنَى اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَنَى اللَّهُ عَنَى اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَنَى اللَّهُ اللْ اللَّهُ اللْمُعَالِمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللْمُ الللْمُ اللَّهُ اللْمُعْلِمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّه

ا بوموسیٰ المعری طفت کہاکہ میں نے بی صلی الشعلیہ دسم سے ایک دومرتبہ نہیں و بلکہ کئی مرتبہ سُنا، آب فرمات کے مقے مقے کرعبب ببندہ کو ٹی عمل کرتا ہوا در کو ٹی ہمیا رہی یا سفرا سے اس سے روک دسے تواس کے بیے وہ نیک عمل اسی طرح لکھا مہا تا ہے عب طرح کروہ اسے تندرستی اورا قامت کی حالت میں کرتا تھا دبجاری

مشرح برممن یا سفر پختکینزرکی مالت سے اس سیے ان کے اسکام صحت واقا مست کی نسبت فختگف ہیں ، لپس ان مالات ہیں جب کوئ شخص اپنا وائمی نیک عمل ماری ذرکھ سکے تووہ با صرب عذر نہیں دکھ مسکتا، رحمت نعداو ندی سے میں گوری کمہ وی مہاتی سے وائمی معرمیٹ سکے ایک داوی ابراہیم بن عبدالرحان السکسکی احد بن منبی ابن انقطان آ ور معنی کے انسانی نے بھی اس رہن تقدیری سے .

بات عبادة السِّاء

دعورتون کی سمارسی کابات،

٩٥.٣ . حَكَّا ثَنُا مَهُ لُ بُنُ بَكَارِعَنُ أَفِي عَوَا نَتُ عَنْ عَبُ وِ لَمَ لِلِتُ بَنِ عُمَنْ يَعِنُ أَقِ أَلْعَ لَا فِلَا اللّهُ عَا دَفِى رَسُولُ اللّهِ صَلّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحُ وَ أَنَا مَرِيْضَ فَهُ نَعَالًا أَبُثِرِ فَى بَا أُمَّ الْعَكَاءِ فَإِنَّ مَرَضَ الْمُسُرِعِ بَنَا هَبُ اللّهُ بِهِ خَطَا يَا كُ كَمَا تُنَ هِبُ النَّامُ خَبَثُ النَّا هُبُ وَإِنْ هَرَضَ الْمُسُرِعِ بَنَا هَبُ اللّهُ بِهِ خَطَا يَا كُ كَمَا تُنَ هِبُ النَّامُ عَبَ خَبَثُ النَّا هُبُ وَإِنْ هَا مَا يَعْ مَنْ الْمُسْرِعِ بَنَا هَبُ اللّهُ بِهِ خَطَا يَا لَا كُنَا اللّهُ عَلَ

ام العلاد شنے کہا کورسول الندصلی المطاعليہ وسلم في ميرى عيادت فرائى حبکہ ميں بميار بھی۔ بس آپ فيارش اوفر مايا: است ام العلاد نوش ہوم اکبوں کرمسلم کی بمياری سكے ساتھ النابر تعالیٰ اس سكے گذا ہوں كواس طرح دوركر آنا سبے حس طرح كراگ سوسنے مياندى کی ميل کم بلي كو دُوركر ديتی ہے۔

منت و منذری سنداس مدرین کوحش قرار دیا ہے۔ ام العلاد فرد مالاسلام صحابی تقیس، مکم بن مزام الح کھی تھیں۔ موسف ماندی کو کمٹھائی میں ڈال کر تیا یا جا تا ہے تو اکن کی میل کجیل و کوم کر صاف وشفا من نسک آتے ہیں راس مدریٹ کی روسے ای طرح مومی کوام اض وینبرای کمٹھائی میں ڈال کواس سے گناہ دُو سے عباتے ہیں۔

٣٠٩٣. حَكُ ثُنَا مُسَنَّادٌ نَا بَحْيَى م وَنَامُحَمَّدُ اَبُنَ اِنَّا اِنْكُمُّمَا الْ اَنْكُ مَنَ اَبْ عَبُرو قَالَ اَبُوْدَا وَدَ فَ هٰذَا الْفُطُهُ عَنَ اِنِي عَامِرِ الْحُثَّرِ الْحِنِ ابْنِ اِنِي مُلَيْكَةٌ عَنْ عَالِمُتَ عَالَتُ قُلْتُ مُلَنَّ يَارُسُولُ اللهِ إِنَّى الْمُعْدُولُ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى وَحَلَى الله عَالَمُ اللهُ مُنْ اللهُ عَنْ اللهُ وَمَالُ مَنْ يَعْمَلُ اللهِ عَمَلِهِ وَمَنْ مُحْوِيبٍ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ عُلْتُ النَّهُ اللهُ وَمَنْ مُحْوِيبٍ عَلَيْ اللهُ وَمَنْ مُحْوِيبٍ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهُ وَمَنْ مُحْوِيبٍ عَلَيْ اللهِ وَمَنْ مُحْوِيبٍ عَلَيْ اللهُ اللهُ وَمَنْ مُحْوِيبٍ عَلَيْ اللهِ وَمَنْ مُحْوِيبٍ عَلَيْ اللهُ اللهُ وَمَنْ مُحْوِيبٍ عَلَيْ اللهُ اللهُ اللهُ وَمَنْ مُحْوِيبٍ عَلَيْ اللهُ اللهُ اللهُ وَمَنْ مُحْوِيبٍ عَلَيْ اللهِ اللهُ وَمَنْ مُحْوِيبٍ عَلَيْ اللهُ اللهُ اللهُ وَمَنْ مُحْوِيبٍ عَلَيْ اللهُ اللهُ اللهُ وَمَنْ مُحْوِيبٍ عَلَيْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ وَمَنْ مُحْوِيبٍ عَلَيْ اللهُ اللهُ اللهُ وَمَنْ مُوسِدٍ عَمَالًا اللهُ اللهُ وَمَنْ مُوسِدِ عَمَالِهُ وَمَنْ مُوسِدٍ عَلَيْ اللهُ اللهُ اللهُ وَمَنْ مُوسِدِ اللّهُ وَمُنْ اللهُ وَمَنْ مُوسِدٍ عَلَيْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ وَمُنْ اللهُ وَمَنْ اللهُ وَمَنْ اللهُ وَمَنْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ وَمَنْ اللهُ اللهُ

مُلُكُخَةُ

تعضوت المشرسلام التاعليها نے فرما يا كرميں نے كما يا رسول الله مجھے معلوم ہے قرآن ميں شديد ترين آب كون مى سہم ا صفورٌ نے فرما يا ا ئے عائشہ اوہ كون مى آبت ہے ؟ انہوں نے كہا كہا للہ تعالى كايہ قول : جو بھى بلائى كرسے گااس كى جزا بائے گا۔ سورة السنار سرم ، حصنورٌ نے ارشاد فرما يا ؛ اے عائشہ كيا تجھے علوم نہيں كرمون كوكوئى تكليف بنى حق سے يا كانٹا چوجتا ہے تو وہ اكس برئے سے امال كا بدر بہوم آبا ہے ؟ اور حس كان اسبركيا گيا أسے عذاب ہوگيا۔ عائشہ شنے كہا كہا اللہ تعالى بہنى ہوگى، اسے عائشہ حس كے ساب ميں اس كا حساب آسان ہوگا۔ الانشقاق ۔ ۸ ۔ حصنورٌ نے فرما يا كہ وہ تو محن اعمال كى بہنى ہوگى، اسے عائشہ حس كے ساب ميں اس كا حساب ميں اس كار سرد اللہ ميں اللہ عائشہ على اللہ ميں اس كار سرد اللہ ميں اس كار سرد اللہ ميں اللہ عائشہ على اللہ ميں اللہ على ال

منا قشر بوگا اُسے عذاب دیا مباسے گا دسخار کی وسلم،

يَابِ فِي الْعُيّادَةِ

د سیار مپرسی کا بائی،

م ۱۰۹ . كَلَّا فَنَا عَبُكَ الْعَزِيْزِ بْنُ يَجِيلُ نَامُحَكَّكُ بْنُ سَكَنَةَ عَنْ مُحَكَّدِ بَنِ الْمُحَكِّدُ وَلَا اللهِ مَلَكَةً عَنْ اللهِ مَلَكَةً مَنْ اللهُ مَلَكَةً اللهِ مَلَكَةً اللهِ مَلَكَةً اللهِ مَلَكَةً اللهِ مَلَكَةً اللهِ مَلَكَةً اللهِ مَلَكَةً مَنْ اللهِ مَلَكَةً اللهِ مَلَكَةً اللهِ مَلَكَةً اللهِ مَلَكَةً مَنْ اللهِ مَلَكَةً اللهِ مَلَكَةً مَنْ اللهُ مَلَكَةً مَنْ اللهُ مَلَكَةً مَنْ اللهُ مَلَكَةً اللهِ مَلِي اللهُ مَلَكُةً مَنْ اللهُ مَلَكُةً مَنْ اللهُ مَلِي اللهِ مَلِي اللهُ مَلَكُةً مَنْ اللهُ مَلِينَ اللهُ مَلَكُ اللهُ مَلِيدًا اللهُ مَا اللهُ مَلِيدًا اللهُ مَلْكُونُ اللهُ مَلِي اللهُ مَلِيدًا اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ مَلِيدًا اللهُ اللهُ

الله عَكِبُهُ وَسَلَّمُ يَعُوُدُ عَبُ اللهِ بَنَ أَيِّ فِي مَرَضِرِا لَهِ يَ مَا تَزِيْ وَ فَكَمَّا حُخَلَ عَكِيْهِ عَرَفَ فِيْهِ الْمَوْتَ قَالَ قَلَا كُنْتُ اَنُهَاكُ عَنُ حُبِّ يَهُوْدَ فَالَ فَقَذَا بَعْضَهُمُ اَسْعَكُ بُنُ ذُمَ ارَةً فَكَهُ فَكَمَّا مَاتَ اَتَاهُ إِبْنُهُ فَقَالَ يَا نَبِى اللهِ إِنَّ عَبُ لَاللهِ بَن قَلْمَاتَ فَاعْطِنِي قِيَيْصَكُ أَكُفِنُكُم فِي فَنَرَعَ رَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَيْبُهِ وَسَلَّوَ قَلْمَاتَ فَاعْطَاهُ اللهُ عَيْدُهِ وَسَلَّمَ

مشرح بدمعا لم انسين ميں ابوسليمان خطابى فرماتے ہى كم ابوسعيد بن الاعرابي جناب رسول الله عصلى الله عليه وسلم ميعبدالله في بن ا في كوكفن كف ليق مي عطافر مان كي سيرتا ويل كرتا عقاكم اس كے دومطلب بو سكتے ميں ،ايك يدكم اس كا بيا، كاس كا نام بقى عبدالتلديمة اومخلف ايما نلاريمة احصنورسنيراس كى تاليب فلب اوداكرام كى فاط السياكيار دوبرامط لمب بدسير كرع بدالتة بن إن نے ایک باری باری باس بن عبدالمطلب دحف وڑ سے چاکوا پنی تمیں بہنا ٹی عتی ، حضور نے اس کا بدار دیا تا کہ منا فق گا آپ بہ کو ٹی احسان ندرہ جائے۔اس وا تعدکوخطاتی نے اپنی مند کے مائۃ جا بربن عبدالٹدسے روایت کیا ہے کہ عباس ہوبدالطلب کے سیے انصار نے ایک بارکوئی کیاتا ہی کی جو انہیں ہنائیں رشا پدا زراہ اعزاز واکارم باصرورت کے باعث توعب التد بن ابّ کی تسیس کے سواا نہیں ابسا کوئی کمیڑا نہ ما تجوعباس مرکو پولا آجا ۔ تارکہ وہ ایک جسیم ورمٹر کے قد آور آ دمی تقیمی للسذا ا نهو ں نے ہی تمیص انہیں بہنا دی عطابی <u>کتے ہیں کہ ابودا وو</u>کی اس *تریرنظرمدیٹ میں بھی ابن الاعرابی نے بہی*ں کچھا منافہ بتایا سے جوابودا و رسنے بیا ن نہیں کیا،ا وروہ یہ شیے کہ جابر بن عبدالناد کا بیا ن ہے کہ جب عبدالتنزين ابن کواس کی قبر میں دکھ دیاگیا تودسول انڈصلی انٹدعلیہ وسلم اس کی قبر رہے تشریبٹ سے سگئے ،اُسے قبرسے با مرسکوا یا ا وراسپے گھٹنوں یا راً نوں بررگھا، پھراس بیا بنا نعاب دھن ڈالا وراسے اپنی قسکی بہنائی ریخارتی ہسلم ونسائی ، خطابی فرما تے ہیں کہ تقبالیند بن ابی کا نفاق کی طابر و بابر کھا اسٹر تعالی نے اس سے کفرونغاق کے متعلق وان پاک میں کئی آبات بازل فرما تی میس ا بیب احتمال تواسیم کے اس فعل میں بدھیے کہ بیالٹار تعالیے کے اس ارمثار کے نزول سے پہلے بھاکہ: ان میں سے جو مرما سے اس پر نماز ندیر صیں اوراس کی قبر ٹر کہمی کھڑسے مت ہوں انتوبہم ۔اوراس کی وہ اویل مبی ہوسکتی سے جو ا بن آلاع الى نے بیان کی سے ہواو ہرگزری کُراس سے عزمن اس کے مومن بینے کی تالیف قلب مقی اس مدسی میں كعن مي تسيس رم كھنے كا جوانہ ثابت ہو تا سے اور يهم كه تدفين كے بعد كسى سبب يا عدت كے باعث ميت كو قبر سے نكالا

جاسکتاہے۔ یں گزارش کرتا ہوں کہ خطآ ہی کی بیان کردہ تا ویلوں سے علاوہ ایک اور تاویل عبی اس واقعہ کی ہے، اور وہ ہ حمنور صلی الشرعلیہ وسلم کی رحمت وشفقت جوا ہے ہا ہے اور مومن و منافق سب کو قبط تقی ۔ صلی السلاعلیہ وسلم صفور صلی الشرعلیہ وسلم کی نعیوت برعب آلت ہی ہی ہی ہے جو برجواب و یا تقائمہ: اسعد بن زرارہ مننے بعود لوں سے نغس رکھاتو کیا ہوا ہو اس کا معلب یا یہ ہوسکتا ہے کہ با وجو دہور سے علاوت فی الشدر کھنے کے بھی وہ فوت ہوگیا ۔ اور یا یہ کہ ابن آبی اس فاذک وقت میں جی اپنی گستانی اور بے ادبی سے بازر ند آیا اور ایک غیر متعلق جواب و یا مولا نا نے فوایا ہے کہ اس می معلا و سر میں میں بھی میں میں میں میں میں اور کے حصنور کا مرکز میود دبت کی عدا وت اسلام میں مقا اور بردو سر سے لوگ جو منا فی سے یہ اُن کے یا تقول میں کھیلتے تھے۔ یہ بات تھی جو حصنور اس سے بھار سے تھے کہ ہودیوں کی عبت نے تھے قلبی

بَابِ فِيْ عَيَادَةِ النَّهِمِيّ روْنَيُلُورِتِ الْأَعْمِيْ

هه ١٠٠٠ حكان أنك مكان أن كَوْرِب نَا حَمَّادٌ يَعْنِ ابْنَ دَيْ عِنْ تَا بِعِنْ اَنْسُ مَا اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ اللهُ عَلَيْهِ وَسُلَمَ وَسُلَمَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ وَ هُو يَعْدُولُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ وَهُو يَعْدُولُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ وَاللّهُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ وَاللّهُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ وَهُو يَنْعُولُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ وَاللّهُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ وَاللّهُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَمُ وَاللّهُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَمُ وَاللّهُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَمُ وَاللّهُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَمُ وَاللّهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَمُ وَاللّهُ اللهُ اللهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَسَلَمُ وَاللّهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُولِي اللهُ اللهُ

انس سے سے دواہت ہے کہا یہ بیودی دو کامیار ہوگیا تھا، پی دسول الٹرصلی الڈوعلیہ وسلم اس کی عیادت کو آئر لیف لائے
اوداس کے سرکے ہاں بیع گئے اور قربایا بشلم ہوجا ۔ اس نے اپنیاب کی طون دیکھا جواس کے سرکے پاس تھا ۔ ہیں اس کا
باپ اس سے کھف لگا: تو الجالقا منم کی بات مان سے ، ہیں وہ اسلام سے آیا ۔ ہیں بنی صلی الٹرعلیہ کے ہے ہوئے اسے کہا تولیف
اس الٹرکے لیے ہے جس نے اس کو میر سے ذریعے سے آگ سے تنجات دی دیخاری ، نسائی ،
سوح : ۔ کما گیا ہے کہ اس لٹرکے کا نام عبدالقد وس تھا ۔ بخاری کی دوا بت بیں ہے کہ وہ رسول الٹرصلی الٹرعلیہ وہلم کی
مورت کیا کہ تا تھا ، معلی ہوتا ہے کہ وہ دو کو کا عاقل اور قریب البلوغ دیا بائے ، تھا، بعنی اتنا تھوٹا نہ تھا کہا سوا اور کھڑکو نہ
مرسکت کیا کہ تا اور حضولاً کا یہ قول اس ہو دہ احتمال کی سے کہ الٹرکا شکر ہے کہ اس نے سرے سب سے کہاس بی ام اللہ کہا ہو کہا ہو اور اس بی والاس بی والاس بی مناف ہیں ، ہی سب ہے کہاس بی ام اللہ الم می مناف علیہ نے توقف کیا ہے ۔
ابو منی خدوم الٹر نعالی علیہ نے توقف کیا ہے ۔

بَابُ الْمَثْنِي فِي الْعِبَادِيْ رعادت كَ يَرْبَلُ مِانِكُ الْمُثَابِيُ

٧٩٠٩ حَكَّاثُنَا اَحْمَكُ بَنَ حَنْبَهِ نَاعَتُكَ الرَّحْلِن بُنُ مَهُ مِي عَنْ سُنْفَبَانَ عَنْ مُحَتَّدِ بَنِ الْمُنْكَدِى عَنْ جَايِرِقَالَ كَانَ النَّبِيُّ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ يَعُوْدُنِي كَيْسَ بِرَاكِبِ بَخُلَّا وَلَا يُحْقِدُونًا -

جابرشنے کماکنبی ملی انٹرعلیہ وسلم میری بمیا رہری فرہا کرنے تھے ، نہ نچر برسوار ہو کم اور دو ترکی محمولاے ہر بخارکی ، مختری سنے کہا ہے کہ ایک مدیث کی رُوسے معنو در معد بن مبابرش کی عیادت کے بیے گدھے پرسوار ہو کرتشریف سے گئے تھے۔ بس عیادت کے بیے بہدل اورسوا دم ہوکر مبانا بھی سنت ہوا ۔

بَأَبُ فِي فَضُلِ الْعِيادَةِ عَلَى وُصُوعٍ

د ما ومنوعيادت ك فقيدت كا باب

٤٠٥٠ - حكان الكفي المحتكدة الطائي التاريج الكافي الكافي الكافي الكفيرة الكفير

انس بن الکت نے کہا کہ جناب رسول اللہ صلی اللہ علیہ وہم نے فر ہایا جس شخص نے وضوء کیا اورا حجی طرح وضور کیا اور استے مسلم بھائی کی عیادت محض رصائے اللی کی خاطری توجہ ستر خریعت کی مسافت کے مطابق جنم سے دور کیا گیا، ثابت بنائی نے کہ میں نے انس سے کہا۔ اسے ابو حزہ ایر غریعت کیا ہے ؟ اس نے کہا کہ مسال ۔ ابوداؤد نے کہا کہ با وصور عیادت کیائی روابیت میں بعدہ واسے منفرد ہیں دانس بن مالکتے ، ثابت بنائی اور فضل بن دہم سب بعدی ہیں

CONCRETE CONTRACTOR DE CONTRACTOR DE LA CONTRACTOR DE CON

٨٩٠٩ - كُلَّانَكُ الْمُحْكَدُّكُ اللهِ الْبِينَ الْحَكِوْعَنَ عَبْدِاللهِ الْبِينَ الْحَكُوْعَنَ عَبْدِاللهِ الْبِينَ الْحَكُوْعَنَ عَبْدِاللهِ الْبِينَ الْحَكُوْءَ مِنْ عَلِيّ فَالْ مَا مِنْ رَبُحِلِ يَعُوْدُمَ رِنْجِنًا مُنْسِبًا اللَّحَرَجَ مَعَهُ سَنْعُوْنَ الْفَ مَلِيْ يَسْبَعُونَ الْحَكَمَ مِنْ الْحَكَمَ مَعَهُ سَنْعُونَ اللهَ عَرْيُعِتُ فِي الْجَنَّةُ وَمَنَ اللهَ مَلْكِي يَسْتَغُولُونَ لَهُ حَتَّى يُمْسِى وَ اللهَ عَرْبُحُونَ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ

کا کہ کا کہ محرکیا کی جب ہو۔ حضرت علی منے کہ کرج فنفس بعداز زوال کسی مربق کی عیادت کرے گاتواس کے ساتھ ستر ہزار فرشتے نکلیں گے جو مسج ٹک اس کے سیصا ستغفا دکریں گے اور اس کے سیے جنت میں بھیلوں کی بھری ہوئی لؤکر یا ل بول گی ۔ اور جو مربقین کے پاس مبح کو آئے تواس کے ساتھ ستر سزار فرشتے نکلتے ہیں جو اس کے بیصا ستغفا دکر ستے ہیں جی کہ چھپلا مہر بہو مبائے اور اس کے سیے جنت میں مجلدار ورفعتی میں راستہ بھوگا ۔ ویہ مدیث حصرت علی مظام برموقون سے مخادف

کا معنیٰ توکمہاں ، عبارار درختوں کے درمیان کالاسترا درا طان وغیرہ سب کھے ہے ،

٩٩٠٣ - حَكَّا ثَنُكُاعُنُمَانُ بَى آبِى شَيْبَة نَا أَبُومُعَاوِية فَالَ نَا الْاَعْمَسُ عَنِ اللَّهُ عَلَى اللهُ عَلَى عَلَيْ عَنِ النَّبِي صَلَّى اللهُ عَلَيْ عَنِ النَّبِي صَلَّى اللهُ عَلَيْهُ وَكَمُ عَنْ عَلَيْ عَنِ النَّبِي صَلَّى اللهُ عَلَيْهُ وَصَلَّى اللهُ عَلَيْهُ وَكَمُ مَنْ فَعُورُ وَمِن الْحَكِورُ وَسَلَّمُ بِمَعْنَا لَهُ وَلَهُ مَنْ فَعُرُورُ وَلَهُ مَنْ فَعُورُ وَلَهُ مَنْ فَعُورُ وَ وَلَهُ مَنْ فَعُورُ وَ وَلَهُ مَنْ فَعُرُورُ وَلَهُ مَنْ فَعُرُدُ وَ وَلَهُ مَنْ فَعُورُ وَ وَلَهُ مَنْ فَعُرُدُ وَلَهُ مَنْ فَعُرُورُ وَلَهُ مَنْ فَعُورُ وَعِنِ الْعَكُورُ وَلَهُ مَنْ فَعُورُ وَعِنِ الْعَكُورُ وَلَهُ مَنْ فَعُورُ وَعِنِ اللّهُ عَلَيْهُ وَلَهُ مَنْ فَعُورُ وَعِن اللّهُ عَلَيْهُ وَلَهُ مَنْ فَعُورُ وَعِنِ اللّهُ عَلَيْهُ وَلَهُ مَنْ فَعُورُ وَعِنِ اللّهُ عَلَيْهُ وَلَهُ مَنْ فَعُورُ وَعِن اللّهُ عَلَيْهُ وَلَهُ مَنْ فَعُورُ وَعُنِ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْهُ وَلَهُ مَنْ عَلَيْ وَلَا مُنْ عُمُنُ اللّهُ عَلَيْهُ وَلَكُولُولُ مُنْ اللّهُ عَلَيْهُ وَلَكُولُ اللّهُ عَلَيْهُ وَلَالْ مَنْ اللّهُ عَلَيْهُ مُنْ وَلَكُولُولُ مَا لَا اللّهُ عَلَيْكُ وَلَهُ مَنْ فَعُولُ وَاللّهُ مَا لَا اللّهُ عَلَيْهُ مُنْ وَلِي مُعْمَلًا وَاللّهُ مُنْ اللّهُ عَلَيْهُ وَلَولُولُ مُنْ اللّهُ عَلَيْكُولُولُ مُعْلِقًا وَاللّهُ مُنْ اللّهُ عَلَيْكُولُ اللّهُ عَلَيْكُولُ مُنْ اللّهُ عَلَيْكُولُ مُعْلَى اللّهُ عَلَيْكُولُ اللّهُ عَلَيْكُولُولُ مُعَلّمُ اللّهُ عَلَيْكُولُ مُنْ اللّهُ عَلَيْكُولُولُ مُنْ عُلِي اللّهُ عَلَيْكُولُولُ مُنْ اللّهُ عَلَيْكُولُ مُنْ اللّهُ عَلَيْكُولُ مُعْلِقُولُ مُنَا اللّهُ عَلَيْكُولُ مُنْ اللّهُ عَلَيْكُولُولُ مُعَلِّمُ مُنْ اللّهُ عَلَيْكُولُ مُنْ اللّهُ عَلَيْكُولُولُ مُعَلِقُولُ مُعَلِّمُ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْكُولُولُولُولُ مُعْلَقُ اللّهُ اللّهُ وَلِلْمُ اللّهُ ا

عثمان بنا بی شیبہ کے طابق سے اوپری روایت حضرت علی ہوسے اسی معنیٰ میں ۱۰ وراس میں خریف کاڈکم شہیں ہے۔ دابن ۱ مبر ابوداو د نے کہاکہ اس مدمیث کومفتورنے انحکم سے دوایت کیا جیسے کہ اسے سٹعبہ نے بھی روایت کیا ہے۔

روايت البير من المنكاع فَتُمَا كُ بُن اَفِي شَبُرَة فَالَ نَا جَرِيْدُعَنُ مَنُ صُورِعَنِ الْحَكَورِ عَنَ الْحَكورِ اللهِ بَنِ عَلَيْ فَالْ وَكَانَ نَا فِعْ عُكَدَمُ الْحَسَنِ بَنِ عَلِيّ فَكَ الْكَ الْحَكُونُ اللهِ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْنَ وَسَنَا تَوْمِنَ غَيْرِ وَجُهِ صَمِيْدِ وَ اللهُ عَلَيْنَ وَسَنَا وَمِنْ غَيْرِ وَجُهِ صَمِيْدِ وَ اللهُ عَلَيْنَ اللهُ عَلَيْنَ وَمِنْ غَيْرِ وَجُهِ صَمِيْدِ وَ اللهُ اللهُ عَلَيْنَ وَمَنْ غَيْرِ وَجُهِ صَمِيْدِ وَ اللهُ اللهُ عَلَيْنَ وَمَنْ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْنَ اللهُ عَلَيْنَ اللهُ عَلَيْنَ اللهُ عَلَيْنَ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْنَ اللهُ عَلَيْنَ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْنَ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْنَ اللهُ عَلَيْنَ اللهُ عَلَيْنَ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْنَ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْنَ اللهُ عَلَيْنَ اللهُ عَلَيْنَ اللهُ اللهُ عَلَيْنَ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْنَ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ الْعَلَى اللهُ اللهُ الْمُنْ الْعَلَى اللهُ الْعُلِي اللهُ الْعَلَى اللّهُ الْمُلْكِلَى اللّهُ ا

اور کی صدمیث منصورانکم کی روایت سے ابوجفرعب اللدین ناقع سنے کہاکہ نافع الحسن بن علی کا غلام تھا،اس نے

کماکرابوموسی خابھ بی مارس کی معیا رت سے لیے ہے۔ ابودآؤد سنے کہ اوراس نے شعبہ کی مدیث کا معنیٰ بیان کیا۔ ابوداؤد نے کماکراس مدریث کوا کی عیر صبح طریق سے عن علی عن النبی صلی الٹرعلیہ وسلم مسند کیا گیا ہے دیعنی ابی ابوداؤد کے نزردیک اس مدریث کا موقون ہونا صبحے ہے سا ورمسنڈ ہو ناعیر صبحے >

بَابِ فِي الْعِيَادَةِ مِكَارًا

بارباد عيادت كاباب

١٠١٠ - كَتُلْ نَنْ الْمُتْكَانُ اَنْ اَنْ اَنْ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ عَنْ هِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ عَنْ هِ اللهِ اللهِ عَنْ عَائِشًة قَالَتُ لَكَ الْمُنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ مَعَادِ يَوْمَرُ الْخَذَى وَرَمَا اللهُ عَنْ عَائِشَة قَالَتُ لَكَ الْمُنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلِي اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْكُوا عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْكُولُولُ اللهُ عَلَيْكُولُ اللهُ عَلَيْكُولِ اللهُ عَلَيْكُولُولُ اللهُ عَلَيْكُولُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْكُولُولُ اللهُ عَلَيْكُولُولُ اللهُ ا

حضرت عائشر سنے فروا کی جب معد بن معاد کوجنگ بند تی بن زقم آیا، ایک شخص نے ان کے بازو کی درمیانی رگ بر تر مالا تورسول استرصلی استان معادیو بر بر معادی بر تر مالا تورسول استرصلی استر مالا تورسول استرصلی استر مالا تورسول استرصلی استر می درمیانی در معادیو بر معادیو بر معاور تر می درمیانی در می درمیانی دگ کو بعول می بر می درمیانی دگ کو بعول می بر می استرانی معیم بر بر و شرح می می بر می درمیانی دگ کو بعول می بر می درمیانی دگ کو بعول می بر می است از می درمیانی در می بر می است از می درمیانی در بر بر می کا میاب بوجات می بر بر کا نفست در می کا میاب بوجات می بر بر کا نفست در مشکل سے در بر می کا میاب بوجات میں بر بر کا نفست در مشکل سے در بر کا نفست در می کا میاب بوجات میں بر بر کا نفست در مشکل سے در بر کا نفست در مشکل سے در کا نفست در مشکل سے در بر کا نفست در مشکل سے در کا نفست در می کا میاب بوجات کے در کا نفست در مشکل سے در کا نفست در کا نفست در کا کا کی بر کا نفست در کا کا نفست در کا نفست در

مَا فِ الْغِيادَةِ مِن السَّمَدِ

رآن الميس فراب بونے كے باعث عيادت كرنے كا باق

٧٠٠٠ - كَمَّا ثَنُ عَنُ اللهِ بَنُ مُحَمَّدِ التُفَيْلِيُّ نَاحَجَاجُ بَنُ مُحَمَّدِ بَيْ بَوْشَ بَنِ إَنِي السَّحَاقَ عَنُ اَبِيهِ عَنُ زَيْدِ بَنِ اَرْفَكَمَ قَالَ عَادَ فِي رَسُولُ اللهِ عَسكَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَكَرَمِنُ وَجُرِم كَانَ بِعَبْهِ فِيَّ -

بَا مِنُ الْحُرُوبِ مِنَ الطَّاعُونِ

لطاعون سیے نروچ کاباب،

سوواس حكانك الفَحْنَبِيُ عَن مَالِيكِ عَن ابْنِ شِهَايِبِ عَنْ عَبْدِالْحَمِيْدِ الْنِي عَبْدِاللّهِ بُنِ اللّهِ بُنِ اللّهِ بُنِ اللّهِ بُنِ اللّهِ بَن اللّهِ عَنْ عَبْدِاللّهُ عَبْدِهِ اللّهِ عَنْ عَبْدِ اللّهِ صَلّى اللّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ عَبْدُولُ إِذَا سَمِعَتُ وَبِهِ بِأَرْضِ فَلَا تَفْعَى الطّاعُونَ . اللّهِ صَلّى الطّاعُونَ . الْفَاعُونَ .

عیداللہ بی عباس منے کہا کرعبدالرحن بن عودن سنے گھا: میں نے دسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم کوفر ملتے مسئا کم حب تم حب تم کمن علاتے میں طاعوں کے متعلق سنو توویاں ست مباؤ اوراگر کسی علاقے میں طاعوں معبوط بہرسے تواس سے قرار کمر کے ویال سے مسٹ ممکلے دبخار کی ، مسلم ،

منتی سے دو علامہ خطآتی نے کہاہے حصنور کا بیاری کم کہ: اس ملاتے ہیں مت ما ؤ، ٹابت کرتا ہے کہ اس سے بجنا مزوں ک ہے اور نوا ہ نواہ اپنے آپ کو تلف کے بیے ہیں ذکر نا جاسیے ۔ اور یہ جو فر بایا کہ: اس سے بھاک کراس علانے سے مت نکوء اس میں توکل اور یکم خلاوندی کو سلیم کرسنے کا افرائس سے ، پہلام کم تا دیب تعلیم کے سیے سے اور دور تغرین

وتسلیم بر مبنی ہے۔ یں گذادین کرتا ہوں کرمد یہ طب بیں جو احتیا علی تدابر وباء بھوٹ برط نے سے وقت اختیار کی جاتی بیں ان بی اس تدبیر کوبرط ی اہمیت ماصل سے کروبا نروہ علاقہ س کردیا جاتا ہے، بعنی مدوباں کوئی مبائے اور زوبال سے کوئی با ہرآئے۔ طب سرار ہاسال کے بعد میں نتیج بر پنجی سے وہ اس نبی اُمی میں التدعلیہ وسلم نے نما بیت سادہ ا لغا ظامیں ڈیر طرح مراد برس سے معرائے عرب میں فرمادیا تھا۔ صلی الشرعلیہ وسلم ۔

بَاكِ النَّعَ إِلْمُرنِضِ إِللَّهِ فَاءِعِنُ الْعِبْ كَالْمُ الْعُبْدَالُعُ الْمُعَالِمُ اللَّهُ عَالَمُ الْعُبْدَالُونِ اللَّهُ اللّلَهُ اللَّهُ اللّ

رعيادت ك وقت مريين ك يدشفا وكي دعاركاباك

٣٠١٧ - كَلَّاثُنَّا هَا دُونُ بُنُ عَبْدِ اللهِ نَامَكِيَّ بُنُ اِبْرَاهِ بُحَ نَا الْجُعَبْدُ عَنِ مَا مَكِيَّ بُنُ اِبْرَاهِ بُحَاءَ فِي رَسُولُ اللهِ صَالَاللهُ عَنِ مَا مُكَنِّ بُنْتِ سَعْدِ اَنَ اَبُاهَا قَالَ اللهُ عَلَى اَللهُ عَلَى اَللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى الله

عائشتہ مبت سعدرہ کا بیال ہے کاس کے ہاپ نے کہا کہ میں مکہ میں بھار دوگیا تو نبی ملی اللہ علیہ وسلم بری میاتہ کے لیے تشریف لاسٹے اورا پنا دست مہاریک میری میٹنانی مررکھا، بھرمیر سے سیلنے کومس فر مایا اور پیٹ کو تھی۔ بھر وعا، فرمانی اسے اللہ سعائے کوشفار دسے اوراس کی ہجرت کو پورافر ما دنجارتی ،

٥٠١٣ حَكَمَ ثَنَكُ اَبُنُ كَتِنْ يُرِقَالَ آنَا سُفْيَانُ عَنْ مَنْصُوْدِ عَنْ آبِى وَايْلِ عَنْ آبِى مُوْسَى الْاَشْعَرِ فِي فَالْ قَالَ دَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْ وَسَلَّوَ اَطْعِمُوا الْجَاثِعَ وَمُعْوَدُوا لُعَانِي اللهُ عَدُدُ وَالْعَانِ اللهِ مُعَدُدُ وَالْعَرْبُ وَالْعَانِ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللهُ عَل

DOCUMENTO CONTRACTOR SOUND DOCUMENTO DOCUMENTO DOCUMENTO DOCUMENTO DE CONTRACTOR DOCUMENTO DOCUM

سننابداؤد جدجارم

ا بوموسی انتعری شنے کما کرجناب رسول الشرصلی الشرعلیہ وسلم نے فرما یا: بھو کے کو کھا نا کھلاؤا ورمریف کی عیادت کروا ورقیدی کور ہائی دلاؤ۔ مفیان نے کما کرا تعانی کا معنی انتہرہے ۔ درمجادی، یہ اسکام استحباب کے سیے بھی ہوسکتے بھی قاکرا ہل اسلام میں باہمی الفت ویگا نگست بڑھے ۔ اور وجوب کے بیے بھی ہوسکتے ہیں انکین اس مورت میں ان کا وجوب بطور کفا یہ ہوگا معلاب بیرمواکہ افراد مہتو یہ محم بطور ندب واستحباب سبے اور معاشرہ سے بربطور وجوب علی سبیل الکفا یہ سے ، ہل معنی دفعہ فراد ہر بھی اس کا وجوب حتی ہوجا تا ہے ۔ در اصل یہ حالات اور اشی میں ہر مخصر ہے ۔

بَانِكُ النَّعَ إِلِلْمَرِيْضِ عِنْ مَا الْغِيَا كَتِ

رعیادت کے وقت مرتفی کے لیے دعا، کا بالل

٧٠١٧ حَكَانَكُ الرَّبِيُعُ بُنُ يَحْيَى نَاشُعُبُهُ نَا يَذِبُ اَبُوْ خَالِهِ عَنِ الْمِنْ هَالِ بَنِ عَمَرِ وعَنَ سَعِيْهِ بَنِ عَبَاسٍ عَنِ النَّيْقِ صَلَى اللهُ عَكَيْهِ وَسَلَّمُ فَالَ عَمُر وعَنَ سَعِيْهِ بَنِ عَبَاسٍ عَنِ النَّيْقِ صَلَى اللهُ عَكَيْهِ وَسَلَّمُ فَالَ عَنْ النَّيْقِ صَلَى اللهُ عَمَر اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ فَالَ عِنْ كَانَهُ سَبْعَ مِرَا إِلَسْ أَلُ اللهُ الْعَظِيْمِ الْعَظِيْمِ الْعَظِيْمِ الْعَظِيْمِ الْعَلْمُ اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ مِن الْعَلَى الْمَرْضِ الْعَظِيْمِ الْنَا اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ مِن اللهُ مِن الْمُوسِ الْعَظِيْمِ النَّهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ مِن اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ مِن اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُه

ا بن معماس سطنے روانیت کی سے کرنبی صلی الله علیه وسلم نے فرمایا جس شخص نے کسی مرتفیل کی عمیا دت حس کی موت المبی

نه آئی ہوا وروہ اس کے پاس سامت مرتبہ کہے: ا شٹاک انگوائنظیم الا «میں عظیم الشرسے موال کرتا ہوں ہوع رش عظیم کارب سے کہوہ بچھے شغاددے » توا لطرنعالی اُسے اس مرض سے عافیت دسے گا دتر ندی، نسا کی ۔ تربذی نے اسے سی غزیب کہاہے) مفسود سے پرشرط جو لگائی سے کہ: اُس کی موت ندا جگی ہو، اس کا مطلب پرسے کہوت تو لاعلاج سے اورجب اُسے گی تو مؤخر نہ ہوگی ، بل ل اگرموت مقدر نہیں تو اِس دعاء سے اس مرمین کو اِس بھاری سے مثقاء مل مبائے گی ۔

٧٠١٠ ـ كَلَّا نَكَا يَزِيْكُ مُنُ حَالِيهِ الرَّمُ لِيُّ نَا ابُنُ وَهَبِ عَنْ حَيَى بُنِ عَبْ هِ اللهِ عَنِ ا الْحُبُلِيَ عَنِ ابْنِ عَنْرِو فَالْ فَالْ النَّبِيُّ صَلَّى اللهُ عَكَيْهِ وَسَلَّحَ إِذَا جَاءَ الرَّجُلُ يَعُوُدُ مَرِيْفِنَا فَكِيَّ فُلُ اللَّهُ هُمَّ اللهُ عَبُدُكُ النَّابِيُّ صَلَّى اللهُ عَكَدُ الْوَيَمُ فِي لَكَ إِلَى جَنَازَةٍ -

ابن عمر کے کہاکہ نبی صلی الطرعلیہ وسلم نے فرمایا : حب آدمی کسی مریض کی عیادت کو حباسے تو یہ کسے : اُ لَلَّهُم اُسْفُٹِ اَ کُخُ اسے انٹراپنے بندسے کو منفاء دیے بہتر سے کسی دسٹمن کو نقصان دیے گایا تیری خاطر کسی حبا نرہ کی طرف میل کر حباسے گا راب حبان ، ابوع آل اللہ الحاکم ،

شوے نہ اس مدیث ہیں معنودصلی الٹرعلیہ دسلم نے دوکا موں کا ذکر فرایا ہے کہ دعا ہیں ان کا توالد دیا جائے۔ پہلا توجہ و فی سبیلی الٹرسیے جوا کیے عظیم کی سیےا وربعن صورتوں ہیں برعمل سے افغیل واعلی سے، عام مالات ہیں فرمش کفا یہ سے گر تعبقن دفعہ فرمش عین ہم جا تا ہے۔ دوسرا کام کسی مسلمان کے جنا نہ سے کی نما ذرکے سیے جس کرجا نا ہے جو فرمش کفا یہ سیے بعین معاشر سے ہم کہ است احتماعی، اورا فرا د ہرمند و ب ومستخب ہے ۔ پہلے عمل میں اعداد الہی کو تکلیف اور ورج

بَاتِكُكُرُاهِبَةِتُمَنِّي الْمُوْتِ

دموت کی آوروکی کرامهت کا باتشی

٨٠١س - كَلَّانْنُكَ بِشُرُبُنُ هِلَالِ نَاعَبُكُ الْوَارِثِ عَنْ عَبْدِ الْعَزِيْرِ بَيْ صُهَيْبِ عَنْ عَبْدِ الْعَزِيْرِ بَنِ صُهَيْبِ عَنْ عَبْدِ الْعَزِيْرِ بَنِ صُهَيْبِ عَنْ عَبْدِ الْعَزِيْرِ بَنِ صُهَيْبِ عَنْ عَبْدِ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَل

م و سکتا ہے کہ حبب کک عانیت دہی ڈ ٹارکا اور جب و دا تکلیف پنچی توبے صَبر ہو کر جزع و زع اور موت کی اُرز و کرنے کا ایسا شخص کو باالٹرتعا سے سے ناطق سبے،اس کے فیصلوں پر داختی شہر ہے۔اس وعادیس خاکص مشہوگی،عام زی اورن کا کا اظہار سے ۔

٩٠٠٠ حَلَّا ثَنَا مُحَمَّدُهُ ثُنَّ بَشَّارِ نَا ٱبُوْ دَاؤَ دَنَا شُعْبَهُ عَنْ قَتَا دَهَ عَنْ آضِ آبِ مَا اللهِ أَنَّ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ

دورری سندسے وہی اوم کی حدمیث واس میں ہے کہ فرمایا: تم میں سے کوئی موت کی اُرزو سرگزند کرسے ان پھر طوی حف اوم پر کی حدمیث کی اند نبایان کیا ۔

joenouterenadadon anterente en 1900 anterente anterente

بَابِ مَوْتِ الْفُجَأَةِ

دا قاتك موت كاباسك

• ١١١٠ - كَلَّ الْكُا مُسَسَّكَا دُنَا يَحْبَى عَنُ شُعُبَةَ عَنُ مَنْصُورِعَنُ تَمِيْ مِبْ سَكَمَرً أَوْسَعُ وَعَنُ تَمِيعُوبُ سَكَمَرً أَوْسَعُ وَالْمَيْ وَعَنُ آمُنَ عَنُ عُبَيْ مِنْ النَّبِي صَلَى الشَّاعِي وَحُبِلٍ مِنْ اَصْحَابِ النَّبِي صَلَى اللهُ عَكِيبُ وَسَلَّعُ وَسُلَّعُ وَسُلَّعُ وَاللَّهُ عَنْ النَّبِي صَلَّى اللهُ عَكِيبُ وَسَلَّعُ وَسُلَّعُ وَسُلَّعَ وَاللَّهُ مَا لَا مَعْ وَاللَّهُ عَنْ النَّبِي صَلَّى اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ الله

عبیدبن خا ل^{زه ش}کمی جومی صلیا لٹرعلیہ وسلم کا ایک صحا بی نقا، اس سے دوا بیت سبے کہا چا ٹک موت غفنبناک دِفرل ک*اگر*فت ہوتی سبے ،ایک بارتو یہ مدیث <mark>خا لمد</mark> نے مسندر وامیت کی اورا یک بادموقوت ۔

شی سے: علام خطابی نے کہا کہ بیرہ دیشے عبدا مٹ بن معود گا اس بن مالکتے ، ابوم رہے ہے اور عا کشرخ صدیقہ سے مروی سے گر سر مدیث میں کچے مد کچے کام سے ۔ ابوداؤ دکی ہے مدیث جو حضرت عبیات سے مروی ہے اس کی سندر کے سب ر مبال تقدیمی اور پر مسند تھبی روائیت ہوئی ہے لئذا اگر سے موقوف ما نا جائے تو مصر نہیں ، درانحا لیکر اس مصنموں میں رائے اور احبہ ادکو دفول نہیں سیے ، آسعد کا معنی ہے غضب ناک ۔ قرآن کہتا ہے ۔ نکلٹنا اُسٹی وُنا اُنگٹ مُناکم مانونوں ، انز خرف ۔ ۵۵ ۔ جب انہوں نے مہیں عصد دلایا ، دینی ہمار سے عضب کے مشتوجب کام کھے تو ہم نے انہیں مزادی م

مولانا فرملتے ہیں کہ مدیث کامعنیٰ یہ ہے کہ اچا نک بوت اللہ تعالیٰ کی نارا متلی کی علامت ہے کہ لیسے شخص کوتو بہاصلاط کی مہلت ہوں کی گریہ کا فرکے تق ہیں ہے بومن کے حق میں اچا نک ہوت ورد ناک اور شدید ہونے کے باعث رحمت ہے۔ میں یہ عرض کرتا ہوں کہ اگرا جانک موت میں ہوتی ۔ ہے ، بلکہ بعض روایا ت کے مطابق بحرق ، عزق ، ہرم و فنے وکی اچا نک ایما ندار نول سے مق میں اچا نک موت اچی ہوتی ۔ ہے ، بلکہ بعض روایا ت کے مطابق بحرق ، عزق ، ہرم و فنے وکی اچا نک موت شادت کا ایک درم بھی رکھتی ہے مگراس کے برعکس بعن لوگوں کے تق میں ایٹر تعالیٰ کی نا دا مسکی کی علامت ہو تی سے کہ تو رہ کی مہلت نز مل سکی ، اپنی اصلاح نز کرسکا ، آخریت کی تیا ری کا موقع نز مل سکا وغیر و و فیرہ ۔ میس مطلب یہ ہوا کہ اس معلسے میں بھی اشخاص وا موال کے افتلاف کو دخل صاصل ہے ۔ والٹ اعلم ۔

كانها في فضل من مان بالطاعون

وطاعون سي مرف واسے كى فىنىلىت كا باشكى

الاس حلّانك الْقَعْنَبِي عَنْ مَالِكِ عَنْ عَبْدِ اللّهِ بْنِ عَبْدِ اللّهِ بْنِ عَبْدِ اللّهِ بْنِ عَلِيلِكِ

عَنُ عَتِيَكِ بَنِ الْمَحَادِبِ ابْنِ عَتِيبُكِ وَهُوَجَلَّا عَبُدِ اللهِ بْنِ عَبُدِ اللهِ أَبُو أُوِّ وَأَنَّهُ أَخْبَرُكُ أَنَّ عَتْ هُ جَابِرُ بُن عَتِيْكِ أَخْبُرُهُ أَنَّ رَسُولَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَكَيْ وَيَسْتُوجُاءَ يَجُوْدُ عَبْ كَا لِلَّهِ (بُنَ تَابِيتِ فَوَجَكَا لَا عَكُا عُكِبَ فَصَاحَ بِهِ رَسُمُولُ اللَّهِ صَلَّى اللّهُ عَكُهُ وَسَنَّوَ فَكُورُيجِبُهُ فَاسْتَرَجَعَ رُسُولُ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَكَّرَ وَ فَالَ عُلِبُنَا عَلَيْكَ بَا أَبَا الرَّبِيعِ فَصَمَاحَ السِّنَوَيَّةُ وَبَكَيْنَ فَجَحَلَ ابْنُ عَتِيْكِ يُسُحِثُهُ تَ فَقَالَ رُسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوُ دَعُهُ قَ فَاذِهُ ا وَجَبِّ فَلَا تَبْكِينُ بَالِيهُ تَاكُوْا وَمَا الْوُجُوبُ يَارَسُولُ اللهِ قَالَ الْمُوتُ قَالَتُ إِبْنَكُهُ وَاللَّهِ إِنْ كُنْتُ لَارْجُورَانُ تَكُونَ شَهِيُدًا فَإِنَّكَ قَلَاكُنْتُ قَضَيْتَ جِهَا ذَكَ قَالَ رَسُولُ اللَّهِ صَلَّى الله ْ صَكَّى اللهُ عَكَيْهُ وَسَلَّوُ إِنَّ اللهُ عَنَّ وَجَلَّ قَدُ أَوْقَعُ أَجُرَهُ عَلَىٰ قَدُهُ لِ نِتَنِهُ وَمَا تَعُتُّدُونَ الشَّهُادَةَ قَالُوا أَلْقَتُلُ فِي سَبِيْلِاللَّهِ قَالَ رَسُولُ اللَّهِ صَالَى اللهُ عَنَيْهُ وَسَكُو َ الشَّهَا الدَّهُ سَهُمَّ سِوَى الْقَتْلِ فِي سَبِيُلِ اللهِ الْهُوَ الْمُطْعُوثُ شَهِيئًا وَ الْغَرِقُ شَهِبُ لَا وَصَاحِبُ وَاحِ الْجَنْبِ شَهِينَكَا وَالْمَجُ طُونُ شَهَيْكًا وَصَاحِبٌ فَيْ (لُحَوِثِيقِ شَرِكِيتُنَا وَاكْنِي كَيْمُوتُ تَحَت الْهَدَمِ شَرِهِينَكَ وَالْمَثُوثُ تُمُوتُ لِجُمْعِ

میں ڈوسبنے والاشیدسے اور نمونی کی ہمادی عمز بالانمیدے ،اور میسنے عسے مرنے والاشید سے اور آگ میں مل کرمنے والا مہید سے اور مجب ملایا کسی اور چیز کے نیچے آجانے والاشید سے اور جوعو دکت ولادت کی تکلیف سے یا با کرہ مرجائے وہ شہد سے دنسا کی ،ابن تا جہ، مؤتلاً ،

شوحے، حفنورہ نے روسے والی عور تول کورو کئے سے منع فر ما دیا کیونکران کا نوسے اور ہین کی مدت ک بدہنچا تھا۔ دلائل شرع سے نابت ہے کہ شہید نی سبیل انٹر کے ساتھ محفوص میں اسے نابت ہے کہ شہید نی سبیل انٹر کے ساتھ محفوص میں اورا زروسے کہ آب و سنت قتل فی سبیل انٹرا شرف موت ہے۔ باتی بیما ت لوگ بھی شہا دت کا ایک مرتبہ بالیتے ہیں اور از دوسے کتا ہو و سنت قتل فی سبیل انٹرا ہوئے ۔ ان ہی مجف ا بہا تک مرف واسے بھی واضل ہیں ، ہمی سبب ہے کہ اوپ کی مدیث کی شرح ہیں ہم ہے با عدف میں ہوت بعض سے سے کہ اور بعض و فدایک کی مدیث کی شرح ہیں ہم ہے یہ کہ کا ایسے بھی ہوتی ہے ۔ اور بعض و فدایک کی مدیث کی شرح ہیں ہم ہے یہ کا در سے اور اور ایسے ابھی ہوتی ہے ۔

بَالْكِ الْمَرْضِ بُوْحَنَّ مِنْ أَظْفَارِهِ وَعَانَتِهِ

و داکیب مرمفن کے نانحن ور فا لتوبال اڑا دسیے جائیں _ک

١١١٧ - كَتَّا ثَنَا مُوْسِى بُنُ إِسْمُعِيْلَ نَا إِبْرَاهِ يُحْبُنُ سَعُهِ اَنَا اَبْنَ شِهَا بِ اَخْبُرَ فَي عُمُرُبُنُ جَارِيَةَ الشَّقُعِيُّ حَلِيفُ بَنِي زُهْرَةً وَكَانَ مِنَ اصْعَابِ اَفِي هُرُيْرَةً عَنَ اِفَى هُرُورَةً فَالَ إِبْنَاعَ بِنُوالْحَارِثِ بْنِ عَامِرِ بِنِ نَوْفِلٍ جُبَبُّا وَكَانَ مُحْبَبُ وَكَانَ مِنَ انْوفِلٍ جُبَبُهُ وَالْمُوسِ الْمُحَلِّ الْمُحَلِّ الْمُحَلِّ الْمُحَلِّ الْمُحْبَلِينَ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهِ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ الل

شهرسے به فهبرده کی گرفتاری اوران کے ساتھیوں کے قنل کا واقعہ اوپر گزدجکا ہے رسول الله صلی الله علیہ وسلم نے دس آدمیوں کوم سیوں کوم سیوں نامتر دنایا تھا۔ یہ ہوگ جب عسفان دس آدمیوں کوم سیوں ناکر جبیا تھا۔ یہ ہوگ جب عسفان اور کہ سے درمیان چنچے تو ہو کھیاں نے انہیں آگھیرا اور تیرانلانری کر کے سات آدمیوں کوشہد کر ڈالل فہبیب دہ ، زید رون اور کہ سے اور ایک اور آدمی کے سیونے آتر آئیں اور مزاحمت ترک اور ایک اور آبی کی جبیان سے ان سے بختہ عمد و میٹاق کیا کہ اگروہ شیلے سے نیچے آتر آئیں اور مزاحمت ترک کر دیں تو انہیں قبل نہیں کیا جائے گا ۔ یہ تینوں صفرات نیچے آئی آئے تو اُن آریا نیوں نے انہیں اپنی کمانوں کے تا نت سے با ندھ لیا ۔ بر میں اور زیرون کو گئے ہے ماکہ نیچ ڈاللا تمریس اور زیرون کو گئے ہے ماکم نیچ ڈاللا تاکہ قریش ان سے اپنے مقت وہ کا بر دے سکیں ۔

اً بودا و د فرد سفراس مدیث سے میراستدلال کیاہے کرمریفی تھی تیدی کی مانند بہوتا سے جوعنقریب خدا کے حضور بیش ہوگا، لذا است حبم کو پاک مما ف کر مینا جا ہیے۔

المَا يُسُتَعُبُ مِن حُسُنِ الظِّنِ بِاللَّهِ عِنْ مَا الْمُؤْتِ

رموت کے وقت السرکے ما تقص فلن رکھنے کے استحباب کا بائے،

سر ۱۳۱۱ مسكانكا مُسكَادٌ نَاعِيْسَى بُن يُونِسُ نَا الْاَعْمَتُن عَن آبِي سُفيَيان عَن كَبِرُونِ مَن الْاَعْمَتُ عَن اللهِ عَلَيْهِ وَسَلَمَ مَعُونَ وَمَن كَوَ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ مَعُونَ وَسَلَمَ وَسَلَمَ مَعُونَ وَسَلَمَ مَعُونَ وَسَلَمَ وَسَلَمُ وَسَلَمَ وَسَلَمُ وَسَلَمَ وَسَلَمُ وَسَلَمَ وَسَلَمَ وَسَلَمُ وَسَلَمُ وَسَلَمُ وَسَلَمَ وَسَلَمُ وَسَلَمَ وَسَلَمَ وَسَلَمُ وَسَلَمَ وَسَلَمَ وَسَلَمُ وَسَلَمَ وَسَلَمَ وَسَلَمَ وَسَلَمَ وَسَلَمُ وَسَلَمُ وَسَلَمَ وَسَلَمُ وَسَلَمُ وَسَلَمَ وَسَلَمُ وَسَلَمُ وَسَلَمُ وَسَلَمُ وَسَلَمُ وَسَلَمُ وَسَلَمَ وَسَلَمُ وَاللّهُ وَسَلَمُ وَاللّهُ وَسَلَمُ وَاللّهُ وَالْمُوالِمُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَالْمُ وَاللّهُ وَالْ

مباربن مبدالشرنے کہا کہ ہیں نے دمول الشرصلی الشرعلیہ وسلم کواپنی وفات سے بین دن بہلے یہ کہتے ہوئے سنا معلمہ دست میں سے کوئی ندمرے مگراس حال ہیں کہ وہ الشر کے ساتھ ایھا کمان رکھتا ہو دمسلم، ابن ماجہ ، ابن ماجہ ، کہتے ہوئے سنا معلم اسنن ہیں کہا کہ الشد کے ساتھ حس وان وہی رکھ رکتا ہے جس کے عمل اچھ ہوں، گویا کہ حضور شنے یو ں معلم میں استان میں کہا ہوگا ۔ اور میں سے کہ: اچھے اعمال کرو تاکم انتظامہ کے ساتھ تھا را گمان انجام وجا سے ، کہونکہ جس کا عمل بھرا ہوگا اُس کا خان ہی بھرا ہوگا ۔ اور میں الشد تعالیٰ کے ساتھ حسن علی اندلاہ المید بھی ہوسکتا ہے کہ وہذات کرم عفور ورسیم ہے، گنا ہ بخش و سے ۔ دا نعی اسے کہ وہذات کرم عفور ورسیم سے، گنا ہ بخش و سے ۔ دا نعی اسے کہ وہذات کرم عفور ورسیم سے، گنا ہ بخش و سے ۔ دا نعی اسے کہ وہذات کرم عفور ورسیم سے، گنا ہ بخش و سے ۔ دا نعی اسے کہ وہذات کرم عفور ورسیم سے، گنا ہ بخش و سے ۔ دا نعی اسے کہ وہذات کرم عفور ورسیم سے، گنا ہ بحث و سے ۔ دا نعی اسے کہ وہذات کرم عفور ورسیم سے، گنا ہ بحث و سے ۔ دا نعی اسے کہ وہذات کرم علی استحداث کے دور میں دیا تھا کہ میں استحداث کرم اس کے درم میں استحداث کرم علی استحداث کی دور میں دیا تھا کہ دیا تھا کہ دور میں دیا تھا کہ دور کرم کی درم کی دور میں دیا تھا کہ دور کی دور کی درم کی دور کی دور کی درم کی دور کی درم کی دور کی درم کی دور کی درم کی

بَا مِكْ مَا يُسْنَعُ بُ مِنْ نَطْمِ يَزِيْنِيابِ الْمَيْنِ عِنْ كَالْمُوتِ

دموت کے وقت میت کے پڑو ل کو پاک کرنے کے استحباب کا با ب،

م ١١١ - كَلَّا ثَنَكَ الْحَسَنُ بْنُ عَلِيّ نَا ابْنُ آفِى مَرْبَحِ اَنَا بَغِيى بُنُ اَيُّوْبَ عَنِ ابْنِ الْهُ الْمُوادِعَنُ مُحَتَّى دِنِ إِبْرَاهِ مِنْ عَنْ الْمُنْ الْمُنْ مَنْ مَنْ الْمُنْ اللَّهُ لَمَنَا اللَّهُ الْمُنْ اللَّهُ مَنْ اللَّهُ الْمَنْ اللَّهُ مَنْ اللَّهُ اللَّهُ مَنْ مَنْ اللَّهُ مُنْ اللَّهُ مَنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مَنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مَنْ اللَّهُ مَنْ اللَّهُ مَنْ اللَّهُ مَنْ اللَّهُ مَنْ اللَّهُ مَنْ اللَّهُ مُنْ اللَّهُ مُنْ اللَّهُ مَنْ اللَّهُ مُنْ اللَّهُ مُ

ابستہ نے کہا ہے کہ جب ابوسعہ فدری رہ کی موت کا دقت قریب آیا توانہوں نے نے کپڑے مگو کم مہتے ہے کہا ہیں تعرب اسلام اللہ مارے کا ۔

رسول النہ صلی الشرعلیہ وسلم کو فرما ہے سنا بھا کہ مرنے والاجی کیڑوں ہیں مرابھا انہیں ہیں اٹھا یا جا گے گا۔

متی سے : علامہ عطا بی ہ نے کہا ہے کہ ابوسعہ رمانہ کا طاہری معنی مراد لیا ہے اورا جھا کھی بہنا نے کی ترضیہ کئی امادیث میں آتی ہے۔ بعض علماء نے اس محدیث کا معنی اس کے مطابق اس کا میں اسے بیرماد لیا جا سکتا ہے مطلب یہ ہوا کہ مرنے والاجس قدم کے اپھے یا بر سے اعمال بر مراائی کے مطابق اس کا میں اور جو تھی اسلام اللہ اسلام کے مطابق اس کا میں میں اور ہو تھی اسلام اللہ اسلام کے مطابق اس کے میں مور اسے میں اور میں میں انہاں میں اور میں مور کی اسلام اللہ اسلام اللہ کا میں اسلام کا میں اسلام کا میں اسلام کا میں میں انہیں جمع کہ نام ہے ، بیں بعث آو کہ بوت اور ویش سے مراد میدانی میں انہیں جمع کہ نام ہے ۔ اسلام کا با جا تا ہے اور دوشر سے مراد میدانی میں انہیں جمع کہ نام ہے ۔ اس میں انہیں جمع کہ نام ہے ۔

كاكما يُقَالُ عِنْكَ الْمَيَّتِ مِنَ أَلْكُلُامِرِ

(بال بتیت کے پاس کون کی بات جیت مستحب ہے

٣١١٥. حَكَّا تَنْنَا مُحَدَّدُهُ ثُنُ كَتِبْهِ (نَاسُفَيَاتُ عَنِ الْاَعْمَيْنِ عَنْ إَبِي وَالْمِلِ عَنْ أُمِّرِسَلَمَةً قَالَتُ فَالَ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَتَّوَا ذَا حَضَرُتُكُو الْكِيبَتُ فَقُوْلُوا خَيْرًا فَاِتَ الْمَائِكَةَ يُؤُمِّنُونَ عَلَىٰ مَا تَقُولُونَ فَلَمَّا مَاتَ اَبُوسَلَمَ قُلْتُ يَارَسُولَ اللهِ مَا أَقُولُ فَالَ قَوْلِي اللَّهُ مَّ اغْفِرُكَهُ وَاعْقِبُنَا عُقِبِكَ مَّالِحَةً فَالَتْ فَأَغْقَبُنِي اللَّهُ تَعَالَى بِهِ مُحَمَّدٌ اصَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ.

ا م سلمدر صنی المتدع نها نے فرما باکہ حبناب رسول الته دسلی الته علیہ وسلم کا ارشا دہیے. جب تم مئیت کے ماس حاصر ہو تواقیمی ہا تیں کہو کیو نکہ فرشتے تمهارے اقوال رہے آ میں <u>کہتے</u> ہیں بس عب ابوس مؤنوت ہوئے تو میں نے کہا یار سول اسٹر صلی اسٹر علیہ وسلم میں کیا کہوں؟ آبؓ سنے فرما یا کہ بول کہ :ا سے انٹداست بخش د سے اور یمیں نیکے عوض عطا کمہ ام سلمہ شنے کہا کہ سس ب العلد تعاليے نے مجھے بدیے میں فحرصلی الشرعلیہ وسلم و ہے ^{ترسل}م، تریذی، نسائی ، ابن ماحبی ام سلمی^{م ک}ے پہلے نما وزر کا نام ا بوسائيه منا، وه سبنگ احدين شهيد موسف تقي، اورام سليد رسول الشرسلي الشرعليدولم ك نكاح من أى تفين -

بانك في التُّلُقيْنِ

٣١٠- حَكَّانُنَا مَالِكُ بُنُ عَبْدِ الْوَاحِدِ الْمِسْمَعِيُ نَا الضَّحَاكُ بُنُ مُخَلَّدٍ نَا عَبْكُ الْحَمِيْدِ بُنُ جَعْفِرِ قَالَ حَمَّاتَ بَيْ صَالِحُ بُنُ آبِي عَرْبِ عَنْ كَيْبُرِ بُنِ مُرَّدَّةٌ عَنْ مُعَاذِبُنِ جَبَيِ قَالَ قَالَ وَالْ رَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَيَسلَحُ مَن كَانَ انْحُرِكُلُامِهُ لَا إِلْهُ إِلَّا اللَّهُ دَخُلُ الْجَنَّةَ -

معاذبن جبل سننے كهاكدرسول الله صلى الله عليه وسلم نے فرمايا جس كا آخري كلام كذالله الدالله مجاوه و وجنت ميں داخل بوكياداسى مديث كي بنادية قرب الموت شخص كماسيني لا الدالا الله كا دكم كياما الباسي، ميساكدا كا الموت م

عُالْسُ حُكُّا ثُنُّنَا مُسَكِّدً نَا بِشَكِرَ نَا عُمَارَةُ أَبْنُ غُزَيَّةَ نَا يَخْيَى بُنُ عُمَارَةً خَالَ سَمِعْتُ اَبَا سَعِبْ بِإِلْخُلَادِ تَى يَفُولُ فَالْ دَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَحَ لَقَانُوا مَوْنَا كُمْ قَوْلَ لَا إِلٰهُ إِلَّا اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَحَ

ابدمعیدا بزری در کتے سے کردسول صلی الله علیہ وسلم نے فرما یا: اپنے مرنے وابول کو لآإلا الله کی ملقین کمرور م

مشی سے نہ مُو تَاکُمُ سے مرا داس حدیث ہیں وہ لوگ ہیں جو قریب الموت ہوں، علامات مرگ ان پر طا ری ہو مائمیں ان کے ما سے کلہ توصید یا کلہ شہا دت کا ذکر کیا جائے۔ آباد لبند برخ صا جائے تاکرا نہیں ترغیب ہواور وہ مبی اس کا تلفظ کمریں ۔ اسی طرح ایک اور مدیث ہیں حضور کا بدار شا دسے کہ: اپنے مرقے والول پر سور ہُ لیسی پڑھو مرفے والوں سے مرادوہ ہیں ہوعنقر سب مُردہ ہوں گے۔ بہ حکم ندب واستحباب سے سیے مگر بعض علماء کے نزدیک وج ب کے لیے سے ۔

كأنب تغييض السيب

رمت کی انکھیں جدکرنے کا بالب،

ام سلدر صی الله عنها سے روایت سے کر رسول الله صلی الله علیہ وسلم البرسلدرة بردا فل ہو سے اوراس کی آنکھیں کھی تقیق آ پس آپ نے انہیں بند کر دیا ۔ اس کے گھر کے لوگوں میں سے معفی نے شور عیا یا تو رسول الله صلی الله علیہ وسلم نے قرا ایک اپنے لیے
انچی دخاد کے سواکچہ رہ کہ وکیو نکہ فرسٹ تدان ما تو ں بر آمین کہتے ہیں ہوتم کہتے ہو۔ بھر آپ نے فرا یا : اسے اللہ الوسلم رہ کو تخش
دے اوراس کا در مبر بدایت یا فتاگان میں بلند کر اور ، پھیلے لوگوں میں جواس کے اقادب ہیں اس کا تو قائم مقام بن اور اس کے
در تب العالمین ہمیں اور اس کو بخش و سے اسے اللہ اس کی قبر کو فراخ کر اور اس کے لیے اسے روش کر دسم ، ابن ما میر ، نسائی ،

بالب في الرسورياع

دا تالله وازًا البيرُ وَاجِعُونَ كَيْحُ كَاباتِ،

٣١١٩ - كَلَّانْنُكُأْ مُوْمِى بُنَ إِسِمْعِيْلَ نَاحَتَاذُ آنَا ثَابِتَ عَنِ ابْنِ آنِ سَكُمَةَ عَنُ اللهِ عَنَ اللهُ عَكَيْهُ وَسَلَّمَ قَالِتُ قَالَ رَسُولُ اللهِ عَلَى اللهُ عَكَيْهُ وَسَلَّمَ قَالِدُا آصَا بَتُ اللهُ عَكَيْهُ وَسَلَّمَ قَالِدُا آصَا بَتُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمَ قَالَ اللهُ وَ إِنَّا إِلَيْهِ مَا يَكُولُ إِنَّا إِلَيْهِ وَإِنَّا إِلَيْهِ وَإِنَّا إِلَيْهِ وَإِنَّا إِلَيْهِ وَإِنَّا إِلَيْهِ وَإِنَّا إِلَيْهِ وَإِنَّا إِلْهُ فَي اللهُ عَلَيْهُ وَلَا اللهُ اللهُ مَعْ عِنْدُ لَا أَكْتُسُ مُنْ مَنْ فَا إِنْ إِنْهُ الْمُنْ إِنْ إِنْهُ اللهُ عَنْ إِنْهُ اللهُ اللهُ

المستعمرة من كهاكردسول النوسلي الشرعليد وسقم في الأعبب في سيرس كوكوئ معيب بين الووه والكولواغ كسكسة واود كهري اسان الشرمي تجد سعري ابني مصيبت كااجر ما نكنام ول، بي قو مجد اس مي اجرع طاكرا ودمير سے ليے اس معيب س

کے بدسے خیرکو تبدیل فرنا دے دمسلم ، نسانی ، مشی ح ، ۔ استر مباع ر إذا پیٹردا ہیڑھنا ، رمنا با بق

مشی سے : استرجاع د إنّا بِنُدِرائِ پُرُهنا ، رمنا با نقضا ، کا اظہار سے مصیبت توہر مال مصیبت سیے اور سرا کیک کوآ جاتی ہے جزع فرع اور سے صبری کے اظہار سے البا کرنے والول کو کچے بھی ماصل نہیں ہوتا ، ہاں اپنی ہے صبری کا فہوت صرور دیتے ہیں ، گرمومن اس نا مثن کو الٹرکی طوٹ سے شدنی جان کرمعا ملہ الٹرہی کے ربر دکتے سیے اوراکسے اطمینان وسکول ملا سنے ۔ استرجاع کا معنی سے ۔"ہم الٹر ہی سے سیے ہیں اور ہم اس کی طوف نوط جانے واسے ہیں ۔ ان کلمات سے ایمان کا اظہار ہوتا ہے ۔

كالمتاك في الكبيت بست جى

معدد المسترون الترخير المسترون كالمنظمة المسترون المسترون الترخير الترخير الترخير الترخيري عن الترخيري الترخيري الترخيري الترخيري التركيري التركير

بأعب الفراءة وعنه الميتت

دمتیت کے پاس قرأت کا بائ،

١٩١٧ حَكَّ ثَنَّامُ حَتَى مُن الْمَكَاءِ وَمُحَمَّدُهُ الْمُكَاءِ وَمُحَمَّدُهُ الْمُورِدِيُّ الْمِرُودِيُّ الْمَعْنَى قَلَالَ اللَّهُ عَنْ اللهُ اللهُ

بیا ن ، حشرونشر، قیامت کے میدان کے احوال ، حساب وکتاب، جزاء وسرای ومنیں وکفار کا فرق، انسانوں کا آخری فیصلہ اور نریب و برکا انجام . لہزااس سورت کو قرب الموت انسان پربٹر صفے کا سکم دیا گیا تاکہ اس کا بمان تازہ ہو، توبہ ک توفیق سلے اور خاتمہ ایمان پر ہو۔ ابن ابی اکد نیا ور دہیتی کی روایت ابوالدر داورہ سے سیے کہ جب شخص بہر پیورہ کی بین بڑھی جائے اس بہر موت کی سختی آمان کی جاتی ہے ۔ ایک میسمجے مدیث میں سیے کہ لیٹین قرآن کا دل سیے ، جو بندہ آخرت کو بانے کے اراد سے سے اسسے بڑا ہے گا النڈ تعاشے اس سے گریشتہ گناہ معاف کر دے گا بس اسے مرنے وا بول سے باس پڑھا کہ و ۔ میت سے مراداس مدین میں قریب الموت شخص سے یعن کے کنر دیک مردہ بھی مراد سیے اور بعض روایات میں زیارت قبور سے کے وقت اس سورت کا پڑھھنا آیا ہے ۔

> كَالْمِصْ الْجَاوْسِ عِنْهَ الْمُصِيبَةِ وَ ومست عورت بنطف كاباث

٣١٢٧ - كَلَّاثَنَّا مُحَمَّدُهُ بُنُ كَثِيرِ نَاسُلِينُا نُ بُنُ كَثِيرِ عَنْ بَحْيَى بُنِ مَبِعِيْدٍ عَنْ عَمُرَةً عَنْ عَارِّشَةً قَالَتُ لَمَّا قُرِّلَ زَبُهُ بُنْ حَارِثَةَ وَجَعْفَرٌ وَعَبُمُ اللَّهُ بُثُ دَوَاحَة جَسَرَ رُسُولُ اللَّهِ عَسَلَى اللَّهُ عَلِيْهِ وَسَلَّوَفِي الْمَسْجِدِ الْعُرَفُ فِي وَجُهِهِ الحُذُنُ وَ ذَكَ الْقَصَّةَ .

عائشرمنی الشرعنا سفر ما یا که حب نرید بن مار فرخ اور حبه اور عبدالشد بن دوا میشید بوسے تورسول الشرصلی الشد علیه وسلم مجدی بیبیطی اب کے چہرے پرغم بہیا نا جا تا تھا، اور بھرلاوی نے تصدیبان کیا دبارتی مسلم، نسآئی ، مشکر بندی حبر بیات کے تقاصفے سے آپ کے چہرے سے اس کا ظہار ہوا۔ اس مدیث سے بتہ چلا کہ احوال ہیں اعتدال ہی سیدھی لا ہ ہے ۔ بس جسے مصیبت آئے وہ اظہارِ غم ہیں افرا طانہ کردے مثلاً منہ بہت بان بھاؤ نا اور نو صرفوالی کمہ نا ۔ اور اس سلسلے میں تفریع بھی درست نہیں جھنوں کا تا عدہ ہی ہے کہ کو نا وال میں میں بیات اور اس سلسلے میں تفریع بھی درست نہیں جھنوں کا تا عدہ ہی ہے کہ کہ کا متعدل میں میں بھی اور اس سلسلے میں تفریع بھی درست نہیں جھنوں کا معدد میں سے کہ کہ کا متعدل میں میں بھی تا ما کہ ان اور با تھ کا استعمال نہ ہو ۔ حضوں کا معبد میں بیات ایک کہ نا کہ استعمال کے تا دو الدہ با سے اسے بھا دی سے میں اور اور نے جس قصنے کا حوالہ دیا ہے اسے بھا دی سے معادی سے بیان کیا ہے ۔ تعمیل سے بیان کیا ہے ۔

بَنِينَ فَتُلَاثِ إِن اللَّهُ فَرَيْدُ

رتعربت كا باتب، سارت كالنائك كَيْرِيُكُ، فَي خَالِدِ أَنِ عَبْدِ اللهِ ابْنِ مَوَهَبِ الْهَدَّ مَا إِنَّ خَالَ فَا رَّكُمُفُصَّلُ عَنُ رَبِيعَتَ بَنِ سَيُعِنِ الْمَعَافِرِيِّ عَنَ اِبْ عَبْدِالْرَّحْمُنِ الْحُبْلِيَّ عَنَ عَبْدِاللهِ بُنِ عَنْدِ وَبِالْعَاصِ قَالَ تَبْرُنَا مَعَ رَسُولِ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ وَانْصَرَفُنَا بَعْنِي مَتِّنَا فَلَمَّا فَرَغْنَا انْصَرَتَ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ وَانْصَرَفُنَا مَحَهُ فَلَمَّا عَاذِي بَابَهُ وَقَفَ فَإِذَا نَحْنَ بِامْرَا يَا مُعَالِلهِ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ وَانْصَرَفُنَا مَحَهُ فَلَمَا عَالَمَ اللهِ عَلَيْهِ مَنْ اللهِ عَلَيْهِ مَنْ اللهِ عَلَيْهِ مَنْ اللهِ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ وَاللهِ مَنْ اللهِ مَنْ اللهِ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ وَاللهُ اللهِ عَلَيْهِ مَنْ اللهِ عَلَيْهِ مَنْ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهُ اللهِ عَلَيْهُ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهُ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهُ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهُ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهُ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهُ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهُ اللهِ عَلَيْهُ اللهِ عَلَيْهُ اللهِ عَلَيْهُ اللهِ عَلَيْهُ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهُ اللهِ عَلَيْهُ اللهِ عَلَيْهُ اللهِ عَلَيْهُ اللهِ عَلَيْهُ اللهِ عَلَيْهُ اللهِ اللهِ عَلَيْهُ اللهِ اللهِ عَلَيْهُ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَيْهُ اللهِ اللهِ عَلَيْهُ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُو

عبداللہ بڑنا مون العاص نے کہا کہ م نے دسول الٹر صلی اللہ علیہ وکم کے ساتھ ایک بیت کو ونن کیا بجب ہم فارع بھٹے تو سول الٹر صلی اللہ علیہ وسلم واپس بوٹے اسے ہم فارع بھٹے تو سے بہت ہم نے ایک عورت کو آتے دیمھا، عبداللہ ضائے کہا کہ میرے نویا ہیں آپ نے اسے ہم فان ایک اسے مسامنے وہ فیل گئی تو معلوم ہوا کہ وہ فاطر ہو تھی ۔ رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم نے اس سے فرما یا جا سے فاطر ہو آتو اپنے گھر سے کھول نکی تھی ؟ فاطر ہو نے کہا یا رسول اللہ میں اس رصعیت ذرہ ، گھر والوں کے ہاں گئی تھی اور ال سے اظہارِ رحمت کیا تھا، یا یہ کہا کہ میں نے اس سے فرما یا کہ نایا یہ تو اس نے کہا کہ میں نے اس سے فرما یا کہ نایا یہ تو اس نے کہا اللہ کی بنا ہ ، میں آپ سے میں خوج کھر آٹ اس سلسلے میں فرما نے دستے بعضوں اللہ علیہ وسلم نے فرما یا کہ اس سے مراد قبو دہیں وانسا تی کہ میں نے کہا کہ میں اس سے مراد قبو دہیں وانسا تی کہ میں نے کہا میں اس سے مراد قبو دہیں وانسا تی کہ میں نے کہا ہم ہیں اس سے مراد قبو دہیں وانسا تی کہ میں نے کہا ہم ہے کہا ہم ہیں ہوئے کہا ہم ہے کہا ہم ہیں کہا کہ میں اس سے مراد قبو دہیں وانسا تی کہ میں اس نے کہا ہم ہے کہا ہم ہیں کھر کا میں اس سے مراد قبو دہیں وانسا تی کہا ہم ہیں نے کہا ہم ہیں تھر دہ میں میں میں تو میں میں میں کھر کا میں اس سے مراد قبو دہیں وانسا تی کہا ہم ہوئے کہا ہم ہوئے کہا ہم ہیں اس سے مراد قبو دہیں وانسا تی کہا ہم ہوئے کہا گھر کی کہ جو اللہ ہم ہوئے کہا ہم

شی سے بہ خطابی نے کہا ہے کہ کڑی کہ کہ جہ ہے جوزی سے سخت محکوب کو کہتے ہیں۔ اور قبری سخت زہین ہیں کھودی ا جاتی قتین تاکہ ڈسے مزماً ہیں ، اہل عرب جب سی شخص کو بہوٹ یاری اور عقل و صلابت سے موصوب کریں ہو کتے ہیں ، وہ توسخت نرمین کی گوہ ہے ، اکٹری کا معنی ہے: اس نے زمین کھودی حتی کہ سخت ندمین بر بہنچ گیا ، اور یہ ایک حزب الشل ہے جوالیسے فعص سے لیے استعمال ہوتی ہے جو بہت محنت کر سے کھر کا میا ب نہ ہو۔ اس مدیث کے اثر میں جو یہ فقرہ ہے کہا ہے نہ اس معاطے میں تشدید کا ذکر کیا، است نسآئی نے بیان کیا ہے کہ اگر تو اُن کے ساتھ دیاں جاتی تو او اُس وقت کہ جنت کو

كالمي الصبرعت المويبة

شعرح: اس بورت کومنع فریا نے کا باعث اس کی نوم گری اور بین سے جیسا کہ بھی بن کثیر کی مرسل روا یت بین کیا ہے۔ وہ عورت اس وقت ابنی مصیبت کے باعث آپ کوپچاں دسکی اور ایک عام آدمی سم پر کر نظام گستا خانہ بات کہہ دی کمی نے اس سے کہ کہ یہ تورسول الشرصلی الشرعلیہ وسلم ہے تو وہ بولی جھنوٹو کو میں نے بھی نقاء ابو تعلیٰ کی روا یت ہیں ہے کوایک شخص دالفقل بین عباس نے کہا کہ نہیں بقاء ابو تعلیٰ کی روا یت ہیں ہے کوایک شخص دالفقل بین عباس نے کہا کہ نہیں بستنم کی روا یت ہیں ہے کوایک شخص دالفقل بین عباس نے کہا کہ نہیں بستنم کی روا یت ہیں ہے کوامس بورت کو بہت جا ہو تھا کہ یہ درسول الشرصلی الشرعلیہ وسلم ہیں تواز ڈونج اس و بہیبت اسے یول لگا بصیبے اس برموت طاری ہوگئی سے اور وہ فرد میں میں ماصر ہوئی ۔ وہا تا ہے وہ میں ایک ایک میں میں بین ہوتا ہے ورد اور کے درست ہیں ماصر ہوئی۔ وہا تا ہے اس سے جھنوڑ نے ادرائ وہا با کہ صبر صدے کی انبرا اس ہوتا ہے وہ دولواب اگر سے نوا بتدا دی حصر سریہ ہے ۔

بَاكِ فِي الْبُكَاءِ عَلَى الْمِيَّاءِ عَلَى الْمِيَّاتِ

٢٠١٥ - كَلَّانُكُ الْهُوالُولِيْ الطَّيَّالِسِيُ نَا شَعْبَهُ عَن عَاهِرِ الْاَحُولِ قَالَ سَمِعْتُ اللهُ عَن اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ الل

اسامہ بن زیدرہ سے روایت ہے کہ رسول اللہ مسلی اللہ علیہ وسلم کی ایک بیٹی نے آپ کو بنیام بھیجا، اوراس وقت بس اور رسعت اور میرے عیال بین آئی ہو ایس اور اس وقت بس اور سعت اور میرے عیال بین آئی ہو ایس میں ایس کے ساتھ سے، بینام یہ تھا کہ میرا بیٹا یا بیٹی قریب الموت ہے آپ تشریف لاہیں ۔

اور سعنو رض نے اس میٹی کوسلام بھیجا اور بیٹام و یا کہ کہو بہو کچہ سے بے وہ الشدہی کا ہے اور تو عطا کرے وہ بھی اور مرح نہاں کے اس کے تو بجہ آپ کا خواس کے باس کے تو بجہ آپ کی گور میں دکھا گیا اور اس کی جان اضطراب میں تھی اس بر حضور مسلی اللہ علیہ وسلم کی آئی تکھوں سے آنسو بہ کئے کہیں سعد دہ نے اس کے اور استرا ب

acceerterangementerecerterecentangementerecentengementerecentengementerecentengementerecentengementerecentengem

٣١٢٧ - كَتْلَاثْنَا شَيْبَانُ بُنُ فَرُوْحَ ثَنَا سُيهَانُ بُنُ الْمُوْبَرَةِ عَن ثَابِ الْبُنَانِ عَن الْمُوبَرِةِ عَن ثَابِ اللّهِ عَن اللهِ عَن اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ وُلِا بَالِي اللّهِ عَن اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ وُلِا بَالِي اللّهِ عَن اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ وُلِا بَاللّهِ اللّهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ وَلَا اللّهِ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ وَلَا اللّهِ عَلَيْهِ وَسَلَمَ وَلَا اللّهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ وَلَا اللّهِ عَلَيْهِ وَسَلَمَ وَلَا اللّهُ عَلَيْهِ وَسَلّمَ وَلَا اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللّهُ عَلَيْهِ وَلَا اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللّهُ عَلَيْهِ وَلَا اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللّهُ الللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُولُ الللّهُ اللّهُ الللللّهُ الللّهُ الللّهُ الللللّهُ الللللّهُ

انس بن مالک مننے کہا کہ رسول الٹرصلی الت علیہ وسلم نے فر مایا: آج را ت ہرے ہاں ایک لا کا پیدا ہوا ہے بہن میں نے
اس کا تام اپنے ہاپ ابراسیم سے نام پر رکھ اسبے آن انس سنے کہا کہ ہیں نے اس بچے کو دیکھا کہ وہ رسول الطرصلی الشعلیہ وسم کے
ساسنے مہان دے دہا تھا، بہن رسول الٹرصلی الشعلیہ وسلم کی آکھول سے آنسوبہ گئے۔ آب نے فرایا: آکھ آنسوبہ تی سے اور دائمگی سے اور دہا گئی ہے در ہم وہی بات کہتے ہیں جو ہمارے دب کولپند سے کہا سے ابراہیم ہم تیری وجہ سے مگیں ہیں رستم، نجاری تعلیقاً،
دو سے دایک تقاصا طبعی ہے کہ اعرام کی موست اور حبلائی سے انسان پر بخروا کم کی کیفیت طاری ہو، آکھیں ہما وراشک نشانی سے مگلی ہو۔ مگر ودمراتقاصا نشرعی ہے کہ اس مالت ہیں انسان شرعی صدو و سے تجا وزنر کرے حصور اسے کا وراشک نشانی سے جو دوسرول ہیں میں انہی پر رحم فرما آ

كالب في ألكوج

المَّنَّ عَلِيْنَ كَالْمُنْ الْمِنْ عَنْ جَدِهِ عَنْ جَدِهِ عَنْ أَنْ الْمُحَمَّدُ اللَّهِ مَا كَالْمُحَمَّدُ اللَّهِ عَنْ مُحَمَّدُ اللَّهِ مَا كَالْمُحَمَّدُ اللَّهِ عَنْ رَبِيهِ عَنْ مُعَالِمَ عَنْ مُعَالِم اللّهِ عَنْ رَبِيهِ عَنْ مُعَالِم اللّهُ عَنْ رَبِيهِ عَنْ مُعَلِيدًا لِمُعَالِم اللّهُ عَنْ رَبِيهِ عَنْ مُعَلِيدًا لِمُعَلِيدًا لِمُعَالِم اللّهُ عَلَى اللّهُ عَنْ رَبِيهِ عَنْ مُعَلِيدًا لِمُعَالِم اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْهِ وَالسَالِمُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْهِ وَاللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ ال

ا بورعيدا تخدري وسعد وايت بي كررسول الترملي المنطيب وسلم في نوم كرف والى اوراكس عورس مسنف والى يد

منت فر ما ڈ

٩١٣٩ - كُمْكَانْكُأَ هُنَّا كُنُهُ السّمِرِي عَنْ عَبْدَة قُواَ فِي مُعَاوِيَةُ أَلْمَعَىٰ عَنْ هِشَامِ ابْنِ عُرُوة عَن ابْنِهِ عِن ابْنِ عُمْرَقَالَ قَالَ رَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ عَلَيْهُ وَمِنَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ عَلَيْهُ وَسَلَّمَ عَلَيْهُ وَسَلَّمَ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ عَلَيْهُ وَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ عَلَيْهُ وَلَيْ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَلَا تَذِرُدُوا لِيَاللهَ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَلَا عَلَى اللهُ عَلَيْهِ اللهُ عَلَيْهِ وَلَمَا اللهُ عَلَيْهُ وَلَا عَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَلَا عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَلَا عَلَى اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ ا

ا گن عرض نے کہا کہ رسول السّم مسلّی السّم ملیہ وسلم نے فرما یا جھر والوں کے متبت پر رو نے کے باعث میّت کوعذاب ہوتا سع پر صدیث عائشہ رضی السّرعنہ اکے ساسنے بیاں کی عی نوائٹوں نے فرما یا کہا بن عرض نے ملطی کی۔ بات درا صل پر متی کہ نہی صلی السّدعلیہ وسلم ایک جبرے باس سے گزرسے توفر مایا ۱۰ من تبروا سے کو تو بیاں مذا ب بہور یا ہے اوراس کے گھر وائے اس برروب پیٹ رہے ہیں۔ بھر حضرت الشّیاس نے بیر آیت بڑھی ، کوئی ہو جو اتھا نے والی جان وومری جان کا بو جو نہیں اتھا سکتی ابو تمعاویری روایت کے افعاظ ہر ہیں کہ حضور کا گزدا کیے بہودی کی قبر بر بہواتھا دسلم ، نسانی ، بخاری)

قرددامس ایک بهودی عورت کی متی علی ابقادی سنے کہا ہے کہ حضرت عالئے ہے کایہ اعتراص بند درست ہوتا جبکہ بیرمدین مون
امی موقع میارشاد فرمائی ماتی کہ اس قروا کے تو عذاب ہور ہا ہے اور گورا ہے اس پر دور ہے ہیں یہ مضمون ممثلف
اما دیے فاور مختلف موافع ہو وادد ہوا ہے میں سے بتہ مبتا ہے کہ بیاس ہوقع سے فاص نہ تقا این عمر سے بالفاظ مختلفہ یہ
جد بہت مروی ہے اور دومر سے معالبہ منسے بھی وار دہے ، بس صفرت عائشہ رصنی اللہ عنہ اکا اعتراض ان کے احبہ اوکا تھے اللہ برکت نے کہا ہے کہ مبت کو اس کے گھروالوں کے توجہ ہوں مائشہ دو اس کے گھروالوں کے توجہ سے کہ عداب ہوتا ہے ؟ اس بی افتراف ہے ۔ بعض نے کہا کہ برکت نے کہا ہے کہ مبت کہ میں ہوئی اور میں ان اس کے قرالوں کے توجہ اس کے دوم ہوتا ہے ۔ بعض اس کی وصیت ہوگی ۔ ذما نا جا بہت میں ہوگا ہے ۔ بعض اس کی موسیت ہوگی ۔ ذما نا جا بہت میں ہوگا ہے ۔ اس بواس کی وصیت ہوگی ۔ ذما نا جا بہت میں ہوگا ہے ۔ اور بیمی مال میں ہوتا ہے ۔ اور بیمی کہ موسیت کی ہوئی میں ہوتا ہے ۔ اور بیمی کہا گیا ہے کہ مرسنے والے کے دشتہ دار نوسے اور مائم کے وقت اسے اسے ابنا کا خوا میں کہ میت کے ارسے میں ہوتا ہے ۔ اور بیمی میت کے در نا دکور و تے دکھ ور قا دکور و تے دکھ ور گا ہوتا ہے ۔ مرکت نے کہا کم میرے نز دبک اس مدیف کے نظامیات کے دور ان اور و تے دکھ ور گا دکور و تے دکھ ور گا میاں میں تا ویل ہے بینہ طب اس کے خلا اس خود مدیث میں ثابت بنہ ہوتا ، بعنی الفاظ معاری میں تاب میں ثابت بنہ ہوتا ، بعنی الفاظ معاری ہوتا کا میاں میں خود مدیث میں ثابت بنہ ہوتا ، بعنی الفاظ معاری ہے ۔

﴿ ﴿ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الل

مینیدبن اوس نے کہ کہ میں ابو موسلی سنے پاس گیا جب کہ وہ بیار تھے، پس ان کی بوی رونے لگی یا رونے کا ادا دہ رکھتی
میں ۔ پس ابو موسلی شنے اس سے کہا ، کیا تو نے من خبس جو کچے رسول اللہ علی اللہ علیہ وسلم نے قربا یا عا ؟ اس نے کہا کہ کہون میں
منا ؟ را وی کہتا ہے کہ اس بر وہ عورت فاموش ہوگئ کہا کہ بچر حب ابو موسلی رہ کی وفات ہوگئ تو یزید وی کہتا ہے کہ میں
اس عورت سے طاا وراس سے پوچھا کہ الجد موسلی رہ نے جھے سے کہا تھا کہ ، کیا تو نے مُن نہیں جو کچے رسول اللہ مسلی اللہ علیہ وسلم نے
فرما یا تھا جھے تو فاموش ہوگئ تھی ! اس نے کہا کہ رسول اللہ مسلی اللہ علیہ وسلم نے فرما یا جمعی ہت کے وقت بر مون تا صف والا، با واذ
بین چیفنے چلا نے والا اور کہ جسے کہا گھا۔ کہ اس میں رہ سے نہیں ونسائی کتا ب ا بین ٹن

الماس كَثَّانَكُ مُسَكَّادُنَا كُمَيْدُهُ بُنُ الْكَسُودِ نَا الحَجَّاجُ عَامِلُ عُمَرُبُ عَنْوالْعَزَنِ الْمَع على العَرْبُلَة قِنَالَ حَتَى ثَنِي أُسَيْهُ بُنُ آبِي اُسَيْدٍ عَنِ امْمَرُأَةٍ مِنَ الْمُنَا بِعَاتِ عَلَى اللهَ عَنِ امْمَرُأَةٍ مِنَ الْمُنَا بِعَاتِ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ الل

استة بن ابى ميد نے دسول النظم ملى الله عليه وسلم سے بعث كرنے والى ايك عورت سے دواميت كى كه اس نے كها، بيول النظم ملى الله عليه وسلم سے وعده ليا بقاكر بم كمى معروف ميں آپ كى نافر مان لاكريں، اس ميں يہ جى شامل تھا كہم مند نه نو چيں اور واو ملا ذكريں اور گر بيان له بي الري اور بال له كھولنى لاز مان مبا طبيت ميں يسب كچوكيا مبا تا تھا اور آج كل بعي مبال عورتيں يہ سب كچوكيا مباتا تا تھا اور آج كل بعي مبال عورتيں يہ سب كچوكمة تى بيں۔ بال كھولنے كا مطلب يہ سبے كرسے ال كھوللاتي بيں با آئنيں نومي اكھال تى بيرى)

بانب صنعنی الطعام الرهن المبترث - المبترث - المبترث منت کے مرداوں کے لیے کمان کا انتیا

٣١٣١- كَكَانَّنُ أَمْسَتَهُ ذُنَا سُفْيَانُ حَتَى ثَنِي جَعُفَرُ بُنُ خَالِدٍ عَنْ آبِيهِ عَنْ عَبْدِ اللّٰهِ بْنِ جَعُفِر قَالَ فَالَ رَسُولُ اللّٰهِ صَلَّى اللّٰهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ إِصْنَعُو الْإِلِ جَعْفِرَ طَعَامًا فَإِنَّهُ قَدُا تَاهُمُ اَمْرُ كَيْشَغُلُهُ وْ

متر سے ،۔ مولا نامنے کہا ہے کھانے سے مادرات دن دودقت کا کھانا ہے کیونکہ غالبًا یہ تم ایک دن رات سے زیادہ ہیں ہ مو تا کہ اس کے ہوتے ہوئے کھانا ہی نہ پکایا جاسکے . اورایک قول یہ بھی ہے کہ تعزیت کے نہیں دن ہیں، ان نہیں دنوں ہ انہیں کھانا کھلانا مستحب ہے ۔ اور کھانا کھلانے ہم تاکید واصار صنوری ہے تاکہ وہ کو ترسیخ سے یا حیا، کے باعث ہم کے مردمیں ۔ اور میت کے ورثار کی طون سے مجمع ہونے والول کا کھانا پکانا رصیبا کہ آ جکل ہمارے ملک ہیں، یک نہایت گھٹیا مدواج نہل آبا ہے کہ انہوں ہے کہ انہوں ہے کہ انہوں ہے کہ انہوں ہے کہ ورثار کی طون سے بلد موریون سے صبحے طور رہانا بت ہے کہ انہوں ہے کہ انہوں ہے کہ ورانا و تا ہے فوالانا ہے فوالانا ہے فوالانا ہے کہ اس میں سے کھانا کہ وہ ہے مولانا ہے فوالانا ہے فوالانا ہے کہ اس میں سے کھانا کہ موریون اسے فوالانا ہے فوالانا ہے فوالانا کے فوالانا ہے فوالانا ہے فوالانا ہے فوالانا ہے فوالانا ہے فوالانا کہ بھی کا فی ہے ۔ امام غزالی شنے کہ اس میں سے کھانا کہ موریون اسے مولانا ہے فوالانا ہے فوالانا ہے فوالانا کے فوالانا ہے کہ اس میں سے کھانا کہ موریون کا موریونا کو کا بھی کا فی ہے ۔ امام غزالی شنے کہ اس میں سے کھانا کہ موریونا کہ موریونا کو کہ سے مولانا ہے فوالانا ہو کہ موریونا ہے فوالانا ہے فوالانا ہو کہ ہے فوالانا ہے فوالانا ہے فوالانا ہے فوالانا ہو کہ ہو

یہ کھا نا بتھم ما غائب وارث کے مال د حصتے میں سے ہور باہشتر کہ مال میں سے ہوس میں ان کا حصر سے تواس کی حرمت یس کوئی اختلاف نهس سے ان دنیا داریش ورملاؤل سے فعال سیمے جندوں نے ۱م نهادوین کو کاروبار بنا رکھا ہے ا ورا س قسم کی حرام دسوم کو محفن اپنی غرصٰ کے بیے · ابعیا لِ ٹواب اور فاتحہ ورود یا ختم قرآن پر جمیعے نامول سے موسوم رد ما سے 'بربوگ انشاء الله تعالى جنم كا يزرهن مي اور يوگوں كوان كى اصل حقيقت كا وياك بربيتر ميلے گا-

كَالِيْتُ فِي النَّشْهِيْتِ يُغَسَّ لِيُ لِمُ

د شيدوں كو غن د بنا كا بنا كا مُكُنَّ اللهِ الل الْجُتَىمِيُّ نَاعَبُكَ الرَّحْلُمِن بُنُ مَهْ لِي عَنْ إِبْلَاهِيْ يَوْبِنِ طَهْمَاتَ عَنْ آبِ النَّرُبُيُرِ عَنْ جَابِرِتَالُ رُمِي رَجُلٌ بِسَمْيِم فِي صَنْدِم أَوْنِي حَلْقِهِ فَمَاتَ فَأُدُرِجَ فِي ثِيَابِهِ كما هُوْفًالُ وَنَحْنُ مَعَ رُسُولِ اللهِ صَلَّى اللهُ عَكَيْ فِي وَسَلَّمُ عَد

ما بررہ سے روامیت ہے کہ ایک آ دمی کے سینے یا ملق میں تیر مارا گیا تو وہ مرکبا بیں اُسے اس کے کیڑوں میں مبس طرح كه وه عَالْبِيتُ دِياكِمِيا، مِا رَسِنْ نَهُمَاكُهُ مِم اس وقت رسول الشَّدُمُنَى الشَّدَعليه وسلم كرماً تَفْ تقد دمولا نا رحين فرباياكه ربعلوم منبي بوسكاكم بدوا قعد كمب اوركس مفريا حبنك بين بيش آيا عنا ؟)

٣ ١٣ . حَكَا ثَنْنَا زِيَادُ بُنُ اَيُّوْبَ نَاعَلِيٌّ بُنُ عَاصِدِعَنْ عَطَاءِ بْنِ السَّايَّبِ عَنْ سَعِيْدِ بْنِ مُجَبُبْرِعَنِ (بْنِ عَبَّاسٍ قَالَ ﴿ مَرَرُسُولُ اللهِ صَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ بِقَتْنَىٰ أَحْدِهِ أَنْ يُنْزَعُ عَنْهُ كُوالْحَدِيثِ كَالْجُلُودُواَنَ يُنْ فَنُوْ البِهِ مَا يُهِمُ وَيَهَا بِهِمْ ا بی عباس رہ نے کہاکہ رسول الشرصلی الشرعلیہ وسلم سفے جنگ احد کے مقتوبوں کے بارے میں حکم و یا کہ ال کے جسم سے سختیار وعنبرہ اور کی جیزی اور ترکی ڈھال وعنبرہ اور نی کردیا

٣١٣٥- كَتَا ثَنَا ٱحْمَدُ أَنْ صَالِحٍ نَا أَنْ وَهِبِ حِ وَنَا سُلَيْمَا نُ بُنُ وَاوَدَالْمَهُرِيُّ اَنَا أَبُنُ وَهُبِ وَهُذَا لَفُكُلُهُ قَالَ اَخْبَرَنِي أَسُامَتُهُ بُنُ زَنْبِ اللَّيُتِيُّ اَتَ ابْنَ شِمَابِ أَخْبَرَهُ أَنَّ أَنْسُ ابْنَ مَالِكِ حَدَّدَتُهُمُ أَنَّ شُهُكَاءَ أُحُيا تَمْ يُغِسَّكُوا وَدُفِئُوا بِلِمَا يُهُمْ

وَكُورُيُصِلُ عَكِيْهُور

انس بن مالک مفنے مدیب بیان کی کرمٹردائے اُمحد کوعشل شہیں دیا گیاا ورا شیں ان کے خو ن سمیت دفن کمیا گیااور

م استے میت کوان چیزوں میں سے کسی کی حاجت نہیں ہوتی ماور حدنور میلی انٹرغلیہ وسلم کا پر جوا ویشاد سے کروانہیں ان سے کہ پووں میں بیٹ دور اس سے مراد وہ کیٹرے میں جو کفن سنینے کی صابحت پر بھتریں

من بيث دو،اس سے مرادوہ كورے بن جوكفن بننے كى صلاحت ركھتے بن _ آ مام ٹانغی سنے کما شداء پر نماز مزروحی ماسٹے میساکہ ما ہون کی مدیرے میں سے کہ خدد سٹے امدیرینما زمنیں پڑھی گئی تھی۔ اور له نماز جنا زه میت سے لیے شفاعث کی حیثیت رکھتا ہے اور اس کے گنا ہوں کی معافی کا سبب ہے، گا مشید گنامول کی انود گی سے ماک ہوجیکا جعنور سنے فرمایا ہے: الوار گناموں کومٹا نے والی سے،اوراللہ تعالی سنے مشداد کو زرمدہ فرمايا سبے اور نما نرجنا نره مردسے پر پہوتی سپر مزکرز درہ پر یوغنیری دلیل پر سبے کہ دسول المشرصلی الشرعلیہ وسلم سنے شدا ؛ امّدکی نماز حبنانه ه مپڑھی تھی، حتی کہ معبن اما دیث کے مطابق حمزہ رخ بریستر بارنما زبوھی گئی اورجا بردہ کی روایت پی جونما زکی نفی چے پرمیجے نمیں ہے۔ ماہرون تواس د ن خود پرلیٹا ن مال سکتے ان کا با ہے، بھائی، جیاا ورمامول ٹہریر ہوسکئے ستے، پس ماہر ماہیج نومٹ مگئے متھے ناکران شہداء کے احسام کو مدین میں منتقل کرسنے کی تدبیر کرسکٹی، بس وہ اس وقت موجودی منتقے حب کہ بیم ملی انشعلیہ وسلم سنے شداءِ اکر کی نما زجا نرہ پڑھا ئی متی ۔ پھر ما ہرائے سنے تھا ہے۔ منا دی متی کہ شرا سے اگد کو ان کی شہادت گاہ میں ہی دفنا یا مبائے گا توم ابرا اس وقت مدیّز سے اُمدّ کو نوسے اورا نے شہداء کو اُمدّ ہی میں دفنا یا تھا۔ دہی متیت کے بیے دعاءا ور نماز ،سویراس کے اکرام واعزا ز کا الحہار سے اس لیے شہیراس کازیاد ہستی سے ۱ ورجہاں تک ان کی طهارت کا سوال سے سو بندہ کتنا معی مبرا ہو ما سے وہ دعاء سے مستغی نہیں ہو سکتا ،صلوٰۃ وسلام تورسول اکرم مسلی انتاعلیہ وسلم بريمي بإيعى مباتى مصيرا ودصحائب نيرحصنوركي نمازحبازه جي دمعبودت صلوة وسسلام يدمعبودت نمانب يراحي متحا وراسه توكوني فنك بنس كيعنور كامقام اورور مرساري كائنات سيد مليد يترسيء جهان مك شهداء كي حوارت كا تعلق سيروه زند كي ا حکام آخرت کے بحاظ سے سے نہ کہ دنہوی احکام سے ان کی میارٹ بٹتی ہے اور بو یا ل عدرت کے بعد نکاح کرتی ہیں درخلات پیغبرے بالشد تعالیے نے مجی آوان کے متعلق نہی فرما یا ہے کہ: ملکہ وہ زندہ ہیں، اپنے دب کے یا س رزق باتے ہیں اور شہید ونیوی احکام کے لحاظ سے چنکوروہ سے لمذا نماز جنانہ مجی اس پر براهی جاتی سے جواحکام دنیا میں سے ایک حکم ہے۔ ابُنُ سَعِيْدٍ نَا البُوصَفُوانَ يَعُبِى الْمَرُوانِيُّ عَنْ السَّامَةُ عَنِ الزَّهُمْ يَ عَنْ انسِ ابنين مَالِكِ ٱلْمَعْنِي ٱتَّ رُسُولَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ مَرَّعَالَ حَمْزَةً وَقَلْ مُتَيِّلَ بِهِ فَقَالَ لَوُلَا آَنَّ تَجِمَّ صَيِفِيَّنَهُ فِي نَفُسِهَا لَتَرَكْتُهُ حَتَّى تَا كُلُهُ الْعَافِيَةُ حتى يُحْشَرُمِنُ مُطُونِهَا وَقَلَتِ النِّيمَا مُوكَثِّرُتِ الْفَتْلَ فَكَاتَ الرَّجُلُ وَالرَّجُلَاكِ وَالتَّلْتُ أَوْ يُحْتَقَّنُونَ فِي النَّوْبِ المُواحِدِ زَادَ قُتَيْبَهُ ثُكَّرُكُ فَنُونَ فِي قَبْرُواحِدِ فَكَانَ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ كَيْسَتُلُ أَيُّهُ مُواكُنَّ رُفُولًا نَّا فَيُفَدِّ مُكَّ

عسواس حكانكاعتاش الكنبرى ناعتمان بن عمرقال نااتسامة عيت

(لَرَهُمِيِّ عَنُ آنَسِ آنَ النَّبِيَّ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَنَّرَ مِتَرَبِحَهْزَةَ وَفَلُهُ مَّتِلَ بِه وَنُونُجَدِّنَ عَلَى اتَحْدِمِنَ النَّهُ هَذَاءِ غَيْرِةٍ.

انس مسید دواست سے گرنی صلی انڈ علیہ وسلم مزود ہم پر گھندے اور اس کا مشکد کیا گیا تھا، اور محزہ دس سکے سوا آپ نے اور کسی شدی کی مناز حباز و نہیں بڑھی را و میگزدیکا کرمیعلوں روایت ہے ،

٨٣١٣٠ عَنَّ اَنْنَا فَنَيْبَهُ اَنْ اَلْمَا عَنْ عَنْ الدَّهُ اللهِ اللهِ عَنْ عَنْ الدَّهُ اللهِ اللهِ عَنْ عَنْ الدَّهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَاءَ عَلَيْ اللهِ اللهِ عَنْ عَنْ عَنْ الدَّهُ عَلَيْهِ وَسَاءَ عَلَيْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَاءَ عَلَيْهُ وَاللهِ عَنْ اللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ اللهُ الل

میں قیامت کے دن ان پرگواہ ہوں گا ، اور آب نے نون سمیت انہیں عنس سے بغیر دنن کرنے کا حکم دیاد تجاری ، تریذی ، ابن ماہد ، نسانی ،

نشوسے : بخاری اور تر مذی وغیرہ نے جس مدیث کی محت کا حکم سکا یا وہ یہ مدیث ہے۔ اس میں نماند جنانہ ہ کا ذکر نہیں ہے گا نکین ذکر بنہ ہو نااس ہات کی دلیل نہیں کہ نماز نہیں ہڑھی گئ تقی ،وہ دوسری مدیث سے ثابت ہے ۔

٣١٣٩ - كَلَّا ثُنَّ السُينُمَا كُنُّ كَاوَدَ الْمُهُرِقَ ٱخْبَرَنَا ابْنُ وَهَٰ بِعَنِ اللَّيُتِ بِهَا أَلَّى الْحَدِيْنِ بِمَعْنَاكُهُ قَالَ بَجْمَعُ بَيْنَ الرَّجُ لِمَنْ مِنْ فَتُنِلَ الْحُدِ فِي تَوْدِ وَاحِدٍ -

ا وبرگی حدیث ایک اور طریق سے اس بیں اوی نے کہا کہ حضور صلی الٹرولیہ وسلم شہدائے احدیں سے دوآ دمیوں کوایک بیڑے میں جع کرتے تھے دکھن سے مرادیہاں فالبایہ ہے کہ میدان سو کہ بی قتال کرتے ہوئے ال حضارت میں سے کئی سے حبم سے کیڑے سے میٹ گئے ہوں گے المذالنہیں کھن کی حذورت بیش آئی ہوگی ورند شہید تو کفن سے مبی ہے نیاز ہوتا ہے اور اسے حبم سے خون آلود کیڑوں میں دنتایا جاتا ہے ،

بَارِِّتِ فِي سِنْرِالْكِبِّنِ عِنْمَا عُسُلِهِ .

ربا الب بخس التيت كے وقت اس كابر ده)

علی منسے دوایت ہے کہ نبی صلی استعلیہ وسلم سنے فرما یا: اپنی ران نگی مت کراورکسی زندہ یام وہ کی ران می نظرمت ڈال ۔ ابن ماجہ) اس سے معلوم ہوگیا کہ مستراور بروے کے باب میں زندہ ومروہ دونو ل کا ایک صکم سے ۔

علاّمدسوّکا فی کا قول ہے کہ اس مریث میں جہورتے ندمب کی دلیہہے گراس تیں یہ دلیل نہیں ہے کہ منس ابنی حبس کو عنسل نہیں دسے سکتی دسیا سے سکتی دخلے مورت کا دار کا بختل دینا عنسل نہیں دسے سکتی دخلے مورت کا دار کا بختل دینا مردول کی نسبت اولی سیے کیو نکہ یہ ایک صحابری دندوجہ محرّمہ کا فول ہے جس میں جبت نہیں یعفورصلی الٹرعلیہ وسلم کوعلی اور دفعنل بن عباس دین عراص دنیا ہی دیتے تھے اور عباس دن کھوسے نگل فی کوستے سقے۔ اور یہ با کی منقول نہیں مواکہ صحابہ میں سے کسی سے کرنی صلی الٹرعلیہ مواکہ صحابہ میں سے کسی سے کہ آپ کو علی منہی عنس دیں۔ ابن المنذر سنے ابو بکر دنی الترعلیہ وسلم سنے دمائی عنی کہ آپ کوعلی منہی عنس دیں۔ ابن المنذر سنے ابو بکر دنی الترعنہ سے نقل کیا سیے کہ انہوں نے سم دیا

تغاكه رسول الشصلى لتأعليه وسلم سك قرميب ترين دون وداد ، بيا اورجيا زادعشل دمي دمي شرعى سنلهسي كرعسل گھر كے لوگ ومي بن ك رشة متيت كرماية نهابت فريب بهوا ورعالنه والماكم ويول النوطى الترعليه وسكم بقيع مي ايك حبازه بيط هاكروابين تشريف لا في اورمير بيرمين در دي اورمي كهدري تقى: إن ميرابر حفنور في فرمايا بكه المكيم اسر- تجير في نقصال نبير، الريحية سييد موَت ألَيُ توس تيري تجبز وكفني كمرول كالهر نماز بيطن كمريجك دفن كمدول كابثوكاني نف كهاكه اس مي یہ دلیں موجود سے کھردا بنی بیوی کوعنسل دے سکتا ہے جبکہ وہ مردبائے اور جب خاوند مردبائے تواسی قیاس ہروہ اُستظنس دے سکتی ہے۔ اورا سما رمیز نے الو مکریز کوا ورعلی رمز نے فاطریز کو عنس دیا تھاا ورکسی صحالی مینسنے علی میں کہ کمیز نہیں کی متی نہ سماؤنٹر اورسيى مسلك ب ابن طابركا، شا فعيه كا اوراو زاعي والتحاق اورجهوركا . احمد نه كهاكم يو نكه نكاح ما طل بوحيكا سير مدايوي ا بنے ما وزر کوغسل نہیں دیے مگتی، اوراس کا عکس حمہور کی مانند ان کے نیز دیک مائٹز ہے۔الوجید اوران کے اصحاب م ٹورٹی ور طعبی سنے کہا کہ مردکا اپن مردہ مبوی کوعشل دینا مائز نہیں ہے اوراس کاعکس مائز سے معنی بیدی کا فاور کوعنسل دينا كيونكر عوريت برمرد كى طوف سے عديت سے اور مرديركوئى عرب نسب ، اور صفورٌ كابدار شادكر: ميں بينے عنسل دول كا، ا ش كام طلب سبے كم اپنى 'گرائى میں غنسل كفن كا انتظام كمدوں كا، گو ماغنسل كا انتظام كمروں گا اورسىپ بنوں گارىرمعنى پيم نقلب نبوت كى مديا نت كے ليے بيتے ہن تاكہ سب د دائل كومتفق كيام اسكے اور حن ورصلی السُّرعليہ وسلم كوا بسے افعال سے اعلی وبرتر عظهرا يا ما سكية من مي انسان طبائع كي نفرت كااحتمال بومكتاسيّے. علاوه ازيں پيرحضورٌ كي محصوصيت سيے كه آپ كا نكاح از دلجج طهرات سے ۔۔کہوہ دنیا وآ خریت میں با بیقین آپ کی ۱ زواج میں ا ۔۔کسی صورت میں منقطع نہیں ہو تا لہذا ذخ کریں کہ آپ ان میں سے سی کو عنسل دیتے تو اِس دلیل کی بناء رہ جائمہ ہو تا جہاں آک مدیرے علی رہز کا تعلق سیے ، روایا ت میں ہے کہ فاطریز في عنسل ديا بقياء أكمة زابت بهوما مئے كم على دھ نے ہى عنسل ديا بھا تو سيھى ٹابت سيے كدابن مسعود تفنسنے ال بريمكيري ہمی جی کہ علی شنے جواب دیا کہ آپ کومعلوم نمیں کدرسول انٹر صلی الٹرطیہ وسلم سنے فرما یا تھا کہ فاطریق ونیا وآ خریت ہیں تیری ہوی ۔ سبے۔ نبی علی دن کی طوف سے دیوی کی فصوصیت اس بات کی دلیل ہے کہ صحابہ میں خاوند کا بیوی کوغس ندوسے سکنا معووف عقار ١٣ ١٣ - حَمَّا ثَنَّا النَّفَيْلِيُّ نَامُحَمَّدِ بْنُ سَلَمَةَ عَنْ مُحَمَّدِ بْنِ اِسْحَاقَ قَالَ حَدَّثْنِي يَحُيلى ابْنُ عَبَرِدِ عَنْ رَبِيهِ عَبَادِ بُنِ عَبُدِ اللّهِ بْنِ النَّرْبُيرِ قَالَ سَمِعْتُ عَايُشَدَّ تَقُولُ لَمَّا أَرُا كُوُ اعْسُلَ النَّبِي صَلَّى اللهُ عَكِيْهِ وَسَكَّرَ قَالُوا وَاللَّهِ مَا نَهُ دِى ٱنْجَرِّ كُوسُولَ اللهِ صَمَّى اللهُ عَكَيْهِ وَسَلَّوَمِنْ ثِيَا بِهِ كَمَّا ثُجَرِّكُ مَوْنَا نَا آمُر ثُعَنَيْكُ وَعَلَيْهِ ثِيَا بُهُ فَكُمَّا انْحَنَكَفُوا ٱلْقِيَ اللهُ عَكَيْهِ مُوالنَّوْمَ حَتَّى مَامِنْهُ وْرَجُلَّ إِلَّا وَذَ قَنَّهُ فِي صَهُ مِهُ تُتَحِكَلَّمَهُ وُمُ كِلِّحُونَ كَاحِيَةِ الْبَيْتِ لَا بَيْنُ وَلَ مَنْ هُوَاكُ إِغُسِلُوا النَّبِيَّ صَلَّى اللهُ عَكَيْهُ وَسَتَّوَعَكَيْهِ فِيَابُهُ فَفَالْمُوْا إِلَى رَسُولِ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَكَيْهُ وَسَتَّعَ فَعُسُّلُوهُ وَعَكَنِهِ قَكِيْهُ صُهُ يَصُبُّوْنَ الْمَاءَفَوُقَ الْقَيِيْصِ وَيَهُ كُوْنَهُ بِالْقَبِيْصِ دُونَ

ٱيْدِيهِ عِمْ وَكَانَتُ عَالِمُشَنَّدُ تَقُولُ لَوُ إِسْنَقْبَلْتُ مِنْ الْمُرِى مَا اسْتَلْ بَرْتُ مَا غَسَلَهُ إِلَّا نِسَاءُ كَار

حصارت عائشہ رصی اعتر عنها فراتی تھیں ہوب اوگوں نے بی صلی التہ علیہ وسلم ہوعس دینے کا ارادہ کیا تو کھنے گئے : والٹہ مہیں معلیم نہیں کہ ہم رسول التہ وسلی التہ علیہ وسلم کے کپڑے آتا رہی جیسے کہم اپنے دوسرے مردوں کے کپڑے آتا رہی با نہ التہ الدیں ؟ بس حب ان ہی اختلاف ہوا تو الوالتہ تعالیٰ نہیں نہیں ہوئی گران ہیں سے سرآ دمی کی معودی اس کے سینے پر تھی کہ ان ہی سے سرآ دمی کی معودی اس کے سینے پر تھی کہ ان ہی سے ان ہی افوالی التہ تعالیٰ ہوگھ کے اندیں ؟ بس حب ان ہی معروں سے الدی ہو سے کوئی نہ جا تا تھا کہ نبی صلی التہ علیہ وسلم کی طرف اُسم میں الدی معلی میں معروں کے اور عائشہ فرماتی تھی ہو کہ مجھے بعد اس معلی ہوا کہ اللہ علیہ میں کہ اور عائشہ فرماتی تھی ہوئی دوسلم کو آپ کی ہم واکہ اگر ہیں کہ میں مواکہ ان میں کہ اور عائشہ فرماتی میں اس میں التہ علیہ وسلم کو آپ کی ہم واکہ اگر ہیں کے سواکھ کی معروں کے سواکھ کی معروں کے سواکھ کی معروں کے سواکھ کی میں اس میں کہ اور عائشہ فرماتی و رابن ما جہ ک

مشر ح بچارے بنزا مارنا تو فیر خودوس النہ علیہ وہلم کی خصوصیت معلوم ہوئی ہے، لیکن اس مدیف سے بیمعلوم ہو تا ہے کوئال کومیت کے بدور کے بیار اس مدیف سے بیمعلوم ہو تا ہے کوئال کومیت کے بدور کے بیار اس مدیف سے بیمعلوم ہو تا ہے ہوئال کومیت کے بدور کے بیار اس بات کی طوف اللہ اس معلوم ہوا اگر بیلے سے معلوم ہو تا تورسول النہ صلی النہ علیہ وسلم کومرف آب کی اندواج عسک دہیں ہو تا تورسول النہ صلی النہ علیہ وسلم کومرف آب کی اندواج عسک دہیں ہوتا تورسول النہ صلی النہ علیہ مسلم معلوم ہوا تھا کہ بغیر کی ہوتوں کو منا پر اس بات کی طوف النہ مسلم النہ علیہ وسلم کومرف آب کی اندواج دنیا وہ آب کی اندواج ہیں، اور اندواج اللہ علی ہوا ۔ بااسس کی اندواج کا تعلق نکاح کا در شد با الکہ بیار کی منا میں اندواج کا تعلق نکاح کا در شد با الکہ بیار کی منا میں اندواج کا معلوم کی منا میں اندائی کی مناد ہوا کی مناد ہوا کا کوئند کی منا میں اندائی کی مناد ہوا کا کھی کی منا میں اندواج کا منا میں اندواج کا منا کی کا دواج کی منا کی کا دواج کا منا کی کا دیوا کی کا دواج کا منا کوئند کی مناد کی کا منا میں میں اندواج کا منا کی کا دواج کا کوئند کی منا میں کا منا کا کر منا کی کا دواج کی مناد کی کا دواج کا منا کوئند کی کا منا کر کی کا منا کی کا دواج کا منا کوئند کی کا منا کی کا دواج کا مناد کی کا منا کی کا دواج کا منا کوئند کی کا منا کی کا دواج کا منا کی کا دواج کا منا کوئند کی کا منا کوئند کی کا دواج کا منا کی کا دواج کا مناد کی کا مناد کی کا مناد کی کا دواج کا مناد کی کا دواج کا کوئند کی کا دواج کا مناد کی کا دواج کا کھی کی کا دواج کا کوئند کی کا کوئند کی کا کی کا دواج کا کوئند کی کا کی کا دواج کا کوئند کی کا کوئند کی کا کی کا کوئند کی کا کی کا کی کا کوئند کی کا کوئند کی کا کی کا کوئند کی کا کی کا کوئند کی کا کا کوئند کا کا کوئند کی کا کوئند کی کا کی کا کوئند کی کا کوئند کا کا کوئند کی کا کی کا کوئند کی کوئند کا کوئند کا کوئند کی کا کوئند کی کا کوئند کی کا کوئند کی کا کوئند کا کوئند کا کوئند کی کا کوئند کا کوئند کا کوئند کی کا کوئند کی کا کوئند کی کا کوئند کی کوئند کی کا کوئند کا ک

باست كين غسُل الْبِيتِ

وغسلميت كىكينيت كاباسس،

٣١٣١. حَكَا نَكُا الْقَعْنَرِيُّ عَنْ مَالِكِ ح وَحَكَّ ثَنَا مُسَكَّادٌ نَاحَمَّا دُبُن زَبِهِ اَلْمُعَنَى عَن اَيْدِهِ مَلَى عَن اَيْدُ مَا مُكَن اللهِ عَنْ اَيْدُ مَا مُكَن اللهِ عَنْ اَيْدُ مَا مَلَى اللهِ عَنْ اَيْدُ مَا مَلَى اللهِ عَنْ اَيْدُ مَا اللهُ عَلَيْ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَيْ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَيْ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَنَّو مِن اللهُ عَلَيْ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ ع

مِنْ كَافُورِ فَإِذَا فَرَغَنُنَ فَأَذِنَ فِي فَكُمَّا فَرَغُنَا اذَنَّاهُ فَاعُطَانَا حَقَوَةُ فَقَالَ الشَّغِزَهَا

إِيَّاهُ قَالَ عَنْ مَالِكِ تَعْنِي إِزَارَهُ وَلَـُورَقُلُ مُسَكَّادٌ دَخَلَ عَيَنَا.

۔ اُم عطیۃ رہ نے کہاکہ ہم نے دنیب رہ کے سرکے بالول کو کنگھی کے ساتھ تمین مینڈ صیاں بنا دیا۔ (تجا رہی، مسلم، نساتی

مَمُ ١٣٠ حَكُمُ ثَنَا مُحَكَّدُهُ الْمُتَكِينَ نَاعَبُهُ الْكَعُلْ نَا هِشَامُّ عَنْ حَفْصَةَ بِنُتِ سِيُرِيْنَ عَنُ الْمِحَطِيَّةَ فَالْتُوضَقُرْنَا رَاسَهَا ثَلْتَةَ قُرُوْنٍ ثُكَّرَالُقَبْنَاهَا خَلْفَهَا مُقَدِّمَ مَا سِهَا وَقَرْنَهُا .

ام عطیدرہ نے کہاکہ ہم نے زمیب سے مرک بالوں کی میں مینٹ دھیاں طبی پھر ہم نے انہیں پیچے کی طون سے پیٹانی ہے۔ اور دو کو مرکے اطان میں ڈال دیا دمستم

ہنوج: اوپرکی دونوں مدیثے ں ہیں سے مہلی ہیں مشطنًا حاکا لفظ ہے جسسے طاہر یہ معلوم ہو تلہے کہ انہوں نے نگھی سے ہادوں کے مہن حصتے کئے ۔ دومری ہیں تحذیکی حکا کا لفظ ہے جس کا طاہری معنی ہے کہ ہم نے بادوں کوگو: دھا۔اگر عنورسے دیکھام اے توبہ طرز بیان کا اختلاف سے مطلب غالبًا یہ ہے کہ ماٹھی کرنا زینت ہے جو میتت کے مالات کے نولا دن ہے، ہی سبب ہے کہ

بِسَيَامِنِهَا وَمَوَاحِنِعِ ٱلْوُصُّوْءِ مِنْهَا.

ام عطبرده سے دوایت ہے کہ رسول الٹرصلی الندعلیہ وسلم نے اپنی بیچ کے عسل کے متعلق فرما یا کوغسل دائسی اطافت سے مشروع کریں اور پہلے اعتماء ومنودکو دھوئیں ربخاری ہسم، مشرقی، ابن مآمر، نسانی مشویے: مطلب خالاً ایر سے کہ پہلے اعتماء ومنودکو حسب معمول دھویا جاسئے اوراس کے بعد دائیں اطراف سے عنسل

شروع کیا جائے، عسل متت کے متعلق بریز فرما یا کہ سپلنے باقیا عدہ وضود کرایا جائے، کیونکر عسلِ میت میں گئی اور ناک میں با نے۔ ڈالدنا نہیں ہے۔ اس بنارپراعینا، وضوء سے مرادوہ مجالا عینا، ہیں جوکٹ ب التّہ میں وارد ہیں ۔ تمام حنفی کتب فقہ میں دائمیں اطا و نسے عسل شروع کرنے کا واضح ذکر موجو دہے لہٰذا جن لوگوں نے اس حدیث سے عنفی مسلک کا ردّ کر نامیا ہاہے، یا تو انہوں نے عمق تکلف سے کام لیا ہے اور یا وہ بیجار سے حنفی مسلک سے بے ہرہ میں ۔ یہ تواکی ایسا مسئلہ ہے جو قد و کری سے لے کراویہ تک مب کتا ہوں میں بالدر حت مذکور ہے ۔

٧٩١٣٠ حَمَّا ثَنَامُحَمَّدُ اللَّهُ عَبَيْدِ نَاحَمَّا ذُعَنَ الْتُوبَ عَنَ مُحَمَّدِ بَنِي يَنَ عَنَ اُمِّرِ عَطِيَّةَ بِمَعْنَى حَدِيْثِ مَالِكِ وَزَادَ فِي حَدِيْثِ حَفْصَة عَنُ اُمِّ عِطِيَّةَ بِنَحُولُهُ لَا وَمَا دَتُ فِيْهِ اَوْسَبُعًا اَوْ اَكْ تَرَمِنُ ذٰلِكَ إِنُ لَا يُثَنَّ ذٰلِكَ -

ا کیب اورسندسے ام عطیرہ کی مدیث جو مالک کی روایت (مدیث ۱۹۱۸) کی طرح سے اس میں بیا صنا فرہے کہ: باسات ا بارعنسل دو با اس سے زیادہ اگر مع مناسب مانو ربعن مدیث سے ۱۱ سے بناس سے زیا دہ کا ذکر تھا اور اس میں سات ا یا اس سے زائد کا ذکر سے ۔ یہ مدیث بخاری مسلم اور لساتی میں مروی ہے) اوپر کمزرد پکا ہے کے عسل میت میں کسی خاص تعاد کا لیا ظامیں ، حسب صرورت کئی کی بار تک اعضاء دھو نے ما سکتے ہیں۔

٣١٣٠ حَنَّا ثَنَّاهُ ثُهُ ثُهُ كَالِهِ نَاهَتَامُّ نَا قَتَادَةُ عَنْ مُحَمَّدِ بَنِ سِيُزِيَ اَنَّهُ لَحُمَّا كَانَ بَا خَنُّ الْغُسُلَ مِنْ مُوْعَطِبَةَ كَيْنِسِلُ بِالسِّدُ رِمَتَّرِتُ بُنِ وَالثَّالِثَةَ بِالْمَاءِ وَالْكَافُورِ

محمد بن سیرین سے روایت ہے کہ و مخسل میت کا طالقہ اُم مطب رہ سے سیکھا کر یا تھا کہ ہری سے اُسبلے ہوئے توک والے پانی سے ساتھ دو بارعنس دیا ہاسئے اور مہری بار پانی اور کا فور کے ساتھ ربین کا فور سے پانی کے ساتھ ،

 $\hat{\mathbf{p}}$

كاكت في الكفن

(یہ بالم سیکن کے بیان یں ہے ،

مماس. كَتَّا نَنَا اَحْمَلُ بَنُ كَنْبُلُ نَاعَبُلُ الدَّنَاقِ اَنَا أَنُ جُدَبُحِ عَنَ أَفِ النَّيَةِ مَمِ اللهُ عَلَيْهُ وَسَتَوَا تَنَا اللهُ عَلَيْهُ وَسَتَوَا النَّيْقِ صَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَسَتَوَا النَّيْقِ صَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَسَتَوَا النَّيْقُ صَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَسَتَوَا النَّيْقُ صَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَسَتَوَا فَا وَقَتَ اللهُ عَلَيْهُ وَسَتَوَا فَا وَاللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَتَوَا فَا وَاللّهُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَتَوا فَا وَاللّهُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَتَوا فَا وَاللّهُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَتَوا فَا وَاللّهُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلّهُ وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَسَلّهُ وَاللّهُ وَلَيْحُمُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا النّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ الللللّهُ الللّهُ الللللّهُ اللللّهُ الللللللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللل

مبابر بن عبد الله نفی صلی الشیطیر وسلم سے روا بیت کر سے بیان کرتے تھے کہ صفور سے ایک دن خطبہ دیا اورا سینے اسی م میں سے ایک شخص کا ذکر کیا جونوت ہوگیا تھا اورائے معمولی کفن پہنا کہ دات کو دفنایا گیا تھا، بس نبی صلی الشرعلیہ وسلم آس بات سے منع فرا یا کہ کسی آدمی کودات کے وقت بل نماز جنا ندہ دفن کیا جائے، مگر پر کہ کوئی انسان اس بارے میں مجبور ہو، اور نبی صلی الشرعلیہ وسلم نب فرایا جب تھم میں سے کوئی آدمی اسینے عبائی کو کفن درے تو ایچا کفن دے زستم، نساتی ، تو بذی عن ابی قتا دہ اور ابن آب م

ستس خود دات کو دن کرنے سے ممانعت کی علّت نودی کئے یہ بیان کی سب کہ دن کو دفن کیا جائے تو بہت سے دوگ نما زمبنا ذہ میں شامل ہوں کے اور میت کے سیے دعاء کریں گے۔ رات کو صوب چندا فراد ہی میر آر سکتے ہیں۔ نہی کی علّت یہ ہی ہوسکتی ہے کہ بعق دفور دی قیم کا کفن و سے کر رات کو دفن کر دیتے ہے تاکہ بوگول بر وار ٹوں کی بیزخت واضح مزہو سکے۔ رات کو دفن کر مسنے ہم اختلاف ہوا ہو ہو سے اور بر حدیث ان کی دہیل ہے۔ مرسلف و فلف کے حام برعلماء نے رات کو دفن کو کم وہ نہیں جانا اور کہا ہے کہ جبناب ابو بکر صدیق منظ اور سلفت کی ایک مگرسلف و فلف کے حام برعلماء نے دفن کو اگر و سیتے ہے ، جب فوت ہوئے تو لوگول نے انہیں دات کو دفن دیا اور معنوز کے استفسا در کہا کہا کہ اند صور ہے اساکیا گیا اور آپ کوا طلاح نہ دی گئی مگر مفتور انہیں دیا و رسیف ذری نے استفسا در کہا کہا کہ اند صوبے کی وجہ سے الساکیا گیا اور آپ کوا طلاح نہ دی گئی مگر مفتور انہیں ذریا یہ دی گئی مگر مفتور کے استفسا در ہی کہا کہ اند میں ہوا تا رہ کہا کہا نہ اور ان کا ترک تھا، یا معمولی کفن دیا جانا یا نمازیوں کی قلت، باان سب کا مجموعہ کمن کہا ہو نے کا مطلب یہ نہیں کہ اس سے انساکیا گیا اور اس سے اس کی نظامت اور صاف سے ادر موال تا ہو دور ان کے ایک مطلب یہ نہیں کہ اس سے مطابق ہو۔ وہ اس سے دندگی کے باس کے مطابق ہو۔ وہ اس سے اسکا تا ہو۔ وہ اس سے دندگی کے باس کے مطابق ہو۔

١٣٩ - كَنْ تَكُ آخُمَكُ بْنُ حَنْبُلِ نَا ٱلْوَلِيْكُ بُنُ مُسْلِحِ نَا الْأَوْزَاجِيُّ نَا النُّهُ رِتَى

TO COURT OF THE CO

عَنِ الْقَاسِحِ بَنِ مُحَمَّدٍ عَنْ عَالِمُشَمَّ قَالَتْ أَدْرِجَ رَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَوَ فَ الْفَ أَدْرِجَ رَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَوَ فَنَ أَدْرِجَ رَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَوَ فَي اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَوَ

تعذرت عائشة **مقا**لت عنه النفرة الماكريول الترصلي الترعليه وسلم كودهار دارميني مبادر كاكفن و ما كميا، كار است بيجي ممثا ويا گيا دو كي<u>ص</u>ئة كميرين عائشة دخ نمبر ۱۹۵۶

٠٥١٣ - حَكَّاتُنَا الْحَسُنَ ابُنَ الْحَسَّامِ الْمَزَّارُنَا السَّعِيْلُ يَعْنِى ابْنَ عَبْدِالُكَرِبُجِ حَتَّاتُنَى إِبْرَاهِ يُعُونُ بُن عَقِيْلِ بْنِ مَعْفِلٍ عَن آبِيهِ عَنْ وَهْبِ يَعْنِى ابْنَ مُنَتِهِ عَنَ جَابِرِنَالَ سَمِعْتُ رَسُولَ اللهِ صَلَى اللهُ عَكَيْهِ وَسَكَّرَ يُقُولُ إِذَا تُوقِي اكْمُاكُمُ وَوَجَدًا شَنْيًا فَلَهُ كُلِّهِ فَى ثَوْبِ حَبَرَةٍ -

حابر من نے کہا کہ ہیں نے دسول انٹر صلی انٹر علیہ وسلم کو فریا تے سنا : جب ہم ہیں سے کوئی فوت ہوا وراس کے وار ث کچے وسعت جا ہمی تواسے بنی دھاری واد کیڑے ہے ہیں دفنا نہیں وا و پر حدیث یوں میں گزدا سے کہ حضور م کو وفات کے بعد دھاریال بنی کیڑا مطور جا درا و ٹرجایا گیا تھا۔ بجٹ او پر گھز د حکی اور 1 سے بھی آتی ہے ،

١٥١٣ - كَكَانْكَا آخْمَكُ بِيُ كَنْبَلِ نَا يَجْيَى بُنُ سَعِبْهِ عَنْ هِشَامِ قَالَ آخُ بَرَفِيَ اللهُ عَنْ هِشَامِ قَالَ آخُ بَرَفِي اللهُ عَلَىٰهِ وَسَلَّمَ فِي تَلْتَهُ وَكَا كَانُكُونَ ثَلْتَ إِللهِ عَمَا مِنْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ فِي تَلْتَ اللهُ عَمَامَةً وَ اللهُ عَمَامَةً وَ اللهُ عَمَامَةً وَ اللهُ عَمَامَةً وَاللهُ عَمَامَةً وَاللّهُ اللهُ عَمَامَةً وَاللّهُ عَمَامَةً وَاللّهُ وَاللّهُ اللهُ اللهُ عَمَامَةً وَاللّهُ اللهُ ال

تصرت عائشه رمنی الشرتعا بی عنها نے فرما یا که رسول الله صلی الشاعلیہ وسلم کو تعن سفید نمنی کیٹر ول کا کفن دیا گیا تھا۔ ان میں قمیص یا عمامہ نہیں تھا۔ رنجا رسی مسلم، نسا بی ، ابن ماجہ، متر ہذی)

مش شی به به ما فظالب المقیم و نے کہا کہ ان من فی شف میں ہوتو دنہ تھا۔ ان میں تم کے کہ ان میں تمیس اور عمامہ بنہ تھا، بیر طلب لیا سیے کہ کفن ہیں صرف میں کی جرسے اور قسی و عمامہ ان میں موتو دنہ تھا۔ ان القساد اور این القاسم نے کہا ہے کہ کفن ہیں تھیں اور عما ہے کا استحباب امام مالک یہ کے کہ کا بین القساد اور این القاس نے کہا ہے کہ کفن ہیں تھیں اور عما ہے کا استحباب امام مالک یہ کے کہ اور سے میں معنی ندم ہوں ہوں کہ موتو و لیا ہوں کے مور کو تمین کہ جو لیا ہے کہ اور وسی تھیں ہوا۔ البرائع میں سے کہ کمن کی کہ بیت سے بادر وسی تھی ندم ہوں ہوں تھیں کھن جی سنون میں میں ہوں ، قسیس کھن جی موتو ہوں کی مسلک یہ ہے کہ تمین کہ است میں بادر وسی تھی موسی ہوں ، قسیس کھن جی موسی موتوں میں موتوں میں معنوں میں موتوں موتوں میں موتوں موتوں میں موتوں موتوں میں موتوں میں موتوں میں موتوں موتو

ne notice de commence de la 1900 de la 1900

سے او بی ہے کیو نکہ ابن عباس مضعنور صلی الشرعلیہ وسلم کی تکفین و ندفین کے وقت موجود عقے اور عا کنٹہ صدیقہ رض موقع ہر نہ تقبیں بلکہ گھریں تقیں ۔ علاوہ ازیں مصرت عالشہ م کے قول کا یہ مطلب ہی ہوسکتا ہے کہ آپ کے کفن ہی جدید قسیس مزھتی ۔

٣١٥٢. كَلَّاثُنَا قُتِبُنَ أَنُ سَعِيْدِ نَاحَفُصَّ عَنَ هِ شَامِنِ عُرَوةً عَن آبِيهِ عَنَ عَارُشَةً مِثُلَةً وَلَكُمْ وَفَا عَنُ الْمُعْرَوةً عَن آبِيهِ عَنَ عَارُشَةً مِثُلَةً وَلَكُمْ وَكُولُهُمْ فَي اللّهُ مَنْ كَاللّهُ مَنْ مَنْ كُلُولُ مَنْ كَاللّهُ مَنْ اللّهُ اللّهُ مَنْ اللّهُ مُنْ اللّهُ مَا مُنْ مَنْ اللّهُ مَنْ اللّهُ مَنْ اللّهُ مِنْ اللّهُ مَنْ اللّهُ مَنْ اللّهُ مُنْ اللّهُ مُنْ اللّهُ مَنْ اللّهُ مَنْ اللّهُ مَنْ اللّهُ مُنْ اللّه

دوسر سے طرفق سے تعذرت عائمتہ صدیقہ ہونا کی گرسٹ دوایت جس میں پر نفظ زاید ہے کہ گفن سے کپڑے کہا س کے عقے ابوداور سنے کہا کہ کہا کہ جس میں میں میں میں ابوداور سنے کہا کہ بھر تعشرت عائشہ ہونا سے توگوں کا یہ قول بیان کمیا گیا گیا گیا گیا گیا گیا تھا، تو تعشرت عائشہ ہونا نے فرمایا کہ جا در لائی گئی تھی لیکن اصحاب نے تعضور سے کفن میں وہ ہذر کمی اور اسے توٹا دیا تھا ارتر مذری، نسانی، ابن مامی،

سره ۱۳ - حسل النه على النه الحكم النه المحكمة المن كالم المنه الم

بَاحِثُكُرَاهِبَةِ الْمُغَالَاةِ فِي الْحَافِينِ

دکفنیں عُلوکرنے کی کراسیت کا ہاجیج

٣١٥٠ كَتَّانَّنَ مُحَتَّى بَن عُبَيْدِ الْمُحَارِبِيُّ نَاعَمُرُونِيُ هَاشِيمِ اَبُوْهَالِكِ ____ الْجَنْبِيُّ عَن الْسَمْفِيُلَ بِن إِنى خَالِدٍ عَن عَامِرِعَن عَلِي بَنِ أَبِي طَالِبٍ كَرَّهُ اللهُ وَجُهَهُ قَالَ لَا ثَغَالِ فِي كَفْنِ فَا يَّنْ سَمِعْتُ رَسُولَ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ مَقُولَ لَا تُفَالُوا فِ الكَفْنِ فَإِنَّهُ يُسُلِبُهُ صَلْبًا سَرِدُيًّا -

علی بن ابی طالب رصنی التّریمندندنیکها که کفن میں غلومت کروکیونکرمیں سنے دسول التّرصلی التّرعلیہ وسلم کوفر ما تے سُنا تھا کہ کفن میں غلودم بالغہ مت کروکیونکہ وہ تومیت سے بہت مبلدی چن مباتا ہے دیعنی بوسیدہ ہوما تا ہے اوراس مدیث کی سندمیں ابو مالک عَنبی متعلم فیدراوی سبے ۔ ابن آئی ما تم اورابو انتحمد کوابیسی سنے کہا کہ عائم شعبی سنے مصنرت علی منسے ملاقات کی عتی اور معطیب بغدادی سنے کہ کوامس سنے اس سماع بھی کیا تھا۔

مه ١٥٥ حكى نَنْنَا مُحَمَّدُهُ بُن كَتَيْرِانَا سُفيَانُ عَنِ الْكَعْمَشِ عَنَ اَبِى وَايُلِ عَن مَبَابِ فَال مُصْعَبُ بُنُ عُمَيْرِ فَيُل عَن مَبَابِ فَال مُصْعَبُ بُنُ عُمَيْرِ فَيُل يَوْمَ لُحْدِه وَ لَمُر مَكُنُ لَهُ إِلَّا نَمِرَةٌ كُنَّ إِذَا غَطَيْنَا بِهِ اللهُ عَرْبَح رَأْسُهُ فَقَالَ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَرْبَح رَأْسُهُ فَقَالَ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْه مِنَ اللهُ خَرَج رَأْسُهُ فَا اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى الْحَلَيْدُ مِن اللهُ خِر.

خباب رم نے کہاکہ معنف بن عمد من حبک اُحدی شہدم و نے تقے اوران کی حرف ایک اونی جا در مقی حب ہم اس کے ساتھ اس کا مرفوصا نکتے تقے تو ہر کھن جا تا ہے اللہ اللہ علیہ ما تھے اور حب با کو ل ڈھا شکتے تقے تو مرکفن جا تا تھا، بس رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم نے فرطا کہ اس کا مرڈھانک دواور باؤل ہوا ذخر کھی مس ڈال دوار بخاری اسلم انڈی نہ آئی ک

منسوح : معتقب من عمیر دسانفین اولین میں سے تھے ، بڑسے نازونعمت کے بلے ہموسے کھے گرار مام لانے کے بعد یک بخت مالت بدل گئی۔ کمئرین قبید رسیے بھر تعبشہ کو بھاگ گئے بھر مکٹر والیس اکر مدینہ کو ہجرت کی بھرت سے قبل اہنیں اسلام کا اولین مبلغ ومعلم بناکر مدینہ بھےاگیا تھا جنگ احد میں نشکرار مرام کا ملم ان سے باتھ میں تھا بڑسی وروناک ما تت میں شہد ہوئے تھے ۔

٧٥/٣- كَنَّانَكَ آخَمُهُ بُن صَالِحٍ حَتَاثَنِي أَبْنَ وَهُبِ حَتَاثَنِي هِشَامُرا بُنُ فَهِ مِنَا ثَنِي هِشَامُرا بُنُ مَعُدِعَنَ عَبَادَةً أَنِ نُسَيِّ عَنْ آبِيهِ عَنْ عُبَا دَةً أَنِ نُسَيِّ عَنْ آبِيهِ عَنْ عُبَا دَةً أَنِ سُعَدٍ عَنْ عَنْ اللهِ عَنْ عُبَا دَةً أَنِ نُسَيِّ عَنْ آبِيهِ عَنْ عُبَا دَةً أَنِ اللهُ عَلَيْهِ وَسَتَّوَ خَيْرًا لَكُوْرِ اللهِ عَنْ عُبُراً لُا ضَعِيبَةً السَّامِ عَنْ رَسُولِ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَتَّوَ خَيْرًا لُكُورِ اللهِ عَنْ عُبُراً لُا ضَعِيبَةً وَسَلَّو خَيْرًا لُكُورِ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّو خَيْرًا لُكُورِ اللهِ عَنْ عُبُراً لُا ضَعِيبَةً وَسَلَّو حَيْدُ لَا لَهُ عَلَيْهِ وَسَلَّو خَيْرًا لُكُورِ اللهِ عَنْ عَبْدُ اللهِ عَنْ عَبْدُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّو خَيْرًا لُكُورِ اللهِ عَنْ عَبْدُ اللهِ عَلَيْهِ وَسَلَّو خَيْرًا لُكُورِ اللهِ عَنْ عَبْدُ اللهِ عَنْ عَنْ عَلَيْهِ وَسَلَّو خَيْرًا لُكُورُ اللهُ عَلَيْهِ وَاللّهُ عَلَيْهِ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهِ وَلَا عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَلُولُوا اللهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَلَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَلَا لَا لَهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَلِي اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَلَا عَلَى اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَلِي اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَلِي اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهِ وَلَالْكُولُولُ اللّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْكُ وَاللّهُ عَلَيْكُولُ اللّهُ عَلَيْكُولُ اللّهُ عَلَيْكُولُ اللّهُ عَلَيْكُوا عَلَيْكُولُ اللّهُ عَلَيْكُولُ اللّهُ عَلَيْكُوا اللّهُ عَلَيْكُوا اللّهُ عَلَيْكُولُ

عباده بن المصامت و نفری کرم ملی الله علیه وسلم سے روایت کی کرآپ نے فرمایا: بہترین کنن مُدہب اور بہترین قربا نی سنگ والامین طرحا ہے۔ را بن ماجر من صرف کفن کا ذکر سے ،

ستریخ: پوراکمن تومرد کے بیت میں کپڑوں کا ہے، پھر حدیث کامطلب یہ ہے کران میں کپڑوں میں مُدّ تعنی جوڑا ہو ۔ یا اس کامطلب یہ ہے کہ دو کپڑے ایک سے بہتر ہیں اور تمین کپڑے کا مل کمن ہے مصرت عائشہ رمزا ورا بن عباس رمز کی حدیثوں میں سفید کفن کی فسیت وار دیسے یہ

بَاسِنُ فِي كَفْنِ الْمُثْرَأَةِ

دعورت کے کفن کا بالس

١٥٥٧ - حَكَّا نَعْنَا اَحُمَدُ اَنْ عَنَهُ الْ اَلْهُ عَلَىٰ الْمُعُونِ الْمُولِ الْمُعُولِ اللهُ عَنَ رَجُلِ مِن اَبْنِ عَنْ رَجُلِ مِن اَنْ اللهُ عَنْ رَجُلِ مِن اَبْنِ عَنْ رَجُلِ مِن اللهُ عَنْ رَكُودُ وَ لَا تَعْلَىٰ اللهُ عَلَىٰ اللهُ ا

میلی منبت قانف ہنتقنیہ سنے کہاکہ میں ان عور توں میں شامل تھی جنہوں نے رسول النہ صلی النہ علیہ وسلم کی بیٹی ام کلنوم رضی لنہ عنہا کوان کی وفات کے بعد عنس دیا تھا۔ پس رسول النہ صلی النہ علیہ وسلم نے مہیں جو پہلی چیز عطافر مائی وہ ازار تھا۔ پھر جا ور رسیر اور صفی اللہ علیہ وسلم پھر لماف ، پھراس کے بعد انہیں ایک اور کپڑے میں بہیٹا گیا ۔ بسائی رہ نے کہا کہ اُن کا کفن سے کررسول النہ صلی النہ علیہ وسسم دروا زے کے پاس بیعظے متھے اور ایک ایک کرکے رہ کہڑے ہے میں وسیقے سے دیعین شارصین کا نوبال سے کہ ربوا قد زینہ مضارضی اللہ عنہا کا سے مگراس کی کوئی دسی ان کے پاس نہیں سیے

بَائِت فِي الْمِسْكِ لِلْمَيِّبْتِ

دمیت کے سیے مشک کا بائٹ،

٨٥١٣ ـ كَتَّانْكَنَا مُسْلِعُ بُنُ إِبْرَاهِ يُحَنَا الْمُسْتَئِمَتُ بُنُ الدَّبَانِ عَنَ أِنْ نَضْرَةً عَنُ أِنْ نَضُرَةً عَنُ إِنِي سَعِيْدٍ الْنُحُسُدِيِّ فَالْ قَالَ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهُ وسَاتَعَ إَنْهُبُ

طِيْرِكُمُ الْمِسُكُ.

ا بوسعید خدری دمنے کہا کہ دسول الترصلی الترعلیہ وسلم نے فرایا: متمادی نوشیوؤں میں سے سب سے نوشیو وا ترکیشک سے دمشلم، ترند کئی، نشآئی مصراحة تومشک کا استعمال اس حدیث میں متبت کے سیے نہیں آیا گھرا طلاق سے اس کے ستعمال کا جواز معلوم ہوگا۔

بأب تعبيل الجنازة

د جنازے میں مبادی کرنے کا با ایک وراسے روک رکھنے کی کرامیت،

وه ١٦٠ حَكَا أَنُ عَبُهُ الرَّحِبُونِ مُكُلِّرِفِ الرُّواسِيُ ابُوسُفَهَانَ وَاحْمَهُ الرُّحَةُ مَنَ الرَّحْتُمَانَ الرُّحْتُمَانَ الرَّحِنِ وَكُو وَهُو ابْنُ يُونِسُ عَنْ سَعِيْدِ الرَّحْتُمَانَ الْمَارِيِّ عَنْ عَزَرَةً وَقَالَ عَبْهُ الرَّحِيْدِ عُرُونَةً اللَّهُ عَنْ سَعِيْدِ الْانْصَادِيُ عَنْ المَعْيِدِ الْانْصَادِيُ عَنْ الْمَادِي عَنْ مَعِيْدِ الْانْصَادِي عَنْ الْمَادِي عَنْ مَعِيْدِ الْانْصَادِي عَنْ الْمَادِي عَنْ مَعْيِدِ الْانْصَادِي عَنْ الْمَادِي عَنْ الْمَعْدِ اللَّا نَصَادِي عَنْ اللَّهُ عَلَى الْمُعْلِقُ الْمُعْلِقُ

حصین بن وحوج دہ سے روا بیت ہے کہ طلح بن بادرہ بیما رہوا تو جی صلی الترعلیہ وسلم اس کی عیادت کو تشریف لائے تو ذملا کرمیرے خیال میں ملکویٹ بیرا ثارموت طاری مہو گئے ہیں میں دجب یہ نوت بہوما ئے تو ، نجھے اس کے متعلق اطلاع دیناا ورمبلدی کرنا بمیونکہ بیرمناسب نہیں کرسلم کی لاش اس کے گھروا ہوں میں موکی بڑی رسنے ۔

مرما ، میونلدیه ساسب به سهم می ماس سی سے هروانون می وی بری استے ۔ مشورے : شارح طبی نے کہاہے کہ مومن با عزت و تکریم ہے مگر عب وہ مرداد ہوجائے اور اس میں سے بدائو آنے ملکے توانسانی طبا بع است بنگا و نفزت ویکیمیں گی مدا میں مناسب ہے کراس کی جمیز و کفین میں جاری کی جائے ۔ بجیفہ کا نفظ اس مدیث میں اسی طرح ایا ہے جیسا کہ قرآن میں سورۃ کا نفظ ہے ، گئیت لوگا دی سورات کی خینہ ۔ اور لفظ عبیقہ سے مومن کی سے است کیستالل نہیں کیا جاستا ۔

باب في العشرل عرب غيث الميبات الميبات

iocopació de compression de la completa de la compressión de la co

، ورس كُونَّ مَنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ كَانَ يَغْنَسِ لُ مِن الدُّكِمِ مِنَ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ كَانَ يَغْنَسِ لُ مِن الرَّبِعِ مِنَ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ كَانَ يَغْنَسِ لُ مِن الرَّبِعِ مِنَ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ كَانَ يَغْنَسِ لُ مِن الرَّبِعِ مِنَ اللَّهُ اللْمُلْكُولُ اللللْمُ الللْمُ اللَّهُ اللْمُلْكُلِي اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللْمُلْكُولُ الللْمُ اللللْمُ اللللْمُ اللَّهُ اللَّهُ الللْ

محضرت عائشد رصی الله عنها نے عبداللہ بن زبریط کو بتایا کہ نبی صلی الله علیه وسلم جا رجیزوں کے باعث غسل فر ہاتے سکتے منابت سے اور جمعہ کے دن اور حجامت سے اور عنس متیت سے دان جارہ ں یس سے بہلا عنسل تو واحب سے اور باقی سب مستحب محدیث کا مطلب رینسیں کے حصنور سے نبود ہم کسی متیت کوغسل دیا تھا ، مبکہ اس کا حکم دسیتے ہتھے ،

٣١٦١ حَكَانَتُ اَحْمُدُ بُنْ صَالِحٍ نَا ابْنُ إِنِي فَكَانِكِ حَتَّاتَ فِي ابْنُ ابِي فِي مَانِكِ كَانَكِ وَتُنِ اللهِ عَن عَمْرِوا بْنِ عُمُنْ مِعْنَ إِنْ هُرَيْرَة اَن رَسُولَ اللهِ عَن عَمْرِوا بْنِ عُمُنْ مِعْنَ إِنْ هُرَيْرَة اَن رَسُولَ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَسُلَمَ مَن عَمَّلُ الْمُنْ عَمَّلُ الْمُنْ عَمَّلُ الْمُنْ عَمَّلُ الْمُنْ عَمَّلُ اللهِ عَلَيْهُ وَسُلَمَ مَا اللهُ عَلَيْهُ وَسُلَمَ مَا اللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَلّهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْكُ وَمُن كَاللّهُ عَلَيْهُ وَلَيْ عَلَيْكُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَالّهُ وَلّهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَلَا لَهُ عَلَيْهُ وَلّهُ عَلَيْهُ وَلّهُ وَلَا لَاللّهُ عَلَيْهُ وَلَا عَلَيْهُ وَلّهُ عَلَيْهُ واللّهُ عَلَيْهُ وَلَا عَلَيْهُ وَلَا عَلَيْهُ وَلِمُ اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا عَلَيْهُ وَلَا عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ عَلَيْكُواللّهُ عَلَيْكُوا عَلَيْهُ عَلَيْكُولُكُمْ عَلَيْكُولُولُ وَاللّهُ عَلَيْكُولُولُولُ اللّهُ عَلَيْكُولُ اللّهُ عَلَيْكُولُولُولُ اللّهُ عَلَيْكُولُولُولُكُولُولُولُ اللّهُ عَلَيْكُولُولُكُمْ عَلَيْكُولُولُ اللّهُ عَلَيْكُولُولُولُكُمْ اللّهُ عَلَيْكُولُولُولُكُمْ عَلَالِكُمُ اللّهُ عَلَيْكُولُولُولُكُمْ اللّهُ عَلَيْكُولُولُكُمْ اللّهُ عَلَيْكُولُولُكُمْ اللّهُ عَلَيْكُولُولُكُمُ اللّهُ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمُ اللّهُ عَلَيْكُمُ اللّهُ عَلَيْكُمُ اللّهُ عَلَيْكُمُ اللّهُ عَلَّا عَلَالُكُمْ عَلَالُ

است الفايا وه وضودكرس الريدكي، ابن ما جب

مشوح بقلام خطابی کا قول سے کہ میں تھی گوئیں ما نتا ہو خشک میت - سے خسل کو واجب ظہرا تا ہو یا اس کے کا مانے سے
ومنو دکو واحب قرار دیتا ہو ۔ اور مناسب یہ سے کہ اس حکم کو استجابی سمجا جائے ۔ اور یہ بی ہوسکت ہے کہ خاسل سبت کواس
ا مقیاط کی بنا، برعنل کا حکم دیا گیا ہو کہ ممکن ہے میت سے جھینے اور کہ عنسل دینے والے بر بریٹری اور میت کا حبم میں
ہو۔ اور یہ معلوم نہ ہو سکے کہ چھینے کہ ال کہ ال کہ ال کہ ال بی اس سیے سازے بدن کے عنل کا حکم دیا گیا تا کہ جال نجس جھینی اللہ ہو وہ جگہ یاک ہو حالے ۔ اور وضوی کے سے حکم کا مطلب یہ بتایا گیا سے کہ میت اٹھانے والے با وضوی ہوں تا کہ جنازہ کی
منازی ہے سکس ۔ اور مدیث کی سند میں کلام سیے ۔

٧٧١٣ - كَنْكَ النَّكَ حَامِكُ بُنُ بِيجَيْ عَنْ شُفَيَانَ عَنْ شُهَيْلِ بَنِ أَبِيْ صَالِحٍ عَنْ أَبِيهِ عَنْ إِنْ مَنْ النَّيِ صَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَنَّعَ مَنْ إِنْ حَانَ مَوْلَكُ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَنَّعُ مَنْ إِنْ هُرَيْرَةً عَنِ النَّبِي صَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَنَّعُ لَكُمْ النَّبِي صَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَنَّعُ لَكُمْ الْمُعْنَاهُ قَالَ البُوْحَ الْوَحْمَةُ وَالْ البُوحُ الْوَحْمَةُ وَالْ البُوحُ الْمُحَلِيْنُ البُحْمِ الْمُحْمَلُ الْمُحَلِيْنُ الْمُحَلِيْنُ الْمُحَلِيْنُ الْمُحَلِيْنُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الْمُحَلِيْنُ اللّهُ ال

وَحَدِيْنِ مُصْعَبِ فِي وَخِصَالُ لَيْسُ الْعَمَلُ عَكِيهُ

دومری سند کے ماعة وسی حدیث عن ابی بر میرہ دماعن النبی ملی الشرعلیہ وسلم ، ابددا ؤدنے کہا کہ یہ منسوخ ہے ہیں نے احمد بن منبل سے منا ، اُن سے عنسل کرنے کا سوال مہوا تھا آلوا نہوں نے کہا کہ اُسے و صنود کا فی ہے ، ابودا ؤدینے کہا کہ ابوما لے سنے اسنے درمیان اور ابو تہریہ ، درمیان اس حدیث کی سندیں اسحاق مولی ندائدہ کو دا صل کردیا ہے ، ابودا ؤ دینے کہا کم مقتقب کی حدیث دگذشتہ موریث ، ہمی بعض با ہمیں ایسی ہمی جن پرعمل نہیں ہے دا حمد بن منسب کے مند دیک عنسل میت سے عنسل وا حب ہمونا ٹا بت مذہوا۔ سنن ابی داور کی ابن داسہ کی روایت ہیں ہے کہ حدیث منصعب صنعیف ہے

ياب في تَقْبِيلِ الْكِيِّتِ .

ومببت كوبوسه دسينے كا با بہج ،

س٧١٣ حكماً تَنَكَامُ حَكَمَّ لُكُ بُنُ كَتِنْ يُرانَا سُفَيَاكُ عَنْ عَاصِرِ ابْنِ عَبَبْ لِاللهِ عَنِ اللهِ عَن اللهِ عَن عَاصِر ابْنِ عَبَبْ لِاللهِ عَن اللهِ عَن عَامِن عَامَتُ وَلَهُ مَا لَا لَهُ عَلَى اللهُ عَكَيْ لِوَسَا تَعَرَيْهَ بِلُ عُنَاكَ اللهِ عَلَى اللهُ عَكَيْ لِوَسَا تَعَرَيْهَ بِلُ عُنَاكَ اللهِ عَلَى اللهُ عَكَيْ لِوَسَا تَعَرَيْهَ بِلُ كُفْتَاكَ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَيْ لِاللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَيْ لَا لَهُ عَلَيْ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَيْ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى ا

بْنَ مُظْعُونٍ وَهُومَتِتُ حَتَّى رَأَيْتُ اللَّهُ مُوْعِ تَسِيلُ -

عائشہ رمنی النہ عنه کنے فرمایا کمیں نے دسول الٹرصلی الشعلیہ وسلم کودیکھا کہ آپ عثمان بن مظعون رہ کو بوسد دسے دسیے مقع جبکہ وہ فوت ہو دیکا تھا ہو تک کمیں نے آپ کے آضو کو ارتصار و رب بہتے دیکھا در آندی، ابن آ جدا بن آ جدا بن آ مرکی روایت کے انفاظ یہ ہیں گویا کہ میں آپ کے اکسور شماروں پر بہتے دیکھ رہی ہوں ، تریذی سنے اسے میں صبح کہا سیے مسئور ہے ، عثما ن بن مظمون دسول الٹرصلی الٹر علیہ وسلم کا دو وصر شریک بھائی تھا ، معبنہ اور مہتبہ کی ہجرت ربینی دونوں کی جنگ تبر میں شریک ہوا۔ فضل الے معابہ میں سے تھا ، بقیع میں وفن ہونے والا بہلا شخص ہی تھا دمنی الشر تعالی عنہ ،

كَبَائِبُ فِي السَّافُنِ بِاللَّبُلِ .

درات کودنن کرنے کا با اب،

جابر بن عبدالندم نے کہا کہ ہوگوں نے قبرستان میں آگ دیکی توویاں گئے، دیکھا کہرسول النوصلی النوطیہ وسم ایک قبریں اترے ہوئے تقے اور فرما رہے تھے: مجھے اپنا ساتھی کپڑاؤ، ہم نے دیکھا توریوں شخص تقاجو با واز پبند دکسر کیا کرتا تھا رہر بذی اس محابی دن کا نام عبدالندیما۔

میٹیجیے جس طرح ال مفتولول کودنن کرنے کا حکم مقااس طرح دیگر مردول کا حکم بھی ہے کہ انہیں موت کی مبگرسے روسری حکہ نتقلِ مذكيا جاسة الآذباريس مي كردسول الشرسلي الشرعليه وسلم كامكم بدوة الفافل وجوب كيدي سيركيونكه مسيت كوايك مبكرس ووري مگه منتقل كرسف سي تغير كا خطره سبع اگر تغير كاظن غالب بهوتوانسين منتقل كرنا حدم سبع اور بظام رييعكم شهداء ك سياخه مخصوص ہے در نہ سعد بن ا بی و قاص کو ان کے قصر سے مدرین منتقل کیا گیادور صحابہ کی ایٹ مها عث موجود نقی جس نے کوئی نکیہ نہیں کی - اور زیا وہ ظاہریہ سے کہ ہی اس بات برجمول سے کہ دفن کے تبعد انہیں وہاں سے نتقل ندکیا جائے دینی بلاعذر سلدائے احد کے ایسے بھی بیر محم ابتدادیں ہی تھا، بغد ہیں اس کی ممانعت مذتھی کمیونکہ مروی ہے کرچے ما ہ کے بعد ما برط نے اپنے اب عبدالسُّد كي حبم كوا مدّ سع لاكر بقيع من دن كيا تقا طيبي في كماسي كه صرورت كي بغيرنقل كمرنا ورست نهي -مالكب كى دواست ميں سنے كريم وين الجموع رہ اورعبدالشدين عمروا نصاري كى قبرول ہيں سيلا سبكا بإنى داخل ہوگيا تھا ،انہيں قبري كھودكر نكالاكياتوبا بكل تروتانه و فيكل ويل كركل دون موئ عقد وان مي سعداكيك كا بائة تمنيتي كي زقم ميرد مواعقا اوراسيداس طرح و فن كرديا كيا نقيا، دوباره حب نكالا كياتو ما فقر مهان سينون بركياا ورياحة كوجب جيو الكياتو وين جلا كياج ال بيك دها بمواقله ونن كمرف اور كھود انے ميں ، مسال كا عرصه تھا مولاً أفرات ميں كر ہي تول درست سے، اور جابر من سے بيام يد نهيں بوسكتي كر مفنور كم مخالفت كم باوجودوه باب كى لائش كولاكمريقيع مَين دنن كمرت ابن الهام سُن كهاكد قبر بيرم لى دال دبيف كولوكم نسادہ تدت کے بعد بلا غذرا سے کھو ما مہا نا درست نہیں ، اور نمز آئیہ سے کہ مٹلا بہتہ مل مبائے کہ یہ زبین غصب کی ہے ، ایکوئی حق شفعه والامقدم مرجبيت كمراسي سے ماسنے إلى مثلاً وفن سيقبل اس من كسى كاكيرًا بأسكه وعنيره كمركبا عاا وروم برره كيا دون سے قبل یا محدا ورقسر درست کم نے سے قبل اگر کسی مصلحت سے اسے ایک دومیل سے جانا جا ہی تو جا المذہب ورند ماڻنزنيس ـ

بَائِبٌ فِي الْمَيِّبِ بُعُهُمُ لُ مِنْ أَرْضِ إِلَى أَرْضِ

(میت کوایک ملکرسے دوری میں سے مبانے کا ہائٹ)

١٦٥ - حَكَانْنَا مُحَمَّدُهُ بُنُ كَتِيْرِانًا سُفْيَاكُ عَنِ الْكَسُودِ بْنِ فَيْسِ عَنْ بْبَيْجِ

عَنْ جَابِرِقَالَ كُنَّاحَمَنُنَا الْقَتْلَ يَوْمَ الْحُبْرِلِنَهُ فِهُمُّ فَجَاءَمُنَادِى الْتَّبِي صَلَى اللهُ عَكِيْهِ وَسَلَّوَ فَقَالَ إِنَّ رَسُّولَ اللهِ صَلَى اللهُ عَكِيْهِ وَسَلَّوَ يَالُمُ رُكُمُّر اَنْ تَهُ فِنُوْ الْفَتُلَى فِي مَضَاجِعِهِمُ وَرَدْدِ نَاهُمُو.

حامر بن عبدالترانفداری نے کہا کہ ہم جنگ اُ مدیکے دن مقتولوں کو لرد تینر سے ماکمر دنن کرنے سکے بیے انٹھا چکے نظ کرنی ملی التعظیہ وسلم کی طرف سے منا دی کرسنے والا آیا اور کہا کہ رسول الترصلی الترعلیہ وسلم تہیں حکم دیتے ہیں کہ مقتولوں کو ان کی قتل گا ہوں میں دفن کروہ ہس ہم نے انہیں وہیں لوٹا دیا دیا رستر نذی دنسا آئ، ابن ما تیر،

مشوح، به آگ جوبوگوں نے دیمی عنی، روشی کے لیے عتی -امام احدوث فرما یا که رات کودن کرنے میں کوئی حدے نہیں ہمنرت ابو بکر رمنی الٹرعنہ کوبو تت شب دن کیا گیا تھا ، علی منے فاطر رہ کوبو قت شب دن کیا تھا اور ات کودن سکے جانے والے حصارت میں عثمان ان ، عائشہ رہ ، اورا بن مسعود رہ بھی تھے ، رسول الٹر صلی الٹر علیہ وسلم کے دنن کے متعلق حصرت عائشہ رہ کا قول ہے کہ میں نے بچھلی دات کو کسینوں کی آواز شخص، بعنی قبر شریف کو برا بر کیا جا رہا تھا ، دات کو دنن کرنے میں عقبہ بن عا مرہ ابن المسیت بعطاء ، ٹورسی ، رشافعی اورا شحاق کا تول جواز کا سے اور حس بھری اورا صربی منبل کے دوایت کے مطابق اسے ناپ ندکیا ہے ۔ اور دات کودنن کرنے کے متعلق آنار کی تعدا دجواز کے بارے میں نہ بادہ سے دمافظ ابن تعمیم امبوزیر بی خلاصہ ہیں ہے کہ بوقت صنور ت دات کو دنن کرنا جائز سے -اس بر کھی گفتگو او بر بھی گزر دکھی سے ۔

بالسب في الصُّفُونِ عَلَى الْجَنَازَةِ

دمینازسے کی صف کاماتشی

٣١٧٧ - كَكَّانْنَا مُحَكَّدُهُ بُنُ عُبَيْدٍ نَاحَتَادٌعَنَ مُحَكِدِبُ إِسْحَاقَ عَنَ يَزِيْهَ إنبِ آبِي جَبْيٍ عَنْ مَرْفَي البَرْنِي عَنْ مَالِكِ بْنِ هُبَيْرَةَ قَالَ قَالَ رَسُولُ اللهِ مَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَوَ مَا مِنْ مَبِيت يَهُوتَ فَيْصَلِي عَلَيْهِ تَلاَثَةٌ صُفُونٍ مِنَ الْمُثْلِيْنَ إِلَّا أُوجَبَ فَالَ فَكَانَ مَالِكَ إِذَا اسْنَقَلَ آهُلَ الْجَنَازَةِ جَذَا هُمُ خَلَثَةً صُفُونٍ

مالک بن مبیر و نے کہاکہ دسول النہ صلی اللہ وسلم نے فرمایا جوشخص مرعابئے اور اس بیسلمانوں کی من صفیں نماز بڑھیں تواس کے سیے جنت وا جب ہوگئی ، مزنک نے کہاکہ مالک بن بہیروں جب جنا زہ بڑھنے والوں کو کم دیکھتے سے تو ان کی من صفیں اس مدیث کے باعث بنادیتے تھے۔ رتر آئدی ، ابن ماجر دوسری دواست میں ہے کہ: انٹرا سے بخش دیتا ہے۔ انٹر پر کوفی چیز وا حب نہیں اورا پنے فیصلے کو بدل دینے پر قا درسے مگروہ وعدہ صرور پولافرمائے کا ، ایجاب کا سی معنی ہے ۔

كاكب إنباء النساء الجنازة

رعورتوں کے جنازے کے پیچھے جانے کا بات)

٧٧٦٦ - كَلَّا ثَنْكَ أَسُكِيْمَا كُ بُنُ حَرْبِ نَاحَتَمَادٌ عَنَ اَيُّوْبَ عَنْ حَفْصَةَ عَنُ اُوِّدَ عَنْ اَمْدَ عَنْ اَوْرَ عَنْ الْمُعَنَا وَلَوْرُعَ لَكُوْبَ عَنْ الْمُعَنَا وَلَوْرُعَ لَكُنَا وَ عَلَيْنَا وَ الْمُعَنَامُ وَلَوْرُعُ لِكُنَا وَ الْمُعَنَامُ وَلَعْ لَهُ عَلَيْنَا وَ اللّهُ اللّهُ الْمُعَنَامُ وَلَوْرُعُ لِلْكُنَا وَ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّه

ام عطیدر نے کہا کہ مہیں مبنانرہ کے پیچھے جانے سے منع کیا گیا دیکن سختی سے اوراصرار سے نہیں روکا گیا دبخاری، مسلم، ابن ماتبہ

شاس بنا کردہ مگر حلم نہیں۔ کیونکہ حنور کی نئی کا مشاہ کم اسب اس حدیث کی بنا دہر ہے ہے کہ عور توں کا جنا زہے کے پیچے جا نا مکردہ مگر حلم نہیں۔ کیونکہ حنور کی نئی کا مشاہ کم اسب تنزیہ سے مذکہ تحریم - قاصی عیان نے کہا کہ قام علاہ نے عور توں کو جنازے کے پیچے جانے سے منع کیا ہے۔ علی ئے درتیذا ور مالکٹ نے اسے جائز دکھا سے مگر جوان عورت کو معا نے کی امباذت نہیں دی - الدرآ لمختاد میں حنفیہ کا فرم ب یہ مکھا ہے کہ عور توں کا اس طرح کا خروج حرام ہے کیونکہ معنود علی افسان ہ واسے کوئی تواب نہیں ملا ابن ما جہنے اسے علیہ العداؤة والسلام نے جانے والی عور توں سے فرایا تھا : جا والی عور توں ہے ہے ہے ہے۔ سے مختار کی میں نے میا میں کہ انداز کی است کے منا کہ کہ دی سے جو من میں کہ انداز کی اس کے منا کے دور کا خوال اللہ میں اللہ علیہ وسلم وہ کی دیکھتے ہو توں سے ہو کہ اس کے متعلق سے حب کے مورتوں کو متعلق میں جب کے مورتوں کے متعلق سے حب کے مورتوں کو مجہ اور میں دیا ہے کہ میں اس کہ میں آئے کی اجازت دی گئی میں ۔

بَاهِي قَصْلِ الصَّالْوَةِ عَلَى الْجُنَّايُرِ وَنَشْرِينُعِهَا -

رحنازوں پریماز کی فضیلت کا با هب

ابوہریہ در نی کریم صلی الترطیہ وسلم سے روایت کرتے ہیں کر صنور صلی التر علیہ وسلم نے فرمایا جو شخص کسی جنازے کے پیچے گیاا وراس پر نماز برطر هی تواس کا اجرا یک قیراط ہے۔ اور سجواس وقت تک جنا زے کے رہا تھ رہا جب تک کہ اس دمن سے فراعنت ہو مبائے تواس کا اجہ دو قیراط ہے۔ جن میں چھو نگی ، یا فرمایا کرایک ، اُصد بہا ٹری مان تد سے رہخارتی، مسلم، تریزی ، نسبانی ، ابن ما مبر،

مرد المرد المسلم المرد المرد

خدام المومنين و كوجوبينام بهيها تقالى كى غرض تحقيق وتائيدا ورتنبيت فى ذكر تكديب الجهرير و والمده و المدهد و الماس كالمومنين و الماس كالمومنين و المريد و ال

جَنَادَتِمُ ٱرْبَعُونَ رُجُلًا لَا يُشْرِكُونَ بِاللَّهِ شُيِّمًّا إِلَّا شُفِّعُوْا فِيهِ -

ا بن عباس رمانتے کہا کر میں نے نبی صلی اللہ علیہ وسلم کو یہ فرماتے شنا کہ جومسلمان مر جائے اور اس سے جناز سے پر چالیس اسیسے آدمی کھڑ سے ہوں دا ور نماز بڑھیں ہجواللہ کے ساتھ کسی چیز کوٹٹر یک نہ تھراتے ہوں توان کی سفارش اس کے بارسے میں قبول ہوگی دمسلم، آبن مآجہ، تر ندنی ، نسائی ،

منشوح: اور ایک مدریف می مین مین ما ذکر گزرا ہے۔ صبح مسلم میں معنرت عالئت دخسسے دو ایت سے کہ بجس متبت مرسو اللہ مسلمان نماز پڑھیں اور اس کی شفاعت کریں توان کی ٹمفاعت قبول ہوگی ، تریذی کی دواست میں ؛ سنو بااس سے زا ارہ ، کے الفاظ ہیں۔ ممکن سبے اس مسلامیں ہی انتخاص یا احوال وعنیر ہاکا بھی کچے فرق ہو۔ وسیسے ھی ان اما دیث میں اختلاف نہیں، الشار عاسی تو کم کی وعاد ھی قبول فرماسے ۔ زیادہ کی قبولسیت سے کم کی عدم قبولسیت لازم نہیں آتی ۔

بَاكِبِ فِي إِنْبَاعِ الْمَيِيْتِ بِالنَّادِ

دمیت کے پیچے آگ سے جانے کا ہاتھے

١٠١١. كَلَّا ثَنُكُ هَارُونُ بُنُ عَبُواللهِ نَا عَبُكَ الهَّهَ مِن وَنَا ابْنُ الْمُثَنَّىٰ نَا اللهِ مَا عَبُكَ الهَّهَ مَن وَنَا ابْنُ الْمُثَنَّىٰ نَا اللهِ مَا يَحْيِى حَدَّا تَنْ عَاللهُ الْمُثَنَّى الْمُثَنَّى اللهُ عَنْ اللهِ مَا يَحْيى حَدَّا تَنْ عَالَ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهِ عَنْ الْحَدُونَ وَكَا النَّبِي صَلَّى اللهُ عَنْ الْحَدُونِ وَلا مَا لِهُ عَنْ النَّبِي صَلَّى اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ

ابوبرىيده دره نے دوایت كى كم نى سلى الله عليه وسلم نے فر ما يا : جنان سے كے پیچيے آوازا ور آگ بنر سے جائى عبائے، اور

ہر وہ اس میں اور اس کے آگے نہ میلا جائے در مندری نے کہاکہ اس کی سندی دوجہول اور ہیں اس کے آگے نہ میلا جائے در مندری نے کہاکہ اس کی سندی دوجہول اور ہیں ایک مشوح : ابودو وری ہیں کہ اور است مراد تورو نے اور ہین کرنے کی آوا زہے میڈیا کہ مشرکین کا دواج ہے۔ یا وصول اور عبی وسنے کا دواج ہے۔ یا وصول اور عبی وسنے کی اور است میٹریل کا دواج ہے۔ یا وصول اور عبی وسنے کی انگیری کے دیک اس مشرکین کا دواج ہے۔ ابتدائع میں ہے دھونی دینے کا ادادہ دکھتی میں ایک مورت کوآگ کی انگیری کے دیک وان سے وان اور وائیس کر دیا حتی کہ وہ دھونی دینے کا ادادہ دکھتی میں ای تورسول النزملیہ وسلم نے اسے مبند آوا نہ سے وان ایک وائی کہ دواج میں کہ میرے ساتھ آگ کی انگیری میں سے جانا آگ آل کی انگیری میں جنازے کے آگے جانے دیک ساتھ ہے جئب کئی۔ ابو سریرہ دوایا گیا، اور بیر مشرکین کا فعل بھی ہے۔ اس مدیری میں جنازے کے آگے جانے کی ممانعت ہے ، اس مدیو میں جنازے کے آگے جانے کی ممانعت ہے ، اس مدیو تقریب گفتگو ہوگی ۔

مَاكِثُ (لِقَيَامِ لِلْجَنَازَةِ

دونازسے کے لیے قبام کا باسی

٣١٧٢ ـ كَتَّا ثَنَّا مُسَدَّدَ ذَا صُفَهَا ثُ عَنِ الزُّهُمِ يَى عَنْ سَالِحِ عَنْ اَبَدِهِ عَرْنَ عَامِرِيْنِ رَبِبُعَةَ يَبُ لُغُ بِهِ النَّبِيُّ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوْ إِذَا رَأَبُ تُحُرُجُكَ أَزَةً فَقُومُوالهَاحَتَى تَخُلِفَكُوا وَتُوضَعَ.

عامربن دىبعيدداى مدىيث كودسول الشرصلي الشرعليدوسلم تكسهنجا تاسي كرحننودسنے فرما يا .حبب تم كو ئى حبنازہ د كيے تواس کے لیے کورے ہوجا وُحتی کہوہ تم سے آگے گزر جائے یا اُسٹے نیچے رکھ دیا بائے رَغَاری مسلم، تر مذی ، نسانی

. شہر سے : ایکے بھی اس مضمون کی مدیثیں آتی ہیں ابن حبان نے اگلی صریف دا بومعا ویہ والی ان تفظوں سے روایت کی ہے ر ، رسول الترصلي الترعليه وسلم حبب مسى جنازے كے ساتھ موتے توجب كك أسے محد ميں مزر كھا جاتا، با دفن مذكيا جاتا آپ نہ بین طفتے ایس اس مدیث یں أو اس سے الیا علو ، كالفاظ نہیں ہن برید بجث آ گے آ رہی سبع ۔

سرع ١٧٠ حَمَّا نَتُكَا أَحْمَكُ بُنُّ يُونْسُ نَا ذُهَا يُرَّ نَا شَهَيْلُ بُنَّ أَبِي صَالِحٍ عَنِ ابْنِ اَ بِى سَعِيْدِ إِلْخُهُ رَيِّ عَنْ اَبِيْهِ قَالَ قَالَ رَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَكَيْهِ وَسَسَّحُ إِذَ تَبِعُتُكُو الْجَنَازَةَ فَلَاتَجُلِسُواحَتَى تُوضَعَ فَالَ ٱبُودَا وَدَرَوَى التَّوْمِ يَّ لَهُ مَا الَحَدِيثَ عَنْ سُهَيْلِ عَنْ آبِيْهِ عَنْ إِنِي هُرَيْرَةٌ قَالَ فِيهُ حَتَّى تَوْضَعُ الْأَرْضِ وَرُواْهُ ٱبُوْمُعَاوِيَةُ عَنْ سُهَيْلِ فَالَ حَتَّى تَوْضَعَ فِي اللَّحْدِوَ سُفْيَاكُ ٱحْفَظَ مِنُ أَبِي مُعَادِئِتُ ـ

ا بومعید نم*یرری نے کہا کہ جنا ب دسول انٹرصلی* الس*ُرعلیہ وسلم نے فرما یا۔ بہب تم کسی جنا ذیبے کے پیچیے جا*ؤتواس وقت مك ند بييطوعب مك أسع دكورد يا جائد را بخاري مسلم ، ترندي، منساقي فتحرح: بیال برابوسعیدخدری سے ان کا بیٹاعبالرحل راوی سے ، نسآئی نے ابوسلمہ بن عبدالرحل عن الی سعیدرہ كى مداست لى سيحاور مسلم ك- الوصالح التمان عن ابي سعيدر من كاطريق بنا ياسيد البودا وُدين اس روابيت كم بعد و کما ہے کہ س مدیث کو توری سنے عن سکیل عن ابیعن ابی سریہ ہ رہ روایت کیا ہے اوراس ہیں کہا ہے جی کہ اُسے

نرمن پیہ رکھ دیا جائے ۔ا ورابومتعا و پیرنے اسے مہتل سے بوں روا بیت کیا ہے : حتی گراُستے کی میں رکھاجائے ۔او ا وپرکی *در بیٹ* کی شرح میں ہم سنے در مجوالۂ مرا فظائن قیم ^{مر}المجوز سے رابن حبال کی دوایت درج کی ہے جس میں الومعاویہ ر كوشك بيركه حدميث مي لفظ آيا سيحكه جتى كمراست محدمين ركها جائي. اير لفظ بير سيحكم: اُسسے وفن كيا مباسم -ا بوداؤد سنے کماکرسفیان ابومعا دستے کنسبت زیادہ ما فظ سبے رہل بوداؤ دیے نزدیک : حب تک اسے ذمین م رکھا جائے، کے نفط کو ترجیح ہے میں بہ مدیث ان توگوں کے لیے ہے جو بنانہ سے کے ساتھ جار سیے ہوں ۔ اتبدائغ میں ہے کہ جنا زے کے پیچیے جانے والوں کے لیے مکروہ سے کہ جنازے کے زمین میر رکھا جانے سے تبل بلیھیں کیونکہوہ متبع میں اور تبسع اصل سے سیانیس بیٹ سکتا ،وہ میت کی تعظیم سے لیے اسٹے ہیں اور تعظیم سی میں سے کہ حب اسے زمین بر رکھ احبا ہے تب بیٹییں مذکہ اس سے پہلے دی با السامت رہ کی روایت میں ہے کہ رسول اللہ صلی النرعلیوسلم متنت کے بحدیس کھا جانے سے قبل نہیں بیسطتے سقے ایک دفعہ آپ اسپنے اصحاب سمیت ایک قبر کے سرم کھڑے تھے،اکی ہودی نے کہاکہ ہم عبی اپنے مروق کے ساتھ الیہا ہی کرتے ہیں تورسول الناصلی اللہ عليه وسلم نے آپنے اصحاب سے فرما با کہ ان کی بنا تفت کر ور تعنی جبہ بہازہ زمین بمہر کھ دیا جا نے توبیشک مبط جایا کو م ١٥٨- كُلَّا نَتُكَا مُؤَمِّدِلُ بْنُ الْفَصْلِ الْحَرَا فِيَّ نَا الْوَلِيْثُ نَا ٱبُوْعَهُ وعَنْ يَحْيَى بُنِ أَنِي كَثِنْ بِرِعَنُ عُبَدِهِ اللهِ بُنِ مِقْسَرِوقَالَ حَمَّا لَتَنِي جَابِرُقَالَ كُنَّا مَعَ النَّتِي صَلَّى اللَّهُ عَكِيْهِ وَسَلَّوَ إِذْ مَرَّتُ بِنَاجِنَازَةٌ فَفَامُ لِنَهَا فَكُمَّا ذَهَبُكَ لِنَحْمِلَ إِذَا هِيَ جَنَازَةُ يَهُوُدِي فَقُلْنَا يَارَسُولَ اللهِ إِنْتُمَاهِيَ جَنَازَةُ يَهُوُدِيّ فَقَالَ إِنَّ الْمُونَ فَنُرُعٌ فَإِذَا رَأَيْ تُمْرَجِنَا زَةٌ فَقُومُوا ـ

جابر رمز نے کہا کہ ہم ہوگ نبی صلی الشرعلیہ وسلم کے ساتھ تھے کہا یک جنانہ ہ گفر را ، بس آپ اس تی عظیم کے بیے کو چ ہو گئے جب ہم اُسے اُٹھانے کو آ گے ہوئے صوتوہ ایک ہودی کا جنانہ ہے انے کہا؛ یارسول المنڈ بیزوا کے ہیودی کا چ جنانہ ہے یحصور سے نے فرما با؛ موت ڈرا و نی چیز ہے بس جب متم کوئی جنازہ دیکھی تو کھڑے ہوجا وُر بجاری ہمسلم. پی نسانی الکین ان کی مدمیث میں یہ الفاظ نہیں ہی کہ: جب ہم سے اظارے کو آ گے گئے ہوئے آگے دیکھنے ہے۔

٥ > ٣ - كَثَّانَتُ الْقَعْنَرِيُّ عَنْ مَالِكِ عَنْ يَخْيَى بُنِ سَعِيْدِهِ عَنْ وَاقِدِ بُنِ عَمْرِدُ أَنِي سَعْدِدِ عَنْ مَا فَعَلَا فَي مَنْ مَا فِي الْمَائِنِ عَنْ مَا فِي الْمَائِنِ مَنْ مَافِعِ مِنْ مَنْ عَلَا فِي الْمَنْ مَنْ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ فَامَ فِي الْجَنَازُةُ فَي اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ وَالْمَ فِي الْجَنَازُةُ فَي اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ وَالْمَ فِي الْجَنَازُةُ فَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوْ وَالْمَ فِي الْجَنَازُةُ فَى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّوْ وَامُ فِي الْجَنَازُةُ فَي اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّوَ وَالْمَ فِي الْجَنَارُةُ فَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّوْ وَالْمَ فِي الْجَنَازُةُ فَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَلَالْمِ اللهُ عَلَيْكُ وَالْمَ اللهُ الْعِلْمُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَلَمْ اللهُ اللّهُ الْعَلَامُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا عَلَى الْعَلَامِ اللّهُ الْمُ اللّهُ الل

علی بنا بی طالب سے روایت ہے کہ نبی ملی اللہ علیہ وسلم کیلے جنازوں کے لیے اکٹنے تھے مگر کھوا کھنا تھ و ڈ دیا رہی ہے رہنے سے کتھے رہنے سے کتھے رہنے مسلم ، ترندی ، نسانی ، امن ماحم ، مسلم کے باب کاعنوان ہے: باب نسخ الفیکام الحج باک ذریک جنا نہے کی خاطر کھنا منسوخ ہوئیا ہے ۔

٣١٤٧ - حَتَّا نَكَا هِ شَامُرُ بُنَ بَهْ رَامَ اللهُ بَنِ نَاحَاتِمُ رُنُ إِسُلهُ عَلَى اللهُ عَنْ عَبُوا اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ عَبُوا اللهُ عَنْ عَبُوا اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّونَ عَنْ عَبُوا اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّونَ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّونَ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّونَ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّونَ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّونَ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّونَ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّونَ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّونَ اللهُ ا

عبادہ بن العدامت دم نے کہاکہ رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم جنازے کے لیے اس وقت تک نہ جیٹے تھے جب تک کہ امسے میدین ندر کھا جا تا، بس ہیو د کا ایک عالم گزرا تو بولا : ہم لو پنی کرتے ہیں بس نبی صلی اللہ علیہ وسلم بیٹے گئے اور مر ما با: بمیٹے حہا ؤ ، ان کی مخالفت کرو دہتر ندی ابن ماجہ۔ متر نذی نے اسے مدیث عزیب کا سبے)

شیرح ابو بکر بمدانی نے کہاکراگر بہ صدیف صحیح ہونو نسنع میں صریح ہے، سکین صدیث آبی سعید تعنی عشائی است صحیح تر اور قابت تر ب لهٰذا براسنا داس کا مقابر نہیں کرسکتا ہمدانی کے علاوہ ویگر علما، نے کہاکہ جنازہ کے لیے قیام صدیث علی سنا مھے۔ ۳۱ کے ساخہ منسوخ ہے والمغذری ،اس صدیث کا راوی ابوا لما سباط لیٹ بین رافع صدیث ہیں ضعیعت سے احمد بتر مذری

نسائی، ابوناتم نے اسے ضعیف الحدیث کہا ہے۔ بخاری نے اس مدیث کو منکر ظهرا یا ہے مشکور کا تھے کہا کہ پنسوخ ہیں ہوا مشوکا بی نے کہا کہ سنلہ قدیام الجنازہ میں اختلاف سے احمدا سے آق اور ابن ابی حشیر ن نے کہا کہ پنسوخ ہیں ہوا۔ اس سے قعود بیان جواز کے بیے ہے جیسا کہ مدیث علی منہیں ہے۔ بیسطے کی اجازت ہے اور قبام کا اجرسے ابن تحریم کے بعی بعبی کہا کہ حضورہ نے قیام کا حکم دیا اور بیر قعود فرایا تواس سے بہر چلا کہ یہ حکم استحباب کے بیے ہے اور بیر تنعین بنوی ک نے کہا کہ فیتار قول یہ ہے کہ بہر سنے بہور میں مسلک ابن عمر کا ہوتا ہے ہوں بن سعود اور باوہ کسی سبب سے تھا کیون کہ ابو منیف '' اور شافتی و نے کہا کہ قبام منسوخ ہے مشافعی ' نے کہا کہ یا توقیام منسوخ سے اور باوہ کسی سبب سے تھا کیون کہ مدسین سے برایا ہت ہے کہ صفور سے نعل سے بعد اسے ترک کیا تھا اور بحبت حضولاً سے آخری امر میں سے اور قعو و مجھے

لىسندىدە ىتمەسىپە -

بَاثِثُ الرُّكُونِ فِي الْجَنَازَةِ

رحبنازے میں سوار ہونے کا باب،

FILLING CONTROLOGICALLY CONTROLOGICALISM CONTROLOGICALISM

٤ ٧ ١٠ حَكَّا نَتُ كَيْ يَكُ مُوسَى الْبِكُخِيُّ ٱنَّاعَبُكُ الدِّنْرَاقِ ٱنَّامُعُكَرُّعَنُ بَعِيْمَ بْنِ أَبِي كَيْثُيرِعَنُ (بِي سَكَمَدُ بْنِ عَبْدِ الرَّحُمْنِ بْنِ عَوْنٍ عَنْ تُوْبَانَ أَنَّ مَ سُولَ الله صَلَّى اللهُ عَلَيْ و سَلَّمَ أَنِي بِمَا تَبْهُ وَكُومَعُ الْجَنَازَةِ فَأَلِى أَنْ يَرْكَبَ فَكَمَّا انْصَرُفُ أَتِي بِمَا تَبَةٍ فَرَكِبَ فَفِيْلُ لَهُ فَفَالَ إِنَّ الْمَسْلِحُكَةُ كَانَتُ تَمْشِى فَكُمُ ٱكُنُ لِاَرْكَبُ وَهُمُ مَيْمُشُونَ فَكُمَّا ذَهُبُوا رَكِبُتُ -

عبدالرحن بنعوت فعمان فسيدوايت كى كررسول الشصلى السعليدوسلم ك ياس سوارى لا فى مى حب كراب حنا زے کے بمراہ تھے تو ہے مسنے سوار مونے سے انکار کمرویا۔ پھرجب جناز کے سے والس پھرسے توسواری لائی گئی۔ ا درآب سوار ہوگئے۔ بن آپ سے اس بارے می سوال کیا گیا تو فر ما یا کہ فرشتے پیدل میل رہے بنتے لہذا میں ان سے پیدل ہونی فی حالت میں سوار نہیں ہوناجا نہتا تھا، ہیں جب وہ بھلے گئے تو تیں سواد ہوگیا دمسند اکبزار۔ اس کے الفاظ بہیں کرہیلا شخص آب سے الاتواس سے کہا یارسول السّريس فے اپنی سواری بيش کی تو آپ فیصوار ہو نے سے انکار قر ما يا اور فلال شخص نے اپنی سواری بیش کی او آب سوار موسکتے ؟ فر مایا ، توسنے سواری اس وقت بیش کی جبکہ فرستے جنا زیے کے پیچھے مبار ہے منتے دلندا میں اس وقت معوار نہیں ہوسکتا تھا درا تخا لیکہ فریشتے بید ل سکتے۔اگر ان کے مبانے کے بعد تومواری

بيش كرة الوس سوار موما تا مندري .

سنوح بعثو کا تی نے کہا ہے کہ ابن ما جَہ کی مدیث میں ہے کہ : کیا تم شرماتے نہیں کہ اللہ کے فریشتے پید ل مہارہے ہیں ہا اس میں سبنا زے سے سے سے معاب نے والے کے بیے سوار ہونے کی کرا سہت یا ٹی مباتی ہے ۔اور مغیرہ بن شعبہ کی مدمیث اس سے ملاون سے من میں جنازے کے پیھے مانے والے کے سیے سوار مونے کی امازت سے۔ دونوں كويول جمع كياجا سكتا سب كرهديث مغيرة جوازيرو لالت كرتى سي اوراس سيه عدم كرامت ثابت نهيس موتى، يين سجوازمع انکراہت ثامت ہوتا ہے ۔ اور سوار ہونے والوں کے میے حمنور کا انکار فر لٹنوں کے پیدل ہونے کی بنا ہمیہ تقاادر منروزسي بوناكر برحباز يرمن فرشة شائل بهول بابول توبيدل علقهون كيونك صوركي موجو د كى بس امكان سب كه فرشتے آپ سے تبرک حاصل کرنے کا طرب لے میں رہے ہوں، المذلاس بناء پر جبنازے کے ساتھ جائز ہوا اور

م ١١٥- كُنَّا نَنَاعُ بَيْنُ ١ للهِ (أَنُ مُعَادِدُ نَا أَبِي حَتَّا ثَنَا شُعُبَتُمُ عَنْ سِمَاكِ سَمِعَ حَارَبُنَ سِيمُرُنَ قَالَ صَلَّى النَّبِّي صَلَّى اللهُ عَكَيْهِ وَسَلُّوعَلَى أَبُنِ السَّاحُمَاجِ وَنَحُنُ شُهُوْدٌ تُتَوَرُّنِ بِفَرْسٍ فَعُقِلَ حَتَى رَكِبَةَ فَجَعَلَ يَتَوَقَّصُ بِهِ وَنَحُنَ نَسْلَى حَوْلِـةٌ صَلَّى اللَّهُ عَكَيْنِهِ وَسَلَّمُ لِـ

جابر بن سمره روز نے کہا کرنبی صلی اللہ علیہ وسلم نے ابن الڈنگئے کی نماز جنازہ ہماری موجو گی میں پڑھائی ، بھرا یک گھوٹر ا لایا گیاا درا سے روک کرر کھاگیا حتی کہ آپ سوار ہو گئے اور وہ گھوڑا دوڑ سنے نگاا در ہم رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم کے اردگر دبھاگ رسبے سنتے مرمستم ہر ندی، نسائی) تو فقس کا معنی اسکلے دونوں پاؤں اطاکر کو دنا سبے ، ہمستہ دوٹر نے کو بھی تو فقش کتے ہیں۔

بَا وَبِيُ الْمَشْمِ أَمَا مُوالْجُنَازَةِ

جنازے کے آگے چلنے کابات

٩ ١ ١٧ - كَثَّانُكُ الْقَعْنَجَى تَنَا سُنفيانُ بُن حُبَيْنَة عَنِ الزُّهُ رِيِّ عَنْ سَالِمٍ عَنْ الْبِيهِ قَالَ مَا مَا اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحَ وَابَا بَحْرِ وَعُمَرَكَيْ شُوْنَ اَ مَا مَرِ الْجُنَانَ ة ـ

ملناآ باب، طاؤس کا قول ہے کر حصنورہ ہنر مک جنازوں کے پیچھے جلتے رہے

کبھی آ گے نہیں چلے۔ ابن مسعود شنے کہا کر جنازے کے پیچے چلنے کی فعنیلت آ گے چلنے پریوں ہے جیسے فرض کی فضیلت نفل پر۔اور پیچھے چلنے سیعبرت و نصیحت ما صل ہوتی ہے لہٰذا یہ افغنل سیے۔ ہاں! اندو حام کے وقت عنورً سے آ گے چلنے کا ثبوت بھی ہے اور بہی تاویل معزات ابو بکر وغررضی اللہ عنہا کے فعل کی بھی ہے۔ اس کی دہیل عبدالرحمٰن بن الی لیلی کی موایت ہے اس سنے کہا کہ بیں ایک جنازے کے پیچھے جارہا تھا اور ابو بکر وغرر منی اللہ عنہا آگے آ گے شعریں سنے علی ضسعے بوچھا کہ رہمارات آ سے کیوں میں رہے ہیں؟ علی رہ نے جواب دیا کہ لوگوں کی سولت کی خاطر، ورند وہ جانتے ہیں کر جنازے کے پیچے ملیناآگے چلنے کی نسبت فضل ہے مطلب اس کا یہ ہے کہ لوگ تو بالعموم پیچے ہی چلتے ہیں اور تھیڑ ہو جاتی ہے لہذا یہ مصنات لوگوں پر وسعت وآسانی کی خاطرآ گے جا رہے ہیں یس ہمار سے نز دیک پیچے پیلنا افضل اور آگے جلنا جانز ہے۔

٠٨١٨ - كَتْكَاثُنَا وَهُبُ أَبُن بَقِيَّةَ عَنْ خَالِدٍ عَنْ يُونِسُ عَنْ زِيَادِ بَنِ جُبَبِ عَنْ الْمِنْ عَن زِيَادِ بَنِ جُبَبِ عَنْ الْمِن الْمُعْبَدَةُ قَال وَاحْسَبُ اَنَّ اَهُل زِيَادٍ اَخْبُرُ وَفِي اَتَّهُ رَفَعَ الْمُنا ذِيَادٍ اَخْبُرُ وَفِي اَتَّهُ رَفَعَ الْمُنا ذِي وَالْمَاشِي اللَّهُ الْمُنا ذَوْ وَالْمَاشِي الْمُنا ذَوْ وَالْمَاشِي الْمُنا ذَوْ وَالْمَاشِي الْمُنا وَالْمَاشِي الْمُنا وَالْمَاشِي اللَّهُ الْمُنا وَالْمَاسِ اللَّهُ الْمُنا وَعُنْ يَسَادِهَا قَرِيْبُ مِنْهَا وَالسِّفُط يُصَلَّى كَنْ يَمْ اللَّهُ الْمُنا وَعُنْ يَسَادِهَا قَرِيْبُ مِنْهَا وَالسِّفُط يُصَلِّى اللَّهُ الْمُنا وَالسِّفُط يُصَلِّى اللَّهُ الْمُنا وَالسِّفُط يُصَلِّى اللَّهُ الْمُنا وَالسِّفُط يُصَلِّى اللَّهُ الْمُنا وَالسِّفُط اللَّهُ الْمُنا وَالْمُنْ الْمُنا وَالسِّفُولُ اللَّهُ الْمُنا وَالْمُنْ الْمُنا وَالْمُنْ الْمُنْ اللَّهُ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ اللَّهُ الْمُنْ اللَّهُ الْمُنْ الْمُنْ اللَّهُ الْمُنْ اللَّهُ الْمُنْ اللَّهُ الْمُنْ اللَّهُ اللَّهُ الْمُنْ الْمُنْ اللَّهُ الْمُنْ ا

عَكِيْهُ وَكُنُهُ عَى لِوَالِدَيْهِ بِالْمَغْفِرَةُ وَالرَّحْمَةِ-

مغیرہ بن شعبہ من نے بی صلی اللہ علیہ وسلم کا قول نقل کیا کہ سوار جنازے کے بیچھے چلے اور بیدل چلنے والا آ گے ، تھے، دانیں بائیس سرطرف جنازے کے قریب چلے ۔ ادر ساقط حل بہنا زیٹر سی جا نے اور اس کے والدین کے لیے مغفرت ورحمت کی دعا کی جائے دائر مذی ، نسانی ، ابن ماجے در آر مذی ت

نے اسے صدیث میحے کہا اور ابن ما بہ کی حدیث مختصر سے کم : طفل پر مناز

ید همی حاستے،

شهرے: خطابی نے کہاکسقط دگر احمل ہم نمازیں اختلاف ہے ، اب عرض ابن سرین اورا بن المسکیب کا مذہب یہ ہے کہ وہ اگر چ علامات حیات سے خالی ہوتا ہم اس بہ نمازیڑھی جائے۔ احمد بن صنبل اورا سے آق بن را ہو یہ نے کہا کہ جس مل برچار ماہ دس دن بورے ہوجا ہیں، اس میں جان پڑ جاتی ہے ہذا اس بر نمازیڑھی جائے گی۔ اورا سے آق نے کہا کہ میرآٹ صوب اس صورت پی ہے کہ باہر آکر زندگی کا بٹوت وے اور نماز اس بر بہر حال پڑھی جائے گی کیونکہ وہ ایک بوری جان ہے جس کی سعادت و مثقا وت تھی جانچکی ہے ہدا نماز مذہبی پڑھی جائے گی ۔ ابن عرباس دمانے کہا کہ جب وہ با مراکل کر زندہ تھا تو وارث تھی ہوگیا وراس کی نماز جناز ہ میں پڑھی جائے گی ۔ جاہر رہ سے رہ یت ہے کہ اگر اس کی زندگی کی علامت ظاہر ہونی تو نماز پڑھی

حائے گی ورزنہیں ورہی قول حنفیہ کا ہے اور مالک،اوزاعی اوریثا فعی نے بھی ایسا ہی کہا ہے۔

علامرسو کانی نے کہاکہ فی اختلاف صرف وہ گرام واحل ہے جو جار کہ حداگر گیا ہو۔ مدیث استہلال کے ظاہر کا تقاصنا اسپ کہاس کے عدم کی دلیل و علامت ہے گرف تقاصنا اسپ کہاس کے عدم کی دلیل و علامت ہے گرف سے پہلے ہی اور بعد میں بھی، اور حب شارع نے استعملال کا عتبار کیا تو یہ اس بات کی دلیل ہے کر پیٹ سے فارج ہونیکے بعد حباب کا اعتبار ہوگا تاکہ اس پر نماز بڑھی جائے ۔ اس میں صرف یہ کافی نہیں کر پیٹ میں اس کی زندگی کا علم تقا۔ اور زندگی کے علم کی صورت میں حنفیہ کے نودیک نماز جناز ہاس پر واحب سے ۔

بَابُ الْاسْرَاءِ بِالْجَنَازَةِ

دخانے کو جلدی ہے جانے کا باہے،

سال حَلَى الْمُسَلَّا وَ مَا اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَنَ اللَّهُ عَن اللَّهُ عَن الْمُعَلِي عَن اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَن اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَلَى الللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى الللللِ

ابوبر ر ودا ہے بی میمیم کی میں کہ میں ہوئی ہوئی گردنوں سے تارو کے و بخاری، مسلم، نیک ہے توقم مساوت کی طرف پنی کو دائر ہوں اس کے علاوہ ہوگا تو شرکوا پی گردنوں سے تارو کے و بخاری، مسلم،

ر بدی بر بی بہت میں اس سے مراد تیز میں اختلاف بنیں کریدامراست باب کے لیے ہے ۔ اب تر م کی بات نتا فی مے کہ اندول منسوط بندول سے دا جب کہ اندول ہے ہوئی بیاں کیا ہے۔ بعض سنت سے ہی منقول ہے اور بی منفید کا قول ہے جو بدا یہ اور مجمود کے نز دیک اس سے مراد نیر مفتا دچال ہے ، معنی بیان کیا ہے کہ اس سے مراد بعض کے خزد یک تجہ یہ و تکفین میں بلدی کرنا ہے ، مگر نووی نے اسے مردود قول کہا ہے ۔ قرطی نے پیلے معنی بیان کیا ہے کہ اس سے مراد بعض کے خزد یک تجہ یہ و تکفین میں بلدی کرنا ہے ، مگر نووی نے اسے مردود قول کہا ہے ۔ قرطی نے پیلے معنی کوظا مرتز کہا ہے ۔ ما فظا ابن جرنے طراق کی ایک مدیث سے ، حس کی سند من ہے ، بیا استدلال کیا سے کردو ارامی میں نے دور سرامی کرنا ہے ۔ اس مدین ہے کہ اس سے مردود قول کہا ہو کو اور اسے اس کی قربی مبلدی بنجا ؤ ۔ اور البود اور دکی ہی ایک مدیث ہے کہ حضور نے فرمایا ، موکن کی دور کر کہا یک مدیث ہے کہ حضور نے فرمایا ، موکن کی دور کر کہا نا مدیشہ موتو کی جدا سے ملدی کنن وغسل سے فار غ کر کے دون کر نا چا ہے ۔ اگر وہ کسی اسی مبادی کا تکارتیا جس سے طویل بہوشی وغیرہ کا اندلیشہ موتو کی کھر اسے دین کا مرب میں کہ دیر بیا است مبوگا . وہ ناکہ موت کے تو کہ دیر بیا اسے دینا تھیں بودیا نے مناسب مبوگا .

٩٨١٣- حَكَّا نَكُ كُانَ فِي مَنْ اِبْرُا هِيْ مَنَا شُعُهَ لَهُ كَا عُبَيْنَة بَنِ عَبْ الرَّحلِن عَنَ آبِيهِ آتَ كُانَ فِي جَنَا زُوْعُ ثُمُا نَ بْنِ آفِ الْحَاصِ وَكُنَّا نَمْ شِي مَشْنَيًا حَفِيهُ فَا فَلَحِقَنَا آبُونَكُونَ فَرُفَحَ سَوْطَ فَقَالَ لَقَلْ رَأَيْتُنَا وَنَحُنُ مَعَ رَسُولِ اللهِ صَلَى الله عَكَيْهِ وَسَلَّوَ نَرُمَلُ رُمَلًا -

عيينه بن عبدالرحن في ابنے باپ سدروایت کی کردہ عنما ن بن اب العاص کے جنانہ سے میں تھاا ورہم استاست

مبل رہے تقے میں حضرت الو مکرہ وہ مہیں ہتھے سے ملے اور اپنا کوڑا بلند کیا اور کھا کہیں نے اپنے آپ کو رسول التاره ملی التّاره ملیہ وسلم کے ساتھ ر حبّاز سے میں تیزیز چلتے دیکھا تھا۔

خالد کن حارث اور عنیکیند نے یہ حدکیث عبد الرحن بن ممرہ رہے کے جنازے کے سلسے میں بیان کی اور کہا کہ: ابو بکرہ ڈ نے اپنی نچر کو اُن پر چڑھا دیا۔ با سکل ساتھ لے گئے ۔ اور کوڈا ان پر تھرکا دیا دنسائی گویا کہ انہیں بنا لفت سنت پر مارنا حاستے تھے۔

مهراس حَمَّانَ نَنَا مُسَدَّة نَا اَبُوْعَوَا نَهُ عَن يَجْبَى الْمُجْدِرِ قَالَ الْمُؤْدَا وَدَوَهُوبَجْنَى مُنْ عَبْ وِاللهِ التَّنْيِمِيُّ عَنُ اَفِي مَا جِلَا ةَ عَنِ الْمِنِ مَسُعُودٍ قَالَ سَالُنَا نَبِيَّنَا صَلَّى اللهَ عَلَيْهِ وَسَكُوعَنِ الْمَشْنِي مَعَ الْجَنَازَةِ فَقَالَ مَا دُونَ الْخَبَبِ إِن بَكُن خَبُلًا تُعْجَل إِيْنِ وَإِن بَحَنُ غَبُرُ ذُلِكَ فَبُعُلَ الِاَهْلِ التَّادِ وَالْجُنَازَةُ مَتْمُوعَةً وَلَا تُنْبَعُ لَيْسَ مَعَهَامَ نَ تَقَالَ مَهَا .

ابن مسعو درہ نے کہا کہ ہم نے اپنے بنی صلی اللہ علیہ وسلم سے جنازہ کے ساتھ چلنے کے متعلق دریا فت کیا تو آپ نے فرما یا : رفتارہا گئے سے کم ہو، اگر وہ چلا آوئی ہے تو آسے عبلائی تک مبلدی پنچا یا جائے اوراگراس کے علاوہ ہے تو جنم والوں کے لیے نہیں رکھا جا تا ۔ اس کے ساتھ وہ لوگ تو جنم والوں کے لیے دوری ہے ۔ اور جنازہ کے پیچے چلا جا تا ہے اور اسے پیچے نہیں رکھا جا تا ۔ اس کے ساتھ وہ لوگ نز ہوں تو اس سے آگے جا میں راتہ مذی ابن ماجہ فقط اور نز مذی نے اسے حدیث عزیب کہا کم ابن مسعود رہنے ہے ۔ اس کے ساتھ وہ اور کا جب میں اللہ منافر اور کی دور کی جا ہم ہے ۔ ابو داؤ دیے ہوں کہا کہ جب کہا کہ جا ہم کہا کہ جن تو ابو ما قردہ کے شعلق ابو داؤ دونے کہا کہ وہ عزم حرف ہے ۔ کہا کہ میکوئی ہے ۔ ابو ما قردہ کے شعلق ابو داؤ دونے کہا کہ وہ عزم حرف ہے ۔

بَالِثُ الْمَامِلُهُ لِي عَلَى مَنْ فَتَلَ نَفْسَهُ

(بابد کیامام خودکش کرنے والے کی نماز پڑھائے؟)

٥٨١٣ حَكَاثُنَا ابْنُ نُفَيُلْ نَا أُرَهُ يُرْنَا سِمَاكُ حَتَ ثَبَىٰ جَابِرُ بُن سَمُرَة قَالَ مَرُضَ رَجُلَ فَصِيْحَ عَلَيْهِ فَجَاءَ جَارُة (بِي رَسُولِ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحَ فَقَالَ اللهُ عَلَيْهِ فَالْ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ فَقَالَ اللهُ عَلَيْهِ فَالْ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَنَّحَ وَانَّهُ تَعَالَ اللهُ عَلَيْهِ فَاءَ إلى رَسُولِ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَنَّحَ وَانَّهُ تَكُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ فَا اللهُ وَسَنَّحَ وَاللهُ وَسَنَّحَ وَاللهُ وَسَنَّحَ وَاللهُ عَلَيْهِ وَسَنَّحَ وَاللهُ وَسَنَّحَ وَاللهُ عَلَيْهِ وَسَنَّحَ وَاللهُ وَسَنَّعَ وَاللهُ وَسَنَّعَ وَاللهُ عَلَيْهِ وَسَنَّحَ وَاللهُ وَسَنَّحَ وَاللهُ عَلَيْهِ وَسَنَّحَ وَاللهُ وَسَنَّحَ وَاللهُ وَسَنَّعَ وَاللهُ وَسَنَّعَ وَاللهُ عَلَيْهُ وَسَنَّعَ وَاللهُ عَلَيْهُ وَسَنَّعَ وَاللهُ عَلَيْهُ وَسَنَّعَ وَاللهُ وَسَلَّعَ وَاللهُ عَلَيْهُ وَسَلَعَ وَاللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّعَ وَاللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّعَ وَاللهُ وَصَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّعَ وَاللهُ وَاللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّعَ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَلَا اللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ وَاللّهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللهُ وَاللّهُ الللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ اللّهُ ا

 ننسرے: علام خطابی نے کھا کہ دوگوں کا اس مثلامی اختلاف ہے۔ عمر بن عبد العزیز رم اور اوز اعی رم نودگشی کہ نے والے کی ماز جنازہ کے قائل نہیں ہیں۔ اکثر فقہاء نے کہا کہ اس پر نماز پڑھی جائے گی۔ مولا نا نشنے فی یا کہ حضور صلی التہ علیہ ملم نے نود تو نماز نہ بڑھی مگر دوسروں کو اس سے منع نہیں فر مایا ۔ بس منا سب یہ ہے کہا مام اور دوسرے برا سے ربی تو نماز نہ بڑھیں و نا برا میں تاکہ فرض کفا بہ منا تع نہ ہو جائے۔ نسآئی کے الفاظ اس کی تائید کر سے میں اس کی مناز نہ بڑھوں گا۔ اورا یک حدیث ہیں ہے کہ آلا إلا الآ الله ربڑھے والے پر نماز بڑھی ، بین گروہ و فاسق و فا جرم و روسرے للذا والے پر نماز بڑھی ما ہے کہ او فاسق و فا جرم و واور و کر تدمیں سے بال فاسق و فا جرم و رسے للذا اس کی نماز بڑھی تھی اور اس سے عزمن تنظ یہ تھی ۔ نیز جب تک حقوق العباد اس کی نماز بڑھی ما ہے گئی۔ حضور سے نماز بڑھی نیز جب تک حقوق العباد ادانہ موں و عا ہے منافر شائر نہیں کرتی لئذا انکار فرمایا ۔

بائك الصّلوة على مَنْ فَتَلَهُ الْحُدُودَ

ر حدو دس مرنے والے کی نماز جنازہ کا باتھی

٧٨١٦. كَتَّا ثَنَّ ٱبْوُكَامِلِ نَاٱبُوْعَوَانَهُ عَنْ اَبِي بِشَرِفَالَ حَتَّاثَنِي نَفَرُّمِنِ اَهْلِ الْبَصْرَةِ عَنْ اَيِ بَرُزَةَ الْرَسْكِيِّ اَنَّ رَسُولَ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَنَّوَ لَصُرُبُهِ لَا على مَاعِزِ بْنِ مَالِاثِ وَلَحْرَيْنِهُ عَنِ الصَّلَوٰةِ عَلَيْهِ .

 میں سے کوئی بی مبلاصلوۃ رہ بھوڑا جائے، نیک ہویا بد حفیہ اوراو: اعی نے کہ اکدر جم والے کوئنس دیا جائے اوراس کی مساز جنانہ پڑھی جائے۔ مالکت نے کہ اکدامام نے بینے کسی حدیبی ختل کیا ہواس پرامام نما زنہ پڑھے اوراس کے گھروا ہے ، ور دوسرے ہوگ جا ہیں تواس پر نماز بڑھ بس ۔احمد نے کہا کوامام قاتل پر بامال غیست میں بد دیا نتی کرنے والے پر نماز ر پڑھے۔ابو حنی فقہ نے کہا کہ بانی یا محار میں جب قتل ہوں یا مصلوب ہوں توان کی نماز ند پڑھی جائے۔ بعض اصحاب ما آفئی نے کہا کہ تارک صلاح ہی تحقیل کیا جائے تواس پر نماز ند بڑھی جائے اور قتل یا قصاص میں قتل کیٹے جانے والوں کی نماز پڑھی جائے۔

بَاسِّ فِي الصَّلوٰةِ عَلَى الطِّفُلِ

د طَفَلَ کی نمازجنازه کا با تھے

٢٨٥٠ - كَكُانْكُامُ كَمَّكُمُنُ بَجْيى بُنِ فَارِسِ نَا يَغْفُوبُ ابْنُ إِبُرَاهِيُ وَبْنِ سَعْدِانَا آبِ عَنِ ابْنِ اِسْحَاقَ كَتَّهُ ثَنِي عَبْهُ اللهِ بْنُ آفِى بَكْرِعَنْ عَمْرَةَ بِنُتِ عَبْدِ الدَّحْلِينِ عَنْ عَائِشَنَهُ قَالَتُ مَا تَ ابْرَاهِ يُحْرَبُنُ النَّيِقِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَوَهُ وَ إِبْنُ ثَمَا نِينَهُ عَشَرَ شَهُ رَّا فَكُمْ رُجُ لِي عَلَيْهِ رَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّووَهُ

حصرت ما تشروضي الشرعنها نے فرما باكه نبى صلى الته عليه وسلم كامينا ابراسيم فوت موكيا اوروه الحاره ماه كالفار

پس رسول التارصلی الته علیه وسلم نے اس پر نماز جنانه و نه برٹر بھی۔
مغیر سے : علامہ خطابی نے کہا کہ بعض اہل علم نے اس کی یہ تاویل کی ہے کہ ابراہم پریزک صلوقہ کا باعث بہت کہ وہ
رسول الته صلی اللہ علیه وسلم کی نبوت کے باعث نمازی قربت سے مستعنی تھا جیسے کہ شہداء فعنیدت شہدادت کے باعث
نماز جنانه ہ سے ستعنی میں رپھر حصنور کی اپنی نماز جنانه بعنی صلوۃ وسلام کی کیا تاویل ہے ؟ آپ کی ولاد کی نماز جنانه ہ کی
کیا تاویل ہے ؟ عطاء نے مرسلا گروایت کیا ہے کہ نبی صلی التہ علیہ وسلم نے اپنے بیلئے ابراہم پر نماز پڑھی تھی ۔ اور
وہ روایت ابوداؤد نے بھی کی سے خطابی نے کہا کہ بیا قاحس کی نماز میں حضور مصروف ہو گئے لہذا ابراہیم پر نماز کا وقت نہ ملا۔
اور یہ بھی مراد میں میں کرمن وی سے کہ حصنور اسے وہ نماز نہیں بڑھی دوسروں نے بڑھی۔ باید کہ با جماعت نہیں بڑھی ۔
اس مدیرے کی تاویل یہ بھی کی گئی ہے کہ حصنور اسے وہ نماز نہیں بڑھی دوسروں نے بڑھی۔ باید کہ با جماعت نہیں بڑھی ۔

٣١٨٨ ـ حَمَّكُ ثُنَّا هُنَّا دُبُنُ إِلْسَرِي نَامُحَمَّكُ أَنْ عُبَيْدٍ عَنْ وَايْلِ بُنِ دَاؤُدَ فَالَ

make a summer of a record of a record of a reproportion of the component of the contract of th

سَمِعَتُ الْبَهِى قَالَ كَتَامَ اتَ إِبْرَاهِ نِيُوبُنَ النَّبِي صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَكُّوصَلَى عَلَيْهِ وَسَكُومُ النَّبِي صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَكُومُ النَّبِي صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَكُو الْمَا النَّهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ صَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمُ صَلَى اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمُ صَلَى اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمُ صَلَى اللهُ اللهُ

وألى بن داؤدن كهاكرمي نے لَبَتِي دعبدالتلر بن يسارمولات معدب بن زبرين سے شناكر جب رسول التلاصلي السّر عليه وسلم كافرند ندابر سي فوت به اتورسول الترصلي الترعليه وسلم مقام مقاعد بي اس پر بما زبر هي دمند ري شنے كها كه دبتي تا بعى سبح لهذا يه روايت كيا سي كر هي صلى التّدعليه وسلم نے ابراسم بيد نماز يرسي اوروه به دن كافقاء

پیدی ارد ما به کی او معاد منیرها و منیرها کے آثارا گرج مرسل میں مگرایک دوسرے کی تائید و تقویت کرتے ہیں اور علماء نے دسول الشرصلی الشدعلیہ وسلم کی نما نہ حبنازہ کو آپ سے بیٹے اہم اسم پر ثابت کیا سے اور برروایات سے اولی سبے دیلاد منازب سیم فو عاروا بت سبے کہ نبی صلی الشدعلیہ وسلم نے ابراہیم پر نما زیم هی تقی اورابراہیم کی وفات ۱۲ ماہ کی عمر میں بہوئی تقی کیکن اس کا ایک لوی جائیہ صفی سبے حس کی صدیت لائق استدلال نہیں ۔ اور منذری نے کہا ہے کہ بہقی کا یدم سلک کہ وہ صنعیف احادیث کے ایک دوسری کی تقویت و تا شید کے قامل ہیں اس میں کلام ہے ۔ لیکن اس موقع ہر بہتقی کا یدم صنعیف احادیث کے ایک دوسری کی تقویت و تا شید کے قامل ہیں اس میں کلام ہے ۔ لیکن اس موقع ہر بہتقی کا میں عندی احادیث کے ایک دوسری کی تقویت و تا شید کے قامل ہیں اس میں کلام ہے ۔ لیکن اس موقع ہر

بَاسَكُ الصَّلْوٰةِ عَلَى الْجَنَازَةِ فِي الْمُسُجِلاً-

رمسجديس نماز جنازه كابالهج

٩٨١٣- كَلَّا نَكَ سَعِيدُ اللهِ بَنِ عَبُورِ نَا فَكَبْتُحُ بَنُ سُلِيكُمَانَ عَنْ صَالِحِ بَنِ عَجُلانَ وَمُحَكَدُنِ بَنِ عَبُدِ اللهِ بَنِ عَبُدِ اللهِ بَنِ عَبُدِ اللهِ بَنِ الدُّبُرِعَنُ عَالِشَهُ فَالْكُ وَاللهِ مَا صَلَّى رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهِ عَلَيْهِ وَسُلَّم كَاللهُ عَلَيْهِ وَسُلَّم كَاللهُ مَك الْمَسْجِدِ. حضرت عائشہ رصنی انٹرعہانے فرما یا کہ والٹہ رسول النہ صلی الٹرعلیہ وسلم نے سہیل بن البیعنہ ا، کی نما ذِ جزائر ہ سجد ہی ہیں پڑھائی تھی دمسلم ، تر ندی ، نسائی ، ابن ما جہ - ان ہی سے مسجدکا ذکر صرف ابن ما جہ کی حدیث میں سیے ، شہر سے : پسہیل بن بیضا ، دسالی سے ایسے ، دونوں بجریں کیں ، جنگ بدر ہیں شامل حظے ، دسال وفایت ، ہجری سے - بیضا ، ان کی والدہ تھی حس کا نام وعدتھا ۔

. ورس حَكَمَ نَنُ هَارُوْنُ بُنُ عَبْدِ اللهِ نَا ابُنُ آبِي فُهُ يُكِ عَنِ الضَّحَاكِ يَعْنِى ابْنُ عُنْ يَكِ عَنِ الضَّحَاكِ يَعْنِى ابْنُ عُنْ اللهِ النَّا عِنُ آبِي سَلَمَةً عَنْ عَا مِنْ اللهِ اللهِ لَقَدُ اللهِ لَقَدُ اللهُ اللهُ عَنْ آبِي سَلَمَةً عَنْ عَا مِنْ اللهُ عَنْ آبِي اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَّا عَلَيْ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ عَلَيْ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ عَلَيْ عَلَيْ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ عَلَيْ اللّهُ عَل

عائشر رصى الترعنان فرایکه والتدرسول الترصلی الشرعلیه وسلم نے بینا رکے دو بیٹوں سبل رما اور اس کے بھائی پر نما ندجا نہ صحب بین برن اور اس کے بھائی کا نام شل رہ تھا لیکن آبو نعیم نے صفوان بتا یا ہے ۔ ۱۹۱۳ کی ایک ایک مسک کو نا بیکی عرب (بن اِبی اِبی خِد بُرِب حَدَاثِی صَالِح مُولی النَّوْکَ مَدِّلی النَّوْکَ مَد بُولِ النَّوْکَ مَدِّلی النَّوْکَ مَدُّلی عَد بُرِب اِبی اِبی وَ سُکِ مَدُّلی کَا اِللَّهِ مَدُّلی النَّوْکَ مَدُّلی اللَّهِ صَلی اللَّهِ صَلی اللَّهِ وَسَلَّدَ مَن صَالِح مَدُّلی عَد جُنا رَقِی

فِي الْمُسْجِدِ فَلَاشُيُّ لَهُ ـ

جہور کا قول مہلی دومد بیوں ۱۸۹۰،۳۱۸ کے باعث یہ سبے کہ مسجد میں صرورت کے وقت نماز جنازہ جائز ہے۔ دمکین مسلم میں ہے کہ سعد بن ابی وقاص فوت ہوئے تو عاکشہ صدیقہ رہ نے فرما یا کہ اس کے جنانہ سے کو مسجد میں داخل کمرود سعد بن ابی و فاص رہ کا حضرت ابو کمر صدیق ہے ساتھ دُور کا رستہ بھی تھا۔ حضرت عالیہ درہ کسی عذر مشلاً

اعتکا ف وغیرہ کے باعث باہر نہ جاسکتی تھیں لہذا دعائے برکت و مغفرت کے سیے جنازہ منگوا نا جاہتی تھیں مگر

صحابہ و تابعین نے انکارکیا جو اس بات کی دسیل تھی کہ سنت اور تابت شدہ امراس کے خلاف تھا) ابوصنیف اور ان کے

اسحاب نے کہا ہے کہ معیدیں میت بیر نماز کروہ سے ۔ در فتاریس سے کریہ مکروہ کتر بھی یا تنزیمی ہے کیونکہ صبحہ نما نہ

مکتو بہ کے بیے بنائی گئی ہے اور اس کے توابع مثلاً نوافل سنن اور ذکروندریس کے بیے نہ کہ نماز جنازہ کے لیے ۔ اور

ان کا است لال اس تعیری صدیت سے ہے کہ یونکہ بظاہرہ کہ کرا ہمت بیر دلالت کرتی ہے ۔ اور ابن الهام کی تحقیق یہ ہے کہ معید میں نماز

بیر کرا سبت تعزیمی سے اور اس کا مطلب یہ ہے کہ بیر فعل ضلاف اور گئی ہے ۔ امام طحاوی کی تحقیق یہ سے کہ معید میں نماز

جنازہ بہلے جائز تھی مگر بھر منسوخ ہوگئی ۔ علامہ شامی ٹے اس بیا عزاض کیا ہے کہ اندریں صورت ابو کم بروعرضی الشرعنما کی

مناز جنازہ کی کیا تا ویل کی جائے گئی جو کہ صحابہ کی موجودگی ہیں ہوا تھا اور کسی نے اس بیا زکار نہ کیا ۔ شابی یہ اس کا منشا ، بھی صورت

باه الكافر عنك طاوع الشمس وغروبها

الطلوع وعزوب آنتاب کے وقت دفن کا باہشی

۱۹۱۱ مر حَلَانَ مَنْ عَنِي اللهِ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْهِ اللهُ اللهُ عَلَيْهِ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهِ اللهُ اللهُ

مراد نما زجنازہ مے کیونکر یہ دونوں چیزیں اکھٹی ہیں، در منرون دفن تو نا جائر نہیں ہے۔

بابد إذا حضرجنا يزرجال ونساء من يفكامر

(بالشيعب مردول اورعوزنول كاجنازه حاضر بوتو كسمقدم كرين

حارت بن بوفل کے غلام عمار نے بیان کیا کہ وہ ام کانتی ما ور اس کے بیٹے کے جنا نہ سے میں حاضرتھا۔ بس لڑکے کوا مام کے قریب رکھا گیا اور میں نے اس کا انکار کیا، اور لوگوں ہی ابن عباس رح بھی موجود مقے اور ابوسعی می خود ری اور الجوقت اوہ رضاور ابو ہر ریہ نظامی ۔ بس انہوں نے کہا کہی شنت ہے ورنسائی، اور صحابی جب مطلقاً سنت کا نفظ بوسے تواسے دفع کا حسم

و سنوح: منذری نے کہاکہ یہا م کلثوم حضرت علی بنا ہی طالب کی بیٹی اور حضرت عربن الخطائٹ کی بیوی تھیں، اور ان کا بیٹیا زید الاکہ حضرت عرب کا فرزند تھا۔ برزید اور اس کی مال ام کلثوم دونوں سیک فوت ہوسکا تھا کہ کون ہیلے اور کون بعد میں مرا، لہٰ ڈال میں سے کسی کو دوسرے کا وارث مذہنا یا گیا۔ مولا ناشے فر مایا کہ ذیہ بن عقری کی مڑائ میں ضلح کولنے گئے تھے، ایک شخص نے جوانہیں جانتا تھا انہیں زخی کردیا۔ وہ چندوں ہیمار رسے اور ان کی والدہ ام کلثوم پہلے سے ہمار تھیں، چنا نجہ مردو ہیک وقت فوت ہوگئے۔

باعدائن يَقْوُمُ الْإِمَامُ مِن الْمَبْتِ إِذَا صَلَّى عَلَيْهِ

دبا عصدا مام جنازه بطيعان كمهال كعوابهو؟

م ١٩ حكَّا ثَنَا ٤ ا وَدُ بُنُ مُعَادِ نَاعَبُ الْوَارِثِ عَنَ نَافِعِ أَبِي غَالِبٍ قَالَ كُنْتُ فِي سِكْتِر البِرْرَبِ فَمُرَّتُ جَنَازَةً مَعَهَانَا شَكَثِيرٌ قَالُولِ جَسَانَاةً عَبْسِ اللهِ بْنِ عُمَرَ فَتَبِعْتُهَا فَإِذَا أَنَا بِرُجِلِ عَلَيْهِ كِسَاءٌ دَ فِبْنَ عَلَى بُرُيْنِ بُنَتِه عَلَىٰ رَأَسِهٖ خَرَفَ لَهُ تَفِيْهِ مِنَ الشَّمْسِ فَقُلْتُ مَنْ هٰ ذَا الدِّهِ هَاكُ قُالُواهْ ذَا ءَنَسُ بُنُ مَالِكِ فَكَمَّا وُضِعَتِ الْجَنَازَةُ قَامَرَانَسُّ فَصَلَّى عَلِيَهَا وَٱنَاخُلُفَهُ كَ يُحُولُ بَيُنِي وَبَيْنَهُ شَيْءٌ فَقُامَعِنْ مَا رَأْسُهِ فَكُبُّرُ أَرْبُحُ تَكِيبُوا بِ كَوْمُطِلُ وَكُمْ يُسْرِعُ ثُكُودَ هَبَ يَقْعُكُ ذَنَا لُوا يَا أَبَا حَمْزَةُ الْمَثِلَةُ ٱلْاَنْصَادِيَةُ فَقَرَّلُوهَا وَ عَكَيْهَا نَعْثُ أَخْضُرُفَقَامَ عِنْهَا عَجِيْزَتِهَا فَصَلَّى عَلَيْهَا نَحْوَصَلَاتِم عَلَى التَّرْجُلِ ثُمَّرَجَلَكَ فَغَالَ الْعَلَامُ نِنَ لِيَادِ يَالْبَاحَمُنَ فَيَ هَكُلُوا كَانَ رَسُولُ الله صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّكُونُهُ مِن عَلَى الْجَنَازَةِ كَصَلَاتِكَ يُكَيِّرُ عَيَهُا اَدْبَعًا وَ يَقُومُعِنْ مَا رَأْسِ الرَّجُلِ وَعَجِيزَةِ الْمَرُ أَ فِي قَالَ نَحُمُ فَالَ بَا اَبَا حَمْزَةَ غَزُوتَ مَعَ رَسُولِ اللهِ صَلَّى اللهُ عَكِيهِ وَسَلَّمَ قَالَ نَعَمُ غَزُوتُ مَعَهُ حُنَيْنًا فَخُرْجُ الْمُشْرِكُونَ فَحَمَلُوْا عَكِنُنَا حَتَّى لَأَيْنَا خَبُلَنَا وَمَا أَوَظَهُورِنَا وَفِي الْقَوْمِرِيَجُلُّ بَخُولُ عَلَيْ نَا فَبُكُ قَنَا وَيَحْطِمُنَا فَهُزَمَهُ مُواللَّهُ وَجَعَلَ يُجَاءُ بِهِ مُوفَيْبُا يِعُوْنَهُ عَلَى الْإِسْ لَامِ وَقَالَ رُجُلُ مِنْ أَصْحَابِ النَّبِيّ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ إِنْ عَلَىَّ نَنُكُ إِنْ جَاءَ اللَّهُ بِالرَّجُلِ الَّذِي كَانَ مُنْذُ الْيَوْمِ يَجُطِمُنَا لَاَضْرِ بَنَّ عَنَّفَةَ فَسَكَتَ رَسُّولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَكَيْدِ وَسَلَّمَ وَجِيْئَ بِالرَّبِحِلِ فَكَتَّا لَا ى رَبُسُولَ اللهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْرُوسَمَّ تَحَالَ كَارَسُولَ اللَّهِ تَبَنُكُ إِلَى اللَّهِ فَامْسَكَ رَسُّولُ اللهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ لَا بَيَالِيكَ لِيُغِيُّ الْاخِرُ بِنَثَارِهِ قَالَ فَجَعَلَ الرَّجُلُ يَتَصَتَّا ي لِرَسُولِ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَبْ مِ وَسَلَّمَ لِيَامُرَةُ بِقَتُلِهِ وَجَعَلَ يَهَابُ رَسُولَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَكَبُهُ وَسَلَّمَ إَنَّ يَقْتُكَهُ

فكتا مَا الْكَ وَكُولَ اللهِ فَكُولَ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ النَّهُ الْكَوْمِ الْكَلِيْوَ فِي اللهُ اللهُ وَمَا اللهُ اللهُ اللهُ وَمِ الْكَلِيْوَ فِي اللهُ اللهُ اللهُ عَنْهُ مُنْهُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّكُونَ اللهُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّكُونَ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّكُونَ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّكُونَ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّكُونَ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّكُونَ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّكُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّكُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّكُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّكُونَ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ اللهُ اللهُولِ الللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُل

نافع ابوغالب نے کہاکہ میں سکتہ اکر بدیں تھاکہ ایک جنازہ گزراحس کے سابھ بہت سے لوگ تھے۔ لوگوں نے کہا كه بدعب الليدم، عرك كاجنازه مع توس اس كي تيجيه موليا بيس نه ايك مردكو ديكها جوابني منبرع بي همورى برسوارة ا ور اس پر ایک تابی چا در تھی اوراس کے سربرہا ایک ٹریٹر سے کا مکٹرا تھا جو اسے دھوپ سے بچا ٹا تھا۔ میں نے بع جیا کہ یہ کو ل دمقال دغیرعربی دمیس، سیے کوگوںنے کہا کہ یہ انس بن مالک میں یس حب جنازہ رکھا گیا توانس اُستطے اوراس میرنمانہ بٹر ہائی، میں ان کے پیچھے تھا،میرے اور ان کے درمیان کوئی چیز حالمل نہ تھی۔ بس وہ اس کے سرکے قریب کھڑے ئے، نہ توطول دیا اور مبلدی کی ۔ پیروہ بیسطنے مگے تولوگوں نے کہا: استابوح زہ ایدا یک انصاری عورَت دکا جنازہ ہے۔ بپ توگوں نے اُسے ان کے قریب کیا تو وہ اس کے پاس کھڑ سے ہوئے اورائسی طرح نماز بڑھائی تھی۔ پھر بڑھ گئے بس علاء بن زياد نے كہاكدا ب ابوحزه إرسول الله صلى الله عليه وسلم عبى جنازوں براسى طرح نماز بط صلياكست عقصيبى لہ آپ نے پڑھائی ہے، حیار تکبیر س کہتے تھے اور مرد کے سرکے پاٹ اور مورت کے سٹرین کے پاس کھڑے ہوتے تھے ج انس و نے کہاکہ ہاں اس نے کہا، اسے ابوحرہ اکیاآپ نے رسول التّدصلی التّدعليہ وسلم کے ساتھ ہوکہ جہاد کیا تھا ؟ انسُّ لہا: بل ائیں نے ہے کے ساتھ ہو کم عنین کی جنگ ہوسی تھی۔ پس مشرک نطانے اور سم پر ملد کیا حتی کہ ہیں نے اپنے گھوڑ سوار و لواني بيجير ديكعا اورائس قوم مي ايك مرد تفاجو بم برجمله كرتا توسميں بيجيے مثنا قااورمس ڈالتا تھا. بھرالشد تعالی نے انہیر یت دی تودمیول الله صلی التدعلیه وسلم کے اصحاب میں سیے ایک مرد سنے کہا کہمیرے ذمتر ریہ نذرسیے کرآج جستخف نے بھیں نقصان پنچا یا بھااگرا دئٹرا کے ایسے کے اسے تومیں اس کی گروں اڑا دوں گا۔ بس دسول الٹرصلی التنزع لیہ دسلم خاموڑ رہےا وراس آد تی کو دگرفتار کریکے، لا اگیاا ورجب اس نے رسول ایٹرصلی ایٹرعلیہ وسلم کو دیکھا تو کہا یا رسول ایٹر مس انٹدسے تومبر کی سے ۔ رسول التُرصلی التُرعلہ وسلم خاموش رہے اور اُسے بہیت نہیں کر 'تے بھے تاکروہ دومرا آ د می ا بنی ندر بوری رسیانس مسنے کہاکہ وہ وی دیسول الشرصلی الشرعلیہ وسلم کے مداھنے ہورہا تھا تاکہ آپ آسے اس کے قتل كاسحكم دبر اورخود قتل كرينسي رسول الشرصل الشرعليه وسلم كينوف سيد كمزير كرتاعا أبس جب رسول الشرصلي الله علیہ وسلم نے دیکھاکہوہ کھے نہیں کر الوات نے مس سے بیعث سے لی بھروہ دوررا شخص اولاکہ بارسول الله میری ندركيا بهو في ورسول الترصلي الترعليه وسلم شف فرما ياكرمي اس كى بيعت سف اتنى ويراسى كف كركار باكرتوا بني ندريورك

کرے۔ اُس نے کہا یا رسول الٹرآپ سف نجھے ارشارہ رآ نکھ سے کیوں نکردیا ؟ پس نبی صلی الٹرعلیہ وسلم نے فرایا ؛ پرکسی نبی کا کام نہیں کہ آئکھ سے ارشارے کرے۔ ابوغا لتب نے کہا کہ بھر میں نے انس نظے کاس فعل کے بارسے میں پوچھا جو وہ اُس عورت کی لاش کے نشرین کے پاس کھڑے ہوئے تھے ، لوگوں نے جھے بنا یا کہ ریاس کھڑا ہو تا تھا کہ اُس ف نعش رعورت کے جم کو چھپانے کا پر دہ ، نہیں ہوتی تھی اس سلٹے ایام عورت کے مشرین کے پاس کھڑا ہوتا تھا کہ اُسے لوگوں سے تھیا ہے دستہ مذی ۔ اِس کھڑا ہوتا تھا کہ اُسے کوگوں سے تھیا ہے دستہ مذی ۔ اِس کھڑا

شرح : حنورضی النہ علیہ وسلم کے اس الرشاد کاکہ : کسی نبی کے لئے آ کھ کا اشارہ مناسب نہیں ، مطلب یہ ہے کہ آکھ کا اشارہ اور امر وغیرہ اس بات کی علامت ہوتی ہے کہ آدمی کے دائیں کچے اور ہے اور ظاہر کچے اور کر تاہیے ۔ یہ بات پیغم بی شان کے خلاف دسے ۔ النہ تعالی نے بیغم بی النہ علیہ وسلم کو دین کے غلبے اور اظہا رسے لئے بیجیا کا آگاری کا علان کریں بہویہ ائز نہیں کہ بغیر اس کے خوا ور نریب کہ اتا ہے بغیر سکے سیے یہ جائز نہیں کہ بغیر اس کے خوا ور نریب کہ اتا ہے بغیر سکے سیے یہ جائز نہیں کہ بغیر سکے سیے یہ جائز نہیں کہ بغیر سکے اور بیا طن اس سے قتل کا سما مان کرے ۔ اس حدمیت اس کی مقتلی ہو بغیر سکے سی اس کے خوا میں اور مرد کے اس کا بھی اختیا ہو بھی اور ہوکیا اور نریب کہ اتا ہے امام اس کے مقام میں اختیا و بہا امام اسم کے مقام میں اختیا و بہا ہو اور مرد کے سینے کے سامنے کھڑا ہو اچنا دیا ہے اور بالی اسلام تو اور میں اس میں اور جا دھی ، اور مرد کے سینے کے سامنے کھڑا ہو اچنا ہے ۔ منظم میں اور جا دھی ، اور دو نوں کے سینے کے سامنے کھڑا ہو ، جنازہ کی کہ بیارت جنور صلی النہ علیہ وسلم سے باغ بخ بھی ٹا بت میں اور جا دھی ، اور دکار بیا سے تھے ، دیگر سب اصحاب بربا بی جاور باتی اور ور ور دی سے تھے ، دیگر سب اصحاب بربا بی جاور باتی ہوں کہ بیارت تیں ہیں۔ کہ اسکام سے اسمام کے دیا ہے تھے ، دیگر سب اصحاب بربا بی جاور دیا تھی اس کے مقام میں اور دیک سینے کے مدار کے تھی اسمام کے دیا ہے اور باتا ہیں ہیں۔ کے تھی دیگر سب اصحاب بربا بی جاور دیا تھی تھی دیگر سب اصحاب بربا بی جاور دیا تھی تھی دیگر سب اصحاب بربا بی جاور دیا تھی تھی دیگر ہوں کے دیا ہے اس کے دیکھور کی کہ بیارت تیں ہیں۔

نه کہیں،اس حدیث کے باعث اس حد تک منسوح ہے جب کہ نذر کا ایفاء مدنظر ہو، ورنہ وہ شخص تو کہ میکا تھا ہیں تائب ہو چکا ہوں ۔

بَاهِ التَّكِبُيرِ عَلَى الْجَنَازَةِ

دجنازے *پرنگبیرکا* باہی،

٣١٩٧ ـ كَكُلُّ انْكُامُحَمَّدُنُ الْعَكَاءِ قَالَ نَاانْنُ إِدْدِيْسَ قَالَ سَمِعْتُ أَبَا إِسْحَاقَ عَنِ النَّسُعِيمَ أَنَّ رَسُولَ اللهِ حَسَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَتَّكُرَمَ رَبِقَ بُرِ دَطْبِ فَصَنَّعُواعَلَيْهِ وَكُبَّرَعَكِيْهُ اَرْبَعًا فَقُلْتُ لِلشَّعْ بِي مَنْ حَمَّا تَكَ قَالَ اَلَيْقَةُ مَنْ شَهِمَا لَا عَبْسُ اللهِ أَبْنُ عَبَاسٍ -

شرح : مولانات فرما کا کراس حدیث سے دومسلے نکلتے ہیں: ایک توقبر پر نماز پٹر سے کا اور یعنقریب آئے گا۔ دوسرام سلہ سے عدد تکبیرات نما زجنازہ کا کہ وہ چارہیں ۔ یہ دوسرام سلہ اندار بعد ہیں متفق علیہ ہے ۔ بقول شوکانی قاضی عیاض نے کہا کہ صحابہ میں اس مسئلہ میں اختلات تقا اور این سے ہے کرنؤ کک ان سے ثابت ہوئی ہیں ۔ اس کے بعد چار پر اجماع ہوگیا اور تمام عالم اسلام کے فقہاء اور اہل فتو ی چار بہ متفق ہو گئے کیونکہ برعد و میں احادیث

in a contraction of the contract

میں آپکا ہے۔ اس کے ماسوااُن کے نزدیک شا ذہبے اور فقہائے امعمار میں سے ابن ابی لیلئے کے سواکو ٹی تھی بائے گھی۔ تکبیروں کا قائل نہیں ہوا۔

١٩٥ - كَتْكَانْكَا أَبُواْلُولِكِ الطّيَالِسِيُ نَاشُعُبَ أَح وَنَامُحَمَّمُ اللّهُ اللّهَ فَي مَا مُحَمَّدُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَى عَلَى وَبَي مُرَّدَةً عَن الْمِن الْمِن اللّهُ عَلَى كَان كَان اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللللّهُ اللّه

ابن ابی لیانے کہ اکرنید آب ارتم ہماں ہے بنا زوں پر چار تکہیریں کہا کریتے تھے اورا نہوں نے ایک جہنا زے پہانچ کی تکمیریں کہیں بس میں نے ان سے سوال کیا تو انہوں نے کہا کہ رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم پا پنچ بھی کھتے تھے دسلم نسائی، ابن ماجر) ابودا وُد نے کہا کہ مجھے ابن المثنی کی حدیث کے حفظ کا زیادہ بھیں ہے دیعنی ابوا لولید طیائسی اور محدیث انہیں زیادہ محدوظ ہے ہمارے نز دیک پانچوں کی اس حدیث میں دونوں ابودا وُد کے استا دہیں، مگر دوسرے کی حدیث انہیں زیادہ محدوظ ہے ہمارے کا تواس نے منسوخ کم سیر حضورہ نے بہلے کہی کی تھی لہذا اگر امام پانچ تا مکر جے کا تواس نے منسوخ کہا کہ اس میں امام کی اتباع کرنے میں حرج نہیں ہے۔

باربي مايقرأعكى الجنازة

رباب بنازيد بركيا برهامام،

٣١٩٨ حكَّا نَنْنَا مُحَكَّدُهُ بُن كَثِيرٍ اَنَاسُفَيَانَ عَن سَعْدِ بَنِ إِبْرَاهِ يَحَوَى َ طَلْحَةَ الْمِن عَبْدِ مِن اِبْرَاهِ يَحَوَى َ طَلْحَةَ الْمِن عَبْدِ مِن عَبْدِ مِن عَبْدِ مِن عَبْدِ مِن عَبْدِ مِن السُّنَةِ . الكِتَابِ فَقَالَ إِنَّهَا مِنَ السُّنَةِ .

طلحہ بن عبدالنگنے نے کہاکہ میں نے ابن عباس دونے ما پھ ایک بنا زے کی نما ذیڑھی۔ انہوں نے سودہ فاتحہ بڑھی اور کہاکہ رسمنت میں سے ہے دبخارتی ، تر مذی ، نسآئی) شوح: علامہ علی انقادی نے فرما یا کہ دسول اسٹرصلی انٹرعلیہ دسلم سے نما زینا نہ ہمیں قرائت ثابت جہیں ہوئی علماء کا

قرأت فائحد من اختلات ہے ۱۰۱ اسانتی نے کہا کہ وہاں کمیر کے بعد سورہ فائحد مرسے ۱۰۱ وزم کے زریک ہر کمیر کے بد سورہ فائح وہم کی مرسی فائح وہم کی مرسی فی است کے است کہا کہ فائح ہوں است کہا کہ فائحہ کی قرأت ہمارے شہر (مدینہ منورہ) میں معمول ہما نہیں ہے ۔ البوجعفر طحاوی کا قول ہے کہ سے بس سے

بإب التاعاء للكيبت

میت کے لیے د نارکا باب،

وواَس حَكَانَنُ عَنْ مُكَانَكُ وَنِيزِ بُنُ يَحْيَى الْحَرَّانِ حَلَاثَ فِي مُحَكَلَّا يَعْنِ ابْتَ سَدَمَنَ عَنْ مُحَكَّى بِنِ اِسْحَاقَ عَنْ مُحَكَّى بِنِ اِبْدَاهِ يُمْ عَنْ أَبِى سَكَمَمُ بُنِ عَبْ اِلرَّحْمٰنِ عَنْ أَفِى هُرُيرَةَ قَالَ مَعْتُ رُسُولَ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْرُوسَكُمَ يُقُولُ إِذَا صَلَيْنَ مُوعَلَى الْمَبْتِ فَا خُلِصُوالَهُ التَّاعَاءَ -

ابوبرى ف خى كاكه بى فرسول الله ما كالم كالم والمتعلقة الما المائة المورى والمتعلقة المراد والتن المبرى كالم كالم المنافرة الموراصل به بى متت كے بيده والحافظ و المحافر و المن الله به كالم الله بن عمير ونا عبر كالم الكوارت خاا كواله كلاب محقّة أن المؤمن كالمؤمن ك

مروان نے ابوہ رہرہ درہ سے پوچھا کہ تو نے دسول انٹرصلی الٹرعلیہ وسلم کونما زینا ندہ پڑھتے ہوئے کیونکرشنا تھا؟ ابوہ رہرے دا نے کہا کہ بچر کچر میں سنے پہلے کہا ہے اس سے علاوہ ؟ مروان نے کہا کہ بار وی علی بن هما ح نے کہا کہ اس سے قبل ان دونوں میں اس سلسلے میں بات چیت ہوچکی تھی ابوم رہرے ٹانے کہا کہ دصنور یوں دعاد فراتے سقے اا سے ادیٹر توہی اس کا درب سے اور تو نے ہی اس کو بدا کیا ،ا ور تو نے ہی اسے اسلام کی مرابب دی اور تو نے

ہی اس کی روح کو قبعن کیا اور تو ہی اس کے باطن اور ظاہر کو پوری طرح جا نتاہے، ہم سفار پھی آئے ہیں ہی تو اسے بخش دے دلغوں منڈر کی دستانی سنے بالے سے اسے الیوم آوالا ید میں دوالیت کیا) ابو دا و دسنے کہا کہ شعبہ نے علی بن شاخ کے نام میں غلطی کی ہے اور اس کا نام عثمان بن شماس بتا یا ہے اور پی نے احمد تبن ابراہیم موضلی کو احمد بن منبوسے بات چیت کرتے سنا، موصلی نے کہا کہ ہر جب مجھی حما و بن زید کے پاس بیٹھا تو اس نے عبد الوارث اور عبغر بن

١٠١٣ - حَكَّاثُنَّا مُوْسِى بُن مَرُوان الرِقِى نَا شَعِبُكِ بَدِي ابْن السَّحاق عَن الْكُونَ الْحِيَّ عَنْ ابْخَى ابْن السَّحاق عَن الْكُونَ الْحِيَّ عَنْ ابْخَى ابْن السَّحاق عَن الْكُونَ الْحَيْ عَنْ ابْخَى الْمُورِدَة فَالْ صَلَّى اللَّهُ عَنْ ابْنَى هُرَيْرَة فَالْ صَلَّى اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ عَلَى جَنَا ذَةٍ فَقَالَ اللَّهُ عَوْلِ حَيِنا وَمَيِّنِكَ وَسُنُونَ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ اللَّ

أَجُرُهُ وَلَاتَضِلَّنَا بُعُمَّاهُ.

البحرية ولي المنافق الشف الشعليه وسلم في المنافية المنافية و كها، المنافية في المنافية المنافية و كها، المنافية و كها المنافية و كها المنافية و كالمنافية و كالمنافية و كالمنافية و كولت الله من كالمنافية المنافية المنافية المنافية و المنافية و المنافية المنافية و الله المنافية المنافية المنافية و المنافية المنافية و ا

in our contraction of the contra

واندره بن سے بیاورتو و کہاکدرسول انٹرسلی انٹرسلی انٹرسلی نوال میں سے ایک موہر بہیں جنا زندے کی کما زیڑھائی اور بہیں سے ایک موہر بہیں جنا زندے کی کما زیڑھائی کی دوایت میں ہے ہے کہا کدرواری میں اور تیری ہمسائلی کے بہدمیں ہے بہی اسے تو قر کی آزمائش سے بچا بورات کی کہ دوایت میں ہے بو اور آگ کی دوایت میں ہے بو اور آل سے بچا اور آگ کی دوایت میں ہے بچا اور تو و قاء والا اور ی قوال ہے ۔ اے انٹراس کو بخش وے اوراس پرم فر ما بوشک تو ہم عنورتیم مسائلی کے بہدمیں ہے ، بہی اسے تو قر کی آزمائش سے بچا اور آگ کی دوایت میں موان بن جناح کہا رجبکہ دو سرا استاد حد ثنا موان ایخ کہتا ہے دابر آب ماہ، کہتا ہے کہ بعض علماء کے مغرور کیا ۔ رسول انٹرور و اور و انٹر میں انٹر کی و تروروں شخص نماز فحر برا مستالی گھا اس سے اسٹر کی و مدواری میں ہے ۔ بیا ہما نی شہا و سے کی بنا پر انشری میں ہے ، جس نے میں کہ جس نے لا اور الا انڈر کہا اور ہماری نماز دیسے کر عمول میں اسے بھی اور ہما دی کے مشہود کی نماز و بھی کہتا ہے اور کہا دو ہماری کہتا ہے انٹراور ان انڈر کہا اور ہماری نماز بیا میں اور ہما لاؤر ہماری کی مدود میں درتا تھا اور ہماری میں اور ہماری کے موروں میں اسے کر عواں میں اسے کہتا ہوں میں درتا تھا اور ہماری میں اور ہماری کے موروں میں اور ہماری کے موروں میں درتا تھا اور ہماری میں اور ہماری کے موروں میں اور ہماری کے موروں میں اور ہماری کے موروں میں درتا تھا اور موروں میں درتا تھا اور کہتا ہے کہتا تھا کہ جب ایکی قبلے کی صدود میں درتا تھا اور کی کا جمہد کے دوروں میں درتا تھا اور کہتا ہے جب ایکی قبلہ کے حدود میں درتا تھا اور کہتا ہماری کو موروں میں درتا تھا اور کہتا ہماری کو موروں میں درتا تھا اور کہتا ہماری کے معمود کی دوروں کو انداز کی کا موروں کی کام کی کا موروں کی

بَأَكِ الصَّالْوَةِ عَلَى النَّفُ بُرِ

دقبرىمى نماند كاباب،

س. ٣٠٠ حَمَّا ثُنَّا سُكِيْمَا نُنُ حَدِبِ وَمُسَكَّادٌ قَالَاحَكَا ثَنَا حَمَّا ذُعَن تَابِنِ عَنُ أَنِى رَا فَكُمْ اللَّهُ عَنُ الْمُعَلِّمُ اللَّهُ عَنُ الْمُعَنَّ الْمُمَا لَكُ فَا اللَّهُ اللَّهُ عَنَى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَتَحَ فَسَالًا عَنْهُ فَقِيْلُمَاتَ فَقَالُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُوفِي بِعِلْمُ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَتَحَ فَسَالًا عَنْهُ فَقِيْلُمَاتَ فَقَالُ اللَّهُ الْمُوفِي بِعِلْمُ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَتَحَ فَسَالًا عَنْهُ فَقِيْلُمَاتَ فَقَالُ اللَّهُ الْمُوفِي بِعِلْمُ قَالَ اللَّهُ اللَّ

ابوبر میره و سے دواست ہے کہ ایک سیاہ رنگ کی عورت یام دمسجد میں تباالو د تباعا، پس نبی صلی اللہ علیہ وسلم نے اسے مفقود یا یا اوراس کے متعلق ہو تھا، تبایا گیا کہ وہ مرکیا ہے بس معنود سے فرایک تم نے مجھے کیوں نہ تبایا ؟ فرایا مجھے اس کی قبر بتا ہ ، نوگوں نے اس کی تبایل اس کی نماز جبنا نہ میں شامل نہ موسکا ہو اس صدیف میں اس کے لئے مسلم کی نماز جبنا نہ میں شامل نہ موسکا ہو اس صدیف میں اس کے لئے مسلم کی قبر میر نماز جبنا نہ میر بی نافی اور اس میں نماز جبنا نہ ہو اس کی تبایل ہو اس کے تبایل ہو اس کے تبایل کی نماز میں نماز جبنا نہ کہ اس کے تبایل کی تبایل کی نماز میں نماز کی دیا ہے ، نماز میں اور اس میرور شنے اس کے تبایل کا نموی دیا ہے ، نماز میں اور اس میرور شنے اس کے تبایل کا نموی دیا ہے ، نماز میں اور اس میرور شنے اس کے تبایل کا نموی دیا ہے ، نماز میں اور اس میرور شنے اس کے تبایل کا نموی دیا ہے ، نماز میں اور اس کی دیا ہے ، نماز میں اور اس کی دیا ہے ، نماز میں کا نماز میں کا نماز میں کا نماز میں کی دیا ہے ، نماز میں کا نماز میں کا نماز کی دیا ہے ، نماز میں کا نماز میں کا نماز میں کی دیا ہے ، نماز میں کا نماز میں کی نماز کو کا کہ کا نماز میں کی کو نماز کی کا نماز کا نماز کی کا نماز

مولا نائشنے فرمایا سے کر بخعی، مالک اور الوصنیفہ کا قول یہ بھی سے کہ اگر دنن سے قبل نماز جنانہ ہ دبیا تھی گئی ہو تواس کی قبر میر نماز میڑھی جاسکتی ہے یہ تا بت سے کر حضولا کی بیماز اس شخص کے دنن کی اگلی صبح کو واقع ہوئی تھی۔ ابن حبان کی روایت میں اس صدیٹ کے آخر میں یہ الفاظ بھی ہیں کہ حضولا نے فرایل : قبر میں اہل قبور پر ظلمت سے بھری رسہتی ہیں اور السّٰد تعالیٰ میری نماز ہے باعد شان میں روشی کر دیتا ہے ۔ پس اس سے معلوم ہوا کہ رہے حضور علیہ العسلوة والسلام کی خصوصیت تھی ہما فظا بن ججر نے ایسا ہمی کہا ہے ۔ میں گزارش کرتا ہوں کہ وہ سنت تھی ہوتو بعد میں بڑھ سکتا حضور صلی السّٰہ علیہ وسلم ہم ولا وارث کے وارث میے ۔ والسّٰہ اعلم ہا بصواب ۔

باسبات الصّلاة على المسلوم بموت في بلاد الشّمَلِدِ الشّمَون عمد من من والمصلم بناذ كاباتِ،

م - ٣٧٠ - حَكَّاتُكُ الْقُعْنَبِيُّ فَالَ قَرَانُتُ عَلَى مَالِكِ بُنِ اَنْسِ عَنِ ابْنِ شِهَا بِ عَنَ سَعِيْدِ بُنِ الْمُسَيِّبُ عَنُ اَ فِي هُرَيْرَةَ اَنَّ دَسُولَ (للهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ نَعِلَ لِلتَّاسِ التَجَاشِي فِي الْيُومِ الَّذِي مَاتَ فِيهُ وَخَرَج بِهِ مُولِي الْمُصَمَّى فَصَفَ بِهِ مُ

وَكُبُرا دُبُعُ تَكِيْدُواتِ.

ابوبریده دمنسیردوایت سے کردسول انڈصلی انٹرعلیہ وسلم نے لوگوں کو نتج شی کی موت کی خبر دی آسی دن عبس افجا دن اس کی وفات واقع ہوئی عتی -اورلوگوں کو سے کم یویدگاہ کی طوب نیکے اوران کی صفیں بنائیں اور جا اسکبیریں کہیں ا (منجآری ، مسلم، تر مذیبی ، نسآئی ابن آم جہ)

مشوح: خطابی نے کہاکہ نجاشی ایک مسلم موعد وہ رسول الشرصلی الشرعلیہ وسلم بہایمان لاجکا عقاا ورآپ کی نبوت کی تصلیقا

deceded contraction of the property of the contraction of the contract

مولا نافشنے قرہ یا کہ اس حدیث میں مُصلی سے مادعیدگاہ نہیں بلکہ بقیع العَرَقی کے مقام بر تبنا نہ ہوسے کی جو جگہ تفعوص ہی وہ مرادسہ ۔ میں کہتا ہوں کہ حفوص ہی استدعلیہ وسلم سنے اسپنی بڑے ہو سے دار دیا ہے ہوں کہ معنوں کا استدعلی استدعا ہو ہو ہو ہو ہوں کے اللہ ہیں حضور کا مہنی ہوئے الدین میں مارید کئے ،ال ہیں حضور کا مہنی اور شاع عبدا نظر ہی مارید کئے ،ال ہیں حضور کا مہنی اور شاع عبدا نظر ہی مدور دی سے ترما ترما کر صلیب بر ما داگیا ، حضور ال ہی بہت ہوں الدین ہی تقابی ہو کہ ما ذہبیں بوصی ہے در دی سے ترما ترما کر صلیب بر ما داگیا ، حضور ال ہی بہت ہوئے الدین ہو ہو ہو ہو گئے الدین ہو تھا آئے علاوہ اذبی کم دیا ہے ، کہاس کی وفات اہل شرک میں ہوئی متی اور وہاں اس فریضے کی ادائی کرنے والاکو گ نو تھا آئے علاوہ اذبی کم دیا ہے کہ حضور ہے ہو اس کی روایت میں جو عموان کو کہنا تھا ہو کہ اس موجود ہے بہت موجود ہے بہت موجود ہے بہت موجود ہو ہو منہ کہ ہوئی ہوئی امرا اسے خصوصیت ما نے بغیری اور ہم میں ہوئی لہذا اسے خصوصیت ما نے بغیری اور ہم میں اور

میں بیال پر یہ ظاہر کئے بغیر بھی نہیں دہ سکتا کہ آج کل جو بات بات پر بنا نے جیزی دوارج جل نکال سے میں میں ان پر بنا نے بیاری دوارج جل نکال سے میں میں ان پر بنا نے ہوئے بنازہ فا عمار کے بیا جو میں نکال سے میں میں ان بنانے ہیں۔ ورضہ ما شہرت کے لیے یا سیاسی وفر قد ولراندا عرّاض کی فاط بڑھ سے جائے ہیں۔ ورنہ فا شاب نہ انسوسنا کہ بات یہ ہے کہ بعض خود عرض افراد ہر کام ہیں اپنی ذاتی یا جاعتی اعراض کو مقرنظ رکھتے ہیں۔ ورنہ فا شاب نہ فاز جنانے کا ورنہ فا شاب نہ بیا ہے۔ اوراس میں کو تک میں میں ہے ہے وراسے میں کہ اسکتی ہے۔ اوراس سے کوئی چیزوا نع نہیں ہے۔ ہے والے فرقہ باؤ کہ اللہ میں مہابت دے۔

٣٠٠٥ - حَكَّا ذَكَا عَبَادُ بُنُ مُوسَى مَا اسْمِعِيْ لَيَهُ فِي ابْنَ جَعْفِرِ عَنَ اِسْرَا بَيْلَ عَنَ أَبِي السَمِعِيْ لَيْهُ فِي ابْنَ جَعْفِرِ عَنَ السَّا الْمَعْنَ الْمَعْنَ الْمَدِينَ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَنَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَنَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَنَى اللَّهُ عَنَى اللَّهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ ع

الدموسی اشعری سے روایت ہے کررسول الٹرسلی التد علیہ دسلم نے ہمیں حکم دیا کہ ہم نجاشی کی سرند میں رحبشہ کی طوف ح کی طرف حانمیں ، بھراس نے اپنی حدیث کا ذکر کیا بنجاشی سنے کہا کہ ہمیں گوا ہی و تیا ہموں وہ التُد کارسول ہے اوروی وہ ہے جس کی بشارت عیلی بن مرم نے دی تھی۔ اور اگر جو ہر سے حکومت کی ذمہ داری مذہو تی تو میں اس کے پاس کے حباتا حتی کہ اُس کی جو تیاں اٹھا تا۔

بَارِينُ فِي جَمْعِ الْمُونِي فِي فَيُرِوَ الْقَابُرِيفِ لَمُ

(ایک قبرمی کئی مردے جمع کرنے کا اور قبر میرنشان لگانے کا باتب

٧٠٠٧ . حكان الكَاكُمُ الْوَهَابِ بُنُ نَجُكُاةً نَا سَعِيْنُ بُنُ سَالِحِ وَنَا يَجْكُنُ الْمُعَنَا اللهِ عَن كَثِيرَ بِنِ دَيْهِ الْمَكَافِي الْفَضُلِ السِيجِسْتَافِي نَا كَاتِحُ بَيْنِ الْبَن إِسْمِعِيْلَ بِمَعْنَا اللهُ عَن كَثِيرِ بِن دَيْهِ الْمَكَافِي الْفَضُلِ السِيجِسْتَافِي نَاكُمُ اللهُ عَنْ اللهُ عَلْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلْ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ

عِنْ مَا رَأْسُهِ وَقَالَ أَنْعَكُمُ وَيِهَا قُنْرَ أَخُولَ وَفِي إِلَيْهِ مَنْ مَاتَ مِنْ اَهُلِي -

مطلّب ربی عبدالتُدب خطب تا بعی نے کہاکہ جب عثمان بن مظعون فوت ہوئے توان کا جنانہ ہاہر دبقیع فی خون کا طلّب دبی عبدالتُدہ باہر دبقیع فی خون کا لاگیاا ور دفن کیا گیا۔ بس نبی صلی الله علیہ وسلم نے ایک شخص کو کوئی بخرلا نے کا حکم دیا مگروہ اٹھا نہ سکا ۔ حضور صلی اللہ علیہ وسلم نے اس بنین چھوش خوس نے دسول اللہ صلی اللہ وسلم کے بادے میں یہ جا یہ اللہ علیہ وسلم کے بادد کہا مسابقہ میں اپنے کہا تو کہا کہ مسابقہ میں اپنے کہا تو کہا ہوں کے بادد کو اور میں ہوں گے انہیں یہاں دفن کروں گا درجو ہوئی میرے اہم میں سے فوت ہوں گے انہیں یہاں دفن کروں گا درجو ہوئی مندری اس کی مندمی کی مقبول منذری اس کی مندمی کی قبر کو بیا نہ در مندر کی اور مشکل فید ہے۔ انہیں یہاں دفن کروں گا درجو ہوئی میرے اہم میں سے فوت ہوں گے انہیں یہاں دفن کروں گا درجو ہوئی میرے اہم میں سے فوت ہوں گے انہیں یہاں دفن کروں گا درجو ہوئی میرے اہم میں سے فوت ہوں گے انہیں یہاں دفن کروں گا درجو ہوئی میرے اہم میں اس میں اور مشکل فید ہے۔

بَاسِينَ فِي الْحَقَّارِيجِيَّا الْعَظْمَ هَلْ يَنْتَكِبُ دُلِكَ الْمُكَّانَ -

(باب گورکن اگریڈی پائے توکیا اس جگہ سے بہر کرسے)

٣٠٠٧- حَكَّانَنَا الْقَفْنِيَّى نَاعَبُكَا الْعَنِيْنِ بْنُ مُحَمَّدِهِ عَنْ سَعْدِ الْغِنِي ابْنَ سَعِيدِ عَنَ عَنْ عَنْ عَلْمُ اللهِ عَنْ عَنْ عَنْ عَالِمُ اللهِ عَنْ عَنْ عَنْ عَالِمُ اللهِ عَنْ عَنْ عَالِمُ اللهِ عَنْ عَنْ عَلَيْهِ وَسَلَمَ وَاللهُ اللهِ عَنْ عَنْ عَنْ عَالِمُ اللهِ عَنْ عَنْ عَلَيْهُ وَمَنْ عَنْ عَالِمُ اللهِ عَنْ عَنْ عَالِمُ اللهِ عَنْ عَالِمُ اللهِ عَنْ عَلَيْهُ وَمَنْ عَلَيْهُ وَمَنْ عَنْ عَالِمُ اللهِ عَلَيْهِ وَمَا لَكُونُ اللهِ عَلَيْهِ وَاللّهُ عَلَيْهِ وَمَا لَكُونُ اللهِ عَنْ عَالِمُ اللهِ عَلَيْهِ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَمَا لَكُونُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ عَلَيْكُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ عَلَيْ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْكُوا عَلَيْكُوا عَلَيْهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْكُوا عَلَيْكُوا عَلَا عَلَامُ عَلَيْكُوا عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلَيْكُوا عَلَا عَلَالْمُ عَلَيْكُوا عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلْمُ عَلَيْكُوالْمُ اللّهُ عَلَيْكُوا عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلَاللّهُ عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلّا عَلَا عَاللّهُ عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلَ

معنوت عائشہ رصی الشرعنہا نے روایت کی کہ دسول الشھلی الشرعلیہ وسلم نے فرایا: میت کی بٹری کوتوٹر نااس طرح ہے جسے
جیسے ندندگی میں اس کی مٹری توڑی جائے وابن ما جر الدرَجات دشرح ابی واؤد ، میں ہے کہ جابریٹسے دوایت ہے کہ ہم
لوگ دسول الشرصلی الشرعلیہ دسلم کے ساتھ نکلے اور قبر بہنچے ، وہ ابھی تیار بزخی لئذا حضور مسلی الشدوسلم قبر سے قریب بیٹے
گئے اور ہم بھی آہ ہے کے ساتھ بڑھ گئے گورکن نے ایک بڑی نکا بی چوپنٹر کی ختی یا بازوکی، شرہ اسے توٹر ناچا مہتا کھا توحضور میالیشر
علیہ وسلم نے اس سے منع فرما یا اور فرما یا کہ مردے کی بزئر کی توٹر نام ہی نزندہ کی مٹری کو توٹر نے کی مانندہے ، بلکہ تواسے قرکی ایک حدیث عائشہ دم کا صب کیا ہے ۔

مَإِثِ فِي الْكُولِ.

د*لىدكابات.*

200 a con a concentração de la c

٣٢٠٨- حَكَّانَنُكُ اِسُحَاقُ بُنُ اِسْمِعِيْلَ نَاحَكَامُ ابْنُ سَلِمِ عَنْ عَلِيّ بْنِ عَبْدِالْكَعْلَى فَلَ عَنَ اَبِيهِ عَنْ سَفِيْدِ بْنِ جُبُدِعِنِ ابْنِ عَبَاسِ رَخِيَ (لللهُ عَنْهُمَا قَالَ قَالَ رَسُولُ اللهِ فَعَ صَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلِّمُ اللَّهُ حُدُ لَنَا وَ الشَّقِّ لِغَيْرِينَا -

ا بن عباس رصی الٹرعنہانے کہاکہ جبنا برسول اسٹرصلی اسٹرعلیہ وسلم سنے فرمایا۔ لحدیم ارسے سیے ہے اورش کی دوروں ا کے سیے جوہما رسے علاوہ میں دنسائی ، تر ندی ، ابن ماجہ ۔ تر ندی سنے حدیث ابن عباس دخ کو حدیث عزیب کہا ہے ۔ ابن ماجہ سنے اسے جریرین عبدالنڈ کجلی کی روایت سے بھی رہاں کیا ہے ، مشلم نے سعد بن ابی وقاص کی حدیث درج کی ہے کہ انہوں نے مرض ابوفات میں وصیت کی تقی کم میرسے سلیے محد بنا نااور لحد کو بہند کر سنے کے بیے کچی اینٹیں کھڑی کر رکے دکھنا جیسے کررسول الٹرصلی الٹرعلیہ وسلم کی قرشر لعن مس کہا گھا تھا ،

سنوح: حافظ توقیقی نے کہ اپ کر اس مدیت میں لحد کی فسیلت آئی سے مگر شق سے ممانعت نہیں آئی، صوب پر فرایا ہے کہ ہم نے ہی کو اختیار کیا تھا۔ ابوعدیدہ اپنی جلالت شان کے ماتھ قربیں شق ہم نے ہی کو اختیار کیا تھا۔ ابوعدیدہ اپنی جلالت شان کے ماتھ قربیں شق ہم نے سے صحابر منے درسول اوٹر صلی الڈ علیہ وسلم کی قربشر بیان کے لیے ہدوا ہے اور شق والے دونوں کو بہنام مجوایا کھا اور کہا تھا کہ جو بہلے آگیا۔ بعض نربین کے کارسٹور یا نرم وٹرک ہونے کے باعث جبور اس تق کی کارسٹور یا نرم وٹرک سے سے سے ماعث جبور اس می کا میں کھی کھی دینے والا پہلے آگیا۔ بعض نربین کے کارسٹور یا نرم وٹرک سے دینے کے باعث جبور اس میں کا میں کے دولا میں کے کارسٹور یا نرم وٹرک سے دیا ہے ۔

مَا رَبِنُ كُمُ يَدُنُ كُمُ لِيَالُكُ لُلُكُ الْفَائِرَةِ

ر بات محتف آحمی قبرین اُسرین اُ

٥٠ ٩٣ - كَتَّا تَنَكَ ا حَمَدُ بُنُ يُونِسُ نَا زُهَ يُرُنَا اِسْطِيلُ بُنَ اَفِي خَالِمِ عَنَ عَامِرٍ أَقَالَ خَسَلُ اللهُ عَلَى اللهُ ا

عامر شعبی نے کہا کہ رسول الشرصلی المتدعلیہ وسلم کوعلی من فضل اوراً سامہ بن زید من نے عنسل دیا اورا نہوں نے ہوں ہی آئ کو قبر میں اتارا ۔ شعبی نے کہا کہ مجھ سے مرحتب یا ابو مرتخب نے بیان کیا رجن کا نام بقولِ منذری سکو بیبن قسین قال کے کہا کہ مجھ بیبن قسین آئا کہ استحداد ہوئے تو کہا کہ آ دمی سکے گھروالوں ہی سے سکے در نہری کو بھی قبر میں اتا را یعب علی نفاد نے ہوئے تو کہا کہ آ دمی سکے گھروالوں ہی سے سٹر دم ہوتا ہے ۔ سشوح الدمرقب والمحوصف في معاني كهاست اور تعبن كنزديك وه تقدكونى تا بعى عقد ان سے صرف يهي ايك مديث مروى سے معافظ ابن عبدالبر في كها كه اس حديث كسواا وركه بي بينه بي با جا تا كه عبدالبر على بن عوف مجمى ان لوگو رميں شامل تقديم بول من حوف ميں ان لوگو رميں شامل تقديم بول التحد اور البدايہ ميں كي مزيد تعفيدات أئي بين بن سے حضور من على مول كا اور بعض انصار كا بھى تجبنر و كفين اور تدفين بين شامل بهونا قابت ہے ۔ ويسے شرعی مسئله بي ہے كہ جيسے على دانے فرايا يركام ميت كے گھروالوں كا بوتا ہے ۔ بول قابل مرحم الله من الله من

٩٠١٦ ، طلامك معصمه بالطلب جرب سعياق الاسفيان عن ابن إلى عاليه الما عن المن المن المن المن المن عن النه عن النه عن النه عن النه عن الله عنه الله عكيه وسكر وسكر والنبي الله عنه الله عكيه وسكر وسكر والنبي الله عكيه وسكر وسكر والنبي الله عكيه وسكر والمنه وسكر والمنه والم

تعبی نے الوم قب سے دوایت کی کہ عبدا لرحمان بن عوف دسول الٹرصلی الٹرعلیہ وسلم کی قبرشر بعیث میں اُٹریٹ شخصائس نے کہا بگویا میں اب بھی دعیثم تعموّر میں ، ان کی طرف دیکھ رہا ہوں کہ وہ چار میں دیعنی علی ہم ، الفصل ہ ، اُسا مرح بن زید من عبدالرحمان من عوف)

بَائِكُ كَيْفُ يُلاحُلُ الْكِيَّتُ فَ الْكِيَّاتُ فَ الْكِيَّاتُ فَ الْكِيِّاتُ فَ الْكِيِّاتُ فَ الْكِيِّ

ر بائ میت کواس کی قبری داخل کرسنے کی کیفیت

٣٢١١ - كَلَّاثُنَّاعُبُيْنُ لَا اللهِ بْنُ مُعَادِنَا إِنْ نَاشُعُبَةٌ عَنَ آفِي اِسُحَاقَ قَالَ اَوْصَى اللهَ (اُحَادِثُ اَنُ يُصَلِّيُ عَيْنُهِ عَنْهُ (اللهِ بُنُ يَذِيْنَ فَصَلَّى عَيْنُهِ تُحَرَّا دُخَلَةً الْحَكَرَ مِنْ قِبَلِ رِجْلِي الْقَبْرِ وَقَالَ هٰذَا مِنَ السَّنَةِ .

ا بواسحاق سنے کہا کہ المحارت نے وصیت کی تھی کہ اس کی نماز جنا نہ ہعبدا لٹرمنبن پڑید ہو چھائے یہی اُس نے مناز جنا نہ ہو ہو کہ اسے جے۔
مناز جنا نہ ہو پڑھائی تعبرا سے قبر میں قبر کے باؤں کی طون سے داخل کیاا ور کہا کہ پرشنت میں سے ہے۔
منسی حے: یہ ابواسحاق شہیعی ہے اور عبدالشرائ بن بڑی سے مراوا انحلی ہے۔ بہتی نے اس سند کو صحے کہا ہے۔ اور صحابی نے جب کہا کہ بہت موری ہے بیٹ افعی سے جب کہا کہ بہت موری ہے بیٹ افعی سے اور ابوائز نا دسے نقل کیا ہے کہ علماء میں اس بارے میں کوئی اختلاف نہیں۔ دسول الشرصل الشرعلیہ وسلم کو بھی اور جفرات البر عمال الشرع کی طوقت کی دمیں واض کیا گیا تھا۔ بہتی نے کہا کہ اہر حجاز میں ہی اس جات مشہور سے درمندری

geregenen aggeraet becoeffebebesebegenensthonderhondenberg

حنفیے کے نزدیک میت کو قبلہ کی طرف سے دمعنی پہلے سر کی جانب سے داخل لحد کر ناا نفس ہے اوراس کی بنیا داہر بی بس میں کی دوایت ہے جو تسفدی سنے دوایت کی ہے - اختلاف صرف افعنل میں ہے -

كَا الْمُ كَيْفَ يَجْلُسُ عِنْكَ الْقَابِرِ-

د قبر کے پاس میٹھنے کی کیفیت کا باثب،

مرامه حكانكا عُنكاكُ بُك آئِ شَبْدَة مَا جَدِيْ عَن الْكَفْضِ عَن الْمِنْهَالِ بُنِ عَنْ الْمَنْهَالِ بُنِ عَن عَبْرِ وَعُن زَلْ ذَانَ عَنِ الْكَرَاءِ بُنِ عَاذِبِ قَالَ خَرَجْنَا مَعَ رَسُولِ اللهِ صَكَى اللهُ عَلِيهِ وَسَلَّحُ فِي جَنَارَةٍ رُجُلِ مِن الْانْصَارِ فَانْتَهَ بُنَا إِلَى الْقَبْرِ وَرَحُرُ لَيْحَلُ بَعُك فَجُلَسَ النَّبِيُّ صَلَّى اللهُ عَكِيْرُ وَسَلَّحُ مُسْتَقْبِلَ الْقِبْلَةِ وَجَلَسُنَا مَعَهُ .

بلادی عازب ہے نےکہاکہ ہم دسول الٹرصلی البّدعلیہ وسلم کے ساتھ ایک انصادی مرد کے جناز سے ہیں نسکلے ، پس ہم قبر کے باس پہنچے تواہمی اس کی بینہیں بی مقی۔ پس نبی صلی الٹّدعلیہ وسلم قبلہ رُخ ہیجہ گئے اور ہم بھی آپ ک سابھ بیھ کے دنسائی ، ابن ماجہ ، اجمد ٹی المسند ، ابوعب الٹّد الی کم ٹی المستد رک ، نسائی کی روایت ہیں ہے کہم آپ کے گردیوں فاموش ادب و احرّام سے بیھ گئے گویا ہما دے سرول پر حیطیاں بیھی تھیں۔

يَا بِن فِي اللَّهُ عَاءِ لِلْمَبِّتِ إِذَا وُضِعَ فِي قَبْرِهِ

وميت كوجبة مير ركهاجا في تواس كميدي وعاء كاباك.

سرس. حَكَى نَتُنَا مُحَمَّمُ أَنُى كَنِيْرِ فَالْ اَنَاحِ وَحَتَّا فَنَا مُسْلِمُ بُنُ إِبَاهِ يُحَنَّا فَيَكُرِ فَالْ اَنَاحُ وَحَتَّا فَنَا مُسْلِمُ بُنُ إِبَاهِ يُحَلَّا اللهُ عَلَيْرِ فَاللهُ عَلَيْرِ فَاللهُ عَلَيْرِ فَاللهُ عَلَيْرِ فَاللهُ عَلَيْرِ فَا اللهُ عَلَيْرِ فَا اللهُ عَلَيْرِ فَا اللهُ عَلَيْرِ فَاللهِ وَعَلَى سُنَا فِي وَسُولِ اللهِ وَسَلَى لَيْ اللهِ وَعَلَى سُنَا فِي وَسُولِ اللهِ وَسَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَعَلَى سُنَا فِي وَسُولِ اللهِ وَسَلَى اللهِ وَعَلَى سُنَا فِي وَسُولِ اللهِ وَسَلَى اللهِ وَعَلَى سُنَا فِي وَسُولِ اللهِ وَسَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَعَلَى سُنَا فِي وَسُنُولِ اللهِ وَسَلَى اللهُ عَلَيْ اللهِ وَعَلَى سُنَا فِي وَسُنُولِ اللهِ وَسَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَعَلَى سُنَا فَي وَسُنُولِ اللهِ وَعَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَعَلَى سُنَا فِي وَاللهِ وَعَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَعَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَعَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَعَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَعَلَى اللهُ عَلَيْ اللهُ وَعَلَى سُنَا فَي وَاللّهُ وَعَلَى اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْهُ وَعَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَعَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَعَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ وَعَلَى اللّهُ عَلَيْهُ وَعَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَعَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَعَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّ

ابن عمر است روایت می کرجب میت قبر می رکھی جاتی تورسول الله صلی الله علیه وسلم فرمات : الله ک ما م

بَأْنِ الرَّجْلِ بَوْنَ لَهُ فَرَابَةُ مُثْمِكً

دمشرك قرابتدارى موت كابانب

٣٢١٠ . حَكَّا ثَنَا مُسَدَّدُ نَا يُحْبِى عَنْ سُفِيا نَ حَدَّ تَنِي الْبُواسَعَافَ عَنْ نَا خِيَة بُن كَعْبَ عَنْ عَلِي عَالَ هَلْتَ لِلنَّبِيَ صَلَّالِللهُ عَكِيْرُوسَلَمَ إِنَّ عَلَى الشَّيْرَ الضَّالَ قَدْمَا تَ قَالَ ا ذُهَبُ فَوَالِ الْكَانَةُ مَا لَا فَا مَنْ فَالْمَالَ قَدْمَا تَ قَالَ ا ذُهَبُ فَوَالِ اللَّهُ عَلَى الشَّيْرَ الضَّالَ قَدْمَا تَ قَالَ ا ذُهَبُ فَوَالِ اللَّهُ الْعَلَى الْمُنْ الْمُنْ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّ

ملی شنے کہا کہ میں نے بی صلی الشرعلیہ وسلم سے کہا: آپ کا بوڑدہا گمراہ جیا مرگیا سے چھنو ترشنے فرمایا جا اورا نے باب کو دنوں رحرکو ڈی اور کام کمرنے سے پہلے میرسے باس آنا بس میں گیا اور اُسے دفن کیا اور آپ کے باس آگیا بس حضور سنے بہے بیٹس کا حکم دیا تو میں نے عشس کیا اور میرے لیے دعا فرمائی دنسائی ۴

ہے۔ اس مدیث میں بدولیا موجود ہے کہ ابوطالب مالت شرک میں فوت ہوئے تھے،اس لیے جنود اس اسے اس میہ ما زند بڑھی اور در مفترت علی دم کوالیسا کمہ نے کا محکم دیا ۔ حفرت علی دہ کو بوحضو کہ نے عنسل کا محکم دیا مقاتو مرحکم شرک کی تجہیرو تکفین کے مداخہ خاص ہے ، مزید سیجھے گزر اکرمسل کونہلاکرغسل کا حکم استحبابی سیے الِاعندالی جہ والفتورة

كاب في نَعْنِينِ الْقَبْرِ.

(قبرکوگهراکرنے کا بائ)

٥١٣١- حَكَّانَكَ عَنْ اللهِ مُنْ مَسُلَمَة الْقَعْنَ عَلَى اللهِ مُنْ اللهِ عَنْ مِسْلَمَة الْقَعْنَ عَلَى اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ مِسْلَمِ إِن عَامِرِ فَال جَاءَتِ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ الل

ہنام بن عامر اننے کہاکرانعدار جنگ احکہ کے دن رسول انٹرصلی انٹیعلیہ وسلم کے پاس آئے اور کہا بمہی زخم اور جہدومشعت پنچی ہے، پس آپ ہمیں کیسا یکم دیتے ہیں ؟ آپ نے فرما یا : قبریں کھودوا ور انہیں کھکا کرواور دو وقعین عمین آ دمی ایک قبریس دفن کر دو۔ کہاگیا کہ ان ہی سے مقدم کو ن کیا جائے ؟ فرما یا : جو زیا دہ قرآن جانتا تھا بہنام سے نے کہاکہ میرا باہب عامر '' اسی دن شہید مجوا تھا اور اسے دو کے درمیان دفن کیا گیا یا کہاکہ ایک کے ساعۃ دائر نذی ہونیا ئی ابن اج

شیرے: اس حدیث ہم توگہری قبر کھودنے کا حکم نہیں آیا لیکن ایک اور وایت ہمں برحکم آیا ہے کہ: وَاعْمِ عَوْمِ دِاگلی روایت جس سے معلوم ہوا قبر کو گہرا کھودنا مسنون ہے۔ اسی بنا رپر حنفیہ نے کہا ہے کہ قبراتی گہری ہوجو کم از کم آدمی کے سینے تک آئے درنہ نافٹ تک صنور آئے۔ اس حدیث سے ثابت ہوا کہ صنورت کے وقت ایک سے زیادہ آدمی ایک قبر ہیں دفنا ئے جا سکتے ہیں، بلا صنورت نہیں، بلکہ بل صنورت الساکرنا کمروہ ہے ۔ نسائی کی روایت میں ہے کہ جام '' نے کہا: میرا باپ ایک قبر سے اندر تین میں سے تعبرا تقا۔ حضورصلی الشعلیہ وسلم نے اصحاب کو تھکا ماندہ اورزمی ہوئے کے باوجود قبریں ام بھی اور گہری کھودنے کا حکم دیا جس سے اس کی انہیت کا اندازہ ہوسکتا ہے۔

٣١٦٣. كَنَّ نَنْ الْمُوْمَى الِح بَعْنِي الْلِانْطَاكِيّ اَنَا اللهُ الفَرَارِيُّ عَنِ التَّوْرِيِّ عَنْ اللهُ وَمَعْنَا لَاللهُ وَالْمُولِيِّ اللهُ وَمَعْنَا لَا فَالْمُولِيِّ اللهُ وَالْمُولُولِ وَاللهُ اللهُ وَمَعْنَا لَا فَالْمُولُولِ وَالْمُولُولِ وَالْمُولُولِ وَالْمُؤْلِدِ وَمَعْنَا لَا ذَوْفِ وَالْمُولُولِ وَالْمُؤْلِدِ وَمُعْنَا لَا فَالْمُؤْلِدِ وَالْمُؤْلِدِ وَمُعْنَا لَا فَالْمُؤْلِدِ وَمُعْنَا لَا اللهُ اللهُ وَالْمُؤْلِدِ وَمُعْنَا لَا اللهُ اللهُ وَالْمُؤْلِدِ وَالْمُؤْلِدِ وَمُعْنَا لَا اللهُ اللهُ وَالْمُؤْلِدِ وَاللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ وَاللهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ ولَا اللّهُ وَاللّهُ وَالّهُ وَاللّهُ وَاللّ

وى اوبدى مديث دوسرى سند كم ساعة مع جس مين : وَاعْمِعَوُ اكانفظ اللهدي دين المرى كهودوى معلى الله من الله عن سنع من الله عن الله عن سنع من الله الله عن ال

ایک اورسند کے ساتھ وہی مدیث ۔

بَاسِيُ فِي نَسُوِيَ إِنْ الْقَابُرِ

دفركوبرا بركرسف كاباتث

٨٦٦٠ حَكَّا نَنَنَا مُحَمَّدُنُ كُثِيْرًا نَاسُفُيَانُ نَا حَبِيْبُ بَنُ اَ فِي نَا بِتِ عَنْ اَ بِي وَائِلِ عَنُ إِنْ هَتِيَاجِ الْاَسُدَيِ قَالَ بَعَثَنِي عَلِى قَالَ أَبْعَثُكَ عَلَى مَا بَعَتَنِي عَلَيْ فَا وَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَقَ آَنْ لَا اَدَعَ قَنِرًا مُشْرَفًا إِلَّا سَوَيُتُ هُ وَلَا تِنْهُ ثَالًا

decentration and analytical decentration of the contration of the

الْأَكُلُمُسُمُّكُهُ -

ابوم تیاج الاسدی نے کہا کہ مجھے علی تنسفے (ایک ہم پر) بھیجا اور مجھ سے کہا کہ میں تجھےا لیسے کام پر بھیجہا ہوں حس بہر دسول انٹر مسلی انٹر علیہ وسلم نے جھے بھیجا تھا، وہ ہیر کہ میں ملبعہ قبروڑوں مگر اُسے بھا بر کوروں اور ذکری مانوادوں کی تصویر یا مورتی جھوڑوں مرکز اِسے مٹا دوں دُستلم، ترندی، نسائی

شوح: مافظان القيم ونفران المعيم ونبعن الداس ك فلاف طقيم الكن الدي كو كا اختلاف نهي سي رجها ل قرول كوبرا بركمه سنه كا حكم سيم الديت أونجي بين اورجهال انهبي كو بان دار بنا نه كا حكم سيم اس سعم اد زمين سنه ذرااونجي بي مولا نارشته المجع سن جهور كا مذم ب اس باب مين نقل كيا سيم جويبي سيم كر قبر زمان مها لم يت كى انتدبهت اونجي ندم و اورزمين سنه فرا المبندكو بإن كى ما نندم و ننود و منود و منود ملى الشدع كيه وسلم كي قبر شريف كو با نداد اور زمن سير زياد نبي سير

و ۱۲ س. حَكَّا نَتُكَا أَحْمُكُ ابْنُ عَنْمِ و بُنِ السَّهُ جَ قَالَ نَا ابْنُ وَهُبِ حَكَا نَكِي عَمْهُ وَ بُنُ الْحَادِثِ أَنَّ اَبَاعِلِيّ الْهُمُكَ ا فِي حَكَاتُ فَ فَالْكُنَّاعِنْ لَا فَضَالَةً بَنِ عُبَيْبٍ الْمُ مِرُودَ وَسَ بِارْضِ الرُّومِ فَنُوقِيَ صَاحِبُ لَنَا فَامَرَ فَضَالَةُ بِقَبْرِهِ فَسُوتَى فَالَ سَمِعَتُ رُسُولَ اللهِ مَسكَى الله عَلِيكِهِ وسَسكَوَ يَامُرُ بِتَسْوِيَةٍ مَا قَالَ اَبُودَ ا وَ دَرُودَ سُ جَزِيرَةً

ا بوعلی مملانی نے بیان کیا کرم فضالہ ہم بی عبید کے ساتھ سرز بین دوم میں جزیرہ دو ڈس میں تھے۔ پس ہما دا ایک ساتھ فوت ہوگیا ، فضا اس نے حکم دیا تواس کی قبر برا برکر دی گئی۔ بھر فضا ارس نے کہا کہ میں نے دسول الشد صلی الشدعلیہ وسلم کو قبر میں برا برکر نے کا حکم دیتے سُنا تھا دمسلم ، نسانی ، ابو داؤد نے کہا کہ روڈ س سمندر میں ایک جزیرہ ہے دیر متوسط میں اسکندریہ کے ہاس واقع ہے ،

منتوح: برابر کرنے کامطلب یہی ہے کراسے بہت بلند ندر ہے دیا جائے، پرمطلب نہیں کہ اس کا نام ونشان مطا

٣٧٧- حَتَّا نَنَا اَحْمَدُنُ صَالِحٍ نَا ابْنُ اَفِى فُكَانِكِ اَحْبَرَ فِي عَمْرُونِكُ عُتَمَانَ بن هاني عَن الْفَاسِمِ قَال حَحَلَثُ عَلى عَائِشَة فَقُلْتُ يَا الْمَهُ إحْشِفِي فِي عَن قَبْرِ رُسُولِ اللهِ صَعلَى الله عَلَيْهِ وَسَلَّحُ وَصَاحِبَيْهِ وَحِى اللهُ عَنْمُ اللهُ عَنْمُ اللهُ عَنْ فَنْهُ فِي عَن خَلْتَةِ قُبُورِ لا مُشْرَفَةٍ وَلا لاطِئةٍ مَمْ مُطوحة قِبِ بَطْحَاء الْعَرْصَة والْحَنْمَ اللهُ عَن خَلْهِ وَسَلَّحَ وَسَتَحَمُ مُقَدَّةً مَنْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَتَحَمُ مُقَدَّةً مَن اللهُ عَلَيْهِ وَسَتَحَمُ مُقَدَّةً مَن اللهُ عَلَيْهِ وَسَتَحَمُ مُقَدَّةً مُولِ اللهُ عَلَيْهِ وَسَتَحَمُ مُقَدَّةً مُولِ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَتَحَمُ مُقَدَّةً مُولِ اللهُ عَلَيْهِ وَسَدَّحَ اللهُ وَسَلَّحَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَدَّحَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَدَّحَ اللهُ وَسَلَّحَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحَ اللهُ وَالْمُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَنَّحَ مُقَدَّةً مُولِ اللهُ عَلَيْهِ وَاللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحَ اللهُ وَالْمُؤْمِدِ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحَ وَالْمُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحَ اللهُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحَ وَالْمُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَلَا اللهُ عَلَيْهُ وَلَا اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحَ وَمُعَلِيهُ وَلَا اللهُ عَلَيْهُ وَلَا اللهُ عَلَيْهُ وَلَا اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَلَا اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَلَا عَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَلَا اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَلَا اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ الْمُ اللهُ المُعْلَى اللهُ اللهُ

خىرى : القاسم سے مراد حصنرت أمّ المومنين عائش دسلام الشّدعليه المسمح بيتيج القاسم بن محد بن ابى كمرالعدديق رضى الشّدتينا لي عنه ميں امام سهودى وسندان سنول تبوركي منت ميں اختلاف كا ذكركيا سب ابود اؤد راور الحاكم كى دواست كے مطابق ان قبودكي صورت يول منتى سبے ۔

رسُول التُرصلي التُرعليدوسلم عرصَى التُرعند العُرصَى العُرصَى التُرعند العُرصَى العُ

بَاسِكُ الْاسْنِغْفَارِعِنُكَ الْقَلْبِلِلْبَيْتِ فِي وَفَيْ الْإِنْصِرَافِ

د وابسی کے وقت قبر کے باس میت سکے سلیے استغفاد کا باک ب

١٢٧١ مَ حَكَّا ثَنُكَ إِبُرَاهِيُكُوبُنُ مُوسَى الرَّازِيُّ ثَنَاهِ شَاكُمُّ عَنُ عَبُوا لِلَّهِ بِابُحَبْرِ عَنْ هَانِيُّ مَوُلِى عُشْدًا نَ عَنْ عُثْمَان بُنِ عَفَّانَ قَالَكَانَ النَّبِيُّ صَلَى اللَّهُ عَلَيْ وَ وَسَلَّمُ إِذَا فَرَعْ مِنْ دَفُنِ الْمِيَّتِ وَقَفَ عَلَيْ وَفَالَ اسْتَغُفُو والِأَخِيْ حَكُمُ وَاسْأَلُوْ لَهُ بِالنَّنْ تَبِيْتِ فَإِنَّهُ الْان يُسْأَلُ قَالَ ٱبُوْدَا وَ دَجُجَبُرُنُنُ رِبُسَانَ -

حضرت عثمان بن عفان رضی التدعندسے روایت ہے کہ انہوں نے کہا: نبی صلی التدعلیہ وسلم جب میتٹ کے دفن سے فاریخ ہوشے تقے تو اس پر میں تھے بیوٹرنٹے کر: اپنے بعبائی کے لیے استغفاد کر واور اس کے لیے ٹابہت قدمی کی دعاء کمہ وکیونکہ اب اس سے سوال کیا جار ہاستے ابو داؤ دسنے کہا کہ در اوی کا نام ، بجیرین رئیسان ہے ۔

مشی حے: دنن سے فارع بہو کر دعاء واستغفار ملمیت کے سیے بیرحدیث دسیل ہے۔ تاب تبری کامطلب بیرے کر اللہ تعالیٰ اُسے مسجع جواب سمجمائے ،اس سے قبر کے سوال اور قبر کی حیات کا بھی فہوت ملتا ہے ۔ان تمام چیزوں میں سے ہرا کی بیں بہت سی احادیث مردی ہیں، بعض معیمین میں بھی ہیں ۔

COORDERECTE COORDERECT COORDERECT

يَاتِ كَرَاهِيتَ وَالنِّونِجِ عِنْدَالْقَبُرِ

(قبرکے پاس ذبح کرنے کی کوام بت کا باسک)

٣٢٢٢ - حَكَّا ثُنَّا يَحْبَى بَى مُوسَى أَلِهُ لَحِيْ نَاعَبُ الرَّنَ اَنِ اَنَامَعُ مَنَ عَن خَابِتٍ عَن اَلْتِ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ الللللِّهُ الللْهُ اللَّهُ الللْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللللْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللللْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللْمُ الللْمُ اللللْمُ اللللْمُ اللللْمُولِي اللللْمُ اللللْمُ الللْمُ الللْمُ الللْمُ اللللْمُ اللللْمُولِي الللللْمُ اللللْمُ الللللْمُ اللللْمُلْمُ اللَّهُ الللْمُ الللْمُ اللللْمُ اللللْمُ اللللْمُ اللللْمُ اللللْمُ اللللْمُ اللل

انس دمنے کہاکہ دسول الشرصلی الشہ علیہ وسلم کا ادشا دسے: اسلام میں جانور کے پاؤں کا طبنے کی کوئی گنجائش نہیں۔ عبدالرزاق نے کہاکہ قبر سے پاس جانوروں کاعقر پاؤں کا طن کرتے تھے، گائے ہویا کوئی اور جانورشل بھیڑ بکری۔ مشیرے : ذمانہ ہما ہلیت میں سخی شخص کی قبر ہراونٹ عقر کرتے تھے، کستے سے کہم اس کے زندگی کے انعال کی مسے ہزا ا دستے ہیں ہوہ ندندگی میں جانور کا طبتے اور ان کا گوشت مہمانوں کو کھلاتا تھا، موت کے بعد بھی فنوق کو کھلاتا رسے ان کے قبر سے پاس جانور کا سٹتے ہیں تاکہ جس طرح ہے زندگی میں نوگوں کو کھلاتا تھا، موت کے بعد بھی فنوق کو کھلاتا رسے ان کے شاعروں نے اپنے اشعاد کا اس کا ذکر کیا ہے۔ اور ان میں سے بعض جن کا قیامت اور جشر ونشر ہم ایساد کیا جائے تھے کہ جب سوادی کھاس کی قبر سکے پاس معقور کیا جائے تور قیامت میں سواد ہو کھر اسطے گا۔ اور جس کی قبر میر ایساد کیا جائے وہ مہدل ہوگا۔ دخطابی ، اس چیز کی طون اشادہ کر سکے مضور صدنے فرایا سے کہ اسلام میں اس کا کوئی وجو د دنہیں۔

بُاحِثُ الصَّلزةِ عَلَى الْقَيْرِيَعُ لَاحِيْنِ

دمتيت كى قبرى كچەع صەبعد نمازى پېرىسىنے كاباب،

٣٢٢٣ . كَكُّانْكُ أَثُنَا يُمَنَّ سَعِبْ اللَّهُ شَعْنَ اللَّهُ عَن يَنْ الْهِ الْمَانِي جَيْبِ عَن آبِ الْمَكَ الْحَيْرِعَنْ عَفْئَة بُنِ عَامِرِ آنَّ رَسُولَ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَىٰ هِ وَسَلَّوْخَرَجَ يَوْمَا فَصَلَّى عَلى اَهْلِ الْحَيْرِ عَنْ كَانَتُ عَلَى اللهُ عَلَىٰ اَهْلِ الْحَيْرِ عَلَىٰ اللهِ عَلَىٰ اللهِ عَلَىٰ اللهِ عَلَىٰ اللهِ عَلَىٰ اللهُ عَلَىٰ اللهُ عَلَىٰ اللهُ عَلَىٰ اللهُ عَلَىٰ اللهِ عَلَىٰ اللهِ عَلَىٰ اللهِ عَلَىٰ اللهِ عَلَىٰ اللهِ عَلَىٰ اللهُ عَلَىٰ اللهِ عَلَىٰ اللهُ عَلَىٰ اللهُ عَلَىٰ اللهِ عَلَىٰ اللهِ عَلَىٰ اللهِ عَلَىٰ اللهِ عَلَىٰ اللهُ اللهِ عَلَىٰ اللهُ عَلَىٰ اللهُ عَلَىٰ اللهُ عَلَىٰ اللهِ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ عَلَىٰ اللهُ عَلَىٰ اللهُ عَلَىٰ اللهُ عَلَىٰ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ عَلَىٰ اللهُ عَلَىٰ اللهُ عَلَىٰ اللهُ الله

عقبہ بن عامرہ سے دوایت سبے کہ دسول انٹرصلی انٹرعلیہ وسلم ایک دن باہرتشریعیت سے مگئے اورشہ دارشے اس کرے اس طرح نماذ بڑھی جبسی کرمیتست بچرچ سعتے ستے اور پھروا پس اسکٹے د بخاری پمسلم نسانی اکلی مدیریٹ و کیھئے ۔

٣٢٢٣ - حَكَّاتُكُ الْحَسَّنُ بُنُ عَلِيّ نَا يَحْيَى بُنَ ادَهُ زَا ابْنَ الْسُبَارَلِدِ عَنْ حَبْوَةً

٣٢٢٣ - حُكَانَكُ الحَسَنَ بَنَ عَلِيَّ نَا يَحْيَى بَنَ اذَمَرِ نَا ابْنَ السَبَارِلَةِ عَنَ حَيْوَةَ بُنِ شُرَيْجٍ عَنُ بَنِرِيْ بِنِ اَ فِي جِيْبِ بِهِ نَا الْحَدِيْ مِنْ الْرَاكَ النَّبِيَ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَنَّوَ صَلَى عَلَى قَتُلَ الْحُدِي بَعْمَ ثُمَا فِي سِنِيْنَ كَالْمُوَدِّعِ لِلْاَحْمَاءِ وَالْاَمُوَاتِ

دوسری سند سے ساتھ وہی مدیث اس میں کہا کہ ، نبی صلی استعلیہ وسلم نے جنگ اُمد کے مقتولوں مہم آ تھ سال سے بعد یوں نماز پڑھی حبیسا کہ آپ زندوں اور مُردوں کورخصست کر رسیے تقے ربجوا لرُسابقہ

مشوح: امام طحاوی شنے کہا کہ بعنن احادیث میں آیاہے کہ حضورصلی الٹرعلیہ وسلم نے شہدا نے احد کی نماز جنازہ نہیں بڑھی بس اگریڈ نا بت ہو تویہ نما نہ اس بہلے فعل کو منسوخ کر تا ہے ۔ دو مراسبب پر ہوسکتا ہے کہ شہدائے احد کی مخصوص سنت بو کہ ان بر احنی مترت سے بعد ہی نماز بڑھی جانی ہتی ، یا یہ کہ ان بر اتنی مدت بعد نماز حا گز تھی بخوان اوروں کے کہ ان بر فوری طور مجدوا جب دفرمن کفایہ ، سبے ۔ اور حدیث کے یہ الفاظ کہ یہ نماز متیت بر نماز کی مانند تھی ۔ اس تاویل کو رڈ کر نے ہیں کہ یہ محف وعا ہوگی ۔

بَالِبُ الْبِنَاءِ عَلَى ٱلْقَبْرِ

(قبرىيەتعمىركا باك

٣٢٢٥ - كَنَّا نَكُ اَحْمَدُ بُنَ كَنْبِلِ نَاعَبُ كَالتَّرِّ اَنِ نَا اَبُنُ جُرَيْجِ اَخْبَرَ فِ اَبُو النَّرُبُيْرِ اَنَّهُ سَمِعَ جَابِرٌ ا يَقُولُ سَمِعَتُ النَّبِي صَلَى اللهُ عَلَيْءِ وَسَلَّوَ مَلَى اَنْ يُقْعَدَى عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَ اَنْ يُفَصَّ وَيُبْعِي عَلَيْهِ .

جابردہ کہتے تے کہ بس نے نبی صلی انڈ علیہ وسلم کو سُناکہ آپ نے قبر مہ بیٹے سے منع فرما یا اوراسیے بختہ بنا نے سے اوراس پرعمارت بنا نے سے منع فرما یا دمسلم ، نسائی ، متر مذی ، ابن ماجہ متر مذی کی مدمیث میں قبر مہد نکھنے کی حما نعت بھی سے اور نسائی کی مدمیث میں قبر مہدا صنافہ کرنے کی حما نعت بھی ہے۔

مشرح: علآم خطابی نے تقصیص اور تجھیعں کا ایک ہی معنی لکھا ہے ، بینی پنتہ کرنا۔ قربر بیطنے کی ممانعت کے دو مطلب ہو سکتے ہیں، ایک ہی کھا ہے دو مطلب ہو سکتے ہیں، ایک ہی کھر بات چیت کے سے بیٹھا جائے۔ دو سرایر کہ اپنے بدن میں سے کسی چیزیا کسی عضو کے مساحتہ قبر کو لتا ڈالوا ہے۔ ایک آدمی کو قبر میں ہما را لگا سے محصوب ایک آدمی کو قبر میں ہما را لگا سے موسے دیکھا تو فراطی اندی سے دیکھا تو ایک ہوئے دیکھیا تھا دی ہے تعدد سے مراد رفع ما حبت کے سیے بیٹھنا لیا ہے ہوئے دیکھی تا مواج کے مطلب کا اس میں مسلم بھا ہی جی تسلمی اور کا مرکب کے سے دایک تول ہے کہ مطلب کا اس میں مسلم بھا ہی جی تسلمی اور کا مرکب کے سے دایک تول ہے کہ مطلب کا اس میں مسلم بھا ہی جی تسلمی اور کی میں مسلم بھا ہی جی تسلمی اور کی مسلم بھا ہی جی تسلمی در ایک تول ہے کہ مسلم بھی اور کی تسلمی در کے ساتھ کے در کی کے مسلم بھی اور کی تسلمی در کی در کے ساتھ کے در کی د

ا بانت ہے اور ہی معنیٰ معیح ترسے ۔ اور قبروں ہرسے گزدنا ، یا قبریں ا بسے طور ہر بنا ناکہ مثلاً درمیا نی قبر کساس کو بغیر دہنچا چا سکے کہ اددگردکی قبروں کو لتا اڑا جائے یہ سب ممنوع ہے ۔ اسی طرح ہر فیلا ن سنت فعل قبرستان ہی حوام سے ۔ قبر و س کی صوف زیارت اور کھواسے ہو کر دعا ، کر نا ہی حضو وسسے ٹابت ہے کہ آپ بقیع ہیں تشریب سے جاتے شخے اور کھواسے ہو کرانہیں سمام کہتے اور دعا ، کرتے تھے ۔

٢٩٩٣ - حَدُّ ثَنَا مُسَدَّدًا وَعُتَمُانُ بُنَ آفِي شَيْبَةً قَالَانَاحَفُصُ بُن غِياتِ عَن الْهِ بَالِمُ مُن غِياتِ عَن الْهِ بَكُونَ الْمُعَلَّى الْمُن الْحَدِيثِ الْمِن الْمُورِي وَعَنْ الْمُعَلِيدِ مِلْ الْمُلْكِانَ الْحَدِيثِ الْمُورِي وَعَنْ اللهُ الْمُعَلِيدِ مِلْ اللهُ الْحَدِيثِ اللهُ الله

حَدِانُیتِ مُسَلَّا دِ حُرْفِ وَ اُکْ -وسی اور والی مدیث ایک اور سند کے ساتھ عثمان راوی نے کہاکہ: قبر مینا فرکیا جائے اس کی بھی مما نعت فرمانی

سلیما ن بن موسی نے یہ اضافہ کیا: بااس بر لکھا جائے۔ مستددی مدسٹ میں: یا آصافہ کیاجائے کا ذکر نہیں سے – ابودا ؤد نے کہا کہ مجو پرمستددی مدیث کا ایک مفط مخفی رہا۔ یعنی وُان کا لفظ در نیز دعلیہ نسائی میں سے، سکھنے کی مما نعت کی مدین ابن ماجہ میں ہے سلیمان بن موسی کوجا ہر رم سے سماع نہیں ہوا ہیں وہ دوایت منقبطع سبے

٢٧٧٥ حَكَانُكُ الْقُعْنَدِينَ عَنْ مَالِكِ عَنِ ابْنِ شِهَا بِعَنْ سِعِيْدِ بْنِ الْمُسَيَّبِ

عَنْ أَنِي هُوَرُيْرَةَ أَنَّ رَسُولَ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ فَالَ فَا تَلَ اللهُ الْيَهُ وَحَدَ اتَخَذُهُ وَا قُورُ رَا نِبُيامُهُ مِسَاجِمًا -

ابوبرىيە دە سے دوایت سېرى كردسول الله مىلى الله عليه دسلم نے ذمایا: الله تعالى بېرد دون كو ملاك كريس انهول في النه بين بېرى دا الله بېرى الله بين بېرى كاه بناليال بخاترى تسلم ، نسائى ، مشوح : وه اپنجان بېرى تېرون كو سجدى كري بنات اور ان بي عبادت كرت تقد رير ثبت بېرستى كے مشابر بختى لله زا مشورح : وه اپنجان بند عليه دوسلم نيان بېر لعنت فرمائى رير عبادت اگرام عاب تبودكى على توشرك محفل عنى اگرام الله كاب تا مخى تب بى بت بېرتى كى مشابېت كى بنا، به حلام على انسوس بى كه بعن مسلمان بى تا و بلات كے م كم ميں بيا كراس لعنت كى مقدار سينے اور انہول نے اور ايا واد الله كا قبوركوس بوده كاه د بنایا در عافر ناالله مند ،

يَاكِ فِي كَرَاهِيَةِ الْقُعُوْدِ عَلَى أَلْقُبُرِ

د قرر بنطن كى كراست كاباب،

٣٢٢٨ - كَنَّ نَكُ مُسَنَّدُ نَا خَالِكُ نَا شُهَيْنَ عَن آبِيهِ عَن آبِي هُمَ يُرِفَ فَالْقَالَ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَنْ آبِيهِ عَنْ آبِيهُ هَنْ آبِي هُمَ أَيْرَفَ فَالْكَالُ وَكُلُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَنْ اللهُ عَلَا عَالِمُ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَا عَالِمُ اللهُ عَلَا اللهُ عَلَا اللهُ عَلَا اللهُ عَلَا عَ

ابوہرریے شعدوایت ہے کہ انہوں نے کہا جناب رسول الٹیصلی الٹیملیہ وسلم نے فرما یا: تم میں سے کسی کے قرر پیٹھ حبا نے کی نسبت یہ بات بہتر ہے کہ وہ ایک انگارے پر بیٹا جائے حتی کہ اس کے کیٹر سے حبل جائمیں اور وہ انگار ہ اس کی کھال تک پہنچ حبائے ۔ دمشلم، نسانی ، ابن ماجہ)اس مدیث سے قبر برپ طلق بیٹے نے کی مما نعت نابت ہوئی گو وہ رفع مابت وغیرہ کے لئے نہو۔

و ۱۳۲۹. كَكُانْكَ إِبْرَاهِ يُحُرُبُنُ مُتُوسَى الرَّازِقُ أَنَاعِيْسَى نَاعَبُكُ الرَّحْسِ يَغْنِى ابْنَ يَوْنَ مَنْ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّوَلُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّوَلُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّوَلُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّوَلَ اللَّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّوَلُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّوَلُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّوَلُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَالْعُلُولُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَالِكُولُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَالْمُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ اللْمُ الْمُعَالِمُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْكُ اللَّهُ عَلَيْكُ اللْمُ اللَّهُ عَلَى اللْمُ الْمُؤْلِقُ اللْمُعْلِقُ اللْمُ الْمُؤْلِقُ اللْمُعِلَى الْمُؤْلِقُ الْمُعَلِّلُ اللْمُ الْمُؤْلِقُ اللْمُعْلِقُلُولُ اللَّهُ عَلَى اللْمُ عَلَيْلُولُ اللْمُؤْلِقُ الْمُؤْلِقُ اللْمُعِلِمُ الْمُؤْلِقُ الْمُؤْلِقُ الْمُؤْلِقُ الْمُؤْلِقُ اللَّهُ الْمُؤْلِقُ الْمُؤْلِلُ الْمُؤْلِقُ الْمُؤْلِ

واثماره بن الاستع کتے تھے کہ میں نے الوم ژار عنوی کو پر کتے کنا: رسول الٹرصلی الٹر علیہ وسلم نے ارشاد ذیا یا کہ قبرول برمت بیعٹو۔ اور ندان کی طرف نماز بیٹر مو دمشلم، نسآئی، تریزی قبر بیپیٹر جانے سے متب کی توہیں ہوتی ہے اوراس کی طرف منہ کر سے نماز پڑھ صفے سے اس کی ناجا کہ تعظیم ہوتی ہے بھی سلم سے یہ توقع تونہیں ہوسکتی کروہ قبر یا مام بالدت کی۔ نیت سے ایسا کرے گاکیونکر یہ تو کھلا ہوا مشرک ہے۔ ہاں! بہزیت تبطیم نا ویل کا پر دہ ڈال کر جہلا ایسا کر سکتے ہیں اور یہ مجی فعل حرام ہے جس سے صراحة مما نعت فرمائی می ہے۔

بَالنِكَ الْمُشْمِى بَيْنَ الْقَبُورِ فِي النَّعُلِ.

رىجۇتون سىيت قېرون مېرى چىنى كاباب،

مراس كَلَّا فَيْ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْكَارِنَ الْكَانِ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ

رسول التدصل التدعيد وسلم كة ذا دكرده غلام بشيرسد دوايت بنه اوراس كانام زمان دما بليت بين زج بن معبد نقا،
پس وه جرت كرك رسول التدعيل وسلم كى طوف آيا تو آم نف فرايا : سترانا م كيا بنه وه بولا كرزج، فرايا : بلكولشر بنه است كها كه اس اثناء من كه من رسول الترصل التدعيد وسلم كم ساعة جل ولي تقاء آپ مشركون كى قبول كه با من فراي وفرا با : انهول نزيه بسب به باي تمن با رفرا يا (وه است جهو لا كرآ سك بلسك في ب اب بهر آپ مسلمانون كورا با انهول نزيه بسب به باي المراي الله به باي بهر آپ مسلمانون كا قرق كه باس گذر دست تو فرا يا : انهول نزيه بسب سى عبلانى كو بالياسيد و ما و ن جو تول و است از العبل بوا بن جوت و التراي با بوال التراي بالتراي بالتراي

تسرح: على منطانى نے مکھا سے كرى كي انس بخت تبور كے زائر كے ليے بوت تے يہنے ہونا جائز ثابت ہوتا ہے ۔ إس حدميث ميں حضو رئسنے اس تخص كوشا يدم تكبران چال كے باعث منع فرما يا تھا كيوں كرجس فتم كے بوتے وہ پہنے ہوئے تقاوہ اس دور ميں عيش پندا لسانوں كادستور تقاء اس بنا درج عنور منے بين دفر ما ياكراس كا قرول ميں وائمل ہو نااز لا ، تواضع وانكسارى بونا چاہيئے تھا۔ بشير جس كاذكر بطور لاوى مديث ميں ہے يہ لبشير بن الحضاص نيد معے ۔

٣٢٣١ - حَكَّ ثَنَامُ حَتَدُهُ بُنُ سُلِيمًا نَ الْكُنْبَارِي تَنَاعَمُهُ الْوَقِهَابِ يَعْنِي ابْنَ عَطَامِ

عَنْ سَعِيْدٍ عَنْ قَتَادَة عَنُ أَنْسَ عَنِ النَّبِي صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ ا الْعَبُكَ إِذَا وُضِعَ فِي فَهُرِم وَلَوَلَى عَنْهُ اَصْحَابُهُ أَنَّهُ لَيَسُمُ عُ قَرْعَ نِعَالِهِ مُ

انس رہ نے بی صلیاں تدعلیہ وسلم سے روایت کی کہ حضورہ نے فر مایا : بندے کو بخب ہس کی قبر پی رکھ دیا جائے اور کی اس کے دوست وا بس چلے جائیں تو وہ ان کے جو توں کی آواز شنتا ہے د بخاتری ، مُسَلم ، نُسَا ٹی) شوح : بہی وہ صدیرے ہے جس کا حوالہ خطابی نے دیا ہے، کہ اس سے قبول میں جو سے پہنے ہوئے چلنے کا جوالہ ٹا بت کم ہو تا ہے - دہا مُردے کا جو توں کی آواز سُننا تو یہ اُس خاص موقع سکے سیے سے کیونکہ دوسری مجھ احادیث کی دوسے ۔ دمنلاً حدیث ابر ۲۲ جو پیچے گزری) اس وقت مُردے کو زندہ کرے اس سے موال کیا جاتا ہے ، اس سے حف ور استعفار کا حکم دیا تھا۔ بس یہ حدیث متنا نہ عذبے برسٹالہ اسماع موتی کسے خارج ہے ۔

بَارِبُ فِي تَعْوِيُلِ لَيِيتِ مِنْ مَوْضِعِهِ لِلْأَمْرِيَجُمُاتُ

زبین آمده و ورت کے لیے میت کواس کی جگہ سے تبدیل کرنے کابا اب

مهراس. حَتَّانَكُ السَّيَمُ اللَّهُ اللْمُلْمُ اللَّهُ الللْمُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللْمُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَ

iga a contrata de la contrata del contrata del contrata de la contrata del contrata del contrata de la contrata de la contrata de la contrata de la contrata del contrata del contrata de la contrata de la contrata de la contrata del contrata de la contrata de la contrata de la contrata del contrata de la contrata del contrata d

مقا بدنهبي كرسكتي. والثداعلم-

بَابِثُ فِي النَّنَاءِعَلَى الدِّيتِ

دمتیت کی انچی صفات بیان کرنے کا باث

٣٣٣٣ حَكَّانُكُ حَفْصُ بُنَ عُمَرَنَا شُبُعَةُ عَنُ إِبُرَاهِ يُحَرُّنِ عَامِرِ عَنَ عَامِر بَبِ سُعْدِ عَنْ رَبِى هُمَ يُرَةَ قَالَ مَتُرُوعَلَى رَسُولِ اللهِ صَلَى اللهُ عَكِيْهِ وَسَلَّمَ بِجَنَانَ قِ فَا تُنَوْا عَكِهُ هَا خَيْرًا فَقَالَ جُبَتُ تُمَّرُوا بِالْحُرَى فَاثْنَوُا شَرَّا فَقَالَ وَجَبَتُ تُحَرِّقَالَ إِنَّ بَعْضَ كُمُوعَلَى بَعْضِ شَهِيئًا -

ابوبرىيە دە نے كہاكہ لوگ ايك جنازه كے كريسول الشرصلى الشرعليه وسلم كے باس سے گذر سے تواصحاب نے اس كى احجى تعرف بيان كى، پس آپ من نے فرمايا: وا جب ہوگئى - بھر كھي لوگ ايك اور جنازه سے كرگزرے تواصحاب نے اس كى بحدى صغات گنوائيں، بس حضور صلى الشرعليه وسلم نے فرمايا: وا جب ہوگئى - فرمايا: تم ايك دوسر برگواه ہو دنسآئى ، بخارتى عن انس من مسلم، ابن ما جد، مترمذى دنسانى عن انس من ،

شوح: پہلے و بجبت کے سے ماد دینت اور مغفرت تھی اور دو مرسے سے مُراد جہم اور مزاعی ۔ نووی نے کہا کہ اصحاب نے
اس شخص کی بُری تعریف کیوں کر کی حالا نکہ نجا ری کی صحیح مدیث میں اموات کو بڑا کہنے کی نما نعت موجو دسے ہ
جواب یہ ہے کہ ہم غیرمنا نقیں الحق کے الانکہ نجا ری کی صحیح مدیث میں اموات کو بڑا کہنے کی نما نعت موجو دسے ہ
وکفارا ور محلے نساق و مبتدعین کو بُراکنے کی نما نعت نہیں سے کیو نکہ اس سے عرض یہ ہوگی کہ ان کے طریقے سے
ہم میز کیا جائے ۔ علام علی القاری نے کہا ہے کہ جہرے اور فاسق جن کا فتی دعت واضح اور ظاہر ہوان کی برائی کی اجازی اور تراب ہے کہ وہ بہرے کہ مہم ور سے کہ قبر ور کے بعد اس کا کچر فائدہ نہیں ، علاوہ ازیں یہ احتمال سی سے کہ وہ تو ہو کہ اس کے دور ہوں ہوں ہے کہ اس میں میں ہوں کہ ہم اس میں ہوں ہوں کے میں میں ہوں کے میں میں ہوں کہ ہم اس میں ہوں کہ ہور ہوں کو مرتب کے مراب ہی ہے کہ اس میں ہوں کہ ہور ہوں کہ ہور کہ کہ ہور کہ ہو

incopperecedia de la companida de la companida

باسك في نرايارة القبور

دزيارت فبوركا بالثبى

ماکہ وت ۔ مُسَ ابوبربرہ ٹنے کہاکہ رسول لٹدسلی لٹدعلیہ وَ لم اپنی والدہ کی قبر ہرسگئے ،پس دوسے ا دراردگر دوالول کوبھی کہ لیا ۔پس کول الٹر صلی الٹرعابہ وسلم نے فرمایا کہ ہم نے اپنے لبند ہروروگا دستے اس سیے استغفادکی اجازت مانگی مگر پرجھے اجا ذہت نہ مل پھپر میں نے اس کی قبر کی ذیارت کی اجازت مانگی تو مل گئی ۔پس تم قبرو س کی تریا بشاکھا کمروکیونکہ وہ موت کو یا وولاتی ہیں ڈسلم نسانی این ماجہ ہر

٣٢٣٥ - حَكَّانَكَ أَخْمُكُ ابْنُ يُونْسُ نَامُعُرَّنِ بُنُ وَاصِلِ عَنْ مَعَادِبَ بَرَ حِتَارِعَنِ ابْنِ بُرُّيْ كَنْ أَبْدُهِ فَالَ قَالَ قَالَ رَسُولُ اللهِ صَكَّى اللهُ عَلَيْ لِهِ وَسَكَّرُ يُحِبُّتُكُوْعَنْ نِهُ إِنَّا لَهُ مُومِ فَكُرُورُوهَا قَالَ فَي زَيَارُتِهَا تُكَنَّكُونَا مُنَاكِّرُةً وَال

بُر ید ہ دم سنے کما کہ دسول الٹرصلی الٹدعلیہ وسلم نے فرمایا : میں نے تمہیں نہ یا دت قبورسے دوکا تھا ،سواب تم زیا دت کرو کیو کہ زیا رت میں موت کی با دوما نی سے دمسلم ، لنسآئی ، ترمذی حافظ حافر تھی اورع تبدری نے کماسے کہ اہل علم کامردول کے

سلیے زیارت قبور کا جوا زمتفق علیہ سبے ، اور حافظ ابّن سزم کا قول سے کرامرے باعث نریارت بتوروا جب سے گوزندگ میں ایک بارس کیوں ہے ہو۔

بَاسِ فِي ثِنَادِةٍ النِّسَاءِ النَّهُونَ

د عورتول کی زیارت قبور کا باعث

٣٣٣٧. كَثَّا ثَنْكَ مُ كُحَمَّ مُنْ كُنْ كُنْ يَعْ مَنْ مُنَ كُنَّ مُكَنَّ مُكَنَّ مُكَنَّ مُكَنَّ مُنَ كُمُكُ سَمِ عَتُ أَبَا صَّالِحٍ يُحَكِّ ثُنُ عَنِ ابنِ عَبَّاسٍ فَالَ لَعَنَ رَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلِيهِ وَسَتَعَوَزَا ثِرُلِاتُ الْقُبُورِ وَالْمُنْتَ عِنِ إِنْ عَبَّاسٍ فَاللهَ مَنَا حِدَ وَالشَّرِجَ -

جہاں مگ قبروں کو سجدہ گاہ بنا سنے اوران بروسیٹے جلانے کا تعلق ہے افسوس اسلمانوں میں برہمیا ریاں وہا، کی طرح بھیل گئی جیں اور بدعتی طافرں اور مشرک بیروں نے اس کی کھلی توصلها فراٹی کی ہے۔ برسب لوگ رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم کی اس معنت سے مستوحب میں جواس مدریث میں آئی ہے۔ معاذ اللہ دمنہ ۔

باسب ما يَقُولُ إِذَ امْرَ بِالْفَبُومِ

ربات بب قرو*ن پرگذرے تو کیا کھے*)

٧٣٣٨. كَلَّا ثَنَّا الْقُعْنِيَ عَنَ مَالِكِ عَنِ الْعُكَاءِ بْنِ عَبْ اِلرَّحُمْنِ عَنْ أَبِيْهِ عَنْ أَبِي هُمَ لَهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّوَ حَرَجَ إِلَى الْمَفْبَرَةِ فَقَالَ عَنْ أَبِي هُمُ لَا لَهُ عَلَيْهُ وَسَلَّوَ حَرَجَ إِلَى الْمَفْبَرَةِ فَقَالَ رَسَّكُ لَا مُعْمَدُ مَعْنِي مَنْ وَإِنَّا إِنْ شَاءَ اللَّهُ بِكُوْلِ حِقْوَنَ - رَسَّكُ لَا مُعْمَدُ مَعْنِي مِنْ وَإِنَّا إِنْ شَاءَ اللَّهُ بِكُوْلِ حِقْوَنَ -

باسب كيف يُضنعُ بِالْمُحْرِمِ إِذَا مَاتَ

دبائد احدم بن آنے والے کاکیا کیا جائے؟)

٨٣٣٨ - كَلَّا نُكُامُ حَمَّكُ ابُنُ كَيْنَ رِانَا سُفَيَانُ حَمَّا ثَنَى عَمُمُ وَبُنُ دِ بُنَارِعَنَ سَعِيْدِ بْنِ جُبُبْرِعَنِ ابْنِ عَبَاسِ فَالَ آقَ النَّبِيُّ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَعَ بِرَجُلِ وَقَصَتُهُ مَا حِلَتُهُ فَكَاتَ وَهُومُ حُرِمٌ فَفَالَ كَفِنُوهُ فِي ثُوبَيْهِ وَاغْسِكُوهُ بِمَاءِ

كَسِنُورُ وَلَا تُحْتِمُ وَارَا سَهَ فَاِنَ اللهَ يَبُعُثُهُ يَوْمَ الْقِيْمَةِ مُيكِبِي فال اَبُوْدَاؤَدَ سَمِعُتُ اَحْمَدُ بَنَ حَنُبُلِ يَقُولُ فِي هٰذَا لُحَدِينِ خَمْسُ سُنَنِ كَفَّرُوعُ فِي تَوْبَيْهِ اَى تُكَفَّنُ الْبَيِّتُ فِي تَوْبَبُينِ وَاغْسِلُوهُ بِمَاءٍ وَسِمْ إِلَى كَانَ فِي الْعَسُكُولِ فِي الْعَلَم سِنَا رَّا وَلَا تُحْتِمُ وَلَا تُقَرِّرُ وَهُ طِيْبًا وَكَانَ الْكَفْنُ مِن جَبِيْجِ الْمَالِ -

ا بن عباس سے نے کہاکہ نبی کریم صلی الشرعلیہ وسلم سے پاس ایک شخنس کولا یا گیا جسے اس کی سواری نے گھد دن سے ہل گراکم گر دن تو ڈری عتی اور وہ جالت احرام میں مرگیا تھا۔ بس فرما یا: اس کو اس سے دو کیڑوں۔ میں کفنا وُاورا سے با نی اور بسری سے بتوں کے ساتھ عشل دوا ور اس کا سممت ڈھا نکو کیو نکہ الٹر تعالیٰ اسے قبا مت کے دن اظامے گاتو پر بتیک کہتا ہوا اسطے گا دیخاتی، سلم ، تر ندی، نسائی، ابن ماجہ، ابو داؤ دنے کہا کہ میں نے احد بن حنبل کو کتے شنا کہ اس حدیث میں باخ مشتنبی میں: دا) کفنڈو گو نی فوئید، بینی میت کو دو کرٹروں میں کھنایا جائے دہ، کوا غید کو گو بیئا بر قرصی نہ ہوں ہوں میں توشیر سب عنسلوں میں بیں دس، اس کا سرمت ڈھا نبور ہی، اسے تو شہومت لگاؤ دھ، کفن سالہ سے مال میں سے متا داس روا میت می ٹوشیر کا ذکر نہیں سے مثا میر میں ہو اور اگلی حدیث میں آر ہا ہے ،

اسی صدیث کی دوسری سند - ابن عباس شنے کہا کہ حضورٌ نے فرمایا: اسے دوکیڑوں میں کفناؤ ۔ ابودا وُ دینے کہا کہ سکیمال نے کہاکہ ابوت نے ٹوئیتر رُاس کے دوکیڑے ۔ بعنی احرام کے ، کہا تھا۔اور پر ویٹے ٹوبین کہا ۔ اور ابن تعبید کی روایت میں ہے کہ ابوّب نے ٹوئین کالفظ کہااور عمرونے ٹوبید کہا ۔ اور صرف سلیمان نے یہ اصافہ کیا کہ: اسے نبوشبومت ملکا وُ ۔ مشہ حے ، ٹوئیس اور ٹوئر سے کہا خت دور سے معرف اور سے اس کر اُسٹر سے معرف میں میں میں معرف کی کرکھا

مشوح: ٹونبی اور ٹوئی کے اختیاف سے معنی یوں برکتا ہے کہ ٹو بین عام ہے جس کا مطلب یہ سے کہ عام ہوگا ں کے کفن میں کم اذکم دوکیڑے صرور بونے چا ہمیں اور ٹو تبیہ کامطلب یہ ہے کہ اس فرُم کو اس کے کپڑوں میں کفنا ہی گویا برصرت محرُم سے لئے تقارا وراس مدیث میں ٹوشبو کی مما تعت ہی ہے۔

٣٢٣٠ - كَنَّانُنَا مُسَنَّدُ ذَا حَمَّا دُعَنُ اَيُونَ عَيْنَ سَعِيْدِ بْنِ مُجَبُدِيمِ عَنِ ابْرِتَ عَبَاسِ نَحُولُه بِمَعْنَى شَكِيْمَانَ فِي تَوْرَبْيِنِ .

gondant er dedect det dedect eddocepannen bebeggeden der de g

مسدّد كي طريق سيرابن عباس ينكي مديث جبرواي شليمان كي مان د نويبن كالنظيث

٣٢٣٠ حَرْبَةُ عَنَى الْمُحَدِّمِ اللَّهُ اللَّهُ

بری کے بتوں سے عنس دینے کا حکم دیا تھا مالا نکہ تُحرم کے بیے بیری کے بتوں کے ساتھ عنسل جائنہ نہیں ہے۔ طرطور عی

کے نے کماکہ ابن کوٹنسنے ڈھانکا اور دوسروں نے نہیں ڈھا ٹکا ۔ طاؤس نے کہا کہ فرم کا سرموت سے بعد چیپا یا حباشے گا۔ چھس بصری سنے کہاکہ حبب فوم م مبائے تو اُس کا حرام کھل گیا ۔ فیا ہدنے عامرشعبی سے نقل کیا کہ فوم مرحبائے تو اس کا

seccent et épocetore par la reproduction de la repr

ا حرام جا تاریا۔ ابرآئیم نخعی نے عائشہ مدیقہ سے دوایت کی کرجب فرم مر جائے تو بہادے ما بھی کا احرام جا تارہا۔ عکر مر نے جبید سندسے اور ابن حزم نے میچے سندسے عائشہ رضی اللہ عنہ اسے روایت کی ہے کہ محرُم میت کو توشیو لگائی جائے اور اس کا سرڈھا لگا جائے۔ جابر ربن نہ یہ ابوانشعٹاء) نے ابوجعنر دالباقر) سے روایت کیا کہ محرُم میت کا سرڈھا لگا جائے اور کھولانہ جائے۔ اس ساری گفتگو کا فلاصہ یہ ہے کہ اس حدیث میں جس محرم کا واقعہ آیا سے بیم مسی کی فصوصیت تھی۔ والت کہ اللہ علم بالصواب۔

وبسنيرالله التخمين التحيير

إُولَ كِنَابِ الْأَيْمَانِ وَالنَّهُ وَمِ

البجرك كميشاب الجنائر

بَابُ التَّفِينظِ فِي الْبَرِيْنِ الْفَاجِدَةِ

راس مین ۳۲ باب اور ۸۸ مدیثیس بین دباب جموالی قسم کی شدّت کے بارے میں

مهمه حكى نَكَا مُحَمَّدُ بُنُ مَسَاحِ الْكِرَّا زُفَالَ نَا يَزِيُدُ بُنُ هَادُوُنَ قَالَ اَخَبُرَنَا هِ الْكِرَّا زُفَالَ نَا يَزِيدُ بُنُ هَادُوُنَ قَالَ اَخَبُرَنَا هِ الْكَبَرِينَ عَنْ عِنْمَ اللَّهُ مُصَيْنِ قَالَ فَالَ اللَّهِ مُصَلِّدُ وَسَلَّا مُنْ مُلُود وَ اللَّهِ مُنْ مَلْ اللَّهُ عَلَيْ يَدِينٍ مَصُبُود فِي كَاذِبًا فَلْكَتَبُولُ اللَّهِ وَسَلَّا مَلْ مَلْ مَلْ يَدِينٍ مَصُبُود فِي كَاذِبًا فَلْكَتَبُولُ اللَّهُ مَلْ اللَّهُ عَلَيْ مَلْ اللَّهُ مَلْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ مَنْ اللَّهُ مَنْ اللَّهُ مَنْ اللَّهُ مِنْ النَّامِ .

بیر بیریم مسال میں موات ہے تہ ہی ملی اللہ علیہ وسلم نے فر مایا جس شخص نے جمبوری کی حبوثی قسم کھا ٹی اسے موان ہ حیا ہے کہ وہ اپنے حبرے کے بل اپنے سینی گھکا نے میں گرہے۔

شیرے: خطابی نے کہاکہ بمین معبورہ کا معنی ہے وہ تیم جس کے لیے کسی کوحکماً روکا گیا ہو۔ صَبرکاا صل معنی روکنا دحبس،
سے پہیں سے تس صبر بھی سے ، بعنی باندھ کر مارنا ، زبر دستی قتل کر دینا جبکہ مقتول مقابلہ بھی دہ کر سکتا ہو۔ بس میں مصبولہ وہ ہوگی جب رسے بھتم کھاسے۔
وہ ہوگی جب کھانے والاحقیقة " مجبور ہو۔ بمین کی صفت مصبورہ حجا نہ اسے ، اصل میں مصبور وہ سے بوقتم کھاسے۔
اگر کوئی آدمی قسم کھلائے بغیراز نود قسم کھائے تومصبورہ وہوگا۔ اس سے اندازہ کیا جا سکتا ہے کہ جب حلعب لا زم والے کا
میر حال ہے تواز نود نوشی سے تھو ڈل قسم کھانے والاکہاں گرے گا ؟ بالوں کئے کہ کوئی شخص بھی اس قسم کی قسم کھانے کے

سے تیار نہیں ہو تاجب نک ملعت اس پر لازم نہ کردی جائے اس سے ملعت کے ساتھ مفتبودہ کی شرط الگائی تئی سے۔ مولا نائٹ نے فرما یا ہے کہ مین دراصل تو دائیں ہا تھ کو کہتے ہیں مگر حلعت کو بدنام اس سے دیا گیا کہ ملعت اٹھاتے وقت دائیں ہاتھ المانے کا رواج تھا۔ یا اس لیے کہ دائیں ہا تھ کی شان یہ سے کہ جیز کو محفوظ درکھے، بس ملعت کو بمین کہا گیا کیونکہ قیم کھانے والا اس کی توٹا با بندی کر تا تھا نذور جع سے نذر کی، تعنی معنی ڈرا نا ہے اور بقول داعنب اصفہ انی شرعی معنی بہ ہے کہ کسی امر کے بیش آجائے کی وجہ سے عزوا جب چیز کو اپنے اوبر وا جب کر دینیا .

بَاكِ فِي مَنْ حَلَفَ لِيَقْتَطِعُ بِهَامَالًا

(اس شخص کابات جوکس کا مال مقلیانے کی خاطر قسم کھائے)

عبدالتد بن مسعودرن نے کہا کہ جبنا ب رسول الشرصلي الشدعليه وسلم نے فرما يا بحب شخص نے کوئی قتم کھائی جبن ي وہ جو ٹاہے تاکہ کسی مسلمان کا مال اس کے ذريعے سے کا طسب توجب وہ الشرسے ملے گا وہ اس پيغفنب ناک بہوکا - اشعن بن تلس کندی نے کہا کہ والشريہ حديث مير ہے معاطع ميں وار دم و ئی تھی - ہوا يہ کہ جو بيں اور ايک بہودی ميں ايک ترمين کامعا ملہ تھا بس اس من ميں الله عليہ وسلم کے سامنے ميش کيا ۔ بس نبی صلی الشرعليہ وسلم نے جھرسے فرما يا ؛ کيا تير سے پاس گوا ہ ہيں ؟ ميں نے کہا کہ نہيں ، حضور ان ميہ و دی سے فرما يا ، قدم کھا ہے گا اور ميرا مال ہے جائے گا ، بس الشرقع الے نے سے فرما يا ، قدم کھا ہے گا ور ميرا مال ہے جائے گا ، بس الشرقع الے نے بہر ہے تاری بوری اللہ کے عہداورا پی قسموں سے تھوٹرا مول خريد تے ہيں ان ان مران مه ربخا دی ، مسلم بير اس ما خبر ، نسانی ، ابن ما حبر ،

 ${f m}$

مشی سے : مثاہ عبدالعزیز محدث د مہوی نے فرہ ایکہ جبوٹی قیم کی وعید اس پخیس کے لیے ہے جوا سے جبو ٹی سمجہ رہا اوريم بعى صلعت المائ عاركوني أوى من بات برقسم كما رباب اس كي جبوط موت كاعقيده نهي ركعتا تووه فاجنبي موكا ابن بطال نے کہا سے کرقرآن کی اس آیت اور اس مدیث کے باعث جہورنے کہا ہے کرمین غوس مرکوئی کفارہ نہیں دىمى ما منى كے واقع ربي حبو في قسم كھانا >كيونك حضورصلى الشيعليه وسلم نے اس برگنا ه اور عُقوبت كا ذكر توفرما ياسيمنكن كفارسه كاذكرنهب كيا والكركفاره بهونا توصفور ذكرفروا ترجبيسا كرلمين منعقله ومستقبل كيمتعلق قسم كهانا بكمالية میں فرمایا سبے کہ: پس وہ اپنی قسم کا کفارہ دیسے دسے اور حب نیک کام سے مذکر پنے کی تسم کھائی تھی اسے کر سے ۔ ابن المنذ کے نزدیک پرسٹلہ تقربیًا اجماعی ہے۔اور کفارہ واجب کہ نے والوں کے باس کوئی دسی نہیں ہے۔ مههه حكَّا نَنْنَا عَصْمُوْدُ بُنُ خَالِيهِ قَالَ نَا الْفُرْبَا بِيُ قَالَ نَا الْحَادِثُ بُنُ سُلَيْمَانَ قَالَ حَدَّا تَنِي كُرُودُوسٌ عَنِ الْكَشْعُتِ بُنِ قَيْسٍ أَنَّ رُحُهِ لَّامِنَ كِنْ لَهُ وَرُحُهِ لَّامِنَ حَضَّرَ مُويت إخْتصَمَا إِلَى النَّيِج صَلَّى اللهُ عَلَيْ الْمُ وَسَلَّحَ فِي ٱرْضٍ مِنَ الْيَكِنِ صَفَالَ الْحَضْرُمِيُ يَارَسُولَ اللَّهِ إِنَّ أَنْ ضِيَ إِغْتَصَيَيْنِيهَا ٱبُوْهِ نَا أُوهِي فِي يَلِامْ قَالَ هَلُ لَكَ بَيِّنَةُ فَالْ لَا وَٰلِكِنَ آحُلِقُهُ وَاللَّهِ مَا يُعْلَمُ إِنَّهَا ٱرْضِيْ إِغْنَصَّبَيْنِهُا ٱبُوهُ فَتَهْيِّأ ٱلكِنْ بِهِ يُ يِلْيَكِنْ مِن فَقَالَ رَسُولُ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْ وَصَالَّ وَلَا يَقْنَطِعُ أَحَكُ صَاكًّا بِيَمِيْنِ إِلَّا لَيْقَى اللَّهَ وَهُو أَجْزَمُ فَقَالُ الْكِنْ مِي أَرْضُهُ -مشعت بن قدیں من سے روایت سے کرکندہ مے ایک آئری اور حضر موت کے ایک شخص نے بین کی ایک زمین ک ق رسول التُدصلي الشرعليه وسلم كي فدومت من حيكوا بيش كيا حصر مي بولا: يارسول التداس ك باب في ميري زمن ر بی تقی اور وہ اس سے قبضے میں سے حصنورہ نے فرما ماکیا تیری کوئی گوا ہی سے ؟ اس نے کہا کہ نہیں ایکن میں المسيعة والما تامهون اورا لشرجا متامي كروه ميرى زمين سيرجواس كم بابست مجه سي زبر دمتى جهيني تقى بس وه كندى مسم كها نے كوتيار بوكيا تورسول الله صلى الله عليه وسلم نے فرمايا . كوئى أدى قسم كے ساتھ كسى مال كواكر ستھما سے توورہ ا الترسيراسي مال بي مطيح كاكروه كوره هي توكايس كندى بولاكروه إس كندين سير ديني وه جمو في قتم كها ف سيرط كيا اور مدعى كادعوى تسليم ربيا. ٣٢٣٥ حَدًّا نَنْكَ هَتَ الْدَبْنُ السِّرِيّ قَالَ نَا ابْوَ الْاحْوَصِ عَنْ سِمَا لِيُعَنْ عَلَقَهُ ةَ بنوائل بن حُجرالحضريم عن آبيه فالحاء رُجُلُ مِن حَضرَمُوت وَرُجَلُ مِن كِنْ كَيْ ةُ إِلَىٰ رَسُولِ اللهِ صَلَّى اللهُ عَكِيْهِ وَسَلَّمَ فَقَالَ الْحَضْرَمِيُّ يَا رَسُولَ اللهِ إِنَّ هٰذَا

عُكْبُنِى عَلَىٰ أَرْضِ لِإِنِى فَقَالَ آنَكِنَ لِى كَاهِمَ اَرْضِى فِى كَبِ كَا آزَرَعُهَا لَيْسُ لَهُ فَيهُا حَنَّ فَالَ فَقَالَ النَّبِي عَلَىٰ اللهُ ال

وائل بن جرمحفری سنے کہاکہ ایک مردحفرہ و سسے اور ایک مردکندہ سے دسول الشرصلی الشرعلیہ وسلم کے پاس آئے۔ پس حفری بولا کہ بیارسول الشریہ شخص ایک زمین کو مجہ سے زبر دستی سے جکا سے ہویر ہے باپ کی جی کنگی اولا کہ دہ میری زمین ہے، میرے قبعنہ میں ہے، میں اُسے بوتا ہوں، اس کا اس میں کوئی حق نہیں ہے وائل نے کہا کہ نہیں اُسے وائل نے کہا کہ نہیں اسے وائل نے کہا کہ نہیں اسے وائل نے کہا کہ نہی حسلی الشرعلیہ وسلم سنے کہا کہ نہیں کہ می چیز برق می کا کہ جو الشخص ہے، اُسے کوئی بہرواہ نہیں کہ می چیز برق می کا کہ واؤں کی چیز ہوئی کہ اُسے اور وہ کسی چیز ہوئی کہ اُس نے کہا کہ نہیں اس سے صوب ہی جا بنا اور وہ کسی چیز ہوئی کہ اُس کے ساتھ اُس کا مال کھا نے ۔ جب وہ پشت بھی کر گیا تورسول الشخصلی الشخلیہ وسلم نے فرایا: اگر کی حسل مال میں ملے گا کہ وہ اس فرایا: اگر کسلم بھر کے ساتھ اُس کا مال کھا نے کے لیے قتم کھا لی توالشہ تعالیے سے اس مال میں ملے گا کہ وہ اس میں جوگا کہ وہ اس

سفرح: خطابی نے کہا ہے کہ زلقین مقدمہ ہیں جو تنا زعد کے وقت سخت سست باتیں ایک دوسرے کے حق ہیں سفرح: خطابی نے کہا ہے کہ زلقین مقدمہ ہیں جو تنا زعد کے وقت سخت سست باتیں ایک دوسرے کے حق ہیں ہوجاتی ہیں ان پر کوئ موا خذہ نہیں ہو تا۔ اور مدیث ہیں بھی دلیل ہے کہ بظام اگر ایک فراقی نیک ہوجس سے جو سنے کیا مید ہوتو بھی تقدم کے فریقین ہونے کے بحاظ سے وہ ہر ابر ہیں اور ان میں فیصلہ عدل وا نصاف اور قانون شرع سے ہوگا۔ اور اس مدیث ہیں جو یہ لفظ ہی کہ: وہ قتم کھانے کے لیے گیا۔

عرجب و ه ببیط بهرکرگیا،اس میں به دلیل سے کر رسول النه صلی النه علیه وسلم کے عہدمبارک میں مم منبرکے پاس دی جاتی تفی وریزاس شخص کے جانے اور بیعظ بھیرنے کا کوئی مطلب نہیں ہے۔ اور اس پر رسول النه رصلی النه علیه وسلم کا برقول گوا ہ گی

ہے کہ جس نے میرے منبر کے پاس قیم کھانی گو ایک ترمسواک کی نیا طربووہ اپناٹھ کانڈ جہنم میں بنا ہے۔اور کندی کالیہ تو ل کہ: پر آ میری زمین سے اور میرے قبصنے میں ہے میں اس میں زیاعت کرتا ہوں، اس بات کی دلیل ہے کہ زمین مرقب نداعت سے آ

ا ورگر برسکونت سے يا امارے بردسينے سے بوتا ہے كرية تعترف و تدبير كى صورتى بين-

ا ما دیث میں باختلاف الفاظاس قسم کے واقعات مذکور ہیں جن سے طاہر ہوتا ہے کہ بہ دراصل کی واقعات تھے،گوا صولاً ﴿ ان کی دیثیت ایک جیسی علی واقعہ اگر ایک تقانوشا یدرا و یوں کی تقدیم و تاخیر یا تصرف سے الفاظ مختلف ہوگئے ہوں سگ

بَاسِ مَا جَاءَ فِنِعَظِيْمِ الْبَهِيْنِ عِنْ مَا مِنْ بَرِالنَّبِيِّ صَكَّاللهُ عَلَيْرِوَسُكُمُ

(نبی صلی السُّعلیه وسلم کے منبرکے پاس قسم کی عظم کا باتب)

٧٣٧٧ حَ**نَّ نَنَا** عُتُمَانُ بُنُ آفِى شَيْبَةَ نَا آبُنُ نُنَيْرِ قَالَ نَا هَا شِمُ بُنُ هَا شِعِ فَالَ ٱخُبَرُ فِي عَبُكُ اللهِ بُنُ نَسُطاسِ مِنَ الِ كَثِيرِ بُنِ الصَّلْتِ ٱنَّهُ سَمِعَ جَابِرَ بُنَ عَبْدِ اللهِ قَالَ قَالَ وَسُوْلُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَسَكَوَ لاَ بَحُلِفُ آحَكَ عِنْ لَا مِنْ النَّارِ اَوْ وَجَبَتُ لَهُ النَّارُ وَ رَجَبَتُ لَهُ النَّارُ وَ وَجَبَتُ لَهُ النَّارُ وَ وَجَبَتُ لَهُ النَّارُ وَ وَجَبَتُ لَهُ النَّارُ وَوَجَبَتُ لَالْالَالَ وَالْمُ

ُ جاہر بن عبدالتٰدنے کہاکہ دسول التٰہ صلی التٰہ علیہ وسلم نے قرمایا: جوشخص میرسے اس منبر کے پاس تھبوٹی قسم کھائے گا ،اگر چ وہ تازہ مسواک پر ہی کیوں نہو ۔ تواس نے اپنا تھ کا نہ جہنم میں بنا لیا، یا یہ فرمایا کہ اس کے سلیے جہنم واجب ہوگئی وابن ما جہ ، نسائ ، اور یہ کی حدیث کی نثرح و یکھئے۔

باب البَربين بِعُيْرِ اللهِ ـ

رمغالط كالمنك المنصرة المنطق المن المعدد المال المن المن المنطقة المن

ابوم رمیره دو نے کہ کورس اسٹوسلی الشرعلیہ وسلم نے فرمایا : جس نے قسم کھائی اور اپنی قسم میں کہا : دارت کی تھم، تواسے لا ادارائی قسم میں کہا : دارت ہوا سے کہا کہ آؤس تم سے بھا کھیلوں تواسے کے صدقہ کہ ناچا ہے کہ بخاری ، سلم ، تر ذری ، الا اسٹو کہ ناچا ہے ۔ اورت اپنی میں بھی ہے ہا کہ آؤس تم سے بھا کہ ان فاطر ہے ۔ اس میں بھی ہے کا لفظ ہے ۔ اس میں درت ہیں اسے کل تو تو ہدے ساتھ تدارک کرنا چا ہے کیو نکہ یہ نفظ کفو ویشرک کی صورت ہے ۔ اس میں درت ہے اسٹوں کے درا کے ساتھ تدارک کرنا چا ہے کیو نکہ یہ نفظ کفو ویشرک کی صورت ہے ۔ اس میں اسے کل تو تو ہدا کہ اور اس کے قدار اسے تو بھی ہے کہ بدایان کم نی جا ہے دوسرے کو تمار بازی ہے ۔ اگر کسی نے تعظیم کے تعلیم کے دوسرے کو تمار بازی ہے ۔ اگر کسی نے تعظیم کے تعلیم کے تعلیم کے دوسرے کو تمار بازی ہے ۔ اسٹوں کے تعلیم کے تعلیم کے دیرے کو تمار بازی ہے ۔ اسٹوں کے تعلیم ک

کی دعوت دینے کا منشا، مال حاصل کرنے کا ادادہ سے الم زاصد نے کا حکم دیا گیا کہ اپنا کچھ مال نکال کر اس تول کا ہرارک کرے اور پر یحکم استواباب سے لیے سے بیخعی، ابو حمنیفہ دواور ان سے اصحاب نے کہ کر چوشخص کیے : اگر میں فلاں کام کروں تو بہودی موں گا، اور معرقیم توکر سے تواس پر کفارہ وا حب سے ۔ اوزاعی، سغیان توری، احمد اور اسحاق کا قول معی اسی حب مالک شافتی اور ابو تیتریدہ نے کہ کہ اس فتم کا کفارہ کوئی نہیں توب واستعفار واجب سے ۔

٣٢٢٠ حَكَّا نَكُ عُبَيُكُ اللهِ بَنُ مُعَاذِ نَا آفِ نَا عَوْفَ عَنَ مُحَمَّدِ بَنِ سِيْرِينَ وَمَا وَنَا أَفِي نَاعَوُفَ عَنْ مُحَمَّدِ بَنِ سِيْرِينَ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ لِلاَنْ عَلَيْهُ اللهِ وَلَا تَحْلِفُو اللهِ اللهِ وَلَا تَحْلِفُو اللهِ اللهِ وَلَا تَحْلِفُو اللهِ اللهِ وَلَا تَحْلِفُو اللهِ وَلَا تَحْلِقُوا اللهِ وَلَا تَحْلِفُوا اللهِ وَلَا تَحْلِقُوا اللهِ وَلَا تَحْلِقُوا اللهِ وَلَا تَحْلِقُوا اللهِ وَلَا تَحْلِقُوا اللهِ وَلَا اللهُ وَلَا اللهِ وَلَا اللهُ وَلَا اللهُ وَلَا اللهُ وَلَا اللهِ وَاللّهُ وَلَا اللهُ وَلَا اللهِ وَلَا اللهُ وَلَا اللهِ وَلَا اللهُ وَلَا اللهُولِ اللهُ وَلَا اللهُ وَاللّهُ وَلَا اللّهُ وَاللّهُ وَلَا اللّهُ وَاللّهُ وَلَا اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَلَا اللّهُ وَاللّهُ وَلَا الللهُ وَاللّهُ وَاللّهُ

ابوہریہ ہ دہ نے کہاکہ درسول النّدصلی النّدعلیہ دسم نے فرمایا ، اپنے بابوں اورماؤں کی قسم مست کھاؤا ورں نہاطل معبودوں کی ، اورصرف النّدی قسم کھاؤ، اورالنّدی قسم صرف اس وقت کھا وُسجب تم سیجے ہودیہ صرف ابن ھاسدی روایت ہے ، لؤلوئی وعنے ہو کی روایت میں برحدیث نہیں سیے)

بَاعِ فِي كُرُاهِيَةُ وَالْحُلْفِ بِالْلَابَاءِ

دآباه واجداد كقم كالنيك كالهيت كاباب

وم ١٣- حَكَّا تَنُ اَحْمَدُ بُنُ بُونَسُ نَا ذُهَبُوَعَنُ عُبَيْدِ اللهِ بُنِ عُمَرَعَنَ نَا فِيمِ عَنِ ابْنِ عُمَرَ عَنْ عُمَرَ بُنِ الْخَطَّابِ اَنَّ رُسُولَ اللهِ صَلَّاللهُ عَلَيْ وَيَّا الْحُمَّاكِ وَهُوَ فَيُ رَكِيْبِ وَهُو يَحْلِفُ بِأَبِيهِ فَقَالَ إِنَّ اللهُ يَنْهَا كُمُ اَنْ تَحْلِفُوا بِآبَارُكُ مُ فَكُنْ كَانَ حَالِفًا فَلْبَحْلِفُ بِاللهِ أَوْلِيَسُكُتُ.

حصرت عمرین الخطائب سے دوایت سے کہ وہ سواروں کی ایک جماعت میں تھے، دسول الٹرنسلی الٹرنیلیہ درسلم پیچھیے سے ڈ آکر مطے توصفرت عمرین اس وقت اسپنے باپ کی قسم کھا دہے تھے۔ بس حضور سنے قرما یا : الٹرتعالی تنہیں باپوں کی قسم کھا نے سے ڈ مذی وار میں میرے کی ذریعہ دوروں کے قسم کی روز اوروں میں میں دریاں میں مسلم از ان کر دریاں وہ

منع كرتا سيد، بس بجي كماني بود دالله كي قتم كهائ يأخاموش دسيد دبخاري بسلم، نسائي ، ابن ماجر، شوح ، حضرت عرم كي زبان سير نه مان مبابيت كرواج كيم طابق سبقت بساني سير فيم لكل كي تقي -

. هرور حَكَّا نَتُكَا اَحْمَدُ كُنُ كُنْبَلِ نَاعَبُ كَالَرَّرَ الرَّارَ الْمَعْدَ عَنِ الزَّهُمِ عِنَ الْمَعْدَ وَكُورِ النَّرُ اللهِ عَنُ اللهُ اللهِ عَنُ اللهُ اللهُ عَنُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ الللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ الللهُ ال

<u>Torresearment and the contract of the contrac</u>

عَلَيْهِ وَسَنَّحُ نَحُومَعُنَا لَا إِلَى إِلَا إِلَى كُمُ زَا دَ فَالَ عُمُرُفُوا لِللَّهِ مَا حَلَفْتُ عِلْهَ ا ذَا لِرُا

عرر منی اللہ عند نے کہا کہ دسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم نے مجھے مُساآئے ۔اس روایت میں اتنااصافر سے کہ واللہ می جان بوج کر پھرنہ آوخودائیں قسم مجھی کھائی اور نہ کسی کی ایسی بطورِ انعیا رنقل کی۔

١٥٧٣ - كَلَّا ثَنَّا مُحَدِّدُ بُنُ الْعَلَاءِ نَا ابْنُ الْجِرِيْسَ فَالْ سَمِعْتُ الْحُسَيْنَ بَتَ عَبَيْلِ اللهِ عَنْ سَعِيدِ بُنِ أَيْ عُبَيْلَةً فَالْ سَعِمَ ابْنُ عُمَرًا رُجُلَا يَحُلِفُ لَا وَالْكَبْتِرِ عَنَى سَعِيدِ بُنِ عُنَى سَعِيدٍ ابْنُ عُمَرًا رُجُلَا يَحُلِفُ لَا وَالْكَبْتِرِ فَقَالَ لَا أَنْ عُمَرًا إِنَّى سَمِعْتُ رَسُولَ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ رَبُّولُ مَنْ حَلَفَ بَعَ بُيلِ لللهِ فَقَلُ اللهِ فَقَلُ اللهِ عَنْ لَهُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّو رَبُّ اللهِ عَلَيْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّو لَهُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّو اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّو اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّو اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّو اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّا وَاللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّا وَاللّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّا وَالْمُعَالَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّا وَاللّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّا وَاللّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّا وَاللّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّا وَاللّهُ عَنْ اللّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّا وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ مَا اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ وَالْكُلّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَا اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ مِنْ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ

ابن عمرض نے ایک شخص کو پوں قسم کھا تے سُنا کہ ; نہیں ، کعبہ کی قسم دالیسانہیں ، ٹوابن عمرض نے اُس سے کہا کہ ہیں نے دیسول اللہ صلحا استہ میں اُسے کہا ہے ہیں۔ صلحا استہ میں اُسے کہا ہے کہ ہوئے کہ ہے کہ ہے

مِهُ مَّ مَكُنَا ثَنَا سُبُمَانُ بُنُ دَاوَدَ الْعَنَاكِيُّ فَالسَّمَاعِيْلُ بُنُ جَعْفَرِ الْمِهَ فِيُعَنَّ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهُ عَنْ اللهِ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهِ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَنَّحُ الْفُكَرُ وَاللهُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَنَّحُ الْفُكَرُ وَاللهِ اللهُ عَلَيْهِ وَسَنَّحُ وَالْفِيرِ اللهُ عَلَيْهِ وَسَنَّحُ وَالْفِيرِ اللهُ عَلَيْهِ وَسَنَّحُ وَالْفِيرِ اللهُ عَلَيْهِ وَسَنَّا وَاللهُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَنَّحُ وَالْفِيرِ اللهُ عَلَيْهِ وَسَنَّعُ وَالْفُكُمُ وَاللهِ اللهُ عَلَيْهِ وَسَنَّعُ وَالْفُكُمُ وَاللهُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَنَّعُ وَالْفُكُمُ وَاللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَنَّعُ وَالْفُكُمُ وَاللّهُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَنَّعُ وَاللّهُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَنَّعُ وَالْفُكُمُ وَاللّهُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَنَّعُ وَاللّهُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَنَّكُ وَاللّهُ اللهُ عَلَوْدَ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ ا

مالک بن ابی عامرنے طلح بن عبیدالت سے اعرابی کی حدیث میں یہ کہتے مناکہ نبی صلی التہ علیہ وسلم نے فرمایا: اگر وہ سجا ہے تو اس کے باپ کی قیم وہ فلاح پاگیا،اگروہ سچا ہے تو اس کے باپ کی قسم وہ جنت میں داخل ہوگیا دسن ابی داوُد درکتا بھساؤ حدیث نمہ ۲۹۲

مشی ج: به روی فی او رپه کی حدیث کے خلاف نظر آتی ہے۔ حافظا بن مجرنے کہا ہے کریہ یا تونہی آنے سے پہلے کا واقعہ تھا ، یا یہ بین بغوے کے طور پر تھا جو زیان پر بلاا را دہ حلف جا ری ہوگئی جیسے کہ اہل عرب ؛ عَقریٰ بحکفتی وعیٰرہ کہا کرتے تھے ۔ یا یول کہو کماس ہیں رہے کا لفظ مصفر تھا یعنی ؛ وَرَبِّ اُبِرِیسُہیل نے کہا کہ اصل لفظ والتاریق اس میں تصحیف ہوگئی ہے واکبی ہوگیا ہے۔

TO COURT TO THE TOTAL TO THE TOTAL OF THE COURT OF THE CO

ر پہلے نقطے وعیٰہ ونگانے کارواج نہ تھا لہذا یہ بات قرین قیاس ہے،

بَارِبُ كُرَاهِيَةِ الْحُلُفِ بِالْأَمَانَةِ

ا انت کی شم کھانے کی کراہت کا باب بر 4

٣٢٥٦ . حَمَّا نَكَ اَكُمَدُ بُنُ يُونُسُ نَاذُ هَيُّرُنَا الْوَلِيْ كُنُ ثَعْلَبَةَ الطَّالِيُّ عَنِ ابْنِ بُرَيْ كَا فَعَنَ ابِيهِ قَالَ قَالَ رَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحَ مَنْ حَلَفَ بِالْاَمَانَةِ فَكِيسُ مِنَا .

مجریده روز نے کہا کہ جناب رسول الند سی النارعلیہ وسلم نے فر مایا : جس نے امانت کی تیم کھائی وہ ہم میں سے نہیں ۔ شہر ہے: خطابی نے کہا کہ شاید اس کی ممانعت اس بیے ہے کہ ہم صرف الند کی ذات کی ہوسکتی ہے اور امانت ان ہیں سے نہ ہاں اوہ الند کے احکام و فرائنون میں سے ہے ہیں نبی کا منشاء یہ ہوا کہ اس صلف میں فرائنس النیہ اور ذات وصفات النہ ہیں کھارہ برابم بائی جاتی ہے ۔ ابوصنیف اور ملن کے اصحاب نے کہا کہ: و آ ما نئر الله ، عنیر النار کی نہیں بلکہ النار کی تسم ہے اور اس میں کھارہ مان مہرے ۔ مثنا فعی نے اسے لیم نہیں کیا یمولا ناس نے فر ما یا کہ صنفیہ کی روایات اس باب میں مختلف میں کہ آیا۔ و اکائرتہ الناد حلف ہے دیا نہیں ۔ طحاوی نے اسے قسم نہیں ما نا مگر الجامع الصغیر میں ہے کہ امائہ التار جب مضاف ومضاف الیہ بولا جامے توامانت الناد کی صفت ہوگی اور مدف اعظانے والا بہی سمجے کر اس کی تسم کھا ہے گا۔ بہر حال بیرا یک فتمی بحث ہے اور سے معلف سے گریز کیا جائے۔

بَاحِثُ الْمُعَّادِيْضِ فِي الْأَيْمَانِ

دقسموں میں معادیقن کا بائب

مسلام كتاننا عَمُرُونَ عُونِ قَالَ أَنَاحُ وَنَا مُسَدَّةٌ قَالَ نَاهُ شَيْرٌ عَنَ عَبَادِ مَنَ أَبِيهِ عَنَ أَبِيهِ عَنَ أَبِيهِ عَنَ أَبِيهُ هُرَبُرَةً قَالَ قَالَ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ الل

inconcrete de la compactica de la compac

ابوم رمیره مفسسے دوایت سیے کہ دسول انٹرنسلی انٹرعلیہ وسلم نے فربایا : تیری قسم اس چیز مہسپے جس ہر تیرامساتھی متیری تصدیق کرے۔ابو وا وُد نے کہا کہ عبا د بن آتی نسا کے اورع بدانٹر ب ابی نسا کے ایک ہے خصیت سیمے اورم سرّد د نے روایت میں دونوں کا ذکر کیا ہے دِمُسَلم، تدَمَدی ،ا بَنَ مَاحِہ ،

شیرے، بینی فریق ٹانی جانتا ہوکریٹ بخص واقعی قسم کھار ہاہے، توریدا ورتعریف سے کام نہیں سے رہا۔ توہیر کا معنی بھُپا ناسپاور تعریض کامعنیٰ یسا کلام استعمال کرنا ہے کہ بظاہراس کامطلب بچھاور ہوا وقیم کھانے والا کچھاور مرادسے۔ داوی صدیث عباد بن ابی صالح یا عبدانٹ بن صالح ہے بحذیب نے تنقید کی ہے۔

۵۰۳۸. كَلَّا ثَنَا عَنْمَ وَبُنُ مُحَمَّدُ النَّاقِ كُنَّا بُوْا حُمَكَ الزَّبُ بُرِيُّ قَالَ اَلْهُ مَا بِيُكَ عَنْ اِبُرَا هِيْءَ بُنِ عَبْدِ الْمُعْلَى عَنْ جَدَّ تِهِ عَنْ آبِيْهَا سُوَيْ بِنِ حَنْظَلَة قَالَ حَرْجُنَا نُرِيْ لُ رُسُولَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحَ وَمَعَنَا وَابُلُ بُنُ حُجْدٍ فَاخَذَهُ فَ عَلَّا ذَّ لَهُ فَنَحَرَّ مَ الْقُومُ اَنْ يَحُلِفُوا وَحَلَقُنُ اَنَّهُ اَخِي فَخَلَ سَبِيلَ لَهُ فَا تَبُنَا رُسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحَ فَا خُبَرُتُ لَهُ أَنَّ الْقُومُ وَتَحَرَّجُوا اَنْ يَحُلِفُوا وَحَلَفُتُ انَّهُ اَخِي فَال صَمَا فَتُ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحَ فَا خُبِرُتُ لَهُ اَنْ الْقُومُ وَتَحَرَّجُوا اَنْ يَحُلِفُوا وَحَلَفُتُ

موید بن صنظلہ نے کہا کہ ہم رسول الندسلی اللہ علیہ وسلم کے الادے سے وطن سے نگلے اور ہمار سے ساتھ وائل بن جم بھی تھا، بس اس سکے ایک وشمن نے اسے بکڑا لیا۔ لوگوں نے قسم کھانے سے گریز کیا لوہ اسے گناہ سیجھتے تھے) ور میں نے قسم کھائی کہوہ میرا بھائی ہے۔ بس اس دشمن نے اُستے چھوڑ دیا۔ بھر ہم رئول الند صلی اللہ علیہ وسلم کے باس آئے تو میں نے آپ کو بتایا کہ لوگوں نے قسم کو گناہ جاتا تھا ور میں نے قسم کھائی تھی کہ یہ میرا بھائی ہے۔ حضورؓ نے قرمایا کہ تو نے سیح کھا: ہم مسلمان دور رہے مسلمان کا بھائی سے داہن ما جہ

شی ے: مندری نے کہاکہ ٹویڈ بن تنظلہ کا اتر پتر نہیں بتایا گیا اور اس صدیث کے موااس کی اورکوئی روایت نہیں ہے۔ اس حدیث سے پتر جلاکہ توریروتع ریض کے ذریعے تہوٹ سے چلنکا را ہوسکتا ہے اور ریر لوقت صرورت ناجا ٹر نہیں ہے۔

باب عام الحكف بالبراء فرص ملة عبر الرسكم

٣٢٥٧ ـ كَنَّا تَكَا أَبُوْتُوْبَتَ الرَبِيعُ بُنُ يَافِعِ مَامُعَاوِمَيْتُ بُنُ سَلَامٍ عَنْ بَعْيَى بَنِ المَ المَعَاوِمَيْتُ بُنُ سَلَامٍ عَنْ بَعْيِي بَنِ المَعَادِ الْحَبَرُةُ أَنَّهُ بَايَعَ الْفَكَ يَبِ فَالْ الْحَبَرُةُ أَنَّهُ بَايَعَ

Tone of the authority of the property of the p

رَسُولَ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ تَحْتَ الشَّجَرَةِ اَنَّ رَسُولَ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْمِ أَ وسَسَتَّعَ فَالَمَنُ حَلَفَ بِحِلَةٍ غَيْرِمِلَةِ الْإِسْلَامِ كَاذِبًا فَهُوكِنَمَا ظَالَ وَمَنْ فَتَلَ نَفُسَهُ لِثَنْمِ عُذِي بَهِ يُومَ الْقَبْمَةِ وَلَسُ عَلَى رُجِلِ نَنْ أَذِي كَالاَ يَمُلِكُمْ .

٢٥٢٥ - كَلَّا تُنْكَ آخُمَهُ بُنُ حَنْبَلِ نَا زَنُهُ بُنُ الْحُبَابِ نَاحُسَيْنَ بَعْنِي (بُنَ وَالْمُوبَابِ نَاحُسَيْنَ بَعْنِي (بُنَ وَاقِياحَةَ فَالَ وَاللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَلَيْهِ فَالَ قَالَ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاقِياحَةً فَالَ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ مَنْ كَانَ كَانَ كَانَ كَانَ كَانَ كَانَ كَانَ كَانَ كَانَ مَا وَلَا اللَّهُ مَن اللَّهُ مِسَالِكًا .

بریده دم نفکهاکدسول انڈصلی انڈعلیہ وسلم نف فرمایا: جس نفتم کھائی اورکہاکہ پر اسلام سے بری ہوں اپس اگر فی وہ قیم تجوٹی تقی تووہ ولیسا ہی سیے جیسا اس نے کہا اوراگروہ سچا تھا تو وہ اسلام کی طوف صبحے وسالم کھی نہوٹے گا۔ دنسائی ، ابن ماجہ الحق برحد ریٹ لوگوئی کی دوایت ہیں نہیں ہے ، ىنىوح: بىنى جب وەكىچ كەاگىرىي جوماس كواسلام سىدىرى بول، اورو داقتى يجوما كانواسلام سى برات كى وبرسى وە واقعى برى بوگيا يىجبورت دىگىراگروە قىم بىرسچا ھاتو بھى اس لىفظىيں چونكراستخفاف اور توبىن يا ئى جاتى سے لهذا وە كفرى طوف مائل بهوپى گيا.گو يا برددصورت بى وە ضجىح اورىخ تەمسلمان نېيى ريا والعيا ذباللەتغالى.

بَارِفُ الرِّجُلِ يَعُلِمْ أَنْ لَا يَتَأَدُّمُ ا

داس شخص کایاب بور ان نه که انے کقسم کھائے

م ١٣٥٥ حَكَّا نَنْكَامُحَمَّدُ اللهِ عِيْسَى نَا بَجْيَى أَنُ الْعَلَاءِ عَنُ مُحَمَّدِ بَنِ يَعِيْمَ عَنُ يُوسُفَ بُنِ عَبْدِ اللهِ بْنِ سَلَامِ قَالَ مَا أَيْتُ النَّيِقَ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّعَ وَضَمَّ مَنْ رُقَ عَلَى كِسُرَةٍ فَقَالَ لَهْ لِهِ إِذَا مُرَهْ لِهِ إِذَا مُرَهْ لِهِ إِذَا مُرَهْ لِهِ إِذَا

یوست بن عبدانتد به سلام سننے کہا کہ بی آسول الشرصلی التّدعلیہ وسلم کودیکھا کہ آپ نے دوئل کے ایک ٹکڑ سے بر ایک مجود کھی اور فرطیا بہ اس کا ما اس میے درتہ آئی ہاس مدیف کے داوی کی بن العداد بر بحدثین نے شدید تنقیدی ہے احمد بن صنبل نے اسے کذا تب اور واضع موریث تک کہا ہے۔ نسائی اور وار قطنی نے متروک الحدیث کہا ہے۔ ۹ کے ۱۳ می کھٹر بن کو گئی تنگا کھا گروئ بن عبد باللّه ناع مکو بن کو فیص قال کا کہ بی عن میں مکتم میں بنا اللّه بن کہا ہے گئی اللّه بن اللّه بن کہا ہے گئی کہ اللّه بن اللّه بن اللّه بن اللّه بن اللّه بن الله بن سکام میں مدین جو اور پر گذری دمطلب ابوداؤد کا یہ ہے کہ الکہ کسی نے سان در کھانے کہ تم کھائی ہو تو اس میں مجود بھی داخل سے اور اس متم کی اور چیزیں بھی جن کے ساتھ روئی کھائی جاتی ہے

باب الْاسْتِنْكَاءِ فِي الْبُهِولِينِ

رقم براستنار كالبن كَنْ الْمُعْدِد الله عَنْ الله عَنْ الله عَنْ الله عَنْ الله عَنْ الله عَنْ الله عَدِد النّب عَنْ الله عَلَى الله عَدَد الله عَد الله ع

ابر عرض نے بی صلی اللہ علیہ وسلم کے حواسے سے یہ بات کہی کہ جب شخص نے کسی بات پرقسم کھائی اورانشاء اللہ کہا تواکس نے استان ایک دنسائی کے نفظ یہ تواکس نے استان ایک دنسائی کے نفظ یہ بیس کہ اس صورت بیں وہ جا ہے توقشم ہوری کر سے اور چاہے تو توڑ دے، کچھ نہیں ہوگا۔ تر آنری نے ابوہ رہے ہ رہ سے یہ حدیث روایت کی ہے کہ خضور ما نے فرمایا :جس نے حلف میں انشاء اللہ کہا تواس کی تسم مذلو نے گی۔ یعنی استثناء سے قسم منعقد نہیں ہوتی، کہونکہ اس صورت جزم وعقد نہیں ہے ،

٣٢٧١ ـ كَنْكَا نَكُمْ كُنَّ مُنْ عِيْسِى وَمُسَلَّادٌ وَهِنَا حَدِيْ يَثُهُ قَالَانَا عَبُسُلُا اللهُ الْوَارِثِ عَنَ ٱبُوْبِ عَنَ أَيْوِبِ عَنَ أَنْ فِي عَنِ ابْنِ عُمَرُ فَالَ قَالَ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّى وَلَهُ مَنْ حَلَفَ فَالْ مَسْلَمُ وَلَهُ مَنْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّى وَلَهُ مَنْ حَلَفَ فَالْسَنَّفَى فَإِنْ شَاءَ رَجَعَ وَإِنْ شَاءَ تَرَكِعَ عَيْرُ حِنْثِ : عَلَيْهُ وَسَلَّا وَمَنْ حَلَفَ فَالْسَنَّفَى فَإِنْ شَاءَ رَجَعَ وَإِنْ شَاءَ تَرَكِعَ عَيْرُ حِنْثِ :

ابن عزمنے کہاکہ دسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم نے فرمایا : حس نے قسم کھائی اوداستثناء کیا، بس اگر چاہے تو رجوع کر ہے اور اگرچاہے تو تڑک کرے وعقبی رجوع نہ کرے وہ حانث نہیں ہوتا دیپر مدیث ابن العبد اور ابن داسلہ کی روایت ہے، اؤ یوئی نے اسے روایت نہیں کیا ہ

شی حے: خطابی نے کہا کہ اسنٹناء کا معنی یہ ہے کہ زبان سے اسنٹناء کمرے دنرکد ل سے۔ او بہرے دیٹ نمیر ۲ مہیں بھی فَعًا لَ إِنْشَاء اللّٰہ کا بفظ ہے اور اِس زیرنظرے دین ہیں ابودا ؤدکی دوایت کے علاوہ: فَقَال اِنْ شَاء اِللّٰ کا نفظ موجود ہے۔ اس میں ہروہ قسم داخل ہے جو طلآق یا عتاق وعیٰرہ کی ہوکیونکہ انفاظ عام ہیں۔ المی میں کسی کا بھی اختلاف ہے کہ انہوں نے ان دوجیزوں میں استثناء کو نغو بھرایا ہے ۔

بَالِكُ مَا جَاء فِي بَيِنِ النَّابِي صَلَّاللَّهُ عَلَيْهُ وَسُلَّوَ مِا كَانَتُ

د با ب بی صلی انتارعلید وسلم کی تشم کیسی به تی تقی ی

٣٢٩٣ - حَكَّا نَنْ عَبْدُا اللهِ بَنُ مُحَتَدِ الْنُفَيْدِيُ نَا ابْنُ الْسُارَكِ عَنْ مُوْسِحَ بَنِ عُقْبَ لَهَ عَنْ سَالِمِعِنِ ابْنِ عُهَرَ فَالَ اكْتُرْمَا كَانَ رَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّرَ يَحْلِفُ بِهٰ ذَا الْبَيْدِينِ لَا وَمُ فَلِّبِ الْقُلُوبِ .

ابن عررہ نے کہاکہ رسول انڈصلی انٹرعلیہ وسلم اکثریوں قسم کھا تے تھے: نہیں، دیوں کوبھیرنے واسے کی قسم المجاری ، تریزی، نسانی، ابن باجہ، مُغلّب انقلوب انٹرتعالیٰ کی صفات ہیں سے سے -

٣٢٧٣ حُدًّا نَتُ أَحُمَّنُ أَكُمَ مُنْ حُنْبَلِ مَا وَكِنْعُ نَاعِكُومَ لَهُ بُنُ عَمَّادِ عَنْ عَاصِهِ

ECCEPTION OF THE PROPERTY OF T

بْنِ شُكْنَيْخِ عَنُ أَبِى سَعِيْدٍ الْحُكْرِيّ قَالَ كَانَ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمَ فَخ إذَ الْجُنْهَ كَهُ فِي الْيَهِيْنِ فَالَ لاَ وَالَّذِي فَلْسُ إِنِي الْقَاسِمِ بِيَدِهِ -

ابورى دفرى نى نى كېكردسول الله صى الله وسلم جب بطى تاكد سے قىم كى تے تو يوں فراتے: اس دات كى قىم جس كے قبضي ابوالقاسم كى جان ہے دابى ماجى اس صديث كا داوى عاصم بن تي تو يول ہے - حيا بنت كى مرحك كم الله عن كا الله عن الله عن الله عن الله عن الله عن الله الله عن ا

ا بوہرمیہ دمنسنے کہا کہ دسول انٹرصلی انٹرعلیہ وسلم قم کھاتے تولیوں فرماتے تقے: نہیں،اورمیں انٹرسیمغفرت طلب فی کستا ہوں دابن ماجہ) یہ قول بفلام حلفت نہیں ہے ملکہ صرف اس کی صورت قیم کی ہے۔ یا یوں کہنے کہ اس میں وَالَتُٰہ کا لفظ مخلرون سبے ،سواس صورت میں یہ حلف ہوگی ،

٣٢٧٥ حُكَّانَكُ الْحَكُنُ الْكُورُ الْمُراهِ بِهُ الْكُورُ كَالُهُ الْمُعَلَمُ اللهُ الْمُعَلَمُ اللهُ الله

تقیطین عاصم دم بلودوفدنبی صلحالت علیه وسلم کی طوث گیا۔ اس نے کہا کہم دسول انٹوسلی التّرعلیہ وسلم کے پاس ماہتے پھراس نے ایک دطویل مردیث بیان کی جس میں یہ تفظ بھی سھے کہ : نبی صلی انٹرعلیہ وسلم نے فرمایا : تیرسے معبود کی زندگی کی قیم ۔ داس میں انٹر تعالیٰ کی حیات کی تسم سے اور الحیّ القیّق م التّرتعالیٰ کی صفاحت میں یمولانا مؤنے فرمایا کہ تقیط بن عاصم رہ شاہد لقیط بن صبرہ دم سے جولفی طبن عامرہ کہ کا تا تھا۔

بالبك الجنش إذا كان حَبُرًا

٣٢٧٧. كَكَانْكُ صُكِبُكَانُ كُنُ حَرْبِ نَاحَتَكَا كُنَا غَيْلُاكُ بُنَ جَرِيْدٍ عَنَ أَبِى بُرُدَةَ عَنُ أَبِيْهِ أَنَّ النَّبِي صَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ فَالَ إِنِّى وَاللَّهِ إِنْ شَاءَ اللَّهُ كَارَ خُلِفُ عَلَى يَهِيْنِ فَالْى غَبُرَهَا خَيْرًا مِنْهَا إِلَّا كَفَرُتُ يَهِيْنِي وَ اَسْتُيثُ (تَنِهُ يُهُونَ عَلَى يَهِيْنِ فَالْ اللَّهِ عَبْرَهَا خَيْرًا مِنْهَا إِلَّا كَفَرُتُ يَهِيْنِي وَ اَسْتُيثُ (تَنِهُ يَهُ وَخَيْرًا وُقَالَ إِلَا النَّيْتُ الَّهِ فِي هُونَ فَيْرٌ وَكُفَرُتُ يَهِيْنِي وَ

ا بو موسی رہ سے روایت ہے کہ نبی صلی اسٹر علیہ وسلم نے فرمایا جمیں والٹداگر الشدنے جایا توکوئی قسم نر کھاؤں گا بھراس کے عنیر کو اُس سے بہتر دیکھوں گا مگر اپنی قسم کا کھا رہ او اکر دن گا اور اس بہتر چیز کواختیا رکھ اور کی این فرمایا کہ : مگر میں وہ بہتر کا م کر دوں گا اور اپنی قسم کا کھا رہ اور کی در بخاری مسلم ، نسآئی ، ابن ماجہ یمسلم اور نسائی نے آخری فقرہ روا بت نہیں کیا گفتگو آگے آتی ہے ۔

٣٢٧٠- كَلَّا نَكُا مُحَكَّدُهُ الصَّبَاحِ الْكَثَّرُ الْهُنتُ يُعُوفَالُ اَخْبَرُنَا يُونُسُ وَمُنْفُنُونَ عَنِ الْحَسَنِ عَنْ عَبُهِ الرَّحُلْنِ بَنِ سَمُرَةً فَالْ قَالَ إِلَى النَّبِيُ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ بَا عَبُكَ الرَّحُلْنِ بَنَ سَمُرَةً إِذَا حَلَفُتُ عَلَى يَبِينِ فَرَأَيْتَ عَيْرَهَا خَبِرًا مِنْهَا فَأْتِ الَّذِي كُهُوحُيُرٌ وكَفِرْ بَيِينَكَ فَالْ اَبُودَا وَ كَسَمِعْتُ اَحْمَكُ الْبُرْخِصُ فِيهُا الْكُفَّا رَةَ قَبُلُ الْحِنْفِ .

عبدالرحن بن سمرہ نے کہارسول الٹوسل الٹدعليہ وسلم نے فجہ سے فرمایا: اسے عبدالرحلی بن برہ اجب توکسی چیزی قسم کھائے بھراس کے علاقہ دوسری چیز کو اس سے بہتر دیکھے تو تو اس بہتر کام کو کہ ہے اورا پنی قسم کا کفارہ اوا کہ دیسے د بخاری، مسلم، نسائی، تر مذی، ابودا واد نے کہا کہ میں نے احمد سے شنا کہ وہ اس میں صنف سے پہلے کفارہ اوا کر سنے کی رفعہ میں دیتے ہے۔ بحث آگے آتی ہے ۔

٣٢٩٨. حَكَّا نَثُنَا يَخِيَى بُنُ حَلَمِ نَاعَبُكُ الْاَعْلَى قَالَ نَاسِعِبُكَاعَنَ قَتَا دَةً عَنِ الْمَحْدِ الْحَسِ عَبُدِ الرَّحُمْنِ نَحُوكَ فَالْ فَكَفِّرْعَنْ يَمِينِكَ ثُمَّا ثُبِ اللَّهِ الْكَانِي هُوكَ فَيْرُ فَالْ الْبُودَ اوَدَ اَحَادِ بَيْثُ أَنِى مُوسَى الْاَشْعَرِيِّ وَعَدِي بَنِ حَالِيْ وَإِنِي هُمُهُولَةً فِى هٰذَا الْحَدِينِ يُوكِى عَنْ كُلِّ وَاحِدِهِ مِنْهُ مُولِى الرِّوَايَةِ الْكُفَّارَةَ فِي الْمَا الْحَدِينَ الرِّوَايَةِ الْكُفَّارَةَ فَيْ الْمُعْنَى الرِّوَايَةِ الْكُفَّارَةَ الْمَا الْحَدِينَ الرِّوَايَةِ الْكُفَّارَةَ الْمَا الْحَدِينَ الرِّوَايَةِ الْكُفَارَةَ الْمَا الْحَدِينَ الرِّوَايَةِ الْكُفَارَةَ الْمَا الْحَدِينَ الرِّوَايَةِ الْكُفَارَةَ الْمَا الْمُعْرِينَ الرَّوَايَةِ الْكُفَارَةُ الْمُعْرِينَ الْمُؤْمِنِ الرِّوَايَةِ الْكُفَارَةَ الْمُعْرِينَ الْمُؤْمِنِ الرِّوَايَةِ الْكُفَارَةَ الْمُؤْمِنِ الْمُؤْمِنِينَ الْمُؤْمِنِ الْمُؤْمِنِينَ الْمُؤْمِنِ الْمُؤْمِنِ الْمُؤْمِنِ الْمُؤْمِنِ الْوَلَوْمِينَ الْمُؤْمِنِينِ الْمُؤْمِنِ الْمُؤْمِنِ عَلَى الْمُؤْمِنِينِ الْمُؤْمِنِينِ الْمُؤْمِنِينَ الْمُؤْمِنِ الْمُؤْمِنِينِ وَالْمِينِينِ الْمُؤْمِنِينِ الْمُؤْمِنِينِ الْمُؤْمِنِ الْمُؤْمِنِينَ الْمُؤْمِنِينِ الْمُؤْمِنِينِ الْمُؤْمِنِينِ الْمُؤْمِنِينِ الْمُؤْمِنِينِ الْمُؤْمِنِينِ الْمُؤْمِنِينِ الْمُؤْمِنِينِ الْمُؤْمِنِينَ الْمُؤْمِنِينِ الْمُؤْمِنِينِ الْمُؤْمِنِينِ الْمُؤْمِنِينِ الْمُؤْمِنِينِ الْمُؤْمِنِينَا لِي الْمُؤْمِنِينِ الْمُؤْمِنِينَ الْمُؤْمِنِينَا الْمُؤْمِنِينِ الْمُؤْمِنِينَ الْمُؤْمِنِ الْمُؤْمِنِينِ الْمُؤْمِنِينَا الْمُؤْمِنِينِ الْمُؤْمِنِينِ الْمُؤْمِنِينَ الْمُؤْمِنِ الْمُؤْمِنِينَ الْمُؤْمِنِينَا لِمُؤْمِنِينَ الْمُؤْمِنِينِ الْمُؤْمِنِينَ الْمُؤْمِنِ الْمُؤْمِنِينِ الْمُؤْمِنِينَ الْمُؤْمِنِينَ الْمُؤْمِنِينِ الْمُؤْمِنِينِ الْمُؤْمِنِينَا الْمُؤْمِنِينَا الْمُؤْمِنِينَ الْمُؤْمِنِينِ الْ

لُلَ الْحِنْبِ وَ فِي بَعْضِ الرِّوَايَةِ الْحِنْثُ قَبْلَ الْكُفَّارَةُ إِلَّهِ الْحِنْثُ قَبْلَ الْكُفَّارَةُ دوسرى سند كيساقة اوركى حديث كى مانند ساس مي عبدالرجن بن سره من في صفور مكاير قول نقل كياكر : بس توايني

سم كاكفاره درك بجروه كام كرك جوببة بعدا وداؤد في كماكم ابوموسي اشعري وكي مديث، عدري بن ما تمرض ك مديث ا ورابوم رمیره دخ کی حدیث،اس باب میں ان میں سے مرایک سے کفارہ اواکر نے سے قبل حنٹ کا ذکر ہے اور بعض روایتا

منسوح بکفاره کی دانگی کا باعث منث دفتم توازنا) ہے ،جب مک منت نه بوکفاره وا جب نہیں ہوتا، یہی منفیہ کا نرم ہے علام خطابي فياس مديث محظام رسي استعدال كرك كهاكداس مي كفاد س كوحنث يرمقدم كرف كي والري وليل ہے دلیکن بیاستدلال تب تا م ہوگا جب کرت کو ترتیب و تعقیب کے بیے ما ناحائے، ور مزدوسری احا دیث میں اس کے خلاف تابت سے مبساكم ابوداؤد سف مساحت كى سے خطابى نے اسے اكثرابل علم كاقول بتايا سے اوركها ہے كريراب عمرهٔ ،ابن عباس م اودعا کُشددهٔ سے مروی سبے ،اور پی حسن بھری اور ابن سیرین کا مٰدیہٰب سبے اور مالک ،اوز اعی، شافعی ، احمد بن حنیل اوراسحاق سنے اس کوا ختیا رکیا ہے مگرشا نعی نے کہاہے کر حنث سے قبل اگر کوئی صوم سے کفارہ دیسے توحائر نہیں اور طعام سے دے توجا ٹزسیے - اور اصحاب مٹا نعی کی دلیل اس پر ریہ سے کہ صیام اطعام پر مرتب ہوا ہے للذاحب كسام سي نائب كى طرف نهين جائمين ك، جيس كرتيم يانى برمرتب سيحب بك يانى موجود موگاتيم جائز نهين ابوهنیفهاور ان کے اصحاب نے کہا کرمنٹ سے قبل کفارہ کسی طرح نجی کا فینہیں کیوٹنگ کفارہ منٹ سے آ تا ہے مزکز نفس میں عدث على القارى نے كہا ہے كرجب منٹ بہتر ہو تواس مدیث كى دوسے اس كا استحباب ثابت ہو تاہے، جیسے كم مثلاً ایک آدمی اسینے والدین کے ساتھ کلام مذکر سنے کہ تسم کھا تاہے توجنٹ بہترہے کیونکہ اس قسم میں قطع رحی سیے -البدائع ميرسيركمين منعقده مي وجوب كفاره كاوقت وه سيجبك حنث ياياجا شيءاس سيقبل عاممه علما سك نزويك وأحب نہیں۔اور ایک توم فے کماکرمین کے پائے جانے سے ہی کفارہ واجب ہوجا تاہے دلیکن اس بیمیراسوال بیہ کرمنٹ نے کی صورت میں اس کا وجو ب کدھ حیلاگیا ؟) اوران کا استدلال پرسے کہ ایٹر تعالیٰ کا ارشادسے: لیکن انٹر تم سے تہما منعقده تسمول کاموا خذه کرے گا ماورالط تعالی نے فرما یا ہے. یہ سے تہاری قسموں کا کفارہ جبکہ تم تسم کھاؤ۔ اورالط تعا سنفرمايا:بس أس كاكفاره بعنى تهارى منعقلة مول كاكفاره كيسن آنخ اوراس بناءبركفارس كوكفارة فسم كماما تاسيدا مدميث سكے ساتھان كااستدلال برسبے كردسول الله صلى الشرعليدوسلم شنے منٹ سسے قبل ہى كفارہ ا واكرسنے كا حكم دياسيے اورمطلق امروجوب کے سیے ہوتا ہے۔اوراس حدیث میں کفا دیے کوپمین کی طرف منسوب کیا گیاہے نہ کہ حنث کی طرف ، جس سے ثابت ہو تاسیے کم کعا دے کا باعث ہمین سے رہ کرچنٹ۔اور است ثناء کو وَعَدسے ہیں لازم کیا گیاسے،ا ولٹر تعالی نے فرما یا :اورکسی چیز کے متعلق بیرمت کہوکہ میں کل استے کروں گا مگر برکہ انشادانٹ کہ دوسوجب کسی شخص نے استثناء کے بغیریخت م كهائى توو كنه كارموكيا لهذاكفاره واحبسب تكريكناه دورموسك .

حنفیہ کااستدلال یہ ہے کہ واجب ہونے والی چیز کِفّارہ ہے جوبرائیوں کے سیے ہوٹا سے اورتسم کھا ناگناہ کا کام نہیں، يسول الترصى الشرعليدوسلم في كي مواقع برقسم كها في عنى اوراسي طرح سابق انبياء في مثلاً إبرابيم، برا درا ن يوسع ايوب ك قسموں كا ذكر قرآن ميں موجود ہے۔ اگر صرف قسم كى كنا ہ تقى تو يرسب معصوم بغير برخ النخواسته گرا ہ تابت ہوئے۔ اس سسے

جہاں تک مدیث کاسوال ہے بقول ہی داؤدواکٹردوا یات ہیں کفارہ حنث کے بعد ہے، صرف بعض میں کفارہ کا ذکر پہلے آیا ہے۔ اگر کفارہ صرف قسم کے ساتھ وا جب بہو جا نا تو صفور سیفر ماتے کہ: حس نے تسم کھائی وہ کفارہ اداکر سے -اور حس چیز رہاتھ کھائی اس کا ذکر رز فرما تے ، پس یہ تمام روایات بھی ہی بتاتی ہیں کہ کفارہ کا باعث حنث سے صرف قسم نہیں۔

بَاسِ فِي الْقَسْنِوهِ لَ يَكُونُ يَبِينًا

﴿ باسلِ كِياتسم يمين بوتى سِن

٣٢٧٩. كَمَّا نَكَ اَحْمَدُ بِنُ حَنْبُكِ نَاسُفَيَاتُ عَنِ النَّرُهُمِ قِعَ مُعَبَيْدِ اللَّهِ عَنِ النَّرُهُم عَنِ ابْنِ عَتَباسٍ اَنَّ أَبَابَكُ رِ أَفْسَعَ عَلَى النَّبِي صَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَفَقَالَ لَهُ النَّيِّى صَلَى اللهُ عَلِيْهِ وَسَتَّحَ لَاتُفْسِمُ -

ابن عباس دخ سے دوایت ہے کہ حصّرت ابو مکرد صنی السّرعنہ نے نبی صلی السّدعلیہ وسلمَقَم دلائی تو نبی صلی السّاعِليةِ سلم نے ان سے فرمایا: فتم مت دلاؤ در رقعبہ خواب کے سلسلہ میں ہوا تھا مطلب ہرہے کہ قسم، صلف، بمین سب ایک ہیں ، کھی صرف لغظی فرق سیے قسم اگر حلف نہ ہوتی تورسول السّار صلی السّرعلیہ وسلم برہ فرمات کہ :قسم مت دلاؤ۔

٣٢٠٠ حَكَا نَتَامُحَمَّدُهُ ثُنُ بِحَيْى بَنِ فَارِسِ نَاعَبُكُ الرَّرِّ اَنِ فَالَ ابْنُ يَحِبْى

كَتَبُنْتُهُ مِن كِتَابِهِ قَالَ أَنَامَعُمُ عَنِ الرَّهُمِي عَن عُمَيْهِ اللهِ عَنِ الْبِي أَكُمُ مِن كَتَبُ مُ مُن كُمُ يُولُ اللهِ عَنِ الْبِي عَبْسِ قَالَ كَانَ الْجُوهُمُ يُكِوَّ يُحَلِّونُ النَّهِ عَلَى اللهُ عَبَرَهَ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَا عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى الللهُ عَلَى اللهُ عَلَ

ابن عباس سنے کہا کہ ابوہ رہیہ ہم بیان کرتے تھے کہ ایک مُردرسول الله صلی الله علیہ وسلم کے پاس آیا اور بولا : آج میں خواب میں دیکھتا ہوں کہ آئے پھر اس نے خواب بیان کیا ، پس حضرت ابو نکر دین نے اس کی تعبیری تو نبی صلی اللہ علیہ وسلم نے فرمایا : ہم نے کچھ درست کہ ااور کچھ غلطی کی ۔ پس ابو نکر دین نے کہا : یادسول اللہ میرا باپ آپ بہت فربان میں آپ کوتیم دیتا ہوں کرفر ماسیے میں نے کیا غلطی کی ہے۔ پس نبی صلی الله علیہ وسلم نے ان سے فرمایا : قسم مت ولا گار بخارتی ہستم م تر مذی ، ابن ماجہ، بعض نے ابو ہر میرہ دم کا ذکر کہا ہے اور بعض نے نہیں ،

شہرے: اس مدیث میں مفترت ابونکرون کے الفاظ اُ فشی شکے علیک کو مفتود اسے ملعت ہی تمجانا، اسی سیے فر مایا کہم مت ولا وُر کفت عرب میں اس قیم میں بالٹر کالفظ می زون ہے۔ الٹر تعالی نے قرمایا: کِیُلِفُوْنَ کَکُرُدِ بعنی وہ تہا اسسلمنے الٹرکی قسیس کھاتے ہیں۔ اِسی طرح اِ گُلک کُرکسٹوگ اللّٰہ کو اللّٰہ تعالی نے قسم قرار ویا ہے چہنا بچرفرمایا: اِ تحسَّکُ وا اَ ہُسکا کُکُرُحَبُّكَ اُ اور اسی طرح: اِ ذُا فَسُکُوالِیُکُٹِی مُنْهَا کو مِی اللّٰہ تعالیٰ نے صلعت قرار دیا ہے صالا نکہ اس میں بالٹرکا لفظ نہیں ہے۔

ا ٣٢٠ - حَكَ نَتُ مُحَمَّدُ أَنْ يَحْيِي قَالَ (نَا مُحَمَّدُ اللهُ كَثِيرِنَا سُكِيمَاكُ أَنُّ مُحَمَّدُ اللهُ كَثِيرِنَا سُكِيمَاكُ أَنُّ المُحَمَّدُ اللهُ يَعِيدُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ ا

كَثِيْرِعَنِ الذَّهُورِي عَنْ عُبَرُ لِاللهِ عَنِ ابْنِ عَبَاسٍ عَنِ النَّبِي صَلَى اللهُ عَكِيُهِ وَسَلَوَ بِهِٰ ذَا لَوْرَيِ ذَكُو الْقَسُورَ الدِينِ إِنْ ابْنِ عَبَاسٍ عَنِ النَّبِيِّ صَلَى اللهُ عَكِيهُ و

ا بن عباس پنسنے دبلا واسطہ ابی مہرمیدہ دین نبی صلی السّرعلیہ وسلم سے بہی اوبہدو، لی حدیث روامیت کی اوراس میقیم کا ذکر پنہیں اور یہاضا فرسیے کہ : درسول انٹرصلی انٹرعلیہ وسلم سنے ابو مکمرصدیق دمنی انٹرعنہ کو نربتا یا ۔

يَاسِ فِي الْحُلُفِ كَالْحِبَّامُنَعَمِّدًا

(جان بوج كرهموالى قسم كهاف كاباك)

٢٠٢٢- كَتَّانَّكُ مُوسِى بُنُ إِسْمَاعِ بُلُ نَاحَمَا دُّا فَكَاءُ بُنُ السَّامِ عَنَ اَبِي عَنَى اَبِي عَنَى الْمَنْ عَنَى الْمَنْ عَنَى الْمَنْ عَنَى الْمَنْ عَنَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ عَنَى المُمْلُوبُ فَحَلَى وَاللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ الله

شهرے : بین غموس میں کفارہ تونہ ہیں تھا مگروہ گناہ کہیرہ توصنوں مقی بھر حضورے نے یہ کیونکر فرما دیا کہ کلمہ توصیہ کو خلصانہ کے طور پر کہنے کے باعث بتراگناہ بخش گیاہے ؟ ورانحا لیک گناہ کہیرہ کی بخشش کے لیے تو تو برشرط ہے ۔ اس کا جواب برہے کم کار توصیہ کوخلوص کے ساتھ کھنے میں ندامت بائی جاتی تھی جو توبہ کی قائم مقام ہے ۔ یا یہ کھئے کر جموثی فسم کا گناہ جب بہوا تو گاہا اللہ الا اللہ کہ کہم میں شخص نے تجدید ایمان کر لی اور اس تجدید ایمان کے باعث گناہ کہیرہ کی معافی مل گئی۔ البودا کو دنے کے کھی کہا ہے اس میں کھی خموض ہے ۔ یہ میں عمل میں کفارہ نہیں ہوتا۔

بَاهِ كُم الصَّاعُ فِي الْكُفَّارَةِ

د ماهب كقارسيس كتنف ماعيس،

٣٢٤٣ ـ كَلَّانْكُ اَحْمُكُ بَى صَالِمٍ فَالَ فَكُ أَنْتُ عَلَى اَسِ بَنِ عِبَاضِ فَالَ حَلَّا ثَنِي عَبُكُ الرَّحُلِي بَى حُرْمَ لَدُّعَنَى اُمِّرِ حَبِيبِ بِنَتِ دُو بَبِ بَنِ فَيْسِ الْمُزَنِيَّةِ وَكَانَتُ تَحُتَ رُجُلٍ مِنْهُ ثُومِنَ اَسْكُونُ مَّ صَانَتَ تَحُتَ عَنْتَ الْمُؤْتُومِنَ اَسْكُونُ تُوكَانَتُ تَحُتَ رُجُلٍ مِنْهُ ثُومِنَ اَسْكُونُ تُوكَانَتُ تَحْتَ أَبِ اَنِهُ لِصَفِيتَةَ ذَوْجِ النَّبِيِّ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ قَالَ ابْنُ حُرْمَلَةُ فَوَ هَبَتُ أ لَنَا أُمَّرُ جَبِيبِ صَاعًا حَلَّى ثُنْنَا عَنِ ابْنِ إَخِيْ صَفِيّة عَنْ صَفِيَّة أَنَّهُ صَاعً النَّبِي صَلَّى اللهُ عَلَيْرِ وَسَلَّمَ قَالَ انْسُ فَجَرَبْتُه فَوَجَهُ أَتَهُ مُلَّا يُنِ وَنِصَفًا بِهُلِ

ابن ترمکہ نے کہاکہ تمہیں امّ مبیب دم بنت ذویب نے بونی صلی الٹڑیلیدوسلم کی نوجۂ محت مرصع پیدہ سے ایک پھیتھے گی بہوی تھیں، تہمیں ایک صماع دیا اور حضرت صفیہ من کے بھیتھے دا پنے خاوت سے اور اُس نے حضرت صفیہ منسے دوایت کی کروہ نبی صلی الٹرعلیہ وسلم کا صاح تھا۔ انس بن عیاض راوئ حدیث نے کہا کہ میں نے اس صماع کو نا پاتوریا کہا کہ میں نے اس کا اندازہ کیا، تو میں سنے اُسے مہشام بن عبدا لملک سے مند کے صماب سے ہٰ ۲ گڈ پایا۔ رصاع اور مکڈ کی تھیتے تی ابلیماتی میں گذر حکی ہے ۔

بَالِكُ فِي الْرَّقَبُ وَالْمُؤْمِنَةِ

ر باب موس نوندی علام کے متعلق)

٣٧٧ - حَكَانَكُ مُسَكَادُنَا يَخِلَى عَنِ الْحَجَّاجِ الصَّوَافِ حَتَاثَنِي يَحْبَى

بُنُ اَنِ كَثِيرِعَنَ هِلَالِ بُنِ اَنِي مَهُونَ ذَعَنَ عَطَاءِ بُنِ يَسَارِعَنَ مُعَاوِيةً

بُنِ الْحَكُو السَّلَمِي قَالَ قُلْتُ يَا رَسُولَ اللهِ جَارِيَةٌ لِي صَكَّحَتُهَا صَكَّةً

فَعَظُمَ خُلِكَ عَلَى رَسُولِ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوفَ قُلْتُ اَنْ فَكُنُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّو فَقُلْتُ اَفَلَا أَعْبَ قُلَهُ عَلَيْهُ وَسَلَّو فَالنَّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّو فَالنَّكُمَ وَالنَّكُمَ وَالنَّكُمُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّو فَالنَّهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّو فَالنَّهُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّو فَالنَّهُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّو وَاللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّو فَالنَّهُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّو فَالنَّكُمُ وَاللهُ وَاللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّو فَالنَّا اللهُ عَلَيْهُ وَمَا فَا فَالْ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّو فَالْ اللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ اللهُ اللهُ

معاورین الحکم میں نے کہا کہ میں نے کہا یادسول الشرمیری ایک نوٹلی سیمیں نے اسے ایک نور کا چانٹا مارا سے دیس پر بات دسول الشرصلی است کہا کہ کہا تا ہوں ہے در مایا:
سے دیس پر بات دسول الشرصلی الشرطید وسلم پر سٹاق گردری تو میں نے کہا کہ کیا یہ ہے در مایا: استرکہاں ہیں جامس نے کہا:
اسے میرے باس لاؤ معاویہ نے کہا کہ ہیں اسے صفورہ کے باس سے گیا یہ ہے در مایا: اسٹرکہاں ہیں جامس نے کہا:
سمان ہی رفز مایا: میں کون ہوں! وہ بولی آپ الشرکے دسول ہیں۔ فرمایا: اسے آزاد کردوکیوں کریدمومن سیے دسلم،
نسانی مؤملی ا

کیاجاسکتاکہ کفالات میں مومن غلام کا آزاد کر ناھزوری ہے۔ علا تہ خطابی نے اس سے پی استدلال کیا ہے مگریہ استدلال تام نہیں کیو نکہ یہ وجوبی گفارہ نہیں تھا۔ و لیسے علماء کا کفارہ میں اختلاف ہے کہ آیامومن ہونائی غلام کو آزاد کرنا ہ نہیں کہ یہ ناموں ہونائی خلام کا مؤن کرنا ہ نووری ہے یا نہیں ؟ مالک، اوزاعی، شافعی اور ابوعبید سے نزدیک ان تمام کفارات میں بونڈی غلام کا مؤن ہونا مشرط ہے۔ ابومنیفہ اور ان کے اصحاب نے کہا ہے کہ کفارہ قتل میں الشرتعا الی نے دقبہ مومنہ کی شرط قرآن میں مالک کی سے، اس کے علاوہ ہرکفا دسے میں صرف دقبہ کا لفظ ہے المذاعیر مومن کو آزاد کرنا نبی کا فی ہے، اور بہی مناب عطاء کا سے حضور ہے ہی اس بوزڈی کی عقل کے مطابق ہی اس سے موال فرط یا کہ الشرکہاں سے ؟ آسمان سے مراد علق ورفعت سے مذہد کرائٹ تعالی اپنے معافرات میں مراد علق ورفعت سے مذہب کے والی الشرع سے المان کی اللہ کے مواف سے موالے المان کو کا فی سمجھا ہے ۔

۵>۱۳۰ حَلَّانُكُ مُوْسَى بُنُ إِسْمَاعِيْلُ نَاحَمَّادُعَنَ مُحَمَّى بِنِ عمروعَنَ الْمُحَمَّى بَنِ عمروعَنَ الفَّرِيُ الشَّرِيُ الشَّرِيُ الشَّرِيُ الشَّرِيُ الشَّرِيُ الشَّرِيُ الشَّرِيَ الشَّرِيَ الشَّرِيَ اللَّهِ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللْمُلْمُ

الشرديرم وبن سويد تعفى سے دوايت ہے گہاں کی مال نے انہيں وصيت کي تقی که اُس کی طوف سے ایک موٹن جان کو آزاد کریں ہیں ہیں ہیں ہیں اسے وصیت کی تقی کہ اُس کی طوف سے ایک موٹن جان کو آزاد کر و لی اور کہا : یا دسول الشر امیری مال نے وصیت کی تھی کہ ہیں اس کی طوف سے ایک موٹن جان کو آزاد کر و لی اور میر سے باس ایک کالی تو بی دسو ڈانی اور ٹری سے بھرائس نے اور نیست کے اور نیست کے مطابق آزاد کیا گیا تھا نہ کہ کسی کفار سے ہیں ۔ اور نیستائی کی دوایت میں ہے کہ حضو دی ہے اس سے بو تھا تھا ، تیرادب کو ن ہے ؟ تو اس نے کہا تھا : اللہ بھی حضو دی ہے ہے تو اس سے بو تھا تھا ، تیرادب کو ن ہے ؟ تو اس نے کہا تھا اور اس نے کہا کہ خالد بن عبد اللہ سے اس میریٹ کو مرسل اسے آزاد کر دور دینی مال کی وصیت ہیں کیو تکہ ہے ابود اور دیے کہا کہ خالد بن عبد اللہ سے اس میریٹ کو مرسل اسے آزاد کر دور دینی مال کی وصیت ہیں کیو تکہ ہے ابود اور دیے کہا کہ خالد بن عبد اللہ سے اس میریٹ کو مرسل اسے ۔ میرید میں کا دیر بندی کی ا

٣٧٧٧٠٠ كُلُّ نَنْكُ الْبُرَاهِ بَهُ مُنْ يَغَفُّوْبَ الْجُوْمَ جَانِيُّ نَا يَزِيْكَ أَنْ هَارُوْنَ الْمُوْمَ وَكُوْبَ الْجُوْمَ جَانِيُّ نَا يَزِيْكَ أَنْ هَارُوْنَ الْمُعَمِّدُ فِي الْمُسْعُوْدِيُّ عَنْ عَوْنِ بَنِ عَنْ اللهِ عَنْ عَبْدِاللهِ بَنِ عَبْدِاللهِ عَنْ عَبْدِاللهِ بَنِ عَبْدِاللهِ عَنْ عَبْدِاللهِ بَنِ عَنْ اللهِ عَنْ عَبْدِاللهِ عَنْ عَبْدِاللهِ عَنْ عَبْدِاللهِ عَنْ اللهِ عَنْ عَبْدِاللهِ عَنْ عَبْدِاللهِ عَنْ عَبْدِاللهِ عَنْ عَبْدِاللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهُ الله

رُسُولُ اللهِ فَقَالَ أَعْتِقُهَا فَابَنَّهَا مُؤْهِنَةً -

ابوسریہ و دونسے دوایت ہے کہ ایک شخص نبی صلی التدعلیہ وسلم کے پاس ایک کا بی لوٹٹری کولا یا اور بولا: یا رسول الشریخ ذمرایک مومن کر دن دکی آزادی ہے۔ بس رسول الشصلی الشدعلیہ وسلم نے اس سے فرمایا: الشد کہ ال ہے ہ تواس نے اپنی انگی کے ساتھ آسمان کی طرف اشارہ کیا۔ بھر اس سے فرمایا: بیں کون ہوں ؟ پس اس نے نبی صلی الشرعلیہ وسلم کی طرف اور آسمان کی طرف اشارہ کیا ، اس کی مرادیر تھی کہ آپ الشد کے رسول ہیں۔ بس حضور سے فرمایا: اسے آز ادکر دوکیو نکریہ مومن ہے داس صدیت میں بھی یہ وصاحت نہیں کہ اُس لونڈی کو کون سے کفارسے میں یا مال کی وصیت میں آزاد کر ایا گیا تھا

باك كراهية والتناء

*دندد کی کر*اہبت کاباب

(بُنِ مُتَرَةً الْهَمُكَا فِي عَنْ عَبْدِا لِلَّهِ بُنِ عُنَدَ قَالَ انْحُذَا رَسُولُ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عُكُمُ و ۦؘؖۊۘڒۑ۬ؠ۬ؗؗؗؗىعَنِ التَّنُ رِوَيُقُولُ لَا يُرْدُّ شَيْسًا وَإِنْسَا بُسُتَخْرَجُ بِهِمِنَ ٱبْخِيْلِ عبدالتّٰدبن عمزم سے دوایت ہے کہ دسول السُّرصلی التّٰدعلیہ وسلم ندرسے منع کرنے لگے اور فرما ہے تھے کہ و دکسی چیزکو رونہیں کرتی، صرف اتن مات سے کہ اس کے ذریعے سے بخیل سے کچے لکا لاجا تا ہے دبخاری سلم، نسائی، ترمذی، ابن ماجر) مشرح: بینی اس موقدیدے کے ساتھ ندر ما نزاکراس سے تقدیمیا الی بدل جائے گی ،اس کی نمانعٹ ہے۔ لوگ نفع حامسس ر نے کی اود معرت وورکر نے کی ندر ما ستے تھے اور پر بخیلوں کی عا دت سے کہ ذاتی اغراض کے لیے نذر کو استعمال کرتے تقے ۔ سکن حبب کوئی آدمی خلوص نیت کے سابھ اور الٹر تغالی کی عبادت کی نذر کررے جیسا کہ حضرت عرفاروق رصنی الٹرعنہ نے ایک داست مسجد حرام میں اُعتکاف کی نذر کی تھی تویہ ممنوع نہیں ہے ۔خطابی نے کہا ہے کہ نذر حب معقیت کی مزمو توسب مسلمانوں کا س کے واجب ہونے ہراجاع ہے حصور کا یہ قول کہ: ندرسے بحیل کا تھے مال نکا لاحا تاہے، بتاتاً ے کر حب نذر مانے گا تو مال کا تکا لناوا جب ہوگا ہیں اس حدیث کا معنی بہنہیں ہے کہ اگر کوئی نذر مانے تووہ لا ذم نر بہوئی ۔مرادیہ ہے کہ نذر کے معاملے کی ماکید کی حائے اور اس میں مہل انگاری سے ڈرایا جائے۔ بعنی ندر بذات دومعصیت نہیں ہے۔ صرف یہ معتیدہ فلط سے کرندری وجرسے نفع وضرد کے بادے میں قضاء و قدر تبدیل موجاتی ہے۔ ٨ ٢ ٣ ٨ . حَكَّاثَنَا ٱبُوُدَا وَ دَ قَالَ فَرِئَ عَلَى الْحَادِثِ بُنِ وَسُكِبُنِ وَ إَنَاشًا هِنَّا ٱجْبَرُكُمُ ابْنُ وَهُيِبِ قَالَ الْهُبَرِ فِي مُالِكُ عَنْ آبِي الرِّنَادِ عَنْ عَبُدِ الرَّحَلِينُ بِ

هُ رُمَزَعَنَ اَبِى هُمَا يُرَةَ اَتَّ رَسُولَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْرِ وَسَلَّمَ فَالَ لَا يَأْتِي ابْنُ آدَمُ النَّبْ لَا وَالْقَالَ لَهُ كَاكُنُ كَا لُكُمَّ وَلِكِنْ كِيُوِّينُهُ النُّكُلُّ والْقَالَ وَعَنَّا وَتُ لكِنْ يُسْتَخْرَجُ بِم مِنَ الْبَخِيْلِ يُوتِي عَلَيْهِ مِنَ الْمُخِيْلِ يُوتِي عَلَيْهِ مِنَا لَمُ لَكُنْ يُوتَى مِنْ قَيْلٍ ـ

ا بوہر میہ درم سے روایت سے کہرسول الله صلی الله علیہ وسلم نے فرمایا الله تعالی فرما تاسیم جوجیزیں نے مقال نہیں کا سے نذر ابن آدم کے سیے نہیں لاسکتی اور نہ نذر اسے تبدیل کرسکتی ہے۔ تقدیر وہ سے بھے میں نے مقدّ رکیا -اس كسائة بخيل سي كي نكلوا ياجاتا سي اورج كيراس سيدنهن كرواياجا تائقا وه ندر سع كرواياجاتا سيابخارى، نسائی ، ابن ماجر، تر مذی پر حدیث الوالحسن ابن العبد کی دوایت واسے تسخے میں ہے۔

كأك التكذيف التكفينة

دمعیست کی نذر کابائ

٣٢٤٩ - حَكَّاتُكُ الْقَعْنِيُّ عَنْ مَالِكِ عَنْ طَلْحَةَ بْنَ عَبْدِالْمَالِكِ اُلاَيْلِيِّ عَنِ الْقَاسِمِ عَنُ عَائِشَةَ قَالَتُ قَالَ رَسُولُ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْ لِل وسَلَّوْمَن نَذَرَانُ يُطِيعُ اللَّهُ فَلْيُطِعْهُ وَمَنْ نَذَارُ أَن يَعْصِى اللَّهُ فَلَا يَعْصِه

حصرت عائشة يص رصى الشرتعا بي عنها سن فرما ما كرمسول الشرصلي الشرعليد وسلم كاار مشا وسع : جوكو في الشركي اطاعت كي ندر کرسے تووہ امٹندکی اطاعیت منرود کرسے اور جو اُس کی نا فرمانی کی نذر کرسے پس وہ اس کی نا فرما تی مترکرسے دبخا *ری بتر*فاقح نسانی این ماجیں

شرح: خطابی نے کہاکہ اس مدین میں برباین ہوا ہے کہ معقیت کی ندر لازم نہیں اور اس سے ایفاء کی ممانعت ہے بٹافعی أ اور ما لک کایر ندیب سے کہاس میں کفارہ و اجب بہیں۔ الوصد فیرا ور ان کے اصحاب اور سفیان ٹوری نے کہا ہے کہ حب کوئی معسيت كى نذركرست تواس كاليفاء تومائز نهي مگر كفاره واجب بوگيا وركفاره و پسم كاكفاره سيماوران كااستدلال اگلی مدین زمری کے ساتھ ہے۔

٠٨٠٠ - كُنَّا نَتُ كُمُوسَى بُنُ إِسْمَاعِبُلَ نَاوُهِينَ ثَاكِيُونِ عَنْ عِكْرِمَ لَهُ عَنِ ابْنِ عَبَّاسٍ فَالَ يُنْهَا النَّبِيُّ صَلَّى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّو بَيْخُطُبُ إِذَا هُوبَرُجُلِ قَائِمِوفِي الشَّمُسِ فِيسَالُكُ عَنْهُ فَفَالُوا هِنَا الْبُوْلِسُ رَابِينُ لَ خَنَامَ اَنْ يَقُوْهَ وَلَا

بَا فِل مَنْ مَا اى عَلَيْهِ كُفَّ ارْفَا إِذَا كَانَ فِمُعْصِبَةٍ

(باب معصیت کی ندیس جنہوں نے کہاکہ کقارہ ہے)

١٨٧٣ - كَلَّا تَنْ الشَمَاعِ بَلُ بُنُ إِبْرَ اهِ يُحَابُوْمَ عُمَى نَاعَبُكَ اللهِ بُنُ الْسُارِ الْحِنْ وَمُنَا وَاللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللللْمُ اللَّهُ اللْهُ اللَّلْمُ اللللْمُ اللَّهُ الللْمُ الللْمُ اللللْمُ الللْمُ ا

دَاوُدُ سَمِفَتُ احْمُكُ اَنْ حَنْبَلِ يُقُولُ الْسُكُ وَاعَكِبْنَا لَهُ نَا الْحَدِ ابْتَ فِيلَ كَهُ وَصَحَرُ الْسُنَادُةُ عِنْهَ لَهُ وَهَلُ رَوَاهُ غَيْرًا بِنِ اَفِى أَوْلِسِ قَالَ اَيُوبُ كَانَ اَمْتُلَمِنْهُ يَعُنِى اَيُّونِ بَنَ سُلَيْمَانَ بُنِ بِلَالٍ وَفَكَارُواهُ اَيُّوبُ -

تشریح: احمد بن طلبل کے بواب کا مطلب یہ سیے کہ اس مدیث کے میچے ہوئے کا احتمال سے لیونکہ الوب جواب ابی اوس سے بہتر تفااس نے یہ مدیث ابن ابی اوس سے بہتر تفااس نے یہ مدیث ابن ابی اوس سے روایت کی ہے ۔ ابن ابی اوس میں موثین کا اختلاف سے اورا بوب بن سیمان کی تفاہت سب کے نزد یک مسلم ہے، اور جب ایوب جیسے آد می نے پر دوایت ابن ابی اوس سے کی اورا س دوایت کی تائید ہوگئ ۔ مولانا دسنے فرمایا کہ قاعدہ محدث یہ مسلم ہوتا ہے جہ مسلم ہوتا ہے۔ دوسری طوف زم ہی جیسے جلیل القدر عالم اور محدث پر اس حدیث میں تاہری حدث میں تاہد کا موایت کرتا ہے۔ دوسری حدث کے لفظ سے ابوسلم سے دوایت کرتا ہے۔ دوسری حدث کی دوایت میں زم ہی حداد سے کہ نظر سے ابوسلم سے دوایت کرتا ہے۔ دوسری حدث کے نفظ سے ابوسلم سے دوایت کرتا ہے۔ دوسری حداد کی دوایت کرتا ہے۔ دوسری حداد کرتا ہے۔ دوسری حداد کرتا ہے۔ دوسری حداد کی دوایت کرتا ہے۔ دوسری حداد کرتا ہے۔ دوسری کرتا ہے۔ دوسری حداد کرتا ہے۔ دوسری کرتا ہے۔ دوسری کرتا ہے۔ دوسری کرتا

اب دہا حدیث کا مطلب، سوعل مرسندھی نے نسائی کے حاشیئے میں کہا ہے کہ حفاد کا یہ قول کہ: اس کا کفارہ بمین کا گفارہ کمین کا کفارہ سے اور حب سے اور حب حنث واجب ہوا تو کفارہ و کفارہ سے کفارہ سے، اس کا مطلب یہ ہے کہ ایس کا معلقہ کا ۔ فتح الودود میں ہے کہ حدیث کے الفاظ بتا تے ہیں کہ یہ ندرگومعمیت ہے مگم منعقد کی احب بہ کہ کہ است کے معلق میں کہ یہ نازر کا الفاء واجب دبلکہ کھارہ ہے ۔ اور بعض صبح روا بات ہیں سے کہ بمعصیت نذر کا الفاء واجب دبلکہ کھا کہ معلق میں کہ بہیں ہے۔ اور بعض صبح روا بات ہیں سے کہ بمعصیت نذر کا الفاء واجب دبلکہ کھائے کہ است کے تا اور بعض میں ہے۔ اور بعض میں معلق کا تو بائر کہ بھی اس مطلب کی تائید ہوئی ۔

مُرُهُ اللهُ مُكُلُّ الْمُنْ النَّيْمَ جَ قَالَ أَنَا ابْنُ وَهِبِ عَنُ بُونِسَ عَنِ ابْنِ الْمِنِ الْمِنِ الْمِن وَهِبِ عَنُ بُونِسَ عَنِ الْمِن وَهِبِ عَنُ بُونِسَ هَا وَ شِهَا بِمَعْنَا هُ وَلَيْسِ هَا وَ صَلَى الْمِن وَهِ الْمَنْ وَوَلَهُ اللَّهِ عَنِ الْمِن وَقِيلِ هَا وَكُنِيلٍ هَا وَكُنِيلٍ هَا وَكُنِيلٍ عَنَ الْمِن وَقِيلٍ هَا وَكُنِيلٍ عَنْ الْمِن وَقِيلٍ مَنْ الْمِن وَقِيلٍ وَكُنِيلٍ وَ الْمُنْ وَقُولِ الْمُنْ وَقُولِ اللَّهِ اللَّهُ اللّلَهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ الللللَّهُ الللللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللللللللَّا الللللَّ اللللَّلْمُلْلَمُ الللَّهُ اللللللَّا الللللَّلْمُ اللللللَّا الللللللللّ

ا وبروالی ابن شهاب کی روایت اسی معنی میں اور ابن شهاب کی سند کے ساتھ۔

الیوب بن سیمان عن ابی بکر بن ابی اویس کی سندسے وہی اور پرکی حدیث حضرت عائشہ رصی الدعنما نے فر با یا کر بول الشرصلی الترعید وسلم کا ارتشاد ہے ، معصیت ہیں کوئی نذر نہیں ریعنی جائز نہیں) اور اس کا کقارہ قسم کا کفارہ ہے ، معصیت ہیں کوئی نذر نہیں ریعنی جائز نہیں) اور اس کا کفارہ قسم کا کفارہ ہے ، معصیت ہیں کوئی بن المبادک کی ہے ۔۔۔ کیے بن ابی کشیر ۔۔ بھر الزبیر ۔۔۔ بھی الزبیر ۔۔۔ عن ابی عن ابی عن عمران رخم بن النبی صلی الشرعید وسلم ۔ مروزی کا مطلب پر ہے کہ سیمان بن ارقم نے اس حدیث ہیں وہم کیا ہیے اور وہمی نہری نے اس سے سے لیا اور اسے ابوسلہ سے مرسل رو ایت کیا عن عائشہ رضی ادلاعنہ اور افرد نے کہا کہ بقیة نظر سے سے اس نے محمد بن زبیر سے علی بن المبادک کی سند کے ساتھ اُسی طرح روایت کیا ہے ۔ ۔ ناور پر گزر دی کا سے اس نے کوئر ہری کی روایت صوف سلیمان بن ارقم سے نہیں جومتر وک سے ، ملکہ نسائی کی روایت میں نہیں ہے اور اس سند میں سیمان بن ارقم بھی نہیں ہے ۔ ناور ایت میں نہیں سے دور ایست میں بنا شہ تدلیس نہیں ہے اور اس سند میں سیمان بن ارقم بھی نہیں ہے ۔ کی موالد ہشان اور عظمت قدر کے با وجود ان بندرگ لوگوں نے اس پر جو تنقید کی سے وہ اونسوس ناک سے ، زمری خوالد کی مین المباد کی جو تنقید کی سے وہ اونسوس ناک سے ، زمری خوالد کی میں بنا وار وہ سے نویر بیت جو تنقید کی سے وہ اونسوس ناک سے ، زمری خوالد کی بندر سے ۔ امام احمد بن صنبال کی گوشتہ گفتگو سے تو ہر بیت جو تنقید کی ہے اندر جان رکھتی ہے ۔

م ۱۹۸۸ حَلَى نَكُنَا مُسُكَّدُ خَالَ نَا بَحْيَى بَنْ سَجْبِيدِ الْفَظَانُ خَالَ اَخُبَرُ فِي يَعْيَى بُنُ سَجِيْدِ الْانْصَارِيُّ فَالَ اَخْبَرُ فِي عُبَيْكُ اللهِ بُنُ نَحْراَتَ اَبَا سَعِيْدِ اَخْبَرُ فَا اَتَ عَبْدَ اللهِ بُنَ مَالِكِ اَخْبَرُهُ اَتَ عُقْبَةً بُنَ عَامِراً خُبَرُهُ اَتَّهُ سَأَلَ النَّبِيَّ صَلَى الله عَكِيهِ وَسَلَّى عَنْ الْخَدِيْ لَهُ نَنْ رَثْ اَنْ تَحْبَحَ حَادِفِيَةً غَيْرَمُ خَثْمِرَةً فِفَالَ مُرُوْهَا فَلْتَخْتَمِهُ وَلِتَرْكِبُ وَلِتَصُوْتُلَاثَةً ٱتَامِرٍ

عقبہن عامر نے تبایا کہ اس نے نبی صلی التُرعلیہ وسلم سے اپنی ایک بہن کے متعلق سوال کیا جس سے ندری تھی کہ آئے یا وُں، نگلے یا وُں، نگلے سرچ کرسے گی تورسول التُرعلیہ وسلم نے فرایا: اُسے یہ کم دوکہ وہ سرڈ ھانکے اورسواد ہوجائے اور تین دن کے دوزے در کھے دیتر خدی دنسانی، ابن ما جہ بتر خدی نے اس حدیث کوحس صبحے کہا ہے گواس کے ایک اور داوی ابن قریم میں تھو لی مندری بعض جو ڈیمین نے تنقید کی ہے ،

مشی جنیره دیش بوبقول تر فدی صبح سے مصریت نهری من ابی سلم درگذشته مدیث، کی تائید کمرتی سے بعضورصلی الشخلیہ اسلم وسلم نے اس عودت کو یکم دیا کہ ذردِ مععیت کا ایفاء نہ کر سے مگر کفا دستے ہیں دونسے دکھ ہے جو تسم کا کفارہ ہے۔ بعینہ ہی حنفیہ کا مذہب ہے اور یہ مدیث ان کی وہیل ہے خطابی نے کہا ہے کہ حضود گئے اس عودت کو ہر دسے کا حکم دیا کیوں کہ عود تیں ہر دسے ہر مامود ہیں ۔ جہانتک خلکے پاؤل کی نذر کا تعلق سے ۔ سوپیدل چلنے کی نذر اس وقت جسی ہے جب کہ آ دی اس برخا در مہور اسلامی عاصر میں کے توسوار مہوجا ہے اور بہتی اس بروا جب ہوگی۔ ابن عباس دیم کی دوایت کے مطابق وہ عودرت بہدل چلنے سے عاجز بھی لہذا اسے سواری کا حکم دیا گیا ۔

٣٨٧٣ حَكَ نَكَا مُسُاحُ بِنُ إِبُرَاهِ يُحَ فَالَ نَا هِشَا هُ عَنُ فَتَا دَ لَا عَنُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَمَ عَنُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَمَ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَمَ لَكُمْ اللهُ اللهُ كَذَا وَدَرَوَا لا سَعَيْمُ اللهُ عَرُوبَ مَ نَحُونَ اللهُ اللهُ وَدَا وَدَرَوَا لا سَعِيْمُ اللهُ اللهِ عَرُوبَ مَن نَحُونَ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ وَدَا وَدَرَوَا لا سَعِيمُ اللهُ اللهُ وَدَا وَدَرَوَا لا سَعِيمُ اللهُ اللهُ

حدیث کی شرح دیکید یسجئے۔اس صدیت میں کفار سے یا مدی کا ذکر نہیں آیا، لیکن ذکر ند آ نے سے بدلازم نہیں آ تا کہ وہ لاز خہیں

وَ خِالِدًا عَنْ عِكْرِمَةَ عَنِ النَّبِي صَلَّى اللهُ عَلَيْمِ وَسَلَّمَ نَحُوكًا -

و خالده عن عكر فرقة عن المنبي صلى الله عليه وسلو فحده و ابن عبر الده عليه وسلو في المنبي المنبي الله عليه وسلو في المنبي المن المنبي ا

إلى الْبَبْتِ فَا مَرَهُا النَّبِيُّ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ اَنْ تَرْكَبُ وَمُعْمِى هَنَ بَا .
ابن عباس مسدوایت می که عقبر بن عامر کی بهن تے بیت الله تک پیل جانے کی ندر مانی تورسول الله صلی الله علیہ وسلم نے است حکم دیا کہ سوار موجا سے اور ایک بدی قربان کرے داس میں بھی یہ فہوت ہے کہ ندر لازم نہ ہونے کے علیہ وسلم سے است حکم دیا کہ سوار موجا سے اور ایک بدی قربان کرے داس میں بھی یہ فہوت ہے کہ ندر لازم نہ ہونے کے

با وجودكفاره واحبب بوار

٣٢٨٩ - حَكَّا ثُنَكُ شُعُينَ أَبُن اَيُّوْبَ نَاهُ عَاوِينَهُ أَنْ هِشَاهِ عَنْ سُنْهَا اَللَهُ عَنْ اَبِيْهِ عَنْ عِكْرِمَةَ عَنْ عُخْوَنَ عُقْبَةَ اَبِنِ عَامِرِ الْجُهَنِيِّ اَنَّهُ قَالَ لِلنَّبِي صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحَ إِنَّ الْجُونَ نُورَ دَنَ اَنْ مُثَلِّى اللَّهُ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ يُصَنَّعُ بِمَشْمِي الْحَيْدِةِ اللَّهُ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ اللْهُ اللَّهُ اللَلْمُ الللَّهُ اللَّهُ اللللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللللْمُ الللَّهُ

no contraramenta a la contrara de la contrara de la contraramenta de la contraramenta de la contraramenta de l

رُجِلُ إِلَى النَّبِي صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحَ فِقَالَ يَارُسُولَ اللهِ إِنَّ أُخْنِى نَذَرَت أَنْ

تَحُجَّ مَا شِينَةً فَقَالَ النَّبَيُّ صَلَى اللهُ عَلَيْ وَسَلَّوَرِاتَ اللهَ لَا يَصُنَعُ بِشِقَاء ٱخْتِكَ شَيْتًا فَلْنَحُجَ رَاكِبَةً وَثَنْكَفِرْ يَبِينَهَا.

١٩٠٣ - كَتُّ نَكُ الْكُمْكُ الْكُمْكُ الْكُونِ عَنْ عَبْدِ اللهِ السَّلِمِ تَنَا اَ إِلَى تَكُواْ الْوَلِيْمُ يَعْنِى ابْنَ طَهُمَانَ عَنْ مَطِرِعَنْ عِكْرِمَةَ عَنِى ابْنِ عَبَّاسٍ اَنَّ اُحْتَ عُقْبَتُ بْنِ عَامِرِ نَدَ دَثَ اَنْ يَحْجَ نَا شَبْنًا وَاتْمَا لَا يُطِينُ ذَلِكَ فَقَالَ السَّجَّى صَلَى اللهُ عَلَيْمُ وَسَلَّح رِنَ الله لَعَنِيَّ مَنْ مِي اُخْذِكَ فَلْتَرْكَبُ وَلَتُهُدِ بَدَ نَةً هَدُايًا.

٣٢٩٢ - كَمُّ نَنْكُمُسَدَّ دُقَالَ نَا يَحْيى عَنْ حُمَيْ يِالطَّوِيْلِ عَنْ تَابِتِ الْبَسَافِةِ عَنْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّعَ مَا لَى رَجُلَا يُهَادَى عَنْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّعَ مَا لَى رَجُلَا يُهَادَى عَنْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّعَ مَا لَى رَجُلَا يُهَادُى بَعْنَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّعَ مَا لَى رَجُلَا يُهَادُى بَعْنَ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَا اللهُ عَلَى اللهُ عَلَا اللهُ عَلَا اللهُ عَلَى الل

انس بن مالک منے سے روایت ہے کہ دسول النّدصلی النّدعلیہ وسلم نے ایک شخص کو دیکھا جسے اس کے دویلیٹے چلا دہے تھے لپ آ پ نے اس کے متعلق ہو بچھا تو ہوگوں نے کہا کہ اُس نے پہیے ل چلنے کی نذر کی سبے بحضور سنے فرمایا کہ النّداس باسسع عنی سبے کہ پیشخص اپنے آپ کوعذاب دسے ، آپ نے اسے سوار مہونے کا حکم دیا۔ رمنجا دی، سلم ، تر ندی، نسائی ،

tone a company and a company a company a company and the compa

٣٢٩٣ - كَتْكَانْكُنَا ٱبُوْدَاؤَدَى وَاهُ عُهُمُ بُنُ إِنْ عُنسَ عِن الْاَعْرَجِ عِن الْاَعْرَجِ عَنَ إِنْ هُنَيْ عَ عَنِ النَّبِيِّ صَلَّى اللَّهُ عَكُيْ لِهِ وَسَلَّى -

مديث، و٣٠ كى ايك وروايت بجواعرج عن ابى مرتية عن النبى صلى التُدعليدوسلم سبع -

٣٢٩٣٠ حَدَّ تَتُ اِيجُهُى بُن مَعِيْنِ نَا حَجَاجٌ عَنِ ابْنِ جُرَيْجٍ فَالَ الْحَبَر فِيُكِيَّهُ اَنُ الْكَحُولُ وَ لَا تَكُولُ وَ لَا لَكُولُ وَ لَا تَكُولُ وَ لَا لَكُولُ وَ لَكُولُ وَ لَا لَكُولُ وَلَا لَكُولُ وَ لَا لَكُولُ وَ لَا لَكُولُ وَ لَا لَكُولُ وَ لَكُولُ وَلَا لَا لَكُولُ وَلَا لَكُولُ وَلَا لَكُولُ وَلَا لَكُولُ وَلَا لَكُولُ وَلَا لَا لَكُولُ وَلَا لَكُولُ وَلَا لَكُولُ وَلَا لِكُولُ وَلَا لِللَّهُ عَلَيْهُ وَلَا لَكُولُ وَلَا لِكُولُ وَلَا لِكُولُ وَلَا لَا لَكُولُ وَلَا لِللَّهُ كُلُكُ مِنْ لِلللَّهُ عَلَى لَا لَا لَكُولُ وَلَا لِكُولُ وَلَا لَا لَكُولُ وَلَا لَكُولُ وَلَا لِلللَّهُ وَلَا لَكُولُ وَلَا لِكُولُ وَلَا لِكُولُ وَلَا لِكُولُ وَلَا لِللَّهُ وَلَا لَا لَكُولُ وَلَا لَا لَكُولُ وَلَا لِلْكُولُ وَلَا لِلللَّهُ عَلَيْكُولُ وَلَا لِللَّهُ وَلَا لَا لَكُولُ وَلَا لَا لَكُولُ وَلَا لَا لَكُولُولُ وَلَا لِلللَّهُ لِلللَّهُ وَلَا لَا لَكُولُولُ وَلَا لَا لَكُولُولُ وَلَا لَا لَكُولُ وَلَا لَا لَكُولُ وَلَا لَا لَا لَكُولُولُ لِللْلَّهُ لِللْلِكُ لِللللَّهُ لِللْلِلْكُولُ وَلَا لَا لَا لَكُولُ وَلَا لَا لَكُولُولُ لَا لَكُولُولُ وَلَا لَا لَكُولُولُ لَا لِللْكُولُ وَلَا لَا لَا لَكُولُولُ لِلللَّهُ لِللْلِكُ لِللْكُولُ وَلَا لَا لَا لِلْكُولُ لِلللّهُ لِلْلِلْكُولُ لِللللْكُولُ لِللْلِلْكُولُ وَلَا لَا لَكُولُولُ لَا لَا لَكُولُولُكُولُ لِللللّهُ لَا لَا لَكُولُولُ لَا لَا لَكُولُولُ لَا لَكُولُولُ لَا لَكُولُ لَا لَا لَكُولُ لَا لَكُولُكُولُ لَلْكُولُ لَا لَكُولُ لَا لَكُولُ لِللْكُولُ لِللللْكُولُ لِلللْكُولُ لِللللْلِلْكُولُ لِلللْكُلُولُ لِلْكُولِلْكُولُ لَلْكُولُ لَا لَكُولُ لَا لَكُولُ لَلْكُلُولُ لَلْكُول

ا بن عباس من سے روایت ہے کہ طواف کعب کے دوران میں نبی صلی اللہ علیہ وسلم ایک انسان کے پاس سے گذرے بھے نکسیل ڈال کمرایک اور شخص طواف کمرار با تھا، پس نبی صلی اللہ علیہ وسلم نے اپنے یا تھ سسے اس کی تکمیل کا طردی اور دور سے کوچکم دیا کہ اسے یا تھ پکر کم طواف کمراؤ۔

بانبُ مَن نَدُران بَصِينًا فِي بَصِينًا فِي بَصِينَ الْمُعَالِيَ فِي بَصِينَ الْمُعَالَّى الْمُعَالَّى الْمُعَا وانتِ مِن فِيتًا لِمَدِّسُ مِن مَا دَرَةٍ مِنْ عَلَيْ مِنْ الْمُعْلِمِينَ الْمُعَالَى مَا رَبِّعْ صَلَى مَا د

THE COOR OF THE TOTAL OF THE PROPERTY OF THE P

حنیفه، ابو پیسف اورخی رحمه ایشد سکنز دیک نما ندا ورصد قه کی ادائگی اورجگبول بی جی حائز سبے . نُرفر سنے کہا کہ کاپ شروط * میں ہی ا دائلی ہوسکتی سبے وریز نہیں ۔ ابو داؤد سنے کہا کہ اسی طرح کی روایت عبدالرجمان بن عوف سنے بھی نبی صلی الشرعلیہ وسلم * سعے کی سبے ۔

٣٩٩٣ . حَكَّ نَكُ امْحَ لَكُ بُنُ كَالِي فَالَ نَا اَبُوْعَا صِوح وَ ثَنَاعَبّاسُ الْعَنَ بَرِيُ الْمُعُلَى قَالَ نَا الْمُعُلَى قَالَ الْمُعُلَى قَالَ الْمُعُلَى قَالَ الْمُعُلَى قَالَ الْمُعُلَى قَالَ الْمُعُلَى قَالَ الْمُعَلَى عُلَى اللهُ عَلَى عُمُكَ بَنِ عَبْ وِالدَّحِلِين بُسِ عَوْفِ وَعَنْكُ وقَالَ سُفَيَانَ اللهُ عَنْ عَلَى اللهُ عَلَى عُمُكَ بَنِ عَبُ وِالدَّحِلِين بُسِ عَوْفِ عَنْ رِجَالِ مِنَ عَبُ وَالدَّحِلِين بُسِ عَوْفِ عَنْ رِجَالِ مِنَ اللهُ عَلَى عُمْكَ اللهُ عَلَى عُمْكَ اللهُ عَلَى عُمْكَ اللهُ عَلَى عُمْكَ اللهُ عَلَى عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ

عمرین عبدالرحن بن عوف نے نبی صلی الله علیہ وسلم کے کئی اصحاب سے بہی صدیث دوایت کی اوراس بس بیدا صافہ ہے کہ گئی بھرنمی صلی اللہ علیہ وسلم نے فرایا : اس فرات کی تسم جس نے فراکوسی کے ساتھ بھیجااگر توبیہاں نماز پڑھ سے توبیت المقدس میں بھر سے سے کا فی بوجائیگی ۔ ابوداؤ دنے ایک اور سند سے بعبدالرحل بن عوف سے اور دسول الله علیہ وسلم کے اصحاب کی مردوں سے بہی دوایت کی ہے ۔

بالب فضاء التنازعن البيت

دمیت کی طرف سے ندر کوقضا وکرنے کا بات

٥٩٧٣ - حَكَّ نَكَ الْقَعْنَبِيُّ فَالَ فَرَاكُ عَلَى مَالِكِ عَنِ ابْنِ شِهَابِ عَثُ عَبِيمَا اللهِ عَنْ عَبِي عُبَيْدِ اللهِ بْنِ عَبُدِ اللهِ عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ عَبْاسٍ أَنَّ سَعْمَ بَنَ عُبَادُةً (سُنَفَتْ عَبُدُ دَسُولَ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْرُ وَسَلَّوَ فَالَ إِنَّ أُمِّى مَا نَتْ وَعَلِيْهَا نَذُاذَكُمْ نَفَخِهِ

فَقَالَ رُسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَتَحَوِ فَضِهِ عَنْهَا -

عبداللدمی عباس ما تسے روایت ہے کہ سعد بن عبادہ نے بی صلی اللہ علیہ وسلم سے جھ کا کو بھاکہ میری مال مرکئ ہے اوراس کے ذمترایک نندر سے جسے اس نے پور انہیں کیا تھا، پس رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم نے فرمایا، تو اس کی طون سے قضاء کر دبخاری مسلم ، تردی ، نسائی ، ابن ماجہ ،

شی بی خضور صلی النده ملید و سی اور به به به به استحبابی تفان نذرکی دو تسمیل میں ، یا تو وه بدنی عبادت کی نذر مهوگی اور
یا مانی عبادت کی بدنی عبا دت کو وارث اس کی طوف سے اوا نهیں کر سکتے کیونکہ نسائی نے سنن کبری میں ابن عباش اور
ابن عمر منسے روایت کی سے کہ کوئی کسی کی طوف سے روزہ نر رکھے اور کوئی کسی کی طوف سے نماز نر پر سطے ۔ اور اگر وہ الی
عبادت ہے اور میت نے اس کی ادائی کی وصیت نرکی تھی تو وار توں پر اسے پور اکر نا وا جب بنہ ب ۔ اگر میت و میت کر ما اندسے
تو مال میت کے تعلق میں سے اسے پوراک اور اسے گارشا فعی کا مذہب یہ ہے کہ میت کی نذر کی فار ہ لا زم می می قرص کی ما نندسے
سے بور اکر نا وار توں بر واجب سے ۔

مهرس حَكَانَكُا عَنُمُ وَثِنَ عَوْنِ قَالَ أَنَا هُنَكُرُ عَنُ إِنِي بِشَرِعَ عَنُ سَعِيْدِ بُنِ الْمُحْدَفِنَ أَنِي بِشَرِعَ عَنُ سَعِيْدِ بُنِ جُبَبِرِعِنِ الْبَحْدَفِنَ ذَنَ إِنَ نَجَّاهَا اللَّهُ أَنُ نَصُومَ اللَّهُ مَا تَتُ فَعَاءَ ثَنَ إِنْ نَجَاهَا اللَّهُ أَنُ فَا أَوْ أَنْ نَصُومَ مَعَنُهُ اللَّهُ عَلَى وَسُنَعَ وَسُلَمَ مَا تَتُ فَعَاءَ ثَنَ إِنْ نَنَهُا أَوْ أَنْ نَهَا إِلَى تُصُولِ مَنْ مَنَ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسُلَمَ وَالْمَرَهَا أَنْ تَصُومَ عَنْهَا -

ابن عباس شیعد و ایت ہے کہ ایک عورت نے بحری سفر کیا، نپس اس نے در مانی کہ اگر الشر نے اسے مسلامت رکھا ہوا کے توایک ماہ کے دونرے در کھا ہیں اس کی بیٹی یا آئی ہیں اس کی بیٹی یا آئی ہیں رسول الشرصلی المسلم کے بیاس آئی تو در میں اس کی مدیرے ابن عباس من و ابن عرص کا حوالہ گذر دیکا مزید بحث اس بہرکتا ہا العموم میں گذر دی ہے۔

میر گزری ہے۔

٣٢٩٩ - كَلَّانَكَ احْكَمُكُ بُنُ بُونُسُ قَالَ نَا نُهُنِدٌ قَالَ نَا عَبُكَ اللهِ بَنُ عَطَاءِ عَنْ عَبُواللهِ بَنِ بُرَبُ لَهُ عَنْ اَمِيْهِ بُرَبُ لَا اَنَّ إِمْرَا لَا اللهُ عَنْ عَبُواللهِ بَنَ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى عَبُولِ وَسَلَّمَ وَقَالَتُ كُنْتُ تَصَمَّلًا قَنْ عَلَى اللهُ الْوَلِيكُ الْوَلِيكُ الْوَلِيكُ الْوَلِيكُ الْوَلِيكُ اللهُ الْوَلِيكُ الْوَلِيكُ الْوَلِيكُ الْوَلِيكُ اللهُ الْوَلِيكُ الْوَلِيكُ اللهُ الْوَلِيكُ الْوَلِيكُ اللهُ اللهُ الْوَلِيكُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ الل

بُریده ننسے روایت ہے کہ ایک عورت بنی صلی التُرعلیہ وسلم کے باس آن اور بولی کہ ہیں نے اپنی ماں کوایک بونڈی بطور صدقہ (نا فلہ) دی تقی اور وہ مرگئی ہے اور اس بونڈی کو وادث میں چھوٹہ گئی ہے۔ حصنو ڈسنے فرما یا کہ تیراا جہ وا جب ہوگیا اور وہ بونڈی میراث میں تیری طوف بوٹ آئی۔ وہ بولی کہ وہ اس حال میں مری ہے کہ اس کے ذرّہ ایک ماہ کے روزہ ہیں، ک مجوراوئ حدیث احمد بن یونس نے عمروکی گرشتہ حدیث کی مانند بیان کیاد مسلم ، تر فدی، ابن ماجہ، نسائی کیرحدیث سند اور متن کے بی ظریب یہ ان مکر کہ آئی ہے اس سے قبل مہرمیں گزری ہے۔

بالب مايؤمريه من وفاء النُّذُد

دندربورى كرين كي محمكم كاباب،

عبرالتدن ورمنون عاص سے روایت ہے کہ ایک عورت نبی صلی الته علیہ وسلم کے باس آئی اور کھنے لگی: بارسول الله میں نے بدر این عقر کہ آپ سے یا سر یا سامنے دون بجاؤں گی حصور نے فرایا: اپنی نڈر پوری کررہے وہ بولی کہ میں نے فلال فلال جگہ پر جانور ذریح کررہنے نے حضور نے فرایا کی کہ کیا کی بیا کہ کیا کی بیت میں ذریح کیا کرتے ہے جعنور سے فرایا : کیا کسی وی کے لیے واس نے کہا کہ نہیں فرایا: لو اپنی ندر پوری کرے ۔

شیرح بنطآنی نے کہا کہ دف بجاناالیں چئر نہیں جے نذر کے باب میں طاعات میں سے شمار کیا جائے۔ زیادہ سے ندیادہ اسے م اسے مہاج کہا جاسکتا ہے، لیکن چونکہ حضور صلی الٹرعلیہ وسلم کی بعض غزوات سے بخیر وخوبی وسلامتی وامپی کا تعلق اس سے تھا اور اس میں کفاروم نا فقین کی نذلیل اور رنج وغم تھا ، لہذا ربعض نوافل کی مانند ہوگیا۔ بی سبب ہے کہ دف بجانام باح ہوا اور اور نکاح کے اعلان کے لیے مستحب عظہرا ۔ اور اس کی مثال حضور کا حسان نام عبد الٹریون بن رواحدا ورکوئٹ بن مالک سے تعر بڑھوا نا ہے ۔ حسان نسے توحضور سے میں بی فرق ہے کہ ورصنی کا فروں کے مدیم پر تیر بھین کا سے مستم اور و ٹن میں برفرق ہے کہ و ٹن توجاندار چیز کی شکل وصور بت کا گھڑا ہو ابت ہے اور صنی ان گھڑا ہتھی درخت و بخیرہ ۔ بعن وفعہ اس کے برعکس تھی بولاماً المَّبِيَّ الْكُونُ اللهُ عَلَى الْكُونُ اللهُ عَلَى الْكُونُ اللهُ عَلَى اللهُ الله

ٹا بت بن صنی کٹے نے کہاکہ نبی صلی الٹہ علیہ وسلم سے عہد میں ایک شخص نے یہ نذر دمانی کہ بو آنڈ کے مقام پر اونٹ ذریح کرے گا، پس وہ نبی صلی الٹہ علیہ وسلم سے پاس آیا اور کہاکہ میں نے بو اسٹری اونٹ ذرج کرنے کی نذر مانی سے بپرنبی اسٹری علیہ وسلم سنے فرمایا ، کیا وہاں پر حیا ملیت کے اوٹان میں سے کوئی وٹن تھا ہجس کی عبادت ہوتی تھی ۔ لوگوں نے کہاکہ نہیں ۔ فرمایا لمیاہ ہاں پرمشکوں کی عیدوں میں سے کوئی عید ہوتی تھی ؟ لوگوں نے کہاکہ نہیں حضود میں نے دایاکہ توانی نذر بوری کر ، کمیونکہ الشد کی نا فرمانی میں کسی نذر کا ایفا ، جائز نہیں اور ابن آ دم جس چیز کا مالک نہیں اس کی کوئی نذر نہیں دلوًا نہ سامل بحر کے قریب ایک ٹیلہ تھا ہ

باسب ماجاء في مات وعليه وسيام صامعنه وليه

ربام با بالم مسف والديروا جب روزه بوتواس كى طون سے ولى ديكھى

٣٠٠١- كُلَّا تَنْكَا مُسَكَّدٌ نَا يَخِلَى قَالَ سَمِعْتُ الْاعْشَ وَحَدَّا تَنَامُحَكَدُ الْكَالَةُ وَ الْكَا بُنُ الْعَلَاءِ نَا اَبُوْمُعَا وَيَدَّعَنِ الْاَعْمَشِ الْمُعَنَى عَن مُسَالِمِ الْبَطِيْنِ عَنْ سَعِيْدِ بُنِ جَبُبِرِعِن ابْنِ عَبَّاسٍ اَنَّ امْرَأَةً جَاءَتُ إِلَى النَّيِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوُ فَقَالَتُ إِنَّهُ كَانَ عَلَى الْمِتَهَا صَنُومَ شَهْمِ افَا قَضِيْدِ عَنْهَا فَفَالَ لَوْكَانَ عَلَى الْفَالَكُ وَكَانَ عَلَى مُمِّكِ دُبِنَ اكْنُتِ قَاضِينًا قَالَتُ نَعُمْ قَالَ فَكَانُ اللهِ أَحْتَى أَنْ يَقُضَى -

ا بن عباس سے روایت ہے کہ ایک مورت نبی ملی اللہ علیہ وسلم کے پاس آئی اور کہنے لگی کہ اس کی مال کے ذمرایک ماہ کے روزے تھے ،کیائیں اس کی طوف سے قعنا ،کروں ہوضور کرنے فر مایا کہ اگریٹری ماں پر قرصٰ ہو تا توکیا تو اسے ادا کرتی اس نے کہاکہ باں !آپ سے فرمایا کہ اور ان کی کا ذیا وہ حقدار سے دبخاتری ،مسلم ، یہ بحث گزر م کی سے کرمنفیہ کے نز دیا دلائل شرع کی کروستے اس اوائیکی سے مراد فدریز کی اوائیگی سے جوروزے کا قائم مقام ہے۔

س.سرد كَلَّانْنُ احْمَلُ بُنُ صَالِحٍ نَا أَبْنُ وَهُدِ اَخْبَرُ فِي عَمُرُ وَبُ الْحَادِثِ عَنْ عَبْدِ اللهِ بُنِ أَنِى جَعْفِي عَنْ مُحَمَّدِ بَنِ جَعْفِي بُنِ النَّرُ بَيْرِعَنْ عُرُونَ لَا عَنْ عَائِشَةَ اَنَّ التَّبِيَّ صَلَّى اللهُ عَلَيْ الله عَنْ الله عَلَيْ الله عَنْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلْمُ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلْ اللهُ عَلَيْ الْعَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَل

عاکشدد منی انٹریمنہاسے دوایت ہے کہ نبی صلی انٹرعلیہ وسلم نے فرمایا : جومرجائے اوراس کے ذمہ روزہے ہو ں تواس کا ولی اس کی طوف سے روزہ ا داکرے رمخاتری چسلم، نشبانی)

ضحے بیر حدیث سن ابی واؤد میں نمبر بر ہم پرگزرگ ہے اور وہاں اسی پرمفعس بحث ہوتی تھی۔ خطابی نے کہاکہ انو فقہ اءکا قول برے کہ اس حدیث میں دسول الٹرمسلی الٹرعلیہ وسلم نے فدسیٹے کوروزے کا بدل ہونے کی بناء پر صوم کے لفظ سے تعبیر فرمایا ہے، بینی وارث کوفلدیہ دینا ہوگا۔ اور بحد ہمین کی ایک جماعت کا یہ مذہب ہے کہ دشام عند و لیٹر کا معنیٰ یہ ہے کہ فعلِ صیام کی مباشرت اُس کا ولی کرے، بینی روزہ دیکھے۔

باسك التكأيرينكا لايميلك

٣٠٠٣٠ كَلُّا نَنْ اللّهُ اللّهُ اللهُ اله

مِنْ اَصْعَابِ النِّبِيِّ صَلَّىٰ اللَّهُ عَلَيْنِهِ وَسَلَّحَ فَالَ وَقَدُ فَالَ فِيكَا قَالَ وَإَنَامُسُلِمَ أوفال وتنه أسكنت فكتام على قال أبؤ داؤد فهنت هذا مين محتمين عِيْسِى نَادَاكُمُ يَامُحُمَّدُكُ يَامُحَمَّدُكُ قَالَ وَكَانَ النَّبِيُّ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَ مَسَلَّعُ رَحِيْمًا رُفِيقًا فَرَجَعَ إِلَيْهِ فَغَالَ مَاشَانُكَ فَالَ إِيْ مُسْلِحُ إِفَالَ كُوْفُلْتُهَا فَ آنتُ تَمُلِكُ آمُرُكَ أَفُلَحُتُ كُلُّ الْفَلَاجِ قَالَ ٱبُوْدَا وُرَثُمُّ رَبَحُقُتَ إِلَى حياثيثِ سُلَيْمُنَ قَالَ يَامُحَمَّكُ إِنَّ جَائِعٌ فَأَطْحِمْنِي إِنِّي ظَمَآنَ فَأَسْفِينَ قَالَ فَقَالَ النَّبِيُّ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّعَ هٰذِهِ خَاجَتُكَ أَوْفَالَ هٰذِهِ جَاجُتُهُ فَقَالَ فَفُودِيَ الرَّجُلُ بَعْثُ بِالرَّجُ لَيْنِ قَالَ وَحَبَسَ رَمُولُ اللهِ صَكَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ الْعَصْبَاءَ لِرَجْلِهِ قَالَ فَاعَارَا لُمُشْرِكُونَ عَلَىٰ سَرِجِ الْمَكِ يُنَافِقَا هَمُول بِالْعَضْبَاءِ فَكُمَّا ذَكُبُوا بِهَا وَاسْرُو (إِمْرَأُ لَا مِنَ الْمُسُلِمِينَ قَالَ فَكَ أَنُوا إِذَا كَانَ اللَّبُ لُ بُرِيْجُونَ إِ بَلِّهُمْ فِي أَفْنِ يَنِهِ هُ قَالَ فَنُوِّهُ مُوالَئِكَةً وَقَامَتِ أَلْمَرُأُ ثُا فجعلت كاتضع يكاهاعلى بعير الأرغاحة فأشوعل العضباء قال فاتت على نَاقَةٍ ذُلُولٍ مُجَرَّسَةٍ قَالَ فَرَكَبُنُهَا تُحَرَّجَعَلَتُ لِلْهِ عَلَيْهَا إِنْ نَجَّاهَا اللهُ كَتُحُرَّنَّهُ نَالَ فَكُمَّا قَكِ مَتِ الْهَدِايُنَةَ عُمَ فَتِ النَّافَةُ نَاقَةَ النِّجِيصَلَّى اللَّهُ عَكِيْهُ وَسُلَّحُ غَاخِيرًا لِنَبِيُّ صَلَّى اللهُ عَلِيْهِ وَسَلَّمَ بِنَالِكَ فَارْسَلَ إِلَيْهَا فَكِيمَ بِهَا وَأَخْرِيرَ بِنَنْ رِهَا فَقَالَ بِئُسُ مَا جَزَيْتِهَا أُوجَزُيْتِهَا إِنَّ اللَّهَ أَنْجَاهَا عَكَبُهَا لِتَنْ حَرَهَا لاَوَفَاءُ لِنَ ثِهَارٍ فِي مَعْصِيمَةِ اللهِ وَلَا فِي مَا لَا يُعْلِكُ ابْنُ أَدْهُ وَالْ أَبُو دُاوَدُ أَلَمُ أَةً هٰنِه إِمْرَاةَ أَبِي حَرِيا -

عمال بن محسین نے کہاکہ وفقتہا ، در حضور کا ونٹن) دراصل بی عقیل کے ایک شخص کی تھی ، اور وہ حامیوں کی تیزوفتا راوشکنیوں میں سے بھی رعمان نے کہاکہ وہ شخص گرفتار ہوگیا اور اُسے با ندھ کر رسول الٹرصلی الشدعلیہ وسلم کے پاس لایا گیااورنی صلی التلہ فی

عليه وسلمانک نمدسے واپے گدسھے پرسوار سنھے ۔ بس وہ شخص بولا:ا سے محمد اتو شھےاور چا جیوں کی تنز رفتا راونٹلی کوکیوں گرف كرتا سبع بحصنور بنے فوایا بهم بتھے تیرسے حلیف بنی ٹھیفٹ سے گناہ میں پکٹر تے ہیں یوان منے کہا کہ تھیفٹ نے دسول انڈھیال عليه وسلم كے اصحاب مي سے دومرو وں كوكر فتاركر ليا تقاعم ان شف كه أكد اس فتحص ف باتوں باتوں مي كه كر مين مسلم بور، يايهكماكرين إسلام لاجكامول يس حب رسول الشرصلي الشعليدوسلم آسك كزريك ، ابوداؤد ف كهاكريس في محد سعيل س سمجها، توأس شخص سفي بكاد كركها: است محدًا استعمد ، عمان شف كهاكر رسول الشرصلي الشدعليدوسلم رخم دل ا ورزم مزاج سقي ، پس أي والبس تشريف لاست اورفرما يا كيابات سے ؟ أس سن كهاكه من مسلم مول حصول في فرمايا: اگرتويربات اس وقت كه تاجب توا بینے معاصلے کا نود مالک عاتو کو ری فلاح پالیتا ،ابوداؤد سے کہاکہ میں بھرسلیمان کی صدیث کی طرف نوٹتا ہوں، مس نے کہا سے محديث بعوكا بول جهكما ناكعلاؤ يس بياسا بول فجه ما في بلاؤ يعران شف كهاكداس بدنبي متى الله عليه وسلم نف فرما ياكرير تبري منرورت ہے، یا قرما یاکر بیرمنرورت ہے دنس اس کی صرورت بوری کی گئی ہمران رہ کے کہا کہ اس کے بعد وہ شخص ان دومردوں کے مقاسیلے میں بعیجاگیا وررسول الشرصلی الشرعلیه وسلم نے عضها رکو انی مواری کے سیدر کھ لیا ، عران دسنے کہا کری مشرکوں نے مدین ک با سرحرہنے واسے مانوروں میرغارت ڈالی تو وع ھنٹا ، کو بھی ہے گئے ۔ بس حب وہ اس کو سے سکٹے اورمسلمانوں میں سے ایک عورت کوگرفتار ر کے بے گئے ،عمران نے کہاکہ جب رات ہم و تی تو وہ خا زنگرا بنے اونٹوں کو اپنے صحنوں میں بٹھاتے تھے ۔عمران سے کہاکہ بجرایک رات کوامنین خوب منید آئی وروه عورت اعلی اور اینا با تق حس اونٹ پر بھی رکھتی وہ بلبلا اٹھتا، حتی کروہ عضب کے پاس آئ عران نے کہاکرس وہ ایک مطبع آزمود وا دنٹنی مرائ مقی عمران نے کہاکر بھروہ اس برسوار سو کئ اور الشد کے بیے نذر مانی کماگرنگےسے نجات دے گاتووہ اسے ذبح کرے گی۔ وال دشنے کہا کہ جب وہ مدینہ میں آئی تواس وننٹی کو پہچان لیا گیاکہ وہ نبی صلی الٹریلیہ وسلم کوخبردی گئی، حضور مسنے اس موریت کو بلا بھیجاا وراسے لایاگیاا وراس سنے اپنی ندرتبائی ساس نرچنفوڈ فر ما پاکداس عورت نے، ماتو نے سے بہت ہرا بدلہ د ہاکہ اگرا نشداستے نجات دسے گا تو وہ اسے فربح کمر دسے گی۔انٹدی نازماتی میں تمی نذر کو بچدانہیں کیا جاتاا ورنداس میں کرجس میں آدمی اس جیز کا مالک ہی نہیں۔ ابودا ورد نے کہا کہ برعورت ابو ذر کی بوی متى - دمسلم، نسائى الترمذى ابن ماجرابعن نے يورى حديث اور تبعن نے اس كے بعض عصتے روايت كئے ـ شرح: اس غورت کی برند دمعصیت بھی تقی اور بخیر مملوکر میز میں بھی تقی المذابید ندر باطل تقی اس مدریث میں بداشکال سے کہ حصنورصلی الشعليدوسلم نے أس قيدي كا ظهاراسلام كے باوجوداسے دواصحاب كے ورسيے سے ١٠ را كفرىس كبور مبيا ؟ نو دی میے اس کا برجواب دیا کہ اگر دارا لکفر میں اس کا خاندان توی مقالواس میں کوئی اشکال نہیں کیونکہ وہ ان سکے باعد بمى مسلم كى حيثيت بسے رە مىكتا تھا گويا دوسرا فائده ہواكردواصحاب بھى سرا ہوسكے اور پیخض اگر مخلص مسلمان ہوگیا تھا تو ا يك ا ورمسلهان كااضا فه موكيا مولانات فرماً يأكه رسول الشرصلي النه عليه وسلم كااس شخص كوجواب ظام كرتراسي كروه ول سيمسلمان نه بواتها، نغاق سے كام كے رہا تفاً اور قيد وصب سي بجنا جا بتا تفا رير جبر حضولاً كو بندر بعدُ وحى معلوم بهوگئى نقى،اس بيے اُسے فدسیے ہیں روا نہ کیا گیا۔نیکن اب کوئی الیہ انہیں کرسکتا کیونکہ رساکت ووحی کا اختتام ہوجے کا۔ خطابی شنے کہا ہے کہ بی عقیل میں اور ثقیف میں عہدتھا، ثقیف نے مسلمانوں کو نقصان ہیجایا اور ابی عفیل اس بیہ رامني مقد لنذا وه من حرّ بي موسف اس بنايدرسول المدمسلي الله عليم من اسعقيلي كويرواب ديا تعاكم ، توابي عليف الع ك كتاه مي عبوس موا ب مابو ورم كرموى اكيلي كي دشن كي قيد سے عبال أن عتى ييسفروا حب عامودين في كرا، باس

(باع حب نے اپنے ال کے صدیقے کی نذر کی)

٥٠٣٥ - كَلَّانَكُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ وَ وَ وَ النَّالَةِ وَالْنَا النَّارَةِ فَالاَنَا النَّا وَهُبِ فَالْ الْخُبُرِ فَا يُحْبَرُ فِي اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهُ وَ اللَّهُ وَ اللَّهُ وَ اللَّهُ وَ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ وَ اللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَ اللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَالْمُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ اللَّهُ وَاللَّهُ اللَّهُ وَاللَّهُ اللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ اللَّهُ وَاللَّهُ اللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ اللَّهُ وَاللَّهُ اللَّهُ وَاللَّهُ اللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ اللَّهُ وَاللَّهُ اللَّهُ وَاللَّهُ اللَّهُ وَاللَّهُ اللَّهُ وَاللَّهُ اللَّهُ وَاللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ وَاللَّهُ اللَّهُ وَاللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ وَاللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ وَاللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ وَاللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللللَّهُ الللللللَّهُ اللللللْمُ الللَّهُ الللللْمُ اللَّهُ

٣٠٠٩ كَلَّاثُنَامُحَمَّدُهُ بُنُ يَجُهٰى فَالَ نَاحَسُنُ بُنُ الرَّبِيْحِ قَالَ ثَنَا ابُنُ إِدْرِيْسَ قَالَ قَالَ ابْنُ إِسْحَانَ حَمَّاتَ فِي الزَّهُمُ كُنَّ عَبْ مِا لِرَّحُمْنِ بِنِ عَبْ الرَّهُمُ ا اللهِ بُنِ كَغِيب عَنْ أَبِيْهِ عَنْ جَبِّهٖ فِيْ فِصَّنِهٖ فَالْ قُلْتُ يَارَسُولَ اللهِ إِنَّ اللهِ إِنَّ اللهِ مِنُ تَوْبَتِيُ إِلَى اللهِ إَنَّ أَخُرُجُ مِنْ مَالِى كُلِّهِ إِلَى اللهِ وَإِلَى رَسُولِهِ صَلَّا ظَنَّهُ قَالَ لَا قُلْتُ فِيْضَافَةً قَالَ لَا قُلْتُ فَكُلْتُهُ فَالَ نَصَمُ فَلْكُ فَالِيَّ مِنَا مِنْ مَسِكُ سَهُمِنِي

کمیٹ نے بی توبہ کے تقتیم کہ کرمی نے کہایارسول الٹرمیری پوری اور کامل توبہ الٹد کے حضور بیرسے کرمیں الٹداور اس کے رسول کی فیا طاب نیا مال صدقہ کرتے ہوئے اس سے وست بر دار بہوجا کرں۔ آپ نے فرمایا: ہنیں دایسامت کرہیں نے کماکہ میرنصف مائی، فرمایا نہیں، میں نے کہاکہ تمیہ احت، فرمایا کہ ہاں. میں نے کہاکہ میں ابنا خیبر کا حصتہ روک بول گا۔

م ٣٣٠٠ . حَكَّا نَنْ اَحْمَدُ بُنْ صَالِحٍ نَا ابْنُ وَهُبِ اَخُبَرُ فِي بُنُونُسُ عَنِ الْبِنَ وَهُبِ اَخُبَرُ فِي بُنُونُسُ عَنِ الْبِنَ وَهُبِ اَخُبَرُ فِي بُنُونُسُ وَلِ اللَّهِ فَهَا إِللَّهِ فَالَ لِرَسُولِ اللَّهِ فَهَا إِللَّهُ فَالَ لِرَسُولِ اللَّهُ فَالَ لِرَسُولِ اللَّهُ فَالَ لِرَسُولِ اللَّهُ فَاللَّهُ وَاللَّهُ فَاللَّهُ فَالَاللَّهُ فَاللَّهُ فَا لَا لَا اللَّهُ فَاللَّهُ فَاللَّهُ فَاللَّهُ فَاللَّهُ فَاللَّهُ فَاللِّهُ فَاللَّهُ فَالْ لَلْمُ لَلْمُ لَلْمُ لَلللْمُ فَاللَّهُ فَاللَّهُ فَاللَّهُ لَلْمُلْكُولُولُ الللللَّهُ فَاللَّهُ لَلْمُ لَلِكُولُ لَلْمُ لَلْمُ لَلِكُولُولُ اللَّه

٨٠٠٧٣ . حَكَمَا فَكُنَّا عُبَيْكُ اللهِ بَنْ عُبَرَنَا اللهُ عَبَانُ ثَنْ عُيبَنَدَ عَنِ الزَّهُمِ تِ عَنِ أَبِنِ كَوَبِ بَنِ مَالِكِ عَنْ إَبِيْمِ اتَّهُ قَالَ لِلنَّبِي صَلَّى اللهُ عَكَيْرُوسَكُو اَ وُ اَبُولُكِ اَبَّهُ اللهُ عَكِيرُوسَكُو اَ وُ اَبُولُكِ اَبَّهُ اللهُ عَكِيرُوسَكُو اَ وَ اَبُولُكِ اَبَّهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْمُ وَسَلَّوْ اللهُ اللهُ

کعب بن ما لکٹنے سے روایت سے کہ اُس نے بی صلی انٹرعلیہ وسلم سے کہا، یا ابو دبابرد نے کہا، یا کسی اور نے جے الٹ سنے چا یا کہا کہ، میری تو برکا تمہ بہہ ہے کہ اپنی قوم کا محلہ جس میں مجہسے گنا ہرز د بردا، جبو اُرجا وُں اورانیا سالہ مالہ صد قرکر کے اس سے دست بر دار بہوجا وُں جعنو داسنے فرمایا کہ : تیرے لیے میرا حمتہ کا فی ہے ۔

٩٠٣٠. كَلَّانَّنَا مُحَمَّدُ بُنُ الْمُتَوَجِّلِ نَاعَبُ الدِّنَّ اِنَ اَنَامَعُ مَنَ عَنِ الرَّهُمِ يَ اَخْتُ الْمُعَمَّدُ عَنِ الرَّهُمِ يَ اَخْتُرَ فِي اَبْنَ اَنُكُ مُعْتَ الْهُ وَ الزَّهُمُ يَ الْمُعْتَ الْهُ وَ الدَّيْمُ عَنِ ابْنِ فِيهَا بِعَنْ الْمُعْتَ الْهُ وَ الْمُؤْدُولُ الْمُؤْدُولُ الْمُؤْدُولُ الْمُؤْدُولُ الدَّيْسُ عَنِ ابْنِ فِيهَا بِ عَنْ الْمُعْنِ الْمُؤْدُولُ الدَّيْسُ الدَّيْسُ عَنِ الدَّيْسُ اللَّهُ الدَّيْسُ اللَّهُ الدَّيْسُ اللَّهُ الدَّيْسُ الدَّيْسُ اللَّهُ الدَّيْسُ اللَّهُ الدَّيْسُ اللَّهُ اللَّهُ الدَّيْسُ اللَّهُ الدَّيْسُ اللَّهُ الدَّيْسُ اللَّهُ الدَّيْسُ اللَّهُ الدَّيْسُ اللَّهُ الدَّيْسُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُعْلَى اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُعْلِمُ اللْهُ الْمُعْمُ اللَّهُ الْمُعْلِمُ اللَّهُ اللْهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُعْتَى الْمُعْتَى الْمُعْتَى اللَّهُ اللْهُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُعْلِمُ اللْهُ الْمُعْتَى اللْهُ الْمُعْلِمُ اللَّهُ الْمُعْلِمُ اللْمُعْلِمُ اللْمُعْلِيلُولُ اللْمُعْلِمُ اللْمُعْلِمُ اللْمُعْلِمُ اللْمُعْلِمُ اللْمُعْلِمُ الْمُعْلِمُ الْمُعْلِمُ اللْمُعْلِمُ اللْمُعْلِمُ اللْمُعْلِمُ الْمُعْلِمُ الْمُعْلِمُ الْمُعْلِمُ الْمُعْلِمُ الْمُعْلِمُ اللْمُعْلِمُ الْمُعْلِمُ الْمُعْلِمُ الْمُعْلَمُ الْمُعْلِمُ اللْمُعْلِمُ اللْمُعْلَمُ الْمُعْلِمُ الْمُعْلِمُ الْمُعْلِمُ الْمُعْلِمُ اللْمُعْلِمُ الْمُعْلَمُ الْمُعْلِمُ الْمُعْلِمُ الْمُعْلِمُ الْمُعْلَمُ الْمُعْلِمُ الْمُعْلَمُ الْمُعْلَمُ اللْمُعْلِمُ الْمُعْلَمُ الْمُ

السَّائِب بُنِ أَنِى كُبَا بُرُّونُكُهُ-

ا بن کوب بن مالک۔ دونسے کہاکریرتھترا ہولبابردہ کا تقا۔ابوداؤ دسنے دوسندوں سے اسے ابن ابی لبابردج سے اوپرکی ما نندروا بیت کیا ۔

بالب تُنُوالْجَاهِلِبَّنْ فَعُلَادُى كَ الْاسْلَامَ

دبات زماد ما بليت في ندركواسلام مي بوراكرنا)

، ١٣ ٣ - حَكَّا ثَنَا اَحْمَدُ انْ كَنْبَلِ قَالَ نَا يَجْيِى عَنْ عُبَبْ وِاللَّهِ قَالَ كَدَثَنِى اللهِ قَالَ مَدُنِى اللهِ اللهِ قَالَ مَا وَهُ عَلَا أَنْ اللهِ اللهِ إِنْ نَنَ دُتُ فِي الْجَاهِلِيَّةُ مِنَ اللهُ اللهِ إِنْ نَنَ دُتُ فِي الْجَاهِلِيَّةُ مِنَا اللهِ إِنْ نَنَ دُتُ فِي الْجَاهِلِيَّةُ مِنَا اللهُ اللهِ النَّيِّى صَلَى اللهُ عَلَيْمُ وَسَلَّمَ اللهُ عَتَكِف فِي الْمُعَلِيْرُوسَلُمَ اللهُ عَلَيْمُ وَسَلَّمَ اللهُ عَلَيْمُ وَسَلَمَ اللهُ عَلَيْمُ وَسَلَّمَ اللهُ عَلَيْمُ وَاللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْمُ وَاللّهُ اللهُ عَلَيْمُ وَاللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْمُ وَاللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْمُ وَاللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْمُ وَاللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّه

حصرت عردمنی الندی ندسے دوایت ہے کہ انہوں نے کہا : یا رسول الندمیں زمان میا بلیت میں نذرکی تھی کہ مجدِحرام میں ایک دات کا اعتکان کروں گا ، بس نبی صلی الندعلیہ وسلم نے عراض سے فرمایا : اپنی نذر بچدری کمر دسسن ابی وا وُونم نبر ۲۰۱۰ ، بخاری مسلم تر مذی ، نسا ڈی ، اوبر یاب الاعتکاف میں اس مرگفتگوہو حکی ہے ۔

با ديم من نه الماكرة الموليسية المو

٣٣١١. حَكَّانُكُ هَا رُوُنُ بُنُ عَبَادِ الْازْدِيُّ فَالْ نَا اَبُوْبَكِيْ يَغْنِ ا بُنَ عَبَاشٍ عَنُ مَكَ مُكَ مَكُمَ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَوَ كَفَّارَةُ النَّفُ نَادِ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَوَ كَفَّارَةُ النَّفُ نَادِ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَوَ كَفَّارَةُ النَّفُ نَادِ

کُفّاً دُفَّا الْکِمِیْنِ -مُعْیِن عامِرِ نِنْ کماکدیسول النصلی الله علیہ وسلم نے فرمایا : نذر کاکفارہ بھی قیم کاکفارہ سپے دسلم ، نسائی، ترمنری ہے مفظیمی : گفّا کرنڈ کارڈ الکو کیسکم ، کی عبارت سے جس میں اس نذر کے غیرمسٹی ہونے کی صراحت ہے ۔ اس کی صورت یہ سے گرمٹلاً ہوں کیے: اللہ کی طرف سے میرے ذمتہ نذریہ ہے .

occorrection of the contraction of the contraction

٣٣١٢ حُكُلُ الْمُنْ الْمُحَدِّدُ اللهُ عَوْبِ اَنَّ سَعِيْ لَهُ الْحَكَوِ حَدَّا ثَهُ مُوفَالَ اَخْبَرَنَا يَخ يَخِيى يَغْنِي ابْنَ الْيُوبِ قَالَ حَدَّ ثَنِي كَعْبُ بْنُ عَلْظَدَرُ النَّهُ سَسِمَ ابْنَ شَكَاسَة عَنُ أَبِي الْنَحْ يُرِعَنُ عُقْبَة بْنِ عَامِرِعِنِ النَّبِي صَلَى اللَّهُ عَلَيْ لِهِ وَسَلَحَ مِثْ لَهُ:

ایک اودسندسے عقبہ بن عام دم سے ہی دوایت ہے۔

كاب كَوْلِلْكِمِينِ

دىمىن لغوكاباك)

ساسس حكماً النك كمينك بن مسعاة في التفوفي الميمين فال فالت عائمة في التفوفي الميمين فال فالت عائمة في التفوفي الميمين فال فالت عائمة أن رسول المرود الله ويساع في التفوفي الميمين فال فالت عائمة في التفوف التي التفول الله عكر الته على الته ويساع فالكو كالم التركيل في بميته كلا والله و بن والله و التي والته والته و التي والته والته و التي والتي و

مین تعنو کے متعلق حضرت عائشہ رصی الٹری نہائے فرما یا کر جناب رسول الٹھی الٹرعلیہ وسلم سنے فرمایا : وہ آدمی کا اسپنے گھر میں کلام سبے : کُلَّ وائلّهِ ، سَلی وائلّهِ ۔ ابوداؤ دسنے دا وئ حدیث ابراہیم العمالی مالے مرد تقا، ابومسلم سنے اسے فرندیں میں قتل کیا تقا۔ اور وہ جب میٹوٹرا ان تا اور ا ذان کی آواز سن بیتا تو اسے چوڑ دیتا تقا۔ ابو داؤ دسنے کہا کہ اس حدیث و داؤ د بن ابی الغرات نے ابراہیم العمالی سے حضرت عائشہ دم ہموقون روایت کیا۔ اسی طرح زہری، عبد الملک بن ابی سلم، مالک بن مِعْوُل ان سب نے اس کوعطا، سے حضرت عائشہ دم ہموقون روایت کیا ہے رایعنی بات چیت میں یونہی بطور عا دت والٹ داوالٹ کہ دینا تعنوتم سے اس سے کی نہیں ہوتا)

بَافِئُ فِيمَنْ حَلَفَ عَلَىٰ طَعَامِ لِا يَا كُلَّهُ

وج معض كى كما نے كم تعلق قىم كھاسے كماسينسي كھاسے گاس كا باكب

١٣٣٨ - حَكَّا ثَنَا مُحُولِ بُنُ هِ شَامِ قَالَ حَتَا ثَنَا اِسْمَاعِهُ لُ عَنِ الْجُدَيْرِي عَنَ الْمُحَلِمُ اللهَ عَنُهُ عَنْ عَبُوا لِتَحْلِمِ الْرَحُلِمِ الْمَاعِيُ لُكُمْ قَالَ لَالْمُ عَلَى اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ ا

تعبدالرجمان بن ابی بکررہ و اللہ عنہا نے کہاکہ ہمارے ہاں کچے مہمان آگئے اورابو بکررہ وات کورسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم کے پاس بات چیت کیا کہ رہے تھے ہیں انہوں نے کہاکہ میں تیرے باس وابس نز آؤل جب نک کہ تو ان کی ضیا فت اور مہما نی سے فارغ نہ ہوئے ہے کہاکہ بن الرجم ان کے باس کھا نالا یا تو انہوں نے کہاکہ جب نک ابو بکرون نمائیں گے ہم کھا نا گھروالوں نے کہاکہ بنیں ۔ میں نے کہاکہ میں کھانا نے کہ گیا تھا مگر انہوں نے انکار کیا اور کہاکہ جب تھا ہوئے اور الوں نے کہاکہ بنیں ۔ میں نے کہاکہ میں کھائیں گے مہمانوں نے کہاکہ اس کھانا نے کہ گیا تھا مگر انہوں نے انکار کیا اور کہاکہ جب تھا ہوئے ہوئے اور الوں نے کہاکہ اس نے بیے کہا ، یہ ہما دے پاس کھانا کیا تھا مگر ہم نے می انکار کر دیا تھا جب تک کہ آب نہ آئی سے احترام و اکرام نے روکا ۔ ابو کم بھر نے کہاکہ سلمانوں نے کہا : جب تک آب نہ کھائیں ہم بھی نہ کھائیں سے ۔ میں آج دات اسے نہیں جکھوں گام بدالرجی نے کہاکہ سلمانوں نے کہا : جب تک آب نہ کھائیں ہم بھی نہ کھائیں سے ۔ میں آج دات اسے نہیں جکھوں گام بدالرجی نے کہاکہ سلمانوں نے کہا : جب تک آب نہ کھائیں ہم بھی نہ کھائیں سے ۔

الْجَرَبُرِيَ عَنَ إِنِي عَثْمَانَ عَنْ عَلَيْ عَلَيْ الْتُحَدِّن بَنِ إِنَى بَصَحَرِ مِهْ اَ الْحَدِيْثِ الْ نَحُوَةُ نَمَا كَ عَنُ سَالِمٍ فِي حَدِّ بَيْهِ قَالَ وَكُمْ مَيْلُغُ فِي كَفَّا لَهُ * عبدالرَّن بنا به بهرفن الله عنها سے ایک اور سند کے سات وہی مدیث اس مدیث میں یہ لفظ زائد سے کہ:

عبدالرجن بن اب بمردینی النرعنها سے ایک اور دند کے سات وہی حدیث اس حدیث میں یہ لفظ زائد سے کہ: سالم داوی نے کہا مجھے اس حدیث میں کفارسے کا کوئی ذکر نہیں بنجا دلقول مولانان اگر میری ریٹ کفارہ کا حکم آنے سے بہلے کی نہیں ہے توزیا وہ سے زیا وہ یہ ہے کہ اس ہیں کفار سے کا ذکر نہیں آیا ۔ ذکر ندا اناعدم کولازم نہیں کرتا کمفارہ مین توقران جمید سے تابت ہو چکا ہے

بَانِسُ الْبَهِينِ فِي قَطِيعَ فِي الرَّحْدِهِ دقطِ رحى بن تم كابات

٣ ١٣٣ . كَمُّ الْكُنْ الْمُعَمَّدُانُ الْمِنْهَ إلِ قَالَ نَا يَزِيْ لُنُ نُ الْمُعَلِّمِ قَالَ نَا خِيبُ الْمُعَلِّمِ الْمُعَلِّمِ الْمُعَلِّمِ الْمُعَلِّمِ الْمُعَلِمِ الْمُعْلَمِ اللَّهِ الْمُعْلَمِ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ الْمُلْكِمُ الللَّهُ الْمُلْكِمُ اللَّهُ الْمُلْكُ اللْمُلْكُ اللْمُلْكُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُلْكُمُ اللْمُلْكُ اللْمُلُكُ اللْمُلْكُ اللْمُلْكُ اللَّهُ اللْمُلْكُمُ اللْمُلْكُمُ اللْمُلْكُمُ اللْمُلْكُمُ اللْمُلْكُمُ اللْمُلْكُمُ اللْمُلْكُمُ اللَّهُ اللْمُلْكُمُ الللْمُلْكُمُ الللْمُلْكُمُ اللْمُلْكُمُ اللْمُلْكُمُ اللْمُلْكُمُ اللْمُلْكُمُ اللْمُلْكُمُ الللْمُلْكُمُ اللَّهُ الللْمُلْكُمُ الللْمُلْكُمُ الْمُلْكُمُ الللْمُلْكُمُ الْمُ

سعيدبن المسيديم سعدوايت سي كردوا نصارى عبائيون مي ميراث كامعالمه خاما يك نے دوسرے سے تقسيم كامطالبہ

گیاتودومراپولا:اگرتونے پھر تقیم کاسوال کیا تومیار مالا مال کعبہ کے دروانہ میں ہے۔ پس حضرت عریز نے اس سے ذمایا: کعبہ سے سے مال سے بے بناز ہے۔ توابی قیم کا کقارہ دے دے اور اپنے بھائی سے کلام کر سے بیں سے دسول النہ صلی الشرعلیہ بھر سے برخات کی مالا کہ بیاں بھر چیز کا تو مالک نہیں، ان میں تجیم پر نہ تم سے نہ نذر ۔
میں حدید بعنوں علامہ خطابی رتاج کا معنی دروانہ ہے مگر بیاں بعور عا درہ اس سے مراد کعبہ کے افرا جات کی نذر ہے ۔
میں حدیث سے معلوم ہواکہ نذر جب بطور علف ہوتو اس کا کفارہ تم مبیا ہوگا، بیتوں ننا فعی، احمد اور اسحاق کا ہے بحضرت عالمت نام میں بھری اور مالا میں بھر نہیں ہوگا مالات نے کہا کہ یا مال دین پڑے کا ابوضیفہ دو اور ان کے اصحاب کا تول ہے کہاں ۔
میں اس قیم کے کلام میں کچھ نہیں ہوگا ، مالک نے مذہبی ہمکا ان اور بافور سب اس سے سندی ہیں ۔
سے دہ مال مراد ہوگا جس میں ترکو ترائے ، زدم بن ہمکا ان گھر کا ساز و سامان اور جافور سب اس سے سندی ہیں ۔

بالب الحالف بسننتني بعداما بتكاثم

١٣١٧- كَلَّ الْكُوكِيْ الْمُوكِيْ الْكُوكِيْ الْكَوْلِيْ الْكَوْلِيْ الْكَوْلِيْ الْكَوْلُولُ اللّهِ عَنْ الْمُدِينِ الْمُدِينِ الْمُدِينِ الْمُدِينِ الْمُدِينِ الْمُدِينِ اللّهِ عَنْ اللّهِ وَاللّهِ وَاللّهُ وَالْمُ وَاللّهُ وَاللّهُ

منسي الم خطابي في الماس مديث مين بدوليل بي كراس قسم كالسنتنا وكرشته تمام كلام كم متعلق موتا مي الوحنيفي

إوران كے اصحاب نے كها سے كرجب كسى شخص نے علف ميں الله كانام ميااور جج اور عروكا ذكر كيا، بھراستشناركيا توبه كرست سب چيزو ك متعلق بوكا ابن امير الحاج شف كما م كماستثناء من مستثنى منه كساتق اس كا تصال جمام بيرعاما وك نزديك شرط ب مگرسانس لینے، کھانسی، چھینک، ڈکاریا جائی کے لیے اگر رکا تو حرج نہیں ۔ ابن عباس مع کے نز دیک استثناء اور سنتی مذ مين ايك ماه ما سال كافاصله تقبي حائمة سيء مكن اس كامطلب بيراميا كياسي كراست نتنا بنيت مي مهوا ور لفظ مين مرموة ويجريدهم ہے كرىجدىن اسے نفطاً كمدوسے .اوراس صورت ميں معامله الله تعاسلے كريروم و كاكر آياستناء كى نيت بھى يا را مقى وغزالى نے کہاکہ اب عباس رم سے بیر سلم فلط نقل ہوا سے کیونکہ یہ ان سے لائق نئیں ۔ اس صورت میں توسر شخص نکاح ، طلاق ہمتا تی عقد بیع وشراد، سے جھوٹ وغیرہ مرحیز میں استثناء کی نیت کے اس وقت ہونے کا بعدمیں وعویٰ کرسکتا ہے اورشرع کا سارا نظام ہی بخش ہوجائے گا ،ابوجھ منصور نے امام ابوحنی فرکو اس بات پریوتا ب کیا کرآپ مسٹدا سستنا ہیں میرکے وا دابن عباس ِ من می مخالفت کیول کرتے ہیں ؟ امام نے فزمایا : کیاتم اس پر را صنی ہو کہتم سے بیت کرنے واسے باہرجاک ا نشاءا لٹند کہدیس اور بعیت سے گلو خلاصی کرایس؟منصور نے اس بات کوستحسن سجیا ۔

ورس حل نَكُ مُحَمَّدُ اللَّهُ الْعَلاءِ فَالَ أَخُبُرُ نَا ابْنُ بِنَيْرِعَنْ مِسْعَرِ بُنِ سِمَالِكِ عَنْ عِكْرِمَ تَرَمَ فَعَهُ قَالَ وَاللَّهِ لَاعَنُرُونَ قَعْرُ يُشَّا ثُعَّ فَالَانَ شاءً اللهُ تُكْثَرُفُ الدُولِيَّةِ لِكُفَّرُونَ قَصْرَبَيْثًا إِنْ شَاءَ اللهُ تِعَالَىٰ مُحَرَّفًا لَ وَاللَّهِ لَكُفَّرُونَ قَصْرَ لُينَا لِهُ مَ سَحَتَ تُحَقِّقًالَ إِنْ شَاءَ اللَّهُ قَالَ اَبُودا وَد زَا < فِينْ رِ ٱلْوَلِيْ كُانُكُ مُسْلِعِ عَنْ شَرِيْكِ ثُرَّكُ كُورَيْ فُرُكُمُ مُرِد

عكرمه نے اس حدمیث كوم فوع كيا كرحفنورصلى النندعليه وسلم نے فرما يا : و الند ميں قرميش سے بالضرور حبنگ كرون بير فرمايا انشار الله بهرفرمايا والله قريق كيم سالة بالصرور فبنك كرون كاانشاء الله تفالى بهرفرما ماكه واللين قریش کے ساتھ صرورہی جنگ کر کوں، پھر خاموتش ہو گئے ۔ بھر فر مایا: انشاء اللہ واليد بن مسلم نے اس مي آيرا صنا فركياكم : پيراَتْ سنهان سيع جنگ رنز کي .

شورج بخطابی نے کہاکم عامر امل علم اس سلم میں ابن عباس مے اور ان سے اصحاب سے تعلامت میں بھو کداگر ان کی بات ماتی فی مائے تو کسی رحلف کا کفار مکسی صورت میں نہ آئے گاجا لائکہ کفارہ کا حکم حضورًا سے تابت سے مولانا نے فرما یا کداوی ولبيد بن مسلم كافخول بظام وغلط سيميونك مصنورً انت فتح مكترمي قريش بير حيط هائ كي تقى معديث ميس جنگ كاكوئي وقت متعين نبي كياكيا عالهذا يعلف إنكل صحح بوئى عصف محدثين في اس حديث كمرسل مون كونزج وى مع يوما نظاذ ملعى في ا سے نصب الرایہ میں مندوم سل دوانوں طرح سے بیان کیا ہے۔

٣٣٢٠ حَكَّانَكُ الْمُنْ فِي ثِنْ الْوَلِيْ فِأَلْ فَالْ فَاعَبُ كَاللَّهِ بْنُ بَكِيرِفَالْ حَتَّانَكُ عُبَبُكُ اللهِ بُنُ الْكِخْسِ عَنْ عَبُرِو بَنِ شَعْبَيْبِ عَنْ إَبِبُهِ عَنْ جَلِّم قَالَ قَالَ

ڒۺؙۏڷؙ١٣ الله عَنْ الله عَكَيْ وَسَلَّوَلانَ أَهُ رَقَلاَ يَبِيْنِ فِيهُ مَا لا يَمُلِكُ أَبُنُ ادَمَرُ وَلا فِي مَعُصِيَةِ اللهِ وَلا فِي قَطِيعَةِ رَحِجٍ وَمَنْ حَلَفَ عَلى يَبِيْنِ فَراى عَنْ هَا خَنْ يَلْ مِنْهَا وَلْيَكَ مُعَا وَلْيَأْتِ الَّذِي هُوَ خَيْرٌ فَإِنَّ تَرَكَهَا كَفَا رَثُهَا -

عبداللد بن مروبن عاص نے کماکہ رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم نے قرایا ہوئی ندر نہیں اور کوئی قیم نہیں ان چیزول می جن کا ابن آوم مالک نہ ہو، اور رہزاللہ کی نا فرمانی ہی، اور در قطع رحی میں۔ اور جب نے کسی بات ہوتم کھائی اور اس کے علاوہ دوسری چیز کواس سے بہتر دیکھا تودہ اُسے ترک کر دے اور بہتر کوا ختیا دکر سے کیو تکہ اس کا ترک اس کا کفارہ ہے۔ دنسائی۔ منذری کے بقول عبد اللہ رہ بن عروکی یہ حدیث نابت نہیں اور اس مضمون کی ابوسر رہے ، رہ کی حدیث بھی عنہ ر

شرح: ئىچھىڭئىاھادىيە مىياس صورت بەشلەمىي كفارە كاحكم گزرچكا سېرا ورىيى دىرىن ان كىنملات سېر،اس ليے سەتىرىن شارىيىن شارىيىن ئىرىرى

ببیقی نے اے عنیر ٹابت کہاہے۔

كالمسمن نكام كن الأيطيقة

دحس چېزى طاقت سامواس كى ندر كا بات،

ا اس - حك نشا جَعْفُرُيْنَ مُسَافِر الْتَبَيْرِينَ عَنِ ابْنِ ابِي فَكَايُكِ قَالَ حَلَى ابْنِ ابِي فَكَايُكِ قَالَ حَلَى الْهِ اللهِ اللهُ عَنْ اللهِ عَنِ ابْنِ عَبَاسِ اَنَّ رَسُولَ اللهِ مِنْ اللهُ عَلَيْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنَى اللهِ عَنَى اللهِ عَنْ اللهُ عَلَيْ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ عَنْ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ

ا بن عباس رہ سے روایت ہے کہ رسول النہ صلی النہ علیہ وسلم نے فرمایا بجن شخص نے کوئی عیر سٹی نذر مانی تواس کا کفارہ قیم جیسا ہے۔اور جس نے نافر مانی کی نذر کی تواس کا کفارہ قیم کے کفار سے جیدا سے اور جس نے ایسی چیز کی نذر کی جس ک اسے ملاقت نہیں تواس کا کفارہ قیم سے کفار سے جیسا ہیں۔ اور جس نے ایسی نذر مانی حس کی اسے طاقت ہے تواسے پورا

LOGIO POR LOGIO POR LA COMPANSIO POR LA COMPANSIO POR LA COMPANSIO POR LA COMPANSIONA DE LA COMPANSIONA DEL COMPANSIONA DEL COMPANSIONA DE LA COMPANSIONA DEL COMPANSIONA D

بكتاب الآليان والتشند تمام بيُو ئ إ

المعرادة التحارات المعرادات المعروب موج والحجارات المعروب موج والحجارات المعروب موج والحجارات المعروب موج معربي المعروب المعر

بَابِ فِي النِّجَارَةِ يُخَالِطُهَا الْحُلْفُ وَ اللَّغُو

وتحارت كاباب اولاس من علعت اور لغوطا مرابوتا ع

مِهِ مِهِ مَهِ مَكُانَكُ مُسَكَاكُ نَا ابُوْمُعَا وِينَهُ عَنِ الْاعْمَشِ عَنَ اَبِي وَائِلِ عَن قَيْسِ نِهِ اَنِي عَرْنَ لَا قَالَ كُنّا فِي عَهْدِ رَسُولِ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ فَسَاكُونَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ فَسَكَمَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ فَسَكَانَا بِالسِيمِ هُوَاحْسَنُ السَّمَا سِرَةَ فَكُمَّ بِنَا النَّبِي صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ فَسُكَانَا بِالسِيمِ هُوَاحْسَنُ مِنْ لُهُ فِقَالَ يَامَحْتُ رَالتَّ جَابِرِانَ الْبَيْعَ يَحْصَدُونَ الْعَرُو الْحَلُونَ فَشُوبُونُهُ مَالصَّدَة فَي اللّهِ مِنْ الْمَعْدِقِ الْمَحْدِقُ النَّهُ عَلَيْهِ وَسُلَمَ اللّهِ وَالْحَلُونَ الْحَدُولَ اللّهُ وَالْحَلُونَ اللّهُ وَالْحَلُولَ اللّهُ اللّهُ وَالْحَلُولَ اللّهُ اللّهِ وَالْحَلُونَ الْحَدُولَ السَّمَا اللّهُ اللّهُ وَالْحَلُولَ اللّهُ اللّهِ اللّهُ اللللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ الللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ الللللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللللّهُ اللّهُ الللّهُ الللللّهُ اللللللللللللللّهُ الللّهُ الللللّهُ اللّهُ الللللّهُ اللللّهُ

قیس بن ابی فزدہ نے کم کرم ہوگوں کودسول انٹرصلی انٹرعلیہ وسلم سے نرما نے میں سماسرہ کہا جاتا تھا۔ دسول انٹرصلی انٹرعلیہ وسلم ہم پرگردسے توآجے نے ہمادا اس سے بہتر نام رکھ دیا اور فرمایا : اسے ناجروں کی جا عست بے فک کاروہ ایس انوا ورفسم آ جاتی ہے مہم اس میں سے مجھ مستقر نکا اور ترمذی، نسانی ، ابن ماجہ۔ ترمذی نے اس حدیث کوسن میچ کہا اور برکر فلین بن ابی عززہ کی صنور مسلی انٹرعلیہ وسلم سے حرف بھی ایک حدیث ہمیں معلوم ہے ۔

٣٣٣٣ . كَكَّا نَتُنَا الْحَسُبُنُ بَيْ عِبْسُى الْبُسُطَامِّ وَكَامِكُ بُنُ بَحِلَى وَعَبُكُ اللهِ بُنُ مُحَتَّهِ الزُّهُ رِئُ قَالُول نَا سُفْيَانُ عَنْ جَامِع بَنِ أَبِى ثَاشِهِ وَعَبْهِ الْمَلِكِ بُنِ الْمُحَمِّد وَعَالِهِ الْمُلِكِ بُنِ الْمُحَمِّد وَعَالِم الْمُلِكِ بُنِ الْمُحَمِّد وَعَالِم عَنْ اللهُ اللهُو

امی معنی میں مدیث دوسری سند کے ساتھ اس میں کذب اور صلف کا لفظ ہے اور عبدالت نرسری را دی مدیث نے لغو اور کذب کہا۔ اور کذب کہا۔

بابك في إسْزِخُرَاجِ الْمُعَادِنِ

'معدنیات *کونکلسنے کا بات*ے ،

٣٣٣٨ . حَكَّا نَكُا عَبُدُا اللهِ بَنُ مَسْلَمَةَ الْقَعْنَبِيُّ نَاعَبُدُا لَعَزِيْزِ يَعْنِ ابْتُ مُمُسَلَمة الْقَعْنَبِيُّ نَاعَبُدُا لَعَزِيْزِ يَعْنِ ابْتُ عَبُرِا وَعَنْ عِكْرِمَة عَنِ ابْنِ عَبَاسِ اَتَّ مَ جُلَّا لَهُ مَا لَكُ وَلَاللهِ مَا أَفَا رِقْكَ حَتَّى تَقْضِيَنِي آ وُ لَيْ عَبِيلِ فَالْ فَالْمُنْ مِعْنُ اللهِ مَا أَفَا رِقْكَ حَتَّى تَقْضِيَنِي آ وُ لَيْ مَعْنِيلِ فَالْ فَالْمُنْ مَعْنَ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ مَعْنَ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلْمُ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ ا

ابن عباس معمد وایت می کمایک آدی اینے دس دیا رک قرضے پراپنے مقرومن کو میس کیا اور کہاکروا تندیس تجد سے مبدا مرہوں گاجب مک کرتو قرص ادانز کرے یامیرے پاس کوئی صامن اور ذمہ دار مذلائے۔ پس نبی صلی الشرعلیہ وسلم نے اس کی ذمہ داری

ی مطابی بھروہ شخص اپنے وعدیے پر کا یا تو نبی ملی اسٹرعلیہ وسلم نے اس سے فرما با کہ توسفے یہ موناکہاں سے پایا ؟اس نے کہا کہا کہا کہا کہا کہا کہا کہا گئے۔ تعمین کرنے فرمایا بہمیں اس کی کوئی صرورت نہیں اوراس میں کوئی خریزیس بس دسول اسٹرصلی الٹرعلیہ وسلم سنے اس کی طرف سے قرمن کی اور فرما دائن ماھی

قشرے: خطابی نے کہاکہ اس حدیث میں ضمان اور جما کہ کا تبوت ہے۔ رسول النہ صلح اللہ وسلم نے سونا اس سے رو نہیں فرما یا تھا کہ کان سے اس کا حاصل کر فازمائز سے احادیث میں بال بن الحارث کو حضورہ کی طرف سے کا نوں کی جا کہ دنیا مذکور ومشہور سے سونا جائدگا کا نوں سے ہی نکا لاجا تاہیے۔ بٹا ید بیاس سلٹے ہو کہ کان کے مالک اس کی مٹی بیچنے سے تاکہ لوگ اس مٹی سے سونا حاصل کر ہی اور ۔ فی بیٹے ہو تی تھی کیونکہ معلوم نہ تھا کہ کچھ نکار گا انہیں ؟ اس سلے عطا، شعبی، توری اور اوزا وی ، شافعی، احمد اور اسحاق تے فی اس بیچ کو ناجا ٹرز کہا ہے۔ ایک سبب اس کا یہ بھی ہو مکتا ہے کہ حضور می کے ارتفاد کا یہ مطلب ہو کہا ہی سبب مال اصلاب پورا فی ناجا ٹرز کہا ہے۔ ایک سبب اس کا یہ تھی وہ و نیار تھے اور وہ جو کچھ لایا وہ سونا تھا اور حضور کرے باس تک ال ناتھی جو ایسے و د بنا دکھی جو ایسے و د بنا دکھی جو ایسے کے دائل میں واحل سے د د بنا دعرب میں رومی سلطنت سے دائلے کھے۔ سب سے پہلے مکسال کا نتظام عبد الملک بن مروان نے و کہا تھا ۔

مولانا نے فرمایا کرمضور سے اس مقوص کوایک ماہ کی مہلت دلوائی تقی جبیا کراہی ماجہ کی رواہت میں ہے۔ رد کھرنے کا باعث شاید بہتھا کہ اس میں سے خس اوانہ ہیں کیا گیا تھا۔ بقول خطابی اس کا باعث یہ بھی ہوسکتا ہے کہ کا تو ں ہیں سے معدنیات نکلسلنے واسے جو معاملہ کرتے تھے وہ ناجا نمزی ایمن کیا ہے کہ پانچویں، دسویں یا تبرسے حصے کی شرط پر نکا سنے تھے اور یہ دصو کے کامعاملہ ہوتا تھا۔ کیا معلوم کچھ نکلے گایا نہ نکلے گائی

بالشهات

رستبهات سع بربز کاباب)

٣٢٥ - حَكَّا تَكُ اَحُمَدُ اَنْكُ اَكُونُسُ اَلْ الْوُقِيهَا بِعِن الْبِي عَوْنِ عَنِ الشَّغِيقِ قَالَ سَمِعْتُ النَّعْمَانَ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ اللهُ

تشعبی نے کماکہ میں نعمان بن بسٹیر منسے پرشنا اوراس کے بدکسی اورسے پزسنوں گارکیونکہ وہ ستچا اور قابل اعتماد فقا) اس نے کماکہ میں نے دسول السّٰر صلی السّٰرعلیہ وسلم کو فرماستے شنا : حال تھی واضح سبے اور حمام بھی واضح ہے اوران کے درمیان کجیمشتبہ اموریں،اور میں اس میں متہارے لیے ایک منل بیان کرنا ہوں:الطرن نے ایک جراگاہ محضوص کی اور اس کی مضوص چراگاہ کے ار دگر دچرائے گا ہوسکتاہے کراس میں بھی خلط ملط کمر جائے اور جوشخص شک ورب میں گر بھر کمرے ہوسکتا ہے کہ جسا رت کر جائے دبخاری مسلم، ترمذی، نسائی،ابن ماجی گفتگو آگے آئی ہے۔

المسلم من التَّامِيَّةُ الْكُلُورِ الْمِنْ عُلَى الْمُرْسَى الدَّامِ الْكَارِيَّةُ اَنَاعِيْسَى عَنَ ذَكَرِ آيا عَنَ عَامِرِ الشَّيْتِي قَالَ سَمِعْتُ النَّعْمَا نَ أَنَ بَشِيْرِ يَقُولُ مَمِعْتُ رَسُولَ اللَّهِ صَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّوَ يَقُولُ بِهِمَا النَّحَوِيْتِ قَالَ وَبَيْنَهُ مَا مُشَبَّهَا تَ لَا يَعْلَمُهَا كَثِيرَ فَ مِنْ التَّاسِ فَمَن التَّاسِ فَمَن الشَّبُهَاتِ السَّتَ بَرَأُدِينَ لَهُ وَعِرْضَهُ وَمَن وَقَعَ فِي الشَّبُهَاتِ السَّتَ بَرَأُدِينَ لَهُ وَعِرْضَهُ وَمَن وَقَعَ فِي الشَّبُهَاتِ السَّارَةُ اللَّهُ اللَّيْ اللَّهُ اللَّ

عامر شعبی نفعهان بن بشیر کو کتے سناکر میں نے درمول الله صلی الله علیه دیم کو فرمانے سنا الح اس میں فر ماباکران دونوں کے درمیان علی پر شهروا سے امور میں جنہیں بہت سے نوگ نہیں جا سنتے بس جوشہات سے بچ کیا اس نے اپنی عزت اور دین کو بجا لیا ورج شبهات

هِين روالأسابق

فی شدرتی بنطانی نیکه سی کریه در در نفوی دورع می اصل سید، اس می بر بتا باگیا ہے کہ انسان کوشہات سے بجنا لازم ہے۔ فی منتہات کا مطلب پر نہیں کنو دان امور میں شبہ ہے اور شریعت نے ان کا کوئی بیان نہیں کیا ، ملکہ پیمطلب ہے کہ کیے لوگوں بروہ واضح فی موقعین ہیں : ایک واضح وصلی بیان ہے سب لوگ جان لیں اور دوسرا خفی بیان ہے صوف علما بھی جان سکیں جواصول واحکام دی فی میر خور وفکر اور کلام کیستے ہیں اور نصوص کے معانی نکا سلتے ہیں اور قیاس واستنباط اور تمثیل سے کام لے کم احکام اللی کا فی استخدا دی کرتے ہیں .

چیزامسل میں حوام ہے اور فیفن نثرعی فراٹھلی بناء پرہی اسے مہا حسم بھا جاسکتا ہوتو ان کی حکت کی واضح نثر عی دلیل ہونی مزدری کے سے ورنہ وہ اپنیا صلی حرمت پرہی باقی ہوگی مثلاً فزوج صرف نکاح یا ملک میں سے سی حلال ہوسکتی ہیں، جب تک نکاح یا مکب مین کا یقین مذہوج محت باقی رہے گی، اسی طرح جب کسی کی بیوی احذبی عورتوں میں ملی علی ہویا مثلاً ایک فزیح تندہ جا نور کا گوشت ترام کی باغیر مذہوج گوشت میں مل حیاسے اور امتیاز مکن مذہوتو اس سے احتماب واجب سے .

اوپری بیان فنده دوقتموں کاحکم وجوب ولزوم ہے۔ ایک تیمری قیم اور ہے، وہ یہ کرسی چیز گی پڑھلیل کی دلیل سلے ہو گئی ہے۔ ایک تیمری قیم کی اب اس میں ملّت وہومت کے دوپہلو مسادی ہیں، پس تقوی وورع یہ ہے کہ اس کی مثال یہ ہے کہ حصنور صلی الٹرہ فلیہ وسلم کی کہ اب اس کی مثال یہ ہے کہ حصنور صلی الٹرہ فلیہ وسلم نے نہ دام ہے میں ہوتی کی موریا کی واس کی ملّت باہر میت کا واضح لقین ہوتا کا تھا ہوتی ہوتی ہوتی ہوتی ہوتی کی ہوگی تو میں اسے کھا بیتا ۔ اور گوہ کا گوشت جب بیش ہوا تو آپ نے نہیں کھا بااور قربا یا: ایک امّت مسنے ہوئی تھی، معلوم نہیں شاپریہ کی ہوگی تو میں اسے ہوئی تھی، معلوم نہیں شاپریہ اس میں سے ہو۔ پھر خالد من الولید نے آپ کے سامنے اسے کھا یا تو اسے منع نہ قربا یا۔ اس سلسلے میں وہ چیز ہی بھی آتی ہیں کہ مثلاً ایک شخص کے مال میں شبہ ہو یا اس میں مود مل ہو اس سے معاملہ ترک کرنا ہی اولی ہے۔ مگر یہ حوام نہیں جب کہ کرموت کا ایک شخص کے مال میں شبہ ہو یا اس میں وہ ہو تو اس سے معاملہ ترک کرنا ہی اولی ہے۔ مگر یہ حوام نہیں جب تک کہ ترموت کا ایک شخص کے مال میں شبہ ہو یا اس میں وہ بار کرتے تھے، شراب کی قیمت کو مطالی جانتے تھے اور ادستہ تعالی نے انہیں آگا دمی کو کی لیسٹنٹ معلی مقاکم وہ میکودی کارو بار کرتے تھے، شراب کی قیمت کو مطالی جانتے تھے اور ادسٹر تعالی نے انہیں آگا دمی کو کی کہ کو کی کہ کرتے کہا ہو کہا ہوں کے اس معاملہ تو کرتا میں وہ کوری فرما یا ہے۔ وہ موام کے ایک کرتے کے اس کرتا میں کرتا میں وہ کوری فرما یا ہے۔ وہ کرتا می اور اس سے املی کوری فرما یا ہے۔ وہ کرتا می اور اس سے املی کی تو میں اس کی کھی کرتا ہی کوری فرما یا ہے۔

ا ورخصنور کا برارشا دحرح و تعدیل کے باب بی ایک بڑی اصل سے کہ : جو شہرات سے بچ جائے وہ اپنے دین اورعزت کو بچا ہے گا۔ اس بیں بردلیل ہے کہ جوشخص اپنے کار و بار اور معاش میں شبہات سے مذبیجے وہ جُروح ہوگا کہ اس سے اپنے آپ کو طعن کا ہدف بنایا ہے ۔ اور اسی طرح برفر مان کر جوشبہات میں بڑا وہ حمام میں بڑگیا، اس کامطلب بیسے کہ جوشتہ کا عادی ہوجائے اور آن کا استمراد کر سے تو وہ حمام میں جا پڑانے کی جسادت صنرور کر سے گالیں حمام میں گرنے سے بچاؤاس طرح ہوسکتا ہے کہ آد می شبہات سے بجتا ہوئے۔

٣٢٧٣٠٠ كَانَكُ مُكَدَّدُ كُلُ الْكَلَى عَيْسَى نَا هُسَّيْكُ نَاعَبَادُ اَن كَا سِيْدَةُ كَانَ كَا الْحَدَى مُنْكُ الْبَعِيثِ سَنَةً عَنْ اَفِي هُدَي كَةً قَالَ سَعِيْدَ اَن الْمَعْدَى الْفَالِكُونَ مُنْكُ الْبَعِيثِ سَنَةً عَنْ اَفِي هُدَي كَةً قَالَ الْمَعْدِي اللهُ عَلَيْهِ وَعَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَحَدَّا مَن اللهُ عَلَيْهِ وَصَلَّى مَن اللهُ عَلَيْهِ اللهُ عَلَيْهِ وَصَلَّى مَن اللهُ عَلَيْهِ وَصَلَّى اللهُ عَلَيْهِ اللهُ عَلَى اللهُ عَن سَعِيْدِه النِي اَنِي خَد الْحَدَي الْحَسَنِ اللهُ عَن اللهُ عَن سَعِيْدِه النِي اللهُ عَن اللهُ اللهُ عَن اللهُ عَن اللهُ عَن اللهُ عَن اللهُ عَن اللهُ عَن اللهُ الل

ابو ہریدہ فی نے کہاکہ دسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم نے فرما یا اوگوں ہا کیک ند ماند صرور آئے گاکہ کوئی بھی مود کھانے سے نہ ہج گاء اگر وہ کھا نے کہا کہ ہم مندری نے کہا کہ ہم منیت سے نہ ہج گاء اگر وہ کھا نے کہا کہ ہم دیث کہا کہ ہم دیث منیت منتقطع ہے ، حتی نے ابو ہریدہ فینسے سماع نہیں کیا ۔ صدیف کا مطلب مبودی کا دوباد کا چیلا و اولاس کا معاشر سے ہی دکور وکوری کہ سے میں میں نہیں ہے وہ میں اور بیر میں الاقوا می کا دوبار سودی میں بنک و حیل ہیں جن کا ماد وبار سودی ہے۔ سے بی جا میں الاقوا میں الاقوا می کا دوبار سود ہے۔ سرکام میں بنک و حیل ہیں جن کا تمام کا دوبار سود ہے۔

٣٣٢٨ عَنْ رَجُلُ مَنَ الْكُونُ الْعَلَاءِ انَا ابْنَ الْحَبِيْ اللهُ عَنْ رَجُلِ مِنْ الْكُونُ الْعَلَاءِ انَا ابْنَ الْحَبَ اللهُ عَنْ رَجُولِ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ وَسُلُو وَهُوعَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ وَهُوعَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ وَهُوعَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ وَهُوعَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ وَهُو مَنَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ وَهُو مَنَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ وَهُو مَنَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ وَسَلَمَ وَسَلَمَ وَهُو مَنْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ وَهُو مَنْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ وَمُو مَنْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ وَمُو مَنْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ وَاللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ وَاللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ وَاللّهُ وَسَلَمَ وَاللّهُ وَسَلَمَ وَاللّهُ وَالْمُؤْلِقُولُ وَاللّهُ وَاللّهُ

کگیب نے ایک انصاری مردسے روایت کی کہ اس نے کہا: ہم ایک جنا نہ میں رسول الشرصلی اللہ علیہ وسلم کے ساتھ انگلے اس میں نے رسول الشرصلی اللہ علیہ وسلم کو دیکھ اکہ گورکن کو بہم دے دہے تھے کہ: با فوں کی طون سے قرکھلی کر وہ مری طون سے دعوت دینے والا آپ میں سے مراہ آپ تقریف سے گئے تو کھا نالایا گیا، آپ صنے کھا الایا گیا، آپ صنے کھا نالایا گیا، آپ صنے کھا نا شروع کر دیا ۔ ہما رسے بڑوں نے رہو چھوڑ کے قریب مے دیکھا کہ آپ معتبہ اپنا ہموں جس کو مالکوں کے قریب میں السی کہری کا گوشت باتا ہموں جس کو مالکوں کے احالہ تسبہ میں اس کورت نے بیٹے اور کھی اور سول الشریس نے کسی کو بقیع کی طوف مکم بی جمیع دے اسے بیٹا میں ہمیں ہے اسے بیٹا میں ہمیں سے اسے بیٹا میں ہمیں ہے کہر کم بی جمیع دے تو وہ بی منطلہ بھریں سے اس کی تورت کو بیٹا م جمیع آقواس نے یہ کہری تھے بھیج دی ۔ پس رسول الشرصلی الشرعلیہ وسلم نے فرایا کہ بیگوشت قید یوں کو کھولاد و ۔

منكرح بسنن الدوآور كسب سنخور مي يرلفظ مي، حَاعِي إِلَى أَعِي المَي أَعِي جَس كام في الريرة جبركياب مِسكوة المصابح مي ا

بَابِ فِي أَجْلِ الرِّبَ وَمُوْجِلِهِ

دسود کھا نے اور کھلانے والے کا بائب،

٣٣٢٩ - كَلَّا نَتُنَا آخُكُمُ أَنُ يُونِسُ نَا نُكَفِيرُ نَا سِمَاكَ حَدَّ ثَنِي عَبْدُ الرَّحُسِنِ ابْنَ عَبْدِ اللهِ بَنِ مَسْعُودٍ عَنْ آبِيهِ قَالَ لَعَنَ رَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّعَ الكِلَ الرِّبَا وَمُوكِلَهُ وَشَاهِ مَنْ وَكَايِبَهُ -

عبدالشدن مسعود دم نے کہا کہ رسول الشد معلیہ وسلم نے سود کیا نے والے، کھلا نے والے، گواہ اور کا تب سب پرست فرائی کر تر بذی ابن ما جہ، مسلم عن حدیث جا برائر اور عبدالشدم سے فقط اکلید <u>دمو کلت ک</u> بخاری عن اب جی فرد نا وراس میں بھی کا تب وشا بد کا فرکر نہیں ہے۔ تر مذی نے اسے حدیث مس صحیح کہا ہے ہو واٹسانی معاشرے میں فساد ، ناجائز سرمایئر وادموس زر ، حسدو بعض اور عداوت کے بیج بوتا ہے اس سے طبقاتی جنگ کی راہ کھنتی ہے ، دورت ایک ہی طبقے میں سمط ہتی تی ہے ، دورت ایک ہی طبقے میں سمط ہتی تی ہے ، دھو کے فریب اور سازش سے کمائی کی حوصلہ افرائی ہوتی ہے اور انسانی معاشرہ گرائے جاتا ہے جیسا کہ ہماری ہا تکھوں کے سے اور انسانی معاشرہ گرائے جاتا ہے جیسا کہ ہماری ہا تکھوں کے سامنے۔ سر

بَأْبِ فِي وَضْعِ الرِّبُ !

رسود كورات الكرين المسكادة المراكم المركم ا

فَقَتَلَتُهُ هُكُنُيلُ مَا لَكُمْ مُكَمَ هَلْ بَلَّغْتُ قَالُوالْعَمْ لَللَّهُ مَتَاتِ قَالَ اللَّهُمَّ اشْهَد ثَلَاثَ مَرَاتٍ -

بَاسِ فِي كُرَ اهِبَةِ الْبَيْنِ فِي الْبُسِيرِ

دبيع مين قسم كى كراميت كاباب

اسس . حَكَّا اَنْ اَحْمَدُ بُنَ عَنِي وَبُنِ السَّنَ مَ نَا اَبُنُ وَهُبِ وَنَا اَحْمَدُ الْمُسَيِّبِ إِنَّ بَنُ صَالِحٍ نَا عَنْبَسَتُهُ عَنُ أَيُونِي عَنِ ابْنِ شِهَا بِ قَالَ قَالَ لِي ابْنُ الْمُسَيِّبِ إِنَّ اَبُنُ مَنْ فَعَلَى مُنْفَقَةً أَبَا هُمَ بُرُدَة قَالَ سَمِعَتُ رَسُولَ اللّهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحَ يَقُولُ الْحَلَفُ مَنْفَقَةً لَا اللّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحَ يَقُولُ الْحَلَفُ مَنْفَقَةً لَا اللّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحَ وَقَالَ اللّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحَ وَقَالَ عَنْ سَعِيبُ بِ بَنِ لِلسَّكَ اللّهُ عَلَيْهِ وَقَالَ اللّهُ عَلَيْهِ وَقَالَ عَنْ سَعِيبُ بِ بَنِ السَّمْ عَنْ اللّهُ عَلَيْهِ وَقَالَ النّهُ عَنْ النّيْقِ عَلَيْهُ وَلَا اللّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحَ وَقَالَ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّا وَاللّهُ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّا وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ عَنْ اللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَسَلّا وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَسَلّا وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَسَلّا وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَسَلّا وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَسَلّاللّهُ عَلَيْهُ وَسَلّا وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَالْهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ الللّهُ الللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ

ابوبريه وروزف كاكومي في رسول المعرصلي العرفليدوسلم سيم منا الكي فرمات مق كر: قتم سيرسوداتو بك جامات مكر

گرکت ختم ہوجاتی ہے، ابن السرح راوی نے :کب کی برکت روایت کی اور عن معیدعن ابی ہریرہ دیڑ عن النبی صلی النزعلیہ دسلم کما ۔ دنجاری بسلم، نسائی، روحانی برکت توقع ہے اٹھ گئی مگر ما ڈی برکت مجی اٹھ جاتی سیے کیونکہ تقویڑے عرصے میں السیاشخص ہوگا مشہور ہوکر کاروبار کا نقصان بر داشت کر تاہیے ۔

بَابِ فِي التُرْجُكَانِ فِي الْوَزُنِ وَالْوَزُنِ إِللَّهُ

دونه نیس رجان کاباب و دمزد وری مے کروز ن کرنا

٣٣٣٢. كَلَّانُكُ عُبِينُ اللهِ بُنُ مُعَادِ نَا آبِى نَا شُفِيانُ عَنْ سِمَاكِ بُنِ حَرْبِ نَا شُويْ كُنُ بُنُ قَيْسٍ قَالَ جَلَبْتُ آنَا وَمَحْرَفَةُ الْعَبْسِ يَ بَرَّا مِنْ هَجَرَفَا تَيْنُنَا بِهِ مَكَّةَ فَجَاءَنَا رُسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ يَهْضِى فَسَا وَمَنَا بِهَ رَافِيلَ فَبِغْنَا الْالْهُ وَتَتَوْمَ كُلُكُ يُرِنُ بِالْاَجْدِ فَقَالَ لَهُ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ

زِنُ وَالْجِعُ نِ

سوید بن قیس نے کماکہ میں اور مخر فدع بدی پھڑ کے نئہ سے کمپڑ سے خرید کر لاسٹے اوران کپڑوں کو ہم مکتمیں لاسٹے ہیں دمول الٹرائی صلح التٰ علیہ وسلم بھارہے باس پیدل تشریف لاسٹے اور ایک شلوار کا سوداکیا ، ہم سنے وہ نشاوار آپ سے کا تقریبی ، اورو کا ں پر ایک سے آدی تقا جو مزدوری سے کروزن کرتا تھا، لپس دمول التارہ بلی التٰ علیہ وسلم سنے اس سے قرمایا: تول اور بلوا نیجا رکھ دانٹہ مذکری ابن ماجھ سے میں مصر

تشذى سنے اسے حسن فیحیح کہاہے ؟

شیرے: اس مدین سے ناپ تو ل کا کارو با دکرنے کی اجازت ٹابت ہوتی ہے، اور تقیم کنندہ ،حساب کنندہ کی اجرت بھی اس پرتیا ہو کی جائے گی۔ اس سے یہ بھی معلوم ہوا کہ اُس وقت کپڑا بھی تول کر بیچا جا تا تھا۔ بلڑا نیچا رکھنے کا جو حکم صنو رنے دیا تھا اس سسے کیا مراد ہے ؟ عام طور بر بیچی جا نے والی چیز کا بلڑا اجھکا یا جا تا ہے، توٹ یدریام خکم اسے دیا گیا ہو یمولا نا نے فرایا کہ جمنوں خ نے باطہ والا پلڑا جھکانے کا حکم دیا تھا اور بیر آھ کی اپنی ذات کے ساتھ مخصوص تھا کہ کسی کا کوئی حق آٹ پر ہز درسے ۔ وزن کرنے والے سے خطاب معنور انے فرما یا تھا ، اس کا مطلب ہے تھا کہ وزن کی مزدوری خریدار کے ذمتہ ہے ۔

سسس حكى نَعْنَا حَفُصْ بَىٰ عَهْر ومُسْلِوُ بَىٰ اِبْدَاهِ بِهِ اَلْمُعَىٰ قَرِيْتِ قَالاَنَا فَيُمُ اَبُدَاهِ بِهِ اَلْمُعَلَّىٰ قَرِيْتِ قَالاَنَا فَيُمُنَدُهُ عَنَ اللهِ عَنْ اَبِي صَفْوَانَ بَنِ عُمْبُرَةً قَالَ اَ تَبْنُتُ دَسُولَ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَالَ اللهُ عَلَى اللهُ اللهِ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ الل

مسهم . كُنْ نَكُا اَئُنُ اَ فَي رِنْ مَنْ اَ قَالَ سَمِعْتُ اَفِي يَقُولُ قَالَ رَجُلُ لِشَعْبُتَ اَ خَالَفَكَ شُفَيَاتُ فَقَالَ دَمَعْتَنِي وَبَلَغَنِي عَنْ يَجْيَى بَنِ مَعِيْنِ قَالَ كُلُّ مَنْ خَالِفَ شُفَيَاتَ فَالْقَوْلُ قَوْلُ شُفْنَاتَ .

ابورزمدنے کہاکہ ایک آدمی نے شعبہ سے کہانگر معنیان نے تیری مخالفت کی ہے توضعبہ نے کہاکہ توسنے میرے دماع بہتچ ط مگادی ہے۔ اور پچئی بن معین نے کہا ہے کہ مغیان کی مخالفت جوعمی کرے سفیان کا قول ہی دا جے ہے۔

٣٣٣٥ . كُلُّ نَنْكَ أَحْمُ لُ بُنُ كُنْبَلِ نَا وَكِيْعٌ عَنْ شُعْبَتَهَ قَالَ كَانَ سُفْبَاكُ أَحُمُ لُلُكُ المُنْكِ اللهِ عَنْ شُعْبَتَهُ قَالَ كَانَ سُفْبَاكُ أَحُفُظُ مِتَى.

شعبہ سے روایت سے کہ اس نے کہا بعقیان جرسے بڑا حافظ ہے۔

بَابُ فِي فَوْلِ لِنِّبِي صَكَلِللَّهُ عَلِيْرِوَسَكُمُ الْمِكْيَالُ مِكْيَالُ لْمَايِنَةِ

(نبی صلی الله علیه وسلم کے اس فول کا باب، کم ناب مدینہ والوں کا ب

٣٣٣٣ - حَكَّانُنُ عُنْمَا كُنُ اَئِى شَيْمَةَ نَا اَئُنُ كُكَيْنِ نَا شُفَيَانُ عَنَ حَنَظَلَةً عَنَ طَاقَشِ عِنِ الْنِ عُمَرَا قَالَ وَالْ اَسْلِهِ صَلَى اللّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ الْوَزْنُ كَا اللّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ الْوَزْنُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ الْوَزْنُ اللهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْهِ وَالْمَالُولُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ وَكَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ وَكَلَا اللّهُ وَكَلَا اللّهُ وَكَلَا اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْدِ وَصِلْمَ اللّهِ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْدِ وَصَلّمَ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْدِ وَصَلّمَ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْدِ وَصَلّمَ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْدِ وَصَلّمَ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللللّهُ اللّهُ الللللّهُ الللّهُ الللّهُ الللّهُ الللّهُ الللّهُ اللللّهُ الللّهُ الللللّهُ اللللّهُ اللللّهُ الللّهُ الللّهُ اللّهُ اللللللّهُ الللّهُ الللللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ

سنن ابی وا ؤ ومبلدیهارم

ابن عمره نے کہاکہ دسول الشصلی المشعلیہ وسلم نے فرما یا وزن مکہ والوں کا ہے اور ناپ مدینہ والوں کا دنسائی البوداؤ د سنے کہا کہ فریا بی اور ابوا حمد نے سفیان سے اسی طرح دوایت کمیا۔ ابن دکھین نے ان دونوں کی متن میں موافقت کی۔ اورابواحمد نے ابن عمرہ کی **حگ**را بن عباس *رہ: کھا۔اورولیدبن سلم نے اسے منظلہ سے دوایت کیا،اس میں کہاکہ: مدینہ کا وزن ا ور مکرکا ناپ۔ابو داؤ د سنے* كهاكم اس صديث كي متن من ما مك بن وينادعن عطاءعن النبي ملى الشعليدوسلم كي روايت مي اختلاف ب- -شرح: معالم اسن میں علام خطابی نے فرما یا کراس حدیث برگفتگومی بہت گر بڑ ہوئی ہے کسی سے کماکہ اس سے مرادیہ سے کر رسول الله دسلی انتازعلیہ وسلم نے ناپ تول کے با درسے میں معیاری احکام اس میں درینے میں اور فرما یا سے کم او زان کے معاسطے میں مک کے وزن اور ناپ میں مدیمہ کے ناپنے کے اُلات معیار ہیں ۔ یہ اس سنے فرمایا گیا تاکہ تنار عہ کے وقت وزن میں مکی تراز واور مباط کو اورناب مين مدنى بميا نون كو بطور حكم وثالث مانا جاسك يخطابي نے فرما ياكرية تا ويل فاسدسيم اور اكثر فقاء كے اقوال كے بيضلاف ہے۔ وجداس کی بہے کہوب دوآدمیوں میں مثلاً گندم کے ناپ میں حباط اس جوائے ومفید ہمیا نروہ شمار ہوتا ہے جواس شہراورعلاقے مين بالعموم والمي وغالب بوتام واس وقت يه تكلف نهي برتاجا تاكه كل وزن بالدني بيان كومعيار بناكر فيصله كري -اورمعلطے کے وقت حب کسی بیانے یا ترازو یا باٹ کا نام لین تواسسے وہی معروف بیا مدیا ترازومراد ہوتا ہے جود مل نیشهور چُسمِ اس مدیث کا تعلق درا سل بی**ح و**رشراء کے ان ما دی بیما نوں بایترا زوور ک سے منیں سبے ملکہ اس کا تعلق بعض ان احکام مشرع سے ہے جوحقوق الٹارسے متعلق ہیں۔ بس جب فرمایا کہ وزن اہل مکہ کامعتبر سے یہ تواس سے مرا دخصوصیت کے مسائھ موسنے جا تدی کا وزن سے، بعنی ذکواۃ کے احکام میں دس درہمات مثقال وزن کے برابریس، میں جب وزن سبع، والے دراہم میں كوئى دوصد درا مم كامالك بوما ئے تواس برزكاة فرص سبے سبب اس كايد سے كرمختلف علا قول مي درا مم كا وزان مختلف عصمتلاً بعن كوبغلى كماعاتا، بعض كوطبرى ، بعض كوخوارزمى وعيره وعيره - بغل دريم آعد كوري كا تقا، طبري حيار كا ورعام اسلانى شہروں میں نوگوں سے کاروبار میں جو در تم را مج تھا وہ ملی در ہم تھا ،اس کا وزن معتبر شما دکیا گیا دسوں اللّٰدَصلی الله علیہ وسلم کی ہجرت کے وقت اہل مدینہ درا ہم کووز ن سے نہیں ملکہ شمار کر کے معاملہ کیا کہتے گئے اوراس کی دلیل حصرت عائشہ رہ کی حدیث سے کم ا بنهول سف بريده وه كو آنرا دكر ف كى خاطر خريد نا حال الوفر ما يا: الرسير الكسترى مادى تيت كيك لخت لينا جامين توميس مکے مشت ہی شما *دکرے* اداکر*و ںگی ،* بعنی دراہم جو بربرہ ہ دم کی قیمت ہیں دسٹے جانے والے بھے بسب وز ب دراہم سے متعسلق رسول استصلی الشرعلیه وسلمنے أن سے يہ فرما يأكر اس بار سے ميں ابل مكه كاونر ن معيار كا ورمعترب مذكرا ورشهروں كا عُ حِن کے اوزان مختاعت کھے ۔

اوردراتیم کا یہ وزن زمان می المبیت سے معتبر جلاآ کا تقا، اسل می دور میں صرف یہ واکہ اس کی شکل کو بدل کارس پہر اسٹہ کا نام نقش کیا گیا ۔ اورا کیک اُوقیہ چالیس در م کا تقا۔ حضور کا ارشاد ہے کہ ، با چ او قیہ سے کم میں زکوۃ نہیں ۔ اوردور کی احادیث کی روسے وہ دوسو در ہم ہیں سواس صاب سے ایک اوقیہ سی چالیس در ہم ہوئے ۔ دینا رعرب میں نہیں سے بلکہ روئی سلطنت سے آتے سے بعبد لملک بن مروان نے اپنے زمانے میں جب سکتے واصلوا ئے تو دزن سبعہ کے حساب سے ان کا معیاری وزین قائم کیا، لینی دس درا ہم کا وزن سات مثقال، ایک مثقال کا وزن ایک حبتہ کم ۲۰ قراط اور حضور ہے ارشا و کا مطلب کمر: ناپ اہم مدینہ کا ہے، بریخاکہ کفارہ کی ادا نگی، صدقہ فطر، نفقات کا حساب و عزرہ کمرنے کے لئے وہ صاع شرعی معیاری ہے جو مدینہ میں دائج ہے ۔ لوگوں میں کئی صاع رائج سے ۔ اہل جائے کا صاع نے ہ وطل عراقی تھا۔ زعمائے شیعہ کے

The state of the state of the second state of

o describación de la constante de la constante

بیان کے مطابق اہل بیت کاصاع ہے ورطل تقا اور اسے وہ جعفری دع بن محد مسوب بناتے ہیں اہل عواق کا صباع کی آ آ بھ رطل تقا۔ بیس جب خانص کار و باری معاملات کا وقت ہو گا توسر علاقے کا صاع معتبر ہو گا اور جب شرعی احکام آئیں گے گئی۔ تو مدنی صاع معتبر ہو گا۔خطابی کہتے ہیں کہ میر سے ننز دیک حدیث کا یہ مطلب ہے۔ واللہ اعلم۔

بالمصفى التشفيديد في السكابي

دَين ارْضَى مِن سَعْدِيكِ اللهِ الدُورِ عَن سَعْبُدِ الْمُورِ عَن سَعِبُدِ الْمُورِ عِن سَعِبُدِ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلْمُ اللهُ عَلَى اللهُ

ڣۣؠ؈ۅڽڡڗۅڝؚڽ ٨ۺؗۅؚڡؘڡٛٲڶؘؘۘڡٵڡؘٮؘۼڮٲڹ؋ؙۣڝٛڹؠ۬؋٥ؙؽٮڗۜؾڹٛڹؚٲڵڡؙڶؠؿؗٳؾؙۜڬؗٷۘٱؙڹۜۊۣۿؠؚڴؗؠٳڷۘڬڿڹۘڒٳڽۜٙڝؘٳڿڰؙ ٨ ؆ؗڽ؞

مَاسُورُ بِيَا يُنِيرُ فَلَقُدُ لَأَيْتُ مُ إِذَى عَنْدُحَتَّى مَا بَقِي ٱخْذُ فَيْطِكُ فِي إِشْنَى ع

مرسس حَمَّى نَنْ سُكِمْ مُنْ مُنْ دَاؤَدَ الْمَهْمِ يُ نَا ابْنُ وَهُ بِحَدَّا ثَنِي سَنِيهُ الْمُنْ اَنِي اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ مَنْ يَقُولُ سَمِعْتُ أَبَا بُرُدَةً بُنَ آفِى مُوسَى اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهِ عَنْ رَشُولِ اللهِ صَلّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّو النّهُ مَنْ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّو اللهِ صَلّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّو اللهُ عَنْ رَشُولِ اللهِ صَلّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّو اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُل

الله عَنْهَا أَنْ يَمُونَ رُجِلُ وَعَلَيْهِ وَيَنْ لَا يَكُاعُ كَهُ فَضَاءً -

ا بوموسی اشعری داسفه وایت کی دسول انشرمسلی الشرعلیه وسلم نے فرایا جن کیا ٹرسے انشرنے متع فرمایا سے ان سے معدسسے برا گذا ہ یہ ہے کہ بندہ مقروص مہونے کی حا اس میں انشرسے ملے اور اس کی ا دائگی کا انتظام کر کے مذحباسے ۔

مشی حے به حقوق الله کے باب میں کچیر عاشت اور سہل انگاری ہوسکتی ہے اللہ تعالی عفور رحیم ہے ، بند سے کو بخشنے رپورا فا در ہے ، بخش دیے تو اس کا کچر نہیں مگر ایا لیکن حقوق العبا و کامعاملہ شرط ھا ہے ، ویاں انہیں کوئی نہیں بخشے گا۔ تروی میں دوزوں ماہند ملک میں بنی وارد تروی و دونائیا کا مزر ولید تروی کو زار شری ماری دسیسر

قُرْضَ لِينَ فَي نَصْبِهِ مِنْ اللهِ مِن اللَّهِ مِن اللَّهِ مِن اللَّهِ مَن اللَّهِ مَن اللَّهُ اللَّهِ اللَّ وسوس مد حسك في المحكمة الله الله الله الله الله الله المعسق لا في مَن السَّرَ مَن اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللّ

مَعْمَرٌ عَنِ الزُّمْرِي عَنْ آبِق سَلَمَتُمَعَنَ جَابِرِ فَالْ كَانَ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ

وَسَلَّوَلا يُصَلِّى عَلَى رَجِلِ مَا تَوَعَلَيْهِ دَبُنَ فَأَق بِبَيْتٍ فَقَالَ أَعَلَيْهِ دَيْتُ وَكُنَّ فَأَق بَيْتِتٍ فَقَالَ أَعَلَيْهِ دَيْتُ وَكُنَّ فَالْ مَا يَعِلَى مَا حِبِكُو فَقَالَ أَبُوْفَنَا دَةَ الْانْصُارِيِّ فَالْكُولُونَ فَالْكُولُونَ فَالْكُولُونَ فَالْكُولُونَ فَالْكُولُونَ فَاللَّالِ فَالْكُولُونِ فَالْكُولُونُ فَاللَّالِ فَالْكُولُونُ فَاللَّالِ فَاللَّالِي فَاللَّالِ فَاللَّالِ فَاللَّالِ فَاللَّهُ فَاللَّالِ فَاللَّالِ فَاللَّالِ فَاللَّالِ فَاللَّالِ فَاللَّالِ فَاللَّالِ فَاللَّهُ فَاللَّالِ فَاللَّالِ فَاللَّالِ فَاللَّالِ فَاللَّالِ فَاللَّالِي فَاللَّالِ فَاللَّالِ فَاللَّاللَّهُ فَاللَّالِ فَاللَّالِي فَاللَّالِي فَاللَّالِ فَاللَّالِ فَاللَّالِ فَاللَّالِ فَاللَّالِ فَاللَّالِي فَاللَّالِي فَاللَّالِي فَاللَّالِي فَاللَّالِي فَاللَّالِ فَاللَّالِ فَاللَّالِ فَاللَّالِ فَاللَّالِي فَاللَّالِ فَاللَّالِ فَاللَّالِ فَاللَّالِي فَالْمُنْ اللَّالِي فَاللَّالِي فَالْمُنْ فَالْمُنْ الْمِنْ فِي فَاللَّالِي فَالْمُنْ فَالْمُنْ الْمُنْ فَالْمُنْ الْمُنْ فَالْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ فَالْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْ

عَكِنَّ يَارَسُولَ اللهِ فَصَلَى عَلَيْهِ رَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ فَكُمَّا فَكُمُ اللهُ ع

عَلْى رَسُولِهِ مَعْلَى اللهُ عَلَيْ ووَسَكَوْ فِال أَنَا أَوْلَى بِكُلِّ مُحُومِنٍ مِنْ نَفْسِهِ فَكُنْ

نَرُكَ كُيْنًا فِعَكَى فَضَرِاءُ لا وَمَنْ تَرَكِ مَالًا فَلِوَرَثَتِهِ إ

كيا، مسلم، تر ندى، ابن ماحد، نسائى اوراس سي قبل سنن ابي داؤد مين ۵۵ مرابر گزر در كي سبعي

سنوح : اس مدسٹ سے ابویوسف، محد، مالک، شاقعی اور احمد سنے استد لال کیا کہ مست کی طون سے کھا است جائز ا اور صبح سے ساگر میر کفا است جائز مزہوتی تو حصنور صلی اسٹرعلیہ وسلم اسے تسلیم کہ کے اس شخص کی نماز جنازہ مذہرہ ستے۔ ابو تعنیفہ سنے کہا کہ متب اگر مفلس ہو دا وائیگی سے قابل مزہو، دیوالیہ ہو، تو اس کی طرف سے کھا است صبح نہیں کو کو ایسے شخص کا دُین توانہ خودس قط سے المذا اس کی کفالت باطل ہے۔ صدیث میں جس کفا ست کا ذکر سبے، ابو حنیفہ رحمۃ اللہ علیہ کے امول ہو یا ممکن سے کہ کمی سابق کفالت کا قرار مو کیو کہ کھا لیت میں اقرار کا لفظ ہو یا انتاء الٹہ کا، دونوں برابر ہیں۔ اور ممکن ہے کہ یہ کفالت مذہ موملکہ حضنور صلی اللہ علی میں میں اقرار کا دونو سے کریز کیا ہوگا کہ کوئی سنسنوں قرص ادا

ابن عَباسِ مِنَى انَّدَعَنها سَنِ بَيْ سَلَى التَّرْعِلَيه وسلم سسے اس طرح کی روایت کی جوگزری ابن عباس سنے کہا کہ رسول النُّرْسَلی الله علیہ وسلم سنے کوئی سو داخر پد اا وراس کی قمیت پاس نہ تھی، پس آپ نے اسے بچے ڈالاا ور نفع بایا، بپ وہ نفع آپ میلی النُّرعلیہ وسلم سنے بی عبدالمطلب کی بچواؤں پر صدقہ کمہ و با ور فرما یا آئندہ میں ایس کوئی چیز مُرْخریدوں گاجس کی قمیت میر سے پاس نہ ہو۔ را بک نسخ میں بنیجا کے بجائے تمیع کا لفظ سبے بعنی اونٹ کا بچر جو جراگاہ میں مال سکے بیھے ما تا ہے)

بابك في الْمُطْلِ

رادائلى ترضي تاخركاباب، اسس سحكانك الفَعْنَرِي عَنْ مَالِكِ عَنْ أَبِي الزِّينَا دِعَنِ الْاَعْرَجِ عَنْ أَبِي هُرُيرَةُ أَنَّ رَسُولَ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْتُ هِ وَسَلَّعُ قَالَ مَطُلُ الْعَنِيِّ ظُلُو وَ إِذَا اتْبِعَ اَحُدُا كُمُ عَلَى مَلِي فَلْيَكْبُعْ.

ا بوبرمیده دمی انٹرعنہ سے روایت ہے کہ رسول انٹر صلی انٹرعلیہ وسلم نے فرمایا: دولت مندکی اوائے قرض میں تا خیر طلم سے اور جب تم میں سے کسی کو کسی مالدار سے توالد کیا جائے دکتہ ہار سے مقروص سے وہ قرص کے سلسلے کسی اور پر ذومرداری ڈال دسے تو مان سے لر بخاری ، سلم ، ترخری ، نسانی ، ابن ماجرے منی دولت مندی سے مراواس حدیث میں وہ تختس سے جواحا ئے قرض پرتی ورمود وہ اگر طال مطول کرے تواسکا منٹس حے بعنی دولت مندی سے مراواس حدیث میں وہ تختس سے جواحا ئے قرض پرتی ورم اگر طال مطول کرے تواسکا

ظلم ہے کہ اس کاکوئی عند نہیں۔ حوالہ عنر دولت مند پر بھی جائز ہے مگر تر عنیب کی خاط اور قرص تواہ کے المینان قلب کے سلے فر مایا کہ جب مقروض کمی دولت مند پر بوالہ کر تا ہے تو تہیں مانے میں عذر نہ ہونا چا ہئے کہونکہ وہ حب کے توالہ کیا گیا سے الکی انکاد کم دھے تو قرض کے دمر ہوگا۔ اس کی موت یا معلس مونے کی صورت میں بھی صنفیہ کے نزد یک بھی صنفیہ سے مقالم میں بھی صنفیہ کے نزد یک قرض کی در داری میں بھی صنفیہ کے نزد یک تو من کی در داری اس معودت میں مقروض پر موالی سے ایک تمداری اس کی دور داری اس می سے جس کے حوالہ ہوا ور و مرح اسے تو بھر قرض مقروض ہر ہوگا .

بَالِكُ فِي حُسِن الْقَضَاءِ

دا تھی طرح اوائیگی کاباب،

٢٩٣٣ - كَلَّا ثُنُكَا الْقَعْنَبِي عَنْ مَالِكِ عَنْ زَيْدِهِ بَنِ الْسَاحُ عَنْ عَطَاءِ بَنِ يَسَابِ عَنَ الْيَ مَا فِيعِ قَالَ إِسْتَسْلَعَنَ مَ سُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحَ رَبُكُرًا فَجَاءَتُهُ إِبِلَ حِنَ الصَّدَ وَخَدَ فَاحْرَفِي آنُ الْفَخِي الرَّبُحِلَ بَكُرَةً فَقُلْتُ كَحْر اَجِد فِي الْرِبِلِ إِلَّا جَمَلًا حِيًا مُّ اَدَبًا عِيًا فَقَالَ النَّبِيُّ صَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّحَ اعْطِهُ

ا یا گافات خیای التاس احسم و فضائی الدول التراپ کی التراپ کے استان و فضائی الدول الدول الدول الدول الدول التراپ کے اس الدول الدول الدول الدول التراپ کے اس الدول الدول

سرم سر حَكُ ثُنَّ اَحْمَدُ بُن حَنْبِلِ نَا يَجِيلُ عِن مِسْعِهِ عَنْ مُحَادِبِ فَالَ سَمِعْتُ جَابِرَ بْنَ عَبْدِ اللهِ قَالَ كَانَ لِيُ عَلَى النَّبِي صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَدُيْنَ فَقَضَانِ وَنَهُ الدَيْ: عابرین عبدا نشرصی انشرعنر نے کہا کرمیرا رسول انشر صلی انشر علیہ وسلم کے دمر کچھے تھا آپ نے اسے ا داکیا اور دیاد منا ذکر

ب بیر بی حب سردی سر مهر مهر مهر میر در در مه سری است میروند می میروند پیرون میروند پیرون ایست است او میروند. زیاده دیا در نسانی ، رسش ح: بعض بوگوں نے اس سے است رلال کیا سے موجودہ مبکوں کے سُود لینا مبائر سے کیونکروہ کا کو رک دوشی سے

﴾ ملا، اکٹرا ہل علم کاہبی تول ہے . اور اس میں یہ تعبی دس سیے کہ قرصٰ چاہیے ذوات اورامٹال را کیے جیسی حیزیں کا ہویا قیمت ﴾ والی چیزوں کا، اواشکی اسی چیز کی مانند ہونی مباہیئے جیسے قرصٰ لیا تھا ، حصنو ریٹلیلسلام نے یہی حکم ابورا فع کو دیا تھا ۔ اور معر

حب من رومعلوم من تو بهتر کی او انکی فرما نی، اس سیدمعلوم مواکه اگدیشرط نه کی نبودمعلوم منسے کی بکانگ میں شرائط، فی مذر شودا ورمدت و عنده مرحبز مقر رموتی ہے المذا اسے اس معامے میر قباس کرنا غلط سے بقالیا کرنا جا ٹرزہے ۔ سکودا ورمدت و عنده مرحبز مقر رموتی ہے المذا اسے اس معامے میر قباس کرنا غلط سے بقالیا کرنا جا ٹرزہے ۔

اس مدیر فی من آیک اشکال سے کہ رسول الشوسلی الشرعلیہ وسلم نے صدقہ کے اوئنوں میں سے اعلیٰ در سے کا اونیط والس کی حال کہ دو مسامین وفع ادکاحق مقا اور صدقہ کے ناظم کو ایسا کھرنا جا گزنہیں ۔ اس کا جواب بیرہ کے مصنور صلی اللہ علیہ وسلم نے جواونی قرمن لیا تقاء اس صورت ہیں کسی کا علیہ وسلم نے جواونی قرمن لیا تقاء اس صورت ہیں کسی کی حق تلفی نہیں ہوئی ۔ اس بیدا بوہر رہدہ ومنی اللہ عند کی مدیر فی دلالت کرتی ہے جس کے الفاظ بیریں ، انہوں سنے اس کے لیے ایک اون طور ایک محتاج تھا جھا جون دلے اس سے اون سے لیے الفاظ بیریں محتاج تھا جھا جھا و منور نے اس سے اون سے لیے الفاظ بیریں اللہ عمتاج تھا جھا و منور نے اس سے اون سے این اللہ اور ایسے صد ہے کے اون و س سے اعلیٰ دسے دیا .

اس حدیث کی وجرسے ابوطیفہ رحمۃ السُّملیہ براعۃ اض کیا گیاہے کہ وہ حیوان کے قرمس کے فاکن ہیں۔ ابوعنیفہ کی لیل یہ صدیف ہے کہ حضور صلی السُّملیہ والسُّملیہ براعۃ اض کیا گیاہے کہ وہ حیوان کے سائر کھٹرائی ہے۔ یہ ابن عباس می السُّر علیہ وسلم ہے وان کی بیع بطور اُ دھار حیوان کے ساتھ گوا کی منہ ہی کہ میں اسلا علیہ وسلم حیوان کی بیع کو حیوان کے ساتھ گوا کی کے مدیسے ووہوں، جا نمہ عظہ اِسے سے مگراس میں نسیطہ داکھا ہے کہ مکہ وہ جانتے ہے۔ ابن عرف السُّر عنہ کی دوایت ہے کہ رسول السُّملی السُّر علیہ وسلم سے دوایت کی بیع حیوان کی بیع حیوان کے ساتھ نسینہ ممنوع قراد دی ۔ اسی طرح ہم وہ مِن السُّر عنہ اس دوایت کی بیع حیوان کے ساتھ نسینہ جانمہ قراد دی ۔ اسی طرح ہم وہ میں اسٹر وایت کی اسے میں جو ان کی بیع حیوان کے ساتھ نسینہ جانمہ قراد دی ۔ اسی طرح ہم وہ دیش اس دوایت کی اسے دیں جس میں حیوان کی بیع حیوان کے ساتھ نسینہ جانمہ قراد دی گئی ہے ۔

كأريك في الصري

ربیع صرف کا بات،

مهمهم . كُنَّا نَكُ عَبْكُ اللهِ بُنُ مَسُلَمَة عَنْ مَالِكِ عَنِ ابْنِ شِهَا بِعَنْ مَالِكِ فَيَهُ اللهِ عَنْ مَالِكِ فَيَهُ اللهِ عَنْ عَلَيْهُ وَسَلَمُواللهُ عَنْ مَاللِكِ فَيَهُ وَسَلَمُواللهُ هَبُ بِالنَّهُ هِ بَنِ أَوْسِ عَنْ عُتَمَ قَالَ قَالَ دَسُولَ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَمُواللهُ هَبُ بِاللهُ عَلَيْهُ وَهَا قَوْ الشَّهُ وَهَا قَوْ الشَّهُ وَهَا قَوْ الشَّهُ وَهَا عَرْبِ اللهُ هَاءَ وَهَا قَوْ الشَّهُ عَلَيْهِ السَّعِيْمِ مِنَ اللهُ هَاءَ وَهَا قَوْ الشَّهُ وَلَا السَّعَهُ مِنْ اللهُ هَاءَ وَهَاءً وَهَاءً وَهَاءً وَهَاءً وَهَاءً وَهَاءً وَهَاءً وَهَاءً وَهَاءً وَهُاءً وَاللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ وَاللَّهُ عَاءً وَاللَّهُ اللَّهُ وَاللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ وَاللَّهُ اللَّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللللّهُ اللللللّهُ اللللّهُ اللّهُ الللّهُ الللللّهُ الللّهُ الللللللللّهُ الللللّهُ الللللللّهُ اللللللّهُ اللللللللللللللللللللل

حفنرت عمرصى التدعن سندكها كددسول التصلى الترعليه وسلم ني فرمايا بسوني كانتبا د يسوني بسعربواسيع مم حبکه نقدا نقدمِو-ا ورگندم کی بع گندم سے *تو دسے مگرجب*کہ نورًا دوا وربوکا نقبتہ د۔ا وربھجوری بع بھجورسے رہاہے گرچب كرنغدانقد ميواور جوگى بىغ مئوسكى سائة برباسى گريجب كرنفدانقد ميورىجارى مسلم، المو لمار ترندى سائى، ابن ماجہ، حاً، وحاکا ورحاً وحاً اورحاک وحاکرسب کا معنی سے دوا وردو ۔ یعنیان میں نسبٹرحائزنہیں مزرگفتگوا کے سے ۵۳۷۷ - حَتَّا فَكَا الْحَسُن بْنَ عَلِيّ نَا بِشْ رُبْنُ عُهَرَ نَا هَمَّا مُرْعَنَ فَنَا دَهُ عَنُ إَبِي الْخِلِيْلِ عَنْ مُسْلِمِ (لمَكِيّ عَنْ أَبِي الدَّشْعَتِ الصَّنْعَانِيّ عَنْ عُبَادَة بنِ الصَّامِتِ أَنَّ رُسُولَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّعُ فَالَ اللَّهُ هَبُّ بِالنَّا هَبِ تَبْرُهَا وَعَيْنُهَا وَالْفِضَةُ مُالْفِضَةُ مَالْفِضَةِ مَنْبُرُهَا وَعَيْنُهَا وَالْبُرُّ بِالْبُرِّمُ لَى بِحُبِّ عَاوَ الشَّيعُيرُ بِالشَّعِبْرِمُ مَّا عَابِمُ مَّى وَالْتَمْمُ بِالْتَمَرُّمُ مَّاى بِمُدَّاى وَالْمِلْحُ بِالْيِلْج مُنَّاىِبِمُنَّا ى فَكَنْ نَهُ [دَا وَ اَرْدَا دَ فَقُلُهُ اَرْبِي وَلَا بَاسَ بِبَيْعِ النَّهُ هَبِ بِالْفِضَاءِ وَٱلْفِظُّةُ ٱكْثَرُهَا يَدَا بِيَهِا وَأَمَّا نَسِينَةً فَلَا وَلَابَاسٌ بِسُبِعِ الْسُرِيالشَّخِيرِ وَالشُّعِيْرُ ٱكْثُرُهُمَا يَدَّا بِيَهِ وَأَمَّا نَسِيْتُهُ فَكُلَّ فَالْ ٱبْوُدَا ذَحَرُوى هَلْ (أَحَدِائِتَ سَعِيْكُ أَنْ أَنْ عَرُوْيَةَ وَهِتَ الْمُراكَةَ سَتَوَا فِي تُعَنَّ وَتَكَادَ فَا عُن مُسْلِمِ بن يسارباستاده

عبا وہ بن صامت دمنی انٹرعنہ سے رواست سے کہ دسول انٹرصلی انٹرعلیہ وسلم سنے قرمایا بسوسے سکے بدسلے سونہ ہے استعام و باشکہ اور کی استعام و استعام و باشکہ اور کی سے اینٹ ہویا سکہ ہو،ا ورگندم سکے بدسے گندم برا برسرام ہے۔اور کوکے

کی مدیث تمریهم مهاراس کے الفاظ میں ، بدا بیٹ واکٹائسیٹے "مُلک میٹی اگر ایک مبنس زیادہ ہوا ور دومسری کم تو

بالتك في حِلْبَةِ السَّبُونِ نَبُاعُ بِالسَّامُ الْهِرِ

دباتباد جرااؤ تلوار كودرائم سنه فرونعت كسرناي

فعنالہ بن عبیر رمنی النٹر عنہ نے کہا کہ بنی کریم صلی الشرعلیہ وسلم کے پاس جنگ تیہ بیں ایک یا دلایا گیا جس ہیں سونا اور جوا ہرات عقد ، ابو بکر راوی اور احرین منیع سے کہا کہ اس ہیں ہوتی سے جن ریسونا چڑاہا ہوا تھا۔ اسے ایک آدمی نے نو دینا ریاسات دینا سیں خمہ بیا تھا ، پس بنی صلی الشرعلیہ وسلم نے فر بایا کہ نہیں حب مک کہ سونے اور ہوتیوں میں امتیا نہ ہوجائے۔ بس اس شخص نے کہا کہ ہیں نے صرف ہوتیوں کا ادا دہ کیا تھا۔ بھر بھی نبی صلی الشرعلیہ وسلم نے فر ما یا کہ نہیں حب بک کہ سونے اور ہوتی کہ دویا تاکہ حب بک کہ سونے اور ہوجائے۔ فضا ہہ رصنی الٹرعنہ نے کہا کہ اس شخص نے اس یا دکووائیں کہ دویا تاکہ سونے اور دوسری چیز ہیں امتیاز کیا جا ہے۔ راوی ابن عمیلی نے یہ لفظ لولا بھی نے تو تی ارت کا ادا دہ کیا سے ۔ ابو داؤ درنے کہا کہ ابن عمیلی کی تنا ب بیں انجی آت تھا ۔ رنگر اُس نے صدیب سناتے وقت استیارہ بیڑھا

سٹر سے: مطلب پرکہ حفنورعلیلسلام نے پر فرمایا تفاکہ تم نے پیمار نویاسات دینار کا خریدا ہے اور تمکن سے اس والی سے سونا کم وبیش ہو دلنا حب سونامسا وی ہو گاتو بھی ربوا سے کہ موتی کی کوئی قیمت نہ ہوئی اور اگرسونا نہ با دہ سے توھی آ ربوا سے کہ نو دینا رکا سونا نو دینار سے زائدا و ربھر سابقہ موتی بھی خمر پدے گئے۔ اس فنفس کا کہنا ہے تفاکہ میں نے پھر آ

POPOLICO DE CONTRACTO DE CONTRACTO DE LA CONTRACTO DE CONTRACTOR DE CONT

کے موق تحدیدے ہیں اموال ربوا میں سے نہیں ہیں ، نگر سوال یہ تھا کہ بھر سونا کس چیز کا معاون نہ ہے جو ہا د سے ا اندر تھا لہٰذار با تو ہم صورت ہوا ۔ اگرا واکی جانے والی قیمت بعنی د بنار م س سونے سے زیا وہ تھے جو ہار میں تھا توا ہو صنیفہ رضہ انشر علیہ کے ننہ ویک بیع مجانم نہ تھی کیونکہ نا ٹر دینا ر کے بدلے وہ موتی ہوئے جو ہا د کے اندر سعتے ۔ نگر د نگر انٹر کے اس صورت ہیں تھی بع کونا جائمۂ کہا سے ۔

٨٨ سرس كَتْلَانْكَ أَنْكَ أَنْكُ الْكَنْكُ عَنْ كَنْ سَعِيْدِ الْمَاللَّيْنَكُ عَنْ اَبِى شَكْجًاء سَعِيْدِ أَنِ اَلْمَانَ اللَّهُ اللَّهُ عَنْ اَلْكَانِيَ عَنْ اَلْكَانِيَ عَنْ اَلْكَانِي اَلْكَانِي عَنْ اَلْكَانِي عَنْ اَلْكَانِي عَنْ اَلْكَانِي عَنْ اللَّهُ اللْلُلِي اللَّهُ اللْلُلُكُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُلْكُلُولُ اللَّهُ الللَّهُ الل

فغالد بن عبیدرصی الترعنہ نے کہاکہ میں نے حبگ خیبہ میں ایک ہار ۱۲ دینار کا خریدا ، اس میں کچے سونا اور کچے کو تی فغد اس میں نے انہیں حکراکیا تو میں نے اس ۱۷ دنیا رسے ذائد با یا اور یہ بات نبی سی الشرعلیہ وسلم کے ساستے بیا ن کی تو اکپ نے ذمایا : اسسے مذہبی جا سئے جب تک کہ دونوں کو حبداً حبلا مذکر دیا جائے ۔ درسلم، تذہ نری، نسائی ، سیر حدمیث دینا رکے متمار میں پہلی حدمث کے خلان ہے نشا یہ پہلا سودا رد مہوکر محرود و مراہوا تھا یا یوں کئے کہلی حدث میں 4 یا، دینا رکے درمیان شک تھا اور اس میں فقین سے مرسو دا ۱۲ دینا رکا تھا ۔ اس صدید میں نا بئا سؤوار تر مہر کیا گیا بہ مزیدا حتیا ط کے سئے مزید بیع کی خاطر سونے اور موتی کو انگ انگ سودوں کے میں تھے بیجنے کا حکم دیا گیا ، کیونکہ فضا لہ رمنی انڈون کہ سے کئی بیس نے انہیں جدا کیا ۔

وم ٣٣ . كَانْكُ اَتُكُنْ اَتُكُنْ الْكَيْتُ عَنَى اللّهُ اللّهُ اللّهُ الْكَيْتُ عَزَامُوا إِلَى جَعْفَرا عَنِ الْجَلَاحِ اَبِي كَثِيرِقَالَ كَمَّا ثَنِي حَنْشُ الصَّنَعَانِ ثَعَنَ فَصَالَ لَهُ بُنِ عُبَيْدٍ قَالَ كُنَّا مَعَ رَسُولِ الله صَلّى الله عَكَيْهُ وَسَلَّمُ رَبُومُ خَيْبُرَ نُبَادِعُ الْهَمُ وَخَالُوقِ مَنَ اللّهُ هُورِ الْوَقِيَةَ مِنَ اللّهُ هُورِ الْوَقِيَةَ مِنَ اللّهُ هُورِ اللّهُ وَسَلَّمُ لَا يُسُولُ مِالْهِ صَلَّى اللّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ لَا نَبِي اللّهُ اللّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ لَا نَبِي اللّهُ اللّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ لَا نَبِي اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ لَا نَبِي اللّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ لَا نَبِي اللّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ لَا نَبِي اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْهِ وَسَلّمُ لَا نَبِي اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللللّهُ الللّهُ الللّهُ الللّهُ الللّهُ الللللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ ا

ففالدبن عبیدرصی التُدعنه نے کہا کہ ہم جنگ نیبر ہیں دسول التُرصلی التُدعلیہ وسلم کے ساتھ تھے۔ ہم ہم و دیوں اللہ سیسونے کے اوقیہ کا دینا دسکے ساتھ لین دین کرتے تھے۔ قنیبہ کے سواد و سرول نے کہا ، دواور بین دینا دیے ساتھ کیا بھر دونوں را دی متفق ہو گئے، لیس رسول التُرصلی التُرعلیہ وسلم نے فرمایا کہ سونے کوسونے کے ساتھ مت بہج مگر ہوئے

باس في إفرضاء الله هَب مِن ألوري

دجاندی سے سونے تباد کے کابات

مه ١٣٠٥ - كَلَّانُكُ مُوسَى بَنَ إِسْمَاعِيْلَ وَمُحَتَّمُ لَا بَنُ مَحْبُوبُ الْمَعْنَ وَاحِلًا قَالاَنَاحَتَّا دُعْنَ سِمَا لَا بَنِ حَرْبِ عَنْ سِعِيْدِ بَنِ جُبُيرِعِن ابْنِ عُمَمَا قَالَ كُنْ الْمَا وَالْحَدُ الْمِعْنَ الْمِنْ جُبُيرِعِن ابْنِ عُمَمَا قَالَ كُنْ الْمَا اللهِ عَلَى اللهِ عَمَا قَالَ كُنْ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَاللهِ وَالْحُولُ اللهِ عَنْ اللهُ عَلَيْهِ وَالْمَعْنَ اللهُ عَلَيْهِ وَالْمَعْنَ اللهُ عَلَيْهِ وَاللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَاللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَالْمُعْنَ اللهُ عَلَيْهِ وَاللّهُ عَلَيْهِ وَاللّهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَاللّهُ عَلَيْهِ وَاللّهُ عَلَيْهِ وَاللّهُ عَلَيْهِ وَاللّهُ عَلَيْهِ عَلَى اللّهُ عَلَيْهِ وَاللّهُ عَلَيْهِ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهِ وَاللّهُ عَلَيْهِ وَاللّهُ عَلَيْهِ وَاللّهُ عَلَيْهِ وَاللّهُ عَلَيْهِ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَالْمُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَلَا عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَالْمُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَلَا عَلَيْهُ وَلَا عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ عَا

ابن عرصی الترعین الترعین الترعین اقعی میں اون طبیجتا تھا، نس ویناروں کے حساب سے بحینا ور دریم ابتا اور دریم و دریموں کے حساب سے بحینا تو دینا رہتا تھا، اس کے بہائے بہتا اوراس کے بجائے وہ دینا تھا، نس ہیں درول الترفول الترفیل الردوم میں اور دریم التربی میں اور دریم التربی میں اور دریم التربی میں اور درایم کے جائے الدا الدور الیم کے حساب سے بحینا ہول اور درینا رہینا ہول اور اس کے بجائے کے بہت اور اس کے بجائے وہ دیتا ہول اور درینا رہینا ہول اور در ایم کے جائے التربی میں میں التربی التربی میں التربی میں التی التربی میں التربی التربی میں التربی میں

مَا هِ فِي الْجَبُوانِ بِالْحَبُوانِ نَسِيْعَةً

دحیوان کی بع حیوان کے ساتھ او بار کا باہے

٣٣٥٢. كَلَّا نَكَا مُوْسَى بِنَ إِسْمَاعِيْلَ مَا حَيَّادٌ عَنْ قَتَّادَةً عَنِ الْحَسَنِ عَنَ سَهْرَةً أَنَّ النَّبِيَّ صَلَى اللَّهُ عَلَيْ إِنْ مَا كَيْ وَسَلَّحَ نَهَى عَنْ بَيْعِ الْحَبَوَانِ بِالْحَبَوانِ ذَهُ مَنْ تَهُ

سمرہ دخی الشرعنہ سے دوایت ہے کہ نی صلی الشدعلیہ وسلم نے حیوان کی حیوان سے سابھ اُدیا رہیے کو ممنوع ظہایا۔ دخر خری، نسائی ، اگلی حدیث بظاہراس سے خلاف آرہی ہے۔

كالبن في البُّرخُصَنَّ

راسىيى رخصت كاباك)

عبدالتٰدن عروسے روایت سے کہ دسول التُرسلی التُدعلیہ وسلم خاسے ایک بشکر کی تیاری کاحکم دیا، لپسس اونط ختم ہوگئے تو آپ مسلی التُرعلیہ ولم نے اس کو حکم دیا کہ صدقہ کی کجوان او نتٹنیوں کے وعدے پراونرط، ماصل کمسے ۔ بپرعبدالتُدمِنی التُرعنہ صدقہ کے اونٹ آنے تک ایک ایک کودودوا ونٹ کے بد سے ماصل کمرتے ستھے ۔

شرسے: اس مدسین سے تو حیوان کی سے حیوان سے بالتقاصل نسینہ کھی جائنہ ثابت ہوئی ہے۔ لیکن اس مدسین کی سندیں کام سے اور میں اس سے اور البوسفیان ہرد وکو جہوں کہا سے - احمد ہے ہمرہ لصی المسرع نہ کی مدسین کام سے اور منفیہ کے نز دیک کی مدسین کو ٹا بہت ترکہا ہے۔ حیوان کی سع حیوان کے ساتھ بطور نسینہ عطاء، نوری، احمد اور منفیہ کے نز دیک اجناس میں میں تعدن ہوں توجائز سے مرا ور مدسین عمرہ میں مبنس ایک سے اور اور مدسین عمرہ میں مبنس ایک سے ہوتو بع جائز سے مبنس ایک ہویا زیادہ ہوں ۔ اس مدسین عبدالسّرین عمرہ میں ایک الی الی کہا گیا ہے۔ عمرہ میں محمد بن اسحاق سے جوعت کے ساتھ روایت ہمرتا ہے ۔ عمروین حریش کو بھی جہول الحال کہا گیا ہے۔

بَا حِلْ فِي لَّمِ لِكَ إِذَا كَانَ بَكُ إِبِيلِ دعب دست بدست بونواس كے جواز كاباب،

م ٥ سس حَكَّا نَتُكَ يَزِيْ لُهُ بِى خَالِدِ الْهَهُ لَهُ الْخَاكُ وَثَنَيْبَ لَهُ بُنُ سَحِيْدِ الشَّقَفِيُّ آتَ اللَّيُتُ حَكَنَهُ هُوُعَنَ آبِ الزُّبُ يِعِنَ جَابِرِ آتَ النَّبِيِّ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّعَ الشُّنَزِى عَبُدَ (بَعَبُ دَينٍ -

جابر دمنی انٹری نوسے دوایت ہے کہ بئ کرم صلی انٹرعلیہ وسلم نے ایک غلام کو دوسے مقابلے میں خریا دشتم ،تزمذی، نسائی، اس حدیث کی دُ وسسے عب حیوان کی جنس ایک ہو تو تفا منل جائز ہے بشرطیکہ سو دا دست برست ہو۔

بَابِ فِي النَّمْرِ بِالنَّمْرِ

ر باب کھجور کے بدیے مجور

۵۵۳۷ حكا تَنْ اللهِ إِنْ مَسْكَنَة عَنْ مَالِكِ عَنْ عَبْواللهِ بَنِ بَدِيكَ اللهِ بَنِ بَدِيكَ اللهِ بَنِ بَدِيكَ اللهِ اللهِ بَنِ بَدُو اللهِ اللهِ بَنِ بَدُو اللهِ اللهِ بَنِ بَدُو اللهِ اللهِ بَنِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ ال

ا بوعیاش نے سعد تبن ابی و قاص رضی الترعنہ سیر سفیدگندم کے بد لے نیل گندم کے متعلق بوچاتو سعد فی اس سے کہا کہ رفیدگندم ہے بہ سعد رضی الترعنہ نے اس سے کہا کہ رفیدگندم ۔ بس سعد رضی الترعنہ نے اس سے منع کیا اور کہا ہی نے دسول الترصلی الترعلیہ وسلم سے خشک کھچور کوئٹر کھچور کے بد مے لینے کا سوال ہوتے منع کیا اور کہا ہی دسول الترصلی الترعلیہ وسلم نے قر مایا : کیا تہ کھچور خشک ہوکہ کم ہوجا تی ہے ؟ لوگوں نے کہا کہ ہال ۔ بس منع فر مایا دی ترشیدی، نسانی ، ابن ماجہ ، المؤسل البن خود کید ، اس سوالی کورسول الترصلی الترمنی تابی کے اس کے اس کی تصمیم کی ہے۔ ابن حبان ، الحاکم ، نتر ذی اور اسٹری تعیول نے اس کی تصمیم کی ہے۔

ancedelle collected and the properties of the collection of the co

مش سے: اس مدیث کے راوی ابوعیاش کو ابوصنی اور ابن حزم نے بقول مافظ ابن مجرجم ہول کہا ہے۔ بخاری اور سلم نے اس مدین کو اسی خوف سے نہیں ایا کہ ابوعیاش جمہول محتول ہی نے اسے محفق امام مالک کی تقلید میں بہت بط صاحر طوعا کمر بیٹن کیا ہے، مگر بقول مولانا جرح و تعدیل سے باب میں تقلید کو کوئی ومل نہیں ہے۔ ابوعیا میں کے متعلق اختلاف ہے کہ آیا یہ زرقی سے یا خز وی یاز سری اور اس کی جہالت میں بہی کافی سے دراصل اس کی جرح و تعدیل میں ابوعنی فید محمة التر علیہ اور مالک کا ختلاف سے و مالک رحمة التر علیہ نے اس کی تعدیل کی

مولانار حمة الشرعليه سنة فرما يا كم سُكتت كي سائق بيقناء كي سع كي بارسيس جو كيوسعد يضي الشرعند سنه فرمايا ،أكروه وست بدست بیع پر مبنی تفاتو مما نعت ورع واحتیا ط کے طور نپر تھی کرسکست جو نکہ گندم کے مشابہ تھی لہٰذااس شاہرتا نیے اس میں مشہریدا کیرد ما لہٰذا سعد سنےازراہ احتماط اس سے روک دیا، ورنر حقیفت پیر سے کہران کی بیع اگر دست مدست ہوتواس کا حکم پہتنہیں ۔ وجہ پرکہ ہرد ونوں ایک حبتن نہیں ملکہ الگ الگ جنسیں ہم، بیں حب طرح گندم کی بیع جو کے سا ت بدست موتّوتغاضل کے ماتھ جائز سے و لیسے ہی بہاں بھی جا ئڑ بھتی ۔ ہاں!اگر نما نعَت کونسسیُہ پر عمول کم' وہ بن صامت دصی الترعنہ کی حدیث کے مطابق ال میں تفاصل جائز نہیں سے ۔ اوپر بیرحدیث صراحة گندم ا ورجُوکی بیع میں تفاصل کے حواز تباحکی سے حب کہ بی وست بدست ہو د حدمیث، بہم مہر، جہاں تک برتھجور کے خش*ک کھبچور کے سابھ خرید و فروخت کا* معاملہ سے اس میں اختلاف ہے جب کہ دست بدست ہو۔البدَائع میں ہے ک ترکی بع رطب کے ساتھ ،اور منقل کی منق کے ساتھ مساوی ناپ کے ساتھ ، ابوطنیفہ رحمتہ السّٰظیم کے نز دیک بیسب جائن میں۔ابولوسف نے کہا کہا ورسب کی سع جائن سے مگر تمر کی تُرطب کے ساتھ جائز نہیں دیشا بداس حدیث کی وجہسے ا ورمح دسنے کہا کہ ان سب کی بیع فار دسے ، مرف نُرطب کی رُطب کے ساتھ اور انگور کی انگور سکے ساتھ جا نُرسے بشا فع نے کہا کہ پرسب بیع باطل میں۔ابوصنیفہ نے مالیہ مسا وا سکا نحاظ کیا بعنی عقیر بیع کے وقت، اوربعد کے نقصائ کا اعتبا نزكيا ، محد نے عقبہ بیع کیے وقت کی مسِا وات اور لعد کی مساوات کو متر نظر رکھا ۔ ابو یوسف کا عتب ربھی ابو صنیقہ کی مانن ر ہا سواسے رُطب آ ورتم رہے، کہ اس کے نسا دس بیر حدیث موجود سے۔ مثا فعی رحمت انترعلیہ سنے ان تعیلوں کے اندر جو خشک نہیں ان کے خشک کمونے کے نقصان کا لحاظ بیش نظر کھا۔ابو پوسٹ اور محمد کی دمیل مقور سے سے اختلاب كے سابھ بيڭ ريث سعد سبع ، ابوحنيفه نے قرآنی عمومات اور سنت مشہورہ كاا عتبار كيا ، قرآنى عمومات يدمين ؛ لاَنا كُلُوُا ا مُحُوانكُهُ دِبْنَيْنُكُهُ مِانْبَاطِلِ إِلاَّ اَنْ تَكُوِنَ قِبَاكُمْ لَا عَنْ نُزَاصِي مُنِنَكُهُ أِدَا بِ مالْ با ثَم با طَل طريق سيمت كليا وُ اِلَّة به کرتجارت معج مَثْهَا رَی دَصْنامندی سکے ساتھ ہِ ' بس ظاہرنفِنّ ہُربیع کوجا ٹرز قرار دیتی سلیے سوا سٹے ان صورتوں کے جودلیل کے ساتھ مستنیٰ ہول اور محفوص صورت تفاضل کی سے جوشرعی معیار سے زاید ہو یس جو بع مساوات کے ساتھ ہوہ جواز ہر باقی دمی ۔اورشنت مشہورہ سے ان کی مرام ہوسعید خدری دمنی الٹرعنہ کی مدین اور عبادہ بن صامت بینی الیّدی نامی مدیث سیے جس میں حصنور عَلیالسلام نے گندم کی بیع گندم سے ، تَجو کی بُوسسے ، تمرکی ترسیے برابر سرابر مطلقاً بل تخصيص حائزة ومائ سيم- أوركندم كالفظاس كى برقم برا ورجوكا كِفظاس كى برقيم اورنوع بربولاحا ياسم اسى طرح تمر كالفظائر طب اوربسُر اورتر و خشك سب بربولا جاتا ہے ۔ نفت میں سرکھجور کو حیاسیے کُر طب ہو، نبسرہو، ندسّب ہو، منفع ہو، برابر بولاجا تائے حبائت خیبر کے موقع برحفنور علالسلام کی صدمت میں تازہ مجور کا تحفہ بیش ہوا تواہے

فرمایا: کیا نویٹر کی سب تمراسی طرح کی ہوتی ہیں کی سوآپ نے دُ الب برتمر کا لفظ ہولا ۔ یہ حدیث چونکہ ضعیف ہے اوراس کے او دیوں برین تقید ہوئی ہے لہٰذا ابو حنیفہ نے دیگیر دلائل شرع کے مقا بلہ میں اسے لائق اعتبار نہیں تھہرایا۔ والتٰداعلم ۔ ابو واؤ دینے کہاکہ اس مدیث کو اسماعیں بن امیّہ نے بھی مالک کی ما نندروایت کیا سے ۔

٣٣٥١ - حَكَّا ثُنَّا الرَّبِيعُ بُنُ نَافِعِ أَبُونَوْبُ ثَنَامُ عَا وِيَهُ يُعَنِى أَبِنَ سَلَّامٍ عَنْ يَخْيَى أَبِنَ سَلَّامِ عَنْ يَخْيَى أَبُ كَا اللَّهِ اللَّهِ اَنَّ اَبَاعَيَاشِ اَخْبَرُ لَا اَنْ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللْهُ عَلَى الْمُعَلِّى الْمُعَلِّى الْمُعَلِّى اللْهُ عَلَى الْمُعَالِمُ عَلَى اللْهُ عَا

سعد بن ابی و فاص رضی الترعند کتے مقے کہ دسول الترصلی الترعلیہ وسلم نے ترکیجور کی بیع کوخشک کھجور کے ساتھ اور کے ساتھ اور کے سے منع فر مایا ۔ ابو واؤ دینے کہا کہ عران بن ابی انس نے بنی مخزوم کے ایک آناد کر دہ غلام دینی البوعیاش جس کا نام دیری بن بنایا جا تا ہے ، سے ، اس نے سعد دینی الترعنہ سے اسی طرح دوایت کی د تنبید ، بقول منذری ، واد قطنی ، اور بہ بقی نے بحیٰ بن ابی کثر بر تنقید کی سے کہ اس سنے اس صدیت میں نسبیّة کے لفظ کا اصافہ کیا سے بہا ہی با بی کثر خود ایک انقد رادی سے ۔ بھی بن ابی کثر خود ایک انقد رادی سے .

باب في المُزَابَنة

دمزابنرکا با بِپ،

>٣٣٥ - كَثَّا تَثَنَّا اَبُوْبَكِرُنُنَ اَ فِي شَيْدَ ثَنَا اَبُنُ اَ فِي مَارِئِدَةَ عَنْ عُبَيْدِ اللَّهِ عَن نَافِعٍ عَنِ ابْنِ عُمَرَ رَضِى اللهُ عَنْهُ كَمَا اَتَ النَّبِى صَلَىٰ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّوَنَهَى عَنْ بَيْعِ التَّسُرِ بِالتَّسَرِكِيُ لَا وَعَنْ بَيْعِ الْعِنَبِ بِالذَّرِبِيبِ كَيُ لَا وَعَنْ بَيْعِ الذَّهُ عَلِيْ لِيُخْطَرِ كَنْ يُهِ إِللَّهُ مَرِ بِالتَّسَرِكِيُ لَا وَعَنْ بَيْعِ الْعِنَبِ بِالذَّرِبِيبِ كَيُ لَا وَعَنْ بَيْعِ الذَّهُ عَلِيْ لِيَعْدَ

شرح:اس مسلم میں ائم فقہ وحدیث کے اندر کوئی اختلاف نہیں ۔ حدیث سے خود مزابند کی تشریح بھی مہوجاتی ہے کہ کھڑی نصل کے سابھ ناپ کمر بیجنیا ، اُکٹر سے مبوئے پھیلوں کے سابھ ان بھلوں کی بیع جو ابھی درختوں ہم ہم مزابنہ کہلا ناہے

and the contraction of the contr

كانت في بينج الْعَدَاكَا د عرا یا کی بیع کابات

٣٣٥٨- حَكَّا ثَنْنَا ٱحْمَدُ بِي صَالِحٍ نَا أَنْ وَهِبِ ٱخْبَرَ فِي يُوْنَسُ عَنِ (بَنِ شِهَابِ ٱخْبُرِنِي ْ خَارِجَة كُنُ ذَبْكِ بْنِ تَاسِيْ عَنْ آبِيْهِ أَنَّ النِّبَى صَلَى اللهُ عَلِيَا

لَّحُوكَنَّحُصَ فِي كَيْعِ الْعَكَ أَيَا مِا لَتَّكُوكَ الْكَطِبِ. تبدين ثابت رضى النُّون سے دوابت ہے كہ ئبی صلی الشرط ليہ وسلم نے نشک وتر تھجور سکے مساتھ عرایا کی بیع کی رخصت دى مقى دىخارى مسلم، نسائى بترمندى، المؤطآ >

ش ح : عرآ ما عریدی جع ہے، اس کی تغییرامام مالک رحمترالله بنا معطوط مس میرکی سے کہ تھجود کے باع کا مالک کسی تخفس کوایک با دو در ختوں کا بھیل دے دیتا تھا تاکہ اُس کے اہل وسیال رپھیں ک*ھا ہیں۔* اِس شخص کے سیے باربار ہاغ میں جا نا ا ور تھیل لا نا بعین دفعہ د مثواز موٹا تھا، بعض دفعہ مالک کے اہل وعمال اس سے تکلیف محسوس کمہ تھے ، لیں وہ شخص حب کو بھی دردی گئی تھتی مالک سے مطالبہ کمہ تاکہ مجھے اس قدر بھی اس وقت دسے وینا حب کہ ھیل نوٹرا جائے اوراس کااندازہ کرنیا جائے تاکہاس درخمت برکتنا ھیل سے رئیں پر حقیقت میں بع کو بی نہیں بلکہ مبیرا ورعطیّہ سے جےنوسعا بع کا لفظ دیا گیا ہے۔ اس کے بواز میں کوئی شک نہیں ہے۔ یہ بیع اس سیے بھی نہیں کہ بھیل ابھی در خت میرہے اور اتس بم قعنيه نهس موا رعرتير كالمعنى لغت مين هي عطيته بي سبع - علام وقطابي اور نووي دحمة السّرعلد سنف است بع شابهت لہنے کے بیٹے ایڈی چوٹی کا زورنگا یا سے میکن بات وہی ہے جوا وہرا مام مالک کی تغییر پیرنگڈ دی اورا سے امام محد سنے بھی اسنے مو طامیں بیان کیا سے ۔ تیو نکہ مین دین کے حساب سے ریہ سع کی صورت نظر آتی سے اس سیے راویوں نے اسے بع کہا ور نہ حقیقت میں یہ بع نہیں سے،اگریہ بع ہوتی تویہ بیع التر بالتر الحامل سے جس کے مدم جواز

میں کسی کا اختلاف نہیں ہے اور اس سے بجینے کی فاطر ہی دخصست کا لفظ رُواۃ مدیث نے بولا ہے

٣٥٥ - كُلَّا فَكُنَّا عُشْمَاكُ بُنْ إِنَّ شَبْبَةً ثَا ابْنُ عُيَدُنَةً عَنْ بَحْبِي سِعِبْيِ عَنْ كْسَتُبْرِيْنِ يَسَارِعَنْ سَهُلِ بْنِ إِنْ حَثْمَةَ أَنَّ رَسُولَ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ نَهٰى عَنُ بَيْعِ الشَّمُرِ بِالتَّمُرِ وَرَحَّصَ فِي الْعَرَايَا أَنْ تُبَاعَ بِخَرْصِهَا يَا كُلُّهَا أهكهاركطسًار

سل مب ابی حشردمنی التلعیندسے روایت سیے کہ در ول الٹرنسلی الٹرعلیہ وسلم نے کھجود کو کھجود کے مداخہ بیجینے سے منع فر ما یا ورعرا ما میں رخصیت دی کدان کواندازه کمرسکے بچا جا سئے اور مالک ان کا بھیل نازہ اور ترکھائیں رنجاری مسلم، ترمذی نسائی شرح اوب د کیمیں ۔

بكب في مِقْدَارِ الْعَرِيَّةِ

دعريته كى مقدار كابائب

٠٧س٧٠٠ كَتَّا ثَنَّا عَبْنُ اللهِ ابْنُ مَسْلَمَة نَامَالِكَ عَنْ دَاؤَد آبِ الْحُصَلِينِ عَنْ مَوْلَى ابْنِ اَبْ وَكَالَ الْقَعْنَدِيُّ فِيْمَا قَرَاعُلْ مَالِكِ عَنْ مَوْلَى ابْنِ الْقَعْنَدِيُّ فِيْمَا قَرَاعُلْ مَالِكِ عَنْ اَبِي الْمُعْنَا وَلِي الْمُحَدِّدَةُ وَقَالَ لَنَا الْقَعْنَدِيُّ فِي مَا قَرَاعُلُ مَالِكِ عَنْ اَبِي الْمُحْدَدُ اللهِ عَنْ اَبِي اللهُ عَلَيْ عَلَيْ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهِ اللهِ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهِ اللهُ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ اللهُ عَلَيْ اللهِ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ الل

ابومریده رضی التُرعنه سے روایت ہے کہ رسول التُرسلی التُرعلیه وسلم سنے عرایا کی بیع میں پانچ وسق سے کم میں رخصت دی یا پانچ وسق میں اواؤ و مبن الحصین را وی کو شک سے دبخاری مسلم، نسائی، تد مذی ، المؤظا، ابوداؤ وسنے کہا کہ مہابر رضی الترعنہ کی حدیث میں جاروستی تک ہے ۔ بس اس مقدار کے اندر میں اختلاف واضطراب میوا ۔ حالاتکاس کی نبیا دبر علاّ مرخطا بی سنے اسے بیع قرار دینے بربراز وردیا ہے ۔

بَاسِ نَفْسِيْرِ الْعَسَرَايَا

دعرایا کی تفسیر کا بات ہے

٣٣١ حَكَّا ثَنَا أَحْمَلُ بَى سَعِيْدِ الْهَمُكَ الْخَالُكُ وَهُدِ آخُبَرُ فِي عَمْرُ و بِهِ الْخَارِدِ عَنْ عَمْرُ و بَى سَعِيْدِ الْكَفْمَامِ فِي الْنُكُولُ الْمَاكِدِ مِنْ عَلَى الْمَحْدِ مَنْ عَلَى النَّخُلَةَ أَوِ الرَّخُلُ النَّخُلَة وَالرَّخُلُ النَّخُلَة الْمَاكِدُ النَّكُمُ النَّهُ الْمَاكِدُ النَّهُ الْمَاكِدُ النَّهُ الْمَاكِدُ النَّكُمُ النَّهُ الْمُعْرَدِ النَّهُ الْمَاكِدُ النَّهُ الْمَاكُولُ النَّهُ الْمَاكِدُ اللَّهُ الْمُعْرَدِ اللَّهُ الْمُعْرِدِ اللَّهُ الْمُلْمُ الْمُعْلَى اللَّهُ الْمُعْلَى اللَّهُ اللَّهُ الْمُعْلَى اللَّهُ الْمُ اللَّهُ الْمُلْمُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُلْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُلْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُلْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُلْمُ الْمُلْمُ اللَّهُ الْمُلْمُ اللَّهُ الْمُلْمُ اللَّهُ الْمُلْمُ الْمُلْمُ اللَّهُ الْمُلْمُ اللَّهُ الْمُلْمُ اللَّهُ الْمُلْمُ الْمُلْمُ اللْمُلْمُ الْمُلْمُ اللَّهُ الْمُلْمُ اللَّهُ الْمُلْمُ الْمُلْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُلْمُ الْمُلْمُ اللَّهُ الْمُلْمُ اللَّهُ الْمُلْمُ اللَّهُ الْمُلْمُ الْمُلْمُ اللَّهُ الْمُلْمُ اللَّهُ الْمُلْمُ اللَّهُ الْمُلْمُ اللْمُلْمُ اللَّهُ الْمُلْمُ اللْمُلْمُ الْمُلْمُ اللْمُلْمُ اللْمُل

عبدربّر بن سعیدالانصاری نے کہا کہ عربۃ یہ ہے کہ ایک شخص دوسرے کو کھبور کا درخت ربعبیٰ بھیل کے لیے مبلور عطبۃ دے با آدمی اپنے مال میں سے ایک یا دو کھبوریں مستنٹی کمرے تاکہ ان کا بھیل کھائے، پھرا نہیں تمرسے بیج ڈاسے ریہ تفسیر بظاہرا مام مالک کی تفسیر تکے خلاف سے اوراگر بیعنے والا ربعنی صورۃ بیع کمرنے والل وہ ہے جے تھبی ربطورعطیہ ہلی تھی اورمشتری ربعنی بظاہر، باع کا مالک ہے تو پھراس تفسیر میں اور مالک می تفسیر میں فرق نہیں رہتا۔

ابوہ رہرہ دمنی التُرعنز نے کہا کہ دسول التُرصلی التُرعلیہ وسلم نے عنیمتوں کی بیع سے منع کیا حتیٰ کہ وہ تقییم ہوجائیں اور مجود کی بیع سے منع کیا حتیٰ کہ وہ ہرآفت سے مفوظ کہ وجائیں اور اس بات سے منع کیا حتیٰ کہ وہ ہرآفت میں بٹکا باندھے بغیر ٹنا ذبڑھے دمنذری نے کہا ہے کہ اس کی سندمیں ایک جہول آدمی ہے وہ بزید جمیمولائے قریش ہے مولانا نے فرمایا کہ کتب رحال میں اس کا کہیں وکر نہیں ملا بٹیکا باندھنے سے مرادا ہم عرب کے لیے کوستے پر بٹیکا باندھنا ہے جس کے بغیر رہ کھلنے کا اندیشہ ہوتا ہے۔

٣٣٦٧ - حَكَّا نَكُ الْمُوبِكُرُمْحَكَدُكُ بُنُ خَلَادِ الْبَاهِلِيُّ نَا يَخِيَى بُنُ سَعِيْدِ عَنَ سُكَيْمِ بْنِ حَيَّانَ قَالَ نَا سَبِعِنُ لَا بُنُ مِيْنَاءَ فَالَ سَمِعُتَ جَابِرَ بُنَ عَبْدِ اللهِ يَقُولُ نَهٰى رَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ أَن ثُبَاعَ التَّهُ رَة حُتَى تَشُقَحَ قِبُلُ وَمَا تَشُقَحَ قَالَ تَحْمَا ثُرُ وَتَصُفَا ذَكُوكُ مِنْهَا ـ

مباہر بن عبداللہ دمنی اللزعنہ کھتے تھے کردسول اللہ دسلی اللہ علیہ وسلم نے عیل کے دنگ برسنے سے پہلے اس کی بیج سے منع فر مایا ۔ کہا گیا کہ رنگ برلنے سے کیا مطلب ؟ فرما یا کہ وہ مرخ اور زر و بہوج اے اور اس سے کھایا جائے ، بینی کھانے کے قابل مہوج اے ۔ کھایا جائے دبناری مسلم، نسائی "اکس میں سے کھایا جائے ، بینی کھانے کے قابل مہوج اے ۔

٧٣٧٦ حمّ نُكُ الْحَسُنُ بَى عَلِي َ نَا أَبُو الْوَلِيْ عَنْ حَتَّادِ بُنِ سَلَمَ لَهُ عَنْ حُمَيْدِا فَعَنَ اللهُ عَنْ حَمَيْدِا فَعَنَ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَعَ فَى مَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَعَ فَى اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَعَ فَى اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَعَ فَا اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَعَ فَى اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَعَ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْهِ وَاللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ عَلَيْهِ وَاللهُ عَلَيْهِ وَاللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْهِ وَاللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ وَاللهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ اللهُ الل

انس رصنی انٹری نے سے روایت ہے کہ رسول انٹری ایٹ ملی انٹری کید وسلم نے انگور کی بیع سے منع فرما باسمتی کہ دہ سیا موجا ہے ، اور دانے کی بیع سے منع فرما یاحتی کہ وہ سخت مہوجا ئے دہتہ نہ کی، ابن ماجہ م انگور پہلے سبز ہوتا ہے بھر کے سیاہی مائل ہوکمہ کھانے سے قابل ہوں تا ہے ۔

٣٣٩٨ - حَتَّ نَكَا أَحْمُ مُن صَالِحٍ نَاعَنْبَسَنَهُ بَن خَالِي حَتَّا ثَنِي يُونسُ قَالَ

سُنُ النَّهُ آبا النِّرَ عَاجِ عَنَ بَيْعِ السَّمَرِ قَبْلُ اَنُ يَبْلُا وَصَلَاكُ اَ وَمَا أَدُكِرَ فِي الْمِ الْمَا يَسْلُكُ وَصَلَاكُ الْمَا الْمَا يَسْلُونَ النَّاسُ وَعَنْ سَهُلِ بَنِ اِنِى حَثْمَةَ عَنْ اَدُيْنِ اِنَ النَّاسُ وَعَنْ النِّهِ النَّعَ عَنْ سَهُلِ بَنِ اِنِى حَثْمَةَ عَنْ اَدُيْنِ اِنَ النَّاسُ وَ عَلَى النَّهُ مَا النَّهُ مَا النَّاسُ وَ عَلَى النَّهُ مَا النَّاسُ وَ عَلَى النَّهُ مَا اللَّهُ عَلَيْهُ وَمَا النَّهُ مَا النَّهُ مَا النَّهُ مَا اللَّهُ عَلَيْهُ وَمَا اللَّهُ عَلَيْهُ وَالْمُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَمَا اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ وَالْمُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ وَالْمُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ

ا ختلا من کی کثرت کے باعث فرما یا رہنماری تعلیقاً ، مشر ح : او مآن کا معنیٰ ہے جیل بیجنے سے پہلے اس کا سط حاناا در بدبو دار ہوجا نا ۔ قشام کا معنیٰ سے بھیل کے عظام سننے سے قبل پھٹ حانا ۔ مراض بھیل کے اندر پریا سونے والی آفت ہے جس کے باعث وہ ہلاک ہوجا تا ہے ۔

چھوڑتے توجب *نک ھیل کی من*لاحی*ت نثروع بنہو جائے اس کا لین دین میت ک*رو بیران کے تھگڑوں ا ور

٣٣٧٩ - كَمَّ نَكُ أَسْحَاتُ بُنُ إِسْمَاعِيُلَ الطَّالِقَانِ ثَنَا سُفَيَانُ عَنِ ابْنِ مُجَرِيْجٍ عَنْ عَطَاءِ عَنْ جَابِرِ أَنَّ النَّبِيَّ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحَ نَهِي عَنْ بَيْجِ الشَّمْرِحُتْمِ

يَبْنُ وَصَلَاحُهُ وَلَا بَيْبَاعُ إِلَّا بِالتَّهَ نَانِيْدِ أُوْبِالْتَهُ مَا هِمِ إِلَّا الْعَدَ أَيَا.

جابر رمنی الشرعنہ سے روایت سے کہ نبی صلی الشرعایہ وسلم نے عبل کی صلاحیت ظاہر ہو مے سے قبل اس کی بیع ا سے منع فرمایا اور بیر کہ وہ صرف دینا را ور درہم کے بدے فرونوت کیا جائے ،عرآیا کے سوا رابن ماجر) بعنی بیچ کی وہ ممنوع صور میں اختیار نہ کی جائیں جن میں عب کے بدے بھیل ہوتا ہے۔ عرآ باکا ذکر پہلے ہو چکا سے کہ بیصرف معورة بیع تقی در حقیقت مہم وعقلیہ تھا اور آسانی کی خاطر تر معبل کے بجائے نوٹ کے سے سے لیتے تھے۔ كاجع في بيم الغرب

د فریب کی بیع کا باعب

م ٧ س حكَّانُنَ ابُون كِيْرَوعُ ثَمَا فَى الْهَا آَبِى شَيْبَ لَهُ قَالَ نَا أَبْنَ اِدُرِيْسَ عَنُ عُبَيْدِ اللهِ عَنُ اللهُ عَلَيْهِ وَسُلَّوَ اللهُ عَنُ اللهُ عَلَيْهِ وَسُلَّوَ اللهِ عَنُ اللهُ عَلَيْهِ وَسُلَّوَ اللهِ عَنُ اللهُ عَلَيْهِ وَسُلَّوَ اللهُ عَنُ اللهُ عَلَيْهِ وَسُلَّوَ اللهِ عَنُ اللهُ عَلَيْهِ وَسُلَّوَ اللهُ عَمَا فَي اللهُ عَلَيْهِ وَسُلَّوَ اللهُ عَنُ اللهُ عَلَيْهِ وَسُلَّوَ اللهُ عَمَا فَي اللهُ عَلَيْهِ وَاللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ الل

ابوسریر ه رمنی الندعنہ سے روایت ہے کہتی صلی النٹرعلیہ وسلم نے بیع الغرر د فریب کی بیعی سے منع فر ما یا،

عثمان را ونی شنداهنا فرکیا کر:کنکری کی بیع سند دمسلم ، ترندی، نسانی ابن مآجہ نشس حے: بیخ آ نورسے مراد مبروہ سودا سیے جس میں دکا ناکیا گا ہک کو دھوکا دیا گیا ہو ، مثلاً مجہول چنرکی بیچ ہی ا پر ندسے کی بع ، پانی کی مجھلی کی بیع اور مبروہ بیع کہ ہا رکھ اسے مشتری سے سپر دکمہ سنے بید تناور نہ ہو یمنکری کی بیع کی صورت پر متی کہ مثلاً نجریوں کے دیوڑ پر کنکری تھیں کے میٹرا کا سے اس کی بیع ، یا با رکع ومشتری کا کیک دوسرسے سسے کہنا کہ جب میں کنگری بھینکوں گا تو سود این تنہ ہوگا وغیرہ ۔

٣٧٧ - حَكَا فَكَ أَنْكَ أَنْكَ الْكُنْ اللهُ ال

ببع تومیر میں مساور منا بذہ .اور رہاس بیرمین:اختمال انفتماءا ور ریر کہ آدمی ایک ہی کپڑے میں احتباء کمہدے درانحا نسکیہ اس کی شرم گاہ کھلی ہو،یا بیرفرما مایکرائس شرم گاہ ہر کمیڑ سے کا کوئی حصد بنہ ہو۔ اس کی شرم گاہ کھلی ہو،یا بیرفرما مایکرائس شرم گاہ ہر کمیڑ سے کا کوئی حصد بنہ ہو۔

ن سرح: ملاتمسه لمن سعن مكل سبح . ملآمسه كايه معنى سبع كداً دى دن يا رات كو دوسر سه كاكبرا حجو شے اورا سي كه كو مذو يكھے، اوراس لمس كومى بيع قرار ديا جائے، ايجاب و قبول ند ہو . منا بنده كا ما وہ تمبذر سے جس كا معنى سبع عيد يكذا ، دونوں فريق اپنا اپنا كپر ااكب دوسر سے كى طرف چينكتے كہ بيع بهوگئى . يا جس بيز كو بي بائد نظر بهو قا اسے مشرى كى طرف مھينك ديتے اور اسے اليجاب و قبول كا قائم مقام سي حق سقے ۔ اشتمال آستما و كا مطلب بير سب كرا و فرى ايك بى كبرا ايك كند معے بير و اسے اور دوسرا سمر وائيں كند سے بير لاكا دسے . احتباء كامطلب بير سبے كرا بير شريوں بير بيروا جائے، بنة لياں كھولى كم سے ، قد بنديا با جامر پہنے ہوئے ند ہو۔ يھرا يك بى كبرا حكوا و بير سے كرا محكمة فوں

یبہ با ندھ دے، حب بھی ہوا چلے تو ستر کھُل مبا کے .

م عسر- حَكَّانُكُ الْحَسَنَ بَنَ عَلَيَ الْحَسَنَ الْعَبُهُ الدَّنَّ اقِ اَلَا مَعُكَمُ عَنِ النَّهُ حِنِ النَّي عَن عَطاءِ ابْنِ بَنِ لِي اللَّهُ حِن اللَّهُ فِي عَن الِي سَعِي الْخُدَّدِي رَضِى اللَّهُ عَنُهُ عَنِ النَّيِ صَلَّى اللهُ عَكِيهُ وَسَلَّى بِهُ فَي النَّهِ عِن الْحَدِي بَنْ الْحَدَالُةُ عِن النَّي مَن اللَّهُ عَلَى عَالِقِهِ الْاَيْسَرِ وَيُبُرِنُ شِقَهُ الْاَيْسَ وَ واحب ينض مُك اللَّهُ عَلَى النَّوْبِ عَلى عَالِقِهِ الْاَيْسَرِ وَيُبُرِنُ شِقَهُ الْاَيْسَنَ وَ المُن اللَّهُ اللْمُعْلَى الللَّهُ اللَّهُ الْمُعْلَى اللَّهُ اللَّ

آبوسعیدن کردن را دن انتری نسخ نبی صلی اکثر طیبه وسکم سے ہی روایت کی۔ اس بیں راضافہ سے کہ آدمی ایک ہی کپطاا پنے اوپرلبیٹ کمراس سے دونوں اطراف کو بائیس کندھے ہدر کھے اور دایاں کندھا ننگا کرہے ۔ اور منا بزہ یہ سبے کہ کہے : حب میں یہ کیڑا بھین کسے دوں تو ہر بیع واحب ہوگئی۔ اور طامسہ یہ سبے کم اسے اسنے ہا تھ سے چھوئے ہ یہ معیلا سئے بنا اسٹ بلیٹ کر دیکھے ، صرف متر سے ہی بیع واحب ہوجا سئے دبنیا ری ،مسلم نسانی ابن ماجہ)

٥ ٧٣٧ . حَتَّى ثَنَّ اَحُمَّى بَنَ صَالِحٍ نَاعَنْ بَسَنَّهُ نَا يُونِسُ عَنِ أَبِي شِهَا بِعَالَ اللهِ وَخَرَر فَي مَا أَنِي مَا اللهِ وَخَرَر فِي عَامِنُ بُنُ سَعُودِ بَنِ إِنْ وَقَاصِ اَنَّ أَبَا سَعِيْدِ الْخُنُورِيَّ كَالَ نَمَى رَسُولُ اللهِ

صَلَّى اللهُ عَكَيْ إِن اللهُ عَكَيْ اللَّهُ عَلَى عَلِي مُعْنَى حَلِي أَيْثِ مُنْفَيَاكَ وَعَبُلِا الرَّبَّ أَقِ جَلِيعًا -

ابوسعید خدری دمنی انٹرعنہ سنے کہا کہ رسول انٹرسٹی انٹرعلیہ وسلم سنے منع فرمایا ہے اوپری دونوں حدیثوں کی گھڑی م کیم معنی حدیث ایک اورسندسے ۔

٣٣٤٧ - كَلَّا ثَنْكَا عَبْ ثُلَاللَّهِ بْنُ مَسْلَمَةً عَنْ مَالِكِ عَنْ نَافِعٍ عَنْ عَبْدِ اللَّهِ اللَّهِ البَّبِ عُمْدَ اَنَّ رَسُولَ اللَّهِ مَنْ اللَّهِ عَنْ اللَّهُ عَلَيْكِ وَسُلَّونَ مَنْ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسُلَّةً عَلَيْهِ وَسُلَّةً وَاللَّهُ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهِ وَاللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللللْهُ اللَّهُ اللَّهُ الللْهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللْهُ الللْهُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللْهُ اللَّهُ الللْهُ اللَّهُ الللْهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللْهُ اللَّهُ اللللْ

عبدالتدين عردمنى التدعنه است دوايت بي كريول التُصلى الدعيث من البيت كريك محمل كى بيع سع منع فرما يا دبخان ، مسلم التريك المسلم التريك التريك

٧٧٧٠ حَكُما تَكُ اَحْمَلُ اَنْ حَنْبَلِ نَا يَخْبَى عَنْ عُبَيْدِ اللهِ عَنْ نَا فِح عَنِ الْبِ عُمَدَ عُبَيْدِ اللهِ عَنْ نَا فِح عَنِ الْبِ عُمَدَ عَنِ اللهِ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ ال

CONTRACTOR AREA TO A TOTAL TO A CONTRACTOR AND A CONTRACTOR OF THE CONTRACTOR OF THE

باُرلاک فی بیج المضطرّ د نیوری بیج کابی

٣٣٨. كَلَّا ثُنَّا مُحَمَّدُنُ عِيْسِى نَاهُشَيْرٌ إَنَاصَالِحُ بْنُ عَامِرِقَالَ ٱبُوْدَ إِذَا كُنُوا قَالٌ مُحَتَّمُنَّا قَالَ نَا شَيْخٌ مِنْ بَنِي تَمِيْيِوقَالَ خَطَبْنَا عَلِيٌّ بُنُ رَبِّي طَالِب أوْقَالَ قَالَ عَلِيٌّ قَالَ أَبْنُ عِيْسَى لِهِ كَذَا حَتَى تَنَاهُ شَيْءَ وَالْ سَيَا قِنْ عَلَى النَّاسِ زَمَانٌ عَضُوضٌ يَعْضُ المُؤسِرُعَلَى مَا فِي بِيَهُ يُهِ وَلَحْرِيُومَ رَبِيهُ إِلَى قَالَ اللَّهُ تَعَالَىٰ وَلَاتَنْسُوا الْفَضْلَ بَيْنَكُوْ وَيُبَايِعُ الْمُضْكَ لِيُ وَلَا تَنْسُوا الْفَضَلَ بَيْنَكُوْ وَيُبَايِعُ الْمُضْكَ لِيَّ وَلَا تَنْسُوا اللهُ عَلَيْهُ وَسُلُّوعَنُ بَيْعِ الْمُضْطَرِّ وَبَيْعِ الْفَرْمِ وَبَيْعِ الشَّمَرَةِ قِبُلَ أَنْ تُلْالِكَ بنی متیم کے ایک بوٹرسصے نے کہاکہ مہیں علی میں ابی طا لب رصی انڈرعنہ نے خطبہ دیا ۔ یا صرف علی کرم انٹر وجہہ کا لفظ بولا ۔انہوں نے کہاکہ عنقریب ہوگوں ہے۔ایک کا بٹ کھ سنے والا (ظلم وستم کا) زمانہ آسے گا حبب کہ دوست منداسپنے الم تفرى چيز كوكات كها مط كا د بخل كے باعث كي خرج بزكرے كا الله تعالى في اسے يہ حكم نہيں ديا۔ اداثا دالهي م لبليم احسان ومردت كومت بعبولو-ا ورخبور لوگؤں سے بیع ونشرادک جائے گی حالانکہ رسول انترصلی انترعلی کم نے فیود کی بع سے اور فریب کی بیع سے اور میل کے پختہ موسنے سے پہلے اس کی بیع کو ممنوع قرار دیا تھا۔ مشس ح : خطا بی سف جبور کی بیج کی دوصور بی بیا ن کی بی بیلی صورت بیرکه کسی شخص کوزبر دستی کی سع بر مجبور كياها سفه ديربيع فاستسيع جومنعقد نهيس مهوتى و ويرى يركه كسي شخص كوقرمس ياكو في جا نمز كر لموشد بد منرور س آ پٹرسے اورکوئی اس کی محبوری سے فائدہ اٹھاکراس کی چیزیں اُ وسنے پونے ٹرید سے ، یہ چیز ففنل واحسان اور مروت سکے خلاف ہے کیونکہ اسے قرض دینا، دہلت دینا، تعاون کر نامیخب ہے ۔ ہما رسے ماکستانی معاشرے میں یہ برج است المفظر عام سے اور خود تمیں اس کا تلخ تجربر ہوا سے ۔ دوسری صورت میں بیع تومنعقد ہوجا سے کی گراسکی برکت وفنیات مفقود دسیم گی. و ترقمن اوراس کی شرح شا می سی مضطر کی بیع وسترا و کوفاسد قرار دیا سے مقول خطابی با وجود کیداس مدیث کی سندس ایک جہول اوی سے عائد امل علم کاعمل اس برے ۔

يَاكِ فِي إِلشِّرْكَ تِهِ

بیسی میکسید. که میں دو کاردباری شرکیوں میں میسا ہوتا ہوں جب کک کہ ان میں سے ایک اسپنے رماعی کے رما تھ بد دیا نتی نزرے تومیں در میان سے نکل جا تا ہوں ۔

ش آسے: رصلا ئے اللّی اُوربرکت ونفنل ان دونوں کے شامل حال رہتا ہے جب تک دیا نت داری کو اپنا شعار بنائے رکھیں، حبب اس کے نملاف ہم گاا مٹرکی رصادا ور رحمت و برکت اُنٹے کہا ور ان کا معاملہ خانص خود غرصانہ وما وَ ہم ہرستانہ رہ جائے گا۔

بَابِ فِي الْمُضَارِبِ بُحَالِفُ

دمفنارب كابات عومالك مال كے فولاف كرسے

٣٣٨٠ كَلْ تَكُ مُسَكَّ كُ نَا كُفَيانَ عَنُ شَيِينِ بَنِ عُرْفَلَ هَ فَالْ حَلَى الْهُي عَلَى عَنُ عَرُوفَة كَالَة عُلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَحَ عَنْ عُرُوفَة كَيْفِي اَبْنَ إِنِى الْجَعْلِ الْبَارِفِى فَالْ الْعَطَاهُ النّبِكَى صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَحَ دِبُنَا ثَمَا كَلَ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَمَ اللهُ اللهُ عَلَيْهِ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمُ وَاللهُ النّبَيْدِ فَا اللهُ عَلَيْهِ اللهُ اللهُولِي اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُل

مَّنِ كَامُ اَنْ وَالْى مَلْى عَبَى بِ وَعَلَى لَذَا لقياس اس حديث سے يہنہيں ثابت ہو ناكہ عروہ رضى الشعند كے ساتق صنور على السلام نے كوئى مفنا رہت كا معاملہ كيا تھا اور عير اكس نے اپنے شركيب مفنا رہت كے احكام كى خلاف الله كى كى تقى · بلكہ واضح تربات يہ ہے كہ عروہ اس سود ہے ہيں حفنور صلى التّدعليہ وسلم كا وكس ہونے كى حيثيت سے مفنا رہ وشركيب بيعى تقا اليا شخص حب رہ المال كى اليم منا لفت كرے جو عبلائى بديدا كرسے ، ناجائز سودا مذكر ہے توجائز ہے - دسول اللّہ صلى اللّہ عليہ وسلم نے اس كى مخالفت كو بجال دكھا اور اس كى توثيق فرماوى . من نمائي ہونكا الدّر بين الْحَكُونُ بِينَ الْحَكَانُ الْحَكَانُ الْحَكُونُ الْحَكَانُ الْحَكُونُ الْحَكُونُ الْحَكَانُ الْحَكَانُ الْحَكَانِ عَنْ اَلِي الْبَدِينِ حَنْ اَلِي اللّهِ اللّهِ عَلَى اللّهُ اللّهِ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَنْ اللّهِ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّه

ا يك ووسرى سندكه سائق عروة البارتى دمنى التعنه كى دريث باختلا فرالفا ظروى سي-

مسلم عن المُوكَمَّدُ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ

حکیم بن حزام رسی الندع ندسے دوایت ہے کہ رسول الند صلی الندع لیہ وسم سنے اسے ایک دینا رو ہے کہ قربانی کا جانور خرید نے بھیجا۔ سی اس سنے ایک دینا رسے بکری خرید کر دورینا رہیں بیج دمی، پھروالیس موکر ایک دینا رسے بکری خرید کے بات بھیجا۔ سی اس سنے ایک دینا دنی کسل الندع لیہ وسلم کے پاس سے گیا، پس نبی سلی الندع لیہ وسلم نے دہ دینا رصلہ نے دہ دینا رصلہ کے بارت میں بر کمت مہو رہتہ مذری اس کی مندیں ایک محبول راوی سے ۔

نس نے بحصنورصل الشرعلیہ وسلم نے چونکہ جو دینار دیا تھا اس نے متعلق نمیت کر لی تھی کہ اس کی قربانی خمہ پر کمرصہ دقہ کریں گئے۔ اب وہ قربان کا جا نور تو آگیا گلر دینار بھی حاصل ہو گیا تو آپ نے اسے صد قہ کر دیا تا کہ وہ بھی اسی راہ بہہ جائے جس بہاصل کوجا ناتھا بعقد میں کسی کوامیت کے باعث صد قرنہیں کیا گیا ور در حصنور صلی الشاعلیہ وسلم اس کا انسان رفر مانے اور حکیم بن حزام رہنی الٹر عنہ کے لئے برکت کی دعا نفر ماتے ۔ اس مدیث سے بتہ مہلا کہ وکسل حب مالک کی اجازت دے دے تو جا ٹمذ ہے ۔ حکیم وکسل حب مالک کی اجازت کے بغیر تھ (سے کہ سے اور بھر مالک ہاس کی اجازت دے دے تو جا ٹمذ ہے ۔ حکیم وکسل حب مالک کی اجازت کے بغیر تھ (سے کہ سے اور بھر مالک ہاس کی اجازت دے دے تو جا ٹمذ ہے ۔ حکیم

بن حزام نے، اورا ویرکی حدیث سی عروہ بن الجعد بارتی رصی التری نہدا سود انوحفنور مسلی التُرعلیہ وسلم کے حکم سے کیا تھا مگر آب کے سیے تمہ پیکر دہ جا نورکو آپ کے افدان کے بغیر بیا اور بھر دوسرا سودا بھی اذ ن کے بغیر کیا ، بعد ہیں حفنور صلی الترعلیہ وسلم نے حیب اس کی توثیق فرما دی تو ہرتفر فات جا نُذ ہو گئے۔

مولا نا رحمۃ النزعلیہ ننے فر ما یا ہے کہ علا آمہ نمطا بی وغیرہ نے عروہ دمنی النزعنہ کی حدیث نمبر ۱۳۸۸ کواس کیے ضعیف مظہرا یا ہے کہ شبیب بن ابی عزقدہ التی سے دوا بیت کر تا سے ہیکن ابو سبید کی حدیث ۱۰ سر کو ٹا بت شدہ اور حجت سے کیو نکہ بقول منذری اس کی جوروا بیت تہ مذک نے کی ہے وہ سن سیے ۔ حکیم بن حزام کی حدیث کو تر مذک نے صبیب بن ابی ٹا بت عن حکیم بن حزام کے طریق سے دوایت کیا ہے اور حبیب سے حکیم دمنی النہ عنہ سے سماع کا انکا رکیا ہے گراس کی دسل کوئی نہیں دی ۔

بَاكِ فِي الرَّجُلِ يَتِجُرُ فِي مَالِ الرَّجُلِ بِعَيْرِ إِذْنِهُ

د دوسرہے آدمی کے مال میں اس کی اجازت کے بغیر تجارت کرنے کا باب،

کہ میرائ ہے وہ تومی نے کہاکہ ان گاہوں کی طون جا ؤاور ان کے گٹا رہوں کی طون جاا ورا نہیں سے ہے۔ بس وہ گیا ور انہیں با نک کرنے ہے گئا در انہیں ہا نک کرنے ہے ہے۔ بس وہ گیا ور انہیں با نک کرنے گئا در انہیں با نک کرنے گئا در انہیں ہے یہ طویل حدیث ہوئی اس مروور کا جویتی تقا وہ ۱ ارطل دھان تشس سے : اس حدیث کا باب کے عنوان سے بظاہر کوئی تعلق نہیں کیونکہ اس مروور کا جویتی تقا وہ ۱ ارطل دھان تقا جو مالک نے اسے اواکیا مگراس نے لینے سے انکا دکھیا ور چھوٹر کرچھا گیا، بس وہ می اس کے ذمر بطون و کی تقا میں تقا دی کہ اس میں تھا دی کہا ہوں کے ملک میں تھا دی کھا دی اس میں جو تصرّ ف کیا وہ اس نے ملک میں تھا دی کہا ہوں کے میں تھا دی کھا ہے ۔

بانس في السِّنْرُكَ فِي عَلَى غَيْرِيَ اسِ مَالِ

دراس مال کے بغیر شرکت کا بات،

٣٨٨٠ حَكَّانُكُ عَبَهُ لَا اللهِ بَنُ مُعَادِيجَيٰ اللهُ عَنَ اَبِي عَنَ إِنِي السَّحَاقَ عَنَ إِنِي عُبَيْكَ لاَ عَنْ عَبُ لِاللهِ قَالَ اللهِ تَرَكَتُ اَنَا وَعَمَّا لَا وَسَعْلَا فِيهَا نَصِيبُ يَوْمَ بَدُرِقالَ فَجَاءَ سَعُكَ إِلَا سِنْ يَرْنِي وَنَحُوا جُنَّ أَنَا وَعَمَّالُ بِشَنْى رِ

عبدالتٰدین مسعود رضی النّدعنہ نے کہا کہ میں ا ورعمّ ارا ورسعد رصٰی التّدعنہ مِ جنگب بدر سکے مالی غنیمت ہیں شر یک ہو سئے۔کہا کہ سعد ووقعیدی لاسٹے ا ورمیں ا ورعمّ اردمنی التّدعهٰ ہا بچھ منز لا ئے دنسائی ا ورابن ماحیر

شرسے : برحدیث منقطع سے کیونکہ ابو عبیدہ نے عبدالتہ بن مسعود رصی اللہ عنہ سے سماع نہیں گیا۔ اگر بہ ٹا بت ہوجائے توان تھزات کابا ہم اشتراک مال غنیمت کا محکم نازل ہونے سے پہلے تھا۔ ثر مان جا بلیت میں مال غنیمت ہر ہو طیخ والے کا ہوتا تھا جتنا وہ نوٹ نے آئد ان اسلام نے چہلے تواسے اکسر ورسول صلی اللہ علیہ وسلم کا حق تھرایا اور آخر میں اس کا حکم یہ نازل ہوا کہ بچ غازیوں کا اور اللہ ورسول صلی اللہ علیہ وسلم کا ہے ۔ اندریں احوال اس صدیف کا ترجمہ سباب سے کوئی تعلق نہیں ہے ۔ بزیرہ دین کے اللہ ان صفیہ اور میں کہ دوم دوم دور کام کریں اور جو کھی کم کر اللہ ان صفیہ معلوم تھیم کریں۔ گر یہ صدیف کا درست ہے اور وہ یہ کہ دوم دور کام کریں اور جو کھی کم کر اللہ اس کے بعد معلوم تھیم کریں۔ گر یہ صدیف اور وہ یہ کہ وہ دور کام کریں اور جو کھی کم کر اللہ اسے بعد معلوم تھیم کریں۔ گر یہ صدیف اور وہ یہ کہ وہ کہ وہ کہ وہ کہ میں اور جو کھی کم کریں اور دوری کی دلیل قرار دیا ہے ۔

باك في الْمُزَارَعة

٣٣٨٥ - كَلَّا نَكُ مُحَمَّدُهُ بُن كُثُ بِيزِنَا سُفْيانَ عَنْ عَيْرِوبُنِ دِيْنَا مِ قَالَ سَمِعْتُ الْبَنَ عَدَرَ بَأَسُا حَتَّى سَمِعْتُ مَا فِعَ ابْنَ حَدِيْ يَجِ

لِيُ إِنْكُ عَبَّاسٍ إِنَّ رَسُولَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ لَحْرَيْنَهُ عَنْهَا وَالكِنْ قَالَ لِبَهُ مَنْحُ

أَحُدُ كُمُ أَرْضَهُ خَيْرُمِنَ أَنْ يَاخُذَ عَيْهُا خَرْجًا مَعْلُومًا.

عمروبن دینا سرنے کہا کہ بم مزادعت میں کوئی حمدج مذہا ننے مقیے حتی کہ میں نے دا فع بن فیدیج رمنی اللہ عنہ کو ہے کہتے كُناكەرسول الشرىسلى الشرغلىدوسلى نے اس سے منع فريايا ہے .پس ميں نے اسے طاق س كے سابقے قركر كيا تواس في كہا كه ابن عباس دصی التُدی نهانے ججے سے كہا: رسول التُرصی التّرعلیہ دسلم سنے اس سے منع نہیں قرما یا تھا بلکہ یہ قرمایا كه زمین کا مقرر حسّہ کینے کے بجائے بہنر پہ ہے کہم میں سے کوئی اپنی زمین اپنے مسلمان جائی کوبطورع طبیہ وے وے دمسلم،

نسا ئىءابن ماجبر

مشر سے ؛ را فع بن فدریج رمینی السُّروند کی مدیث کومزارعت کے ضلاف دلیل قرار دیاگیا ہے ، لیکن اسی با بسی را فع بن *ضدیج کی*ا یک اورد وابت ہے جس سے اس کی دصنا حت ہو تی ہے کہ مزارعت ممنوع نہیں اس کی ایک خاص صورت منوع ہے عبدالتر بن عباس نے اس سے جو کھ سمھاوہ پرے کہ اس ممانعت سے مراد بحریم نہیں بلکہ دوسروں کے س تقدیما نی کی تر عنیب سے ۔ حبب صورت سال پر بہو نوبات با سکل مختلف ہوجاتی سے۔ آج کل بھی بعض استراکیت ذوج لوگول نے اس مدسیٹ کوائنی اعزانس دیا کسی خفید اعزانس ، کے سیے ست اجھالا سے ۔ بقول ملآمہ شو کائی اس مدسیث سكيم طلب ا وراس كے بارسے میں نفتل مذام بسب میں بالحقعوص متائخرین میں بہت غبط واقع ہوا ہے بمولا نارحمۃ الترعلیہ نے فرما اکر مزادعت کے عقد کی کئی مختلف صورت میں مہلی صورت بہتے کہ عقد مقررہ تعداد کے دو سے بیسے پر سو۔ ووسری صورت یہ ہے کہ غلے کی صورت میں ہوخوا ہ وہ اسی زمین میں بو پاگیا یا م بویا گیا ہو،ا وراس کی مقدار منعین ہو۔ یا اس ندمین میں سے حاصل ہونے والی فسل کی مقررہ ومتعینہ جزء کی صورت میں ہوتیمیری صورت پیہ سے کہ اپایا ۔ بایل وغرم حمتہ فریقین می مقرر کیاگیا ہو۔ بچھی صورت یہ سے کرزمین کے فلاں جیتے کی پیا والہ الک کی ہوگی ا ورفلال حصے کی پیاوار کاشت کار کی ۔

شو کا نی نے کہاکہ طا وُس وعیٰرہ تعبن علماء کے نزو یک حسد بٹائی کی کوئی صورت کسی مال میں جائز نہیں بمولانا ^{تے} فرہ ایکہ طافرس کا تول جو خو داس مدیث میں نقل ہوا ہے وہ نٹو کانی سے بیان کر دہ مذمب طافرس سے نیلات ہے ، اس مدیث کے آخری حصے کا بیان توہیر تما ب کر تاہیے کہ مزارعت کی شکل میں عبی ہو وہ طافزس سے نند دیک جائز ہے علامه ابن حزم ظاہری نے البتہ مزار عست کی تخالفت کی ہے اور اس سے ضلاف مطلق احادیث کے ولائل وسیٹے ہیں ٹوکانی نے کہاکہ شافعی ائمہ امل بیت، منفیدا ورووسرے ببت سے بوگوں کے نزد یک مزارعت جائز ہے ،عقد خواہ سونے چاندی رید سو، سکتے ریرمو، طعام برمو، علتے برمو، خواہ وہ اس ندین ہیں بوئی جاتنے والی فصل کے حسنتے برمویا کسی اور فصل کے صفے پر سوکا نی نے کہا کہ شافعی، ابوصنیفہ ائم عرت اور بہت سے دوسرے لوگوں کے نز دیک مزادعت ما نزے ہے ابن المنذر نے تو بیاں تک کہا ہے کہ صحابد سنی الله عنهم اس بیدا جماع کر میکے ہیں کہ زمین کا کاریر صاصل لرنا حارُن سے بب كسوف جاندى كے سات مور

ا بوسلیمان خطابی فرما تے ہیں کہ احمد بن حنبل رحمۃ التّرعلیہ نے را فع بن ضریج کی مدیث کوصنعیعت قرار دیا ہے ، آج

اور کہا ہے کہ وہ: بہت سے رنگوں والی سے ، بعنی اس کی روایات میں اختلاف ہے کہمی وہ کہتا ہے کہ میں تے رسول الدصلى الشعليه وسلم سي صناا ورممنى يهكرم رس جياؤل في مجهد بنايا واوراحد في مزارعت مح حواز کا فتویٰ دیا ہےا وربطور دلیل ارض نحیبرکا معا ملہ پیش کیا سنے کرجناب رسول النڈصلی النٹرعلیہ وسلم سنے نحیبرکی سزیمن کو مزار عت پریہ وکو دیا بھااوراس کے باعوں کومساقات پر دیا تھا۔ابن ابی لیل،ابولیوسٹ بن الحسن اور محد نے لیسے حائمُذركها سبِّ اوربيي قول ابن المسيب اورابن ميرين، زُبرى وريمون مِدامزيزكاب ابوديغه مالك ادرشافى نه سب إطل لہا ہے۔ اورشوکان کابیان گزیرچکاہے کرمزامت سے باب میں تقل مذاہب اوربیان ممالک میں بٹری گرابٹر بہوئی سیے بخطابی نے کہا کہ ا حضرات کا قول ظاہر مدسیث ہر مبنی ہے تکین انہوں نے اس علّت ہے تو رنہیں کیا جو اس مدیث میں یا بی جاتی ہے حر نے یہ علّت در یا فت کی سیے لمڈااُں کا فول ان سے مختلف سیے ۔ محدین اسحاق بن خمز بمیہ نے اس منبلے کو کھول کر ران کیا سے اور مزار عت برکتاب تصنیف کی ہے اور اس باب میں وار دامادیٹ کی علل بیان کی ہیں بیں نصف تلث، ر آبع پر اور فریقین کی رضاونے مطابق سرجائز صورت بیرجائرز سے حب کمان کے عصے معلوم ہوں اور فاس بشرائط مذ با بی جائیں۔ اور عالم اسلام سکے ہر دیکے، علاقے اور شہر میں اس برغل در آمد موتا ہے ۔ شرق وعرب کے مسلمان مزارعت لرتے ہیں۔ اور میں دنیا سے اسلام سے کسی علاقے یا شہرکوشیں جا نتاکہ وال سے مسلمان اس برعمل کو باطس جا شنے ہوں ۔ا بودا ڈریٹے اس سکے بعدا کی۔ باب میں را فع بن ضد بج رصٰی اللہ عنہ کی صد بہٹ کے منتلف طرق *ریا*ن کئے ہیں۔ یم نے اس حدیث کے اضطاب کی طرف اوپر ارثارہ کیا سبے ۔ عجل احا دیپ کومفتر کی طرف لوٹا نا لازم سبے تاکہ اں کا تعارض رفع ہوا وربات صافت ہوسکے۔ابن بطال نے بتول علامہ شوکا نی مزار عسن سے کھواز کو تمام فقہا سے ا معدار کا مذمهب قرار دیاسے۔ اور نہی کی احادیث کواس زمین میں بدام و نے واسے علتے سے ایک جزر پر معاملہ کرنا

ا مسار کا مذهب قرار دیا ہے۔ اور نہی کی احادیث کو اس زمین میں بیدا ہونے واٹ نے ظے کے ایک جذیر معاملہ کرنا محمول کیا ہے۔ ما نعین نے کہا ہے کہ خبر ہمنے ورثیم شیر فتح ہوا تھا، اس کی زمین اور اہل خبر صنور صلی الشرعلیہ وسلم کے غلام تھے، پس جو کچھ اس میں سے آپ نے لیے لیا وہ معبی جائمہ تھا اور جو کچہ حبور دیا وہ معمی جائز تھا۔ آپ کو سرطرح کا اختیار اور حق ما تقاد مگریہ بات خارج از فہم ہے اگر یہ بات تھی تو حقنور علی ہما میں اس کے ساتھ معاملہ کمیوں کیا اور مثل کی مقرر کیوں کی

ا ورخیبر سادے کا سادا ہزور فتح نہیں بہوا تھا۔ اس کا کا فی حقتہ صلح سے ہاتھ آیا تھا۔ یہو دیوں کے ساتھ نشران کا کا باقا عدہ تقریبوا، بخر پر مکھی گئی اور بٹائی لینے کے سیے اصحاب جا تے رہے مثلاً عبدالتّٰد بن رواصر) صحاب سُنن اور نجا اس نے کئی آٹارنقل کئے ہیں جن سے معلوم ہوتا ہے کہ امل خیرسے رسول اللّٰدصلی اللّٰدعلیہ وسلم کا معا ملہ مزارعت کا تھا بٹوکانی نے کہا ہے کہ بخاری نے صحح میں جو آٹارنقل کنے ہیں ان سے فالبّااس کے بیش نظریہ تقاکہ ثابت کیا جا اسے کہ صحابہ خصوصًا اہل مدینہ کا مزارعت کے جواز میں اختلاف نرتھا۔ مزادعت کا جواز علی بن ابی طالب، عبداللّٰہ بن معدد، عمار بن یا رئ

وعه به ملايد يد ما در سن على جودي المعلى معا ، ووقع ما جود ي باب كاب به بليد عدد المسود ، ما دبي مرد رضى الشدتعا كي عنه ، محد من مرين ، عمر بن عبدالعزيز ، ابن ابى بيل ، ابولوسف ، محد بن الحسن دممة الدعليد سع مروى سبع ـ ان كنند و يك كليتي مهويا باغ ، ان عن مزادعت اور مساقات بنائى برجا نمذ سبع ـ اس طرح إگر زمين مي نفسل م

ا ور معپولدار درخت بھی ہوں تو ہیک وقت دونوں ہرمزارعت اورمسا قات مبائزے بنہی کی احادیث کو ان بیرزارت نہ نہ ہر مجر ایس میں ماگ : مدیکا لاک : مدیکر کسینا جبریت ان عزامی نام درخت

حصرات نے تعزیبر پر محمول کیا ہے، بااگر زمین کا مالک زَمین کے کسی خاص حصنے یا باغ کے خاص درختوں کو پیشر کا مخصد صرف کر بر آن کوئ زادائن میں

<u>andone con contrata de la contrata del contrata de la contrata de la contrata del contrata de la contrata del contrata de la contrata de la contrata de la contrata de la contrata del contrata de la contrata del contrata del contrata del contrata de la contrata del contrata dela</u>

المُوبِهِ اللهُ الرَّكُمُ الْوَالِمُ الْمُعَلَّى اللهُ الْمُعَلِّى الْمُعَلِّى الْمُعَلِّى اللهُ الْمُعَلِّى اللهُ الْمُعَلِّى اللهُ الله

عروہ بن ندبیرنے کہا کہ زیر بن اس دھی الٹری خرنے کہا ،الٹرتعالی رافع بن صدیج کو بخشے، والٹرمیں اس کی نسبت اس صدیث کا زیا وہ عالم ہوں ۔انعبار کے دقنفس جولڑ پڑے تھے دسول الٹرصلی الٹرعلیہ وسلم کے پاس آئے تو دسول الٹرصلی الٹرعلیہ وسلم نے فرمایا کہ تہما را اگر یہ حال شیخ نو کھیٹ کرا ئے پرمت دو یس دافع نے حصنور صلی الٹرعلیہ وہم کا صرف آخری فقرہ ؛ کھیست کر اسٹے پرمت دو "مشن لیا دنسانی ،ابن ما جری

٣٣٨٨ ، كَكُّانُكُ عُثْمًا كُبُنُ إِنْ شَيْبَةً نَا يَدِنِ كُبُنُ هَادُوْنَ اَنَا إِبُرَاهِيْمُ بِنُ سَعْدِهِ عَنْ مُحَمَّدِ بَنِ عِلْمُومَةً بَنِ عَبْدِهِ الرَّحُلُون بُنِ الْحَادِثِ بُنِ هِشَا مِرَّعُنُ مُحَمَّدٍ بُنِ عَبْدِهِ الرَّحُلُون بُنِ الْحَادِثِ بُنِ هِشَا مِرَّعُنَ مُحَمَّدٍ بُنِ الْمُسَتَدِبِ عَنْ سَعْدِهِ عَنْ مُحَمَّدُ بِنَ الْمُسَتَدِبِ عَنْ سَعْدِهِ عَنْ مُحَمَّدُ بُنِ الْمُسَتَدِبِ عَنْ سَعْدِهِ عَنْ مُحَمِّدً بُنِ اللَّهُ عَلَى السَّوَا فِي وَمِنَ النَّرُي عَ وَمَا سَعِدَ بِالنَهَاءِ مِنْ مَا كُنُ اللَّهُ عَلَى السَّوَا فِي مِنْ النَّرُي عَلَى النَّرِ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى السَّوا فِي مِنْ اللَّهُ عَلَى الْمُعْلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى الللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى الْمُعَلِّى الْمُعَلِّى الْمُعَلِّى الْمُعْتَلِي الْمُعَلِّى الْمُعَلِّى الْمُعَلِّى الْمُعْتَلِمُ الْمُعْلِى الْمُعْلَى الْ

سعددصی انتایین سنے کہاکہ ہم ہوگٹ زمین کو کرائے ہرد سنتے تھے اُس غلنے کی نٹرط ہر جواس کے اندرنا لیوں ہر پید اہو تا تھا اور زمین کا جو حصترپا نی سے سیراب ہو تا تھا ، پس رسول النٹرصلی النٹر علیہ وسلم سنے ہمیں اس سے منع فرمایا اور حکم دیا کہ سونے چاندی (کے مسکول) ہم معاملہ کریں دنسائی)

نش ح': خطابی بنے کہا کہ یہ فات شرطین تھیں جن کے باعث اُس مزاد عت سے روکاگیا اورامیل مزادعت کوماً گی وباتی رہ گیا ۔ جب نالیوں پرپیامو نے والا غلہ اور ان کھیتوں کا غلہ جو پانی سے نوب سیراب مہوستے سے بطور شرطاً گی مالکب ندمین نے دکھ لیا تو مزادع کی حق تلفی مہوئی ۔ اس صورت میں حقتہ بھی مجرول تھا کیونکہ نالیوں اور سیرا ب

حنظل بى قيس الفعارى نے كہاكہ میں سنے رافع بن خدرج رضى اللہ عنہ سے ہو تھاكہ مزارعت كا معامد اگر سوسنے بائدى ديغان كے سكول بر ہو تواس كاكيا يہ ہے ؟ اس سنے كہاكہ برجائز سے اس بی حرج نہیں - رسمول الله عليہ وسلم كے ذما نے ميں لوگ العانه باراور ناليوں برمعا ملا كمر تے تھے اور بانى كے زين مي بوجاتى اور بانى كے زمين ميں ہوتى قيب اور فقس ميں سے بھى كچر حقة مقر ركر سيتے تھے، بس كھيتى من نوجو جاتى اور مائل كا حصد بلاك كا حصد بلاك مي و معاتى راور تنا ندعا ت مالك كا حصد بلاك بوجاتى اور باتى كھيتى برج حاتى داور تنا ندعا ت الله كل محاس كے خلاف مالك كا حصد بلاك مي و باتى اور باتى كھيتى برج حاتى داور تنا ندعا ت الله كل كو تي اور قيل ہوتو اس ميں حرج نہيں ۔ ابر اسم كى حدیث انہ سے منع فرما یا ۔ براہم كى حدیث انہ سے اور قتیب نے حظل سے اس منع فرما ہوتو اس ميں حرج نہيں ۔ ابر اہم كى حدیث ان منا نائل ہو نہيں اور قتیب نے تنا نائل منا اللہ علیہ وسلم كى طرف سے متنا نائل منا اللہ على اللہ تا كے خلاف سے جن ميں افراد عت كى نائل و نائل كا نائل كو نهي اللہ على اللہ على اللہ على اللہ تا كے خلاف سے جن ميں فرما يا تك كے خلاف سے جن ميں فرما يا تك مي خلاف سے جن ميں اللہ عليہ وسلم كى طرف سے متنا نائل عد مي دار عدت كى نائل كے نہيں اللہ عليہ وسلم كى طرف سے متنا نائل عد ميں اللہ عليہ اللہ عليہ وسلم كى طرف سے متنا نائل عد ميں يا ان اللہ تا نائل كو نہيں اللہ عليہ وسلم كى طرف سے متنا نائلہ ميں اللہ عليہ وسلم كى طرف سے متنا نائلہ عد ميں اللہ عليہ وسلم كى طرف سے متنا نائلہ عد ميں اللہ عليہ اللہ عليہ وسلم كى عما فعت سے ۔

٩٣٨٩ حَكُلُ ثُنَا تُعَبِّبُ أَنُ سَعِيْدٍ عَنْ مَالِحِ عَنْ رَبِيْعَةُ إِن عَبْدِ

التَّرْحُمْنِ عَنْ حَنُظُلُهُ بِي قَيْسَ اللَّهُ سَكَالَ مَا فِعَ بُن حَدِيْجٍ عَنْ كِرَاءِ أَلَاْضِ فَقَالَ نَهَى مَسُولُ اللَّهِ صَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَعَنْ كِرَاءِ الْاَمُ ضِ فَقُلْتُ أَبِالذَّهِبِ وَ الْوَيِ قِ فَقَالَ اَمَّا بِالنَّهَ هَبِ وَ الْوَيِ فِي فَلَا بِاسَ بِهِ

اوپہ کی صدیث کی ایک اور روایت ۔ خفلہ بن قیس نے رافع بن ند ہے سے زمین کے کرائے کے متعلق ہو بچیا گج توانہوں نے کہاکہ جناب دسول النُدصلی اللُّد ملیہ دسلم نے زمین کے کرائے ربٹائی سے منع فرمایا۔ مب نے کہا کہ کیا سونے عیاندی کے ساعۃ ؟ توکہا کہ اگرسو نے جاندی کے ساعۃ موتواس میں کوئی حرج نہیں ۔

شس سے بخاری اورمسلم میں جا بردینی التٰدعندی حدیث ہے کہ حدنورعلیابسلام نے فرمایا ، جس کے پاس زمین ہو وہ خود بوے یا اپنے عبانی کو دیڈے کردہ اس میں زراعت کرے۔ جاہرے یہ روایت عبی سے کہ رسول اُلٹ صلی اللّٰہ علیہ مسلم کے بعین انسحاب کے پاس فا انتواراصی تننی ، پس رسول التدصلی التدعلیہ دسلم نے فرما با کہ حس سے پاس ندمین مو وہ اس پا زراعت كرے يا بنے عبالى كوعطا دكروس، اگرانكا كرسے تواني زمين كوروك ركھے حافظ ابن القيم رحمة الترعليہ نے سنن ابی و فرد کی تعلیق میں کہا سبے کہ پیمتفق علیہ احادیث میں اور حبن ہوگوں نے مزارعت کو باطل کہا سے ان کاات الل انہی سے معید سکین جن بوگوں نے مزارعت کے جوانری احادیث کو صحیح کہا سے مثلاً امام احمد بن صنبل کہوہ فقائے مدىب مېر، اوربخارى اورا سحاق اودلىپ بن سعدا ودا بن نزير ا ورابن المنذر ا ورابو دا ۇد، اوربىي قول سىپى الويوسف ودخيرب الحسن كا اورعمربن عبد العزيز، فاسم بن محمد عُروه ، محمد بن سيرين ا ورببت سير حقرات بخارى نے اپنی صحیح میں کہا ہے کہ قیس من مسلم سنے ابو حعفر سے روا یت کی کہ مدینہ میں کوئی قہا حر گھرالیہ انہیں جوثلث اور دُ بع كى ما بى برمزادعت ىذكرا تے ميول اوران مصنرات نے مزادعت كدائى : على، معبد بن مالك، عبدالله بن مسعود رصى التنعسم ا ورعر بن معبدالعزمنيا ورالقاسم اورعَروه رحمة الشّدعليدا وريّال ابوبكرا وسيّال عمراوراً ل على يشى التُرعنيما اوراً بن سيرين أور حصرَت عمر رصى التُنزعند نے بوگول سے اس شرط بر معاً مله کمیا که جب بیج مهاراً موتوسماراً حصته نصعت موگا ا در اگربیج و ، والیس کے توانہیں اس قدر ملے گا ، احا دیث میں محا تلد اور مزا بنہ سے منع کیا گیا ہے۔ سو نے اور جاندی کی شرط کا شاید میں منشاء ہے کہ حصتہ فریقین کامجہول ندر ہے ۔ نسانی کی صدیث میں ہے کہ میں تتم کے بوگ زراعت کرتے مِي: ايك خود زميناد، دوسُرا وه جيه كسّى نے زمين بخش دى موا ورتبيرا و هجس نے زمين كرا كے پر بي مو،اوروه سونے عا ندى يرمعاللكرك والوداورنسائى كى حديث من كرسو في اندى برزمين كوكراير بيدود.

كَالِّهُ فِي التَّشْدِيدِ فِي خُولِكَ مَا لِبُّ فِي التَّشْدِيدِ فِي خُولِكَ

عُمَّكَاكُ يُكُرِيُ أَمُّ ضَمَّهُ حَتَّى بَلَغَهُ أَنَّ مَا فِعَ بْنَ خَيِايْجِ الْانْصُمَارِيَّ حَلَّاتَ ٱتَّ رَسُولَ اللهِ صَلَى اللهُ عَكِيْرِ وَسَلَّوَكَانَ بَيْهِ عَنْ كِسَ اعِ اَلْكُمْ ضِ فَكَفِيكَةُ عَبْثُ اللهِ فَقُالَ يَا ابْنَ خَرِي يُحِ مَاذَا تُحَرِّيثُ عَنْ رَسُولِ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْ بِ وَسَنَّوَفِي صِكَاءِ الْكُرُضِ فَفَالَ مَا فِعُ لِعَبْثِ اللَّهِ بُنِ عُمَرَ سَيِعْتُ عَتَى وَكَا نَا تَكُنْ شُرِهِ مَا أَجُدُمُ الْيُحَرِّنِ ثَأْكِ أَكُلُ التَّارِ أَنَّ رُسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ نَهُى عَنْ كِسَرَاءِ الْكَرِّ ضِ قَالَ عَبْدُاللَّهِ وَاللَّهِ لَقُلْ كُنْتُ ٱعْلَمُ فِي عَهْدِ رَسُولِ اللهِ صَكَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ أَنَّ الْكَمْ ضَ تُكُولَى ثُمَّ خَضِي عَبْكَ اللهِ أَنْ تَكُونَ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَكِيْهِ وَسَلَّمَ آحُهَ فَ فِي ذَٰ لِكَ شَيْتً كَمْ رَكُنُ عِلْمُهُ فَنَرَكِ كِرَاءَ الْأَمْ ضِ قَالَ الْبُوْدَ اوَ دَرَوَاهُ اَيُّوْبُ وَعُبَيْهُ اللهِ وَكِثِيرُ بُن فَرْفَهِ وَعَالِكُ عَنُ نَافِعٍ عَنُ رَ (فِعِ عَنِ النَّبِيّ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ وَمَاوَاهُ الْأَوْنَ (عِيّ عَنْ حَفْصِ بْنِ عَنَانِ عَنْ نَا فِعِ عَنْ مَا فِيعِ قَالَ سَمِعْتُ رَسُولَ اللهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَتَّوَوَكُنُ لِكَ دَوْي زَيْنُ أَنَّ ٱ فِي جُرُدَةَ فَقَالَ عَنِ الْحَكِيمِ عَنْ نَافِع عَنِ ابْنِ عُمَرَاتَهُ أَنْي دَا فِعًا فَقَالَ سَمِعْتُ رَسُولَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ فَالَ نَعَنُمُ وَكُنَ ١ رَوَهُ عِكْرِمَةُ بُنُ عَمَّارِعَنَ آبِي النَّجَاشِي عَنْ مَا إِفِيعِ فَالَ سَمِعْتُ النَّبِّي صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحُ وَكَوَاكُو الْأَوْنَ الِحَيُّ عَنْ أَبِي النَّجَّامِينِ عَنْ مَا (فِع بُنِ حَدِيْهِ عَنْ عَتِهِ طَهِ بِرِيْنِ مَا افِعٍ عَنِ النَّبِي صَلَّى اللهُ عَلَيْهُ وَسَآ سالم بن عبداللّٰد بن عمر نے کہاکہ ابن عمرضی اللّٰديم ہاز مين کو مزاد عت سے سنے و سنتے تھے حتیٰ کہ انہ ہي برتمبر كلى کہ دافع بن فٹدیج انعمادی نے دسول الڈصلی الٹرملیہ وسلم کی حدمیث بیان کی سیے کہ حشودعلیٰ سلمازمین کا کما یہ عیفسے منع فرما تے تھے۔ میں عبدالتندرصی التدعنہ ان سے ملے اور کہا ، ا سے را فع بن فید بجریضی التّدعنہ اتم رسول التّلوسليكتر عليه وسكم سے مزادعت كے متعلق كيا حديث بيان كرتے ہو؟ را فع نے عبدالله بن عرسے كہاكس نے اپنے و وي ول سے دخلہ را درمفلہر بن رافع) جو مشر کا ہے برر میں سے حقے ، شنا سے کہ وہ گھر والاں کو بتا تیے تھے کہ دسول الله طبی اللہ علیہ وسلم نے مزارعت سے منع فرمایا ہے۔ عبداللہ ہے والله میں خوب مبانتا تھا کہ زمین کورسول الله صلى الله عليه

وسلم کے عہدم پی کرائے ہے دیا ہوا تا تھا۔ پھری بالٹاکو یہ فدشہ مواکہ دسول الٹرصلی الٹرعلیہ وسلم نے کہ ہیں اس بارے میں نازہ دی کم مذوسے دیا ہو جصبے وہ نہ ہیں جا الٹرین عرفے اس بناء پر زمین کا کما بر ترک کر دیا دباؤی کی کم ہنائی ہیں اس باری زمین کا کما بر ترک کر دیا دباؤی کی کم ہنائی ہو ابودا وُ وسفے کہا کم اسے الیوب، عبدیا لٹر، کمثیر بن فرق الور مالک نے عن نافع عن رافع عن النبی صلی الٹرعلیہ وسلم میں عفال منفی سے اس نے نافع سے روا بیت کیا، اس نے کہا کہ ہم سے اس نے نافع سے اس نے کہا کہ ہم سے بر شاہ بھو اس نے دوا ہو ہے ہوئی الٹرعلیہ وسلم سے ہو تھا کہ کہا تو نے دسول الٹرصلی الٹرعلیہ وسلم سے بر شاہ بھواس نے دوا ہو ہن فدیج رضی الٹرعنہ سے کہا کہ ہم سے دوا بیت کیا اس نے دوا فع بن فدیج رضی الٹرعنہ سے اس نے کہا کہ ہم سے دوا بیت کیا اس نے دوا فع بن فدیج رضی الٹرعنہ سے اس نے کہا کہ ہم برن رافع سے اس نے بی صلی الٹرعلیہ وسلم سے دوا بیت کیا اس نے دوا فع بن فدیج رضی الٹرعلیہ وسلم سے دوا بیت کیا ۔ ابودا و دسنے کہا کہ ابوا سنی شی سے دوا بیت کیا ۔ ابودا و دسنے کہا کہ ابوا سنی شی سے دوا بیت کیا ۔ ابودا و دسنے کہا کہ ابوا سنی شی سے دوا بیت کیا ۔ ابودا و دسنے کہا کہ ابوا سنی شی سے دوا بیت کیا ۔ ابودا و دسنے کہا کہ ابوا سنی شی سے دوا بیت کیا ۔ ابودا و دسنے کہا کہ ابوا سنی شی سے دوا بیت کیا ۔ ابودا و دسنے کہا کہ ابوا سنی شی سے دوا بیت کیا ۔ ابودا و دسنے کہا کہ ابوا سنی شی سے دوا بیت کیا ۔ ابودا و دسنے کہا کہ ابوا سنی شی سے دوا بیت کیا ۔ ابودا و دسنے کہا کہ ابوا سنی شی سے دوا بیت کیا ۔ ابودا و دسنے کہا کہ ابوا سنی شی سے دوا بیت کیا ۔ ابودا و دسنے کہا کہ ابوا سنی شی سے دوا بیت کیا ۔ ابودا و دوا و دسنے کہا کہ ابوا سنی شی سے دوا بیت کیا ۔ ابودا و دوا و دسنے کہا کہ ابوا سنی شی سے دوا بیت کیا ۔ ابودا و دوا و دوا و دوا کہ دی کھی دوا کہ دوا کو دوا کہ دوا کہ

مش ح : ابودا فرد کا مطلب اس باب سے یہ ہے کہ عبد اللہ بن عمروضی اللہ عنہانے محنس شدت ورع وتقوی کی بنا پر مزارعت ترک کردی تھی اوروہ اتباع سنت میں شد ید سقے ورنہ خود انہیں معلوم تھا کریہ عقدرسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم کے دکور میں ہوتا رہا تھا۔ پھر ابودا وُدنے مختلف روایات بیان کمیں، جن میں سے بعقل میں رافع براہ راست رسول اللہ صلی اللہ ملیہ وسلم سے روایت کہ تے ہیں اور بعن میں اپنے دوچیا وُں یا ایک چیا کی وساطت سے ۔ اور نہی کا نشاء اس سے قبل مود ولا فع کی نہ بان سے گزر جیکا ہے کہ محف استیاب و ندب کا محم نقا اور مطلقاً مزارعت

کی حرمت مرا درنه تقی .

١٩٣٨ - كَ الْ الله عَلَى الله عَن الله عَدَن الله عَدَن الله عَن الله الله الله الكُورِ الله عَن الله عَلَى الله عَل

دا فع بن فدیج ُ رمنی الندعنہ نے گھا کہ ہم ُ رسول الندصلی النہ علیہ وسلم کے عہد میں بخابر ہ دمزادعت ، کیا کرتے تھے۔ پیراس نے ذکر کیا کہ اس کے بعض چچاؤں نے میرے باس آگر کہا کہ دسول النہ صلی الشعلیہ وسلم سنے ایک امرسے نہی فرما ک چے جو ہما دسے سلے مفید بھا اور النہ اور اس کے دسول کی اطاعت ہما دسے لئے زیادہ نافع ہے اور بہت ہی نافع ہے ۔

TO COLOR CON CONTRACTOR CONTRACTOR OF THE CONTRACTOR CO

را فع سنے کہا کرم سنے کہا وہ کیا ؟اس نے کہا کہ رسول الٹرصلی الٹرعلیہ وسلم سنے فرما یا کہ : حس کے باس زمین ہووہ خو د بو سنے باا سنے بھائی کو کا مثبت کے لئے د سے د سے اور ثلث و زُبع بر مقررہ نفلتے پر اسسے کمہ ا سنے پر مذ دے دسلم، نسا ڈن ایس ایر ہ

شرح: اس سے پہلے گزر دیکا ہے کہ حضورصلی الشرعلیہ وسلم نے اسی سے ملتا مُبلتا حکم اس وقت دیا تھا جب دواً دی "نازعہ لے کرحا صربو ئے تھے۔ یہ بھی گزر دیکا ہے کہ یہ امرندب واستحبا ب کی بناء پر تھا .اور یہ بات تو بہت ہی بہتر ہے کہ کسی کو زمین بطورعطیہ دیے دی جا ئے تاکہ وہ اس سے اپنا گذارہ چلائے ۔ پھیلی اصا دیٹ میں بیرحبی گزردیکا ہے کہ مالک زمین مزارع کے ساتھ یہ مشرط کر۔ لیستے تھے کہ زمین کی نا بیوں بہا ور فلاں فلاں زرخیز حکم ہوں پر جو کھیے ہے یہ اسمدگارہ دیم ادامہ گا حصف درصلی الشاعل وسلی۔ فرانس سر مند فرانا

مَّهُ ٣٣٩٠ عُنُ الْمُكَامُكُمُ مُنُ عُبُدِهِ تَاْحَمَا دُنُ ذَيْدٍ عَنَ الْيُوبَ قَالَ كَتَبَ إلى يَعُلَى بُن حَرِيدٍ و إِنَ سَمِعْتُ سُلِيمُ ان بُن يَسَامِ المِعْفِى إسْنَادِ عُبَيْدِ اللهِ وَحَدِيْنِهِ .

اليوب نه كالمربعلى بن كم في في المحارد بن في المان بن المان المان الخوى الربوال مدين الموسود الموسود

را فغ بن فدیج نے کہا کہ ہما سے پاس ابورا فع رضی انٹرعنہ رسول انٹرصلی انٹرعلیہ وسلم کے پاس سے آیا اور کہا کہ رسول انٹرصلی انٹرعلیہ وسلم سنے ہمیں ایک اسپے امرسے دوک دیا ہے جو ہما دے سے مفید مقا اور انٹر کی اطاعت اور انٹر کے رسول صلی انٹرعلیہ وسلم کی اطاعت ہمیں ایک سے نے زیا دہ مفید ہے حضور نے منع ذما کی اطاعت اور انٹر کے رسول صلی انٹرعلیہ وسلم کی اطاعت ہمی ہما دسے سیے زیا ہے کہ ہم میں سے کوئی ندمین کاشت کر ہے مگر اس صورت میں کہ خود اس کا مالک ہمویا وہ عطیتہ ہم جو کوئی آدمی اسے عطا کم سے راس سے بہلے وہ مناحت ہم حکی کر ہے کم استحیابی مقاب

٣٩٣٨ . كَنَّانُكُا مُحَمَّدُ مُن كُنْ يَرِانَا شُفَيَانُ عَنَ مَنْصُورٍ عَنُ مُجَاهِدِ اَتَ وَسُولَ اللهِ عَنَ اُسَيُدَا بُنَ طُهَيْرٍ فَال كَجاءَ نَامَ (فِحُ بُنُ خَدِيْجٍ فَظَالَ إِنَّ دَسُولَ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْرٍ

كِنُهَاكُمُّ عَنَ اَمُركَانَ اَنُكُونَا فِذًا وَطَاعَهُ اللهِ وَكَاعَتُهُ رَسُولِ اللهِ صَلَّى اللهُ عَكِيرُ وَسَلَّمَ اَنْفَحُ لَكُوْ إِنَّ رَسُولَ اللهِ صِّلَى اللهُ عَلَيْ رِوسَ لَّوَ بَنْهَا كُوْعَنُ الْحَقْلِ وَقَالَ مَزْلِسْنَغُنَى عَنْ اَرْضِهٖ فَلْبَهُ مَنْ حَهَا اَخَاهُ اَوْلِبَ مَاعَ قَالَ الْبُودَ اوْدَوَهُ كَذَا دَوَا لَا شُعْبَةٌ وَمُفَضَّلُ

بُنُ مُهَلَّهُ إِلَى عَنُ مَنْصُومٍ قَالَ شُعُبُكَ أَلَا يُسَيِّنُ ابْنُ أَخِي مَا فِعِ بْنِ خَدِي أَيْجٍ -

أميد بن ظهير رضى الشدعند ف كهاكه بمادس باس رافع بن فديج رضى الشرعند آبا وركها كه رسول الشرصلى الشر على الشرعلي الشرع من بديمة المدالله الشرعة المدرسول الشرصلى الشرعلية المعلم تنهي ايك المرسة روكة بين اورفرات كا طاعت بى تنها دب منظر و مفيدت و رسول الشرسلى الشرعلية وسلم تنهي مزادع كى تبائى ست روكة بين اورفرات بين كم ، جوابنى زمين سے ب نياز بهو و ه است ابن عبائى كورس و است با است جو رود سه دنسانى ، ابن ماجم ابوداد في كها كه اكدا من عبد منسود سه دوايت كيا اور شعبه في كها المسترود ايت كيا اور شعبه في كها المسترود و المنت كيا اور شعبه في كها المسترود و المنت كيا المسترود و المسترود

مش سے :سوکائی نے کہا کہ بیرصدیں اور گذشہ صدیثِ جاہر اس بات پر دلالت کرتی ہے کہ زمین کومعطل محبوط دینا کھیں جائز ہوں کے اس میں جانورہ کا میں جائورہ کے منافع بنہیں ہوتے ۔ اس میں جانورہ کے سائے گئاس وغیرہ پیدا ہوتی ہے ورخت اُ گئے ہیں اور یہ سب اس کے منافع ہیں ۔ کہ می کھی زمین کو ایک آدھ سال مجھوڑ دیا جائے تو اس کی زر نمیزی میں اصافہ ہوجاتا ہے ۔

هه ۱ مع المنظمة المنظ

ا بوجعفر مسلمی سنے کہا کہ مجید اور ا ہنے ایک علام کو میرسے بچا نے معید بن مسیب کی طوف بھیجا ہم سنے حاکمہ اُ سے کہا کہ ہمیں مزادعت کے متعلق کوئی بات تم سے بہنچی ہے۔ اس نے کہا کہ ابن عمرضی الشرعنما اس میں حرج نہیں حا نتے مقے حتی کہ انہیں دانع بن خدر بج رضی الشرعنہ سے ایک حدیث پہنچی ۔ ابن عمرصی الشرعنما دافع کے پاس گئے۔ 424

تورا ضع نے انہیں بتا پاکررسول الشصلی اللہ علیہ وسلم بنی حار نہ کے پاس گئے تو ظہیر کی زبین میں فعسل د کیو کر فر ما یا کہ فلم پر رسنی الشخص کے سے۔ آپ نے فر ما یا کہ کلم پر والم بری فعسل کہ ہم نے ہما کہ ہیں فعسل کہ ہما کہ کا کہ ہما کہ

٣٩٩٩ . كُنَّ أَنْكَ أَمْسَكُ قَنَ اَ اَبُوالُ وَوَصَ نَا طَارِقُ بَنُ عَبْمِ الدَّوْ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَنَعَ اللهُ عَلَيْهِ عَنْ مَا إِنْعَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَنَعَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَنَعَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَنَعَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَنَعَ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَنَعَ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَاللهُ وَال

ابوداور نے کہاکہ میں نے معید بن تعقوب طا لقائی کے سامنے پڑھا۔ اس سے میں سنے کہا کہ تم سے ابن المبارک سنے صدیت بیا ن کی ... ، عثمان بن سہل بن رافع بن فدریج دھنی النّدعنہ کے مال بطور تمیم پرورش پا تا تھا۔ میں سنے اس کے ساتھ جج کیا اور میرا بھیائی عران بن سہل اس سے باس آیا اور کہا کہ ہم سنے اپنی فلال زبین کو دوسود در ہم پر کمرائے سے منع کرائے سے منع منع بیروسے دیا ہے ، بیں رافع سنے کہا کہ اسے جہوڑ وکیونکہ نبی صلی اللّٰہ علیہ وسلم نے زمین کے کرائے سے منع فرمایا نشار نسائی ، اور اس میں عیشی بن سہل بن رافع دمنی اللّٰہ عذہ ہے اور وہی درست ہے ،

شرح: دریت ۱۹۱۹ میں محالکہ اور مزاہت کا لفظ آیا ہے۔ محالکہ یہ ہے کدگندم کی بیع اس کی کھڑی فسل سے کریں · مز آب نہ یہ ہے کہ خوالک کھجور ایکشش کی بیع ورخعت کے اوپر واسے بھیل سے کمدیں ۔ اس میں بطور مود کا احتمال سے

accessor of the contraction of t

المانزا اس سے منع فرما یا گیا۔ حدیث ، ۹ سامی مطلقاً زمین کے کمرا ئے سے دافع دضی الندعنہ سنے روک دیا اورا یک حدیث سُنا ئی جس میں و صاحت وصاحت نہیں کہ کون سی مزادعت سے حصنورعلیہ السلام نے روکا تھا۔ قبل ازمیں کئی احادیث گزدھ کی ہیں جن میں سونے چاندی میر میر معا ملہ کمہ نا جائن بھہ اپاکیا ہے ، اور بعض میں صراحت ہے کہ نہی کا منشاہ دوست میں ست

مَهُ وَهُو الْمَا الْمُكَا اللهُ ال

ابن ابی نعم نے کہا تھے سے دافع بن نمدیج نے صدیت بیان کی کہ اس نے ایک ندمین میں زراعت کی ، وہ اسے یا نی ا وے دیا تقاکدرسول اللہ صلی اللہ علیہ و ہاں ہے گذر ہے ۔ آپ نے پوچھا کہ فصل کس کی ہے 1 اور زمین کس کی ہے ، دا فع رضی اللہ عنہ نے کہا کہ فصل تو میری ہے اس شرط پر کہ بچے میرا اور عمنت میری ہوگی میرا نصف اور بنی قلال کا نصف ہوگا ۔ حصنور صلی اللہ علیہ وسلم نے فرطایا : تم نے سوُد کا کام کیا ہے ، زمین کو زمیندار کے دمیر دکر واور این اخر جی سے دورمنڈری نے کہا ہے کہا سے کہا ہی کہ سند میں بھیرین عامر بجلی کو فی ہے جس میں کئی محدثین کو کلام ہے ۔

مش سے :اوپر گذرجیکا ہے کہ احمد بی منبل رحمۃ الترعلیہ نے را فع رصی الترعنہ کی مدیث کو د وا لوان ور نگارنگ کی ،کہا ہے فتح الو دود دسے مولا نا نے نقل کیا ہے کہ دا فع کی حدیث مضطرب ہے دلذا اس کالترک وا جب ہے ،ا ور حدیث خیبر کی طوف رجوع طذم ہے ۔ یہ ثابت ہو جیکا ہے کہ رسول الترصلی التہ علیہ وسلم نے اہل خیبر کے ساتھ زمین اور بیبر کی طوف رجوع طذم ہے ۔ یہ ثابت ہو جیکا ہے کہ رسول الترصلی التہ علیہ وسلم نے اہل خیبر کے دساتھ زمین اور باعثوں کے خات اور منبی نے اور مہتوں نے مزادعت کو فقہ امیں ابولیوسف و محد بن الحسن نے بہی کہا ہے ، بہت سے دیگر علماء کا بہی فدم ہے ۔ اور بہتوں نے مزادعت کو مطلقاً ناص الزیم ہوا وربعی ملکہ وہ مقاسمت کا خراج عقام وحصنوں صلی الترعلیہ والم نزیم ہے ۔ یا نعین نے خیبر کے متعلق مجا سے کہ یہ مزادعت میں مذت کا تعین موز اس کی مدت مقرون مقاسمت کا خراج عقام وحصنوں صلی الترعلیہ والم مقاسمت کا خراج عقام وحصنوں سال میں مذت کا تعین موتا ہے ۔ دلیل انہوں نے بیروی ہے کہ اس کی مدت مقرون مقی درائی لیکھ مزادعت میں مذت کا تعین موتا ہے ۔

بَاسِينُ فِي زَرْعِ الْكَرْضِ بِعَبْرِ إِذْنِ صَاحِبِهَا

دند مین کے مالک کے اذن کے بغیرز مین کو بونے کا ہاتا)

٩٩ ٣٣ - حَلَّا نَتُ الْقُرْيَةُ بُنُ سَعِيْدِ السَّرِيَكُ عَنْ أَبِى إِسْحَاقَ عَنْ عَطَاءِ

عَنُ رَافِع بُنِ خَدِي يَجٍ قَالَ قَالَ رُسُولُ اللّهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْ وَسَلَّحَ مَنْ ذَرَعَ فَيُ وَلَا يَكُولُ اللّهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْ وَسَلَّحَ مَنْ ذَرَعَ فَيُ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَّهُ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلْمُ اللّهُ عَلَيْ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ عَلَيْ عَلَيْ عَلَيْ عَلَيْ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ عَلَيْ عَلَيْ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْكُوالِمُ اللّهُ عَلَيْ عَلَيْكُ عَلَيْ عَلَيْ عَلَيْ عَلَيْ عَلَيْ عَلَيْكُ عَلَّا عَلَيْ عَلَّا عَلَيْ عَلَيْكُ عَلَّا عَلَيْ عَلَيْ عَلَيْكُ عَلِي عَلْمَا عَلَا عَلَا عَلَّا عَلَّا عَلَّا عَلَا عَلَّا عَلَيْ عَلَيْ

دا فع بن ضریج رصنی الٹریخند نے کہا کہ رسول الٹریسی الترعلیہ وسلم نے فوایا بھی سنے کسی قوم کی زمین میں ان کی ا اجازت کے بغیرفصل ہوئی تواس کا فعیل میں کوئی مختہ نہیں، اور اسے صرف اس کا خورج ہے گا۔ (متر فذی، ابن ماجر، ا تد ذری نے اسے مدمیث عزیب ہے اور بتایا کہ منجاری نے اسے حسن کہا تھا۔

باسس في المحابرة

رمات محابرہ کے بیان میں

..م مر حكانت احْدَدُ الله عَنْ حَمَّادُ ا فَ عَنْ الله عَنْ الله عَنْ الله عَنْ الله عَنْ حَمَّادُ وَ عَنْ الله الله عَنْ الله عَنْ حَمَّادُ وَ عَنْ الله عَنْ الله عَنْ حَمَّادُ وَ سَعْدُ الله عَنْ الله عَنْ الله عَنْ حَمَّادُ وَ الله عَنْ الله عَنْ حَمَّادُ وَ الله عَنْ اله عَنْ الله عَنْ الله

مابری عبد اصدر منی الشرعند نے کہا کہ رسول اللہ ملی اللہ علیہ وسلم نے مزاّبَند، محاقلہ، عالم ہم اور معا و آمرے متع ذایا ایک می نصادید دردوسے نے کئی سال کی کالفطار اور است شاء سے منع فر مایا اور عرایا کی رخصت دی دسلم، ابن مامی شس سے وال الفاظ میں اکثر کی شرح اور پر گرندرگئی ہے، محافلہ کا معنی ہے کھڑ می فصل کی بیع غلے کے ساتھ، مخاترہ کا

معن ہے مزارعت، مزآبہ کامعیٰ ہے تر تھجوری بع خشک مجود کے ساتھ معاومہ کا معنی ہے کئی سال کے لئے باغ کا بھل ہجنا، یدھی فاسدہے کیو نکہ معدوم چنری بع ہے۔ نمیا، کامعیٰ ہے باغ کا تھیں ہجنا گراس میں سے ایک عنیر معلوم جنوکومت نشی کر دینا۔ یہ معی جہول کی بیج ہے۔ اگر مستشیٰ معلوم چیز ہو مثلًا نلٹ یار بع وعنیرہ تو بہ مباشز ہے۔ عرام کا کا تعلیم و دیکر دھی ہے۔

١٠٨٣ - كَمَّ أَنْكُ عُمَّرُ بَن كَيْزِيكَ السِّيَارِي ٱبُوْحَفْضِ نَاعَبَادُ بُنَ الْعَوَاهِرِعَثَ اللهِ قَالَ سُفْيَانَ بُنِ حُسُيْنِ عَن يُوسُ بَنِ عُبَيْدٍ عَن عَطَاءِ عَن جَابِرِ بُنِ عَبْدِاللهِ قَالَ شُفْيَانَ بُنِ حُسُيْنِ عَن يُوسُ بَنِ عُبَيْدٍ عَن عَطَاءِ عَن جَابِرِ بُنِ عَبْدِاللهِ قَالَ مَعْمَانِ عَن كَاللهِ قَالَ مُحَالِقًا لَهُ وَسَلَّمُ عَن النَّهُ وَالْمُحَاقَلَةِ وَعَن التَّنْ يَا لَكُونَ النَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ عَنِ الْمُزَابِنَ فَوالْمُحَاقَلَةِ وَعَن التَّنْ يَا لَكُونَ التَّنْ يَا لَهُ وَاللّهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ عَنِ الْمُزَابِنَ فَوالْمُحَاقَلَةِ وَعَن التَّنْ يَا لَهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلْمُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الل

حابربن عبدا نشریصی انشرعنه نے کہاکہ درسول انشھی انشرعلیہ وسلم سنے مزآبنرا ورجی آقکہ اور جمنی کے سے منع فر مایا گریپرکہ وہ معلوم ہو ابخاری ،مسلم ، تر مذری ، نسائی ،ابن ماجہ دِنٹنی کا ذکھ صرف تر مذری اورنسائی نے کہا سپے ،ان سب ا لفا ظاکی تغنیبراویر گزری ہے۔

٣٠٠٧ - كَلَّانْكُ اِيخْدَى بَنُ مَعِيْنِ الْبُنُ رَجَاءِ يَعُنِى الْمُكِّى قَالَ ابْنُ خُتَيْمٍ حَدَثَنِي عَنُ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلْ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَل

جابرین عبدالتلدمن التین نه نیکها که میں نے دیول الٹوسکی التّرعلیہ وسلم کوفر ماتے مُناکر چوشخص عما برہ نرچو ہے تو پیروہ الشداور اس سے دیول سے جنگ کے سئے تماریمو جائے داس حدیث سے مداحتۂ مزادعت کی مما نعت ثابت سو تی یہ بر

س ، مه ﴿ حَكَمَا ثَنَكَا ابُونِكِ إِنْ اللَّهِ مَا عَنَهُ الْعَهُ مَا مُرْبِ لِيُوْبَ عَن جَعْفَرِ أَنِ ابُوقَا كَ عَن اللَّهُ عَلَيْهُ وَ اللَّهُ عَلَيْهُ عَنْ اللَّهُ عَلَيْهُ عَنْ اللَّهُ عَلَيْهُ وَ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْكُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّالِمُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَالًا مَا اللَّهُ عَلَالًا عَلَا اللَّهُ عَلَا اللَّهُ عَلَا اللَّهُ عَلَالًا عَلَاللَّهُ عَلَالًا عَلَا اللَّهُ عَلَا اللَّهُ عَلَالَاللَّهُ عَلَا اللَّهُ عَلَالَاللَّهُ عَلَالَالِكُ اللَّهُ عَلَالَالِكُ عَلَالَا عَلَا اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَالًا عَلَا اللَّهُ عَلَا اللّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَالَ اللَّهُ عَلَا اللَّهُ عَلَالَاللَّهُ عَلَّا عَلَالَاللَّهُ عَلَالَّاللَّهُ عَلَالًا عَلَا مُعَلَّالِهُ عَلَالَّهُ عَلَالْمُ عَلَالْمُ عَلَالْمُ عَلَّا عَلَالْمُ عَلَالَا عَلَا مُعَلَّا عَلَا مُعَلَّا عَلَّا عَلَّا عَلَا مُعَلَّا عَالْمُ عَلَّا عَلَّا عَلَّا عَلَّا عَلَّا عَلَالْمُ عَلَّا عَلَا عَلَا مُعَلَّا عَلَا عَلَّا عَلَّا عَلَّا عَلَّا عَلَا مُعَلَّا عَلَّا عَلَّا عَلَّا عَلَّا عَلَّا عَلَا عَلَّا عَلَالَا عَلَّا عَلَا عَلَّا عَلَّا عَلَّا عَلَّا عَلَّهُ عَلَّا عَلَّا عَلَّا عَ

مسکیت اوس بھی ۔ کریدبن کا بت دعنی انٹرعنہ نے کہاکہ رمول انٹرصلی انٹرعلیہ وسلم نے بخابرہ سے منع فرمایا یڑا بت راوی کا بیان سے کہ میں نے کہا مخابرہ کیا ہے ؟اس نے کہاکہ زمین کونصعت یا نملٹ یا کربع پر دینا دیہ حدیث بھی مزادعت کھے مخا دمنت میں واضح سے .مفعیل ، محدث او پرگزدھ کی ہے،

representation de la compactation de la compactatio

باهت في المساقاة

دمساقات کابائش، د و د و رژبر کرام و مربر کرد هی

م. م س حَلَّا ثَنَ الْحُمَّلُ بَنُ حَنْبَلِ نَا يَجْبَى عَنْ عُبَيْدِ اللهِ عَنْ نَا فِعِ عَنِ الْبِ

المشكي أؤذدج-

ا بن عريض التَّخْنِهَا يسعد وابت سع كذني مسلى التُّرْعليه وسلمٌ نے ابل نيبر كے سابق نصف بھيل يا خطّه بي معامله

مشرح: مساقات کا معنی سے بھلوں کے معلوم ومعین تھتے ہرکسی اور کو درختوں کی ذمہ داری سوندینا تاکہ وہ ان کی تیرگری اوراصلا ح کرے ۔حنفیہ کے نز دیک مساقات کا حکیمی مزارعت کی مانندہے کہ ابوصنیفدر منذالشرعلیہ کے نزدیک ناجائز ا ورصاحبین کے نود یک جائز سے عطابی نے کہا ہے کہ ان مدیج کی مدیث جومزادعت کی نبی میں سے اسکے صنعف کے سوتے ہوئے بیرمد برف مزادعت کا اوا ت کو تی ہے۔اس مدیث کا داوی اب عرصی التی منہا سے جو محض مشتبت تورّع واحتیاط کے ہاعث را فع بن خدیج رضی النٹرےندکی مدیبٹ من کرمزارعت ترک کر مبیعاتھا۔ عالا نكدوه ديكه يكاففاكررسول التدصل الترعليدوسلم ف ويبرك يهوديون سديدمعامله كياا ورعيرا منبي اس ميرق المركا محفرت ابج بكريضى الترحنر كمے دور خلا فرت ميں ان كے ساتھ ببي سلسلہ قائم رہا ۔ عمر رحنی الترع نہ نے ان كو وہا ہے جلاوطن كيا ببتواتنا طويل عرصه تقااوران كي سابق كيام اف والأمعاطه اتناوا منع أورصاً ف ظاكراس بس شك وشير ما كسى الجمن كى كنجائش مر مقى - اور اس مديث مي مساقات كا اثبات م جسه ابل عراق معادمت كيت بير داول مكى تعرایت اوپرگذری اس می سے ایک فرنتی کی قرف سے درختوں کا باع بہوتا ہے اوردوسری طرف سے محنت، مزارعت كى ما نند- مساقات كا قول اكثر فعَهَاد كا حيرا ودا بوصنيف رحمة الشيطيد كيرسواكس خيراس كي خوال ونهي کہا، گھراس سے دونوں ساتھیوں نے اس سے برخلاف جماعت اہل فقہ ومدیث کا ساتھ دیا سے پھڑسا قات میں پرائنٹلاف سے کہ یہ کول کون سے درخت ا وربھیل میں جائنڈ سے اورکس کس میں نہیں ۔ شافعی سے نزدیک برمرف مجود کے درخت اور انگورس مبائند سے کیونکہ ان کاعبل واضح اورنظروں کے سامنے ہوتا سے اور ا ن كا أندانه هوسكتا سيمه . حن درختول كا عبل تيول مي بورشيده مو مثلاً الجيرا ورزيتَون اورسيب، ا ن كم شعلق شا قعى نے كوئى فيصلكن مات بنہيں كہي مالك، الويوسف أور فيرين الحسن مساقات كوہر در خت مي جائز ركھتے تھے سن کی تبرط قائم ہو۔ بلکہ مالک رحمت الشعلية تو تربول اور خربوزه اور كرارى تك ميں مساقات كے جواز كے قائل عقے ـ لكين مالك كفابسي شرطيس كادى بي جونا قابل فنم بي الوثورسف كهاكم مساقات كعبور، الكور، ترسيريون، با د نجا ن ا ورسراس بع بیس جا نمنر سیم عبی کا بچل کچے وکیر رہ سکے۔ابوٹو رکی دلیل امل نویتر کامعا ملہ سیے ۔

٥٠٠٠ مَهُ وَ كُمُكُا نَكُ كُنُكُ مُنْ مُعَدِيدًا عَنَى اللَّهُ عَنَى مُحَمَّدِهِ ابن عَبُدِ الرَّحُمُنِ اللَّهُ عَلَى الللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى الللْهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ

ابن عمرصی الترعنه است روایت سے کہ دسول الترصلی الترعلیہ وسلم سنے نیبر کی تھجور کے درفت اور زمین بہو ڈیوں سے سپر دکی تھی تاکہ وہ) تنہیں اپنے اموال سے سعی وعمنت کریں اور دسول التّدصلی التّرعلیہ وسلم کے سئے ان کے عیل کا نفعف ہوگا ۔ دسلم اور نسائی

٧٠٠٧٣ - كَلَّى نَعْكَ اَيُوبُ بَى مُحَمَّدِ الرَّقِيُّ نَاعُمرُ اِنُ اَيُّوبِ نَاجَعُفُرُنُ اَيُّونِ الْمَعْنَ مَهُمُونَ اَنِي عَبَّاسِ قَالَ الْحَبَّ وَسُولُ اللَّهِ عَنَى مَهُمُونَ اَنِي عَبَّاسِ قَالَ الْحَبَّ وَسُولُ اللَّهِ عَنَى مَهُمُونَ اَنِي عَبَّاسِ قَالَ الْحَبَّ وَسُولُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْهُ اللَّهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللْهُ اللَّهُ عَلَى اللْهُ اللْهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللْهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللَّهُ الللْهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللْهُ اللَّهُ اللْه

ا بن عباکس رضی الڈی نبہ نے کہا کہ رسول انٹرصلی الدعلیہ وسلم نے دیتر کو فتح کیا اور یہ شرط کی کہ زم بن اور سون اپائیک سب رسول انٹرصلی انٹرعلیہ وسلم کاسے دکیو نکہ نویش بند ورشمٹ بنتے ہوا تھا) اصل خیتر نے کہا کہ ہم زمین کو داس میں زریات و عنے وکی نویب جا نتے ہیں ، اکب یہ ہما دسے مئیر دکر دیں اس شرط پر کہ اپ کو نصف بھیل اور مہیں بھی نصف بھیل ہا ہی عباس رمنی الٹرعنہ انٹر کہا کہ درسولی انٹرصلی انٹرعلیہ وسلم نے اس شرط پر زمین وعیرہ ان سے میر دکر دی بس حب بھی تو از نے کا وقت ہوا تو موبد انٹری دروا ہرکوان کی طرف بھیا ۔ اس سنے بھیل کا تخمید دیگا یا ، برتخ نبید وی سے جیسے ا بل مدین خرص دا ندازہ ، کہتے ہیں ۔ بس عبدالنڈ درصنی انٹر عنہ نے کہا کہ ان ور حدول پر اتنا اور ا تا بھیل ہے ۔ حبدالٹہ بن روا حدف کہا کہ ہمیں تخمید لگا تا ہوں اور انہوں اور میں مقداد کا نصف دیتا ہوں جو میں نے بتائی ہے ۔ انہوں نے کہا یہ بی تاب سے در عدل وانفعا ن ہے کہا کہا یہ بی بی مقداد کا نصف دیتا ہوں جو میں نے بتائی ہے ۔ انہوں نے کہا یہ بی تاب سے در عدل وانفعا ن ہے ۔

ا وداسى سے آسمان وزمين قائم بيں . مم تيرے كے كے مطابق نصف يلينے پر دائنى ميں دا بن ماجر، مطلب ميركم اگر تنهادا انداندہ نديا وہ سے تو مميں حب اس ميں سے نصف طاتو زيادہ طااس لئے ہم دا منى بي -

٤٠٠ مه رحك فك عَلَى مُن سَهِ لِ الرَّمَا فَيُنَا زَبُ لُ بُنُ اِلزَّمْ قَاءِعَن جَعْفَرِ أَنِي الزَّمْ قَاءِعَن جَعْفَر بُنُ بُرْفَانَ بِالسَنَادِ * وَمَعْنَا * قَالَ فَحَزَرُوقَالَ عِنْدَا قَوْلِهِ وَكُلَّ صَفَرَاءً وَبُيضَاءً فَ يَعْنِي الذَّا هَبَ وَالْفِظَّ مَرَكَهُ .

ایک ا و دسند کے دراتھ بہی مدیث ۔ اس میں سے کہ عبدالندی دوا مہ نے اندازہ کیا۔اور مدیث کے صفراً، اور مینا، کے وقت کہا، معنی سونااور ما ندی حفوصلی التّدعلیہ وسلم کی ملکیت ہوگی۔

٨٠٨٣٠ كَلَّا ثَنْكَا مُحْتَدُنُ مُن سُينُمانَ الْانْبَارِيُّ نَاكِتُ بُرُّ يَعُنِي ابُن هِ شَامِعَ مُحَعَفِر بُن بُرْفَانَ نَامَيُمُونَ عَنْ مِقْسَرِ إِنَّ التَّبِي صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمَ حِبْنَ الْفَتَنَعَ خُبُرُفَ ذَكُرُن حُوحِ لِيْتِ زَيْدٍ قَالَ فَحَرَّى النَّيْحَ لَ وَقَالَ فَانَا الْيُ جَذَا النَّخِلِ وَاعْطَلُكُهُ نِصُفَ الَّذِي قُلْتَ .

مَفْهم سَے روا بیت سے کُرنبی صلی اللہ علیہ وسلم نے جب نیبر فتح کیا تو... بھر دا وی نے اوپر کی صُدیث کے ما نند بیان کیا ۔ را وی نے کہا کہ ; اور عبداللہ بن رواحہ دضی اللہ عند نے کہا کہ من تھجوری نوٹر نے کی ذمہ داری لیتا ہوں ا ور جو میں نے کہا اس کا نصف تہیں دوں گا زاہن ماحہ بہ حد میٹ مُرسل سے ۔

َ بالاس في الْخَرْصِ د تفضائات

و. مه س. حَكَانْ نَكُ اَيْحُيلُى بُنُ مَعْيِنِ نَاحَجَاجٌ عَنِ ابْنِ جُرَنْ عِ فَالَ الْحَبِرُتُ وَكَ عَنِ ابْنِ جُرَنْ عِ فَالَ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى عَلَى اللهُ عَلَى عَالِمَتُ تَ فَالَتُ حَالَ النَّبِي صَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى وَ اللهُ عَلَى وَاللهُ عَلَى اللهُ عَلَى وَ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ ا

پکنے پرقبل اس کے کہ اس میں سے کھایا جائے بھل کا تخیینہ کرتے تھے ۔ پھر پہودیوں کواختیا ددستے کہ یا تو تم اسس اندازے کے مطابق نصف بھیل سے لویااس کے نینے کے مطابق اصحاب کے میٹرد کر دو تاکہ بھیلوں کے کھائے جائے اور متفرق ہو جانے سے پہلے ذکو ہ منعین کی جا سکے دمنزری نے کہا ہے کہ اس مدیث کی مندمیں ایک مجہول دا وی سے ، یعنی ابن جریج اور ابن شہاب کے درمیان ک

رمم حكى نَكُ ابْنُ أَنِي خَلَعِن نَامُ حَمَّلُ بُنُ الْمِ الْمُعَ الْمُعَلَّمُ اللهُ عَلَى الْمُرَاهِمُ الْمُعَانَ عَنُ اللهُ عَلَى رَائِدَ الْمُعَ الْمُعَانَ عَنُ اللهُ عَلَى رَائِدُ اللهُ عَلَى رَائِدُ اللهُ عَلَى رَائِدُ اللهُ عَلَى رَائِدُ اللهُ عَلَى ا

جابرد منی انٹری نے کہاکہ انٹرتعا سے خیبرکوا بنے دسول صلی انٹریلیہ وسلم کی فئ بنایاتودسول انٹوسال انٹر مال انٹر علیہ وسلم نے ان ہوگوں کو حسب معمول وہ ہیں رہنے دیا اور نیبر دسے غلے اور پھیل کو ، اپنے اور ان سکے در مریا ان نصف نصف قرار دیا ۔ پھر عہدا لنٹر بن روا صرصی انٹری کو بھیجا جس نے خیبر کا یہود ہوں ہر تنمین دیگایا ۔

الم ٣٠ كَلَّى الْمُنْ الْحُمَّى الْمُنْ كَثَبِلِ الْعُبْلُ الدَّنَّ الْ وَمُحَمَّدُ الْكُنْ الْمُؤْكَ الْمُنَا ابْنُ جُونِيجِ قَالَ اَخْبُرِي ابُو النَّرِبُ بِرِ اتَّهُ سَمِعَ جَابِرُ بْنُ عَبْدِ اللهِ يَقُولُ خَرَصَهُ ابْنُ رُواحَةُ ارْبُعِيْنَ الْفَانُ وَسُتِى وَزَعِدَ اللهِ مُؤْدَدُ لَمَنَا حَيْرَهُ هُو خَرَصَهُ الْبُهُودُ وَلَمَّا حَيْرَهُ هُو خَرَصَهُ الْبُهُودُ وَلَمَّا حَيْرُهُ هُو مِن اللهُ مُؤْدَدُ لَمَنَا حَيْرُهُ هُو

ا بن دکا کتر اک کو التیک و کا التیک و کا کی بھی ہے شرو ک اُلف کوشق ابوالز بیر نے جا بر بن عبدالترمی الله عنہ کو کہتے سناکہ ابن دوا حدنے جائیں بزار وسق کا تخفیذ دگا یا اور ابوالز بیر نے کہاکہ ابن روا حدنے جب بہو دکوا ختیا ردیا توا نہوں نے بھی کو سے لیا اوران کے ذمہ بیں بزار وسق آئے دین بیمود اس نرط پر دائنی ہوگئے تھے کہ جو فریق بھیل سے سے وہ دو سرے کو ۲۰ ہزار وسق بھیل ا داکمہ دسے، جنا سخے بہود نے بھیل کو افتیا رکمہ لیا ۔

عِتَامِ الْإِجَامَاةِ

کتاب الاجاره ددراصل به کتاب البیوع کابی حصری ،

احادًه کا لفظ انتجرسے نکلاسیے اور اس کامعنیٰ اندروئے گفت اجرت سے بعیٰ مزدورکی مزدوری - اجاکہ ہ کا نشرعی معنیٰ ہے کسی چیز کے عوض میں کسی کومنا فع کا مالک بنانا ۔

باك في كشب المعالم

رئى كَلَّ الْهُ الْهُ الْمُوْكِ الْهُ الْمُلْ الْهُ اللهُ ا

عبادہ بن صامت رمنی الترعنہ نے کہا کہ میں نے اصل صفہ میں سے کچھ لوگوں کو مکھنا اور قرآن سکھایا ،
پس ان میں سے ایک نے مجھے ایک کمان بطور مرب دی میں نے کہا کہ یہ مال نہیں ہے دی نقدی نہیں ہے اور
اس کا اجرت میں دینا رسم ورواج کے نملات ہے ، اور میں اس سے التہ کی دا ہیں شر مباؤں گا ۔ میں صرور
رسول اللہ مسلی اللہ علیہ وسلم کے باس جاؤل گا اور آپ سے صرور سوال کروں گا ۔ بس میں آپ کی خدمت میں
ما صرب وا اور کہا : یارسول اللہ ایک میں نے مجھے ایک کمان کا بدید دیا ہے اور یہ آن توگوں میں ہے جن کو

میں مکھناا ورقر آن سکھا تا تھا ،ا وریہ کوئی بھڑا مال بھی نہیں اور میں اس سے نعالی را ہ میں تیر حلاؤں گا بھنور نے فر مایا: اگر تولپندگر تاسبے کہ آگ کا ایک طوق تھے ہمپنا یا جائے تو اُسے قبول کریے رابن ماجہ، منذری نے کہا ہے کہ اس کی سندمیں مغبرہ بن نہا وہ منتظم فیہ داوی ہے ۔ احمد نے کہا ہے کہ وہ ضعیف الحد دبٹ ہے اور منکر حدیثوں کی دوا بیت کرتا ہے ، اس کی ہرمرفوع حدیث منکر سے ۔

ش سے : علامہ قطابی نے کہا سے کہ اہل صفہ ایک فقراء کی جماعت تھی جولوگوں کے صدقہ پر گزرا و قات کمرتی تھی،
ہیں ان سے کوئی چیز لین اکمروہ تھا، بلک انہیں صدقہ دینا مستحب تھا۔ اس مدیث کے معنیٰ اور تا ویل ہیں اختلاف ہے۔
کچر علی، نے اس کے ظاہر رپر نظر کھ کر تعلیم قرآن پر اجر وعومٰ کو غیر مباح کہا ہے اور یہ ندم ہب ندم ہری، ابومنیف اور
اسی ق بن را ہوں کا ہے۔ بعض علی دمثلاً حسن بھری، ابن سیرین اور فعبی نے کہا ہے کہ اگر مشرط نہ کی گئی ہوتو اس میں
حرج نہیں۔عطاء، مالک، مشافعی اور ابو ٹور کا مذم ہب ہیر ہے کہ ام جرت مُنباح ہے۔ ان کا استدلال یہ ہے کہ ایک
شخص نے ایک عورت کو بینیا م نکاح و یا اور اس کے پاس مہر نہ تھا تو تعنور صلی الٹر علیہ وسلم نے فرما یا تھا کہ تیرے پاس

جوقرآن سے اس پر پس تم دونوں کا لکاح کرتا ہوں۔ اورانہوں نے حدیث عبادہ دصی الشرعنہ کی یہ تاویل ہیاں کی سے کہ عبادہ دخت کوئی عوض لیسنے کی اس کی نیت سے کہ عبادہ دخت کوئی عوض لیسنے کی اس کی نیت مذہبی۔ اس سلئے حضورصلی انشرعلیہ وسلم سنے اُسسے ا پنا آجہ باطل کر سنے دسے ڈرا یا اور ڈا نیل مقاعبادہ کے فعل کی مثال ہوں کی مشدہ چیز تی سبیل انشر تالی مردے یا سمندرس ڈوبا ہوا مال بغرض نعلی سنی اس کے سئے یہ دوا نہیں کہ اس پر اجر سے اگر کام کر مرنے سے پہلے اجرت عظہ النہ تالی وحصول ٹواب نکال دے، پس اس کے سئے یہ دوا نہیں کہ اس پر اجر سے اگر کام کر سنے سے پہلے اجرت عظہ النور سے کئی حالات ہیں ۔ پس اگر مسلی نواس کے سئے اجرت لین اجائز سے کئی حالات ہیں ۔ پس اگر مسلی نواس کے لئے اجرت لین احلام مرکز سنے تواس کے لئے اجرت لین اصلال میں یہ اس کے سنے اور اگر ایس کے لئے اجرت لین احلام کر مسلی تواس کے لئے اجرت لین اصلال نہیں ۔ اصاد میں یہ نورت تھی انہ اس کے النورت کی اللہ علیہ مولئے نواس کے لئے اجرت تھی ہوئے دل میں یہ نیت تھی ، یہ بات صحاب سے فروتر تھی لڈڈا میں کہ شائد اس کا جائز اس کا حال وائد نہیں سے کہ بطور معالی ہوئے اور اس کے اختال مولئے دائم میں یہ نیت تھی ، یہ بات صحاب سے فروتر تھی لڈڈا سی میں ہوئے اور اس کے اختال میں ہوئے ہوئے دل میں یہ نیت تھی ، یہ بات صحاب سے فروتر تھی لڈڈا سی سے کہ بطور معالی ہوئے وائد ہوئے اسے واجر سے مورد تھی ہوئے وائد کرنا میں کواری دوا حب سے المان اس کا حال وہ نہیں سے کہ بطور معالی ہوئے اس کے وائد عمل میں میں میں میں میں کہ وائد ہوئے کہ نا میک مین فرون عب تھا ۔ اصل خدم بہ بہ سے کہ بطور معالی ہوئے وائد ہوئے المیں اندر میں نورت کی میا ورت کی میا وہ ہوئے وہ میہ کہ ملاح کرنا میکھنے کروا حب سے مقال وائد کہ ہوئے کہ انسان خری میں خورت کی میں انسان میں ہوئے کی دوئے ہوئے کہ دوئے کہ دوئے کہ دوئے کہ دیا ہوئے کہ دوئے کی میں دوئے کہ دوئے کہ دوئے کہ دوئے کے دوئے کہ دوئے کی دوئے کی دوئے کے دوئے کہ دوئے کی دوئے کہ دوئے کے دوئے کہ دوئے کہ دوئے کی دوئے کی دوئے کی دوئے کہ دوئے کے دوئے کے دوئے کہ دوئے کی دوئے کی دوئے کی دوئے کی دوئے کے دوئے کی دوئے کے کہ دوئے کہ دوئے کی دوئے کی دوئے کی دوئے کی دوئے کوئے کی دوئے کے دوئے کی دوئے کے

٣٢١٣ - حَكَانَكَ عَهُمُ وَبُنُ عَثْمَانَ وَكَفِي بُرُبُنُ عُبَيْ مِاكَالَ نَابَقِيَّةٌ حُكَاثَنِي بِشُنُ بُنُ عَبُلِاللهِ بُنِ يَسَابِرِ فَالْ عَمْرُ وَرَحَكَ ثَاثَنِي عُبَادَةً بُنُ نُسَبِّي عَنْ جُنَادَةً ابْنِ إِي الْمَيَّةَ عَنْ عُبَادَةً بُنِ الصَّامِتِ نَحُوهُ لَا الْحَيْرِ وَالْرَوَّلُ التَّمُ فَقُلْتُ مَا تَرْفِ فِهُ هَا يَا رَسُولُ اللهِ فَقَالَ جَمْرُةً بَيْنَ كَتِفَيْكُ الْقَلَامُ مَا أَوْتَعَلَّقَتُهَا -

د وسری سند کے ساتھ برحد بیٹ عبادہ بن صامت رضی الشدعنہ سے مروی ہے، اور پہلی حدیث اتم ہے، اس بی سے کہ: میں سنے ہیں سنے کہ: میں سنے جس مرکئی محدثین سنے درمیان پہنا ہے یا شکایا سنے دمینر ری نے کہا کہ اس طریق میں بقیة بن ولیدراوی سبے جس مرکئی محدثین سنے تعدد کے کندیمین سنے کہا کہ اس طریق میں بقیة بن ولیدراوی سبے حس مرکئی محدثین سنے تعدد کی سے میں مرکئی محدثین سنے کہا کہ اس طریق میں بقیة بن ولیدراوی سبے حس مرکئی محدثین سنے تعدد کی سے میں مرکئی محدثین سنے کہا کہ اس طریق میں بھیتہ بن ولیدراوی سبے حس مرکئی محدثین سنے تعدد کی سبے میں مرکئی محدثین سنے میں سنے میں مدال میں مدید کی مدید کی مدید کی سنے میں مدید کی دو مدید کی مد

بَاحِثُ فِي كُسُبِ ٱلْاطِبَّاءِ

د طبيبول کی کمائی کا بإب

م ١ م ٢ م عَمَّ الْمُنَّ مُسَلَّدُ ثَنَا البُوعُوانَةَ عَن أَبِي بِشَرِعَن أِن المُتَوكِّلِ عَن أَبِي المُمَا وكِل عَن أَبِي المُعَدِيدِ الْحُدُرِيِ الْمُتَوكِّلِ عَن أَبِي صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوا نُطَلْقُوا سَعِيْدِ الْخُدُرِيِ التَّالِي صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوا نُطَلْقُوا

فَى سَفُرُقُوسَا فَرُوْهَا فَ نَرُوُوا بِحَيْ مِنَ الْعَرْبِ فَاسْنَصَا فُوْهُ مَ فَ اَبُوْا اَنَ لَيْ مَنْ اَلْعَى فَشَفُوا لَهُ بِحُلِ شَيْءٍ لَا يَهْ فَعُ الْمَخْ فَكُوا لَهُ بِحُلِ شَيْءٍ لَا يَهْ فَعُ الْمَخْ فَكُوا لَهُ بِحُلِ شَيْءُ لَا الْمَعْ فَكُوا لَهُ بِحُلِ شَيْءً لَا يَعْفَ هُمُ الْمَا يَعْفَ هُمُ وَا نَا يَكُولُ اللّهِ عَلَى اللّهُ فَكَ اللّهُ عَلَى اللّهُ فَكَ اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ الل

ر کر دس یہ وہ صبح کو دسول انٹر مسلی الٹرعلیہ وسلم سے پاس گئے اور یہ بات کہدستا ئی ۔ دسول انٹرمسلی انٹرعلیہ ا وسلم سنے فرمایا: تم سنے یہ کہاں سے جان لیا کہ ہدا یک چھاڑ بھو ٹک بھی ہے؟ تم نے انجھا لیا اوداس پی میرا حصد بھی ٹکا ہو ۔ در بخا دسی مسلم انٹر مذی ، ابن ما جہ، نسائی ،

شرح ، فعطا بی نے اس ہ دین سے تعلیم قرآن کی اجرت کے جواذ کا استدلال کیا سے دلکیں اوپر گزیو کا سے کہ تعلیم قرآن میں اور قرآن کی آیا ہے کہ تعلیم قرآن میں اور قرآن کی آیا ہے کہ تعلیم قرآن میں اور قرآن کی آیا ہے کہ اس سے مصاحف کی بیج اور ان کی کمت ابت بر اجرت ہے جب کہ وہ اللہ تعالیٰ کے ذکر ان کمت ابت بر اجرت ہے ساماء کے ساماء کی اجرت سے جو ان کا ل ہوتے ہیں ۔ ان ہیں کھے فرق نہیں اور میں ان میں اس کے ان میں اس کے ان میں ان میں ان میں ان میں کھے فرق نہیں سے ۔ یہ دلائل تو ایک فریق سے ہیں ، ان میں کھوں ان میں کھوں کے ان میں ان م

مِنَ سِينَهِينِ بِلَدُفَعِلَ مُبِآحِ مِهِ آن دونو آمين فرق مِهُ اوراو پُراس پر کچه کلام بوچکا ہے۔ ١٣٧٥ - حسل انگ الحسن بن عملِي مَا يَرْنِ لَا بُنْ هَا دُون ا مَا هِشَا هُرُنْ كَا عَسَانِ

عَنْ مُحَمَّدِهِ بْنِ سِيْرِينَ عَنَ أَخِبُهِ مَعْبَ لِبْنِ سِيْرِينَ عَنَ أَنِي سَعِيْرِ الْحُكُادِي

عَنِ النَّبِي صَكَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحَ بِهِ ذِالْحَدِيثِيثِ .

ایگ ورسند سے ابوسعید خدری رضی استر عندی وہی روایت جواوبرگز دی داسی سندسے بخاری سنے بھی

الصروات كيا،

٧١٣٣ - تَحَكَّمُ اللهِ إِنَّا اللهِ إِنَّ مُعَاذِنَا إِنِي نَاشُعْبَ الْمُعَنَ عَبُواللهِ إِنَا اللهُ اللهُ عَن عَبْدِهِ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَكُلَم اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّا اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّا وَلَا اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّا وَلَيْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّا وَاللهُ وَسَلَّا وَلَا اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّا وَاللهُ وَسَلَا اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّا وَاللهُ وَسَلَّا وَاللهُ وَسَلَّا اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّا وَاللهُ وَسَلَّا وَاللهُ وَسَلَّا وَاللهُ وَسَلَّا وَلَا اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّا وَلَا اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَا وَاللهُ وَسَلَّا وَاللهُ وَسَلَّا وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَلَا اللهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ وَلَا

فمارج بن صلت نے اپنے جیا رعلاقہ بن حماد تھی یا علافتی سے روایت کی کہ وہ ایک قوم کے پاس سے گزرا تو وہ لوگ اس کے پاس آئے اور لبوسے: تو اِس شخص ررسول الشرصلی الشرعلیہ وسلم ، کے پاس سے بخیریت آیا ہے بس ممارے اس آئ و می کو دم کر۔ نس وہ اس کے پاس ایک مجنو ن آد می کو لاٹے جو بیڑلوں میں حکوا ہوا تھا امی اس نے

مین دن تک اس کو مبع ورش م سور ہ فاتحہ کا دم کیاا درجب وہ ختم کرلینا تو اپنا تھوک جع کرتا پھراس حبنونی پر بھینک دیا یہ کا کوری بھا کہ وہ گویا قید سے دیا کر دیا گیا ہے۔ انہوں نے اسے کچھ دیا تو وہ نبی صلی اللہ علیہ وسلم کے پاس آیا اوراس کا ذکر کیا، پس نبی صلی اللہ علیہ وسلم نے فرمایا: تو کھائے، مجھے اپنی جان کے خالق کی تم کچھ لوگ تو باطل جھا کہ بھونک سے کھا تے ہیں، تو نے برحق تعبال مچونک کے ذریعے سے ماصل کیا ہے دلنسانی گفتگوا و پر گرزم کی ہے

كالمص في كشب الحجام

د حجام کے کسب کاباب،

٤١٣ ١٠ حَكَّا ثَنُكُ الْمُولِمِي بُنُ إِسْمَاعِيْلُ فَا أَبَانُ عَنْ يَحْدِي عَنْ إِبْرَاهِ يَهُ وَبِي عَبْدِاللهِ يَعْنِي أَبُنَ قَارِظِ عَنِ السَّائِبِ أِنِي يَزِنِ لَا عَنْ مَا اِنِع أَنِ خَدِي يُجِهِ أَنَّ رَسُولَ اللهِ صَلَّ اللهُ عَكِيْرُ وَسَلَّعُ قَالَ كُسُبُ الْحَجَامِ فَجِيدِثُ وَثْمَنُ الْكَلُّبِ فَجِيدُثُ مَنْ مُرَّالِبَغِيِّ

خُينتُ.

ومنفاصد کے لیا طسم سے ہوتا ہے کلام بعض دفعہ ایک ہی فعل ہیں بعف مصول میں وجو ب پر بعف میں ہرب پر دلالت کرتا ہے ۔ اسی طرح بعض دفعہ اس کا بعض حصة مقبقت براود بعض مجاز پر فحمول ہوتا ہے ۔

علاَمدی القاری نے کہاکہ اس حدیث سے امام شافعی رحمۃ اُنٹرعلیہ نے کئے کی بیع کے حمام نبونے پراستدلال کیا ہے، چاہے سدھایا ہو اُنسکاری کتابویا غیرمعلّم ۔ ابوحنیفہ رحمۃ اُنٹر علیہ نے اس کا جواب یہ دیا ہے کہ حدیث کا مفظ ' خبیث "، اس کی کرا بہت برصرور و لا تست کر تا ہے گر فحریت پر نہیں ۔ جبیسا کرکسکِ الحجّام خبیدے میں بھی خبیث کا معیٰ حرام نہیں بلکہ بیست اور گھٹا ہے ۔

مرام ٣ حكّ نَتُ عَنْ اللهِ بْنَ مَسُلَمَة الْقَعْنَبِي عَنْ مَالِكِ عَنِ اللهِ عَنِ اللهِ عَنِ اللهِ عَنِ الله عَنِ النِي مُحَبَّكُ نَتُ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّكَ فِي إِجَادَةِ الْحَجَّامِ فَنَهَا لُهُ عَنْهَا فَلَوْ يَيْلُ يَسُلُلُهُ وَيَسُتَاذِ نُنَهُ حَتَّى المَرَةُ الن اعْدِفَ لُهُ نَا ضِعَكَ وَرَقِيقَكَ .

محیقہ سے روایت ہے کہ اس نے دسول انٹرصلی الٹرعلیہ وسلم سے مجاّم کے اجارے کی اجازت مانگی تو رسول انٹرصلی الٹرعلیہ وسلم نے اس کواس سے منع فرمایا، پس وہ برابریصنورصلی انٹرعلیہ وسلم سے وال کمہ تا اوراجازت مانگتا رہاجتی کہ محضور نے فرمایا کہ: وہ اپنی بانی ڈھو نے والی اونٹلی اورغلام کو کھلا دور ترمذی، ابن ماجہ گفتگوا وہرگزری ہے۔

٩١٣٣٠ حَتَّى نَتَكَ أَمُسَكَادُ كَا يَنِ نِي بَدَيْ بَا بَنَ اللهِ عَنَا خَالِكَا عَنْ عِكْمِمَ عَنِ الْمُلِكَةِ مَا خَالِكَا عَنْ عِكْمِمَ عَنِ اللهِ عَبَالِكَا عَنْ عِكْمِ مَا خَالِكَا عَنْ عِكْمِ مَا خُلِكَةً وَسَلَّكُو وَالْعَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى

ا بن حہاس دھنی انٹر ھیتا نے کہا کہ دمول انٹرصلی انٹدعلیہ وسلم نے سینگی نگوائی ا ورحجاً م کواس کی مزد وری دی اگر آپ اسپے خبیث جا بنتے توالیسا نہ کر تے د بخاری گفتگوا ویرگزری ہے ۔

٠٧٧٣٠ حَكَّا نَنْكُ الْقَعْنَ عَنْ مَالِكِ عَنْ حَمَيْدِ الطَّوْيِلِ عَنَ انْسِ بَنِ مَالِكِ عَنْ الْسَابِ مَالِكِ عَنْ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوْ فَالْمَرْكَ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوْ فَالْمَرْكُ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوْ فَالْمَرْكَ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوْ فَالْمَرْكَ اللَّهُ عَلَيْهُ وَالْمَالُولُ اللَّهُ عَلَيْهِ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَالْمُلْكُ اللَّهُ عَلَيْ عَلَيْهُ وَاللَّهُ وَلَا عَنْ اللَّهُ عَلَيْهُ وَالْمُلْكُ وَالْمُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَالْمُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَالْمُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَالْمُعَلِّلُهُ وَالْمُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَالْمُلْكُ وَالْمُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ وَالْمُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ وَالْمُلْكُولُ اللَّهُ عَلَيْكُ وَالْمُلْكُولُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ وَالْمُلْكُولُ اللَّهُ عَلَيْكُوا عَلْمُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْكُوا عَلَيْكُوا عَلْمُ اللَّهُ عَلَيْكُولُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْكُولُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى الْمُعَلِّمُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى الْمُعْلِقِيلُولُ اللَّهُ عَلَى اللْمُعَلِمُ اللَّهُ عَلَى الْمُعَلِّمُ اللَّهُ عَلَى الْمُعْلَى الْمُ

انس بن مالک برصنی الند عند نے کہا کہ ابوطیبہ نے رنام نافع تھا) رسول الندصلی الندعلیہ وسلم کوسینگی سگائی اس حصنور صلی الندعلیہ وسلم نے اس کے لئے کھجور کے ایک صاح کا سخم دیا اور اس کے ماکسوں کو حکم ویا کہ اس کے خراج میں شخفیف کریں دبخاری ، مسلم ، تر فدی ، بیں اگر اسکی اجرت ضبیث بعنی حرام ہوتی تو آپ سل للندعلیہ وسلم الیبار کرتے۔

باب في كسرب الإماء

دلونڈیوں کی کمائی کابات،

رمهم . كَ نَمْ عَكِيْكُ اللهِ بُنُ مُعَادِ نَا أَنِى نَاشَعُبُ تُهُ عَنَى مُحَمَّدِ بَنِ جَحَادَةَ فَالَ اللهِ مُن مُعَدِّد مَا اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ مَعْتُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ

عَنْ كَسُبِ ٱلْإِهَاءِ -

ابوہ ریرہ دمنی التد عنہ نے کہا کہ دسول التہ ملیہ وسلم نے نون ٹیول کے کسب سے منع فر مایا رہخاری شرح: خطابی نے کہا ہے کہ اہل مدینہ کی لونڈیوں کے ذمتہ مالکوں کی طرف سے مقررہ شدہ رقوم ہوتی تقیں۔ قدس حالی فدومت کریں، روٹی بکاتی ہائی ڈھوتی اور دیگری قیم کے کام کرتی تھیں۔ اس طرح جو بچے حاصل ہوتا تھا وہ مالکوں کو اواکرتی تھیں۔ اس طرح جو بچے حاصل ہوتا تھا وہ مالکوں کو اواکرتی تھیں۔ ان حالات میں گھ وں کے آمدور قدت رکھنے کے باعث ورائی اور برکاری کے ذریعے سے کمائی نرکمیں گی ۔ یہ بہت باعث یہ بات بھین سے دہ کہی جاسکتی تھی کہ وہ باک بازر ہیں گی اور برکاری کے ذریعے سے کمائی نرکمیں گی ۔ یہ بہت کہ نبی صلی الشرعلیہ وسلم نے ان کی کمائی سے منع فر ما یا۔ اور اگر ان کی کمائی کا کوئی معلوم و مقرر حائز طریقہ رنہوتا تو کہ است اور میں شدید ہی جائز کمائی کا جا تھ میں کوئی صنعت ہے تو اس سے کسب دسی جائز کمائی کا جا ذری سے جو آگے مدین ہیں ہوئے کہ اس مدید کی مائز کمائی کا جازت سے جو آگے ماروز نرائی ان کی کہ برت مال ہے۔ اس سے مدین کا مرکم سے اجرت ماصل کرے تو اس کے کسب دسی کی مائز دری کی اجرت مال سے داس کے مائز کہ کوئی جائز کہ کہ کہ کی مائز کہ کارعورت اگر کوئی جائز کہ اس مدید کی مائز دری کی احداث کی مائز کہ کوئی جائز کہ کہ کی میں ہوئے کہ دریت ماصل کرے تو اس کے کہ دریت ماصل کرے تو اس کے کسب دسی کی میں ہوئے کی مائز کہ کی کھورت اگر کوئی جائز کہ کا مرکم سے اجرت ماصل کرے تو اس کا ذکر ہے۔ اس کے کام کر سے اجرت ماصل کرے تو اس کا ذکر ہے۔

٣٢/٢٣ - حَكَّاثُكُ هَارُونُ ابْنُ عَبُنِهِ اللهِ نَاهَا شِهُ بُنُ الْقَاسِمِ نَاعِكُومَةُ حَمَّا ثَنِي كَالَمُ وَلَا اللهِ نَاهَا شِهُ بُنُ الْقَاسِمِ نَاعِكُومَةُ حَمَّا ثَنِي كَلُونُ اللهُ عَلَيْهِ اللهُ عَمَا اللهُ عَلَيْهِ وَمَا يَعُ اللهُ عَلَيْهِ وَمَا يَعُومُ وَنَاكُ وَاللهُ عَلَيْهِ وَمَا لَكُونُ اللهُ عَلَيْهِ وَمَا لَا مَا عَلِيهُ اللهُ عَلَيْهِ وَمَا لَكُونُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ اللهُ

را فع بن رفاع دونى الله عندا نصارى عبس من آيا اوركها كه نبى صلى الله عليه وسلم نے آج بميں ان چيزوں سے منع فرمايا، پس اس نے بعض چيزوں كا ذكر كيا اوركها كه ، اور لون لائ كه كه كه نسص منع فرما يا مكر يجو و ، اپنج باتھ سے كمائے اوراني انگليو سے يوں اشاره كيا جيسے روفي كيا نا، كا تنا، اكون دُصنكنا اور نوح پا داگلى مديث ميں اس منعمون كى مزيد وضاحت آتى ہے۔ مع ۲ ۲ مسل الله الله كا تنا، اكون كسل اليم كا أبن آبي ف كن ياك عن عمل ميديد الله كه تيني الله الله كا تين الس ۿؙڒؿڒۊٛۼؙۧؽؙٳڹؚؽڮ ۼڹٛڿؾٳ؋؆ٳڣؚڿۿۅٵۺؙڂٛۑٳؽڿٟڠٵڶڹؙڮڽؙۺؙڡٛڷۺڰڡػٙٳۺؗڠؽؽؙ

عَنْ كَسُبِ الْكُمْ تَهِ حَتَّى لَيْعُ كُومِنَ أَيُّنَ هُوَ۔

را فع بن خدیج رصنی الشرعند نے کہا کہ دسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم سنے نونٹ کی کمائی سے منع فرما یا حبب تک ہہ نرمعلوم ہوکہ وہ کہاں سے سے ۔

مر المراح المراح المراكب و المراكب و المراكب و المراكب و المراكب و الا المراكب المراكب و المراكب و المراكب و ا مشرح با يعني جومال وه كما تى سيماس كم متعلق فدائع ووسائل كاعلم بهونا لا ذم سيم كم آيا ملال فدائع سع سيم بالمراكب والمراكب و

بَاكِ فِي عَسْبُ الْفَحْلِ

دِرَى ُ فَهِى اللهِ بِهِ اللهِ مَعْدَدُ اللهُ مُسَدُّهُ لِهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ الْحَكَمِرِعَنَ ٣٢٣ - كُنَّا نَنْكُ مُسَكَّدُ الْبُنُ مُسَدُّهُ لِهِ اللهِ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ نَا فِيعِ عَنِ ا بْنِ عُمَدَ قَالَ نَهٰى دَسُولُ اللهِ مَعْلَى اللهُ عَلَيْ لِهِ وَسَلَّوَعَنُ عَسْبِ الْفَعْل

باسس فى حكوان الكاهن الكاهن

٣٣٣٥ - حَكَّانُكَ فَتُبُبَةُ عَنُ سُفيانَ عَنِ الزُّهِٰ يَعَنُ أَفِي بَكُورُنِ عَبُوالدَّحَلِنِ عَنُ الدَّحَلِن عَنُ إِنِى مَسُعُودٍ عَنِ النَّبِيِّ صَلَّى اللَّهُ عَكَيْ لِهِ وَسُلَّوا تَنَهُ نَهَى عَنُ ثُمَنِ الْكَلْبِ

وَعَهُوالُبَغِيِّ وَحُلُولِنِ الطَّاحِنِ -

کو مستور کہ بھوٹ کے مقدمت ہے۔ اگومسعود رمنی انٹرعمتہ نے نبی صلی انٹرعلیہ وسلم سے روایت کی کہ آپ نے سکتے کی قیمت، بدکارعورت کی خرجی اور کامن کی دیثوت سے منع فرما یا:

مشماح: کامن اپنی کہانت پر سجو آ جرت لیتا ہے اسے مکوان یا شنع یاصہیم بھی کستے میں ۔ اسی طرح عراف کی مزدوری می سزام سے - کامن توغیبی امورا ورامراد کا ئنات کا علم ر کھنے کا مازی ہو تا ہے اور عراف وہ سے ہو چوری یا گم شدہ چیز کا پتر میلانے کا دعویٰ رکھتا ہے ۔

كأسبك في الصّائخ

شی ج : حجام اور قصاب کا بیشد تو نجاست، کیڑوں کی آلو دگی اور غلاظت کے باعث ناپند فر مایا۔ رہ گیا مسنا رہ سواس کے بیشے میں کھوٹ بند فر مایا۔ رہ گیا مسنا رہ سواس کے بیٹے میں کھوٹ ، بد دیا نتی اور حجو طینا مل ہو تاہے وہ وعد سے بھی کثرت سے کرتااور حجوث بوت سیے، هی کہ رہ چہزیں بقول امام خطابی اس کی علامت بن کررہ گئی ہیں۔ نریوروں میں کھوٹ لا تاہیے، کھوٹے کو کھااور کھرے کو کھوٹ فراور کھوٹا قرار دیتا ہے۔ ابو داؤر نے کہا کہ ابن اسحاق کا قول ہے : ابن ماجدہ بن سہم کا ایک مردسے جو عرب انعطاب رہ نے الباد عنہ سے دروایت کرتا ہیں۔

عَمَّمَ الْعَكَاءُ الْكَفَّ الْفَضْلُ الْوَكَا الْكَافُونُ الْكَافُ اللّهُ الللّهُ اللللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ الللّهُ اللللّهُ الل

ا يك ا ورسند سير بهي روايت بجوابن ما مده سنے تصرت عمرسيے اورانهوں سنے نبی مسلی الترعليه وسلم سيے کی آنخ

كا مي في العبر المباع وله مال كا المبي العبر العبر العبر المباع وله مال كا المبي المبي المبي المبي المبير المبير

٩٧٣٣. كَتُكَانُكُ اَحْمَدُ اللهُ عَنْهَ إِنَّا اللهُ عَنِ الزَّهُمِ عِنَ سَالِمِ عَنِ الرَّهُمِ عَنَ سَالِمِ عَنَ الرَّمُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ قَالَ مَن الرَّهُمِ عَنِ النَّبِي عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ قَالَ مَن الرَّهُ عَلَيْهُ وَلَهُ مَالاً مِمَّا لَكُ اللهُ عَنْهُ اللهُ مَالاً مِمَّا لَكُ اللهُ ال

عبدانٹلرب کورمنی انٹر عنہانے نبی صلی انٹرعلیہ وسلم سے روایت کی،آپ نے فربایا بھی نے کوئی نلام فروخت کیا اوراس کا کچھ مال تھا تواس کا مال فروخت کرنے وا سے کا ہے، مگر برکہ خریدار شرط کرسے ۔ اور حس نے ہوندشدہ کھجور کا درخت فروخت کیا درخت کیا تو بھی افروخت کیا ہوگا گریہ کہ خریدار شرط کرسے ربخا دی، مسلم ، ترفدی ، نسائی ، اب ماج بہ شرح : معالم السن میں ہے کہ اس محد مالک کا ہے ۔ میں فدمہ سے معلوم ہوا غلام کا بناکوئی مال نہیں بلکہ اس کا مالک بنا دے تو غلام کا میں فرمہ بہ حفیدا ورث فعی کا ہے ۔ مالک اور ظاہر رئے مطابق مالک ، شافی ، حمد ، اسحاق کا فدمہ سے کہ جب تک مشتری شرط نہ کرے مطابق مالک ، شافی ، حمد ، اسحاق کا فدمہ سے کہ جب تک مشتری شرط نہ کرے مطابق مالک ، شافی ، حمد ، اسحاق کا فدمہ سے بہو ندکیا گیا توگویا وہ کھی لینے معمل میں منفر دم و گیا ۔ بہو ندر نہ ہونے کی صورت میں وہ تھجور کی بعض شاخوں کی ما نند تھا ۔ مالک ، شافتی اورا حمد کا قول ہی سے کہ بیوند میو ما نے بہو جب کہ خور کے تا بع نہیں رسمتا ہدا وہ اس کے بیع کے سو درے میں وانوں نہیں تھا، حب تک کہ سے کہ بیوند میں وانوں نہیں تھا، حب تک کہ سے کہ بیوند میں وانوں نہیں تھا، حب تک کہ کہ بیوند میں وانوں نہیں تھا، حب تک کہ سے کہ بیوند میں وانوں نہیں عا، حب تک کہ دور سے میں وانوں نہیں عا، حب تک کہ دور اس کے بیع کے سو درے میں وانوں نہیں تھا، حب تک کہ

مر بداراس کی مشرط نذکر ہے . حنفیہ نے کہا کہ مجود کا بھل مج معورت اس سے مبدا سے ، پیوند کیا ہوا ہو یا دمور ابن ا میلی نے کہا کہ معیل بہر صورت مجود کے نابع سے بیوند کیا ہوا مجو یا بذہو۔

• ﴿ ﴿ ﴿ ﴿ وَكُنَّ اللَّهُ عَنَى مَالِكِ عَنْ مَا فِعِ عَنِ ابْنِ عُمَرَعَنَ عُمَرَعَنَ عُمَرَعَنَ وَمُ وَمُ وَ وَسُولِ اللهِ صَلَى اللهُ عَكَيْهُ وَسَلَّوَ بَفِظَةِ الْعَبُ لِ وَعَنَ نَا فِعِ عَنِ ابْنِ عُمَرَعَنَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ بَفِظَةِ النَّخْلِ وَ النَّبِي صَلَى اللهُ عَكَيْهُ وسَلَّو بَفِظَةِ النَّخْلِ وَ النَّيِ صَلَى اللهُ عَكَيْهُ وسَلَّو بَفِظتهِ النَّخْلِ .

می می میں اسلامی میں اللہ علیہ وسلم سے غلام کا قصۃ (گراشۃ مدیث کا پہلا حسّہ روایت کیا ۔ ابن عمر نے رسول اللہ علیہ وسلم سے غلام کا قصۃ (گراشۃ مدیث کا پہلا حسّہ) ابودا کو دنے کہا کہ ذہری اور نے رسول اللہ علیہ وسلم سے کچور کا قصۃ روایت کی دلیے گراشتہ مدیث کا دومراحصۃ ، ابودا کو دنے کہا کہ ذہری اور این افعال مندری نافع سنے جا اس عمر دمنی اللہ عنہ کی دوایت بقول منذری نافع سنے جا ہی عمر دمنی اللہ عنہ کی دوایت ہے ۔ ابن عمر دمنی اللہ عنہ کی دوایت بناری ہستم اور ابن ماجہ میں سے ۔)

اسم سر حَكَّا نَبُنَ مُسَكَّا كُذِنَا يَجُهٰى عَنْ سُفيانَ حَكَاثُنِيْ سَلَمَتُ بَنْ كُهَيُلِ حَدَّ ثَنِي مَنْ سَبِعَ جَابِرَ بُنَ عَبْرِ اللهِ يَقُولُ قَالَ رُسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ مَنْ بَاعَ عَبْدًا وَلَهُ مَالَ فَالْمَالُ لِلْبَائِمِ إِلَّا أَنْ يَشْنَزِ عَلَى اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمَ مَنْ بَاعَ عَبْدًا وَلَهُ مَالَ فَالْمَالُ لِلْبَائِمِ إِلَّا أَنْ يَشْنَزِ عَلَى اللهُ بُتَاعُ.

ب ماہرین عبدالتلدینی التلزعنہ کیتے سے کہ دسول التّدصلی التّدعلیہ وسلم سنے فر مایا: حس نے غلام فروضت کیا اور اس کا کچھ مال نفا وہ مال بیچنے واسے کاسے ۔ مگر ریکہ خریلار شرط کر سے داس کی سندسی ایک مجبول اوی سے ،

بَا صِي فِي التَّكَتِّي

وتكفى كاهبى

٧٣٨٨ ، كَكُّاثُنُ عَبُ اللهِ بُنُ مَسُلَمَة القَعُنَجَ عَن مَالِبِ عَن نَافِعِ عَن عَبْدِ اللهِ بَهِ مَا اللهِ عَن مَالِبِ عَن نَافِعِ عَن عَبْدِ اللهِ بَنِ عُمَر اللهِ عَمَد اللهِ بَنِ عُمَر اللهِ عَمَد اللهِ عَمَد اللهِ بَنِ عُمَر اللهُ عَلَيْ فِي اللهُ عَلَيْ فِي اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللّهُ اللهُ الله

عبدالتدى عمر منى التوعنها سے روایت ہے كه رسول التده ملى التعلیہ وسلم نے فرمایا: تم میں سے كوئی دوسر كى بعد بہت كى بعى بد بع نه كمر سے ، اور سامان كو باسر جاكر آگے سے مت ماصل كمر وحب نك كمروه با ذاروں ميں نه لا ڈالا ما ئے رئجارى امسلم، نسائی ، ابن ماجم، تلقى كا معنی سے سامان تجارت كوشم میں آنے سے قبل ہى بالا بالاخريد ليا جائ منس سے : حب دو خفوں كا سودا ہوجا ئے ليكن الحي فتيت اور چيز كالين دين نہيں ہواا ور خيا رباتی سے تو تميسرا

ا دی گریپلے گا کہ سے زیا وہ قیمت دے کہ وہ پہنے خرید ہے یا وہ اپنا سودا لاکر گا کہ کوہلی ہے فیخ کرانے پر ا درستے داموں اپنا بھا سوداخر پیرنے پر داحتی کر سے تو بیٹلی لز سے۔ اگر با ئع اور شری ا ہی سود اکر رسے ہوں ا ور بات ختم نرہو ئی ہو تواس وقت گنجا نش ہو جو دھے کہ کسی وقت بھی سودا جو لادیں ۔ جہاں تک تلقی کا سوال ہے ۔ شاید کچھ ہوگ سیستے وا موں سودا خرید نے کی غرض سے شہر وں سے باہر جا کہ فا فلہ تجارت والوں سے سودا کر لیتے موں گے۔ بعد میں با فع کو دھوکے کا پتہ مہاتا ہوگا تو وہ نقصان پر نا دم ہو تا ہوگا اس لئے حضور صلی الشرعلیہ وسلم نے اس سے منع فرما دیا ۔ فقہ ، سے تلقی کو کمروہ کہا ہے گر بیع کوفا سر فرار شہیں دیا ۔ فغہہ کے نز دیک اس وقت کمروہ سے میب کہ شہر والوں کو اس سے نقعہ ان پہنچے ، اگر نقصان نر پہنچے تو اس میں حمد جسنیں ہے ۔ جاں داگر با لاار کا ہما ؤ سے عب کہ شہر والوں کو اس سے نقعہ ان پہنچے ، اگر نقصان نر پہنچے تواس میں حمد جسنیں ۔

سَرِهِ مِ حَكَّا نَنْكَ الرَّبِيعُ بُنُ مَا فِعِ ابُوْ تَوْبَنَهُ مَا عُبَيْكُ اللَّهِ بَعْنِى ابْنَ عَنِي ال الرِّقِي عَنَ اَيُوب عَنِ ابْنِ سِبْرِبْنِ عَنْ اَبِي هُمَ يُرَةً اَنَّ النَّبِيَّ صَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ وسَسَكُونَهُ عَنْ تَكَفِّى الْجَلْبِ فِإِنْ تَكَفَّا لُهُ مُسْكَقِّ مُشْيَرِفَ الشَّنَوَ لَهُ فَصَاحِبُ السِلْعَةِ بِالْخِيَامِ إِذَا وَرَدَتِ السُّوْنَ قَالَ ابُودَ قَالَ سُفَيَاتُ لاَ يَدِعْ بَعْضَكُوْ

عَلَى بَيْعِ لَهُضِ أَنْ تَنْقُولَ إِنَّ عِنْدِى كَ يُرَامِنُ لَهُ بِعَشْرَةٍ -

الوبرىده دىنى الشرطندسے روایت سے كه نبى صلى الشرعليدوسلم نے . ہر لائى جانے والى چېز كوشهرسے باسر حاكم زريد كيے سے منع فر مایا راگر ما نع كوكوئى باسر حاكر گا بك ملاا ور اُس نے اس سے سو دا خررید لیا

توحب بازار میں آئے تو بائع کوافتیارہے۔ رسلم بتر مذی سائی بخاری با فع حب بازار میں پہنچ کر دیکھے کہ میں ہے۔ اسے دھوکا ہوا سے اور تھوسط بول کرسودافتر بدلیا گیا سے تو اُسے بع کے دوکر دینے کا افتیارہ ہوا کر سے معلوم ہوا کہ بہلی بیج میم ہوگئی مقی ورندا فتیارہ ہوتا الو داؤد نے کہاکہ منیان نے کہا ؛ لکا پُنچ میخوشک کم علی بُنچ بعضی کامطلب بہرے کہ: میڑے یاس اس سے بہتر مال وس روپ میں موجود ہے ، یا دس گنا بہتر موجود ہے .

بَالِبُ فِي النَّهِي عَنِ النَّجُشِ

د کخبش سے ممانعت کاباتب،

م ۱۳۸۳ و کنگ فنگ اکفک بن عثیر و بن التنگرج کا شخبات عن النوه ی عن سینید بن المسکیب عن افی هم ثیرة خال قال کاشول الله عملی الله عکیده و سنگولاننا جشوا . ابوبریده رمنی النوعند نے کہا کدرسول الله علیہ وسلم نے فوایا: ایک دوسرے کو دموکا مست دو ریخاری مسلم، متر ذی ، نسانی، ابن ماجی مش سے؛ نیلا می ہیں محف قیمت بٹرھانے کے لئے بولی دیناحا لانکہ خرید نے کاالادہ نہ ہونج ش کہلا آیا ہے۔ اس کی صورت بہر سے کہ اپنے مال کی حجو ٹی تعربیف کر کے اسے را مج کیا جائے تاکہ لوگ اس کی خرید کی طرف متوح بہوں ۔

بَاكِسُ فِي النَّهُي أَنْ يَبِينُعُ حَاضِرُ لِبَادِ

دننری کے بدوی کی خاط بیع کرنے کی ممانعت کا با سی

ابن عباس رصی الٹر حمنہانے کہاکہ دیسول الٹرصلی الٹرعلیہ وسلم نے شہری کے بدوی کی خاطر بیعے کمرینے سے منع فرمایا سے ۔ طامی سرنے بوچھاکہ شہری کے بدوی کی خاطر شیجینے کا مطلب کیا ہے ؟ ابن عباس رصنی الٹڑعنہائے کہاکہ اس کا ایجنٹ ش ۔۔ خرد رین اس مسلمی نشیا دیم اور م

بسر جنا بحنط وه ميم جولوگوں كے كئے خريد وفرونوت كرے، پس يہ حكم خريد و فرونوت دونوں كوشتل سے۔ خطابی نے اس كامطلب بر بتا با سے كہ ابر سے سودالا نے والا توحا صرفرنے ہر بیچے گا جس سے لوگوں كوفائدہ ہوگا۔ اب ابجنٹ اس سے كہتا ہے كہ : ميں تہيں گراں وا م ہر فرونوت كر ديتا ہوں، اور سودا سے كرا سے جمح كريتا اورزيا دہ قیت وصول كرتا ہے . مقعد جو نكد لوگوں كو صرورہ ہے بجانا ہے بہذا اگر البحث كى اس حركت سے لوگوں كو صرور منہ بنجے اوران كے سائے كچھ فرق ند مطاب تو كہا گيا ہے كہاس مى كراس مي كوئى حدج نہيں ۔

٧٣ م حُكَّا نَنْ أَهُ يُرْبُنُ حُرْبُ أَنَّ مُحَمَّمَ مَنَ النَّرُبُ مِنْ الْمَا الْمَا الْمَا الْمَا الْمُكَانُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ ا

کی انس بن مالک رعنی التلاعد سے روایت ہے کہ نبی صلی الترعلیہ وسلم سنے فرمایا : کوئی سنم کی کسی بدوی سے سنے خریدو فرونت نرکرسے چاہے وہ اس کا عبائی یا باب ہو ۔ ابوراؤ دسنے حفص بن عرکے طریق سے انس بن مالک کا قول دوایت کیا ہے کریہ حدیث ایک بما معکلم سے جس میں خرید وفرونت دونوں شامل میں داصل حدیث نسائی میں موجود سے مدیث

ك مفتمون براوير بات مومكي .

٣٣٣٧ بحكانك مُوسَى بَنُ إِسْمِنِيْ لَ مَاحَمَا دُعَنُ مُحَمَّدِ بَنِ إِسْحَاقَ عَنَ سَالِمِ الْمَكِرِّ أَنَّ أَعُن اللهِ عَلَى مُحَمَّدِ بَنِ لَهُ عَلَى عَمْدِ رَسُّكِ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ اللهُ عَلَيْهِ اللهُ عَلَيْهِ اللهُ عَلَيْهِ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهِ اللهُ اللهُ عَلَيْهِ اللهُ اللهُ عَلَيْهِ اللهُ اللهُ عَلَيْهِ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ اللهُ اللهُ ال

مالم می کوایک بدوی نے بتایا کہ وہ ایک شردار اونٹن یا کوئی اور سامان تجارت لے کرنبی میں اللہ علیہ وسلم کے ذمانے
میں آیا اور طلحہ بن عبدیا للدر منی اللہ عند کے باس اُ ترا بعضرت طلحہ دضی اللہ عند مند و ما یا کہ رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم نے
میں آیا اور طلحہ بن عبدیا للہ دمنی اللہ عند کہ نے سے منع فر مایا سے بہکی تو خود با زاد میں جااور د مجھ تھے سے کون خرید و زُوت
کر تا سے میں مجھ سے مشورہ کم لینا ، میں تمہیں اثبات یا نفی میں جواب دوں کا ربدوی کا لایا ہوا سو دااگر حلوبہ تھا تواس کا معنی
سے سٹر دار اوز منی) اگر حلوبہ تھا تو معنی سے فرونوت کی عز حن سے لایا ہوا سا مان تجاریت)

٨٣٨٣ - كَتَّانَّكُ عَبُ كَاللهِ بَنْ مُحَتَّدِ النَّفَيْلِيُّ نَا زُهَيْرُنَا ٱبُوا لَزَّيَ بُرِعِنَ جَابِدٍ قَالَ قَالَ رَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ لِا يَبِعُ حَاضِلُ لِبَادٍ وَذَمُ وَالنَّسَ يَرْثُمُ قُ اللهُ بَعْضَهُ وَمِن بَعْضِ -

حابردمی الٹرعنہ نے کہاکہ دسول الٹیم کی الٹرعلیہ وسلم نے فوا یا بکوئی نتہری کمی بدوی کے لئے ٹریدوفروٹرت شکرسے اور توگوں کو بھیوٹردو کہ الٹر تعالیٰ انہیں ایک دوسرسے کے درسیعے سے رزق دسے دسلم، ترنری، انسانی، ان ہیں خطا بی نے کہا ہے کہ اس حدیث سے معلوم ہوا کہ اگر کوئی ایسا کرسے توعقد بیع فاسد نہیں ہوتا ور نہ یہ نفروا یاجا تاکہ توگوں کو ایک دوسرسے کے ذریعے سے رزق حاصل کرنے دو۔اکٹرا مل علم شے نمز دیک یہ بیعے مکروہ ہے۔ جی ہدکا قول سے کہ اس کی کامپ سے درسول انٹر صلی الٹر علیہ وسلم سے زما نے میں تھی آج کل نہیں ۔ بعض نے کہا ہے کہ اس میں نہی ارمٹا دے سئے سے ایجا ب کے لئے نہیں۔

بَابِ مِن إِشْتَرِي مُصَمَّا يُّ فَكُرِهُمَ

(باب جس في معترات كوخريدا وربعرنا كسندكيا)

٣٣٩ - حَكَّاتُنَا عَبْكَ اللهِ بْنُ مَسْلَمَةَ عَنْ مَالِبٍ عَنْ آبِي الزِّنَا دِعَنِ ٱلْاَعْدَجِ

كَبُورَكَا يَكُ سَاعَ مُوكًا رَمَعَمِ مَ مَنْ يَطِيعِ. عهم مه سر حكم تنك أَبُوكا مِلْ نَاعَبُ ثَا أَنُوا حِلِ فَاصَدَ فَدَّ بُنُ سَعِيبٍ مِعَنْ جُمَيعِ بْنِ عَبْلِر

مِمِمِهِ حَلَّاتُ ابْوَكَامِلِ مَعْمَدُ اللهِ عَلَى مَعْمَدُ اللهِ عَلَى مَعْمَدِ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمَ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمَ مَنِ ابْنَاعَ مُحَفَّلَةً فَهُو بِالْخِيامِ ثَلْتُ قَالَ رَسُولُ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمَ مَنِ ابْنَاعَ مُحَفَّلَةً فَهُو بِالْخِيامِ ثَلْتُ قَالَا يُمْوَلُونُ رَدَّ هَا رَدَّ مَعَمَا مِثْلُ اَفْمِثُلُ مَنِ ابْنَاعَ احْدَدُ مَعَمَا مِثْلُ اللهُ عَلَيْهُ وَمِنْ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ اللهُ

عدا لنزى عررص النزمنها كنة حقے كەرسول النرصلي لينزعليه وسلم نے فرمايا: جس نے د ووج مع ك بہوئی ما دّہ کو خمہ پاتوا سے تین دن تک کاا ختیار ہے پھراگروہ اسے رو تکرے تواس کے دور ھکی مقدار رہے، یا دوھ کی تعلام سے وگئی گندم بھی واپس دے رابن ماجر خطابی اورمنڈری نے کہاکداس مدیث کی سندل اُن اعتماد نہیں ہے ، سش سے: مافظ ابن بجرنے کہاکہ جہوراس علم نے اس صدیث کے ظاہر رعمل کیا سے علام عینی نے کہا سے کہ الوصیف مقت مصّراة بيرترك على منفر ونهب ملكه يرسب إبل كوفه كا مذتبب سے اور انب ابی بیائى كابھی اورا كير روائيت ميں مالک كا مذمب بھی بی سے ۔ اس حدیث بر ترک عمل کا باعث اس کا اصول شرع کے خلاف بہونا ہے عب کی آٹھ وجو ہیں () است اس فاعده كليّديدمتفق خيركم بأبع اودمشترى كومتغرق م سنح كسد دخواه تفرق بالابدان كهويا تفرق بالكآم ،اختيار الل ہے۔اس کے تعبد اگر کمی کوا ختیا رہے تو و ہُ شرط کے ساتھ ہے تعیی حب اختیار کی منرط کی گئی ہو لو تمین و ن کہ تحیار ہاتی سے مین اس مدیث عیب یا شرط کے بغیر ہی د دبیع کو واحب کیا گیا ہے دی تین دن کا اختیار خیا دی المرا میں ہوا ہے اوربهالاس كع بغيريدا فتياريا ياكيا مع رس بهال بيع كالك جزء جاتار مضيم هي دركو واجب كياكيام وس اس میں ممبدل کے قیام کے با وجود بدل کوواجب کیا گیا ہے ، لین دودھا تی سے پیر بھی ایک صاع تمر یا طعام کو بدل مطبرایا گیاسے (۵) اس مدیث میں بدل کوتر یا طعام عظرا باگیا ہے حالانکہ شرع میں بدل یا تومثل موتی سے یا قیات (٧) دوده ذوات الامثال مي سے مع مگراس حديث مي اسے ترياطهام فرمايا كيا مع جو قيت آب رحالا كدبدل ذوات ﴿ الله شال مِن مُبدل كامثل بوتا ہے (ء) اس میں ربوایا یا جاتا ہے د۸) اس میں عوض ا ورمعوض کو جمع كيا كيا ہے ۔ اب مدیث مُقتراة پرسندًا کلام کیا مها تا سے ۱۰ بن عمروضی الشرع نها کی مدیث کوالوداؤ د نے جمیع بن عمرتیمی کی دوالیت سے بیان کیا ہے، خطابی نے اس کی سندکو بیار کھرایا بخاری سنے کہاکہ اس میں کلام سے . ابن حبان نے اسے ضعفا میں شماركيها وررا ففني كمردا نا جوم رشير كفرتا عا، ديكر تحد من سنه عبي اس ميتنقيدكي سيد. انس رصى التدعن كى مديث كواليلي

سندا بنی مندمین دوایت کیا ہے گراس کی سندمین اسماعیل بن کی ضعیف ہے۔ منداحمد میں یہ صدیث "ایک اَ دمی مجابلاً

کی طرف سے آئ سے .

اس مدمین میں بین دن کا ختیاراً یا ہے اور ظاہر ہے کہ اسنے دن بن کئی مرتبہ جود دود دو واکیا ہوگا وہ اسس مقدار سے بہت نا بد ہوگا جسے رقر کر نے کا مکم دیا گیا ہے بین ایک صاح کھوریا طعام جوگندم نہ ہو، پھران بن دنوں میں اس ما نور نے نئے ماک کے ہاں جارہ و وینے و ہی مزدر کھایا ہوگا، اس کا کوئی حساب و صنع نہیں کیا گیا ۔ نیز مقترا ہ کی بیع بر و مئے مدیت دھو کا ہے، پس بر حکم خدا ورسول صلی الله علیہ وسلم کے فلا ف ہوئی ، المذا بعد و وقع ت بہت کہ گنا ہوں بر مالی سزائیں ہوتی تھیں، بعد ایک نمر مناح د دکر نے کا حکم دیا گیا ، اور بر حدیث اس در میں اس میں بر حکم منسوخ ہوگیا تھا ، جنانچ ہوئے اس مرب کا مناول ہے دورس کے ملات کے بارے میں ہے جو حضور صلی اللہ علیہ وسلم کے دورس میں ہے ایک مقدر صلی اللہ علیہ وسلم کے دورس میں ہے ہو تھا دارہ کی ہے دورس کے میں ہے ہو تھا دارہ کی ہو تھا میں میں ہے دورس میں ہے ہو تھا میں میں ہے کہ دورس میں ہے ہو تھا اس مدیث کا خلا و نواعد و نصوص مونا توامام خطابی شافعی نے بھی معالم السن میں تسلیم کیا ہے۔

كَانَاتِكُ فِي النَّهِي عَنِ الْحُكُرَةِ

مش سے : خطابی نے کہاسپے کہ سعید رصی الشرعنہ کا یہ قول "معروضی الشرعنہ ذخیرہ اندوزی کرتا تھا " ظاہر کرتا ہیے کہ اعتکار کی کئیا قسام میں جن میں بعض ناجائز ہیں۔ سعید جیسے صاحب علم ونفنل سے یہ تو قع نہیں ہوسکتی کہ وہ درسوال سر صلی الشرعلیہ وسلم کی صدیث کی روایت کرسے اور پھرخود ہی اس کی مما نعت مرہے ،اورصی بی سے توالیسا کرنا ہہت ہی بعید سبے ۔ مالک اور نوری نے طعام اور دوسر سے سا ذوسا مال کا اعتکار ممنوع کا ہرایا ہے۔ رحیٰ کہ مالک کے نزویک انون

اورر ون اور دیون نه تیون کی زیره اندوزی بھی ممانعت میں داخل ہے مگر بھل اس حکم سے خارج ہیں ۔ احمد برج نبل نے کہاکہ احتکار کا تعلق با کفھوص طعام سے سے کیوں کہ لوگوں کی غذائے۔ لہٰذاا سکار کا تعلق مک، مدینہ اور سرحدی شهروں سے سے ، بغدا دا وربعرہ میں تجارتی جہا نہ آتے جانتے ہیں اورسا مان ہروقت آتا سبے لہٰ ذا ان میں کو ٹی است کا رہنہیں ۔ آ دنی کی این زمین سے جوغذائی اَصِناس گھرآئیں ان کا ذخیرہ اِستکار نہیں بھس **اور اوز ابنی نے کہ ا**کبر جوشخص ایک شہرسے دومرے میں اسٹیائے خورونی سے ماسے اور سنح کی زیادتی کا مستظرسے تووہ محتکر نہیں محتکرہ وہ سے جو مسلمانول كحمأ زادس جيزين خريدكر ذخيوكرس معمرض الثنينه إورابن المسيب كأاحتكاراس طرح كاتفاجوا حمد سفيتايا ہے۔ ابن المسیب رحمة الشُرعلیہ کے متعلق بریھی مروی ہے کہوہ روغن نرتیون کا احتکا دکرتا تھا۔ بس اس مدیث کے نفظ عام اورمعیٰ خاص ہے آج کرمصنوعی قلت بیار کر کے رقم بنانے کے جوہتھکنڈے بڑسے اجر کرتے ہوں وہ ممنوع احتكارميدا خلمي فلاصد كفتكويرك كرسجادت مي وخيره تومو كاسى مكرجس بيزى لوگول كوفرورت سےاسے صرف نررخ بڑھانے کے خیال سے دوکے رکھنااحتکار ممنوع سے ۔ مَمْمُ ٣٨٨ رَكُلُّ اللَّهُ مُكَمَّدُ أَنْ يَجِينَ بَيْ فِي إِنْ فَيَاضَ فَا أَنْي الْمُثَنَّى فَا يَحِين بْنُ الْفَتِبَاضِ نَاهَتَ الْمُعَنُ قَتَادَةً قَالَ لَيْسَ فِي الْتَهْرُحُكُرَةٌ قَالَ ابْنُ الْمُثَنَّى قَالَ عَنِ الْحَسَنِ فَقُلْنَاكَ هُ لَا تَقُلُ عَنِ الْحَسَنِ فَالَ الْبُوكِ الْحَدَالُ الْحَدِالْبِثُ عِنْ مَا الْ

بَاطِلٌ فَالَ ٱبُوُدَا وَكُوكًا كَ سَعِيْكُ ابْنُ الْمُسَيِّبِ يَحْسَكِرُ النَّوى وَالْخَبُطُ وَالْبَازِيَ قَالَ ٱبُودَاوَرَسِمُعَتَ آحُمَكُ بُنُ يُونِسُ قَالَ سَأَلُتُ صُعْنِيانَ عَنْ كَبْسِ الْقَتِّ قَالَ كَانُو

يُكُرُهُونَ الْحَكُونَةُ وَسُأَلُتُ ٱبَا بَكِرِيْنَ الْعَيَّاشِ فَقَالَ (كَبِيشَةُ -

قتامه سف كماكم مجور مي كونى احتكار منهيدا بن المنى سف كها كريحيل بن فياص في كمها عرب الخرويس مم سف اس سے کہا کہ عن الحسن مت کہودِ لینی بی تول حن کا نہیں ملکہ قتا وہ کا ہیے ، ابودا ؤدِسنے کہا کہ بیرمدیث ہما رسے نز دیک باطل ہے اورسعیدیں اسسیب گھلیوں، سُو کھے پتوں اور بوٹیوں کے بیج کا ذخیرہ کرتا نتا ابودا ؤد سنے کہاکہ میں نے احمد بن يونس سے سُنا اس نے کہا میں سے مغیال سے سبر جارِسے کاذ خیرہ کرنے کے متعلق او مھاتوا نہوں نے کماکہ ، يهك بزرگ احتكاركومكروه ماستے منے - اور ميں فيابومكر بن عياف سے بوچا تواس في كہاكراسے جع كرو .

كانف في كُنبي التي راهيم ا

٣٨٨٥ حَكَانُنْ أَحْمَكُ بُن حَنْبِلُ أَامُعْتَكُمْ قَالَ سَمِعْتُ مُحَمَّدُ مَن فَضَاءِ يَعِيِّدُ ثُ عَنُ ٱبنِهِ عَنُ عَلَقَمَتُمُ مِنِ عَنْ اللّهِ عَنُ ٱبنِهِ فَالَ نَهٰى نَسُولُ اللّهِ صَرِكَى اللّهُ عَلَيْ إِ عبدالتٰدالمزنی رحمۃ الشعلیہ نے کہا کہ رسول التٰرصلی التٰرعلیہ وسلم نے مسلما نوں کے اندر چلنے وا ہے سکتے کو تورنے سے منع فرمایا سوائے کسی صرورت کے دابن ما جر بائس کا ترجہ ہم نے عام معنوں کے کیا ظاسے صرورت کیا ہے ، ورنہ مطلب اس کا یہ ہے کہا گھر سے ہوئی نقص ہو ، مثلاً کھو طروعنی ہوتوا سے توٹرنا جائز ہوگا ۔ کیا ہے ، ورنہ مطلب اس کا یہ ہے کہا گھر سے جس ہریکۃ بنتا ہے اور اس کے باعث درا ہم و دینا رکوسکہ کہا جاتا ہے ۔ اس وقت میں سکوں کو توٹر کر بھی چہا ہے جس موجہ بنگا ہے ۔ اور اس کے باعث درا ہم و دینا رکوسکہ کہا جاتا ہے ۔ اس وقت میں سکوں کو توٹر کر بھی چہا ہے ۔ اور با زار میں چلنے کے قابل مذرہ ہے گا ہیں اس سے منع فرمایا گیا ۔ بعض ہوگ سکوں کے اطراف کو توٹر کر کم کمر دیتے ہے ۔ اور با زار میں چلنے کے طور ہر اُنہیں چہا ہے ۔ بھی ہوگ سکوں کے اطراف کو توٹر کر کم کمر دیتے ہے ۔ اور با زار میں چلنے کے طور ہر اُنہیں چہا ہے ۔ بھی ۔

تُبابِ فِي التَّسُعِيْرِ

ابوبرىيره رصى الشرعندسد وايت سے كمرايك عض آيا اوراً سى كما: يارسول الشرنرخ مقرد كمرديكے، آپ نے فرمایا: بكریں دعاد كروں گار پوايك اوى آيا توبولا: يارسول الشرنزخ مقر فرما ديجئے .آپ ملى الشرعا يہ الله م خورما يا بلكہ الشرتعالی ہى نرخ كوبست اور بلندكر تاسيم ميں اميد ركھتا ہوں كہ ميں الشرتعالی سے اس حال ہيں موں كہ كمى كامچه بيركوئ مطالبہ مذہور

شی سے :امام محمدرم تالشعلیہ نے موطا میں فر مایا ہے کہ البوصنیفہ اور ہمار سے عام فقہا، کا بھی قول ہے کہ نمہ نے مقرر مع کے مقار کے معابق کار وبار کر نے کی اجازت دی جائے ۔ آج کل توہم نے دیکہ لیا سے کہ معکومت کے مقرد کردہ ندخوں بر کوئی بھی خرید و فر وخت نہیں کہ تا، ندخ موسمی احوال، بارش، خلے کی کمی بیٹی اور دیگر احوال عالم کے ساتھ ساتھ تو دبخو د بد سلتے رہتے ہیں ۔ خصور نے واضح الفاظ میں اس سے منع بھی نہیں فرمایا۔ بعض دفعہ شدید صورت کے موقع بر حکومتوں کو قیمتوں بر کنٹرول کرنا بط تاسید جمنا ضخورا وروخیرو اندونہ اس کے بغیر نہیں دہولے اندازی کم نی بیٹر تھوں با تھوں سے لوسط بغیر نہیں دہولے ۔ اندازی کم نی بیٹر تی ہے ۔

٣٣٣٧ - حَكَى اللَّهُ عَنْهَاكُ بُنُ أَفِي شَيْبَةَ نَاعَقَانُ نَاحَتَادُ ابْنُ سَلَمَةً ذَا الْأَسِ

بَاسِكُ فِي النَّابِي عَنِ الْعَشِ.

د کھوط ملانے،فریب و بنے کا ہائش،

٣٣٣٨ - كَلَّا ثُنَّ اَحْمَلُ اللَّهُ عَلَى عَنْبِلِ السُّفَيَانُ أَنُ عَيْنَنَهُ عَنِ الْعَلَاءِ عَنَ ابِيهِ عِنَ اَفِي هِمُ هُو اَلْعَلَاءِ عَنَ ابِيهُ عِنَ الْعَلَاءِ عَنَ ابِيهُ عِنَ الْعَلَاءِ عَنَ ابِيهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْفَ هُو مُنْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّوْ مُنْ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ الْعَلَى اللَّهُ عَلَى الْعَلَامُ عَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَامُ عَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَامُ عَلَى الْعَلَى ا

فَقَالَ رَسُولُ إِللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْ إِوصَالُكُو كِيسَ مِنَّا مَنْ غَشَّ .

ابوبریدہ دصی الندعنہ سے دوا بیت ہے کہ درسول الندصلی الدعلیہ وسلم ایک آدمی کے پاس سے گزرسے جوطعام بیج رہا تھا تو آپ نے اس سے پوچھا: کس طرح بیجیتے ہو؟ تواس نے بتایا۔ بس آپ پر وحی آئی کہ اپنا ہا تھا س میں دغلے، واخل کیجئے۔ بس صنودصلی النوعلیہ وسلم نے اپنا ہا تھا س میں داخل کیا تو دکھی کہ وہ تو بھیگا ہوا تھا۔ بس دسول الترس الشر

عليه وسلم شف فرمايا جو دهو كا دسه وه مهم مي سند نهي رمسكم اتمه مذى ابن ماجبر)

فيرخواه مول ابراميم عليهالسلام سُف كهاتها فكمن مُبِعَني فَإِنكُ مَنِي رابراميم ١٧٠٠

وم مرس حَكَانَكَ الْحَكُ الْمُكَانُ الْمُكَانُ الصَّتَبَاحِ عَنْ عَلِيِّ عَنْ بَحْيَى فَال كَانَ سُفَيَاكُ بَكُرَةً هٰ ذَهُ (الْتَفْسِيْرَلَيْسُ مِنَّا لَيْسُ مِثْلُنَا ـ

کی بی معیدا لقطال نے کہاکہ سفیا ن اس تفسیرکونا پسند کمہ تا تھا: لئیں مِنّا ، وہ ہماری مثل نہیں ہے دلعبی سفیا ن کا مطلب یہ تقاکہ حضورصلی التٰدعلیہ وسلم سنے یہ کلمہ ڈا نظنے اور ڈرا نے کے لئے فرمایا تھا لہٰذا اس کی یہ تغییر مناسب نہیں، بلکہ اس کلے کو اس سکے ظام رمیر دسنے ویا جائے، اور ظامری معنی تو اس کا یہ سے کہ: وہ شخص مسلمانوں میں سے نہیں سیے ب

بالمص في جبارا لمسكايعين

دمشتری ا ور با نع کے نحیاد کاباتثی

• ٢٥ ٣ - كَنَّكَ نَكْنَا عَبْنُ اللهِ بُنُ مَسْلَمَةَ عَنْ مَالِثِ عَنْ نَا فِيمِ عَنْ عَبْدِ اللهِ بُنِ عَمَر اَتَّ رُسُولَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ فَالَ أَنْ تَبَا بِعَانِ كُلُّ وَاحِدِهِ مِنْهُمَا بِالْحِيارِ عَلَى صَاحِبِهِ مَا لَحُرِيفُ نَرِقَا إِلَّا بَيْءَ الْحِيَارِ -

عبدالٹرین عردمنیالٹرعنہاسے روایت سے کہ درسول الٹرصلی الٹرعلیہ وسلم نے فرمایا: دونوں خرید و فرونحست کرنے والوں کو ایک دوسرے پراختیار ماصل ہے حب تک کہ وہ مدانہ ہوہائیں بسوا سے بیع خبار کے دکہ اس میں اختیا ضنح بھربھی باتی رمہتا ہے۔ دمخاری، مسلم، نسائی ، متر مذی، ابن ما حبر)

من جود بقبول خطابی ادام ما لک، بختی اور منفید کے نزدیک کا لؤئٹی قاکسے مراد ہے : جب کک وہ با سی پختہ نز
وہ ما تدی وبد نی طور پرائک دوسرے سے انگ ہوجائیں ۔ میدالٹری عرصی الٹرعند، ابو ہر زہ اسلی ، قامنی شریح ،
معید بن المسیب ، حس بھری ، عطاد بن ابی رباح ، نہری ، اوزاعی ، شافعی ، احمد بن صنب ، اسلی ، قامنی شریح ،
معید بن المسیب ، حس بھری ، عطاد بن ابی رباح ، نہری ، اوزاعی ، شافعی ، احمد بن صنب ، اسلی ، ابوعب براور ابولو کا
بی ندم بہ ہے ، علام خطابی نے معالم اسنن بی اس مقام بر کا لؤی فی تو قابان کو کیڈ من کا رجب کہ ساکہ سنن ابی داؤد دکے ایک
سفید میں سے ہے ، علام خطابی نے معالم اسنن بی اس مقام بر کا لؤی فی تو قابان کو کہ امام مالک برے ہے ہے
مالئ کو کی ہے جیے میان کم زنا درست نہیں ہوگا ، لیکن بر بھی ما نا سے کہ کما لئو نیت کو تا سے مراد تفرق فی اسکام سے حبکہ
مالئو کی ہے ہے ہو کہ بالا بدان ہے ۔ لیکن دیکھ عقود جو بیع کی طرح ای باب وقبول سے تمام ہوجاتے ہیں مقالکاح
ام ادات ، ان بن سے کسی میں بھی تفرق بالا بدان خرط منہ ہیں ہو گئے ، وقبول ہو چکنے کے بعد عقد کمل مہوجاتا ہے ۔
مالئ و تنام ہوجاتا ہے ، امام مالک نے کہ اسے کہ فرقت بالا بدان کی کوئ حدِ معلی نہیں دیں ہوگیا تو ہے کہ اس سے کمل و تنام ہوجاتا ہے ۔ بس مطلب برہ ہوگیا ، فرقت بالا قوال والکل م مراد ہے کہ جب عقد تمام ہوگیا ، فرقین را منی ہو گئے ، دتم اور مبع کا مین دیں ہوگیا تو ہو ہوگیا ، فرقین را منی ہو گئے ، دتم اور مبع کا مین دیں ہوگیا تو ہو ہوگیا ، فرقین را منی ہو گئے ، دتم اور مبع کا مین دیں ہوگیا تو ہو ہوگیا ، فرقین را منی ہو گئے ، دتم اور مبع کا مین دیں ہوگیا تو ہو ہوگیا ، فرقین را منی ہو گئے ، دتم اور مبع کا مین دیں ہوگیا تو ہو ہوگیا ، فرقین دیم میں ہوگیا ، فرقین متم اس میں ہوگیا ، فرقین کی دیں ہوگیا تو ہوگیا ۔

اَصْمُ اللَّهِ حَكَمَ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَدَى اللَّهُ الْحَيْمَ الْمَعْدَادُ عَنْ اللَّهُ عَنْ اللَّهِ عَنِ النِّر عُمَرًا عَن النِّي عَمَرًا عَن النِّي صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ يَهُمُنَا لَا قَالَ اوْ يَقُولُ اكْمُا هُمَا لِصَاحِبِهِ إِخْنَدُ-

د و سری سندست و مهی روایت ہے ، اس میں ایون فہ ہے کہ: یا ان ہی سنے ایک دو مرسے سے کیے کہ: اِنٹُرُ ' بعنی بچھےا فلتیا رحاصل ہے د توا س صورت میں نمیار باتی رہے گا۔ اِنٹُرُ کا ایک معنیٰ اور بھی ہے کہ: بیغ کواختیا دکھے ، اور جب دوسرے نے ایسا کر میا تو بع مکمل ہوگئی ڈگویا اس صورت میں تھرق کا سوال نزرہے گا!)

٣٥٢ - كُلُّ نَنَكَأَ ثُنَيْبَ أَنُ سُعِيْدِهِ مَا اللَّيُثُ عَنِ اَبْنِ عَجُلانَ عَنْ عَمُروبِي اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَنْ عَمُوا اللهِ عَنْ عَمُوا اللهِ عَنْ عَمُوا اللهِ عَنْ عَمُوا اللهُ عَلَيْهِ اللهُ عَلَيْهِ وَكَا اللهُ عَلَيْهِ وَكَا اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْهِ وَكَا اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْهِ وَكَا اللهُ ا

عبداً نشربُ عمروبن العاص رصی الترعندسے روا یت شبے کہ رسول الدُصلی الدُعلیہ وسلم نے فرما یا جُرید وَفِرَدُت کرنے والے دونوں کو اختیا رہے جب کک وہ جلائز ہوجائیں ، مگر یہ کہ خیار کا سووا ہو۔ا ہداس کے لئے یہ جائز نہیں کہ بیع کے والپ کرنے کے نوٹ سے اسپنے ماکتی کوچھوڑ دے دئنہ ندی ، نسائی ،

كَيْدِاتِ الْأَيْ مَرْكُ وَالْمُعِيَّا الْمُعَلِّمُ وَالْمُعَلِّمُ الْمُعِيْلِ الْمِلْ الْمُلْكِفَّ الْمُكَادُ الْمُحَمَّا لَا عَنْ الْمُلْكِفِى الْمُلْكِفَّ الْمُكَادُ الْمُحَمَّا لَا عَنْ حَلِيْلِ الْمِلْ الْمُكَا الْمُكِمَّا الْمُكَادُ الْمُكَادُ الْمُكَادُ اللَّهُ الْمُكْفِلُ الْمُكْفِلُ الْمُكْفِلُ الْمُكْفِلُ الْمُكْفِلُ الْمُكْفِلُ الْمُكْفِلُ الْمُكْفِلُ الْمُكْفِلُ اللَّهُ الْمُكْفِلُ اللَّهُ الْمُكْفِلُ اللَّهُ الْمُكْفِلُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُكْفِلُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللْهُ اللَّهُ اللْهُ اللَّهُ اللِهُ اللْهُ اللْهُ اللْمُلْمُ اللَّهُ اللِّهُ اللْمُلْمُ اللَّهُ اللْمُلْمُ اللْمُلْمُ اللِ

نِفَكَاءِ رَسُولِ اللهِ صَلَى اللهُ عَكِيهِ وَسَكُونَالَ رَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ فَالَ رَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ فَالَ رَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ اللهِ عَلَيْهِ وَاللهِ عَلَيْهِ وَاللهِ عَلَيْهِ وَاللهِ عَلَيْهِ وَاللهُ عَلَيْهِ وَاللهِ عَلَيْهِ وَاللهِ عَلَيْهِ وَاللهِ عَلَيْهِ وَاللهِ عَلَيْهِ وَاللهِ عَلَيْهِ وَاللهِ عَلَيْهِ وَاللهُ عَلَيْهِ وَاللهِ عَلَيْهِ وَاللهِ عَلَيْهِ وَاللهِ عَلَيْهِ وَاللهِ عَلَيْهُ وَاللهِ عَلَيْهِ وَاللهُ عَلَيْهِ وَاللهِ عَلَيْهِ وَاللهِ عَلَيْهِ وَاللهِ عَلَيْهِ وَاللهِ عَلَيْهِ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهِ وَاللّهُ عَلَيْهِ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلْمُ اللّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ عَلَّهُ عَلَيْهُ وَاللّ وَاللّهُ عَلْهُ عَلَيْهُ عَل می ارل دی ابوانوشی رخیاده بن نشیب، نے کہا کہ م نے ایک جنگ کی اور ایک من ل پر آئرے، پس ہما دے ایک ساتھی نے ایک گھوڈ اغلام کے بدسے فروخت کیا۔ بھروہ دونوں باتی دن اور دات تھرے۔ جب دوسرے دن صبح ہوئی تو کوچ کا وقت آگیا، پس وہ اپنے گھوڑسے بہزین ڈا سنے کے سلٹے اٹھا تو نادم ہوگیا پھروہ اٹس ہوجی کے پاس کیا اور اُسکو اس بنے کی دجہ سے پھڑا - اس آدمی نے اسے وا پس کمہ نے سے انکارکیا اور کہا: میرے اور تیریے درمیان دسول النہ حالی علیہ وسلم کا صحابی ابو برزہ دم نے پاس گئے اور اس کے علیہ وسلم کا صحابی ابو برزہ دم نے باس گئے اور اس کے اور سے معلیہ وسلم کے نیھیلے مسام کا میں تو اس نے کہا : کیا تم اس بر دا صنی ہو کہ ہیں تہ ہار سے درمیان دسول انٹرصلی انٹرعلیہ وسلم کے فیصلے کے مطابق فیصلہ کمروں ؟ دسول انٹر صلی انٹر علیہ وسلم سے فرمایا: خرید وفرو وحت کر سنے واسے دونوں اختیار در کھتے ہیں جب نک کر جوان ہو ہوئیں ۔ جبیں بن مُر می داوی نے کہا کہ ابو برزہ نے کہا کہ: میرا ضیال یہ سے کہ تم دونوں فیدا نہیں ہو ہوئی اس بر میرا نہ دونوں فیدا نہیں ہوئے دا بن ماجی

مشر خ: ابوبرنده رمنی التریخ کی بقول اتن دیدی بھی ان دونوں میں تفرق بالا بدان واقع ربہوا تھا، حالانکاس دوران میں وہ نماز بڑھ صف، ففنائے حاجت وغیرہ مفرور بات کے سلفے خرور مجدا ہوئے۔ پس بیرابوبرزہ کا اجتہا دیا۔ میرسے خیال میں اس سلیے مام مالک دمیرات مقرر نہیں کیا جا کا کہ تفرق بالا بدان کی کوئی مقرر نہیں کیا جا ما مالک دمیرات مقرر نہیں کیا جا ما مالک دمیرات مقرر نہیں کیا جا مالک دمیرات کی اس کا ابہام و کورنہیں کیا جا سکتا۔

٣٥٨٠ - كَلَّا ثَنَّا مُحَكَّمُنُ ابْنُ حَاتِمِ الْجَرُجُرَا فِي تَعَالَ مَوْوَا كُالْفَزَارِيُ آخُبُرُنَا عَنُ يَجُهِى بَنِ اَيُّوْبَ قَالَ كَانَ اَبُوْرُرُعَةَ إِذَا بَا يَحَ رَجُلَا خَيَرَةَ قَالَ ثُمَّرَيُهُولُ خَيِرُ فِي فَيُقُولُ سَمِعُتُ اَبَاهُ رَبِيرَةً يَقُولُ قَالَ رَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلِيهُ وَسَلَّوَ لَا يَفَنْرِقَنَّ إِثْنَانِ إِلَا عَنُ تَرَاضِ.

یمیٰ بن الوب نے کہا کہ ابو ڈرعہ میں سے ساتہ خرید و فروخت کمہ نا تواکسے فننے کا افتیا ردینا، پھروہ کہتا کر نجھے اختیار درسے اور کہتا کہ میں نے ابوہر میرہ رصنی الٹرعنہ کو میر کہتے شاتھا کہ رسول الٹوسلی الٹر علیہ وسلم نے امنٹا دفر وایا کہ: دوا دمی جدا میرمون المررصنا مندی کے ساتھ دنتہ نمی نے اسسے ابوزر ندر کے قصفے کے بغیرروا میت کیا سیما ورکہا ہے کہ بیرموں پٹ فزمیب ہے ،اس میں الٹر تعالی کے اُس قول کی طوف امثارہ ہے کہ: بالڈاک ٹککوک بھی اکٹ عن میں اُر میں جن میری میں کے بعد کسی کے درامیں موامت و کو اہت باقی ندہو۔

اله هم ألا مُحكَّا تَكُنَّا اَبُو أَبِوَ لِهِ مِالْطَهَالِسِى فَالْ نَاشُعُهُ مَهُ عَنُ مَنَا دَةَ عَنَ اَبِي الْجَدِبُلِ عَنْ عَبْسِ اللّهِ بْنِ الْحَارِثِ عَنْ حَكِيْمِ بْنِ حِدَاهِ اَنَّ رَسُّولَ اللهِ صَلَى اللّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ قَالَ الْبَيْبَعَانِ بِالْحِبَارِمَ الْحُرَيْفُ نَرِقًا فَإِنْ صَدَقًا وَبَيْنَا بُورِكَ كَهُمَا فِي بَيْعِهِمَا وَإِنْ كَتُمَا وَكُنَّا بِالْمُحِقِّتِ ٱلْبُرَكَةُ مِنْ بَيْعِهِمَا قَالَ ٱبُودَادَدَ وَكُنْ لِكَ رُواهُ سَعِيْكُ بُنُ آ بِي عَرُونِيَةً وَحَمَّاذً وَآمَّا هَمَّا مَّرْفَقَالَ حَتَّى يَسَفَتُرَقَا آوُيَخُنَارَا ثُلَاثُ مَثَراتٍ-

حكيم بن حمزام مصنى التلاعندست روايت ہے كه دسول الشرصلي الشرعليه وسلم نے فرمايا: خريد وفر وفعت كمرنے وال دونوں فنتار ہیں حب تک کرچالین موجائیں بس اگرا نہوں سے میع بولاا ورظا ہر کردیا رکھے تھیا کر ہدرکھا، توان کی بع میں مرکبت دی جائے گی،اوراگرانہوں نے بھیا یا ور مھوٹ بولاتوان کی بیع میں مرکبت مظادی جائے گی دنجا کی مسلم، تر مذی، نسانی) ابو دا ؤ دسنے کہا کہ سعیدبن ابی عروب ا درحما دسنے بھی اسی طرح روایت کی سہے۔ لیکن ہمّام ف كها ، حتى كدوه متفرق مح حائس ما وه تين بار اختياركمس .

مشم ح :اس مدسی کی بناد برامام شافتی دحمة الله عند نے کہا کہ بع صرف ایجاب وقبول سے تمام نہیں ہوتی حتی کردونوں خ بن ایک دوسرے کواختیار دیں ،حب وہ دونوں بع کواختیار کرتیں گے تو بع تمام ہوگ ۔ اوزاس سے قبل حبب کک وه دونوں عبس میں میں سے انہیں شنے کا اختیار سے معنفید کے نز دیک حب سودا ہوگیا، ایجاب قبول ہو حیکا تو بیع تنام ہو گئی ،اب صرف تحیار شرط یا تھیار عیب کا اختیار ہو گا اور کو ان نہیں ۔ شا فعی مصرات نے گزشتدا مادیث سے استدلال كياسيے مگران مي تفرق ا بدان ا ورتفرق ا قوال دونوں كا احتمال سيے كم: وَإِنْ تَبُعَنَ كَا يُعْنِي اللّه كُكُرُمُنِ مُنْعِد اگرمیاں ہوی خُلام حائیں توانٹ تعالیٰ دونوں کواپنی وسیع رحمت سے عنی کرسے گاہ اس آیت میں تفری سے مراد طلاق سبے، ا ورظام سبے یہ تفرق ابدان سے وا قع نہیں ہو تی بلکہاس کا تعلق اقوال سے سے ہیں جب اُں اما دیٹ میں یہ دو نوں احتمال میں توان سیے استدلال با طل سے ، ابن عرصی التّرعند اور ابو مکررصی استرعند کے افعال ان کی ا بن رائے اور اجتہا و رہے ہیں ۔ حبت قول رسول الترصلي الشرعكيد وسلم مي سے مذكر ونم صحابي مي - با محضوص حبك

وُوصِحابِيوں كے فَهُم مِنِ اختلاف مِ يافِهُم صَى بى ظاہرِ نفق كے ملاف مول . حنفيه كااستدلال قرآن كى اس ميت سے بے: بَايُكَاللَّهٰ بِينَ المُنْحُوالاَ مَالْ كُلُوا الْمُوَالْكُورُ بُنْيَكُمُ مِاللَّا لِلْمَالِلِ إِلَّا انُ تَكُونُ نَجَالَةٌ عَنْ تُوَاضِ مَنِكُمْ مِا لِتُدتعانَى نے تجارت میں تراضی طرفین کی شرط لگائی سے کہ اس سے تما بینے ا موال بامم کھا سکتے ہو ، یعنی اس سے تجاریت ا وربسین دین تمام ہوتیا ئے گا ۔ اس میں پرشرط نہیں ہے کہ عقر بیع کی گگ سے تفرق بھی صروری ہے۔ شا فعی رحمۃ التّٰدعلیہ کے مز دیک ایجا ب وقبول درّاصیُ طرفین، کے بعد بھی عجلس میں فسخ کا ا ضتیار رمبتا ہے اگرا یک فرنق بیع فسق كرد سے تواس كا متام ہو نااور اكل مال "جائر كذ ہو گا۔ يہ بات نفق قرآنی كے ظائر کے فعلا ف ہے۔ بخاد ک میں ایک حدیث ہے کہ دسول انٹھ ملی انٹھ علیہ وسلم فے مفترت عمر منی انٹرعنہ سکے ایک حوان سخت ون^ط خريدا ورابن عررصي التاعنها كواس كام به كرديا . وبال مرتفرق بدان نه دايما مكام موكمي، ويش بع مس تصرف كه نااور إس كام بهركمه دينا حا نمه بزم وآباء

بَاسِمِ فِي فَضْلِ أَلِاقًا لَهُ

وَاللَّهُ مَا اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مَا اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مَا اللَّهُ مَا اللَّهُ مَا اللَّهُ مَا اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ ا

ا بوہر میدہ دینی انٹرعنہ نے کہا کہ دسول انٹرصلی ابٹرعلیہ وسلم نے فرمایا: حس نے کسی سلمان دیے مطابع برائس، کی بیع فیخ کی انٹر تعالیٰ اس کی نغرش کو معا ون فرما شے گازاب ماجر بعنی سو دا کر چکنے سے بعدا یک شخص آگرنا وم مہواا و داس نے دو مرسے سے فیخ کا مطالبہ کیا۔ دو مرسے نے اسے مال کر بیع فیخ کر دی تو انٹر نعالیٰ اس سے گناہ معاف فرمائے گا۔

بَا هِ فِي مَنْ بَاعَ بَيْعَتَكِنِ فِي بَيْعَتِمِ

راس شخص کا باقت جوابک بیعین دو بود ہے کر ہے ، مرکزی ورو و ورد کر جوابک بیعین دو بود ہے کر ہے ،

٥٥٩٣٠ كَلَّ نَكُ الْبُوْكِكُرِ بُنُ آفِي شَيْبَتَهُ عَنْ يَحْيَى بُنِ ذَكَرِ تَبَاعَنَ مُحَمَّدِ اللهِ عَنْ يَعْمِي وَعَنْ إِنْ اللهِ عَنْ أَنِي شَيْبَتَهُ عَنْ يَحْيَى اللهُ عَنْ كَاللهُ عَنْ أَنْ اللهِ عَلَى اللهُ عَنْ أَنْ اللهُ عَنْ أَنْ اللهُ عَنْ أَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ أَنْ اللهُ عَنْ أَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ أَنْ اللهُ عَنْ أَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللهُ ع

الومرىية ورضى النترعند سنه كهاكد يسول التترصلي التارعلية وسلم سنه فرما ما كم توشخص ايك بيع مين وومو وسي كمرسه

تواس کے سلنے کم ترقیت والاسو دا ہے یار با ہے ۔
میں سے : خطابی نے کہا ہے کہ میرے علم میں کوئی فقید السانہیں ہے جس کا مذہب اس صدیث کے قام ہر بر ہو ما اس نے سے کہا ہو کہ اس کا مذہب بر بھا اس نے کہا ہو کہ دو نو نو تینوں میں سے کم اقرقیمت پر ہیج میرے ہے ، اوزاعی کے متعلق بتایا گیا ہے کہ ان کا مذہب بر بھا نگروہ ایک فاسد مذہب سے کیونکہ اس عقد میں دوسیوں کا بھی ہے اور جہالت بھی ، مشہور مرفوع مدیث اتنی ہے کہ: رسول اللہ معلی واللہ علیہ وسلم میں دوسیوں سے منع فرما یا ہے ۔ ابو داؤدک روایت کے متعلق شاید رید کہنا میں موسیوں سے منع فرما یا ہے ۔ ابو داؤدک روایت کے متعلق شاید رید کہنا میں موسیوں کا کہ میں دوسیوں سے منع فرما یا ہے ۔ ابو داؤدک روایت کے متعلق شاید رید کہنا میں موسیوں کا کہ میں دوسیوں کا فیصلہ اس طرح کیا گیا ۔ گو یا کہ اس شخص نے ایک وینار و کئی اور اس نے تفیز گذام میں کہنا ہو کہ دوسری ہے تھی جو پہلی ہی ہور داخل ہوئی تو دوسرا شخص کہنے میں دو ہی میں دولی کا دوسری ہے تھی ہو پہلی ہیں دو تو میں تہیں دو قفیز دوں گا ۔ سویہ دوسری ہے تھی ہو پہلی ہے ہو داخل ہوئی کی طرف لوٹا یا جائے گا، وہنی ایک وہنا دولو ہی تاہم کی میں دو ہی میں دو ہی میں دو ہی میں دولی کا میا بر جائی ہوئی کے دیں دولی کا دوس کی میں دولی کی میں دولی کا دوسری ہے تھی ہو گئیں ، بس فیصلہ یہ ہے کہ انہیں کم تری طرف لوٹا یا جائے گا، وہنی ایک وہنا دی ایک کی میں دولی کی میں دولی کا دولی کا میا ہو گا کی دولی کی میں دولی کی کہ دولی کی دولی کی دولی کا دولی کی دولی کی

بى قفير كانتق دار موگا ور رندىيەسو دا ربا موگا .

خطابی نے کہاکداس فقرے کی تفسیر دوطرح پرسے: ایک بدکرمثلاً بائع کے کہ یہ کپڑا میں تجھے نقد تودس درہم دیتا ہوں مگراد بار پندرہ درہم میں، میں یہ بیع جا مدنہ ہیں کیو نکر یہ بیع معلوم نہیں کہ مشتری ان میں سے کون می تیت کو اپ ند کرے گا، اور جب قیمت جہول ہے تو بیع باطل ہو گئی۔ دوسری تفسیراس کی یہ ہے کہ مثلاً یوں سکے: میں تجھے اپنا یہ غلام ہیں دینا رمیں دیتا ہول بشرطیکہ تو جھے اپنی اونڈی دس دینا رہیں دے دے ۔ بیں یہ ایک سود سے میں دوسود سے ہوگئے جن کی شرط باطل سے ۔

نین اگرایک ہی ہے میں دو چیزیں فروخت کی جائیں توجائز ہے کیونکہ بیع واحد مو گی مثلاً : یہ مکان اور یہ کڑا اتنی قبہت پر دیتا ہوں ۔ یہاں مبیع وراصل ایک ہی ہے جو دوچیزوں کا مجموعہ ہے اوراس میں جہاںت بھی نہیں ۔ اکثر فقہاء کے ننز دیک اوپر بیان کر دہ ایک بیع میں دوسو دوں والی صورتیں فاسد میں . طاؤس سے الحکم اور حماد نے بہلی صورت کو جائز کہاہے ۔ مگراس کے جواز کی کوئی توجہ یہ تھے میں نہیں آتی ۔

بَالْهِ فِي النِّهِي عَنِ الْعِينَ لَوْ

٨٥١٣٠ حُكَّا ثَنَّ السُكِهُ الْكُورُ الْمَهُورِيُّ اَلْكُهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الكُورُ الْمَهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ الللللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللللْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الل

ا بن عمریضی التد فنهانے کہا کہ میں نے رسول الت صلی الدعلیہ وسلم کو فرما تے سُنا : جب تم عِنینَہ کی بیج کرو، اور بیلوں کی ڈمیں مکیر ابور کا شتکاری میر راضی مہوما وُا ورجہا دکو چھوڑدو توانٹد تم براہی واست مسلط کرسے گا سبھے اس وقت مک نہیں مہنا کے گا حب مک اپنے دین کی طون ہزیونٹو گئے۔ ابو داؤد نے کہا کہ جعفر راوئ حدیث نے اخیار

کا لفظ ہولا ہے اور مہ حدیث اس کے الفاظ میں بیان ہوئی ہے ۔ مش ح: عِیّنہ کا معنیٰ سلقت کی وہ خاص قیم ہے جس میں مثلاً ایک شخص دوسرے کے ہاتھ کوئی چیزدوسور و ہے اُد ہار پر بیچے اور اس چیز کومُنٹری کے حوالے کر دہے بھراس سے قیمت لینے سے قبل و ہی چیزاس کے ہاتھ سے ایک سو رویے میں خدید ہے اور قیمت نقدا داکر دے : تیجہ یہ ہوگا کہ اس کا دوسرے کے ذمہ ایک سوروبیاد ہار رہ جائیگا اسے مہم ج کل کی سنگر باذی کی ایک قسم کہ سکتے ہیں ، فرق یہ سے کہ جدید سفہ بازی کواس کی ترقی یا فتہ فیلی قرار دیا جا سکتا ہے۔ بیلوں کی میم میکٹر نے سے مراد کا مثبت کا ری میہ قناعت کہ مینا ہے۔ اس صدیث کا مصنمون موجودہ و ور کے مسلما نوں میر مما دق آتا ہے۔ علاّمہ شامی نے مکھا ہے کہ امام محد بن الحن نے فروایا ، سود خواروں نے میر بیع ر عیبہ ہجوا یجاد کی ہے اس کا بوجھ میرے دل بریوں ہے جیسے بہاڑوں کا بوجھ۔ برسود خواری کی ایک بھونڈی فسکل ہے۔

باكب في السَّلْفِ

وهم سر حكما فكُنَاعَبُ كَاللهِ بْنُ مُحَمَّدِ النَّفَيْلِي الشَّفَيانَ عَنِ أَبِى اَبِى اَبِى اَبِي اَبْ اَبْ عَبَاسِ فَالْ فَيَالَ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَنَى اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَالْمُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَالْمُعْمُ وَاللَّهُ وَالْمُعْمُولُ وَالْمُعْمُ وَاللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَالْمُعْمُ وَالْمُعْمُولُ وَالْمُعْمُولُ وَالْمُعْمُ وَالْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُعْلَى اللَّهُ اللَّهُ

٠٠٠٠٠ وَكُلُّ اللَّهُ مَكُنَّ كُفُّ مُنَّ عُنَمَرُنَا شُعْبَنَهُ ﴿ وَنَا الْبُن كَثِيبِ اَنَا شُعْبَنَهُ اَخُبَرِ فِي مُحَكِّدًا اللَّهِ اللَّهُ مُنَا اللَّهُ مُنَا اللَّهُ مُنَا اللَّهُ مُن اللَّهُ مَن اللَّهُ مِن اللَّهُ مَن اللَّهُ مِن اللَّهُ مَن اللَّهُ مُن اللَّهُ مِن اللَّهُ مُن اللَّهُ مَن اللَّهُ مُن اللَّهُ مُن اللَّهُ مُن اللَّهُ مِن اللَّهُ مُن اللَّهُ مِن اللَّهُ مُن اللَّهُ مُن اللَّهُ مُن اللَّهُ مُن اللَّهُ مِن اللَّهُ مُن اللَّهُ مُن اللَّهُ مِن اللَّهُ مُن اللَّهُ مِن اللَّهُ مِن اللَّهُ مُن اللَّهُ مُن اللَّهُ مُن اللَّهُ مُن اللَّهُ مِن الللللَّهُ مُن اللَّهُ مُلُولُ اللَّهُ مُن اللَّهُ مُن اللَّهُ مُن اللَّهُ مُن اللَّهُ مُل

اللهُ عَكِيْ هِ وَسَلَّوَ وَ اِنِي بَكُرُو وَعُمَّ فِي الْحِنْطَةِ وَالشَّعِيْرِ وَالتَّمْرِ وَالذَّ بِيْبِ زَادَ ابْنُ كَيْثْ بِرِ إِلَىٰ تَوْمِ مَا هُوَعِنْ مَا هُمَ ثُنَّى وَتَّفَعًا وَسَأَلْتُ ابْنَ ابْزُى فَقَالَ مِثْلَ ذُلِكَ -

محمد یا عبدائند بن (ابی) مجالد نے کہا کہ عبداللہ بن شدّادا ورابوبردہ رصی التدعنہا کا سلف میں اختلاف ہوا تو انہو سنے مجھے ابن ابی اور فی کی طرف بھیے الجس میں نے اس سے بوجھا تو اس نے کہا کہ ہم لوگ رسول الدُصلی الدُعلیہ وسلم کے عہد میں ایسے بوگوں سے یہ بیج کرتے تھے وسلم کے عہد میں ایسے بوگوں سے یہ بیج کرتے تھے ہی اس یہ چیز میں نہ ہوتی تھیں اور میں سنے ابن ابزی سے بوجھا تو اس نے بھی اسی طرح کہا (بنیاری) ابن ماجہ مشم سے بن خطابی نے کہا ہے کہ وہ امور جن سے ساتھ کوئی چیز ضبط کی جاسلے ، بینی مدّت ، ناپ تول ، مقدار وعیرہ ، بیچ مسلف کوان سب چیز وں کا با بند بنا نا لازم سیے واگران میں سے کسی چیز میں اختلاف موالی ابن اور شک وشہ بیدا موجود ہوتی سے اسکان اس سے کہ چیز میں اختلاف موجود ہوتی سے اسکان میں موجود ہوتی سے انگر نہیں مثلاً موجود ہوتی سے انگر نہیں مثلاً کہ کا می کاموسی ما جیوں کی والی ہی مقد وہ عیر موجود ہوتی سے مسلف ما گر نہیں مثلاً کہ کاموسی ما جیوں کی والی وعیرہ ، یہ قدیں واضح نہیں ہیں، بعض و فعہ مہینوں کہ طویل موسکتی ہیں ، داندا اختلاف کا قوی امکان باقی رہا اور جہا است کے باعث سامت مائر نہیں میں گر سند مرد ہیں گر میں گر اندا اختلاف کا قوی امکان باقی رہا اور جہا است کے باعث سامت میں دور نہوی صلی اسلام اور خوالے والی میں دور نہوی صلی اسلام اور خوالی دور خوالی میں دور نہوی صلی اسلام و دور خوالی دور خوالی دور میں میں دور نہوی صلی اسلام کی دور خوالی کی دور خوالی دور خوالی

٣٢١ - يُحَكَّ نَكُنَا مُحَمَّدً كُن بُشَامِ نَا يَجْبِى وَ أَبْنُ مَهُدِي قَالَانَا شُعَبَتُهُ عَنْ عَبُدِ الله بن أبى الْمُجَالِدِ وَقَالَ عَبُكُ الرَّحُلُنِ عَنِ آبِنِ الْمُجَالِدِ بِهُ لَمَا الْحَدِيْ يَثِ قَالَ عِنْ كَا قَوْمِ مَا هُوَعِنْ كَا هُمُ قَالَ اَبُؤُدَا وَ دَوَ الصَّوَابُ إِنْنَ آبِقِ الْمُجَالِبِ لِي فَ شُعْمَنَ لُهُ اَنْحَطا أَفْ لِهِ .

ٔ وہی حدیث کینے ،اس ہیںا بوداؤد نے بتایا سے کہ شعبہ نے عبدالنٹرین مجا لدروا بیت کیا ہے اورعبدالرحل ہن مہدی نے عبدالنّدیں ایی المجالد-اورصیح عبدالنّدا ہی المجالدسے اورخلطی شعبہ کی سے ۔

٣٢٧٣ - حَكَّ نَكَ مُحَمَّدُهُ بُنُ الْمُصَفِّى نَا أَبُو الْمُغِيْرَةِ نَاعَبُ الْمَلِكِ بُنُ آفِي الْمُعَيِّرةِ مَاعَبُ الْمَلِكِ بُنُ آفِي اللهِ يَنِ آفِي الْوَفَى الْوَسْكِيّ قَالاَنا عَنَوْنَامَعَ عَنِيَةَ مَا كَانَا عَنَوْنَامَعَ مَا لَا نَاعَنَوْنَامَعَ مَا لَا نَاعَذَوْنَامَعَ

ۯۺؙۏۘڮؚٱٮۨڷٚ؋ۣڝۜٚڷۜؽؖٱٮڷؖؗٷۘۼۘڷۑۘڎۨۅۛڝۜڷۘٷۘٱڶۺۜٵؘڡٛۯؘڡڰٵڽۘٵ۪ڗؽڬٲڹٛٵڟؘڡؘؚ۞ٲڹٵڟؚٵٮۺۜٵڡۭ ڣؘٮؙٛۺڸڣؘۿؙٶٝڣۣٵڷڹۘڔۅؘٳڶڒۧؽؾؚڛؚۼؠٞٳڡؘۼڷۅ۫ڡٞٵۅٙٳؘڿڵڡؘۼڷۯڡٞٵۏؚڣؠڷؘڶۮؘۿڝؚؾڽؗڬ ڂ۬ڸػۊؘڶڮڡٵڴؙؾٛڹۺؙٵۘڵۿؙڎ

معبداللدين ابى اونى اسلى دمنى الله عنه لے كہاكہ م سف بنى صلى الله عليه وسلم كے ساتھ موكر شام ميں د تبوك ميں ، حب وہ فنال كيا ، پس مهدے پاس شاتم كے نبطى آتے ہے اور يم ان كے ساتھ كندم اور دوغن نه تبون مي علوم نمرخ بريا معلوم مدّت تك بيت سلف كرتے تھے . پس عبدالله سے كہاكيا كه كيا يہ عقد ان كے ساتھ ہوتا تقا جن كے پاس يہ بيزيں مويں ؟ تواس ف كہاكم مان سے نہيں پوچھتے تھے۔

مہری تا انباط ، نبط کی جمع ہے ، یہ آیک معوون قوم ہے ہواصل میں عرب تھے گریخم کمیں واخل ہو گئے توان سکے انقاب اور زبانیں گلاگئیں ۔ یہ نما آم سے نکال ہے جس کا انقاب اور زبانیں گلاگئیں ۔ یہ نمان کے کسان اور کاشتکا سے ہے۔ اصل میں ان کا نام انباط آلی و صفر تے سے اس سے معنی ہے یا تھے ۔ اس سے ان کا نام نبط آیا نبطی ہوگیا ۔ بعض نے کہا کہ وہ شام سے میسا ڈک ستے ۔ ان کا نام نبط آیا نبطی ہوگیا ۔ بعض نے کہا کہ وہ شام سے میسا ڈک ستے ۔

كاكب في السّلوفي تنكر تديينيها

٣٧٧٣ حَكَّا ثَنَّا مُحَمَّدُ ثُنَ كَنِيرِ أَنَا سُعَيَانُ عَنَ أَنِي اِسْحَاقَ عَن رَجُولِ نَجُولِ فِي عَن رَج اللهُ اللهُ عَن رَج اللهُ السَّنَة شَيْمًا فَاخْتَصَا اللهُ عَمَر اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهِ مَا لَهُ تُحَوَّقُ اللهِ اللهُ اللهُلهُ اللهُ ا

ابن عمرصی الترعبهاسے روایت سیے کہ ایک شخص نے دوسرے کے ساتھ ایک بھجود میں بیع سلف کی مگر اس کھجور سنے بائکل بھپل نددیا ۔ ان دونوں نے اپنا حجاکڑا نبی صلی الشرعلیہ وسلم کے باس بہٹیں کیا تو آپ نے فرمایا، تواس کا مال کس بنا دمرے حلال سمجہ تا ہے ، اس کا مال اسے واپس کر دو۔ بھرفر ما یا کھجور میں سلف دکر و حب تک کہ اس کی صلاحیت خلاسر ند ہموجا سے داس کی سندمی ایک مجہول را وی ہے :

ش سے: شرط کے مطابق جب مشتری کواس کی مطلوبہ چیز برطی تو بیع سلم باطل ہوگئ لہندا حفود صلی الدُعلیہ سلم نے اُسے رقم واپس کرنے کا حکم دیا۔ رہا دو مراحکم سواس قسم کا حکم عام بیع سے لئے بھی موجود سبے۔ مقصد تنا زعہ دُود کر آا ورلوگوں کے لئے آسانی ہم بہنچا ناہے۔

كا وفي السّلف لكي كالمحوّل . رباقي بع مدن بن تبدي نبين بوسكت ب

٣٣٦٣ كَنَّ مَحَمَّدُ ثُنَّ عِبُسِى نَا اَبُوْبَلِدِعَنَ ذِيَادِ بَنِ جَبْتُمَنَ عَنْ سَعَلِا يَعْنِي أَ الطَّافِيَّ عَنْ عَطِبَتَ لَا بَنِ سَعْمِ عَنْ اَ فِي سَعِيْدِ الْخُلُادِيِّ فَالْ قَالَ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ أَعْدِي عَلَيْهِ الْخُلُادِي فَلَا يَعْنِي الْخُلُادِي فَلَا يَعْنِي اللهُ عَلَيْهِ - عَلَيْهِ وَسَلَّحَ وَمِنْ اَسْلَفَ فِي شَعْيَ فِلَا يُضْرِفُهُ إلى غَيْرِة -

ابورعید ندری دونی الٹری ندنے کہا کہ دسول الٹرمسلی الٹرعلیہ وسلم نے فرمایا: جو کمی چنریں سلف کرسے تو اسے کسی اور چنری وابن ما جریمندری نے اس حدیث کے داوی عطبیہ ن سعدر پر نظید کی ہے۔ مشرح : مطلب یہ ہے کہ جس چیزیں بعج سلف ہوئی متی جب اُس کا وقت آھے تواسی پر تبعنہ کیا جائے، ٹیمیں کہ اسے کسی اور چیز سے بدل دیا جائے۔ مثلاً سودا توہوا تھا گندم کا ورجب متریث مقررہ آئی تو بائع کے کرگندم کی بیاسی کی اسے بی میں ہوئی ہیں ہے ، بیع سلم تو ہملے ہی بطور رم فصدت وارتفاق حائز تھی المذا اسے اس کی میں تو مہلے ہی بعد و در کھنا جائے۔ علاوہ اذیں اس صورت میں ایک سودے کے اندر دوسود سے ہیں جو ممنوع ہیں۔

بَانِ فِي وَضِعِ الْجَائِحَةِ

رآ فت کو وضع کرسنے کا باب ،

ه٣٩٦٠ كَلَّ ثَنَّ قَنْكَبُ فَهُ مُنَّ سَعِبْ إِنَّا اللَّيْفُ عَنُ بَكِيْرِ عَنْ عِيَاضِ بَنِ عَهُ وِ اللَّهِ عَنْ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَلَيْهِ عَنْ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ عَنْ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمَ فَا اللَّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمَ فَا اللَّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمَ فَا اللَّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمَ فَا اللَّهُ عَلَيْهُ وَقَاءَ دَيْنِ اللَّهُ عَلَيْهُ وَ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَالْمُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَالْمُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَالْمُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَلَيْسُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَالْمُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَالْمُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلِي اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْكُ اللَّهُ عَلَيْهُ الْمُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْمُ اللَّهُ عَلَى اللْمُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْمُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْمُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْمُ اللَّهُ عَلَى اللْمُعَلِّمُ اللَّهُ عَلَى اللْمُ اللَّهُ عَلَى الللللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى الل

خر ہدارکو کچھ دعایت دی مباسکتی ہے؛ لیکن مدیث ہیں کسی آفت کا فکر نہیں ہے، ہوسکتا ہے کہ بھبل توڑنے کے معدد کئے ہوں گرز ہوں کا فکر نہیں ہے، ہوسکتا ہے کہ بھبل توڑنے کے معدد کئے ہوں گرخرہ بدار نے اسے جہائیا ہو یا سیلاب بہا ہے گیا ہو یااس نے بھبل فروخت کئے ہوں گرخرہ بدار نے اس کا حق مالا ہو۔ ان تمام صور تول میں آفت کی اصا فت بھبلوں کی طوف ہوسکتی ہے مگران میں باغ والے کا قصور نہیں۔ مدین میں دیمی نہیں ہے کہ حضور صلی الشرعلیہ وسلم نے باغ کے ماکنوں کو کچھ دقم وضع کرنے کا حکم دیا ہو ہیں شیخف مغلس تقا جھے آج کل ویوالیہ کتے ہیں بحضور نے توگوں کو اس کی مدد کی تر یخیب دری اور جو کچھ اسے ملااس کے قرض خوا ہوں کو دیوا دیا ، ہر دیوا سلے کا محکم ہی ہے دخطا ہی

رَسُولَ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ فَالَ إِنْ بِمْتَ مِنْ اَخِيْكَ تَـمُرًا فَاصَابَتُهَا جَارِيحَةٌ فَلَا يَحِلُّ لَكَ اَنْ تَاخُذَهُ شَيْعًا بِحَـتَا نُحُثُامَالَ اَخِيْكَ بِغَيْرِحَتِّى -

ماہریں عبدالکدرمنی الترعنہ سے روا بیت ہے کہ رسول التّصلی اللّدعلیہ وسلم سنے فرما یا :اگر تو سنے اسنے عبائی کو کھجوریں مول دیں ، پھران ہرکوئی آفت آ بھری تو تیرسے سنے صلال نہیں کہ تو کچھ اس سے ہے ، تو ناحق اپنے عبائی کا مال کمیوں کرسے گا ؟ دِمسلم ، نسائی ، ابن ماجری

شی سے: فتح الودود میں سے کم الس مدمیت سے غیرمشر وططور پر آفت نددگی کی صورت میں قیمت مذیبے کا حکم طاہر موتا ہے۔ جو ہوگ اس سے قائل نہیں ان کے نزدیک اس کا مطلب پر سے کریہ وہ صورت ہے جب کہ بھیل کومٹری کے سپر دکر سے سے بیشتر نقصان بنجا ہو، اس صورت میں وہ منا نع کی ذمرداری میں تقا لہٰ ناو صنع کا حکم وجوبی تقا اور مشتری کو کچھ ادا کرنا لازم نہ تھا۔ اس پرسب علماء متفق ہیں ۔ نسکن اگر مشتری سے قبضے کے بعد بھیل تلعث ہوا تو حکم وجو بی منتا جگہ استحابی تھا۔ وراس میں تہدید کا نداز تھا کہ خوف ندل کا تقاصا بہنہ ہیں کہ تومشتری سے دتم وصول کر سے حب کم عیل تناہ ہو دیکا ہے۔

بالب في تفس برالجائِحة

رجائحى تغيير كابات ١٠٢٨ ٢ - حَكَّا تَنْ الْكُورُ الْكُورُ الْكُورُ فَيْ آنَا ابْنُ وَهُب اَخْبَرَ فِي عَثْمَاتُ ١ بْنُ الْحَكُوعِن ا بْنِ جُرَيْج عَنْ عَطَاءِ قَالَ الْجَوَائِحُ كُلُّ ظَاهِم مُفْسِدٍ مِنْ مُطِراً وُبُرْدِ إِ وُجُرادِاً وُرِيْحِ الْحُرِيْنِ

معلون کو است کہا کہ مائے سے مراوی خالب بگا گئے ہے والی چنرہے مثلاً بارش ، کمر ، طلا می دل ، آندھی یا آگ لگ ہے جانا رظام کا لفظاس سلنے بولاگیا کہ اُس کے باعث مکم بقینی طور پر لگا یا جاسکتا ہے ، اور غیرظام میں کذب کا احمال سے ۔ ہاں اس صورت میں میں اگر شرعی شہا دت موج دہو تو ہی مکم ہوگا ۔

٣٣٦٨ - حَلَى نَنَكَأْ سُلِينَاكُ بُنُ دَا وَ دَانَا ابْنُ وَهِبِ آخُبَرَ فِي عُنْمَاكُ بِنَ الْحَكُورُ عَنْ يَحْيَى بُوسِ سِيمِنِ النَّهُ قَالَ لَا جَائِحَةً فِينُمَا أُحِيْبِ دُونَ ثُلُثِ رَأْسِ الْمَالِ فَعَلَيْ قَالَ يَحْيِي وَذَٰ لِكَ فِي سُنَهُ وِالْسُلِمِ فِي .

یجئی بن معیدستےکہا کردائس المال سے ایکٹ ٹلنٹ سے کم کا نقصان جائے نہیں کہلاتا اورمسلما نوں کا مواج یہ سے دیعنی ان کے دُور ہیں ہرتھا)

كاميك في منيع الشكاء ديان روكنكا بالابع

٣٢٦٩ - حَكَّاتُكُ عُتْمَا كُنُ أَنِى شَبُكَ أَلَا كَا جَدِيرٌ عَنِ الْكَعْمَشِ عَنْ آبِي صَالِحٍ فَعَنَ آبِي صَلَى اللهُ عَلَيْ وَسَلَّمَ لَكُمْ عَنْ أَلِمَا عِلْمُ اللهُ عَلَيْ وَسَلَّمَ لَكُمْ عَنْ لَا الْمَاعِ فَعَنْ لَا الْمَاعِ فَعَنْ لَا اللهُ عَلَيْ وَسَلَّمَ لَكُرُدُ وَكُنْ كُورُ لَكُنْ مُ فَعَنْ لَا اللهُ عَلَيْ فَعَنْ لَا الْمَاعِقُ وَالْمَعْ فَعَنْ لَا اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْ لَا مُعَلِيدًا لَهُ اللّهُ اللّهُ اللهُ عَلَيْ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ ا

هُرْنِيَةً قَالَ قَالَ رُسُولُ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَبَيْ لِهِ وَسَلَّمُ رَتَكُ ثُهُ لَا يُكَلِّمُهُمُ اللَّهُ يَوْهَ لِقِيْمُتِرَرُجُلُ مَنْعَ ابْنَ السَّبِيْلِ فَضُلَ مَا يِرِعِنْكَ ۚ لَا وَرُجُلُ حَلَفَ عَلَى سَلْعَةٍ بَعْمَا الْعَصْرِيَعِينَ كَاخِبًا وَرَجُلٌ بَا يَحَ إِمِيامًا فَإِنْ أَعْطَاهُ وَفَى لَهُ وَإِنْ تَحْرُبُهُ طِهِ لَهْ يَنِ لِلَّهُ ا بوم ربره صنی اللزیمنرنے کہاکہ دسول الٹرصلی اللہ علیہ وسلم سنے فرما یا جمین آ دمیوں سسے ا نٹرتعا لی قبارسی سے دن مم کلام بنه م و کارنا را صن م و گا ۱ کیب و ه آ و می حسب سندا سینے ماس زائد ما بی به وک بیاا ورمسا فر کون روبا و وجس في عصر ك بعد كسى سود سے بير حجو تي قتم كھائي تميياوه معض جس نے كسى امام سي مبعث كى، بس اكراس نے ابسے

مال عطاكياً توبيعتَ كا وعده بوداكيا وراكراس نفططاء نركيا تُوبيعت كا وعده بودا دركي د مبارى،مسلم، نسانى،ابن ماج

ىش سے : بعنى بُخل كى آخرى مديك بينج گيا كەمسا فرول كومبى ان كى شد يدىنرورت سكے وقت با نى دسنے كو شيا ر نہیں مالا نکہ اس کے پاس اپنی مزورت سے نوائد پانی موجودسے زیادہ سے زیادہ یہ بہوسکتا ہے کہ اگرمفت نہیں دے سکتا، اور پانی اس کی ذاتی ملکیت میں ہے توقیت لے لیے ۔ جھوٹی قیم کے ساتھ بعد العصری قید ا تفاتی ہے یہ وقت با کے اور خرر پیاردونوں کے لئے با معموم بھاگ دوڑا ورفکر ویٹر دکا ہوتا ہے۔ وسیسے عَبی یہ و قت تبولیت د عادا ور ذکمر کے سلے اولی سے بس اور وقت س می جبوئی متم حرام سے مگراس وقت میں الحقی نا جائمہ ہوگی۔ تبیدا شخص اپنی بیعت کو ذاتی اغراض اور دنبوی طبع کے ملے استعمال کرنے والا سے۔

ا ٣٣٧ - كَلَّا ثُنَّا عُنْمَانُ بُنُ أَبِي شَيْبَتَ نَاجَدُ يُرْعَنِ ٱلْاَعْمَشِ بِالْسِنَادِة وَمَعْنَاة قَالَ وَلَا بُزَيِّبِهِمُ وَلَهُمُ عَنَا إَبُ اَلِيهُ ثَرَوَتَكَانَ فِي السَّلُعَةِ بِاللَّهِ لَقَنْ اعْطَى بِهَا

ا وہرکی صدیف امی اعمش کی سندا ورمعیٰ کے مطابق -اس مس کہاکہ : ا ورانٹرانہیں پاک پزکرے گاا ورایکے سنے در و ناک منزا سے اورسو و سے میں رجو ٹی قیم کے متعلق / کہاکہ: خداکی قیم اس نے دینی بائع نے اس کیا تنی ا وراتن قیمت اداکی تھی ، بس دوسرے نے اس کی تعسدیق کر دی اورسو دائے لیا ۔ رحوالہ سابقہ ٢ ٧٨ ٣٠ ڪنگانٽ عُبَيْكُ اللهِ بُنُ مُعَادِد نَا أَنِي نَا كَهُمَسَّ عَزْسَيَادِينَ مُنْطُوْرِ رَجُلُ

مِنْ بَنِي فَزَارَةَ عَنْ اَبِيهِ عَنِ امْرَأَةٍ يُفَالُ لَهَا بُغَيْسَةً عَنْ اَبِيهَا قَالَتُ إسْتَاذَكَ إِنِ النَّبِيُّ صَلَّى اللَّهُ عَلِيْهِ وَسَلَّمَ فَكَ خَلَ يَيْنَهُ وَبُلْيَ قَرِيْهِ صِ فَجَعْلَ يُقَبِّلُ وَيَكْتَرِثُمُ تُكُوَّقَالَ مِا نَبِي اللهِ مَا الشَّيُ الذِّي لَا يَحِلُ مَنْعُهُ فَالَ ٱلْمَاءُ قَالَ يَا نَبِينَ وللهِ مَا الشَّيُّ عُ الَّذِي يُل يَجِلُ مَنْعُهُ فَالَ ٱلْمِلْحُ قَالَ يَا نَبِيَّ اللَّهِ

مُاالنَّكُ أُلُّ إِنَّا لَكُ مُنْكُ أَن اللَّهُ اللَّلَّاللَّهُ اللَّهُ اللَّاللَّهُ اللَّهُ اللَّ

ہمیسہ نامی عُورت نے اپنے باپ سے رو ایت کی، عبیسہ نے کہاکہ خمیرے باپ نے نبی صلی الدُعلیہ وسلم سے اجازت کی کہ آپ کے بدن کو بلا تمیص حجُو سے اور اس نے ایسا ہی کیا اور وہ آپ صلی الدُعلیہ وسلم کو بوسے دینے دگا ۔ پھر نوبلا السے التُدکے نبی وہ کون سی چیز ہے حب کا روکنا حلال نہیں ؟ آپ نے فرطایا: پانی ۔ اس نے مچر بو جھا : اسے التُدکے نبی وہ کون سی چیز ہے جس کا روکنا حلال نہیں ؟ آپ نے فرطایا: نمک ۔ وہ پھر بولاکرا سے التُرکے نبی وہ کون سی چیز ہے جس کا روکنا حلال نہیں ؟ حصنور نے رسلساد سوال قطع کہ ہتے ہوئے ، فرطایا: اگر تون کی کمرے تو وہ تیرسے سے

بہتریے

النَّبِي صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَنَّعَرَ قَالَ غَزَ دُتُ مَع النَّبِي صَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّعَ تَلا ثَا بروروي رمين هي زعون فوور من زياده زو دَيار بي نسب من سَدَر من سَالًا

ٱسْمَعُهُ يَقُولُ الْمُسْلِمُونَ شَرَكِاءُ فِي قَلْتِ فِي المُمَاعِ وَالْكَلَاءِ وَالنَّاسِ

ا بوخداش نے رسول النصلی النه علیہ وسلم کے ایک دہاجر صحابی سے دوایت کی کہ اُسی نے کہا: میں نے تین بار نبی صلی النه علیہ وسلم کے سابقے مہوکمہ حہا دکیا اور آپ کو فر ما تے سُنا کہ: سب مسلمان میں جزیروں میں شر میک میں ما نی اور آگ ۔

منس سے: لقولِ علام خطابی اس گھاس سے مراد وہ گھاس سے جوکسی غیر تملوکہ بنجرنہ میں با بخیر مملوک صحواء اور اسکا میں اُس کے بندان میں با بخیر مملوک صحواء اور اسکا کی ہواس پر کسی کا خصوصی می نہیں ہے۔ سب لوگ اس سے فائدہ اٹھا سکتے ہیں۔ ڈ مان وجا مہیت میں تو اس سے فائدہ اٹھا سکتے ہیں۔ ڈ مان وجا میں حصنورہ انسی چہا گام ہوں ہوت ہوت اور خواہ میں حصنورہ سے استعمال سے دوک سے استعمال سے دوک سے اسکتا ہے۔ آگ میں شرکت سے مرادیہ ہے کہی کو اگ سے آگ مبلا نے، شعلہ حاصل کمہ نے سے نہیں روکا جا اسکتا ہے۔ آگ میں شرکت سے مرادیہ ہے کہی کو اگ سے آگ مبلا نے، شعلہ حاصل کمہ نے سے نہیں روکا جا اسکتا ہے۔ آگ میں شرکت سے مرادیہ ہے کو سے تو دے اور نہ جا ہے تو دند دے۔ اس کی مرضی پر مخصر ہے۔

بَاسِبِكُ فِي بَيْحِ فَصْلِ الْمَاءِ دنائد بإن كوجيخ كاباتِيّ، م هم م مرا حَكَمَا ثَنْكُ عَبُكُ اللهِ بُنُ مُحَدَّمَهِ النَّفَيْلِيُّ نَا حَدا وُحُدَ بُنُ عَبُ الرَّحِٰلِ الْعَطَالُ عَنْ عَبُرِ وْبِي دِيْنَادِعَنْ إِنِي أَلِينُهَا لِ عَنْ إِيَّاسِ بُنِ عَبُ هِ ٱنَّ دَسُولَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَكِيْهِ وَسَلَّعَ نَهُى عَنْ بَيْعِ فَضْلِ الْمَاءِ .

ا یاس بی عبدرصی اللرحندنے کہاکہ رسول الله صلی الله علیہ وسلم نے زائد پانی کو بیجنے سے منع فرہا یا دستہ مذی، نسائی، ابن ماجہ دینی وہ پانی جوکسی کی ملک نہیں، برتنوں میں ا ورکسی کے زیر زمین نترا نے میں ننہیں مبکہ برماتی یا ندی نائے یا سیلاب کا پانی ہے جوہرا کیک کی کھیتی کو سیراب کمرسکے آگے گذرجا تا ہے ۔

كالمبن فى نكرن السِّنَّوْمِ

ربل تهد كالمنك المواهِ بُكُونَ مُوسَى الرَّاذِي وَالرَّبِيعُ بُنُ مَا فِيمَ الْبُوتَوَبَّةَ وَكَبَّةً وَكَالَّ الْمُوتَوَالَ الْمُوتَوَالَ الْمُوتَوَالَ اللَّهُ الْمُوتَوَالَ اللَّهُ اللْمُنْ الللَّهُ اللَّهُ اللْ

جابر گُن عبدالندرمنی النشونه سے روایت سے کہ نبی صلی النّدعلیہ وسلم نے کئتے اور بلّی کی قیمت سے منع فرمایا دمتر مذی سنے اس کی روایت کی اور کہا کہ اس کی سندمیں اضطارب ہے۔ ابن ماجہ نے بّی کی قیمت کی مما نعت کی حدمیث الگ اور دوسری الگ میان کی ب

٣٠٦٣ - كَلْكَانْكُ اَحْمُكُ بُن كَنْبَلِ نَاعَبُكَ الرَّزَرَّ وَنَاعَمُرُوبُنَ دَبُهِ الصَّنَعَانِيُّ اَتَّهُ سَمِعَ ٱبا الزُّبَ بِعِن جابِراتَ التَّبِيّ حَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَسَتَّوَمَهُي عَنْ ثَمَنِ الْهِمَّ. جابر رمنی التذعنہ سے روایت ہے کہ نبی صلی التُدعلیہ وسلم نے بتی کی فتیت سے منع فرما یا دلا فدی، ابن ماج، نسائی و متر مذی سے منع فرما یا دلا فذی ابن ماج، نسائی و متر مندی سے معرب نرید صنعانی جواس حدیث کا داوی سے بقول ابن حبان مُنکر روایات بیان کرتا ہے ۔ حافظ ابن عبدالبر نے اس حدیث کو غیر ثابت کہا ہے لیکن صح مسلم میں معقل الجود ری عن ابی الزبر کے طریق سے اس کے ساتھ ملتی حدیث مروی سے ۔

تاجي في أثمانِ الْكِلابِ

وَنُقُوْلَى قَيْتُ اللَّهِ مِنْ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْكُ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْكُ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْكُ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْكُ اللّلِكُلْكِ اللَّهُ عَلَيْكُ اللَّهُ عَلَيْكُ اللَّهُ عَلَيْكُ اللّلِكُلْفِ اللَّهُ عَلَيْكُ اللَّهُ عَلَيْكُ اللَّهُ عَلَيْكُ اللّلِكُ اللَّهُ عَلَيْكُ اللّلَهُ عَلَيْكُ اللَّهُ عَلَيْكُمْ اللَّهُ عَلَيْكُمُ اللَّهُ عَلَيْكُمُ اللَّهُ عَلَيْكُ اللَّهُ عَلَيْكُمْ اللَّهُ عَلَيْكُ اللَّهُ عَلَيْكُ الللَّهُ عَلَيْكُ اللَّهُ عَلَيْكُ اللَّهُ عَلَيْكُ اللَّهُ عَلَيْكُمْ اللَّهُ عَلَيْكُ اللَّهُ عَلَيْكُ اللَّهُ عَلَيْكُمْ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْكُمْ اللَّهُ عَلَيْكُمْ اللَّهُ عَلَيْكُمْ اللَّهُ عَلَيْكُمْ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْكُمْ اللَّهُ عَلَيْكُمْ اللَّهُ اللّهُ عَلَيْكُ الللّهُ عَلَيْكُمْ الللّهُ عَلَيْكُمُ اللّهُ عَلَيْكُمُ اللّهُ اللّهُ

ا بومسعود درصی الله عند نے بی صلی المترعلیہ وسلم سے دوایت کی کیا پ نے کتے کی قیمت اور بدکار عورت کی فری اور کامن کے معا وصفے سے منع فر ما یا رنجا ہے ، مسلم سر ندئی ، نسائی ، ابن ما جب کرمیت کی حرمت اس وقت بھی مضر سے : یہ مدیث کچے دور پہلے بھی گرزی ہے ہے ۔ علام علی القاری نے کہا ہے کہ سے کام لینا سول م تعالیہ وسلم نے کتوں کے قتل کا حکم دیا تھا اورائس دور میں اُن سے کام لینا سول م تعالیہ وسلم نے کتوں کے قتل کا حکم دیا تھا اورائس دور میں اُن سے کام لینا سول م تعالیہ وسلم کی بنا دیر ، مثلاً شکار ، دیور کی حفاظت ، گھر کی حفاظت ، حب محتول سے انتفاع جائز تھہ اِتو ان کی قیمت میں بھی دخصت میں گرب فرا یا اور دیو ٹرے محافظ کے بیاد سے میں ایک مین شرک کا حکم دیا جیسا کہ ابن الملک نے اس میں بر در محم بر فیصلہ فرا یا اور دیو ٹرے محافظ کتے کے بار سے میں ایک مین ٹرھے کا حکم دیا جیسا کہ ابن الملک نے بیان کیا ہے ۔ طبی ہے کہ جبور کے نز دیک کتے کی ہیع درست سے دیکن کوئی اسے تلف کر و سے تو اس میر کوئی تا وان با قیمت واجب نہیں خواہ کہ جبور کے نز دیک کتے کی ہیع درست سے دیکن کوئی اسے تلف کر و سے تو اس می کتے کی ہیع کو جائز نہیں مگر تلف کر نے والے برقیمت واجب کی ہے ۔ امام مالک رحمۃ الشرطیہ سے ۔ دو سری امام ابو حنیفہ کے کہا ہے جس میں منفعت ہے ، اور اس کے تلف کر نے والے برقیمت واجب کی ہے ۔ دو سری امام ابو حنیفہ کے کہی دوایا سے بیں ؛ ایک یہ کہ اس کی بیع جائز نہیں مگر تلف کر نے والے برقیمت واجب کی ہے ۔ دو سری امام ابو حنیفہ کے قول کی مانند ۔ ورسی کی انتد ۔

٣٠٧٨ - كَتْكَا ثَنْكُ الرَّبِيْمُ بْنُ نَا فِعِ ٱبُوْنَوْبَةَ ثَنَاعُبَيْهُ اللهِ يَعْنِ أَبْنَ عُمَرُو عَنْ عَبْدِ أَنكِرِنْ هِ عَنْ قَيْسِ بْنِ حَبْنَةٍ عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ عَبَاسٍ قَالَ نَهَى مَ سُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحَ عَنْ ثَمَنِ أَنكَلْبِ وَإِنْ جَاءَ يُطِلُبُ ثَمَنَ الْكَلْبِ وَإِنْ جَاءَ يُطِلُبُ ثَمَنَ الْكَلْبِ وَإِنْ جَاءَ يُطِلُبُ ثَمَنَ الْكَلْبِ وَالْنَ جَاءَ يُطِلُبُ ثَمَنَ الْكَلْبِ وَالْنَ جَاءَ يُطِلُبُ ثَمَنَ الْكَالِبِ وَالْنَ جَاءَ يَطُلُبُ ثَمَنَ الْكَالِبِ وَالْنَ جَاءَ يَطُلُبُ ثَمَنَ اللهِ فَا الْمَالِيَ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ اللهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ اللهِ اللهِ عَلَيْهُ وَاللّهُ الْمَالِمُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللل

عبدا لٹرب عباس رصی الشرعنہا نے کہا کہ درسول الٹرصلی الٹرعلیہ وسلم نے کئے کی قیمت سے منع فر مایا وراگرکو ٹی کئے کی قیمت ما نگلنے آئے تواس کی ہھیں کومٹی سے ہمر وسے ۔

ں پر سے ہمٹی سے ہتھیلی بھر دینے سے مراد نا کام و نامراد تو ٹا ناسے یمٹی کا محاورہ فحرو می کے لئے آتا ہے۔اوراس طرح حدیث میں ہے: اور زانی کے لئے پھڑ ہے بعنی لڑکا تواکسے ملے گانہیں للذاوہ ناکام و نامراد ہے، آتا ملا مراکام متوجب عشہراجو پھراؤ ہے۔

٣٧٧٩ - كَنْ نَنْ اَبُوالُورِيْ الطَّبَالِيِيُّ نَا شُعْبَنَهُ أَخُبَرَ فِي عَوْنُ بُنُ اَفِ السَّمِي الطَّبَالِيِيُّ نَا شُعْبَنَهُ أَخُبَرَ فِي عَوْنُ بُنُ اَفِ السَّمِ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّعَ نَهُى عَنْ تَمَنِ الْمُكْبِ. جُجِهُ فَنَهُ أَنَّ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّعَ نَهُى عَنْ تَمَنِ الْمُكْبِ. اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ لَيْ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ لَيْ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ لَيْ اللَّهُ عَلَيْهِ وَلَا اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهِ وَلَا اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّهُو

الْجَنَا (مِيُّ اَنَّ عَلَى بَنَ رِبَاجِ الْلُخْمِیُّ حَمَّا فَ رَبَاعِ الْلُحْمِیُّ حَمَّا فَ رَبَّ فَا سَمِعَ اَبَا هُمَ يَرَةَ بَهُولُ قَالَ رَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْ لَهُ وَسَكَوَ لَا يَجِلُّ ثَمَنُ الْكَلْبِ وَلاَحُلُوا فَ الْكَاهِنِ وَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْ لَهُ وَسَكَوَ لَا يَجِلُّ ثَمَنُ الْكَلْبِ وَلاَحُلُوا فَ الْكَاهِنِ

وَلَامُهُمُ الْبَغِيِّ .

ابوہریہ ہ دمنی انتازعنہ کہتے متھے کہ دسول انتاد صلی انترعلیہ وسلم نے فرمایا اسکھے کی قیمت ملال نہیں ،ا ورنہ کا معا وضہ،ا ورفا حشرعورت کا معا وصنہ دنسائی)

باللك في هُن الْحَمْرَة الْمَيْنَة

درشراب اورمردار کی قیمت کابات،

٣٨٨ م حكا نَكُ اَحُمُهُ ابْنُ صَالِحٍ نَاعَبُهُ اللهِ يَنِ وَهُبِ عَنَ مُحَاوِبَةً بُنِ صَالِحٍ عَنُ عَبُهِ اُنَوَهَابِ بُنِ بُخُتَ عَنُ اَبِى النِّهَادِ عَنِ الْكُعُرَجِ عَنُ اَبِي هُرُيْرَةً اَنَّ دَسُولَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَبُيْرِ وَسَتَّمَ قِالَ اللهُ حَرَّمَ الْخَمْرَ وَثَنَهُا وَحَرَّمُ الْمَهْتَذَرُونَهُ مَنَ ذَسُولَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَبِيْرٍ وَسَتَّمَ قِالَ اللهُ حَرَّمَ الْخَمْرَ وَثَنَهُا وَحَرَّمَ الْمَهْتَذَرُ وَتُمْنَهُا وَحَرَّمَ الْحِنْزِيْرُ وَثَمَنَهُ .

ابوم رمیره رصنی انترعنه سعے روایت سیے کہ رسول الٹرصلی الٹرعلیہ وسلم سنے فرمایا: آنٹر تعالی سنے شراب اوراسکی قیمت کوحوام فرما یا اور مُروارا وراس کی قیمت کوحرام فرمایا اورخنز مراوراس کی قیمت کوحوام فرمایا ۔

سنن الی وآ و دجلدیمها چم احمل ب البيوع 477 شرح: برنجس ا معین کی بیع کا بہی حکم سیے ، حرام جا نوروں کی لید کا بھی بہی مکم سیے د مدلال جا نوروں کی لیدون وکا أ نبیں! ، حدیث سے یہ بی بتہ چلاکر مُرواد کے چراسے کی بع نا جائزہے کیونکداس کا چرا بی اس کے حکم میں ہے۔ دباہنت کے بعد چڑے کا مکم مختلف ہو جائے گاکیو نکہ و با عنت سے چڑا ابر وسٹے مدیث پاک ہوجا تاہیے . مختر بریکے بالول سے آيا كام لينا ما رُن سيے يا نہيں ؟ ابن سيرين ، عكم ، حماد، ثنا فعى ، احدا ورا سحاق رحة الله عليهم نے اسے نا ما من كها -لحن، أونه اعنی اور هنفیه نے عائز قرار دیا سے دیعنی صرف انتفاع، ٣٣٨٢ كَنْ ثَنَا قُتُنِهُ أَنْ سَعِيْدِ مَا الْكِنْتُ عَنْ يَذِيْلَ بَنِ إِنِي جَبْيِبِ عَنْ عَطَاءِ بُنِ أَبِي دِبَاجٍ عَنْ جَابِرِ مِن عَبْدِ اللهِ آتَنَهُ سَبِعَ رَسُولَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ يُقُولُ عَامَ الْفَتْحِ وَهُوبِ كَنَرَانَ اللهَ حَرَّمَ بَيْعَ الْحُمْرِ وَالْمَيْتَ الْحُالِخِ الْحُنْزِيرِ وَالْكَضْامِ فَغِيْلُ يَارَسُولَ اللهِ أَرَأَيْتَ شُحُومَ الْمَيْتَ فِفَاتَهُ يُطْلَىٰ مَا السَّفُنُ كَيْرَا هُنَ مِهَا (أَجُلُوكُ وَيَسْتَصْبِحُ بِهَا النَّاسُ فَغَالَ لَاهُوحَزَا مَرْثُكَرْ فَالْ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللَّهُ عَكَيْ لِهِ وَسَلَّعَ عِنْمَا ذِلِكَ قَا تَلَ اللَّهُ الْيَهُوكَ إِنَّ اللَّهُ تَعَالَىٰ كَتَا حَرَّهُ عَكِيمٌ مُ شُحُوهُمَ هَا أَجُمَلُوهُ مِي مَا عُوهُ فَأَكُلُوا تُمنَّهُ -جابر بن عبدالشد رصنی الشدعندسے روایت ہے کہ اس نے فتح مکہ کے سال مکہ میں رسول الشرصلی الشرعلیہ وسلم کو فرماتے سُنا تقاكر: الله تعالي نفر شراب ، مُرداد ، صرريا ورُمتوں كى بيع حرام كى سے . بس كہا كيا ياد سول الله مُرداد كى جربى كے تعلق فر ما يَعْ حب سے جہازوں کو روئن کیا جا تاا درجر وں کو ملاحا تا ہے اور لوگ اس کو حال کر روٹش حاصل کرتے ہیں ؟ تو حضور نے فرما با نهي، وه حرام سے - پھراس وقت دسول الشرصلي الشرعليه وسلم نے فرما يا: الشرقعالي بهوديوں كوتبا ه كرے، حب است اُن يهما نورول كى چرنى ترام كى توانهوں سنے اسے پھولاليا اور بنچ كمراس كى قبمت كھا بى د بخارى، مسلم ،تريذى، نسائ، شرے : جی ہوئی چربی شخم ا ور مکھلی ہوئی ودکت کہ لاتی ہے ۔ یہودیوں نے سمجھا کہ حب ابک حرام چیز کا نام برل جائے تووه صلال موجاتی ہے، مالائدر دمین ایک ناجائر حیلہ نقا اس مدیث میں سرا سے عیلے کا بطلان ہے جس کے ور بعے سے انسان عمام تک پہنچنے کی کوششش کر سے ،اگر و واس مقصد کے کئے کسی چیز کا نام یا مینت بدل والے گاتواس کا مکم نہیں بدیے گا . پھراس میں نجس تیل کو مبلاکرروشنی کمے نے کا جواز نکلتا سے سکین اس کی بیع جائزتہوگی ۔ا صام کی قیمٹ کو یوحام فرما یا گیا سے تواس میں ہرقیم سے بُٹ اور تعبا ویرشال ہیں۔اور اس مدیث سے احنام کا ثبوت نسکیتا سیردرا نحالیک معفَن ظا مربیه کا قبیل اس سیکے خلا من سیا ٣٨٨٣ - كَنَانَنَا مُحَتَّدُهُ بُنُ بَشَارِنَا ٱلْمُوعَاصِيمِ عَنْ عَبْدِالْحَبِيْدِ بْنِ جَعْفَرِ عَنُ يَرِبُ نَهُ بِنِ إِنْ جَيْبِ فَالْكُنَبُ إِلَى عَطَاءٌ عَنْ جَابِدِنَحُوَّهُ لَمُ لَقُلُ هُوَكُ

ابن عباس رصنی الشرحنی است کہا کہ میں نے رسول الشعال الشعالیہ وسلم کو کئن دکعبہ کے پاس بیٹے دیکھا، اب عباس نے کہا کہ آپ نے اپنی نسگا ہ آسمان کی طوف اٹھائی اوریض بیڑسے ، پھر فرمایا: الشرم ہو دیوں میں معنت کرسے ، تمین مرتب فرمایا الشرقعائی سنے ان میر حربیاں حرام کی نہیں ، پس انہوں نے انہیں بیچا اور

ان کی قیمت کھا ٹی اورالٹدتعا بی جب کسی قومَ ہر کسی چیزکو کھا ناحرام کر تا ہے تواس کی قیمت بھی حوام کر د تیا ہے۔ خالد ہمی عبدالٹدکی روابیت میں "راُبیت " کا لفظ نہیں ا ور اس نے کہا کہ : الٹر بہو دیوں کوہر با دکرسے۔ دیعنی حب کمسی چیز کی نجاسلت سکے باعیث اسے حوام کمرسے تواس کی قیمت بھی حوام ہے ،

٥٠٠ ٢٥ مركم مَن عَنْمَا ثُنَا مُنْ أَنْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ وَكِيْعٌ عَنْ طَعْمَة أَنِ

عَدُرِ والْجَعْفَرِيَّ عَنْ عُمْرَنِي بَيَاكِ الْتَغْلَبِيِّ عَنْ عُرُونَة بُنِ الْمُغِيَرَةِ بِي شُعْبَةَ عَنِ الْمُغِيْرَةِ بْنِ شُعْبُكَ قَالَ قَالَ رَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحُ مَنَ بَاعَ الْخَيْرَ

کو بھی ملال سمجھسنے۔

شرسے: یدارشا دبطور تہدیدومبا نغرسے کرجب اس نے ایک کبیرہ کاار تسکاب اس دھڑ ہے سے کر لیا تواب خنز مر ملال چا نئے اوراس کا گوشت کھا لینے میں اسے کیا ہاگ دہ گیا ہے ؟ وہ بے شک انہیں بھی فرنے کر لے کاا وران کے اعدائے جم کے مکڑے کرکے کھا جائے گا ۔ آج کل کی ٹراب خوار قومیں ان دونوں چیزوں کااستعمال ہا معرم اکٹھا کم تی میں جیسا کہ مغرب اور اشتراکی ممالک میں ہوتا ہے ۔ ٣٨٧٣. كُنْ اللَّهُ عَنْ مَسُلِمُ أَنَّ إِبْرَ (هِيْ مَوْنَا شُعِنَ أَعُنُ سُلِمَان عَنْ آبِ القَّرُخُ عَنْ مَسْرُوتِ عَنْ عَا مِسْنَة قَالَتْ كَسَّا نَزَلَتِ الْآيَاتُ الْآوَا خِرُمِنْ سُوُرَةِ الْبَغَرَةِ حَرَجَ رَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَكَيْهِ وَسَلَّحَ فَقَلَ أَهُنَّ عَلَيْنَ وَقَالَ كُوْمَتِ التِّجَارَةُ فِي الْنَحْمُرِ.

عائشہ صدیقہ رونی اللہ عنہ انے فر مایا کہ سود ہ بقرہ کی آخری آیات آئے ہی تورسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم باہر شکلے

اوروہ آئی ہم اسے رسامنے بچر حیں اور فر مایا بشراب کی تجامت حوام کر دی گئی دبخاری مسلم ، ابن ماجر مشرح: یہ آبات ہ ۲۷ سے ۲۱ ہ کہ کب بین اوران میں سکود کی حرمت بیان فرمائی گئی ہے۔ حرمت خرکی آمیت سور ہ المائلہ ہم بہ ہے اور وہ تخریم مرباسے ایک عرصہ بیلے نازل ہوچکی علی ہونکہ بقول تا منی عیاض سخریم سربا کی آبات ہم میں سے ہیں۔ بس ہوسکتا ہے کہ خرک سخارت کی حرمت اس خرکی حرمت کے بعد آئی ہو اور دی حق میں ہوسکتا ہے کہ ایک مرتب آب ہے درمت بیان فرمائی سے اور اس کی سخار میں ہو سکتا ہے کہ ایک مرتب آب ہو کے بعد پھراس کی وضاحت کی ہو۔ ہر عبس میں ہر شخص کی موجد دگی تو نہیں ہوتی تھی۔

موتی تھی۔

٨٨٨ ٣٠ حَكَّا نَكُ عُنْمَا كُنْ أَنِي شَيْبَ لَهُ نَا ٱبُوْمُعَا وَيَدَعَنِ الْاَعْمَشِ بِالِسُنَادِةِ وَمَعُنَاهُ قَالَ ٱلْايَاتُ الْاَوَ اخِرُ فِي الرِّيَاء

وومرى سند كيسا تقوي حديث اس مي سيركم بسورة البقره كي اخرى آيات جورتوا مي مي .

بَاحِبُ فِي بَيْعِ الطَّعَآمِ قَبْلُ إِنْ يَسْتُوفَى

د قبهندست قبل طعام کی بین کابائی،

٣٣٨٨ - حَكَّ نَنْ عَبُ كَاللَّهِ بَنِ مَسْلَمَنْ عَنْ مَالِكِ عَنْ نَافِعٍ عَنِ ابْنِ عُمَرَاتَ

كَشُولَ اللّٰهِ صَلَّى اللّٰهُ عَلَيْتُم وَسَلَّحَ قَالَ مَنْ إِنْنَاءُ طَعَامًا فَلَا يَبِعُ الْحُنّى بَشَتَوُ فِيكُ ابن عرصی الدعم اسے دوایت ہے کہ رسول اللّٰم صلی اللّٰہ علیہ وسلم نے فرمایا، جس نے طعام خریدا وہ اس مجبّ

قبضد كرست سيهك اسب منه بيج د بخارش ، مسلم، نسبا بي ، ابن ماجه)

مش ح: علام خطا بی نے علی کا س مسکے ہرا جماع نقل کیا ہے کہ طعام کی بیع اس ہر قبصنہ کرنے سے پہلے جائز نہیں سے ۔ دوسری چیزوں میں ان کا اختلاف ہے ۔ ابوصنیف رحت الشرعلید اوابو یوسف نے کہا کہ طعام کے علاق دوسری چیزوں کا بھی ہم عکم ہے جو طعام کا ہے لیکن مرکانات، زمین کا برحکم نہیں (بعنی غیر منقولہ جا کہ ان کی ہیں ت بیع قبل انفیض جائز سے ۔ مثانعی اور محد میں الحسن رحمۃ الشرعلیہ نے کہا کہ ہم سے کہ قبضہ سے قبل اس کی بیع مبائر نہیں ۔ اورمہی قول ابن عباس رضی الٹرم کا جی سیے ۔ مالک بن انس سے نز دیک کھانے بینے کی امشیاد کے علاوه سريبر كو قبه تنه سي قبل فرونت كمه نامائم سب اوزاعي اوراحمدا وراسحاق في كهاكه الا بالوال كي ديرون کے علاوہ سرینرکی بیع قبعنہ سے پہلے جا گزسیے اور بہی اروا بیٹ ابن السبیب ،حسن بھٹری ،حکم اور حماد سے میے ومسر حَمًّا نَنْكَ عَبْنُ اللَّهِ بْنُ مَسْلَمَةُ عَنْ مَالِكِ عَنْ نَافِعٍ عَنِ أَبِ عُكُمَ أَتَّهُ قَالَ كُنَّا فِي ذَمَانِ رَسُولِ اللهِ صَلَّى اللهُ عَكَيْرِ وَسَلَّحَ نَبْتَاعُ الطَّعَامَ فَبَبْعَثُ عَكِيْنَا مَنْ يَامُرُنَا مِا نُتِقِالِهِ مِنَ الْمَكَانِ الَّذِي وَ إِبْتَعْنَاهُ فِيهُ وَإِلَى مُكَانِ

سِوَاكُ قُبُلَ أَنُ نِبِيْعَهُ يَعُنِيُ جَزَافًا -

ا بن عردمنیا لٹدعمنہانے کہا کہ ہم لوگ دمول الٹرصلی ا لٹرعلیہ وسلم سے یمہ دمس طعام خور یہ ستے سختے توحفود سمیں بنام بھیجتے سے کراسے اس مگرسے منتقل کردوجہال سے تم نے اسے خریدا سے ۱۰ س جیجے سے قبل لى اورْجَگُه نے جا ؤ . یعنی جب خرید و فرو نحت ا ندازے سے ہوئی تھی۔ رمسلم ، نسا کی

نٹس حے:اگر خرید وفروخت ناپ تول کے ساتھ ہوا ورایک دوسرے کی موجو دگی کمیں حب وزن تاہا ہو جائے تواسے ننتقل کَرِنے کی مترودت نہیں ، نحود یہ نا پ تول ہی قبصنے کے مسرّاد ون ہے ۔الوسسیا ن خطابی نے شینے کی کئی صورتیں کھی ہیں ۔ بعکن چیزوں کا قبصنہ مشتری کو ہا تھ ہیں دسے د کینے سے ہو تا ہیے، بعفن کا اس طرح کراسے مشتری کے میروکر دیاجائے ناکہ وہ اپنی مرضی سے اس میں تصرف کرے، بعفن کا ایک جُگہ سے نتقل کرکے دوسری جگہ سے ما نے سے ہوتا ہے کیلی چیز کا قبصنہ کسی سے ہوتا ہے ۔ حس چیز کواندازے سے ہی بجا گیا ہواس کا قبصنا کے مبکہ سے دوہری جگہ منقل کرنے سے بہوتا ہے ۔اگرکسی نے طعام کو نا پکرخر پیا ہوتواب اسے بیجیتے وقت بھرنا پنا مہوگا ، بہلا ناپ کا فی نہیں - یہ اس سلے کہ نب صلی اللہ علیہ وسلم سے مروی سے کہ آ ب صلی اللہ علیہ وسلم نے طعام کی بيع سيمنع فرما يا جب مك كماس بردوصاع مزمل جأئي، أبا نع كا صاع اورمشرى كا صاع . دو باره كيل جن توگوں کے نزد کیب صروری سے، وہ ابوحنیفہ اوران کے اصحاب، شافعی، احما ورا سحاق میں۔ اورحس بھری، ا بن سيرين ا ورشتى كا بمي كيى مدرئب سيد ماك سن كهاكه الكه مشترى اس چنزكو نقد بي مرا بوتو ميلاكس كاني سيد ، ا قربار کی صورت میں پہلے کمیل ہر اکتفاء کمہ وہ ہے اور عبطاء سعے مروی ہے کہ اس نے ہر صورت میں اس کی بیج کو بیلے کیل کے ساتھ ما ٹنر دکھا ہے۔

• ٣٨٩ - حَكَّا ثُنْكُ أَحُمُكُ بُنْ حَنْبَيل نَا يَجْهَى عَنْ عُبَيْهِ اللَّهِ قَالَ أَخْبَرَ فِي نَافِحُ عَنِ (بْنِ عُمَرَقَالَ كَانُوْ) يَنْبَا يَعُوْنَ الطَّعَامَ جَزَافًا بِأَعْلَى السُّوتِي فَنَهَا يُشُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَكِيرُ وَسَلَّمُ أَنْ يَبِيْغُونُ كَتَّى يَنْقِلُوكُ -

ابن عمر من الترعم النار عمول الاركا وبهرى طوف طعام الدازے سے بیج عصوب رسول الدرسال للد

شنن ا بي واوژومبليجيا يم كآب البسوح علیہ وسلم سنے انہیں منع کر و یا کہ د ومسری حبگہ ننتقل سکئے بغیر حبد بیرسو داکمہ ہی حدیثا ری ،مسلم ،نسانی ، ابن ما جہ پشرح اوہم ريي ميم. ١٣٢٩. حكاثث أمحمك بن صاليح مَا ابْنُ وَهِيب مَا عَمُرٌ وعَنِ الْمُنْذِيرِ، بين عُبَيْدِ الْمَدِينِينَ أَنَّ الْقَاسِكِرِبْنَ مُحَتَّدِ حَتَّ ثُنَّهُ أَنَّ عَبْدَا اللهِ بْنَ عَمَرَحَتَا ثَأ ٱتُّ دَسُولَ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْ لِهِ وَسَلَّحَ نَهٰى أَنَّ بَيِيْعَ أَحَثَنَ طَعَامًا إِشْتَرَاْهُ بِكَيْلِ أحتى مَشِكُ فِيكَ إِ غبدا للترتبُّ عمرمنی التٰرعهٰ لمنے بیان کیاکہ رسول التٰدصلی الشّٰدعلیہ وسلم سنے اس باست سنے مزما باکہ کو ٹی كيل كم ما تق فريد بي موسط طعام برقبين كم بغيرات بيج دب دنسائي ١٩٧٧ - كانت أَبُوْ كَبُرِوعَتُما كَا بُنا إِنِي شِيبَ فَالْا نَا وَكِيْعَ عَنْ مُسْفَيانَ عَنِ (بْنِي طَاوْسٍ عَنُ إَبِيهِ عَنِ إِنْنِ عَبَّاسٍ قَالَ قَالَ رُسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَكَيْهِ وَسَسَّكُمَ مَنْ إِبْتَاعَ طَعَامًا فَكَا يَبِغُهُ حَتَّى بَكْتَا لَهُ نَوْادَ ٱبْوُبُكِرِفَا لَ فُلْتُ لِابْنِ عَبَّاسٍ لِمَ قَالُ الْاَتُّرِى النَّهُ هُو يَبْتَ اعُونَ بِاللَّهُ هِبِ وَالْتُطَعُ الْمُرْصُرَجِّي . ابن عباس دمنی التُدعِنها نے کہا کہ دسول التُرصل التُدعيد وسلم نے فرمایا، مِس بنے طعام خريداوه أسے ماہیے . العَجْ كُهُ مَا بِ سے۔ ابد كم دلاوى نے اتناإصافہ كباكر میں نے ابن عباس رضی التّدعنہ سے كہا، ابناكيوں إابن عباس م كهاكم كيا توديكمتا نبيس كم توكسو في كساقة خريد وفرونت كرتيمين درانخاليكه طعام مؤخر اوكا، مشرح:اس کی مثال خطابی نے بیر تکھی ہے کہ ایک شخص دوسرے سے چنددن کے و عدسے پر ایک دینار کا طعام خربیے ا وراس پر قبصنہ کئے بغیراُ سے دو دینار ہر فروعت کرد ہے، پس حقیقت میں بیرا یک دینار کی میع دو دینا رہے ہو ئی بميع نكه طعام توموج ومنهيں وه مؤخورسيے - علاوه بريں يرسو دا نقدا ورحاصرم و نا چاہيے عقا گر طعام كى عام وجود كى سف است اسما صرى بع فائب كراته " بناد يا ب . ٣٣٩٣ - كِتِلَ ثَنَا مُسَتَّادٌ وَسُلِيمًا كُنُ حُرُبِ قَالَانَا حَمَّادٌ ح وَنَا مُسَتَّادٌ نَاأُلُو عَوَانَة وَهٰنَ الْفُظُ مُسَنَّا دِعَنُ عَنْي وَبُن دِينَا يِ عَنْ طَا وَسِعَن ابْنِ عَبَّاسٍ قَالَ قَالَ رُسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَيَبُ و وَسَلَّمُ إِذَا شُنَّرِي أَحَدُ كُمْ كُمْ طَعَامًا فَ لَا يَبِغُهُ حَتَّى يَقْبَضَهُ فَالْ سُلِيمًا نُ بُنْ حَرُب حَتَّى يَسْتَنْ فِيهُ زَادَمُسَكَّادٌ فَالْ وَفَالَ ابْنُ عَبَّاسٍ وَٱخْسِبْ كُلُّ فَنْتُيْ مِنْتُلِ السَّطَعَامِرِ. ا بن عباس دمنی انتریخانے کہا کہ مبناب دسول انترصلی انترعلیہ وسلم نے ارشاوفر ما یا: حبرتم میں سے کو ڈی

كتأب البسوع طعام نمر بدے تواس میقبینہ کئے بغیراُسے مذبیعے ابن عباس مفیالٹھنہا نے کہاکرمیں سرحیز کوطعام کی مانند مجھتا مشرح : علاّمہ عطا نی نیے ابن معباس کے تول کی ہے تو جیہ بیان کی سیے کہ بیع ہے جب فبصنہ نہ ہوا تو سرحیز طعام کی مانند علمری آس بر بیچیے کچھ کننٹکو موجکی ہے اور تبایا جا جکا ہے کہ غنر منقو ارجا ٹداد کے علاوہ باتی سب چیزو ک میں حنفیہ معی تہی قول سے ما مل علم سے ندا سب و دلائل کا مجھ ذکمہ بہلے گزر دیکا ہے ۔ م ۴ م م - حَتَّا ثَنْ الْحَسَنُ بُنْ عَلِيَّ نَاعَبُ كَالدُّنَّ اتِ ٱنَامَعُ مَنْ عَنِ النُّ هُمِ يَت عَنْ سَالِعِرِعَنِ ابْنِ عُنَرٌ قَالَ مَا أَيْثُ التَّاسَ يُضُرَّبُونَ عَلَى عَهْدِ دَمُسُولِ اللَّهِ صَلَّى الله عَكِيْهِ وَسَرَّحَ إِذَا اشْتَرُوُ الطَّعَامَ جَزَافًا آنُ بَبِيُعُوْمٌ حَتَّى يُبُلِغَهُ إِلاَيْجُهِمْ ابن عمرمنیا لٹیونیا نے کہاکہ میں نے لوگوں کو دسول الٹیوسلی الٹیولمیٹ وسلم کے ز ما نے میں اس بات پریٹے د بکھانقاکہ حب وہ طعام کواندازے سے فروخت کرتے توا بنے ڈیرے تک لے ما سے بنیرا سے بچ ڈاستے تنے دیجاری ،مسلم، نسانیٔ ،اس سے پہلے پر محت مہوم کی ہے کہا یک جگہ سے دومسری حگہ منتقل کمرنا ہی کا نی سیے ، مزیدتاکید وما نع سے منے بوں کہا ما تا ہوگا. پیٹنوا سے محتب ہوتے سے جد بازار کی مگرانی ہم مامود سے . ٥ ٣ ٣٠ - حَكَّا نَنْنَا مُحَمَّدُ بُنُ عَوْدٍ الطَّائِيُّ نَا أَحْمَدُ بْنُ خَالِدِ الْوَهِبِيُ نَا تَحْمَدُ بُنُ إِسْحَاقَ عَنْ أَبِي الزِّنَادِعَنُ عَجَيْدٍ بْنِ كُنَيْنِ عَنِ ابْنِ عُمَّرٌ قَالَ إِبْنَعْتُ نَدُيْتًا فِي السُّوْقِ فَ كَتَااسْتُوْجَبُتُهُ لَقِيَنِي رَجُلُ فَأَعْطَانِي بِهِ دِبْحَاحَسُنَا فَأَدُدُتُ ٱكُ ٱضُرِبَ عَلَى يَهِ لِهِ فَٱخَلَا رُجُلُ مِنْ خَلْفِي بِنِاءَ احِي فَالتَفَتُ فَا ذَا زُيْكُ أَث نَابِتِ فَقَالَ لَا تِبَعُهُ كَيْثُ إِبْتَعْتُهُ حَتَى تَحُونَهُ إِلَى رَحِلِكَ فَاِنَّ رَسُولَ اللهِ صَلَّى الله عَكِيْرُوسَنَّوَنَهَى آنُ ثُبَاعَ السِّلَعُ حَيْثُ ثَبْتُنَاعٌ حَتَّى يَحُونَهَ هَا التَّجَالُ إلى دِحَالِهِمُ ا بن عردضی انٹینہانے کہا کہ میں نے بازادمیں روعنی زیّون ٹریدا ، حبب میں نے بیچ کی کر لی تو مجھے ایک آ دمی طا حس نے مجھے انچھا خاصا نقیح و بینے کا وعدہ کیا ، پس میں نے چا چاکداس سے بات کی کرئوں تو پیچھے سے ایک آدمی سے ر مرا بارو کمٹر دیا۔ ہی سفے مطکر دیکھا تووہ نہ برب ثابت سقے انہوں نے کہاا سے مت بچو بہاں پرتم نے ٹرید اسے حتى كه تم اسے اپنے ڈیسے میں نہ سے مبا ؤ، كيونكدرسول اللّٰدصلی السّٰدعليہ وسلم نے اس بات سے منع فرمايا بقا كرمزيں حبها ن خریدی جائیں وه فروخت بنری جائیں جب مک كه نا حرا نهیں اپنے كھروں ميں محفوظ مذكر ميں . ش سے :اس حدیث میں گو اُس کا ذکر شہیں آیا مگر معلوم ہوں ہوتا ہے کرروغن زیبوں کو اندازے سے ہی خریداگیا ہوگا، ۱ درا *دیدگذرچ*کا *سیے کہ جس چیز* کی خرید وفرو نعت اس طرح ہوا س کا قبصنہ فعل مکا نی سے ہوتا سیے مگر کہلی اور وزن چیز رمرت ممیل ووزن سے ہی کا تی سے

كَا مِن فِي الرَّحِيلِ يَقُولُ عِنْكَ الْبَيْعِ لِلَّخِلابَة

راس آومی کا باب جو بع میں کہے: دھو کامت دینا)

و و مرس حَمَّا ثَنَّ عَبُ لَا اللهِ بُنُ مَسْلَمَة عَنْ مَالِكِ عَنْ عَبْوِاللهِ بُنِ دِيُنَامِ عَنِ ابْنِ عُمَّرَ أَنَّ رَجُلَادَكُمَ لِرَسُولِ اللهِ صَلَّى اللهُ عَكِيلُهِ وَسَلَّوا تَنَهُ يُخْلَعُ فِي الْبَيْح فَقَالَ لَهُ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوا ذَا بَا يَعُثَ فَقُلُ لَا خِلَابَة فَكَانَ الدَّجُلُ إِذَا بَا يَعَ يَقُولُ لَا خِلَابَةً .

ابن عمرصی التلاعبه لسے دوایت ہے کہ ایک آدمی نے دسول التلاصلی التلاعلیہ وسلم کے سامنے ذکر کیا کہ اُسسے ۔ بیع میں دھوکا دیا جاتا ہے ، پس اُسے دسول التلاصلی التّدعلیہ وسلم نے فرمایا کہ حبب توضر بدوفرو نوت کر ہے تو کہ ہ : دھوکا نہیں ۔ پس وہ شخص حب خرید وفروخت کرتا تو کہتا : دھوکا نہیں دنسانی ، بنیاری مسلم)

سنر سے: اس مدین کے الفاؤ و دبتائے ہیں کہ براکی خاص وا تعدیما ، بہی سبب ہے کہ بغول

خطابی یہ حبان بن مُنقذ رضی التہ عند رصاح بمعاملہ کے ساتھ فاص ہے اور نبی صلی اللہ علیہ وسلم نے یہ تول اسکی برح میں شرط قرار دے دیا تھا تاکہ حب اسے اپنے سودے میں غبن معلوم ہوتو وہ اسے درکر سکے بس کو یا اس کی ثال بوت میں جو جیسے کسی سنے خرید وفروخت میں خیار کی شرط کر لی ہو۔ اس کی مثال ہما دے ہاں یہ سبے کہ خرید وفروخت کہا کہ سنے میں با بھٹول جوک لینا وینا ساس کا مطلب برہ ہوتا ہے کہ بعد میں کوئی غلطی ، فریب ، خطا، ونسیان معلوم ہوائے تواس کی تلافی کی حاب نے گی۔ اکثر فقہا کہتے ہیں کہ حب با نع اور مشتری سنے رصامندی سے سودا کر لیا وروہ خوشی نوشی میں میں میں میں کہ جور نہ ہوں رہے نا اور وہ خوشی نوشی کی سے میں کہ بیع وشراون کی مسلم کی میں بیا بندی نہ ہو کہ بیع وشراون کر سکیں ، تو بعد میں ثابت ہوئے والے نقعان کی تلافی نہیں کی جاسکتی .

الله عَلَيْهُ وَسَلَّمَ فَكُ فَكُ النَّرِيُ مَلَى اللهِ النَّرِيُّ مَا اللهِ النَّرِيَّ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى عَلَيْهِ وَسَلَّمَ وَقَلَ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى عَلَيْهِ وَسَلَّمَ وَقَلَ اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ الل

يَارَسُولَ اللهِ إِنِّى لَا اَصْبِرُعَنِ الْبَيْعِ فَقَالَ صَلَّى اللَّهُ عَكَبُهِ وَسَلَّوَ إِنْ كُنْتَ عَبُر عَادِلَةٍ لِلْبَيْعِ فَقُلْ هَاءَ وَهَاءَ وَلَاخِلابَ فَ قَالَ ٱبُوْنُورِعَنْ سَعِيْدٍ -

ا نس بن مالک رصی الشرعنہ نے کہا ایک آ وی رسول الشرصلی الشرعلیہ وسلم کے عہد میں تورید و فروخت کرتا تھا اور پیچارہ عقل کا کمز ورتھا، پس اس کے گھروا ہے نبی صلی الشرعلیہ وسلم کے پاس گئے اور کھا: اسے نبی الشرفلاں شخس پر پاب ہی گئے اور کھا: اسے بلایا اور گا دیجے کیونکہ وہ خرید فروخت کرتا سے اور اس کی عقل میں صنعف سے پس نبی صلی الشرعلیہ وسلم نے اسے بلایا اور گا سے خرید وفر خت سے منع فر مایا، تووہ ہولا، یا رسول الشد! میں خرید وفرونوٹ کے بغیر نہیں رہ دسکتا ۔ پس رسول الشوال اللہ گا علیہ وسلم سے فرمایا: اگر توخرید وفروخت کو تدک منہیں کر سکتا تو کہہ کہ: ووا ور بوا ور فریب میت دو۔ راوی ابو ثور نے گا عن معید کا مفظ ہولا سے زمتر بذی اس کی ابن ماجی

سٹن سے: خطابی نے کہا سپے کہ اس مدیث سے ان توگوں نے اسد لال کیا ہے ہوبا ئع پر بچر کہ بندی ، کے قائل نہیں۔

بین حکومت السین خفس پر یہ پابندی لگا سکتی سپے کہ وہ خرید وفر وخت اور لین دہی نزکر سے ۔ ان کی دلیل یہ سپے کہ اگر

بائع بر پابندی گائی مجاسکتی تو رسول اللہ حلی اللہ علیہ وسلم اُس شخفس دحبان بن منقذ) پر لگا دستے اور اسے حکم دیتے

کرتو معامل ت سرانجام نہیں و سے سکتا خطابی نے کہا کہ ہائی پر پابندی اس وقت لگائی مجاسکتی سے حبکہ وہ احمق ہوا ور اُ پنا

مال صنا نع کرتا ہو ۔ اور یہ مدین خصاب ہواس پر پابندی لگا دی جائے ۔ پابندی کے سلط بھی ایک مدسپے اور جب ایک کوئی

اس حد کونہ پہنچے تو اس پر پابندی نہیں لگا ہی جائی ۔ مولانا نے فو ما یا کہ اس سٹلمیں جہاں کہ حنفیہ کا تعلق ہے امام

ابو منیفہ رحمتہ الشرعنہ اور صاحبین ہیں اختلاف سے امام ابو منیفہ کے نزدیک ہجرکتے ہیں سبب ہیں ، جبنو ان ابنا لغی اور

البو منیفہ رحمتہ الشرعنہ اور صاحبین ہیں اختلاف سے الم ابو منیفہ کے نزدیک ہجرکتے ہیں سبب ہیں ، جبنو ان ابنا لغی اور

البو منیفہ رحمتہ الشرعنہ اور صاحبین ہیں اختلاف سے الویوسف ، فیرین الحسن ، شافعی اور عام فقہا کے نزد کے کہ فتون ان ابنا النے اللہ اللہ کہ اس میں جنفیہ کا خوف ، عنی قرمن کا اعتراف کر سے پھڑا بھی جرکے اس بس بیں داخل ہیں ۔ حنفیہ کا فتون ، عنی قرمن کا اعتراف کر سے بھڑا بھی جرکے اس بس بیں داخل ہیں ۔ حنفیہ کا فتون ، عنی قرمن کا اعتراف کر سے جو دیکہ ایک منتوی اس مشلہ میں صاحبین کے مساسنے بھی قرمن کا اعتراف کر سے بھڑا بھی جرکے اس بس بیں داخل ہیں ۔ حنفیہ کا فتون اس مشلہ میں صاحبین کے قول بر سیع جو دیگر ان کر قد کے مطاب ہیں ۔

بالمين في العُرْبَانِ

تُذَكُتُ السَّلْعَةُ أَوِ الْكُرَاءَ فَهَا اَعُطَيْتُكَ لَكَ-

عبدالشدین مروبن العاص رمنی استرعنه نے کہا کہ رسول الشرعلیہ وسلم نے عزیان کی بیع سے منع فر مایا. مالک نے کہا کہ مہا رسے عیال میں سہ والٹداعلم سہ اس کی صورت یہ ہے کہ مشلاً ایک آدمی غلام خرید سے یاسواری کمہ ائے رہے ہے، بھر کھے بیس تمہیں ایک دینار دیتا مہوں اس شرط ہر کہا گریں سودا باکرایہ ترک کر دوں توجو کچھ تمہیں دھے چکاوہ تمہالا موگا رابن ما جہ، المؤطل)

ش مع با معالم اسن میں ہے کہ اس ہی ہے ہوائہ میں اختلاف ہے۔ مالک اور نٹا فعی نے اس مدیث کے باعث اور اس فاسر شرط اور دھو کے کے باعث ہواس میں با یاجا تا ہے اسے باطل وار دیا ہے اور کہا ہے کہ برباطل طریقے سے مال کھا نے میں واضل ہے بعضی ہوئی اسے باطل عظہ ایا ہے ، بگر ابن جرضی انٹری ماسی اس کی اجزائی والد دیا اور میا اس کی ماروی سے بھی مروی ہے ۔ احمد میں منبل کا میلان بھی اس کی اجاز ت کی طون ہے اور انہوں نے اس مدیٹ کو منقطع مہونے کی بناد پر منعیف کہا ہے اور مالک کی دوا میت اس میں باعث اس میں باعث میں مند د نئونکا کے لفظ ہونے کہا کہ بر دوا میت منقطع یا صنعیف نہیں ہے منقطع وہ حدیث ہے جس کی سند د نئونکا کے لفظ ہونے اگر ہے وہ ابو داؤ دمیں وار د تعییف نہیں ہے منقطع وہ حدیث ہے جس کی سند ہے ۔ اورمؤ قامین نم بان کی ہو تعنیب آئی سے وہ ابو داؤ دمیں وار د تعییب واضح ترہے ، وہ یہ ہے کہ ایک آدمی کس خور می باور کی تعییب میں نے بول و مشل کی ہوں واضح ترہے ، وہ یہ ہے کہ ایک آدمی کس خور میں ہوا دمی ہونے کے کہ میں تجھے بر دقم دیا ہوں و مشل آئی سے وہ ابو داؤ دمیں وار د تعییب دقم حیا میں میں ایک آدمی کس میں میں میں باکہ اس میں ایک دنیاں با ورمؤ میں نے ہو کہ تا ہوں و مشل آئی کے دنیاں با ورمؤ میں ہو کہ ہو کہ کے تو ہو ہو گور کی میں میں میں باکہ اسے کہ ایک اور کی ہو کہ ایک ہور کہ ہو کہ ہو گی کہ وہ ایک ہوری وارد ہو ہے کہ میں ورد ہورد ہورد ہورد ہورد ہورد ہورد کی کہ وہ ایک ہوری کی ہو جائے تو ہم ہورد ہورد ہورد ہورد کی کہ ہورد کی ہورد اورد ہورد ہوگی کہ ہورد ہوگی کی دے دیت ہورد ہورد کی ہورد کی ہورد کی ہورد کرد ہورد ہورد کی کہ ہورد کی ہورد کرد ہورد کی ہ

بَانِ فِي الرَّجُلِ يَبِيعُمَا لِيَسَ عِنْكَاهُ

داس دمی کا باع جوالیی چنر سیج جواس کے ماس نہیں)

٣٩٩٩ . حَكَ نَنْ مُسَدَّدُ نَا اَبُوْعَوَانَهُ عَنَ إِنَى بِنشُرِعَنُ يُوسُعَنَ أِنِ مَاهِدٍ عَنْ حَكِيْهِ بِنِي حِرَامِ قَالَ يَا رُسُولَ اللهِ يَا يَنْ فِي الرَّجُلُ فَيُرِيْكُا مِنَى الْبَبْعَ لَيْسَ عِنْهِ فَى اَفَكَ بُنَاعُهُ لَهُ مِنَ السُّوْقِ فَقَالَ لَا تَبِعُ مَا لَيْسَ بِعِنْدَاكَ .

کیم بن حزام رمنی انٹد نے کہا یا رسول انٹر اکوئی آ دمی میرسے پاس آئے اورائسی چیز خرید ناچا ہے جومبر سے پاس نہیں توکیا میں وہ اسے بازار سے خرید کر دسے دوں؟ بس حضورصلی انٹرعلیہ وسلم نے فرمایا : جو کچھے تیرسے باس نہی وہ مست بچے رتر مذی دنسائی ، ابن ماجہ تشرح: خطابی نے کھا ہے کہ اس سے مراد معین چیز کی بع سے نہ کہ صفات کی بع ، کیوں کہ بیع سلم مبا گذکی گئی سے اور حقیقت ہیں تو وہ بی الیبی بیع سے جس میں بیع موجود نہیں ہوتی ۔ بیع سلم کے ذکر میں گزر چکا ہے کہ اسے منرورت کی بناد پر جائز رکھا گیا ہے ۔ ذرینظر مدیث میں جن چیز وں کی بیع کوروکا گیا سے ان کی مثال یہ ہے کہ مثلاً کوئی آدمی اپنیجائے مہوئے غلام یا آوارہ ہوم ا نے واسے اونٹ کی بیع کرے ، اس بیع بی بیع ایک فرصی چیز ہے، اور دھوکے کی بناء بہ اسے نا جائز عشر ایا گیا ہے ۔ اگر مطور ملآل کسی کی چیز کا سوط کر ہے تو وہ ایک الگ صورت سے اور اس میں بائع در اس مالک ہوتا ہے جس کی طون سے والی سوداکر تا ہے ۔ کسی دو مرب سے حال کواس کی اجازت سے دیا اس بی جائز قرار دید سے نوج میں دو مرب کے مال کواس کی اجازت سے دیا ہی اس بی جائز قرار دید سے نوج میں دو مرب کے بی اور الک ، اصاب ابی حنیف میں داخل سے ۔ بی اب اگر وہ دو مراس سے کو جائز قرار دید سے نوج میں دو مرب کی جائز قرار دید سے نوج میں دو مرب کی جائز ہو جائز قرار دید سے نوج میں دو مرب کی جائز ہو جائز قرار دید سے نوج میں دو مرب کی دو مرب کی دو مرب کی اور مالک کی اجازت سے بی جائز ہو جائے گی ۔

٠٠٥س كُلُّ اللَّهُ الْكُنْ الْمُكُنَّ الْمُكَارِبُ الْمُكَاعِينَ الْيُوبَ حَلَّا ثَنِي عَمُرُو بُنُ شَيَئِ حَلَّا ثَنِي اَنِي عَنْ آبِيهِ عَنْ آبِيهِ حَتَى ذَكَرَعَبُكَ اللهِ ابْنَ عَنِي وَقَالَ قَالَ رَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَبَيْهِ وَسَلَّوَ لا يُحِلُّ سَلَقَ وَبَيْهُ وَلا شَرْطَانِ فِي بَيْجٍ وَلا رِنْجُ مَاكُو تَضْمَنُ أُولَا بَيْحُ مَالَيْسَ عِنْدُكَ -

شرح، سُکف و بیع کامطلب بیرے کہ قرص کی شرط کے ساتھ بیع کرے کہ میں تہارے ہاتھ بہ چیزا تنے ہی فروخت کرتا ہوں بشرطیکہ تو جھے ایک بزار روپ قرص دے . یا مثلاً تم ایک شخص کو بجر قرص دوا ور بھراس کے ہاتھ ایک چیز نہا ہت گراں قبمت پر فروخت کرو، اس صورت میں گرانی کا باعث قرض سے دلذا بیر سود ہوا۔ شرطان فی بیع کامطلب بہ سبے کہ بہ چیز نقد سورو ہے کی ہے اور او ہار دوسو کی ہے۔ امام احمد کے نز دیک اس مدیث کا مطلب ہے کہ بیع میں ایک مثل جائزے اور دو انا جائز۔ مگرجم ورکے نز دیک معنی وہ ہے جو پہلے بیان ہوا ۔ ر بری محمد کا مسلم میں معنی کو میں جب کہ ایک چیز خمد یدی مگر اس میں تھی، اسے مطلب یہ ہے ڈالا ۔

بَاكِ فِي شَكُولٍ فِي بَيْعٍ

ربيع مي ايك شرط كا بالكي

ا. هم - كلّانْ مُسَكَّدُ نَا يَحْلَى بُنْ سَعِبْدِ عَنُ رَكَرِ بَيَانَا عَامِرُ عَنُ جَابِرِ بَنِ
 عَبْدِاللّٰهِ فَالَ بِعْثُهُ يَعْنِى بَعِيْرَة مِنَ النَّبِي صَلّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ وَاشْتَرُطْتُ حُمْلَانَهُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ وَاشْتَرُطْتُ حُمْلَانَهُ إِنْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ وَاشْتَرُطْتُ حُمْلَانَهُ إِنْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ وَاشْتَرُطْتُ حُمْلَانَ وَمُنَا لَهُ وَهُمَالَكَ بُحَمْلِكَ خُمْلَانَ وَثَمَنَا لَهُ وَهُمَالَكَ -

قیمت بھی سے ہے ، یہ دونوں تیرے ہیں (بخاری، مسلم ، متر فری ، نسائی ابن اج)
مندس ہے ؛ حصنورصلی الشعلیہ وسلم کے الفاظ الم کر ہے ہیں کہ یا تو آپ جا بر رصی الشیعنہ کی غلط نہی دور فرما نا چاہتے
سے کہ چونکہ میں نے بچے اس او منٹ بیر جو تجرسے خریدا ہے . مدرینہ کک سواری کی اجازت دی ہے۔ مبادا سرے دل
میں یہ بھیا کی آسٹے کہ اس شرط کے باعث میں نے تیرے اونٹ کی قیمت کم ادا کی ہے ، اور یہ فرماکر مذصوب اس کا اونٹ
وابس کر دیا بلکہ اس کی قیمت بھی دسے دی اور یا یہ گویا جا بر سے ساتھ نیک سلوک کرنے کا ایک بہانہ تھا ، خطابی نے
مون جا بر رضی الشری نہ کو میں شرائط بیع یعنی قبض وسلیم ویزہ کا کاظ نہیں رکھا گیا دلمذا اس طرح صنورصلی الشرعنہ نے
مرف جا بر رضی الشری نہ کو میں جا جا ہے اور دی گیرا نمہ نے اسے اس حدیث کی بنا ، ہر جا نز کہا ہے ۔ حنفیہ
ہے صنفیہ اورش فعی کے نز دیک یہ بیع باطل ہے اور دیگر انکہ نے اسے اس حدیث کی بنا ، ہر جا نز کہا ہے ۔ حنفیہ
کی دہیں عبدالشرین عمرورضی الشرعنہ کی حدیث ہے کہ: رسول الشرصلی الشرعایہ قلم نے بیج اور شرط سے منع فرمایا .

باب في عهد الرقين

دغلام کی ذمہ والری کا ہاکئے)

٣٥٠٢ حكا فن مُسُلِمُ بِنَ إِبْرَاهِ بَهُ وَمَا أَبِاكَ عَنَ فَنَادَةً عَنِ الْحَسَنِ عَنْ عَقَهَ فَهُ بِي الْحَسَنِ عَنْ عَقَهَ فَ بَنِ عَامِراتَ دَسُول اللهِ صلى اللهُ عَلَيْهُ وسَلَعَ فَالَ عَهْدَاةً الرَّقِيْتِ فَلَا مُكَا مَا اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَعَ فَالَ عَهْدَاةً الرَّقِيْتِ فَلَا مُكَا مَا اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَعَ فَالْ عَهْدَالُ عَلَيْهِ اللهُ عَلَيْهِ وَاللهُ عَلَيْهِ وَاللهُ عَلَيْهُ وَلَا عَلَيْهُ وَلَا عَلَيْهُ وَلَا عَلَيْهُ وَلَهُ عَلَيْهِ وَلَمُ عَلَيْهِ وَلَمُ عَلَيْهِ وَلَمُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ وَلَمُ عَلَيْهُ وَلَمُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ وَلَمُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ وَلَمُ عَلَيْهُ وَلَمُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ وَلَمُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ وَلَمُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ وَلَمُ عَلَيْهُ وَلَمُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ وَلَمُ عَلَيْهُ عَلَيْكُوا عَلَيْكُوا عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْكُوا عَلَيْكُوا عَلَيْهُ عَلَيْكُولُ عَلَيْهُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُ كُلُكُولُ كُلِي عَلَيْكُولُ كُلِكُولُكُولُ كُلِكُ عَلَيْكُولُ كُلِكُمُ لَكُولُ كُلِكُمُ عَلَيْكُولُ كُلِكُمُ عَل عَلَيْكُولُهُ عَلَيْكُولُكُمُ لِللْمُعُلِقُلِكُمُ عَلَيْهُ عَلَيْكُولُ كُلِكُمُ عَلَيْكُمُ عَلَيْكُمُ عَلَيْكُ ض سے: خطا بی نے اس زمہ داری سے نیمراو بی ہے کہ حب کوئی شخف دومرسے سے فلام خرید ہے اور خیا ہے بی کس ط بہیں ہوئی تو مُسُتری تین دل کسی عیب کی بنا ہوا سے ر دکرسکتا ہے اور بین دل تک کسی دہل وہ ہا دت کی مرورت بہیں اس کے بعد اگر کسی عیب کی بناء ہور قد کر نا ہا ہے گا تو شہا دت کی مزورت ہوگی ۔ اگلی روایت میں بھی حروت بہیں اس کے بعد اگر کسی عیب کی بناء ہور قد کر نا جا ہے گا تو شہا دت کی مزورت ہوگی ۔ اگلی روایت میں بعد با منظم کی دور میں سے ۔ حبون ، حبا اور بر تھی کی صورت میں ایک سال کی مدت ہے ، سال گزر سے سے اور بہی اور بر تھی ہوں ایک سال کی ومدداری کی شرط ۔ مثافی سے میں دن با ایک سال کی ومدداری کی شرط ۔ مثافی سے میں دن با ایک سال کی ومدداری کی شرط ۔ مثافی سے میں دن با ایک سال کی ومدداری کی شرط ۔ مثافی سے با دسے میں کوئی کی مدت کو معتبر نہیں سمجھا اور مرض کے احوال برنظر رکھی ہے ۔ احمد بن صنبل نے کہا ہے کہ عہدہ کے با دسے میں کوئی حد سٹ ثامت نہیں ۔

﴾ ﴿ ﴿ وَهُو مُعَنَاهُ مَا دُونُ وَكُ بُنُ عَبْدِ اللهِ حَتَاثَ فِي عَبْدُا الصَّهَدِ مَا هَمَّا هُ عَزْفَتَا دَةً ﴿ إِلِهُ السَاحِ ﴿ وَمَعْنَاهُ مَا دُولَ وَجَمَا دَاءً فِي ثَلَاثِ لَيَا لِي رَدَّ بِعَنْ بِرِبَيِنَ لِهِ وَإِنْ وَجَمَا دَاءً

بَعْنَ الشَّلْثُ كُلِّفَ الْبَيِّنَةُ أَنَّهُ الشُّكْرِالِا وَبِهِ هُنَا اللَّا الْمُقَالُ ٱبْعُودَا وَدَ هُلْأَا

و سیست کے میں میں میں ہوئی مدیث اسی معنی میں۔ اس میں یہ اصافہ سے کہ اگر میں دن میں وہ کوئی ہمیاری بائے تو نتہا دت کے بغیر بیع کور دکر دسے اورا کر مین دن کے بعد کوئی ہمیاری بائے تواس سے پیٹہادت ہی جائے گی کاس نے یہ غلام خریدا تقاا وراسے میر ہمیاری ہے۔ ابودا ؤ دنے کہا کہ بہ تفسیر فتا دہ کا کلام سے۔

بَاسِي فِي مَزِانْتُ رَى عَبُدًا فَاسْتَعْلَكُمْ وَجَدَابِهِ عَبْدًا ا

٧٠ ٢٥ عَلَىٰ الْبُرَاهِ يَهُ مَنُ مَنُ وَانَ نَا آبِ الْمُسُلُونُ عَالِمِ النَّرْجِيُ نَا مُسُلُونُ وَالْكِالَةُ اللَّهُ عَنَا عَالَمُ اللَّهُ عَنَا عَالَمُ اللَّهُ عَنَا عَالَمُ اللَّهُ عَنَا عَالَمُ اللَّهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى

ب بوت من مضرت عائشه سلام الشعليها سے روابت ہے كه ايك آد مى نے ايك غلام خربدااور وہ جب تك الشد نے حارت عائشه سلام الشعليه وسلم كے باس سے كيا الشر نے حارت على الله عليه وسلم كے باس سے كيا تو حصنور صلى الشعليه وسلم نے وہ غلام بائع كو والس كرديا . أس شخص نے كہا يا رسول الله السخص نے وہ غلام بائع كو والس كرديا . أس شخص نے كہا يا رسول الله السخص نے ميرے غلام سے نفع حاصل كيا سے ، بس رسول الله مسلى الله عليه وسلم نے فر ما يا . خراج صنمان كي ساتھ ہے . ابو وافر و نے كہا كہ رس سند

تحجے قوی نہیں سبے۔

پیر سے ؛ منذری نے کہاکہ ابودا ؤدکا انٹا رہ بخاری کے تول کی طون ہے کہ اس لئے اس سے دا وی مسلم بن خالدزنجی کو گ ضعیف کہا ہے ۔ تر ذری نے اسے عمر بن علی المقدّی عن مثنام بن عروہ کی سندسے دوایت کر سے اسے حسن صحح عزیب کہا ہے ۔ بنی آری نے مقدی والی روایت کو بھی عزیب کہا ہے ، مقد بی کے تقد ہونے پر بخاری اوس کم دونون تعق ہیں ۔

كَا مَكِ إِذَا الْحَيْدُ لَفَ الْبِيعَانِ وَالْبِيعَ فَا يُمْ وَالْبِيعُ فَا يُمْ وَ الْبِيعُ فَا يُمْ وَ الْبِيعُ فَا يُمْ وَالْبِيعُ فَا يُمْ وَالْمِيدِ وَالْمُ يَعْلَمُ الْمُعْلِقِ وَالْبِيعُ فَالْمُ يُوالِدِ اللّهِ الْمُرْدِينَ اللّهُ وَالْمُعْلِقِ اللّهِ عَلَيْهِ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ ا

٤٠٥٣ - كُلُّالُكُ الْمُحَكَّدُ أَنُ بَجِيلُ بِنِ فَادِسِ نَا عُكُرُ بُنُ حَفْصِ بُسِ غِيَاشِ آنَا أَفِي عَنَ آبِ عَنَ آبِ عَنَ آبِ عَمَدُ اللهُ عَنْ آبِ الْمُحَكِّدِ اللهُ عَنْ آبِ اللهُ عَنْ آبَ اللهُ عَنْ آبُ اللهُ عَلَى آبُ اللهُ عَنْ آبُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ آبُ اللهُ عَنْ آبُ اللهُ عَنْ آبُ اللهُ عَنْ آبُ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ أَبُولُ اللهُ اللهُ عَنْ أَبْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ أَبُولُ اللهُ اللهُ عَلَمُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ الل

تحمد کی الاشعث نے کہاکہ اشعث رصی التہ عنہ نے حکس کے غلاموں سے کچے غلام عبدالتہ ہب مسعود رصی التہ عنہ سے بیس ہزاد میں خدید سے بیس عبدا لئد سنے کہا کہ تومیرے اور اپنے ور میان فیصلہ کرنے کے بیٹے کوئی آ و می حوث سے - اشعث خدید سے سفے اور اپنے ور میان سے ۔عبدالتہ بنے کہا کہ میں نے دسول التہ صلی التر علیہ وسلم کوفر ماتے میں تعاملہ جب با نع اور مشتری میں اختلاف مہوما سئے اور گواہی ان میں سبے کوئی نہیں تو تول معتبرو ہ ہوگا ہو میسے کا مالک کے یا بچروہ دونوں ہے تذک کر دیں ۔ دنسائی)

م٠٥٣٠ كُلُّ اللَّهُ عَنْ اللهِ بَنْ مُحَكَّدُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى الْكُفَّةُ عَنَا الْكُفَّةُ اَنَا أَبُنُ اَ فِي اَيْسَا عَنْ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ الللْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللللْمُ الللَّهُ اللَّهُ اللللْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللْمُ اللَّهُ اللَّالِمُ اللللْمُ الللَّهُ الللللِّهُ اللللْمُ الللَّهُ الللللْمُ اللللْمُ الللل

قاسم بن عبدالرحمٰن کے باپ سے روایت کی کہ ابن مسعود نے اشعث بن قیس سے ہاتھ غلام فونسے سے کے پھر غلام فونسے کے پھراس نے اس مدینے کو پھراس نے اس مدینے کو منتقب کی مائند بیان کیاا وراس کا بیان کم وبیش ہے۔ دابن ماجہ ترمذی تر ذری نے اس مدینے کو منقبل جایا ہے۔ کیونکر عون نے عبدالٹارکونہیں یا یا۔

مش ح: علام منطابی سفے کہا ہے کہ اس سلامی اہل علم کا اختلاف ہے مالک اورشانعی سے کہا کہ با نع سے تم انعوائی

مبئے گئی۔ اس نے وہ سامان اتن قیمت بہیا تھا۔ اگر وہ قیم کھا سے تو تومشتری سے کہا جائے گا کہ با تو تو ہائع کی قسم کے مطابق قیمت اداکر ورند سم کھا کہ و آفتی ہیں نے یہ سودا اسے ہی خریدا تھا اگر وہ بھی قسم کھا سے تو وہ سودسے سے ہری ہواا ور وہ چیز بائع کو نوٹا دی جائے گی۔ ٹنا فعی نے اتنا اور کہاہے کہ چاہے وہ چیز قائم ہو یا تلف ہو چیکی ہو، یہی صورت اختیار کی جائے گی۔ محمد بن الحسن کا قول بھی ہی ہے۔ شخعی، ٹو دی، اوزاسی، ابومنیفدا ورابو یوسف نے کہا کہ جب مہیع منائع موجا ئے تو بھر قسم سمیت مشتری کے قول کا اعتبار ہوگا۔ مالک سے مشہور تر روایت بھی اس کے مطابق ہے۔ ان کی دسیل یہ صدیث ہے۔ جب خریدار اور فروخت کنندہ میں اختلات ہوجا ئے اور مبیع قائم ہوتو بھر ہا رہے کا قول معتبر ہوگا اور بیع ردّ ہوجا ئے گی۔ اس سے معلوم ہوا کہ جب مبیع قائم رہ ہوتو جماس کے ضلاف ہے۔

بكب في الشّفعة

و و و حسم حَلَّانَتُ اَحْمَلُ بَنُ حَنْبَلِ مَا الشَّمْجِيلُ بُنُ اِبْرَاهِ بُمُ عَنِ ابْنِ جَرِبْجِ عَنْ أِنِي النِّرُبُيُرِعَنْ جَابِرِ قَالَ قَالَ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ مُعَبَيْهِ وَسَلَّوا لللهُ فَعُدُ فِي كُلِّ شِمُ لِحِ دَبُعَةٍ اَوْحَارِ لِلْ لَكُمْ لَحُ اَنْ تَبِيْحَ حَتَّى يُونُونَ شَرِيكَ مَ فَانَ بَاعَ فَهُو آحَق بِهِ كُنْنَى يُؤْذِنَهُ -

حابم دهنی الندعند نے کہا کہ دسول الندعلی الندعلیہ وسلم نے فر ما یا کہ شغعہ ہرمِث ترکہ جا 'داویا باع میں ہیے۔ ایک نشر کیک کو درست نہیں کہ اسے بیچے حبب مک کہا ہیئے نشر کیک کوا طلاع ندد سے، لیس اگروہ بیچ دے تو وہ اس کا زیادہ حق وار ہے حتی کہ وہ اسے اطلاع دے، دمسلم، نسائی

شسرے: اس مدیت بین شرکت کے اندرشفعر کا اثبات ہے اور بیا با علم کا اجماعی مسئلہ ہے۔ اس سے یہ بھی معلوم ہوا شفعہ صرف زین اور مکان وغیرہ میں ہے، حیوا نات ، گھر پلوسا مان اور مال ومتاع میں شفعہ نہیں ۔ شرکت چا ہے نغس میع میں ہویا اس کے حقوق میں مثلاً داستہ ، پانی پینے باگزار نے کاحق ۔

٠١٥٠٠ حَكَّا نَنْكُ اَحْمَكُمْ بَنُ حَنْبَلِ مَا عَنْكَ الرَّنَّ آقِ مَا مَعْمَرُعِنِ (لَّذُهُمِ يَ عَنْ آبِي سَلَمَةُ ابْنِ عَبْدِ الرَّحْمُنِ عَنْ جَابِرِ بْنِ عَبْدِ اللهِ قَالَ إِنْمَا جَعِلَ رَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَسَنَّعُ الشَّفْعَةَ فِي كُلِّ مَالٍ بِعَرْبَةِ سُتُمْ فَإِذَا وَقَعَتُ الْحُمُّ وُكُومُمِ فَت واتُعامِ وَمُ ذَكِرَةً مِنَ

الطوی فلاسفی می استرونی الدیمند نے کہا کہ رسول الٹرصلی اللہ وسلم نے سرزغیمنقولی ال میں شغعاس وقت عامر بن عبداللہ در منی اللہ عند مند کہا کہ رسول اللہ صلی اللہ وسلم نے سرزغیمنقولہ سے گئے تو کوئی شغعر نہیں۔ یک مقرر فرمایا تھا جب تک کہ وہ تقسیم عرب و بہ جب مدودوا قع ہوگئیں اور داستے موڑ سئے گئے تو کوئی شغعر نہیں۔

سرہ رضی الٹری دنے بی صلی اللہ علیہ وسلم سے روایت کی کھر کا ہمسا یہ مہسائے کے تھر یاز بن کا زیادہ حقدار سے در دن^ی نسائی ، تر تری نے اس صدیث کوحس میرے کہا ہے ۔ اس صدیث سے بھی ہمسائے کا حق شفعہ فابت ہوتا ہے ۔

م اصر حَمَّا ثَنَّ آخُمُ الْحُمُ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُن بن عَبْدِ اللهِ قَالَ قَالَ رَسُولُ اللهِ حَمْلَى اللهِ عَلَيْهُ وَسَلَّوا لُجَالُ الْحَقَّ الْمُنْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْهُ مَا وَالْحَالُ اللهِ عَلَيْهُ مَا وَالْحَالُ اللهِ عَلَيْهُ مَا وَالْحَالُ اللهِ عَلَيْهُ مَا وَاحْدًا اللهِ عَلَيْهُ مَا وَاحْدًا اللهِ عَلْمُ اللهِ عَلَيْهُ مَا وَاحْدًا اللهِ عَلَيْهُ مَا وَاحْدًا اللهُ عَلَيْهُ مَا وَاحْدًا اللهِ عَلَيْهُ مَا وَاحْدًا اللهُ اللهُ عَلَيْهُ مَا وَاحْدًا اللهِ عَلَيْهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ الل

جابر بن عبدالندر صی الندعند نے کہا کہ دسول النہ صلی النہ علیہ وسلم نے فرمایا: سمساید اپنے سمسائے سے شفعہ کا زیادہ حقدار ہے ، اس کا انتظار کیا جائے گا اگرچہ وہ غاممب مہو، حب کہ ان کا داستہ ایک مہودت ندی ، نسبا نی ، ابن ماجہ م اسے مدسف حسن غریب کہا۔

بَالْكِ فِي الرِّجُلِ بَهُ لَسُ فِيجِي الرَّجُلُ مَتَاعَهُ بِعَيْنِهِ

د بات کوئ آدمی مفلس بوجائے اور دوسرا مخص ابناسال بعینداس کے باس بائے)

۵۱۵۳- حَكَّا نَثُنَّا عَبْمُ اللهِ بْنُ مَسْلَمَة عَنْ مَالِيْ حَوْالنَّفَيْ لِيَّ نَا ذُهُيُ الْمُعُنى عَنْ يَجْدَى بَنِ سَجِيْدِ عَنْ اَلَى بَكُوبُنِ مُحَتَّمُو بْنِ عَنْ وَبْنِ حَنْ عِنْ عُنْ اللهِ عَنْ اَلْى مُحَتَّمُو بْنِ عَنْ وَبْنِ حَنْ عُمْ وَاللَّهُ مَلْمُ وَاللَّهُ مَنْ عَنْ اللَّهُ مُلْمَا عَنْ وَاللَّهُ مَنْ عَنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مَنْ اللّهُ مَنْ اللَّهُ مُنْ اللَّهُ مُنْ اللَّهُ مُنْ اللَّهُ مُنْ اللّهُ اللَّهُ مُنْ اللَّهُ مُنْ اللَّهُ مَنْ اللَّهُ مُنْ اللَّهُ مَنْ اللَّهُ مُنْ اللّلَا مُنْ اللَّهُ مُنْ اللّ

بیسی علیم ہے۔ ابوہ رکے ہ صنی اللہ عنہ سے دوایت سے کررسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم نے فرمایا : جو آدمی دیوالیہ ہوجائے تو جو آدمی اینا سامان بعینہ یا مے وہ دوسروں سے اس کا زیادہ حقلار سے دبخاری ، مسلم ، متر مذی ، نسیا نی ، ابن ما جری

ہ پا ماں میں بینہ پات وہ دو سروں کے ہیں ہوں سروں ہے۔ اگا ڈیم کٹ الٹر مجبل مَسّاع کہ بینہ ہے۔ اس صدیث کا ایک نفظ قابلِ مؤرسے اور وہ ہے۔ اگا ڈیم کٹ الٹر مجبل مَسّاع کے بینہ ہے۔ اس کامطلب توا عدیشرع کی رُوسے سمج ہیں آتا ہے وہ یہ ہے کہ دیوالیہ بہونے والے نے کسی شخص سے ایک چیزخر دیوا

ئى گرا بى اس كاڭ س برقىبىنى ئى ئىلىدىكى ئىگە باغ كاقبىندەب خىم ئوگيا دردە چىزىمىتە ئى كى قىبىنىدىن كى تونعىنى باقى نەرىم . يېلىدە دە تركى ملك مىس متى اب دە خېتى ماك مىس ئىگى كىس دە ئانىچى كىچىزىجىدىنى ئىمىس سىچە اسى تىلى دا قى نەرىم . يېلىدە دە تركى ملك مىس متى اب دە خېتى ماك مىس ئىگى كىس دە ئانىچى كىچىزىجىدىنى ئىمىسىسىچە داسى تىلى

نکتے کی بنا رہر ابراسی شخصی الد صنیف اور ابن مشبر مدنے کہا کہ جوشف دیوالبہ ہو مباشے اس کی تنام چیز میں قرضنوا ہوں کی بیں کسی ایک شخص کی تنہیں۔ قاضی مشرع خود ما اس کا نمائنکہ ہ قرضنوا ہوں میں وہ چیزیں ان کے قرض کے حساب سے نقیم کرے گا۔ ایک شخص

اسى كوكت بن : أينو لا توكار من يدوها حت ك سفة أئنده مدينون كوبيش نظر ركف -

٧٥١٩ حَكَّاثُكُ عَبُكُ اللهِ بُنُ مَسُلَمَة عَنْ مَالِكِ عَنِ ابْنِ شِهَا بِعَنَ ابِي بَكْرِ بُنِ عَبْدِالدَّرِ حَلْمِن بُنِ الْحَارِثِ ابْنِ هِشَامِ إَنَّ دَسُولَ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْ لُوصَلَّى عَالَ ابْتُكَارَجُلِ بَاعَ مَنَاعًا فَأُ فُلِسَ الَّانِي وَابْنَاعَة وَلَوْرَ يَقْبِضِ النَّهِ يَكُو بَاعَهُ مِنْ ثَنَنِهِ شَيْئًا فَرَجَلَا مَنَاعًا فَأُ فُلِسَ الَّانِي وَهُو اكتَى بِهِ وَانْ مَاتَ الْمُنْتُ تَرِى فَصَاحِبُ الْمَتَّاعِ الْمُونَةُ الْعُرَمَاءِ

ا بو کبرب عبدالر من بن مارث بن مهنام نے کہا کہ جناب رسول التُرصلی التُدعلیہ وسلم نے قرمایا جس آدجی سنے کوئی سا کوئی سامان بچاء مجروہ خرید یدارمفلس دویو الیہ ہوگیا اور با نع نے امبی اینے جن دقیمت ہر قبضہ درکیا تھا اوراس نے ا بناتیا مان بعینہ با یا تو وہ اس کا زیادہ مقدادسہ اوراگر مشتری مرگیا نوصا حب متاع ربائے بھی دو سرسے قرضخاہوں کی ما نند سے دیرہ دیف مرسل سے کیونکہ تا بھی دسول الشرصل الشرصل الشرطلہ وسلم سے روا بہت کر رہا ہے)

مطابق کی ہے ، مالک نے کہا کہ اگر با گئے نے اسے سامان کی کچھ قیست سے اور انہوں نے پہلی مدیث کی نشرے اس مدیث کے مطابق کی ہے ، مطابق کی ہے ہوئے سامان کی کھی قیست بیں وہ بھی دوسرسے قرصنی اس مند ہے ۔ اگر با گئے نے سامان کی قیمت با مکل نہ لی بھی تو وہ اپنے بیے ہوئے سامان کی قیمت با مکل نہ لی بھی تو وہ اپنے بیے ہوئے سامان کی قیمت با مکل نہ لی بھی تو وہ اپنے بیے ہوئے سامان کی قیمت با مکل نہ لی بھی تو وہ اپنے بیے ہوئے سامان کی قیمت با مکل نہ لی بھی تو وہ اپنے بیے ہوئے سامان کی قیمت با مکل نہ لی بھی تو وہ اپنے بیے ہوئے سامان کی قیمت با مکل نہ لی بھی تو وہ اپنے بیے ہوئے سامان کی قیمت با مکل نہ لی بھی تو وہ اپنے بیے ہوئے سامان کی ہوئے اسے بھی سے مسامان کی ہوئے اسے میں اس سے میں سے

عُاهُم - كُتُكُانُكُ مُحَمَّدُهُ بَنُ عَوْدِ نَا عَبُدُه اللهِ بَنُ عَبْدِالْ الْجَبَارِيَةِ فِي الْخَبَائِرِيَ فَا الْجَبَارِيَةِ فِي الْخَبَائِرِيَ فَا الْجَبَارِيَةِ فِي الْخَبَائِرِي فَا الدَّهُ مِن الدَّهُ مَن اللهُ عَلَى اللهُ مَن اللهُ عَلَى اللهُ مَن اللهُ اللهُ مَن اللهُ مُن اللهُ مَن اللهُ مَن اللهُ مَن اللهُ مَن اللهُ مَن اللهُ مِن اللهُ مِن اللهُ مِن اللهُ مِن اللهُ مِن اللهُ مِن اللهُ مَن اللهُ مِن اللهُ مَن اللهُ مِن اللهُ مُن اللهُ مِن اللهُ مِن اللهُ مِن اللهُ مِن اللهُ مِن اللهُ مِن ال

بِعَيْنِهِ إِقْتَصَىٰ مِنْهُ شَيْكًا أَوْكُو يُقْتَضِ فَهُوَ أُسُونَا إِلْفُرَمَاءِ-

اس دوایت می ابو کمرب عبدالرحل حبناب ابوبریره سے دوایت کرتے ہیں اور وہ درسول الدّ صلی الله علیہ ولم سے اور پی کی مدیث کی مانند اس بی سبے کہ اگر مشتری نے اس چیزی کچرقیمت با نع کو د سے دی بھی تو بعید بس وہ بھی باتی قرصنوا ہوں کی مانند سبے۔ اور جو آدمی مرکبیا وراس سکے پاس کسی شخص کا سا مال بعیب موجود سبے ہنواہ وہ اس کی کچرقیمت اوا کے تقیمت اوا کے تقیمت اور کا کھی باید کی مانند سبے۔ اور جو آدمی مرکبیا وراس سکے پاس کسی شخص کا سا مال بعیب موجود سبے ہنواہ وہ اس کی کچرقیمت اور کی تقیمت اور کی تقیمت اور کے تقیمت اور کی مدتوں میں مدتوں میں مدتوں میں مدتوں میں مدتوں میں مدتوں میں میں مدتوں میں مدتوں میں مدتوں میں مدتوں میں مدتوں میں مدتوں میں میں مدتوں مدتوں میں مدتوں مدتوں میں مدتوں میں مدتوں میں مدتوں میں مدتوں مدتوں میں مدتوں مدتوں میں مدتوں میں مدتوں میں مدتوں میں مدتوں میں مدتوں میں مدتوں مدتوں میں مدتوں مدتوں میں مدتوں مدتوں میں مدتوں میں مدتوں میں مدتوں مدتوں میں مدتوں میں مدتوں مدتوں میں مدتوں میں مدتوں میں مدتوں میں مدتوں میں مدتوں میں مدتوں مدتوں مدتوں میں مدتوں میں مدتوں مدتو

تقی، نیس وه با نُع بمی عام قرض خوام دوں کی مانندستے _ر

شرح: اس روا بیت سنے معلوم مواکرا وپر کی حدیث کی سند میں جس صحابی کا نام مچھوٹ گیا ہے وہ یہی ابو ہر ہر وہ روشی الٹرعند ہیں - اوپر بتا یا جا چکا سے کہ امام مالک نے اس با ب کی ہیلی حدیث کو بھی اسی حدیث پر حمول کیا ہے ۔ نشرح اس کی اوپر گذری شافعی سنے پہلی حدیث کو ترجع دی اور کہا کہ بائع سنے کچھ قیمت لی ہویا نہ لی ہو بہر صورت وہ اس چیز کا زیادہ حقلار ہے جو اس سنے مفکس کے باتھ بھی تھی۔

مره مريح من المنكان الله المنكان الكور ال

عمین فکدہ نے کہاکہ ہم ابوم رمیہ ورخی الشرعتہ کے پاس ا بنے ایک سائعی کے بارے میں آسے جو دیوالیہ ہم کی تفاقو اس نے کہاکہ میں تم میں رکول الشرصل الشرعلیہ وسلم کے نیصلے کے مطابق فیصلہ کروں گا پوشی مفلس دویوالیہ ہوگیا یامرگسیا، پس کسی خفس نے اینا سامان بعیبنہ یا لیا تو وہ اس کا زیاد ہ حقال سے دابن ماجہ

نش سے: ابو ہر ہے، دمی الٹریخنہ کا یہ نبصلہ ان کی گزشتہ روایت کے تمالا ن ہے کہ: وہ دیگر قرض نواہوں کی ما نندہے دمدیث اسے معرف ہے۔ ابو ہر ہے، وہ دیگر قرض نواہوں کی ما نندہے دمدیث اس سے بہر دوصورت کے احکام مختلف گذر سے ہیں مگر اس روایت میں جو دراصل ابو ہر ہر ہ کا فیصلہ ہے ان دونوں صورتوں کو ایک ہی حکم میں جمع کیا گیا ہے۔ اوپر گذر دیکا ہے کہ ہوتا م ہوجا نے کی صورت میں مبیع بائع کی نہیں رمتی بلکم شتری کی ہوجاتی ہے۔ تمام دلائل شریحا و داحکام کتا ہ و صنت کا یہ تمام تعام میں خوجہ ہوسکتی ہے کہ وہ چیز تقاضاء سے دلائل شریحا و داحکام کتا ہ و صنت کا یہ اس وقت تک مشتری کے قبضہ میں نرگئی ہو بلکہ بائع کے قبضہ میں ہو۔ ظاہر ہے کہ اس صورت میں و بھی اس کا مالک ہوگا .

يَّا يَكِي فِي مَنْ أَحْبِي حَسِيْرًا

رَبِهِ عَنَى اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى الله

عامر شعبی نے بیان کیا کہ رسول الٹرصلی الشدعلیہ وسلم نے فرمایا ہجس نے کوئی جانوریا یا جس سے مالک اس سے عاجز ڈ ہو گئے تھے کہ اسے چالادیں، چرانہوں نے اسے آزاد کر دیا تھا ، ہیں اس شخس نے اسے پھٹاا ورا سے از مرنو زندہ کیا تو وہ اس کا ہے ۔ عبیدا نیٹر سے سوال پر شعبی نے کہا کہ اس سے مدین سے داوی نبی صلی الٹہ علیہ وسلم سے کئی اصحاب ہیں ۔ ابو دا و دنے کہا کہ ہر حماد کی دوایت ہے اور ہر واضح مترا در کا مل ترہیے ۔

شرح : شبی جیئل القدرتا بعی سے اور وُہ کہتا ہے کہ یہ حدیث نبی صلی الشرعلیہ وسلم کے کئی اصحاب سے مروی ہے ۔ ا ورا صول میں یہ بات مسلّم ہے کہ صحابی کا مُبہم ہونا معذ نہیں، پس یہ حدیث مسند ہے . تعجب سے کہ خطابی نے اسے مُرسل کہا ہے ۔ رہ گیا حدیث کا مضہون ، مووہ واضح ہے اگر عظے ما تد سے بوط سے بیما رجانود کے ما لک سنے اسے عوام کے سامے مباح کر دیا اورائی ملک سے نکا لئے کا علان کر دیا تھاتی بھر جو بھی اسے سے جائے گاوہ اسی کا ہوگا ۔ اس مورت میں دوسرے کی ملک بھیلے مالک کی رضا مندی اورا با حت کے سبب سے ہے ۔

٣٥٦٠ - كَلُّ ثُكُنُا مُحَمَّدُهُ بُنُ عُبَيْدٍ عَنُ حَمَّادٍ يَغْنِي ابْنُ ذَيْدٍ عَنْ خَالِدِ الْحَدَّاءِ عَنُ عَلِيهِ الْحَدَّاءِ عَنْ عَبِي اللَّهَ عَنِي اللَّهُ عَنِي اللَّهُ عَنِي اللَّهُ عَنِي اللَّهُ عَبِي يَدُ فَعُ الْحَدِالِيتَ إِلَى التَّبِي عَنِ الشَّغِيقِ يَدُ فَعُ الْحَدِالِيتَ إِلَى التَّبِي

صَلَّى اللهُ عَكَيْهِ وَسَلَّوَا نَّهُ قَالَ مَنْ نَرَكَ دَا تَتَهُ بِمَهْلِكٍ فَآخَيَا هَا دَجُلَّ فَرِي لِمَنْ

أخياها.

۔ دو مری سند کے ساتہ شعبی اس حدیث کو نبی صلی التٰہ علیہ وسلم کی طرف مرفوع کر تا سے کہ حضورصلی التٰہ علیہ وسلم تے فر ما یا : حب نے کسی جانود کو مرسنے سکے لئے چھوڑ دیاا ورکسی آ دمی نے اسے زندہ کر لیا کمر سنے والے کا سبے دمرنے کے لئے چھوڑ دیا یعنی مثلاً جنگل وعیرہ میں جبو ڈ دیا کہ بے دلک اسے درندے کھا جائمیں)

بَاسِكِ فِي الرَّهُنِ

درهن كاباب،

٣٥٢١ حَتَّ ثَنَا هَنَّا كُعَنِ أَبِ الْمُبَاثَ لَوْ عَنْ مَكْرِتَهَا عَنِ الشَّعْبِي عَنُ اَبِي هُمُ أَيَّةً عَنِ النَّبِيّ صَلَى اللهُ عَكِيْ هِ وَمَسَتَعَ فَالَ لَ بَنُ التَّارِّ بُهُ حَلَبُ بِنَفَقَتِ مِ إِذَا كَانَ مَرُهُونَا وَعَلَى النَّارِ بُهُ حَلَبُ بِنَفَقَتِ مِ إِذَا كَانَ مَرُهُونَا وَعَلَى النَّا فَي يَحْلِبُ وَيُوكَبُ النَّفَقَةُ قَالَ وَالتَّطُهُرُ ثُورُكُ إِنَّ النَّفَقَةُ قَالَ الْمُورُدُودُ هُوعِ نُدُا ذَا كَانَ مَرُهُونَا وَعَلَى النَّانِ مُ يَحُلِبُ وَيُوكَبُ النَّفَقَةُ قَالَ الْمُؤْدُدُ وَدُو هُوعِ نُدُا ذَا كَانَ مَعْمَدٍ اللَّهُ اللهُ اللَّهُ الْمُؤْدُنُ اللهُ اللَّهُ اللهُ اللَّهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ الل

ا بوبر برہ وحنی الشعنہ سے روایت ہے کہ نبی صلی الشرعلیہ وسلم نے فر ما یا: شیردار جانور حب رصن میں ہوتواس کا دوھ اس کے خربے کے عوض میں روم جاتا ہے اور سواری حبب رصن میں ہوتو اس سے فربے کے عومن اس برسوار ہواجا تاہے، اور چودود دھ دوسے یا سواری کمرے اس کے ذمہ خرج سے ربخاری، تر مذی ، ابن ما جہ) ابودا وُ دنے کہا کمہ سرما، سرنز دیکہ صحبہ سر

DOTODO CO CONTRACTOR DO CONTRA

پشر ہے: ظاہر حدیث سے توہی معلوم ہوتا ہے کہ دو دھ دو ھنے اورسوا ری کرنے کی اجا زیت مرتبن اربہن مرق ر کھنے وا لیے کو دی گئی ہے ند کراھن درھن کرنے والیے) کو-علا مرخطابی اورپٹو کانی نے اس حد کیے کو جمل قرار دیائے یعنیان کے بقول اس سے بہنہ یں ہوتا کہ مربون جانور برخرج کرنے والا اور اِس کے دودھ اورسواسی سے فائدہ اٹھانوالا کون ہوگا ؟ شافعی کے نزد مک خرج بھی امعن کا ہوگا اور نفع بھی وہی یا ئے گا۔ مگرا مام شافعی رحمتہ استرعلیہ نے اسک صورت نہیں تائی کریرکیو مکر ہوگا اسر ہون جانور یا چیز تومر مہن کے قبضے میں سیے اور فرض کروگروہ راس سے مثلاً دس ار میل کے فاصلے بررم تا سے تورام ن خرج کیونکر کم سے گا اور دودھ اور سواری کا تقع کیوں کر اٹھائے گا ؟ احمد بی ضبل ور اسحاق کا خدمب یہ ہے کہ مرتبن می ترج کرے گا وروہی نفع انفلٹے گا ورہی ظاہر حدیث ہے۔ ابو تو رہے کہا کہ اگر را من اخراجات ادا کرتا سے تو نفع کا حق اسی کوسے ورزمر تہن کو- دیگر روا یات بھی اسی کی تائید کرتی میں اس کی مگرط صرف يربيه كم مرتهن كانتقاع اس كے لئے بہوئے خرچ سے زيادہ ند ہونا چاہيئے ۔ الك اجازت دسے يا نذو سے مرتهن جتنا خرج كرتا ہے اتنا نفخ الحاسكتا ہے زیادہ نہیں شعبی ابن سیری ، احمد ؛ اسحاق اور لیٹ وغیریم كابپی ندم بسیع ۔ الوضيف، ثنا فعي ، مالك اورجمهورعلماء أس كے خلاف ير كہتے ہيں كرم تقن مربحون شنے سے كوئي فائد و نهيں الله سکتار فوائد بھی راہن کے سئے میں اور خرج بھی اسی بہ سے ان علماء کے نز دیک بہ صدیث دوسبب سے خلافِ قیاس وإقع بوئى سے ايك تويدكم اس ميں بظاہر ما ككى اجازت كے بغيرسى اور كوسوارى كرنے اورد و دھ بينے كى اجازت دی گئی ہے۔ دوبراسبب پرہے کرمرتہن کو قیمت کے ساتھ منامن بنایا گیا بلکہ نفقہ کے ساتھ بنا پاگیا سے جو جہول ہے۔ حافظابی البرنے کہا کیے کہ شریعیت کے ثابت مثارہ اصول وقواعلاور ہتنا راس صدیث کے خلاف ہمیں ، بخاری میں اب عریضیالٹیوندگی روایت میں ہے کہ، مالک کےاذن کے بغیرکو نئ کمری دوہی نہیں جاسکتی ۔پرمدیث ولائت کرتی سے کہ دین والی زیر بجٹ حدیث منسوخ نے می وظا بن حجرنے فتح الباری میں کہاہے کہ امام طحاوی نے اس حدیث کا حواب بیر دیا سیم كريد تحريم رباس يهلى بيد يجب ربواكو حرام كياكي تواس كسب صور مين حرام بو مئي .

ionence de concentration de la concentration d

یہ مدیث برل المجہود کے ماشئے پر درج سے مگرسن ابی داؤر کے حمصی سننے کے متن میں سے رترجہ حضرت عمر بن الخطاب دصی الشعند سے کہاکہ نبی صلی الشعلیہ وسلم نے فرایا اللہ کے بندوں میں سے کھر انسان السبے بھی میں جونبی ہا تھید نہیں مگر قدیا مت کے دن اللہ تعالی کے ہاں ان کے درجے بر نبی اور شہید رشک کریں گے۔ لوگوں نے کہا ۔ یا رسول اللہ آپ بنائیں گے کہ وہ کون ہوگئی جون وصلی الشعلیہ وسلم نے فرایا کہ وہ ایک البی قوم سے جنہوں نے تو نی رشتوں کے بغیر اور آپس بی میں اس کے لیے دین کے بیرے منور ہو نگے بغیر اور آپس بی میں اللہ کی رہت کے سبب وسے باہم عبت کی ، سووالعثوان کے چہرے منور ہو نگے اور ان پر نور چھایا ہوا ہو گا ہوں کو تو وہ نہ ڈریں گے اور جب لوگوں کو عمر ہوگا تو انہیں نہیں بہوگا اور آپ نے سے باہم میں بنوں گے۔

"" براس براسی بسنو! الشد کے دوستوں برکوئی خوف دیہوگا اور دروہ نمگین ہوں گے۔
سٹر سے بر بیرین بہت سے نسخوں میں نہیں سبے اور بروہ گورایت سے نہیں بلکہ ابن داسہ کی دوایت سے ہے۔

مش سے : یرصدیث بہت سے نسخول ہیں نہیں سہا ورب ہو گئی کی دوا یت سے نہیں بلکہ ابن داسہ کی دوا یت سے ہے۔ منذری کے نسخ ہیں یہ موجو دھی اورانہوں نے اس بہر اکھا ہے : یہ صدیث الواب رم ن سے متعلق نہیں ہے پٹیا یا اوراؤد نے اسے بائم تعاون ونصرت اور متا جوں کی مدد کی ترغیب کی فاطرا سے یماں بہد درج کر دیا ہے۔ والٹراعلم ۔

يَا فِي الرَّجِلِ يَا كُلُ مِنْ مَالِ وَلَيهِ

داولاد کامال کھانے کا بارفی

عماده بن عمری تمبولی نیوهری نیزهرت مانشدرضی التَّدیمنها سے بہ جیا: میری گود میں ربینی میرے ہاں)
ایک تیم ہے کی میں اس کے ال میں سے کھا ڈر ہو معنرت مانشہ نے فرما یا کہ: رسول الشرصلی الشرعلیہ وسلم نے فرمایا ہسے سے بائیزہ مال وہ ہے جو آدمی اپنی کمائی سے کھائے ، اوراس کی اولاد بھی اس کی کمائی میں سے سے در ندی نسائی ابن ما جری فنس سے بحسب صرورت والد بن کا نفقہ اولاد کے ذمرہے ۔ جب وہ فتا جہوں نواولاد کے افل کے سیکتے ہیں خطابی نے کہا ہے کہ فقہا میں سے کسی کا اس میں اختلاف نہ ہیں مگرامام شافعی رحمتہ الشرعلیہ نے اس میں کمائی کے لئے دمرہ ان فر بہون نواولاد کے دائم اللہ میں کہ اولاد کے ذمرہ اللہ میں مذکور ہیں ۔

مُ ٢٥٠٠ حَكَمُ اللَّهِ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّلَّا الللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ ال

فَالاَنَامُ حَمَّدُ مُن جَعْفَرِعَن شَعْبَةَ عَنِ الْحَكَمِرِعَنْ عُمَامَ فَأَبْنِ عُمَيْرِ عَن أُمِّه

عَنُ عَالِمُثَةَ عَنِ النَّبِي صَلَّى اللهُ عَلَيْهُ وَسَنَّحُ اتَّهُ فَالْ وَلَكُوا الرَّحْجِلِ مِن كَسْبِهُ وَمِنْ الْطِيَبِ كَشِيهِ وَفَكُلُوا مِنَ امْوَالِهِ مُوفَالُ ابُوداؤدَ حَمَّادُ بُنَ اَ فِي سُلِمُانَ وَاحْزِيب إِذَا انْ حَتَجْ تَكُوهُ وَهُنَ كُرُ

ا کے اور اور مار کا بھور کے دور کے انداز میں الٹری کا انداز کی کہ میں اور اور کی کہ میں اور کی کہ میں اور کے ک مورا یا باتو میں کی اور دانس کی کمائی میں سے ہے ، اس کی باکیزہ ترین کمائی میں سے ، نسب تم ان کے مال کھاؤ دنسا تی) ابو داؤر سنے کو مرکز کر دور اور اور کا کہ میں میں میں میں میں کا میں میں اور اور کا کہ میں اور کا کہ میں اور کا کہ میں اور کا

کہاکہ تھا دین ابی سیمان نے اس پی براضا فرکیا؛ حب تہ ہیں ضرورت ہو۔اوریہ اضافہ نمنکرسے ۔ تغسر سے : مولانا نے قرمایا کہ ابوداؤد کا پر قول نہ یادتی ہم بہن سپے کیونکراصو لِ صدیث کی روسے تھ راوی کا اضافہ مقبول سے تھ کی مخالفت اگر ضعیف راوی کر سے تو وہ منکر سپے اور تھ راوی جب اپنے سے تھر تھی مخالفت کر سے تواس کا اضافہ شاؤ ہوتا ہے ، زیر بحث حدیث میں ان دونوں با توں میں سے کوئی بھی نہیں۔ ابن ابی سلیمان تقریبے ، مجت ہے ،میزان سپے اور امام حق ہے ۔ شعبہ سے علاوہ اس میں کسی نے کلام نہیں کیا اور وہ بھی صون صدیبٹ شفعۃ الجار کے باعث؛ اور اس کی روایت دیگر صحاح سے عین مطابق ہے ،مثلاً گزشت نہ روایت ۔

٣٩٢٧ - كُلُّا ثُكُ الْمُحَمَّدُ أَنُي الْمِنْهَالِ مَا يَزِيْدُ أَنُ ثُمَّ أَيْعِ حَمَّاتُ عَبَيْبُ الْمُحَلِمُ عَنْ عَمْرِو بْنِ شُعِيْب عَنْ إَبِيْهِ عَنْ جَلِامُ اَنَّ رَجُلًا أَنَى النَّبِيَّ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوْ فَقَالَ بَارَسُولَ اللهِ إِنَّ إِنْ مَا لَا وَوَلَدَ مَا وَإِنَّ وَالِيامُ بَهُ فَتَاجُ مَا لَى فَالَ اَنْتُ وَمَا لُكَ نِوَالِيا لِهُ إِنَّ أَوْلِكَ كُومِنَ الْطِيبِ كَسْكُو وَكُلُوا مِنْ كَسُبِ اَوْلادِكُمُ وَمِنْ الْمُ

مشرح: اس مدیب میں بُختاج م کالفظ ہے ۔ شائد خطابی کے نسخے ہیں بھتائے کا نفظ تھا، جس کامعنیٰ ہے ، وہ میرامال ساما جھیں لیتا ہے ۔ خطابی نے یہ جو کہا ہے کہ کسی فقیہ کا یہ خرب نہیں وہ اسی نفظ کی بنا، پر ہے ور مرحسب ضرورت اولا و کے مال میں سے خرج کرنے پرتمام علماء کا اجماع ہے ۔

بان في الرَّجْلِ بَجِدُ عَبْنَ مَالِهِ عِنْدَا رُجُلِ

ویاب بھوآومی اینااصل مال کی آومی کے پاس بائے

<u>CARRECT CORRECTOR (CORRECTOR CORRECTOR CORREC</u>

سنن بی دا و د حبار حیبارم

بَاكِ فِي الرَّجْلِ يَاجُنُ كُفَّةُ مِنْ تَحْتِ بَيْدِةِ

الياك ادى البير قيصني سايناسق وصول كرس

٣٥٢٨ . كَحَلَّا ثَمْنَا اَحْمَدُهُ مُن مُن مُن مُن اَلْهُ هُنَكُرْنَا هِ شَاعُ مُن مُعُرُولَ عُن عُرُولَا عَنْ عَائِشَتُهُ اَنَّ هِنْ الْاَمْرَ مُعَاوِبَهَ كَاءُتُ رَسُولَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَكَبُ لِوصَلَّى وَلَا تَعْ التُ إِنَّ اَبَا سُفَيَانَ رَجُلَ شَجِينَةٌ وَإِنَّهُ لَا يُعْطِينِي مَا يَكُونِينِي وَبَنِي فَهَلَ عَلَى مَنْ جُنَاجِ اَنْ الْخُذَهِ مِنْ مَالِدِ شَيْئًا قَالَ خُنِهِ يُعَايِكُونِي وَبَنِيْ يَكِ بِالْمَعْدُونِ .

حعنرت هانشدرضی النّدعنها ننے فر مایا که معاوید رضی النّدعند کی ماں تنبّد رسول النّدصلی النّدعلیہ وسلم کے پاس آئی اور کہنے مگی کہ الج سفیان ایک بخیل آدئی سیم اور وہ مجھے اور میری اولادکوکا فی خرچ نہیں دیتا ، توکیا اگریں اس سے مال میں سے مجھے لے اور توکیا مجہ بہاس کا کوئی گناہ سیم بعن ورضلی النّدعلیہ وسلم نے فرمایا: معروف طریقے سے جنن تیرسے اور تیری اولاد کے لئے

كافى بو اتناف لياكرور بخارى مسلم ابن ماجي

مَعُرُولَا عَنُ عَالِمُنْ الْمُنْ اللّهُ عَنُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْهُ عَلَى اللّهُ عَلْهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ الللّهُ الللّهُ الللّهُ

حضرت عالنشەرصنى الندعنهانے فرما ياكە من آرنى كرم صلى الندعليه وسلم كے پاس آئى اوركها: بارسول الند! ابوسفيان الک محسك اومی سیع توكيا اکس كی اجازت کے بنبرميرسے اس كی اولاد پرخرچ كرنے ميں كوئ محرج اگنا ہے ہے ، بس نب صلى الند عليہ وسلم نے فرمايا: تجربركوئي محرج نہيں كہ تو معروف كے سائف خرچ كرسے رسجارى سلم انسانى

مَّهُ اللَّهُ الْمُكُلِّ الْمُوكَامِلُ الْكَلِّ فَالْكَنْ الْكَانُ الْكَانُ الْكَانُ الْكَانُ الْكَانُ الْكَانُ الْكَلِّ الْكَانُ الْكَلِّ الْكَانُ الْكَلِّ الْكَلِّ الْكَلِّ الْكَلِّ الْكَلِي الْكَانُ الْكَلِّ الْكَلِي اللَّهُ الْمَلِي اللَّهُ الْمَلِي اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللللْمُ اللَّهُ اللللْمُ اللَّهُ الللْمُ اللَّهُ الللْمُ اللللْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللْمُل

یوسعت بن ما حک کی نے کہاکٹرٹنلاں شخص کے سلٹے بتیموں کا نفقہ لکھتا تھا جن کا یہ ولی تھا، پس انہوں نے اسے ایک ہز ہزار درم کا مغا لطردیا اورائس نے وہ انہیں اوا کر دسیٹے۔ پھر پس نے ان کے مال میں سے اسسے دگری پا یا ہوسعت نے کہا کہ میں نے کہا : تیر اسچو ہزامر دوم سے کھٹے مقے کیا وہ میں وصو ل کر لوں ؟ اس نے کہا کہ نہیں۔ میرے باپ نے فجہ سے بیان کیا کہ اس نے دسول الٹرصلی انڈ علیہ وسلم کوفر ماتے دشنا تھا : جس نے تجھے اما نت دی وہ ایا نت اس کوا دا کر اور جب تجھے سے خیا مانت دی وہ ایا نت اس کوا دا کر اور جب تجھے سے خیا نت کم رہے تو اُس سے خیا نت در مور اس کی مندیس ایک جہول لاوی ہے ،

نش ح: یعنی اگرکوئی تجرسے برریا نتی کرے تو تو مجواب میں اس کے ساتھ بددیا فتی مت کہ یہ تبکدی روایت ہی خیانت آ کے بدیے خیا منت نہیں بلک کسی کے مال میں سے بددیا فتی کے بغیرا بنا جا گڑھی وصول کرنا ہے ، اپڑا ان دونوں مدینوں میں اختلاف نہیں ہے ۔ یہ حدیث ففائل کے باب سے ہے ، ور داگر کوئی بطور بدلہ و فصاص خاس کے ساتھ آ خیانت کرسے تو وہ : جُزّا عمسیّد نئر: سُیٹ کُٹ مُشلکا میں واضل ہوگی ۔

أسم على المُعَلَّمُ مُن الْعَلَاءِ وَآحُمَدُ اللهُ الْعَلَاءِ وَآحُمَدُ اللهُ الْمُرَاهِ الْمُرَاعِلُ اللهُ اللهُ

عَنْ شَرُيكٍ قَالَ ابُنُ الْعَلَاءِ وَفَيْنُ عَنْ آبِي حُصَيْنِ عَنْ إِنْ صَالِحٍ عَنْ أَبِي هُ رَبُيرَةُ قَالَ فَالَ مَسُولُ اللهِ صَلَّى اللَّهُ عُلَيْهِ وَسَلَّوَ آدِّ الْأَمَّا نَهُ ۖ [كُ مُنِ ائْتَىنَكُ وَلَاتَخُنْ مَنْ كَانَكُ -

ابو ہریے ہ رصی النٹرعند نے کہاکہ رسول النٹوسلی النٹرعلید وسلم نے فروایا: بچو بچھے امانت دسے اس کی امانت اداکم اور چو تنجھ سسے خیانت کرسے اس سسے خیانت نزکر دنز مذی

بَاسِكِ فِي فَبُولِ الْهِكَالِيَا

رىدسى قبول كرسن كايات،

٣٥٣٢. حَكَّا تُنَاعَلِقُ بُنُ بَحِرَوَعَهُ كُالتَرَجُبُو بَنُ مُطَرِّفٍ الرَّوَ اسِتَّى قَالَا نَاعِبْسُمُ إِ هُوَابُنُ يُونِثُنُ بُنِ إَنِي إِسْحَاقَ السُّبَيْعِيُّ عَنْ هِشَامِرْ بِنِ عُرُوةٌ عَنْ أَبِيْهِ عَن عَايِّنَا ۚ أَنَّ النَّبِي صَهِ لَى اللهُ عَلِيْ وَسَلَّمَ كَانَ يَقْبَلُ الْهَدِاتَيةَ وَكُيْنِيْ عَلَيْهَا ر عضرت عائشهُ رضى النّرع نبيها سے مدوايت سبے كه نبي صلى النّه عليه وسلم بدّية قبول فريّا ستے اور اس كى جندا، د ستے تنفے انجاری ہتر مذی م

شرح: حضورصلى التذعليه والمسفى ايك مديرت مي بدي كو باعث محبت فراروياب : كها دُوا تَعَالِدُوا يهلى تقديب لتا بور میں نئی آخرالنرمان کی علا مات میں سے میرہی ایک علا مت مکھی ہے کہوہ مدّمیر قبور کرمیں گے اور صدفتر نہاں گ بدر برحش خلق ،حسُن معاشرت اور کرم کے با ب سے تعلق رکھتا ہے۔ اس سے دلوں میں الفت وریگا کگت برا ہوتی ب دبشرطئكه صوت مخلصا نَه مديد بهو، ريثوت دبهوعس سك سابقه اعزا عن نفسانی وا بسته بوتی بس) و و حصنور صلى الله علیہ *وسلم بدیسنٹے کی جُز*ا، دیستے سفتے ناکر آپ برکسی کا احسان ں ریسے۔ اس سے بروسے مذریث الجر مکرصد لق منٹنی ٣٥٣٣- كُتُّانُنُ كُحُتُكُ بُنُ عَنِي والدَّازِيُّ نَا سَكَمَتُ يَغِنِي ابْنَ الْفَصْلِ حَتَّاتَنِيُ مُحَمَّدُكُ بُنُ إِسُحَاقَ عَنْ سَعِيدِ إَبْنِ إِنْ سَعِيدِ إِلْمَقْبُرِي عَنْ رَبِيهِ عَنْ إِنْ هُمَ بَرِنْ فَالَ قَالَ رَسُولُ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَـتَوَوَا يُحْرِاللَّهِ لَا ٱفْبَلَّ بَعْنَا يَوْمِي هٰذَا مِنَ اَحَدِ هَمِ بَيَّةٌ إِلَّا اَنْ يَكُونُ مُهَا جِرِتْ إِفْرَشِيَّا أَوْ اَنْصَارِيًّا اَوْدَوْسِيًّا اَوْتَقَفِيّاء

ابو ہر میدہ دھنی الشرعند نے کہاکہ دیسول الشہالی الم علیہ وسلم سنے فرمایا بنعدائی قسم آج کے دن کے بعد میں کسی کا مدريقبول مذكرون كاسوا سطاس كيجوقرمين مهاجرو وبانصاري موبادوسي موياتقفي موددت فدي مشرح: مندا محدیں سے کہ ایک اعرابی نے حدنو رصلی اللہ اللہ وسلم کو ایک جوان او مٹنی بطور ہریہ دی ، آپ نے اسے چرا ونٹلنیاں دیں مگر وہ نوش ہز ہواتو حدنورنے ممدو فرنا ہے بعد وشطبے میں ، یدالفاظ فر ماسے جو زیر نظر حد میٹ میں ہیں۔ مقصد رہنقا کہ مدیئے سے مقصود توخلوص قلب اور اکرام سے ، جب کو ٹی اس سے خالی ہونواس کا ہدیہ قبول کرنے سے کیا حاصل ج اس سے یہ معلوم ہواکر کسی عارض کی بناء ہر قبولیت ہدیہ سے انکا دکر نا جائز سے ۔

> باسكُ الرَّجُوعِ فِي الْهِبَاتِي ربيه بيريوع وابثي

٣٥٣٠ حَكَّ تَكُ مُسُلِوُ بُنُ إِبَرَ هِيُعَرَنَا اَ بَانَ وَهَمَّا هُ وَشُعْبَةٌ قَالُوانَا قَتَادَةٌ عَنُ مَر

هِبَيْهِ كَالْعَائِدِ فِي قَيْتُهِ قَالَ هَمَّا هُرُوقًا لَ قَتَادَةُ لَا نَعْكُواْلُقَى إِلَّا حَرَاهًا ـ

اب عباس دمنی التدعین سے روایت ہے کہ نمی صلی التُدملہ روسکم نے فرمایا: مہر کو والیس لینے والداس طرح ہے جس طرح کہ فے کہ کے کھاجانے والا بخاری مسلم، نسائی ابن ما ہیں۔ قتادہ کا قول ہے کہ ہم سقے کو حرام ہی جائے ہم نشس سے :اپنی شقے چاہلے لینا صوب کئے کا فعل ہے جدیبا کہ دوسری احاد بیٹ میں ہم تا ہے ۔ حدیث سے مراد یہ ہے کہ مہر کو واپس کے لیننے کی قباحت میون کی جائے ۔ان الفاظ سے اس فعل کی تقییح وتشنیع ظاہر کرنا مقصود ہے ۔انکی حایث معرب دال کا اس میں اس میں

۵۳۵۳ مَكُلُّ نُكُ مُسَلَّا هُ نَا يَذِبْ يُهُ يَعُنِى ابْنَ ذُمَ يُعِ نَا حُسَبُنَ الْمُعَلِّومُ عَنَى عَبُراوبُنِ شَعِيْدِ عَنَ كُلُومِ مَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَتَّوَ عَلَى اللهُ عَنَى طَاوْسِ عَنِ النَّبِي صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَتَّوَ قَالَ لَا يَجِلُ اللهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ وَسَتَّوَ قَالَ لَا يَجِلُ لِرَجُلِ اَنْ يُعِلَى عَطِيتَ الْوَيَعَ بَا حَبُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ

ان عراودابن عباس رضی الدیمنهای روایت بے کمنی صلی الشعبلیہ وسلم سنے فرمایا بسی شخص کے لئے صلال نہیں کہ کو نی عظیہ دے یا کو نی مبہ کرے اور بھراُسے والیں سنے ہے سوائے باپ کے جو وہ اپنے بیطے کوعطا ،کراہے اور چھرائے ہے اور چھرائے کہ وہ کھا تا ہے حالے کہ جب سیر بھوجائے تو ہے کرتا ہے اور چھراسے جا طید دسے کروائیں لیتا ہے اس کی مثال کتے تک ہے کہ وہ کھا تا ہے حالے لیتا ہے دمتہ مذمی نسانی ،ابن ما جہ ہم راد نہیں ہوتی بلکہ بہاں اس سے مراد کراہت کی تعلیع ہے کہ وہ کہ سے میں مراد کہ است کی تعلیع ہے کہوں کہ

و شر سے بطیاوی کے کہالہ کا مجل کے لفظ کے لارنا تحریم ہی مراد نہیں ہوئی بلکہ یہاں اس کے مراد مرامت کی تعلید کے بیونکہ کنتے کے قبط عبانے کی جو مثال دی گئی ہے اس سے واضح ہوتا ہے کہ اس سے مراد شرعی تحریم نہیں کیو نکہ کئے پریشرعًا کوئی چیرحرام نہیں ۔مراداس سے بیہ کے کتوں جیسے فعل سے بچن ضروری ہے۔ ایک صدیت ہیں ہے کہ: ہمبر کمر نے والا ا پنے ہیں کا زیادہ ستی ہے جب تک کراُ سے بدلہ نہ دیا جائے۔ باب کو حوم بہ ہیں د جوع کیا جازت دی گئی ہے اس کا باعث یہ ہے کہ گوشتہ احادیث کے مطابق اور اوکا مال ایک طرح سے باب ہی کا مال ہے۔ بھر باب بعض دفع تربیت وسیاست کے بیش نظر عبی الساکمہ تاہے، گوم بدا ورع ظیہ و سے کمہ واپس لینا بہر حال بُرا ہی ہے۔ ہاں اِ مام ابو عنیفہ کے نزدیگ

مزورت كے باعث باپ بہوا بس مے مکتا ہے۔ ۱۵ سے ۱۵ سے ۲۵ سکتا گانگاگ بُن دَاؤد الْدَهُم تَی اَنَا اَنْ وَهَبِ اَنَا اُسَامَهُ بُنُ زَيْدٍ اَنَّ عَثَمَ وَبُن شَيْدِ حَدَّ تَنَهُ عَنُ اَبِيْهِ عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ عَنْم وعَنُ رَسُولِ اللهِ صَلَّى الله عَلَيْ وَسُكَة وَاسَ مَعْدُ لَا اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ عَبْدِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ عَنْم وَسُولِ اللهِ صَلَّى الله عَلَيْ مُوسَدَة وَسُدَّة وَسُلَا اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ مَنْهُ وَعَنْ فَلْمُعُونَ فَا بِمَا السَّرَة الْمَا مُنْ الْمُنْ فَعُ إِلَيْ عِلْمَ اللهِ اللهُ ا

عبد لندبن مرور فی اینزی نه نے رسول الندصلی الندی به وسلم سے روا بیت که آپ نے فروایا : مهدو کے روابس سے بینے والا اور سے بینے تواسے کھرایا جائے ۔ بین جب مہرکر نے والا واپس ما نگے تواسے کھرایا جائے اور تبایا جائے اور تبایا جائے کہ کیا واپس نے رہائے ہواس کی مہرکی مور کی جیز اسے واپس دی جائے دنسائی ، ابن ماجر ، اس سے پتہ جبلا اور تبایا جہ کہ کہ مہرکی واپسی میں بہت کرام ہم کی واپسی میں بہت کرام ہم کی واپسی کی را محدود کردی جاتی ۔ اس باب بیں بی حقد کا مذم بے ۔ اگر ایسان مرو تا تواس سے بامل ہی روک دیا جاتا وروا بسی کی را محدود کردی جاتی ۔ اس باب بیں بی حقد کا مذم بہتے ۔

مَاوَهُتَ.

بَاسِيْ فِي الْهَا بِ فَإِلْقِضَاءِ الْحَاجَةِ

رَسَى مَرُوت بُورى رَخِهُ بَرِسَاكُمْ اللَّهُ وَ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ وَهُدِ عَنْ عُمَرُنِ مَالِلِا اللَّهُ عَنْ وَهُلِ السَّنَ جَ نَا أَبُنَ وَهُدِ عَنْ عُمَرُنِ مَالِلِا اللَّهُ عَنْ عُمَرُنِ مَالِلِا اللَّهُ عَنْ اللَّهُ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ الْفَعْ مِنْ اللَّهُ عَلَيْهُ الْفَعْ مِنْ اللَّهُ عَلَيْهُ الْفَعْ مِنْ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ الْفَعْ مِنْ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ الْفَعْ مِنْ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ الللللْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللْمُ الللللْمُ اللَّهُ اللللْمُ الللللْمُ الللْمُ اللللْمُ اللللْمُ الللللْمُ اللللللْمُ الللللْمُ اللللْمُ اللللْمُ اللللْمُ الل

ابواً مام رمنی الٹری نہ نے دوایت کی کم نبی صلی الٹریلیہ وسلم نے فرمایا : حب نے اپنے بھائی کی کوئی سفارش کی اوراس نے اسے اس برمد بیردیا ، سفارش کرنے وا سے سنے اسے قبول کمہ لیا تو وہ سٹورکے ایک بوسے دروا زسے مہر آپنچا ، شرح :اچیاورجائز مغادش مستحس اورمست بکام سے ، قمیعی وا جب بھیم وہ تاہے سوحیں نے اس پر ہدیرہ لیااس نے اینا اجرحنا بع کر دیا جیسے کرسو و ٹواد سنے حلال کوضا ئع کردیا ہے .

بَأْعِكُ فِي الرَّجُلِ يُفَضِّلُ بَعْضَ وَلَكِهِ فِي النِّحُلِ

رباڤ بونغص عطے من ابن بعض اولاد کوتہ بہے دیے۔ ۳۵۳۸ - کسک تن اُحُکم کُ بُن کُنْبِل نَا هُشَدُیْکُ نَا سَدَیادٌ وَ اَنَا مُغِبْرُهُ وَنَا دَا وُدُعَنِ الشُّعُبِيِّ وَانَامْ جَالِدٌ وَإِسْمِعِيلُ بُنْ سَالِحِرَعَنِ الشُّعُبِيِّ عَنِ النُّعُمَانِ بُنِ بَينْ بُرِفالَ ٱنْحَدَيْ اَ فِي نِكْلَاقًالَ إِسْمِينُ لُ بُنُ سَالِمِ مِنْ بَيْنِ الْقَوْمِ نِحُلَةٌ غُلَامًا لَهُ قَالَ فَقَالَتُ كَ أُمِيَّ عَنْمَرَةُ بِنُتُ رَوَاحَدًا يُبِ رَسُولَ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّعَ فَ أَسْمِ لُماكُ فَأَنِي النَّبِّي صَعَلَى اللهُ عَكَيْبِهِ وَسَنَّعُ فَنَاكَرُ ذِيكَ لَهُ قَالَ فَقَالَ لَهُ إِنِّي نَحَلُتُ إِبْنِي التَّعْمَانَ نِتَحَلَادَ إِنَّ عَنْمَ فَهُ سَأَ كَتُنِي أَنُ ٱشْهِهَ لَا عَلَى لَدِيكَ فَالَ فَقَالَ الكَ وَلَكُما سِوَاكُ قَالَ ثُلَثُ نَعُمُ فَالَ ثَكَلُّهُمْ أَعُطِبُتَ مِثُلَمَا أَعُطِبُتَ النُّعُمَا كَ قَالَ كَل قَالَ فَقَالَ بَعْضُ اهْزُلَادِ ٱلدُّحَيِّدِ ثِينَ هِلَا جَوْزُونَالَ بَعْضُهُ مُوهِذَا تَلْحِثُةُ فَاشْمِهُ عَلَىٰ هٰذَا غَبُرِى فَالَ مُغِيْرَةُ فِي حَدِيْتِهِ ٱلْيُسَ يَسُرُّلِكَ إِنْ تَيُّوْنُوْلَكَ فِي الْبَرِوَاللَّطْفِ سَوَاءٌ قَالَ نَعَمْ فَالَ فَاشْبِهِ مَا عَلَىٰ هٰ فَا غَيْرِى وَدَكُرُمُجَالِدٌا فِي حَدِانِيتِهِ أَنَّ لَهُمُ عَلَيْكُ مِنَ الْحَتِّي إِن تَعُول كَيْنَهُ هُوكَمَا أَنَّ لَكَ عَلَيْهِ مُومِنَ الْحَتِّي أَن يَكْرُوكَ فَال أَبُودَا وَدَ فِي حَمِانِيثِ الذَّهِٰرِي قَالَ لَمُنْضُهُمُ إَكُلَّ بَنِيْكَ وَقَالَ لَمُفُهُمُ وَلَـمِاكُ وَقَالَ أَبُ إَيْ خَالِيهِ عَنِ الشَّيْعِيِّ فِيُدِرِ ٱلكَ بَنُونُ سِواهُ وَقَالَ ٱبُوالصُّلَى عَنِ النُّعْمَانِ بُنِ بَشِيْرٍ الك وكانا غيرة

المسكون بسيروني الندون ني كمها كرمير بي بني بني بني عطيد ويا جوا يك غلام كي مورت مين تقاريس مين المعمان بني ال مان كرو بنت رواح سنه السرون المدوس المرسول النه صلى الشرعليدوسلم كيم باس جاكم آب كو اس برگواه بنا بوربس وه گواه بنانے كے لئے نبي صلى النه عليه وسلم كي باس كيا ور اس كا ذكر كياء اس ني كها كر ميں نے اب بيلے نعمال دخى الشر عن كوا يك عطيد ديا ہے اور عرو نے كما ہے كر ميں آپ كواس برگواه بنابول بحضور عليا لسلام نے فرما يا بيااس كے عن كوا يك علي السلام الله فرما يا بيااس ك

مش سے ،اولادیں سے بعن کوم برکر نااور تعفن کونہ کر ناالج حنیفہ ہالک اور نثافتی کے نزدیک مکر وہ سے مگر مہم صبحے ہوجا تا ہے ،احمد اُوری سے استدلال کیا سے ہیں ہے ،احمد اُوری افغاند کے نزدیک ایسا کرنا حام ہے ۔ اِن حضرات نے لفظ بچر کرسے استدلال کیا سے ہیں ہا کہ سے الکم حضورت کی اور باطل مہوتا تواپ نہ فرما نے ۔اوراگر مہم مرسے سے نافذنہ ہوتا تواپ نہ فرما نے ۔اوراگر مہم مرسے سے نافذنہ ہوتا تواپ برجوع کا حکم نہ دیتے بہر صورت بیرا یک نامنا مب بات علی کیونکہ اس ہیں اولا د سکے درمیان عدل ومسا وات سے گرمز ہے ۔

٩ ٧٥ - حَكَّا ثَنُكُ عُثْمَاكُ بُنُ آَئِى شَبُبَةَ نَاجَرُيْرَعَنَ هِشَامِرِ بَنِ عُرُوةً عَنَ آبِيهِ فَالْكَتَّاثَنِي التَّعُمَاكُ بُنُ بَيْرِيَالَ اعْطَاهُ ابُوهُ غُلَامًا فَعَالَ لَهُ رَسُولُ اللهِ مَكَى اللهُ عَكَيْثِ وَسَلَّحَ مَا هُ لَا الْعُلَامُ قَالَ غُلَامِي اَعْطَانِهُ إِنِي فَالَ اَفَكُلَ اِنْحُونِك أعلى كَمَا اعْطَاكَ قُلْتُ لَاقَالَ فَالْدُدُهُ -

نعمان بشیروخی الٹرعندنے کہاکہ اُس کو (نعنی خود نغمان کو) اس کے باپ نے آیک غلام عطاکیا تورسول الٹرسائی علیہ وسلم نے فرمایا : یہ غلام کیسا ہے ؟ نعمان نے کہا کہ یہ میراغلام ہے جومیرے باپ نے جھے عطاکیا ہے ۔ حضور صلی اللہ علیہ وسلم نے فرمایا : کیا تیری طرح تیر ہے سب بھا نیموں کوعطاکیا ہے ؟ اس نے کہا کہ نہیں ۔ حصنور سنے فرمایا : اسسے وابس کردو درسلم نسانی >

المغورج بخطابی انے نکھا ہے کہ نعمان کے باپ کا یہ فعل افضل واحس کے قلاف تھا۔ اگر کوئی شخص اپنا سالوال کسی امبنی کو دے ڈا ہے تب بھی قانون ٹرع میں یہ مبائمہ و نا فذہ گو نامناسب اور نا درست ہوگا جب امبنی کے معلیطے میں یہ ہے توایک بچے کو دے کردو سروں کو محروم رکھنا گو فلا نب اولی وفلا نب احس تھا مگر نافذ تھا۔ بعض دفعہ کسی مصلحت سے اولادسے میں کسی ایک کو ترجے دینا بھی درست ہوتا ہے ، حضرت ابو مکر صدیق مرضی اللہ عنہ سنے میں وسق کھجور حضرت عالئے درضی اللہ عنہ اکو عطا کئے سمنے اور حضور سنے اس سے منع نہیں فرطیا۔ اس معا ملے میں مذکر ٠٠ مع مع . حَكَّا نَتُكُ الْسُكِنُمَاكُ بُنُ حَرُبِ نَاحَمَّادٌ عَنْ حَاجِبِ بُنِ الْمُفَضَّلِ بُنِ الْمُهُلَكِبِ عَنْ أَبِيلِهِ قَالَ سَمِعْتُ التَّعُمُانَ بْنَ بَيِثْيُرِكَفُولُ فَالَ رُسُولُ اللهِ صَلَّى الله عَكِينَهِ وَسَلَّمَ إِغْدِانُوا بَيْنَ اَبْنَاتِ كُوْلِغُوا غُولُوا بَيْنَ ٱبْنَارِ كُمُنَ

نعمان بن رصنى التربعند سبير كتف عظے كه رسول المترصلي الترعليه وسلم نے فرمايا، ابني اولاد ميں عدل كر، اسپے بيليون ي

عدل كرورنسانى برامر بهى كزشته ولائلى بناو بإستحباب وندب برمنى ئے ۔ ١٨ ٥٨. كل نشك مرحمة كل بن كرافيع ما بيني كي بن الدكرنا رُهَا برعن الله بين الدين المراب الذكرين جَابِدِ فَالَ فَالَتِ امْسَرُ أَنَّهُ بَسِيْنُهِ الْعُكَلُ إِبْنِي غُلَامَكَ وَاشْيُهِ ثَالِي رَسُولَ اللَّهِ صَلَّى اللهُ عَكَيْ وَسَلَّمَ فَا فَى رَسُولَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ فَقَالَ إِنَّ ابْنَهُ فَ كَانِ سَا كَتُنِي أَنْ أَنْحَلَ إِبْنِهَا غُلَامًا فَقَالَتُ لِي أَشِهِ لَ رُسُولَ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْكِ وَسَلَّمَ فَقَالَ لَهُ إِنْحُونًا فَقَالَ نَعَمْرِقَالَ فَكُلَّهُمْ أَعْطَيْتَ مَا آعُكَلِّينَهُ فَالَ لَا قَالَ فَكِيْسُ يَصْلِحُ هُنَا اوَإِنَّ لَا أَنَّهُمَّ الْآعَلَى الْحَقِّ -

جابر دمنی الندع نہ نے کہا کربشیری^ونی البرع نہ کی بیوی نے کہا: ۱ سینے غلام کومیرسے <u>جیٹے سے سپروکمہ و و</u>بط پر اور فی میرے کئے اس بررسول الٹرصل الٹرعلیہ وسلم کی شہادت رکھویس وہ رسولِ الٹرصلی الٹرعلیہ وسلم سے پاس گیاا ور کہا کہ فلال کی بیچ دعرہ منت دوامہ) نے جھے سے مرطا لبرکیا سے کہیں اس سے بیٹے کوغلام عطا کروں اور یہ بھی کہا ہے کہ اس پہ سير التعريب التعريب الترصل التعريب وسلم ك كوابى ترجمو يس رسول التعريبي التعريب التعريب وسلم ن فرما با بحيا اس ك عبات میں ؛ اس نے کہاکہ ہاں یعنور سنے فرمایا: تونے انہیں منی ای اوچ مطاکیا ہے ؛ اُس نے کہانہیں ،حصنور صِلی الله علیہ وسلم سنے فرمایا یہ بات درست نہیں ہے اور میں صرف حق پر ہی گوا ہ بن سکتا ہوں دمسلم کہیں نظر سیسے نہیں گزرا گھر واللہ 🕏 ا علم بانصوابَ معلوم لوں سبوتا سے كرىشىروشى الله عندكى دومسرى اولادكسى اور يوىسے يوكى، تېيىسبَب ہے كہ تعمران كى مال اسینسبیطے کوعطیّہ دیواکر حضور علیہ انسکام کی شہادت رکھنا کیا ہتی تقی اور چو نکہ اس سسے عبائیوں میں بامزگی کا ایر نیشہ تقالس سلط مستور عليه السلام سفي انكار فرما يا بلوگا.

بالبث في عطيتة المراية بغاير إذن ما وجها

ر خاوند کی اجازت کے بغیر عودت کے عطیے کا بالث،

٣٥٨٢. ڪنگاننٽا گوسَى بُنُ إِسُمِعِيُلَ مَاحَتَمَادُعَنُ حَاؤَدَ بُنِ اَ بِنَ هِنْ إِنْ هِنْ إِنْ حَبِيْبَ

الْمُعَلِّمِ عَنْ عَمْرِاو بْنِ شُعُيْبٍ عَنْ (بَبُهِ عَنْ جَلِام اَتَّارَسُولَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوْقَالَ لَا يَهُجُوزُ لِامْ رَاَيْ اَمْرُ فِي مَالِهَا إِذَا مَلَكَ زُوْجُهَا عِصْمَتْهَا ـ

عبدالترب عردب عاص دمنی الترع ندسے روایت ہے کہ رسول الترصلی الترعلیہ وسلم نے فروایا: حب خاون توریت کی عصمت کا مال بوج استے توعوریت کے مال بی اس کا رعورت کا کوئی حکم نہیں جلتا ۔

ی سمدے کا ماں ہوجا سے تو توروت سے ماں یہ اس کا رکودت کے معنوں میں جہتا ہے۔
سشرح ، خطا بی نے کہا ہے کہ اکتر علماء کے نز دیک جسن عشرت کے معنوں میں سے تاکہ خا وہ کا ول اس سے توش ہے ،
ملین ملک بن انس نے کہا ہے کہ عودت رکا مال گوائی کا ہے ، مگر خا وندی اجازت کے بغیر وہ اس میں تھڑ و ، نہیں کرسکتی خطا بی نے کہا کہ ممکن ہے دیم خاب نے بیا احمق عودت کے متعلق ہو وریز مدیث صبح میں ہے کہ حضود صلی الشرعلیہ وسلم نے عید کے ون عود توں کو صدرتے کا حکم دیا تو انہوں نے اپنے زیودا تا دیجھنگے جو بلال رمنی الشرعنہ نے بازی جا سے ماوند وں کی اجازت کے بغیر میں ہے ہو میں یہ تھی سے کہ عبد الندس مسعود درصی الشرعنہ کی ہوئی ذیب سنے حصود رسے میں اسے دریا دن کیا تھا کہ عبد الندس مسعود درصی ہوئی ورہی دینیں اسے مال کی خود سے دریا دن کیا تھا کہ عبد الند من مسال کی اسے مال کی خود سے میں تھا کہ میں اسے مال کی خود میں تو اس کو الی موال و جو اب کا کیا مطلب تھا ؟

٣٨ ٥٣ . كَلَّا ثَنْكَ ٱبُوكامِلِ نَا حَالِكَ بَعْنِى ابْنَ الْحَادِثِ نَاحُسَيْنَ عَنْ عَنْ عَنْ وَبْنِ شُعَيْبِ اَنَّ ٱبَاكُ ٱنْحُبَرَةَ عَنْ عَبْدِ إِللّهِ بْنِ عَنْ اللّهُ عَنْ عَبْدِ إِللّهِ بْنِ عَنْ اللّهُ عَلَيْثِ مِ وَسَهَ لَحَ قَالَ لَا تَنْجُونُ لِإِمْرَأَ يَهْ عَطِيتَ لَا إِلَا بِإِذْ نِ زَوْجِهَا -

عبدا لٹربن عرودمنی انٹرعنہ سے دوا میت ہے کہ درسول اسٹرصلی اکسٹرعلیہ وسلم نے فرما یا بھا وندکی اجازت کے بغیر مورت کے سلط کو کی عطیّہ دین جا ٹڑنہیں سے دنسا ڈی ،ابن ماہر، گمرا مس حدیث میں یہ صرا حت نہیں ہے کہ عورت کا یہ عطیہ چنما وند کے مال سے مہوگا یا خالف اپنے مال سے ؟ دوہری اما دیث کے پیٹی نظر وجوکتا ہدا دیکا ح میں گڑ دمکی ہیں ،اس مدیث کا تعلق خا وٰمد کے مال کے معاقصہ ہے ۔ اگر ہیوی کے مال سے ہو توحس معاشرت اورا دب پر محمول ہیں ۔

باب في العثماى

دعمی کایاب،

مهم هرركت تَنَا كَبُواْلُولِيْ الطَّيَالِيَّى نَاهَتَامَّ عَنْ قَتَادَةَ عَنِ النَّفُرِبِي اَنْسِ عَنْ بَسِنْ بِرِبْنِ بَهِيْكِ عَنْ اَبِي هُرَّيُرَةً عَنِ النَّبِي صَلَى اللَّهُ عَلَيْتُ لِهِ وَسَلَّمَ قَالَ الْعُنْمُ يَ جَارِئُونَ * يَ

ا پوم رہیہ ہ دھنی الٹریمنہ سے دوایت ہے کہ بی صلی الترعلیہ وسلم مقے فرمایا :عوم ی جائز سے رہنا دی مسلم انسانی ک

مش ح ، علی کی تفسیریہ سیے کہ کی نشخص دو سرسے سیے ، بیں نے یہ مکان بچھے ہم مجر کے سلے دیا۔ حب اس کے ساتھ قبضہ بھی ہو جائے تو وہ مکا اس شخص کا ہو گا، وہ اس میں تصرف کرسکتا ہے اور اس سے بعداس کے واسٹ اس کے ماک بہوں گے۔ یہ بقول خطابی امام شافنی اور صنیفہ کا قول ہے امام مالک کے نزد یک عمری سے مراد منفعت کی ہمر کے دمکان وعنیرہ کی ۔ اگر کسی نے دو مر سے کو مکان بطور ہورائی دیا تو وہ عمر بھراس سے نفع اعلا سکتا ہے ماک نہیں ہوسکتا اور میاس کے وار توں کو نہیں طے گا . اور اگر اس نے یہ کہا کہ : یہ عمر بھر تیر سے سائے اور تیرے وار توں کو منتقل ہوگی اور اصل چیز دسینے وا سے کی ملکست ہیں دہے گی مگر بقول علامہ خطابی اگلی ا حا دمیث مالک کے مسلک کی نفی کرتی ہو۔ اس کے ماک کے مسلک کی نفی کرتی ہو۔ اس کے مسلک کی نفی کرتی ہو۔ اس کے مسلک کی نفی کے در تی ہے۔

مره مر حكانت أَبُوالدِيدِ نَاهَمَامٌ عَنْ فَتَادَةَ عَنِ الْحَسَنِ عَنْ سَمُمَ لَا عَنِ النَّبِي النَّبِي صَلَى النَّبِي صَلَى اللَّهِ عَنْ النَّبِي صَلَى اللَّهِ عَنْ اللَّهُ عَنْ النَّبِي صَلَى اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْ اللَّ

معره رمنی انتریخ برنے بی صلی انترعلیہ وسلم سے محفر شدہ مدریث کی ما نندر وایت کی سے در تدری

٧٧ هـ ٧٨ حكم نَنْكَ أَمُولِينَ بِنُ إِسْمَاعِيْلَ نَا أَبَانَ عَنَ يَخْيِى عَنِ اَ فِي سَلَمَةَ عَنَ جَابِرِاتَ نَبِى اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحَ كَانَ يَقُولُ الْعُمْلُ فِ لِنَنْ وُهِبَتْ لَهُ.

مبابردمنی الطرعندستے روایت سے کہ اللہ سکے نبی صلی اللہ علیہ دسلم فرایا کرتے تھے بھر کی اس سے سیے سیے حس کومہد کیا گھا د نخاری، نسانی،

شس سے ،اس مدیث سے بناام ریمعلوم ہو تا ہے کہ ممرئی کی حرف منفعت نہیں جکہ اصل چنر بھی اس کومنتقل ہوگی جے ہہدک گئر میں تفور ایران

ع ٣٥٠ و حَكُلُ نَنْكُ أَمُوَمِيلُ بْنُ الْفَصْلِ الْحَدَّا فِي نَا مُحَمَّدُ بْنُ شَعِيْبِ أَخْبَرُ فِي الْأُونَ الْعَ

عَنِ الذَّهِرِي عَنْ عَنْ عَرُوةَ عَنْ جَابِرِ أَنَّ النَّبِي صَلَى اللَّهُ عَلَيْ لِوصَلَّكَ وَسَلَّعَ فَالَ مَنْ أُعِيمَ عَهُمَا ى هَ مَدَ لَهُ هَا يَهُ مِدَ ذَّ كُنْ مُرَدِّ وَ مَرَدُ وَ مَا يَالِيَّ مِنْ مُنْ اللَّهِ عَلَيْهِ وَسَلَّعَ فَال

فَیک کُنهٔ کُلِعِیْفِ بِهِ بَدِیْزُهُ کَا مَنْ بَدِیتُ کَهُ مِنْ عَقِیبهٔ ۔ ماہر رصی اسٹرعینہ سے دوایت ہے کہ نبی صلی نشر علیہ وسلم نے فرمایا : سب کو عمریٰ دیا گیا وہ اس کے لئے اوراس کے ا

وارثوں کے لئے ہے ۔اس کے بعد جاس کے وارث ہوں گے انہیں ایوٹری بھی بطور ورا شت حاصل ہوگا رنسائی اسس کے دارثوں کو بھی بلور ملکیت سے گا۔ مشروح :اس مدیث سے وضاحت کا بت ہوگیا کہ عمری نر صرف موجوب لہ ،کوبلہ اس کے وارثوں کو بھی بلور ملکیت سے گا۔ اوپرگزر چکا سپے کر حنفیدا ورشافعی کا بہی قول سے۔صرف اس میں قبصہ پر طرصے کرجس کو بخشاگیا اس سے قبعنہ بھی کمرایا

ہوپچھنواوپرودہی ہے۔ ۸۷۸۸ - کتکا ٹنٹا اَحْمَدُ اُن اَبِی الْحَوامِ بِی نَا الْوَلِیْنَ عَنِ الْاَوْمَ اِجِیَّعَنِ النَّرُحُ اِبِیَ عَنْ اَبِیْ سَکَمَنَهُ وَعُرُوهُ عَنْ جَاِبِدِعَنِ النَّبِی صَلّیَ اللهُ عَکَیْلُهِ وَسَلَّحَ بِمَعْنَا لُهُ فَال

<u>randocandang gang ang pangang kananananang ang panganananang kanang kanang kanang ang pangang ang pangang kanang </u>

ٱبُوْدَاوَدُولُهُ كُنَّارُواكُ اللَّيْبُ ثُنُ سُعُيهِ عَنِ النَّرَهُ بِيَّ عَنْ اَبِي سَلَمَةُ عَنَ جابِرٍ-دوسری سند کے معانق بھی جاہر دھنی اسٹر عندستے اسی قیم کی روایت آئی ہے۔ دنسانی ،ابوط ؤ دینے اس کی ایک اور وایت كالمجي حواله دياب ـ

باشف من فال فيه و لعقيه

رباث منهوں نے کہ کہ اس کوا وراس کے وارثوں کو ملے کا

٩ ٣٥- حَكَّا ثَنْ الْمُحَمَّدُ بُنُ يَبِحَينُ بَنِ فَادِسٍ وَمُحَمَّدُ بُنُ الْمُثَنَّى فَالاَنَا بِشُرُّ بُنْ عُسَرُنَا مَالِكَ يَغْنِي أَبْنَ انْسِ عَنِ ابْنِ نِسْهَا بِعَنْ أَبِيْ سَلَمَتْمُ عَنْ جَابِرِ بْنِ عَنواللهِ أَتَّ رُسُولَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْنِهِ وَمُسَلَّمَ فَأَلَ أَيُّمَا رُحُيلِ أُعُدِمُ عُمُماى لَـ هُ وَلِعَقِيبِهِ فَاتُّهُا لِلَّذِي يُعْطَاهَ الانْزُجِعُ إِلَى الَّذِي اعْطَاهَا لِأَنَّهُ أَعْطَى عُطَاءٌ وَفَعَتْ فِينِهِ الكوادِنيثُ.

مبابربن عبدا كشدييعه رعابيت حبيكم يسول التلاميلي لتشرعليه وسلم شف فرما با بحث فعس كوعمي وياكيا اوراس سكه وارثون كو تووہ اسی کا سیے جس کو دیاگیا، دینے واسے کی طرف واپس نہیں آتا کیول کراس نے ایسا عطیّہ دیا سیے جس میں ورافتیں واقع مہو مکی میں (مسلم، شدندی، نسانی، ابن ماجر، خطابی نے کہاکہ اس مدسیث کے بعدا مام مالک دمندا تعدملیہ کے پاس کو ائ عدر باتی نهين مريا-آخه کي فقره مسلم کي روايت محد مطابق داوي الوسلمه کا مُدرج کلام سه. يال إمسلم ميں بدا هنا و حضور صلى الشعليه ولم محارشا دس سب كه: وقطعي طورمياسى كاب، معطى كوئى شرط يا استناداس من ما ئرنسب سي

• ٥٥ ص. كَتَّلُ نَنْكُ حَجَّاجُ بُنُ إِنْ يَعْقُوبَ نَا يَعْقُوبُ نَا إَنِي عَنْ صَالِحٍ عَنِ أَبِي شِهَا بِ بإسْنَادِهِ وَمَعْنَاكُ قَالَ ٱبُوْدَا وَدَكُنَا لِكَ رَوَاتُهُ عَقِبُكُ وَيَزِيْكُ بُنُ حِينِبِ عَنِ ابُنِ شِهَابِ وَانْحَتُلِفَ عَلَى ٱلْأُونَ اعِيَّ عَنِ ابْنِ شِهَابٍ فِي كَفَظِمُ وَرَوَا كُمْ فُكَيْحُ

برق مربکت کان مِثْل ذلك . اوريد كى مدرب ابن شهاب كى سلاوراً سى معلى كے مطابق سجا وريگزرا ابن شهاب سے ابو صالح كے علا وہ عقيل ف، يزيد بن ا بی حبیب نے اورا وزاعی نے می روایت کی گراوزاعی کی روایت کے الفاظ دوسروں سے مختلف میں - ا ور فیسے بن سیمان ﴾ نے بھی اسی طرح روایت کی۔

ا ١٥٥ - حَكَ نَتَكَا اَحْمَدُ ابنُ حُنْبِلِ نَاعَبُ الدَّنِيّ اتِي نَامَعْتُ عَنِ النَّرُهُ وِي عَنْ أَبِ

مَسْتَدَةُ عَنْ جَابِرِ بُنِ عَبْسِ اللهِ قَالَ إِنْكَ الْعُمُلَى الَّتِي اَجَازَهَا وَسُولَ اللهِ صَلَى اللهُ عَلِيْهِ سَنَدَةُ عَنْ جَابِرِ بُنِ عَبْسِ اللهِ قَالَ إِنْكَ الْعُمُلَى الَّتِي اَجَازَهَا وَسُولَ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَنَّهُ وَانْ يُقُولُ هِي لَكَ وَلِعَقِبِ كَ فَاصًا إِذَا فَالَ هِي لَكَ مَاعِشْتَ فَا يَّهَا تَنْجِعُ

إلى صاحِبهاء

٣٥٥٢ حَكَّا نَكَ إِسُحَاقُ بُنُ إِسُمَاعِبُلُ نَا سُفَيَانَ عَنِ ابْنِ جُرَبْعِ عَنْ عَطَاءِ عَنْ جَالِدِ اَنَ النَّهِ عَنْ عَطَاءِ عَنْ جَالِدِ اَنَّ النَّهِ عَنْ عَطَاءِ عَنْ اللَّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّعَ فَالَ لَا تُرْقِبُوْا وَلَا تَعْمِرُوْا فَمَنْ اللَّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّعَ فَالَ لَا تُرْقِبُوْا وَلَا تَعْمِرُوْا فَمَنْ اَرْفَبَ شَبِينًا وَاللَّهُ عَمْرُوْا فَمَنْ اَرْفَبَ شَبِينًا وَاللَّهُ عَمْرُوا فَمَنْ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّعَ فَالْ لَا تُرْقِبُوا وَلَا تَعْمِرُوا فَمَنْ الْرَفْبَ شَبِيعًا اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَلَا يَعْمَلُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَلَهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَى اللَّهُ الْمُعَالَقُلُ

حابدرمنی التشریخند مدایت سیسے که نبی مسلی الترعلیه وسلم نے فرمایا ، ژقبی اورع گرلی مت و وکیونکرس کو کو نی چیز بطور ژقبی

ماعمری دیگئی ده اس کے دار توں کے سیے سے دنسائی

نتوح : رُقَّنی کاباب آگے آب ہے۔ اس کا تعریف برہے کہ کوئی شخص دو مرسسے کے: اگریں تحجہ سے ہلے مرجا وُل آوٹیکان تراسے بس اس صورت میں دوسرا اُد ہی گویا اس کی موت کا منتظر ہے کہ کب مرے اور مکا ان مجھے ہلے، دفا بت کا ہی معنی ہے ۔ امام ابو صنیف کے نزدیک دُقبی باطل ہے ، خطا بی نے لکھا ہے کہ ابو صنیف ہے نزدیک رفتی عاریت ہے اور توکی مور و سنہ ہے ۔ مثافی کے منز دیک دونوں موروث میں مزیدگفتگو آگے آئی ہے ۔ رُقبی میں صنفی ائم نما افر کا اختلاف ہے ابو یو سف نے اسے جائز رکھا اور الوضیفہ و قیم رب المحسن نے نا جائم نہا یہ سوابو یو سفت کے نزدیک جائز ہوئے کا معن یہ ہے کہ اگر موہ و ب لئے پہلے مرجا ہے توم کان وا مہب کی طرح دوسے جائے گا۔ اور جی بزرگوں نے اسے باطل کہا وہ اس بنا دیر کہا کہ تملیک کوا کہ کی موت سے معلق کیا گیا ہے ۔ اگر تو پہلے مرگیا تو یہ میں کے اور اگریں پہلے مرگیا تو جرا سے ۔ بہ شرط چونکہ تھا رہے اور وجو د کے خطرے ہے مہنی ہے دائد اباطل سے مرقبی کی تفسیر دراصل دونوں طرح کا گئی

حَيَاتَهَا وَلَهُ اِنْحُونَا فَقَالَ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْ رَفَسَلُّوهِي لِهَا حَيَاتُهَا وَ مَوْتِهَا قَالَ كُنْتُ نَصَّلًا قُتُ بِهَا عَيْهُا قَالَ ذَلِكَ ٱبْعَثُالِكَ .

حابر بن عبدالتر رضی التر عندنے کہا کہ رمول الشرصلی الترعلیہ وسلم نے انصار کی ایک عودت کے بادسے میں فیصلہ قرمایا تھا جھے اس کے بیٹے نے کھجوروں کا ایک باخ دیا تھا، لی اس کے بیٹے نے کہا، میں نے تواسے اس کی زیدگی کا ہی دیا تھا، اوراس مردکے کہے بھیائی بھی تھے ۔ لی رسول الشرصلی الشرعلیہ وسلم نے قرمایا ، وہ اس کی زندگی میں اورلیدانہ موت بھی گئے ۔ اس نے کہا کہ میں نے یہ اس پرصد قد کیا تھا ۔ حصنور صلی الشرعلیہ وسلم نے قرمایا : بہترے ہے ہست بھیتے ہوئے ۔ اس مدیث میں رفی کی لفظ نہیں ہے اور نزعم ای الفاظ حدیث سے ابو واؤد نے اسے عوم ہی کی اس میں کیا جا سی کھی سے اوراوپر گذر رہے کا ہے کہ کہ کہ کہ اس میں کہ اوراس کے وار توں سے داور دیے اسے عوالیس میں کیا جا سکتا ۔ میں میں کہ میں کے ایک اوراس کے وار توں سے دوا میں کو والیس میں کہ اس کی ایک میں کو ایس میں کہ اس کی ایک میں میں تواس کی ایک میں کو ایس کی دوا ہے دوا ہے کہ میں کو ایس کی ایک میں کو ایس کی دوا ہے دوا ہے کہ میں کو ایس کی ایس کی دوا ہے دوا ہے کہ کہ والی کو اس کی دوا ہے دوا ہے کہ کہ والی کو اس کی دوا ہے کہ کہ کہ والی کو اس کی دوا ہے کہ کہ دوا ہے کہ کہ کہ کہ کہ کو اس کی دوا ہے کہ کہ والی کو اس کی دوا ہے کہ کہ والی کے اس کی دوا ہے کہ کو ایک کی کہ کو اس کی دوا ہے کہ کو ایک کی دوا ہے کہ کو اس کی دوا ہے کہ کہ دوا ہے کہ کو اس کی دوا ہے کہ کہ کو کہ کو اس کی دوا ہے کہ کو کہ کی تھے کہ کو کہ کو کہ کو کہ کو کہ کو کہ کے کہ کہ کو کہ کو کہ کو کہ کی دوا ہے کہ کو کہ کو کہ کو کہ کو کہ کہ کو کہ

بَادِفِي فِي السَّرْفَيْلِي السَّرِفِي السَّرِفِي السَّرِفِيلِي السَّرِفِيلِي السَّرِفِيلِي السَّرِفِيلِي السَّ

م ٢٥٥٥ - كَلَّانْكُ آخُمَدُنْ كُنْبَلِ بَا هُ شَيْعُ نَا كَاوَدَعَنَ آبِ النَّرَبُبِعِنَ جَابِدٍ قَالَ قَالَ دَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَكَيْبِ وَسَنَّوَ الْعُنْلِى جَائِزَةٌ لِاهْلِهَا وَالتُرْفُلِي حَالِمُذَةٌ لِاَهُلِهَا.

سب کور کے سی کہاکہ دسول صلی انٹرطلیہ وسلم نے قربایا : ٹمکری اس کے اہل کے لیے جا ٹمز ہے اور رُقبی اس کے امام کے اہل کے سلیے جائمز سے د تر مذی ، ابن ما جہ ، نسائی پیچھے گزدچکا ہے کہ رُقبل کی دوتعربین ہیں ، ایک کی رُوسے ابویوسف نے اسے جائمذکہا اور دوسری کی رُوسے ابوصنے فی حمد بن الحسن نے اسے ناجائز کہاہے ۔ دیکھے مثر رح حدیث نمبر ۲۵۵ -

٣٥٥٥ - كَلَّانْكُ عَبُكُ اللهِ بُنُ مُحَكَّمَةٍ التَّفَيُلِيُّ قَالَ قَرَا ثُتَ عَلَى مَعْقِلِ عَنَ عَمْرِد بُنِ دِيْنَامِ عَنْ طَاوُسِ عَنْ كُجْرِعَنْ ذَيْرِ بُنِ ثَابِتٍ قَالَ قَالَ مَ سُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّكُومَنْ اَعْمَرُشُ بُنَّا فَهُولِمُ عُمَرِةٌ مَحْدَياةٌ وَمَمَا تَهُ وَ لَا تُنْرِقِبُولُ فَهَنْ أَدُقْبُ شَيْئًا فَهُوسَنِيلَةً ..

زیدین تا بت نے کہاکہ دسول انٹرصلی انٹرعلیہ وسلم نے قربایا جس نے کوئی چیز بطور تُرکی ورہ ورہ کی اورموت میں اُس کی ہے حس کوعطاک گئی ۔اور رقبی مست دو، بس حس نے کوئی چیز بطور رقبی دی تو وہ بھی عمرکی مانندہے دنسائی ۔این ام

اس مدیث سے پہتر میلاکہ در حقیقت عمر کی اور رُقبی میں نفظی حرق سیصا ور حقیقت دونوں کی ایک ہے۔ اس معنیٰ کی رُوسے ابویوسف نے رُقبیٰ کوحائز کما ہے۔

وه هم حَلَّانُكُ عَبُى اللهِ بَنَ الْجَرَّاجِ عَنْ عُبَيْدِ اللهِ بْنِ مُوْسِى عَنْ عُمْكَانَ بْنِ الْكَسُودِ عَنْ مُجَاهِدِ فَالَ الْعُمْلِى آنُ يَقُولُ الرَّجُلُ لِلرَّجُلُ هُولَكَ مَا عِشْتُ فَإِذَا قَالَ ذُلِكَ فَهُولَ لَهُ وَلِورَ ثَيْتِهِ وَالْرَّفْبِي هُواَنَ يَقُولُ الْإِنسَانُ هُو لِلْاَخِيْمِنِي وَمِنْكَ.

جیا پرنے کہاکہ بئری پرمیے کہایک آ دی دوں رسے سے کہے : برچیز نندگی ہم تیری سے بس جب وہ یہ کیے تووہ اس کی اور آق اس سے وارٹوں کی ہے ۔ ا ور رُقبی ہر سبے کہ انسان یوں کسے : بریم دونوں میں سے پھیلے کی ہے د رُقبی کی ہروہ تفسیر سے حب میں آتھ تملیک نندگی کے خطرے ہر سے لہٰذا ابو منیفہ ا ورمحد نے اس نفسیر کی نباد ہر رُقبی کو باطل کہ اسبے ۔

بكنف في تخيين العادية

د عادمیت کی تعنمین کا بانی،

٤٥٥٣ . كَلَّا نُنْ الْمُسَدَّا دُبُنُ مُسَرُّهَ إِنَّا يَجَيَّى عَنِ آبِنِ اَ بِى عُرُوبَةَ عَنُ قَسَادَةً عَن عَنِ الْحَسَنِ عَنْ سَمُرَةً عَنِ التَّبِي صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَقَالَ عَلَى الْيَهِا اَخَذَتُ عَنَ حَتَّى تُؤَدِّى ثُمَّرًانَّ الْحَسَنَ نَسِى فَفَالَ هُوَا مَيْنُكَ لَاضَمَانَ عَلَيْهِ.

سمرور منی التارعند نے روایت کی کرنبی صلی التارعلیہ وسلم نے فر ماما: ہائقہ کے ذمہ سے جواس نے بکبراحق کم اداکمہ سے بھر موا کل اقد کماک، ووقا اور یہ سراس سر کر در منواد نہوں دیتر : سر روین ایوس نیاز در

حسن بھول گیا تو کھا کہ: وہ تیزا ہن ہے اس بہ کوئی صمان نہیں دتر مذی ، ابن ما جر، نسائی مشرح: بھرصن بھول گیا کہ اس سے اسے معنورصلی الشرعلیہ وسلم کا ادشاد کی مشرح: بھرصن بھول گیا کہ اس سے ما صدید ہول گا ادشاد کی اعتاج جہاں تک پہلے تلے کا تعلق ہے اس سے صاحت ظاہر ہے کہ عادیت کی صنمان ہے ، جس سے پاس عادیت ہے اس کے اعتمان کی اعتمان ہے کہا ہے کہ اسے کہ اس مدید بیں عادیت ہے با صنمان کا فرص سے ، اگر صنائع کر دے گا تو ذر داوم و گا بنوطا بی نے کہا ہے کہ اس مدید بیں عادیت کے با صنمان کی دلیل ہے ۔ علی کا لفظ المزام کے لیے ہے ۔ اگر وہ چیز موجود مہم کے ایس کہ وہ چیز موجود مہم کے ایس کہ وہ کی منمان نہیں ، یہ تو اس کی والیس ہے ۔ علی کا لفظ المزام کے لیے ہے ۔ اگر وہ چیز موجود مہم الفاظ خود حسن کے ہم کہ کہ ایک الفاظ خود حسن کے ہم کہ اس کہ اس کہ وہول کہ بی اس بی اور حس سے یہ لفظ سے ۔ مدیث بیں لفظ عادیت کی والیس کا وجوب بیاں ہوا ہے ۔ اور اس کے علاوہ وہ وہ خاموش نے بھی اس بی اور حسن کے کلام میں نخالف نہیں ہے ۔ اور اس کے علاوہ وہ وہ خاموش نے بھی اس بی اور حسن کے کلام میں نخالف نہیں سے ۔ اور اس کے علاوہ وہ وہ خاموش نے بھی اس بی اور حسن کے کلام میں نخالف نہیں سے ۔ اور اس کے علاوہ وہ وہ خاموش نے بھی اس بی اور حسن کے کلام میں نخالف نہیں ہے ۔ اور اس کے علاوہ وہ وہ خاموش نے بھی اس بی اور حسن کے کلام میں نخالف نہیں ہے ۔

٨٥٥ ١٥٠٠ حَلَّانَكُ الْحَسَى بُنُ مُحَمَّدٍ وَسَلَمَهُ بَنُ شَيِيْدٍ قَالَانَا يَزِيْدُ بَثُ هَادُونَ نَا شَرِيْكِ عَنْ عَبْ مِ الْعَزِيْدِ بْنِ رُفْيْجٍ عَنْ أُمَيَّةً بْنِ صَفْوا نَ بُنِ أُمَّةً عَنْ اَبِيْدِ اَتَّ دَسُولَ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ السَّنَعَ ارْمِيْنَهُ اَدْدُعًا يَوْمَ حُنَبُرٍ فَقَالَ أَغَصَبُ يَامُحَمَّكُ فَقَالَ لَا بَلْ عَادِينٌ مَضْمُونَةٌ قَالَ ٱبُودَاؤِدِ لَهِ إِنَّامُ دِ وَايَنْ يَنِينَكِ بِهَنْ كَا دُوفِي رِوَ إِيَتِهِ بِوَاسِطَ نَعَيَّرُ عِلَى عَيْدِ هُذَار

ھنٹوان بن امیہ دخی انٹری نہ نے کہاکہ جنگ حنین میں دمیول اسٹرصلی المتُدعلیہ وسلم نے اس سے دنعی صنوان سے ، کچھ

ىنعارىس نوصفوان ئے كما: اسے محرصلى النوليہ وسلم برعفىب سے ؟ توحفورنے فروایا: نہیں بلكہ عاریت سے ما صنمانت دنسانی البودا و دسنه که که بغدا دیس پزید کی په راوایت هی افد واستطیب مجد واکیت اس سنے کی اس میں

ب. نس سے ، صفوان بن اُمیہ فنے کمرکے طلقاء میں سے تھاا ورحنگ جنین مک سلمان نہیں ہوا تھا مؤ گفۃ القلوب میں شامل بقاآسی کیے اس نے اس قتم کے الفاظ ہوتے اس کی تالید خلب کی خاطرا ورا سلام کی طُوف ماکن کرنے کی فاطر حصنور نے فرما یاکر پر عادیت باضمانت ہے مولانا نے فرمایا کہ برایک فاص عادیت کے متعلق تقاء ہر عادیت کے متعلیٰ نہیں ٣٥٥٩- كَتَّا ثَكَ اَبُوَ كَبُرِبُنُ اَبِي شَيْبَهُ كَا جَرِيْزَعَن عَبْدِ الْعَرْبُزِبُسِ كُفَيْعٍ عَنُ ٱنَاسٍ مِنْ الِ عَبْدِ اللَّهِ ابْنِ صَنْفُوانَ اتَّ دُمُسُولَ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَكِيْرُهِ وَسَسَّحَرَفَ ال يَا صَفَوَاتُ هَلُ عِنْكَ لِاَمِنْ سَلَاحٍ قَالَ عَادِيلةٌ أَمِ عَصَّبًا قَالَ لَا بَلُ عَادِ بَتَّهُ فَأَعَادَةُ مَا بَيْنَ التَّلَاثِيْنَ إِلَى الْدَمْ بَعِيْنَ وِرْعًا وَعَزَ ارَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْرُوسَكَ حُنبُنَّا فَكُمَّا هُزِمَ الْمُتُركُونَ جُمِعَتْ دُرُوعُ صَفْوانَ فَفَقَكَا مِنْهَا اَدْمَ اعًا فَقَالَ النَّبِيُّ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ لِصُفُولَ كَا إِنَّاقَ لَهُ فَقُلُا نَامِثُ أَدُّمَ اعِكَ أَدُّمَ اعْكَ

فَهَلُ تَغَيْرِهُ لِكَ قَالَ لَا يَا رَمُنُولَ اللهِ لِاَنَّ فِي قَلْبِي ٱلْبَوْمَ مَاكُمُ كِيكُنُ بَعُمُ شِنِا عبدائتلابن صفوان کے گھروا ہوں میں سیے تحد ہوگوں سے روایت سے کہ دسول الٹیمسلی الٹیعلیہ وسلم نے فرمایا ابےصفوان ! کیا تیرسے پاس کیماسلیہے ؟اس نے کہا کہ: عاریت ہوگی یا غفس بی صنور نے فرایا بعفس نہیں مار عاربیت موگ بس صفوان نے حضور صنی الد علیہ وسلم کو تبس اور میا لیس کے در میا نی زر بس عار بیر دی اور رسول الد ضلی الشطار وسلم نے شنین کی جنگ دوی بس حب مشرکوں کو سکست موگئ توصفوان کی زر بیں جمع کی تمنی توان میں سے کچے ذر میں گم ضیر بس رئول الشرعليدوسلم فيصفوان سع فرما يا بهم في ترى زر بهوس سع كچه زربي كم كردى بي توكيا تجھيان كاعومن وين؟

الوداؤد في كا كام من الماري المرائع كا مامول تقاء

بَالِفُ فِيمَنُ أَفْسَكَا شَيْتًا بِغُرُمُ مِثْلَةً

د بالله بنوكسي ينركوركا وسيدوه اس كى مثل كاضامن سبى

سر۷۵ مع النظاف المسترة وكا الله وكا الله وكا المكتركة الكركة الكركة

انس رضی الترعندسے روایت ہے کہ رسول الترعلیہ وسلم اپنی کسی بیوی کے پاس سے توا تہات المؤمنین میں سے اپنی خادم ہو میں سے اپنی خادم ہے ہاتھ ایک پیا لرجھ با جس میں کھانے کی جیز بھی ۔ انس نے کہا کہ اس بیوی نے اپنا ہے تھا ا اور پیالہ توڑ دیا ۔ ابن المثنی نے کہا کہ بی معلی الترعلیہ وسلم نے دونوں محروے پیروسے اور انہیں جو رااوران میں کھا نا جع کرنے گئے اور فرماتے تھے یہ تہاری مال نے عیرت در شک کی ہے۔ ابن المثنی نے بیراصان فرکیا کہ رحصنوں نے فرمایا ، کھا فرن موقع ہیں انہوں نے کہا ایمان کے معتور جس کے معاملہ اور میں بیر ہم مستدلی حدیث کے مفاول کی طرف موقع ہیں دفا صدکوریا ہے اس کے معاور نے میرے ہیا درفاصد کوریا ہے۔ اور بیالہ روک لیا سی کہاؤک فاری بورگئے ۔ پیر معنوں نے میرے ہیا درفاصد کوریا

ا ورقوا مواا بنے گرمیں رکوریا دبخاری، تر مذی، اس ماجہ دنسانی است جائیں ہے کا میں استیاری ہے کہ ایک ایک اندون کا مقاوہ زنیب بنت شہرے بمندری نے کہا کہ بیروا قعہ حضرت عائشہ رمنی اللہ عنها تھیں اور حضور نے جو کچرکیا تھا یہ حسن معاشرت اللہ عنها تھیں اور حضور نے جو کچرکیا تھا یہ حسن معاشرت اللہ بیت واصلاح اور معوض کے باب سے تھا کیونکہ بہا ہے اور طعام کی مشل غیر معلوم سے بہن بیر حقوق واحکام کے باب سے نہیں تھا اس مدیث کی صند میں کلام بی سے اور مجھے کوئی فقیہ معلوم نہیں جس کا یہ تعلق کر عنہ کی بیر کو ان کے بد سے حیوان ان مقال میں بیر نہ واجب کیا ہے اور اسے احرام بیا حرم میں شکار کی مورت کے مشاہر قرار معلام ، پرندرے کے بدلے میں پرندہ واجب کیا ہے اور اسے احرام بیا حرم میں شکار کی مورت کے مشاہر قرار میں بیر نہ ہے میں بین دہ واجب کیا ہے اور اسے احرام بیا حرم میں شکار کی مورت کے مشاہر قرار میں دیا ہے۔ میں بین در استان کی دیا ہے۔ اور اسے احرام بیا حرم میں شکار کی مورت کے مشاہر قرار استان کی دیا ہے۔ میں دیا ہے میں بین در ایک ہیں ہے۔ اور استان کی دیا ہے۔ میں دیا ہے میں دیا ہے میں دیا ہے میں بین در ایستان کی دیا ہے اور استان کی دیا ہے۔ میں دیا ہے دیا ہے میں دیا ہے میا ہے میں دیا ہے میں میا ہے میں دیا ہے میں دیا

مهم المحمر مَ اللَّهُ الْمُعَالَّكُ مَا يَجْبِى عَن سُفيان حَدَّتَى فَلِيْتُ الْعَامِدِي عَن الله عَن سُفيان حَدَّتَى فَلِيْتُ الْعَامِدِي عَن الله عَلَيْ الله ع

حصرت عائشرصی الشرعنها نے فرما با کہ میں نے مصرت صفیہ مبیسا کوئی کھانا پکا نے والانہ میں دیکھا ۔اُس نے رسول الشرصلی الشرعلیہ وسلم کے بیے کھانا نیار کیا اور اسے حصور کی طرف تھیجا ،اس پر چھے مشدید عصد آگیاد کمیرے گھریں حضود کوکوکی اور کھانا ہے ہے ؟ تومیں نے برتی توڑدیا ۔ پھر میں نے کہا دسول الشرمیرے اس کام کا کفارہ کیا ہے، حضود ہے فرمایا : برتن کی مانند برتن اور کھانے کی مان ن دکھانا (نسائی گفتگوا ویر گزرم کی سیے ۔

بار السكوانيي نفس ما زماع فوم دمواش كابات بوكى توم ك كليق فراب كدوس

۵۲۵ و حكما تَكَا أَحُمَّهُ بُنُ مُحَمَّدِ ابْنِ نَابِتِ الْمِرُوزِيُّ نَاعَبُهُ الرَّنَّ اقِ أَنَامَعُمُ عَنَ الْبِهُ وَالْمَعُمُ عَن الْبِهُ وَالْفَالِمَ الْمَدَاءِ بُنِ عَا مِن بِب عَن حَدَاهِ بُنِ عَا مِن مِن مَحَبَّصَةَ عَنْ اَبِنْ وَالْفَرَ اللَّهِ مَا لَكُمُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّى اللَّهُ عَلَيْهُ وَسَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّى اللَّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّى اللَّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّى اللَّهُ اللِّهُ اللَّهُ اللِّهُ اللَّهُ اللْمُ اللَّهُ الْمُلْالِمُ اللَّهُ الْمُعَالِمُ اللْمُ اللَّهُ الْمُؤْمِنِ اللْمُ اللْمُ اللْمُ اللَّهُ الْمُعْمِلِ اللْمُلْمُ اللْمُلْمُ الْمُلِمُ الْمُلْمُ اللْمُ اللْمُلْمُ اللْمُلْمُ اللْمُ اللَّهُ الْمُلِمُ اللْمُلْمُ اللْمُلْمُ اللْمُلْمُ اللَّهُ الْمُلْمُ اللْمُلْمُ اللْمُلْمُ اللْمُلْمُ اللْمُلْمُ اللْمُلْمُ اللْمُلْمُ الْمُلِمُ اللْمُلْمُ اللْمُلْمُ اللْمُلْمُ اللْمُلْمُ اللْمُلْمُ اللْمُ

محیقہ سے روایت ہے کہ مرادین عا زب رضی التٰرعیز کی ایک اونٹنی ایک شخص سے باغ میں داخل ہوئی اوراسے خواب کی دراسے خواب کر دیا۔ پس رسول اسٹرصلی اسٹرعلیہ وسلم نے فیصلہ فر ما باکراصل اموال دن کوان کی حفاظت خود کر ہیں اوراصل مورثنی را سے درکھئے ۔ رات کو اُن کی نگرانی کمرس (این ماحہ انسانی ہے دیکھئے۔

٧٧ هـ مَ مَ كَلَّا ثَكُنَا مَ خُهُو كُوْنُ كَالِي نَا الْفَرْيَا فِي عَنِ الْاُوْزَاعِيَ عَنِ النَّوْ وَيَعِنَ حَرَامِ بْنِ مُحَيَّصَةَ الْاَنْصَارِي عَنِ الْبُواءِ ابْنِ عَازِبِ فَالْكَانَتُ لَنَا حَاقَتُمُ ضَارِيَ كَفَا خُلْتُ حَارِكُا فَا فَسَكَ تَ فِيْ مَ فَكَا وَرُسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْبِ مِ صَارِيَ كَفَا فَقَ حَلَى اللهُ عَلَى الْمُعَا الْحَوَا يُطِي بِالنَّهَا مِ عَلَى الْهِلِهَا وَاَنَّ حِفْظ الْمَاشِيةِ وَسَلَّمَ فِيهَا فَقَ حَلَى اللهُ الْمُحَارِي النَّهَا مِ عَلَى الْهِلِهَا وَاَنَّ حِفْظ الْمَاشِيةِ بِاللَّهُ لِ عَلَى الْهُ لِهَا وَاَنَّ عَلَى الْهُ لِ النَّهَا مِ الْبُهُوعِ مِ اللَّهُ لَا اللَّهُ الْمُعَلِي اللَّهُ الْمُؤْمِ اللَّهِ اللَّهُ الْمُؤْمِ اللَّهُ اللَّهُ الْمَاشِيةِ مَا اصَابَتُ مَا ضَيَتُهُ هُو بِاللَّهِ لِي اللَّهُ الْمُؤْمِ وَاللَّهُ اللَّهُ الْمُؤْمِ وَاللَّهُ اللَّهُ الْمُؤْمِ وَاللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُؤْمِ وَاللَّهُ اللَّهُ الْمُؤْمِ وَاللَّهُ الْمُؤْمِ وَلَا لَهُ الْمُؤْمِ وَاللَّهُ الْمُؤْمِ وَالْمَالِي الْمُؤْمِ وَاللَّهُ الْمُؤْمِ وَاللَّهُ الْمُؤْمِ وَالْمُؤْمِ وَاللَّهُ اللَّهُ الْمُؤْمِ وَاللَّهُ الْمُؤْمِ وَاللَّهُ الْمُؤْمِ وَلَا اللَّهُ الْمُؤْمِ وَلَيْ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُؤْمِ وَاللَّهُ الْمُؤْمِ وَالْمُؤْمِ وَاللَّهُ الْمُؤْمِ وَاللَّهُ الْمُؤْمِ وَاللَّهُ الْمُؤْمِ وَاللَّهُ الْمُؤْمِ وَلَى اللَّهُ الْمُؤْمِ وَاللَّهُ الْمُؤْمِ اللَّهُ الْمُؤْمِ وَاللَّهُ الْمُؤْمِ وَاللَّهُ اللْمُؤْمِ وَاللَّهُ الْمُؤْمِ وَاللَّهُ اللْمُؤْمِ وَاللَّهُ الْمُؤْمِ وَالْمُؤْمِ الْمُؤْمِ وَالْمُؤْمِ اللْمُؤْمِ وَالْمُؤْمِ اللْمُؤْمِ وَاللَّهُ الْمُؤْمِ وَالْمُؤْمِ الْمُؤْمِ اللْمُؤْمِ وَالْمُؤْمِ اللْمُؤْمِ ال

براء بن عاندب رضی التری نہ رسے دوا سے سے کراس کی ایک صرر درسال اونٹنی تھی یس وہ ایک باع ہیں واضل موقی اس مار ک مو کی اوراس ہیں گٹر بڑکی پس اس باد سے ہیں دسول انترصلی الشرعلیہ وسلم سے بات کی گئی تو آپ نے فیصلہ فرمایا کہ دن کو باعز رکی حفاظت ان کے مامکوں کے ذمہ سے اور دات کوجانوروں کی نگرانی ان کے مالکوں کے ذمہ ہے، اور دات کو ان کے جاریا ہے جو نقصان کر جا ہیں اُس کا تا وان ان ہم آئے گا،

 بِسَرِ اللهِ التَّحِلُو التَّحِيَّةِ الْمُحَارِدِةِ الْمُحَارِبِ الْمُحَارِدِةِ الْمُحَارِدِةِ الْمُحَارِدِةِ الْمُحَارِدِةِ الْمُحَادِدِ الْمُحَادِدِدِ الْمُحَادِدِ الْمُحَادِدِ الْمُحَادِدِ الْمُحَادِدِ الْمُحَادِدِدِ الْمُحَادِدِ الْمُحَادِدِدِ الْمُحَادِدِ الْمُحَادِدِ الْمُحَادِدِ الْمُحَادِدِ الْمُحَادِ الْمُحَادِدِ الْمُحَادِدِ الْمُحَادِدِ الْمُحَادِدِ الْمُحَادِدِي الْمُحَادِدِ الْمُحَادِدِ الْمُحَادِدِ الْمُعِدِدِ الْمُحَادِدِي الْمُعِدِدِ الْمُعِدِدِ الْمُحَادِدِ الْمُحَادِدِ الْمُحَادِدِي الْمُعِدِدِ الْمُعِدِدِ الْمُعِدِدِدِي الْمُعَادِدِي الْمُعِدِدِي الْمُعَادِدِي الْمُعِدِدِي الْمُعِدِدِي الْمُعِدِدِي الْمُعِي الْمُعِدِدِي الْمُعِدِدِي الْمُعَادِدِدِي الْمُعِدِدِي الْمُعِدِدِي الْمُعِدِدِي الْمُعِدِدِي الْمُعِدِدِي الْمُعِدِدِي الْع

رطلب تضام كاياب على مس اساباب اور . يصرفي يس-

٥٧٥٣ - حَكَّا نَتُنَا نَعُمُ بَنُ عَلِيَّ نَا فَضَيْلَ بُنُ سُلِمَانَ حَمَّا شَنَا عَمُرُوبُنَ اَ فِي عَمُرِوعَن سَمِيْدِ الْمَقُبُرِيِّ عَنْ اَبِى هُرَبُرَةَ اَنَ رَسُولَ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحَ فَالَ مَنْ وُتِ الْقَضَاءَ فَفَدُ ذُرِبِحَ بِغَيْرِ سِكَبْنِ.

ابوہ رہیرہ دصی التَّرْعِ ترسے رگوائیت سے کہ دسول التَّدْصلی التَّدَعلیہ وسلم نے فرما یا بیجسے قاصی بنا یا گیا توکیسے

مجری کے بغیر ذبح کر دیا گیا رہر ندی

اش سے : جیری کے ساتھ ذریح کرنے سے مالوح کو اتنی تکلیف نہیں ہوتی حتنی تھری کے بغیر ذریح کرنے سے ہوتی ہے۔ اس سے مالور سسب کے سسک کر مرتاہے۔ امام خطابی کا تو ل ہے کہ اس حدیث میں قاضی سفنے کی نواہش سے بجاتا مقصود ہے کیو نکہ جوشخص قاصی بنا وہ تھری سے بغیر ذریح ہوگیا۔ عام عادت وعرف ہیں ہے کہ ماز ہوح کو چھری سے ذری کیا جاتا ہے ، سو جو فخص اتنی ہڑی ذمہ داری کا کام سنجا لتا اور اس کی حرص کر تا ہے وہ اپنے دیں اور حبم و مبان کو ملاکت میں ڈال دیتا ہے ، کو یا وہ اپنے آپ کو چھری کے بغیر ہی ذبح کرنے کے سکے ہیں کم رہا ہے۔

٨٧٥٧٠ حَمَّا نَكَ أَنُكَ نَصُرُبُنُ عَلِيّ اللهِ اللهُ ثُرَثُ عَهَرَعَنَ عَهُ وِاللهِ أَنِ جَعُفَرِعَنَ عُهُ اللهِ أَنِ جَعُفَرِعَنَ عُهُ اللهُ عَلَيْمِ أَنِ مُحَمَّدٍ النَّبِيّ عَنِ النَّعَ عَنِ النَّامِيّ وَالْكُورِجِ عَنْ اَ فِي هُرَيْرَةَ عَنِ النَّبِيّ صَلَّى اللهُ عَلَيْمِ وَسَلَّمَ فَالْ وَهُورِ مِنْ يَدِي وَلَا مُن جُعِلُ قَاضِيًا بَهُنَ النَّاسِ فَقُلُ ذُهِبَ مِغَيْرِ سِرِيّيْنٍ وَسَلَّمَ فَالْ مَن جُعِلُ قَاضِيًا بَهُنَ النَّاسِ فَقَلُ ذُهِبَ مِغَيْرِ سِرِيّيْنٍ وَسَلَّمَ فَالْ مَن جُعِلُ قَاضِيًا بَهُنَ النَّاسِ فَقَلُ ذُهِبَ مِغَيْرِ سِرِيّيْنٍ وَاللهُ مَن جُعِلُ قَاضِيًا بَهُنَ النَّاسِ فَقَلُ ذُوبِهَ مِغَيْرِ سِرِيّيْنِ وَاللهُ مَن جُعِلُ قَاضِيًا بَهُنَ اللهُ عَلَيْهِ مِنْ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْدِ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهِ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهِ اللهُ اللهُ عَلَيْهِ اللهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللهُ الله

الجسرىيده دمنى الله عندنے نبی صلی الله عليه وسلم سے دوایت کی کمہ: حس کو توگوں کے درمیان قاضی بنایا گیا تواسے ح حجری کے بغیر ہی ذبے کہ دیا گیا دانسانی اورابن ماجہ چھری کے بغیر فربح کیا جانے والا با نفاظ دیگر گلا گھوشنے اور شدید تعذیب کے مسابقہ مالا جا باہے۔ قضاء کی ذمہ داریاں سمجانے کے لئے اس سے زیادہ نصیح و بلیخ اور مسالغہ آمیز محاورہ استعمال نہ مں ہوسکتا تھا ،

بَابِ فِي الْقَاضِيُ يُخْطِيُ

رقامى كے خطاء كرنے كاباتى، وقامى كے خطاء كرنے كاباتى، وقامى كے خطاء كرنے كاباتى، وقامى كے خطاء كرنے كاباتى، وقا

عُنِ اَبُنِ بَرَكُنَاهُ عَنُ آبِيهِ عَنِ النَّبِيِّ صَلَّى اللهُ عَلَيْ رَصَّلُونَالَ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ مُ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَى النَّارِ وَالنَّالِ فَا النَّارِ وَالنَّالِ فَاللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَرَفَ الْحَقَى فَقَعَى النَّارِ وَدَجُلُ عَرَفَ الْحَقَى فَقَعَى النَّارِ وَدَجُلُ عَرَفَ الْحَقَى النَّارِ وَدَجُلُ فَعَلَى النَّامِ عَلَى النَّامِ وَدَجُلُ فَعَلَى النَّامِ وَاللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ النَّامِ وَالنَّامِ وَاللهُ اللهُ ال

ہ کا ہے۔ میں کے میں است کی کم بی مسلی السّر علیہ دسلم نے فرما یا ، قاصی تین ہیں ہا بک حبّتی اور دوم بتمی یسو وہ تو عبتی ہے وہ وہ آ دمی ہے جس نے حق کو بہی نااوراس سے مطابق فیصلہ کیا ۔اور حس نے حق کو بہی نا پھر فیصلے میں طلم کیا آلوہ ہتمی ہے اور جس شخص نے جہالت سے نوکوں سکے لئے فیصلہ کیا وہ بھی حبنمی سے در تر نبری ، ابن ماجہ) ابوداؤ د سنے اس نبر میں ہیں کی میں ہیں کہ میں کی ابوداؤ د سنے اس

سی سی سی سی سی کا میں ہے۔ مشرح: اس مدیث کی روسے قاضی کے لئے تین باتیں صروری ہیں: علم، اس علم صحیح کے مطابق فیصلہ کرنا ، عدل کرنا ۔ ان میں سے ایک چیزمیں بھی کوتا ہی ہوگئی توانجام مجیز نہیں اس کئے تو کچھپی مدیث میں قصناء کی طلب افتو دیت پر اتنی سخت بات فوا فی گئی ہے۔

٧٥٤٠ حَكَّانُكُ مُحَكَّدُ الْعَلَاءِ وَمُحَكَّدُ الْمُتَنَى قَالَانَا الْبُومُعَاوِية عَنِ الْمُحَكِّدِ الْمُحَكِدِ الْمُحَكِّدِ الْمُحَكِدِ الْمُحَكِدِ الْمُحَكِدِ الْمُحَكِدِ الْمُحَكِدِ الْمُحَكِدِ الْمُحَكِدِ الْمُحَلَدِ الْمُحَلَدِ الْمُحَلَدِ الْمُحَلَدِ الْمُحَلَدِ الْمُحَلِدِ الْمُحَلِدِ الْمُحْدِ الْمُحَلِدِ الْمُحَلِدِ الْمُحَلِدِ الْمُحَلِدِ الْمُحَلِدِ الْمُحَلِدِ الْمُحَلِدِ الْمُحَلِدِ الْمُحْلِدِ الْمُحْدِدِ الْمُحَلِدِ الْمُحَلِدِ الْمُحْدِدِ الْمُحْدُدِ الْمُحْدِدِ الْمُحْدِدِ الْمُحْدُدِدِ الْمُحْدُدِ الْمُحْدُدِ الْمُحْدُدِ الْمُحْدِدِ الْمُحْدِدِ الْمُحْدُدِ الْمُحْدَدِ الْمُحْدَدِدُ الْمُحْدُدِ الْمُحْدِدِ الْمُحْدِدُ الْمُحْدَدِدُ الْمُحْدُدِدُ الْمُحْدِدِ الْمُحْدِدِ الْمُحْدِدُ الْمُحْدِدِ الْمُحْدِدِ الْمُحْدَدِدُ الْمُحْدُدِ الْمُحْدِدُ الْمُحْدُدِ الْمُحْدُدِ الْمُحْدِدُ الْمُحْدُدِ الْمُحْدِدُ الْمُحْدِدُ الْمُحْدِدُ الْمُحْدُدُ الْمُحْدِدُ الْمُحْدُدُ الْمُحْدُدُ الْمُحْدِدُ الْمُحْدِدُ الْمُحْدِدُ الْمُحْدِدُ الْمُحْدِدُ الْمُحْدِدُ الْمُحْدِدُ الْمُحْدِدُ الْمُحْدُدُ الْمُحْدُدُ الْمُحْدُدُ الْمُحْدُدُ الْمُحْدُدُ الْمُحْدُدُ الْمُحِدُدُ الْمُحْدُدُ ا

خَالَ ذَالَ رُسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّى إِذَا حَكَمَ الْحَاجِ مُ فَاجُنَهُ مَا خَالَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ عَلَى اللهُ الْحَرُفَ حَمَّ اللهُ عَلَى اللهُ الْحِرُفَ حَمَّ اللهُ الْحَرُفَ مَنْ اللهُ الْمُؤْفِظُ اللهُ الْمُؤْفِظُ اللهُ الللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ الله

کروبن العاص رمنی النری نے کہ کردسکول الند صلی النری بدوسکم نے فرما با : جب نیصلہ کرنے والا فیصلہ کرسے اور اجتہاد کرسے اور اور ایس کرنے کے باوجود خطا کرسے تواس کے سلے اجر سے ۔ باوی پزیر بن عبدالند نے کہ اکر بن نے یہ مدیث الو کم برب حزم کوسنا ہی تو وہ بولا: اس طرح مجے ابوم لمر سنے ابوم مریدہ دخی النہ عندی طرف سے مدیث مسائی تھی دم خادی مسلم،

ابن ماجہ د تررنزی، نسائی)

می ہےجن کااحمال موجود ہو مذکہاصول میں جواز کان شریعیت میں ۔اسی طرح بنیا دی احکام جو مختلف وجو ہ کا احتمال نہیں رسکھتےا ورجن میں تاویل کا دخل نہیں وہ بھی اس سے خارج ہیں ۔ان میں خطا دکر سنے والاصلام و نہیں ہوتا اور اس براہ بحک فرم الدر در سرم

اوراس كا محموني بردور مير . ٢ > ٣٥٠ كُمُكُ الْمُنْ الْمُحَمَّدُ اللهِ مَنْ اللهِ مَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى عَنْ بِلَالِ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ الل

الله مُبككًا بُيِنَ بِياجُرُهُمِ

انس بن مالک سنے کہاکہ میں سنے دسول الٹرصلی الٹرعلیہ وسلم کو فوانے کسنا ، حب سنے تعنا، کوطلب کیا اور اِست مامسل کرسنے میں دلوگوںسے ، مدد ما نگی اُسے اُسی سے مرکز کر دیا جاسے گا روہ اعانت النی سسے فروم ہوگا ، اور اُ جس سنے اسے لملب مذکمیا اور مذکسی سے اس بر مدد ما نگی ، الٹر تعالیٰ ایک فرشتہ اتا رسے گا جو اُسے لاہ حق بر سیدھا مجلائے گا دہتہ ندی ، ایسا شخص ذمہ داری کا احساس کرسے گا ، امتیا طرسسنے بھے کرچلے کا اور ذاتی اغرا من کی

سرد من منرس کا پس است درستی کا تونیق سے گی جبکہ پر استحص اس سے قرم ہوگا۔
سرد کو منرکر سے کا پس است درستی کا تونیق سے گی جبکہ پر استحص اس سے قرم ہوگا۔
موسکی بی نک نکجہ کا قت عَن جَرّا ہ نک عَبْر الله عَبْر الرّ عَبْر الرّ حَمْن کَاهُلا بِی مُرْبِی عَبْر وَحَدَا نَکِی کَا مُرْبِی کُونِی کَاهُلا بِی مُرْبِی کَمْن کَلاب قضاء المُسلِمین حَدَّی کُونی کُونی

بنت سے اطلب تفناء اگر چہ مکر وہ ہے گر حب اس شخص نے نفناء کی ذمہ دار یوں کو در ست طور رہنجا یا تواس کی میر نفلطی نظار تلاز کر دی حاسمے گی بعجن دفعہ اتوال وظروٹ کا تقاضاء بھی ہی ہوتاہے کہ سجسے الٹر تعالی نے المبیت دی

اہووہ آگئے باط مرکنو دہیش کش کرے۔

م عصر على النَّرُ الْمِدَاهِ الْمُرَاهِ الْمُرَاهِ الْمُرَاهِ الْمُرَاهِ اللهِ اللهِلهُ اللهِ ا

ے است کی است کے ہا: یہ میں آتیں خاص طور رہینو قریظ ہو میونضیے بھو دلوں کے متعلق اسم محقیق : وَمَنْ لَمَ ۖ قُرِ اَبِّنِ عَبَّاسِ نِنْ کِهِ: یہ میں آتیں خاص طور رہینو قریظ ہو میں ایسا کہ فاصفی در میں ۔ محکوم کہ اُنڈیک ایڈ کر اُنڈکر اُنڈکر اور کی اور اور کی میں اور اور کی کہ اور کی کا سند کی میں کا میں اور کی کا

يَحْكُمُّونَهُ انْزُكُ اللَّهُ فَالْأَنْفَ هُمُّ الْكَافِرَ وُنَ - المَائِرَة لَهُم، هم، دم، أنفا سِقُونَ مَك -مش خ ال آبيو سي اللَّدُتوالي في النِيض مم كفولات فيصلي ميوالول كوظالم، كافراور فاسق فرما يا مع شان رول في ال كالوجوديول كفصائص بي مُرحكم عام سيم كيونك اصول كاقاعده سيع كم: اعتبار عموم تعظ كاسيم مَرْ كم عموص مورد كافح

بَاسِيْ فِي طَلْبِ الْفَضَاءِ وَالتَّسَرُّعِ الْبَيْءِ رطب قنه دا وراس كاطن مبدى كرف كابات

کُن نَسْتَحُیدُلُ اُوْلَا نَسُنَکُیدِلُ عَلَیْ عَمُلِنَا مَنْ اُدَا کَدَه ۔
ابوہوسی نے کہاکہ بی سلی الٹرعلیہ وسلم نے فرایا ، جو شخص ہم سے مہدہ طلب کرسے گاہم اسے ہرگز عامل ننہ بنامیں گے ، یا پر فرایا کہ ہم اسے ہرگز عامل ننہ بنامیں گے ، یا پر فرایا کہ ہم اسے ہرگز عامل ننہ مطقل آئے گی) یہ ایک طویل حدیث کا اختصار سے اورالفا ظرحدیث سے پہر میانا ہے کہ عمل سے مراد ہم بن اور قضاء سے یکومت کی عام طازمتوں کا معاطمان سے مختلف ہے کیونکہ یہ مفامات انتظامیہ اور عدایہ کے نمائت اور بہت و مردارا نہیں ۔ اس قسم کے دیگرا علی عمدوں کو بھی انہی پر قبیاس کیا جا سکتا ہے کہ وکہ کہ مدیث کا ففط تھلی حکولت ابہت عام اور حاوی ہے۔ والتّداعلم ۔

كَا مِنْ فِي كَرَاهِبَةِ الرِّشُورَةِ در رودت كالمهيت كابات

﴿ ٧٧ ٣٥ حَكَّا ثَنَّ اَحْمَدُهُ ثُنُ يُونِسُ كَا ابْنُ اَبْنُ أَبِى خِرْبُ عَنِ الْحَادِثِ بَنِ عَبُدِ الْرَّخْلِي ﴿ عَنْ اَ بِى سَلَمَةً عَنْ عَبُدِ اللّهِ بَنِ عَلَيْرِونَالَ لَعَنَ رَسُولُ اللّهِ صَلّى اللّهُ عَبُدُهِ وَسَلَّمَ ﴿ الرَّا شِي وَالْمُرْزَشِي .

عبدانٹدبن عمرو دمنی انٹریمنہ نے کہا کہ دسول انٹریسلی انٹریملہ دسلم نے دیشوت دسینے واسلے و دریشوت سینے <u>والے</u> ب_هریعنت فرمائی وابن ماجہ ترندی

شُرح: خطا بی نے کہا کہ داخی دستوت دینے والا ورمرتنی دسوت لینے والا سے جب ان کا مقصد وادا وہ ایک جیسا ہو تو ہر دوکو اکنی بعنت وعقوبت ہوگی ۔ دستوت دینے والا جب باطل مقصد کو حاصل کرنے اور ظلم کرنے کے لئے دستوت دینے والا جب باطل مقصد کو حاصل کرنے اور ظلم کرنے کے دستوت دیے تو وہ دست تو ملتون سے دلین اگروہ اپنا حق لیسنے کے لئے اور اپنے آپ سے ظلم کا دفاع کرنے کئے دستوت دیں جماجائے گا اس وعید میں نہیں سے دلیکن دیشوت دینے والا کسی حال میں بچرہ میا گیا تو انہوں نے دو دبنا د دسے کرنے ملاحی کہ ای میں میں خلا اقدام میں بچرہ میا گیا تو انہوں نے دو دبنا د دسے کرنے ملاحی کہ ای میں میں اگر دیشوت دسے گا تو میں دیں والے کی دیے جان و مال کی حفاظت کر نے میں اگر دیشوت دسے گا تو میں دور کا د

بَاهِ فِي هَا أَيَا الْعُمَّالِ

رَعْمَال كَ تَخُون كاباب، ٤٤٥ - حَكَّا نَنْكُ مُسَكَّادٌنَا بَحِيل عَنْ إِسْمَاعِيْل بُنِ إِنى خَالِمِ قَال كَتَا ثَنِي نَبُسُ فَالَ حَكَّا ثَنِي عَدِي كُنْ عُمُكِيرَةَ الْكِنْدِي كُانَ رَسُول اللهِ عَلَى اللهُ عُلَيْدِ عِلْمِ وَسَلَوْفَالَ يَا اَبِّهَا النَّاسُ مَنْ عُبِلَ مِنْكُوْلَنَا عَلَى عَبَلِ فَكُتَمَنَا مِنْهُ مِخْبَطًا فِهَا فَوْفَهُ فَهُوَغَلُّ يَا قِي بِهِ يُوْمَ الْقِيلَمَةِ فَقَامَ رَجُلٌ مِنَ الْانصَارِ اَسُوكُ حَاتِي انظُرُ اللَّهِ فَقَالَ يَا رَسُولَ اللهِ إِقْبَلُ عَنِي عَمَلَكَ قَالَ وَمَا لَا لِكَ فَالَ سَمِعْتُ كَ تَقُولُ كَنَ اوكَنَ (وَكَنَ اقَالَ وَانَا اللهِ إِنْ اللهِ اللهِ عَمَلِ فَلَيَاتِ بِقَلْتُ لِهِ وَكِنْ إِو فَكَا أُوتِي مِنْ لَهُ أَخَذَا وَمَا نُهِي عَنْهُ إِنْ مَنْ اللهَ عَمَلِ فَلَيَاتِ

بالب كبيف الفضاء دقفار كيفيت كابات،

مه مه مر حكما الله عنى عنى وبن عنى والكان الله عنى حداية عنى حداية عنى حداية عنى حداية عنى حداية الله عنى عني عن على الله عنى حداية الله عنى حداية الله عنى الله عنى على الله عنى الله عنه الله عنى الله عنى الله عنه الله عنى الله عنه الله

سنن ا بی و*اوُ وجلدیما رم*

على صفى التركون الميكر مي كورس التركون التركو

بأب في فضاء القاضي إذ الخطاء

رقامنى كے فيصلى الجبب كو وه طاكر بى الله عن الله عَلَى الله الله عَلَى الله

امسلہ دمنی انٹری انٹری انٹری النٹر میں انٹری انٹری انٹری انٹری انٹری انٹری انٹری انٹری اور تم لوگ میرے باسس مح مجگراے لاتے ہوا ورشائر تم میں سے کوئی دو مرسے کی نسبت اپنی دلیل بیش کرنے بین زیادہ فقیع و بلیغ موا ورمیں اس کی بات کوش کر اس کے مطابق فیصلہ کر دوں ہومیں جس کے سلے اس کے بھائی کے بق میں سے کمی جدی کا فیصلہ کر وہ تو وہ اس میں سے کچھ منہ سے کیونکہ اس وقت میں اس کے سلے آگ کا ایک ٹکڑا قطع کر رہا ہوں گا رہنا دی مسلم تر فری نسانی ابن ماجی

شرح : مولا ناسنے فره ماکم اس مدیث سے پترچلاکرانسا ن عنیب نہیں جانتاا ورفیصلہ ظاہر رہیم و السیے کواس فیم کے مقد من مى حصورصل الشيعليه وسلم كافيصد برحق بى بوكاكيونك آب نے قوا عرشرع كے مطابق فيصل كيا بهوكا قضو جج كانهي بكفرن مقدم كام وكافتهاء كاس ما وتلات به كه فاضى كافيصان طام وباطن مين فافتسب ياصو ظام مي رجهور کا قول پَرْسے کرصرف طاہر من ا فذرشے ا ورابوصنیغہ کا قول سے کرجب قا مئی کا فیصلہ تو ا عدِشرعیہ ، صنوابطِ قصناء اور آداب قصنا رکےمطابق ہوتو ظاہر وباطن میں نا نذہبے جا سے نکاح وطلاق میں ہو یا اموال میں۔ اور میمسلک س مديث سكة ملاف نهيل سيم كيونك حضور الع فرمايا سيم كمرو عب كع سيعين اس كع عبا في محتق مي سع كوفي فيصلكرون ورعقود وفسوخ رمعاملات بي جج اسك عبائ ككفلاف فيصلهبي كمة اعقداور فسخ مي ايناحق ا ستعمال کمہ تاہے بچوا سے حاکم یا قاضی ہونے کی حیثیت سے حاصل سیے۔ باں اِ قاضی حب مِحقدا ورضع کی حودیت سے سواكسي ورصورت مي فيصل كمرس تواس كالحكم صرف ظاهريين نا فنرتبو كا باطن مين مي كيو مكه التاسك نز ديك وہ ایک فرنق کمے تعلاف اور دوسرے کے تق میں ہے، حق مائم و قاضی میں نہیں ہے ٠٨٥٠ تَكُنُ نَنْ الرَّبِيعُ بُنُ نَافِعَ أَبُونُونَتُ نَاابُنَّ ٱلْمُبَارِكِ عَنُ أَسَامَ لَا بُنِ زَبْدٍ عَنْ عَبْدِاللَّهِ بْنِ مَا فِيعِ مَوْلِ أُمِّرِ سَلِمَةَ عَنْ أُمِّرِ سَلِمَةَ قَالَتُ أَنَّى دَيْدُولَ اللهِ صَلَّى الله عَكِيْهِ وَسَلَحَ رَجُلَانِ يَخْتَصِمَانِ فِي مَوَارِبَيْثَ لَهُمَا لَمُرْتَكُنَ مَهُمَا بَيِّنَكُ اللَّا دُعُوكُمُ ا فَقَالِ النَّبِّي صَلَّى اللَّهُ عَكَيْبِهِ وَسَلَّحُ فَلَاكْرُمِنْ لَهُ فَبَكِي الرَّحُ كِلابِ وَقَالَ كُلُّ وَاحِيد مِنْهُمَا حَقِّيْ لَكَ فَقَالَ لَهُمَا النَّبِيُّ صَلَى اللهُ عَلَيْ لِهِ وَسَتَّحَ اَمَّا إِذَا فَعُكُمُّكُمُ مَافَعُلُنُمُا فَاقَتَسِمَا وَتَوْجِبَ الْحَقُّ ثُكُر أَسْتَهِمَا ثُكُّرتِكَ الَّهِ

نعبی او پرکی مدیرے کی انند بیں وہ دونوں آ دمی رو پڑسے اور ان میں سے ہرایک نے کہا کہ میرائی تیرے سلئے ہے ، بیں نبی صلے التار علیہ وسلم سنے ان سے فزما یا کہ اب جب کہ تم نے کیا جو کیا بیں مال کو آبس می تعتیم س لوا ور ی ہی لینے کی سعی کمہ ور ہرایک اپنا می ہی سے ، پھر قرعہا ندازی کمہ و اور ایک دوسرے کومعاف کمہ دو۔ د مقب ل قاری علیا لہر حمۃ میر حکم از لہ ہ ورع و تقوی تھا نہ کہ ازرا ہ صکم و فیصلہ ، اور جبول مراف حنف ہے کئے دیکے مجھے

به صرف ایک سندیم آگے کو نی حدیث موجو د نہیں ہسن ابی داؤد کے سب نسخوں میں بیرسند موجو دہے -

بَاسِكَكِيفَ بَجُلِسُ الْخُصَمَانِ بَيْنَ بِكَا يِ الْفَاضِي

١ ب فامنى كرسامن فريقين كيول كربيتيس)

٣٥٨٨ حكما ثنت اخمر أن مَنيع نَاعَبُهُ اللهِ بُرُلْمُ اللهِ بُرُلْمُ اللهِ بُرُلْمُ اللهِ بُرُلُمُ اللهِ بُكُونَ عَلَى اللهِ عَنْ عَبْدِ اللهِ بُنِ الدَّبُ بِرِقَالَ وَضَى رُسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْدِ وَسَاتَوَ اللَّهُ صَمْيِنِ عَنْ عَبْدِ اللهِ بُنِينَ يَدِي الْحَكِر -يَقْعُمُ النِ بُنِينَ يَدِي الْحَكِر -

عبدالتُدين نبير في كماكه رسول التُرصل التُرعليه وسلم في فيصله فرما يا كم مقدم مع مع الم مع مع مع مع مع بيطيس و دحديث مين صرف بينظف كالمحم من كيفيت نهين آئ لهذا عنوان باب مي ميفيت كا ذكر ذا يُدميم

كاب القاضى يفضى وهوغضيان

(قامنی کا باب جبکه وه عنصته کی حالت می فیصله کرے

۵۸۵۳- کسن انگ اُم کُمَّدُن کُونَ بِرانا سُفَیاک عَن عَبْدِ الْسُلِکِ بَنِ هُمَیْرِفَال اَللَّهِ مَنْ عَنْ اَلْسُلِکِ بَنِ هُمَیْرِفَال اَللَّهِ مَنْ اللَّهِ مَنْ اَللَّهِ مَنْ اَللَّهِ مَنْ اللَّهِ مَنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مَنْ اللَّهُ مَنْ اللَّهُ مَنْ اللَّهُ مَنْ اللَّهُ مَنْ اللَّهُ مَنْ اللَّهُ مُلِكُمْ اللَّهُ مُنْ اللَّهُ مُنْ اللَّهُ مُنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ الْمُنْ الْمُنْ اللَّهُ مَنْ اللَّهُ مُنْ اللَّهُ مُنْ اللَّهُ مُنْ اللَّهُ مُنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مُنْ الْمُنْ الْمُن

الومگره دمنی الشرعنرف این بین کو لکھاکہ رسول الترصلی الشرعلیہ وسلم نے فرمایا ہے کہ غضبناک ہونے کی ماہت میں قاصی دوآ دمیول کے درمیان فیصلہ نزگر سے رسخاری مسلم ، نسانی، تر مذی ابن ماجر، مشاف میں قاصی دوآ دمیول کے درمیان فیصلہ نزگر سے در سخار گا ہا ہے اور طبیعت مشرح : عضب کی حالت ہویا اسی مشمی اور چیزس مثلاً پاس بھوک وعیرہ ، ان سے عقل میں تغیراً ما تا سے اور طبیعت حالات است معنوف ہوجاتی ہے ۔ الیبی حالات میں فیصلے کے اندر غلطی ، جا نبلادی ، فود عزمنی وعیرہ کا آجا نا

قا بن تعجب منس بو الاس كي اس سف منع فرماً يأكيا ہے .

بَانِكُ الْحُكْمِرِ بَيْنَ الْمُلِالِيِّامَّةِ

دابل فرتري فيصلح كاباب

نن ا بي داؤ د حليهمارم

٧٥٨٠ كَنَا أَكْمُكُ بُنُ مُحَمَّدِ الْمِرُوزِيُّ حَدَّ تَنِي عَلَيْ بُنُ الْحَبَيْنِ عَنْ ٱبِيْهِ عَنْ بَزِيْكَ النَّحُوِيِّ عَنْ عِكْرِمَةَ عَنِ ابْنِ عَبَّاسٍ قَالَ فَالِنُ جَاؤَكَ فَاحُكُمُ يُنْهُ هُوْ أَوْ أَغْرِضَ عَنْهُمُ وَنُسِخَتْ قَالَ فَاحُكُمْ بَيْنَهُمُ وبِمَا أَنْزَلَ اللَّهُ.

ابن عباس منی اللوعند نے کہ کہ رہ آیت: پس اگروہ ترسے پاس آئیں توان می فیصنل کر ماان سے منہ بھیر لے ۔ المائدہ - ۲ مراس آئیت کے ساتھ منسوخ ہوئی تمی کہ اللہ تعالی نے فرمایا: اللہ کے نا زل کردہ احکام کے مطابق ان میں

فیصله کرد المائده - ۷۷ -مش ح: ابن عباش کا مطلب رسید کرمهلی آیت می فیصله کرنے درکرنے میں تخبیر بھی مگر دوسری میں حتی حکم تھا کہ ضرور فیصل کرو ٧٨٥ - حَكَّا ثَنَا عَنْهُ اللهِ بْنُ مُحَتَّدِهِ النُّفَيْئِيُّ قَالَ حَتَّا ثَنَا مُحَتَّمَّ كُنُ سُلَمَتَعَ مُحَمَّدِهِ بُنِ إِسْحَاقَ عَنْ دَاوُدَ بَنِ النُحُصَيْنِ عَنْ عِكْرِمِ رَعْنِ ابْنِ عَبَاسٍ فَالَ لَمَا نَـُزلَتُ هٰذِه ٱلْأَيْثُمُ فَالْنَ جَازُلِكَ فَاحْكُمْ بَيْنَهُ مُوَادُا عُرِضَ عَنْهُمُ وَانْ حَكَمْتَ فَاحُكُمْ بِينَهُ مُ مِالْقِسُطِ إِنَّ اللَّهُ يُحِبُّ الْمُقْسِطِينَ قَالَ كَانَ بَنُوالنَّضِيْرِ إِذَا فَتَكُوا مِنْ بَيِيْ قُرُيْظُهُ ٱذَوُانِصْفُ اليّابَةِ وَإِذَا قَتَلَ بَنُوْقُرُيْظُةُ مِنْ بَنِي النَّضِيرِ إَذَّوْا إِلَيْهِ حُرَالِ بِّابَتَ كَامِلَةً فَسُوَّىٰ دُسُولُ اللهِ صَلَىٰ اللَّهُ عَلَيْرِ وَسَلَّحَ يَيْنَهُ حُرٍ۔

ابن عباس رمنی الت*کنونهانے کہاکہ جب پر*ہ بیت اتھ ہی جھراگہ وہ نتیرے یاس آئیں توان میں فیصلہ *کریا ہی سے المامن ک*و ا وراگرتوفیصل کرسے توان می عدل سے فیصل کر، بل شبران رعاد نول کو پسند کر تا سبے - الما نُدہ ۔ ۲۱ - ۱ بن عباس رضی ت بانے کہا کہ بنونھنے روب بنو قریظ سے کمٹی تھی کو قتل کرتے تونسے نول بہاا دا کرتے اور بنو قریظ ہوب بنونھنے میں سے ی کوفتل کمیتے توبوری درت دستے ہتھے ۔ اس رسول الله صلی الله علیه وسلم نے ان سمے درمیان ہرا ہری کمہ دی تھی ونسائی زمان رما منیت میں آن دومہودی قبائل میں بھی فقنیلت اور برط ائ میں اوق وا تنہا زیھا حالانکہ بہنودان کے افيے احکام مذمب کے خلاف تھا۔

٨ ٨ ٢٥٠ كمَّانْ تَنْكَ كَفَوْصَ بَنْ عَهَرَعَنْ شَعْدَدَعَنْ أَيْ عَوْدِنِ عَنِ الْحَادِثِ بَنِ عَمْرا و بْنِ ٱخِي الْمُغِبْرَنِغِ بْنِ شُعُبُهُ عَنْ اُنَاسٍ مِنْ اَهُلِ حِمْصَ مِنْ اَصْحَابِ مُعَاذِبْنِ جُبُلُ اَنَّ دُسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ نَسَلَا اَرَا دَانَ بَبِعَثَ مُحَاذُ الِى الْهَبَ ف قَالُ كَيْفَ نَقْضِى إِذَا عَرَضَ لَكَ فَضَاءُ فَالَ انْضِى بِكِتَ بِاللهِ قَالَ فَإِنْ لَمْ نَجِهَ قَالُكُمْ فَنَ اللهِ قَالَ فَرِسُنَة وَسُنَة وَسُولِ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَنَّمَ قَالَ فَإِنْ لَهُ تَجِهُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ وَلا فِي كِتَ إِلا اللهِ قَالَ اَلْهُ مَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ وَلا فِي كِتَ إِلا اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ وَلا فِي كِتَ إِلا اللهِ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ وَلا فِي كِتَ إِلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ وَلا فِي كِتَ إِلَى اللهِ قَالَ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ وَلا فِي كِتَ إِلَى اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ عَلَيْهِ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ وَاللّهِ عَلَى اللهِ اللهُ ال

معا ذبن حبل عبول بس اورضابي كا نام كمي غارب يدي

مشرح: نعطابی فر ماتے ہیں کہ معا ذہب خبل کے اس قول کا: اکتھ کہ کا کئی مطلب ہہ ہے کہ میں قیاس کے طیفے سے اس قضائی کو کتاب وسنت کے معانی کی طرف اوٹانے کی بوری گوشش راجہادی کروں گا۔ ان کا بیم طلب نہیں ہے کہ کتاب وسنت کو چھوٹ کر میں ابنی لائے استعمال کروں گا۔ اس سے قیاس واجہا دکا ثبوت ملاا وربیھی کہ وہ کب ضروری ہوگا۔ وُلا آ دُوکا معنیٰ ہہ ہے کہ میں اجہا دمیں کمی نہ کروں گا اوراس کے استعمال ہیں کو تا ہی نہ کو نگا مولانا نے فرایا کر اس مدین کے کئی شوا بر میں جو حصارت عمر، ابن مسعود، زید بن ٹابت اور ابن عباس رضی الندعنہ میں میں دوا بیت کما ہے ۔

میں وقوی نہیں اور دہ تھی نے انہ س سن میں دوا بیت کما ہے ۔

٩٨٥٣ : كُلُّانْكُ مُسَتَّدُ دُنَا يَحْيىٰ عَنَّ شُعْبَتَ قَالَ حَمَّاتَ بِي الْبُوْعَوْنِ بُنَ الْحَادِثِ بُنِ عَنْيِرا وَعَنْ نَا سِ مِنْ اَصْحَابِ مُعَاذِعَنُ مُعَاذِ بْنِ جَبَلِ اَتَّ دَسُولَ اللهِ صَلَى اللهِ صَلَى

الله عَكِثِ وَسَتَعَرَبَمَّا بَعَثَ رَالَى الْيَمَنِ بِمَعْنَاهُ ر

ایک اورسندسی گزشته مدیث کی مم معنی مدیث .

بَامِيْكِ فِي الصَّلْحِ

د صلح کا با تابی

الوسرىية وتقنى الشرعند كها كرجناب دمول الشرصلى الشرعايية وسلم نے فرما يا: صلى مسلمانوں ميں جا نزے، احد دلوی نفسيدا مشافد كيا: مگروه صلى جو حرام كوملال كرسے يا حوال كوموام كرسے سيمان دلوى نفسيرا صنا فركيا: اور ديول الشر

صلى التدعليد وسلم ف فرمايا: مسلمان الني شرطول يديس وتدرندي)

مش حج ابوسلیمان الخطابی نے کہاکہ صلح مُعَاوَّتْناتُ کی مانندے للذاصرف ان چیز وں میں جائز ہے جہاں مال کا وجوب ہوا ور دعوائے قذف میں یا دعوائے زوجیت میں اور دکھی جہول چیز بریرجائز سےا ور نداس بات پر کہ اسپنے کسی فرمن کو بجسے بسرے ماہ برخمول کر سے صلح کی جائے کیو نکہ یہ نسبۂ بعا و صدر نسید کی ما نند بہوگا . اور مالک کے کے قول کے مطابق اقرار برصلح کی ایک اور شافعی کے قول پر انکا دبیرجائز نہیں اور چنفیہ ہے نز دیک ان دولو بر بہا کہ دوار میا اگر جہ مسلح کی ایک اور قسم ہے وہ ہر کرسی مال پر مصالحت کی جائے کہ بطور نقد اس کا بعض کہ ن الکہ سالہ ون علی شدو و طور کا مطلب یہ ہے کہ جائز نشروط مذکہ فاسد شوطین جنبیا کہ انٹر تعا لے نے عقود

تحضرت گنگولہی دم تالشرعلہ کاار شادسے کرملال وحرام سے مراد وہ چنریں ہیں جن کی حلت وحرمت وائٹ شرع میں ثابت ہے ۔ بااس سے مراد پرسے کر حرام صلح کے بعد بھی حام دسے گا اور ملال صلح کے بعد بھی ملال دم کیا گوصلے سے اس کی تحریم لازم آئے ۔ اور ملال کو حرام کر نے کی مثال یہ ہے کہ شلائد وجہ فاون رسے یہ مصا کحت کرے کہ وہ اسے طلاق نذوے گا یا اس پر نکاح ثانی نہ کرسے گا یا اس کی سوت کے باں دات نہ گذا دسے گا ہے ام کو صلال کرنیکی مثال یہ ہے کہ مثلاً ایک آ دمی دوسرے سے اس شرط پر صلح کر سے کہ فلاں اون کلی سسے مقادبت کرے گاصل کا کہ سے کہ يه ملال نهيں يا شلاكسى مال كو كھا جائے ہوسلى كمرے جس كا كھا ناكى بير ملال نہيں۔ جديث يس سے كر مرشرط جكتيا م

مِّن بَهِن وَهُ إَ اللّهِ عَرَام كُومَا لَكِرَ فَى مُصْلِي عَلَى مُوالِمُ الْمُكَ مُدُوياً بَاعَى كَامُدُوياً مَسَلَما فَلَ سَعِمَا وَهُ مُولِكُا لَيْ مَالِكُومُ مُرْفَى مُلْكُومُ اللّهِ عَلَى مُلَالُهُ وَهُ اللّهِ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهِ عَلَى اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَى الل

کعب بن مالک رضی الله عند نے کہا کہ دسول الله صلی الله علیہ وسلم کے عہد میں اس نے ابن ابی طروسے ایک قرصٰ کی دائی کی کا تقاضا کیا جواس کے وقعہ تھا۔ یہ سجد کا واقعہ سے اور دونوں کی آوازیں بند ہوگئیں حلی کر انہ بس رسول الله صلی الله علیہ وسلم اپنے جو کے میں رسول الله صلی الله علیہ وسلم اپنے جو کے اپنے دہ اٹھا کہ با مراس نے کہا: ما صربوں کا بہد دہ اٹھا کہ با مراس نے کہا: ما صربوں با رسول الله الله الله عند وسرسے خص سے فرمایا: اس سے وایا کہ نصف قرض جھوڑ دو۔ کعب بولا: یا رسول الله میں نے جھوڑا۔ حصنور نے دوسرسے خص سے فرمایا: اُس کے الله ورقرص کوا واکر در بخاری امسلم، نسائی، ابن ما جہ

سش سے: خطابی نے کہاکہ اس صدیث سے قاضی کے صلح کرانے کا ہوا نسکلاکہ وہ مقدمہ کے فریقین میں مصالحت کرائے اور یہ بھی کہ حب صلح میں اصل قرص یا مطالبے سے کچوکم کیا جائے تو باقی کا نقد اداکر نا وا حب ہے اس کے معلق ہوا کہ مقروض کو معید میں کیٹ نا اور قرص کی ادائیگی کا مطالبہ کرنا جا ٹرزیے۔

بَأُسِكُ فِي الشَّهَا كَاتِ

موهم. حَمَّا ثَنَ التَّمْرِ وَاحْمَدُ ثُنُ سَعِيْدٍ الْهَمْدَ افِيُّ قَالَا أَخْبُرُنَا انْ سَعِيْدٍ الْهَمْدَ افِيُّ قَالَا أَخْبُرُنَا انْ

هِب نَالَ اَخْبُرُنِي مَالِكُ بُنُ أَنْسِ عَنْ عَبْدِ اللهِ بُنِ أَنِي بَكُراَتُ أَبَاكُ ٱخْبُرُكُ اَنَّ عَبْدَه اللَّهِ بْنَ عَمْرِونِنِ عُثْمَانَ بُنِ عَفَّانَ اَخْتَرَهُ اَنَّ عَبْدَا لِرَّحُلِن بُنَ إَبِي عَمْرَةَ الْأَنْصُادِيُّ اَخْبُرَةُ أَنَّ زَيْدًا بَنَ خَالِي الْجُهَنِيُّ آخُبُرَةُ أَنَّ مَا سُولَ الله حَسَلَى اللهُ عَكَبُهِ وَسَنَّعُ قَالَ الدَّانْحِيرُ كُثُر بِحَيْرِ الشُّهَكَ اعِ اَتَّنِوى يَأْ يِن بِشَهَادَتِهِ اَوْيُخِيرُ بِشَهَا دَتِهِ فَبُلَ اَنْ تَبُسَالَهَا شَكَّ عَبُدُ اللَّهِ بُنُ اَبْ بَكُرِ اَيْنَهُمُ قَالَ قَالَ ٱلْبُودَ أَوَدَ قَالَ مَا لِكَ آتَنِ فَي يُجِبُرُ بِشَهَا دَيْهِ وَلَا يَعْلَمُ بِهَا آتُنِ فَي هِي كَهُ قَالَ الْهَدُّدَ إِنَّ وَيُرْفَعُهَا إِلَى السُّلُطَانِ قَالَ أَبُنَ السَّرْحِ أَوْ بَا تِيَ بِهَا الْإِمَّامَ وَالْاِخْبَارُ فِي حَدِيْنِ الْهَدَى الْهَدَى الْمَاكُ الْمُنْ السَّرُجِ ابْنُ أَبِى عَنْمُ لَا كَوْنِهَلُ عَنْمُ الدَّخْمِين نه يدين خالة حينى في تناياكريسول التنصلي الشرعليه وسلم في فرمايا بكياس تهيس بهترين كواه بناؤ رې بيروه فص ہے جوسوال کئے جانے سے پہلے اپنی شہادت بیش کرے ، یا کہا کہ اس کی خبردے ، شک عبدالشدین آئی مک را وی کوسیے ۔ ابو داؤ دنے کہاکم مالک نے پر لفظ لولائے جوا پنی شہا دست کی خبردسے اور جس کیے سلیے وہ شہا دت ہے اسے علم بھی ندہو۔ ہم را نی نے کہا: اوراسے ما کم کو ہنچا سے۔ ابن السرح نے کہا: یا وہ گواہی ا مام کے باس لاسئے۔ ہمانی کی مدیث میں اخیار کالفظ ہے اورایں اسرح نے عبدالرجمل نہیں کیا بکہ ابن ابی عمرہ کہا ہے دیہ امدیث تخاری، تر مذی ، این مامه اور تقول معذرتی نسانی س تھی سے فلاں بات کامنا مربوں بعض نے کہاکہ اس کا تعلق ا مانٹ اورود بعث کے ساتھ لیے کو ای حق دار جب سی حق کا بة مك ما كمركے يا س سفهادت مذہو كئي اس كاكو فئ مول ننبي . اور ببرنت ہوگاجي كر سق دانسہ بغر ملعت انھائیں گے اورشہا دت سے مطاسیع سے بغیر گواہی دس سے اس سے مرا دوہ لوگ ہں جوبلاضورت ومطالبہ خواہ مخواہ شہا دت دیستے ہیں ۔یا وہ لوگ عنبی مور ریہ یوں ہی قشہیں کھائمیں سکے مثلاً یہ کہ فلاں عبنتی ہے اوس فلال جہنمی - یہ التّٰدیر جرائٹ سے بچہ ندموم وممنوع سے ۔

بَأَرْ الْ فِي الرَّجْلِ يُعِينُ عَلَى حَصُومَةٍ مَنْ عَيْرِ إِن يَعْلَمُ امْرَهُا

داس کو می کا با سال جو لاعلی کے باوجود کسی مقدمے میں مددکرے

٣٥٩٠ حَلَّانَكَ آحُمُهُ بُنُ يُوسُ نَازُهُ بُرُ نَاعُمَارُةُ بُنُ غُزَيَّةً عَنْ يَجْيى

مُنِ كَاشِرِهِ قَالُ جَلَسْنَالِعَتْ اللهِ بُنِ عُمُرَفَخَرَجَ إِلَيْنَ فَجَلَسَ فَقَالَ سَعِعْتُ أَنْ كَاللَّهُ وَكَ كَاللَّهُ وَكُونَ حَلَمَ فَخَرَجَ إِلَيْنَ فَجَلَسَ فَقَالَ سَعِعْتُ أَنْ كَاللَّهُ وَكَ كَاللَّهُ وَكُونَ حَلِمَ فَكَ اللَّهُ وَكُونَ حَلِم فَ كُلُودِ اللهِ فَقَلَ اللهُ وَمَنَ خَاصَهُ فِي بَاطِلٍ وَهُوكِ عَلَمُهُ لَكُريَزَلَ فِي كُنُهُ وَمَن خَاصَهُ فِي بَاطِلٍ وَهُوكِ عَلَمُهُ لَكُريَزَلَ فِي مَنْ فَاللَّهُ وَمَن خَالَ فِي مُؤْمِنٍ مَالَيْسَ فِيهُ وَاسْكَنَهُ اللهُ كَوْ غَنَا اللهُ كَوْمُن قَالَ فِي مُؤْمِنٍ مَالَيْسَ فِيهُ وَاسْكَنَهُ اللهُ كَوْمُ عَنْ اللهُ كَوْمُن قَالَ فِي مُؤْمِنٍ مَالَيْسَ فِيهُ وَاسْكَنَهُ اللهُ كَوْمُ فَاللَّهِ اللهُ كَنْ مُؤْمِنٍ مَالَيْسَ فِيهُ وَاسْكَنَهُ اللهُ كَوْمُ عَنْ اللهُ كَاللَّهُ مَا لَيْسَ فِيهُ وَاسْكَنَهُ اللهُ كُو عَنْ اللهُ وَاللَّهِ اللهُ وَيَعْلَمُهُ وَمِي مَالَيْسَ فِيهُ وَاسْكَنَهُ اللهُ كُولُونِ وَاللَّهِ اللهُ عَنْ اللهُ كَنْ مُؤْمِنٍ مَا لَيْسَ فِيهُ وَاسْكَنَهُ اللهُ كُولُونِ مَا لَيْسَ فِيهُ وَاسْكُنَهُ اللهُ كُولُهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ وَاللَّهُ اللَّهُ كُولُونَ فَالْ فِي مُؤْمِنٍ مَالَيْسُ فِيهُ وَاللَّهُ اللهُ كُولُونَ فَالَ فِي مُؤْمِنٍ مَالَيْسُ فِيهُ وَاللَّهُ مُنْ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَلَى فَاللَّهُ عَلَى فَاللَّهُ عَلَى فَاللَّهُ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَى فَاللَّهُ مَا فَاللَّهُ اللَّهُ عَلَيْكُ وَلَا لَهُ عَلَى فَاللَّهُ عَلَى فَاللَّهُ عَلَى فَاللَّهُ عَلَيْكُونُ مَا لَكُولُ عَلَى فَاللّهُ عَلَى فَاللَّهُ عَلَى فَاللَّهُ عَلَى فَاللَّهُ عَلَا لَلْهُ عَلَا عَلَى فَاللَّهُ عَلَى فَاللَّهُ عَلَى فَاللَّهُ عَلَى فَالْتُهُ اللَّهُ عَلَى فَاللَّهُ عَلَى فَاللَّهُ عَلَى فَا عَلَالًا عَلْكُولُ مَا عَلْهُ اللَّهُ عَلَى فَاللَّهُ عَلَّهُ عَلَى فَالْمُ عَلَى فَاللَّهُ عَلَا عَلْمُ عَلَى فَاللَّهُ عَلَى فَاللَّهُ عَلَى فَاللَّهُ عَلَّهُ اللَّهُ عَلَا عَلَّا عَلَّا عَلْمُ عَلّهُ اللَّهُ عَلَا عَلْمُ عَلَّا عَلْكُولُ عَلَا عَلْهُ عَلَا عَلّهُ عَلَا عَلْمُ عَلَى فَاللَّهُ عَلَى فَا عَلَى فَاللَّهُ عَلَى عَلْمُ عَلَّهُ عَلَى فَاللَّهُ عَلَى فَاللَّهُ عَلَا عَلَا عَلْمِ عَلَا عَلَّا عَلَا عَلْمُ عَلَى فَاللَّهُ عَلَا عَلَا عَلَا عَل

یخی بی ارشد نے کہا کہ ہم کو گری بدائد بن عرد دھی الٹی عنہا کے اسٹفا دیں بیٹے تھے، وہ ہما دی طوف نکاا و دیما سے
ماس بیٹے کر بولا : میں سے دیسول الٹرصلی الٹر علیہ وسلم کوفرا شے شنا عاکم جس شخص کی سفارش الٹرکی صدوں میں سے
میں مدیس مائل ہوگئی تو اس سنے الٹرسے جنگ کی ۔ اور جس شخص نے جان بوج کمر باطل میں جبگو اکیا ۔ تو جب تک
بازند اسے کا برابرالٹرکی نا راضکی میں مبتل در سے گا ۔ اور جو کسی ایما ندار سے بارسے میں وہ بات کے جو اس
میں نہیں سے توالٹ تعالیٰ کس کوجہ نمیوں کی بیب طام علی میں مظہ لے گائے گائے کہ وہ اپنے قول سے باہر نسکے د تو بہ کرے بوط
بعد واضعا بی در تند کا معنی کیج و سے اور بیاں اس کا معنی سے : اہل جہنم سے بہنے واسے ما د وں سے جس معلی میں کیچ ط
بی کہا ہوگا ۔ معا فالٹر من ۔

م٩٥٣٠ حَمَّا ثَنَّ عَلِي الْحُسَيْنِ الْحُسَيْنِ الْمُنَاعِينَ الْعُمَوْنُ الْعُكُونُ الْعَاجِمُ الْمُنَاعُ الله الْمُنَاعُ الله الْمُنَاعُ الله الله الله الله الله الله عَن مَلِ الله عَن مَكِ النّبي صَلّى الله عَن مَلِ الله عَن مَلِ الله عَن مَلِ النّبي صَلّى الله عَن مَلِ الله عَن مَلِ الله عَن مَلِ النّبي صَلّى الله عَن مَلِ الله عَن مَلِ الله عَن مَل الله عَن الله عَن مَل الله عَن الله

عَلَىٰ خُصُومَةِ بِظُلِوفَكُ لَا بَارَ بِخَصَبَ مِنَ اللّٰهِ -ابن عمر رمنی التَّرْتِنَهِ السّے اسی معنی میں فاقع کی روایت ۔ فر مایا : جسنے علم کے ساتھ کمی مقدمے میں مدوکی تو مورد اللہ کا عنقد میں مرکم دولا

بَابِ فِي شَهَادَةِ النَّرُورِ

رمون المُوسى البَّنْ الْمُحْمَدُ الْمُؤْسِى الْبَلْخِيْ نَا مُحَمَّدُ الْنُ عُبَيْدِ حَمَّاتُ فِي الْمُحَمَّدُ الْمُحَمَّدُ الْمُحَمَّدُ الْمُحَمَّدُ الْمُحَمَّدُ الْمُحَمَّدُ الْمُحَمَّدُ اللَّهُ الْمُحَمَّدُ اللَّهُ الْمُحْدِقِ الْمُحَمِّدِ اللَّهُ الْمُحَدِقِ اللَّهُ الْمُحَدِقِ اللَّهُ المُحْدِقِ اللَّهُ المُحْدِقِ اللَّهُ المُحْدِقِ اللَّهُ المُحْدِقِ اللَّهُ المُحَدِقِ اللَّهُ المُحَدِقِ اللَّهُ الللللْمُ اللللْمُ اللللْمُ اللَّهُ اللْمُ اللَّهُ اللْمُعُلِمُ اللللْمُ الللللْمُ الللْمُ اللللْمُ اللللْمُ اللَّهُ اللَّهُ الل

ؿڵڒؾؘٛڡۜڗۜٳؾؿؙػۘڗڡٛۯٲؙۜڡٚٲڿؾؚڹڹۘۅٳٳٮڗڿڛڡڹٵڵٳڎؿٵڣ؆ڹڹؙٷؙٳۊۘۅؙڶٳڮ ڰڹؘڡٚٵءٛڔڵڵۼۼۘڽؙۯڝؙؙؿ۬ڔڲڹؽڹ؋ۦ

خویم بن فاقک نے کہا کہ درول انٹرصلی انٹرعلیہ دسلم نے صبح کی نماز پڑھی اوراسے حتم کرے اُ کھ کھڑے ہوئے اور فرمایا: حجو ڈی گوا ہی کو انٹر سے ساتھ نشر بک علم انسانیہ علم ابا گیا سے، میں بار فروایا ۔ بھریم آ سے بڑھی، ب تبول کی ملیدی سے احتیاب کر واور حجوظ بولنے سے احتیاب کرو، درائے الیکہ تم تو حیداللی کا آوار کرنے والے مواور اس سے میا تھ کسی کو شر میک بنانے والے نہیں ہو۔ الج۔ . س دیتر مذی ابن ما جہ

نظر سے بخصرت گنگو ہی رحمته التد نے فرما ما کہ جھوٹی بات کے بہت سے در جھے اور مراتب ہیں اور اللہ کے ساتھ کسی کو نشر کیب بنانا بھی تھیوٹ کے مراتب میں سے ہے کیوں کہ رہا ایک بڑی جھوٹی بات ہے۔ شاید اسی لئے اس مدسیف میں جھوٹ کو نشرک کی ماندا وراس کے برابر قرار دیا گیاہے۔

بالله من ترجم برا مروي كاروي كاروي

٧٩٥٦٠ حَكَانَكَ حَفْصُ بَنُ عُكَرَنَا مُحَكَدُ بُنُ دَا شَدِهِ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمَ عَنُ عَبْرِهِ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمَ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمَ اللهُ عَلَيْهُ وَسُلَّمَ اللهُ عَلَيْهُ وَسُلَّمَ اللهُ عَلَيْهُ وَسُلَّا اللهُ عَلَيْهُ وَسُلَّمَ اللهُ عَلَيْهُ وَسُلَّمَ اللهُ عَلَيْهُ وَلَا اللهُ عَلَيْهُ وَلِهُ اللهُ عَلَيْهُ وَلَا اللهُ عَلَيْهُ وَلَا اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَلَا اللهُ عَلَيْهُ وَلَا اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَلَا لَا اللهُ اللهُ

عبدالله بع وبن العاص رضی التی و دوایت مے کرجناب رسول التی صلی التی و الله من التی مردو عورت کی شهادت رقر کی اوراس کی جواب نے بھائی سے کینہ رسکھے۔اور کسی گرمپال نحصا رکر نے والے کی شہادت اس گروالوں کے افر دور روں کے سلے جائز رکھی بالودا ؤدنے کہاکہ مردیت کے لفظ الغمر کا معنی کینہ اور مخض ہے اور قانع کا معنی بیمال تابع مزدور ہے جیساکہ خاص مزدور۔ اشر سے . فتح الودود مس سے کرشانت سے مراد صرف انسانی معاطلات میں ہی بددیاتی نہیں ہے بلکہ التا سے احکام

شرح: فتج الودود میں ہے کہنیازے سے مراد صون انسانی معاطات میں ہی بددیا نتی نہیں ہے بلکہ السّٰہ کے احکام و والفن مین جانت بھی اس میں داخل ہے کیونکہ السّٰہ تعالیٰ فرن مب کا نام امان سے رکھا ہے: 'اسے ایمان والوا السّٰلور آ پس گی باہمی امانتوں میں خدیانت مت کروئ بس جس نے السّٰہ کے احکام کوضا نُع کیا اور اس کی تو اہی کو تو ڈاتو وہ ہمی خامن ہے ۔ جو شخص کسی خان ان مرائخ میں میں ہمت ہے ہاں طازم سے یا اُمجرت پر کام کمرتا ہے اور انسی کے ساتھ مخصوص ہے اللہ کی تما درت ان کے حق میں ہمت کے باعدے رقبی جاتی ہے کہ دونی مباوی جا حماشت اور اعانت برجبور سے ، ٤٥٥٥ - حَكَ نَنْ الْمُحَمَّدُ بَنْ خَلَفِ بَنِ طَادِقِ الرَّازِيُّ نَا ذَنْ الْكُوبُ الْكُوبِ الْمَا الْمُحَمَّدُ الْمُن عَلَفِ بَنِ طَادِقِ الرَّازِيُّ نَا ذَنْ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَبُوا لَعَذِ بَذِعِنُ سَلَمَا نَ بُنَ مُوسِ النِسَادِةِ فَيَا لَا مَا سَلِي اللهُ عَلَيْ لَهِ وَسَلَّحَ لَا تَنجُونُ مَّ شَهَا دَةً خَامِنِ وَلاَ خَامِنَ اللهُ عَلَيْ لِهِ وَسَلَّحَ لَا تَنجُونُ مَن مَهَا دَةً خَامِنِ وَلا خَامِنَ اللهُ عَلَيْ لَهِ وَسَلَّحَ لَا تَنجُونُ مَا مَنهَا دَةً خَامِنِ وَلا خَامِن اللهُ عَلَى ال

ا وبرکی حدیث کوسلیمان بن موشی سندایی سند کے ساتھ روایت کیا ہے۔ اس میں ہے کہ ارسول الشرصلی للٹر علیہ وسلیم الشرصلی للٹر علیہ وسلیم سند فرمایا: فائن مردا ورخائن عورت کی شہادت جائز نہیں اور سنر ذانی مردا ورز انی عورت کی اور سنرائس کی جواب نے جہائی کے خلاف کیندر کھتالا بن ماجر استرائی عن عائشہ رضی التارعنها)

شرخ : زانی اور زانی سے مرادوہی سیے جوسور ہ نوری سے سی جی کواس جرم می کولاسے لگ سیکے مہول التدانوالی سے فرمایا سے کرم میں کولاسے لگ سیکے مہول التدانوالی سے فرمایا سے کروہ ہمیں شرک سے معردود الشہاد ت ہیں والتداعلم .

بَأْ جِبِ شُهُا دُنُوالْبُلَا وِيَّ عَلَى أَهُلِ الْأُمُصَادِ

دستهریول کے خلاف صحافی کی شهادت کابائے، مرم کی میروروں

٨ و ٣٥٨. كَنَّانْكُ أَحْمَدُ بُنُ سَعِيْ الْهَمُ لَا إِنْ أَخْبَرُ نَا ابْنُ وَهُ بِ أَخْبَرَ فِي يَجُبُىٰ بَنُ بَنُ ٱيُّوبَ وَنَا فِعُ بْنُ دَيْرٍا عَنِ ابْنِ الْهَادِ عَنْ مُحَمَّدِ بْنِ عَنْمِ وَبْنِ عَطَاءِ عَنْ عَطَاءِ بْنِ يَسَارِ عَنْ اَ فِي هُرَيْرَةَ أَتَّهُ سُمِعُ رَسُولَ اللهِ صَتِّقَ اللهُ عَبْدُهِ وَسَتَّعَ بَنُقُولُ

لَا تُجُوْدُ شَهَادُةُ بَكَادِي عَلَى صَاحِبِ فَرُبَيْدٍ

باب الله المادة على الرضاع

ورهناعت برشادت كاباشك

عقبرب مارث نے کہاکہ میں نے ام کینی بنت ابی اصاب سے نکاح کی آدیم ارسے باس ایک سیاہ فام عورت آن ا ورلونی کراس نے ہم دونوں رمیات ہوی کو دور مربلا یا عا میں میں نبی صلی اللہ علیہ وسلم تھے یا س لیاا وربیر وا قعهآپکو متا یا ، آپ نے میری طرف سعے منہ بھیرلیا توم*ں نے کہا کہ*یا رسول مشروہ **جمعی ہم ت**م مایا: تھے کیامعلوم؟ مالانکہ وہ کہر حکی تو کمرحکی اس عورت کو چھو طرد سے در نیاری، تریذی، نسانی، ركى بخطابى نے كماكة مفورصلى النوعكيدونسلم نے اپنے ارشا د كے پہلے عليد ؛ وَ مَا جُبُنُ رُبِكَ آلح ميں بات كو معلَّق دكھا ،گوياايك علَّت بيان فرما ئي اوراس سكے بعد دوسرا جملہ ؛ كا عُهَا عَدْكَ فرما ياجس بير اشاره مقاكديَّ قامَاً رع وتقوی سیے فیصدا ورحکم نهین ۱۰ وراس میں بیر دلیل نهیں سیے کرین چیزوں کی مُردول کوا طلاع نہیں ہوتی آئیں دم طلقًا ، ایک عورت کی گواسی معتبر اسے اور اس کا فتبول کمرنا واحب ہے ، کیونکہ گوا ہ مرد ہو یا عورب، اس کا عادل مونا مروری سیے ۔شہا دت کا طریقہ پیسے کہوہ ائٹہ و حکام اور فعنا ہ سے پاس ا داہوتی ہے ۔ یہا یک انفرا دی دافتہ تقاكرا تفا قاً الكبيعوريت آئی اوراس نے عقبہ دمنی الدّینہ سنے آکر کہاکہ تیری نبوی تبری رمنیاعی ہین ہے ۔ وَہُ شش و . إينج مين نقاءتصديق و مكذب بعيني طور ميز كريسكتا نقا .عودت كايه قول (كسى مقدم بيس) رسول التلاصلي الترعليه بسلم اشنے بطوریشہا دست نہ نقا جو کہ فیصلے کی بنیا دبنتا یا اس کے حجت ہوئے دہ ہو ّنے کی بحث وتحمیص کی مباقی ۔ هنا عت محے باب من شهادت دینیے والی عور **توں کے عد د میں انت**تلا *ت سے .*ابن عماس کا قول ہے کہن خیزول بہم دم طلّع نہیں ہوتے ان میں صرف ایک عورت کی شہا دت مقبول سے اور سیجے کی تبدیالٹش پر اس کی زندگی سنھے باسسے میں صرف قابلہ روا ایر کی سہادت جا الناسے بہی تول شعبی اور نخعی سے مردی سے عطار ، قتا دہ اور . وشا فعی اس معاسطے میں کم اذکم چا دعورتوں کی شہرا دت کوقا بل فہول گر دا ستے ہیں۔ الک نے کہا ہے کہ د وعورتوں كاش وت مائد سے ورسى فدل ابن الى ليال وراس شرمه كا مى سے ـ

ککن با ولائ کا وکلکننما ولاغیرا و فی کهانوه بینت الدیمی و ترکته فاُمنی شهادتهما مسلمان کی موت کا وقت آگیاوداُسے اپنی و میت پرگواه بنانے کے سے دوارو ایست ہے کہ منان دیا ہوں دونوں کو فریس کئے بنانے کے لئے کوئی مسلمان دیا تواس نے اہم کا بسیم سے دومردوں کوگواہ بنا دیا ۔ وہ دونوں کو فریس کئے اور الجوسی اشعری کے باس مباکراسے واقعہ بنایا وراس مسلمان کا ترکہ اور و مبت بھی ماتھ لائے ۔ اشعری نے کہاکر دسول اللہ علیہ وسلم سکے عہدیں پیش آنے والے واقعہ کے بعدیماس قم کا پہلا وا قعہ ہے۔ بھران دونوں کو مصر کے بعد تھم دلائ کہ والٹر انہوں نے دنویا نت کی، نہ جو ط بولا ور در تبدیل کی اور ترجی یا یا ور نہ اس میں تغیر کیا مصر کے بعد تھم دلائ کہ والٹر انہوں نے در نہ وصیت اُسی عضور کے بعد تھم ان کی شہا دت کونا فذکر دیا .

شن من من من او العراد آورار بل کے درمیان ایک شہری است مندور کے نزما کے کے جب واقعہ کی طوف ابوموسی سے امثالا کیا وہ عدّی بن ملاء اور تمیم واری کا قصتہ ہے جواگلی مدیث میں اناہے ۔ خطابی نے کماکر اس امر کی دلسل ہے کہ حالمتِ سفر میں ذمیّوں کی سنہا دست مسلم کی وصیت بمی مقبول ہے ، اس قیم کی حالت میں ان کی شہادت سکے مقبول ہو کیا

البلسيم تخفی اوز اعمی ا وراحمد مست مروی سے بنتا فعی کے نزد دیک ذمی کی شهاد ہم مجی کسی حاکمت میں مقبول نہیں اور ہی والک کا قول ہے۔ احتمد کے نز دیک اہل کتاب کی شہادت ایک دور سے می جا ٹرنہیں جنفبہ کے نز دیک تمام گافروں کی شہادت ایک دوسرے پرمقبول سے اور کفرایک ہی ملّت ہے رکہودو رِنعها رئی ماکسی اور می اس بات میں فرق نه کیر سیے کچھ اور فقہا , کا قول ہے کہ ہیو دی کی شہا کہ تب میودی پر مائز ہے مگرنفسرانی بر نهای کیونکه به مختلف مکنی من اورایک ملت کی مغها دت دوسری بهرجائز نهیں، پیشعبی، ابن ابی سالی اساق مگرنفسرانی بهرنهای کیونکه به مختلف مکنین من اورایک ملت کی مغها دت دوسری بهرجائز نهیں، پیشعبی، ابن ابی سالی اساق بن لاحویہ اور زہری کا قول ہے۔ ان کا کہنا ہے کہ البٹرتعالی نے ان کے اندر عدا وت کا ذکر کیا ہے ۔ ، ٧٠٠٧ - كَتَانَتُ الْحَدَنُ بُنْ عَلِيَّ نَا يَخِيى بُنُ إِذَكُمْ نَا أَبُنُ إِنْ ذَا كِنَا الْحُدَاثُ وَالْحِد القاسِمِعَنْ عَيْدِ الْكِلِكِ بْنِ سَعِيْدِ بْنِ مُجَبْدِعِنُ أَبِيهُ عَنِ ابْنِ عَبَّاسٍ قَالَ حَرَّجَ رُجَا هِنُ بَنِيُ سَهُمِ مِعَ تَعِيبُهِ إِللَّهَ ارِيِّ وَعَدِّا ي بُنِ بَلَّهُ اءَ فَمَاتَ السَّهُ بِيُّ بَارُضِ لَيسُ فِيهُ هَا مُسْلِحٌ فِكُمَّا قَكِهِ مَا بِتَرَكَتِهِ فَقَدُ وَإِجَامَ فِضَهَ إِمُنْحَوَّصًا بِالنَّاهَبِ فَأَحْلَفَهُمَا رَسُولُ اللَّهِ صُلَّى اللَّهُ عَلَيْهُ وَصَلَّحَ ثِنُكُرُوجَكَا الْجَامُ بِهِكَنَّةُ فَفَاكُوا إِشْ تَرَيْبَاهُ مِنْ تِمِيْرِوَعَلِاتِي فَقَامَ رُكُ كِلْ بِعِنْ أَوْلِياءِ السَّهْمِيِّ فَكَلْفَالشَّهَادُ تُنَا أَحَقَّ مِنْ شَهَا دَيْهِمَا وَأَنَّ أَلِحَامُ لِصَاحِبِنَا قَالَ فَنَزَلِتُ فِيْ هِمْ لِيَا يُهَا آلَنِ بْنَ أَمُنُوا شَهَادُةٌ بَيْنِكُمُ لِذَا حَضَرَا حَسَكُمُ الْمُوْتُ الْآيَةَ -

کے گھرآس توانہیں وہ سامان دیا ہو ہم ارسے ہاس تھا، انہوں نے ہم سے جام کے متعلق ہو تھا توہم نے کہا کہ اس کا ترکہ فقط اسی قدر تھا اور ہی اس نے ہما رسے شہر دکیا تھا. تمیم نے کہا کہ چرجب ہیں اسلام لا یا دینے چھو ہے کہ ہم جرب مدینہ کے بعد ہوا اور بھر اس ہم کے گھر والوں کے باس گیا اور انہیں سب بچے بتا دیا۔ میں نے اپنا حدید ہائے صد در ہم بھی ادا کہ دیا اور انہیں بتایا کہ ہر ساتھی عدی کے پاس گیا اور انہیں سب بچے بتا دیا۔ میں نے اپنا حدید ہائے صد در ہم بھی ادا کہ دیا اور انہیں بتایا کہ ہر ساتھی عدی کے پاس کھی اتنی ہی دقم ہے وہ لوگ اسے دسول الشرصل الشرعلیہ وسلم کے پاس لا ئے آب نے گوا ہ کہ نے گوا اس نے تھا کہ ہو تو اس نے تھی کہ ایک نے بیر آ سیت اور آ دمی اطار ابنی سم کے قبیلے والے ، ان دونوں بھری ہو تو اس نے تعد کی اور ایک اور آ دمی اطار بنی سم کے قبیلے والے ، ان دونوں کے قبیلے والے ، ان دونوں کے قبیلے والے ، ان دونوں نے تعم کھائی تو با بخ صد دریم کی دی مدی بن بدا سے تعلوائی گئی داس سے معلوم ہوا کہ مرنے والا شخص توسلمان نے تعم کھائی تو با بخ صد دریم کی دی میں برا میں برا میں باد سے تعلوائی گئی داس سے معلوم ہوا کہ مرنے والا شخص توسلمان تعم اور وہ میں بیری بواس سے معلوم ہوا کہ مرنے والا شخص توسلمان میں دروسیت و غیرہ کے گواہ عیس بی مقی دھی اسٹر عند اس وقت کے بورسیمان ہوا ب

خطابی نے کہا کہ برحد میں ان دوگوں کی دلیل ہے جو مدعی ہو تم کے ردّ ہونے کے قائل ہیں ۔اور ہرآت محکم ہے مسوخ نہیں ہوئی جیسا کہ حضرت عائشہ رضی الشرعنها حسن بھری اور عمری متر عبیں کا قول ہے ۔اور انہوں نے یہ بھری کہا سے کہ سورہ کا نار کی آخری نازل ہونے والی سورتوں میں سے ہے اور اس میں سے کچر بھی نمسوخ نہیں ہوا۔ جن لوگوں کا قول اس کے فلاف ہے انہوں نے کہ ہم آیت وصیّت کے متعلق ہمیں آیت کا نبزول ہوا ہی وصیت میں تھا ۔ تیم داری اور اس کا ساتھی عدّی بن علاء وصی تھے شاہد نہ تھے ۔ شاہدوں سے ملف کا نبزول ہوا ہی وصیت میں تھا ۔ تیم داری اور اس کا ساتھی عدّی بن علاء وصی تھے شاہد نہ تھے ۔ شاہدوں سے ملف نہیں لیاجا تا در انخالیکہ ان دونوں سے درسول الشرصی الشرعلیہ وسلم نے ملف بیا تھا ۔ا سے شہا د سے کا نام اکس انت کا عرف میا عیت دیا گیا جو اُن کے پاس تھی ۔آ ہیت میں شہا دت الشرسے مراوا مانت الشرمے ۔

باند إذاعلم الْعَاكِمُ حِينَاقُ شَهَا دَةِ الْوَاحِدِ بَابِجُورُكُ اَنَ يَقْضَى بِهِ

رَائِ جَبُ مَا كُواكِ شَاهِ كَمَدَى كَا عَلَمَ وَالْ الْمُحَدَى الْمِ عَلَمْ الْمَالِ فِيهِ الْمُرَامِ الْرُبِ الْمُلَامِ الْمُلَامِ الْمُلَامِ الْمُلَامِ الْمُلَامِ الْمُلَامِ الْمُلَامِ الْمُلَامِ الْمُلَامِ الْمُلَامُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُه

إِبْتَاعَهُ فَنَادَى الْاَعْرَاقِ كُرُسُول اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحَ فَقَالَ إِنْ كُنْتَ مُبْتَاعًا هٰذَا الفَرَسُ وإلَّا بِعْتُ هُ فَقَامُ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحَ حِبْنَ سَمِعَ فِذَا وَاللَّهِ عَل فَقَالَ اَوْلِيسُ قَدِا اُبْتَعْتُهُ مِنْكَ قَالَ الْاعْرَافِيُّ لاَوَاللَّهِ مَا بِعَثَكَهُ فَقَالَ النَّبِي صَلَّى اللهُ عَكَيْهِ وَسَلَّحَ بِلَى قَدِا اُبتَعْتُهُ مِنْكَ فَطِفَى الْاعْرَافِ يَقُولُ هَلُمَ شَهِي اللهُ فَقَالَ حُزَيْمَةُ مُا اللهُ عَكُنهُ وَسَلَّمَ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمَ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمَ اللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَلَا اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ الللللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللللّهُ اللّهُ اللّ

وعلم پر بطورتا کیدا ورفر نقی ثانی پر بطور اتمام مجت تی . قانونگا بھی اس معاسطے میں فقط دسول الندصلی التدعلیہ وسلم کا قول مقبول تھا مگر نوزیم دمنی الندعد نہ نے اس کی ایک اور حجت کوظا سرکیا کہ ہم جب آپ کو دعوائے رسما ت سے صاد قانقول اورا میں مانتے ہیں تو آپ کی ہر بات برعق ہے بخزیم کی بات نے حضورصلی التُرعلیہ وسلم کی بدتا ٹید و توکید کی لہذا اس کا قول دوم دوں کی شہا دریت سے برابر بھرا ۔ اگر قصنا ، اور قانون شہا دریت سے نقط ہونگا ہو سے د مکھیں تو مقرعی وہ اعلی بھا ورشہ ادری میں کرنا اس کے ذمتہ ہوتا تھا، مگر صنور نے معاطے کو اس المجھی میں نہیں پڑے نے دیا روانشر اعلی با بصواب ، اس بیمزید گرمشنگو کی گئی کئی انٹس سے جس کا یہ محل نہیں ۔

بَالِثُ الْقَضَاءِ بِالْبَهِيْنِ وَالسَّاهِدِ

دميين اورشام رك سائق فيعد كاباك

م ١٧٠٠ حَلَّا نَتُنَا عُنُمَا نُكُا إِنَى شَيْبَةَ وَالْحَسَنُ بَنُ عَلِيٓ اَنَّ زَيْدَا الْحُبَابِ حَدَّتُهُمُ خَالَ كَاسَبُفَ الْمَرِكِنَّ قَالَ عُنْمَانُ سَيُعَ بَنُ سُلِمَانَ عَنْ فَيْسِ بَنِ سَعْدِ اعْنَ عَمْرِ وَبنِ دِيْنَارِعَنِ ابْنِ عَبَاسِ اَنَّ رَسُولَ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوْفَ خَلَى بِرَمِيْنِ وَشَاجِيِهِ .

١ بن عباس رمنى التَّدِعنها سعدوا بت سب كررسول التَّرْصلي التَّرْعَليه وسلم سَنْے قسم اُوْدَكُواْ وَ تَحْصُ سَا يَعْفَ فَيْصَلَّه فرمانا

دمسلم،ابن ماجه، نسبانی،

شرکے، فتح الو دو دس ہے کہ جمہور کے نز دیک اس مدست کا معنی یہ ہے کہ اگر متری کے پاس صرف ایک گواہ مہو
اور وہ دو سرے گواہ کے بدلے میں نو دملف انفالے تواس طرح اس کے تو میں فیصلہ مہوگا۔ اور جب لوگوں کا بیہ
قول نہیں شاید وہ اس مدینے کی ہے نا ویل کرسکیں کہ جب مدی کے پاس شہادت کا پولا نصاب بعنی دوگواہ موجود منہ
مہوں تو پھر فیصلہ مرعی علیہ کی قسم پر ہموگا کیو نکا اسلام کا بنیادی قانونی فیصلہ ہی ہے جو حضور صلی الشرعلیہ وسلم نے
فرایا کہ: اَلْمَدِیْتُ عَلَیٰ اللّہ بی وَ الْمُدِیْ عَلَیٰ مَنُ اُنگر کہ وَ اللّٰه الله علیہ بعضرت گنگو ہی
مرحة الشّرعلیہ ہے اس کا مطلب یہ بیان فرایا کہ اس مدیث کا لفظ میں وشاملہ ایک منس ہے اور معنی بیسے کہ بھی اللہ علیہ بیا کہ منوا ترب ہوا ور ایسا منہ ہو توفیصلہ قسم برجو
میں کرتا ہے، بعنی اُ لٰہ بین ہو میں اُنگر تی کا لئے کہ ہی علی منی اُنگر میوا تو بیت اس کے مطابق مہومائیں سے
میا ملیہ بیر ہوئی سے اور اس می تواب کی اس میں منے کہ تھنا ہی انسان فاعدہ میں ہے کہ تو اس باب میں ایک قاطرہ کیا ہوئی نہیں فوط سے اور اس میں تھنا درسے گا۔ یہ مدیث مشہور بلکہ متوا ترکے قریب ہے۔ اخبابہ آما دستے قواعہ
میں من مرب سے اور اس می توسب کا اتفاق سے کہ تھنا ہی اصلی قاعدہ میں ہے کہ تو باک میں ایک کا وظیم برب
میں علیہ ہے۔
میں کہ تا ہے اور اگروہ الیا ان کر سکے آخو دو مرب ہے وفا گفت و فرا نصن الگ انگ میں ایک کا وظیم برب

البدائع بسي كنب مسلى الشيعليه وسلم سنعقم كومرعى عليه بروا حب كياسب للذا أكراست مترعى كادليل ما ناجا تووہ مدعاعلیہ مہرواجب منیں رہتی اور پربات نملات نف*ق ہے۔ بھرحف*نورصلی الٹرعلیہ دسلم نے ابہیں کے تفظیمے لام تعربین کے رماعۃ قنم کی مبنس کو مدعا علیہ کے ساتھ فامس کیا ہے۔ مطلب بیر کہ فتم درماری کی مباری لوم مُرالم استغرا صرف مدعاً علیہ کے لئے سے اب اگرا کے ترعی کے لئے تھرا یا مبائے تو انیکن مدعا علیہ بررہ رسی کیونکا س کا رمِرَعَيْ كِيهِ لِيُعْ بِوِكُما أُورِ كِيهِ مِرعاعليه كِيهِ لِيُحْ لِأَسْ فَاعْدَهُ كُليّة كِيهِ صَلاف بمين تبعني بتعني في حجت بعي بوتا م درا نحالیکه و بال است رعی علیه کی محبت بنایاگیا ہے-اور یہ بات نفق کے فلاف سے ، جہا تنک اس زیر بجٹ مديث كاتعلق مع توامام بمرح وتعدم مي بي بمعين كاتول مع كردمول الشصلي الشرعليه وسلم مع أيك مثابداور مین رمنجانب مذعی کے ساتھ کوئی فیصلہ فالب نہ سے ۔ زمری سے جب شام ومیں کے متعلق کو میا گیا تواس نے : به مایست سبے -اورمروی سبے کہ ایک مثا مدو پمین کے ساتھ معاویہ دمنی انٹرعنہ نے فیصل کیا تھا .عطاء بن الجاماح سے مروی سے کرضحا بہ کے دُورمِی فیصلہ پڑعی کے سنے دونشا مدوں سے ساتھ ہوتا بھاا ورسب سیسے پہلے ایک شام ہے۔ فیصله عبدالملک بن مروان نے کیا. برایک انفرادی فعل تھا جو کسی کے لئے حجت ہنیں۔ برمدسٹ ہمادیس سے سے بومشام إورقوا عديكليه كمي مغلبله مس حجبت نهين بهوسكتي . بعني صحاب رضى اللبرعنه بني ا مان محي تعبض مقيرها ت ماي ا بكب گواه ا ورقسم كسيسائة فيصيله بهونسكناسي حبب كهرشا مرعا دل مهو، مثلاً ايك شخص جومومن عا دل سيما يك گواه اورقيم بیش کر تاسیحکمی نے اس کا فرکوا مال دی ہے تواس کا فرکو قتل نہیں کیا ما سے گا لیکن است غلام صرور بنا ما جائے گا ر دماء کے معاطبے میں اور عنیر مسلموں کے ساتھ فنیا ضار نہ سلو*گ کرنے میں* امتیا طرو*ر سعت کے نقا طنوں کے میش نظری* بس اس بحث سے واضح اور ثابت ہوگیا کرملت کو ترعی کی حجت قرار دیناہیے مل ہے لہذا ظلم ہے۔ تر مذی ہے نے ا بعل میں بخا دی سے نقل کیا ہے *کھرو*تی دینا *ر*ہے میر*مدیث* اب عباس دخی انڈیمنرسے نہیں کسی بھی پہنے تلع بھی سے گومسلم نے بھی اسے قیس بن سعدعن عمروبن دینا دعن ابن عباس دوا بہت کیا ہے ۔ فتح الودود کی بجٹ

٥٠ ٧٧- كَتُكَانَكُ مُحَكَمُكُ (بُنُ يَجُلى وَسَلَمَةُ بُنُ شِبَيْبِ فَالاَنَاعَبُكُا الرَّنَّ اَقِ فَالَ المَ

فَالُ عُمُرُوفِي الْحَقُّونِيرِ.

ہی مکریٹ عبدالرزاق کی روایت سے اوپری سندینی عروب دینارعن ابن عباس کے ساتھ اسی معن ہے۔ اس می سلمدلاوی کا پیاضا فہ بھی ہے کہ عمر وسنے کہا "حقوقی میں "دگویا اس دوایت کی روسے مدیمٹ جدو دہوگئی اور دما، وجروح اس کے دائرے سے نکل گئے ہ

٣٧٠٧ - كَلَّا تُنَّا اَحْمَدُ بِنَ إِنْ بَكِرِ اَبُومُ صُعَبِ الزَّهُ رِقُ فَالَ نَا الدَّرَا وَرُوقَ عَنَ عَن رَبِيعَة بَنِ أَنِى عَبْدِ الرَّحْمِنِ عِنْ مُهَدِّلِ بَنِ أَنِي صَالِحٍ عَنْ آبِيهِ عَنْ اَبِيهِ عَنْ اَبِيهِ

اَتَّ التَّبِيّ صَلَّى اللهُ عَكِيرُ وَسَلَّمَ قَصِيلُ بِالْكِمَيْنِ مَعَ الشَّاهِدِ قَالَ ٱبُوْ وَاعَدُونَا دُنِي الرَّبِيْمُ بَنُ مُسَلِّمُانَ الْمُوَدِّنُ فِي هٰذَا الْحَدِيْبِ فَالَ أَنَا الشَّافِيُّ عَنْ عَبُوا لُعَزِيْد قَالَ فَنَاكَ رُكُ دُلِكَ لِسُهَيُلِ فَقَالَ إِنَّ كَبَرَنِيْ رَبِّيعَةً وَهُوعِنُوا يُ ثِقَدُّ إِنَّى حُكَاثُنَّ إِيَّاهُ وَلَا ٱحْفَظُهُ كَالَ عَبْكُمَا ٱلْحَزْيِزِ وَقَلْ كَانَ ٱصَابَتْ مُهَايُلٌ عِلَّهُ ٱذْهَبَتْ بَعْضَ عَقْلِهِ وَنُسِى بَعْضَ حَدِي يَرِيهِ فَكَانَ سُهَيْلٌ بَعْنَا يُحَيِّدُ ثُمَّ عُنْ دَبِيْعَتُمَ عَنْهُ عَنْ أَبِيْهِ ابوبری و دمنی انترسے دوایت ہے کہ دسول انترصلی انٹرعلیہ وسلم نے یمیں اورشا مدیے ساتھ فیصلہ فرما یا ا بو دا ؤ دسنے کہاکہاس مدیبٹ میں ربیع من سلیمان مؤ ذن سنے جھے پڑا ضا فرینا ما بعبد العزینہ نے شہول لأوَّ مديث سے بيره ريث يو کھي تواس نے که کہ مجھے دبيعہ نے بتايا ہے تو ٹو د ثقر ها کہ ميں نے آسے يەمديث مُسنا ئی تى تعبدانعز يندني كماكم من بمارى كما عث شهيل كاعقل كالمجد حصة جاتار باتفا وروه انى كيدا ما ديث عبول كيا تا اس کے بعد سہیل اس مدیقے کو ربیعہ کے توا ہے سے بیان کیا کہ تا تفاکہ وہ کہتا سے میں نے اسے برمدی تبائی متی ٤٠ ١٩١٠ حمل فك مُحَمَّدُ بْنُ دَاوَدَ أَلِاسْكُنْدُوا فِي كَالْهِ بِالْدَّيَعْنِي الْمِنْ يُونِسُ حَمَّاتُ فِي سُكَبُهُاكُ بُنَ بِلَالِ عَنْ رَبِيَعَةً بِالسَنَادِ أَنِي مُصْعَبِ وَمَعْنَاكُ قَالَ سُلِمَانُ فَكِقِيْتُ سُهَيْ لَافَسَالُتُ هُ عَنْ هِ مَا الْحَرِائِينِ فَقَالَ مَا اَغْرِقُ ذَفَقُلْتُ لَهُ إِنَّ رَبِيْعَةَ اَخُبُرُ بِهِ عَنْكَ قَالَ فَإِنْ كَانَ رَبِيْعُةُ أَخُبُرُكُ عَنِّي فَحَرِّاتُ بِهِ عَنُ رَبِيعَةً عَيْنُ -سيمان بن بلال ف دريدسالوم معدب كى مندا ورمعني كرمطابق مديث دوايت كى سليمان ف كهاكديد میں سہیل سے ملاا وراس سے اس مرریٹ کے تعلق لو بھیا تووہ لولاکہ میں اسے نہیں بہجا نتا میں نے اس سے کہا کہ دیمیہ نے یہ مدیث مجرکوتیری طون سے مُن فی توکیتے نگا کہ اگر دبیہ نے تجے میری طون سے بتا یا سے تواس کو دبیعہ سے میرسے یواسے سعد وارت کر۔ ٨٠٧٨. كَلَاتُكَا أَحْمَلُ ابْنُ عَبْكَ لا نَاعُمَا رُبْنُ شَعِيْتِ بْنِ عُبَيْلِ اللهِ بْنِ الدَّبِير

٨٠٧٣. كَلَّانَكُ أَحْمُهُ النَّ عَبُكَ الْأَنْ الْعُمَادُ بَنْ شَعْمَتِ بَنِ عُبَيْدِ اللَّهِ بِاللَّهِ بِالنَّهِ بِاللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ مِلْ اللَّهِ اللَّهِ مِلْ اللَّهِ مِلْ اللَّهِ مَلَى اللَّهُ الْعَنْ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّا اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّا وَلَهُ عَلَيْهِ وَسَلَّا اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّا وَلَهُ عَلَيْهِ وَسَلَّا وَلَهُ مَا اللَّهِ عَلَيْهِ وَسَلَّا وَلَهُ عَلَيْهِ وَسَلَّا وَلَهُ عَلَيْهِ وَسَلَّا وَكُنْ اللَّهِ وَكُنْ اللَّهِ وَكُنْ اللَّهِ وَرَحْمَةُ اللَّهِ وَبُرَكَا لَيْهَ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّا وَكُنْ اللهِ وَبُرَكَا اللَّهِ وَبُرَكَا اللَّهُ وَاللَّهُ وَلَا اللَّهِ وَبُرَكَا اللَّهُ وَاللَّهُ اللَّهُ وَلَا اللَّهِ وَاللَّهُ وَلَا اللَّهِ وَاللَّهُ وَلَا اللَّهُ وَلَا لَا اللَّهُ وَلَا لَا اللَّهُ وَلَا اللَّهُ وَلَا اللَّهُ وَلَا لَا اللَّهُ وَلَا اللَّهُ وَلَا لَا اللَّهُ وَلَا اللَّهُ وَلَا لَا الْمُؤْمِلُولُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ وَلَا لَا اللَّهُ وَلَا اللَّهُ وَلَا اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ الللَّهُ الللللَّهُ الللللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ اللللللَّهُ الللللْمُ الللللْمُ اللللْمُ الللللْمُ اللللْمُ اللللْمُ اللللْمُ الللللللْمُ الللللْمُ الللللْمُ اللللللللللللْمُ اللللللْمُ الللللللللْمُ اللللللللْمُ الللللللللللْمُ اللللللللْمُ اللللللْمُ الللللْمُ اللللللْمُ اللللللللللللْمُ

فَاخَذُا وَنَا وَقُلَاكُنَّا اسْلَهُنَا وَخَفْرُصْنَا اذَانَ النَّحَوِفَكَمَّا قَدِهُ رَبُلُعَنُهُ وَفَالَ لِي نَ اللهِ صَلَّى اللَّهُ عَكِينُهِ وَسَتَّحَرَ هَلُ لَكُمْ بَيِّنَةٌ عَلَى أَنَّكُمُ اَسْلَمْ تَتَمَ قَبْلَ أَنُ تُوْخَفَّ وَافْ هٰنِهِ ٱلْآيَامِ وَكُلُتُ نَكُمْ قِالَ مَنْ بَيْنَتُكُ قَالَ مَسْمُ الْأَرْجُلُ مِنْ بَنِي الْعَنْبُرِ وَرَجُلُ انَحْرُسَتُما لَاكَ فَشَيهِ كَالدُّكُولُ وَأَبِى سَمْرَةٌ أَنْ يَشُهَكَ فَقَالَ نَبِيُّ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَتَوْقَدُا إِنَّ أَنَّ يَشْهُ كَالَكَ فَنَحُلِفُ مَعَ شَاهِدِلاَ ٱلْخَرِنَفُكُ تُنعُمُ فَاسْنَحُلُفَنِي فَحَلَفُتْ بِاللَّهِ لَقَكُ السَّلَمْنَا يُومَرَكَنَا (وَكُنَا أَثُرَ خَضْرَمُنَا أَذَاكَ النَّعُونَ قَالَ نَبِي اللَّهُ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْ لِهِ وَسَلَّوَ إِذْ هَبُوا فَقَاسِمُوهُ مُ إِنْصَافَ الْكَمُوالِ وَلَا فَسَوَّا فُزُارِيَّهُمُ ئۇلادات الله نىكانى كايىچىت خىلاكىة ائىخىل مادزىناڭغوغاڭ قال التربيرى فَكَ عَنْنِي أُرْقِي فَقَالَتُ هِ فَا الرَّجُلُ آخَنَ لَرُبِيِّتِي فَانْصُرَفِتُ إِلَى نَبِي اللَّهِ صَلَّى الله عَكِيْهُ وَسُلَّمَ لَعُنِي فَأَخُبُرُتُهُ فَقَالَ لِي إِحْبِسُهُ فَاخَذَاتُ بِتَنْبِيْدِهِ وَفَمْتُ مَعَهُ مَكَانَنَا تَتَوْنَظُرَ لِيُنَانَجُنَ اللّهِ صَلّى اللّهُ عَلَيْهِ وَسَتَّكُرُ قَائِمَيْنِ فَقَالَ مَا ثَرِيْكِ إِلْهِيرِلِكِ فَأَدْسَلْتُ لَهُ مِنْ يَدِي فَفَامَرْنِينُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ فَقَالَ لِلرَّجُولِ رُدَّ عَلَى هٰذَا ذَرُبِيَّةَ أُمِّهِ الَّتِي ٱخْنُتَ مِنْهَا قَالَ نَبِيُّ اللهِ إِنَّهَا خَرَجَتُ مِنْ بَيْرِي فَالَ فَاخْتَكُمَ نَبِيُّ اللهِ صَلَى اللهُ عَكِيْهِ وَسَلَّحَ سَيْفَ الرَّجِلِ فَاعْظَانِيْهِ فَقَالَ لِلرَّحِبِ إِذْ هَبْ فَذِدُهُ اصْعًا مِنْ طَعَامِرِقَالَ فَزَا دَنِي اصْعَامِنْ شَعِيرٍ.

نے نیرے لئے گواہی دینےسے انکارکیاہے ، پس کیا تواپنے دوسرے گواہ کے سابھ قتم کھا تا ہے ؟ میں۔ کم کا ں! پُس حنودصلیا لٹیولیہ وسلم نے مجھے تمنم د لائی تو پیس نے قیم کھا گئ کم ہم فلاں فلاں ول مسلما اُں ہو کے ۱ ورہم نے جانور وں سے کان کاسٹے بحقے پس نی انٹرصلیا نٹرعلیہ وسلم سنے فرہا یا : جا ؤا وراس سے نصفا نضف تعتیم کمر ہوا وران کے بوی بچوں کومت چھو ؤ۔ اگریہ بات ہزہوتی کرالٹٹرتعا سے عمل کانقصا ل بنہیں چا ہتا ہم تہمیں ا مِنی انٹریمہ سنے کہاکہ اس ہے میری ماں سنے مجھے بُلا یا ورکھاکہ: اس آدمی۔ بنی صلی الشّرعلیہ وسلم سکے ماس گیاا ور آپ کو خبر دی ہس آپ نے ے د کھاتو فرمایا! تو اپنے قدی سے کیا کرنا جا ہتا ہے ، یس کس مدیث کی سندکوئی ایسی اچھی نہیں ہے، قتے الودود میں ہے کہ حضورہ ب شا مراور صلعت کے ساتھ فیصلہ میوسکتا ہے۔ یہ ت کمرنے کا دا وہ ہوتا ہے اور واد کا معا لمہ سنگین ہے ہن ایر ا يا رفرما في كنئ راُ وحرمجا بدين حواس قدر محنت كرجك حقران كامعا مله تما إ دبراس گرفتا رشده قوم كے اسلام كا سنكين نتائج بيداكم ديتي مولا ناگسكوسي رحمة الله نے فرا ماكر و والت صد ق و كذب مبا يجينے كى خاطرابياكي بھا .اگرو ہ انكا د كرد تيا توپية حپل مبا تأكہ دعواسے اسلام فحف د نيوى اغراض مح میے کیا مار باہے جہاں تک مکم کاسوال سے وہ اس کی قسم سے بھی ٹابت نہیں ہوا کیونکہ نصاب مثما دت بوران ہوا سیے میں بارہ سے بہن بہت ما کہ کہ کہ سیال کا مدعی علیہ ہی نہ تھا جس کے فلاٹ یا حق میں فیصلہ ہوتا یا جس کو تھا اور مدعی کی سیم مفیدر نہ تھی ، اور اس قصتے میں کوئی مدعیٰ علیہ ہی نہ تھا جس کے فلاٹ یا حق ار نہزاز رہیب کا دعو سلے قسم انتخاص مغیرہ محفس اس قوم کی حالت کو پیش کرنے کے سیاسے تھی۔ اس مدیث کو دسیِ مارنے واپوں نے گو بایر سمجیا ہے اور قسم وغیرہ محفس اس قوم کی حالت کو پیش کرنے کے سیاسے تھی۔ اس مدیث کو دسیِ مارنے واپوں نے گو بایر سمجیا ہے ی عنا، ششکر کو باس نوم سے استحقاق کا منکر تھا کیونکر ہوگ قب ئے سقے رحالا نکرر سب باتیں فرحتی ہیں۔ اوراس کی دسیل ریہ سے کہ اسٹنے ص کی میں اور ت اور مدعی لى السّعِليدوسلم في نعيف أموال كا وتيصل فرما يا تقار بيرحقيقت توالني اس بات كى دليل سي كرش م اورمين س مکرعا تا بہت تنہیں ہو تا ور کنہ یہ فیصلہ نہ کیا جاتا۔ وجہ ریہ ہے کہ اگران کا اسلام دعوے کے مطابق ٹابت ہوجا تانو حصنور

صلیاں تندعلیہ وسلمان کے اموال باسکا ہی مزسلیتے ۔اور اہلِ بشکر یکے اس فعل کی توثیق حضور کے اس قول سے ہوتی ہے کہ:ا مٹرتعالیٰ عمل کے بے نتیجہ مونے کو پسند نہیں کرتا، اس سے معلی ہوا کہ اہلِ بشکر سنے اُن کے اموال سے کر غلط کا مہنر کیا تھا۔ اگراہل شکر کا فعل غلط تھا توان کی حیثیت غاصب یا ڈاکو جبسی نبتی ہے کیو نکہ ان گرفتار شدہ لوگوں کا اسلام آباب ہوگیا تھا۔

ہم کیتے میں کہ ان کااسلام ان کی قسم سے ٹابت نہیں ہوا تھا کیونکہ متری کی قسم نفید نہیں ہوتی ۔اگر یہ مان اساج سے کہ ان لوگوں کا دعوائے اسلام نقط دعولی تھا اور چونکہ نصاب شہا دت پورا نہ ہوا المذا اسلام کا ہوت بخفی رہ گیا نگر پروالٹ صلح النہ علیہ وسلم سنے انہیں نمائب وخاسر لوٹا نابسند نہ کیا المذا ان کے نقد عن مال دنوا دسٹے، جیسا کہ ہوا زن کے تمام اموال وائب دنوا سے تھے اور وہ شکر کے اذن ورصاء سے ہوائے ۔قالین کو تھے ہیں کوئی مجتنبیں سے یہ حضورصلی انٹرعلیہ وسلم سے حکم اور سے یہ حضورصلی انٹرعلیہ وسلم سنے قالین والے کواس سنے کہ طوایا کہ اس سنے حضورصلی انٹرعلیہ وسلم سے حکم اور موسل سے معامل میں ہوائے گئی ہوئی کہ اس موسل کے معامل میں موسلے کو وہ مال سے لیا تھا۔ قاضی الیا کہ اس سے کہ مقووض سے قرض خوا ہ کے لئے اس سے حق میں برا ہر مال منبط کر ہے گو وہ اصل مال کی مبنس سے نہ ہو جیسا کہ بھال ہر قالین سے کوش میں تلوار دلوائی گئی ۔

اَ الرَّجُلَيْنِ الرَّجُلِيْنِ الرَّجُلِيْنِ الرَّجُلِيْنِ الرَّجُلِيْنِ الْمُعَالِمِيْنَ الْمُعَالِمِيْنَ الْمُ

دروا دميون كابا كلي جودعوى كرس اوران كي باس كوابي ربوى

الچموسی دَمَنی التّٰدی نه اِشعری سے روایت ہے کہ نبی صلی الٹدیلیہ وسلم کے پاس و و اَ دمیوں سنے ایک اونٹ کا دیوئی کمیا یاکسی اور جا نور کا، ان بیں سے کسی کے پاس گوامی نہتی، بیں نبی صلی انتدعلیہ وسلم نے اسے ان دونوں کا قار و ما دنیا نی ، این کا چر

١٧٧٠ حكم النكا الْحَدَّن بَن عَلِيّ نَا يَجْيَى بَنَ الدَّمَ نَا عَجُدُ الرَّحِيْدِ ابْنُ سُلِمُانَ عَنَ أَلَى سَنِيدٍ بِالسُنَادِةِ وَمَعْنَاهُ -

ا یک اودرسندسی معیدگی می مدمیث امی معنیٰ میں ر

TO COUNT TO COUNT TO THE TO THE TOTAL OF THE COUNT TO THE

٣٧١١. كُلَّانْكَ أَمُحَمَّدُ بُنُ بَشَّارِنَا حَجَّاجُ بُنُ مِّهَالِ نَاهَمَّا مُرْعَن قَتَادُ لَا بِمَعْنَى إِسْنَادِهِ أَنَّ رُجُبَيُنِ إِذَّ عَبَيا بَعِبُرَ اعَلَى عَهُ بِالنَّبِيِّ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَر كُلُّ وَاحِدِهِ مِنْهُمُهَا شَاهِكَ بُنِ فَغَسَمَهُ النَّيِّيُّ مَسكَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ بَيْنَهُمَا نِصُ ۱ و دسند سکے مبا بھ قتا وہ سے وہی اوپرکی صدیث حب میں ہے کہ : دسول السّرصلی اکتریملیہ وسلم سکے عہد میں ووآ دمیوں نے ایک اونٹ کا دعولی کیا اور ان میں سے ہرایک نے دوگوا ہیش کٹے یس نبی صلی الشعلیہ وسلم نے سے ان دونوں میں نصفا نصف تقسیم فرمایا۔ رنسائی سکین ابوداؤد کی صدریث کے رجال نسائی سے مختلف میں ، شرح :اس باب کی پلی مدیث کامفنموں اس کے خلاف ہے ۔اس میں تفاکہ ان میں کسی کے یاس گوا ہ نہ تھا، ہما سے ں دونوں نے وودوگوا ہ پیش <u>کئے</u> خطا بی نے کہاہے کہ حمکن ہے یہ وہی پہلا قص*م ہو گر چونکہ* دونوں کی گواہی مساوی تھی نسکین ساقط فرار دی گئی اور بور بوگیا کسی کے باس گوا ہی نہو۔ اور جانو رمر دونوں کا حکم برابر تسلیم کیا گیا۔ برجھی ہوسکتا سے ان دونوں کی گواسی سکے ماعث ان کاا ونرہ ہوکری ا ورسکے <u>قیعتے میں تھا اسسے ہے</u> سرسے تخص کے قبیفنے میں؟اور دوا دمی دعو پارسوںا وردونوں شہا دست میش کرس نواس کے فی<u>صل</u>ے میں کا اختلاف ب- احداور اسعاق فے کماکران من قرعه اندازی سے فیصلہ ہوگا، شافعی کا قول قدیم بھی ہی عقا مگر قول مبريدين كماكه فيصله يا توبول كبرا حبلست كمهات دونؤ ل كى ملكيت نصفانصف ما نى مباسئے اود ئيى قول حنقب إور ثورى كح ومرا قول قرعرا ندازی کاہے ، جس سے نام میر قرعہ نسکلے اس سے ملعت سے کرچیز اس کے حوا سے کردی امام مالک کا تول ہے کر جب وہ چیز کمتی میر سے تخص سے یا تقدیں ہے توان میں سے کسی کے سامے فیصل نہیں ہوسکتا قول مالک کابیرے کہ جس کے گواہ زیادہ عادل اور صلاحیت میں مشہور تر ہوں اسے دی جائے گی۔ اوزاعی کے بیزاس کی سیم نبس کے گوا ہوں کی تعدا دنہ یا دہ مو ۔ طعبی کے نز دیک گلموں کی تعدا دیر دونوں کا حصتہ ٣٧١٦. تَحَكَّا نَنْنَا مُحَدَّدُكُ مِنْ مِنْهَالِ نَا يَزِيْدُ ثِنُ ثِنَ نُمَا يُعِ نَا أَبُقَ آبِي عَدُوبَةً عَنْ فَتَادُةَ عَنْ نَحَلًا سِ عَنْ أَنْ مَا افِعِ عَنْ آبِي هُدَيْرَةَ أَنَّ رُجُلَيْنِ انْحَنْفَ مَا فِي مَتَاعِ إِلَى النَّبِيِّ صَكَى اللَّهُ عَلَيْـُهِ وَسَكَرَ لَيْسَ لِوَاحِيهِ مِنْهُمَا مَيِّنَةٌ فَفَالَ النَّبّ

مَبِيم إِنَى اللهُ عَكَيْدِهِ وَسَسَلَوَ إِسْتَهُمُاعَلَى البَيْدِينِ مَا كَانَا اَحْتَبَا وَلِكَ اَوْكُرِهَا صَلَى اللهُ عَكَيْدُهِ وَسَلَوَ إِسْتَهُمُاعَلَى البَيْدِينِ مَا كَانَا اَحْتَبَا وَلِكَ اَوْكُرِهَا ـ ابوبريده دفنى النُّرِعند في كهاكه دوآ دى مجدسا مان بكبارے مِن بَى صلى النَّرْعِلِيه وَلِمُ سك باسِ جَكُوالا ئ

بجوم رمیرہ و کا مند صف ہا ماہ دوا دی چوسا ہاں ہے بارے ہی ہی اسد سید و مصلی کو مصلوا ہے ۔ کسی کے پاس گوا ہ ہزتھے۔ پس نبی صلی اللہ علیہ وسلم لنے فرمایا : ملعت پر قرعہ اندازی کر لو، حلعت کیسی بھی مہوا سے وہ پہند کمریں یا ناپسند کمرس دنسائی، این ما جب

نشرے : یعنی پیلیاس بات برقرعه اندازی کمرین کرملف کون اتفائے ، پیرجس کے نام میر قرعه نکلے وہ قسم کھا ہے، ا

یر پندگر سے باند کر سے اسی طرح دو مرسے کا بھی حال ہے کہ اس کی پندا ور نالبند ید گی بر فیصلے کا برار در ہو گا۔ علی بن ابی طالب سے اسی تم کا واقعہ مروی ہے۔ ایک فچر باندا رہیں مک رہا تھا، اسے دوآ دمی لائے اور ہرائی۔ سنے دعویٰ کیا کہ بیر میرائے۔ بہنے نے پار مج گوا ہا ہے دعویٰ اور دوسرے نے دو گوا ہ بیش کئے ، علی رضی الٹری نے ک کہا کہ باتو مسلح مربو یا بھر فیصلہ ہوگا۔ صلح بہہے کہ فچر وزوخت کر کے اس کے سات جھے کہ و، با بیخ اس کے اور دواسکے بیں واگر صلح منظور نہیں توفیصلہ برہے کہ میں سے ایک حلف اٹھا ہے اور فیجر سے جائے۔ حلف مہا گھ کو لی راضی نہیں توقر عما ندازی سے جس کا نام نظے اسے حلف اٹھانی ہوگی

سررس حكاث اكتُمكُ الله كَنْ مَنْ الله وَسَلَمَ هُ الله الله عَلَى الله عَلَى الله عَلَى الله عَنْ الله عَ

عَيْهُا قَالَ سَلَمَهُ قَالَ أَنْحَبَرَنَا مَعْمَةً وَقَالَ إِذَا كُرِةَ الْإِنْنَانِ عَلَى الْيَعِيْنِ -

ابوبېرىيە ە يىنى دىنى دىنى عندسەدواسە سے كەنى صلى دىنى بىلەدسلى ئىنى فرىا ياجىب دونوں قىم كونالپند كرىپ بادونول ئى قىم اطانام ئېپ توپىر قرعدا ندازى سے يەفىصلەم كاكەملىن كون ياشا سے :معمرى دواست مىپ سے كە : حبب دونوں كوملىن بېر مجبود كميا مباسطة كۆرىخارى) دىفظاگراھ سے مرا دىھاں بەكرامىت سىم كىيو نكەكسى كوقىم پەمجبور نىپى كىا ماسكتا ،

٣١٧٣. كَلَّاثُنَا ٱبُوْبَكِرِبُنُ إِنْ شَيْبَةَ نَا خَالِكُ اَبُنَ الْحَارِثِ عَنْ سَعِيْدِ، ثِنَ إِنْ عُرُوبَةً بِإِسْنَادِ أَبْنِ مِنْهَالِ مِثْلُهُ قَالَ فِي دَابَةٍ وَلَيْسَ لَهُمَا بَيْنَهُ فَاصَرَهُمَا رَسُولُ

اللهِ حَدِّى اللهُ عَكَيْهُ وصَلَّعَ إَنْ يَسْتَهِمَا عَلَى الْيَعِيْبِ -

ابن منهال کی مندسے معید بن ابی عروب کی روایت مدیث نمبر ۱۳۹۰ کی مانند اس میں را وی نے کہاکہ ننازع کس مبانور کے بارے میں تقاا ورکسی کے پاس گواہ مذیحے تورسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم نے حکم دیا کہ ورہ ملف پر قرعہ اندازی کہ میں راب ماجہ)

باسس البم أبي على المساعى عكبه

ربات. ملعن مدعاعلیہ ب_{ری}سیے

٣٧١٥. حَكَّا ثَكَ عَبْ لُواللهِ بْنُ مَسْلَمَةَ الْفَعْنَبِيُّ فَالَ نَا نَافِحُ بُنُ عُمَرَعَنِ ابْنِ رَبِي مُلَيْكَةَ قَالَ كَتَبَ إِلَى ابْنُ عَبَاسٍ أَنَّ رُسُولَ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّعَ فِضَى

COORDER COORDER OF THE COORDERS OF THE COORDER

بِالْيَمِينِ عِلَى الْمُرِيَّاعَىٰ عَلَيْ الْمِ

آبن آبی کمیکه نے کہا کہ ابن عباس دھنی التہ عناسنے میری طون لکھ کر رسول التُرصلی التُرعلیہ وسلم تے فیصلہ فرمایا کہ قسم مرعیٰ علیہ بہتے ربخاری، مسلم، تمد مذی ابن ما حر، بہ حدیث مطلق ہے اور جدیبیا کہ اوبہ گزدا ایک قاعدہ کلتہ بیش کرتی ہے کہ قسم مدعیٰ علیہ بہرے نہ کہ مدعی بہد ،

> كَا لِبُكِ كَيْفُ الْبَهِيْنِ فَيَ الْبَهِيْنِ فَي الْبَهِيْنِ فَي الْبَهِيْنِ فِي الْبَهِيْنِ فِي الْبَيْنِ ف (مَمِي كُمِنتُ كَالِاثِكِي

٣٧١٧ - كَكَّانْكَ مُسَكَّادُ نَا اَبُوالُا كُوْرِيْ نَاعَطَاءُ بَى السَّائِبِ عَنَ اَ بِى بَجْيلى عَبِ الْهِرِ أَبِ عَبَّاسٍ اَنَّ رُسُولَ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ ظَالَ يَعْنِى لِرَجْلِ اَحْلَفَهُ إِحُلِفَ بِاللّهِ الثّهِ الثّه فِي لَا إِلْهُ وَلَا هُوَمَا لَهُ عِنْدَ لِكَ نَبْئُ يَعَنِي لِلْمُثَابِعِيْ -

ابن عمامی تصدوایت ہے کہ رسول الترصلی الترعلیہ وسلم نے ایک شخس کو صلعت دیاتو فرمایا: اس التُدی قسم کھا جس شخص کو کی جدر تیرے پاس یا تیرے ذمرہمیں سے دنسانی التُّرافِلُ قسم کھا جس شخص اکوئی معبود نہیں کہ اُس کی رمدعی کی کوئی چیز تیرے پاس یا تیرے ذمرہمیں سے دنسانی التُّرافِلُ کی بعن کا مل صفات کا ذکہ کر سے صلعت میں شدّت پیدا ہوتی سے، بعض دفعہ کوئی ڈرکمراس سے دریع کے کہ سے دوریع کے سے ملاف فیصلہ ہوجاتا ہے۔

باصرد إكان المتعلى عكيه دمياً أبحكف

اشعث درضی انتُری نہ کہ کہ کہ میرے اورا یک ہیودی سے درمیان ایک زمین تھی، ہیو دی سنے انکار کر دیا تو میں اُسے نبی صلی الترعلیہ وسلم سے پاس سے گیا۔ بس نبی صلی التُرعلیہ وسلم سنے جھرسے بوجھیا کیا تیراکوئی گوا ہ ہے؟ میں سنے کہاکہ نہیں ۔ آپ نے ہیودی سے فرمایا: صلعت اٹھا ؤ . میں سنے کہایا رسول التُرتب تورہ تسم کھا سنے گاا ورمیرا مال سے مبلسے گاپس استرتعالی نے پر آبت اُ تاری : بلا شبہ جوہوک عہدِ خلاو ندی اور اپنی قسموں کو تقور سے ول پر نیچ دستے میں آنح - آلِ عمران تیت ،،البخاری ابن ماجہ ترندی نسان اس تم کی روایات پہنے بی گزدیکی ہیں اس معریث سے ہت جلا ہے کہ تم مرفا علیہ برسے جو برگتر داکر سی قا عدہ کلیتہ اور صنا بطائر شرع ہے ۔

بَالِبُ الرَّجُلِ يَحُلِفُ عَلَى عِلْمِهِ فِيثُمَاعًا بُ عَنْهُ

دبالل آدى في ويزر ديكيمى ندموافي علم كمطابق اس يعلم الماسك

٨١٧٣ - كَكُّانُكُامَحُمُوكُ بُنُ حَالِيهَ مَا الْفَرُيَا فِيَ مَا الْحَارِثُ بُنُ سَلَيْمَا زَحَدُ فَيَ كُرُدُوسُ عَنِ الْاَشْعَتِ بُنِ قَبْسِ اَنَّ رَجُلُامِن كِنْكَ لَا وَرَجُلَامِن حَضَرُمْوُنَ وَكُرُوسُ عَنِ الْاَشْعَتِ بُنِ قَبْسِ اَنَّ رَجُلُامِن كِنْكَ لَا وَرَجُلَامِن حَضَرُمْوَنَ الْمُحَنَّمُ وَسَلَّعَ فِي اَرْضِ مِنَ الْهُمَنِ فَقَالَ الْمَحْضَرُهِي فَي اَرْضِ مِنَ الْهُمَنِ فَقَالَ الْمَحْضَرُهِي فَي اللهِ اللهِ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ مَا يَعْمُوانَ فَا اللهُ الل

اشعث بن قلیس سے دوایت سے کہ کنتہ کے ایک آدمی اور حضر موت کے ایک آدمی ایک میں ایک ذمین میں ایک ذمین کے ایک آدمی ایک اندی سے میں میں ایک ذمین کے میری ذمین کے میری کے متعلق نبی صلی اللہ علیہ وسلم کی خدمت میں تنازعہ میش کیا بحضر می بولا: یارسول اللہ اس کے کہانہ ہیں سے در مایا تیرے پاس کوئی گوا ہ ہے؟ اس نے کہانہ ہیں میں میں اسے تسم ولائے اور اللہ تعالی جانتا ہے کہ وہ زمین میری ہے جواس کے باپ سنے چینی تھی بیس کندمی قتم سے سے تارموگی این بر مدسف تھی باب ال مان میں گزر مکی ہے ۔

تيارسوكياً الإيدمديد مى إب الايان من كرزي مع من الموالك حُوص عَن سِمَالِا عَن عَلَقَمَة أَنِ الموالا وَ الله والكَحُوصِ عَن سِمَالِا عَن عَلَقَمَة أَنِ الله والكَحُوصِ عَن سِمَالِا عَن عَلَقَمَة أَنِ الله والكَحُوصِ عَن سِمَالِا عَن عَلَقَمَة أَنِ وَ المَثِل أَن حُجُدِ الْحَضَرَمِيّ عَن الله عَن الله عَن الله عَن الله وَ الله وَالله وَ الله وَالله وَاله وَالله و

فَقَالَ لَيْسُ لَكَ مِنْ لُهُ إِلَّا ذَلِكَ -

وائل بن جرحفری نے کہا کہ رسول الٹر مسلی الٹرعلیہ وسلم کے پاس ایک اُ دی حضر موت سے اَ یاا ورایک اُ دی کندی ولا سے آیا ، پس حضری نے کہا ، یا رسول الٹریہ عفق میری ایک زمین پر جومیرے باپ کی متی جبراً قبضہ جما چکا ہے ۔ کندی ولا کہ وہ میری زمین ہے ، میرے قبضے میں ہے ، میں اس میں کھیتی باٹلی کرتا ہوں ۔ اس کا اس میں کو نی حق نہیں بسبی نہیں اللہ علیہ وسلم نے جا اس نے کہا کہ نہیں ۔ آپ نے فرما یا کہ چر تجھے اس کی علیہ وسلم نے فرما یا کہ جم اس میں کھا ہے ۔ وہ کسی میں میں جر جب کھی کھا ہے ۔ وہ کسی میں میں خرتا ۔ حضور صلی الٹر علیہ وسلم نے فرما یا کہ اس کی طرف بھے ہی مل ممکن سے درمسل انٹر غربی ہو کہا کہ اس کی طرف بھے ہی مل ممکن سے درمسل انٹر غربی ہو کہا کہ اس کی طرف بھے ہی مل ممکن سے درمسل انٹر غربی ہو کہا کہ میں میں واضح مور دیر پر فی صلہ موجو و کہا گوا ہ بیش کر نا مذمی کا کام ہے اور قسم مدعا علیہ ہر ہے ۔

بَاكِ النِّامِّيّ كَبْفَ يُشْكُلُفُ

(بالبِّ ذمی کیسے ملعث اتحاسیے)

٣٩٢٠ حَمَّا تَنَا مُحَمَّدُ اللَّهِ يَغِيى نَاعَبُ الرَّزَّ انِ اَنَامَعْمَ عَنِ النَّهُمِ قَالَ نَا رَجُلُ مِنْ مُ ذَيْنَهُ وَنَحْنُ عِنْ اَسْفِيْدِ إِنِ الْمُسَيَّبِ عَنَ إِنِي هُمَّيُوةً فَالَ حَالَ رَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَنَو يَعْنِ لِيُهَا وَ اَنْشَالُ اللهِ عَنْ إِنْ اللهِ اللهِ اللهِ الله

التَّوْسُ كَ عَلَىٰ مُوسِلَى مَا تَجِكُ وَنَ فَي التَّوْسُ كَةِ عَلَىٰ مَنْ زَّنَىٰ يَ اللَّوْسُ الله عَلَىٰ مَنْ زَّنَىٰ يَ الله عَلَىٰ مَنْ وَلَيْ الله عَلَىٰ مَنْ وَلَيْ الله عَلَىٰ الله عَلَىٰ مَنْ الله عَلَىٰ عَلَىٰ مَنْ الله عَلَىٰ مَا الله عَلَىٰ مَا الله عَلَىٰ مَا الله عَلَىٰ مَا الله عَلَىٰ عَلَىٰ مَالله عَلَىٰ مَا الله عَلَىٰ عَلَىٰ مَا الله عَلَىٰ مَا الله عَلَىٰ مَا الله عَلَىٰ عَلَىٰ مَا الله عَلَىٰ عَلَىٰ عَلَىٰ مَا الله عَلَىٰ عَلَى عَلَىٰ عَل

ہ ہو ہریہ دوں کا مستون سے ہی ہو ہول میں ہے۔ ہودیوں سے ہودیوں سے دولیا ہے ہیں ہیں ہیں ہیں ہیں۔ نام سے پوجہتا ہوں جس نے دول ہے آبادی کہ تو دارت میں تم اُد نا کرنے والے کی کیا منزا باتے ہوا آلئے اور بھر ابوہ رہے ہے سجم کے قصے میں تمام حدیث بیان کی دیہ حدیث اسکے کتاب الحدود میں پودی کی یوری آسٹے گی

اس مدیث سے معلوم ہواکہ ہودی کو قسم دلاتی ہوتوا دلگری قسم دلائیں کے کہاس نے موسلی علیالسلام ہراتاری تتی۔ بالغاظ دیگر ہیودی کی قسم الٹد تعالی ہی کے نام وصفات سے ہوتی ہے

١٩٧٦ حَكَ نَكَ عَبْثُ الْعَلْمِينِ مِنْ يَحْلِي ٱلْمُواللَّا صُبْعِ حَمَّدَ تَكُو الْمُنْ أَوْلَا صُبْعِ حَمَّد تَكُو الْمُنْ أَوْلَا صُبْعِ حَمَّد تَكُو الْمُنْ أَوْلَا مُنْ الْمُنْ الْمُنْفِي الْمُنْ لِلْ

سَلَمَة عَنْ مُحَمَّنِيْ إِسْحَاقَ عَنِ الزَّهُمِ عِيهُ اللَّحِدِيْتِ وَبِالسِّنَادِ فَالَحَدَّ ثَنِي

رُجُلُ مِنْ مُزَرِّتُهُ مِتَنْ كَانَ يُتَبِّعُ (لَعِنْهُ وَيَعِيْهُ وَسَانَ الْحَكُونِيْنَ -رَجُلُ مِنْ مُرَيِّ رَبِّي سَنِّ فَعَرِبِ الْعَاقِ لِيَّالِي اللَّهِ مِنْ مِنْ اللَّهِ مِنْ اللَّهِ مِنْ اللَّ مَنْ مِنْ الْمُرْكِينَ مِنْ مِنْ عَلَى مِنْ اللَّهِ مِنْ اللَّهِ مِنْ اللَّهِ مِنْ اللَّهِ مِنْ اللَّهِ مِنْ ال

مدیف بیان کرنے کا ذکر کیا، جوآ دمی علم کی تلاش میں رہتا تھا اوراً سے یا در کھتا تھا الح (مگراس روایت اور گرزشتہ روایت مں مُزینه کا وہ شخص مجہول سے اوپر کی مدیث کے معنول میں ۔ مروره و حَلَّا فَنْ النَّبِي صَلَّى الله عَلَيْهِ وَسَنَّعُ فَالَ لَهُ يَعْنِي لِابْنِ صُوْدِيا الْذَكِدُ عَنْ عِنْرِصَةً أَنَّ النَّبِي صَلَّى الله عَلَيْهِ وَسَنَّعُ قَالَ لَهُ يَعْنِي لِابْنِ صُوْدِيا الْذَكِدُ كُورُ بِاللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ عَنْ اللهِ فِرْعَوْنَ وَافْظَعَكُوالْبَحْرَ وَظَلَّى عَلَيْكُو الْعَمَامَ وَ انْذَلَ عَلَيْكُمُ الْمَنَّ وَالسَّنُوى وَانْذَلَ الشَّوْلُ سَةَ عَلَى مُوسَى اَتَجِدُاوَنَ فِي كِتَابِكُمُ الدَّجُونَ فَال ذَكُرُتَنِي بِعَظِيْمِ وَلَا يَسَعَى إِنْ آكِيْدِ بَكَ وَسَاقَ الْحَدِانِينَ وَهِ اللهِ اللهِ

عکرمرسے دوایت ہے کہ نجم ملی انٹرعلیہ وسلم نے اس کو تعنی اس صور باکو ذیا یا (بوہبودیوں کا سب سے بڑا عالم علی : میں ہمسی وہ ندایا و دلا تا ہوں جس نے تم کو آل فرعون سے نجات دلائی اور سمندر سے گزارا اور تم پر با دل کا مرا بہ کیا اور تم بڑمن وسلو کی آنارا اور تم برموسلی کی معرفت تورات نازل کی کیا تم اپنی کتا ہ میں رجم کا ذکر با نے ہوج ابن صور یا نے کھا : آپ صل الٹرعلیہ وسلم نے مجے برقرے صاحب عظمت کی یا د دلائی ہے اور بھے ریکنی کشن میں ام کہ قریم کی آپ سے جھو مط ہولوں آلخ اور داوی نے بہ حدیث ہوری میان کی دمندری نے کہا کہ بہ حدیث مرسل ہے کہ کا عکر مرنی صلی انٹرعلیہ وسلم سے روایت کرتا ہے جوخود صحاتی نہیں ہے۔

بَأْبِ الرَّجِلِ بَحُلِفٌ عَلَى حَقِّه

والبحق بالما المحكمان المحكم المحكمان المحكم المحكمان المحكم المحكمان المحكمان المحكم المحكمان المحكم المحكمان المحكم ا

عوف بن الک نے مدیث بیان کی کمنی صلی التٰرعِلیہ وسلم نے دوآ دمیوں کے درمیان فیصلہ فرمایا توجس کے فیا خلاف فیصلہ موانقانس نے واپس جاستے موٹے کہا: مجھے الٹارکا فی ہے اور وہ بہتر کا درمانہ ہے ہیں نبی صلی الٹر کیا علیہ وسلم سنے فرمایا: ابٹارتعالی سستی و کابل برملامت کرتا ہے ، مگر تجہ برلانہم ہے کے عقل ندی اور جو شیاری سے کا م سے ۔ پھر جب مجہ بہر کوئی امرغالب آ جاسے تو کہ میر سے سلئے الٹرکا نی ہے اور وہ بہترکا درسانہ ہے ۔ دنسائی ہین کیا

خود كي سكة بغيرات بر بهروسرر نا غلط من ابني طون سيم مكن كوششش كريك سك بعدالت تعالى سد و عاء ك جلت ا تواس كا نام توكل سب - ها عد بسر ما عد وحرست بسيطة ويكا توكل مندس بلاعجز وتعقل سم .

كَا فِكِ فِي السَّابِينِ هَلُ يَحْسَسُ بِهِ اللَّهِ اللَّهِ عَلَى اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّ

٣٩٢٠ حَكَّا ثَنَا عَبُ اللهِ بَنَ مُحَمَّدِ النَّفَيُدِيُ نَاعَبُ اللهِ بَنُ الْمُبَادَكَ عَنُ فَيْرِ اللهِ بَنُ اللهِ بَنُ اللهِ بَنُ مُحَمَّدٍ النَّفَيُدِيُ نَاعَبُ كَا اللهِ بَنُ اللهِ بَنُ اللهِ عَنْ اَبِيهِ عَنْ اَللهُ عَنْ اَبِيهِ عَنْ اَللهُ عَنْ اَللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ ا

یُجِلِّ عِدُخِهِ فِعَلَظُ عَلَیْهِ وَعَقُورَتُ فَی مِحْدُنِی لَکَهُ ۔ متر پرسے دوایت کی کر تول النصلی الله علیہ وَلَم نے فرایا ؟ مالارکی تاخیراس کی عزت اور مرزاکو ملال کراہے ابن المبارک نے کہاکہ پہلے نفظ کا معنی یہ ہے کہ اس پرسخت کلامی کی جاتی ہے اور دو مرے کا معنی یہ کر اسے محبوس

كيا **جا تاسي**ے دابن ماجہ، نسائیُ،

مش سے: خطابی نے کہاکہ اس حدیث سے معلوم ہواکہ نادار کو مجبوس نہیں کیا جاتا کیونکہ محضور نے صرف" واجد"
مینی مال دار کا حبس تبایا ہے اور نفلس آدمی وا تجد نہیں ہوتا المذاوہ عبوس نہیں ہوسکتا۔ اس ہیں بوگوں کا اختلاف ہے مصر سمے کے نزد یک ٹال مالوں کرنے والے اور مفلس دونوں کو مجبوس نہیں ہوسکتا۔ اس ہیں مذہب حفیہ کا سے مالک نے کہاکہ نمنگ دست کو مجبوس نہیں کیا جا اسکتا اسے حملت دی جائے ۔ ثنا فعی نے کہا کہ اگر وہ اپنے ظاہری احوال سے ناداونظ آئے تو محبوس نہیں کہ مدیث میں کو نی حکم بیاں نہیں کیا جا اور خوال کے درنرا سے اس کہ حدیث میں کو نی حکم بیاں نہیں کیا جا اور کے درنرا وی اندا ہوئے کہ وہ اس کے درن کے کہ درن کے کہ درنے کہ کہ درنے کہ کہ درنے کہ درنے کہ درنے کہ کہ درنے کہ کہ درنے کہ کہ درنے کہ کہ درنے کی اور بدسلوکی کی جائے ۔ بیس یہ مشرعی حکم کا کہ نہیں ہوئے ۔ بیس یہ مشرعی حکم کا درن نہیں ہے۔ درنے کہ کہ درنے کہ کہ درنے کہ کہ درنے کہ کہ درنے کہ درنے کہ درنے کہ کہ درنے کہ کہ درنے کہ کہ کہ کہ درنے کہ درنے کہ درنے کہ درنے کہ درنے کہ درنے کہ کہ درنے کہ کہ درنے کے کہ درنے کے درنے کہ درنے کہ درنے کہ درنے کے کہ درنے کے کہ درنے کہ درنے کے کہ درنے کے کہ درنے کہ درنے کہ درنے کے کہ درنے کہ درنے کے کہ درنے کہ درنے کے کہ درنے کہ درنے کہ درنے کے کہ درنے کے کہ درنے کہ درنے کہ درنے کہ درنے کہ درنے کے کہ درنے کہ درنے کے کہ درنے کہ درنے کہ درنے کے کہ درنے کہ درنے کے کہ درنے کے کہ درنے کے کہ درنے کہ درنے کے کہ درنے کے کہ درنے کہ درنے کہ درنے کہ درنے کہ در

کے ساتھ کیاکہ ناچا ہتا ہے؟ (ابن ماجہ) حافظ ابن جرنے ہرماس بن حبیب کے داوا کا نام تعلبہ تبایا ہے بعض کی محدثین ا محدثین اسے صحابی قرار دئیتے ہیں مگر صرماس کا ماپ اور دا دا دونوں غیر معروف ہیں۔

٣٩٢٧ - حُتُّا نُنْكَا إِبْرَاهِ نِيُحَ بُنُ مُوسَى (لَرَّاذِيُّ اَنَاعَبُ مُالِكَرَّنَّ (فِعَن مَعْبَرِ، عَنْ بَهْ زِبْنِ حَرِيْدٍ عَنْ رَبِيْهِ عَنْ حَبِّدُ اَنَّ النَّبِيَّ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّحُ حَبَسَ رُجِلًا فِي

میں ہے۔ بہزین کیم نے اینے باب سے اور اس نے اس کے دا دا دمعا ویربن حیدہ قشیری، سے دو ایت کی کہ نبی صلی الله علیہ وسلم نے ایک آ دی کو کسی تہمت ہی مجبوس کیا دنسائی، ترندی ۔ان دونوں نے یہ اصافہ کیا ؛ بھرآپ نے اسے محمولا دیا۔

شرخ؛ خطا بی نے کہاکہ ان اما دیٹ سے پتہ چلتاہے کہ جبس دقعم کاہے ایک بطور برزااور دو مراحقیقت کا مراغ لکانے اور تحقیق کے سلئے بس مزا تو صوف وا حب میں ہوتی ہے اور متهت میں صرف اس شخف سے بوجھ مجھے کی جاتی ہے اور حالت کا بیتہ حلا ما جاتا ہے۔ روایات میں ہے کہ حضور سنے کسی شخص کو دن میں ایک گھڑی نک فیرس دیکھا اور کھے روبا کھ ویا تھا۔

٧٣٧٧ حَلَّاثُ مُحَكَّمَدُ أَبُنُ فَكَامَةَ وَمُؤَمِّلُ بُنُ هِشَاهِ بُنِ قَكَامَةَ كَا اَكُنَ فَكَامَةً كَا اَنْ فَكَامَةً اَنْ اَنْ فَكَامَةً إِنَّ اَخَامُهُ اَوْعَتَهُ وَسَمِعِتُ لُعُنَ بَهُ إِنْ اَخَامُهُ اَنْ اَنْ اَنْ فَكَامَةً إِنَّ اَخَامُهُ اَوْعَتَهُ وَمَا لَمُ وَمَا أَنْ فَكَامَةً إِنَّ اَخَامُهُ اَوْعَتَهُ وَمَا لَهُ عَلَيْهِ وَسَلَّو وَمُعَلِيخُولُ اللهُ عَنَالَ خِيرًا فِي وَمَا أَخِدُهُ وَاللهُ عَلَيْهُ وَمَا لَا مَا مُعَلِيهُ وَمَا اللهُ عَلَيْهُ وَمَا اللهُ عَلَيْهُ وَمَا لَا مَا اللهُ عَلَيْهُ وَمَا اللهُ عَلَيْهُ وَمَا لَهُ مُعَلِيهُ وَمَا لَكُولُولُ اللهُ عَلَيْهُ وَمُولِ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَمُولِ اللهُ عَلَيْهُ وَمُولِ اللهُ عَلَيْهُ وَمُولِ اللهُ عَلَيْهُ وَمُولِ اللهُ عَلَيْهُ وَمُولَا اللهُ عَلَيْهُ وَمُولَا اللهُ عَلَيْهُ وَمُولِكُمُ وَمُولُولُولُ وَمُولِكُمُ اللهُ ا

سیوات سی بیداری محرف بی موجوبی و هو بعطب . به برین مکیم نے اسنے ماپ سے اس نے اس کے داداسے روایت کی، بقول دا وی ابن فدام اس کا مجائی یا جی اور مقول دا وی مومل وہ مو درسول التوسلی الشرعلیہ وسلم کے مراصف انتخاب کہ آپ خطبہ دے رہے بھے ا تو کہا کہ : میرے مہسائے کس جُرم میں بکڑے سے گئے ہیں جس رسول الترصلی الترعلیہ وسلم نے دوم رتباس سے اعراض کیا ، عیراس نے کچے کہا تو نبی صلی الترعلیہ وسلم نے فرمایا : اس کے لئے اس سے مہسا اوں کو جیوڑ دو- اور موال نے بہنس کہا کہ دسول الترصلی الترعلیہ وسلم حطبہ دے درے دسے مقد درمنداحد،

نسرے بمندی موایت کے مطابق جو گویں کہے ، اُس کھڑا ہونے وائے اُردی کی زبان سے بعض امناسب باتی بھی نکلیں گر حصنورصلی اللہ علیہ وسلم نے یا تو وہ سی نہیں یاس کراعراض فرما یا اور لبعد میں اس سے ہمسایوں کو جھوڑنے کا تھم دیا۔ یہ نوگ کسی تہت کے باعث نقتیق کے لئے مجائے گئے تھے جیسا کہ مدیث نمبر ۳۲۲ میں بالاختصار کھوڑ معہد مدین علی المدید

بَانِ فِي الْوَكَالَةِ ﴿ وَمُوْتِ كُالِبِ الْمِالِّ ،

٣٩٧٨ عنى أَنْ الْحُيْدُ الله بَنُ سَعُو بَنِ اِبْدَاهِ بَحَ نَاعِتِى نَا أَبِيَ اَبْنِ اللهِ بَعَ نَاعِتِى نَا أَبِيَ الْبَنِ اللهِ اللهُ عَلَيْهِ وَاللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهِ وَاللهُ اللهُ عَلَيْهِ اللهُ الله

عَتْكُرُ وَسُقًّا فَانِ (بُتَغِي مِنْكَ (يَتُمْ فَضُعْ يَدَ لِأَعَلَ تَرْقُوتِهِ مِ

جابر بن عبدالتُدرمنی التُدع نہ نے کہا کہ میں نے تھیتر کی طرف جانے کا اُراُ وہ کیاتو رسول التُرصلی الشرعلیہ وسلم وسلم کی فدمت میں آیا اور سلام کہاا ورعرض کیا کہ میں نے عمیر کی طرف حبائے کا ارا وہ کیا ہے ۔ مفنور نے فرطا جب تومیرے وکسی کے پاس جائے تواس سے بندر واہ وسق سے لینا اور اگر وہ تھے سے کوئی علامت طلب کرے تواسکی ہنسلی بچہ یا تقدر کھ دینا (وکس سے مراد کا رندہ اور کا رحمتنا رہے۔ اس سے معلوم ہوا کہ معنور صلی الشرعلیہ وکم نے خیر میں اپنے کار ندے رکھے ہوئے مقے جو آپ کی طرف سے آپ سے مفاد کی ٹکرانی کر سے اور بہو وسے جومعلہ ہوا

بالباكمين القضاء

د قصاد کا با*لت با* الواب)

٣٧٢٩ - كَكَّانْكُ مُسُلِمُ بُنُ إِبْرَاهِ بْهَرَيْنَا (لَكَّنَىٰ بُنُ سَعِيْدِعَنُ قَتَادَةَ عَنَ بَشِيْرِ بُنِ كَعِب الْعَدَوِيَ عَنَ اَ بِي هُرُكِرَةً عَنِ النَّبِي صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ قَالَ إِذَا تَدَالُامُ فِي كَلِرِّينَ فَاجْعَكُوهُ سَبْعَةَ أَذْرُج -

ابو برئیده رضی الترعنرسے روایت ہے کہ بنی صلی الشریلیہ وسلم نے فریا یک حب راستے کے متعلق تہا ہا اختلاف م وجائے تواسے سات یا تھ رکھو (تر مذی ، ابن ماجہ مسلم) منز سے : خطابی نے کہ اکریے کم ان دامتوں کے متعلق ہے جو بہت مصروت ہوں جعنور نے انکی توسیع کا حکم دیا تاکی آرودفت میں آسانی منز سے : خطابی نے کہ اکریے کم ان دامتوں کے متعلق ہے جو بہت مصروت ہوں جعنور نے انکی توسیع کا حکم دیا تاکی آرودفت میں آسانی

لَهُ عَضَكُمْ مِنْ نَخُلِ فِي حَارِّطِ رَجُلِ مِنَ الْانْصَارِ قَالَ وَمَعَ الرَّجُلِ اَهُلُهُ قَالَ فَكَانَ اللهُ عَضَكُمْ المَّرَةُ يَهُ الْمَا اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّو اللهُ وَاللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّو اللهُ وَاللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلْمُ اللهُ عَلَى الله

الوجع فرقمر بن على الباقر سن سمره بن حندب رمنى الله عندس وايت كى كداس سف كها: انصار ي يوكون مي سے ايک کے باغ ميں مره کی چو کی موٹی کمجرویں تھیں اور سمرہ حب اپنی کھجوروں میں جا تانو ماغ والے کو تکلیعت ہوتی اوراًسے پہنٹا قرگزیرٌاعقا ۔انصاری نے ممرہ سے کہا کہ انہیں جج دومگراس نے انکارکیا، پھرا نصاری نے مطالبہ کی لہان کا تباد لہ کریو توسمرہ نےاس سے بھی اُنکارکرد یا ۔پھروہ ا نصاری دسول انٹرصلی انشرعلیہ وسلم کے پاس گیا اورآب كوب واقعه تايا بسنى صلى الشرعليه وسلم في سره سع كهاكه اسب بيج دست مكراس في الكاركرياد حتى مكم ىنرمبا سنتے ہوئے م آپ سنے ان کے تبا و کے کا حکم دیا تو بھی اُس سنے اُکا رکمہ و یا حضور سنے سمرہ کو ہڑ علیب و سنے بهريدهجورساس انصادى كوكجش دوا وأبتهيس بدا وربدطے گا اس تے انكادكيا .حضور نے ذيا با : لوح رُدرُ فَفَى سبِه اودا نَصَا رَى سے حضور سنے فرما یا: حباا دراس کی کھجوروں کواکھا ٹریچینک دیعنی زمین دوسرکے کی ک حس کو بچھ سے حزر ومشقت پہنچ رہی ہے اً ورتومصا لمحت کی کسی صورت کو میں قبو ل نہیں کر تا تواب آئم ہے علاج یمی ہے کہاس کی زمئن سے تیرے ورزمت اکھا الروسیٹے حاتمیں تاکیران کا صرور فع ہو۔ اس مدیث میں ب ذکرنہ ہر ے کہ وہ درخت وا قعی اکھاڑے گئے تھے، تعبول علامہ خطابی ممکن ہے حصنور کا بدار شادمحض ایک دھمکی کے دنگ میں ہو تاکہ وہ صرر سے باز آئے ۔اس سے بہتر مہلاکہ دفع صرر کی ضاطرانیسا کرنا جائنہ ہے، ٣٧٣٣ حَكُمُ انْتُ أَبُوالْوَلِيْنِ الطَّلِيَ لِيسِيُّ نَا اللَّيْثُ عَنِ النَّاهُ مِنْ عَنْ عُرُولَة أَتّ عَبُك اللهِ بَن النَّرُبُيرِحَكَا نَهُ أَنَّ رُجُلًا خَاصَحُ النَّرُبُيرِ فِي شِرَاجِ ٱلحَثَرَةِ الَّتِي يَسْفُونَ بِهَا فِظَالَ الْانْصَارِئُ سَيِّرِجِ الْسَاءَ يُعَرُّ فَأَبِى عَلَيْئِ النُّرْبَ بُرُفَقَالَ النَّبِيِّى صَلَّى اللهُ عَكَيْسِ فِلْ *وَسَ*كُولِلِزُّبُيرِ اِسْنِ َبِازُبُ بُرُتُمَّ اَرْسِلُ إِلى جَارِكَ قَالَ فَغَضِبَ ٱلِانْصَارِقُّ فَقَالَ مِار**َسُولَ** الله إن كان ابن عَيَّتِك فَت لَوَّن وَجُهُ رَسُول اللهِ صَلّى اللهُ عَكَبْ لِهِ وَسَلَّح مَعَ فَالَ اسْنِ الْحُبِسِ الْمَاءَ حَتَى يُرْجِعُ إِلَى الْجُفَادِ فَقَالَ أَلَزُّبُ يُرْفُواللَّهِ إِنَّى لَكُسِبُ هٰذِا وِٱلْايةَ

عبدالتد بن زبررضی التدعن کا بیان سیم کم ایک انصادی کا حفترت زبر کے سابھ حرہ ہے تا سے کے متعلق ایم گیا ہوگیا، جس بیس سے یوگ باغوں کو بانی دیتے تھے ۔ لیس انصادی نے کہا کہ بانی کو چھوٹر دو تا کہ وہ آگے گزیے گر زبر نے الساکہ بے نے کے انکاد کر دیا ۔ بس نبی صلی التدعلیہ وسلم نے زبیر سے فرمایا: اسے نربیر ا انسی بات کی طوب بچھوٹر دو ۔ داوی نے کہا کہ اس پر انساری عفنب ناک ہوگیا اور بولا: یا دیسول انتذ براہب کا بھوبی زاوہ ہوگیا اور بولا: یا دسول انتذ براہب کا بھوبی زاوہ ہوگیا اور بولا: یا دسول انتذ براہب کا بھوبی زاوہ ہوئی اور وکھر یا نی کوروکومتی کہ وہ دایوا دوں یا درختوں کی جڑوں کے اوب کہ جہا ایک جہرے کا دنگ بدل گیا توفر مایا: یا نی دو بھر یا نی کوروکومتی کہ وہ دایوا دوں یا درختوں کی جڑوں کے اوب کہ جہا ایک تیم میں انسان کی ایس میں انسان کی ایس میں انسان کی میں انسان میں انسان کی میں انسان کی میں میں بھاری و مسلم نے ہوں کے جوہ کی میں میں انسان کی ایس ماج بیادی و مسلم نے ہوں کے دو ایس کیا ہے۔ دائر ندی ، انسان کی ایس ماج بیادی ہمسلم، بھاری و مسلم نے اسے عروہ بن زبر کی حدید سے دوایت کیا ہے۔

نش ح: بَدِمِرِماتی نائے کا پانی تھا جوکسی کی ملکیت نہ تھا ، سیکن جو مختلسط کر کے اس کا پانی اپنی زمین میں سے جا تا ہے ۔ وہ اس کا دومروں کی نسبت زیادہ تھا اسے ۔ حدیث برہمی معلی ہوا کراس قیم کے پانی سے فائدہ اٹھانے کا حق بندر پر بح مہوتا سے ، پہلے نائے سے مہتعلق ندین واسے کا اور پھرا گلے کا وعلی ہذا القیاس سیکن اگر بانی کا منبع بہتداً ومیوں کی ملکیت ہوتوسب کا حق میں ہم الربم ہوگا ۔ اگر وہ مصالحت کے ساتھ کا م کریں تو مہتر ورنہ باری تھا ۔ گر جبگڑا ہوتو قرعوا نداندی سے فیصلہ ہو سکتا ہے ۔ علما ، نے کہ ہے کی جائے گئی جس کی سب کو با نبذی کرنا لازم ہوگا ۔ اگر جبگڑا ہوتو قرعوا نداندی سے فیصلہ ہو سکتا ہے ۔ علما ، نے کہ ہے کہ زم کو حضور کا بہلا حکم بطورہ وادمث و عقا تاکہ اس سے انصاری و مجو ٹی ہو ۔ حب انفعاری بازیز آیا تو بھر جو بات فرانی و کو بری و لانری حکم ہے ایوں بات فرانی و کا در در حضور کے حکم ہے ہوں برتا ہی نہ کرتا اور انسان ہر جانب اور در حضور کے حکم ہے ہوں سرتا ہی نہ کرتا اور انسان ہر جانب اور کے حکم ہے ہوں سرتا ہی نہ کرتا اور انسان ہر جانب اور کے حکم ہے ہوں سرتا ہی نہ کرتا اور انسان ہر جانب اور کی حکم ہے ہوں سرتا ہی نہ کرتا اور انسان ہر باندا کے مساب کو جو بی دلات ہوں کے دلائے ہے کہ کہ اس کے کہ کرتا ہو کہ برا کی دور کے حکم ہے ہوں کی کرتا ہوں کہ کرتا ہو کہ کرتا ہے کہ کہ کے انسان کی کا کرتا ہوں کرتا ہے کہ کہ کرتا ہے کہ کرتا ہو کرتا ہے کا کرتا ہے کہ کرتا ہے کہ کرتا ہے کہ کرتا ہوں کرتا ہے کہ کہ کرتا ہوں کرتا ہو

م ﴿ ﴿ ﴿ ﴿ وَكُنَّا أَنْ فَكُنَّ أَنْ مُكَالَمُ الْعَكَاءِ نَا اَبُو الْسَامَةُ عَنِ الْوَلِيْ الْمُولِيْ الْمُوكِ الْمَا كَتَثَيرِ عَنَ الْمِلْ الْمُنْ الْمُولِيْ الْمُولِيْ الْمُولِيْ الْمُؤَوِّ الْمُؤْمُولُ اللّهُ مَا اللّهِ اللّهُ مَعْ مَكْ بَرَاءَ هُمُ اللّهِ اللّهُ مَنْ اللّهُ مِنْ اللّهُ مَنْ اللّهُ مَا اللّهُ مُعْمَالِيْكُ اللّهُ مَنْ اللّهُ مَنْ اللّهُ مَا اللّهُ مَنْ اللّهُ مَا اللّهُ مُنْ اللّهُ مِنْ اللّهُ مُنْ اللّهُ مُنْ اللّهُ مُنْ اللّهُ مِنْ اللّهُ مِنْ اللّهُ مِنْ اللّهُ مُنْ اللّهُ مِنْ اللّهُ مِنْ اللّهُ مُنْ اللّهُ مُنْ اللّهُ مُنْ اللّهُ مِنْ اللّهُ مُنْ اللّهُ مِنْ اللّهُ مِنْ اللّهُ اللّهُ مِنْ اللّهُ مُنْ اللّهُ مُنْ اللّهُ مُنْ اللّهُ مُنْ اللّهُ مُنْ اللّهُ مُنْ اللّهُ مِنْ اللّهُ مُنْ اللّهُ مُنْ

يُبْنَهُ حُوْرَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَكِيْلِهِ وَسَلَّمَ إَنَّ الْسَاءَ إِلَى الْكَعْبُبُينِ لَا يَحْبِسُ الْكَعْلَىٰ عَلَىٰ الْكَعْبُ بُينِ لَا يَحْبِسُ الْكَعْلَىٰ عَلَىٰ الْكَشْفِيلِ .

توده آ گے مجواردے

رودا کے پر کرا ورم روز دو مختلف چیزوں کے نام سقے ۔ مہرُ ور بنی قریظہ کی دادی کا نام تھاا ورم روز مدینہ کا ایک بازاری مقام تفایصے دسول مسلی انٹرعلیہ وسلم نے عام مسلما نوں میرصد قد فرما دیا تھا ۔

٣٧٣٥ حَكَانُكُ احْمُلُ أَنْ عَبُ لَا قُالُكُ عِلْمَا أَنْ الْكُعِيْرَةُ بِنُ عَبْدِ الرَّحْلِن قَالَ حَلَّا ثِنِي

أَنْ عَبْلُ الدَّحْمُنِ بُنِ الْحَادِثِ عَنْ عَنْمِ وَبْنِ شُعَيْبِ عَنْ أَبِيهِ عَنْ جَلِامُ أَتَّ رُسُولَ اللهِ صَلَى اللهُ عَبِيهُ وَسَلَّوَ وَخَلَى فِي السَّبُلِ الْمَدُّورُ وَمِرْ إِنَّ يَنْسَكَ حَنَى بَبُكُمُ وَمُورِدُ اللهِ صَلَى اللهُ عَبِيهُ وَسَلَّوَ وَخَلَى فِي السَّبُلِ الْمَدُّورُ وَمِرْ إِنَّ يَنْسَكَ حَنَى بَبُكُمُ

ٱلكَّبْيُنِ ثَكَّرُيرُسِلُ ٱلْأَعْلَى عَلَى ٱلْأَسْفَلِ-

ینے والوں کے دے چوٹر دے رابن ماجری ۲ ساس کا نان محمود مور می کالی آت محمد کا نام کا تھ حقال مَا عَبْ مَا

الْعَزِيْدِ إِنْ مُحَدِّيْهِ عَنْ إِنْ كُلُوالُمَّا وَعُنِي وَبُنِ يَحْيِى عَنْ أَبِيهِ عَنْ أَبِي سَعِيبُ لِا

الْحُلُادِيِّ قَالَ الْحَنْصَمَرِ إِلَى رَسُولِ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ دُمُجِلَانِ فِي حَرِيْهِ خَلَةٍ فِي حَدِيْ سِنِ اكْدِهِ هِمَا فَامَرْ بِهَا فَنُادِعَتْ قُوْجِ مَاتُ سَبُعَنَ الْدُرَعِ وَفِي حَدِيْ سِنِ الْك فَوْجِ مَا شَ حَمْسَدُ اَذُرُعٍ فَقَضَى بِنَالِكَ قَالَ عَبْمُا الْعَرْبُيْزِ فَالْمَكَرُ بِجَرِيْ مَا يَعْ مِسنَ

جَرِيْنِ هَا فَنَارَعَتُ الْجُرُكِتَابِ الْأَقْضِيةِ-

٢ نجي كتاب الا قصبية - ٠

بِسْسِ حِواللهِ الرَّحَارِ الرَّحَارِ الرَّحَارِ الرَّحَارِ الرَّحَارِ الرَّحَارِ الرَّحَارِ الرَّحَارِ الرَّحَارِ الرَّحِارِ الرَّحِارِ الرَّحِارِ الرَّحِارِ الرَّحِارِ الرَّحِلُ مِن الرَّحِلِ الرَّحِلُ مِن الرَّحِلُ الرَّحِيلُ الْحَالِ الْحَالِ الرَّحِيلُ الْحَالِ الْحَالِي الْحَالِ الْحَالِ الْحَالِي الْحَالِ الْحَالِ الْحَالِي الْحَالِي الْحَالِ الْحَالِ الْحَالِ الْحَالِ الْحَالِي الْحَالِ الْحَالِ الْحَالِي الْحَالِ الْحَالِ الْحَالِي الْحَالِي الْحَالِي الْحَالِي الْحَالِي الْحَالِ الْحَالِي الْحَالِي الْحَالِي الْحَالِي الْحَالِي الْحَالِي الْحَالِي الْحَالِ

٢٧٧٧ حَكُ قُنْ أَمُسَدَّدُ بَنِي مُسَرُّهُ مِنَاعَبُدُا لِلَّهِ بْنُ دَاؤَدَ قَالَ سَمِعْتُ عَاصِمَ بْنُ رُجَاءِ ابْنِ حَثْيُوتَ يُحَرِّ تُ عَنْ دَاوَدَ بْنَ جَمِيْلِ عَنْ كَثِيرِ بْنِ قُيْسٍ قَالَ كُنْتُ جَالِسًا مَعَ إِلِى الذَّرُدَاءِ فِي مَسْجِدٍ ۚ كَرِّمَ شُتَى فَجَاءَةُ رَجُلُ فَقَالَ يَا أَبَا الَكَّدُنْدَاءِ إِنَّ حِنْتُكُ مِنْ مُرِيئَ لِمُ دَسُولِ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ لِحَدِيثِ بُلُغَنِي إِنَّكَ تُحُرِّمٌ ثُلَّةً عَنْ رَسُولِ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلِّمُ مَاجِئُتُ لِمَا جَهِ قَال فُإِنِّ سَمِعُتُ رَسُولَ اللَّهُ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمْ يَعْوُلُ مَنْ سَلَكَ طريقًا يَظلُبُ فِيْهِ عِلْمًا سُلُكَ اللهُ بِهِ طُرِيُعًامِنُ طُرُقِ الْجُنَّةِ وَإِنَّ الْمُلْشِكَةَ لَتَضَعُ اَجُزْحَتَهَا رِضًالِطَالِبِ الْعِلْمِ وَإِنَّ الْعَالِمُ لَيُسْتَغُفِرْلَهُ مَنْ فِي السَّهْوَاتِ وَالْأَنْضِ وَالْحِيْتَ ا نُ وَى جُوتِ الْمَاءِ وَإِنَّ فَضُلَ الْعَالِمِ عَلَى الْعَابِلِ كَفَضْلِ الْقَهْرِلَيْكَةَ الْبَرُ رِعَلَى سَائِر الْكُوَاكِب وَإِنَّ الْعُلَمَاءَ وَرُشُهُ الْكَنْبِياءِ وَإِنَّ الْكَنْبِياءَ لَهُ يُورِّثُو إِدِيْنَا لَكُولا دِرُهَمًا وُدُّثُوا الْعِلْمُ فَمَنُ أَخَٰلُ لَا أَخَٰلُ بِحَظِّ وَافِرِ ترحمه إستير بن قنس نے كها كه ميں الوالدراؤ الم ميں ماتھ دمشق كى مسور من مجھا موا تھا كه ايك شخص نے آكر كها! اے الوالد المام من تبرے باس رسول الندصلی النُرعلیہ وسلم کے شہرسے ایک حدیث کی خاطراً یا شور حس کے متعلق جھے بیتہ حیلا سے کہ تو رسول النُرصنّی الله علیہ دسلم سے روابیت کر تا ہے۔ میں کسی فراتی کام کے بیے نہیں آیا ۔ الوافلڈ راونے کہا کہ میں نے شنا رسول الترصی الترعلیہ دسلم

بوفر ما تغییر بخشخص کوئی راسترا ختبار کرسے جس کمیں وہ عم طلب کرتا ہوالٹرتعالیٰ اس کی مبنت کی اس کس سے ایک راہ پ چلاشے گاورفرنشتے ما اسب علم سے راحنی ہوکراسینے بیر مجھیا 'نے ہیں دیا جھکانے ہیں ،اورعا لم کے بیے آسمانوں اورزمیت کی مخلوق استغفاركرتی سیے اور یا بی کے اندر محیلیاں بھی ۔ اورعا لم کی تغنیلت عابر مراس طرح سے بسبی تو د ہوں کیے حیا ندکی تغنیلت یا تی ب ستارون برسید اورعلمامی بنیوں کے واران میں اوربیوں نے دیناراور درہم کی ورا تنت منہ یں حیوری ،ان کی واتنت عمر سے لیس سے اسے لیا اُس نے وافر حصتہ لے لیا۔ راب مام، انرمذی) ر تشر**ح**) فرننتوں کے مَیرر کھنے کا مطلب یا تو ہے ہے کہ فر<u>تنسنے ط</u>الب علم کے ساستے اس کی تنظیم کے بینے تواضح ا ورخیر شرع سے بيش أتي ب. جيبي كرالتدتعا في تي سورة العاملي ولادكو والدين كي سائية رهمت كر باعت الدوسيت كريا وخفف جناح کا عمرد باب بعن ان کی تعظیم کری اور عائزی سے میٹی آئی جیسے کہ التو برندو مالک سے سامتے برحما لیتا ہے من کے نزد کیے انس کامعانی ہے۔ فراغنتوں کاطالب علم میرنیز دل اورائسن وقت اُٹرنے سے پاز رہنا۔ حبیبا کہ حضور سنے کر کرنے دالوں سے متعلیٰ فرط یا ہے کہ فرنشتے ان برحیاحاتے ہی اور حمت انہیں ڈھانی میتی ہے کیفن نے کہاکہ فرنشنے لماںسبطم کے آگے میرزمین بھیا ویتنے ہمی کہ وہ ان برص کرمنزل مقصوفۂک ماہتے ، بعیی فرنتنتے طلب علم میں اکسس کی مدوکرتے ہیں ۔اورعالم کے لیے مجیلیوں کے سنتفار کامطلب برسے کہ التُدتعالی نے عالم کی زبان تیام مخلوق کے۔ بهنت سیے متا فع رکھے ہیں ۔ مثلاً ملتت وحرمت کے ایکام اور پہندوں اور مجیلیوں وعیرو کے متافع اوراس نمام غوت سے ساتھ معلائی کریا اوران پرظلم دستم سے بازر ہنا وعیرہ ، کسپس اس کی حزام ہیں التُدُلّما کی ان کی زبان سے عالم سے لیانتغا نکوانا سے رضا بی ، اب سوال بارم کم کہ اس آنے والے شخص سے ابوائدر دائے اس کی معلومہ حدیث لوحمی اوری^ر اکسے تنائى، اس كاك اعت تقا ؟ سوفكن سے كداس كامطلب برره كياكد سنن جو- يا اكس اصل بات سے يہلے تطور لبنارت به مدیت سناتی ہو، اوربیراس سے اس کامقفد دریا فت کرنے اوروہ مدیرے سنانے کا ذکرانس مدمث میں نہا ہو اس مدیت می عالم کو جود موں کے ما نہ سے اورعار کو دیگریٹ اردل سے تشبیر ہروی گئی سے کیونکہ عار کی عبادت کا نوراً اسى كك محدود ہے اس سے آگے نہیں جا آا ورجا ندكی روشنی وور دُور تک سبلتی ہے ،اورسب طرح جا ندكا تور سورے سے مسنفار سبے اسی طرح عالم کا نور دسالت شکے نورسے لیاجا تاسے ۔ اس مدس شیں انہیا کا لفظ رسولوں مجی مادی ہے بعض علماء رسولوں کے وارٹٹ ہیں منلا فغنائے عظام ہواصحاب مذام ہب اورار باب ا قاویل ہیں ا ورباتی ملا اپنے درجات ورانب سےمعابق انبیائے وارٹ ہی ختلائی جومادکی جبریں چوڑھائی وہ تمام مسلمانوں صدفه آئی بن اوران کی از دواج وادلادا در دیگردارت اس سیداس طور حسنها بایت جلید کرعام وارث بایت بن – ٣٦٣٨ حَكُ ثُنَّامُ حَمَّدُ بْنُ الْوَزِيْرِ الْهِ مَشْقِ نَاالْوَلِيْدُ قَالَ لَقِيْتُ شَبِيبَ بُنَ شَيْبَةَ فَحُدَّ بَنَا بِهِ عَنْ عُثَمَانَ بُنَ إِلِى سَودَةَ عَنْ إِلِى الدَّرُدَاءِ بِمَعْنَاهُ يَعْنِي عَنِ النَّبِيِّ صُلَّ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ

رَّرَحِمْهِ) عَانَ بَنَ ابِ سوده نَهِ ابِ الْمُعَانِدُ وَالْمَ الْدَالِمُ اللَّهُ عَنِ الْمُعَنَّمِ الْمُعَنَّ الْمُعَنَّ الْمُعَنَّ الْمُعَنَّ الْمُعَنَّ الْمُعَنَّ الْمُعَنَّ الْمُعَنَّ الْمُعَنَّ اللَّهُ عَنِ الْمُعَنَّ الْمُعَنَّ الْمُعَنَّ الْمُعَنَّ اللَّهُ عَنِ الْمُعَنَّ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ اللِللْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ

، ترجم ، الجھر برق نے کہا کہ رسول المدُصلی الدُعلیہ دِسلم نے فرہا ﴿ وَ بِوَا دِی عَلَم کی الرَّسْ مِی کوئی اِستہ اس کے اللّہ اس کے اللّہ اس کے اللّہ اس کے جاسکتا اس کے بیٹ اس کے بیلے حبنت کی راہ اُسان کہ دسے کا اوراس کا عمل بھیے کہ دے اس کا نسب اس کے آگئے نہیں ہے حاسکتا (مسلم ، ترمذی) یعنی خواسکے قرب ورصام کی منزل عمل سے طے ہوتی ہے دہ کہ نسب سے ، جوعمل میں عیدی ہے اس کا نسب اسی کمی کو بورا نہیں کررکت ۔

بَأَبُّ رِوَالِيةِ حَرِيثِ أَهْلِ الْكِتَابِ

(ابن كتاب كى مديث كى روايت كاباب بنسرا)

٣٩٧٠. حَكَّ ثَنْ أَعُبُ الْمُعُمِّ الْمُنْ الْمُحَمِّ الْمُنْ الْمَالِمُ وَذِي نَاعَبُ الْلَوْقِ الْمَالِمُ وَالْمُنْ الْمُنْ الْمَالِمُ وَالْمُنْ الْمُنْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ اللهُ وَسَلَّمُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ اللهُ عَلَيْهِ الْمُنْ اللهُ عَلَيْهِ الْمُنْ اللهُ عَلَيْهِ الْمُنْ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمُ اللهُ عَلَيْهِ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلِّمُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَلَا اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَلَا اللهُ ال

زرجیہ) الدِ ملط اتصاب کا بیان کہ وہ رسول الدُصلی الدُعلیہ وسلم کے پاکس بیٹیا نظا وراس وقت آب کے پاس ایک یہودی می نظا ہوا کی جا زے کے پاکس سے گزاخا ۔ اس یہودی نے کہا دو اے محکمہ! کیا یہ جنازہ کام کراسے ؟ نبی صلی الدُعِلیہ وسلم نے فرمایا! اللّٰہ می توب جا نتا ہے ۔ یہودی بولاکہ وہ کلام کرناہے ۔ کس رسول الشرصلی الدُعلیہ وسلم نے

ا ترجمہ) زیدبن نابت نے کہا کر سول ملی الترعلیہ ہم نے مجھے عکم دیا تو ہم نے آپ کے بیج دلیں کی زبان کا تکھنا پڑھتا سبکھا ۔ اورا میں نے فرایا و والتر میں اپنی کتابت کے بیے بہودلوں براغنا دنہیں کرسکتا ، اس میں نے اسے سبکھا اورص ماہ سے زیادہ عوصہ تاگر را نھا کہ میں اس کا ماہر سوگیا۔ آپ کو جب مکھوانے کی خرورت ہوتی تو میں مکھنا تھا اور حب آپ کی طرف کو ٹی خطا کا نوا ب کے لیے اسے بڑھنا تھا۔ و نرمندی ، بخاری ، سنے کتاب الاحکام میں اسے لفتنا

روا بیت کباہے۔) انتشرح _ا اس <u>سے ب</u>تہ جلاکہ دینی مقاصد کی خاطر دوسری زبانوں کا سیکھنا اوامر تشریع میں داخل ہے۔

كتتابكة الولير

الله صلّ الله عليه وسلّمُ ارب و فظه فنه في و قالوا أخكت كلّ شهرة قالوا أخكت كلّ شهرة تسهم عله و رسول الله عليه وسلّمُ ارب و فظه فنه في و قالوا أخكت كلّ شهرة تسكلت و ورسول الله عليه و الدخا فالمسكت عن الْكِ عَلَيْهِ وسلّمُ فا و مَا هُو مَا هُو عَن الْكُ عَلَيْهِ وسلّمُ فا و مَا هُو مَا هُو عَن الله عليه في الله عليه الله عليه الله على الله الله على ا

٣٩٧٧ حَلَّ قَنَّ أَنْصُرُ بُنُ عَلِي اَنَا اَبُواحُهُ لَ نَا كَثِيرُ بُنُ ذَبُهِ عَنِ الْمُطَّلِبِ

بُنِ عَبُرِ اللهِ بُنِ حُنُطِ قَالَ دُخُلَ ذَبُ بُنُ ثَابِتٍ عَلَى مُعَاوِيةَ فَسَالَ لَهُ
عَنْ حَدِيثِ فَامَرُ إِنْسَا نَا يَكُتُبُ هُ فَقَالَ لَهُ ذَبُ دُونَ رَسُولَ اللهِ صَلَّ اللهُ عَلَيْهِ
وَسَلَّ مَرَا مَرُ نَا أَنْ لَا نَكُ نَبُ شَيْدًا مِنْ حَدِيثِهِ فَمَحَاهُ -

ترجمہ: رزیرن نابیش معادّ ترکے ہاس گئے اور معاویہ نے ان سے ایک مدیث بوجی اور ایک آدمی کو اسے مبکھ یعنے کا حکم دیا یسی زیش نے ان سے کہا! در سول الدُّصلی الدُّعلیہ ولم نے حکم دیا تفاکہ ہم آپ کی مدیث میں سے کمچھ تر کھیں کر ان نیاز میں میں میں میں اسلامی الدُّر علیہ والدُّر علیہ والدُّر علیہ والدِّر علی مدیث میں سے کمچھ تر

رزرح بر مها کم اکستن میں صرت امام الوسیان فطابی نے فرا پہنے کہ کہ است نہی مقدّم تھی اورا باحث آخری امر نھا۔ برکھی کہا گیا ہے کہ فرآن کے ساتھ ملاکر حدیث کو ایک حکم پر کھھتے سے منع فرایا تھا تاکہ خلط معلط نہ ہونے پائے اور پڑھنے والے الحجن میں نہ چڑھائیں صرت لکھنا اور علم کوکہ برت کے ذریعے محفوظ کرنا جائز نہ تھا۔ رسول القرصلعم نے اپنی ائمت کو بلیع کو بکر وہا تھا اور فرایا تھا کہ ف کیکٹ کے اکمٹ کھیڈ اکھا گیک ۔ حاضرت عیز حاضروں تک بہنچا وں ، اور جب حاضری جو مورت بلیغ نامی بہنے اور میں موروں کی کہنے ہوئی ہوئی ہوئی ہوں۔ موروں میں موروں تا بلیغ نامی بہنے ہوئی ہوئی۔

٣١٢٣ حَلَّ فَنُ أَحْمَدُ بُنُ يُونِسُ نَا ابُنُ شِهَابٍ عَنِ الْعَنَّاءِ عَنْ أَبِي الْمُتَوَكِّلِ إِنَّ بِي عَنْ أَبِي سَجِيدٍ الْحُنْ رِيِّ قَالَ مَا كُنَّا نَكُتُبُ عَنِ الشَّهُ لِل الْمُتَوَكِّلِ إِنَّ بِي عَنْ أَبِي سَجِيدٍ الْحُنْ رِيِّ قَالَ مَا كُنَّا نَكُتُبُ عَنِ الشَّهُ لِل اللهَ اللهَ اللهَ اللهَ اللهَ اللهَ اللهَ اللهَ اللهَ اللهُ ا

مترجمہ :۔ ابوسعبگرا لمحری نے کہا کہ ہم کشند اور قرآن کے سوا کچھ نہ تکھتے تنمے دنینی زمانہ محالعت میں یا بابعدم سب لوگ تونہیں مکھتے تھے اورتواص کو احارت تھی جلیسا کہ عبرالنار میں معروبن عاص) یہ روابیت لوگوی کی روابیت میں نہیں بلکہ ایں العب

هم ٢٩١ حكَّ فَنَا أُولِي مَنِ الْوَلِي وَمَوَحَدَّ ثَنَا الْعَبَاسُ بِنَ الْوَلِي مِنَ بَنِ مَنِ يَنِ قَالَ الْوَلِي مِنَ الْوَلِي عَنْ يَحْمَى بَنِ إِي كَثِيرُ قَالَ الْاَبُوسَلَمَةَ مَنْ يَعْنِ الْمِي كَثِيرُ قَالَ الْمَا الْمُوسَلَمَةَ عَلَى الْمُوسَلَمَةَ عَلَى الْمُوسَلَمَةَ عَلَى الْمُوسَلَمَةَ عَلَى اللّهُ عَلَيْهِ وَسَلّمَ فَقَامَ مَنْ اللّهُ عَلَيْهِ وَسَلّمُ فَقَامَ مَنْ اللّهُ عَلَيْهِ وَسَلّمُ فَقَالَ لَهُ اللّهُ عَلَيْهِ وَسَلّمُ فَقَالَ اللّهُ الللّهُ اللّهُ

تنمة جمسرة به الوم رميع سنه كها كروب كمه فتح بوانو صلى النّرعليه كالم ضعيد دين كعرطت بوست البس رواى ني ني صلى

ترجمہ : ۔ عبدالند قبن زبیرنے کہا کہ بین زُبیر طسے ہوجیا دو آپ کوسول النّر طی النّر طلبہ دسلم کی حدثیں ببان کرتے سے کون سی چزرد کتی ہے جسب کہ تصنور کے ہاں میرا و قارا در درجہ تھا کئین میں ہے آپ کو سے جسب کہ تصنور کے ہاں میرا و قارا در درجہ تھا کئین میں ہے آپ کو یہ فروائے میں نفا کہ دمجو جھ پرعداً تھوط با نرجے ، درہ اپنا تھا کا اجہتم میں بنا ہے ۔ ر بجن ری این ماری بنائی ر

منن ابی دا *و و صدحها رم* ان ہیں سے مہن سی احادیث میں منتعیّدا کی لفظ نہیں ہے حس کے بیش نظر مختا طادگ روا بیت حدیث سے گریرتا لرستے رہیے ہیں ۔ بخارکی اورنساکی کی روایت میں حضرت زُبیر کی حدیث میں بھی یہ لفظ مردی تہیں ہے۔ زُبیر کی مطلبہ کھی اس مدیث کی روایت سے بیب کہ میں اس دعبد کے نوٹ سے روابت نہیں کہتا۔ مَا<u>هُ</u> الْكُلاهِ فِي كِتَابِ اللهِ بِلاعِلا المُهُويُ مَا سَهُيلُ بُنُ مَهُ رَانَ نَا الْبُوعِمُ رَانَ عَنْ جُنُكَابِ قَالَ قَالَ رُسُو لُ اللهُ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ مَنُ قَالَ فِي كِتَ إِبِ اللهِ بِرَائِيهِ فَأَصَابَ فَقَلُ أخطأء تترجمس: مد حندت بنے کہا کہ رسول الدُوسلی الله علیہ دسلم نے فرمایا دوسس نے اللّٰد کی کما ب میں اپنی رائے سے کھے کہ اوروُرست کہا تو بھی خطا کی ر ترمیزی ، نسائی ، ترمذی نے کہا کہ بہ حدیث عزیب ہے ، اس حدیث کما را وی سہبکی بن مہرن نغرط : مرکبتی تورائے کسی دلیل برمینی نه هو محص اغراض نفسانی ادر ذاتی خیالات و دساوس برمینی همواس سے قرآن کی تقنببركرنا ناحائزے ۔ اس تسم كى تعبيركوتغنير پرائى المذموم كها گياہے رجورائے اصول وقواعد يترح كے مطابق ہواس سے کام بینا جا ٹنزہے ۔ لیکن نقببرقِرا نی کے بیے سب سے پہلے قرآن پرنظرلا زمہے بچر ہدین دسنت پر کیجرا قوال د آثاراصماً بر، نابعین برا بجراب نسبری آفادیل کاعلم تھی لازم ہے ۔اس سے علادہ کُفنت عربی کاعلم خردری ہے جسب کے بعیر قرآن مين بات كمناخطراك موكا - ان شرائط كي بغيراً كركوني تقبيركرسا او فرص كرد كما تفاق سے اس كى بات درست موجوجى مِنعوم ہے بہولکے اس کے پاس اس مبدان میں اُنرنے کے پیےاسلحا وراً لات ہی موجود نہیں ۔ نشریعیت النّدا دراس سنے رسول کی بات سے ، بوآدمی اس میں کسی اور چیز کی ملاوط کرتا ہے اس سے طراظ الم انسان کون سے کا گویا بالفاظ و مگر وہ تدادرسول ہونے کا مرعی ہے ٣٩٨٩ حَكَّ ثُنْ أَمُسَكَّ دُّقَالَ ثَنَا أَبُوعَوانَيَةَ عِنْ سَعِيْدِ بُنِ جَبِيْرِعَنُ إِبْنِ عَتَابِينَ قَالَ قَالَ رَسُولُ اللهُ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسُلَّمْ مُنْ كُذُبُ أَوْكِلِمُ قُنَّهُ فِي الْمُتَّرُآنِ بِغَيْرِعِلْمِ فَلْيَتَبُوَّاءَ الْمُتَّعَكَدُةُ مِنَ النَّارِ

کوئی اوربات فرمائی ، تواسے اپنا تھکا ناجہتم میں بنالبنا جا ہیئے۔ اسپیر مدیث بذل المجبود سے نسخے کے عاشیے ہر درج ہے ،

بَأَبُّ تَكُرِيْرِالْحُرِيْثِ

. ٣٧٥ - حَكَّ قَنْ أَعُهُ رُوْمِنَ الْهُ رُزُوقِ انْ الشَّعْبَةُ عَنْ أَبِي مُ قَيْلٍ هَا شِمِ الْمُ وَرُوقِ انْ الشَّعْبَةُ عَنْ أَبِي مُ قَيْلٍ هَا شِمِ اللَّهِ مِنْ رَجُلِ هَا فَكُنَّ مَ النَّبِيّ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسُلَّامٌ كَانَ إِذَا حَدَّ ثَنَ حَمِي أَثَا أَعَادَ لَا اللهُ عَلَيْهِ وَسُلَّمٌ كَانَ إِذَا حَدَّ ثَنَ حَمِي أَثَا أَعَادَ لَا اللهُ عَلَيْهِ وَسُلَّمٌ كَانَ إِذَا حَدَّ ثَنَ حَمِي أَثَا أَعَادَ لَا

ملا می مسوری مرجمه در الدِلسلام نے ایک ایسے مروسے روایت کی صب نے نبی صلی الدُعلیبرد کم کی فدیرن کی تقی ،کمرنی صلی اللُه علیر دسم

صب کوئی مدیث بیان فرطستے تواسے تین بارد مراستے تھے۔ متسر ح: - الوالسلام کی ام معلود لعیشی تعاا در پہنتھ میں رسول الٹرصلی الٹرعلیہ دسلم کا خادم تھا۔ اب ما درنے صح دشام وظیفے تعضیت میں اوقیہ وجالا شکیم جریٹ کی کو کھر کر سسٹ کے لگ کی صدیق مع نصنیات روایت کی ہے حبی ہیں اس مرکی صراحت موجود ہے کہ الوب کٹم خود خادم رسول الٹرم تھاا در صحابی تھا۔ زیرنیٹ مصنون دومرے اصحاب مثلاً ۔ اُم المومنین عالشہ اور انس سے میں مردی ہے۔ تین بارسے غرض تاکید ہی ہو کتی ہے۔ اور بر بھی کہ لوگ اس ارتفاد کو توب بار کریس اور وہ محقوظ موصائے۔

بَأَبُّ فِي سَرْدِ الْحُرِيْثِ

طدی طیری بات کرنے کا باب بخرے

٣٩٥١ حَدُّ قُنْ أَمُ حَبَّدُ بُنُ مَنْ صُورِ الطُوسِيُ نَاسَغُياً نُ بُن عُبَيْنَةَ عَنِ النَّهُونِ عَنُ عَنُ عَدُولَةً عَالَيْسَةَ وَهِمَ تَصُلَّى فَجَعُلَ يَقُولُ عَنْ عَدُولَةً عَالَيْسَةً وَهِمَ تَصُلَّى فَجَعُلَ يَقُولُ السَّمَعِي يَارَبَّةَ الْحُبُورَةِ مَرَّتَيْنِ فَلَمَّا قَضْتُ صَلاَتَهَا قَالَتُ الاَتَعْجَبُ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ لِيتُ لِي هُذَا الْحُبُولِ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ لِيتُ مِنْ الْحُبُولِ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ لِيتُ مِنْ الْحَبُولِ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ لِيتُ مِنْ الْحَبُولِ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ لِيتُ مِنْ الْحُبُولِ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ لِيتُ مِنْ الْحُبُولِ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ لِيتُحَرِّ ثُنَّ الْحَبُولِ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ لِيتُ مِنْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ لِيتُ مِنْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ لِيتُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ اللهُ عَلَيْهُ وَسُلَّا مُنْ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمُ لِي اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّا عَلَيْهُ وَسُلَّا عَلَيْهُ وَسُلَّا عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَسُلَّا عَلَيْهُ وَسُلَّا عَلَيْهُ وَسُلَّا عَلَيْهُ وَسُلَّا عَلَيْهُ وَسُلَّا عَلَيْهُ وَسَلَّا عَلَيْهُ وَسُلَّا عَلَيْهُ وَعُلْمُ اللهُ عَلَيْهُ وَسُلَامُ اللهُ عَلَيْهُ وَسُلِهُ اللهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللهُ عَلَيْهُ وَسُلَا عَلَيْهُ وَسُلَّاعُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللهُ ال

" ترجم، - بر تورد نے کہاکہ البر عرض و مقرت عارُ شرین اللّٰہ آما کی عندا کے تحریب کے مہلو میں بیٹیا نیاا در مقرت عارُش اللّٰہ آمانی میں موروں مورو

وقت نماز بشرعه ربی تقیس کسپر الومرش و کمنے لگادد ایر مجربے کی مالکہ! دومرتبہ بیر کہا یوبب حضرت عالسترش نے نماز بشرعه لی تو فرمایا دو کی تواس شخص اوراس کی بیائی کردہ حدیث برحران نہیں ہونا ؟ رسول الله صلی الله علیہ وسم نوحب حدیث بیان فرماتے تو را پنے آرام اور سکون اور آ مہنگی سے فرماتے کہ ، اگر گننے والاحیا ہتا تو اس کے الفاظ بھی گن سکنا تھا ۔ رسخا کی مسلم ر

سُرُ برابِهِ البِهِ الْمُنْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلْكُ اللّهُ عَلَيْ ا

نرحمیه: - رسول الندصلی الندعلیه و ملم کی زوم مطه و صفرت عاکن شری لغرسه الندعلیها نے عروہ بن زبیر یو اپنے بعائی سے فزمایا دو کیا تیجھے البصر سرّج و برتیج تب ہوا ؟ وہ آیا اور میر سے حجرے کے مہلو میں بندھ گیا ، وہ رسول الندعلی الندعلیہ وسلم کی مدیث مجھے سُناک ماکر میان کرنے با تفاا در میں نفل بٹر مصر ہم تھی ۔ بھرمیرے نفل تم کھرینے سے پہلے اُٹھ گیا ، اورا گری ا اسے بیاں پاتی تواس کا تذکرتی ۔ رسول الند صلی الندعلیہ دسم اس طرح تیز تیز مدیث بیاب نہیں کرتے تھے جب طرح تم اوگ کرنے ہو ۔ ر ترمذی مسلم ، نسانی ،

بَأْبُ التُّوفِيُّ فِي الْفُتُيا

(فنؤ کی ویینے میں احتیاط *دگریڈ* کا باب نمر^م)

٣٩٥٣ حَدَّ مُنَّا إِبُرَاهِ فِي مُن مُوسَى الرَّازِيُّ فَاعِيسُى عَنِ الْاَوْزَاعِ عَنْ عَبْدِ اللَّهِ بَنِ سَعْدِ عَنِ الْصُبُنَا بِحَتَّ عَنْ مُعَاوِيةَ أَنَّ النَّبِيُّ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّكُمْ نَهُلَى عَنِ وَوَ مِنْ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّكُمْ نَهُمَى عَنْ مُعَاوِيةَ أَنَّ النَّبِيُّ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّكُمْ نَهُلَى عَنِ

> نرونمہ، ریفرت معادبیسے روابت سے کہ نبی کی النزطلبہ وسلم نے سجیدہ باتوں سے منبع فرمایا۔ بنوج سے سریان دورابت سے کہ نبی کی النزطلبہ وسلم نے سجیدہ باتوں سے منبع فرمایا۔

متلا ہو جاتے ہیں۔ ایسے مسائل مرف علی رکھ بیے ہی اور عوام کی رسائی سے بالا ترہی، ان کے ذکر کا عوام کو کچے قائدہ تہیں بکد اُلٹا نقضان ہوتے کا فدننہ موتا ہے بعض لوگ فابدیت جلائے اور فغیلیت کھی رنے کے بیے ایسے سائل بیان کی کرتے ہیں۔ بزرگان سلف اس بزیکر کرتے ہیں۔ اُئی بن کوب سے کسی نے ایک بجیدہ مسئد بوجھا تو فرمایا دو کیا یہ بیش آیا ہے ہاس نے کہا نہیں۔ فرمایا پھراسے بیش آنے بک مجھے مہلت دے دو۔ ایک آدمی نے مالک بن انس سے بوجھا کر ہو تتی مناف میں حول کر یا فی بی لے اس کما کی حکم ہے ؟ مالک نے کہا کہ دو اُسٹ مجول کرکھا یا کیوں نہیں ؟ حدیث میں ہے کہ لالعنی اؤل کا نرک کر دینا آدمی کے اسلام کے اجھا ہونے کی علامت سے ۔ ان طابی)

٣٦٥٨- حُكَّ نَتُ الْحُسَنُ بِنُ عَلِي نَا الْبُوعَبِ الرَّحُمٰنِ الْمُقُولِي فَاسَعِيبُ الْمُعْنِي الْمُعْنِي فَاسَعِيبُ الْمُعْنِي الْمُعْنِي الْمُعْنَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسُلَّمُ مَنُ افْتُي فِغَيْرِعِلُهِ كَانَ عَلَى مَنْ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسُلَّمُ مَنُ افْتُي فِغَيْرِعِلُهِ كَانَ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسُلَّمُ مَنُ افْتُي فِغَيْرِعِلُهِ كَانَ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسُلَّمُ مَنُ افْتُي فِغَيْرِعِلُهِ كَاللَّهُ عَلَيْهِ وَسُلَّمُ مَنُ افْتُي فِغَيْرِعِلُهِ كَانَ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسُلَّمُ مَنُ افْتُي فِعَنْ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسُلَّمُ مَنُ افْتُي فِعَنْ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسُلَّمُ مَنُ افْتُولِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ وَسُلَّمُ مَنُ افْتُولِ عِلْهِ عَلَيْهِ وَسُلَّمُ مَنُ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسُلَّمُ مَنُ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسُلَّمُ مَنُ افْتُولِ عِلْمُ عَلَيْهِ وَسُلَّمُ مَنُ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسُلَّمُ مَنُ افْتُولِ عِلْمُ عَلَيْهِ وَسُلَّمُ مَنْ افْتُولِ عِلْمُ عَلَيْهِ وَسُلَّمُ مَنُ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسُلَّمُ مَنْ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسُلَّمُ مَنْ افْتُولِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ وَاللَّهُ عَلَيْهِ وَمُسَلِّمُ مَنْ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسُلَّمُ مَنْ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسُلَّمُ مَنْ اللَّهُ عَلَيْهِ وَاللَّهُ عَلَيْهِ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهِ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَالْمُ اللَّهُ عَلَيْهِ وَالْمَالِمُ اللَّهُ عَلَيْهِ وَاللَّهُ مَنْ اللَّهُ عَلَيْمِ عَلَيْهِ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَالْمُ اللَّهُ عَلَيْمِ عَلَيْهِ وَالْمُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَالْمُ اللَّهُ عَلَيْمِ عَلَيْمِ عَلَيْهِ وَالْمُ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ عَلَيْمِ عَلَيْمُ اللَّهُ عَلَيْهِ وَالْمُ اللَّهُ عَلَيْمُ عَلَيْمُ عَلَيْمُ اللَّهُ اللْمُ اللَّهُ عَلَيْمِ عَلَيْمُ عَلَيْمُ مِنَ اللْمُ اللَّهُ الْمُعِلَى مِنْ اللَّهُ عَلَيْمُ مِنْ اللَّهُ مِنْ الْمُعُلِمُ اللَّهُ الْمُنْ الْمُعْمِي مِنْ الْمُعْمِي مِنْ اللْمُ الْمُلْمُ اللَّهُ مِنْ اللْمُ الْمُعْمِي الْمُعْمِي مِنْ الْمُلْمُ الْمُؤْمِنُ اللَّهُ مِنْ اللْمُ اللَّهُ الْمُعْمِي الْمُؤْمِ الْمُلْمِ الْمُؤْمِ الْمُؤْمِ الْمُؤْمِ اللْمُ الْمُؤْمِ الْمُولِ الْمُؤْمِ الْمُؤْمِ الْمُؤْمِ الْمُؤْمِ الْمُؤْمِ اللْمُ الْمُؤْمِ اللْمُ الْمُؤْمِ الْمُؤْمِ الْمُؤْمِ الْمُؤْمِ الْمُؤْمِ ا

ترجيعة دابوسريه سعدروايت بعض فتوى وبابغيظم ركف اسكاكنا واسيروكاجس فاسكونتوك دبار

٩٣١٥- حَلَّ قَتُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللللْمُ اللللْمُ الللْمُ اللللْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّه

تروهم، در الومرئيره كيمتے تھے كه رسول الدّصلى اللّه على بدُرما يا إصب كوعلم كے بغير فتو كى ديا كيا تواس كا كما واس فتو كى وبينے والے كوم كا سليان المحرى نے اپنى مدست مين بيراضا قه كي كه دواورس شخص نے اپنے بھائى پركسى البيے التر كا اشارہ كيا كه ده حانيا ہے كہ تعبلائى اس كے علاوہ ميں ہے تواس نے اس كے ساتھ خيابات كى دا بن ماحه فى المقدّم ،

متّرخ به انس مدیت سے علم کے بغر نیونی دینے کی تنگینی کا عال معلوم تبوا ۔لوگ توعالم نما عابل سے فنو کی لوجھتے ہیں ، یہ س کا ذخن ہے کہ اپنی حمالات کماا فرار کریے ۔اوعلمی سائل برگفتگونہ کمرے ، اگر کسی عامی نے اس عمال کو عالم تسمیر من کا درخن ہے کہ اپنی حمالات کماا فرار کریے ۔اوعلمی سائل برگفتگونہ کمرے ، اگر کسی عامی نے اس عمال کو عالم تسمی نوغلط تواب دینے کاگناہ اس مقتی پر ہوگا۔ بہ بردیانتی ہے کہ صب جیز کو وہ نہ عبانے اس میں منہ مارنے سے گریز نہ کرے اس بیے کہا گیاہے کہ " کَد ادْرِی رئین نہیں عانتا) نضف علم ہے، کیونکہ الیباستحض جو کد اور بی کہ دے کم از کم غلط فنوئی دینے سے گناہ سے تومحفوظ رہا۔ مفتی ہی امین سوتاہے، اگر غلط فتوئی دنیا ہے توا مانت میں ضایت کر الہے۔

باككراهية منتع العلم

علم کے روکنے کی کرامہیت کا باب ۹

هه ١٩٥٥ حَلَّ ثَنَامُوسَى بُنُ إِسْلِعِيْلُ نَاحَمَّادًا نَاعَلِيُّ بُنُ الْحَكَمِ عَنُ عَطَاعِ عَنُ الْمَكَمِ عَنُ عَطَاعِ عَنُ إِلَى هَرَبُرَةَ قَالَ قَالَ رَسُولُ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ مُنُ سُئِلُ عَنْ عَنُ عِلْمِ فَكَتَمَةً الْجُمَّهُ اللَّهُ بِلِجَامِرِ مِنْ نَادِيَوُمُ الْقِيمَةِ عَنْ عِلْمِ فَكَتَمَةً الْجُمَّهُ اللَّهُ بِلِجَامِرِ مِنْ نَادِيَوُمُ الْقِيمَةِ

نتر جمہ در ابو صریرہ نے کہا کہ رسول الڈ صلی اللہ علیہ وسلم نے فرمایاد تھیں سے علم کی بات پڑھی گئی اوراس نے اسے حجب پالیا تھہ اللّٰد تعالیٰ فتیامت سے دن آگ کی لگام اس کے منہ میں دے گا۔ زنرمذی

تنمرح برنہ بوینے والایوں ہے گو یااس نے اپنے مُنہ میں لگام دے رکھی ہے ، سوبی شخص اسے موتع برنہیں بولنا جبکہ اسے

بولنے برما مورکیا گیاہے ، عالم کو اپنا علم وقت برظام کر ناوا صب ہے ، نواس نے اپنے منہ میں لگام دے رکھی ہے بسب

کی سزایہ ہے کہ تنایت کے دن اس کے منہ میں جہنم کی لگام حرصاد سی جلئے گئاہ کی سزا اس کے مطابق ہوتی ہے ، جیسے کہ

سود خوار کی مخبوط الحواسی کو اللہ تعالی نے فبر کو لموظ الحواس الصنے کی سزا کنائی ہے ۔ بولوک سود کھاتے ہیں کہ پاس

معبد کے جبیانے کی سزا ہے جسب کا ظام کر زنا علم بر فرض ہے ۔ جیسے کوئی کا فرم سیان ہونا چاہیے اور کہنے کہ مجھے بتا و کوئی کا فرم سیان ہونا چاہیے اور کہنے کہ مجھے بتا و کوئی کا فرم سیان ہونا چاہیے اور کہنے کہ مجھے بتا و کوئی کا فرم سیان ہونا چاہیے اور کہنے کہ مجھے بتا و کوئی مسئد بوجھی جائی ہونے کی مقام کو حاجت ہونے کہ مسئد بوجھیا ہے ۔ باکوئی حتی کہ مان میں عمل کو اور اسے جبال المان کی فہم سے بالا تربی بان کا بیر عمل میں بیر اس میں عمل کا طلب العلم فریع نے میں اس کا علم میں اس کا علم مامل کے مسئد با بوجھی کی میں اس کا علم مامل کی میں برخرص ہیں اس کا علم مامل کی خواب دیا کہ جوعمل تم پر فرص ہے اس کا علم مامل کے موقع نواز کی بیا ہونے کی میں بین میں میں میں بیات کی میں بیات کی مامل کے کہ میاں تا کہ جوعمل تم پر فرص ہیں اس کا علم مامل کی خواب دیا کہ جوعمل تم پر فرص نہیں اس کا علم بھی فرص تہیں۔

بَأَبُ فَضُلِ نَشِرِ الْعِلْمِ

اشاء حیشی نصبیت کا باب ۱۰

DOCCOUNTE PROPERTY OF THE PROP

سه ۱۹۵۳ حکا منا زَه يُربُن حَرْبِ وَعُنْمَانَ بْنَ اَبِي شَيْبَةَ قَالاَنَاجَرِيْرُعَنَ الْإِنْ عُرْبُ وَعُنْمَانَ بْنَ اَبِي شَيْبَةَ قَالاَنَاجَرِيْرُعَنَ الْبِي الْاعْمَشِعَنَ عَبْدِاللهِ الْبِي عَبْدِاللهِ عَنْ سَعِيْدِ بْنِ جُبَيْرِ عَسِ الْبِي عُبَاسِ قَالَ قَالَ رَسُولَ اللهِ صَلَى اللهِ عَلَيْهِ وَسُلَّمُ تَسَمْعُونَ وَيسَبُعُهُ عَلَيْهِ وَسُلَّمُ تَسُمْعُونَ وَيسَبُعُهُ عَلَيْهِ وَسُلَّمُ تَسَمْعُونَ وَيسَبُعُ مِنْكُمُ وَيُسَمِّعُونَ وَيسَبُعُ مِنْكُمُ وَيُسَمِّعُونَ وَيسَبُعُ مِنْكُمُ وَيُسَمِّعُ وَسُلِّمُ وَيَسَمُعُ وَيَ وَيسَلَّمُ عَلَيْهِ وَسُلَّمُ وَيسَمُ عَونَ وَيسَمُ عَلَيْهِ وَسُلَّمُ وَيسَالُهُ عَلَيْهِ وَسُلَّمُ وَيسَالُ مَا اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَيْهِ وَسُلَّمُ تَسَمُ عَونَ وَيسَالُهُ عَلَيْهِ وَسُلَّمُ تَسَمُ عَلَى اللهِ عَلَيْهِ وَسُلَّمُ اللهِ عَلَيْهِ وَسُلَّمُ تَسَمُ عَوْنَ وَيسَالُهُ عَلَيْهِ وَسُلَّمُ وَيسَالُهُ عَلَيْهِ وَسُلِّمُ وَسُلِّمُ وَاللَّهُ عَلَيْهِ وَسُلَّمُ وَيسَالُمُ عَلَيْهُ وَسُلِّمُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَسُلِّمُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَسُلَّمُ وَيسَالِمُ مَا أَنْ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَسُلَّمُ وَيسَالُمُ عَلَيْهُ وَسُلِمُ وَيسَالُونَ وَالْ مَنْ اللهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَسُلِكُمْ وَيسَالُونَ وَيسَالُوا اللهِ عَلَيْهِ وَاللّهُ عَلَيْهِ وَسُلِكُمْ وَيسَالُهُ وَيسَالُ مِنْ اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا مُعَلِّى اللّهُ عَلَيْهُ وَسُلِكُمْ وَيسَالُونَ وَيسَلِّهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَيسَالُونَ وَيسَالُهُ وَيسَالُهُ عَلَيْهُ وَيسَالُهُ وَيسَالُهُ عَلَيْهُ وَالْمُ عَلَى اللّهُ عَلَيْهُ وَالْمُ عَلَيْهُ وَالْمُ عَلَيْهُ وَالْمُ عَلَيْهُ وَالْمُ عَلَيْهُ وَالْمُ عَلَيْهُ وَالْمُوالِ اللّهُ عَلَيْهُ وَالْمُ عَلَى اللّهُ عَلَيْهُ مِنْ اللّهُ عَلَيْهِ وَالْمُ عَلَى اللّهُ عَلَيْهُ وَالْمُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْهُ مِنْ مُعْلَى اللّهُ عَلَيْهِ وَاللّهُ الْمُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهِ عَلَيْهُ عَلَى الْمُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ الْمُ اللّهُ الل

من على الله المرسول الدّصى الدّعلية ولم نظرالا وتم سنة بوادر تم سينسا بالمرسول الدّم سينس كادر المران كالكُوان سيئس كادر المران كالمران المراف الله كالمراب المحتلي عن مشعبة حدّة بن عب و بن المحتلي من المحتلي عن مشعبة حدّة بن المان عن موالي من ولي عب والمران المحتلي المراب عن عب المراب المحتلي المراب المحتلي المراب الم

نترجید : ۔ تیگر بن نابت نے کہا کہ بس نے رسول الندسلی الندوسلم فرواتے سُنا دو النداس شخص کو سرسبز و نشاداب رکھے بہم سے کوئی صربت مُستے اورا سیم معفوظ رکھے تی کہ اسے آگے بہنچا دے میؤیکہ کئی فقر کواٹھا کران لوگوں مک بہنچا ہے ہی جوان سے زیادہ فغیر ہوتے ہیں اور کمی فقر کے حامل نود نہیں موتے ۔ و تریزی ۔ نسائی ۔ ابن ماج ،

ربوره برطم انها سنے والا نوونقیہ نہیں ہوتا ، کبس محف ہے وہ اس شخص نک علم کو بہنجا و سے تو نقیبہ ہے اور اسے اس م علم سے فائدہ چہنچے یعض علم کے مامل معمولی سمجھ لوجھ کے ہوتے ہی اور شہبی وہ سینچ کرتے ہیں وہ ان سے نفیۃ نرج سے ہی ۔ جن سے قودان کو اور عنی فدا کو فائدہ بہنچا ہے یس جو بتھنی غیر فیقیہ ہے یا کم نقیبہ ہے اسے علم کو ہے کم و کاست دومسروں مک بہنچا یا لازم ہے ناکہ ان میں جو نقیہ ہو وہ اس برغور ہ فیکر کرسے اوراس مربع سے احکام کا استنباط کرے ۔ اس مدسی سے نقتہ کی اسمبیت وضیبت نابت ہو کی اور معلوم ہواکہ علم سے اصل فائدہ نقیداً تھا کتا ہے ۔

٣١٥٨ حَكَ نَنُ اَسْعِيْدُ بُنُ مَنْصُودٍ نَاعَبُ الْعَزِيْزِ بُنُ إِي عَازِمٍ عَنْ

البِيْهِ عَنْ سَهْلِ بِيعُنِى ابْنَ سَعْدِ عَنِ النَّبِيِّ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوْ قَالَ وَاللهِ الأَنْ يَهُدِ يَ اللهُ بِهُ كَاكَ رَجُالاً وَاحِدًا خَيْرُ لَكَ مِنْ حُمُرِ الْنَعَمِ

شرچمہ برسمان بن سعرسے روابہت ہے کہ نبی کریم صلی الدّعلیہ دِسلم نے فرمایا ^{دو} والنّد یہ بات بَبرے بیے سُرخ اوٹول سے بہتر کے ہے کہ اللّٰہ تعالیٰ نبری ملابہت بعنی رہائی اورتبینے سے ابک آدمی کو ہلایت دے دے رہزی ہمیم ، نسائی) برارتنا وصفور نے علی بن ا فی طالب کو کی نہا جبکہ انجیس تمین کی طرف روانہ فرمارہے تھے ۔اکیسٹے خس کو بھی اسلام کی دولت سے باعلم کی دولت سے ماللمالا کرونیا اس قدر اجروتواب رکھتا ہے کہ و نیزی مال و دولات اس کے سامنے ، بہتے سے ۔

بَاكِ الْحَدِيثِ عَنْ بَنِي إِسُوارِثِيلُ

بنی اسرائیں سے روابیت کرنے کا باب بنرا

٣٩٥٩ - حَكَّ قُنْ اَبُوبَكُرِبُنُ اَبِي شَيْبَةَ حَثَ ثَنِي عَلِيَّ بَنُ مِسْهَ رِعَنُ مُحَمَّدِ بُنِ عَلَى بَنُ مِسْهَ رِعَنُ مُحَمَّدِ بُنِ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ بُنِ عَنْ اللهُ عَلَيْهِ مُنَ اللهُ عَلَيْهِ وَعَنْ اللهُ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَالًا مُكَالِمُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ حَدِّرَةً قَالَ قَالَ رَسُولُ اللهُ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ حَدِّرَةً وَالْكَرْبُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ حَدِّرَةً وَالْكَرْبُ اللهُ عَلَيْهِ وَلَا حَدَجَ

مترجیره : به عبّاللّدین مرونے کہا کہ نبی النّرصلی النّرعلیدوالہ وسلم ہمیں بنی اسائیل کی باتیں تباستے حتیٰ کہ صبح ہوجا تی اور آیے حرمت فرض نماز کی خاطر النصفے رو نجاری ، با خدّلاث الفاظ، ترویزی ،

بَأَبُّ فِي طَلَبِ الْعِلْمِ لِغَيْرِ اللَّهِ

عِرْ اللَّهُ كَى خَاطِ عَلَم طُلْبِ كَرِينَ كُمَّا إِرْبِ ، ١٢

١٣١١ مَن أَن عَنَا أَبُو بَكُو بَن آبِي شَيْبَةَ حَدَّ ثَنَا سَرِ يُحُ بُن الْنَعُمَانِ كَا فَكَيْجُ عَنْ آبِي طُوالَةً عَبُواللهِ بُن عَبُواللَّهُ حَلْنِ اللهِ عَنْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ مَنْ تَعَلَّمُ بُن يَعَلَّمُ اللهِ عَنْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ مَنْ تَعَلَّمُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ مَنْ تَعَلَّمُ اللهُ ا

ترجمہ در ابوهر تارہ نے کہا کرص علم سیعز ض صرف رمنائے فداوندی کی طلب ہے ، ہوشخص اسے رمبنوی اعزاص کے مترجمہ در ابور تارہ کی اس علم سے مارد اپنے طلب کریے تووہ تیا مت کے دن حذیث کی موالعی نہیں بائے گا۔ رائ مآجہ فی الحقد مر، ترمیذی) اس علم سے مارد علوم تمر کتیر ہمیں ورنہ کارو بارا ورکسب مال سے یہ نو کوگٹ کسی نہ کسی علم یا فن یا پیلنے کو تسکیلیقہ ہی ہیں۔ د نیا کے لیے وینی علوم کو السندعال کمرنا قطعی بہبو د ریت ہے جس سیر قرآن کو او سے ۔

بَاكِّ فِي الْقُصُصِ

مذكر كا باب ١٣٠٠

٧٩٧٧ حَلَّ النَّا أَمَ حُمُوْدُ بُنُ خَالِدِ نَا اَبُومِسُهُ وِنَا عَبَّا دُبُنُ عَبَّادُ الْخُوَّاصُ عَنَّ يَعُمُ لُو بُنِ عَلَى عَمْدِ وَالسَيْبَ الْنَّهُ السَيْبَ الْنَهُ السَيْبَ الْنَهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ عَوْفِ بَيْنَا فِي عَلْمُ وَالسَيْبَ اللهُ عَلَيْهِ وَالسَيْبَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ عَوْفِ بَيْنَ مُنَالِكِ الْاللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ يَقُولُ بَنِي مَالِكِ الْاللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ يَقُولُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ يَقُولُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ يَقُولُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ يَقُولُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ وَاللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ يَقُولُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ وَاللهُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ وَاللهُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ وَلَا اللهُ عَلَيْهُ وَلَا اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ وَلَا اللهُ عَلَيْهُ وَلَا اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ وَلَا اللهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَلَا اللهُ اللهُ

ترجمہ اسعوں تب مالک انتجی نے کہاکہ میں تے رسول الندصلی الدّرطبہ دسلم کو بدفرماتے سُنا وو نذکیر صرف امبر کرتا ہے یا جو اس کی طرف سیے مقرر مو ہا بھر منکہ آومی ۔

٣٧٧٣ حَكَ ثُنَا مُسَدَّدُ نَاجَعُفُرُ بُنُ سَلَمُ ان عَنِ الْمُعَلِي بُنِ زِيَادٍ عَنِ

العُلاءِ بْنِ بَشِبْرِ الْمُزَنِ عَنْ إِي الصِّدِّ يُقِ النَاجِيِّ عَنْ إِي سَعِبْدِ الْخُدُرِيِّ قَالَ جَلَسُتُ فِي عَصَابَةٍ مِنْ ضُعُفَاءِ الْمُهَاجِدِينَ وَإِنَّ بَعُضَهُمُ لَبُسُتُ تَرُ بِبَغْضِ مِنَ الْعُرْي قَادِئُ بَيْقُرَاءُ عَلَيْنَا إِذْ جَاءُ رَسُولُ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وُسَلَّمُ فَعَامُ عَلَيْنَا فَلَمَّا قَامَ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ سَكَتَ الْقَادِئُ فَسَلَّمُ ثُمَّ قَالَ مَاكُنُتُكُمْ تَصُنَعُونَ قُلْنَايَا رُسُولُ اللَّهِ إِنَّهُ كَانَ قَارِئُ لَنَا يَفْرَاءُ عَلَيْنَا فَكُنَّانُسُتُمِعُ إِلَى كِتَابِ اللَّهِ تَعَالَىٰ فَقَالَ رَسُولُ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ الْحَمْدِالِلَّهِ الَّذِي جُعُلُ مِنْ أُمَّنِي مَنِ أُمِرْتُ أُمِرْتُ أَنْ أَصُبُرَنَ فُسِي مَعَهُ مُ قَالَ فَجُلَسَ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ وَسُطَنَا لَبَعْدِلَ بِنَفْسِمِ فِينَا خُعُرُقَالَ بِسُدِم هَكُذَا فَتُحُلُقُوا وَبُرَ زُتُ وَجُوهُ هُمُ لَهُ قَالَ فَمَارَأُ يُتَ رَسُولَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسُلَّمُ عَرَفَ مِنْهُمُ احَدًا غَيْرِي فَقَالَ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسُلَّمُ أَنْشِرُوا يَا مُعُسَّرَ مَعَالِبِيكِ الْمُهَاجِدِينَ بِاالنَّورِ التَّامِّر بَوْمَ الْفِيكُةِ نُنُدُخُلُونَ الْجَسَّةَ قَبُلَ اغْنِيَا إِالنَاسِ بِنَصْفِ بَنُومٍ وَذُ لِكَ حَمْسَ

عنی توگوں سے نصف دن پہلے داخل ہو گے اور وہ پالنے سوسال کاعرصہ ہے رابن ماج، ترمذی ، اور سلم کی ہدیت میں عبالہ س عبالہ بن خریف کا اندعلیہ و تم نے اس مدینے میں ارتئا د فرایا ہے ، کہ مجھے کچھ لوگوں کے ساتھ صبر کا حکم ملا ہے ، یہ اتثارہ نشا سورہ کمیف کی آبت کی طرف ، اور نو جاکر رکھ اپنے آپ کوان لوگوں کے ساتھ ہو جسے دشام اپنے رب سے دعا کہتے ہیں ۔ انسی کی رضام جاستے ہیں ۔ توایتی آٹھوں کوان کی طرف سے مرت بھیر رغریانی سے مراواس مدمیت میں ستر کی عریانی نہیں ہے ،

بلکے مطلب بیسنے کہ ان کے پاس مباس مہبت کم تھے اور مہت مقوٹ نے کپڑوں والا اپنے سے زیادہ کپڑوں والے کی آڈولیڈنے صفور کستے ان مقرات کواس وقت سلام کہا جبکہ فاری خامون ہوگئی، اس سے معدم مہاکہ قاری اور سامع کو حالیت قرأت ہی سماعت بیں سلام نہیں کیا جا سکتا ۔ الوسونگرنے برج کہا کہ میرے مواکسی اور کوھنوٹ نے نہیں پہچایا تو نشا بدیر اس کی آئی کے ماعث تقا اور صفور کے قریب الوسونگرنیا ۔

ترجمہ بر اس من مانک نے کہا کہ رسول الدّصلی الدّعلیہ ولم نے فرط یا دوالنّد کا ذکر کرنے والوں کے تھ نمازِ فجرسے لے کر علوع آفتا ہے تک بیٹھنا محیے اُس بات سے زیادہ محبوب ہے کہ اطلادِ اساعیل میں سے چارغلاموں کو آزاد کروں ۔ اورالنّد کا ذکر کرنے والوں کے ساتھ نماز عصر سے لیے کرغوب آفتا ہے کہ بیٹھنا مجھے اس سے زیادہ محبوب سے کہ چارغلاموں کو آزاد کوں ر یہ دونوں وقت قبولیت وعام کے ہیں۔ ذکر خلوندی سے مراد بہاں پراجماعی ذکر یعنی وعظ وَ مذکبراور تعلیم کمّا ہ وسنت سے ۔ اس سے الودادُد نے یہ مدیث اس باب ہیں درج کی ہے ۔)

٣٩٧٥ حُكُرُ الْمُ عُنَى اللهُ عَنَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْكِ عَنِ الْاَعْمَ شِلَى عَنَى اللهُ عَلَيْكِ وَعَلَيْكَ وَعَلَيْكَ وَعَلَيْكَ وَعَلَيْكَ وَعَلَيْكَ أَنُولَ قَالَ وَسُولَ اللهُ عَلَيْكَ وَعَلَيْكَ وَعَلَيْكَ أَنُولَ قَالَ وَسُولَ اللهُ عَلَيْكَ وَعَلَيْكَ وَعَلَيْكَ أَنُولَ قَالَ وَسُورَ وَهَا لِي اللهُ عَلَيْكَ وَعَلَيْكَ وَعَلَيْكَ وَعَلَيْكَ وَعَلَيْكَ أَنُولَ قَالَ اللهُ عَلَيْكَ وَعَلَيْكَ وَعَلَيْكُ وَعَلَيْكَ وَعَلَيْكَ وَعَلَيْكَ وَعَلَيْكَ وَعَلَيْكَ وَعَلَيْكَ وَعَلَيْكَ وَعَلَيْكَ وَعَلَيْكَ وَعَلَيْكُ وَعَلَيْكَ وَعَلَيْكَ وَعَلَيْكَ وَعَلَيْكُ وَالْعَالِ وَعَلَيْكُ وَعَلَيْكَ وَعَلَيْكُ وَعَلِيكُ وَعَلَيْكُ وَعَلَيْكُ وَعَلَيْكُ وَعَلَيْكُ وَعَلَيْكُ وَعَلَيْكُ وَالْعَلَالِ وَعَلَيْكُ وَعَلَيْكُ وَعَلَيْكُ وَعَلِيكُ وَعَلَيْكُ وَعَلَيْكُ وَعَلَيْكُ وَعَلَيْكُ وَعَالْمُ وَالْعَلِيكُ وَعَلِيكُ وَعَلَيْكُ وَالْعَلْمُ وَالْعَالِمُ عَلِيكُ وَعَلَيْكُ وَالْعَلَا لَاعِلُوا فَالْعَالُوالْعَالِمُ عَ

اَحُبُّانُ اَسْمَعُهُ مِنْ غَيْرِ ىُ فَقَرَا أُنَّ عَلَيْهِ حُنَّى إِذَا إِنْ يُهِ فَكُولُهِ تَعَالَى فَكَيْفَ إِذَا جِئْنَامِنْ كُلِّ امَّتِ إِشْهِبِ لِإِالُائِيةَ فَرَفَعْتَ دَأُسِى فَإِذَا عَيْنَا هُ تَهْجِلاَنِ اٰخِرُكِتَابِ الْعِلْعِ

مرجمه و عبدالند ان مسود انه که که رسول النده مالانکو ترآن تو آپ برانزلسد ؟ فرما یا در بیسه کرکنا وُعِیّرالنّد کهته بهن که میں نے کها که میں آپ کے سامنے بیڑھوں مالانکو قرآن تو آپ برانزلسد ؟ فرما یا در بیس دو مروں سے کما کیمینت ہوگی اس دفت حبکہ ہم ہراکت میں سے ایک کو طرحہ کرکستائی ختی کہ میں النّد تعالیٰ کے اس قول نک بینجی دوسو سے انسو بہر رہنے تھے ۔ د مجاری مسلم ۔ نزمذی یا نسائی کیون قیابمت کے نظارے کا خیال کرکتے آپ رورسے ۔

كناب الانتربراس مير ٢٢ باب اور ٢٧ مِدبنير بين .

ما كُورِّ وَ وَالْمُورِ وَالْمُورِ وَالْمُورِ وَالْمُورِ وَالْمُورِ الْمُعْمِرِ وَالْمُورِ الْمُعْمِرِ الْمُعْمِلِ اللَّهِ الْمُعْمِرِ الْمُعِلِي الْمُعْمِرِ الْمُعِمِلِ الْمُعْمِرِ الْمُعْمِرِ الْمُعْمِرِ الْمُعْمِلِي مِنْ الْمُعِلَّ لِلْمُعِمِلِي الْمُعِلَّ لِلْمِعِلِي مِنْ الْمُعْمِمِ الْمُعْمِلِي مِنْ الْمُعِلِي مِلْمِلْمِ الْمُعِلِي الْمُعِلَّ لِلْمِلْمِ الْمُعِلِي مِلْمِلْمِلِي الْمُعِلِي الْمُعِلِي الْمُعِلْمِ الْمُعِلْمِ الْمُعِلْمِ الْمُعِلْمِ الْمُعِلْمِ الْمُعِلِي مِلْمِلْمِ الْمُعِلْمِ الْمِلْمِي الْمِلْمِي الْمِلْمِ الْمِلْمِيلِمِ الْمِلْمِي الْمِلْمِ الْمِلْمِ لِلْمِلْمِلْم

٣٩٦٩ حَدُّ فَنَا اَحُهُ لُهُ يَنَ حَنْبُلُ نَا إِسَهُ عِيْلُ بِنَ إِبُرَاهِيْمَ نَا اَبُو حَبَّانَ قَالَ حَدَّ فَي الشَّعُيِينَ عَنْ إَبْنِ عُهُ مَ عَنْ عَنْ إِنْ عُهُمَ وَالْ نَذُلُ تَحْدِ بُهُمُ الْخُهُ وِيَو مُنْ ذَلُ وَهِي مِنْ خَهُ سَلِحُ الشَّياعُ مِنَ الْعِنْبِ وَالْتَهُ وَالْعَسْلِ الْخُهُ وَالْخَهُ وَالْعَسْلِ وَالْحَنْ وَو دُتُ اَنَّ النَّيْ مَلَ اللَّهُ عَلَيْهِ وَالنَّيْعِيْرُ وَالْخَهُ وَمَا خَالَ الْعَقْلُ وَلَا الْخَالِ الْعَقْلُ وَلَا الْخَالِ اللَّهُ عَلَى النَّيْ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ وَالنَّيْمِ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ وَاللَّهُ مَنْ اللَّهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللْهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى الْهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُنْ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُؤْلِقُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُؤْلِقُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُؤْلِقُ اللَّهُ الْمُؤْلِقُ اللَّهُ الْمُؤْلِقُ اللَّهُ اللْمُعَالِمُ

تمر حمیر: مصفرت عمر منی الدّعنه نے فرطایا که تربیم عمرت ون نازل موئی نوخر پارٹے جیزوں سے نبتا تھا۔ انگورسے ،اور کھجورسے اور شہر سے اور گدذم سے اور تو سے ۔ اور خروہ سے تو بعقل کو ڈھانپ نے ۔ اور بین جیزی السی مہی کہ میں جا مہا تھا ۔ رسول اللّہ صلی اللّہ علیہ رسم سے مدانہ موں حبیب نک کہ ان میں مسے عہد نہ سے نسب حب منہ ہی مہوں ۔ قبر ، کلا کہ اور رہا کے ابواب میں سے مجھ باب ۔ رسماری رسم میں ترمنڈی)

ننرح بہ مروہ تیز ہوعقل برمیددہ ڈال دے رحب ہی خارمو) و جمرے حکم میں سے ، گوکھنٹ میں خرصرف انگور کے نتیرے کو کہتے ہیں۔ اہل گفت سے دراصل اس میں ووٹول ہیں۔ ایک بیر کروہ مختنص ہے۔ انگور کے نترے کے ساتھ ے کراس میں نشہ دبینے کی کیبنبنت بیل موحائے ۔ دومرا قول بیک مرنسٹہ آ ورجیز خمرسے ۔ بیلیے قول والوں نے کہا کہ خم نو گذت ہیں ہی ہے سگراس کے ملادہ تمسکرچیزول سے مہین سے مام ہی شنلا ، تسکر، فضنع ، نبقتے ، زبیب ، طلار مُنصَف مجبوری ، ابوالسقاد ، حسَطانی ، مزر ، جعم ، ترار ، لین بیرانخلان اسماداس بات بردلالت کی تلیسے کراصلی کُفٹ میں خمرصرف نتیرہ انگورسے صکہ وہ محارصا اور سحن ہوجائے اور قد تشکر کو نمتی جائے گیندم اور حوکی بنیفر حیب سکر ہو جائے نواس کا نام تعدی بندر کی بندر جب مدسکر کو پہنے جائے تووہ بٹنے ہے۔ نازہ ممجور کا ای جب کاڑھا ہو عائے ،ا دلیشرا در موجا کے تواس کانام سکرے انفی بخت معبور کم تازہ یا فی حب سکر کو بہتے تو وہ فقیع سے بعفرت عمرت الدِّعدُ نه جوفر ما كيسيد اس كامطلب يد سيك تشارب اس وننت بالعموم ان چيزون سيد بتن لغي ، درنه احاديث سيد ﴾ نابت ہے رسکی اور دراستے سی نغراب منبتی تنی 'جس کا کلم خصور سے پوٹھیا گیا نغا ۔ دوسری بات ہو حضرت عمر منی اللہ عنہ نے فرمائی ہے۔ اس کامطلب بر سیے کران میں چیزوں کا کمائی وشافی، واضح اور صزیح دو لوگ بیان نابت بر موسکا۔ حکم ہے مراوان کی بہت کہ میت کے بعائوں کی موجودگی مس مذکا تحقیہ کتناہے ۔ حافظ این محرنے مکھاہے کہ اس مسلمیں انعلات مُواہے۔ بیمسُلم عنقریب کتا بالغرائفن میں آئے گا بھرت عمرط سے مروی ہے کہ انہوں نے اس میں کئی قبط کیے تھے برکولہ کا بیان مبی انشاء اللہ تعالیٰ کتاب الغائض میں آئے گا۔ الواب رباسے صربت عمر کلی مراد شا بدریائے قضل سے کبزیکہ ریائے نسیہ کے مسئے میں توصی کی منتفق تھے چھزت عرض کما قول ظام رکرناہے کہ ربوا کے تعبق ابوا سے ہر ان کے یاس نفل مرحود تنی اور تعفی میں نہ تغی حن کی وضاحت وہ عاستے تنے ۔

٣٩٧٧ حَكَّ فَنُ اَعِهُ اللّهُ عَنَى عَمَرٍ وعَنْ عُمَرَ بَنِ الْعَظَابِ قَالَ لَمَّا نَزَلَ تَحُرِيمُ الْعَلَيْ عَنَ الْمَا اللّهُ الللّهُ اللّهُ ال

فَنَزَلَتْ هُنِّهِ الْابِئَةَ فَهُلُ أَنْتُمُ مَنِنَهُ وِنَ فَقَالَ عُمَرُلَنَّهُ بِنَا مزجم ورمعزن عمرن العظاب صى التدتواني عنه في خرمايا كروب خمركي نزيم نازل مولى توعمر في كالا اسدالتدخم ك بارے میں داخعے بیان نازل فزما - بیروه آبت اتری حوسوره البقرویں ہے کردد کچھسے خمرا ورخمار کا حکم روجیتے ہیں، نو کہ کم ان میں شراکن وسے اور لوگوں سے بیے من قع نسی ہی اُلجز رائبغرہ ۲۰۹ ، فرما یک اس برعر مُن کو طا اِگیا ا دریا اُنت ا ﴾ پررچه کمی تواس نے کہا « اے اللہ مارے بیے غرمی شانی بیان نازل فرما۔ بیروه آبت اُ تری بوانساً رسم بی ہے و المان والول! فن كالت مي نماز كي قريب مت عاد كيد يس رسول الترصى الترسي والمكامنا دى إمّا مت صلوة ك وفنت پکارًا نفا^{دد} خبردارکوئی نشروالا نمازکے ذریب نہ جائے ۔ بچرعمر کو لا یا گیا در بہ آیت اکس پررٹیصی گئی تواکس تے كها در اسالتُد ما رسے بيرخ ميں بنسفا مخبش بيان داختے فرما بسب بي آبت رائعات ه على اُ مُنْ مَنْ هَفْ كُ رُسو ب تم بازاً دُکھے ؟ اُتری توعم سنے کہا تدہم بازا گئے الرنسائی ، تریدی) منرح الله السي حديث كي انتلا مين اس جُله أحب همركي تقريم ازل مولي أكا يه مطلب سے كه مُقدِّماتِ تقريم كي انبلام ا موكمي ، ورنة نحريم خرا نزول اس ك لعركا مصمه عد ننارح طبى في كماست كدسورة الاكدوكي آيت مس الخريم حمرك سات دلائل ہیں ۔ ایک النڈ نعانی کا قول رشین، رحی نجس کو کھتے ہی اور سرمیس چیز حرام ہے ۔ دوسرا لفظ مَنْ عَمل مُستبلّ اور مرشبطانی عمل حرام ہے نبیر الله تعالی کمانول ہے فی جنتبنوی اور صب چیز سے افتنا کے اللہ تعالیٰ نے تکم دلے ده حرام سے بچر تحااللہ تعالیٰ کابہ تول کعلکہ اُر تَفْلِحُونَ ۔ لِبس ب جریکے احتنا ب برطلاح معلق مواس کا کر احرام عد ! نِلُوان اللَّهُ نَعَالَىٰ كَا قُول به سِيهِ إِلَيْهَا أَبُرْيِهُ المستَعِلْنَ أَنْ لِيرَقِعَ ٱلمتر اور حوجر مسلون مِي تغف وعداوت كا سبب موده حرام ہے . جیٹا او کیفید کیدغن ذکراللہ وغن الصلونی الرص چیز کے تعرضیطان ذکراللہ اور مانے سے رو کے دہ حرام ہے ۔ ساتواں موجل اُنتگر منتھون ، اور س حیزیت بازرہے کا اللّٰہ تعالیٰت عکم دے دیا اسس کا کرنا مُ حَدُّ ثُنَّا مُسَدَّدٌ قَالَ نَابَحْلَى عَنْ سَفْيَانَ قَالَ نَاعَظَامُ إِنَّ السَائِسِ إُ عَنْ إَبِي عَبْدِ الدَّحْمُنِ السُلَمِيِّ عَنْ عَلِيِّ بْنِ إِي طَالِبِ آنَّ رَجُلاً مِنَ الْأَنْصَامِ

عَنُ أَبِي عَبْدِ الرَّحْمُنِ السُلَمِيّ عَنْ عَلِى بُنِ إِي طَالِبِ آنَّ رَجُلاً مِنَ الْأَنْصَامِ الْمَاقُونُ دَعَاهُ وَعَبْدِ الرَّحْمُن بُنِ عَوْفٍ فَسَقَا هُمَا قَبُلُ انْ ثُحَرَّمَ الْحَمُوفَا مَّهُمَّ عَلِيً فِن الْمَغُوبِ وَقَرَأُ قُلُ بِأَبِّهَا الْكَافِرُونَ فَخَلَطَ فِيهُمَا فَنَوْلَتُ لاَ تَقْدَر بُواالصَّلُوةَ وَانْ تُمُسُكًا لَى حَتَى نَعْلَمُوامَا نَعْهُولُونَ

مرحمہ وے علی بن ال طالب سے روابت ہے کہ الفاریس سے ایک مردنے اسے ملایا اورعباً اُرعان بن عوف کو بھی ادرار اُنج کی حرمت سے قنب انہیں نزاب بلائی ، بیرمغرب کی نازیں علی نے ان کی امامت کی اورسورہ قنب کا دیکھوڈٹ میں کی حرمت سے میں نورس سے قنب انہیں نزاب بلائی ، بیرمغرب کی نازیں علی نے ان کی امامت کی اورسورہ قنب کا اسکیفوڈٹ میں کا معرف کت اعْبُوْما لَعْدُونَ وَنَحَنُ لَعِبُدُما لَعُدُونَ بِعَالَ العَادِينَ مِيمِطَابِقَ بِبِنے البَعْوَ مِينَ تَمر بيرانساء مِينُسكر مر بابندياں لگائی مُمبُن اوراً خرمي المائدہ منب خمرسے بالصراحت دوک کراس کا اعلان فرما پاکھا بحب بحک کوئی چیز شرمیاحوام نہ ہمواس کا استعال کرنے والوں برکوئی کمیرنہ ہن کی جانب نی یحکب مدر کے نتبہا من کا رُنبراسامی ان ربخ میں اتنا بمندہ ہے ان بہن سے تعفی اس حالت میں شہید ہموشے تھے کہ ان سے پیٹ میں شراب تھی کیونکم اس ذنت مجمعی الھی نمارب کی حرصت نازل نہ ہوئی تھی۔ تعفی اس نوں کو خدائی کا مرتبہ و بینے والوں کی سجھے میں سے بیر یہ باب

٣٩٦٩ - حَلَّى فَتُنَا أَحْمَدُ بُنُ مُحَمَّدِ الْمِدُو ذِي قَالَ نَاعَلِيّ بُنُ حُسَيْنِ عَنَ الْمِينُ عَنَ عِكُومَةً عَنِ ابْنِ عَبَاسٍ قَالَ يَأَيَّمَ اللَّهِ بُنَ اللَّهُ فِي عَنْ عِكُومَةً عَنِ ابْنِ عَبَاسٍ قَالَ يَأَيَّمَ اللَّهِ بُنَ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللللَّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ الللّهُ

نرحمير: - ابن عابسٌ نه كمها إِنهَا تَذَيْنَ امَنُوْ الاَ تَكُثُرُ بُواامَتَ لَمَا كَانُتُ وَالسَّامِ العِلَا

مه ١٩١٠ حَكَلَ ثَنْنَا اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الْمُعَادُ عَنْ ثَالِبِ عَنْ أَنْسَ قُالًا كُنْتُ سَاقَ الْفَكُومِ حَيْثُ حُرِّمَتِ النَّحَمُ وَنِ مَنْزِلِ إِي طَلْحَةٌ وَمَا شَكَرا بُنَا لَكُنْتُ سَاقَ الْفَضِيْخُ فَكَ عَلَ عَلَيْنَا دَجُلُ فَقَالَ إِنَّ الْخَمُ وَقَلْ مُرِّمَتُ وَنَا لَا يَ الْخَمُ وَقَلْ اللّهُ عَلَيْهِ وَسَلّهُ فَقَلْتَ الْمُنَادِي رَسُولِ اللّهُ صَلّ مَنَادِي رَسُولِ الله عَلَيْهِ وَسَلّهُ فَقَلْتَ الْمَنَادِي رَسُولِ اللّهُ صَلّ اللّهُ عَلَيْهِ وَسَلّهُ فَقَلْتَ الْمُنَادِي رَسُولِ اللّهُ صَلّ اللّهُ عَلَيْهِ وَسَلّهُ فَقَلْتَ الْمَنَادِي رَسُولِ اللّهُ صَلّ اللّهُ عَلَيْهِ وَسَلّهُ وَاللّهُ عَلَيْهِ وَسَلّهُ فَقَلْتَ الْمَنَادِي وَسُولِ اللّهُ صَلّ اللّهُ عَاللّهُ عَلَيْهِ وَسَلّهُ فَقَلْتَ اللّهُ عَلَيْهِ وَسُلّهُ وَاللّهُ عَلَيْهِ وَسُلّهُ وَاللّهُ عَلَيْهِ وَسُلّهُ وَاللّهُ عَلَيْهِ وَسُلّهُ وَاللّهُ عَلَيْهِ وَاللّهُ عَلَيْهِ وَسُلّهُ وَاللّهُ عَلَيْهِ وَسُلّهُ وَاللّهُ عَلَيْهِ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهِ وَاللّهُ عَلَيْهِ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَلّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ الْمِ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْكُوا عَلْمُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْكُومُ اللّهُ عَلَيْلُهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْكُومُ اللّهُ عَلَيْكُومُ اللّهُ عَلَيْكُومُ اللّهُ عَلَيْكُومُ عَلَيْكُومُ عَلَيْكُومُ عَلَيْكُومُ عَلَيْكُومُ عَلَيْكُمُ اللّهُ عَلَيْكُومُ اللّهُ عَلَيْكُومُ اللّهُ عَلَيْكُ اللّهُ عَلَيْكُمُ عَلَيْكُمُ عَلَيْكُمُ عَلَيْكُومُ اللّهُ عَلَيْكُمُ عَلَيْكُومُ عَلَيْكُمُ اللّهُ عَلَيْكُمُ عَلَيْكُمُ عَلَيْكُمُ عَلَيْكُومُ اللّهُ عَلَيْكُمُ عَلَيْكُمُ عَلَيْكُمُ عَلّهُ عَلَيْكُمُ عَلَيْكُمُ عَلَيْكُمُ عَلَاكُمُ عَلَيْكُمُ عَلَاكُمُل

شرجیے :۔۔ انسٹ نے کہا کہ اوطلوط کے گھر ہیں میں قوم کا ساتی نیا جبکہ نتراب کی ٹیموت نازل ہوئی اوران دراوں معروم میں معروم کا م مهاری نتراب حرف قبیسے تنی رتیم نجیته نازه کھجور کا گاڑھا کم کسر بانی کہاں ایک مردیم پر داخل ہوا اور لولا که نتراب جرام کر دی جمئی ہے اور سول الدصلی اللہ علیہ و کم کے مناوی نے لیکا کراعلان کیا تو ہم نے کہا کہ بر رسول التد صلی اللہ علیہ و کم کا اعلات کنندہ ہے۔ منترح : رفتح الودود میں ہے کہ انس کی مراد اس قول سعیہ ہے کہ نزولِ آبیت کا عمل فیضیع نفی کہذا آبیت سے بدرجیم او کی

بامب العصيرالكخور الكوك ينري كاب به من كافرينان عائد

١٣٦٤ حَلَّ ثَنْ الْمُ اللهِ اللهِ عَنْ عَبْدِ اللهِ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ الله

ترجمیہ :۔ ابن عمر کہتے تعے کہ رسول الترصلی التُدعلیہ وسم نے فرمایا دو التُدنغائی نے ثمر براکس کے پینے ولے بر، اس کے پلانے والے براس کے فرید پنے والے بیر، اس کے بیچنے والے بیر، اس کے بخورٹنے دالے بیر، اس نجر والے بیر، اس کے اصلانے والے بیر، اورس کی طرف اٹھا کرلے حالی گئی ، یہ سب پر تعدمت فرمانی سبے ۔ رابن ماح،)

بَابُ مِاجَاءُ فِي الْخُمْرِيَّ خُلَّلُ

تحرکو سرکہ بناتے کا باب ہ

ڈال کرکی تدبیہ سے سرکہ بنایا تو یہ عابُر نہیں اور وہ سرکہ طال نہیں ، سکین اگر اس نے ابک سکھ سے دو مری جگہ منتقل کر سے رہندا تھا دی ہے کہ وہ باک سے کہ وہ باک ہے کہ او خان ہے کہ سرکہ بناتے والا گناہ گارہے گمرسرکہ حب بن گرانو وہ طلال ہے ۔ اسس کی ملات بی جو محالات ہے ۔ اسس کے ملات بی جو محالات ہے ۔ اسس کے ملات بی جو محالات ہے ۔ اسس کے ملات باک ہے کہ خرار کی الفت باکہ دلوں سے نکال دی جائے اور اس کے ملات فوت بیا ہے تارہ باک اور اس کے ملات خوان ہے کہ خوان ہی ہے کہ خوان ہے

بأبث الخهرمِمتَاهِي

سراس حل فن المنسون بن على قال ما يمسى الدر قال فالمسى المراها المراها و المرقال فالسرافيل عن المراهد من المراهد و ا

شنوع: ۔۔ حبب مذکور و بالاالتیار کی نبیدہ مسکرکو پہنچ جائے توخر ہوجائے گی اوراس کا عم خرکا عکم ہوگا۔ مولا آنے فرمایا کا استحاد کے اوراس میں استحاد کے اوراس میں استحاد کی اوراس کا عم کا طریعے حاصام ہیں " وہ اپنے عین کے محاط سے حرام ہے اوراس میں گئی ہے استحاد کی استحاد کی اوراس میں گئی ہے اوراس میں کے استحاد کی اور استحاد کی اور استحاد کی اور استحاد کی استحاد کی اور استحاد کی استحاد کی استحدد کی استحدد کی استحدد کی استحداد کی استحدد کی استحداد کی استحدد کی استحداد کر

بھی جاتی رہے تو مدنہیں آئے گی لیکن اس کا بینا نئول توام ہے کیونکہ دہ فیس ہے ۔ شرب تمراور کسکر کی مقر اسی وُنے ہے۔ اس پرصابہ کا اجاع ہے مسلمان بیراس کا مالک ہونا پاکسی اورکواس کا مالک بنا احرام ہے و جاہے اسباب ملک ہیں سے کسی میب سے ہو ، اگر کوئی اسے بلین کروہے نوصامت نہیں ہے لیٹر طنکہ کسی ملک ہیں ہو۔اگر و تمی کی ملک ہیں ہونو صنفیہ کے نزدبک ضامن ہے اور شافعی کے نزدبک نہیں ۔ چونکہ شارب نوس ہے لہٰذا اگر ایک درہم کی مفار میراگر

را مسکر، فینسخ اور تغییع انرسیب کا سوال، سواس کی قلیل پاکٹر مغدار میں پینے دالا تعل حرام کا مزئنس سے، مگر اسے

علال جانئے والا کا فرنہیں ہاں گراہ ہے۔ کیز کھ اس کی حرمت ا فبارا حادیے نابت ہوئی ہے۔ ہو دس نطبی نہیں ملکم ظنی ہی

اس ہیں سے قلیل بینے والے کو حرمہیں مگئی کیز کھ حرصرت خریں ہے جواہ سکر ہو یا نہ ہو، لیکن اگرائنی بیئے کہ سکر ہو جائے

توحہ داحیہ ہے۔ کبونکہ حد کا ثبوت ہراس منٹروب میں ہے جس سے سکر ہوجائے گویا سکر رکستہ کی حرمیت نعنی کتاب۔

الکہ بینے نابت ہے ۔ ابولوسف اور قمر کے خرو کہ بیا کہ حاکم ناکر نہیں ۔ اس کی نیاست سے منعنی امام ابو حقیقہ سے دوروائیں

ہیں ، ابک بیا کہ اگر تفار در ہم سے زائد کسی کپڑے کو گل حائے تواس کیا تھ تعفوص ہے۔ ابولوسف نے اس میں زیادہ مقار

ایک اعتبار کہا ہے جوحہ فین تک پہنچے۔

ایک اعتبار کہا ہے جوحہ فین تک پہنچے۔

٣٧٧ه حَلَى قَنْ أَمَالِكُ بُنُ عَبْدِ الْوَاحِدِ قَالَ نَامُعُتَمِ وَقَالَ قَرَائُتُ عَلَى الْفُضَيْلِ بُنِ مَيْسَرَةً عَنُ إِلَى حَرِبْزِ أَنَّ عَامِدًا حَدَّ نَكُ أَنَّ النَّعُمَانَ بُنَ الْفُضَيْلِ بُنِ مَيْسَرَةً عَنُ إِلَى حَرِبْزِ أَنَّ عَامِدًا حَدَّ نَكُ أَنَّ النَّعُمَانَ بُنَ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّعُ يَقُولُ إِنَّ النَّعُمُ وَنِ بَنِي وَالنَّهُ عَلَيْهِ وَالنَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّعُ يَقُولُ إِنَّ النَّعُمُ وَالْمَاكُمُ عَنَ اللَّهُ عَلَيْهِ وَالنَّهُ وَالنَّهُ وَالنَّهُ وَالنَّهُ وَالنَّهُ وَالْفَاكُمُ عَنَ اللَّهُ وَالنَّهُ وَالْمَاكُمُ عَنَ اللَّهُ وَالنَّهُ وَالْمُ وَالنَّهُ وَالْمَاكُمُ عَنَ اللَّهُ وَالنَّهُ وَالنَّهُ وَالْمُعُولُ وَالْمُ اللَّهُ وَالنَّهُ وَالْمُ اللَّهُ وَالْمُ اللَّهُ وَالنَّهُ وَالْمُعُولُ وَالْمُ الْمُعُولُ وَالْمُ اللَّهُ وَالْمُ اللَّهُ وَاللَّهُ وَالْمُ اللَّهُ وَالْمُ الْمُ اللَّهُ وَالْمُ اللَّهُ وَالْمُ اللَّهُ وَالْمُ اللَّهُ وَالْمُ الْمُعُلِي وَالْمُ الْمُعُلِي وَالْمُ الْمُعُولُ وَالْمُ اللَّهُ وَالْمُ الْمُعُلِي وَالْمُ الْمُعُلِمُ وَالْمُ الْمُعُلِمُ اللَّهُ وَالْمُ الْمُعُلِمُ وَالْمُ الْمُعُلِمُ وَالْمُ الْمُعُلِمُ اللَّهُ الْمُعُلِمُ وَالْمُ الْمُعُلِمُ وَالْمُ اللَّهُ وَالْمُ الْمُعُلِمُ وَالْمُ الْمُعُلِمُ وَالْمُعُلِمُ وَالْمُ الْمُعُلِمُ وَالْمُولُ وَالْمُعُلِمُ وَالْمُ الْمُعُلِمُ وَالْمُ اللَّهُ وَالْمُعُلِمُ اللْمُعُولُ وَالْمُعُلِمُ وَالْمُعُولُ وَالْمُعُلِمُ وَالْمُولُولُ اللَّهُ وَالْمُعُلِمُ اللْمُعُلِمُ الْمُعُلِمُ اللْمُعُلِمُ اللْمُعُلِمُ اللْمُعُلِمُ الْمُعُلِمُ اللْمُعُلِمُ اللْمُعُلِمُ اللْمُعُلِمُ اللْمُعُلِمُ اللْمُعُلِمُ اللَّهُ الْمُعُلِمُ الْمُعُلِمُ اللْمُعُلِمُ اللْمُعُلِمُ اللْمُعُلِمُ اللَّهُ الْمُعُل

کی مسترکیو "مرحمہ،۔ نیان بن لیٹرنے کہا کہ ہیںنے سول النّصلی الدّعلیہ دسم کو کھتے سُنا کہ ددخمرا نگورکے تثیرے، کشمش ، تھجور، گنذم ہوِّ، واربے ہے ،اور ہی تنہیں مرُسکرسے منع کرتا ہوں ۔

٣٩٧٥ حَكَّ نَنَامُوسَى بُنَ إِسْمِعِيلُ قَالَ نَا أَبَانَ قَالَ حَكَّ ثَنِي يَحُلَى عَنَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ قَالَ الْخَمْرُ أَنِي كَثِيرُ عَنَ آبِي هَرَيْرَةَ آنَ رَسُولَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ قَالَ الْخَمْرُ وَلَى اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ قَالَ الْخَمْرُ وَلَى اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ قَالَ الْخَمْرُ وَلَيْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ قَالَ الْخَمْرُ وَلَيْ اللهُ عَلَيْهِ وَالْعِنْبَةِ

occopie di cui de la coccope de la coccope de la compensión de la compensi

تنرچمہ، ۔ الومرس سے روابت ہے کہ رسول الندصلی الندعلیہ وسلم نے فرطایا وقتمران دو دختوں سے ہے ، انگورا ور کھجور سے ۔ الوداو دنے کہا کہ الوکنٹر نمری کانام بزیدن عبدالرحان بن غفیدسمی ہے یغفید صحیح ہے گو تعفی نے اُو اُنیہ کہاہے ۔ اصل حدیث مسلم ، تنریذی ، ابن ماجہ اور نسانی میں تھی ہے ، بیعنی زبارہ نرٹیراب انگورا درکھجوری بنتی ہے مکر اُن کسی دومحصور نہیں سے ، غالب کے باعدت بر فرطایا گیا ۔

ما في ما جاء في السكر

مراور مراق المراق المر

متر چمہ و سر ابن عمر نے کہا کہ رسول اللہ صلی اللہ علیہ دیلم نے فرما یا دو ہر نستہ آدر چیز خمر ہے ا در ہر خمرط م اس حال میں سرا کہ وہ نیزاب کا عادی نفا وہ اسے آخرت میں نہ پیٹے گا۔ رمسلم ہم ترمزی ، نسائی ،

مترح و به جدیا که اوپر کی مجت میں گرزا مرنشه آور چیز حرمت میں متراب ہی کے حکم میں ہے ، لہذا خرکہ ہائی ۔ اس حکم میں مشوب وعیز مشووب کا بھی فرق نہیں ہے مبکہ مروہ چیز جو کشر آور ہے ، حدّ مِسکر میں آتی ہے ۔ اس کی حرمت خری کی ما نذہے ۔ الب منتفی حدثت میں یہ عالے کے کار

حُدامِه کان حُقّا عَلَی اللهِ آن یستقیه صن طبیسه المنحبال ترجمہ: راین عباس نے مطایت کی کمنی صلی الله علیہ وسلم نے فرما یا در برعقل کوڈھاٹپ لینے والی چیز خرہے ا وربرلشۃ آور ام ہے اورشس نے مسکر کو بیا اس کی نماز جالیس دن نک نافض دغرمفندر سی پیچراگروہ نوبہ کریے توالنّدانس کی تو مے گا درا گرچینتی مرتبہ بعیر لوٹ کریٹے توالٹد مرجن ہو گا کہ اسے خال کیچیٹر ملائے کہ گئی کہ ہارسول اللّذ خال کا پیچٹر ہے؟ فرما یا جہتم کی بیب ، اور دوبتعف کسی حجوثے بیجے کو نتراب بلا دیے توجرام د حلال کی نتیمز نہیں رکعتا تواس کو بلانے والي كولمبى الله تعالى خبال كالميرط للائے كا ـ (ترمذي _ان مآحر) تنرح و اس مدیت سے معلوم مواکہ وجیز بالغول برحرام سے اسے بحوں کواستعال کرا، می حرام ہے ۔ مثلاً رکستیم مردول کے بیے حرام سے کہذا نا الغ موکوں کو بہنا نا بھی حرام سے را ام شافعی گئے کوں کورکستم بہنا نا مباح کیاہے اتے ہں حفرات تبرآ ازان حنفیہ یم اس مسلے کے ؟ ٣١٤٨ حد تناقيبة كالسلعيل يعنى ابن جَعْفَرعَنُ دَاوَد بن بَكُونِي إَبِي الْفُراتِ عَنُ مُحَتِّدِ بْنِ ٱلْمُنْكُورِ عَنْ جَابِدِبْنِ عَدُلِ اللهِ قَالَا قَالَ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمْ مَا الشَّكْرَكَةِ بُرُكَا فَعَلِيلُهُ صَرَّامَ تشرحميه ويسه حابين عدالتكرن كهارسول الترصلي التلطيب وسم ني مزما إدرحس جبزيب كنيز كتقر لمدنز آ ورموا اس كي قليل تنمرح: ۔ اگر پرمنگرِغرب تواس بین سیے قلیل وکٹیرٹرام ہے ۔ ا دراکٹ غرمنیں ملکہ بندریے توانس کے قلیل کی ٹرمتہ اس بنا پرے کہ قلیل مقدار کثیر کی واعی ہے۔ اگر او و مععبیت کے بیے بی عابئے توانس کی حرمت میں شد تہنں ہے عِرْمسكر سنید كاین ننرعی ولائل سے نابت سے اورصاب نے سی است استال كا سے ٣١٧٩ حَكَّ ثَنْنَا عُبُدُ اللهِ بنُ مَسْلَمَةَ الْفَعْنِينُ عَنْ مَالِكِ عَنِ بَي شِهَايِهِ عَنُ إِي سَلَمَةَ عَنْ عَانِشَةَ قَالَتْ سُرِّلَ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ عَنَ الْبِيتُعِفَّالُ كُلُّ شَرَابِ اسْكُركَهُ وَحَرَاهُ قَالَ اَبُودَاوُدَ قَرَاتُ عَلَى يَزِيْكُ بَنِي عَبْلِ رَبِّهِ الْحَرُجْسِي مَكَّ تَكُومُ مَتَكُرُ بِنَ مَرْبِ عَنِ الزَّبِيرِيَّ هَنَ الزَّهُ وِي مِهِ لَمَا الْحَدِيْثِ بِإِسْنَادَ ، زَادٌ وَالْبِتُ مُ نَبِيلُ الْعَسُلِ قَالَ كَانَا هُلُ الْمُسَنِ يَشُرُبُونَهُ قَالَ ٱبُودَا وَدَسَمِعُنُ ٱخْمَدَ بُنَ مَنْكَل يَغُولُ لَا إِلَهُ إِلَّا اللَّهُ مَا كَانَ اَثُبَتَهُ مَا كَانَ فِيهِ مُرِيثُ لَهُ يَعُنِي فِي أَهُلِ حِمْصَ يَعْفِ

الجرنجسي

بر چید ، رصرت عائشه می الله عنها نے فرمایا که رسول الله صلی الله علیه و الم سط بنتع کے متعلق پوچیا گیا توفر مایا در مرشور ب بونشه آور مو وه حرام ہے رسماری ، مسلم ، ترمذتی ، نسائی ، ابن ماحی ،)

تغرح بَرَيْعُ شَهد کی نبئیذ نفی گاڑمی ہو کا بے اور نشر آور ہو ۔الو دا ؤدنے اپنی سند کے ساتھ بیہ مدین ایک اوطراق سے مرح بر بیٹن شہد کی نبئیذ نفی گاڑمی ہو کا بیٹر ایک بند کا بند کا بند کا بند کا بند کا باز بند کا باز کا باز کا

بھی روایت کی ہے۔ اس میں زبیدی رادی نے کہا بنئے شہد کی نبینہ تھی . ابن شہاب زمری نے کہا این بمن بھتے تھے۔ معمولی کار میں درور در میں ہو میں میں میں دروں کا سرور دروں میں میں میں میں دروں کا سرور دروں کا سرور دروں کا

٩٧٨- حَكَّ ثَنَا مُنَّادٌ نَاعَبُ دَامُ عَنْ مُحَتَّدٍ يَعْنِى ابْنَ اِسُطِقَ عَنْ

يَزِبْكَ بْنِ أَبِي حَبِيْبِ عَنْ مَرْتُ دِ ابْنِ عَبْدِ اللَّهِ الْكَرْنِي عَنْ دَيْلُمَ

الْحِمْيَرِي قَالَ سَأَلُنُ النَّبِيَّ حَملًى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمْ فَقُلْتَ بَا دَسُولَ اللَّهِ إِنَّا

ؠٳۯۻؠٵڔۮۊۣڹٛۼٳڸڿۏؠ۫ؼٳۼؠؘڵڴۺٚڮڹؙڴٲۅٳؾۜٲڬؾۜڿۮؘۺؘڔٳؠۜٵڡڹۣؖڟڬٲڵؙڡۜؽڿ ٤ؙؙؿڔؿؙڵ

نَسْتَةً وَى بِهِ عَلَى أَعُمَالِنَا وَعَلَى سَرُدِ بِلَادِ مَا قَالَ هَلَ يُشْكِرُ قُلْتُ نَعَمُ قَالًا

فَاجُتَوْبُوهُ فَعُلْتُ فَإِنَّ النَّاسَ غَنُدُتَا رِكِيبُهِ قَالَ فَإِنْ لَهُ مَنْدُكُو كُو الْمُ

مہاہے کہ بالے تها وق اسے ہی پوری ہے۔ آپ کے طرف ہے۔ رکدرہ ایک شکر پیز کو پیتے پرمفر میں اورا حکام شرع کو نہیں مانتے۔)

ا ٣٦٨١ حَدُّنَا وَهُبُ بُنَ بَغِيتَةَ عَنْ خَالِهِ عَنْ عَاصِمِ ابْنِ كُلْبَبِ عَنْ عَالِمِ عَنْ عَاصِمِ ابْنِ كُلْبَبِ عَنْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ عَنْ اَبِي مُوسَى قَالَ سَا لُنْتُ النَّيِّ مَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ عَنْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ قَالَ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ عَنْ اللهُ عَنْ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللّهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَنْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللّهُ عَنْ اللهُ عَنْ عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلَيْ اللهُ عَنْ عَلَا اللهُ عَنْ عَلَى اللهُ عَنْ عَلَا عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْ عَلَى اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَا عَلَا اللهُ عَلَا اللهُ عَلَا عَلَا اللهُ عَلَا اللهُ عَلَا اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَا عَلَا اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا اللّهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَا

کرددکہ بڑے جوام ہے۔ د مجاری، رستم ، نسانی، بتنے اور مزری حرمت کا ذکر لیٹر کو اُسکرا ور بعی گزرگاہے۔ ۱۳۷۸۔ حکم فن المصوسی فین اِسْلمعین فنال مُناحمتاً کا عَنْ مُسَحّبَتْ لِا بُنِ اِسْلُحٰقَ عَنْ بَرِبْ لِهُ بُنِ إِلِى حَبِيبِ عَنِ الْوَلِيُدِ بُنِ عَبْكَ لَا عَنْ عَبْدِاللَّهِ بُنِ عَسُرٍو اَنَّ نَيِيَّ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَبُهِ وَسَلَّمُ نَهِى عَنِ الْحَمْرِ وَالْمَهُبِسِرِوَالْكُوبَةِ وَالْعُبَيُلُأُ

وقال کل مست کر حکوا می نزجمه در عبدالند شن مردسے روایت ہے کہ نبی ملی الدعبیہ وسم نے خمر ، نهار بازی طبعہ و مربط ، اور توار کی نتراب سے منتع فرمایا ، اور فرمایا کم مرسکر حرام ہے ۔ رکوبر کا معنی ہے طبلہ دسرِ بطر دیجزہ ہجانے کے الات ، عبیرا جوار کی شراب سے جیے ر منی کہتے تھے اور علیتہ میں نتی تھی نحطاً کی نے کہائے سراکہ غفار و موکا ہی حکم ہے۔

٣٩٨٣ - حَتَّ ثَنَا سَعِيْدَ بُنَ مَنْصُورِ قَالَ مَا أَبُونِهَا بِ عَبُدَ رَبِيِّهِ بُنُ ۚ نَا فِي عَنِ الْحَسَنَ بُنِ عَـهُـرِ والْفَقَيَهِ يَ عَنِ الْحَكَمِ بُنِ عُتَيْبَةً عَنُ شَهُرِ بُنِ حَوْشَبٍ عَنُ الْمِرْسَلَمَةَ قَالَتُ نَهلى رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمْ عَنْ

کُلِّ مُسْدُکِ وَمُسْفُنْدِ ترجُّم دِرِ اُم سَنْدُرِضَ الدَّعَبُّ نِهِ نِرِما اِکْ رِسول الدِّمْسِي الدِّعليدوسِم نے مِرْمُکراور مُفتر سے منع فرما اِ رمُفتر کا نفظ نتور سے نکلاہے۔ مروہ چیز ہواعضا رمین فتورا ورشد دیرسستی پیدا کرے اسے سکر کا مقدم اور درایی ہونے کی نباد برحرام فوا

كَ ثَنَّا مُسَدًّا ذُومُوسَى ابْنَ إِسْهُ عِيْلَ قَالَ نَامُهُ لِائْ بَعْنِي ايُنَى مَبِيهُ وِن قَالَ مَااكِبُوعَتُمَانَ قَالَ مُولِى وَهُوعَهُ رُوبُنَ سَالِمِ الْانْصَارِيُّ عَنِ الْقَاسِمِ عَنْ عَائِشَ فَ قَالَتُ سَمِعْتَ رَسُولَ اللَّهِ صَلَّى

الله عكيه وسلم بيفول كل مسكر حكام وماأسكرمن الفرق فولا اُنگفت مِنْ ہُ حَوَامُرُ مرجمہ و رحفزت عالیٰ میں الدعنہاَ نے فرمایا کہ میں نے رسول الدّعی الدّعلیہ دسم کو فرمائے شناکہ مرسکر حرام ہے اورصبس کے سولہ ۱۱۱ رطل نستہ آ ور مہوں تو انسس کی ایکسے مٹھی بھربعی حرام ہے۔ ر ترمذی ہ

بَأْبُ فِي الدَّاذِي

النحث ويست شوفها بيغيواسيها ترجمه و مامكتان ابی مرتم نظر که گه مارے پاکس عبالرحان بن غنم آیا نوم نے ملاَد کا باہم ذکر کیا۔اس نے کہا کہ ابو مالک انٹوی نے مجھے عدیث سُنان کہ اس نے رسول اللّہ صلی اللّہ علیہ و لم کو فرماتے سُنا ﴿ میری اُمّرت کے کچھ لوگ صرور خربیئیں گے اوراس کا نام کچھ اور دکھ لیں گئے ۔ (ابن ماھ م

ننرک : روازی ایک علیہ جسے نبیز میں ڈانتے ہیں تودہ کاڑھی موجاتی ہے ۔ اے شراب اکعنیّا تی کہا جا باہے طلاً ا انگور کا نتیبروہے جسے پیکاکر سیار صفیہ رہنے دیتے ہیں ۔ دازی مبی اسی طرح کاڑھی مُسکر بنبیزے ۔

٣٧٨٧ حَدُّ فَنَا قَالَ ٱجُودا وَدَحَدَّ ثَنَا شَيْحٌ مِنْ اَهُلُ وَاسِطٍ قَالَ مَكَّ ثَنَا أَجُو

مَنْصُودٍ اَلْعَادِثُ بُنُ مَنْصُودٍ قَالَ سَعِعْتَ سُفْبَانَ الثَّودِيَّ وَسُيُّلَ عَنِ الدَّاذِيِّ قَالَ قَالَ دَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ

مرحمیہ ہدس سفیآن توری سے دا دی کے متعلق پر چپاگیا تواکس نے کہا کہ رسول النّدصلی الدّعلیہ وسلم نے فرمایا دومیری اُثمّت کے کچھ لوگ بالفرور نشراب کا کچھ اور نام رکھ کر سئیں گئے ۔ الب دا وُد نے کہا سفیان نوری نے کہا در دا توی فاسقوں کی نشاب ہے ۔ بر دراصل اوبر کی صدیت کی دوسری دمرسل ، روایت سے ۔ ابن ما حب نے اس کے ساتھ برعبارت بھی روایت کی گئے ۔ ہے ''ان کے سروں برالات موسیفی بجائے عابئیں گئے اور گانے والیاں گائٹیں گی ، العین زمین میں دصف دیا جائے گا۔ گا اوران میں سے تعفن کو مندرا ورختز سر بنا دیا جائے گا۔

بَأَبُّ فِي الْأُوْعِيكِة

حُبَّانَ عَنْ سَعِيْدِ بُنِ جُبَيْرِ عَنِ ابْنِ عُهَرَوَا بُنِ عَبَّاسٍ قَالاَنَشُهُ لُا آَ رُسُولَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسُلَّمُ نَهَى عَنِ اللَّا بَاءِ وَالْحَنْتَمِ وَالْهُزُ قَبَّتِ وَالنَّوْنَيْدِ

ترجمه وسد ابن عُمُ إوراب عُلِيس ني كم كم مم كواسي دينة بن كررسول التُدصى التُرعديد وسلم ني وُتَبَاء ، حنَتَهُم ، مرَّفت

اورنقرسے منع فرمایا نفا رمنگم ، نسائی ،

مرس مرد من المراهد من المن المسلم الله و المسلم المركب المراهية والمعنى المرس من المراهد المراهد المراهد المركب ا

نے کہا کہ بیں ابن عُرکی بات سُن کر گھوا اٹھا اور با ہرکل کو ، پیر ہیں ابن عراض کے پیس گیا اور کہا کہ دو سننے نہیں ابن عمر کے کہا کہ بین کہا کہ دہ کیا ؟ ہیں نے کہا کہ اس نے دا بن عراض کے کہا ہے کہ رسول الدّصلی الدّعلیہ سلم کے شکوں کی بنینہ کے مسلم کی بند کو حوام قرار دیا ہے ۔ ابن عباس نے کہا کہ اس نے بسیح کہا ۔ رسول الدّصلی الدّعلیہ دہ مراب سے کہ در مسلم ، بیر وہ روابت کو حوام صرایا تھا۔ ہیں نے کہا ہم ابن عباس نے کہا ہم دہ جیز جو متی سے بنائی جائے ۔ رمسیم ، بیر وہ روابت کو حوام صرایا تھا۔ بیر خوام کہا کہ ابن عباس نے کہا ہم دونوں ان برتنوں کی دا ممی حرمت سے قائل سے مولونا گھاکہ ہی نے در میں بینی ، رسکہ بیات حررت انگیز سے ابکہ ابن عمر اور ابن عباس کے در مصرف کو آئی ابن عباس کے در مصرف کو آئی ابنی عباس کے در مصرف کو آئی ابنی جدیز ہر میں ،

- كَلَّ نَنْنَا سُلَيْلُ أَنْ عَرْبِ وَمُحَمَّدُ بُنْ عَبْدِ قَالَ نَاحَمَّاهُ ح وَحَدَّ ثَنَامُسَدَّدٌ قَالَ نَاعَبَادُ بُنُ عَبَادٍ عَنْ إِلى حَمْزَةَ قَالَ سَمِعُتُ ابُنَ عَبَّاسٍ بَيْفُولُ وَقَالَ مُسَدَّدٌ دُعنِ ابْنِ عَيَّاسٍ وَهٰذَاحَدِبُثُ مُلَيْنَ قَالَ قَبِهِ مَوَ فَكُ عَبُدِ الْقَبْسِ عَلَى رَسُولِ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ فَقَالُوا يَا دَسُولِ اللَّهِ إِنَّا هٰذَالْحَتَّ مِنْ رَبَيْحَة قَدُ حَالَ بَيْنَنَا وَبَيْنَكَ كُفَّارُمُضَدُ وَلَسَنَانَخُلُصُ إِلَيْكَ إِلاَّ فِي شَهُرِحَوَا مِرْفَهُ وْنَا بِشَىءٍ نَانُحُذُ بِهِ وَفَكُ عُو النباء مَنْ وَرَاءَ نَا قَالَ اصُرُكُ مُ بِارْبِعِ وَانْهَا كُمْ عَنْ اَرْبَعِ الْإِنْهَا نُ بِاللَّهِ شَهَادُنُهُ أَنْ لِاللَّهِ اللَّهُ وَعَفَكَ بِمَيكَ م وَاحِدَةٌ وَقَالَ مُسَتَّ دُّالُا يُعَانُ بِاللَّهِ ثُهَّ فَسَّرَ هَالَهُمُ شَهَادَةً أَنْ لا إِلْهُ إِلَّاللَّهُ وَأَنَّ مُحَمَّدًا رَّسُولَ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُوا قَاهُمُ الصَّلُوةِ وَإِيْنَا مُ الزَّكُونَةُ وَأَنْ نُوعَ ذُّوا لَنُحُمُسَ مِمَّا غَنِمُتُكُوْوا نُهَاكُمُ عُنِ الدُّبَاءِ وَالْحَنْتَوِ وَالْمُزَفِّنِ وَالْمُقَرِّرِ وَقَالَ ابْنُ عُبَيْدٍ النَّقِبُرِمَكَانَ المُقِّبِرُفَالَ مُسَكَّ ذُوَالنَّقِبُرُوَالْمُ فَيَرْدُولُمُ بُنْكُرِ الْمُزَفِّنَ قَالَ أَبُو دَا وُدُ وَأَبُو حَمْزَةً نَصْرُبُن عِسَرا نَ

المضينجي ننرجمہ : کے سر ابن عابش نے کہا کہ ننبیا عبدالفتیں کا وقد رسول اللّٰ صلی اللّٰ علیہ دسلم کے پاس آباتوانہوں نے کہادو یارسول اللّٰہ ہم ربیعہ کے قبیبہ میں سے ہیں راس کی ایک شاخ ہیں ، جا ہے اورائے کے درسان فہیلۂ مُفر 2000ء میں موجود کا معرود میں معرود کا معرود میں ماہ کا معرود کا معرود کا معرود کا معرود کا معرود کا معرود کا م

تشرح : عبدالقیس اس نام نے تبلیے کا مُورٹ اعلیٰ نفا۔ یہ جرّن میں مقبم نفے بِرشہ میں ۱۲ با بروابیت ویگر به کی نداد میں صور علیا اسلام کی خدمت میں اپنی قوم کے نما تُذہ بن کرائے تقے ۔ مقبر اور مُرفت ایک ہی چیز کے دونام ہیں یہ آئ ومسلم کی روابیت میں صوم رمضان کا ذکریمی موجود ہے ۔ بیچ کما ذکراس مدیث میں بنیں ہے ، کبونکہ جج العبی نرض نہیں ہوا تھا۔ الووادُو نے کہا کہ روای الوجرہ کا نام نعر بن عمران صُنبی نفا۔

بَنَ عَونِ عَنْ مُحَمَّدِ بُنَ بَفَيتَةَ عَنْ نُوحٍ بُنَ فَيْسِ قَالَ نَا عَبُدُا لِلهِ مَلَّى بُنُ عَنْ أَبِي هَرَيْرَةً أَنَّ رَسُولَ اللهِ مَلَّى بَنُ عَنْ أَبِي هَرَيْرَةً أَنَّ رَسُولَ اللهِ مَلَّى اللهِ مَلَى عَنْ أَبِي هَرَيْرَةً أَنَّ رَسُولَ اللهِ مَلَى اللهِ مَلَى اللهِ عَلَى اللهِ مَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَاللّهُ مَا كُمُ عَنِ النَّقِيرُ وَاللّهُ مَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَاللّهُ مَا كُمُ عَنِ النَّ قِيرُ وَاللّهُ مَا عَنْ اللّهُ عَلَيْهِ وَاللّهُ مَا عَنْ اللّهُ مَا عُولُ اللّهُ مَا عَنْ اللّهُ مَا عَلَى اللّهُ مَا عَلْمُ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْهِ وَاللّهُ مَا عَلْمُ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْهِ مَا اللّهُ عَلَيْهُ مَا عَلْمُ اللّهُ مَا عَلْمُ عَلْمُ اللّهُ مَا عَلْمُ اللّهُ عَلَيْكُ مَا عَلْمُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلْمُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ مَا عَلَا مُعَلّمُ اللّهُ مَا عَلْمُ اللّهُ مِنْ اللّهُ مَا عَلَا مُعَلّمُ اللّهُ مَا عَلْمُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ مَا عَلَا مُعَامِلًا مُعَالِمُ اللّهُ الللللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الل

٣٩٩١ حَدُّ فَنَا مُسُلِمُ بَنَ إِبُ اهِ يَهُمَ قَالَ ثَنَا أَبَانَ قَالَ نَا فَتَادَةً عَنَ عَلَيْهِ وَسَعَ وَفَدِ عَبْوِ الْفَنْيِسِ عِلَيْ مِنَا اللهُ عَلَيْهِ وَسَدَّو وَفَدِ عَبْوِ الْفَنْيُسِ عِلَيْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَدَّمُ عَلَيْكُمُ فِالْفَيْدِ الْفَنْيُسِ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَدَّمُ عَلَيْكُمُ فِالْفَيْدِ الْفَنْيُسِ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَدَّمُ عَلَيْكُمُ فِالْفَيْدِ الْفَنْيُونِ وَمَعْ اللهِ عَنَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَدَّمُ عَلَيْهُ وَلَا مُولِي عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَلَا مُولِي اللهُ عَلَيْهِ وَلَا مُولِي اللهُ عَلَيْهِ وَلَا اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَلَا مُولِي اللهُ عَلَيْهِ وَالْمُولِي اللهُ عَلَيْهِ وَالْمُ اللهُ عَلَيْهِ وَالْمُ اللهُ عَلَيْهِ وَالْمُ اللهُ عَلَيْهِ وَالْمُ اللهُ اللهُ عَلَيْهِ وَالْمُ اللهُ الل

ترجم و تنسب بنهان، وقد عرافيس كا المنصف قر بنا يكرسول الدُّسِل الدُّطلة وَم فَرَايانُ وَبَا ، مرَفِّتَ الْم فَقَرَ الرَّصَة مِن مِن مَن بَيُوا وَلِ السَّمِ المَسْعَة عَن الرَّالِ اللَّه المَّا المَّالِ اللَّه المَّالِ اللَّه المَّالِ اللَّه المُسْعَة عَن اللَّه وَالرَّالِ اللَّه اللَّهُ اللَّهُ

مت بئو، اور میرے کی مشکوں میں بنیز بناؤ۔ اہموں نے کہا یا رسول النّد اگروہ مشکوں میں گاڑھی موجائے تو ، فرمایا بھرا برمانی ڈال دو۔ انہوں نے *ھرکہا کہ* یا رسول اللہ اگرائس کی شدّت اس سے زبادہ ہونو بھر ؟ نیبری یا ہے تھی مرتبہ آھے نے ان م فره اکر اسے بها دور بعرفره ایک الترتفانی نے مجھ رپوام فرهایی، یافرهایک محھ پروام کیا گئاسے خمرا ورخار بازی اور گانا ہا کے آلات ۔ فرمایا اورنسنہ آور سے استیال نے کہا کہ ہیں تے علی من بُزیمر سے پوٹیا کہ کو تہ کیا ہے ، فرمایا ؛ طبلہ۔ تنرح: _ اس مديث كوام طاوت معانى الأنارس روابين كي سي ص ك لفظ كمه محتنف ممر صفون واحدب _ السس مدیت میں برننبوت سے کمشکوں کی منبز گوگاڑھی موجا شے تعفوضی الد علیہ ولم نے اسے مباح فرایا وربار بار کے سوال پر اس کی تندن کوتور نے نے بیے اس پیر بانی ڈال دو۔ اس سے بہ داضح طور پر نابٹ ہوگیا کہ تو بنیذ مدیکر بک پہنچے وہ حرام سے اس سے درے درمے طال ہے ۔ نعتی بنینے اگر کم ہوتو مباح ہے اوراگر زبادہ بی نین کہ اس سے نشر ہوجائے نوحوام ہے ، بین السس صريت كام في اس روشي مي كيا حائے كالنس مي كرواسے ماكسكك كينيور ، فقيلينك حرام ووسرى اس سے بيمعلى ہوئ کہ خمراورو دسری نشر آورمیزوں ہیں فرق ہے خمر تحس ہے اوراُس کا مبیں وکثیر حرام ہے ، حتی کہ فرص کرواس سے نشہ ہ می ہوننب معی و محرام ہے ، مگر دوسرے منزوبات کا بہ حال نہیں ہے ، ان کی حریمت اس بات سے دالسبتر ہے کہ وہ کنٹہ آ دری کی مد بك بيني مايش ، الوراگراس مذكب مربيتيس توحوام تهي بن بميونكم نبيذ كے يصفور نے فرما يا ہے كم اگروہ سيخت موجا سے النشر آدری تک ما بہنچے) تواس کی سختی کو بانی ڈال کر تورد در اگردوسرے سکرات کا تکم بھی خمر حبیبا ہن انور تحس ہوتے اور بانی و الن سي طل إيك منه موسكة ، ملكه اكركوني ان مين خوافؤسته آب زَمزم نعي ملا دي نب نعي ان كابيا علال من موسكة إ لیں ان کی تحرمت علّت سکر کے باعث سبے نہ کہ ان کی اصل میں اور ذاتی مور میہ۔

٣٩٩٨ حَلَّ مُنْكَأْمُسَدَّدُ قَالَ نَاعَبُ الْوَاحِدِ قَالَ نَا اللهِ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ ا

ترجميرة ما على رضى التُدعية عنه كبها كدرسول التُدعل التُرعيد وسم نه يهي وُمَيَّ ، حنتم ، نقير اورحبَّم سعي منع فرما إر رنساني) حبّر أي ين ركر كورسته

٩٩٠٠ مَكُ ثَنْ اَحْمُدُ بُنِ يَوْنَ اَنْ اَمْعَرِفُ بُنِ وَالْكُومِ اللهُ عَلَيْهُ وَالْمِلْ عَنْ مُحَارِبِ بُنِ دِقَالِ عَنِ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمْ نَهُ بَيْنَكُمُ عَنْ لَا لَا عَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمْ نَهُ بَيْنَكُمُ عَنْ لَا اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمْ نَهُ بَيْنَكُمُ عَنْ لَا اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمْ نَهُ بَيْنَكُمُ عَنْ لَا اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَا اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ ال

ترحمہ بد بریوشنے کہاکہ رسول اللہ صلی اللہ علیہ وہلمنے فرط با کہ میں نے تمہین نین چیزوں سے نع کیا نظا وراب میں تمہیں ان کا تکم د تیا ہول میں نے تمہیں قبروں کی زیارت سے روکا نظابیں ان کی زیارت کر و کیو کھان کی زیارت میں نعیجت اور موت کی بادسے اور می مشروبات سے منع کیا تھا اور یہ کو مرت حیثرے کے برینوں میں بیکو، نسب نم سب برینوں میں میکو گگر یہ کہ کوئی نشراً ورجیز مت بیکو اور میں نے تمہیں قریا نیوں کے گوشت سے منع کیا تھا کہ تین ون کے بعد انہیں مت کھاؤ، نسب کھاڈ اوران سے اپنے منفول میں فائرو اٹھاڈ رمنم بالمنی انسانی ، ترمندی ، ابن ما جر ،

تنترج برید مریث مسوح اور ناسخ دونول برشنتل سے اوراس سے بیمعدم ہوا کہ نہی کے بدام موتو اسس کا مفاد اباضی

۳۷۹۷ حَکَّ نَمْنَا مُسَدَّدٌ قَالَ نَا يَحْلَى عَنْ سَفْيَانَ قَالَ حَدَّتَنِي مَنْصُورٌعَ رُبِي مرد در برداز در مرد مرد مرد در در در مرد با مناز کرداد مرد و رو با مرس با در

سَالِمِيْنِ إِن الْجَعْرِ عَنْ جَابِرِيْنِ عَبْدِ اللهِ قَالَ لَمَّانَهُ لَى رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ عَنْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ عَنْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ عَنِ الْأَنْ فَالْمَانِ الْمَانُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ عَنِ الْأَوْمِيَةِ قَالَ فَالْمَانِ الْمَانُ عَلَيْهُ لَا بُكَّالَا اللهُ اللهِ عَلَيْهِ عَالَى اللهُ اللهُ عَلَيْهُ لَا بُكَا اللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ عَلَيْهُ اللهُ ا

نرجمہ : ۔ جابری عبدالندنے کہا کہ حب رسول الند ملی الندعلیہ وہم نے برتنول سے منع فرہ یا توانف آرنے کہا کہ برتن توہارے سیسے ضروری ہی چھنوڑنے فرایا : سب تعب معانعت نہیں ہے (مجاری ، ترمذی ، ابن ما جہ ، اس سے معلوم ہوا کہ بر مانعت محق متر ذرائع کے لمریر مینی اور حب ان کے لعد رخصت ہوگئ تو ممانعت منسوخ ہوگئ ۔

مروع مرود و الرب المستروع من المنطق و المنطق المنطقة و المنطقة و

عَنْ إِيعِيَا ضِ عَنْ عَبْدِا للهِ بْنِ عَمْرِوقَالَ ذَكَرَالنَّبِيُّ مَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ الْأَوْعِيةَ الْكُرَّبَاءَ وَالْمُنْ تُتَمَوَ الْمُزَقَّتُ وَالنَّقِيُّرُفَقَالَ اعْرَائِيُّ إِنَّهُ لَا ظُرُونُ كَانَا فَقَالَ اشْرَبُوا

مأكل

نسر جمہ، ۔ عبدالندُّن عمرو نے کہا کہ نبی صی الندعبہ دلم نے ال برنوں کما ذکر فرمایا در دُباً مضم ، مرتفّت ، اورنقی ، نواکیس اعوالی نے کہا کہ عہرے پاس توادر مرتن نہیں ہیں ، سپراٹ نے فرطا در علال چرزوں کو بیٹورمسکم ، مجاری ، لینی اصل مقصود حوام مشروبات کی مانعت سے ۔ مذکہ مرتبوں کی ، ان تریوں میں اگر علال مشروبات بڑو، توحرجے نہیں ۔

٣٩٩٨ حُكَ مَنْ الْمُسَلِّ يَعْنِي بُنَ عَلِيِّ قَالَ نَا يَعْنَى اَدُمَ قَالَ شَرِيْكَ بِإِسْنَادِمْ قَالَ احْتَنْدُ الْمُالْسُكُ

ترجمہ: رنٹر کی نے اوپر کی مند کے ساتھ میں حدیث روایت کی ہے ،اس میں ہے کہ و محفور تے فرما یا اس چیز سے مرسم کرکر عُبْدُ اللهِ بُنِ مُحَمَّدِ النُّغِيلِيُّ قَالَ نَازُهُ بُرُقَالَ نَاأَبُوالزُّبُبُرِ عَنْ جَابِرِيْنِ عَبُدُاللّٰهِ قَالَ كَانَ بَنْنَكَ ذُلِرَسُولِ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَ سِفَا وِفَاذَالُهُ يَعِيمُ وَاسِفَاءُ نِينَالُهُ فِي تَوَرِقِنُ رَجَارَةٍ ترجمه المربي عبدالترسد روايت بيكر رسول الترصلي الترملية وسلمك يداكب مشك مي منبذ بالي عاتي متى حب مشک منت نو میتر کے ایک شرے پیالے میں تبینہ نبائی حاتی ۔ رمنکم ، نسانی ، ابن ما حر) ر ر را دونولوچزوں میں بنیزی ہب نیر ۸ حق نتافتیبیا میں سعیار قال ناالکبنت عَنْ عَطَاءِ ہُن اُری رِیاج عَنْ عِايِرِيْنِ عَبْدِاللَّهِ عَنْ رُسُولِ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ انَّهُ مَلَى انْ يَنْكُ وَالْمُ وَكَبِيهِ عِلْوَنْهِي أَنْ يُنْكَنَّا الْبِسِرُوالْوُطُبُ جَمِيعًا ترجمہ: ر جابرین عدالمنڈ نے رمول النّم می النّم علیہ وسم سے روایت کی کھھنورنے کشنسٹن ادر کھورکو ملاکران کی نبند نبا نے سے متع فرایا اوراس بات سے همی متع فرمایکه ماره تھجوراورتیم بچنة تھجورکوملاکران کی متبنه نبائی جائے ریجاری مسلم، اب ساحہ ، آنائی ، مشرح : مه خطآنی نے کہاکہ تعبن علما نے ظاہر حدیث کے مطابق وو فلوط چیزوں کی بنیز کی حرمت کا فنؤی دیا گواس میں سکری کمپینیة پیالین ہو۔ یہ علار، طائوں، مامک، احدین عنبل، اسحاف اورعام اس حدیث کامسلک ہے ۔ شاتعی کما غالب مذمب معی نہی ہے ۔ انهول نے کہاکہ تونتحف تو دومحلوط چیزوں کی منبزیمُسکر ہونے سے نبل بیٹے تووہ نیالفنت حدیث کے باعث حمیمُ کارسے اورجوعُ تُسَرَّت رتیزی ، انبدائے مُسکر) بیل مونے کے لجدیئے نووہ دو دوجوں سے گنبگارہے ، ایک مخالفت حدیث اور دوسرے مسا ہوبیتا ۔ سعبان توری اور الو تعتیفه اوران کے اصحاب نے اس کی رفص*ت دی ہے ۔* اور تسبیت کمافول ہے کہ دو محفوط چیزوں کی بنیذ می کرامیت کاسبب برسے کہ یہ دونوں ایک دوسرے کی تیزی کوٹرمانے ہیں۔ میں گزاش کرا ہوں کہ ہی نقر کا نقاصا

ہے، قدر بظاہر اگر زبیب اور بڑی بنیز انگ انگ جائز ہے تو فلوط ہونے کی صورت میں تناصت کی متن کیا ہے۔

ا۔ عسد حک فیت اموسی بن اسلوبیل ماا کان فال حک تنبی کی می عن عبر الله

THE COURT OF THE C

مُنِي أَبِى قَنَاكَ فَا عَنَ اَبِيْهِ اللَّهُ مَلَى عَنْ خَلِيُطِ الْزَينِي وَالْمُنْ وَعَنْ خَلِيُطِ الْبَيْرِ وَلْمَنْ وَعَنْ خَلِيْطِ الرَّهُو وَالرَّطِ وَقَالَ اِنْتَيِذُ وَالْكَاوَ حِكْةٍ عَلَى حِكَةٍ قَالَ وَحَدَّنَي اَبُوسَلَمَة بْنُ عَبْدِ الرَّحُمْنِ عَنْ اَبِي قَتَادَةً عَنِ النَّهِ حَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ

من کا کسیر سازی از بیاری اور کھیورکی مخلوط منبذ، نیم بینۃ اورخشک کھیورکی منبذ رنگدار نیم بینۃ کھیوزنازہ بینۃ کھیورکو طاکران کی منبذ سے منع کیا در کہا کہ مرایک کی انگ انگ منبذ بناؤ، دوسری سندسے ہر حدیث موفوٹ نہیں مبکہ مسندد مرفوع ہوگئ ہے ۔ (اس

مدیث منگم رنسائی اوران ما تیر میں تھی ہے ۔ مریث منگم سام موقع نام

٧٠٠٠ حك فَنْ أَسْلَمُنَ مُنْ حَرْبِ وَحَفْصُ بَنْ عَمَرَ النَّهُ دِي قَالَانَا شَعْبَ قَا عُنِ الْحُكَمِ عَنِ ابْنِ إِلَى لَيْلِ عَنْ رَجُلِ قَالَ حَفْصُ مِنْ اَصْحَابِ النَّيِّ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ عَنِ النَّيِّ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ قَالَ نَهْى عَنِ الْبَلْحِ وَالنَّيْبُ فِي

والتكر

ترجمہ: ۔ بی صلی التّرعلیہ وہم کے ایک صحابی نے نبی التّرصی التّرعلی التّرعلی سے روایت کی کر تصنور نے تقویری سی بچنۃ کمجوراو وَشک کی محدور اور تشکن اور کھور کی در ایک سے اور گرزی ہے کہ مخلوط کی جور کا در تشمین اور کھور کی نبید کے مندید اور مُسکر ہونے کا ادر تشہ زیادہ نریم والے یہ مطلب برہے کہ میر نبی ترمیم کے لیے تہم میں محص کا ادر تشہ زیادہ نریم والے یہ ہے کہ میر نبی ترمیم کے لیے تہم میں موسل کے بے ہے گھور کا معربی کا معربی میں میں میں میں ہم کم میر کا معربی کے بیاد کر میں موسل کی میں موسل کی تعربی کا معربی کا معربی کا معربی کا معربی کا معربی کے ایک کا معربی کی کا معربی کا

٧٠٠٧ حَلَّ فَتُنَا مُسَدَّدُ قَالَ مَا يَعُمُ عَنُ ثَابِتِ بُنِ عُمَارَةً حَدَّ ثَثَنِي رَبُطَةَ عَنُ كَابِي بُنِ عُمَارَةً حَدَّ ثَثَنِي رَبُطَةَ عَنُ كَابِي بُنِ عُمَارَةً حَدَّ ثَثَنِي مَلَى اللهُ عَنُهُا مَا كَانَ النَّيِّ مَلَى اللهُ عَلَيْهِ كَبُشُهِ إِنْ اللهُ عَنُهُا مَا كَانَ النَّيِ مَلَى اللهُ عَلَيْهِ كَبُنِهِ اللهُ عَنْهُا مَا كَانَ النَّيِ مَلَى اللهُ عَلَيْهِ

وَسَلَّوْمِينَهُ مَا مُنْهُ قَالَتْ كَانَ يَنْهَانَا آنَّ نَعْجِمَ النَّاوِى طَلْبُكًّا ٱوْنَخُلِطُ الزَّبِيب

والتنافس المسترص الندعنها سے دھیا گیا کہ رسول الند صلی التدعلیہ وہم کس چیزسے منع فراتے تھے تو انہوں نے کہا کہ آپ مہن منظیوں کوزبارہ ایکانے سے روکتے تھے اور کشش اور کمورکو فلوط کر کے تبلہ نبانے سے منع فرائے تھے دکھلیوں کوزبادہ بجائے کی محافقات اس بیے ہے کہ اس طرح وہ میمیٹر کمربوں اور اونٹوں کی قوی فوداک بنس دہتی۔ فلام ہے کہ اس کھے لیے کھی حرت میں نہی کا نفط آیا ہے حالا بھر یہ کرام ہت معن تنزیمی اور ملور ارشاد ہے ، اس میں کو تنزی حرمت با محافقت منبی ہے ۔ اس میں کو تنزی حرمت با محافقت منبی ہے ۔ اس می ورمی کا حکم نوبی ہی ہے ۔ وہن کو کو ناز میں فرق کیا ہے ان بر تعصب ہے کہ دورمی کی حرب کو تو بلاوجر انہوں نے حرام کرویا حالا نکہ حرب کی کوئ چیز اور علت اس میں نام کومی منبیں سے اور پہلی نمی کو انہوں نے مورم من ا م - سه حق النا مسكد قال حك أننا عَبْدَ اللهِ بُن دَا وَدَعَنُ مِسْعَدِ عَنْ مُوسَى بُنِ عَنْدِ اللهِ عَنْ اِمْرَا وَ مِنْ بَنِي اَسْدِ عَنْ عَامِنْتُ اَنَّ رَسُولَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ كُانْ يَنْبُ لَا لَهُ زَيِيْتِ قَيْلُ فَقَ وَيُهِ مِنْ مُؤَا وَنَهْ وَيُهُ فَيُلُقَا وَيُهِ وَيِبْتِ

بَأْبِ فِي تَبِينِوالْسُرِ

برى بنيذ كالمبار و كَلْ تَعْنَا مُحَمَّدُ بُن بَشَادٍ قَالَ نَامُعَاذُ بُن هِشَا مِ قَالَ حَكَّ نَنِي إِلَى عَن فَتَادَةُ عَنْ جَايِدٍ بُنِ ذَيْدٍ وَعِكُومَةَ أَنَّهُمَ أَكَانَ يَكُرُهَا إِللَّهُمُ وَعُلَا كَانَ يَكُو اللَّ عَنِ ابْنِ عَبَّاسٍ وَقَالَ ابْنَ عَبَّاسٍ انْحُشْلُ أَنْ بَكُونَ الْمِذَاءُ الَّتِي نَهِيَتُ عَنْ هُ عَبْ لُ الْعَيْسِ فَقُلْتُ لِقَتَادَةً مَا الْمِزَّاءُ قَالَ النَّبِينَ فِي الْكُنْ تَعِرُ وَالْمُزَقَّتِ

ترجمہ: ۔ جائیر رنبدا ورعکرم دونوں آلیل نبر کی مبند کو مگروہ جانتے تھے اوراس مسٹلے کو ابن عراس سے لیتے تھے ، اور ابن عباس نے کہا کہ محصے خوت ہے کہ یہ مزا ہو ہوئیس سے کہ عبدالقیس کوفتے کیا گیا تھا۔ مثام رادی نے کہا کہ میں نے من کا کا کا کا کا کا کہ مقام کا میں کا کہ کہ کہ کا کہ کا کہ کا کہ کا کہ کا کہ کا کہ میں کے تقام کی کا کہ میں ک بوثیا کم مزار کیا چیزہے ؟ اس نے کہا کہ ختم اور مزقت ہیں نبیا لا ابوعبیدتے مزار کی تعریف ہیں کہاہے کہ وہ ایک نیشہ اُور منزوب کا نام ہے خطائی کیتے ہیں کہ اس نے اس سے زیادہ وضاحت ای یہ باں افعل شاعر کیا ایک شعر نیطور شاید بیش کیا ہے)۔ فقاده اور الوعبیدہ ہرود سے بیکس اب عابش سے قول کا مطلب بینطر آ تہے کہ مزا رنامی مسکر شراب کئیرسے بنتی موگی ، دوالنداعلم،

بَابُ فِي صِفَةِ النَّبِيْدِ

مدس حَلَّ مُنَا عِيْسَى بُنُ مُحَمَّدٍ قَالُ نَاصَهُ وَعَنَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ فَعَنَ الشَّيْبَا فِي عَن عَب دِ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ فَعُنَ اَعْنَ عَبُ وَاللّهِ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ فَعُلْنَا عَلَى اللهِ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ اللهِ عَلَى اللهُ اللهِ عَلَى اللهُ اللهِ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ الل

تُمْرِي: - اس كامطلب بير بيد كم مثكون كى نيرند برصب زياده وقت گزرے تو وه مركم بن هاتى ہے۔ بير مطب مي بوكس بير ك حب زياده وير بنك شكوں ميں ره هائے تو مركم بن هاتى ہے ۔ اورا سے طور نبذته ہيں شاجات ہے۔ مری سال محت اللہ محت كم بن الم منت في قال حك شين عبد الوهائي بن عب برا المجي بير

٨٠٠٤ حل قت امحة لا بن المنتنى قال حل تني عبد الوهاب بن عند المجيب التُقفِي عَنْ عَالَمَ الْمُعَالَى عَنْ الْمُعَالَى عَنْ الْمُعَالَى عَنْ الْمُعَالَى عَنْ اللهِ عَنْ عَالِمُنَا عَنْ اللهِ عَنْ عَالَمَتُ كَانَ اللهِ عَنْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ فِي سِفَا عِيْوَاءُ اللهُ اللهِ عَنْ لا عُينَا عَنْ اللهُ عَنْ لا عُينَا عَنْ اللهُ عَنْ لا عُينَا عِنْ اللهِ عَنْ لا عُينَا عِنْ اللهِ عَنْ لا عُينَا عِنْ اللهِ عَنْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ فِي سِفَا عِيْوَاءُ اللهُ اللهُ عَنْ لا عُينَا بِهِ اللهِ عَنْ اللهُ عَالِمُ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَا اللهُ عَلَا عُلُولًا عُلِكُ اللهُ عَنْ اللهُ

فُكُ وَقُلْ فَيَشِّرُ بِهُ عِشَاءٌ وَيَنْبُنُ عِشَاءٌ فَيُشْرِّبُهُ عَلَى وَيْ سٹر رض التٰدعِنها نے فرما یا کہ رسول التدعلب ولم سے بیے ایس مشک میں نبینریا کی حاتی فتی ص کے منہ کو بذکر و ما حاتا ہا ه راسته نقا صِبح کونبیزینائی ٔ حاتی توات اسے بوفتِ عشا رہیتے اورعشاء کو نبائی حاتی تواسے آپ ٩-٣- حَكَ مُنْكَأْمُ صَدَّدٌ قَالَ كَاالْمُعْتَجِدُ فَالَ سَمِعْتُ شَدِيْبَ

الْمُلِكِ يُحَكِّرِ نَ عَنُ مُقَانِلِ بُنِ حَيَّانَ قَالَ حَدَّثَنَيْ عَمَّنِي عَمْرَةُ عَنْ عَائِمَنَ لَهُ أَنَّهُ كَانَتْ تَنْبِ نَكِرسُولِ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّهُ عَلَى وَلَا فَإِذَا كَانَ مِنَ الْعُنِيعِ فَتَع شَرِبَ عَلْ عَنْنَائِهِ فَإِنَّ فَصُلَ لَتُمَ عُ صَبَبْتُهُ أُوفَرَفْتُهُ ثُمَّ تُنْبُدُ بِاللَّيْلِ فَإِذَا أَصْبَحَ تَغَلَّى فَتِنَّرِبَ عَلَى غَكَ ارِّم قَالَتُ نَغْسِلُ السِّنَاءَغُلُ وَقُ وَعَشِيَّةٌ فَقَالَ لَكَ أبى مُرَّنِّينِ فِي يُومِرُفَالْتُ مُعَمِّر

نبرضیالنڈ عنبانی صلی الٹدعلیہ ولیم کے بیے صبح کو نبیڈیناتی بھیں ،بس تحصلے سرحب آٹ ران کو کھانا تھا نتے نو ینتیے تھے۔اور کھیے بھے رمتی تواسے سی اور مرتن میں ڈال دہتی تھی ، میررات کوآٹی کے لیے نبید نیا کی حاتی ،کسیں ب جيح كما كعا أكعان توامسير بيت تقيم رعائسته للم في فراياكم منتكب كوصح وشام وصوبا حايّا فيّا رُوَسِع بِيهَ آنِ نِنْ بِوَجِيا كُمُونِ وَلَ مِن وَوَالِدُومُونَ عَانَى تَعَى؟ الس نِنْ كُوا كَمَا إلى ب

٧٣ حَلَّ تَنَا مُمَلَّدُ بُن عَالِدٍ قَالَ نَا ابُومُعَاوِيةً عُنِ الْأَعْمَشِ عَنْ الْ عُمَرَيُحُكُمُ الْبَهُ وَإِنْ عَنِ ابْنِي عَبَّاسٍ قَالَ كَانَ يُنْبَنُ لِلنَّبِيِّ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ الزَّبِيبُ فَيَشْرُبُهُ الْيُومُ وَالْغَكَ وَبَعُدَالْغَلِ إلى مَسَاءِ الثَّالِثَةِ ثُمَّريا مُرْبِه يسنناالككار أويه وافي قال أبود اود ومعنى بسقاالكك مربباد ريه

ے کہ یہ :۔ ان عبارش نے کہاکہ تی صلی النّدعلیہ وسلم کے لیے کششش کی نبید نبانی کھاتی نقی ،کسپرہ کٹپ اکسے آج ،کل اور پیون تقے ربیر حکم دیتے توہ خادمول کو بلائی جاتی یا بہا دی جاتی تھی ۔ رسلم ، نسائی ، ابن ساجم) ابوداور کے کہا کہ خاوموں للب برسے کہ اس کے خراب مونے سے پہلے بیلے ملادی جاتی تھی ۔ مولاً نے فرایا کہ اب عباس کی ق شابد وسم مسرما کے ساتھ ہوا ورحضرت عاکشہ صدیقبہ رضی الندعتها نے جو کھے فز ایا ہے انسس کا تعلق موسم

بال في شراب العسل

شهر کی شراب کا باب مبراا

اس مَدُّ مَنْ مُحَمَّدُ مُنَ مُحَمَّدُ بُنُ مُحَمَّدُ بُنُ مُحَمَّدُ فَالْ فَالْحَقَّامُ بُنُ مُحَمَّدُ فَالْ فَالْحَقَامُ بُنُ مُحَمَّدُ فَالْ سَمِعْتُ عَائِنَتُ قَرَوْمَ الْبُنَى مَلَيْ وَاللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ فَانَ يَمْكُثُ النَّيْ مَلَّ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ فَالْنَالُ النَّيْ مَلَّ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ فَالْنَالُ النَّيْ مَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ فَالْنَالُ النَّيْ مَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ فَالْنَالُ النَّيْ مَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ فَلْنَالُ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ فَلْنَالُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمُ فَالْنَالُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمُ فَالْنَالُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمُ فَالْنَالُ اللَّهُ لَا اللَّهُ لَكُ وَيُعْمَلُ اللَّهُ اللَّهُ

نىرچىر ، صفرت عائشة رىنى الىدى باكرسول الدىسى الدىل بولم يىشى جزكوا ور تىم كوپ تەكرنے نقے بھر را دى نے اوپر كى مدبن كا كچەصة باين كي ، اورسول الدّصى الدّعلب ولم بريہ بات بلى شان كر رتى عنى كەتب سے بدلوا ئے اور مدبن ميں ہے كسودة ف نے كها الله آئ نے معافیر كھائے ہى "آئ نے نے فرا یا د نہیں بلکہ میں نے تنہد بیا ہے تو مجھے حفصة نے بلایا ۔ نس میں نے كها كہ ننهد كى ممعیوں نے توفط كو چوك ہے ، عوفط تنهد كى مكعيوں سے تو بسنے كى ايک نوفی ہے ۔ الودا وُدتے كها كہ معافیرا كہ سبس وار گانگا ہے ۔ جَرَسَتْ كامتی ہے بیا ۔ جرا دیگا ، اور توفیل نام كى تعلق ہے ، شہر جغرت زبنیٹ بنت قسیش نے بلایا تھا ۔ میں حذرت حفظہ كے شہد بلانے كا ذكر ہے دہ كسى را دى كى تعلق ہے ، شہر جغرت زبنیٹ بنت قسیش نے بلایا تھا ۔

بأبا في النَّدِيْدِ إِذَا عَلَا

ببرنوب المراكم بسرنوب المراكم بالمراكم بالمركم ب

ترجمہ: ۔۔ الوحریری نے کہا کہ مجھے معلوم نقارسول الترعلیہ دسلم روزہ رکھتے تھے، نب میں نے آپ کے روزہ نہ رکھنے کا دن ناڑا اور آپ کے پاس ایک بہذر کیکیر آیا تو کدو میں نئی اور میں نے آپ کے لیے نبالُ نئی ۔ وہ اُس رہی تفی ہصنور نے فزط یا اسے اس دوار پروے مارو کیونکہ بیان کوگوں کا مشروب ہے ، جن کا السٹ دا در قبیامت پر انجان بنے مہو ''

بَابُ فِي شَرَابِ قَائِمًا

م اسم حل تنت المسلم بن إبرا في يورين المرا المسلم عن قَسَّا دُوَّ عَنْ أَنْسِ السَّ النَّيِيُّ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ مَهِي أَنْ يَشْرِبَ الْرَّجُلُ فَإِيْمًا الس سيروابيت سي كرسول الترصى عليه ولم ف أ دى ك كوط مع موتي مع منع فرايا دملم من منرمذى،

نرح ،۔ بہ حکم ندب والنخباب کے لیے سے اوراٹ نوں کے لیے ادب و ننسز یہ کا باعث سے ، کمپونکہ سیٹھ کرکھا یا بیا جائے تووہ عول واطمینان کی حاست ہوتی سیدا و رکھا نا بنا زبارہ مھنیا ورلدنیہ سخ نا سیدے کسٹرا ہونے کی حاست سکوں واطمینان کی نہیں لہٰذا اس حالت میں ہو کچھ نیا ول کیا حاشے وہ اصطاب و نخر کیب پیداکرتا ہے اوراس سے نیا دا در مدسمنی پیدا ہوتی ہے اِ سخصورًا ومرم كے بان كوكورے موكر مينا مستنئ سے - وہ مكر ميرا ورہوم كى موتى سے كلمذا ميليوكر منا متحدر مقيد اس عذر کی بنام بر آب نے کھڑے ہوکر بیاً ۔اس میں بربھی ملحوظ تھا کہ توک اُپ کے اعمال وا فعال کورنگیس اوراقتدا ہو

۵۱۷ حَكَّ ثَنْ أَمُسَدِّدً كَالَ نَا يَعُلَى عَنْ مِسْعَدِ بُنِ كِدَاوِرِعَنُ عَبُدِالْمُلْلِكِ بُنِ مَيْسَرَةً عَنِ النَّوْالِ بُنِ سَبُرَةً أَنَّ عَلِيًّا دُعَابِمَا وِفَشُرِ بَهُ وَهُوَ قَائِمُ ثُكَّرَ قَالَ الله رِجَالاً يَكُونَا أَحَدُ هُمُ إِنَّ يَفُعَلَ هٰذَا وَقَدُراً أَيْتُ رَسُولَ اللَّهِ صَلَّما للهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ

كيفْ على مِثْلُ مِنْ أَدُنْ مُونِي فَعَلْتُ ترجمه استزال المن سرو سنة روايت سع كرعى مني الله منه نه ياق منكوايا اوراسي كقرم موكريا يه بيرفز ما يكركم لوک البیا کرنے کو کمروہ ما نیتے ہیں حالا بحرمس طرح نم نے مجھے کرتے دیجیا ہے ہیں نے اسی طرح رسول النّد صلی النّدعلیة کم وكريت ديجها تنا ر الخارى ، نسانى ، ترمترى)

بَأَنْ الشَّرَابِ مِنْ فِي السِعَاءِ

مشک کے مُن سے یانی یہنے کا باب نمبر ۱۲

١١١٣- حدُّ ثَنَّا مُوسِى بْنُ إِسْلِمِعِيْلُ قَالَ نَاحَمَّادُ قَالَ أَنَا قَتَادُهُ عَنْ عِكْرِمَةَ عَنِ ابُنِ عُبَّاسٍ قَالَ مُهَا رَسُولَ اللّهِ صَلَّى اللّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ عَنِ الشُّرَابِ مِنْ فِي السِّ وعَنُ رُكُوبِ الْجِلِّالُةِ والمُجَتَّمَةِ قَالَ ابُودَا وَدَالُجَلَّالَةُ الَّتِي تَاكُلُ العَذُرَةُ

ترهر:۔ ابن عارف نے مہاکہ رسول الدّمی الدّمیں الدّمیں وسلم نے مشک سے منے منے منع فرا یا اور کرنڈگی تورہ انورا ور با ندھ کریاری جانے والی سے منع فروا یا۔ ارمجاری یترونڈی ۔ اب ما حبر، نسائی ، مگریخاری اوراب آجہ نے ملّالا ورمجنٹر کما ذکر نہیں

كيا) الروكورنے كماكہ حلّالہ غلاطت فورطانورسے _

بَابِهُ فِي إِخْتِنَاثِ الْأَسْقِيةِ

منکوں کا منہ موڑنے کا باب بنبرہ

٧١٤ - حَكَّ ثَنْ أَقَالَ الزُهُوِيُ آنَّهُ سَمِعَ عَبَيْدُ اللهِ بْنِ عَبْدِ اللهِ عَنْ آبِي سَعِيْدِ النَّهِ عَنْ الْعَبْدِ اللهِ عَنْ آبِ الْكَفْدِ وَسَلَّمَ نَهُ عَنْ الْعَبْدَ الْكَسْقِيدِ

تمریمہ ،۔ ابوسعیڈ فدری سے روایت ہے کہ رسول الند صلی الند علیہ وسم نے مشکوں کا منہ دم اِکرنے سیمنع فرمایا ۔ رمتم،) ترمذی ، ابن ماحب) یہ کہی مبی تنزید کے بیے ہے ۔ خطاتی نے مکھا ہے کہ اس طرح مشک میں بدبو بدا ہو جاتی ہے ، اور اس سے بانی کے بہنے اور کمرٹیسے لیکھنے کا اندلیٹہ رمتا ہے ۔ یعن احادیث میں اس سے خلاف کھی آیا ہے کس سے بتہ حیاتا ہے کہ مالفت

واص عادت بناینے کی بے درز فروظت کے دقت الیا کرنے میں عرج نہیں ہے۔ مریخ بنی کا روم وہ می محلی علل انفیونا عبد الأعلی قال ناعبید الله میں الم علی قال ناعبید کا الله میں عہد۔ ۱۸ سے در سال میں اللہ میں موجود و رہ ہررہ ا

عَنْ عِيْسَى بُنِ عَبُوا للهِ رَجُلِ مِّنَ الْإِنْصَارِعَنَ أَبِيهُ وَانَّ النَّبِيُّ مَلَّ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ ذَعَا بِادَاوَةٍ يَوْمِ الْحَدِ فَعَالَ إِخْنَتُ فَكُمَ الْإِدَاوَةِ ثُكَرَّ شَرِبَ مِنْ فِيْهَا

میر جمہ و معدالتدین انیں نے روایت کی بن می الترعلیہ وہم نے حک اُمدے دن ایک شکر و ملکوایا اور فرایارہ منٹ کا کمنہ موڑو ، پیراٹ نے اس کے مُنہ سے پیا۔ (ترمذی) ایک نسخے میں بدلفظ سے کہ منٹک کامُنہ اوراس سے مُنہ سے پاتی پی ہے۔

COURTED COURTE AND COURT DO COURTE DE COURTE

ეირიი იით გამიი გამიი გამიით გამით გა

كَالِبٌ رَقِ الشُّرُبِ مِنْ تَلْمَا الْقَلْرِ

پیاے کی ٹوٹ مون کی سے پینے کا باب نروا سے سے میں میں ایک کا کی کہ سے پینے کا باب نروا

بُنَ عَنْدِالرَّحُلُونِ عَنِ ابْنِ شِهَا كُنِّ عُبَيْدِاللَّهِ بْنِ عَنْدِاللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ الْعَلْرَ اللهِ رَدُ عِنْ وَرَدُ وَمِنْ الْمُعَلِّي عَنِ ابْنِ شِهَا كُنِّ عُبَيْدِاللَّهِ بْنِ عَنْدِاللَّهِ اللَّهِ الْعَلْم

وا ش بنفخ في الشراب

تمرجمہ: -الوسٹیدفدری نے کہاکر رسول الند صلی الندعلیہ وسم نے بیا ہے کی ٹوٹی ہوئی گئے سے پیلیے سے اور شروب ہیں بھونک مارنے ہو سے منع فرمایا کر بیا ہے کی شکستہ تھکے سے پانی دعیزہ بیا جائے تواس سے میڑوں اور میم برگرنے کا اندلسٹر ہنونا ہے ۔ بھی نہیں جم سکتا ، بھر ٹوٹی ہوئی گئے صاف دشفات نہیں ہوتی اوراس ہیں میں کوپیل اور مَدِلُو کے جمعے رہتے کا اندلسٹر ہنواہے ۔ اُس طرح بانی وعبرہ میں بھو بھر مارنے با برتن سے اندر سانس بیلنے میں تھی کا میت ہے ۔ یہ

بَأَبُ فِي الشَّرْبِ فِي أَنِيكُ اللَّهُ مُنِ وَالْفِضَّةِ

سونے ماندی کے برتن میں بینے کا باب تمبرا

٣٠٧٠ حَلَّ تَعْنَا هَهُمُ الْمِهُ الْمُهُ الْمُهُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَا كَانَا اللهُ عَنِ الْحَكَوِعَنِ الْمِنَ إِلَى لَيْلَى عَالَكَانَ هُذَهُ اللهُ عَلَا كَانَ هُذَهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَمُ اللهُ عَلَا كَانَ هُذَهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلْكُو عَلَى اللهُ عَلَى ال

نمیر ممہ: ۔ تحفرت حذافیہ ملائن میں نصے ، آپ نے بانی مانگانولبتی کا ٹیسب چاندی کے بزن میں لایا ، لیس حذافیہ کے اسسے پھینک دیا ادر کہاکہ میں نے بداس بیے بھینکا ہے کہ میں نے اسے منع کربانغا گرید باز نہیں آیا ادر رسول اللہ صلی الترعابیہ رسلم نے رسٹیم اور درمیا سے اور سوتے چاندی کے بڑن میں بیلیغے سے منع خرمایا تفارا ورفزمایا تفاکہ '' یہ ان کے بیے دنیا میں اور تمہارے بیجا خرت میں ہیں ۔ ابخاری اسلم ۔ ترمذی ، ابن ماج ، نسآئی ۔ ،

تنمرح و مدائن ایک طراخهم ملکه کمی شهول کامجموعه تعا رقارس کا تخت نئین با فانخ با دشاه اس میں اصافے کر ارشا تعاریب شر جناب عمرفاروق نرمی الندعینه کے عہد خلافت میں صغر سسلہ ھیں سعد بن ابی وقاص نے فیجے کیا تعار موجودہ مدائن ایک جھوٹی بنی ہے تولغ آوسے بچوٹر لاگک برسے اور اس سے باشندے کا شنت کارا ورکسان ہیں اور زبادہ ترشیعہ امامیر ہیں۔ رجعم العبن) سند اس علاقے کے عامل نقے چھٹرٹ علیٰ سے دُور میں حذلقہ نے بریمہوسنبعالا۔

يَا كُلُونِ الْكُرْعِ

الم تقادر سربن كے بجر سينے كا باب . سى مثلاً بانى كے عرب موسے دون بالى سے منه لكاكر سيا، التحايات كالستمال مرا

تشىسباحنرورت بەجا گڑسىيے۔

سوي و مَنْ الله عَلَى الله عَنْ جَابِر مِن عَبْدِ الله عَالَ الله عَلَى الله

بَاكِ فِي السَّاقِ مَنْ يَشْرَبُ

باب سانى كى بىيغ ـ ب

٣٧٧٠ حَكَّ نَنْ أَمُسْلِمُ بُنُ إِبُرَاهِ بِهُمُ قَالَ نَاشُعُبَهُ عَنْ إِي الْمُخْتَادِعَنْ عَبْدِاللهِ بُنِ إِلَى اَوْقَ اَنَّ النَّيِيَّ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ قَالَ سَافِي الْقَوْمِ الْحِرُمُ مُشْرِبًا

سیرجمہ بے عبدالنگری ابی اوفی سے روایت ہے کہ رسول النّد صلی النّرعلیر دسم نے فروایا دو قوم کو بلانے والاسب سے آخر بیں چیے کے ر تزمیزی رابع ماحی

٣٧٧-حَكَّ ثَنَا الْقَعْنَ مِي عَبْدُاللَّهِ بْنَ مَسْلَمَةً عَنْ مَالِكٍ عَنِ ابْنِ شِهَابٍ عَنْ

انَس بْنِ مَالِكِ أَنَّ النَّبِيَّ صَلَّ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوْ أَنِي بِلَبَنِ قَدْ شِبْبَ بِمَا وَوَعَنْ يَكِمِيْنِهِ مَاعُرَائِيَّ وَعَنْ يَسَارِعِ آبُو بَكُرٍ فَشَرِبَ ثُنَّ مَّا عُطْ الْاَعْرَائِيَّ وَقَالَ الْاَيْمُنَ فَالْاَيْمُنَى

تموهمه : - انسن بن مالک سدروایت به کهرسول الندصلی الترعلیه ولم علی ملا دودهدلا باکیا اورآب سے دائی با تھربا کب اعرابی ا دربائی طوٹ الو بکرمٹر تھے یسی صفور نے توریباً معرابرانی کودیا اور خرابا در دائی والا العجر بائی والا (مجاری مسلم ، این آخیر ، ترمذی ، نسانی

نند و برکی دریت میں ہوسانی انعوم آخر کے مرطا گیا ہے اس کاملاب یہ ہے کہ حب مشروب سب میں منترک ہوا در اسب میں منترک ہوا در اسب کو نزد کو سب کو نزد کو سب کو نزد کو کا میں اور میں ہونو اس سے خلات ہوسک کو نزد کو کا در سب کو بلا تا بیش نظر نہ ہونو اس سے خلات ہوسک کو نزد کو کا در سب کو بلا تا بیش نظر نہ ہونو اس سے خلات ہوسک کو بلا تا بیش نظر نہ ہونو اس سے خلات ہوسک کو بلا تا بیش نظر نہ ہونو اس سے خلات ہوسک کو بلا تا بیش نظر نہ ہونو اس سے خلات ہوسک کو بلا تا بیش نظر نہ ہونو اس سے خلاف ہوسک کو بلا تا بیش نظر نہ ہونو اس سے خلاف ہوسک کو بلا تا بیش نظر نہ ہونو اس سے خلاف ہوسک کو بلا تا بیش نظر کو نزد کو نزد کا میں میں ہے ۔

مرجمہ :۔ انسٹ بن مانک سے روابیت ہے کئی میں الڈعلیہ وسم صب کچھ پنتے تو تین بارسانسس بینتے ا درفرہ نئے کہ بیربہت علی میکی، تو من گوارا ور بیارس مجانے والی چیزہے دسکم ، نرمذی ، نسآئی ، منذری نے اسس کے را دی الوعصام کوعیز بھروٹ کہ جداور بر کرسلم میں اس کی مرف بہی ایک روابیت آئی ہے ۔ ایک ہی سانس ہیں بانی بیپنے سے تعفی طبی نعضان واقع ہوتے ہیں ا و ر

بَأْنِكُ فِي النَّفْرِجِ فِي الشَّرَابِ

مشرب بن بونك المقاب بنرا ٣٤٢٥ حك فن عبد الله بن مُحمّر النفي كال حدّ النابي عيد عن عبد الكويد عبد الكويد عن عبد الكويد عبد الكويد عن عبد الكويد الله عبد الكويد عبد الكويد الله عبد الكويد ال

ترجمہ:۔ اس عباس نے کہاکہ رسول الدُصلی الدُعلیہ ولم نے بِرِین ہیں سانس بینے یا بھیک مارنے سے منع فرما یا ر تر مَذی ابن ما جہ اور نیاری ، تریذی ، منکم ، نسائی ، ابن ماجر ، نے الوقتا وہ سے بھی روابت کی ہے ۔
متر جی :۔ لیکول خطابی اس مما لعت کی علت بر ہے کہ بھیوں کہ مارنے یا بیزن کے اندر سانس لینے سے فکن ہے کہ اور دیکھیا کر صاب کے یا منز کی رطوبت برتن میں جب برخی کے ممنز کی نکہ بنٹ منتجہ بوتواس سے یا نی اور برتن منا تر ہم اور دیکھیا طاوں کواس سے کا میر سانس ہر برتن کو مزہ سے انگ کر دیا جائے طاوں کواس سے کرام ہت و نفرت کی احداث ہو اور دیکھیا جو تک مارنے کا بعد شاہد کرام ہو کہ اور جب بینے کے قابل بھی کہ برسانس ہر برتن کو مزہ سے انگ کر دیا جائے اور جب بینے کے قابل بھی کہ بھی ہو تک اور جب بینے کے تابل بھی کہ بھی ہو تک اور جب بینے کے جائی دعر و سے نکالا جائے ، بہوال بھی کسی مرزی ہو تک اور جب بارنے کی حاجت کو بانی بہاکر یا آمکی وغر و سے نکالا جائے ، بہوال بھی کسی مرزی ۔

٣٧٢٩ حَكَ مَنْ اَحْفُصُ بْنُ عُمَرَ قَالَ مَا عَرَسُولَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ اللهُ عَنْ عَبْدِاللهِ اللهِ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ اللهُ عَنَاوَلَ مَنْ عَلَيْهِ عَلَيْهِ اللهُ عَنَا وَلَ مَنْ عَلَيْهِ عَلَيْهِ اللهُ عَنَا وَلَ مَنْ عَلَيْهِ اللهُ عَنَا وَلَ مَنْ عَلَيْهِ اللهُ اللهُ عَلَيْهِ اللهُ اللهُ عَلَيْهِ اللهُ اللهُ اللهُ عَنَا وَلَ اللهُ عَنَا وَلَ مَنْ عَلَيْهِ اللهُ اللهُ عَنَا وَلَ مَنْ عَلَيْهِ اللهُ اللهُ اللهُ عَنَا وَلَ اللهُ اللهُ عَنَا وَلَ اللهُ عَنَا وَلَ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنَا وَلَ اللهُ ا

بَاكِ مَايَعُولُ إِذَا شَرِبَ اللَّبَ

باب بزام دوده فی کرکیا کھیے ہ

roccorrected and the contraction of the correct of

٣٠١٧ - حَلَّ يَعْنَى الْمَنْ الْمُعَادَّيَعُنِى ابْنَ رَيْدٍ وَحَدَّ ثَنَامُوسَى بُنُ اِسْلِمِعُيلُ قَالُ نَاحَمَّا لَا يَعْنَى الْمُنْ وَيَهِ وَحَدَّ ثَنَامُوسَى بُنُ اِسْلِمِعُيلُ قَالُ نَاحَمَّا لَا يَعْنَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ وَمَكَ فَالِمُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ وَاللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ وَمَنَاللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ وَاللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ وَاللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمُ وَاللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ وَاللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ وَاللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ وَاللهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ وَسَلَّمُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ وَمَلّهُ اللهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ وَمَلّهُ وَاللّهُ وَمَلّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَمَلّا اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ وَمَلّهُ وَاللّهُ مَنّ اللهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ وَمَا اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ اللّهُ مَنّ اللهُ عَلَيْهُ وَالْمُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ وَالْمُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللللّهُ اللّهُ الللّهُ الللللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّه

تترجمہ:۔ ابن عباض نے کہا کہ ہیں مبریہ کے گھر ہی تھا کہ رسول اللہ صلی اللہ علیہ وہم داخل ہوئے اورا ہے ہے۔ ان عالم اللہ صلی اللہ علیہ وہم نے مائے خالد اس اللہ صلی اللہ علیہ وہم نے متوک وہا تو اللہ سے مکروہ جانتے ہی میں معود آلیا ہوں اللہ صلی اللہ علیہ وہم نے متاب ہوں اللہ صلی اللہ علیہ وہم اللہ صلی اللہ علیہ وہم کے بالس وو و صلا یا گیا تھا اللہ علیہ وہم نے فرایا کہ جب تم ہیں سے کوئی کھا اللہ علیہ وہم کے بالس وو و صلا یا گیا تھا اس میں سرمت و سے اوراس سے بہتر ہمیں کھلا ، اور حب کوئی و دو صوب نے ، تو کہ ہے انویل کہے وہ اس میں سرمت و سے اوراس سے بہتر ہمیں کھلا ، اور حب کوئی و دو صوب نے ، تو کہ ہے اوراس میں سرمت و سے اوراس میں سمارے لیے اس کی کھوٹی کے ساتھ میں جو اوراس میں سمارے لیے اس کوئی کے بالہ وہمیں میں میں میں اوراس میں سمارے لیے اس کوئی کے بالہ اور حب کہ اوراس میں ساتھ کہا کہ بیا مسترکہا تفظ ہے ۔ انتریڈی) خالہ معود کے ساتھ مسمونہ سے ہاں اور سے کہا کہ اس میں میں اس کے اس کے کہ مسمونہ ان کی بھی خالہ تھیں جیسا کہ این مسترکہا تفظ ہے ۔ انتریڈی) خالہ مسمونہ ان کی بھی خالہ تھیں جیسا کہ این مسترکہا تفظ ہے ۔ انتریڈی) خالہ مسمونہ ان کی بھی خالہ تھیں جیسا کہ این مسرکہ کے اس کے کہ مسمونہ ان کی بھی خالہ تھیں جیسا کہ این مسرکہ کے اس کے اس کے کہ مسمونہ ان کی بھی خالہ تھیں جیسا کہ این مسرکہ کی خالہ تھیں۔

تشرح : - تصنور کسی کھانے کی مذمت یہ فرمانے نے اگر گوہ کوازراہ کمراہت تناول نہیں فرمایا ورزبان سے مذہب ا کرنے کی بجائے لفوک دیا ۔ بحث اس پریٹا پُرا کے کتاب الاطعمر میں آئے گی ۔

> بالنب في إيكاء الأنساق برزون كورُ حائجة كاب ٢٢

٣٧٣٠ حَكَ قَنْ الْمُدُونُ مَنْ إِلَا فَالْفَالِكَ فَالْمُعْلِي عَلَا اللَّهِ مُرَيْجٍ قَالَ أَغْبَرَ فِي عَطَاءُ عَنْ

ACALIALE CO TOCCELOCE PEROPERO POPODO PERAPADA PROPERZA CO CONTRE

جَابِرِعَنِ النَّبِيِّ صَلَّى اللَّهُ مَلَيْهِ وَسَلَّمَ قَالَ أَفُلِقُ بَا بَكَ وَانْذِكْرِ اسْعُ اللَّهِ فَإِنَّ الشَّيْطَ الكيفتع بالبامغكقا وأطغ مصباحك واذكواسكواللو وعورانا مك ولوبعود نعرض عَلَيْهِ وَا ذُكُرِ اسْمَ اللهِ وَا وُلِدِ سِعَاءَ لَكَ وَاذْكُرِ اسْمَ مَ اللهِ ترجمہ ، ۔ جابر رضی النّرعنهٔ سعے روابیت سبے کہ رسول النّد صلی النّدعلیہ وسم نے فرا باید اپنا وروازہ منبر کراوو المنّد کا نام لے ا در اپنے برتن کوڈھا کی ویے گوائی مکٹری سے ہوھیے تواس پررکھ وے اور الٹد کا نام سے اورایتی مشک کا ممت باندهداورالتد کا نام بے ریجاری ملم لے کیا گئے ے بیسب احکام معورارشادیں حن کا تعلق آواب زندگی کے ساتھ سے ا صييغ كلمركيبي مكروجوب كمي ليينتهي كيوكمهان جيزول كانعلق علت وحرمت سينهي بلكه ارتفاقات صيات كي والمستحر مَلَ قَنَا مُنْدُا لِلْهِ بُنُ مُسْلَمَةَ الفَعْنَيِيُّ عَنْ مَالِكٍ عَنْ إِلَى الزَّبَيْرِعَ نَ عَاْبِرِبْنِ عَبْدِاللَّهِ عَنِ النَّبِيِّ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ بِهِ لَذَا الْعَبْرِ وَلَيْسَ بِتَمَامِهِ قَالَ فَإِنَّ الشَّيْطَانَ لاَ يَغْتَحُ بَا بَاعُلْقًا وَلاَ يَحُلُّ وَكَاءً وَلاَ يَكُشِفُ إِنَّاءُوانَ الغُويدَ تنصّبو مرعلی الشّارس بدینه مروز و و در ترکه مرو ترویم و سرایک اورکسندسی ماکرین عدالترکی روایت رسول النّرصی التّرعلیرونم سے مروی سے ، گر نوری داویرسی مہّیں ۔ اس میں ہے کھنوکر نے مزما یا دو کیونکر شبطان میں دروازہ نہیں کھونٹا اورڈ حکن نہیں کھونٹا اور مرتزی کو کھافہیں کرتا ، آ ورحوسیم وكوں مران كے محركو حلاظ التے ہیں ، ماأن كے محر ار بلفظ جمع) فرمایا۔ ارمیم، ترمذی ، ابن آم مرم منبر دروا رہے كو حنب سم الله بير صكر بندكي حائے توشيكان استى كى كى كى كى توكىيت قد كالفظه فاستى كى تعديز سے حواز راہ تحقير باين موئى سے کے جلتے ہوئے حرائع کی بتی مکان کے ان معتول خصوصاً تھیتوں میں کے گھٹس حائے بقتے جہاں اگ ہو کے کتی متی . ٢٠٠٠ حَلَّى فَعَنَا مُسَدَّدٌ وَفَضَيْلُ بُنَ عَبْدِ الْوَهَّابِ السَّكُوِيُ فَالْ نَاحَمُ الْدُعَنُ كَتْ يُرِبُنِ شِيُظِيرٍ عَنْ عَطَاءٍ عَنْ عَالِيرِبُنِ عَبُدِ اللهِ وَفَعَهُ قَالَ إِكُفِتُوا صِبُيَا نَكُمُ عِنْك الُوشَاءِ وَقَالَ مُسَكَّدُ عِنْكَ الْمُسَاءِ فَإِنَّ لِلْحِنَّ اِنْتِشَا لَيُحَطُّفَكُّ ر،۔ جامری عدالتد نے رسول التر عدیہ وسم کے حوالے سے بر حدیث بیان کی ،اس میں بر لفظ می میں در عشاء کے وقت بچوں کو کھروں میں روک کرر کھو،مسدونے بچیلے بیر کا تعظ بولا ،کیونکرانس وقت حن بھیل جانے اوراحک بے جانے ہیں ۔ وسه حدّ مُتَاعِثُمَا وُرُورُ مِن أَبِي شَيْبَةَ قَالَ نَا ابُومُعَا وِيَةٌ قَالَ كَالْأَعْمُشُ عَنُ أَرِف

COCCOUNT TOCCOOLOGO COCCOO COCCOO COCCOO CON PROPER PROPER PROPER PROPER PROPER PROPER PROPERTO POR PROPERTO POR COCCOO C

مَّ الْهِ عَنْ عَالِم قَالُكُنَّامُعُ النَّيْ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ فَاسْتَسْقَ فَقَالُ رَجُلُ مِنَ وَاللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ فَاسْتَسْقَ فَقَالُ رَجُلُ مِنَ وَاللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ اللَّهُ عَلَيْهِ وَلَوْا وَلَهُ اللَّهُ عَلَيْهِ مَوْدًا قَالُ الْهُ عَلَيْهِ وَلَا مُنْ اللَّهُ عَلَيْهِ مَا اللَّهُ عَلَيْهِ وَلَا اللَّهُ عَلَيْهِ وَلَا مُنْ اللَّهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ وَلَا اللَّهُ عَلَيْهِ وَلَا اللَّهُ عَلَيْهِ وَلَا مُنْ اللَّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللَّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللَّهُ عَلَيْهُ وَمَا عَلَا وَلَا اللَّهُ عَلَيْهُ وَمَا عَلَيْهُ عَلَيْهُ وَلَا اللَّهُ عَلَيْهُ وَلَا عَلَا اللَّهُ عَلَيْهُ وَلَا عَلَا اللَّهُ عَلَيْهُ وَلَا عَلَيْهُ وَلَا عَلَا اللَّهُ عَلَيْهُ وَلَا عَلَا اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَلَا عَلَا اللَّهُ عَلَيْهُ وَلَا عَلَا اللَّهُ عَلَيْهُ وَلَا عَلَا اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ وَلَا عَلَا عَلَيْهُ عَلَيْهُ اللْعُلِمُ عَلَى اللْعُلَامِ لَهُ عَلَا اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَى اللْعُلَامِ عَلَى اللْعُلَامُ الْعُلَامُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَى اللْعَلَمُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْكُوا عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَ

البوائد ني المراكم في المراكم ا البوائد في المراكم المراكم و مراكم و مراكم و مراكم الله المراكم و مراكم و مراكم و مراكم و مراكم و مراكم و المراكم و المراكم

سَعِيْدِ فَالْوَافَاعَبُ لَا لُعَزِيْزِيَعْنِي ابْنَ مُحَمَّدٍ عَنْ هِشَامِ عَنْ اَبِيْدِعَنَّ عَالَمْتَ لَا م اَنَّ النَّبِيَّ صَلَّى اللهُ عَلَبْهِ وَسَلَّمُ كَانَ بُسْتَعْنَهُ لِلهُ الْمَاءُمِنُ بُيُونِ السَّقْيَاقَالَ فَتَيْبُهُ

ڡؠؙؙڡؙؽؙڹٛؠؽڹؠۘٛٲۅؙۘڮؽؙؽٵڷؠڔؽؙڹۊؚؽۅڡٵڹٳڶۅۘۯڮؾٵڽؚٳڵۘٲۺؗڔؠؖۊؖ

ترجمہ، و عائشہ رض اللہ عنها سے روایت ہے کہ رسول اللہ علیہ وسلم سے لیے بویت السقبا کے مقام سے سیٹھا با تی لا با جا با تھا۔ قتیبہ نے کہا کہ یہ اکب صیفہ تقاحب کا فاصلہ مدینہ سے دودن کی مسافت تھا ۔ اسبب یہ تھا کہ مدمینہ کا کا یا نی کھاری تھا)۔

> اقل كتاب الاطعمر الله مه باب اور والمديني بي

بَأَبُ مَأْجِأَء فِي لَجَأْبِ فِي الْكُعُوقِ الْكُعُوقِ الْكُعُوقِ الْكُعُوقِ الْكُعُوقِ الْكُعُوقِ الْكُعُوقِ

بون مربوط بب مسرون درجید می و وجدید باسط و الارورات سے بات کو این اور این اور دیا ہے اس و در این میں مان میں ا خاص طور برکسی کونام کے کرملائے ۔ اگر عام وجوت ہے تواس بیں جانا ہی واحب بنہیں ، بالنصوص اس وقت جکہ دعوت میں مر صرف اغنیا مر دروسا مرکولا با گیا بہن اور فیز و مسابات سے بیے یہ تقریب منعقد کی گئی ہو کسی عالم نے مقول خاکا بی کیا احمی

ا است کہی ہے کہ سعت کو لا باجا کا تووہ وقوت قبول کرتے تھے اور لائے والے اخوت رہائی جا دوری کھا ہی بیار ہی گات کہی ہے۔ الا تے تھے اور آج کل تم توگ مباہات و کھافات کے لیے بلاتے ہوا دراس ہیں شامل ہو تا حزوری تہیں ہے۔

مسر مَكَ تَنْكُ مُنْكَ أَمُنَكُ مُنْ نَعَالِدٍ قَالَ نَا أَبُواسُامَةً عَنْ عُبَيْدِ اللَّهِ عَنْ نَافِعٍ عَنِ ابْنِ عُمَرَ قَالَ قَالَ رَسُولُ اللَّهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ بِمَعْنَاهُ زَادَ فَإِنْ كَانَ مُفْطِرًا

فَلْيَطْعَمُ وَإِنْ كَانَ صَائِمًا فَلْيَدُعُ

ترجم، براکی اورسند کے انقادی حدیث، عدالتد تن عمرنے کہا رسول النّد طلی الدّعلبہ دسلم نے قرفایا اُنْ اوراس میں ب ا حافہ ہے کہ اگر دوزہ دار نہ ہوتو کھا یا کھا لے اوراگر روزے سے ہوتو دعا کرے ریا کھا یا نہ کھائے ، متم ۔ ابن ماحی، مگر ان کی دریث میں بیفتو نہیں کہ اگر روزے سے نہ ہوتو اُنی

فَلْبُحِبُ عُرْسًا كَانَ أَوْنَحُونَا

تمرجمہ: ۔ ابن عمر نے کہا کہ رسول النّدُ علیہ وکم نے فرما یا در بوب تم میں سے کوئی اینے بھائی کی دعوت کرے تو و ہ قبول کرسے ، نکاح مو یا اس طرح کی کوئی دعوت دملم ،) لیخ کوئی نوش کا موقع مو۔ یہ بات تومساری ہے کہ کوئی فلان نزع وعوت یا موقع نہ موجہ ،

٣٤٣٠ حَكَ ثُنَا ابْنَ الْمُصَغِّى قَالَ نَا بَقِيَةُ قَالَ نَالدَرْبَيْدِ فَي عَنْ نَافِعِ بِاسْنَادِ

رو ر ر ر ور ور ایرب ومعنالا

ترجمہ:- ایوب راوی کی سند کے احداسی معنی کا حدیث عبی گرری سے ۔

مسه حَلَّى تَنَامُحَمَّدُا بُن كُنِ يُوَقَالَ اَنَاسَفْيَانُ عَنْ اِي الْوَبَيْرِعَنَ جَابِدٍ قَالَ قَالَ رَسُولَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ مَنْ دُعِي فَلْيُعِبِ فَإِنْ شَاءَ طَعِمِرٍ * وَإِنْ شَاءَ نَتُولِكُ

تشرجمہ یہ جاریم نے کہا کہ رسول الندصلی النّدعلیہ ولم نے مزیا ورسب کو دعون دی عامے وہ قبول کہ ہے ، مچرا کہ عاب تو کھائے اور جاہے تو نر کھائے رسّم راب ماحب، ن ای ۔

من افع قال قال عَلَى الله الله الله الكاكر الله عن الله عن الإعراب عن الله عن

شرهم و معبالتدن عمر نے کہا کہ رسول الدُصلی الدُعلیہ وہم نے فرطا ورس کو دوت دی گئی اورانس نے تبول رہی نوانس نے اللہ اورانس سے رسول کی افرطانی کی ، اور جو دعوت سے بغیر واض موا وہ حابتے دقت چورا وراّتے دقت غارت گرتھا ۔ ارکوز نکہ وہ مالک سے اون سے بغیر توپرول کی طرح گب تھا اوران کا وہاضام کھا یا عضب اورڈا کے سے مکم میں تھا کہ مالک کی دعورت اور رہنا مندی سے بغیر کھا ناکھا دیا یا سمتھ اٹھا کر ہے گئی ۔ ابودا ور نے کہا کہ انسس کا رادی ابان ابن طارف مجہول ہے رابور رقعہ اور اس عدی نے تھی اسی طرح کہا ہے ۔

٣٣٣٩ حَكَّ ثَنْ الْفَعْنَى عَنْ مَالِكِ عَنِ انْنِ شِهَابِ مَنِ الْاعْرَجِ عَنْ اَبِي الْسَاكِةِ الْمَالُاعْرَجَ عَنْ اَبِي الْمُسَاكِدُ الْمَالُاعْرَدِ الْمُعَامِلُولُ الْمُسَاكِدُ الْمُكَالُا الْمُعْرَدِ اللَّهُ وَاللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ وَاللَّهُ وَالْمُواللَّهُ وَاللَّهُ اللْمُواللَّةُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَالْمُو

ا دبل تو بہ حدیث مند بوگی ،انگر موقوت ہوتب تھی اس تسم کے شرعی احکام سے صحابی کا قول حدیث ِ مرفوع کے سم میں موتا ہے جبار کہ اصول حدیث میں آ میکا ہے ۔۔

بَأْبُ فِي إِسْتِحِبَابِ الْوَلِيمُةِ لِلنِّكَامِ

(بنگاح سے ویسے کا مستحب ہونے کا باب ۲)

بم ٧٠ - حَكَ ثَنَا مُسَدَّدُوفُ تَكِيبُ أَنُ سُعِيْدٍ قَالَ نَاحَمَّادُ عَنُ تَابِتٍ قَالَ فَكُرَ تَزُودِيْجُ زَيْنَبُ بْنَتِ جَجْشِ عِنْكَ أَنَسِ بُنِ مَالِكٍ فَقَالَ مَا رَأَيْتُ رَسُولَ اللهِ صَلَّى الله عَلَيْهِ وَسَلَّمُ أَوْلُمَ عَلَى إِحَدِ مِنْ نِسَائِهِ مَا أَوْلُمُ مَلِينُهَا أَوْلُمَ يِشَاقِهِ

مرجہ بر زبین بنیت بھٹ سے نکاح کم ذکرائٹ من ماک کے پانس کیاگیا توانہوں نے کما کہ میں نے رسول التوصلی التوطلی ولم کو جدیا ولیمہ ذبیع کے نکاح برکرتے دکھا تھا ، اپنا زواج میں سے اورکسی کا الیا ولیم بھنوٹر نے یہ کیا ، آپ نے ایک کری ذبح کی متی رب بخارتی ، مشکم ، اب آج) ولیمیز نکاح کے بعدیا رضتی کے بعدیا بیوی سے ملاقات کے لید کما جا اسے ، اور تمیری صورت بہتر من سے ۔

٧٣٠ حَلَّى ثَنْكُ الْمُنْ الْمُنْ بَكُمْلُ قَالَ كَاسَفْيَانُ قَالَ كَاوَائِلُ بُنُ دَا وَدَعَنِ الْمُعْلِيدِ اللهُ عَلَيْهِ اللهُ عَلِي اللهُ عَلَيْهِ اللهُ عَلِي اللهُ عَلَيْهِ اللهُ عَلِيلِهُ عَلَيْهِ اللهُ عَلَيْهِ اللهُ عَلَيْهِ اللهُ عَلَيْهِ اللهُ عَلَيْهِ اللهُ عَلَيْهِ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ

وستكما ولكمكل مونية بسويق وتنسيد

آئرهم، : ـ انس بن مامک سے روابت ہے کہ دسمل الدُّصلی الدُّعلیہ دسم نے صفرت صفیہ برِبُتُّوا ورکھوپر کا ولیمپر کہا تھا ر ترمذی ، ابن ماحبر ، نسائل مطلب بیہ ہے کہ ولیمپراظہا دسرت ا دراعلانِ تنوویے کی خاطرہے ، کسی کھانے بیلنے کی جرزے معی کہا جائکت ہے مگر مقدار و تعداد وعزہ متعین نہیں ہے .

مَا بِيَ الْوطْعَامِعِنْدُ الْقَدُومِمِنَ السَّفَرِ

السفوس واليي بركها الحلات كاباب س

٣٨٨ حرّ مُنْ أَعَثُمُ أَنْ بُن أَي سَنَيْبَة قَالَ نَا وَكِيعٌ عَنْ شَعْبَة عَنْ مُحَارِبِ

ائبن دِ ثَارِعَنْ جَابِرٍ قَالَ لَمَّا فَكُمُ النَّبِيُّ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ الْمَدِينَ يُنَفَّ نَحَرَجَزُوسًا اوْبَقَرَةً اوْبَقَرَةً

تمرجهم: - حائز نظی کہاکری ملی التعلیہ وہم نے مدینہ میں تشریعیت لاکر ایک اوزٹ باگائے ذیحے فرائی رہے واقعہ لفظ م شاہر حنگ تنوک سے والبی کا ہے ۔

بَأَيُّ فِي الضِّيَافَةِ

ر صناینت کا باب س

٣٩٢٣ حَكَ قُنْ الْقَعْنَبِي عَنُ مَالِكِ عَنْ سَعِبْدِ الْمَغُنُرِي عَنْ آبِي شُرَ بُرِجَ الْكَعْبِيّ اَنَّ رَسُولَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمْ قَالَ مَنْ كَانَ يُؤْمِنَ بِاللّهِ وَالْهُ وَالْاحِرِ فَلْيُكُرِّ مَضَيْفَهُ جَائِزَتَهُ يَوْمَهُ وَلَيْلَتَهُ الضِّيَافَةُ ثَلْثُهُ اَيَّا مِرِمَا اِنْهُ وَالْهُومِ وَلَا يَكِلُ مَنْ لَكُ اَنْ يَنْوِى عِنْ لَا هُ حَتَى يُحْرِجَةً

تشرح : _ جائزه سيراد نغول امام ماك جهان كا اعزار واكرام كمجدا فها رنكف ، تحقة نحالف دنيا ، اس سيخصوصية أبيا اور مرطرے سيراس كى نكرانى اور دغا فلت كرنا ہے يتب ون رات كاء صدفهان نوازى كمها بُركا - دوسر سے اور تربير سے ون تعلقات سيقطے نظر عام كھا نا جواس نكوس بالحمدم عاد تاكبت ہے وى كھلا باجائے كا داس سے لد تو كچير ہو وہ صدفے ہے جوكرتے تكرتے والے كى رمنى برمنصر ہے ، اوراس سے لدھى اگر ممان نوازى كا بلاسترعا كو بسبب بيرے رہتے ہيں ، اوراس سے لعدهم اكر ممان نوازى كا بلاسترعا كو بسبب بيرے رہتے ہيں ، مليے كا نام نہيں ليہ م

قوده نغل حرام کاارتکاب کرتے ہیں ۔

مه مُسَاحَدُ حَدَّ تَنْكَأْمُوسَى بُنُ إِسْلِعِبُلُ وَمُحَدَّدُ بُنُ مَحْبُوبِ قَالاَ نَاحَمَّا كُ عَنْ عَاصِمِ عَنُ إِي صَالِحٍ عَنْ إِي هُرَيْرَةً أَنَّ النَّبِيَّ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ قَالَ الضِّيافَةُ ثَلْثُكُا يَامِ فَمَاسِولِى ذَلِكَ فَهُوصَدَ وَمُعَدِي مَا اللهُ وَدَاوُدُ قُرِعَ عَلَى الشَّعَ اللهُ وَدَاوُدُ قُرِعَ عَلَى مَعْمَدُ وَمُعَمِّدُ وَمُعَلِّمُ اللهُ عَلَيْ مُعَلِّي اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ وَمُعَلِّمُ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلْمُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ اللّ

ترجم، - ابوطرئیوسے روایت ہے کم بن ملی الترعلیہ ولم نے فرط ور منافت ثبن دن نک ہے اور حواس کے علاوہ ہے، وہ منافت وہ مدفرہ البوا وُدنے ابن سندسے اس کا کہ تول نقل کبا ہے کرحفور ملی الترعلیہ دم کا بیرار نشا و کترو محمال کا جائزہ کی۔ انجب دن رات ہے ، اس کا مطلب یہ ہے کم میز بان اس کا اگرام کرے ، اسے تھنے دے اور انجب والی رات اس کی حفاظت و نگرانی کرے اور تین دن کی مدت مجانی ہے ۔ رمعنی جب اگرا و پرگریرا ایک دن رات نکھن کیا ما سکت ہے، بق دورات صدب ماوت عام کھانا کھلایا جائے ۔

بأب فى گونستوت الوليمة (باب ه وبيم كن دن بي ستب م)

٥٠ ٢٤- حَكَّ ثَنُا مُحَمَّدُ ابْنُ المَثَنَّى قَالَ نَاعَفَانُ بْنُ مُسْلِمٍ قَالَ حَكَّ ثَنَاهُ مَّامَرُ

قَالَ نَا قَتَادَةُ عَنِ الْحَسَنِ عَنُ عَبْدِ اللهِ ابْنِ عُنْمَانَ النَّغَفِيِّ عَنْ رَجِلَ اعْدُورِينَ تَقِينُفِ كَانَ يُقَالَ لَهُ مَعْرُوفُا اَيْ يَتِنَى مَلَيْدِ خَيْرٌ النَّ لَمْ يَكُنُ السَّمَةُ رَهَا يُرْبُنَ

عَمْانَ فَلاَ ادُرِيُ مَا إِسْمُهُ انَّ النَّبِيِّ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ قَالَ الْوَلِيمُهُ اُوَّلَ يَوْمِ عَمْانَ فَلاَ ادُرِيُ مَا إِسْمُهُ انَّ النَّبِيِّ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ قَالَ الْوَلِيمُهُ اُوَّلَ يَوْمِ

حُقُّ وَالشَّانِ مَعُرُوفَ وَالْبُومَ الثَّالِثَ سَمُعَهُ وَرِيَاءٌ قَالَ قَتَادُهُ وَحَدَّثَنِي رَجُلاً أَنُّ سَعِيْدُ بُنَ الْمَسَيَّبِ دُعِي اَوَّلَ بَوْرِ فَأَجَابَ وَدُعِي الْبَوَمَ الثَّانِي فَأَجَابَ وَ

دعی البیو مرالت الت فکرم حیث و فال آهل مسمعة و دیاع ترجم : به عبدالنو بن عمان تفن نے نعیف سے ایک حیثم عمل سے روایت کی جے معروف کہنے تھے، لین اس کی تولیت بی اسے یہ کہاجا تا تھا ۔ اس کا نام اگر زمیر بن عمان نہیں تو تھے اس کا نام نہیں آنا، کہ بی صیالتہ علیہ وہم نے فرطیا و وسمیہ بیلے دن حق ہے ، دوسرے دن نیمی ہے اور تبیرے دن شہرت دریا کاری ہے و نسان مسندًا ومرسلًا) تعدہ نے کہا کہ ایک خص نے مجھے تبایا کہ سعیدین المبیسے کو بیلے دن بلیا گیا تودہ چلے گئے۔ دوسرے دن بلیا گیا تو چلے گئے، نبیرے دن بلیا

نوننیں گئے اور کہا کہ دم یہ لوگ شہرت کیندا در رہا کار ہیں ۔

تربیزی ، اورازوکی نے اسے محانی کہاہیہ ۔ سجاری نے اس سے انکارکیا ہے ۔ حدیث سے انفاظ سے اور سے بیان کا کا اور ان کے فعل سے صور کی مراد یہ سمجہ بی آتی ہے کہ بروہ صورت ہے کہ وہمیہ تمین دن عاری رہے ، میکن بقول سے اور سی مربی م موتوزیادہ دیر تک وہمہ ہوسکت سے مشرطی کہ شہرت ہے تری اور دیا کاری کو اکس میں والی نہ ہوکہ کی کھر صب جزری مذمرت مہوئی ہے وہ ہی ستہرت نسیندی اور دیا کاری ہے ۔

الم ٢٤٨٠ حكى فَتُكَامُسُلِمُ بُنُ إِبُرَاهِ بِهُ وَقَالَ نَاهِ شَامُكُنُ قَتَا دَةً عَنْ سَعِيْدِ أَبُنِ المُسَيِّبِ بِلَهِ فِهِ الْقِصَةِ قَالَ فَكُوعِيَ الْيُومُ الثَّالِثَ فَلَمُ يُجِبُ وَحَصَّبَ الْيُومُ الثَّالِثَ فَلَمُ الْيُومُ الثَّالِثَ فَلَمُ الْيُومُ الثَّالِثَ فَلَمُ اللَّهُ الْعَلَى الْيُومُ الثَّالِثَ فَلَمُ اللَّهُ الْمُ اللَّهُ الْعَلَى الْيُومُ الثَّالِثَ فَلَمُ اللَّهُ اللَّهُ الْعَلَى الْعَل

مرجمہ: فی اور نے سعیرین المبیب سے بہی اور واقعہ قعمہ روایت کی کر جب سعید کو تبیرے دن بلابا گیا تو انہوں نے وعوت قبول می کا در قاصد سرکنگریاں معینکیس ۔

بَابُ مِنَ الْضِيَافَةِ أَيْضًا

ربرباب و بھی ضیافت میں ہے)

مهدس حكَّ ثَنَا أَسَدَ دُوْ وَكُلَفُ بُنُ هِ شَاهِ قَالَا كَدَّ اَبُوعُوا اَنَةَ عَنْ مَنْصُورٍ عَنْ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلْمَا عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَ

شرجمہ: ۔ ابوکرمبر دمغلام بن مدیمرب، نے کہا کہ رسول الند صلی الند علیہ دیم نے فرط یا دو مہاں کی شب بسری برسم برق ہے جس سے صمّی ہیں کوئی مہان ہو وہ اس برفرص ہے ، جا ہے نواواکر ہے اور جا ہے نوائر کرے ۔ را اب ماجر)
مثر می : ۔ جا ہے تو ترک کرے کا بد ملاب نہیں کہ ترک کی صورت ہیں گناہ نہ ہوگا ، ملکہ مطلب یہ ہے کہ یہ اس کے اختیار میں ہے کہ اس کی فضلیت کو حاصل کرے با نہ کرے وقعانی نے کہا ہے کہ رسول الند صلی النہ علیہ دعم نے فہمان نوازی کو برحق اس لیے فرط اللہ صلی النہ علیہ دعم نے فہمان نوازی کو برحق اس لیے فرط اللہ صلی النہ علیہ دعم نے فہمان نوازی کو برحق اس لیے درایا اس کے مرحد دف اور احمی عادت رہی ہے اور صالم میں نے مسال تو از کی عادت رہی ہے اور صالم میں نے اس کے برخلاف دوسری صورت کو ہمائٹ ہوائوں سے ملامت کی ٹمی ہے اور کوئیں کوئرا سمج کی گئی ہے ۔ اس کے برخلاف دوسری کہا ہے ۔ صفور کی سی ہے داری واحب رہی ہے اور البی اور الور اور اس کے ویدوالے باب میں اسے بیان کریں گئے ۔ بہر صرف مستخب رہ گئی ۔ سیوطی نے دیں کہا ہے اور الور اور اس کے ویدوالے باب میں اسے بیان کریں گئے ۔

مع الله على الم المسكرة المسك

نترجمسر بدر المتقام الوكريميرت كها كدرسول التُدم في التُرعليه وللم نے فروا يا دوسس شخص نے مجھ لوگوں كو بھان بنا يا ليكن مهان ، راس كى مهان قولة كى سے معروم رہا ، نواس كى مدورة كرنا مرسم پريرتن وثنائبت ہے ، حتى كہ اس دات كى مهانى وہ السس كى ليستر السال سر السال

یں دوس کے مسابق کے سے سے مصلے ہے ہے جومضطرو موبور ہونا کہ اسے کچھ نہیں ملتا اور بھوک بیایس سے مرجانے کا خطرہ ہ مور یا بھر بیستورج ہے جب کہ او برسوطی کے توالے سے گزراہے ۔

ترجمہ :۔عقبہ بن عامرنے کہا کہ ہم نے عرض کیا در بارسول اللہ آپ ہمیں رحباد دتیلینے دعیرہ سے بھی ہیں ادر ہم کسی قوم بر حاکر اترتے ہیں جو مہان نوازی نہیں کھرتے تو آپ اس میں کیا فراتے ہیں ؟ لیس مہیں سول اللہ صلی اللہ علیہ وہم نے فرطا پو اگر تم کمی قوم براتروا دروہ تمہارے بیے وہ تھم دیں جو مہان کے بیے مناسب ہے توقبول کریو ، میکن اگروہ البیاء کریں توان سے مہان ماحی وہ لے بوجوان برمناسب ہے ۔ رئیاری جملم ، ترمذی ، ان ماج ،

منری : مولانا فخریجی مرحم نے کھا ہے کہ اس سے برمادہ کہ وہ نماری صافت نعبی نہیں کرتے اور خمیاً ہی کچھ نہیں دیتے نہیں تک کہ ہم موکے رہ جاتے ہیں ۔ بیغل ذی لوگ از او عناد کرتے تھے ، اور بہ توفر ما باکرائن سے مہان کا حق ہے ہو، اس سے مراد فتمیت سے لین ہے سکن اگر سلم فوجیوں یا د فدوں کی صنا دنت کرتے کا دعدہ ان سے عمد ذیم میں داخل ہوتو بھر بلا تعمیت بعی لیا جاسک ہے ۔ مگریہ صورت رسول النہ صلی النہ علیہ وسلم سے عہد میں نہ تھی ملکہ صرب عرف کے دور خلافت میں گئی۔ الوداؤد نے کہا کہ این تھے میں دلیل ہے تو الس چر کو زمروتی بے لیت ہے جو اس کا حق ہو ۔

Proposition of the contract of

مُلْبُ فِي نَسْخِ الضَّيْقِ فِي الْأَكُلِ مِنْ مَالِ عَبْرِمِ ر مهان كريد درركه النهائة كان ماب ،

معار حَلَّ ثَنْ أَكُورُ بُنُ كُورُ بُنُ مُحَمَّدُ الْمِرُورِيُّ قَالَحَدُّ نَنِ عَلَيْ بُنُ حُسَيْنِ بُنِ وَافِلا عَنُ أَبِيهُ عَنْ بَرْ بُدَالْنَحُولَى عَنْ عِكْرِمَةَ عَنِ ابْنِ عَبَّاسِ قَالَ لَا تَاكُلُوا مُوالْكُورُ بُنِكُمُ فِي الْبَاطِلِ الآانُ تَكُونَ قِجَارَةً عَنْ تَرَاضِ مِنْكُمُ فَكَانَ الْكَورُ الْمَاكُورُ الْمَاكُونَ قِجَارَةً عَنْ تَرَاضِ مِنْكُمُ فَكَانَ الْكَورُ الْمَاكُونَ وَجَارَةً عَنْ تَرَاضِ مِنْكُمُ فَكَانَ الْكَورُ الْمَاكُورُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ اللَّهُ الل

ترجمہ ، ر ابن عائش نے کہا کہ حب ہے آیت نازل ہوئی دو اپنے مال میں باطل طریقے سے مت کھاؤگر پرکسی اہمی رضامندگی سیے تجارت ہو ، نوٹوک کسی جی دوسرے کے باس کھانے میں حرج داشمندہ جا سنے نگے ، بھرسورہ نورکی اس آیت نے اسے منسوح کیا ۔ تم برگناہ تہیں کہ اپنے گھردں سے کھاؤ۔ انخ یا انگ انگ کھاؤ۔ اس سے نسل حب کوئی غنی اپنے گھر دکنی دخاندان سے گوگوں بیں سے کسی کو اپنے بال کھانے کی دعوت دیتا تو وہ کہتا کہ میں اس سے کھانے میں گناہ مجھتا ہوں ۔ مجنع کامنیٰ حرج دگن مہے ۔ اوروہ کہتا کہ مسکین محجہ سے زبادہ حقد کہ رہے ، بھرالتہ تعالیٰ نے ان حانوروں کا کوشت ملال کیا جن مام پر ذرئے کی جائے وراس کتا ہے کھانا ہی حلال کیا ۔

نام پر ذرج می جائے اور اس میں بابن عبائش کی مراد بہاں تسنج سے دخاصت وتعصیل ہے ، نسنج کا لفظ لفہ ل شاہ ولی اللہ العوز انگری بر معنقد بین کے ہاں حرف معروف تشخ کے لیے نہیں بولا جا با تعا بلکہ اس میں عام کو قاص کرنا یاس کے عکس کرنا، وضاحت ، کسی قبر کو اٹھا نا ، ابھام کو دور کرنا وعیرہ سب داخل تھا ۔ بعبن اہم تغییر نے عالبًا ابن عباس می کی تغییر کے مطابق کہا ہے کہ سورہ نسار (آبت ۲۹ کی آبات کوسورہ تورکی آبیت ، اسنے منسوخ کر ہیے ۔ ابن حریر کری نے اس پر محبت کوئتے ہوئے کما ہے کہ سورہ نساء کی آبیت میں ۲۹ میں باطل طریقوں سے مال کھانے کو حرام کرائی ہے اور بر ہرجال اب می حرام ہے ۔ اور کسی باطل طریقے سے میں مسلمان کا مال کھانا جا ٹر تہیں ۔ بیب ان آبیوں کا مطلب ابنی اپنی حکمہ بر باسک و

بَائِكُ فِي طَعَامِ الْمُتَبَارِدِينِين

ر فخرد مفالبول سے کھا ا کھلانے دالوں کا باب م

١٥٥١ - حَلَّى فَتْ الْمُرُونَ بُنُ رَبُوبِ بُنِ إِنِي الْمُرْفَاءِ قَالَ مَا إِنِي قَالَ نَاجُرِيْرِ بُنُ كَانِ اللهُ عَبَاسِ عَلَى مَا عَنُومَةَ يَغُولُكُانَ ابْنُ عَبَاسِ عَلَى مَا عَنُومَةَ يَغُولُكُانَ ابْنُ عَبَاسِ عَلَى مَا عَنُومَةَ يَغُولُكُانَ ابْنُ عَبَاسِ عَنُولِ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ ا

ترجمہ:۔ ابن عابی کہتے تھے کہ بی صلی الترعبہ وسم نے فوسے مقابلتہ کھا اکھلاسنے دالوں کا کھا اکھا ہے سے منع فرایا مثرح بر ایک دوسرے سے مرح حرط حرکر از راہ فور بالہ کھا اکھلانا مکرہ فعل ہے اورالیا کھا نے سے گریز کرنا ، ی انسب سے ۔ اس سے دولت منزی کی نائش مرّنظ ہوتی ہے جونودائی ناجائز فعل ہے ۔ الوداؤون کہا کہ جربر کے اکرنٹا کھولانے اس روایت میں ابن عبائش کا ذکر نہیں کہا ، باردت نوی نے کہا ہے مگر حاد بن زبر نے نہیں کہا ۔

بَاْ كِي الرَّجُلِ يَكُعَى فَيَرَى مَكُرُوهُا

ر باب بزو ص دورت بن كونى كروبهم مور ۲۵۲ - حق نتاموسى بن اسلعيل قال كاحماد عن سعيب بن بن جُمُهان عن سعيب بن بن جُمُهان عن سعيب و بن جُمُهان عن سعيب فريد و مَهانع عن سعيب فريد و مَهانع مَهان عن سعيب فريد و مَهانع مَهانع مَهان عن سعيب فريد و مَهانع مَهان عن سعيب و مَهانع مَهان فريد و مَهانع مَها الله عَها عَها الله عَها عَها عَها الله عَها الله عَها الله عَها الله عَها الله مُعَنَافَدَعُوهُ فَجَاءَ فَوَضَعَ بِيَكَا هُ عَلَى عَضَادَ ثَى إِلْبَابِ فَرَأَى الْقِرَا مَرْفَ لُ مُنرب بِهِ فِ نَاحِيدَةِ الْبَيْتِ فَرَجَعَ فَقَالَتْ فَاطِمَهُ لَعَلِّى الْحَقُهُ فَانْظُرُمَا ارْجُعَهُ فَتَبِعُتُهُ فَقُلْتُ يَارَسُولَ اللهِ مَا زُدَّكَ فَقَالَ إِنَّهُ لَيْسَ لِي اَولِنَيِ انْ بَدْ خُلُ بَيْنًا مُزَوَّقًا

بَأَبُ إِذَا جِمْعُ دَاعِيانَ إِيَّهُمَا اَحْقُ

ر باب ۱۰ دوآدمی وعوت دی توزیاده حق کس کا ہے ؟)

٣٠٥٣ حكى فتنا هَنَا دَبُنَ السَّرِي عَنْ عَبُوالسَّلاَ هِر بُنِ حَرْبِ عَنْ أَبِى فَالِرِالدَّالاَ فِي عَنْ الْمُودِي عَنْ حَمِيْدِ بُنِ عَبُوالدَّهُ فَالْمَالِاَ خُفُونِ الْمُعَلِيْةِ فَالْمُولِدِي عَنْ حَمِيْدِ بُنِ عَبُوالدَّهُ فَالْمَالِكَ فُلُواللَّا فَالْمَالِكَ فُلُواللَّهُ عَلَيْهِ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ عَنْ رَجُلُ مِنْ اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمَ قَالَ النَّيْ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمَ قَالَ الْمُعْلَيْكِ وَسَلَّمَ قَالَ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمَ قَالَ الْمُعْلَيْكُ وَسَلَّمَ قَالَ اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمَ قَالَ الْمُعْلَى اللَّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمَ قَالَ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمَ قَالَ الْمُعْلِيلُهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَلَيْهُ وَاللَّهُ الْمُؤْلِقُ الْمُؤْلِقُ اللَّهُ وَاللَّهُ وَالْمُولِيلُولُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَالْمُ اللَّهُ وَالْمُ اللَّهُ وَالْمُؤْلِقُ الْمُلْكُولُ اللَّهُ وَالْمُ اللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَالْمُؤْلِقُ اللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَالْمُؤْلِقُ اللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَالْمُؤْلُولُ وَالْمُؤْلِقُ الْمُؤْلِقُ الْمُؤْلُولُولُولُ وَالْمُؤْلِقُ الْمُؤْلِقُ اللْمُؤْلِقُ الْمُؤْلِقُ وَالْمُؤْلِقُ الْمُؤْلِقُ اللَّهُ وَالْمُؤْلِقُ الْمُؤْلِقُ الْمُؤْلِقُ اللَّهُ وَالْمُؤْلِقُ الْمُؤْلِقُ الْمُؤْ

ترجمه، رحبدان عبرالرحان حميري نے ايک صحابی سے روابيت كى ہے كہ بني صلى التّرعليد دسم نے فرطاياد كرصب و وداعى

TO THE COURT OF THE PROPERTY O

جمع ہو جائی نوالس کی دعوت نبول میں کا دروازہ تجدسے قریب تر ہو کہ کے کہ سب کا دروازہ فریب نزہے اس کی ہمائیگی قریب نگین اگر ایک شخص بیلے دعوت وسے تواس کی دعوت نبول کر زدومری صورت تو واضح ہے کہ اس میں زیادہ ہی بہل کرنے والے کماحق ہے مگر سیمی صورت میں ہمائیگی کی نبا در پر سمبائے کا حق فائق سے

بأب إذا حضرت الصلوة والعشاء

(باب ۱۱ حب نمازاور کھانا دونوں ھاصر ہوں _{ہے)}

مهس حَلَّى اللهِ قَالَ حَدَّ ثَنِي اَفِعُ عَنِ ابْنَ حَنْبِلُ ومُسَدَّدُ الْمُعْنَى قَالَ اَهْمَ لُ حَدَّ تَنِي يَعْنَى عَنْ عَبَيْلًا اللهِ قَالَ حَدَّ ثَنِي اَفِعُ عَنِ ابْنِ عَمُ رَعَنِ النَّيِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ قَالَ إِذَا وَضِعَ عَشَاءً الْحَدُولُ وَيُمْتِ الصَّلُولُةُ فَلَا يَقُومُ حَتَى يَغُلُو وَسَعَ عَشَاءً المَالُولَةُ فَلَا يَقُومُ حَتَى يَغُلُو وَسَعَ عَشَاءً اللهُ اللهِ وَالْمَا عَبُدُ اللهِ وَالْمَا وَسَعِعَ قِرَا الْمَالُومَ الْمِنَاءُ لَا لَمُ يَعْمُ الْمَا عَلَى اللهُ وَالْمَا عَلَى اللهُ اللهُ وَالْمُ سَعِعَ قِرَا الْمَالِمِ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ

عَنْ مُحَمَّدِ بْنِ مَنْ مُونِ عَنْ جَعْفَرِ بْنِ مُحَمَّدٍ عَنْ آبِيْ وَعَنْ جَابِرِ اِبْنِ فَكَ عَنْ جَابِرِ اِبْنِ فَكَ عَنْ مَا بِيلِو عَنْ جَابِرِ اِبْنِ فَكَ عَنْ مَا يَعِنُ جَابِرِ الْمَسَالُولُ اللهُ عَنْدُ اللهُ عَلَيْهِ وَسُلَّمَ لَا تَعْفِي الْمَسَالُولُ اللهُ عَلَيْهِ وَسُلَّمَ لَا يَعْفِي الْمَسَالُولُ اللهُ عَلَيْهِ وَسُلَّمَ لَا يَعْفِي وَلِا لِغَيْرِمَ وَلِا لِغَيْرِمَ

ترجمہ ، ۔ ۔ مائٹین عدالتہ ہے کہا کہ رمول الندصی الدّعلیہ وہم نے فرایا کہ کھانے کی خاطر یا کسی اورکام کی خاطرتمارکوموُخومت محمدہ ۔ ۔

مترح: ۔ یہ صریت بظامران عمر کی روایت کے خلاف ہے ، گویا اس میں جومورت ہے وہ بر ہے کہ کھا اوسر فوال برسگاموای

ا دراً دمی کو اینے آپ براغاد مو تو پہنے نماز بڑھے اور میر کھا نا کھا ئے باکون اور کام کرے ، گویا اس معالمے میں احوال اشخاصی کا اخلاف دیکھیا جائے گا۔ ابن عمر کی حدیث کا تعنق اس صورت سے ہے کہ کھانا حاضر ہے ، آوئی کو میجوک تکی ہوئی ہے تھے۔ تسب کا وہ دفاع نہیں کرسکنا اور وقت عبی کا نی ہو کہ لبد میں اطبینات سے تمازا دا ہوسکے ، محابط عبری کھاکر فارنع ہوجائے تھے۔ کہونکہ کم کھاتے تھے ، دستر توان دعیو کے تعلقات میں مربر ترینے نے اور کئی تقسم سے کھائے ترین کو دوھ کی لیا ، ستو کی ہو توی اسید ہوتی تھی ۔ اس صورت میں نماز سے امام سے سقہ یا بینے کی بھی توی اسید ہوتی تھی ۔ اور تشوی سے نہ ہوتی تھی ۔ اور تشوی سے نہ ہوتی تھی ۔

الضّعَ الدُّبِي عَنْ اللهِ اللهِ الطُّوسِي قَالَ نَا اَبُويكُرِ الْحَنْفِي قَالَ نَا اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ الله

تبرے باپ کے کھانے کی طرح موتا تھا؟۔ متنرح : عبدالند بن عمر کی مراد خاص ابن زیٹر کا حال بیان کرنا نہ نقی ملکہ یہ کہ آج سے زماتے میں جو تعلقات ببدا ہو چکے ، ہیں وہ پہلے نہ تھے ۔ کہٰ ا وہ کھانے سے حلد کی فارغ ہو حاستے ستھے ، اور نماز با جاعدت بھی پا سیسے تھر

بَأْمِكُ غَسُلِ الْبِيَكَ بَيْنِ عِنْكَ الطَّعَامِر

الم الم المنكة عَنْ عَنْ وَ اللهِ بْنِ عَبَّاسٍ أَنَّ وَ اللهِ اللهِ عَنْ عَبُواللهِ اللهِ بْنِ اللهِ بْنِ مَكَالُ اللهِ اللهِ عَنْ عَبُواللهِ اللهِ بْنِ عَبَّاسٍ أَنَّ رَسُولَ اللهِ صَلَّى اللهِ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ اللهِ عَنْ عَبُواللهِ وَسَلَّمَ اللهِ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ اللهِ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ اللهِ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ اللهُ عَنْ وَمُو اللهِ عَنْ اللهِ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ اللهُ اللهِ عَنْ اللهُ عَنْ وَمُو اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ

تمریحمہ : رعدالتّدی عامی سے روایت ہے کہ رسول النّد صلی الدّعلیہ وہم سیت انماد سے سراً مد ہوئے لوکوکوں نے کہاکہ کمیا ہم آپ کے بیے دمتو کا پانی خرلائی ؟ آپ نے فرمایا قسمجھے دمنو کا حکم اس دفت ملا ہے جب میں نمازی طرف کھڑا ہوں ۔ (ترمذی ا نسانی) تشرحی : یہ حصفور کا اتنا واکیت وصور کی طرف نصا کہ اس میں دمنو کا حکم نماز کرے سے دیا گیا ہے ۔ عام حالات میں مردقت باوخو رمن حکن نہیں ہمو تا یعندیت اس میں صرور ہے کہ با دمنور ہنے کی کوشش کی جائے تیکن نماز کے سواکسی اور کام کے بیے و متو کرنا امور زمنہیں ہے ۔ اس سے معدم سوگھا کہ کھانے سے سے دمنو ضروری نہیں ، روگھا صف ہی تقد دعونا اور مترصاف کرنا تو ہے

بَأَبِّ عُسُرِلِ الْبَيْدِ قَبْلَ الْطَعَامِرِ

(محانے برم تقد وحونے کا باب ال

ترجمہ: - سلمان نے کہاکہ میں نے نولات میں بڑھا کہ کھانے کی برکت یہ ہے کہ اس سے پہلے دخو ہو لہب میں نے بہات رسول الندھی الندعلیہ وسلم سے بیان کی تواث نے نوا یا کہ طہام کی برکت اس میں ہے کہ اس سے پہلے ہی اورلور ہیں می وضو ہوا سفیان کھانے سے بل دخوکو مکروہ حاباتنا ۔ الووادُونے کہا کہ یہ حدیث صغیف ہے دامس حدیث نزمذی میں ہے) الووادُونے ضعف کا سعیت نہیں تنا با ۔

سعف و سبب ، ی ساید . تشرح به به اس دریت میں وضو سے اس کا لغوی معنی مراد ہے تعنی کا تقد د صوبا ، در مختار میں ہے کہ کھانے کی سنت سے ہماس سے قبل کسیم اللّذ بیڑھیں اور اور میں الحمد للّد بیڑھیں اوراول آخر د ونوں موتعوں پر کا تقد معوش -

بأبا في طعام الفجاءة

(ا جا بك طعام كا باب س

ط المحالمين سوتا _

بَأَهِ فِي كُرَا هِ بَهِ ذَمِّرِ الطَّعَامِر

ر طعام کی مذمت کی کرامیت کا باب ۱۵)

معن أبي حَازِمِ عَن أَبِهُ مَكَ مَن كَفِيرُ قَالَ اَخْسَرُ نَاسَفُيانَ عَنِ الْاَعْمُشِ عَن أَبِي حَازِمِ عَن إِنهُ مَر يُرَة قَالَ مَا عَابَ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ طَعَامًا فَظَ إِنِ اشْنَهَا الْأَكَامُ وَإِنْ كَرِهَ فَ نَذَكَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ اللهِ عَامًا فَظَ إِنِ اشْنَهَا اللهُ وَإِنْ كَرِهَ فَ نَذَكَ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ وَاللَّهُ عَامًا فَكُولُ اللَّهِ عَلَيْهِ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَإِنْ كَرِهَ فَ نَذَكَ اللَّهُ عَلَيْهِ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَإِنْ كَرِهِمَ فَا نَذَكُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ اللَّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ اللللللّهُ اللّهُ اللللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللللللّهُ اللّهُ الللّ

تمرجمہ:۔ ابوھرسٌّو نے کہا کہرسول الندُصلی الدُّعلیہ وہم نے بھی کسی کھانے کی مرائی بیان نہیں کی ،اگرخواسٹی موتی تو کھا بیتے اوراگر نالپند ہوتا ھپوڑ دیئے ۔ ربخارتی ،متم ، ترمذی ۔ ابن آجر ،طبعی کرامت کا اظہار زبان سے نہ مہود ہ اس سے مشنی ہے حبیا گرگوہ کے معاطع میں بیش آ ما تھا کہ زبان سے کچھ نہ فرط یا سکین طبیعیت حراب ہموئی اور مشوک دباتھا۔

TREEDOCTE COUCE COCCECTE COCCE

بَأَكِّ فِي الْإِجْرِيْمَاءِ عَلَى لِطَعَامِ

المحاني براجهاع كالباب ١٩)

٣٤٩١ - حَكَّ ثَنَا إِنُواهِ يَمْ يُنْ مُوسَى الرَازِيَّ قَالَ اَصْبَرَنَا الْوَلِيْدُ بَنْ مُسُلِمِ قَالَ حَكَّ تَنَى وَحَشِيمٌ بُنْ حَرْبٍ عَنْ اَبِيبُهِ عَنْ جَدِّهِ اَنَّ اَصْحَابُ النَّبِي قَالَ حَكَمَ اللَّهِ وَقَالَ اللَّهِ وَاعْلَى طَعَامِكُمُ وَاذْكُرُواسُمَ اللهِ عَلَيْهِ وَهُ مَنْ اللهِ عَلَيْهِ وَهُ وَمِنْ عَالَ اللهِ عَلَيْهِ وَهُ مَنْ وَلَهُ مَنْ وَلِيمُ اللهِ عَلَيْهُ وَاعْلَى اللهُ عَلَيْهُ وَاعْلَى اللهُ عَلَيْهُ وَاعْلَى اللهُ وَاعْلَى اللهُ عَلَى اللهُ وَقَالَ اللهُ عَلَيْهُ وَاعْلَى اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَاعْلَى اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَاعْلَى اللهُ ال

تزجمہ: وضی بی حرب سے روایت ہے کہ نبی ملی الدّ علیہ وہم کے اصحاب نے کہا در یا رسول اللّه ہم کھاتے ہی گرسینہیں ہوتے جعنور نے فرط یا در شا پرتم الگ الگ کھاتے ہوئ انہوں نے کہا '' باصفور نے فرط یا دو کہ اپنے طعام پر اکتفے ہو جاؤا دراس براللّہ کے مام کا ذکر کرونتمہارے بیے اس میں سرکت وی جائے گی ۔ دائن آجی البوداو دیے کہا کہ جب تم دہمی میں ہوا در کھانا رکھا جائے تو گھر والے کی اجازت کے تغرمت کھاؤ ۔

تنمرخ ، ۔ مدیث کا روی حوقتی بن حرب کا داداہے ، بنوی شخف ہے مب نے صفرت عمرہ کو دنگ اُصر میں قبل کیا تھا اور اسلام لانے کے تعدد در فیلانت صدیقی میں مسلیم کدا ہے کے نشل میں شامل موافقا ۔ بدرسول النّد صلی النّدعلیہ دیم کے باسس طالُف کے دندیں آیا تھا حضور کے اس سے حمرہ کے کے قبل کی کیفیت بوضی فٹی اس تے تبائی قوصفور کے داررا معم والم) فرمایا تھا دو میرے سامنے بنرآ وی اس کا نام جسٹی مئن حرب تھا اوراس کی نقط ہی ایک روایت ہے ۔

بأبك التسوية على الطعامر

کھاتے پرسم التد برشصنے کا باب ۱۱

٣٧٦٠ حَكَ ثَنَا يَحْمَى بُنَ حَلَفٍ قَالَ نَا اَبُوعَاهِمٍ عَنِ ابْنِ جُوَبُحٍ قَالَ اللهِ عَنْدُ اللهُ عَلَيْهِ وَعِنْدُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ

طَعَامِهِ قَالَ الشَّيُطَانُ لَامَبِيْتَ لَكُمُ وَلَاعَشَاءَ وَإِذَا دَخَلَ فَلَمْ يَذُكُرِ الله عِنْدَ دُخُولِهِ قَالَ الشَّيْطَانَ ادُرُكُ تُمُ الْمُبِيْتَ فَإِذَا لَمْ يَذُكُوالله عِنْدَ طَعَامِهِ قَالَ اَدُرُكُ تُمُ الْمُبِيْتَ وَالْعَشِاءَ

مرجمه: - جابربن عمد التدكوبادكرے اور كات بے كراس نے بى صلى التّدعيد و الم كو برفرائے سُنا ور جب اُدى اپنے گو ميں وائل بواورداخل ہوتے وقت التّدكوبادكرے اور كھانے برقم التّدكا وكركرے توشيعان كہناہے (ابنے چيوں سے) كرتم اِئ بهاں نه شب لسبرى سے اور تر رات كا كھا ما ھے كما ، اور جب واض ہوا ورواض وقت التّدكوباد و كررے و شيعان كہناہے، من نشب لسبرى كى عجمہ بالى يہ بھرجيب و اُ كھانے كے وقت التّدكانام نه ليے توشيعان كہتاہے ور نم نے رات كرارے كى عجم اور اُن سنا كھانا باليا و مسلم ، ابن ماجر ، انسانى) لين حسب كھر ميں التّدكانام ہو د بال نشبطان نہيں رستا ، اور حسب كھانے بر التّدير حتى جائے اس ميں سنسبيان كاحت نہيں مونا۔

٣٤٧٣- حَكَّ ثُعَنَّا عَنْهَانَ بُنَ إِنِي شَيْبَةَ قَالَ كَا اَبُومُعَا وِيهَ عَنِ الْاعْمُونِ عَنْ هَيْهَ مَنَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ طَعَامًا لَمْ يَحَمُ مَا يَكُنَّا إِذَا حَضَرُنَا مُعَرَّسُولِ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ وَا مَنَا عَمُ وَالْمُنَا اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ وَا مَنَا عَمُ وَا مَنْهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ وَا مَنَا عَمُ وَا مَنْهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ وَا مَنَا عَمُ وَا مَنْهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ وَا مَنْهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمُ وَا مَنْهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمُ وَاللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمُ وَاللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمُ وَاللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمُ وَسَلَّمُ وَاللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمُ وَسَلَّمُ وَسَلَّمُ وَسَلَّمُ وَسَلَّمُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمُ وَسَلَّمُ وَسَلَّمُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمُ وَسَلَّمُ وَسَلَّمُ وَسَلَّمُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمُ وَسَلَّمُ وَسَلَّمُ وَسَلَّمُ وَسَلَّمُ وَسَلَّمُ وَسَلَّمُ وَسَلَّمُ وَسَلَّمُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ وَمَا عَوْمُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ وَمَا عَرِهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَالّهُ وَاللّهُ وَلِلْهُ وَاللّهُ وَالْمُ وَاللّهُ وَاللّهُ

 عاریا تفایا وہ لوگوں کو دھکبل کر مجھ رہاتی اور ص اور فوک کی شدت کے باعث ایس دہ اپنا ہاتھ کھانے پر رکھنے لگاتور ہول کا اللہ صلی اللہ علیہ دیلم نے اس کا ہاتھ کیا ہوا ہے۔ اور ایک لوٹی اس طرح آئی گو باکہ اسے کھانے پر دھکبلا جارہا تھا ، اسپ اس سے اللہ صلی اللہ علیہ دیلم نے اس کھانے کو ملا اس سے معانے کو ملا اس سے دور اس کھانے کو حلا اس سے بیشن پر اللہ کا نام نہ لیا جا ہو اس کھانے کو حلال کرے۔ تو میں سے اس کا ہاتھ کیٹر لیا ، اور وہ اس بھی کولایا تاکہ اس کے ذریعے سے دہ اس کھانے کو حلال کرے۔ تو میں سے اس کا ہاتھ کیٹر لیا ، اور وہ اس بھی کولایا تاکہ اس کے ذریعے سے کہانے کو طلال سمجھ سے اور میں نے اس کا ہاتھ کیٹر لیا ، اور وہ اس بھی کولایا تاکہ اس کے ذریعے سے کھانے کو طلال سمجھ سے اور میں ہے اس کا ہاتھ کیٹر لیا ، اور وہ اس بھی کولایا تاکہ اس کے ذریعے سے کھانے کو طلال سمجھ سے اور میں ہے ۔ رستم آسائی کو گھی تا تھ میں مبرا ہا تھ ہیں ہے ۔ رستم آسائی کو گھی تا تا کہ اس کے کہتے ہیں ۔ ۔ رستم آسائی کو کہتے ہیں ۔

توجمه: عائشه الرائد على الدّعليها سے روایت بے رجاب رسول النّر مل الدّعلیه والم نے فرایا و صب تم میں سے وق کو ال والدّ تعالیٰ کا نام سے اوراکر بیع لسم اللّہ رفیعا عمل عائے تو کے وہ بیعا ورا فرمی الدّ کے نام سے و ترمنی ، نائی ، بی اَ قُرْسُ یہ کہ بے تو بی لسم اللّہ رفیعے کا کفاو بی توکیا۔ یا اگر درمیان میں یادآئے تو یک یہ ہے تا کہ اول واقو میں برس ہوجا۔ خال کا جارے کہ نیٹ اُسٹو کھوٹ کا گان الم منت کی بُدل عَبْ بِ السّرَحُول اللّه عَلَى اللّه اللّه عَلَى اللّه عَلْمُ اللّه عَلَى اللّه عَلَى اللّه عَلَى اللّه عَلَى اللّه عَلَى ا

تترهم زر امبر بن مختفی صابی نے کہا کہ رسول النّد صلی النّد علیہ وسم بیٹھے ہوئے نعے اورا بک اُومی کھانا گھار ہاتھا ، بسس اُس نے سیم النّد نفر بڑھی حتیٰ کہ اس کے کھانے کا ابک تقمہ ہاتی رہ گئی ، سوحیب اس نے وہ تقم اینے منہ کی طرف اٹھا یا تو کھنے لگا۔ ''بیلے تعمی سیم النّد اورآخر میں صی تسیم النّد!' لیس نی صلی النّد علیہ ولم من بڑے ، پیروز مایا و دشیطان برابراس سے تھے کھا کہ مربیا اس نے النّد کا نام لیا تو شیطان نے حوکم پھاس کے بہت میں تھا دسے تھے کم دیا دن تی) ابوداؤ دنے کہا کہ مدیث کھا کی راوی جام بن میسیح ہے دنچسمیان بن حرم کا نانا تھا۔

بَامِلَ فِي الْكَاكُلِ مُتَكِعًا

(سمعال کے کرکھانے کا ماب ۱۸)

مرجمہ بر اسٹ کہتے تھے کہ رول الدُسی الدُعلیہ وہم نے مجھے کی کام سے میجا بیں بی والب آیا تو د کھے کہ آپ کوری کی رہے تھے اورا فعاد کرکے بیٹھے تھے راس حدیث میں افعاد کا معنی تعین شارصین نے یہ کیا ہے کہ با عُث ضعت بیھے کو بہارا نگائے ہوئے تھے) اگر یہ نرحمہ ورست سبع تو عذر پر محمول ہوگا ، ترمذی کی دوایت میں ہے مُقع مِن انوع کم تعوک سے پاکس پیھیے کو سہال لگائے ہوئے تھے) مِسلم ، ترمذی ، نسآئی میں یہ حدیث موی ہے۔

فَرَجُعتُ اليه فوجُهُ الله عُورِ الله فوجه الله المُعْرَاد المُعْرَاد الله فوجه الله المالة ا

and the contract of the contra

ترجمہ: معبدالند بعرونے کہا کہ رسول الندصلی الندعلیہ وہم کوسہادا لگاکر مہی کھاتے نہیں دکھا گیا اور و وا دی سمی آپ کی ایراد کونہ متن طریقے تھے واب ہم فرق المقدم ہم این صفور صلی الندعلیہ وہم اپنے را ہ تواضع وا نکسا را پنے سب اصماب سے بیجے جینے نظے اسکے تہیں ۔ یہ عدیث شعبب بن عمدالند بن عمرولیں شعبب نے اکرعمدالندہ بن عمروسے روایت کی ہے تو روایت مرتد ہے ، اگر بول تھا ۔ شعبب بن محمد سے دوایت کی ہے تو روایت مرسل ہے کہونکہ اس صورت میں کوئی معانی سندم بنہیں ینعدب کا مسائل اپنے وادا عدالندہ بن عمروسے نابت موضح کے ہے ۔

بَاكِ فِي الْكُلِّ مِنْ اَعُلَا لِصَّحَفَةِ

و المراح من المسلم المراح المراح الماليات المراح المراح المسلم المراح المراح المسلم المراح المسلم المراح ا

مَهُمَّا وَكُنَّ الْمُعَنَّمُا وَالْمُعَنَّمَا فَ الْحِهْطِيِّى قَالَ نَا أَفِي نَا مُحَمَّدُ الْمُعَبَّدِ الْم الرَّحُمْنِ اَنِ عِنْ إِنْ نَاعَبُكُا اللهِ اَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَيْهِ وَسَلَمَ اللهُ عَلَيْهِ وَضَعَنَّهُ يَحُمُلُوا اَرْبُعَنَّهُ رَجُالِ يُفَالُ لِهَا الْغَرَّا الْعَرَّا الْمُنْتَى اللهِ عَلَيْهِ وَسَلَمَ الْمُنْتَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ اللهِ الْمُنْتَى اللهِ عَلَيْهِ وَسَلَمَ اللهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ الل

بِتْلِكَ الْقَصْعَةِ يَعُنِي وَقَدُ الْتَرْ وَفِيهَا فَالْتَقَوْلِ عَلَيْهَا فَلَتَاكَثُرُو الْجَثَّى رَسُولُ اللَّهِ صَلَّى اللهُ عَكَيْهِ وَسَلَّوَ فَظَالَ أَعْمَا بِيُّ مَا لَهُ نِهِ أَبِي لُسَدُّ فَالَ النَّبِيُّ صَلَّى اللهُ عَلَيْهُ وَسَكُولِنَ اللَّهُ تَعَالَى جَعَلُنِي عَبُدُاكِي يُعَاوَلُهُ وَيُحْدِجُ عَلْنِي جَبَّامًا عَنِيثُ لَمَ أَثُمَّ فَالَ رَسُولُ الله عَدِي الله عَكِيدُ وَسَا عُرِكُ وَاصِنَ حَوَالَيْهَا وَدَعُوا ذِمْ وَنَهَا الْبَارَكَ فِنْهَا -نرحمه: _ مَدُّالِلْدُ بِنِ لُمِرتِهِ كَهِا كُهِ مِن صلى التَّرْعلد بِهِم كا امك طبن تعاصف ما رآدمي الثما تنظ عن التعاليس یہ جاشت کاونت موااور کوکوں نیے نمان خاشیت اوا کی تووہ طبق لا پاگ ، بعنی اس میں نمرمدینیا پا گیا نیا ۔ کوگ اس کے اردگر و بنیٹھے گئے نورسول الند علی النّه علیبرُولم محتنوں سے بی بربیٹھ گئے ، ایک متبو بولا در بیکس *طرح مبیٹھ ک* سے م ني صلى التُدعلية للم ني فرمايارد التُدنعاني تي تعيير اكب كريم نبرد بنايا سے اور محصے مركتی تبارته بب بنايا سيررسول التُ میں النُّرعبیہ وسلم نے فرمایاوں اس سے اردگر دیسے کھاڈا ورائس کی درمیانی جوٹی ٹوجپوٹر دوکہ اس تنب سرَّمت ہو۔ لائ ماحیہ تنرح . روقی توطر کواس میں گوشت کا شور با ملاست نعے اور صر بوشا ب اوپر ڈال ویٹے تھے، اسے تر بریم وا با نما ١٠١٧ حَكَمَ أَنْنَا سِعِيْدَ بِنَ مُنْصُولِ مَنَا أَبُومُ عُشَرِعَنَ هِشَامِرُ بِنِ عُزُوةً عُنَ أَبِيلِم عَنْ عَائِشَتَهُ قَالَتُ قَالَ رَسُولُ اللهِ عَملَى اللهُ عَلَيْ لِوصَ لَعَ لَا تَقْطَعُولِ الْكَ حُدَ بِالسِّيكِيْنِ فَاتَّنَهُ مِنْ صَنِيبُعِ الْأَعَاجِمِ وَانْهَسُوهُ فَاتَّهُ لَهُمَا أَكُ ر المرتب عالمنترمني الثرعتياً فيفرا يكررسول التدصلي التُرعيبي وللم كادنتيا وسير دو گونشن كوهيري سع مدست ذکھ بیعمبیوں کی عادت ہے ا درائسے نوج کر کھاؤ کبونکہ و مبہت توشش گواراور لذبذ ہو ناسے۔الودآؤ دنے کہا یہ تنبرح: راس مدين كى سندس البِمعشر منج بن عدائطان سنعى بيعن مدّنن نے كرى تنقد كى سے، اسے كا در راکذب نک کماگیاہے ۔ بینتر گوشت کو فیری سے کا شاکھانے کا نبوت فورسے معنی صحیح احادیث میں دارد ہے بیں اگر مدبیت رنینظر مجمع ہے تواس سے مراد وہ گوشت ہوگا ہو توب بیٹ چکا ہوا ورسس کے کا شنے کی ضرورت نہ ہے، يَانِ الْجُلُوسِ عَلَى أَيْدَةٍ عَلَيْهَا بَعْضَ مَا يُكِرَةً (اليه وكسرخوان برسطين كاباب يتحسب برنعبن كمرده چيزى مول)

٣٤٧٣ - حَمَّا نَتُ هَا رُوُنُ ابْنُ زَيْدِ بِإِن النَّرْمَةَ الْفِي قَالَ نَا أَفِي قَالَ نَا جَعُفَمُ النَّهُ بَلَغَهُ عَنِ النَّهُ مِر يِ هَذَا الْحَدِيثِيثَ.

> ترجمہ:۔ اس مدیت کی دومری سندس میں ہے کہ حقور کو یہ روابت زمری سے مطربق بلاغ مینمی تھی۔ مراہ مرجم ہے۔

بَالِكُ إِلَّاكُكُ مِالِمَيْنِ

رواس مقص کا تنا اک که کُونگر کُونگر

عَنْ عُمَّرَ بْنِ أَنِي سَلَمَتْ قَالَ قَالَ النَّبِيِّ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ أَدُنُ بُنَيَ فَسِمَّ اللهُ وَ كُلُ هِ مُنْفِكَ وَكُلُ مِتَا يَلِيْكَ.

ترجمہ : عروش اب سمہ نے کہاکہ نب صی النّد علیہ وسم تے فرط یا دم بیا رہے بیٹے قربیب آ و ثم النّد کا نام لوا و را پنے ساسنے سے گھا وُ کر ترمَّدی ، متباری ، اب ما وی الوسلے کی اولا و کھا وُ کر ترمَّدی ، ابن ماجر) عمری ابی سے نام سام کے بیلے فا و ندالوسلے کی اولا و کھیں سے نئا ۔ ابوسلے مام سام کے رہنے ہیں مصنور کا بعائی میں ، اس تعلق کی بنا د بچھنوڑنے ام سام کے سے زکاے کر بیا تھا ۔

بَإِنِ فِي أَكُلِ الْلَحْمِ

٢٧٤٧ - كَلَّانَكَ عُجَمَّا أَنْ عَيْسَاكُ الْمِنْ عَلَيْنَا ابْنُ عَلَيْنَةَ عَنْ عَبْ وِالتَّرْحَلِينِ ابْنِ إِسْحَانَ عَنْ عَبْ وِالتَّرْخُلِمِن بْنِ مُعَاوِينَهُ عَنْ عُنْ عُنْ عَبْ التَّكُمُ التَّحْ عَنْ عُنْفُوانَ أَبْنِ أُمِيتَةَ فَالْكُنْتُ الْكُنْتُ الْكُلُمَعُ النَّبِي صَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمُ فَالْحُهُ اللَّهُ وَمِنَ الْعَظْمِ فَقَالَ أَذْنِ الْعَظْمُ مِنْ فِي اللَّهُ عَلَيْهُ الْفُنَا وَالْمُنَا وَالْمُنَا وَالمَنْ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ الْمُنَا وَالْمُنَا وَالْمُنَا وَالْمُنْ الْمُنْ اللّهُ عَلَيْهِ وَاللّهُ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ اللّهُ الْمُنْ اللّهُ الْمُنْ اللّهُ اللّ

تشریمہ: ۔ صفوائ بن اُمیّہ کا ہے کہ میں نبی معی التُعلیہ وہم کے انفرکھا نا کھا تا نظا ۔ لبب میں بڑی سے گوشت کو ہ نف سے کپڑا اسرہ اِکرتا نغا جعنور تے فرایا ۔ بڑی کو اپنے متہ سے قریب لے حاد کبو نکہ الباکریا مٹرا خوش گوارا ور لذبتہ ہے ۔ البوط وُد نے کی کہا کہ عثمان نے صفوان نہیں سُنا بب یہ مدیث مُرسل ہے ۔

مه عن المُعَن اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَنْ عَبْدِ اللهِ اللهِ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ عَبْدِ اللهِ اللهِ اللهُ عَنْ عَبْدِ اللهِ اللهِ اللهُ عَنْ عَبْدِ اللهِ اللهِ عَنْ عَبْدِ اللهِ اللهِ عَنْ عَبْدِ اللهِ اللهِ عَنْ عَبْدِ اللهِ اللهِ عَنْ عَبْدِ اللهِ عَنْ عَبْدُ اللهِ عَنْ عَبْدِ اللهِ عَنْ عَبْدُ اللهِ عَلَا اللهِ عَلَى اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَا اللهُ عَلَا اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَا اللهُ عَلَا اللهُ عَلَا اللهُ عَلَا اللهُ عَلَا اللهُ عَلَا اللهُ اللهُ عَلَا اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَا اللهُ ال

ئر جمہ: ۔ عبدالتدین مسٹُونے نے کہا کہ سب سے لیہ زیرہ بڑی صورٌ صی التّدعلیہ دِلم کو کمبرِی کی ٹہری تھی دِل ای) بعن حبس ٹری کوئیس کرا تدریعے مغز نکالا جائے ۔

مهه الرسنادق الكانك المنه المنه المنه المراكم المراكم المنه المراكم المنه المراكم المنه المراكم المنه المراكم المنه المنه المراكم المنه ا

تنتر تھمز۔۔ ایک اور سندسے ہی حدیث ،اس میں ہے کہ رسول الند صلی الندعلیہ دیم کو دست کا گوشت ابند تھا ،عدالند الر آپ کو زمر بھی اسی میں دیا کی نطافوا پ سمجھے تھے کہ بپودتے زمر دیا ہے زئر مدی ، نباری میں البوطر سریسے اس کا ایک نفترہ مروی ہے) زمر تووانی کا واقعہ مشہور ہے جو جنگ خیسر کے لعیدیش آیا تھا ۔

بَاشِكُ فِي ٱلْكِي النَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ

وكمق كمان كالبي ٢٣

٣٧٤٩ حَكَاثُنَّ الفَعْنَجِي عَنَ مَالِكِ عَنَ إِسْحَاقَ بَنِ عَبُ اللهِ بِيَ اللهِ بِيَ اللهِ عَنَ السَّحَاقَ بَنِ عَبُ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمَ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمَ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَمَ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ اللهُ الله

ترجمہ:۔ انسن بن ملک بہتے تھے کہ ایک درزی نے رسول الدّ صلی الله علیہ دلّم کا گیا یا اوراَثِ کو دعوت دی ۔ انسن ک کہتے ہیں کہ میں میں انسی دعوت آئی سے ساتھ گیا تھا ، میں اس درزی نے معنوصی الدّعلیہ و کم کے سینے توکی روٹی ا ور تشور یا بیش کی حسب میں کدونسا اور فشک گوشت تھا انسن نے کہا کہ میں نے رسول الله صلی الدّعلبہ و کم کوطبق کے اردگر دسے کدو چنتے ہوئے دیجیا اورائس دن کے بعد میں ہمیشہ کروّسے بیار کرتا رہا رنجاری مسلم، ترمذی ، ن بی سجان اللہ صفور کو طبعی فور میر کدّ دم عذب تھا لیکن اصحاب کا کیا کہنا کہ وہ مہر نے بیس اپن لیے مذکر وصفور کی لیند میں فنا کر دیتے تھے صلی اللہ کے علیہ دسلم درمنی اللہ عنہم۔

بَاسِ فِي إَكْلِ النَّرْدِيرِ

مِنَ الْحُبُسِ قَالَ (بُودا ودوهُ وصِعبُفُ ترجمه، در ابن معابرتش نے کہا کہ رسول النُّرصلی التُّرعلیہ وسلم کا محبوب ترین کھایا تریدتھا ، ا ورکسیں کما ترید تھا ۔ البوداوؤن كماكريه حدمت صنعف بنه دكنؤ كمداس كالسندس ايك عمبول راوى سے حوىكرمر سے روايت كمترا في اور ائس سے عمرون سعیدروایت کرتاہیے ، نرید کا معنی گر رہےا سے کہ رڈیاں نوٹر کرائسے متوریے میں تھگو دیتے تھے حیکیں توٹری ہوئی روٹیوں ، کھمور، بنیر ،اورکھی سے بنتا تھا ۔اگرا سے شوریے میں ملکو دیتے تو بیھکیبس کا شرید منڈ اتھا۔ باك كراهبة التقنأ بالظعامر (کھانے سے اک بھوں جراحانے کی کامبت کما باب ۲۵) ١٨ ٢ ١٠ حكم تَعَا عَبُ اللهُ بِي مُحَمِّدِ النَّفَيُ فِي قَالَ مَا زُهُ يُرْفِيالَ مَا سِمَا لَكُ بْنُ حَدْبٍ قَالَ نَا فَكِيبَصَنَةُ بُنُ هُلُبٍ عَنْ أَيْبِهِ قَالَ سَمِعْتُ رَسُولَ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْكِ وَسَكُو وَسَأَلَهُ دُجُلُ فَقَالَ إِنَّ مِنَ الطَّعَامِ طَعَامًا أَتَعَرَّجُ مِنْ لَهُ فَقَالَ كَا يَنَحُ لَّجُنَّ فِي نَفْسِكَ نَسُكُ صَارَعُتَ فِيهِ والنَّصُرَانِيَّةً -نرچمہ : رحلتُ نے کہا کہ میں نے رسول النُرصلی التُدوسلم سے مُسنا ا درا پہ آدمی نے آپ سے سوال کیا تھا کہ تعین کھانوں سے ر ببركن وسمجه كرير متركمة بالبول نورسول الندعليه وللم نيفرا بالتريه حيمين كوئي انسبي جيزينه كمنشك حسب مس تونعرا نبيت کے مشابہ ہوجائے۔ رنزمذی ،ابن ما قیم اً تشرح: مه علیان یا خلیم ما معنی ہے حرکت واصطراب ، دل کے شک وربب کو خلجان کھتے ہیں ، صارعت بعنی نومشا بہت اختیا رے معلاب برسے کرنھ اندیت میں رہاندیت کافیض تھا ور داس اوگ الندتوانی کی نعتول سے اعوام کرتے تھے۔ اسلام دینے فطرت سے اوراس میں اللہ تعالیٰ کی نعمتوں کوحدود سے اندر دستے ہوئے استعال کرنے کی احازت سے معمق ورسے اور شک وشیسے کی بنار برکسی چیز کو تھیوٹر دینا تھی رسیاندیت سے كأكث النهي تحزاك إلى تجلالتروالبانها النالمنت والوكوكهاني اوراس كيددوده كالباس ٢٦)

٣٤٨٢ - كَانَتُ اعْتُمَانُ بُن إِن شَيْبَة قَالَ مَاعَبُ مَا تُعَنَّ عُحَدَّمٌ مِن إِسْحَاقَ عَنِ ابْنِ إِنْ نَحْدِءَ مِنْ مُعَاهِدِعِنِ إِنْ عُهُمْ قَالَ ثَهِي رَسُولُ اللَّهِ مَكِي اللَّهُ عَكَيْبُ لِم وَسُر ترجیر: به این عرط نے کہا کرسول اللہ علیہ اللہ علیہ وسلم نے علاقلت نتور جا نور کو کھا نے اورانس کا دود حدیجے سے متع قرمایا. ترجیر میں میں میں میں اللہ علیہ وسلم نے علاقلت نتور جا نور کو کھا نے اورانس کا دود حدیجے سے متع قرمایا.

نتمری بر دطانی نے تکھا سے کم با فائد کھانے والے جانور کو ملا کہ کہا قابا ہے ۔ بر نفظ حلبہ سے ٹکلا ہے جب کا خات اس کے گوشت اور ووجہ سے بر مہز کا عمم تنزیہ و تنظیف کے طور برد باگیاہے ہوب یا فائد اس کی غذائن جائے تواس کے گوشت اور ووجہ اس کما تر ظام برج جا تہہ، اور براس وقت ہے۔ جبکہ اس کی زیادہ ترغزا الی بویصب عام طور بردہ کواس اور جارہ کھائے اور میں کچے غلاظت ہی کھا جائے تو وہ حلا کہ تہمیں ہے بلکہ وہ برخی وغیرہ کی طرح ہے جو مجمعی کھی فلاطت ہی کہا ور دوجہ کہا کہ بالری وی تو اس کوشند اور دوجہ میں میں ہے۔ کہا کہ بھا کہ بھا کہ بھا کہ بھا کہ بھا کہ بھا کہ بھائے ہو ہے۔ بال میں سے بدلووی میں میں جب بدلووی میں اس کا گوشت اور دوجہ صاف ہوجائے ، اس میں سے بدلووی میں مائے اور اس کا انرفام بن ہوجائے ، اس میں سے بدلووی میں مائے اور اس کا انرفام بن ہوجائے ، اس میں سے بدلووی میں موجہ کہا کہ بھائے ہیں ہے کہائے کہا گہا کہ بھی اور کی موجہ کے کہا ہو کہا کہ بھی کہا ہے کہائے کہائے ہائے کہائے ک

کھانا مائٹز ہے جسن بعری اور مانک سے نزد کی اس کاگوشنت کھانے اور دودھ پینے میں کوئی حرج تہیں ،گویا ان صفرات سے نزو کیب تہی صرف تنزیبی سے ۔

مرم مرم مر حَكَّا اَبْنَ الْمَتَنَى قَالَ حَكَانَ فَيُ الْبُوعَامِرِ قَالَ نَاهِ شَاكُمُ عَنْ اَنَا وَعَنَا اَنَا الْمَدَّةِ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَكُلَّ الْمَاكُوعُ الْمَرْكُ وَوَهِ مِنْ اللهُ عَنْ لَبُنِ الْجَلَّالَةِ وَمِعْ مِنْ اللهُ عَلَيْهُ وَكُلَّ اللهُ عَنْ لَبُنِ الْجَلَّالِيَةِ وَمِنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ

تر جمہ:۔ ابن عرض نے کہاکہ رمول اللہ صلی النہ وسم نے غلافات نحوا دنٹی برسواری کرنے اوراس کا دود حدیثیے سے منع فرمایا۔ مشرح: بر سواری کی مماندت کی علیت شاہد ہے ہوکہ اس کے نسینے سے بدبواً تی ہے اورسوار کودہ مگ وا کا ہے ۔

ر گوڑوں کا گوشت کھانے کی ایک فی آگی گھوٹو الخیکی کھانے ہوں ان کا باب ۲۰

هر يه وكانتا سُلِيمان بن حُدب خال ناحتمادٌ عَنْ عَمْروبسِ دِينَامٍ عَنْ مُحَتَّم وَبْنِ عَلِيِّ عَنْ جَابِرِ بْنِ عَبْدِ اللهِ قَالَ نَهَا نَا رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمَ يُوْمُرْخَيْنِ وَعُنْ لُحُومِ الْحُكْمِ وَآدِن لَنَا فِي لُحُومِ الْحَيْلِ -تسرچمہ : معمرتن عی دانباقر) نے جائز نن عبالترسے روایت کی که نہوں نے کہا ^{در} سول الٹرصلی الٹرعلیہ وسم نے حگہ نیسرییں كدحول كاكوشت كهاف كى حانعت فرانى اورگھوڑول كاكوشت كهانے كى احازت دى ـ مجارى ،متىم : برمذى ، نسآنى ، ابت ماج ، تثرح:- الس مسُلِين مذاصب كا بيان بيرسيكران عبالس، الومتيفيراوران كيامحاب اور مالک نے گھوطوں كے گوشت كوئلروه کہاہے۔ الحکم نے اس قرآنی آیت سے الشندلال کرکے کہا کہ گھوڑ دں کا گوشت حرام ہے۔ اور گھوڑے اور تجراور گدھے الس لیے ہ د تم ان برسواری کروا وربه زنیت کاسامات بس را تغل ر ۸ تنزیح جسن بھری ، عطاد تن ابی رباح ،سید تن قبیر مماوین ابی سبمان ، شافتی، احدا وراسحان نے کھوڑوں کے گوئنت کی رخصت دی سے ، اور آبیت سورہ نحل کے منعلق کہا ہے کماس میں سواری زمیت کا ذکراس ہے تہ با سے کمال جانوروں کا ٹرا فائدہ سی ہے ۔ اوراس میں حرمت کی کوئی دلیل تہیں ہے جیسا کہ مُرُواراور فنرسر كاكوستت حرام فرما بكن مبكن اس كايم طلب نهي عير كركوستنت كيملاوه ما في سب چيزس ملال من ، كوشت كافكراس بيے سے كە زبا دە نزان كا فائدۇ گونتىن سى مۇنا سےا ورتون اورتمام احبزا مراس حكىم مىي آنتے بىپ ، نىكىن مىرى گىزارش به سے کمان حضرات کا استدلال نام نہیں سے کچھ محبث آگے دیکھیے۔ ٣٤٨٧ حَكَانَنُنَا مُوْسَى بُنُ إِسْمَاعِيْلَ قَالَ حَكَاثَنَا حَتَمَادُ عَنْ إِلِى الزُّرِيْرِعَنْ جَابِرِبُنِ عَبْدِاللَّهِ قَالَ ذَبَحْنَا بَوُم خَبْ بَرَالْخَيْلَ وَالْبِعَالَ وَالْحَيِيْرَفَنَهَا نَارَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَكِبُ لِهِ وَسَلَّمَ عَنِ الْبِغَالِ وَالْحِيثِيرِ وَلَحْرَيْنُهُ نَاعَنِ الْحَيْدِلِ ر تترجمهم - حابرت عبدالتيرن كهاكه م منَصِبُ جيرِس كورْت ، ججرا ورُكده و بح كيه مكررسول التيرصلي التُدعليه ولم مَّم كُونِجِوْں اورگُرعُوں ہے منع فرنایا اُورگُورُوں سے منْع نہیں کیادمُنَّم ، نبٹ اُکے آتی ہے ۔ *** الْحِدُم عَلَى اَنْکَ اَسِونِہُ کُورُوں شِرِینِب وَکھیئو ہُنْ شُرِیْجِ الْحِدُم حِتّی فَالَ حَیْوَۃُ نَا بَقِیْتُہُ عَنْ تَنْ رِبْ يَنْرِيْدِ عَنْ صَالِحِ بْنِ يَجْيَى بِنِ الْمِقْدَ مِرْبِي مَعْدِا كُمَّ بَعْنُ الْبِيْدِعَنَ كَبِيَّةِ هِ عَنْ هَالِيهِ بِنِ الْوَلِبِي اَتَّ رَصُّولَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْ وَسَلَّمَ مَهَى عَنْ أَكُلُ كُنُومِ الْخَيْلِ وَالْبِغَالِ وَالحَبِيْرِنَ ا دَجِبُوةً وَكُلِّ ذِى نَابِمِنَ السِّبَاعِ بنرجمہ جسے خالدین دلنڈسنے روایت سے کہ رسول النّد صلی النّدعلیہ دسلم سنے گھوڑوں ، گدھوں اور فجروں کے گوشت سے حاکب

شرح : _ ایک تسیحے میں بیرعبارت مھی ہے کو'' الوداً وُدیے کھا کی کھوڑوں کے کوشت میں کوئی حرح تنہیں ،اوراس مدمث بعِمل تنہں ہے فالڈنن الولید کی حدیث رفی فاتی نے کہائے کہ اس کی سندس کلام سے رصابے کا سماع ایتے باب بھی سے اوراس کاسماغ مغدام من معد تکرب سندمعروف نہیں ہیے۔الوواؤ دینے کہا کہ رسول النّدسلی النّدعلیہ وکم کے ال اصماب سے و میرے کا گوشت کی مشت تابت ہوئی ہے ۔ این اگر بیر، فضاله بن عکید، انس بین مامک، اسحاد بنیت الی کمیرین النه عنها ورس غفلہ ، اورسول النصلی الترعلیہ و لم کے زمانے مس فرنسٹر مھوڑوں کو ذبھ کستے تھے۔ مولانا ہے فروایک ام الومنیفہ 'سی محمور ہے سے گوشت میں منتعن روابات آئی ہی جیسٹ بن زباد کی رواہت سے مطابق کمورسے کا گوشت حرام ہے۔ ظام روابت یہ ہے کہ وہ مکروہ سے حرام نہیں حرام کما لفظ اس بیے تنہیں اولاکہ اس صمٰن میں روایات مختلف ہیں سکف کانس میں اختلاف ہے حروت کا معاملہ خو کمہ نندید ہوتا ہے اس لیے اسے مکروہ کہا ں سے ۔امام الومنیقریم سے لحسن من زیاد کی روامیت میں گھوڑ ہے کی حرمت کی دمیل یہ آمیت سے ، اور کھوڑ سے اور نجراد دکرھے ناکرتم ان برسوار مواور زیزیت باقر این عباس نے اس آبیت سے محمورے کی کرمت کی دس نکالی ہے ۔ان سے محمورے سے گوٹنٹ کے منتعلق بوجہا گی توانبوں نے بہ آبت بڑھی اور کہاکہان حانوروں کی بیلائٹش کا مقصد بہ نیا بلیدے ان برسوار ا اوران سے زینت حامل کرمے یہ نہیں فرما یا کم انعیں کھاؤ خجرا ورگدھے کی حریت برسب کما آنفاق ہے تواس طرح گھوڑا سے رسننت سے اس کی مائد جائر کن عداللہ کی مدیث سے ہوتو ہے کم رسول الند مسلی الدعلیہ ولم نے حنگ فیرس اگر اور کھوٹروں کی حرمت کا حکم دیا ۔ خالدی اول مکسکی رواست میں ہے کہ رسول الندُصلی النُدعلیہ وسلم نے کھوڑ سے خجرا ور گدھے کے پُوش سعيمنع فرمايا مندائم من معدمكيرب سعروابت سے كه نئ صى الله عليه ولم نے كھر لموكد حول اور كھوڑوں كوحرام قرار ديا تھا نچرتو بالا جاع حرام سبے ہوگھوڑی کا فرزند ہیے ،اگراس کی ماں حلال ہوتو وہ کھی حلال ہوتا ۔ کیونکہ اولاد کا حکم دسی سے ح س کا حصۃ ہے یسیں حب گھوڑی کم گوشت حرام نھا تواس سے بیٹے نچر کا تھی حرام مھمرا ۔ کھوڑے کی ایج وا ذن مبی ہارسے خیال میں پہلے نعتی لیڈمیس منسوخے ہوگئی جیپا کہ رمیمری کا تول سے کر مہں نہیں معلوم کہ زما' تر مصار کے علاوہ بھی تھی گھوڑا کھا یا گیا ہوچسن تھبری سے تعی استخسم کی روایت سپے کہ رسول الٹنصلی الٹرعلیہ دسلم کے اصحاب نے گھوڈرا صرف حتگ کی حالت میں کھا یا تھا ۔اس سے بعلوم موا کہ ہے ایک سنتنی صورت تھی ورنہ کھوٹرا اصل میں حلال تہیں تھا چھکتے ہے کے متعلق حدیث بمبریم ۸۷۸ کی **ملیمت می بیننی نظر رکھیئے کہ**اس میں دد اُخذِن کُنا کا لفظ سے حوظا ہر کرنا سے کہ گھوڑا دراصل حلال مزتفا ضرورت سیے منش نظر حنگ فیسرس اس کی ا جازرت دی گئی تھی ۔ خالڈین ولیدسے اسلام کا واقعہ حبگے فہر کے بچرکا ہے اورانہوں نے پہنچراورگدمے کے ساتھ ساتھ ان کی تحریم کا ذکرہے ، اورصی بی ک دوایت میں اصل سی سے لم رأه راست مو، بعن خود صمانی نے رسول الله صلی الله علیه وسلم سے بر بات شنی مو با ابنی انکھوں و کھیے حال بیات

and a second contraction of the contraction of the

ستناب الأطعمر بايث في اكل الأرنب ٨٨ ١٨٠ كَتَا تَنَا مُوْسَى بْنُ إِسْمَاعِيْلَ قَالَ نَاحَتَمَا ذُعَنَ هِنْنَامِ بْنِ زَيْرِ عَنْ ٱنَسِ بَنِ مَالِكِ قَالَ كُنُتُ غُلامًا حَزَقَتُ، افَاحَدُكُ أَنُ مَنَّا فَشُونُ ثُهَا فَيَعَتَ مَعِ أَبُوْطُلُحَةُ بِعُجْزِهَا إِلَى النَّبَيُّ صَالَّى اللهُ عَلَيْهُ وَسُلَّمُ فِأَتَبِتُ لَهُ عَا فَقُيْلُهَا . زهمہ: - انسن میں مانک نے کہا کہ میں ایک نوحوان لٹر کا نقا ،کسبس میں نے انک*یٹ خرکوش کا شیکار کی* اورا سے کھونا ،کسپس الوطلح شنياس فركون كى ليثت كأو تنت مبرح لا تفدرسول التدصلى الترعليه وسلم كوبعينا توحفتور في استفتول فروا لها واستجاري هم، ترمذكى ،اين متآهر، نسانى ،الوطلحة مصرت النس للم محيسو تبله والدتھے ۔اس مدیث سے خرگوشش كى ملت شابت ہوگئ ، اوران مُحقاد کی ولال کی حراکت گئی جاس کی حرمت سے بدیدسب فائل ہیں کہ استصف آیا سے۔ بات سجی اگرکی حامئے تو دور حامئے گی لہٰڈا م*یں صرف بیگر ارش کروں گا ک*ہانا نی گوشت باجیم وحان وعرہ کی حرمت کو بھی ہی دسل ہے واگراٹھیا ہی ہے تو بیاس طرح بڑگا جلیے کوئی کمہ دے ک^{ور} مرعنی اس بیے مرام نیے کہ بریف کرتی ہے حَكَانَكَ الْجَيْنُ مِنْ خَلَفَ قَالَ نَادَوُمُ مِنْ عُمَادَةَ فَالَ نَا مُحْمَّ مُنْ خَالِيا قَالَ سَمِعْتُ إَنِي خَالِكُ بَنَ الْحُوبِرِلِيثِ بَيْفُولُ إِنَّ عَبْدَا اللَّهِ بَنَ عَمْرِ وَكَانَ بِالصَّفَاجِ فَالَ مُحَمَّدُكُ مَكَاثَ بِمَكَّدُ وَإِنَّ رَجُهِ لَاجَاءَ بِارْنَبِ قَلُهُ صَادَهَا فَقَالَ بَا عَبْدَ اللهِ بْنَ عَنْ مِرُومَا نَكُولُ فَالَ فَالْمِحِيُ بِهَا إِلَى رَسُولِ اللهِ صَلَّى اللهُ عَكَيْ إِلَى وَسَلَّمَ وَأَكَا جَالَيْنَ فَكُورَيْا كُلُهَا وَكُورِيَبُهُ عَنَ اكْلِهَا وَيُوعِهُ أَنَّهُا نَكِيبُكُ -تبرجمه ، - عَبْلِلتُّديِّ عمروصفاح بين خِيهِ توكُّر كالكِ متفام سيحا والكِ شَخْصَ فَرُكُوشَ كُوْسُكا ركميك لا بااوركمه البعيدالله پ کیا کہتے ہیں ؟ عبدالتُد نے کہا کہ من عنور صلی التُرعلیہ ولم نے بابس تعاکہ فرگوشش لایا گیا ، آج نے فود نہیں کھیا یا لبن منت تھی بہتیں کیبا ور کہاکہ اسے میں آتا ہے ۔ رفعنور نے معن اس کی ایک عبیب حالت کا خرر خرمایا ، اس سے

فریم نه است و مین آنے سے توفر گوش اور می پاک اور صاف موجا ما موگا

كَارِ ٢٩ فَيْنَ إِنْ كَالْضَبِ بِدِينَ

الممان المن عَبَا الله عَلَى الل

ا متده علبت ونیب کور۔ "مرجمہ ، ب ابن عبائش سے روایت ہے کران کی خالہ نے رائم الحفید بنت الحارث العلالیہ نے) رسول السّصلی السّعلیہ وسلم کوگھی ،گؤہ اور منبریطِورتِعذ معیما سیس آپ نے کھی اور نیبر میں سے بچھ کھالیا اورگوہ کوگندہ سمجھ کرچھوڑ ویا ،اورکوہ آپ سے

وستر فوان ببر کھائی گئی ، اگر حرام ہوتی تورسول الله صلی الله علیہ وستم کے دستر فوان بیریز کھائی جاتی ۔ (مجاری مسلم ، نسائی ، البرمائی) مُولانا نے فرمایا کہ رسول اللہ صلی اللہ علیہ ولم کا گوہ سے منع کمٹرا کئے آنا ہے اوراس حدیث کو ترجیحے ہوگی کیو کہ حرصت اوسے

الاحت كيے نفاد كيے وقت حُرمت مقدم موتی ہے۔

مَنْ وَمَ عَنْ عَلَيْهِ مِنْ اللَّهِ عَنْ عَالَى اللَّهِ عَنْ الْجَنْ الْحَالَةُ اللَّهِ عَنْ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ عَنْ اللَّهِ اللَّهِ عَنْ اللَّهِ عَنْ عَلَيْهِ اللَّهِ اللَّهِ عَنْ عَلَيْهِ اللَّهِ عَنْ عَلَيْهِ اللَّهِ عَنْ عَلَيْهِ اللَّهِ عَنْ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ الللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ الللّهُ الللللّهُهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ الللّهُ الللّهُ الللّهُ الللّهُ الللللّه

تروحمہ: ۔ عدالترش عباس نے خالدین الولید سے روایت کی کرخالٹ رسول الڈ صلی التُرعلیہ ولم کے سفۃ میمونہ کے گھر میں واخل موالر میمونہ خالد کی خالہ تعین کسپ معنی موئی گوہ لائی گئی ،سیس رسول النّد صلی التّرعلیہ ولم نے اس می طوت ہاتھ شرعایا تو میمونہ کے گھریں تو عورتیں تغین انہوں نے نبا یا کہ آئی کیا گھانا چا ہتے ہیں ، انہوں نے کہا کہ بیگوہ سے ،سیس رسول النَّر علی النَّر علیہ ولم نے اپنا ہا تھ اٹھالیا ۔ خالگہ نے کہا کہ ہیں نے عرض کی دو یا رسول التّر کیا بیموا میں نے مول النَّر علیہ وسم اللَّر علیہ وسم میں نے مول اللَّر علیہ وسم اللَّر اللّر علیہ وسم اللّر اللّر علیہ وسم اللّر اللّر اللّر اللّر اللّر علیہ وسم اللّر اللّر علیہ وسم اللّر اللّر اللّر علیہ وسم اللّر الل

کے سلمتے ہی اسے اپنی طرت کمینے لیا راور کھالیا) مجاری ، مسلم، نساکئ ، ابن ماھے) تنسر : الكركوه ي فرمت نهن تواس مديث سے كماركم اس كى كرمت صرورتكى سے ،اورخالا كى طرت صفور كا دكھتا ا زراد تعتب نعا بنطا بی نے کہا ہے کہ گوہ کے کھانے کے پارے میں لوگوں میں افتلات سے کھے لوگوں تے اس کی تحیقت وی سے اور بیت فرن عرف بن الحظاب سے مروی سے اور مائکٹ بن انس اوزاعی اورشافنی کما ہی قول ہے۔ ایک جماعت نے اسے کروں کہا ہے اور بعلی رتنی التٰرتغانی عَنها سے مردی ہے اورالومنیفر^م اورا*ن کے امحاب کا*ہبی مذہرب ہے اکس کی حرمت میں ایک مدیث آرہی ہے ، خطابی کینے ہی کر اس کی سندانسی ولسی ہے ۔ ٧٠٩٠ حَسَّا ثَنَا عَمُرِ وَبُنَّ عَوْنِ قَالَ أَخْبَرَنَا خَالِنَّا عَنْ حُصُّمْنِ عَنْ زَيْدِ بَرْفَهُ أُعَن تَابِتِ بْنِ وديعة فَالكُتَّامَعُ رَسُولِ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ فِي جَيْشِ فَاصَبْنَا فْسُالًا فَالَ فَشَوَّيْكُ مِنْهَا ضَيًّا فَاتَّيْتُ رَسُولَ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ فَوَضَعْتُ لَا جَيْنِ يَكَانِيهِ فَأَخَنَا عُمُودِ (فَعَكَ به أَصَابِعَهُ ثُمَّزَفَالَ إِنَّ أُمَّنَهُ مِنْ بَنِي إِسْرَا مُيُلِعِعَتَ دَوَاتُبَا فِي ٱلاَثُمَ ضِ وَإِنِّي لَا آدُمِ ايُ اللَّهُ وَابِّ هِي فَالَ فَكُمْ يَاكُولُ وَلَعُرَيْنَهُ -تشرحمہ: به نتائیسی و دلیے سے روایت ہے کہ انہوں نے کہا وہ ہم نوگ ایک بشکریں رسول الٹرصلی الڈ علیہ وسلم کے ساتھ تعے، مہی گوہ کی امک نور دملی میں نے ان میں سے ایک کو تھونا، رسول الندصلی الند علیہ رسلم کے بیس لایا اور آگ سے آگے رکھ وہا ۔ نتا رکٹ نے کما کہ آٹ نے ایک مکڑی مکٹری اوراس کی انگلیاں شمار کس ، میروز یا دو کہ نی امراس کی ایک قوم زین کے بیاریا بُوں کی صورت میں مسنے کی گئی متی اور مجھے تنہیں معلوم کہ وہ کون سے حابور تھے بنا مرت نے کہا کہ آئی تے ﴿ السيمُنْسِ كِعا مَا أُورِيهُ مِتَّعَ فَرَمَا مَا رِنَّا بِيُّ _ ابْنُ مَاحِي تشرح :۔ علام عزالین این عدالیڈنے کہا ہے کہاس مدمیت کوائس مدمیت کے تھے کیے حمعے کی حاشے گاخی میں یہ وارد سے کہ مسح نتدو قوم تبت دن سے زیا دہ تہیں جیتی ۔ا وراس کی نسل *آگے نہیں جاتی ہے اس کا حواب یہ سے کہ مکن حصتور ع*لم الصلوة والسلام كوالس كيصن موني كاعلم توموكيا مومكراس وفست نك ببرند بينه حلام وكمسخ ننده قوم تنبن ول سے زمادہ تنهي حيتى اوراس كي تسل ومسع مون كے كعدى تنهي حيتى - بيعلم آب سمولىدىس بوارمولا نا كن فرما يكراس زير نظرير سے بیتو تابت نہیں مونا کہ مسوخ قوم کی نس میتی ہے ،سکن جونکہ زمن کے جانوروں دخترات ، سب سے ایک قوم کے ممسوخ بونے كاآپ كوعلم نفاا ورممسون حرام يوتى سب للمذا آمي تے مسوخ عببي چركوبسي حرام فزاردما يتصور نيفرت اور نردو کی بناد بر صور و با نعام بندراور فنزمرد و نول صوام بی اور تعفی می اسرائیل کو ال می صورت می مسم بی كياتها،اسى طرح اگريشرات الارض كى صورت مير مسى شره نوم گره كى صورت مير مستح به دئى تقى تو و هى حرام سے چعنوصلى

سوه عدر حَدَّ نَنَا لَحَدَمُ أَنُ عُنُونِ الطَّائِيُّ أَنَّ الْحَكُمُ ابْنَ لَفِي حَدَّا ثَهُ مُ فَال نَا ابْنَ عَيّاشٍ عَنْ حَمْمَ مِن زُمُ عَرِعَنْ شَكْرُيْجِ مِن عُبَيْدِ عَنْ أَبِي كَاشِدِ الْحَبُر الْحَمْد الْحَافِ عَبْدِ الدَّحْمُون بْنِ شِبْلِ اَتَ رَسُول اللهِ عَلَى اللهُ عَكَبْهِ وَسَلَّعَ نَهُ عَنْ أَكُلِ لَحْمِ الطَّمَةِ . تترجمه ويرعبدالرهان بنشل نے کماکہ رسول النه صلی النه علیہ وسلم نے کوہ کا گوشت کھانے سے منع فرایا رخطاتی نے اسس کی مشرح : رنودی شنے کہا ہے کہ کو مصطلال مونے اور ام نر مونے برمسلمانوں کا احاج سے ۔ بال اصحاب الی عنبیغراس کی کمات سے قائل میں اور قامی عیامن طبنے مجھ توکول سعے تقل کیا ہے کہ وہ حرام سے رحافظ آب بحرنے کہا کہ ابز المنذر نے علی سے اس سے فلاف تقل کیا ہے، مجرا حاع کمال رہا ؟ ترمذی نے لعبن العلم سے اس کی کراست کا قول نفل کیا ہے۔ امام طحاوی نے شرح معانی الا بنیار میں کہاہے کم ایک توم نے گوہ کھا نا کمڑہ گروا ناہے ، ان میں سے الومنیف، الوبوسف اور فحدین الحسن البشان سي الوداؤد ني مرانطات بنشل كي ايميا مريث روايت كي بيض بن كوركا كونتن كوان كومريع مانعت موجود ہے رمانطان محرفےکہا دفتح الباری ، کرانس مدیث کی مندمخشن ہے ۔ اساعیّل بن عبائش میب اہل شام سے روایت کرے توقوی سے اوراس سندکے رادی ثقات شابی ہیں رخطاتی کا بہ کمٹیا سے کہ اسس کی سندائیں وہسی ہے ، یہ تول خود کوئی کیجر تہیم ہے ۔ ابن حتب نے صب عادت اس سے تعین راولوں کو منیعت وقی ول کہا ہے ، مگریہ بات شارت پرمبنی ہے۔ ا ور بہتھی کا بیقول کا اساعیں تن عباش اس کی روابت میں منغروہے _ببصت تہیں ۔ اس طرح اب آخبوزی کا تول اس مریث کے متعلق لائق اعتمادتہ ہیں ہے۔ اس علم جانتے ہیں کہ علامہ اب الحوری تعبق روا بات برموضوع مونے ماتھم لگلتے میں براک اورمری میں ۔ اساعیل بن عیاش کی روایت حب شامیوں سے تو تو سخاری نے اسے توی کہاہے ۔ اور ترکزی نے السی معین روایات کوچیم کہاہے راحمر ،الوداؤدنے ای*ک حدیث روایت کی ہے صب کوائن حب*ان اور طماوی نے صحیح کہا ہے ر بخاری استم ، کی ترط مرسے ران کے راوی اس مدمیت سے راوی ہیں) به عدبالرحان بن صنه کی روابیت ہے کہ ہم ایک اسی مرزمین میں انزایے جہاں گئوہ کی کنڑت نفی ،صحابہ نے تعین بکٹر کیر رکھائٹی تورسول الڈیسلی الٹرعلیہ وسلم نے فروایا کنری اسرائیل سی يب قوم كواس شكل ميں تبدل كياكي تعا، مبديان اكٹ كريها دو الس طرح اس باب بين الوسعير كى مديت هي بيے حاقفا نے کہا ہے کہ جب صور کومعلوم نہ تھا کہ ممسوخ کی نس نہیں جلتی اُس وقت آگی کو تروّد تعاصب اس کا علم موگ تواً ہے 'نے توقق فرمایا، نه منع کی به علم دیار بال اگری نود اسے ایک گذری چیزجان کراخل نفرت فراتے رہے ۔ مولگانا نے فرمایا کہمعا لمہ ﴿ ریکس نفا ، اصل یہ سے کرچنور نے پہلے اسے معاب شرایا تیکن تورینیں کھائی اور اظہار سرت فرایا ، بیمرمسوح ہوتے کے احمّال سے اس من تروّد فرمایا اور آخرکا رائسس کی حرمت بیان فرمانی ،انس طور سیتمام مختلف اها دست جمع موهاتی میں

مهه ۱۳۹۹ حکانت الفَصُلُ بُنُ سَهْلِ قَالَ حَلَّتَ فِي إِبْرَاهِ بُمُ بُنُ عَبْهِ الرَّحُهُ لِي بَيِ مَهْ بِي قَالَ حَلَّا ثَنِي بُرَبْهُ بُنُ عُهُرُنِ سَفِيْتَ لَا عَنْ اَبِيْهِ عَنْ جَدِّهِ قَالَ اَكُلْسُ مَعَ النَّبِي صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ لِحَدَّمُ حَمَالُى .

بَالِبِ فِي ٱكْلِ حَنْ زَاتِ أَكُلِ حَنْ زَاتِ أَلَارُضِ

(تشترات الارض کو کھانے کا باب تمبیر ۲۰۰۱) مراس

اندر الارن سے مراد زین کے اندر سوراخ کرکے رہنے واسے مانور ہی یٹنا کچوا، سانب، چمچھو تدروغیرہ

ه و به سر حَكَمَانَتُ الْمُوْسِى بُنُ إِسْمَاعِيْلَ قَالَ نَاعَالِبُ بُنُ كُمُجُرَّةً فَالُ حَمَّاتُنِيُ اللهُ مِنْقَامُرُ بُنُ تَيْلِبَ عَنُ آبِيهِ قَالَ صَعِبُتُ رُسُولَ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَاتَعُ فَالُواسُمَع لِكَتَنْمُ إِتِ الْكُمْ هِي نَكُولِيبُنَا -

مرجمہ ہے۔ ملت من نظلبہ متیمی نے کہا کہ منبی رسول النّد طلبہ وسلم کے اتھ رہا ہوں، میں نے صفرات الارض کی تقریم کا سر دس کم مند رمین ا

سرح به عنب كاس قول مي كوئى دسينهي به بميز كم حكن بيكس اور فتريم كا ذكر صور سينا بو و شرح به عنب كاس و كان كابون في المراهد عرب كيونكم حكن بيك قال المناسع به كابي كان منصوبي المالي في كان كابونك منصوبي المعلم المحبيد الكليمي قال المن عيد كابي من من المن عيد كابي المنافي المن عيد كابي المنافي المن عيد كابي المنافي ال اکیب برژها فاحس نے کہا کم میں ابوهر مراوکو یہ کئے سنا کم رسول النوسیاس کے متعلق برگھا گی آوات نے طایا کر ہے جس اشیار میں سے ایک عبیت ہے نیب ابن عمر طبقے کہا کہ اگر رسول النوسی النوعلیہ وسلم نے بیرفر بایا تھا تو وہی ورست تھا جو آت نے ضرطیا بھس کوئم نہمیں جانتے ۔ رضانی نے کہا کہ اس کی سند کچینہیں)

منترح: - ابن عرف کی تلادت آبیت سے بیغرص نه تنی کرمرام چیزیں سی آنی ہی ہیں جن کا ذکراس آبیت ہیں ہے، کیکرمطلب بیٹھا کرئن ب اللہ اورسنت صحیحہ سے بین ابت نہیں ہے اُسنت اس تسم سے اطلاقات میں بنود مجود کتاب اللہ میں واخل ہوتی سے حِسترات الارش کے متعلق حتیفیہ کا مذھب بیر ہے کہ ال کی نین قسمیس ہیں ۔

ا _ حن میں خون بالک منہیں ہوتا۔

٢ ـ حن مب بمنے والانتون تنہیں موتا ۔

س ۔ جن میں بہنے والا فون ہو نا سے ۔

عن عَمَرُنِي ذَبِي الصَّنَعَاقَ الْحَمَلُ بَى حَنْبِلِ وَحَمَّمَ كُوبُ الْمَلِحِ فَالاَ تَاعَبُدُ الرَّبَّ الْحَ عن عَمَرُنِي ذَبِي الصَّنَعَاقَ الْحَمَلُ عَنْ تَعَنِ الْحَرِي الْمَلِي عَنْ جَابِو بْنِ عَبْدِ اللَّهِ الْحَرِي الْحَرِي اللَّهِ الْحَرِي اللَّهِ الْحَرْبُ وَلَا تَاعَبُوا اللَّهِ الْحَرْبُ وَاللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَلَى اللَّهِ عَنْ اللَّهِ عَنْ اللَّهِ عَنْ اللَّهِ عَلَى اللَّهِ عَنْ اللَّهُ عَلَى اللَّهِ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْهُ الْمُؤْلِقُ الْمُؤْلِقُ الْمُؤْلِقُ الْمُؤْلِقُ اللَّهُ عَلَى اللْهُ الْمُؤْلِقُ الْمُؤْلِمُ الْمُؤْلِقُ الْمُؤْلِقُ الْمُؤْلِقُ الْمُؤْلِقُ الْمُؤْلِقُ

بَأَكِنُ فِي أَكُلِ الضَّيْمِ

(ربخو کو کھانے کا باب اس)

مهم به من عبد الروس المن عبد الله المختر الله المختراعي قال ناجور وروث حازم عن عبد الله بن عبد الله بن عبد الله فال سالت رسول الله المخترم و الله بن عبد الله فال سالت رسول الله بن عبد الله فال سالت رسول الله بن عبد الله فال سالت و المخترم و المخترم و الله بن عبد الله بن عبد الله بن المنه بن الله بن الل

تشرح: سشوکا فی نے بیل الا وطائر میں کہا ہے کہ ضبیع مذکر کو کہتے ہیں۔ اور مؤنث کو ضبعانی یا س میں عبیب بات پر ا ہوتو بچے صبتا ہے۔ جمہو کا مذصب اس کی تحریم ہے ، اس عدیث کی بنا دیر کم مرکبیوں والا ورندہ حرام ہے۔ ایک اور ا عدیت نیز برام بن خزر کی ہے ، اس نے کہا کہ میں نے رسول اللہ صلی اللہ علیہ ولم سے بچے کے بارے میں پوچھا تو آئے سنے فروا کہ کہا بچر کو بھی کوئی کھا تا ہے ۔ اوام احمدا ورشافتی نے بچر کھانے کے جواز کمافتو کی دباہے اور یہ حدیث زیر ا نظران کی دمیل ہے۔

بالتكما جاءفي أكل السباع

رورندوں کے کائے کایب ۳۲) ۱ الفَعْنَرِی عَنْ مَالِکِ عَنِ أَبِن تَمِهَا إِب عَنْ اَفِی اِحْدِالْمِی اَلْحُولانِی عَنِ آبِن تَمِهَا إِب عَنْ اَفِی اِحْدِالْمِی اَلْحُولانِی عَنِ آبِن تَمِهَا إِب عَنْ اَفِی اِحْدِالْمِی اَلْحُولانِی عَنِ آبِن تَمِهَا إِب عَنْ اَفِی اِحْدِالْمِی اَلْحُولانِی عَنِ اَلْمُولِ اللّٰمِی اللّٰمُ عَنْ اَلْمُولِ اللّٰمِی اللّٰمُ عَنْ اَلْمُولِ کے لِدی کاب مِن السّنبع -

نرجمہ ، سابد تعلیہ ختی سے روابین کہ رسول الدُر علیہ ولئم نے مرکبلیوں والے درندسے سے منع فرمایا (مخاری مسلم تریذی ، ابن اَ حیر انسانی) جیسے شیر بھیڑیا ، چیتیا ، اور کتا جوابی کمپلیوں کے سانھ لوگوں برحملہ اور موتے ہیں ۔ اور درندوں کی نبیر اس سے ہے کہ اور شکی مبی کمپلیاں ہوتی ہیں مگروہ لوگوں برحملہ اور نہیں ہوتا ۔ انباب وہ اُلہ جارہے ہی جن زخمی کرتے ہیں ۔

٠٠ ٣٨٠٠ - حَكَانَتُ أَمْسَكُنُدُ فَالَ نَا أَبُوعَوَا نَهُ عَنْ آفِي بِشَرِعَنَ مَهُمُونِ بِنَ مَهُمَ انَ عَنِ الْمِن عَبَّاسِ فَالْ نَهٰى رَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّمُ عَنُ اكْلِ كُلِّ دِى مَاجِ مِسَنَّ السَّبُعِ وَعَنْ كُلِّ ذِى مِخْلِب مِنَ الطَّايْرِ.

نمر جمہ :۔ ابن عبائش نے کہاکہ رسول الٹرصلی عببہ اسلم نے درندوں میں سے مرکبیوں والے سے اور پرندوں میں سے مریخے والے سے منع فرہ یا ۔ ملکم ، پنجے والے سے مراووہ پرندہ ہے جو پنجوں کے ساتھ شکارکرسے ۔

اد ١٩٨٠ حَلَّ نَنَا عَمَدُ الْمُعَمِّقُى قَالَ الْعُتَدَّ الْهُ الْمُحَدِّ الْمُرْفِي عَنِ الْمُرْفِي عَنِ الْمُرْفِي عَنْ عَهُ الْمُرْفِي عَنْ عَلَى الْمُرْفِي عَنْ الْمِرْفِي مَعْلِي عَنْ كَرُبُ اللَّهُ عَنْ مَنْ الْمُرْفِي الْمُرْفِي عَنْ عَلَى الْمُرْفِي عَنْ عَلَى الْمُرْفِي عَنْ الْمِرْفِي عَنْ الْمِرْفِي عَنْ الْمُرْفِي عَنْ اللَّهُ اللَّ

ترجمہ: ۔ مقدام من معدی کرب نے رواہت کی کہ رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم نے فرطیا دو خبردار! ورندوں میں سے کولمبول والے علال ننہیں یہ گھریو کہ کہ صابہ معاہد کے مال کا کقطہ مگریہ کہ وہ اس سے مستنفیٰ ہو،اور توادمی کسی قوم کا مہمال موا اور انہوں نے اس کی صاب فت یہ کی تواس سے لیے رواہے کہ اپنی صنیافت کی ما ندز صاص کرے ۔ رواضی مختصلی کے

ان م سر سرگنفتگو ہو بھی ہے۔

٢٠٠٢ - حَكَّا ثَنْنَا مُحَكَمَّهُ فَي بَشَّايِم عَنِ ابْنِ اَبِى عَمُ وَبُنَعَنَ عَلَى بْنِ الْحَكُومُ وَنُوكِ بْنِ مَهْرَانُ عَنْ سَعِيْدِ ابْنِ بَجُبْهِ عِنِ ابْنِ عَبَّاسٍ فَالَ نَهٰى دَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَكَيْت وسَكُّو يَوْخَذِبَ بَرَعَنَ اكْلِ مِسَالًا يُوفَى نَاسٍ مِنَ البِسَبَاعِ وَعِنْ كُلِّ ذِي عِنْكَبِ مِنَ البَّكِيرِ ترجم و ابن عباس نے کہا کہ رسول النّرصلی النّرعلی ہے منظر اللّہ علیہ وسم منظر اللّه علیہ وسم منظر فرایا رابن آج ، ابن کی

﴿ ٢٠٤٣ - حَكَّانُكُ كُعَنَّهُ ثُنُ بَشَا إِحَنِ الْمِنِ عَلَّى عَنِ الْمِنَ الْمِنَ الْمِنَ الْمِنَ الْمِنَ الْمَنَ الْمَنْ اللَّهُ عَلَى اللْمُعَلَى اللَّهُ عَلَى اللْمُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْمُعْمَى الْمُعْمَا عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْمُعْمَى الْمُعْمَا عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْمُعْمَا عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْمُعْمَى الْمُعْمَا عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْمُعْمَا عَلَى اللْمُعْمَا عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْمُعْمَا عَلَى الْمُعْمَا عَلَى الْمُعْمَا عَلَم

ترجیر : ابن عبارخ نے کہا کہ رسول الٹرصلی التّرعلیہ وہم نے فرا یا کچلیوں واسے درندسے ، گھر لمریکھوں کا کھانا اور عبا بربن کے گرسے برط سے مال کا ناحق لینا جائز نہیں۔ نیز حس نے کسی نوم کی ضیا فت کی گرا کہوں نے اسس کی ضیا فت نہ کی تو اس کے رواسے کہ اپنی ضیا فت کی طرح اس سے حاصل کرے ۔

سر ٢٨٠٠ مَكَ الْمُنَاعَمُ وَمُنُ عَنَّمَانَ فَالَ نَا هُحُمَّ مَنَ الْمُنْ كَدُبِ فَالَ حَدَّبَ فَالَ مَعْنَ كَرُبُ فَكَامِ مُنَ الْمُوسَلَمَةُ وَمُنَاكِمَ الْمُحْدَدِ فَالَ مَعْنَ كَمُنَا الْمُعْنَامِ مُنَاكِمَ الْمُحْدَدِ فَلَا اللهِ مَعْنَاكُمَ اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّعَ وَهُولِ اللهِ مَنَا اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّعَ وَهُولِ اللهِ مَنَا اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّعَ وَهُوكِ اللهِ مَنَى اللهُ عَلَيْهُ وَسَلَّعَ وَهُوكِ اللهِ مَنَا اللهُ عَلَيْهُ وَحَدُ اللهُ مَنَا اللهُ عَلَيْهُ وَحَدُ اللهُ مَنَا اللهُ عَلَيْهُ وَحَدُ اللهُ عَلَيْهُ وَحَدُ اللهُ عَلَيْهُ وَحَدُ اللهُ اللهُ وَاللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَحَدُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَحَدُ اللهُ اللهُ اللهُ وَاللهُ اللهُ وَاللهُ اللهُ اللهُ

ترجمہ: مد خالد من ولدیہ نے کہاکہ میں نے رسول النّد صلی التّدعلیہ ولم کے انتقادی اللّٰہ میں بیودی آئے اور شکاریت منابعہ میں مالد من ولدیہ نے کہاکہ میں نے رسول النّد صلی التّدعلیہ ولم کے انتقادی میں میں میں میں میں میں میں م

> كَانِيْ فِي أَكُلِ لَعَوْمِ الْحَمْرِ لَا كَالِهُ الْعَالَى الْعَلَيْ الْمُعْلِدُ الْمُعْلِدُ الْمُعْلِدُ الْم (باب۳۳ - مُعْرِبُدِيُوسِ كَرَّشْت كلاف كابسان)

كاسندىي بقول ما نظائن جوبهت اختاف مواب اوريبقي نے كها سے كهاس كاسند منظرب ہے۔ ابن قوتے كها إلى استدى بقول ما نظائن جوبہت اختاف مواب اور يبقى نے كها ہے كہاس كاسند منظرب ہے۔ ابن قوتے كها إلى استدى بقول ما نظاف ان جوبہت اختاف ميان المحالات ہے۔ ساؤكانى سے كام اس عرب سے جب قائم نہيں ہوتئى ۔ منزى المحال ما در في ميان ما ما در بي مي المحالات ما ما در بي مي المحالات ما در بي المحالات من المحالات ما در بي المحالات المحالا

تترجمہ:۔ حامرین مدالتدنے مہاکہ بی ملی التُدعلیہ وہم نے اس بات سے منع فرما یا کہ ہم گدھوں کا کوشٹ کھائیں اور ہمیں کلم ویا کہ گھوڑوں کا گوشت کھائی ، عمرو بن دبنارنے کہا کہ میں نے بہ حدیث ابوالفٹ فلہ کو تبائی کواس نے کہا کہ کلم غفائی ہم میں کہا کہ تا تقاکم تجرینے بینی ابن عبائش نے اس کما الکار کی ہے۔

شرح : منا تدخلاتی نے کہا ہے کہ گوٹو گھر تو گھر عامہ علماد کے نزد کیک فرام ہے ،اس میں رفصت حرف ابن عبائش سے مروی ہے ،اور ننا نُدانین مرمت کی حدیث نہیں بہنجی ہوگی ۔اس روایت میں ابن عبائش کو ابحر رعم کاسمند () کما گیا ہے ۔ انہیں جیر باجرالا میت ہی کہاگیا ہے ۔

٧٠٠٧ حسّ نَعْنَا مَهُ لَ بَنْ بَكَامِ قَالَ مَا وُهَيْبَ عَن إنِ طَا وُسِ عَنْ عَمُرونِ شُكِيبًا عَنَ أَبِيهُ وَعَنْ جَدِّهِ قَالَ نَهَى رَسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ يَوْمَ خَيْبَرُعُنْ لُعُوهِ الْمُحْمِيلِ الْكَهُلِيَّةَ وَعَنِ الْمُجَلَّلُ يَرْعَنْ رُكُوبِهَا وَأَحْلِ لِحْيِهَا .

ترجمہ : عبداللہ بن عمروالعاص نے کہا کہ رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم نے گھر بلوگرھوں کے گوشت سے منے کیا اورغلاظ بنے تجانور سے منع کیا اور اس کی سواری اور گوشت کھانے سے منع فزمایا (نسانی) اس کے اوبر گزر دیا ہے کہ پیچکم اس دقت سے جمکر گذرگی کا انراس کے لیسینے اور گوشت کے میں نفوذ کر حائے۔

بَأَسِّ فِي أَكْلِ الْجَرَادِ

المرى كوات كاباب ٣٨

٣٠٠٠ مِن أَفِي أَوْ فَا مَنْ عَلَى الْمَنْ عَلَى النَّهُ مِنَى عَنَالُ نَا شُعِبُ لَهُ عَنْ أَفِى يَعْفُوْمَ فَالْ سَمِعُوثَ أَنِي اَفِي الْمُعْفُومَ فَالْ سَمِعُوثَ أَنِي اَفِي الْمُعْفُولِ اللهِ عَنْ الْمُعَلِيدِ وَهَا لَكُونَ مَعَ مُاسُولِ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَيْ لِوَسَلَّمَ عَنَا أَفِي اللهِ عَنْ الْمُعَلِيدِ وَهَا لَكُنْ اللهُ مَعَهُ وَهُ مَا اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ مَعَهُ وَمَا اللهُ اللهُ مَعَهُ وَاللهِ اللهِ عَنْ اللهُ اللهُ مَعَهُ وَاللهِ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ مَعَهُ وَاللهِ اللهِ اللهُ ا

نمر جمہ و الولیع فرانے کہا کہ بیں تے عداللنڈ من الی ادنی سے ٹیڑی دکھڑی کے متعلق پوھیا اوران سے بیواب شنا "داس نے کہا کہ میں نے رسول الند صلی الندعلیہ و لم کے سات موکر ھے بیسات بار حہا دکیں ، نسبی ہم ٹیڑی کو آپ کے ساتھ کھاتے تھے ربخ رک متم ، ترمذی ، نسانی ، ابونعیم کی روایت بمبر ہم اورت ہے کہ صنور کھی ان کے ساتھ ٹیڈی کو کھاتے تھے ۔ اس مدیرے ہی فراسا ان مارے کہ ایک مورد ہے مارید مارچ برکر اس میں مورد

٨٠٨٠ حَكُلُ اللَّهُ مُكُمَّدُ مُن الْفَرْسِجِ الْبَغْدَادِي تَاكنَا ابْنَ النَّرُمِدِ قَالَ فَالْ الْسَلَبْمَانَ

التَّبْتِي عَنْ إِنْ عُنْمَاكَ النَّهُ لِهِ يَعْنَ سَلْمَاكَ قَالَ سُئِلَ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْ وَسَلَّمَا عَلَى النَّهُ عَنِ النَّهُ عَنْ اللهُ عَلَى الْمُعْتَمِلُ عَنْ آبِيُهِ عَنْ الْمُعْتَمِلُ عَنْ آبِيهِ عِنْ اللهِ الْمُعْتَمِلُ عَنْ آبِيهِ عِنْ اللهِ الْمُعْتَمِلُ عَنْ آبِيهِ عِنْ اللهُ الْمُعْتَمِلُ عَنْ آبِيهِ عَنْ اللهُ اللهُ الْمُعْتَمِلُ عَنْ آبِيهِ عَنْ اللهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللّ

ا بی عشمان عن التیجی صلی الله عکیک وکست کو کنوت کمی مسلمان ترجمه و سان کی نے کہا کہ رسول النہ صلی الله علیہ وسم سے ٹری کے متعلق لوجیا گیا تواہی نے فرط یادو کہ پر رز میں می سب سے ٹرا) اللہ کے نشکروں میں سے سب سے ٹراکٹ کر ہے ۔ میں نواسے کھا یا ہموں نواسے حرام کہا ہمل ۔ الوقا عالی الت ہے۔ الووا وُدنے کہا کہ دوسر سے طرق سے بر روایت الوقعائن سے آتی سے اور سامان کا ذکر تنہیں رکو یا مرس ہے ، اب ماص فی اسے مُستراً بیان کر ہے ۔ یہ درت میں موریت کھے کھے خلات نظراتی ہے ۔ اگراس میں محتیت سے مراو یہ ایا جائے کو صنور صلی النہ علم و کم ان کو کوں سے مقد تروی کھاتے تھے ۔

: هـ ۱۹۸۰ حكمان أن مُرَاثُ عَلِي وَعَلِيُ أَنْ عَبُ اللهِ قَالَانَا زُكَرِيَ يَا بُنُ يَخِينُ بِنِ عُمَا مَا فَ عَنُ إِنِى الْعَقَامِ الْبَحَدُوا مِ عَنْ إِنِى عُنَى اللهُ اللهُ اللهِ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّوَ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهِ قَالَ عَلِيَّ إِنْهُ اللهُ فَا مِنْ اللهُ عَنْ ابْهَا الْعَقَامِ فَاللهُ الْعَوَامِ فَاللهُ الْعَوَامِ فَاللهُ اللهُ وَسَلَوَكُونَ اللَّهُ سَلْمَانَ -نرجمہ ، ر دوسری سندسے وی مدیت اس میں اکسَّرَ حُبُووا للَّهِ کے بجائے اکشُوحبندا للَّهِ کا لفظ ہے علیٰ بن عبداللَّد نے کہا کہ الوالعوام راوی مدیث کا نام قائدہے ۔ البودا وُدنے اس مدیث کو بجرا کہ اور سندسے مُرسلاً ا روایت کیا ہے ، اس میں سلمان کا ذکر تنہیں ہے ۔

بَاحِينُ فِي أَكُلِ التِطَافِي مِنَ السَّمَكِ

و مرکرتیرنے والی مجیلی کھانے کا باب ۲۵)

عِن النَّهِي صَلَّى اللَّهُ عَكَيْدُهِ وَسَلَّا مَا اللَّهُ عَلِيهِ وَسَلَّا وَسَلَّا

ترجمہ ور مائر بن عدالتُد نے کہا کہ دسول التُدعليہ والم نے فرا يو جيسمندر مينيک دے ياس سے يا في مہنے مائے تواسے کھالو، اور جوسمند میں مرقائے اور نير طرے اسے مت کھاؤر ابن ماج

ہم مرکز تری ہوئی مجیل مت بچورا ورائن عباس نے کہا کہ جسے سمندر بعینک دسے ورتو اُسے بانی کے اور پر ترا ہوا بائے اسے مت کھاڈ ۔ آبت میں وطعا مُہ کے تفظ سے مراد وہ مجیلی ہے جسے سمندر باہم سینیک دسے اور وہ سامل بربرطائے لیس وہ تو بکہ طآنی رمرکز ترینے والی انہیں ہے اس سیے وہ طال ہے سطانی اس مجیلی کا نام ہے جوکسی حادث با آفت کے بغیر کر تریہ ہے ہے معبی سمندر کے کنارے پراس کی موجوں نے سینیکی ہواس کی موت کا باعث برحادث ہے للہذا وہ طافی

بہتی نے اس صدیت کو کیلی بن میم کے باعث صغیف کہاہے رمولانا فرمانے ہم کہ بدراوی نجاری وسلم کا ہے اور ثفتہ ہے ۔ ابن الجوزی نے اسماعیل بن امیہ کو متروک ہے ، مگروہ اسماعیل بن احمیہ الوالصلیت ہے تو ایک دوسرا طوی ہے ، اس حدیث والا نہیں ہے ۔ بے حدیث مسلم کی مشرط کے ملائق جمھے ہے ۔ ابن آئی قرش نے الوائٹر بیر کا زمانہ پا باہے المبذا الس کا سماع ممکن ہے ۔ جبیا کہ مسلم نے صبحے کے مقدمتے میں شری گھن کرنے سے نابت کیا ہے کہ دو طوی میم عصر موں توسط ع نابت نہ ہو تو بھی محکن ہے المندا تھ کی دوابیت قابل فنول ہوئی ۔

بَا بِسُ فِيمُنِ إضطرًا لِي الْمَيْنَاةِ

مرجمہ:۔ جائم بن معرو سے روایت سے کہ ایک ادی مفام حرّہ میں ہواا وراس کے تھاس کے مبری کیے تھے۔
لیس ایک شخص نے کہاکہ میری ایک اونٹن کم ہوگئ ہے ،اگر تواسے پائے نوروک لیٹا ۔ سپ اس نے وہ اونٹن بائی
اوراس کا مالک بزیا یا ۔ بعیروہ اونٹن میار ہوگئ تواس کی بیری نے کہا ور اسے وزئے کرلومگراس نے الساکرنے سے
انگار کیا تو وہ اونٹن مرکنی تواس عورت نے کہا کہ اس کی کھال آبار ہوٹا کہ ہم اس کا گشت اور جربی کھائیں اور اسے
کھائیں تو وہ لولا ور حب بمک کہ میں رسول الند صلی اللہ علیہ ولم سے بوچھ لوں ، سپ وہ صور کے پانس آیا تو آئے نے
فرما اور کیا جرب بیرے پاس کوئی چیز ہے تو مروار کھانے سے بے نیاز کرے واس نے کہا کہ بیری صور نے دایا کہ بوتم اس

کھالی جا بڑنے کہا کہ معراس کا مامک آگیا اوراس تعق نے اسے تعقد کشتایا ، نووہ لولادہ تو نے اسے نحرکیوں ہزکرلیا تھا ؟ اس نے کہا کہ تھے تم سے نثری اورائی تھی درمباوا تو کہے کہ اس بہانے سے میں نے تیری اونٹنی کھائی ہے ، کسبر اس عدیث سے نامیت مواکر حالت اصطار میں مرواد کھٹا جا کرتے ہے۔

ترق : فطانی نے کہاکم میع وشام ایک ایک بیا کہ دودھ ہوک نونہ بی مثانا مگرسدرت کراادر سے بتہ ملاکہ اس حاست میں کم سیر ہوکر کھا لینا جائر ہے ۔ بہ مالک بن انس اور شافعی کا قول سے ۔ وجہ بیکہ اسبی حالت میں میں کئی حاجت تو پہلے ی کی طرح نائم کوئی ہے ۔ راس بیا سے شام سری سے روک نا جائز شہیں ۔ ابو صنیفہ نے کہا کہ ابسی حالت میں ادمی کے لیے نیندر سر دی کھا ناجا ٹر ہے ۔ رواد نا بین اور مُرزی شافعی کا می بہی مذہب ہے ، اور اس قسم کی رواہ ہے کہ اندر کے خوالے سے کہ ایست قرانی میں نفواصطرار ہے ۔ فیصن اصطر بین میں جو و تنام ایک بیالہ کا جو ذکر ہے وہ سارے الن خاتم کی مفار خواک کو بنا ہے نظام ہے کہ اس مقال ادر اس حدیث میں صبح وشام ایک بیالہ کا جو ذکر ہے وہ سارے الن خاتم کی مفار خواک کو بنا تا ہے نظام ہے کہ اس مقال سے سال خاندان حالتِ اصطرار اور خوت باکٹ سی میں رستا ہوگا اس کیے ایک کی خاطر سروار کی اجازت دی گئی کی میں بہ بی

بَأَنْ فِي الْجَهُمِ بَيْنَ لُونَيْنِ

دوقسم کے کھاتے جمع کرنے کا باب سا

سرمس، حكما تك مُحتك كُدُن عَبْدِ الْعَزِيْرِ بْنِ اَبِي رِنَ مَهُ قَالَ الْفَضْلَ الْفَضْلَ الْفَضْلَ الْفَضْلَ الْفَضْلَ الْفَضْلَ الْفَضْلَ الْمُعْدَى اللهُ عَن اللهُ عَنْ اللهُ عَن اللهُ عَن اللهُ عَن اللهُ عَن اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَن اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلْ اللهُ عَلْ اللهُ عَلْ اللهُ عَلْ اللهُ عَلْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلْمُ عَلَى اللهُ عَلْمُ عَلَى اللهُ عَلْمُ عَلَى اللهُ عَلْمُ عَلْمُ عَلْمُ عَلْمُ عَلَى اللهُ عَلْمُ اللهُ عَلَى ال

ترجمہ:۔ ابت عمرتے کہا کہ رسول الترصلی الندعلیہ وہم نے فرطا مد مبب جا ہتا ہوں کہ میرے پاس روثی سعبدگذم کی ہوج گھی اور دودو مسے مخلوط ہو نسپ لوگوں میں سے ایک شخص انتھا، اس نے اس فسم کی روٹی کی اور ہی کیا رسید حضور کے فرطا کی رکس چیز میں تھا؟ ربعتی گھی، اس نے کہا گوہ کی کھال کے ڈیے میں چصور میے فرطا کی اسے انتھا ہے ابن ماجر، الودا و دُرنے اس حدیث کو منگر کہا ہے اور الوب رادی سختیانی تنہیں ہے۔

ننمرح: و حدث سے بیت میں کہ مصنور کا بدارشاد ایک مسطے کی وضاحت کی ماطرففا، اور وہ برکراس قسم کی قوامش کو ا اظار کرنا نا جائز نہیں ہے کہ دنکہ بیسوال منہیں ہے معس ایک توامش کا اظہار سے بھراس حدیث سے گوہ سے حرام ہونے کا کہی ٹیوت ملا دریۃ آپ اس مشخص کی لائی موٹی روٹی کور دیۃ فرماتے کمو بکد اگر کوہ کی کھال ایک ملال جا بور کی کھال ہوتی تواث البیا نہ کرتے کھال کا کوئی فلامری انٹر کھی میں تنہیں ہونا کہ ہدیمہا جائے کہ یہ معض طبعی منتفر سے اظہار سے

بَأَكْبِكُ فِي آكُولِ الْجُبُنِ

ربنيركان البسرير المسرير المس

ظامری مانت کا خیال کرتے موٹے اسے رقد تنہی فروایس سے البی جیز کے بواد کا بتہ حل گیا ر

بَاعِثُ فِي الْحُلِّ

ه ١٣٨١ كَتَّانُكُ عَنْمَاكُ بُنُ إِنْ شَيْبَ فَالْ نَامُعَاوِيتُهُ ثُنُ هِ شَامِرَ فَالْ حَسَّدَ تَنْنِي سُفْيَا ثُ عَنْ مُعَادِبِ عَنْ جَابِرِعَنِ النَّبِي صَلَّى اللهُ عَلَيْ فُورَسَكُمْ قَالَ نِعْمَ الْإِدَا مُؤْلِكُ به: به حابل سعے روابت ہے کہنی ملی الٹرعلیہ وسلم نے خرط یا دو سرکہ بہت اچیا سالن ہے رسلم ، ترمندی ، ₎ تشرح : - انس مدسن سے سرکے کی تعرف اواس کا سان کی مگر استعمال ہو سمنا تا بت ہو ناسے ۔ واقعی اسے بطورسائی استغلل کباهابسکتا ہے ۔ بیمی معلوم ہوا کرسادہ زندگی نبرکٹڑا ور کھانے پینے مین زکتھ فات سے گریز کر تاجیم و حال اور ﴿ روح وبدل کے لیے مقید۔

٣٨١٧ . حَتَّى ثَنْتُ أَبُواْلُولِيْ بِالطَّيَالِيِيِّ وَمُسْلِمُ بْنُ إِبْرَاهِيْ مَرَخَالاً نَا الْمُتَنَى ْبُسَعِيْدِ عَنَ طَلْحَةُ بِنِ نَا فِعِ عَنْ جَابِرِعَنِ النَّبِيِّ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْ إِ وَسَاَّعُوفَا لَ نِعْمَ الْإِ دَا مُلْكُلُ نترجمیں ۔ مابر کے تی صل التّر علیہ وہم سے روابرت کی کہ صفور نے فرا یا دو سرکہ ہدت اجھاب س سے ۔ ر دمجیعے وىركى حديث م

مَانِثُ فِي آكِلِ النَّوْمِ

رمہین کھانے کا باب ، ہم)

المرركم المكا أخمك ابن صالح قال كاأن وهب قال أخبرني يُوسُ عن ابن نِيهَا بِ خَالَ كَتُلَاثَنَيْ عَطَاءُ بَنُ كَنِي مِ بَاجِمِ آتَ جَابُوثِنَ عَبْدِ اللَّهِ قَالَ إِنَّ رَسُولَ اللَّهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَنَّمَ قَالَ مَنْ إَكُلَّ ثُومًا أَوْبَصَلًا فَلْيَغْتَزِلْنَا ٱولِيَغْتَزْلِ مَسْعِمَ نَا وَلْيَفْعُلُ فِيْ بِيْتِهِ وَإِنَّكُ ٱ فِي بِهِ كَامِرِ فِهِ وَحَضِرَاتُ مِنَ ٱلْبُقُولِ فَوَجَدًا لَهَا دِيْتُ افْسَالَ فَٱنْحِيرَ بِمَا رِجْهُامِنَ ٱلْبُقُولِ فَقَالَ قَرِبُوْهَا إِلَى بَعْضِ ٱصْحَابِهِ كَانَ مَعَهُ فَكُمَّا مَا أَهُ كُرِهُ آكُلُهَا

قَالَكُلُ فَانِي أَنَاجِي مَنْ لَاتَنَاجِي قَالَ آحْمَكُ بَنْ صَالِحٍ بِبَدْرِفَسَ لَا أَنْ وَهُبِ طَبْقِ رِ ترجمه: - حابطٌ بن عدالتُدني كها كربول التُدصلي التُدعلية ولم ني فرما إدر حسب ني تين يا يركها إمووَّه بم سيح الك رہے، یا برفرطایکہ عاری مستوی سے الگ رہے اورا یتے گھڑیں بیٹے، اورات کے پیس آیک نقال مل تازہ میزیار لائی شمکیس توآت نے ان کی مدلو کو مسکوس فرا یا اور نورسیا ۔ آٹ کو تنایا گئی کراس میں فلاں فلال سنری ہے جھنوڑنے فرط ایکه اسے آ<u>ٹ کے کسی معانی کو</u>دے ووٹو آ<u>ٹ سے اسے ن</u>ا بھر نوا۔ بھرجب جھوڑنے دیکھاکہ وہ انہیں کھانا بالیندکر ا ہے توفرا! ور کھانے کیو کھوسس سے مگب سرگونٹی کرتا ہوں تو نہیں کرتا ۔ رسخاری ، نزمیزی ، ن فی ، این آجی مدر کی ا تمرح بد طهارت ونطافت کے اعلیٰ ترین مفام پرفائز ہونے کی بناد برصور ملی المتعلیہ وہم کو طبیاً مربوسے شدید نغرت متی ا دراس مدین میں اس کاسلیب ایک اورمی ننا با کمس ملا کرسے بات حیرت کرنا ہوں - بہن اورما کھا کرآنے والوں کو ملور زحرجو کے فروایا براس لیے مر تھا کہ یہ می مسیدس نہ آنے کا ایک عذرہے، ملکہ بربطور عفونت نفا ۔دوسری میمے امادیث میں آچکاہے کہ اگر لیکا کران کی بدلو زائن کردی جائے نوان کے کھاتے میں حرج منس سے حن سنريُوں كو كھانے سے صنور نے گریز فرایا نعاشا پر دہ نیم پختر تعیں، بہتمہی معلوم موجيا كہ ان مب نهس اور بیازشامل ٨١٨ - حَدَّ نَنَا أَحْمَدُ أَنْ عَسَالِحٍ قَالَ نَا ابْنُ وَهِيبِ قَالَ أَخْبَرُ فِي عَمْرُ وَأَنَّ بَكُن بَن سَكُوادَ وَ حَمَّاتُهُ أَنْ أَبَا النَّجِيْبِ مَوْلَى عَبْسِ اللهِ بْنِ سَعْدِ حَمَّاتُهُ أَتَّ أَبَا سَعِيْدالْكُلُوتَ حَدَّا خَهُ أَنَّنَهُ ذَكِرَ عِنْدَكُمُ سُولِ اللَّهِ صَلَّى اللهُ عَكَيْدِ وَسَنَّمَ النُّومُ وَالْبَصْلُ وَيَبْلُ بَارْسُولُ إللَّهِ وَأَشَكَ ذَلِكَ كُلُكُ النَّوْمِ لِحَتَ حَرَمُ لَهُ فَعَالَ النَّبِي صَلَى اللهُ عَلَيْ إِن صَلَّا وَكُلُوهُ وَمُنْ أَكُله مِنْكُمْ فِلَا يَغْيِر بُ هُذَا الْمُسْجَكَا كُنِّي يَنْ هُبُ مِنْهُ دِيْعُهُ -تترجمہ: ۔ الدِسویڈ فدری نے بیان کیارسول التّد صلی الدّعلیہ دسم سے پاس کہ سن اور بیاز کا ذکر ہوا توکسی نے کما کہ شدید نر تیز کہن ہے ، کباکٹ اسے حرام ممراتے ہی ؟ نوننی ملی الدعلیہ ولم نے فرمایا و اسے کھا کہ اور وواسے کھانے وہ اس وقت نک اس مسورس نہ آئے مب مک کراس کی بدلو مزماتی رہے ۔ مشرح : ۔ یعنی ہمسن حرام نہیں مرف اس کی بدلوس کرا بہت سے ۔ اگر طورسے بدلوکو مار دیا جائے تو میرسٹ مسکسے سى طرح حبس محے منے سے مسی فنم كى مدلوكى عارضے يا جارى يا اورسىب سے أق موالس كامى سي كمرسے وقتے او

٣٨١٩ - كَتَكَانْكُ عُنْمَاكُ بُنُ أَنِي شَيْبَة تَالَ نَاجَرُيْرُعِنِ الشِّيْبَ إِنِي عَنْ عَدِي أَبِنَ قَالِتِ عَنْ زِيْرِ بُنِ جُينُشِ عَنْ حُنَا يُفَتَا أَظُلُّهُ عَنْ رَسُولِ اللَّهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْ وَسَلَّمُ فَال تَنْ تَفَلَ نَجَاهُ الْيِقِبُ لَيْرِ جَاءَ يَوْمَ الْقِيْمَةِ نَفُكُمْ بَيْنَ عَيْنَيْرِ وَمَنْ أَكُلُ مِنْ هٰذِهِ الْبَقْلَيْر

إِنْحِيْتُ وْفِكُلْ يُقْرَبُّ مَسْجِهُ نَا تُكُونَّا ـ

م: - حذَّ فيرسع مروى سبط ورمحان برسے كه به حدیث مرفوع سے رسول النَّدْصلی النُّدعلیہ دیم نے فرمایا دوسس نے قبل رف مغو کا تو وہ قیامت کیے دن اس طرح اُسٹے کا کہاس کی مقوک اس کی انکھوں کے درسیان موگا۔ اور حواس خبیبت مز س سے کھائے وہ سماری مسمدر کے قرمیب نہ مشکھے ۔ نین مار فرما ا۔

تشرح : رائس حديث سے واضح مواكم مروه فعل حواصرام واكرام تعلله محفلات موما جائز ہے مثلاً متوكنا، رقع هاجت یا کمپارت سے وقت متبلہ رومونا پاکس طرف کیشت کرنا ،اس طرف پاؤں لیبارنا وعِبْرہ یضییٹ سیزی سے مراہ وہی مہس یباز س*یے حوا دیری احادیث من گر*ز را یہ

٠٨٠٠ كَمَّانْكُ أَخْمُكُ اللَّهُ كَنْسَلِ قَالَ نَايَخِيكُ عَنْ عَبَيْدِ اللَّهِ عَنْ نَافِعِ عَنِ (بن عُمَر أَتَ النَّبِّي صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ فَالْ مَنْ أَكُلُ مِنْ هَٰ الشَّجَرَةِ فَكَا يَهُمَ إِنَّ الْمَسَاجِدَ تترجمہ :۔ ابن عمر نے روایت کی کمنی ملی النّدعلیہ وسلم نے فرما با کرحس شخص نے اس پودے ہے کھا یا دہ سحدوں سے قرمیب نا کے ربعنی اس باب میں سب مسحدوں کا حکم ایک جب سے کہ کسی کی تحصیص بہیں ہے المهر حَكَمُ اللَّهُ مُن أَن مُن فَرُوخَ فَالَ نَا أَبُوهِ لَالِ فَالَ نَا حُمَيْكُ مُن هِلَالٍ عَن إِنَ بُرْدَ لَاعَتِ الْمُغِبُرَةِ بُنِ مَتْعَبَدَ قَالَ اكْلُثُ ثُومًا فَا بَبُثُ مُصَلِّى رَسُولِ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْ لِو وَسَلَعَرَوْقُ لُ سُبِنَفْتُ بِرَكُعَتِهِ فَلَمَّا دَخَلْتُ الْمُسُجِلُ وَجَكَارُسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَنَّوَمٍ يُبْعُ النُّوُمِ فَكُتُنا قَصَلَى رَسُولُ اللَّهِ مَسَلَّى اللَّهُ عَكَيْدُ و وَسَنَّعُ رَصَلَ لَتَ مَا لَا مَنْ ٱكُلُ مِنْ هٰذِهِ الشَّجُرةِ فَكَا يَغُمُ بَنَّا حَتَّى يَنْهُبُ دِيُحُهَا أُوْرِنِيحُ لَهُ فَكُتَّا قَصَيُتُ الصَّالِأَ جِتُثُ إِلَىٰ رَسُولِ اللّٰهِ صَلَّى اللهُ عَكَبُ هِ وَسَلَّمَ فَقُلْتُ كِا مَ سُولَ اللَّهِ وَاللَّهِ كَتَعُوطَيَتِي بَيَكَ

قَالَ فَأَدْ نَحَلُتُ بَيْدٌ ﴾ فِي كُيِّرِ قَيِيبُ حِنى إلى صَلَادِئى فَإِذَا أَنَا مَعْصُوبُ الطَّلَه رِفَالَ إِنَّ

آڪ تح نيوا۔

نرجمسرة سيمترومن شعبهن كهاكهس ني بسي كعابا بعررسول التُرصلي التُرعليدولم كي مسحد من آيا ا ورايك ركعت تماز سوعج ببس حبب میں مسحد میں واخل موا تورسول النّرصلی النّرعلبہ وہم نے بہت کی بدیُو محسوسُ فرمانی یوب عفور نے نمار حتم کی توفرمایا وستحف اس لیود ہے کو کمائے تووہ اس وفت کیک تمارے قرمیب نیر آئے حیث نک اس کی بدلوالعنی لودے کیانہ وا ں کی بنه زأئل ہولیس صب میں نے تمایز چتم کی تورسول التلا علی التدعلیہ وسم سے پاسس کیا اور کمیا پارسول التّذ، والتُدمجيف م نا باترہ ہے، نس من نے آٹ کا با خوائی فعیل کی آستین سے سینے مک داخل کی ، آٹ نے و کھیا کہ میراسینہ مندحا ہو تشرح : ربینی کسی بیاری مثلاً ول کی وحرکن با درو وعیزو کے باعدت سیستے پرکٹیرا مندما ہوا مغا۔ا ورکسین معجود علاج کھایا تعا ، گرامل حکم مچر بھی اتی رہا کہ جب تک بدیو زائل نز ہو حاشے مسوری وافل نز موں ۔اس سے بیٹنا بت موکر کی کم شرعی طور بران مبزلوں کا استعمال حوام میں ہے کرام ت صرف مدلو کے سبب سے ہے، اگراسے کسی طرح زائل کر دیا جائے۔ پر ن المرابع من المرابع عَدْيِد الْعَظِيْرِ فَالْ مَا أَبُوعَا مِرْعَبْ كُالْكِلِكِ بِنَ عَنْمِ وَ مِنْ الْمُعْلِيدِ فَالْ مَا أَبُوعَا مِرْعَبْ كُالْكِلِكِ بِنَ عَنْمِ وَ قَالَ نَاخَالِكُ بُنُ مَيْسَمَ لَا يَعْنِي الْعُطَامَ عَنْ مُعَادِينَ ابْنَ قُرَّةً عَنْ اَبِيهِ آتَ مَ شُولَ الله صَلَّى اللهُ عَلَيْدِ وَسَرَّ مَهَى عَنْ هَا تَبُنِ الشَّبَجُرَنَيُنِ وَقَالَ مَنْ } كَلَهُمَا فَلَا يُقْرِينَ مَسْجِكَانَا وَقَالَ إِنْ كُنْهُمْ كُاتِكَا كِلِيهَمِا فَأَمِينُنُوهُمُكَا طَبُخًا فَالْكِيْفِي الْبَصَلُ وَالتَّنُومُ ترجمه، - قروب ابس سے روایت ہے کہ رسول اللہ صلی اللہ علیہ رسلم نے ان بودوں رئسن ا وربیا یری سے منع فرمایا اور ر ما در کر او انہیں کھائے وہ ماری مسیدیے مایس نہ ہیںگے ،اور فرما یا کراگر تمہمی صرور کھا نا ہوتو انہیں کیا کر ار بران عَنْ عَلِي فَالَ نَهُى عَنْ أَكُلِ النُّنُومِ الْأَمْطِبُونِكُما فَالَ أَبُوكَ (وَدَ شَرَيْكِ مُنْ كَنْهِلِ . تمرجمہ ، سحفرت علیٰ نے کہا کہ مہسن کو کھا کھاسنے سے منے خرا یا گیا ہے دنرمذکی ، ابو داوُدنے کہا کہتر کیک راوی نٹر کیپ بن حَدِّلُ نَنْكَا إِبْرَاهِ ثُيمُ بُنُ مُوْسِلِي قَالَ أَخْبَرُنَاحٍ وَحَكَا تَنَاجَبُوةُ بُنُ شُرِيْجٍ نَالَ نَا بَقِيتَهُ عَنْ بُحُبِرِعَن خَالِهِ عَنْ آنِي فِهِ زِيادٍ خِيَامِ بْنِ سَلَمَةَ ٱنَّهُ سَأَلُ عَائِشَةً عَنِ الْبِصَلِ فَالْتُ إِنَّ أَخِرَطُعَامِمَا كُلَّهُ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ طَعَامُ فِيهُ

نمر جمہ تر خباین کمر نے صرت عائشہ سے بیاز کے تعلق سوال کی تواننوں نے فرما یا کہ صنوصی الدّعلیہ ولم نے آخری کھا جو تناول فرمایی فغا اس میں بیاز شامل تعا رہی بینۃ حسب میں مہوبائکل مذہبی ہونسائی

كالمصح في الشَّهُمْ

مرس. كَمَّانَكُ هَا دُوْنَ بُنُ عَبْ لِاللَّهِ نَاعُمُ وَنُكُ مُعَنْ هُمَا لِللَّهِ مَا عُمَانُ كُمَا مُؤْنُكُ مَفْضِ نَا أَبِي عَنْ هُمَا تَلِي بُنِ اَئِي يَهُدِيلي عَنْ يَدِبُ مَا لَأَعُورِعَنْ يُوسُعَنْ أَنِ عَبْدِ اللهِ أَنِ سَلَامٍ فَالَ مَا أَيْتُ النَّبِيِّي صَلَى اللهُ عَكَيْهِ وَسَلَّمَ آخَنَا كِسُرَةً مِنْ نُحُهُ نِي شَعِيْرِ فَوَضَعَ عَلِيْهَا نَهُ رَفَالَ هُهُ أَوَادُمُهُ فِهُ ترجمس وسه پوسف بن عبالینڈین سلام رضی النّدعنہ کے کہا کہ سی سے نی ملی النّدعلیہ دیم کو دیکھا کہ آئے نے توکی روق کا ظکر ان اوراس برا کیے معجورتھی نوفرہ یا و بہاس کا سان ہے۔ زنرمَذی منین کھورکوروٹی کے نقر بطور ان کھا یاجا سکتا ہے عدالته مطابن سلام کا بٹیا بوسٹ نفول بخاری صحابی نفا ۔ ا بوجا تم رازی نے کہاکہ اس کی حصنور سسے روابیت بھی تابت سے سر المرارك الموليث الموليث المُن عَنْبَتْ قَالَ مُامَرُولَاتُ مِن مُعَمَّدِ قَالَ مَا سُلِكُمَا نُ المُن اللّ

وَسَلَّوَ مَيْتُ كَانَتُ وَيُهِ جِيَاعٌ أَهُلُهُ -

غَالَ حَكَا تَنِي هِشَامُ مُن عُرُوةً عُن إَبِيهِ عَنْ عَالِسُ مَا لَتُ قَالَ النَّابِي صَلَّى اللهُ عَلَيْمِ

تنسرح: ۔ مدینہ منورہ اور دوسرے نمام ایسے نمبر با علانے جاں سے باشندوں کی غالب فوراک مجور ہو برار نشادان مے تعلق ہے اس طرح صب علاتے کی غانب نوراک نتلا گذم یا جاول ہوں توان اشباری عدم موجودگی معلسی کی علامت ہے یو بور سے بال محورك د فيرو فعوط رست تع اورسال معروه زباده نزبي كعات تير

> عَامِيْكُ نَفْتِنُشِيتِ التَّمْرِ عِنْدَ أَلَاكُلِ بور کھاتے وقت دیکھ مجال کا باب ۲

حَيِّ الْمُعَالِمُ عَلَى عَهُ وَيْنَ جَبُلَةُ قَالَ مَا سَلُونِ فَتَيْبُهُ ٱبُوفَتِبِهِ لَهُ عَنْ

و هَمَّامِ عَنْ اِسْحَاق بُنِ عَبْدِ اللهِ بُنِ اَ فِي طَلْحَاهُ عَنْ اَسِ بُنِ مَالِكِ قَالَ ا فِي التَّبِيُّ صَلَى ا

الله عَكَيْثِهِ وَسَاتَ وَبِنَهُمْ عَنِيْقِ فَجَعَلَ يُفَيِّنُهُ مَ يُخُوعِ السَّوْسَ مِنْهُ -

موسم ہے۔ انس بن مامک نے کہا کہ بن ملی الدّعلیہ ولم کے باس برانی مجورِ الانگ گئ تواثب اس کی فورسے نفسیش فرانے مگے ناکراس میں سے میڑادا اگر موزنوخ کا اس دابن ما صب بار نے کا ہون دفعہ کڑا اُگ حابات ، صب غلبہ ظن موتواس کا کھا آ جائر نہیں کیؤ کہ دو تو تیجی مُعکنی فر اُلخب مُیٹ کی رُوسے وہ کیڑا خبدیث ہے۔ ہاں!اگر صرف خیال موکہ شا کہ میڑا بوگا تود کھے معال سر اور کھا اُ جائز نہ سر

مرمه حكى نَنْكَ الْحُدَّةُ مُنْ مُنْكَ يَتْ مِنْ اللهُ مُنَاكَةُ مُنَاكَةُ مِنَاكَةُ مُنَاكَةُ مُنَاكَةُ مُنَاكَةُ مُنَاكَةُ مَنَاكُمُ مَنْكُم مُنْكُم مُنْكُم مَنْكُم مُنْكُم مَنْكُم مُنْكُم مَنْكُم مَنْكُم مَنْكُم مَنْكُم مَنْكُم مَنْكُم مَنْكُم مُنْكُم مُنْكُ

نوجمہ،۔ اسحاق بن عدالت بن الب طلحہ نے کہا کہ نبی ملی الدّعلیہ وسلم سے پاس تھجولائی جاتی حس ہیں کیڑا ہوتا اٹنے مجراکس نے اور کی مدیث کی طرح بیان کی ریہ مدیث نرسل ہے ،

بَأْسِينُ الْإِخْرَانِ فِي النَّمْرُ عِنْدَ أَلَا كُلِّ

ركمان وقت مجوري بالم طلف الباب مه المنظمة وكالمنطاق المن فضيل عن افي المتحاف المحام المسلم عن المنطاق المنطاق

ترجمه ان عمر نے مهاکه رسول الله صلی الله علیه و کم نے لینے سامتیوں کی اجازت سے بخر کمجوری ملاکر کھانے سے منع فرایا رسی ایک ایک سے مجائے مثلاً دود دکھا ما تنروع کر دے تو بیر من اور حق تعنی پردلانت کرتا ہے طبران کی تعین اورا حادیث کی ناد پر بہمکم اس وقت ہے جبکہ ممجور کی ملت ہویا دوسرے ساتھ اسے تالپ ندکریں بناری متم ، ترمذی ، ابن ماج ، کی میں بیر بہمکم کی البحد میں وسر المقانی اسٹ میں عین الرحصی ل

ر دونسم کی چیزی کھانے ہیں جج کرنے کا باب سہ

وسمس حكانك حفض بن عُمَواللَّهُم يَ فَالْ نَا إِبْرَاهِ بِهُم بَنُ سَعُواعَن إِبِهِ عَن

سنن الى دا وُد جديم عَبْدِاللَّهِ بْنِ جَعْفِي أَنَّ النَّبِيَّ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ كَانَ يُأْكُلُ القِّفَاءَ بِالرُّطُبِ-ترجم، رعدالتدين صفرن كه كررول التدهى الترعليه ولم ككرى كونا زون كمورك تفكمات تعدر كارى بملم - ترمكى، ، مترح برانس مدین سے لقدر صرورت اور تبغا ضائے موقع و محل ایب سے زبادہ چیزی تھانے کما جواز ایت ہوتا سط و اس ميكوئى اخلات نبى سے ر سرم سركى افغان سوم بى كارنى ئى كى بىر ناكبۇ اكسام نزكى نىڭ ھىشام كى كاردى كا

ٱبِبِبرِعَنْ عَائِشَنَهُ فَالَتْ كَانَ رَسُولُ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ كُلُ الْبَطِيْحُ بِالرَّكُمْب فَبَقُولُ يُكُسُرُ حَرُهُ لَا اَبُرُدِهُ لَا اَكْبُرُدُهُ لَا اللَّهُ الْمُعْدُدُهُ لَا إِبْحَرِدُهُ لَا ا

تنرجمه : سيفرن عائشرمن الدُّعنها سنفرا يكررول الدُّمني الدُّمني الدُّمني فريونسي كوهمجوري تفركوا نه تعا وفرات تقے کہ ہم اس کی گرمی کواس کی شنڈک سے اوراس کی شنڈک اس کی گرمی *کے ا*س نتے کم کرتے ہیں ۔ زنریڈی ، نسانی م گرم سع مرا ومحورا درسسر دسے ارفرادرہ ہے۔

سهر على نَنْنَا مُحَدُّكُ أَبُن الْوَزِيْرِحَدَّا نَنْنَا الْوَلِيْكُ أَنْ صَرْبَيْكَ الْأَلْسَمِعُتُ ابْنَ جِابِرِفَالُ حَدَّ تَنِي مُسَكِيمُ بُنُ عَامِرِعَنِ ابْنَى تُسْرِللسُلْمَيْنُنِ فَالا دَعَلَ عَلَيْنَا رُسُولُ اللهِ صَلَى اللهُ عَكِبُ رِ وَسَلَمَ فَقَدَّ مَنَا ذَبِدُ اوْ تُمُراوكان بُحِبَ الذَّبَ كَا وَالتَّهُمَ تشرچمبرہ۔عبدالنَّدُ بنسر کمی اورعطیۃ بن ائر سمی کے کہا کہ رسول النَّرصلی النظیروسم سما رہے ہاں تسرِّلین لائے توسم نے تعلق اور محجور پیش کی ۔ اوراَثِ معن اور محجور کوکسپندفرط تے تعصے ربعنی وونوں کوملا کمرکھا یا نالپندتھا ۔ ابن ہم جر

مَا صُ فِي إِسْتِعَالَ إِنِيَةِ أَهَلِ النَّهِ الْمُ النَّالِ النَّالِيَةِ الْمُلْكِ النَّهِ الْمُل

ر المي كتاب كرين السنول كرنے كا باب نهى، سرس مرسود كسى ننت اعتُمان بن أبى شَيْبَكة قَالَ نَاعَبُدُ الْإَعْلَى وَاسْمِعِيْدَ لُعَنَ بَدُدِ بَنِ سِنَانِ عَنْ عَطَاءِعَنُ جَابِرِفَالَكُنَّانَغُنُ وَامَعَ رَهُولِ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَوَ وَيُصِبِبُ مِنْ إِنِيرِ الْمُتُمِرِكِيْنَ وَأَسْقِيبِهِ مُوفَنُسُنَمْتِحُ بِهَا فَلَا يَعِيبُ ولِكَ عَلَيْهِمْ-

تمریخمہ :۔ حابرٹُنے کہاکہ ہم دسول الندُصلی النُّدعلیہ وہم سے اللہ مہوکرہا دکرتے تقے تومشرکوں سے برّن اورشکیں مال غنمست میں بانے اوران سے کام بیستہ تھے ، دسول النّد علیہ دسلماس ، کرسی سے مجھ دیز کہتے تھے واپس کی وضاحت

الگی مدیث میں آتی ہے ۔

مهر المراد حكا نشأ نَصُرُ بُن عَاجِمٍ نَا عُحَدَّ لَا بُن شَعِبَ فِي قَالَ أَنَاعَبُ كَاللّٰهِ بُنِ الْعَكَاءِ ابْنِ زَبِرِعَنُ آبِی عُبَیْدِ اللّٰهِ مُسُدِمِ بُنِ مِشْکِمْ عَنْ آبِی تَعْلَبُ آلْخُشْنِی آنَ کَه سَأَلَ رَسُولَ اللّٰهِ صَلّی اللّٰهُ عَلَیْهِ وَسَلَّوْقَ الْهِ اللّٰهِ مُسُولُ اللّٰهِ صَلّی اللّٰهُ عَلَیْهُ وَسُلَّمُ اللّ وَیَشْمَرُ بُونَ فِی ان این مِ مُولِدَ مَرَ اللّٰهِ مُسَالًى اللّٰهُ عَلَيْهِ وَسَلّمَ اللّٰهُ وَسَلّمَ اللّ مِوْمِ وَ رَدِي مِنْ مِنْ مِنْ مِنْ مَا مَنْ مَرْ مَنْ مَا مَنْ مَا مَنْ مَا مَا مَا مَنْ مَا اللّٰهِ مَنْ مَن

تُحَكُّوْ إِنِيهُا وَالْمُنْ مُنْ وَالْحَالِينَ مُعَقِّحِ مُ وَاغَيْرُهَا فَالْحَصُوهَا بِاللَّهَ وَكُلُوا وَالْمُسُوبُوا -مُعَمَّدُهِ - الإِنْطِبُ مَشَى فَيْ رَبِولِ النَّهُ عِلِي اللَّهُ عِيهِ وَلَمْ سَفْوال كِيادُ مِ اللَّهَ اللَّ

کو منہ و کہ ابولمنہ میں کے رون امندی اللہ جیروم سے وال بیادیم ہم مات بیر مورے ہی رہاں ہے ہی رہے ہی۔ ہم باان کے مہان ہم تے ہم) اور وہ اپنی ہاند اول میں خنز مریکا ہے ہی اور رتبوں میں ننزاب بیننے ہیں یسب رسول اللہ ملی التہ طریق میں نفر میں اس میں اس بار توان میں محاور میرکی ۔ اوراکسا ور رتب نہ ملی توانہ ہم بی سے مساف کرلوا ور ان میں محاور کو رسماری میسلم ترمیزی ، اس مان میں م

ترق : مطلب بیمواکردید است موکرمشرک ان برتوں می خربر کیا نے اور تراب بیتے ہی تو بہتر ہی ہے کہ اور برت استعال سیرمائیں اور مرشرکوں سے ترنوں کو استعال نہ کیا جائے ،اگر برتن علنے کمن نہ موں تو معربی کے مان کرنے سے لوائی کو استعال میں لایا جائیں ہے جہاں کک ان کپڑوں اور بانی کا سوال ہے تو اگر وہ کوئی انسی قوم ہے جو علاطنوں سے پرسز مرکم تی بال کی عادت موکم میٹیا ہے استعمال کرتے ہوں۔ ہند و لوگ کائے کا بیٹا ہے،استعمال کرتے ہیں اور مقدش جانتے ہیں کا انتہا کیا جائم

> بَالِيْ فِي دُواتِ الْبَعْرِ، سندر كه مازدن مایات به

تُنُاعَى الْعَنْ الْمُ الْمُنْ اللّهِ مَا اللّهُ مَا اللّهُ اللهُ الله

رسول التُرصل التُرعليدولم كوهبيا تؤاكي سفي كما ما - رمستم، سَافي م

باسك في الْفَارَةِ تَقَعُ فِي السَّمَنِ

ر بوبالگرگی س گرمائے کا اب ۲۷)

٣٨٣٧. كَتَّاتُكُمْ مُسَكَّادُ فَالْ نَاسُفَيَانُ قَالَ نَالُسُفَيَانُ قَالَ نَالُدُو مِنَّ عَنُ عَبَيْ لِاللَّهِ بِنِ عَبْ لِاللَّهِ بِنِ عَبْ لِاللَّهِ بِنِ عَبْ لِاللَّهِ بِنِ عَبْ لِاللَّهِ بَيْ عَنْ مَنْ مُنْ مُنُ مُنُ مُنُ كُونَ مَا ثَوْفَاتُ فَى سَمَيْنِ فَا خُوبِرَالنَّ بِحُى مَسِلَى اللَّهُ عَلِيْ لِهِ الْحَالَ اللَّهُ عَلَيْ لِهِ اللَّهُ عَلَيْ لِمُ اللَّهُ عَلَيْ لِمُ اللَّهُ عَلَيْ لَهُ الْحَالَ اللَّهُ عَلَيْ لَهُ الْحَالَ الْمُنْ الْمُؤْلِمُ الْحُولُ اللَّهُ الْحُولُ اللَّهُ عَلَيْ لَهُ الْحَالَ الْمُؤْلِمُ الْحُولُ اللَّهُ الْمُلْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُؤْلِمُ اللَّهُ الْمُؤْلِمُ اللَّهُ الْمُؤْلِمُ اللْمُؤْلِمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُؤْلِمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُؤْلِمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُؤْلِمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُؤْلِمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُؤْلِ

ترجمہ :۔ میمونہ ام الموننین نے فرا کی کہ ایک۔ بچ ہا تھی میں گرگیا تورسول الٹرصلی الٹرعلیہ دسلم کوتنا یا گیا۔ فرما یادو اس کے اروگرد کو بیبنیک دواور گھی کھالا ارمجآری ، ترمیزی ، نسآئ) نسائی کی ایک ردابیت میں سے ،کدھی عباسوا نسا - مجاری کی ایک روابیت میں ہے کہ وہ گرکرمرگی نما ۔اگلی حدیث میں دخاصت ہے ۔

ترجمہ: رابومر نمرہ نے کہاکہ رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم نے فراہ و مصب ہی ہی بی گرما ہے تو اگر گھی عا ہوا ہوتو ہو اوراس کا اردگر و میں یک دواورا گر گھی مگیمیلاموا ہوتو اس کے قربیب مست ساؤ رسترمذتی ہنے اسے تنبینیا ذکر کی ہے اور عیز محفوظ مفہ ایا ہے) اس حدیث کی دوسری سند ہی ترمذی کی دوایت عبیلاللہ کئی عداللہ عن اس عابش عن مہولہ عن امنی صلی اللہ علیہ وسلم سے ۔

تشرح بر مولاً المنظم الكراس دريث سے اكب نقتى مسئد يه معلوم بواكر حب نماست كے دفوع كا وقت معلوم مذ بوتو يول سرم سمع حابث كاكروه العج كراہے ركونكر به تومعلوم خرب كرا تعالى و بالحرات اتو عام واتعا با بكيلا موا يا سكن بين نغا

مروس. كلى نَكُ احْمُ كُابُن صَالِحٍ نَاعَبُى التَّرَ وَانِ قَالَ اَ نَاعَبُى الدَّرَ حُمْنِ بَى عَبُ الدَّرَ عَلَى اللَّهِ عَنْ عَبُ اللَّهِ عَنْ اللَّهِ عَنْ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى الْمُعْمَالِ اللَّهُ عَلَى الللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى الللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى الللِّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى الللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى الللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى الللِّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى الْكُولِي اللَّهُ عَلَى اللْمُعْمَالِمُ اللَّهُ عَلَى اللْمُعْمَالِمُ اللْمُعْمِلِي اللْمُعْمِلِي اللْمُعْمِلِي اللْمُعْمِلِي اللْمُعْمِلِي اللْمُعْمِلِي اللْمُعْمِلِي اللْمُعْمِلِي اللْمُعْمِلِي اللِمُ الْمُعْمِلِي اللللْمُ اللْمُعْمِلِي اللْمُعْمِلِي اللْمُعْم

يَأْشِكُ فِي النَّاكِ السِّيعَةُ عُونِ الطَّعَامِ

(باب ۸۸ میل کوانے بس مکتی گروائے)

٣٨٣٩ حَدًّا نَتُنَا أَحُمُكُ إِنْ حَنْبَلِ قَالَ نَا بُشَرَّيَعِنِي إِنْنَ الْمُفَصِّلِ عَنِ ابْنِ عَجْ لَاتَ عَنْ سَمِينُ إِنْ الْمُنْفَارِيِّ عَنْ إَبِي هُمُ يُرِدَةَ قَالَ قَالَ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَكِيبُ وسَكُوإِذَا وَقَعَ التُّهُ بَابُ فِي إِنَاءِ اتَّحِيكُمُ فَاهْ لَكُوهُ فَإِنَّ فِي ٱحَدِيجَنَا حَيْبِهِ دَاءٌ وَفِي ٱلأَخْرِيشَ فَاءً وَإِسَّ فَا يُتَّقِى بِجَنَاحِهِ الْسَنِي فِي فِيهِ السَّامُ فَلْبَغُمِسُهُ كُلَّهُ -

نر بھر : - الوحر ٹیرو نے کماکہ رسول الڈ صلی النّد علیہ وہم نے فرمایا ^{دو} حب سکمی تم میں سی*کسی کے برق مل گرے تو*ا مسے ڈ لوڈ کیونکہ اس کے ایک ٹیریں جاری اور دوسرے میں شفعا ہے اور وہ اس ٹیرکوڈ نو کمبر بنی جا ستی ہے جس میں بھاری سے اس ساری کو دور انجاری ، ابن آجہ، نسانی، اور ابن آجہ نے اسے اوسٹیر فدری کی روایت سے مجی

تترح : - صریطی تعین سے برات رق تابت مولی سے ۔ نظامراس مدیث میں بواری اور شفا محقیقت سے ہی محملی مں اوراس کے می اورنٹوا مدمی موہود ہیں مثلا شہری مکنی کے بیٹ سے نتہد سے نکلٹا ہے گراس کے ذبک ای زمرے مکمی کے گرنے ملکم مرحابے سے تھی کھانا یانی نجس تہیں موتا۔ مروہ کیٹرا مکوٹراحس میں بہتا ہوا خون مذہو اس كانبي كنم سب مثلاً زنبور، تينيكا ، مجبر وغبره

ما ويُ في اللَّفَ جُنَّةِ تَسْقُطُ

محر ط_نردا<u>نے کقمے کاماب وہ</u>)

.٣٨٣. كِتَكَانَتُ أَمَوْسِي بُنُ إِسْلِغِيلَ قَالَ نَاحَمُّ أَذَّعَن تَابِبِ عَنْ أَنْسِ بُنِ مَالِحٍ كَتَّ رَمِينُولَ اللهِ صَلَى اللهُ عَكِيْبِهِ وَسَلَّعُ كَاكِ إِذَا أَكُلَ طَعَامًا لِعَقَ اَصَابِعَهُ التَّلُتَ وَخَالَ إِذَا سَفَطَتْ لُقُمَّةُ أَهَدِيكُمُ فَلْيُمُطِعُهُا الْأَذَى وَلَيَا كُلُهَا وَلَابَدَا عُهَا لِلشَّيُطِين وَإِمْرَنَا أَنُ نُسُلِتَ الصَّحَفَةَ وَقَالَ إِنَّ احَكَاكُمُ كَالُونُ فَي أَيَّ طَعَامِه مِيَا لِكُلَّهُ -وجميرة - النس بن ماکب سے روایت ہے کہ رسول النّہ صلی النّہ صب کھانا کھانے تواین نین انگلیاں جا ط پیتے نے فرما کا رویب تم میں سے مسی کا نقر کر حاہے تواس سے مگی موٹی چیز کو ڈور کر دے اور اسے کھالے

سنن إلى داؤد جلدته

ا در شیان سے بیے نہ چوڑ دے ،ا مدائٹ نے مہن حکم دیا کہ مربن کوصات کریں اور فرما یکہ تم میں سے کسی کومعلوم مہنی کی کون سے کھانے میں مرکت ہے۔ درمتم، ترمذی ، ن کئی)

تشرح : - مولانا محمر محلی نے ضرا ماکم محالے کے تین صفے ہوئے ایک دہ ہو کھا گیا ، دور اوہ جو انگلیوں سے جیط گیا ، تیبراوہ تو مرتن کے انفرنگا رہا ہیں چو کہ معلوم منہیں کم مرکبت کس تخریمی متی للذاان تمنیوں کواسنعال کرور

بَانِ فِي الْحَادِمِ مِاكُلُمُ مَا الْمُولَى (عادم كَ الْمُكَالَةُ كُلُولُ اللّهُ كَالِي مَا الْمُولَى اللّهُ كَالِي مِنْ اللّهُ كَالِي مِنْ اللّهِ اللّهِ

ا٣٨٣٠ حكانك القَعْنَجِيُّ قَالَ نَادَ (وَدُبُنُ فَبُسِ عَنُ مُوسَى بِسَابِرِعَنَ إِنَى اللهُ عَنَ اللهُ عَنَ اللهُ عَنَ اللهُ عَنَ اللهُ عَنَ اللهُ عَلَيْ اللهُ ال

ترچمہ: ۔ البحرطی نے کہاکہ ریول الدُّمل الدُّعلیہ وہلم نے فرہ یا در حب تم میں سے کسی کا فادم اس کے بیے کہا نا تبارکرے اور معرارُسے بے کمر کئے اور دہ اس کی گرمی اور دھواک برداشت کر دکیا تن ، لیس اسے اچنے سے تقریمُ جا کرکھلائے ، اگرکھا ا مزمونواس سے باقد پر ایک یا دو لفتے دکھ دے ۔ رمسلم) پر حکم شفقت دانفات اور سنوک کی ایک اعلے مثال بیٹن کر ناہے ۔

يَالِثُ فِي الْمِنْدِيْلِ

ر باب اہ رومال کے بارے میں)

وم مس حس تَنْ الْمُسَدَّدُ قَالُ نَا يَحْيَى عَنِ ابْنِ جُدَيْجٍ عَنْ عَطَاءِ عَنِ ابْنِ عَبَ إِس قَالَ قَالَ رَسُولُ اللهِ عَبِي اللهُ عَلَيْدِ وَسَلَّعَ (ذَا اكَلَ اَحُدَكُمُ فَلَا يَمُسَحَنَّ يَكُاهُ بِالْمِنْدِي يُلِ حَنَّى يَلُعَظُهَا (ويُلُعِظُهَا -

مرجمہ:۔ ابن عابش نے کہا رسول النڈصلی النّدعلیہ ولم نے فرما یا کہ دیب تم ہی سے کوئی کھا نا کھا چکے توانگلیاں میاشتے چٹوانے سے پہلے رومال کے انتقاب تکل نہ پُونچھے د مجاری رستم، ابنّ ما جب ، نسانی ، مسلم کی اکیے حدیث اسی معنمون کی ما تاش سدمی مردی سے ۔

imprentation of the contraction of the contraction

سُرِم ۾ مر . كُمُّ تَنْكُ النَّعَ بُكِي مَا الْمُومُعُ اوِيَةَ عَنْ هِ شَامِر بَنِ عُمُ وَةَ عَنْ عَبُ السَّرَ حُسلُنِ بُنِ سَعُدٍ عِنِ ابْنِ كَعْبُ بُنِ مَا لِلِي عَنْ أَبِيْدِ أَنَّ النَّرِجَى صَلَى اللهُ عَلَيْ رُسَسَةَ وَكَانَ كُاكُلُ بِثَلْتِ اصَالِعَ وَكَا يَمُسَمُ يَكَ ةَ حَتَّى يَلْعَقَهَا -

مرجمہ، کعث بن ماک سے روایت ہے کہ بن صلی الدّعلیہ و کم تین انگلیوں کے ساتھ کھاتے تھے اور انگلیاں مُنہ سے ا صاف کیے بغر رومال استعمال نہ فرماتے تھے ۔ رمسلم ، نریزی، شائ

بَاسِكُ مَا يَقُولُ الرَّجُلُ [دُ اطَعِمَ

ر باب ۵۲ ، کھانے کے لید کہا)

مهم مرس حكى نشك مُسكّادً قال نَايَخِيى عَنْ تُوْرِعَنْ خَالِو بْنِ مَعْدَانَ عَنْ آبِيْ إِمَا مَةَ قَالَ كَانَ رَسُولُ اللهِ مَسَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَسَّوا ذَا مَ فِعَتِ اُلسَائِكَ قَالَ الْحَمْدُ لِلهِ كَشِيْرًا طِيِّبًا مُبَارًا كَا فِيْدِ عَيْرِمَ كُفِيْ وَكَا مُودَعَ وَكَامُ الْعَمْدُ لَمُ عَنْهُ دُرَّنَا ـ

تمرجم، :- الواماً من نے کہا کہ صب دستر فوان اٹھا با جا تا تورسول الند صلی الدّ علیہ دسلم کہا کہ ہے ہے دہ تولیت النّہ ہوئے کے لیے ہے ۔ بہت تولیت ، پاکیزہ ، بارکنت تولیت - النّہ کا بی ہے اور مرکفا مُت سے بے نباز ہے ، اس سے دعاء ترک نہیں کی جاسکتی ، نہ اس سے استفاد ہو سکتا ہے ۔ اے جارے رب ی ربخ رکی ، ترمذی ، ابنَ ماحر ، ابن کی حاصیت منتر کی ہے ۔ اسے کسی کو دیما د ترک کر سے دیا دی مارت میں موسکتا ۔ بندہ مردفت اس کا ممت ہے اور اس سے دعا دُل کی حاصیت مند ہے ۔ وبی فادر زد الحل اسے ۔

مع ١٩٨٨ حكما نَكَ مُحْمَدُن الْعَلَاءِ قَالَ نَا وَكِيهُمُ عَنْ اللهُ عَنْ آبِي هَا شِهِ الْوَاسِطِي عَن آبِيهِ مِعَنَ آبِيهِ مَنَ آبِيهِ مِعَنَ آبِيهِ مِعَنْ آبِيهِ مِعَنْ آبِيهِ مِعَنْ آبِيهِ مِعَنْ آبِيهِ مَن آبِيهِ مَن آبِيهِ مَن آبِيهِ مَن آبِيهِ مَن آبِيهِ مَن آبِيهُ مَن آبَيهُ مِن آبَيهُ مَن آبَيهُ مَن آبَيهُ مَن آبَيهُ مَن آبَيهُ مِن آبَيهُ مِن آبَيهُ مَن آبَيهُ مِن آبَيهُ مِن آبَيهُ مَن آبَيهُ مَن آبَيهُ مِن آبَيهُ مَن آبَيهُ مَن آبِيهُ مَن آبَيهُ مِن آبَيهُ مِن آبِي مُن آبَيهُ مِن آبَيهُ مُن آبَيهُ مِن آبَيهُ مُن آبَيهُ مِن آبَيهُ مِن آبَيهُ مُن آبَيهُ مِن آبَيهُ مُن آبُن مُن آبُن مُن آبَيهُ مُن آبُن أبَا مُن آبُن أبُن مُن آبُن مُن آبُنُ مُن آبُن مُن آبُن مُن آبُن

ترجیمہ: ۔ ابوسٹیرفدری سے روامیت ہے کرسول النّصلی النّدعید وسلم حب کولتے سے قارع موتے تو کہنے دو تعرفیت اسی النّدسی کی سیحس نے سمب کھلا با اور بیایا ، اور سلم تبایا ۔ رئٹرمذی ، نسانی)

and distributed and additional and a contract of the contract

٧٧ م٧٠ حكى ثن المخمك بن صالح قال حَدَ الن و هُب قال الخبر في سَجِهُ كُا بَن الْمُ وَهُب قَال الْخَبَر فِي سَجِهُ كُا بَن الْمُ اللهِ عَن الْمُ الْمُ الْمُ اللهِ عَنْ اللهِ اللهُ ا

ترجمہ و۔ ابوابوب الفائری نے کہا کہ رسول الندصی الدُوسلم صب کھاتے بیتے نوفز استے دو تعرلف النّدسی کے بیے ہے تحسب نے کھلایا بلاِ یا اورٹوش گوار نا یا اوراس کے بیلے نسکلنے کی راہ نبائی دنسائی) کھانے سے گزاد نا اور ہیج فضلہ ہم زمکان یہ بھی النّد نغانی کا فض وکرم ہے ۔

بَاسِينُ فِي عَسُلِ البِيامِن الطَّعَامِر

(كه كرم تقد دهون كاباب ساه)

عهم ١٠٠٠ كَلَّى الْمُكُنَّ الْمُكُنِّ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَا اللهُ عَلَا اللهُ عَلَا اللهُ عَا اللهُ عَلَا عَلَا عَلَا اللّهُ عَلَا اللهُ عَلَا اللّهُ عَلَا اللّهُ عَلَا اللّهُ عَلَا اللّهُ عَلَا اللّهُ

تر جممہ: ۔ الوهر تربی نے کہا کہ رسول الند صلی الند علیہ دسم نے فز ما یا دو ہو تنخص سو کی ا دراس کے باتھ میں کوشت کی عینا بہت اور نو تنبو ہوا وراس نے ندو ویا ہو، میراسے می موذی چرنے نے آبیا تو دہ اپنے سوا ادر کسی اور کو مرکز ملامت مذکرے اس ماح الم ابن ماجی کا ترمذی کم بوکہ عینا مرط پر حیویٹ بال کم طرے مکوڑے اور نہ بے جانور اکر اسے نفتیان بہنچا بیس گئے۔ یہ اکس کی مے احتیاطی کا تیمہ موگا ۔

بَاسِفُ فِي السَّمَاءِ لِرَبِّ الطَّعَامِ

ر حب کے یاس کوا اکھائے اس کے لیے دعا کا باب مھ)

مهمه حسّا ثُنَا عَن بَرْبُ بَنَ بَشَامِ قَالَ نَا بَوُ اَحْمُ لَا قَالُ نَا سُفَيَانُ عَن يَرِبُ بَنِ أَنِي اَلْ اَبُو اَحْمُ لَا قَالُ فَا سُفَيَانُ عَنْ يَرِبُ بَنِ اَلْهِ اَلْمُ اللّهِ اللّهُ عَلَيْهِ وَسَلّمَ وَاللّهُ اللّهُ اللّ

عَلَّتَا فَرَغُواْ قَالَ اَ فِيْبِوْا اَخَاكُمْ فَالُواْ بِيَارَسُوْلَ اللهِ وَمَا اَ فَا اَبْدُهُ قَالَ اِنَّ التَّحْبُلَ إِذَا دَخِلَ بَيْثُهُ ذَنَّ كِلَ طَعَامُهُ وَشُهِ رِبَ شَمَابَهُ فَدُعُوْلَ لَسَهُ فَذَا لِكَ اَحْبَابُكُمْ

تترجمہ، وہ بربن عبدالند نے کہا کہ الوا کہتیم ن انتہاں نے بن صلی الدّعلبہ دسم سے لیے کھانا تبارکدایا، بواس نے بی صلی اللّه علیہ دسم اوراً ہے سے امعاب کو کابا مصب کھانے سے مارع ہو گئے توصعور نے نروایا 'د اپنے مجانی کورلہ دو، کوگوں نے کہا یا رسول اللّه صلی اللّه علیہ دسم مدارکیا ہے م فرمایا 'د حب کسی سے گھر جائی، اس کا کھائی کھائیں اوراس کا بانی بیٹی معراک کے بیے دعاکریں نویراس کی مزائے ۔

٣٩٢٩ حَلَيْنَا مَعْمُنَ عَنْ خَابِتِ عِنْ أَنْسِ إِنَّا لَنَبِّ صَلَّةً اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّهُ حَاءً اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ اللهُ عَمَا اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ اللهُ عَمَا اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمُ اللهُ عَمَا اللهُ عَمَا اللهُ عَمَا اللهُ عَمَا اللهُ اللهُ عَمَا اللهُ اللهُ اللهُ عَمَا اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَمَا اللهُ عَمَا اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَمَا اللهُ عَمَا اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَمَا اللهُ اللهُ عَمَا اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَمَا اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَمَا اللهُ اللهُ

تشریحمہ:۔ انس طسعے روایت ہے کہ نی ملی الٹیطیروسلم سکٹر ب عبارہ کے بال نشریعت سے گئے ہے۔ سپ وہ روقی اور روغن زمیمان لایا، اورصور نے کھانا کھایا ۔ میعرنی ملی الٹیطیروسلم سنے خرایا و ننہا رہے باس روزہ واروں نے افطار کر، اورتہ ہا کہ کھانا نیکوں نے کھایا اورفرظتوں نے تم میر رحمت کی وعامی ۔

بَالِّكُ تَتُوالْعَجُولِ

(عجوه كمجوركاباب ٥٥)

مهر مسلم مسلم مسلم المسلم الم

CLUBECOLOCOLOCLOCLOCCOCCOCOCON AND MANAMANAMANAMANAMANAMANAMANA

مرجمه، و الوالعثدادت كماكرسول الدُصلى الدُّعليه وسلم في فرايان الدُّنّائي في سنة على كا وردوا آمارى اورمراي برى كى دوا نبائى ـ بس تم ددا استعال كي كروسكن حرام كي تعطلاح مت كرو ـ رحولاً افي فرما يكم عنوان اورورث كذب العلب مِن مَى آمَة كى ـ الوواوُد كي مهت سے نسخة ميں به حريف بهاں موجود نہيں ہے،

بَاهِ مُاكَمُ يِنْ كُرِينَ كُرِينَهُ

ر ماب ۵۹ جن جزول کی ترمیم مذکورتنهی)

٣٨٨٥ مَنْ عَنْ عَنْ عَنْ عَنْ وَيُنَامِ عَنْ أَي الشَّفَتَ الْحَيْ الْنِ عَبَاسٍ قَالَ كَانَ الْمُ الْمَالِيةِ الشَّكِيّ عَنْ عَنْ عَنْ عَنْ وَيُنَارِعَنْ أَي الشَّفْتَ الْحَيْ الْنِ عَبَاسٍ قَالَ كَانَ الْمُ اللَّهِ اللَّ يَا كُلُونَ اللَّهُ اللَّهُ عَنْ عَنْ عَنْ وَيُنَارِكُونَ اللَّهُ يَا عَنْ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّ وَا نَذَلُ كِتَ اللَّهُ وَا حَلَّ حَلَا لَهُ وَحَرَّمَ حَلَا مَهُ فَمَا حَلَّ فَلُوعَ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ فَعُوحَ وَاللَّهُ اللَّهُ وَا حَلَّ حَلَا لَهُ وَحَرَّمَ حَلَا مَنْ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهُ اللل

تمرهمه برسان معبی نے کها کوال البیش کچھیزیں کھاتے اور مین کو ناپ ندکر کے ترک کر دیتے رسی اللہ لقائی نے اپی نبی صلی الندعیر وسلم کو بعیا اور اپی کتاب آباری اور لین حال کوطال اور حرام کو حرام نظرابا یہ سبی ہواس نے حلال کیا، وی حلال ہے اور وی کھی اس نے حرام فر وایا وہ حرام ہے ، اوح ب سبے دہ خابوش رہ وہ معان ہے ۔ اور ابن عبار شن نے بہ آبیت بڑمی ہم میں اپنی کھی میں مور کسی کھانے والے کے بینے ہمیں یا نا مگر آنی ۔ سورۃ الا لغام ۔ ۱۵ مرا واس کا یہ مطلب مرکز تبہی کم جن جیزوں کورول التد میں التد علیہ و مم نے حرام قرار دیا ہے ، وہ حرام نہیں ہیں ۔ وی سے داد دونوں قسم کی وی ہے دینی کم جن جیزوں کورول التد میں التد علیہ و مم نے حرام قرار دیا ہے ، وہ حرام نہیں ہیں ۔ وی سے داد دونوں قسم کی وی ہے دینی

اله ١٨٠ حَلَّ ثَنَّ مُسَدَّدُ قَالَ نَا يَخْيِ عَنْ ذَكِرِيّا قَالَ حَدَّى عَامِرُعُنْ خَارِجَةً ثِنِ السَّلْبَ التَّبِينِي عَنْ عَبْهِ اتَّهُ الْكَارِسُولُ اللهِ صَدَّا اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ فَاسْلَمَ شَمَّا قُبَلُ مَا جِعًا مِنْ عِنْدِهِ فَمَرَعَظِ قُوْمِ عِنْدَهُ صُورَ حُبِلُ مَجْنُونُ مُوْتُنَى بَالْحَدِيدِ فَقَالَ اصْلُهُ اتَّ حُلَّ تَنَا اللهُ صَاحِبُ كُوطِ فَلْ اللهُ مَا حَبُي فَصَلَ عِنْدَ لَكَ اللهُ عَنْدُ الله عَنَى اللهِ مِنْ اللهُ الله مَنْ اللهُ مَنْ اللهُ مَنْ اللهُ مَنْ اللهُ مَنْ اللهُ مَنْ اللهُ عَنْدُ اللهُ مَنْ اللهُ ال

أَمْأَ تَيْسُتُ رَسُولَ اللهِ صَلَّ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ فَأَخْيَرُتُهُ فَقَالَ هَلَ إِلَّا هُذَا وَ تَالَ سُكَةً دُ فِي مُوْظِعِ الْحَدَهَ لُ فَعُلْتُ غَيْرَ هَاذًا قُلْتُ لَا قَالَ خُنْ هَا فَلَعَدُويَ مَنْ الصَّى لَيْ وَتَيْتُهُ وَبَا طِلِ لَعَنَّهُ أَكُلُتَ بِدُ ثَيْفَةٍ حَقَّ اللَّهِ

توجمه: رخارج بن الصلبت تيمي كما چيا يعول التُدصلي التُدعلية وللم كيرياس كيا وراسلام قبول كيه ديور والسبي بروه اكيسة ومسك یاس گزرات سے پاکس ایک معنون تشخص تغاج لوسے میں حکرا مواقعا ۔اس سے گھر دالوں نے کہا کہ میں تبا یا گیاہے کہ تمہا دوست ابنی صلی التُدعلیه دسلم) فیریے کرآ باسے، سوکی، تبرے یاس کوئی چنرہے حسب سے ساتھ تواس کماعلاح کرے تو دہ کہت ہے کہ میں نے اس پرسورہ فانتحہ سرے کردم کیا توہ ندرست ہو کھائیں اتنوں نے مجھے سو نکبریاں دیں بھیرمیں رسول اللّہ منی التّدعلیہ دسلم سے بیس گیا درآئے کو فردی تو آئے نے فرمایا ''کی تونے سورہ ُ فانتحر سے سوا کچھا ورمی بیرجا نقای مسترورا دی آ ہے۔ مگر کم کر دانونے اس سے سوا می مجھ کہا تھا ؟ میں نے کم اکر منہ ب رفر مایکہ مجر اس سے بو ، والتداور لوگ تو باطل حمیاط بوك سے كمات بن اور تونے براق حافر ميزك سے كوال سے راس كے بنترے سے حال سے!)

٧ ٧٨٠ حَتَن تَنَ كُبَيْنُ اللهِ بْنُ مُعَاذِ قَالَ مَا أَبِي قَالَ مَا شَعْبَ لَهُ عَنْ عَبُواللهِ ابْنِ عَبْدِ اللهِ بْنِ آبِي السَّفَرِ عَنِ السَّعْدِي عَنْ خَارِ جَهَ بْنِ الصَّلْتِ عَنْ عَتِهُ اَتَ لَهُ قَالَ فَرَقَاءُ بِفَا يِعْتَ قِ الْكَتَابِ شَلِكَةَ اَتِيَامِ عُنْ وَقًا وَعَشِيَّةً كُلَّمَا خَتِّمَتَ جَمَّةُ ثِيًّا تَهُ تُحَمِّرُ قَلَلَ نَكَانَتَ نُشِطُ مِنْ عِتَالِ فَأَغُطُوكُ شَاءٌ فَأَتَّى النَّبِيُّ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ ثُمَّةً ذَكَرَمَ عَنَى حَرِيْتِ مُسَدًّا ح الخِرُكِتَابِ الْأَطْعِمَةِ هُ

ترجمہ: - خارج بن الصلت سے جیا نے کہا کہ دہ وب سے ابیب فیسلے برگرزا ، انبول نے کہا کہم ما تمارے یاس کوئی وول ہے ؟ كىمونكر بارے ياس زنجروں ميں كليرا موا ايك مجنون ہے ايس ميں نے سورو كا تحرير عى اوراسے فاتحرا كمات با كا دم کیہ ^بنین د*ن تک صبح دنتام کرتارہ ،حب بھی سو*رہ کا تخر کوختم کر اتوا بنا بعا*ب جمع کر کے اس برمیریک* تا بس اس کا بیرحال مواکر کو یا اسے قبدسے مول دیا گیا ہو سی انہوں نے اسٹے عربای دیں ، بیروہ نی صلی الدّعلیہ دسلم سے پاس گیا دا نخ بجرراوی نے متدد کی مدیث کی مانند مباین کیا بینی گرزشند مریث ک طرح -ئ بالأطُّعُمتِمام موني _

فىصل المعبود شرح سن إلى داؤد جلدجهارم عثم بركي.